



समय की मांग  
के प्रति प्रतिबद्ध

# नेट जीरो

वर्ष 2038 तक  
स्कोप-1 और स्कोप-2

एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट 2023-24

ओएनजीसी में, हम समझते हैं कि संधारणीय विकास समय की मांग है। यही कारण है कि हम वर्ष 2038 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के समयबद्ध लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि जैसे—जैसे हम राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा के लिए पारंपरिक ऊर्जा का स्रोत जारी रखते हैं, वैसे—वैसे हम नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। ऊर्जा क्षेत्र में यह परिवर्तन राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है।





“ भारत की ऊर्जा क्षेत्र की रणनीति चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। प्रथम, घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में वृद्धि; द्वितीय, आपूर्ति का विविधीकरण; तृतीय, जैव ईंधन, एथेनॉल, संपीड़ित बायोगैस और सौर ऊर्जा जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विस्तार; और चतुर्थ, इलेक्ट्रिक वाहनों और हाइड्रोजन के उपयोग के माध्यम से डी-कार्बनाइजेशन। भारत इन सभी क्षेत्रों में तीव्र गति से प्रगति कर रहा है। ”

— नरेन्द्र मोदी  
प्रधानमंत्री



DNSC

DNSC

## संदर्भ सूचना

संदर्भ सूचना	:	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
सीआईएन	:	एल74899डीएल1993जीओआई054155
पंजीकृत कार्यालय	:	प्लॉट सं. 5ए-5बी, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070
वेबसाइट	:	<a href="http://www.ongcindia.com">www.ongcindia.com</a>
ई-मेल	:	<a href="mailto:secretariat@ongc.co.in">secretariat@ongc.co.in</a>
दूरभाष	:	011-26754073/85

निदेशक मंडल		
<b>पूर्णकालिक निदेशक</b>	<b>सरकार नामित निदेशक</b>	<b>स्वतंत्र निदेशक</b>
1. श्री अरुण कुमार सिंह, (अध्यक्ष एवं सीईओ) 2. श्री ओम प्रकाश सिंह, निदेशक (प्रो. एवं क्षे. से.) 3. श्री पंकज कुमार, निदेशक (उत्पादन) 4. सुश्री सुष्मा रावत, निदेशक (अन्वेषण) 5. श्री मनीष पाटील, निदेशक (मानव संसाधन) 6. श्री विवेक चं. टोणगांवकर, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ	7. श्री प्रवीण मल खनेजा	8. श्री श्यामचंद घोष 9. श्री वी. अजीत कुमार राजू 10. श्री मनीष पाटील 11. सुश्री रीना जेटली 12. डॉ. प्रभास्कर राय 13. डॉ. माधव सिंह
कंपनी सचिव		
श्री रजनी कान्त		

लेखा-परीक्षक	लागत लेखा परीक्षक	सचिवीय लेखा-परीक्षक
1. मेसर्स तलाती एंड तलाती एलएलपी 2. मेसर्स वी. शंकर अय्यर एंड कंपनी 3. मेसर्स लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स 4. मेसर्स मनुभाई एंड शाह एलएलपी 5. मेसर्स जे. गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी	1. मेसर्स राव, मूर्ति एंड एसोसिएट्स 2. मेसर्स एबीके एंड एसोसिएट्स, मुंबई 3. मेसर्स संजय गुप्ता एंड एसोसिएट्स 4. मेसर्स शोम एंड बनर्जी 5. मेसर्स धनंजय वी. जोशी एंड एसोसिएट्स 6. मेसर्स दीवानजी एंड कंपनी	मेसर्स जेएमसी एण्ड एसोसिएट्स

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट	बैंकर
अलंकित एसायनमेंट लि. अलंकित हाउस 4ई/2, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली – 110055 दूरभाष : 91-11-4254 1234/2354 1234 फैक्स : 91-11-42541201/23552001 वेबसाइट : <a href="http://www.alankit.com">www.alankit.com</a> ई-मेल : <a href="mailto:rta@alankit.com">rta@alankit.com</a>	भारतीय स्टेट बैंक  <b>इकिवटी/एनसीडी सूचीकरण</b> 1. बीएसई लि. – इकिवटी एवं एनसीडी 2. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.–इकिवटी

ऋण-पत्र न्यासी
आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड पंजीकृत कार्यालय : एशियन बिल्डिंग, भूतल, 17, आर. कमानी मार्ग, बलाड एस्टेट, मुंबई – 400 001 दूरभाष : 022-40807000 फैक्स : 022-40807080



# विषय सूची

अध्यक्ष का संदेश	06	निगमित अभिशासन रिपोर्ट	197
विज़न और मिशन वक्तव्य	10	निगमित अभिशासन अनुपालना संबंधी प्रमाण—पत्र	221
ओएनजीसी समूह	11	<b>एकल वित्तीय विवरण</b>	
प्रचालनात्मक विशेषताएँ	12	> स्वतंत्र लेखा—परीक्षक रिपोर्ट	223
वित्तीय विशेषताएँ	13	> एकल तुलन—पत्र	243
निदेशक मंडल	14	> एकल लाभ और हानि विवरण	245
10 वर्षों का एकल प्रदर्शन एक झलक में	21	> एकल इकिवटी परिवर्तन विवरण	246
एकीकृत रिपोर्ट	29	> एकल नकद प्रवाह विवरण	248
बोर्ड की रिपोर्ट	66	> एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणियाँ	251
<b>बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक</b>		> धारा 129 (एओसी—1) के अनुसरण में विवरण	385
> पुरस्कार और सम्मान	93	10 वर्षों का समूह प्रदर्शन एक झलक में	392
> धारा 134 (एओसी—2) के अनुसरण में विवरण	95	<b>समेकित वित्तीय विवरण</b>	
> ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण एवं विदेशी मुद्रा अर्जन और बहिर्वाह	101	> स्वतंत्र लेखा—परीक्षक की रिपोर्ट	401
> व्यापार उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट	108	> समेकित तुलन—पत्र	419
> बीआरएसआर तथा आईआर के आशवासन कथन	153	> समेकित लाभ और हानि विवरण	422
> वित्त वर्ष 2024 हेतु सीएसआर संबंधी वार्षिक रिपोर्ट	157	> समेकित इकिवटी परिवर्तन विवरण	424
> सी. एंड ए.जी. की टिप्पणियाँ	168	> समेकित नकद प्रवाह विवरण	427
> सचिवीय लेखा—परीक्षा रिपोर्ट	171	> समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियाँ	431
<b>प्रबंधन विचार—विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट</b>	174		



## अध्यक्ष का संदेश

अरुण कुमार सिंह

अध्यक्ष एवं सीईओ



प्रिय शेयरधारक,

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी/कंपनी) के निदेशक मंडल की ओर से मुझे वित्ती वर्ष 2023–24 के लिए आपकी कंपनी की समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह रिपोर्ट कंपनी के समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रकाश डालती है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था, विभिन्न बाधाओं का सामना करने के बाद, अब स्थिरता की ओर बढ़ रही है। यद्यपि पिछले चार दशकों में सबसे कड़ी मौद्रिक नीति के बावजूद, विकास ने उल्लेखनीय सहनशीलता का प्रदर्शन किया है। जैसे-जैसे वैश्विक अर्थव्यवस्था “सॉफ्ट लैंडिंग” की दिशा में अग्रसर हो रही है और इसमें अधिक स्थिरता आ रही है, यह ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण समय बन रहा है। इस समयावधि में, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता का संतुलन अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है, जो हमें ऊर्जा के नवीन भविष्य की ओर परिवर्तन करने के लिए प्रेरित करता है।

आगामी दशकों में ऊर्जा परिदृश्य में बड़े बदलाव होंगे, और हम एक ऐसे नए युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जो अनंत संभावनाओं से परिपूर्ण है। इस बदलते हुए परिदृश्य में, तेल और गैस जैसे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की भूमिका भी रूपांतरित हो रही है। यद्यपि वे वैश्विक ऊर्जा मिश्रण में प्रमुख भूमिका निभाते रहेंगे, उनके उत्पादन और उपयोग की स्थिरता को बढ़ाने के प्रति ध्यान केंद्रित हो रहा है।

यह आवश्यक है कि संधारणीयता, ऊर्जा सुरक्षा और सस्ती दरों के बीच सामंजस्य स्थापित किया जाए। यह सुनिश्चित करते हुए कि एक क्षेत्र में

प्रगति सभी तीनों में उन्नति को बढ़ावा देगी, इन सभी आयामों में समाधान को समाहित करना चाहिए। आगे का मार्ग चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह अवसरों से भरा है। हमें विश्वास है कि आपकी कंपनी ऊर्जा संक्रमण की जटिलताओं को कुशलता से पार कर सकती है और बदलते ऊर्जा परिदृश्य में एक अग्रणी के रूप में उभर सकती है।

आपकी कंपनी के प्रयास केवल उत्सर्जन को कम करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारे हितधारकों के लिए मूल्य निर्माण और आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा सुक्ष्मा सुनिश्चित करने के भी हैं। इसके अलावा, हमारी निवेश रणनीति ऊर्जा संक्रमण के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाती है। हम अपने निम्न-कार्बन ऊर्जा व्यवसायों का विस्तार कर रहे हैं, जबकि देश को आज की जरूरत की ऊर्जा प्रदान करना जारी रखते हैं।

भविष्य के दशकों में, भारत की ऊर्जा मांगों में तीव्र वृद्धि की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय कंपनियों, विशेषकर ओएनजीसी, पर भारी जिम्मेदारियां आ जाएंगी। ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों के माध्यम से अपनी क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सर्वथा तैयार है। इसने 07 जनवरी, 2024 को बंगल की खाड़ी के टट पर स्थित गहरे पानी के केंजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 ब्लॉक के ‘एम’ क्षेत्र से ‘फर्स्ट ऑयल’ प्राप्त कर एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की। दूसरी महत्वपूर्ण सफलता तब दर्ज की गई जब भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 02 मार्च, 2024 को ओएनजीसी के कृष्णा गोदावरी डीप वॉटर ब्लॉक से ‘प्रथम क्रूड ऑयल’ टैकर, ‘स्वर्ण सिंधु’, को प्रस्थान हेतु हरी झंडी दी। इस परियोजना के उच्च



उत्पादन स्तर पर, भारत के तेल और गैस उत्पादन में 7% की वृद्धि की संभावना है। आपकी कंपनी को उम्मीद है कि इस फील्ड से समुद्र के नीचे बिछाई गई नई पाइपलाइन के माध्यम से बहुत जल्द ही अभितटीय सुविधा तक गैस प्रवाहित होगी।

आपकी कंपनी ने महानदी अपतट के गहरे समुद्र में ओएलपी ब्लॉक एमएन-डीडब्ल्यूचपी-2018/1 में दो नई संभावनाओं 'उत्कल' (एमडीडब्ल्यू-27) और 'कोणार्क' (एमडीडब्ल्यू-26) की खोज की अधिसूचना जारी की है। इस सफलता ने महानदी गहरे समुद्र क्षेत्र में अन्वेषण गतिविधियों को पुनर्जीवित किया है और आगे की शोध के लिए व्यापक क्षेत्र खोल दिया है, जिससे हाइड्रोकार्बनों के व्यावसायिक दोहन का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अतिरिक्त, बोकारो में कोल बेड मीथेन (सीबीएम) ब्लॉक से 1,70,000 एससीएमडी गैस उत्पादन की शुरुआत ओएनजीसी की भारत के सीबीएम क्षेत्र के विकास में प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वित्तीय वर्ष 2024 में, हमारे मुख्य अन्वेषण और उत्पादन कारोबार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसमें सकारात्मक रिजर्व प्रतिस्थापन और महत्वपूर्ण खोजें सामने आई हैं। आपकी कंपनी ने अपने परिचालन क्षेत्र में 11 नई हाइड्रोकार्बन खोजों की सूचना दी है, जिनमें 6 खोजें अभितट और 5 अपतट शामिल हैं। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान 7 हाइड्रोकार्बन खोजों का सफलतापूर्वक व्यवसायीकरण भी किया गया है, जिसमें उसी वर्ष अधिसूचित 3 खोजें भी शामिल हैं।

भारत में ओएनजीसी द्वारा संचालित क्षेत्रों से 2पी भंडार के संबंध में भंडार वृद्धि 45.20 एमएमटीओई दर्ज की गई। घरेलू क्षेत्रों (संयुक्त उद्यम शेयर को छोड़कर) से भंडार प्रतिस्थापन अनुपात (2पी) 1.15 था। ओएनजीसी ने लगातार 18वें वर्ष एक से अधिक का भंडार प्रतिस्थापन अनुपात (2पी) प्राप्त किया। भारतीय तलछठी बेसिनों की खोज और विकास में हमने अपने प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। भारत के बेसिन, जोकि अन्वेषण के अधीन हैं, महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। हमारी 'भावी अन्वेषण रणनीति' के तहत, आपकी कंपनी ने वर्ष 2025 तक 500,000 वर्ग किमी क्षेत्र को सक्रिय अन्वेषण के तहत लाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अंतर्गत, खुली क्षेत्र लाइसेंसिंग नीति (ओएएलपी) ब्लॉकों में कुल 671.82 एकलकेएम 2डी और 6140.28 एसकेएम 3जी भूकंपीय डेटा संकलित किया गया है।

आपकी कंपनी ने अप्रचलित संसाधनों से भंडार की संप्राप्ति और समेकन हेतु नए और सीमांत क्षेत्रों में व्यापारिक प्लै विकसित किया है। हमने 2 एचपीएचटी कूपों का सफलतापूर्वक वेधन किया है, जिनमें से एक असम एवं असम अराकान बेसिन में तथा दूसरा मुंबई अपतट में स्थित है। इसके अतिरिक्त, बेसमेंट प्लै को लक्षित करते हुए 6 कूपों का वेधन किया गया है, जिनमें से पांच कैम्बे बेसिन में और एक कूप असम एवं असम अराकान बेसिन में स्थित है।

वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, आपकी कंपनी ने कुल 544 कूपों का वेधन किया, जो गत 34 वर्षों में सर्वाधिक है। इसमें 103 अन्वेषण संबंधी और 441 विकासात्मक कूप समिलित हैं।

वित्त वर्ष 2024 में हमारा एकल कच्चा तेल उत्पादन 19.471 एमएमटी रहा, जबकि एकल गैस उत्पादन 19.974 बीसीएम रहा, वहीं वित्त वर्ष 2023 में यह क्रमशः 19.584 एमएमटी और 20.628 बीसीएम था। संयुक्त उद्यमों सहित ओएनजीसी का कुल तेल और गैस उत्पादन 41.786 एमएमटीओई रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 42.836 एमएमटीओई से थोड़ा कम है। इसके अतिरिक्त वित्त वर्ष 2024 में हमारे मूल्यवर्धित उत्पाद (वीएपी) का उत्पादन 2.519 एमएमटी रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 2.598 एमएमटी था।

आपकी कंपनी के पास ग्रीन फील्ड के साथ—साथ ब्राउनफील्ड पुनर्विकास योजनाओं के तहत परियोजनाओं की एक श्रंखला है। ओएनजीसी ने नए क्षेत्रों के विकास और परिपक्व फील्डों के पुनर्विकास पर अपना सतत जोर बनाए रखा है। ईओआर और क्षेत्रिज वेधन जैसी उन्नत दोहन तकनीकों पर हमारा ध्यान, कुशल आगार प्रबंधन के साथ मिलकर हमारे परिपक्व फील्डों को पुनर्जीवित कर रहा है और तेल और गैस उत्पादन को इष्टत्तम कर रहा है।

हमने अपना स्थिर पूंजीगत व्यय कार्यक्रम जारी रखा है और वित्त वर्ष 24 के दौरान ₹ 37,400 करोड़ से अधिक का निवेश किया है। इस अवधि में लगभग 2,740 करोड़ के निवेश मूल्य वाली दो प्रमुख परियोजनाएँ पूरी हुईं। वित्त वर्ष, 24 के दौरान, लगभग ₹ 11,000 करोड़ की कुल लागत वाली छह प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें तेल और गैस के 26.64 एमएमटीओई के परिकलिप्त जीवनचक्र लाभ हैं। 31 मार्च, 2024 तक, ₹ 100 करोड़ से अधिक की तेहस प्रमुख परियोजनाएँ कार्यान्वयन अधीन थीं, जिनकी कुल लागत लगभग ₹ 62,343 करोड़ थीं और इनसे तेल और गैस के 80.52 एमएमटीओई के जीवनचक्र लाभ की परिकल्पना की गई थी।

वित्तीय प्रदर्शन के संदर्भ में, आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 23 में ₹ 1,55,517 करोड़ के मुकाबले वित्त वर्ष 24 में ₹ 1,38,402 करोड़ का सकल राजस्व दर्ज किया। कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में घरेलू बाजार में बेचे गए कच्चे तेल के लिए 80.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की वसूली की, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह 91.90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। वित्त वर्ष 24 के दौरान, हमने ₹ 40,526 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक एकल करोपरांत लाभ (पीएटी) प्राप्त किया, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह कर पश्चात लाभ ₹ 40,097 करोड़ था (पुनः घोषित)। समूह स्तर पर, हमने ₹ 6,43,037 करोड़ का प्रभावशाली परिचालन राजस्व और ₹ 57,101 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक कर पश्चात लाभ अर्जित किया।

वित्त वर्ष, 24 के लिए कुल लाभांश 245% (₹ 5/- - अंकित मूल्य के प्रति - शेयर ₹ 12:25/-) होगा, जिसमें कुल भुगतान ₹ 15,411 करोड़ और भुगतान अनुपात 38.03% होगा, जो उद्योग में सर्वश्रेष्ठ है। यह हमारे सुदृढ़ व्यावसायिक मूल सिद्धांतों, विवेकपूर्ण पूंजी प्रबंधन और गहन निवेशक मेंत्री, का एक और प्रमाण है।

हमारी सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम ऊर्जा उद्योग में अस्थिरता के विरुद्ध संरक्षण प्रदान करते हैं और ओएनजीसी समूह को स्थिरता प्रदान करते हैं। समेकित आधार पर ओएनजीसी समूह ने वित्त वर्ष 24 में 1,193

एमएमटी 2पी भंडार, 52.3 एमएमटी तेल और गैस उत्पादन और 38.92 एमएमटी रिफाइनरी उत्पादन के साथ एक सुदृढ़ प्रदर्शन किया।

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड, आपकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है, जो भारत के बाहर अन्वेषण एवं उत्पादन गतिविधियों को अंजाम देती है। कंपनी 15 देशों में फैली 32 तेल और गैस परियोजनाओं में भागीदारी कर रही है। इसने उत्पादन विकासक अन्वेषण और पाइपलाइन परियोजनाओं या विविध पोर्टफोलियों है। ओएनजीसी विदेश ने 03 अगस्त, 2023 को प्रतिष्ठित नवरत्ना का दर्जा हासिल किया जो भारत सरकार द्वारा दिया गया अलंकरण है। इसने वित्त वर्ष 2004 में 200 एमएमटीओई सवयील और गैस उत्पादन के आंकड़े को पार करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की है। कंपनी ने 31 मार्च 2024 तक विदेशों से कुल 204.37 एमएमटीओई हाइड्रोकार्बन का उत्पादन किया है।

वित्त वर्ष, 2024 में ओएनजीसी विदेश का सकल समेकित राजस्व वित्त वर्ष 2003 के ₹ 11,676 करोड़ की तुलना में ₹ 9,553 करोड़ रहा और वित्त वर्ष 2024 में कर पश्चात लाभ ₹ 639 करोड़ रहा जबकि वित्त वर्ष 2023 में कर पश्चात लाभ ₹ 1660 करोड़ था। इसका मुख्य कारण सथालिन-1 से राजस्व का लेखा में शामिल न होना, हानि का अधिक होना और वित्त वर्ष 2024 में कच्चे तेल की कम कीमत प्राप्ति थी।

ओएनजीसी विदेश ने वर्ष के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया और वित्त वर्ष 2024 में 10.518 एमएमटीओई का उत्पादन दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 10.171 एमएमटीओई था। इस प्रकार यह पिछले वर्ष की तुलना में 3.4% की वृद्धि दर्शाता है। इस सकारात्मक प्रदर्शन को मुख्य रूप से पांच संचालित/सह-संचालित परिसंपत्तियों, अर्थात् एमईसीएल, सीपीओ-5, जीपीओसी, एसपीओसी और सानक्रिस्टोबल से प्राकृतिक गिरावट, भू-राजनीतिक तनाव और स्थानीय मुद्दों के बावजूद अतिरिक्त योगदान द्वारा संचालित किया गया।

वित्तीय वर्ष 2024 के अंतर्गत ओएनजीसी विदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें कोलंबिया में उनकी संचालित परियोजना सीपीओ-5 से उत्पादन में 19,000 बैरल से 29,500 बैरल तक की वृद्धि शामिल है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण सूडान और एमईसीएल, कोलंबिया में जीपीओसी और एसपीओसी परियोजनाओं में भी उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान, कंपनी ने सीपीओ 5 (कोलंबिया), इंपीरियल एनर्जी (रूस), और ब्लॉक 06.1 तथा ब्लॉक 128 (वियतनाम) में अपने अन्वेषण लाइसेंसों के लिए महत्वपूर्ण विस्तार प्राप्त किया।

ओएनजीसी की एक अन्य प्रमुख सहायक कंपनी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), ने भी महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें उन्होंने पिछले वर्ष के 43.45 एमएमटी की बिक्री की तुलना में 46.82 एमएमटी की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की। वित्त वर्ष 2024 में रिफाइनिंग उत्पादन 1909 एमएमटी (वित्त वर्ष 2023) से बढ़कर 22.33 एमएमटी हो गया, जो 17% की वृद्धि दर्शाता है। सकल रिफाइनरी मार्जिन (जीआरएम) वित्त वर्ष 2024 के लिए 9.08 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहा, जो वित्त वर्ष

2023 के 12.09 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की तुलना में कम है। यह कमी अंतरराष्ट्रीय उत्पाद बाजार के रुझानों के अनुरूप है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पिछले वर्ष के ₹ 8974 करोड़ के कर पश्चात घाटे की तुलना में ₹ 14,694 करोड़ का एकल कर पश्चात लाभ दर्ज किया। इस वित्त वर्ष के लिए कंपनी की प्रचालन से प्राप्त राजस्व ₹ 4,61,638 करोड़ रहा, जबकि पिछले वर्ष यह ₹ 4,66,192 करोड़ था।

मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) देश की सबसे अधिक प्रचालन दक्ष रिफाइनरियों में से एक मानी जाती है। इसने विभिन्न प्रकार के कच्चे तेल को सम्मिलित करते हुए ₹ 1,05,223 करोड़ का कारोबार किया, जो वित्त वर्ष 23 के ₹ 1,24,736 करोड़ के मुकाबले है, और एक प्रभावशाली तथा सतत प्रदर्शन दर्ज किया, वित्त वर्ष 24 के दौरान कंपनी ने ₹ 3,596 करोड़ का लाभ अर्जित किया, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह लाभ ₹ 2,638 करोड़ था। वित्त वर्ष 24 के लिए एमआरपीएल का रिफाइनिंग शुद्ध शूपुट 16.59 एमएमटी है, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह 17.14 एमएमटी था। कंपनी का सकल रिफाइनरी मार्जिन (जीआरएम) वित्त वर्ष 23 के \$9.88 प्रति बैरल की तुलना में \$10.36 प्रति बैरल रहा।

ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएएल) और मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के माध्यम से ओएनजीसी की पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। देश में पेट्रोकेमिकल्स की मांग मजबूत रहने की उमीद है, और यह कंपनी तेल से लेकर रसायनों तक में अपनी उपस्थिति विस्तार की योजना बना रही है। यह पहल कच्चे तेल को सीधे उच्च मूल्य वर्धित रासायनिक उत्पादों में परिवर्तित करने में सक्षम बनाएगी और ऊर्जा के परिवर्तित परिवृश्य में मूल्य प्रस्ताव को मजबूत करेगी।

आपकी कंपनी सीओपी-28 में तेल और गैस की कार्बनीकरण संधि (ओजीडीसी) के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में सम्मिलित है। इस संधि पर हस्ताक्षर करके, ओएनजीसी ने वर्ष 2050 तक नेट जीरो संचालन प्राप्त करने के उद्देश्य से कदम उठाने और वर्ष 2030 तक पलेयरिंग को शून्य स्तर तक कम करने तथा लगभग शून्य अपस्ट्रीमी मीथेन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन प्राप्त करने की प्रतिबद्धता प्रकट की है। इसके अनुसरण में, वर्ष 2038 तक नेट जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए डी-कार्बोनाइजेशन रणनीति को सुदृढ़ किया गया है, जो अब सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है और इसके कार्यान्वयन की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। यह ओएनजीसी को भारत में पहली ऊर्जा कंपनी और सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बनाता है जिसने हमारी पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप व्यापक डी-कार्बोनाइजेशन योजना का प्रारूप तैयार किया है। ओएनजीसी ने विविध डी-कार्बोनाइजेशन उपायों पर वर्ष 2030 तक ₹2 ट्रिलियन के निवेश हेतु प्रतिबद्धता जताई है।

ओएनजीसी डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों को प्राथमिकता देने और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर रूपांतरित करने के प्रति दृढ़ संकल्पित है। ओएनजीसी के हरित पोर्टफोलियो को सुदृढ़ करने हेतु 'ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड'



(ओजीएल) को 27 फरवरी 2024 को एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में अधिनिगमित किया गया है। इसका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र की विभिन्न मूल्य श्रृंखलाओं जैसे कि अक्षय ऊर्जा, जैव ईंधन/बायोगैस, ग्रीन हाइड्रोजेन और उसके व्युत्पादों के उत्पादन, तथा कार्बन अधिग्रहण, उपयोग और भंडारण इत्यादि में सक्रिय भागीदारी करना है। ओजीएल का लक्ष्य जैविक और अजैविक दोनों माध्यमों से स्वच्छ ऊर्जा में संभावित अवसरों को शीघ्रता से पकड़ना है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अपने पोर्टफोलियो में 25 सीबीजी संयंत्रों को शामिल करने की दिशा में अग्रसर है।

आपकी कंपनी का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 10 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने हेतु ₹ 1 ट्रिलियन का निवेश करना है। वर्तमान में, यह संस्था कुल 5 गीगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है। इसके अतिरिक्त, कंपनी का उद्देश्य अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता में निवेश के विकल्पों की खोज करना है। ऊर्जा संक्रमण अब एक साकार रूप धारण कर रहा है, लेकिन साथ ही प्राकृतिक गैस जैसे स्वच्छ ईंधन निकट भविष्य में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाते हुए, बड़े पैमाने पर परिवर्तनीय नवीकरणीय ऊर्जा को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपकी कंपनी की स्वास्थ्य संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) के प्रति प्रतिबद्धता उसकी कठोर एचएसई नीति में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है, जिसे एक मजबूत एचएसई प्रबंधन प्रणाली द्वारा प्रभावी रूप से कार्यान्वित किया जाता है। आपकी कंपनी स्वास्थ्य संरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन को अत्यधिक महत्व देती है, जिससे लोगों और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने 06 फरवरी, 2024 को भारत ऊर्जा संस्थान (आईईडब्ल्यू) 2024 के दौरान ओएनजीसी के सर्वाइवल सेंटर को राष्ट्र को समर्पित किया। गोवा में ओएनजीसी उन्नत प्रशिक्षण संस्थान में स्थित यह केंद्र देश के सी-सरवाइवल पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक मानकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से एक अग्रणी संस्थान के रूप में उभरा है।

हमारा मानव संसाधन दृष्टिकोण ऊर्जा व्यवसाय में नेतृत्व के लिए विश्व स्तर की मानव पूँजी का निर्माण और पोषण करना है। उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए कर्मचारी हमारे सबसे मूल्यवान संसाधन हैं।

राष्ट्र के प्रति समर्पण का अर्थ केवल लाभप्रदता और विस्तार से नहीं, बल्कि उससे भी आगे जाता है। सीएसआर पहलों के माध्यम से, आपकी कंपनी ने देश के दूरस्थ क्षेत्रों के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वित्तीय वर्ष 2024 में, आपकी कंपनी ने अब तक का सबसे अधिक ₹ 634 करोड़ का सर्वोच्च व्यय दर्ज किया है, जिसमें आकांक्षी जिलों में ₹ 81 करोड़ का लीडरशिप अवॉर्ड के तहत 'सोशल चेंजमेकर अवार्ड (ऑयल एंड गैस)' से सम्मानित किया गया है।

आपकी कंपनी उच्चतम निगमित(कॉर्पोरेट) शासन मानकों का पालन करते हुए अपने व्यवसाय को अत्यंत नैतिक और पारदर्शी ढंग से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। निगमित(कॉर्पोरेट) अभिशासन रिपोर्ट वार्षिक रिपोर्ट का एक हिस्सा होती है और इसमें निगमित अभिशासन प्रथाओं का विवरण और निगमित (कॉर्पोरेट) शासन की शर्तों के अनुपालन का प्रमाण-पत्र शामिल होता है।

यद्यपि हमारे परिचालन और वित्तीय संकेतक मजबूत रहे हैं, हम उन्हें और सशक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। हाल ही में, संगठन के भीतर डिजिटल तकनीक की शक्ति का उपयोग करने के उद्देश्य से, दिल्ली में एक अत्याधुनिक गणनात्मक दृश्यता केंद्र (विजुअलाइजेशन सेंटर) 'ओएनजीसी दर्पण' की स्थापना की गई है, जो ओएनजीसी के प्रचालन का वास्तविक समय परिदृश्य प्रस्तुत करता है। इसके अलावा व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए 'ओएनजीसी डिजिटल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीसीओई)' की स्थापना की गई है। ओएनजीसी के संयंत्रों और क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों में डिजिटल और एआई/एमएल क्षमताओं के इस्तेमाल हेतु पहले ही अनेक डिजिटल पहलों की शुरुआत हो चुकी है। भविष्य की दिशा में, ओएनजीसी और अधिक डिजिटल परियोजनाओं के साथ अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा को जारी रखने और उन्नत विश्लेषिकी एआई/जनरेटिव-एआई समाधान का लाभ उठाने हेतु एक रोडमैप विकसित करने की योजना बना रही है।

मैं हमारी कंपनी की सफलता में हमारे सभी हितधारकों के महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। मैं हमारे बोर्ड सदस्यों, ग्राहकों, व्यापार भागीदारों, निवेशकों, नियामकों और हम पर विश्वास रखने वाले अन्य सभी व्यक्तियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता हूँ। मैं अपने कार्मिकों के प्रति दिल से सराहना करता हूँ जिन्होंने इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान अद्वितीय समर्पण, लचीलापन और साहस का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मैं भारत सरकार, विशेष रूप से हमारे प्रशासनिक मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को और उनकी अमूल्य रणनीतिक मार्गदर्शन तथा दृढ़ सहयोग प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

हमारी संपूर्ण टीम की ओर से मैं हमारे सभी शेयरधारकों को उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। मुझे विश्वास है कि यह स्थायी सहयोग और समर्थन आगे भी यूँ ही बना रहेगा और आने वाले वर्षों में एक बहुमूल्य संपत्ति के रूप में विकसित होगा।

जय हिन्द!

हस्ताक्षर / —

अरुण कुमार सिंह

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यालयी अधिकारी



सतत विकास, उत्कर्ष ज्ञान और अनुकरणीय शासन प्रक्रियाओं के माध्यम से एकीकृत ऊर्जा व्यवसाय में विश्व का नेतृत्व करना।



## विश्व स्तर पर

- अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी में संलग्न लोगों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाते हुए उत्कृष्टता के प्रति समर्पित होना।
- व्यापार संहिता तथा संगठनात्मक मूल्यों के उच्च मानकों को आत्मसात करना।
- संरक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण संबंधी वचनबद्धताओं को कायम रखते हुए सामुदायिक जीवन—स्तर सुधारना।
- विश्वसनीयता, उन्मुक्तता और पारस्परिक सहयोग की संस्कृति का विकास करके अपने लोगों के लिए उत्प्रेरक तथा चुनौतीपूर्ण अनुभव देने वाली कार्यशैली का निर्माण करना।
- उत्तम उत्पादों तथा सेवाओं द्वारा उपभोक्ताओं को प्रसन्न रखने के प्रयास करना।

## ऊर्जा व्यवसाय में समेकित

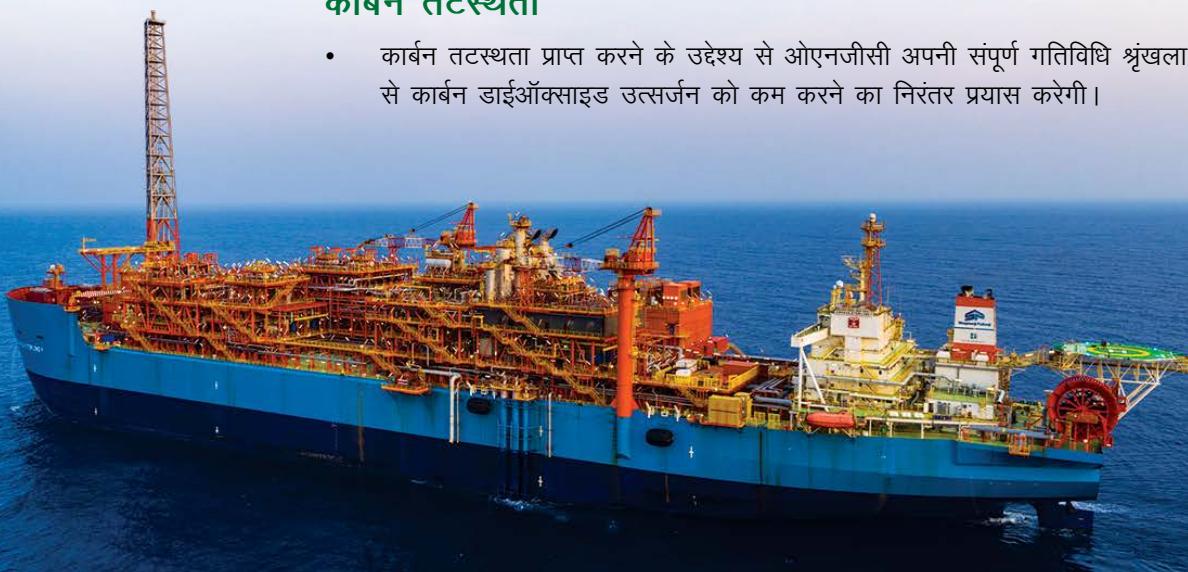
- स्वदेशी और अन्तर्राष्ट्रीय तेल तथा गैस अन्वेषण एवं उत्पादन संबंधी व्यापारिक अवसरों पर ध्यान केन्द्रित करना।
- ऊर्जा व्यापार के अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देना।
- विकास के अवसर तैयार करना और शेयरधारक मूल्य बढ़ाना।

## प्रबल भारतीय नेतृत्व

- भारतीय पेट्रोलियम क्षेत्र में प्रबल स्थान बनाये रखना तथा भारत में ऊर्जा की उपलब्धता को बढ़ाना।

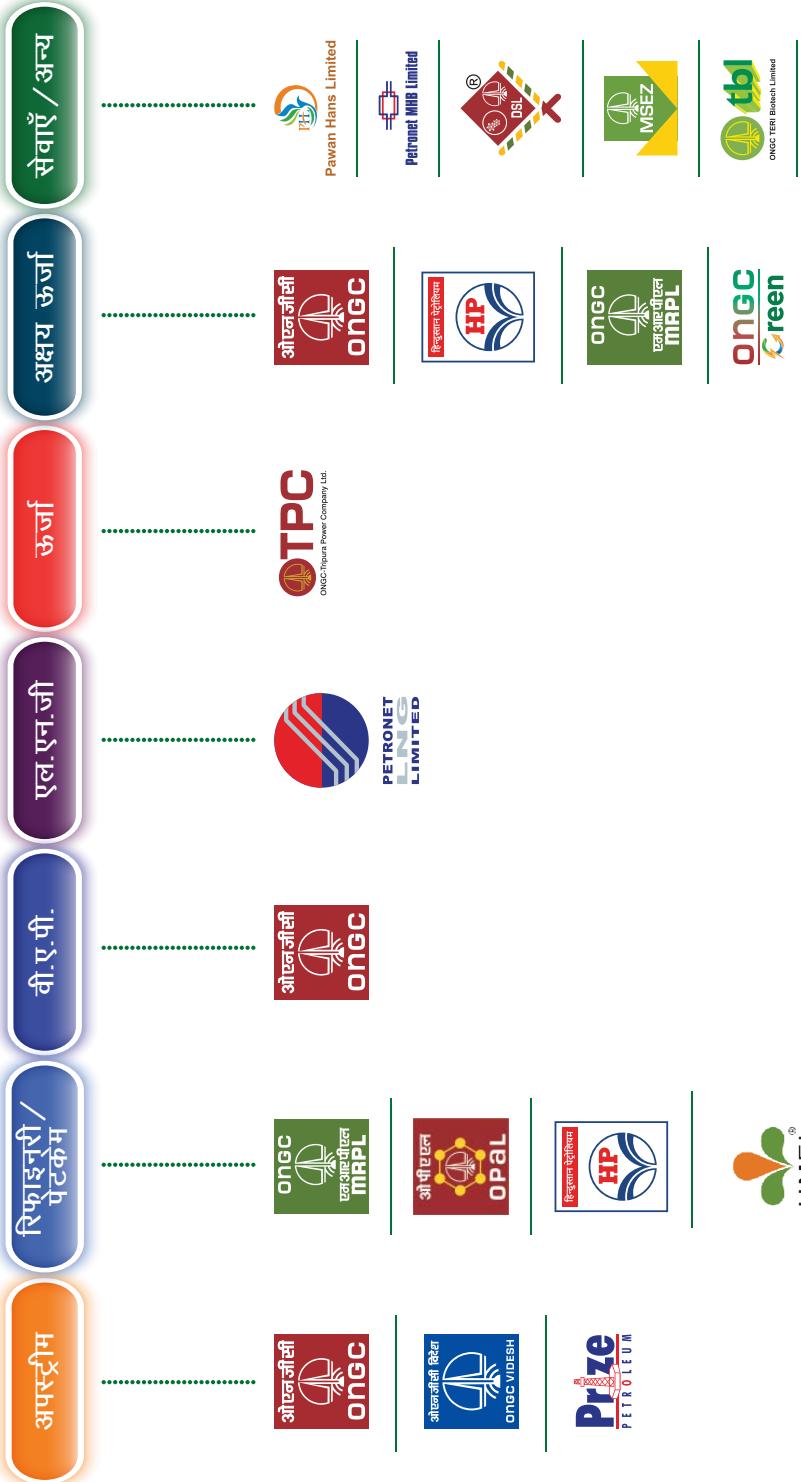
## कार्बन तटस्थला

- कार्बन तटस्थला प्राप्त करने के उद्देश्य से ओएनजीसी अपनी संपूर्ण गतिविधि श्रृंखला से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने का निरंतर प्रयास करेगी।



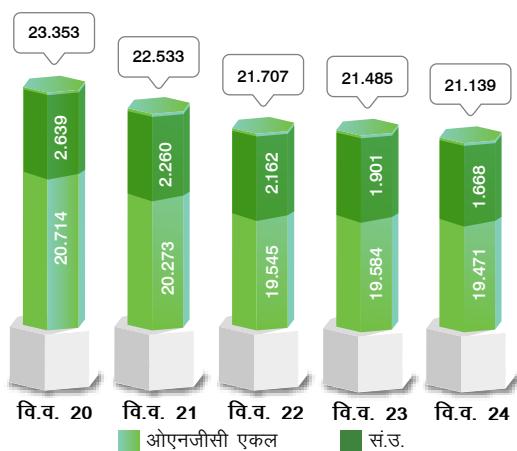
# ओंटन जीर्णी समूह

एकीकृत ऊर्जा कंपनी: ऊर्जा व्यवसाय में उपस्थिति का विस्तार करते हुए वास्तविक एकीकृत कंपनी – उत्पादन : शोधन: विपणन: 1:1:1

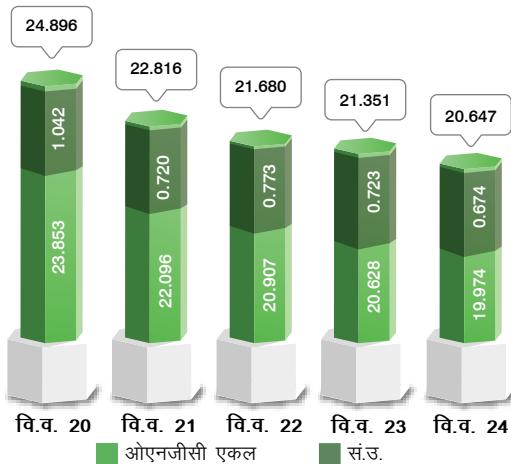


## प्रचालनात्मक विशेषताएँ

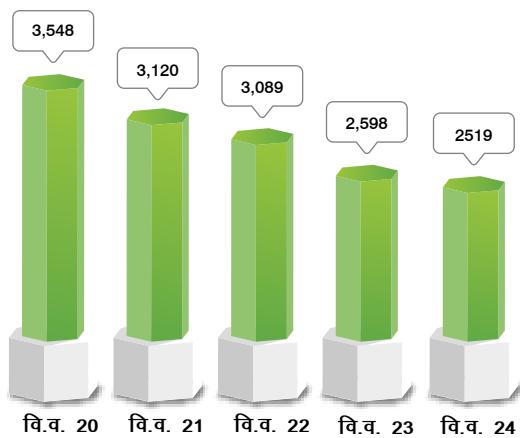
### कच्चा तेल उत्पादन (एमएमटी)



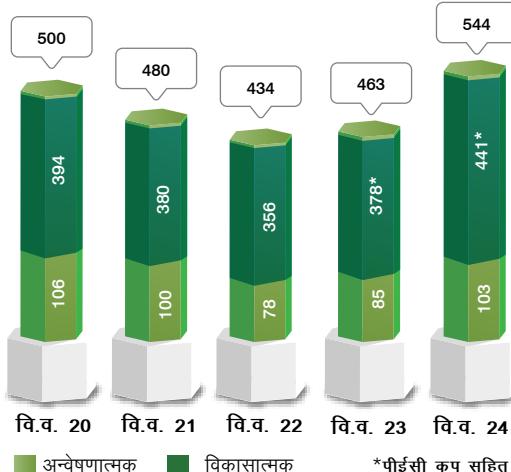
### प्राकृतिक गैस उत्पादन (बीसीएम)



### वीएपी उत्पादन (केटी)

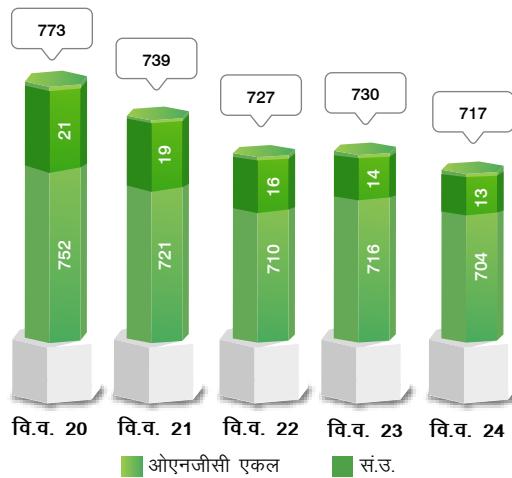


### वेधित कूप (संख्या)

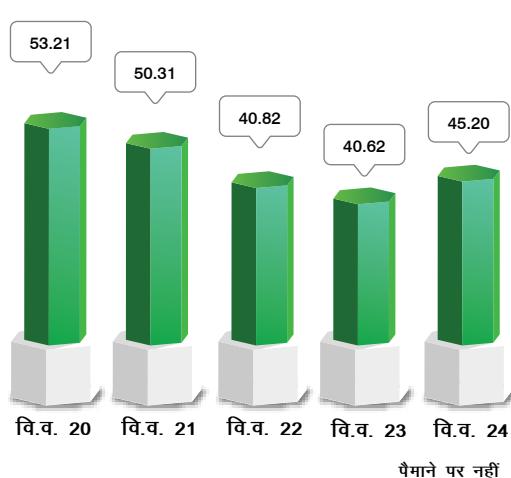


\*भीरुसी कूप सहित

### भंडार(2पी) एमएमटीओई



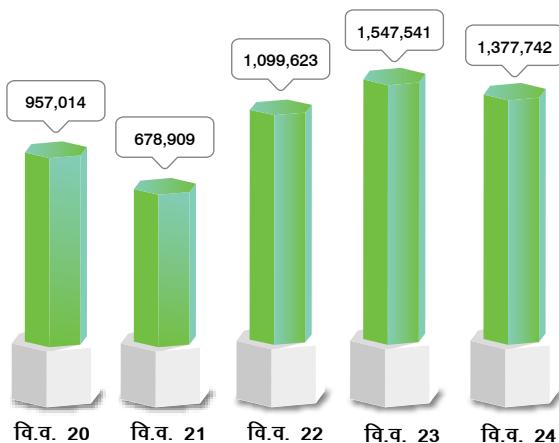
### भंडार अभिवृद्धि (2पी) एमएमटीओई



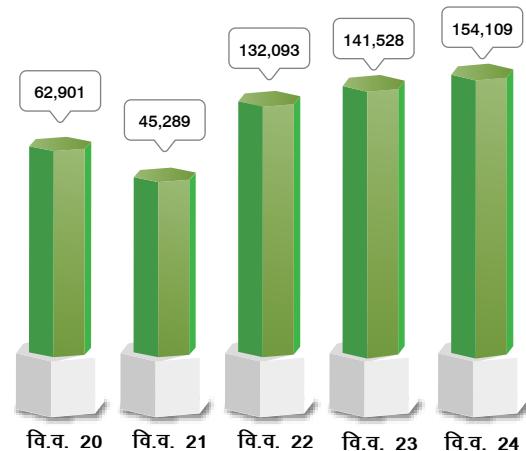


## वित्तीय विशेषताएँ

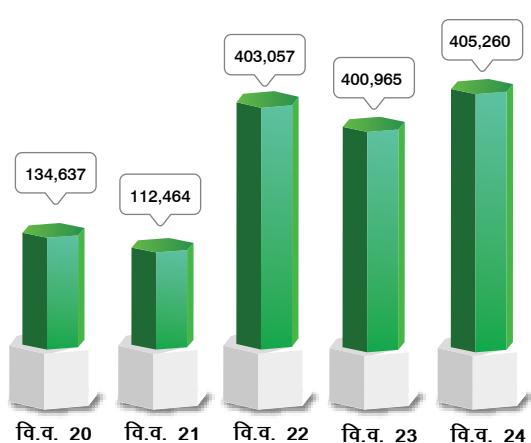
उत्पादों की बिक्री से आय (₹ मिलियन में)



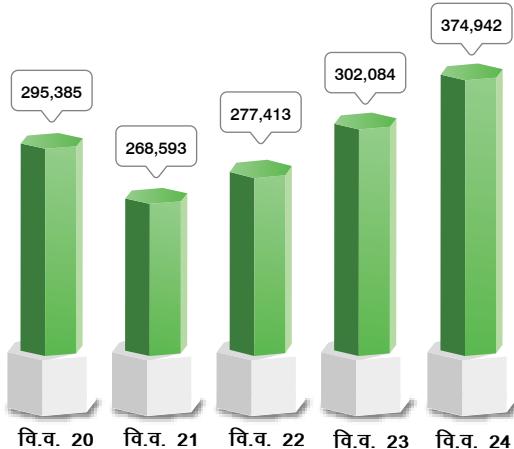
लाभांश (₹ मिलियन में)



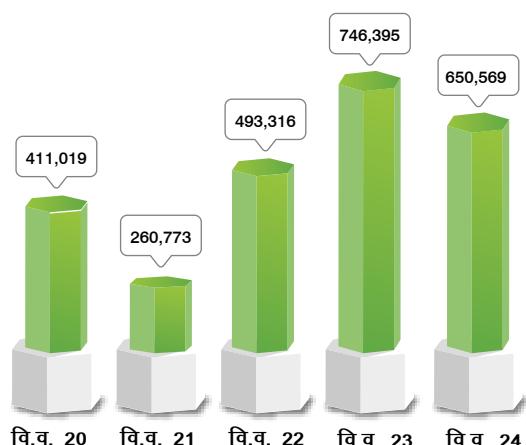
शुद्ध लाभ (₹ मिलियन में)



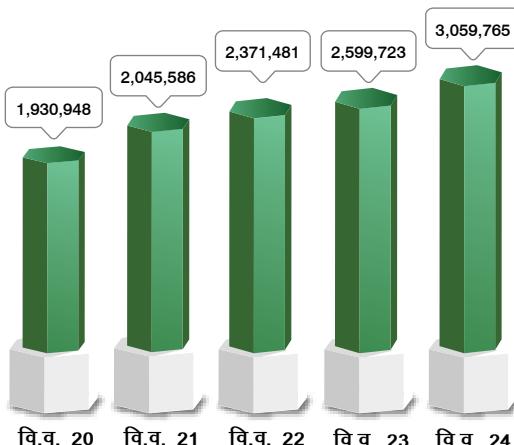
पूंजीगत व्यय (₹ मिलियन में)



राजकोष में अंशदान (₹ मिलियन में)



शुद्ध मूल्य (₹ मिलियन में)



पैमाने पर नहीं

## निदेशक मंडल





## निदेशक मंडल



अरुण कुमार सिंह  
अध्यक्ष एवं सीईओ

श्री अरुण कुमार सिंह ओएनजीसी और ओएनजीसी कंपनी समूह के अध्यक्ष हैं। उन्होंने 7 दिसंबर, 2022 को अध्यक्ष का पदभार संभाला। श्री सिंह ओएनजीसी, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपाल), ओएनजीसी एनर्जी सेंटर ट्रस्ट (ओईसीटी) और ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल) के अध्यक्ष हैं। ओएनजीसी समूह का भारत के अच्छेषण एवं उत्पादन क्षेत्र में प्रभुत्व है और इसकी अनुषंगी कंपनी ओवीएल के माध्यम से विदेश में ओएनजीसी की अच्छी खासी पैठ है। श्री सिंह पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) के निदेशक मंडल में भी शामिल हैं।

श्री सिंह अपने साथ तेल एवं गैस उद्योग में विविध भूमिकाओं में लगभग चार दशकों का असाधारण समृद्ध पोर्टफोलियो लेकर आए हैं। वे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना से प्रथम रैंक में मैकेनिकल इंजीनियर हैं।

इससे पहले, वह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), एक 'महारत्न' और फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक थे। वे भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध एक संयुक्त उद्यम (जेवी) सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने बड़े पैमाने पर मुख्यतया विदेशों में तेल और गैस की खोज में लगी भारत पेट्रो रिसोर्सज लिमिटेड में अध्यक्ष (अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया) का पदभार भी है, जो बीपीसीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है।

श्री अरुण कुमार सिंह ग्लोबल कॉर्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (जीसीएनआई), संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉर्पैक्ट (यूएनजीसी) के भारतीय स्थानीय नेटवर्क के अध्यक्ष और वर्ष 2023–24 के लिए सीआईआई सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम परिषद के अध्यक्ष भी हैं। श्री सिंह फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) शासी परिषद के भी अध्यक्ष हैं।



श्री ओम प्रकाश सिंह, एक उत्कृष्ट मैकेनिकल इंजीनियर, के पास अभिट और अपतट दोनों में ई एंड पी प्रचालन में 36 वर्षों से अधिक का व्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुभव है।

श्री सिंह ओएनजीसी में पदोन्नत होकर आगे बढ़े हैं और निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने अनेक प्रमुख पदों की कमान संभाली है। उन्होंने भारत में चुनौतीपूर्ण गहरे समुद्र में वेधन परियोजनाओं और वियतनाम, ईरान, कतर और ब्राजील में विदेशी परियोजनाओं में प्रमुख भूमिका निभाई है।

श्री सिंह ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड के निदेशक मंडल के अध्यक्ष हैं और मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, नॉर्थ ईस्ट ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड और पूर्ववर्ती ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के निदेशक मंडल में भी निदेशक रहे हैं।

उन्होंने फाइनेंशियल टाइम्स, यूके से प्रतिष्ठित गैर-कार्यकारी निदेशक डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी पूरा किया है।

श्री सिंह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज के कार्यकारी मंडल के निर्वाचित सदस्य हैं।

श्री पंकज कुमार, रुड़की विश्वविद्यालय (आईआईटी रुड़की) से रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातक डिग्री धारक हैं और उन्होंने आईआईटी दिल्ली से प्रोसेस अभियांत्रिकी एवं संयंत्र अभिकल्पन में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने आईआईएम, बंगलुरु से उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम और आईआईएम, कोलकाता से नेतृत्व विकास कार्यक्रम पूरा किया है।

वे ओएनजीसी की अनुषंगी कंपनी/संयुक्त उद्यम अर्थात् एचपीसीएल, ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक हैं।

श्री कुमार संपूर्णतः एक तेल एवं गैस पेशेवर हैं जिनके पास ओएनजीसी के सभी व्यवसाय प्रकार्यों का 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने ओएनजीसी की दीर्घ अवधि संवृद्धि रणनीति : ऊर्जा रणनीति 2040 में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सुश्री सुषमा रावत, निदेशक (अन्वेषण) और बोर्ड सदस्य हैं, जिनके पास ओएनजीसी में 34 वर्षों का अनुभव है, साथ ही इस उद्योग की अनुभवी और विविध पेशेवर और उद्योग विशेषज्ञता के साथ उत्कृष्ट अन्वेषण प्रबंधक हैं।

भूविज्ञान में स्नातकोत्तर, उन्होंने 2014 में डीपीई के तत्वावधान में एएससीआई, हैदराबाद और लुब्लियाना विश्वविद्यालय (एफईएलयू), स्लोवेनिया के अर्थशास्त्र संकाय में 'अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन बिजनेस मैनेजमेंट' पूरा किया है।

उन्हें एक अनुभवी और उत्कृष्ट बेसिन और पेट्रोलियम सिस्टम विश्लेषक होने के साथ-साथ एक कुशल अन्वेषण प्रक्रिया विश्लेषक और कार्यान्वयनकर्ता होने का गौरव प्राप्त है।

ओएनजीसी के कार्बन प्रबंधन और स्थिरता समूह का नेतृत्व करते हुए, वह भारत में सीसीयूएस नीति ढांचे और कार्यान्वयन के संबंध में नीति आयोग की अंतर-संत्रालयी समितियों और डीएसटी के उच्च-स्तरीय टॉस्क फोर्स का हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त, वह निदेशक-प्रभारी सामग्री प्रबंधन संबंधी कार्यों को देख रही हैं।

सुश्री रावत ओपीएएल (ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड) और ओटीपीसी (ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड) के निदेशक मंडल में भी रहीं हैं।

सुश्री रावत ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल) की अध्यक्षा भी हैं।



ओम प्रकाश सिंह  
निदेशक (प्रौद्योगिकी एवं क्ष. सेवाए)



पंकज कुमार  
निदेशक (उत्पादन)



सुषमा रावत  
निदेशक (अन्वेषण)



मनीष पाटील  
निदेशक (मानव संसाधन)

श्री मनीष पाटील राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, रायपुर से एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं और यूनिवर्सिटी ऑफ लुब्लियाना (एफईएलयू) स्लोवेनिया से अन्तर्राष्ट्रीय एमबीए डिप्री धारक हैं तथा इनके पास मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम) स्नातकोत्तर डिप्लोमा के साथ-साथ राजकीय विधि महाविद्यालय से साइबर कानून में एडवांस डिप्लोमा भी हैं।

एक संपूर्ण ऊर्जा पेशेवर, श्री पाटील के पास मानव संसाधन में बिक्री, प्रंचालन और आपूर्ति, सूचना प्रणाली, औद्योगिक संबंध और प्रबंधन सेवाओं के कार्यों में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। वह ओएनजीसी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल) के बोर्ड में भी हैं।

उन्होंने ओएनजीसी में कई परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, जो संगठनात्मक परिवर्तन जैसे संगठनात्मक पुनर्गठन, एचआर प्रक्रियाओं के पुनर्गठन, और प्रमुख प्रक्रियाओं के केंद्रीकरण, जैसे खरीदारी और विक्रेता भुगतान से संबंधित हैं। कर्मचारी कल्याण और उत्पादकता पर जोर देते हुए, उन्होंने एक भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विश्लेषणात्मक तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ओएनजीसी में एचआर परिवर्तन की नींव रखी है।

श्री विवेक चं. टोणगांवकर ने 02.07.2024 को कंपनी के निदेशक (वित्त) और सीएफओ के रूप में कार्यभार संभाला।

पुणे के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इंजीनियरिंग स्नातक, श्री विवेक ने कंपनी में सहायक कार्यकारी अभियंता (विद्युत) के रूप में अपने करियर की शुरुआत मार्च 1987 से की। इसके बाद उन्होंने सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे से एमबीए (वित्त) कार्यक्रम पूरा किया और ओएनजीसी में वित्त विभाग में स्थानांतरित हो गए। उन्होंने एमडीआई गुरुग्राम के सीनियर मैनेजमेंट प्रोग्राम (एसएमपी) और आईआईएम कोलकाता द्वारा आयोजित लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (एलडीपी) में भी भाग लिया।

श्री टोणगांवकर ऊर्जा मूल्य-श्रृंखला में विविध गतिविधियों में 37 से अधिक वर्षों के पेशेवर अनुभव के साथ एक उद्योग विशेषज्ञ हैं। उन्होंने लेखा, लेखा-परीक्षा, बजट, ट्रेजरी और निवेश, पूँजी निवेश, वाणिज्यिक और विपणन, कराधान, संयुक्त उद्यम वित्त, रणनीति और निवेशक संबंध में व्यापक अनुभव के साथ ओएनजीसी में विभिन्न क्षमताओं में कार्य किया। पहले भी, उन्होंने अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2021 तक ओएनजीसी के सीएफओ का पदभार संभाला था।

श्री टोणगांवकर ओएनजीसी समूह की कंपनी मंगलौर स्पेशल इकॉनामिक्स जोन लिमिटेड (एमएसइजेडएल) के अध्यक्ष भी हैं।

कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, श्री टोणगांवकर 02.05.2023 से 01.07.2024 के दौरान एमआरपीएल के निदेशक वित्त और सीएफओ थे।

श्री प्रवीण मल खनूजा वर्तमान में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में अपर सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वे कैमिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक और प्रबंधन एवं सिस्टम में एम.टेक हैं। श्री खनूजा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा (आईए एंड एएस) के वर्ष 1994 बैच के अधिकारी हैं और उन्होंने रक्षा लेखा परीक्षा, रेलवे लेखा परीक्षा, राज्य सरकार लेखा और लेखा-परीक्षा में कई क्षेत्रों और सीएजी मुख्यालयों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

उन्होंने रोम के एफएओ, जेनेवा के डब्ल्यूआईपीओ, स्पेन के डब्ल्यूटीओ, जेनेवा के जीएफएमडी और जेनेवा के यूनीटेड की अनुपालन और प्रदर्शन लेखापरीक्षाएँ भी की हैं। वे 2018–2019 के दौरान जापान, थाईलैंड और तुर्की जैसे विभिन्न एशियाई देशों के एसएआई अधिकारियों के लिए आईटी ऑफिट के मेंटर भी रहे हैं। उन्होंने भारत के कैग / भारत सरकार का प्रतिनिधित्व नेपाल, बांग्लादेश, ऑस्ट्रिया, अमेरिका, यूरई, पोलैंड, स्विट्जरलैंड और फ्रांस में विभिन्न द्विपक्षीय बैठकों और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में किया है।

इससे पूर्व भी राजस्व विभाग और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के लिए निदेशक (वित्त) के रूप में सेवा की है; मर्केट, ओमान के सुल्तान के राज्य लेखापरीक्षा संस्थान में विशेषज्ञ, केंद्रीय आर्थिक इंटेलिजेंस ब्यूरो में अतिरिक्त महानिदेशक और पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ के डीजी के रूप में विभिन्न प्रतिनियुक्ति और द्वितीयक नियुक्तियों पर भी कार्य किया है।



प्रवीण मल खनूजा  
सरकार नामित निदेशक



श्यामचन्द घोष  
स्वतंत्र निदेशक

श्री श्यामचन्द घोष अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री धारक और साथ ही नॉर्थ बंगाल विश्वविद्यालय से बी. एड. हैं। श्री घोष एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं।



वी. अजीत कुमार राजू  
स्वतंत्र निदेशक

श्री वी. अजीत कुमार राजू एक पेशेवर सनदी लेखाकार हैं और उनके पास 22 वर्षों से अधिक का व्यावसायिक अनुभव है। वे सनदी लेखाकार मैसर्स डी. एम. एसोसिएट्स, के साझीदार हैं।

श्री राजू भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के फेलो सदस्य, होने के साथ-साथ प्रथम श्रेणी में बी. कॉम. (ऑनर्स) और एफआईसीओ भी हैं।



मनीष पारीक  
स्वतंत्र निदेशक

श्री मनीष पारीक एक पेशेवर अधिवक्ता, लेखक और ओजर्वी डिबेटर हैं। वे विधि स्नातक होने के साथ-साथ राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से एमबीए हैं। इसके अतिरिक्त वे श्रम कानूनों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा धारक हैं।

श्री पारीक जयपुर के पूर्व उप-महापौर रहे हैं और जेएमसी की उप-नियम समिति के अध्यक्ष के रूप में विधि निर्माण में समृद्ध अनुभव रखते हैं।



रीना जेटली  
स्वतंत्र निदेशक

सुश्री रीना जेटली गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी, पंजाब से स्नातक हैं। वे पंजाब राज्य सरकारी कंपनी, पंजाब राज्य वन विकास निगम लिमिटेड की अध्यक्ष (नामिती निदेशक) रही हैं। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।



डॉ. प्रभास्कर राय  
स्वतंत्र निदेशक

डॉ. प्रभास्कर राय 35 वर्षों तक प्रोफेसर रहे हैं और वे स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर शिक्षण में सक्रिय रूप से संलग्न रहे। उन्होंने एसआरके कॉलेज, फिरोजाबाद और एलए कॉलेज, जसराना, फिरोजाबाद में प्राचार्य का पद संभाला और एसआरके कॉलेज, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश में मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष और प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उनके शोध का क्षेत्र सामाजिक मनोविज्ञान और व्यक्तित्व मनोविज्ञान है और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में इनके 23 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

उन्हें मनोविज्ञान में दो राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं, अर्थात् श्रीमती वरलक्ष्मी और प्रोफेसर राजामंकेन वेटरन एमिनेंट साइकोलॉजिकल अवॉर्ड 2016 और ए. बी. वाजपेयी राष्ट्रीय विकास पुरस्कार 2017। उन्होंने 28 वर्षों तक एसोसिएट एनसीसी अधिकारी के रूप में भी सेवा की और एनसीसी के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय स्तर और दो राज्य स्तर के पुरस्कार प्राप्त किए हैं।



डॉ. माधव सिंह  
स्वतंत्र निदेशक

डॉ. माधव सिंह पेशे से एक चिकित्सक हैं और साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता, वक्ता और मानव संसाधन प्रबंधन समन्वयक भी हैं। डॉ. सिंह ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमबीबीएस डिग्री प्राप्त की है।

डॉ. सिंह ने वर्ष 1991 में राजस्थान सरकार के साथ अपना करियर शुरू किया और 2002 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली। तत्पश्चात्, वे श्रीमाधोपुर (सीकर) में बस गए और वंचित लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर सक्रियता से सामाजिक सेवा से जुड़े हुए हैं।



## एकल प्रदर्शन एक झलक में

(जब तक अन्यथा कथित न हो ₹ मिलियन में)

विवरण	2023-24	2022-23*	2021-22	2020-21	2019-20*	2018-19*	2017-18	2016-17	2015-16*	2014-15
<b>भौतिक</b>										
विक्रीत मात्रा (व्यापार के अलावा)										
-खनिज तेल (एमएमटी)	18.87	19.19	20.30	20.71	21.34	22.50	23.67	23.86	24.15	24.11
-प्राकृतिक गैस (एमएमएम्स)	15,927	16,677	16,753	17,694	19,423	20,485	19,494	17,935	17,100	17,983
-एलपीजी (०००' टन)	954	884	883	1,011	1,011	1,109	1,186	1,352	1,191	1,090
-नेथा / एआरएन (००० टन)	922	921	964	915	1,177	1,154	1,180	1,087	1,065	1,124
-ईथेन - प्रोपेन (सी <sub>२</sub> - सी <sub>३</sub> ) / ईथेन / प्रोपेन / ब्यूटेन (०००' टन)	490	628	1,127	1,005	1,225	1,192	914	673	401	337
<b>वित्तीय</b>										
प्रचालनों से राजस्व	1,384,021	1,555,173	1,103,454	681,411	962,136	1,096,546	850,041	779,078	777,417	830,935
लाभांश आय	34,303	25,007	42,519	30,630	24,664	31,054	37,810	16,969	5,712	4,890
अन्य गैर प्रचालन आय	73,479	51,259	22,637	40,795	41,438	41,598	41,026	59,794	64,382	48,775
<b>कुल राजस्व</b>	<b>1,491,803</b>	<b>1,631,439</b>	<b>1,168,610</b>	<b>752,836</b>	<b>1,028,238</b>	<b>1,169,198</b>	<b>928,877</b>	<b>855,841</b>	<b>847,511</b>	<b>884,600</b>
सांविधिक शुल्क	367,975	452,842	279,322	164,237	225,708	265,004	200,984	208,658	195,306	230,993
प्रचालन व्यय ^	292,209	287,389	224,749	189,047	243,558	236,852	208,863	210,345	202,995	168,176
अपलिखित अन्येषण लागत	55,687	82,776	55,083	63,855	86,837	87,569	70,318	50,545	56,643	105,224
क्रय	-	-	-	-	-	-	-	-	26	72
ब्याज, मूल्यहास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	775,932	808,432	609,456	335,697	472,135	579,773	448,712	386,267	392,495	380,163
मूल्यहास, निशेषण, ऋण-परिशोधन एवं टूट-फूट	204,957	168,196	175,457	163,274	186,169	154,561	144,702	121,895	110,999	114,583
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	570,975	640,236	433,999	172,423	285,966	425,212	304,010	264,372	281,496	265,580
वित्तीय लागत	40,813	26,996	23,599	22,145	33,097	24,921	15,085	12,217	13,242	28
कर पूर्व लाभ तथा असाधारण मर्दें	530,162	613,240	410,400	150,278	252,869	400,291	288,925	252,155	268,254	265,552
असाधारण मर्दें	-	(92,351)	-	13,750	(48,990)	-	-	-	(32,266)	-
कर पूर्व लाभ	530,162	520,889	410,400	164,028	203,879	400,291	288,925	252,155	235,988	265,552
निगमित कर	124,902	119,924	7,343	51,564	69,242	132,645	89,472	73,155	74,589	88,222
शुद्ध लाभ (कर पश्चात)	405,260	400,965	403,057	112,464	134,637	267,646	199,453	179,000	161,399	177,330
लाभांश	128,948	176,125	114,481	22,015	72,337	95,952	77,642	95,180	49,194	81,277
लाभांश पर कर	-	-	-	-	12,014	16,845	11,521	19,354	10,005	16,256
शेयर पूँजी	62,901	62,901	62,901	62,901	62,902	62,902	64,166	64,166	42,778	42,778
आरक्षित और अधिशेष	2,673,767	2,400,588	2,167,506	1,879,201	1,789,084	1,754,295	1,653,940	1,544,524	1,504,433	1,403,232
शुद्ध मूल्य (इक्विटी)	3,059,765	2,599,723	2,371,481	2,045,586	1,930,948	2,017,896	1,933,847	1,855,384	1,657,747	1,436,229
उधार	61,092	72,188	63,969	150,226	139,491	215,936	255,922	-	-	13,930
कार्यशील पूँजी	239,756	119,289	(6,750)	(50,524)	(210,589)	(183,718)	(278,453)	70,395	98,942	94,232
नियोजित पूँजी	1,753,922	1,545,026	1,349,661	1,159,394	1,062,842	1,091,861	984,459	1,185,309	1,112,137	1,144,996
आंतरिक संसाधन सृजन	487,684	537,312	363,701	249,075	382,274	334,020	353,474	281,916	404,040	218,699
पूँजीगत व्यय	374,942	302,084	277,413	268,593	295,385	294,498	729,016	280,064	301,104	299,975
राजकोष में अशंदान	650,569	746,395	493,316	260,773	411,019	518,714	376,088	387,341	345,192	421,074
कर्मचारियों पर व्यय	105,257	106,207	110,821	101,265	115,124	121,130	113,811	115,508	86,970	86,299
कर्मचारियों की संख्या	25,847	25,993	27,165	28,479	30,105	31,065	32,265	33,660	33,927	33,185

विवरण	2023-24	2022-23*	2021-22	2020-21	2019-20*	2018-19*	2017-18	2016-17	2015-16*	2014-15
वित्तीय निष्पादन अनुपात										
कारोबार में पीबीआईटी (%)	56.1	52.0	55.2	49.3	49.1	52.9	52.8	49.6	50.5	45.8
कारोबार में पीबीडीटी (%)	53.1	50.2	53.1	46.0	45.6	50.6	51.0	48.0	48.8	45.7
लाभ मार्जिन(%)— असाधारण मदों सहित	29.3	25.8	36.5	16.5	14.0	24.4	23.5	23.0	20.8	21.3
कारोबार के सापेक्ष राजकोष में अंशदान (%)	47.0	48.0	44.7	38.3	42.7	47.3	44.2	49.7	44.4	50.7
नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई)	30.60	39.82	29.01	12.23	24.59	36.10	27.04	20.87	24.80	22.77
नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई) — असाधारण मदों सहित इकिवटी के सापेक्ष शुद्ध लाभ (%)— असाधारण मदों सहित	30.60	33.84	29.01	13.42	19.98	36.10	27.04	20.87	21.90	22.77
तुलन—पत्र अनुपात										
चालू अनुपात	1.58 : 1	1.29 : 1	0.98 : 1	0.86 : 1	0.56 : 1	0.61 : 1	0.44 : 1	1.55:1	1.72:1	1.46:1
ऋण इकिवटी अनुपात	0.02 : 1	0.03 : 1	0.03 : 1	0.07 : 1	0.07 : 1	0.11 : 1	0.13 : 1	-	-	0.0096:1
ऋणदाता टर्नओवर अनुपात (दिवस)	29	26	32	34	25	27	31	28	45	48
प्रति शेयर डाटा										
प्रति शेयर अर्जन (रुपए) <sup>#</sup>	32.21	31.87	32.04	8.94	10.7	20.9	15.54	13.95	12.58	13.82
लाभांश (प्रतिशत)	245	225	210	72	100	140	132	121	170	190
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) <sup>#</sup>	243	207	189	163	153	160	151	145	129	112

\*पुनर्कथित

\*\*वित्तीय वर्ष 2015–16 से वित्त वर्ष 2023–24 तक के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुसूची-III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2014–15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची -II की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं।

# भारतीय लेखांकन मानक 33 'प्रति शेयर अर्जन' के अनुसार प्रति इकिवटी शेयर अर्जन को सभी वर्षों हेतु बोनस इश्यु तथा विभाजन हेतु समायोजित किया गया है। प्रति शेयर बही मूल्य को भी बोनस तथा विभाजन पश्चात समायोजित किया गया है।

^ स्टॉक में (वृद्धि)/कमी, प्रावधान तथा अपलेखन शामिल है।

#### टिप्पणी :

1. टर्नओवर = प्रचालन से राजस्व
2. नियोजित पूँजी = शुद्ध कार्यशील पूँजी + शुद्ध गैर-वर्तमान उधार की परिपक्वता + शुद्ध गैर वर्तमान परिसंपत्तियाँ, निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य, को छोड़कर, निर्माणाधीन तेल एवं गैस अमूर्त परिसंपत्तियाँ एवं पूँजीगत अग्रिम अन्वेषणात्मक/विकासात्मक कृप्त तथा निवेश।
3. इकिवटी (शुद्ध मूल्य) = इकिवटी शेयर पूँजी और कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य अन्य इकिवटी।
4. उधार = गैर – वर्तमान उधार + वर्तमान उधार।
5. लाभ मार्जिन (\*) = वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ/टर्नओवर।
6. कार्यशील पूँजी = वर्तमान परिसंपत्तियाँ (निवेश के अतिरिक्त) – वर्तमान देनदारियाँ।
7. आरओसीई = व्याज, लाभांश आय और कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी लाभांश आय को छोड़कर) / नियोजित पूँजी।
8. वर्तमान अनुपात = वर्तमान परिसंपत्तियाँ (वर्तमान निवेश सहित) / वर्तमान देयताएं।
9. ऋण इकिवटी अनुपात = कुल ऋण (गैर वर्तमान तथा वर्तमान) / इकिवटी (शुद्ध मूल्य)।
10. इकिवटी के प्रति शुद्ध लाभ (%) = वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ/इकिवटी (शुद्ध मूल्य)
11. देनदार टर्नओवर अनुपात (दिवस) = (ओसत प्राप्य/प्रचालनों से राजस्व)\*365
12. प्रति शेयर अर्जन = कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कर पश्चात लाभ/इकिवटी शेयरों की संख्या
13. प्रति शेयर बही मूल्य = इकिवटी (शुद्ध मूल्य)/ इकिवटी शेयरों की संख्या



## आय और प्रतिधारित अर्जन का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	2023-24	2022-23*	2021-22	2020-21	2019-20*	2018-19*	2017-18	2016-17	2015-16*	2014-15
<b>राजस्व</b>										
<b>बिक्री#</b>										
खनिज तेल (संघनित सहित)	918,665	1,030,076	836,612	479,338	648,363	775,729	603,899	548,036	511,316	536,638
प्राकृतिक गैस (गैस विपणन मार्जिन सहित)	334,287	374,168	124,414	114,216	193,556	188,389	137,372	139,398	182,239	187,381
द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) – घरेलू बाजार	49,704	55,543	46,752	31,973	36,038	43,490	40,352	37,276	34,951	34,380
ईथेन-प्रोपेन (सी <sub>2</sub> -सी <sub>3</sub> ) / ईथेन/ प्रोपेन / ब्यूटेन	24,778	31,601	36,715	23,962	32,551	32,590	24,226	17,264	9,441	10,064
नेथा	45,945	49,614	50,640	26,081	39,863	46,861	38,084	30,455	30,609	50,835
केरोसिन (एसकेओ)	-	67	880	837	2,465	3,355	1,178	1,321	2,118	2,771
एचएसडी	338	1,366	1,018	1,531	2,390	1,155	-	421	406	312
एलएसएचएस (निम्न स्लफर हैवी स्टॉक) / आरसीओ (अवशिष्ट खनिज तेल)	859	1,218	839	538	747	694	482	562	412	705
विमानन टरबाइन ईधन	2,765	3,692	1,544	336	889	519	-	-	-	286
अन्य	401	196	209	97	152	217	209	131	76	56
<b>अनुयोग</b>	<b>1,377,742</b>	<b>1,547,541</b>	<b>1,099,623</b>	<b>678,909</b>	<b>957,014</b>	<b>1,092,999</b>	<b>845,802</b>	<b>774,864</b>	<b>771,568</b>	<b>823,428</b>
व्यापार उत्पादों की बिक्री	-	-	-	-	-	-	-	31	84	60
अन्य प्रचालन आय	6,279	7,632	3,831	2,502	5,122	3,547	4,239	4,183	5,765	7,447
प्रचालनों से राजस्व	<b>1,384,021</b>	<b>1,555,173</b>	<b>1,103,454</b>	<b>681,411</b>	<b>962,136</b>	<b>1,096,546</b>	<b>850,041</b>	<b>779,078</b>	<b>777,417</b>	<b>830,935</b>
लाभांश आय	34,303	25,007	42,519	30,630	24,664	31,054	37,810	16,969	5,712	4,890
अन्य गैर प्रचालन आय	73,479	51,259	22,637	40,795	41,438	41,598	41,026	59,794	64,382	48,775
कुल राजस्व	1,491,803	1,631,439	1,168,610	752,836	1,028,238	1,169,198	928,877	855,841	847,511	884,600
<b>व्यय</b>										
रौप्यलौटी	140,546	182,077	136,057	81,354	115,076	134,600	99,090	115,748	89,591	116,079
ओआईडीबी उपकर	139,301	159,294	141,261	80,187	107,878	128,568	99,638	89,045	101,916	102,535
मोटर स्पिरिट उपकर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	929	933	974	989	1,020	1,063	1,122	1,129	1,137	1,123
उत्पाद शुल्क	86,607	110,039	265	539	478	268	410	2,093	1,990	2,206
सङ्करण एवं अवसंरचना उपकर	83	151	222	734	910	183	-	-	-	-
बिक्री कर#	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2,586
सेवा कर	-	-	-	-	-	-	334	289	339	290
शिक्षा उपकर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	91
चुंगी और पत्तन न्यास प्रभार#	509	348	543	434	346	322	390	354	333	6,083
<b>अनुयोग</b>	<b>367,975</b>	<b>452,842</b>	<b>279,322</b>	<b>164,237</b>	<b>225,708</b>	<b>265,004</b>	<b>200,984</b>	<b>208,658</b>	<b>195,306</b>	<b>230,993</b>
प्रचालन व्यय	267,246	249,219	217,889	189,525	215,840	226,386	206,602	210,082	197,672	163,654
विनियम हानि – शुद्ध	3,069	10,047	2,984	-	16,772	4,769	-	-	1,033	241
क्रय	-	-	-	-	-	-	-	26	72	44
स्टॉक में (शुद्धी) / कमी	(7,720)	(4,828)	(1,429)	(4,264)	2,470	(1,665)	(630)	(1,329)	352	(1,674)
अपलिखित अन्वेषण लागत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
– सर्वेक्षण लागत	18,791	22,228	17,644	17,245	16,879	18,514	14,801	17,549	15,274	19,146
– अन्वेषणात्मक कूप लागत	36,896	60,548	37,439	46,610	69,958	69,055	55,517	32,996	41,369	86,078

विवरण	2023-24	2022-23*	2021-22	2020-21	2019-20*	2018-19*	2017-18	2016-17	2015-16*	2014-15
मूल्यहास, निशेषण, परिशोधन और दृट-फूट	204,957	168,196	175,457	163,274	186,169	154,561	144,702	121,895	110,999	114,583
प्रावधान और अपलेखन	29,614	32,951	5,305	3,786	8,476	7,362	2,891	1,592	3,938	2,116
पूर्वावधि व्यय (शुद्ध)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3,839
<b>कुल व्यय</b>	<b>920,828</b>	<b>991,203</b>	<b>734,611</b>	<b>580,413</b>	<b>742,272</b>	<b>743,986</b>	<b>624,867</b>	<b>591,469</b>	<b>566,015</b>	<b>619,020</b>
ब्याज और कर से पूर्व प्रचालन आय (पीबीआईटी)	570,975	640,236	433,999	172,423	285,966	425,212	304,010	264,372	281,496	265,580
वित्तीय लागत	40,813	26,996	23,599	22,145	33,097	24,921	15,085	12,217	13,242	28
कर पूर्व लाभ और असाधारण मद्दें	530,162	613,240	410,400	150,278	252,869	400,291	288,925	252,155	268,254	265,552
असाधारण मद्दें	-	(92,351)	-	13,750	(48,990)	-	-	-	(32,266)	-
कर पूर्व लाभ	530,162	520,889	410,400	164,028	203,879	400,291	288,925	252,155	235,988	265,552
निगमित कर (शुद्ध)	124,902	119,924	7,343	51,564	69,242	132,645	89,472	73,155	74,589	88,222
कर पश्चात लाभ	405,260	400,965	403,057	112,464	134,637	267,646	199,453	179,000	161,399	177,330
अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	183,730	(5,187)	37,319	24,189	(124,609)	(17,988)	(31,827)	133,171	6,120	-
वर्ष के दौरान कुल व्यापक आय	<b>588,990</b>	<b>395,778</b>	<b>440,376</b>	<b>136,653</b>	<b>10,028</b>	<b>249,658</b>	<b>167,626</b>	<b>312,171</b>	<b>167,519</b>	<b>177,330</b>
वर्ष के प्रारंभ में प्रतिधारित अर्जन*	29,838	8,920	9,191	(5,525)	9,779	24,831	25,704	28,692	(691)	-
पुनर्कथन का प्रभाव	-	8,589	-	-	(12,625)	(12,518)	-	-	-	-
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	405,260	400,965	403,057	112,464	134,637	267,646	199,453	179,000	161,399	177,330
परिभाषित लाभ बाध्यता के पुनः मापन से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय, शुद्ध आयकर का लाभांश	(3,133)	(347)	(271)	(333)	(2,871)	(2,946)	(873)	(2,988)	(297)	-
इकिवटी शेयरों की पुनर्खरीद से संबंधित व्यय	-	-	-	-	-	75	-	-	-	-
सामान्य आरक्षित में अंतरित वर्ष के अंत में प्रतिधारित आय	276,312	212,164	288,576	75,400	50,094	154,362	110,290	64,466	72,520	79,797
26,705	29,838	8,920	9,191	(5,525)	9,780	24,831	25,704	28,692	-	-

\*पुनर्कथित

\*\*वित्तीय वर्ष 2015 – 16 से वित्तीय वर्ष 2023– 24 तक के आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुसूची – III की अपेक्षाओं के अनुसार दिये गये हैं। वित्तीय वर्ष 2014 – 15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं।

#भारतीय लेखांकन मानक की अपेक्षाओं के अनुसार बिक्री में वर्ष 2015–16 से बिक्री कर और चुंगी कर के शुद्ध को प्रदर्शित किया जाता है।





## वित्तीय स्थिति का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को*	31 मार्च, 2019 को*	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2016 को*
<b>संसाधन</b>									
क. निजी (शुद्ध मूल्य)									
1. इकिवटी									
i) इकिवटी शेर्य पूँजी	62,901	62,901	62,901	62,901	62,902	62,902	64,166	64,166	42,778
ii) अन्य इकिवटी									
(क) अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत हेतु आरक्षित निधि	323,097	136,234	141,074	103,484	78,962	200,699	215,741	246,694	110,536
(ख) अन्य	2,673,767	2,400,588	2,167,506	1,879,201	1,789,084	1,754,295	1,653,940	1,544,524	1,504,433
<b>कुल अन्य इकिवटी</b>	<b>2,996,864</b>	<b>2,536,822</b>	<b>2,308,580</b>	<b>1,982,685</b>	<b>1,868,046</b>	<b>1,954,994</b>	<b>1,869,681</b>	<b>1,791,218</b>	<b>1,614,969</b>
<b>शुद्ध मूल्य (क)*</b>	<b>3,059,765</b>	<b>2,599,723</b>	<b>2,371,481</b>	<b>2,045,586</b>	<b>1,930,948</b>	<b>2,017,896</b>	<b>1,933,847</b>	<b>1,855,384</b>	<b>1,657,747</b>
ख. गैर-वर्तमान उधार	39,882	39,499	63,969	63,275	22,451	-	-	-	-
ग. आस्थगित कर देयता (शुद्ध)	247,088	224,760	197,333	274,734	263,441	274,261	262,592	221,632	192,973
<b>कुल संसाधन (क + ख + ग)</b>	<b>3,346,735</b>	<b>2,863,982</b>	<b>2,632,783</b>	<b>2,383,595</b>	<b>2,216,840</b>	<b>2,292,157</b>	<b>2,196,439</b>	<b>2,077,016</b>	<b>1,850,720</b>
<b>संसाधनों की विघटन</b>									
क. गैर-वर्तमान उधार									
1) ब्लॉक पूँजी									
क) तेल और गैस परिसंपत्तियाँ ^	1,377,292	1,226,303	1,168,778	1,106,791	1,084,767	1,121,178	1,102,648	955,312	856,787
ख) अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण ^	127,193	104,814	97,605	90,681	92,216	96,435	92,507	91,875	85,339
ग) अमृत परिसंपत्तियाँ	2,458	1,677	1,824	2,172	1,810	1,745	1,129	883	665
घ) उपयोग अधिकार परिसंपत्तियाँ	284,280	86,162	101,149	107,354	98,198	-	-	-	-
<b>कुल ब्लॉक पूँजी</b>	<b>1,791,223</b>	<b>1,418,956</b>	<b>1,369,356</b>	<b>1,306,998</b>	<b>1,276,991</b>	<b>1,219,358</b>	<b>1,196,284</b>	<b>1,048,070</b>	<b>942,791</b>
2) वित्तीय परिसंपत्तियाँ									
क) ऋण	19,276	16,965	14,471	11,761	11,825	10,461	21,335	28,071	41,488
ख) स्थल पुनर्स्थापन निधि योजना के अंतर्गत जमा	282,055	264,106	246,306	233,587	221,522	180,926	159,912	145,387	135,592
ग) अन्य	2,177	3,796	1,672	2,684	1,504	2,649	1,647	1,418	1,486
<b>कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ</b>	<b>303,508</b>	<b>284,867</b>	<b>262,449</b>	<b>248,032</b>	<b>234,851</b>	<b>194,036</b>	<b>182,894</b>	<b>174,876</b>	<b>178,566</b>
3) अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ (पूँजीगत अग्रिम को छोड़कर)	3,254	3,851	14,182	10,972	7,232	5,667	6,495	7,349	6,789
4) गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	113,969	114,966	84,270	76,558	90,431	94,272	99,464	87,763	74,316
<b>अनुयोग (क)</b>	<b>2,211,954</b>	<b>1,822,640</b>	<b>1,730,257</b>	<b>1,642,560</b>	<b>1,609,505</b>	<b>1,513,333</b>	<b>1,485,137</b>	<b>1,318,058</b>	<b>1,202,462</b>
ख. गैर-वर्तमान देयताएँ									
क) वित्तीय देयताएँ	215,920	48,378	71,677	126,887	56,294	1,181	1,494	2,583	2,313
ख) प्रावधान	481,703	374,738	301,862	305,352	279,392	236,247	213,018	192,852	186,843
ग) अन्य गैर-वर्तमान देयताएँ	165	186	307	403	388	326	7,713	7,709	111
<b>अनुयोग-(ख)</b>	<b>697,788</b>	<b>423,302</b>	<b>373,846</b>	<b>432,642</b>	<b>336,074</b>	<b>237,754</b>	<b>222,225</b>	<b>203,144</b>	<b>189,267</b>
ग. शुद्ध गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ (क)-(ख)	1,514,166	1,399,338	1,356,411	1,209,918	1,273,431	1,275,579	1,262,912	1,114,914	1,013,195

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2022 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को*	31 मार्च, 2019 को*	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2016 को*
घ. कार्यशील पूँजी									
1) वर्तमान परिसंपत्तियाँ									
क) मालसूची	107,118	83,207	78,614	84,745	85,666	77,039	66,889	61,653	56,256
ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ									
i) व्यापार प्राप्त	114,097	102,503	117,885	77,973	47,774	84,400	77,726	64,762	54,314
ii) नकद और नकद शेष	300,313	216,340	2,362	3,026	9,682	5,041	10,127	95,108	99,566
iii) ऋण	2,823	2,591	2,442	2,254	5,117	6,339	14,021	14,269	10,272
iv) अन्य	84,554	69,240	26,770	35,480	27,739	46,175	30,418	11,347	23,202
ग) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ	46,536	56,907	131,191	114,297	93,881	63,303	15,984	15,591	34,113
बिक्री के लिए घारित के रूप में वर्गीकृत	-	-	-	-	-	1,154	-	-	-
परिसंपत्तियाँ									
अनुयोग (1)	655,441	530,788	359,264	317,775	269,859	283,451	215,165	262,730	277,723
2) वर्तमान देयताएँ									
क) वित्तीय देयताएँ									
i) वर्तमान उधार	21,210	32,689	-	86,951	117,040	215,936	255,922	-	-
ii) व्यापार देय	63,821	62,556	61,547	63,767	71,136	88,250	73,345	51,548	51,264
iii) अन्य	271,284	266,121	235,796	180,206	262,135	122,472	122,513	94,969	95,693
ख. अन्य वर्तमान देयताएँ	34,010	30,806	35,202	23,189	18,663	24,155	22,893	18,361	16,390
ग) अल्पावधि प्रावधान	25,360	19,327	33,469	13,858	10,975	15,857	12,582	21,328	7,043
घ) वर्तमान कर देयताएँ (शुद्ध)	-	-	-	328	499	499	6,363	6,129	8,391
अनुयोग (2)	415,685	411,499	366,014	368,299	480,448	467,169	493,618	192,335	178,781
कार्यशील पूँजी (घ) = (1)-(2)	239,756	119,289	(6,750)	(50,524)	(210,589)	(183,718)	(278,453)	70,395	98,942
ड गैर मौजूदा उधारों की वर्तमान परिपक्वताएँ	-	26,399	-	-	-	-	-	-	-
च नियोजित पूँजी (ग+घ+ड)	1,753,922	1,545,026	1,349,661	1,159,394	1,062,842	1,091,861	984,459	1,185,309	1,112,137
छ. निवेश									
i) वर्तमान निवेश	1,975	-	-	-	-	-	-	36,343	30,032
ii) गैर - वर्तमान निवेश	1,053,714	849,856	851,732	813,764	790,855	848,815	857,308	505,154	368,278
ज. निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य (तेल एवं गैस परिसंपत्तियाँ और पूँजी अग्रिम सहित)	293,750	266,757	233,087	194,089	151,833	116,253	113,835	126,122	132,686
झ) निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक / विकासात्मक कूप	243,374	228,742	198,303	216,348	211,310	235,228	240,837	224,088	207,587
कुल विघटन (ग+घ+छ+ज+झ)	3,346,735	2,863,982	2,632,783	2,383,595	2,216,840	2,292,157	2,196,439	2,077,016	1,850,720

\*पुनर्कथित

\*\*वित्तीय वर्ष 2015–16, से वित्तीय वर्ष 2022–23 के आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक वाली अनुसूची—II की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2014 – 15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची—II की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं।

अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत हेतु आरक्षित सहित।

^ टिप्पण : संक्रमण तिथि 1 अप्रैल 2015 की तिथि के अनुसार, उत्पादन एवं संबद्ध सुविधाओं से संबंधित परिसंपत्तियाँ के वहन मूल्य को तेल एवं गैस परिसंपत्तियाँ की समुदित राशि को प्रतिविवित करने के लिए अन्य संपत्ति संयंत्र और उपकरण से तेल एवं गैस परिसंपत्तियाँ में पुनर्समुहित किया गया है।



## वित्तीय स्थिति का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2015 को*
<b>संसाधन</b>	
<b>क. निजी</b>	
(क) इकियटी	
i) शेयर पूँजी	42,778
ii) आरक्षित एवं अधिशेष	1,403,232
<b>अनुयोग (क)</b>	<b>1,446,010</b>
(ख) घटाएं : आस्थगित राजस्व व्यय	9,781
ख. आस्थगित कर देयता	177,332
<b>कुल संसाधन (क+ख)</b>	<b>1,613,561</b>
<b>संसाधनों का विघटन</b>	
क. गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ	
<b>1) ब्लॉक पूँजी</b>	
क) स्थायी परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)*	314,907
ख) उत्पादनशील परिसंपत्तियाँ (शुद्ध) / तेल और गैस परिसंपत्तियाँ*	667,110
<b>कुल ब्लॉक पूँजी</b>	<b>982,017</b>
<b>2) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम (पूँजीगत अग्रिमों को छोड़कर)</b>	<b>193,177</b>
<b>3) स्थल पुनर्स्थापन निधि योजना के अंतर्गत जमा</b>	<b>125,444</b>
<b>4) अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ (डीआरई को छोड़कर)</b>	<b>4,397</b>
<b>अनुयोग (क)</b>	<b>1,305,035</b>
<b>ख. गैर-वर्तमान देयताएं</b>	
<b>1) दीर्घावधि प्रावधान :</b>	
क) परित्याग हेतु प्रावधान	227,138
ख) अन्य दीर्घावधि प्रावधान	26,494
<b>2) अन्य गैर-वर्तमान देयताएं</b>	<b>640</b>
<b>अनुयोग (ख)</b>	<b>254,272</b>
<b>ग. शुद्ध गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ (क)-(ख)</b>	<b>1,050,763</b>
<b>घ. कार्यशील पूँजी</b>	
क) वर्तमान परिसंपत्तियाँ	
i) मालसूची	59,623
ii) व्यापार प्राप्य	135,783
iii) नकद और नकद शेष	27,601
iv) अल्पावधि ऋण और अग्रिम	69,477
v) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ (डीआरई को छोड़कर)	4,933
<b>अनुयोग (क)</b>	<b>297,417</b>
<b>ख) वर्तमान देयताएं</b>	
i) अल्पावधि उधार	13,930
ii) व्यापार देय	55,611
iii) अन्य वर्तमान देयताएं	112,867
iv) अल्पावधि प्रावधान	20,777
<b>अनुयोग (ख)</b>	<b>203,185</b>
<b>कार्यशील पूँजी (घ) = (क)-(ख)</b>	<b>94,232</b>
<b>ङ. गैर-मौजूदा उधारों की वर्तमान परिपक्वताएं</b>	<b>-</b>
<b>च. नियोजित पूँजी (ग+घ+ङ)</b>	<b>1,144,995</b>
<b>छ. निवेश</b>	
i) वर्तमान निवेश	-
ii) गैर-वर्तमान निवेश	181,244
<b>ज. निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य (पूँजीगत अग्रिम सहित)</b>	<b>128,437</b>
<b>झ. निर्माणाधीन अन्येषणात्मक / विकासात्मक कूप</b>	<b>158,885</b>
<b>कुल विघटन (ङ+च+छ+ज+झ)</b>	<b>1,613,561</b>

## मूल्यहास और राजकोष में योगदान

(₹ मिलियन में)

विवरण	2023-24	2022-23*	2021-22	2020-21	2019-20*	2018-19*	2017-18	2016-17	2015-16*	2014-15
निम्न को आवंटित मूल्यहास का ब्यौरा :										
लाभ एवं हानि लेखा	55,688	38,768	38,719	37,679	33,285	14,171	13,293	11,971	13,785	14,367
विकासात्मक वेधन	25,569	25,939	19,597	16,602	17,516	2,947	2,317	3,586	3,216	36,774
अन्वेषणात्मक वेधन	12,754	9,583	10,666	17,780	15,891	2,646	4,894	4,111	2,729	3,284
सर्वेक्षण	764	684	773	729	1,107	783	550	430	433	589
अन्य	347	136	152	220	530	308	389	768	535	298
कुल	95,122	75,110	69,907	73,010	68,329	20,855	21,443	20,866	20,698	55,312
राजकोष में अंशदान										
केन्द्रीय										
1. रॉयल्टी	79,114	89,338	54,967	35,813	52,127	58,765	45,797	43,783	45,974	35,870
2. ओआईडीबी उपकर	139,313	159,507	141,261	80,188	107,880	128,568	99,639	89,053	101,928	102,550
3. प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	929	933	974	990	1,020	1,063	1,122	1,129	1,137	1,123
4. उत्पाद शुल्क	272	532	265	539	478	268	411	2,093	1,990	2,207
5. विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 1.7.2022 से	86,339	109,644	-	-	-	-	-	-	-	-
6. पतन न्यास प्रभार	1,334	1,205	1,335	1,311	914	970	1,219	1,148	1,062	984
7. सीमा शुल्क	3,803	367	679	1,009	1,514	1,096	636	2,200	151	77
8. सड़क एवं अवसंरचना उपकर	83	151	223	494	408	183				
9. शिक्षा उप-कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	91
10. निगमित कर										
क) ओएनजीसी लेखों पर	119,678	97,752	89,760	42,050	70,487	111,423	61,331	42,915	55,843	76,152
ख) विदेशी संविदाकारों हेतु	3	(7)	6	9	20	14	8	(7)	(38)	25
11. लाभांश#	75,941	103,724	69,156	13,299	43,940	62,900	52,748	65,439	33,912	56,029
12. लाभांश पर कर#	-	-	-	-	12,014	16,845	11,521	19,354	10,005	16,256
13. केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी)*	3,058	3,886	4,016	2,523	3,128	3,292	2,054			
14. एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी)*	2,645	2,416	1,903	2,254	2,519	3,842	2,411			
अनुयोग	512,512	569,448	364,545	180,479	296,449	389,229	278,897	267,107	251,964	291,364
राज्य										
1. रॉयल्टी	61,443	92,908	81,097	45,547	62,983	75,839	53,298	72,007	43,639	80,194
2. बिक्री कर/वैट	70,539	76,771	41,640	30,212	46,942	50,180	39,117	40,212	44,006	43,765
3. चुंगी शुल्क आदि	78	-	-	-	-	-	2,424	8,015	5,583	5,751
4. मोटर स्पिरिट - उपकर	-	-	-	36	66	15	-	-	-	-
5. राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी)	3,058	4,015	4,051	2,530	3,431	3,292	2,352			
6. त्रिपुरा सड़क विकास उपकर	2,939	3,253	1,983	1,969	1,148	159				
अनुयोग	138,057	176,947	128,771	80,294	114,570	129,485	97,191	120,234	93,228	129,710
सकल योग	650,569	746,395	493,316	260,773	411,019	518,714	376,088	387,341	345,192	421,074

\*पुनर्कथित

\*\*वित्तीय वर्ष 2015-16 से वित्तीय वर्ष 2022-23 के आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक वाली अनुसूची - III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2014-15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं।

^ विरोध करते हुए भुगतान किए गए रॉयल्टी पर जीएसटी छोड़कर

#भारतीय लेखांकन मानक के अनुसार तुलन-पत्र तिथि के उपरांत घोषित लाभांश को तुलन-पत्र तिथि के रूप में अभिज्ञात नहीं किया गया है। तदनुसार, अंतिम प्रस्तावित लाभांश और उस पर लाभांश कर को वित्त वर्ष 2015-16 से वर्ष 2023-24, तक के लिए शामिल नहीं किया गया है।



## एकीकृत रिपोर्ट

### रिपोर्ट के बारे में<sup>1</sup>

#### ओएनजीसी की एकीकृत रिपोर्ट के बारे में

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) वित्त वर्ष 2023–24 में अपनी तीसरी एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। इस रिपोर्ट में वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रदर्शन, जोखिम और अवसर प्रबंधन और ओएनजीसी की मूल्य सृजन रणनीति, हितधारक संलग्नता, अभिशासन और वर्तमान पूँजी और भविष्य की रणनीतियों के माध्यम से प्रदर्शन मूल्यांकन से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया है।

#### रिपोर्टिंग अवधि

यह रिपोर्ट दिनांक 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक की सूचना प्रदान करती है।

#### रिपोर्टिंग रूपरेखा

यह प्रतिवेदन वैल्यू रिपोर्टिंग फाउंडेशन के एकीकृत रिपोर्टिंग ढांचे द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार और जीआरआई 2021 और यूएनएसडीजी के संदर्भ में तैयार की गई है। इस प्रतिवेदन में प्रदत्त वित्तीय और सांविधिक डेटा कंपनी अधिनियम, 2013 (इसके नियमों सहित), संयुक्त राष्ट्र संधारणीय विकास लक्ष्य (यूएनएसडीजी), भारतीय लेखांकन मानक (इंड एएस), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) (सेबी एलओडीआर) विनियम, 2015 की अपेक्षाओं के अनुपालन में हैं।

#### दायरा और सीमा

इस प्रतिवेदन में आईआर फ्रेमवर्क की छह पूँजी घटकों – वित्तीय, विनिर्माण, मानव, बौद्धिक, सामाजिक और संबंध, और प्राकृतिक पूँजी – के बीच परस्पर संबंध के माध्यम से ओएनजीसी के संधारणीय विकास की गाथा को दर्शाया गया है और बताया गया है कि वे किस तरह से अल्प, मध्यम और दीर्घ अवधि में विभिन्न प्रमुख हितधारकों के लिए मूल्य सृजन करने की कंपनी की क्षमता को प्रभावित करते हैं। ओएनजीसी के एकल प्रदर्शन के अलावा, रिपोर्ट में कंपनी के संयुक्त उद्यमों और अनुषंगी कंपनियों के प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है।

#### अनुषंगी कंपनियां

- ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)
- मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)

#### संयुक्त उद्यम (जेवी)

- ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपल)
- ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)

टिप्पणी: ओएनजीसी समूह में पांच अनुषंगी कंपनियां [ओवीएल, एमआरपीएल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) और ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल)], 6 संयुक्त उद्यम [ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपल), ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी), ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल), दाहेज एसईजे लिमिटेड, मंगलौर एसईजे लिमिटेड, और इंडिया धनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)] और 3 सहयोगी कंपनियां (पवन हंस हेलिकॉप्टर लिमिटेड, रोहिणी हेलिपोर्ट लिमिटेड और पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड) शामिल हैं। तथापि, एकीकृत रिपोर्ट में केवल ओवीएल, एमआरपीएल, ओपल और ओटीपीसी से संबंधित विवरण सम्मिलित हैं। यह रिपोर्ट समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर वित्तीय पूँजी प्रदर्शन को दर्शाती है।

#### पुनर्कर्थन<sup>2</sup>

रिपोर्टिंग वर्ष में, एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट में प्रदत्त किसी सूचना का पुनर्कर्थन नहीं किया गया है।

#### ओएनजीसी का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क और वैश्विक उपस्थिति

महाराष्ट्र ओएनजीसी अन्वेषण और उत्पादन (ई. एंड पी.) में भारत की सबसे बड़ी खनिज तेल और प्राकृतिक गैस कंपनी है, जो भारतीय घरेलू उत्पादन में लगभग 63% का योगदान करती है। भारत के ऊर्जा परिवृश्य में इसकी उपस्थिति अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जो कंपनी को इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कंपनी के रूप में स्थापित करती है। इसके अलावा, ओएनजीसी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी और विदेशी उद्यम, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाती है, जिसकी 15 देशों में 32 तेल और गैस परिसंपत्तियों में हिस्सेदारी है। संधारणीय विकास के लिए प्रतिबद्ध, ओएनजीसी आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रदर्शन को प्राथमिकता देता है। मूल्य शृंखला में हितधारकों के साथ निरंतर संवाद और सहयोग के माध्यम से, कंपनी अपने विविध हितों को पूरा करती है, इस प्रकार दीर्घकालिक संधारणीयता को बढ़ावा देती है और संधारणीय विकास हासिल करती है। ओएनजीसी की वैश्विक उपस्थिति और इसके पोर्टफोलियो के बारे में विस्तृत जानकारी निगमित अभिशासन रिपोर्ट बोर्ड की रिपोर्ट में देखी जा सकती है।

<sup>1</sup> जीआरआई 2-1, 2-2, 2-3, 2-4

<sup>2</sup> जीआरआई 2-4

## अभिशासन

ओएनजीसी का निगमित अभिशासन दर्शन नैतिक व्यवहार को बनाए रखने, पारदर्शिता बनाए रखने और सभी हितधारकों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करने पर केंद्रित है, जिससे एक जिम्मेदार निगमित निकाय होने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। कंपनी, कानूनों के अनुपालन, मजबूत जोखिम प्रबंधन और नैतिक मानकों के पालन पर जोर देती है। इसके अलावा, ओएनजीसी प्रमुख हितधारकों को सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं के सटीक और पारदर्शी प्रकटीकरण और समय पर भेजने पर ध्यान केंद्रित करती है।

## निदेशक मंडल<sup>3</sup>

निदेशक मंडल, सर्वोच्च शासी निकाय के रूप में, रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करता है और निगमित अभिशासन, अनुपालन और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए प्रचालन उत्कृष्टता को आगे बढ़ाता है। उनकी सामूहिक विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, बोर्ड संधारणीय व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाता है और कंपनी के उद्देश्यों को प्रमुख हितधारकों के हितों के साथ जोड़ता है। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार, बोर्ड में 12 निदेशक शामिल हैं, जिनमें से पाँच (5) कार्यात्मक निदेशक हैं, एक (1) सरकारी नामित निदेशक और छह (6) स्वतंत्र निदेशक हैं। निदेशक मंडल के बारे में अधिक जानकारी निगमित अभिशासन रिपोर्ट से प्राप्त की जा सकती है।

## संधारणीयता अभिशासन संरचना

ओएनजीसी के पास एक मजबूत संधारणीयता अभिशासन संरचना है जो पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) सिद्धांतों को अपनी व्यावसायिक रणनीति और मुख्य प्रचालनों में सहजता से एकीकृत करती है। निदेशक मंडल सभी संधारणीयता और ई.एस.जी. पहलों की देखरेख करता है, जिसे समर्पित निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति का सहयोग प्राप्त है, जो कंपनी की सीएसआर गतिविधियों की रणनीति बनाने, उनकी निगरानी करने और उनका आंकलन करने के लिए उत्तरदायी है। बोर्ड को जोखिम प्रबंधन समिति का भी सहयोग प्राप्त है, जो कंपनी के जोखिम प्रबंधन ढांचे में ई.एस.जी. विचारों को शामिल करने के साथ-साथ संधारणीयता से संबंधित जोखिमों की पहचान करने और उन्हें कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, ओएनजीसी का कार्बन प्रबंधन और संधारणीयता समूह व्यापक नीतियों, रणनीतियों और लक्ष्यों को विकसित करके संधारणीयता पहलों के कार्यान्वयन की देखरेख करता है। समूह निगमित स्वाक्षर्य, संरक्षा और पर्यावरण (ईएसई) विभाग और सीएसआर विभाग के साथ मिलकर काम करता है, जो पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक विकास पर केंद्रित पहलों को सहयोगात्मक रूप से अंजाम देता है।

<sup>3</sup> जीआरआई 2-9, 2-12, 2-13

<sup>4</sup> जीआरआई 2-27, 415-1

## बोर्ड स्तरीय समितियां

ओएनजीसी की बोर्ड स्तरीय समितियां कंपनी के अभिशासन और रणनीतिक पर्यवेक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को कुशलतापूर्वक और पारदर्शी तरीके से प्रबंधित किया जाए। बोर्ड स्तरीय समिति(यों) का विवरण उनकी संरचना और संदर्भ शर्तों सहित निगमित अभिशासन रिपोर्ट में दिया गया है, जो एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट का भाग है।

## अनुपालन और आचार संहिता

यह आचार की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती है, जैसे आचरण, अनुशासन और अपील नियम, रिश्वत विरोधी नीतिय गोपनीय जानकारी से निपटने का आचरण, एचएसई प्रथाएं, आंतरिक व्यापार, हितों का टकराव आदि। उक्त संहिता प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग की रोकथाम और पारिस्थितिकी पर्यावरण पर इसके किसी भी उत्पाद और सेवाओं के विकास, उत्पादन, उपयोग और निपटान के किसी भी खतरनाक प्रभाव को कम करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता भी दर्शाती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने पर्यावरण (जोखिम नीति), सामाजिक (निगमित सामाजिक दायित्व नीति, मानवाधिकार नीति) और अभिशासन (संबंधित पक्षकार लेनदेन नीति, अंतरंग व्यापार विनियमन के निषेध के तहत नीति, हिस्सल ब्लॉअर नीति, धोखाधड़ी रोकथाम नीति) आदि से निपटने के लिए विशिष्ट नीतियां तैयार की हैं।

कंपनी ने नैतिक व्यवहार, संदिग्ध धोखाधड़ी, आचार संहिता के उल्लंघन और अप्राकाशित मूल्य-संवेदनशील जानकारी के लीक के बारे में वास्तविक सरोकारों की रिपोर्टिंग के लिए हिस्सल-ब्लॉअर तंत्र क्रियान्वित किया है। यह तंत्र हिस्सल-ब्लॉअर के उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा भी प्रदान करता है और अनुचित या असाधारण मामलों में संपरीक्षा समिति के अध्यक्ष तक सीधी पहुंच की अनुमति प्रदान करता है।

## लॉबिंग गतिविधियाँ<sup>4</sup>

एक उद्योग नायक के रूप में, ओएनजीसी उन नीतियों और विनियमों का समर्थन करती है, जो तेल और गैस क्षेत्र के विकास और स्थिरता को बढ़ावा देते हैं। सरकारी निकायों और उद्योग संघों के साथ सहयोग करके, कंपनी कानून और नियामक ढांचे को आकार देने में मदद करती है, जो इसके व्यावसायिक लक्ष्यों और व्यापक क्षेत्र के हितों के साथ संरेखित होते हैं। ये प्रयास ओएनजीसी के प्रचालन वातावरण को बेहतर बनाते हैं और उद्योग को दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करते हैं और नवाचार में योगदान देते हैं। ओएनजीसी किसी भी राजनीतिक दल को कोई योगदान नहीं देता है।

## जोखिम प्रबंधन ढांचा

बोर्ड स्तर पर जोखिम प्रबंधन समिति, समग्र जोखिम प्रबंधन ढांचे की देखरेख करती है, जबकि जोखिम संचालन समिति और उद्यम जोखिम प्रबंधन प्रकोष्ठ



जोखिम प्रबंधन गतिविधियों के कार्यान्वयन करने और निगरानी करने के लिए उत्तरदायी हैं। वे साथ मिलकर यह सुनिश्चित करते हैं कि ओएनजीसी की जोखिम प्रबंधन प्रथाएँ कंपनी की परिसंपत्तियों और प्रचालन की सुरक्षा और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को बढ़ाने में व्यापक और प्रभावी हैं।

ओएनजीसी ने अपने प्रचालन और मूल्य शृंखला में जोखिमों की पहचान करने, आकलन करने और प्रबंधन करने के लिए एक व्यापक उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा आत्मसात किया है। ईआरएम अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को एकीकृत करता है और आईएसओ 31000:2018 मानकों के अनुरूप है। यह पूरी तरह से जोखिम की पहचान और प्राथमिकता सुनिश्चित करने के लिए 'टॉप-डाउन' और 'बॉटम-अप' दोनों दृष्टिकोणों को नियोजित करता है। 'टॉप-डाउन' दृष्टिकोण उन प्रमुख जोखिमों पर केंद्रित होता है, जो कंपनी के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं और जोखिम-संसूचित निर्णयों का समर्थन करते हैं, जबकि 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण अलग-अलग विभागों के भीतर प्रचालन स्तर पर जोखिम प्रबंधन पर केंद्रित होता है।

ओएनजीसी अपने प्रचालन और समग्र कामकाज की सुरक्षा के लिए व्यापक जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण को अपनाता है। यह प्रक्रिया संभावित जोखिमों और उनके संबंधित परिणामों की सावधानीपूर्वक पहचान और समझ के साथ शुरू होती है। इसमें जोखिम प्रबंधन प्रदर्शन और जोखिम विश्लेषण के लिए गहन निगरानी और संपरीक्षण शामिल है, जो प्रत्येक जोखिम के कारणों, स्रोतों, ट्रिगर घटनाओं, संभावित परिणामों और संभाव्यता का आकलन करता है, जिससे उनके प्रभाव और संभावना का निर्धारण होता है। इसके बाद, जोखिम मूल्यांकन इन निर्धारित मानदंडों के विरुद्ध इन मूल्यांकित जोखिमों की तुलना करके निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे उचित शमन उपायों को अपनाने में सक्षम बनाया जाता है।



<sup>5</sup> जीआरआई 2 सामान्य प्रकटीकरण

इसके अतिरिक्त, कंपनी अपने अनिवार्य व्यावसायिक कार्यों में किसी भी संभावित बाधा को दूर करने और प्रचालन को निर्बाध बनाए रखने के लिए व्यवसाय निरंतरता योजना पर जोर देती है। इन प्रयासों के अंश के रूप में, यह प्राकृतिक आपदाओं और साइबर हमलों जैसे संभावित परिदृश्यों की एक विस्तृत शृंखला को कवर करते हुए विस्तृत आपदा रिकवरी, संकट प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाएँ विकसित करती हैं, जिससे प्रचालन संधारणीयता सुनिश्चित होती है।

ओएनजीसी अपने अभिशासन ढांचे के उच्चतम स्तरों पर पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी निष्पक्ष निर्णयन सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड स्तर पर किसी भी हित संघर्ष को प्रभावी ढंग से हल करती है। सर्वोच्च अभिशासन निकाय के सामूहिक ज्ञान को निरंतर क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के माध्यम से बढ़ाया जाता है। ओएनजीसी समय-समय पर अपने सर्वोच्च अभिशासन निकाय के प्रदर्शन का आकलन करती है, ताकि प्रभावी निगरानी और नेतृत्व सुनिश्चित किया जा सके। कंपनी प्रष्टाचार के जोखिमों हेतु प्रचालन का कठोर आकलन करती है और प्रष्टाचार की किसी भी पुष्ट की गई घटना का तुरंत समाधान करती है। इसके अतिरिक्त, यदि कोई राजनीतिक योगदान है, तो उसे पारदर्शी तरीके से सूचित किया जाता है। कंपनी सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में कानूनों और विनियमों का कड़ाई से पालन करती है तथा गैर-अनुपालन के किसी भी मामले को हल करती है।<sup>5</sup>

## पुरस्कार और सम्मान<sup>3</sup>

पुरस्कार और सम्मान के विवरण के लिए बोर्ड की रिपोर्ट का अनुलग्नक के देखें।

### इनपुट

#### वित्तीय पूँजी

इकिवटी : ₹ 3,650,905 मिलियन  
ऋण : ₹ 1,197,554 मिलियन

#### विनिर्माण पूँजी

वधित कूप : 544  
वित्त वर्ष 24 में नई खोजें : 11

#### बौद्धिक पूँजी

अनुसंधान एवं विकास पर कुल व्यय  
₹ 6,867 मिलियन  
वित्त वर्ष, 24 में दाखिल कुल पेटेंट : 9

#### प्राकृतिक पूँजी

आर.ई संयंत्रों पर पूँजीगत व्यय  
₹ 278 मिलियन  
अधिष्ठापित 193.7 मेगा वॉट

#### मानव पूँजी

कुल वहन प्रशिक्षण लागत : ₹ 5,054 मिलियन  
कर्मचारियों पर व्यय : ₹ 105,257 मिलियन

#### सामाजिक पूँजी :

सी.एस.आर व्यय : ₹ 6,345 मिलियन

### व्यवसाय मॉडल

#### हमारी दृष्टि

सतत विकास, उत्कर्ष ज्ञान और अनुकरणीय अभिशासन प्रक्रियाओं के माध्यम से एकीकृत ऊर्जा व्यवसाय में विश्व का नेतृत्व करना।

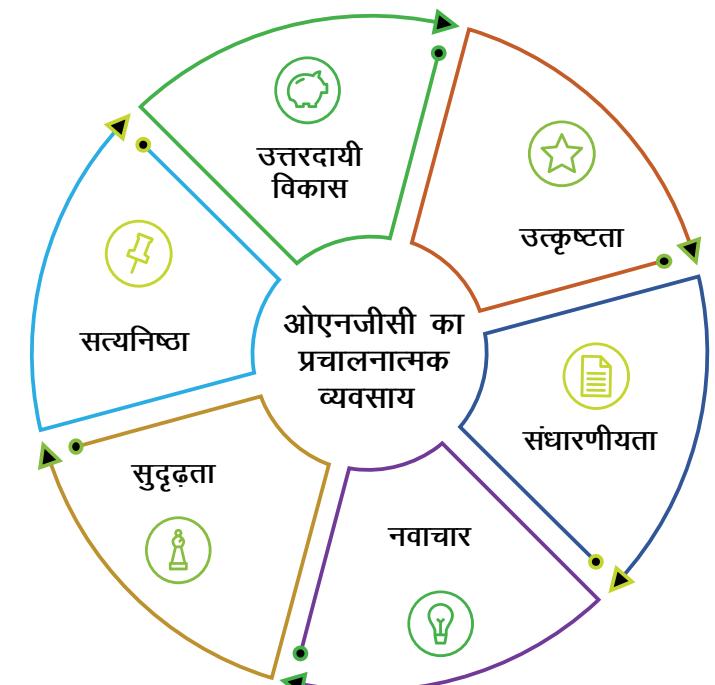
#### हमारा लक्ष्य

संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता

वित्तीय सुदृढ़ता और दीर्घकालिक विकास

हित धारक सहलगता और मूल्य सृजन



अनुसंधान और विकास

मल्टी चैनल सामंजस्य

भारत सरकार की पहलों को समर्थन

सभी उद्योगों की मांग को पूरा करने वाले उत्पादों की श्रेणी

दक्षता के लिए वर्टिकलाइजेशन और विशेषज्ञता



## आउटपुट

### वित्तीय पूंजी

कुल आय वि.व. 24 :  
₹ 6,552,589 मिलियन  
पीएटी : ₹ 571,008 मिलियन

### विनिर्माण पूंजी

ओएनजीसी ने भारत के तेल एवं गैस उत्पादन लगभग 63% का योगदान किया  
20.14 एमएमटी खनिज तेल उत्पादन  
20.65 बीसीएम प्राकृतिक गैस उत्पादन

### बौद्धिक पूंजी

वि.व. 24 में दाखिल कुल पेटेंट : 31  
संधारणीय वेधन संव्यवहारों और उत्कृष्ट पर्यावरणीय प्रदर्शन के लिए गोल्डेन पीकॉक अवार्ड 2023

### प्राकृतिक पूंजी

सौर संयंत्रों से विद्युत उत्पादन :  
62.1 एमयू  
पवन ऊर्जा संयंत्रों से विद्युत उत्पादन :  
175.7 एमयू

### मानव पूंजी

कुल प्रशिक्षण घंटे : 650,402  
ओएनजीसी की संघर्षण दर <1%  
'ग्रेट प्लेस टू वर्क' से सम्मानित

### सामाजिक पूंजी

35 मिलियन सीएसआर लाभार्थी

## परिणाम

### पी ए टी: वित्तीय पूंजी

चुनौतीपूर्ण व्यवसाय परिदृश्य के बावजूद सुदृढ़ और स्थायी वित्तीय परिणाम

### विनिर्माण पूंजी

हितधारकों के लिए मूल्य सृजन और आर्थिक लाभ प्रदान करना, दीर्घकालिक प्रचालन संधारणीयता सुनिश्चित करना

### बौद्धिक पूंजी

नए संवृद्धि अवसर और हितधारकों हेतु संधारणीय मूल्य सृजन, नयी प्रौद्योगिकी के लिए रणनीतिक सहयोग

### प्राकृतिक पूंजी

पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना, जिससे संधारणीय प्रथाओं और वर्ष 2038 तक नेट – जीरो के अनुरूप योगदान हो सके

### मानव पूंजी

मानव प्रतिभा को पोषित किया, प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को कुशल बनाया तथा उचित एवं समावेशी कार्यस्थल प्रदान किया

### सामाजिक पूंजी

सीएसआर गतिविधियों और जन-केंद्रित कार्यों में सक्रिय भागीदारी

## एसडीजी संरेखन

8 अच्छा काम और आर्थिक संवृद्धि



9 उच्चोग, नवाचार और अवसरवर्चना



9 उच्चोग, नवाचार और अवसरवर्चना



11 संधारणीय शहर और समुदाय



9 उच्चोग, नवाचार और अवसरवर्चना



6 रसायन जल और स्वस्थता



7 संवर्धनीय और स्वस्थ ऊर्जा



11 संधारणीय शहर और समुदाय



12 उत्तरदायी उपभोग और उत्पादन



13 जलवाया कार्यालयों संरचना



14 जलमण और नौन



15 शृंगि पर और नौन



3 उच्चम स्वस्थता और स्वस्थता



5 लैंगिक समानता



8 अच्छा काम और आर्थिक संवृद्धि



16 शांति, न्याय और संस्थान



1 गरीबी निवारण



2 मुख्यमंत्री की समानता



3 उच्चम स्वस्थता और स्वस्थता



4 शिक्षा



6 रसायन जल और स्वस्थता



10 कम्पार असमानता



11 संधारणीय शहर और समुदाय



13 जलवाया कार्यालयों संरचना



## हितधारक सहलग्नता और तात्त्विकता आकलन

ओएनजीसी निर्बाध प्रचालन, सहयोग को बढ़ावा देने और कंपनी की दीर्घकालिक समृद्धि को बढ़ाने के लिए विचारों के जीवंत आदान-प्रदान हेतु रणनीतिक हितधारक सहलग्नता को महत्व देता है। हितधारकों के साथ अंतःक्रिया को उच्च महत्व देते हुए, हम हितधारकों की आकंक्षाओं के प्रति सजग रहने और हितधारकों के लिए निरंतर मूल्य सृजन सुनिश्चित करने हेतु व्यवसाय विकास उद्देश्यों के साथ सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करते हैं।

### आयोजना

इस चरण में सहलग्नता प्रक्रिया के लक्ष्यों को परिभाषित करना, दायरा निर्धारण, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और सहलग्नता हेतु रणनीति विकसित करना शामिल है।

### पहचान

इस चरण में हितधारक प्रभाव और संघात का विश्लेषण, हितधारकों की प्रासंगिकता के आधार पर और अपेक्षित सहलग्नता के स्तर के आधार पर उनका वर्गीकरण शामिल है।

### रिपोर्ट

इस चरण में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए हितधारक सहलग्नता प्रक्रिया के परिणाम का प्रलेखन और संचार शामिल है।

हमारी हितधारक सहलग्नता प्रक्रिया

## हितधारक सहलग्नता ढांचा

ओएनजीसी के हितधारक सहलग्नता ढांचे को इसके विविध हितधारकों के साथ सार्थक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अभिकल्पित किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी जरूरतों और अपेक्षाओं को समझा और संबोधित किया जाए। ओएनजीसी द्वारा निर्धारित प्रमुख हितधारकों में शेयरधारक, निवेशक, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, विक्रेता, कर्मचारी, संविदा कर्मचारी, स्थानीय समुदाय, गैर सरकारी संगठन, नियामक प्राधिकरण और संयुक्त उद्यम भागीदार शामिल हैं। कंपनी इन हितधारकों के साथ विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष चैनलों के माध्यम से जुड़ती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी जरूरतें और अपेक्षाएँ पूरी हो सकें। प्रत्येक हितधारक समूह के लिए जुड़ाव के तरीकों और गतिविधियों का विवरण वित्त वर्ष 2023–24 की बीआरएसआर रिपोर्ट के सिद्धांत 4 में दिया गया है।

ओएनजीसी ने सात प्रमुख हितधारक समूहों के समाधात और प्रभाव के आधार पर उनकी पहचान की है : शेयरधारक, निवेशक, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता एवं संविदाकार, कर्मचारी, स्थानीय समुदाय और गैर सरकारी संगठन, नियामक प्राधिकरण।

## हमारी हितधारक सहलग्नता प्रक्रिया

ओएनजीसी में, हितधारकों के साथ सहलग्नता की प्रक्रिया कंपनी की नियमित प्रथाओं और रणनीतिक योजना में पूरी तरह से अंतर्निहित है। हितधारक सहलग्नता की प्रक्रिया चार प्रमुख चरणों में संरचित है, अर्थात् योजना, पहचान, सहलग्नता और रिपोर्ट।

### सहलग्नता

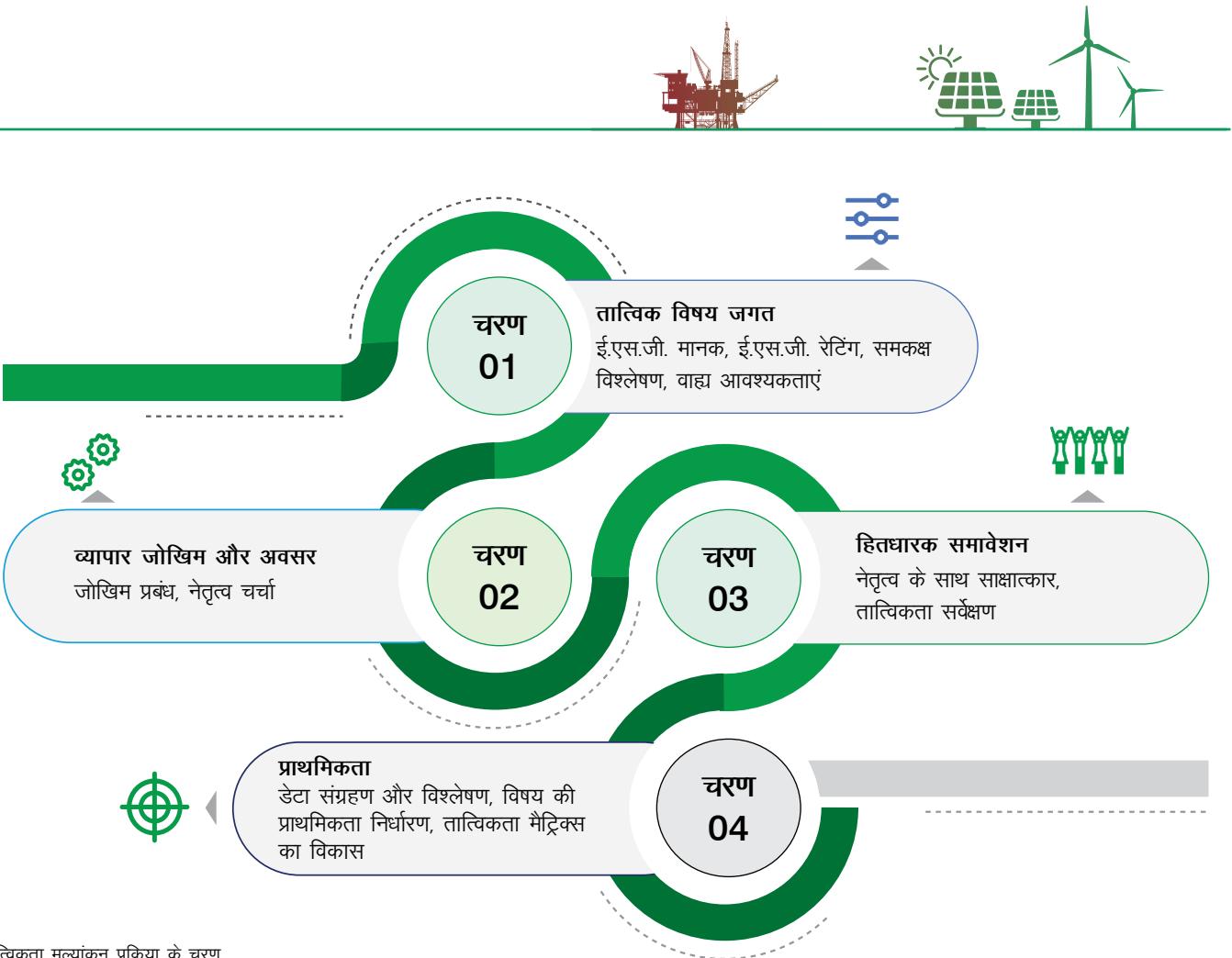
इसमें बैठक, कार्यशाला, सर्वेक्षण, लोक परामर्श और आमने-सामने की वार्ता सहित औपचारिक और अनौपचारिक माध्यमों का उपयोग करते हुए हितधारक के साथ सक्रिय सहलग्नता शामिल है।

### तात्त्विकता आकलन प्रक्रिया:

संधारणीय मूल्य सृजन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, ओएनजीसी की तात्त्विकता आकलन प्रक्रिया उन मुद्दों की पहचान करती है और उन्हें प्राथमिकता देती है, जो हमारे हितधारकों और व्यवसाय के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। उक्त प्रक्रिया हमें हितधारकों के साथ व्यवस्थित रूप से जुड़ने और हमारे व्यावसायिक उद्देश्यों के साथ-साथ उनके सरोकारों का विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी रणनीतियाँ बाहरी अपेक्षाओं और आंतरिक लक्ष्यों दोनों को पूरा करती हैं। यह प्रक्रिया जोखिम प्रबंधन को बढ़ावा देती है, अवसरों का लाभ उठाती है, और पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

<sup>6</sup> जीआरआई 2-29

<sup>7</sup> जीआरआई 3-1, 3-2



## जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण

ओएनजीसी ने राजनीतिक सुदृढ़ता बढ़ाने, सतत विकास को बढ़ावा देने और हितधारकों को निरंतर मूल्य प्रदान करने के लिए व्यापक उद्यम जोखिम प्रबंधन (ई.आर.एम.) ढांचा क्रियान्वित किया है। यह ढांचा सभी निर्धारित तात्त्विक जोखिमों को प्रबंधित करने के लिए एक संरचित और व्यवस्थित दृष्टिकोण को शामिल करता है, जो कंपनी की नियमित अभिशासन उत्तरदायित्व के साथ सरेखण सुनिश्चित करता है।

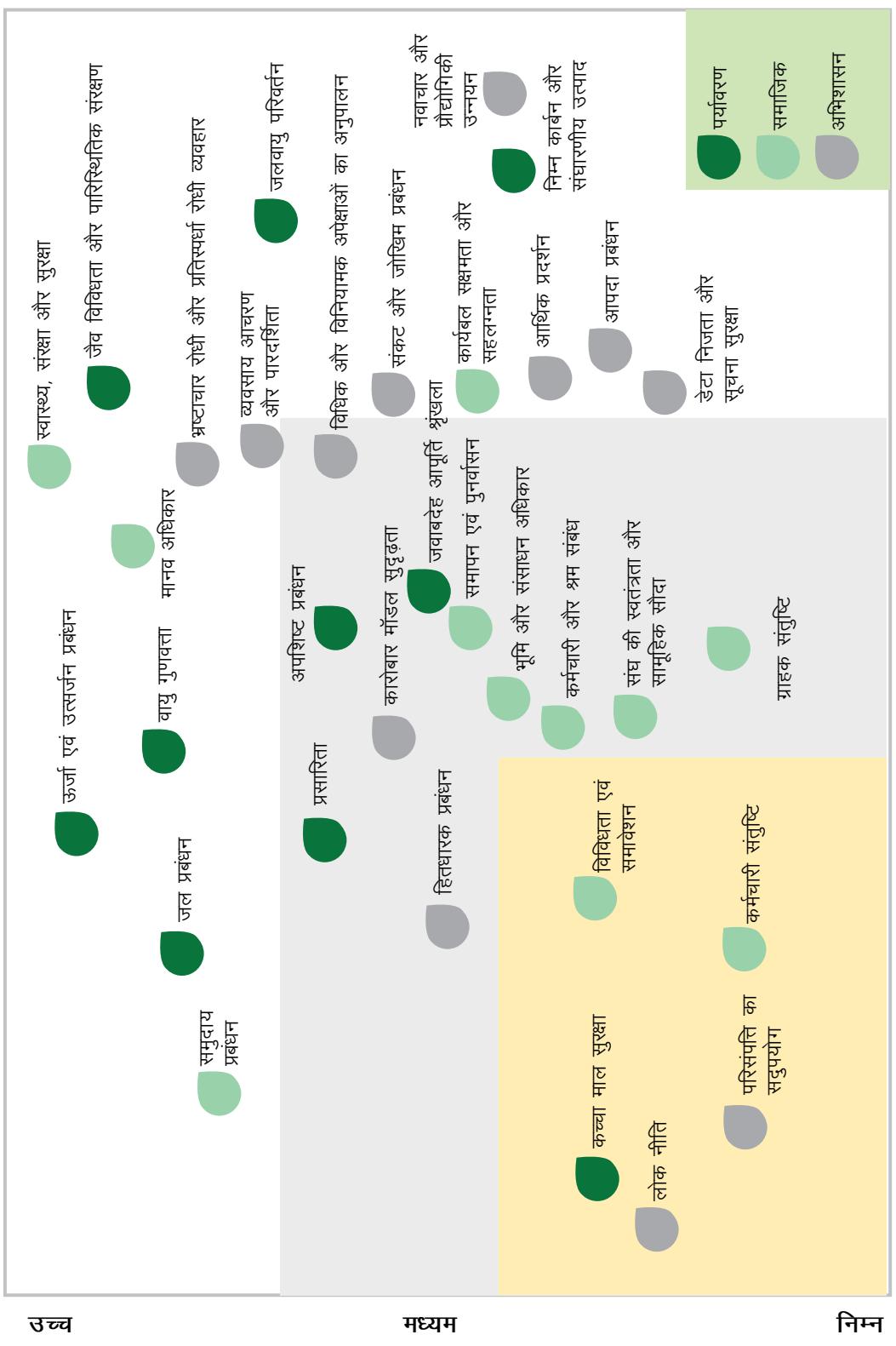
ओएनजीसी में जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया नवोन्मेषी और गतिशील है, जो व्यावसायिक जोखिमों की जटिलता और विविधता को पहचानती है। यह जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए पूरे संगठन में सुसंगत और एकीकृत समन्वय को सक्षम बनाती है।

ओएनजीसी जोखिमों के निर्धारण, आकलन और प्रबंधन हेतु 'टॉप-डाउन' और 'बॉटम-अप' दोनों दृष्टिकोणों को अपनाता है। टॉप-डाउन दृष्टिकोण उन प्रमुख जोखिमों पर स्पष्टता प्रदान करता है, जो कंपनी के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं, जोखिम प्रबंधन समिति स्तर पर जोखिम-सूचित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है, और बोर्ड द्वारा निगरानी सुनिश्चित करता है। इसके विपरीत, बॉटम-अप दृष्टिकोण में व्यापक जोखिम पहचान और प्राथमिकता निर्धारण, जोखिम नीतियों और प्रक्रियाओं का प्रतिपादन शामिल है, जो पूरी कंपनी में नियमित निर्णयन को प्रभावित करती है, और पूरे संगठन में एक मजबूत जोखिम संस्कृति को बढ़ावा देती है।

### ई.एस.जी. से संबंधित जोखिमों को रणनीतिक रूप से प्रबंधित करना

ओएनजीसी तात्त्विक मुद्दों से जुड़े ई.एस.जी. से संबंधित जोखिमों के महत्व को पहचानती है और स्वीकार करती है कि इन जोखिमों का प्रबंधन इसके प्रचालन की दीर्घकालिक संधारणीयता, हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और एक स्थायी भविष्य को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। अपनी जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया के अंश के रूप में, ओएनजीसी एक बॉटम-अप दृष्टिकोण का उपयोग करता है, जिसमें उच्च, मध्यम और निम्न श्रेणियों में जोखिमों का आकलन शामिल है। यह व्यापक दृष्टिकोण सभी संभावित जोखिमों पर गहन विचार और आकलन सुनिश्चित करता है।

## मैट्रिलिटी मैट्रिक्स





## तात्त्विक जोखिम और महत्वपूर्ण अवसर

### 1. जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा रूपांतरण

#### जोखिम विवरण

हाल के वर्षों में, जलवायु परिवर्तन तेल और गैस उद्योग के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक चुनौती के रूप में उभरी है। संबंधित जोखिमों के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) स्रोतों में परिवर्तन करने और बदलती जलवायु का सामना करने के लिए अनुकूल उपायों को लागू करने के लिए एक समन्वित वैश्विक प्रयास की आवश्यकता है। सरकारें उत्सर्जन को कम करने के लिए नीतियाँ बना रही हैं, और निवेशक कंपनियों पर एक विकसित ऊर्जा परिदृश्य को संचालित करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए लगातार दबाव बना रही है। जलवायु से संबंधित जोखिमों में समुद्र के बढ़ते जलस्तर, तीव्र चरम मौसम की घटनाएँ (जैसे चक्रवात, हीटवेप और बाढ़) और मौसमी पैटर्न में बदलाव जैसे प्रमुख भौतिक प्रभाव शामिल हैं। इन जोखिमों में कंपनी की परिसंपत्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने, आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक प्रदर्शन को बाधित करने और उपभोक्ता मांग को बदलने की क्षमता है।

प्रत्युत्तर और उत्सर्जन कार्रवाई	अवसर	प्रभावित प्रमुख पूँजी
<ul style="list-style-type: none"> <li>ओएनजीसी ने अपनी ऊर्जा रणनीति 2040 के माध्यम से अक्षय ऊर्जा में परिवर्तन कर जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों को हल करने की रणनीति बनाई है।</li> <li>इसके अलावा, ओएनजीसी डीकार्बोनाइजेशन रणनीतियों का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में है।</li> <li>ओएनजीसी नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रही है।</li> <li>ओएनजीसी ग्रीन हाइड्रोजेन, कार्बन कैप्चर यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस) आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में अवसरों की खोज के लिए घरेलू और वैश्विक विशेषज्ञों और उद्योगों के साथ सहयोग कर रही है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>नए ऊर्जा बाजारों में निवेश के अवसरों के साथ-साथ कंपनियों के भीतर नई क्षमताओं को आकर्षित करना।</li> <li>ऊर्जा संक्रमण के लिए नए उपक्रमों की खोज करना।</li> <li>कम कार्बन उत्पादों के लिए उभरते वैश्विक बाजार में भाग लेना और अपनी तकनीक को उन्नत करने के लिए अन्य कंपनियों के साथ सहयोग करना।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>वित्तीय पूँजी</li> <li>प्राकृतिक पूँजी</li> <li>विनिर्भीत पूँजी</li> </ul>

### 2. स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण

#### जोखिम विवरण

ओएनजीसी को अपने प्रचालन की भौगोलिक स्थिति और तकनीकी जटिलताओं के परिणामस्वरूप कई तरह के स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इन जोखिमों से कंपनी की प्रतिष्ठा, वित्तीय स्थिति, साथ ही इसके कर्मचारियों, संविदाकारों और स्थानीय समुदायों के स्वास्थ्य और संरक्षा पर असर पड़ने की संभावना है। ओएनजीसी के लिए प्रमुख एचएसई जोखिमों में प्रचालन क्षेत्रों में दुर्घटनाओं या घटनाओं से उत्पन्न होने वाले जीवन और संपत्ति के लिए संभावित खतरे, साथ ही सुरक्षा नियमों और वैधानिक पर्यावरणीय अपेक्षाओं का अनुपालन न करना शामिल है। ओएनजीसी के लिए सभी हितधारकों की भलाई की रक्षा करने और प्रचालन अखंडता बनाए रखने के लिए इन जोखिमों को प्रभावी ढंग से संसूचित करना और प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है।

प्रत्युत्तर और उत्सर्जन कार्रवाइयां	अवसर	प्रभावित प्रमुख पूँजी
<ul style="list-style-type: none"> <li>ओएनजीसी के पास इन जोखिमों का प्रबंधन करने और विनियामक अपेक्षाओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली है। इसके शमन कार्य इस प्रकार हैं।           <ul style="list-style-type: none"> <li>ओएनजीसी ने सुरक्षा संस्कृति में सुधार के लिए परियोजना परिवर्तन पहल शुरू की है, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारी सहलगता और बेहतर जोखिम प्रबंधन संव्यवहार हो रहे हैं।</li> <li>ओएनजीसी सभी कर्मचारियों को एचएसई प्रशिक्षण प्रदान करता है।</li> <li>इसके प्रचालन संयंत्रों में सभी कार्यस्थल आईएसओ 9001 (युणिवर्ता प्रबंधन प्रणाली), आईएसओ 14001 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली) और आईएसओ 45001 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा) प्रमाणित हैं।</li> <li>एचएसई प्रबंधन प्रणाली की प्रभावशीलता को सत्यापित करने के लिए नियमित आंतरिक संपरीक्षा और बाहरी तृतीय पक्ष संपरीक्षा।</li> <li>ओएनजीसी सुरक्षा उद्योग मानकों का पालन करता है और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियमक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के विनियमन का अनुपालन करता है। सभी कर्मचारियों के लिए आवधिक चिकित्सा परीक्षा (पीएमई) अनिवार्य है।</li> </ul> </li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>नई प्रौद्योगिकियों और अभिनव समाधानों में निवेश से प्रचालन उत्कृष्टता में सुधार होता है।</li> <li>दुर्घटनाओं और घटनाओं से बचकर, ओएनजीसी प्रत्यावर्तन, मुकदमेबाजी और नियमक जुर्माने से जुड़ी लागतों को बचाता है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>मानव पूँजी</li> <li>वित्तीय पूँजी</li> <li>विनिर्भीत पूँजी</li> </ul>

### 3. नवाचार और प्रौद्योगिकी उन्नयन

#### जोखिम विवरण

तेल और गैस उद्योग में नवाचार और प्रौद्योगिकी उन्नयन महत्वपूर्ण है, जिसका कंपनी विशेष के प्रदर्शन और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था दोनों पर दूसरामी प्रभाव पड़ता है। ओएनजीसी के भीतर, नवाचार कंपनी की संस्कृति और मिशन में गहराई से समाया हुआ है। ओएनजीसी की मुख्य चुनौती उपयुक्त प्रतिभा की पहचान करना और उसे हासिल करना, रणनीतिक साझेदारी बनाना और अपने नवाचार प्रयासों की प्रगति का आकलन करने के लिए प्रासंगिक मैट्रिक्स स्थापित करना है।

### 3. नवाचार और प्रौद्योगिकी उन्नयन

#### प्रत्युत्तर और उत्सर्जन कार्बवाईयां

ओएनजीसी का नवाचार पर विशेष ध्यान है और इसने अपनी प्रचालन प्रक्रियाओं में सुधार लाने तथा लागत कम करने के लिए अत्यधिक प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने हेतु अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में निवेश किया है।

- ओएनजीसी ऊर्जा केंद्र (आईसी) ने प्रमुख विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और अन्य बाहरी एजेंसियों के साथ सहयोगात्मक समझौते किए हैं।
- ओएनजीसी ने लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी समाधानों को प्राथमिकता दी है जो विनियमों के साथ पूरी तरह से अनुपालन करते हैं।
- ओएनजीसी अनुसंधान एवं विकास भी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

#### अवसर

- किफायती और स्वच्छ ऊर्जा में अवसरों का लाभ उठाने के लिए उद्योग नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास को अपनाना।
- ऊर्जा परिवर्तन में उभरती चुनौतियों का समाधान करना।
- उपलब्ध संसाधनों और परिसंपत्तियों के उपयोग को अनुकूलित करना।

#### प्रभावित प्रमुख पूँजी

- बौद्धिक पूँजी
- वित्तीय पूँजी
- मानव पूँजी

### 4. ऊर्जा और उत्सर्जन कार्बवाई

#### जोखिम विवरण

तेल और गैस उद्योग को अपने प्रचालन हेतु सामाजिक लाइसेंस को बनाए रखने के लिए अपनी मूल्य शृंखला को डीकार्बोनाइज करने के बढ़ते दबाव की रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ओएनजीसी ऊर्जा खपत को कम करने, दक्षता में सुधार करने और ग्राहकों को संघारणीय और कम कार्बन वाले उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। ऐसा न करने पर प्रतिष्ठा को नुकसान, राजस्व की हानि, विनियामक दंड आदि का सामना करना पड़ सकता है।

#### प्रत्युत्तर और उत्सर्जन कार्बवाईयां

ओएनजीसी ने ऊर्जा और उत्सर्जन प्रबंधन के लिए व्यापक उपाय और उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाई है:

- ओएनजीसी गैस कम्प्रेसर लगाकर फ्लेयरिंग को कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।
- ओएनजीसी ने अपने अधिष्ठापनों में ऊर्जा दक्ष एलईडी स्थापित किए हैं। नियमित रखरखाव और प्रौद्योगिकी उन्नयन ने ऊर्जा दक्षता में सुधार किया है। ओएनजीसी ने किसी भी अस्थायी उत्सर्जन का पता लगाने और रिसाव को रोकने के लिए उचित उपचारात्मक कार्बवाई करने हेतु हाइड्रोकार्बन डिटेक्टर लगाए हैं।
- ओएनजीसी ने पाइपलाइन रिसाव को रोकने के लिए सुपरिभाषित प्रक्रियाएं अपनाई हैं।
- 6 वेधन रिंग में डायेमिक गैस ब्लैंडिंग (डीजीबी) स्थापित करने और अपशिष्ट ऊर्जा रिकवरी यूनिट की स्थापना जैसी विभिन्न पहल की गई हैं।

#### अवसर

- उत्सर्जन में कमी लाने और ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने में प्रभावी योगदान जिससे लागत बचत होगी।
- डीकार्बोनाइजेशन के लक्ष्यों को प्राप्त करना।

#### प्रभावित प्रमुख पूँजी

- वित्तीय पूँजी
- प्राकृतिक पूँजी
- विनिर्मित पूँजी
- बौद्धिक पूँजी

### 5. विधिक और विनियामकीय अपेक्षाओं का अनुपालन

#### जोखिम विवरण

विनियामक वातावरण, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं और समय सीमाओं में बदलावों को नेविगेट करना व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से अनुपालन और कानूनी उल्लंघनों से बचने के मामले में। ओएनजीसी आवश्यक मानकों का पालन करने और विनियामक सीमाओं के भीतर प्रचालन करने के महत्व को पहचानता है। इसे प्राप्त करने के लिए, कंपनी को अपने प्रदर्शन उद्देश्यों को विकसित अनुपालन अपेक्षाओं के साथ संरेखित करना चाहिए, जिससे विनियामक अनुपालन के लिए एक सक्रिय और तत्पर दृष्टिकोण सुनिश्चित हो सके। ऐसा करके, ओएनजीसी जोखिमों को कम कर सकता है और कानूनी और विनियामक ढाँचों का एक मजबूत अनुपालन बनाए रख सकता है जो अनुपालन न किए जाने के कारण होने वाले किसी भी कानूनी और वित्तीय प्रभाव से बचने में मदद करता है।

#### प्रत्युत्तर और उत्सर्जन कार्बवाईयां

निम्नलिखित उपायों को क्रियान्वित कर ओएनजीसी अनुपालन जोखिमों को कम करता है और अधिक नैतिक और जिम्मेदार तरीके से प्रचालन करता है।

- ओएनजीसी कर्मचारियों को विनियामक आवश्यकताओं के बारे में अद्यतन रखने के लिए नियमित प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- नैतिक और जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति ओएनजीसी की प्रतिबद्धता कंपनी की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है और नए ग्राहकों और निवेशकों को आकर्षित करती है।
- ओएनजीसी निर्धारित कानूनों और विनियमों के साथ कंपनी के अनुपालन का आकलन करने के लिए आंतरिक संपर्कशा और बाहरी तृतीय-पक्ष संपर्कशा आयोजित करता है।
- ओएनजीसी लागू वैधानिक और विनियामक अपेक्षाओं के लिए अपने आपूर्तिकर्ताओं के लिए सम्यक तत्परता बरतता है।

#### अवसर

- सर्वश्रेष्ठ उद्योग संव्यवहारों की अनुपालन
- अनुपालन न किए जाने के कारण किसी प्रतिष्ठा जोखिम से बचते हुए ब्रांड निर्माण।

#### प्रभावित प्रमुख पूँजी

- वित्तीय पूँजी
- मानव पूँजी
- प्राकृतिक पूँजी



## विनिर्मित पूँजी

विनिर्मित पूँजी ओएनजीसी की प्रचालन क्षमता की आधारशिला है। इसमें तेल और गैस क्षेत्र, प्रसंस्करण सुविधाएं और बुनियादी ढांचे जैसी मौजूदा भौतिक परिसंपत्तियों की एक विविध श्रृंखला शामिल है, साथ ही हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भविष्य की विस्तार योजनाएं भी शामिल हैं, जो वर्ष 2038 तक शुद्ध शून्य हासिल करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह पूँजी कंपनी की अन्वेषण, उत्पादन, शोधन और वितरण गतिविधियों को निर्बाध रूप से निष्पादित करने के लिए महत्वपूर्ण है। अपने बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और विस्तार करके, ओएनजीसी ऊर्जा संसाधनों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करती है, जिससे भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा किया जा सके, राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा में योगदान दिया जा सके और भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान किया जा सके।

### प्रबंधन दृष्टिकोण<sup>8</sup>

ओएनजीसी का प्रबंधन दृष्टिकोण अपने विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और परिसंपत्तियों को बनाए रखने और बढ़ाने पर केंद्रित है। भारत की सबसे बड़ी ऊर्जा कंपनी के रूप में, ओएनजीसी प्रभावी प्रबंधन, अनुरक्षण कार्यक्रम और संधारणीयता – निर्देशित निवेश के माध्यम से प्रचालन संधारणीयता और मूल्य सृजन सुनिश्चित करती है। कंपनी सक्रिय रूप से पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को कम करती है और परिसंपत्ति दक्षता को इष्टतम करने के लिए उन्नत तकनीकों और मजबूत अभिशासन ढांचे को एकीकृत करती है। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की खोज करके, ओएनजीसी सतत विकास सुनिश्चित करती है और भारत के ऊर्जा क्षेत्र में सबसे आगे रहती है, लगातार हितधारकों को एक संधारणीय तरीके से मूल्य प्रदान करता है।

### प्रमुख विशेषताएँ

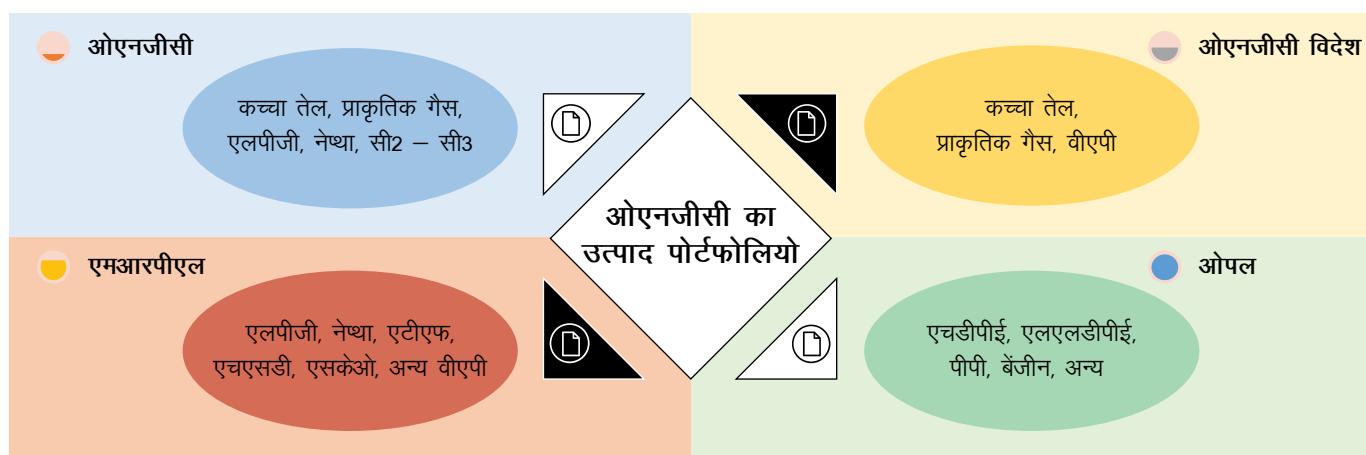


### प्रमुख संरेखित तात्त्विक मुद्दे

- उत्पाद और सेवा गुणवत्ता
- परिसंपत्ति उपयोग
- कच्चा माल की सुरक्षा

<b>21.14</b> एमटी	कुल कच्चा तेल उत्पादन
<b>20.65</b> बीसीएम	कुल प्राकृतिक गैस उत्पादन
<b>41.80</b> एमएमटीओई	समग्र ओ ओईजी उत्पादन
<b>544</b>	कुल वेधित कूपों की संख्या
<b>11</b>	वित्त वर्ष 2023–24 में नयी खोजें

### ओएनजीसी उत्पाद विवरण



<sup>8</sup> जीआरआई 2-6, 301-1

मापदंड	ओएनजीसी	एमआरपीएल	ओवीएल	ओपीएएल
बिक्री हेतु कुल उत्पादन (टन)	37,002,000	14,758,137	7,028,000	1,769,000
मूल्य वर्द्धित उत्पाद (केटी)	2,432	13,754	105	3,538

## विशेषताएँ

### खोजों का मुद्रीकरण

- ओटीपीसी के पास त्रिपुरा के पालटाना में 726.6 मेगावाट गैस आधारित संयुक्त चक्र बिजली संयंत्र है, जिसमें समान क्षमता की दो उत्पादन इकाइयाँ हैं। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान कुल 4,574 एमयू का उत्पादन किया गया।
- महानदी (डीडब्ल्यू) बेसिन में ओएएलपी ब्लॉक में पहली खोज़: ओएनजीसी ने महानदी बेसिन (डीडब्ल्यू) में ओएएलपी ब्लॉक में दो नई खोज कीं – उत्कल और कोणार्क। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023–24 में कुल 11 खोजों की घोषणा की, जिसमें छह संभावनाएँ (झूंगा, मोती, पुखराज, उत्कल, कोणार्क और पश्चिम आमोद-1) और पाँच पूल (गोपावरम, दक्षिण महादेवपट्टनम-2, चिताबारी-1, तुलामुरा-3 और पूर्वी लखीबारी-6) शामिल हैं।
- केजी-डीएन-98/2 ब्लॉक से तेल उत्पादन प्रारंभ : ओएनजीसी ने दो खोजों, केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2-एम-1 (पदमावती) और केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2-एम-3 का मुद्रीकरण किया और 07 जनवरी 2024 को बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित गहरे पानी वाले केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 ब्लॉक के 'एम' क्षेत्र से 'पहले तेल' की सफल शुरुआत की घोषणा की।
- वित्त वर्ष 2023–24 में कुल मुद्रीकृत खोजें: ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2023–24 में केजी-98/2 फैल्ड से दो के अलावा सात खोजों का मुद्रीकरण किया, जिनके नाम गोपावरम-21, करुगोरमिली-1, दक्षिण महादेवपट्टनम-2, गोजालिया-13 और पूर्वी लखीबारी-6 हैं।
- पहले कच्चे तेल के टैंकर को हरी झंडी दिखाई गई: केजी टीप वाटर ब्लॉक से पहले कच्चे तेल के टैंकर, 'स्वर्ण सिंधु' को हरी झंडी दिखाई गई।
- ओएनजीसी को अन्वेषण ब्लॉक प्रदान किए गए: ओएएलपी के तहत ओएनजीसी को 30,341.72 वर्ग किलोमीटर के ब्लॉक प्रदान किए गए।

विनिर्माण पूंजी और वर्ष 2038 तक नेट जीरो तक पहुँचने के बीच सहक्रियाशीलता

प्रक्रिया दक्षता को अधिकतम करना

- रिकॉर्ड उत्पादन उपलब्धियाँ:** ओएनजीसी की कैम्बे, जोरहाट और त्रिपुरा परिसंपत्तियों ने कच्चे तेल (कैम्बे और जोरहाट) और प्राकृतिक गैस (त्रिपुरा) में स्थापना के बाद से अब तक का सर्वाधिक दैनिक उत्पादन हासिल किया है, जिसका मुख्य श्रेय अन्वेषण संबंधी सफलताओं को जाता है।
- उरण संयंत्र में ऊर्जा दक्षता:** ओएनजीसी के उरण संयंत्र ने ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और प्राकृतिक गैस की खपत को कम करने के लिए कई प्रक्रिया अनुकूलन उपायों को क्रियान्वित किया है, जिसके परिणामस्वरूप 68.65 एमएमएससीएम (मिलियन स्टैंडर्ड घन मीटर) प्राकृतिक गैस की महत्वपूर्ण वार्षिक बचत हुई है, जिसका मूल्य ₹ 1,304 मिलियन है। प्रमुख घटकों में शामिल हैं :

  - मुफ्त वाष्प का उपयोग, 59.43 एमएमएससीएम गैस की बचत
  - आंतरिक वाष्प की खपत को अनुकूलतम करना
  - ऊष्मा के नुकसान को कम करना
  - आंतरिक गैस की खपत को अनुकूलतम करना और अतिरिक्त 9.22 एमएमएससीएम प्राकृतिक गैस की बचत करना

- फ्लेयर गैस रिकवरी परियोजना :** ओएनजीसी ने प्रक्रिया इकाई प्रचालन स्थितियों को अनुकूलतम करके फ्लेयर गैस की मात्रा को कम करने के लिए उरण संयंत्र में फ्लेयर गैस रिकवरी परियोजना क्रियान्वित की। इस पहल ने वित्त वर्ष, 23 में फ्लेयर गैस को 2.95 एमएमएससीएम प्रति माह से घटाकर नवंबर 2023 से 0.32 एमएमएससीएम प्रति माह कर दिया। कुल फ्लेयर गैस की मात्रा वित्त वर्ष 23 में 35.4 एमएमएससीएम से घटकर वित्त वर्ष, 24 में 17.93 एमएमएससीएम (फरवरी 2024 तक) रह गई, जिसके परिणामस्वरूप 17.5 एमएमएससीएम प्राकृतिक गैस की वार्षिक बचत हुई, जिसका मूल्य ₹ 420 मिलियन था।
- डायनेमिक गैस ब्लॉडिंग सिस्टम:** अंकलेश्वर परिसंपत्ति की तीन वेधन रिंग (अंकलेश्वर ई-1400-7, ई-1400-3 और ईवी-2000-2) में डायनेमिक गैस ब्लॉडिंग सिस्टम चालू किया गया और असम परिसंपत्ति ईवी-2000-3 रिंग में कार्यान्वयन के अंतिम चरण में है। हमने स्टेक उत्सर्जन में बड़ी कमी के साथ-साथ एचएसडी खपत में 45% की कमी दर्ज की। जोरहाट परिसंपत्ति ने अपनई तीन वेधन रिंगों में से दो में डीजीबी प्रणाली को क्रियान्वित करने की भी योजना बनाई है। सभी वेधन रिंग के लिए भविष्य की खरीद विनिर्देशों हेतु इस पद्धति पर विचार किया जा रहा है।

<sup>10</sup> जीआरआई 203-1, 203-2

<sup>11</sup> जीआरआई 302-4



## ओएनजीसी समूह का विविधीकरण

ओएनजीसी ग्रीन का गठन: ओएनजीसी ने 27 फरवरी, 2024 को एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड को निर्गमित किया। यह अनुषंगी कंपनी ग्रीन एनर्जी और गैस व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

ओवीएल ओवरसीज आईएफएससी लिमिटेड का गठन: ओवीएल ने गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ओवीएल ओवरसीज आईएफएससी लिमिटेड (ओओआईएल) को निर्गमित किया है, जो 15 देशों को कवर करते हुए ओवीएल और इसकी 26 अनुषंगी कंपनियों के लिए वैश्विक ट्रेजरी सेंटर के रूप में काम करेगी।

## रणनीतिक सहयोग

ओएनजीसी अपनी विशेषज्ञता और प्रचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उद्योग के समकक्ष कंपनियों और हितधारकों के साथ सहयोग करती है। ये सहयोग नवाचार को आगे बढ़ाने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

- एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) के साथ समझौता ज्ञापन:** ओएनजीसी ने ऊर्जा संक्रमण की दिशा में अपने नवीकरणीय ऊर्जा उद्देश्यों को साकार करने के लिए 27 सितंबर, 2023 को एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन मुख्य रूप से अपतटीय पवन और अन्य डोमेन पर ध्यान केंद्रित करते हुए अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की व्यवहार्यता और स्थापना का पता लगाएगा।
- एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) के साथ समझौता ज्ञापन:** ओएनजीसी ने भारत में अक्षय ऊर्जा, जल विद्युत और पंप भंडारण जलविद्युत परियोजना विकास के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए 09 अगस्त, 2023 को एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

## अग्रगामी पथ

ओएनजीसी जब भविष्य की ओर देखता है, कंपनी की संधारणीयता और मूल्य सृजन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता इसकी रणनीतिक दृष्टि में स्पष्ट है। सहयोगियों और विविध क्षेत्रों के साथ तालमेल का लाभ उठाकर, ओएनजीसी नवाचार को बढ़ावा देने और आपसी विकास को बढ़ावा देने के लिए साझा ज्ञान और संसाधनों का उपयोग करना जारी रखेगा। कंपनी लचीलेपन, प्रगति और सतत मूल्य सृजन द्वारा परिभाषित भविष्य की ओर बढ़ने के लिए एक अच्छी स्थिति में है।



## वित्तीय पूँजी

ओएनजीसी शेयरधारकों और निवेशकों के लिए मूल्य को अधिकतम करते हुए वित्तीय संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रबंधन करने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है। वर्ष 2038 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन के अपने लक्ष्य की तलाश में, कंपनी कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से ऊर्जा संक्रमण परियोजनाओं में वर्ष 2030 तक ₹ 1 लाख करोड़ और वर्ष 2038 तक संचयी रूप से ₹ 2 लाख करोड़ का निवेश करने का इरादा रखती है। ओएनजीसी निवेश के अवसरों का सावधानीपूर्वक आकलन करता है, अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) प्रयासों के लिए पूँजी आवंटित करता है, समावेशी विकास को बढ़ावा देता है और नए व्यावसायिक रास्ते तलाशता है। निवेश निर्णय लेने में, कंपनी राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों उद्देश्यों पर विचार करती है, पर्यावरणीय और सामाजिक कारकों को प्राथमिकता देती है। संधारणीय और ऊर्जा-दक्ष प्रचालन के महत्व को पहचानते हुए, ओएनजीसी एकीकृत विकास, तकनीकी उन्नति और बुनियादी ढांचे में वृद्धि जैसे दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समर्पित है।

### प्रबंधन दृष्टिकोण

ओएनजीसी अपने वित्तीय पूँजी के विवेकपूर्ण प्रबंधन के माध्यम से शेयरधारक मूल्य को अनुकूलतम करने, सतत विकास को बढ़ावा देने और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है। कंपनी एक मजबूत वित्तीय प्रबंधन ढांचा अपनाती है, जिसमें प्रभावी जोखिम शमन, पूँजी का कुशल आवंटन और पारदर्शी वित्तीय प्रकटीकरण शामिल है। ओएनजीसी की पूँजी परिनियोजन रणनीति इसके संधारणीय विकास लक्ष्यों और निवेश प्राथमिकताओं द्वारा निर्देशित होती है, जो संतुलित ऋण और इक्विटी वित्तपोषण सुनिश्चित करती है। लेखांकन मानदंडों के अनुसार, कंपनी नियमित रूप से हितधारकों को वित्तीय अद्यतन प्रदान करती है, जिसमें राजस्व, व्यय, लाभ मार्जिन और उपलब्ध नकदी प्रवाह जैसे पहलू शामिल होते हैं। ओएनजीसी निवेशकों और अन्य सभी हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य प्रदान करने में एक सशक्त तुलन पत्र और धनात्मक नकदी प्रवाह के महत्व को स्थीकार करता है।

### विशेषताएँ

<b>8</b> अच्छा काम और आर्थिक संर्वदा	<b>9</b> उद्योग, नवाचार और अवसरोंवना
<b>17</b> लक्ष्य प्राप्ति हेतु भागीदारी	<b>12</b> उत्तरदायी उपयोग और उत्पादन

### मुख्य संरेखित तात्त्विक मुद्दे

- बाजार अस्थिरता
- आर्थिक प्रदर्शन

<b>₹ 6,552,589</b> मिलियन	कुल आय
<b>₹ 571,008</b> मिलियन	कर पश्चात लाभ
<b>₹ 1,150,573</b> मिलियन	ईबीआईटीडीए
<b>₹ 4,848,459</b> मिलियन	कुल पूँजी
<b>₹ 1,197,554</b> मिलियन	कुल ऋण
<b>1.04X</b>	ऋण / ईबीआईटीडीए

### व्यवसाय प्रदर्शन

ओएनजीसी की विविध व्यावसायिक गतिविधियाँ और खंड विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करते हैं। कंपनी के चुस्त प्रचालन, जो बाजार की गतिशीलता के साथ तेजी से तालमेल बिठाते हैं, असाधारण प्रदर्शन में योगदान देते हैं और सभी व्यावसायिक खंडों में संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करते हैं। निरंतर विकास और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, ओएनजीसी अपने संसाधनों के इष्टतम उपयोग को प्राथमिकता देता है। कंपनी का लक्ष्य कार्यशील पूँजी का प्रभावी प्रबंधन करके, अप्रयुक्त या अक्षम अचल परिसंपत्तियों का निपटान करके और विकास-उन्नुख बाजारों में रणनीतिक निवेश करके राजस्व को अधिकतम करना है।

<sup>12</sup> जीआरआई 201-1, 203-2



ओएनजीसी समूह का प्रदर्शन आकर्षण		
मापदंड	वि.व. 2023–24 (₹ मिलियन में)	वि.व. 2022–23 (₹ मिलियन में)*
कुल आय (राजस्व + अन्य आय)	6,552,589	6,929,033
ईबीआईटीडीए	1,150,573	853,208
पीएटी	571,008	340,465
कुल ऋण	1,197,554	1,291,856
कुल इकियटी (अत्यव्याज सहित)	3,650,905	3,033,827
कुल पूँजीकरण	4,848,459	4,325,683
ऋण/कुल पूँजीकरण	24.70%	29.86%
ऋण/ईबीआईटीडीए	1.04X	1.51X

\* पुनर्कथित

ओएनजीसी एवं अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए आर्थिक प्रदर्शन के मुख्य बिन्दु (₹ मिलियन में)					
मापदंड	ओएनजीसी	ओपीएल	एमआरपीएल	ओपल	ओटीपीसी
जनित प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य (क)	<b>1,491,803.19</b>	<b>116,879.79</b>	<b>1,054,283.62</b>	<b>143,234.85</b>	<b>15,797.08</b>
राजस्व – शुद्ध बिक्री, निवेश से राजस्व, और परिसंपत्तियों की बिक्री	1,491,803.19	116,879.79	1,054,283.62	143,234.85	15,797.08
वितरित आर्थिक मूल्य (ख)	<b>1,199,336.13</b>	<b>93,674.94</b>	<b>1,000,822.09</b>	<b>220,002.53</b>	<b>15,993.79</b>
प्रचालन लागत	267,246.20	49,708.47	831,690.84	161,223.01	13,656.57
कर्मचारी वेतन और हितलाभ	105,256.56	5,032.73	7,720.63	1,775.38	218.98
पूँजी प्रदाताओं को भुगतान					
क) लाभांश	128,948.15	750.00	1,752.60	0.00	896.00
ख) वित्तोपण लागत (पीएल के अनुसार अत्यावधि और दीर्घावधि दोनों)	40,813.12	25,115.43	11,138.45	28,604.23	982.65
सरकार को भुगतान (राजकोष में योगदान)	650,568.75	13,068.31	148,165.97	28,399.91	203.85
समुदाय में निवेश	6,503.35	-	353.60	-	35.74
प्रतिधारित आर्थिक मूल्य (क – ख)	<b>292,467.06</b>	<b>23,204.85</b>	<b>53,461.53</b>	<b>-76,767.68</b>	<b>-196.71</b>

ओएनजीसी ने सभी सीपीएसई में सबसे अधिक बाजार पूँजीकरण प्राप्त किया है, जो दिनांक 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार ₹ 3.37 ट्रिलियन के प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2023–24 में, पूँजीगत व्यय (कैपेक्स) का उपयोग ₹ 374,942 मिलियन रहा।

#### वित्त वर्ष 2023–24 के आर्थिक प्रदर्शन की मुख्य बातें

- ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2023–24 में प्रचालन से ₹ 1,384,021 मिलियन का राजस्व प्राप्त किया।
- ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल) ने वित्त वर्ष 2023–24 में ₹ 116,879.79 मिलियन का आर्थिक मूल्य सृजित किया।
- मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) ने वित्त वर्ष 2023–24 में ₹ 1,054,283.62 मिलियन का आर्थिक मूल्य सृजित किया।
- ओएनजीसी पेट्रो एडिशन्स लिमिटेड (ओपीएल) ने वित्त वर्ष 2023–24 में ₹ 143,235 मिलियन का राजस्व अर्जित किया।
- ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी) ने वित्त वर्ष 2023–24 में ₹ 15,797 मिलियन का राजस्व अर्जित किया।

ओएनजीसी ग्रीन का पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के रूप में निगमन

ओएनजीसी ने वर्ष के दौरान, ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड को पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के रूप में स्थापित किया। ओएनजीसी हरित ऊर्जा और गैस व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करेग। ओएनजीसी ग्रीन ऊर्जा व्यवसाय की मूल्य श्रृंखलाओं अर्थात् नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन, हाइब्रिड, जलविद्युत, ज्वारीय, भूतापीय, आदि), जैव ईंधन/बायोगैस, हरित हाइड्रोजन और इसके व्युत्पन्न जैसे कि हरित अमोनिया, हरित मेथनॉल, कार्बन कैचर यूटिलाइजेशन और स्टोरेज (सीरीयूपूर्स) और एलएनजी व्यवसाय में संलग्न होगी।

## केस स्टडी:



### आईबीएम कंसल्टिंग के सहयोग से शेयरिंग फाइनेंस सर्विसेज (एसएफएस) का शुभारंभ

वर्ष के दौरान, ओएनजीसी ने विक्रेता भुगतान को केंद्रीकृत करने के लिए आईबीएम कंसल्टिंग के साथ साझेदारी में साझा वित्त सेवा (एसएफएस) का शुभारंभ किया। एसएफएस एक केंद्रीय हब के रूप में कार्य करता है, जो विक्रेता चालान का प्रबंधन करता है, डेटा को अपडेट करता है और आईबीएम कंसल्टिंग के डिजिटल टूल का उपयोग करके पूछताछ को संभालता है। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य बढ़ी हुई दक्षता और बेहतर विक्रेता अनुभव के लिए प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना है। ओएनजीसी के विक्रेता भुगतानों को केंद्रीकृत करके, यह प्रचालन में तेजी लाता है। इसके अतिरिक्त, एसएफएस जीएसटी और आयकर अधिनियम के तहत टीडीएस अनुपालना को संभालता है, एकल टैन और केंद्रीकृत विदेशी मुद्रा गतिविधियों के साथ प्रक्रियाओं को सरल बनाता है। इस प्लेटफॉर्म में अंतर्निहित प्रणालीगत संपरीक्षा और कर अनुपालना, पारदर्शिता एवं नियामक पालन को रेखांकित करते हैं।

## अग्रगामी पथ

ओएनजीसी अपनी वित्तीय प्रथाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देता है और अपने हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी जिम्मेदार निवेश निर्णयों और प्रभावी जोखिम प्रबंधन के माध्यम से पूंजी दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती है। इसका उद्देश्य लागत अनुकूलन, विविधीकरण और रणनीतिक साझेदारी सहित एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाकर अपनी वित्तीय पूंजी को मजबूत करना भी है। वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए, ओएनजीसी भविष्य की आर्थिक चुनौतियों से निपटने का प्रयास करता है, जिससे शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों और इसके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों सहित अपने हितधारकों के हितों की रक्षा होती है। यह रणनीति संधारणीयता की ओर वैशिक बदलाव और कम कार्बन अर्थव्यवस्था में संक्रमण के साथ संरेखित है।

## बौद्धिक पूंजी

पिछले कुछ वर्षों में, ओएनजीसी ने अनुसंधान एवं विकास, तकनीकी प्रगति और व्यापक कर्मचारी विकास कार्यक्रमों में पर्याप्त निवेश किया है। अपने कुशल कर्मचारियों और अत्याधुनिक तकनीकी विशेषज्ञता के कौशल का लाभ उठाते हुए, कंपनी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करती है और प्रचालन उत्कृष्टता प्राप्त करती है, जो तेल और गैस क्षेत्र में इसकी प्रमुख स्थिति के लिए महत्वपूर्ण है। मूलतः, ओएनजीसी की बौद्धिक पूंजी वह आधारशिला है, जो संगठन को बाजार की गतिशीलता के साथ तेजी से अनुकूलन करने, विकास के नए अवसरों की पहचान करने तथा अपने हितधारकों को निरंतर दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

## प्रबंधन दृष्टिकोण

ओएनजीसी का दृष्टिकोण एक ऐसी संस्कृति को पोषित करने पर केंद्रित है, जो अपनी बौद्धिक पूंजी को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए नवाचार और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करती है। कंपनी अपनी बौद्धिक संपत्तियों का उपयोग विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए करती है, बाजार में अद्वितीय उत्पादों को पेश करने और देश की आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए मजबूत अनुसंधान और विकास क्षमताओं का लाभ उठाती है। ओएनजीसी नवाचार को बढ़ावा देने और विस्तार को बढ़ावा देने के लिए बौद्धिक पूंजी को रणनीतिक रूप से प्रबंधित करने पर काफी जोर देता है।





## प्रमुख विशेषताएँ

<b>7</b> संवहनीय और स्वच्छ ऊर्जा	<b>9</b> उद्योग, नवाचार और अवसरकना	<b>31</b>	वित्त वर्ष 2023–24 में संस्थीकृत पेटेंट
		<b>₹ 6,867</b> मिलियन	अनुसंधान एवं विकास व्यय
		<b>52</b>	सफलतापूर्वक पंजीकृत कॉर्पोरेइट*

\*ओएनजीसी एकल

### संबंधित मुख्य तात्त्विक मुद्दे

- स्वास्थ्य, संरक्षा और सुरक्षा
- जलवायु परिवर्तन
- निम्न कार्बन और संधारणीय उत्पाद
- अपशिष्ट प्रबंधन
- ऊर्जा और उत्सर्जन

## ओएनजीसी के ऊर्जा केन्द्र

ओएनजीसी ऊर्जा केन्द्र ओएनजीसी से संबद्ध एक स्वतंत्र इकाई है और ओएनजीसी ट्रस्ट द्वारा संचालित है। यह मुख्य रूप से सौर तापीय ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी जैसे नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित पहलों पर ध्यान केंद्रित करता है। वर्ष के दौरान, ओएनजीसी ऊर्जा केन्द्र ने निम्नलिखित पहल की है :

- मेहसाणा में 2 मेगावाट सौर तापीय विजली संयंत्र का निर्माण
- एकल-सिलेंडर मुक्त पिस्टन स्टर्लिंग इंजन का अभिकल्पन और निर्माण, जो सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग करके शुद्ध 3 किलोवाट विद्युत उत्पादन करने में सक्षम है, जिसमें ताप भंडारण की आवश्यकता नहीं होती है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू इनडोर रसोई और हीटिंग अनुप्रयोगों के लिए कम लागत वाले शेफलर सौर सांद्रता का विकास, जिसका उद्देश्य खाना पकाने की लागत को लगभग ₹1.2 प्रति किलोग्राम तक कम करना और कम से कम 20 ग्रामीण घरों के लिए 24x7 नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग सक्षम करना है।
- झारिया और बोकारो फील्डों में कोल बेड मीथेन (सीबीएम) कूपों में गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए सूक्ष्मजैविकीय प्रक्रियाओं को विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए टेरी के साथ सहयोग।
- अंकलेश्वर फील्ड में चालू परीक्षण के साथ थर्मोफिलिक, एनारेबिक मीथेनोजेनिक बैकटीरियल कंसोर्टियम के अलगाव और उपयोग के माध्यम से कार्बन सबस्ट्रेट के रूप में तेल से मीथेन गैस का उत्पादन

ओएनजीसी की बौद्धिक पूँजी, मुख्य रूप से इसकी अनुसंधान एवं विकास क्षमताएं, इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती है और अपने हितधारकों के लिए धारणीय मूल्य सृजित करती है।



### सामाजिक मूल्य

संधारणीय परियोजना विकास में संलग्न होकर, अनुसंधान एवं विकास प्रतिस्पर्धी व्यवसायों को, समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने में सहायता कर समावेशिता को बढ़ावा देता है।



### अभिग्राहक मूल्य

अनुसंधान एवं विकास प्रतिस्पर्धी, अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों परियोजनाओं में, विभिन्न प्रकार की तकनीकों का समर्थन करके अभिग्राहक मूल्य को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।



### शेयरधारक मूल्य

आईपी पोर्टफोलियो का उपयोग करके, अनुसंधान एवं विकास प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के लिए अपनी परिसंपत्तियों का लाभ उठाना चाहता है।

## सतत मूल्य सृजन हेतु बौद्धिक पूँजी के मुख्य चालक

## नवोन्मेषी संस्कृति

ओएनजीसी का नवोन्मेष पर मजबूत ध्यान अनुसंधान एवं विकास प्रयासों में इसके पर्याप्त निवेश के माध्यम से प्रदर्शित होता है, जिसका उद्देश्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का प्रवर्तक बनना, प्रचालन क्षमता को बढ़ाना और लागत को कम करना है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों जैसी विविध संस्थाओं के साथ रणनीतिक साझेदारी की है, ताकि उनकी विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाया जा सके, जिससे नवाचार और उन्नति के लिए अनुकूल सहयोगी वातावरण तैयार हो सके :

- गैस स्वीटनिंग प्रक्रिया के लिए आईआईटी बॉम्बे के साथ सहयोग ।
- ओएनजीसी में कार्बन कैचर यूटिलाइजेशन और स्टोरेज (सीसीयूएस) विषय पर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी बॉम्बे के साथ अनुबंध ।
- बेहतर तेल रिकवरी और प्रवाह आश्वासन अनुप्रयोगों के लिए गाढ़े कच्चे तेल के माइक्रोवेव-सहायता प्राप्त संचलन के लिए राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) के साथ समझौता ज्ञापन ।
- 1 किलोग्राम लिंगनो-सेल्यूलोसिक बायोमास (एलसीबी) से लगभग 250–300 मिली इथेनॉल के उत्पादन के लिए आईआईटी रुड़की के साथ ओएनजीसी के जैव प्रौद्योगिकी और भू-विवर्तनिक अध्ययन संस्थान (आईएनबीआईजीएस) का सहयोग । इस तकनीक का 11 विभिन्न बायोमास प्रकारों पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है और संस्थान अब तकनीक के अग्रतर परीक्षण हेतु प्रायोगिक चरण की तैयारी कर रहा है।

## तेल से परे: ओएनजीसी ने वाइब्रेट गुजरात ग्लोबल ट्रेड समिट 2024 में अपनी परिवर्तनकारी यात्रा का प्रदर्शन किया :

वावाइब्रेट गुजरात ग्लोबल ट्रेड समिट 2024 में, ओएनजीसी ने 16 डिजिटल मंडप प्रदर्शित किए, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र में कंपनी की परिवर्तनकारी यात्रा और तकनीकी कौशल पर प्रकाश डाला गया । यह जनसांख्यिकीय लाभांश, डिजिटलीकरण, डी-वैश्वीकरण और डीकार्बोनाइजेशन के विषयों पर केंद्रित था । अपनी तकनीकी उन्नति से परे, मंडप ने ऊर्जा प्रवासी समुदाय में ओएनजीसी के महत्वपूर्ण योगदान और गुजरात की विकास कहानी में विशिष्ट प्रवर्तक को रेखांकित किया है । कई डिजिटल प्रदर्शन वाले मंडप ने ओएनजीसी के नवीकरणीय पोर्टफोलियो सहित प्रचालन के पैमाने पर प्रकाश डाला और कॉर्पोरेट, उद्योग और शिक्षा जगत से आने वाले आगंतुकों को आकर्षित किया । चार प्रमुख अलग-अलग खंडों में से एक खंड में पश्चिमी अभितटीय क्षेत्र अर्थात अहमदाबाद, कैम्बे, मेहसाणा और अंकलेश्वर परिसंपत्ति के विभिन्न क्षेत्रों से कच्चे तेल का प्रदर्शन किया गया । प्रदर्शनी में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें वर्ष 2038 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लक्ष्य सहित नवाचार और स्थिरता के लिए ओएनजीसी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया । इंटरैक्टिव डिस्प्ले और आभासी वास्तविकता के अनुभवों के माध्यम से, आगंतुकों को ओएनजीसी के प्रचालन और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी मिली, जिससे ऊर्जा परिदृश्य में एक नायक के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई ।

## बौद्धिक संपदा प्रबंधन

ओएनजीसी एक मजबूत आंतरिक बौद्धिक संपदा (आईपी) अभिशासन ढांचा बनाए रखता है, जो अनुसंधान पेटेंट को संगठन के व्यावसायिक उद्देश्यों के साथ जोड़ता है, जिससे तेल और गैस उद्योग के भीतर अधिक सफलता और विकास की सुविधा मिलती है। यह ढांचा गोपनीय सूचना प्रबंधन, तीसरे पक्ष की भागीदारी और वैश्विक नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करता है, जबकि ओएनजीसी को अपने उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने में सहायता करता है। अनुसंधान एवं विकास में सक्रिय निवेश के माध्यम से, ओएनजीसी लगातार नए विचारों और नवाचारों की खोज करता है, जिससे कंपनी के व्यवसाय को दीर्घकालिक रूप से लाभ मिल सकता है।

31

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान प्रदान किए गए पेटेंट

वित्त वर्ष 2023–24 में, ओएनजीसी ने नवाचार में महत्वपूर्ण प्रगति की है, इस दौरान 31 पेटेंट प्रदान किए गए तथा इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में दायर 9 पेटेंट आवेदन अनुमोदन के लिए लंबित हैं। एमआरपीएल को वित्त वर्ष 2023–24 में 2 पेटेंट प्रदान किये गए और इस वर्ष 3 नए पेटेंट दायर किए गए ।

## प्रौद्योगिकी—आधारित नवाचार

वित्त वर्ष 2023–24 में, ओएनजीसी ने संगठन के भीतर दक्षता बढ़ाने, प्रदर्शन में सुधार करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संचालन के विभिन्न पहलुओं में नई तकनीकों को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण प्रयास किए। नई तकनीकों को सक्रिय रूप से अपनाकर, ओएनजीसी का लक्ष्य तेल और गैस उद्योग में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखना है।



## प्रौद्योगिकी-आधारित कुछ नवाचार इस प्रकार हैं :

- नवीन उत्प्रेरक प्रणाली:** मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टैक्नोलॉजी (आईसीटी) के सहयोग से, ओएनजीसी ने कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) से मीथेन (सीएच4) के थर्मोकेमिकल मीथेनेशन के लिए एक नवीन उत्प्रेरक प्रणाली विकसित करने हेतु एक परियोजना शुरू की। इस नवाचार में अक्षय ऊर्जा पर आधारित भविष्य की ऊर्जा प्रणालियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है।
- नैनो-सिलिका जेल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वॉटर शट-ऑफ (डब्ल्यूएसओ)** कार्य: इस नवाचार का उद्देश्य पारंपरिक डब्ल्यूएसओ विधियों के जीवनकाल को बढ़ाना है। इसे आगार अध्ययन संस्थान (आईआरएस) एवं केशव देव मालवीय पेट्रोलियम अन्येषण संस्थान (केडीएमआईपीई) द्वारा अनुशंसित किया गया है तथा इसे अंकलेश्वर परिसंपत्ति में दो कूपों में क्रियान्वित किया गया है।
- स्व-सहायता प्राप्त प्लंजर लिफ्ट (एसएपीएल):** कूपों के द्रवीकरण के लिए यह तकनीक बाहरी ऊर्जा स्रोतों के बिना स्वायत्त रूप से संचालित होती है, जिससे निरंतर उत्पादन सुनिश्चित होता है। ओएनजीसी की त्रिपुरा परिसंपत्ति ने अगरतला डोम, कोनाबन और सुंडलबाड़ी क्षेत्रों में 20 कूपों में पायलट कार्यक्रम के तहत प्लंजर लिफ्ट सिस्टम को प्रभावी ढंग से नियोजित किया गया है।

### केस स्टडी :

सीसीयूएस लैब का उद्घाटन ओएनजीसी ने केडीएमआईपीई में एक समर्पित कार्बन कैचर यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस) प्रयोगशाला का उद्घाटन किया और आईआईटी बॉम्बे में कार्बन कैचर एंड यूटिलाइजेशन (एनसीओई-सीसीयू) में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के साथ तीन साल की रणनीतिक शोध भागीदारी पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी के माध्यम से, ओएनजीसी का लक्ष्य सीसीयूएस डोमेन में ठोस परिणाम प्राप्त करना है, जो कंपनी के शुद्ध जीरो 2038 विजन में योगदान देगा तथा भारत की शुद्ध जीरो महत्वाकांक्षा का समर्थन करेगा। नव स्थापित सीसीयूएस प्रयोगशाला शुरू में खनिज ड्रैपिंग पर काम करेगी, जिसमें सीओ2 सीक्वेस्ट्रेशन के कारण रासायनिक प्रतिक्रिया की दर और तंत्र और हॉस्ट चट्टान (बेसल्ट) पर इसके प्रभाव पर जोर दिया जाएगा।



### अग्रगामी पथ

नेतृत्व प्रथाओं के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, कंपनी ने भ्रष्टाचार की कोई पुष्ट घटना दर्ज नहीं करायी है, जो प्रचालन में इसकी ईमानदारी को रेखांकित करता है। ओएनजीसी का कर्तव्यनिष्ठ दृष्टिकोण पुनर्नवीनीकरण इनपुट सामग्री से बचने और पुनः प्राप्त उत्पादों और उनकी पैकेजिंग सामग्री की अनुपस्थिति में स्पष्ट है, जो गुणवत्ता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों के साथ ओएनजीसी का जुड़ाव, व्यापक प्रभाव आकलन और मजबूत विकास कार्यक्रम जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं तथा प्रचालन उत्कृष्टता के साथ-साथ सतत विकास को बढ़ावा देते हैं।

ओएनजीसी अपने प्रचालन के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों के प्रबंधन और शमन पर ध्यान केंद्रित करते हुए सतत विकास और मूल्य सृजन को आगे बढ़ाता रहेगा। कंपनी की परिवर्तन यात्रा हरित पहल और महत्वाकांक्षी शुद्ध जीरो लक्ष्य पर इसके मजबूत फोकस की विशेषता है। नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों एवं नवाचार और अत्याधुनिक समाधानों की निरंतर खोज में निवेश के माध्यम से, ओएनजीसी ऊर्जा उद्योग को अधिक संधारणीय भविष्य की ओर ले जाने के लिए तैयार है।

### प्राकृतिक पूंजी

ओएनजीसी के प्रचालन और दीर्घकालिक संधारणीयता के लिए प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरणीय सेवाओं का प्रभावी प्रबंधन आवश्यक है। इसमें हाइड्रोकार्बन का जिम्मेदाराना निष्कर्षण और प्रबंधन, कार्बन उत्सर्जन को कम करना, संसाधन उपयोग को इष्टतम करना और कंपनी की गतिविधियों से प्रभावित जैव विधिता और पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करना शामिल है। प्राकृतिक पूंजी के प्रभावी प्रबंधन को अपनाकर, ओएनजीसी न केवल विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन और सामाजिक अपेक्षाओं को पूरा करता है, बल्कि पर्यावरणीय प्रभावों को भी कम करता है एवं संसाधन दक्षता को बढ़ाता है तथा अधिक संधारणीय ऊर्जा भविष्य की ओर वैश्विक संक्रमण का समर्थन करता है। अपनी रणनीतिक योजना और प्रचालन में प्राकृतिक पूंजी संबंधी विचारों को एकीकृत करना उत्तरदायी संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के लिए ओएनजीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो संधारणीय विकास के व्यापक लक्ष्यों में योगदान देने के लिए आवश्यक होते हैं।

## प्रबंधन दृष्टिकोण

तेल और गैस क्षेत्र में एक अग्रणी महारत्न कंपनी के रूप में, ओएनजीसी जलवायु-संबंधी जोखिमों का प्रबंधन करने और ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देने की अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करता है। कंपनी ने वर्ष 2038 तक शुद्ध ऊर्जा (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) प्राप्त करने सहित महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इसकी समर्पित अनुसंधान शाखाएँ – जैव प्रौद्योगिकी और भू-विवर्तनिक अध्ययन संस्थान (इनविर्स), विशेष रूप से बायोगैस और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में स्थायी ऊर्जा सोल्युशंस को बढ़ावा देती हैं। कार्बन प्रबंधन और संधारणीयता समूह (सीएम एंड एसजी) कंपनी की प्राकृतिक पूँजी के संचलन हेतु निगमित स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) और निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभागों के साथ मिलकर काम करता है। ये विभाग विभिन्न पर्यावरणीय प्रबंधन पहलों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। ओएनजीसी एकीकृत गुणवत्ता, स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण नीति, अपशिष्ट प्रबंधन नीति और ई-अपशिष्ट नीति सहित नीतियों के एक व्यापक सेट का पालन करके मजबूत जलवायु प्रबंधन सुनिश्चित करता है।

## विशेषताएँ

<b>6</b> स्वच्छ जल और स्वच्छता	<b>7</b> संवहनीय और स्वच्छ ऊर्जा	<b>11</b> संधारणीय शहर और समुदाय	<b>12</b> उत्तरदायी उपयोग और उत्पादन
<b>13</b> जलवायु कार्बनवाइया	<b>14</b> जलमग्न जीवन	<b>15</b> भूमि पर जीवन	

<b>₹ 277.9</b> मिलियन	आरई संयंत्रों पर कैपेक्स
<b>237.8</b> मिलियन इकाई	आरई जनित बिजली
<b>0.25</b> एमएमटीसीओ२ई	बचाया गया उत्सर्जन

## संरेखित मुख्य सामग्री मुद्दे

- वायु गुणवत्ता स्वास्थ्य
- जलवायु परिवर्तन
- जैव विविधता और पारिस्थितिकी
- संरक्षण
- जल प्रबंधन
- ऊर्जा और उत्सर्जन प्रबंधन
- निम्न कार्बन और संधारणीय उत्पाद
- अपशिष्ट प्रबंधन

भारत के प्रमुख ऊर्जा प्रदाता के रूप में, ओएनजीसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है। भारत सरकार के लक्ष्यों के अनुरूप कंपनी ने अपने प्रमुख ध्यान केंद्रित क्षेत्रों की पहचान की है और निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी संधारणीयता पहलों को निर्देशित किया है :

जलवायु परिवर्तन	ऊर्जा प्रबंधन	जल प्रबंधन
अपशिष्ट जल प्रबंधन	अपशिष्ट प्रबंधन	जैव विविधता और पारिस्थितिकी संरक्षण



## पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली

ओएनजीसी निम्न कार्बन ऊर्जा कंपनी में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसने वर्ष 2038 तक शुद्ध शून्य स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। कंपनी ने ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी, स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन और नियमित फ्लेयरिंग को समाप्त करके इस लक्ष्य की दिशा में आगे काम करने के लिए ₹2 लाख करोड़ का निवेश करने का संकल्प लिया है। ओएनजीसी ने दुबई में सीओपी 28 के दौरान तेल और गैस डीकार्बोनाइजेशन चार्टर पर भी हस्ताक्षर किए हैं और वर्ष 2030 तक शुद्ध शून्य अपरस्ट्रीम मीथेन उत्सर्जन और सभी प्रचालनों पर नियमित फ्लेयरिंग को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कॉम्पैक्ट कन्वेंशन में, ओएनजीसी को इसके अनुकरणीय प्रचालन सुधार के लिए सम्मानित किया गया था। कंपनी ने वर्ष 2035 तक 1 एमएमटी ग्रीन अमोनिया और 180 केटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए लगभग ₹10 बिलियन का निवेश करने की योजना बनाई है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अपने नेट जीरो लक्ष्यों के अनुरूप नई तकनीकों और हरित ऊर्जा उत्पादों के विकास में निवेश कर रही है, जैसा कि इस रिपोर्ट के 'बौद्धिक पूँजी' खंड में विस्तार से बताया गया है।

### जीएचजी उत्सर्जन – ओएनजीसी एकल

8,961,199 टन सीओ2 उत्सर्जन	402,000 टन सीओ2 उत्सर्जन	6.57	19,350,000 टन सीओ2 उत्सर्जन
स्कोप 1 उत्सर्जन	स्कोप 2 उत्सर्जन	स्कोप 1 एवं 2 उत्सर्जन तीव्रता (टन सीओ2 उत्सर्जन/ ₹ मिलियन)	स्कोप 3 उत्सर्जन

जीएचजी उत्सर्जन – ओएनजीसी समूह (मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन समतुल्य – मिलियन टन सीओ2<sup>13</sup>)

स्कोप 1 एवं 2	वि.व. 2023–24	वि.व. 2022–23	वि.व. 2021–22
ओएनजीसी	9.36	8.89	9.14
ओटीएसी	1.66	1.64	1.57
ओवीएल	1.02	1.60	0.33
एमआरपीएल	5.67	6.00	4.62

### ऊर्जा दक्षता एवं नवीकरणीय ऊर्जा पहलें

ओएनजीसी विभिन्न पहलों और उपायों के कार्यान्वयन के माध्यम से ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए समर्पित है:

#### ओएनजीसी की जलवायु संबंधी प्रतिबद्धताएँ

- वर्ष 2038 तक शुद्ध शून्य (वित्त वर्ष 2021–22 के आधार वर्ष से)
- सीओपी 28 के दौरान तेल और गैस डीकार्बोनाइजेशन चार्टर पर हस्ताक्षरकर्ता
- वर्ष 2030 तक नेट जीरो अपरस्ट्रीम मीथेन उत्सर्जन
- वर्ष 2030 तक नियमित फ्लेयरिंग को समाप्त करना

- ऊर्जा दक्षता पहल :** ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2023–24 में प्रक्रिया अनुकूलन, फ्लेयर गैस रिकवरी और ऊर्जा-दक्ष उपकरणों के माध्यम से ऊर्जा खपत को कम करने के लिए निम्नलिखित पहल की हैं।

पहलें	वार्षिक ऊर्जा बचत	विवरण
एलईडी लाइट अधिष्ठापन	276,120 जीजे	36 लाख एलईडी लाइटें लगायी गयी, 76.7 एमयू विद्युत बचत हुई
उरण संयंत्र में फ्लेयर गैस रिकवरी	685,305जीजे	वित्त वर्ष 2023–24 में 17.54 एमएमएससीएम फ्लेयर गैस परिमाण की बचत
उरण संयंत्र में प्रक्रिया इश्टतमीकरण	2,682,224 जीजे	गैस बचत 68.65 एमएमएससीएम

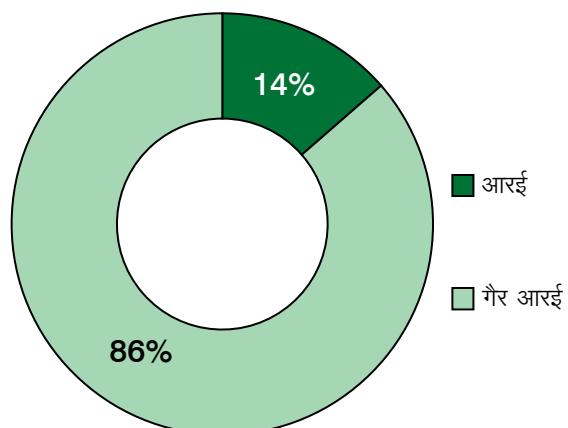
- अक्षय ऊर्जा पहल-सौर और पवन ऊर्जा पहल :** वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान स्थापित सौर ऊर्जा की कुल क्षमता कैम्बे और काकीनाडा में 3 मेगावाट है। उत्पादित अक्षय ऊर्जा 2.82 मिलियन यूनिट (एमयू) है। 31 मार्च 2024 तक अक्षय ऊर्जा की कुल अधिष्ठापित क्षमता 193.7 मेगावाट (सौररू 39.8 मेगावाट और पवनरू 153.9 मेगावाट) है।
- व्यवहार परिवर्तन पहल :** सक्षम की सफल तेल और गैस संरक्षण, स्वच्छ और हरित ऊर्जा पहलों के माध्यम से, ओएनजीसी ने अपनी वार्षिक पहल में लगभग 25 लाख प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 1,024 गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न ऊर्जा संरक्षण को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया।
- ऊर्जा संपरीक्षा :** वित्त वर्ष 2023–24 में इन-हाउस ऊर्जा संपरीक्षकों के माध्यम से ओएनजीसी में विभिन्न रिगें अधिष्ठापनों में 322 ऊर्जा संपरीक्षा आयोजित की गई।
- एलईडी लाइटिंग :** एलईडी लाइटिंग कार्यक्रम के कार्यान्वयन के तहत ओएनजीसी के विभिन्न कार्य केंद्रों में वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान 5,049 एलईडी लाइटें लगाई गई। ओएनजीसी में अब तक कुल 3.6 लाख एलईडी लाइटें लगाई जा चुकी हैं। इससे सालाना करीब 75.9 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली की बचत होगी जिसकी कीमत और ₹540 मिलियन ऑकी गई है।

<sup>13</sup> जीआरआई 305-1, 305-2, 305-3, 305-4

## ऊर्जा प्रबंधन

स्वच्छ पर्यावरण और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने विजन 2040 की प्रतिबद्धता के अनुरूप, ओएनजीसी ने हरित ऊर्जा में रणनीतिक निवेश किया है। कंपनी सौर, पवन, ज्वारीय और भूतापीय स्रोतों से बिजली उत्पादन यहरित हाइड्रोजन और उसके व्युत्पन्न, जैव ईंधन और एलएनजी सहित कम कार्बन वाले उत्पादों और सेवाओं के अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

### ओएनजीसी का एकल आरई खपत



ओएनजीसी ने अपने सभी प्रमुख अधिष्ठापनों और संयंत्रों के लिए आईएसओ 50001 प्रमाणन प्राप्त किया है। कंपनी अपने कार्यालयों को हरित स्थानों में परिवर्तित करने और अपनी सुविधाओं में एलईडी प्रकाश व्यवस्था लागू करने जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से सक्रिय रूप से ऊर्जा दक्षता बढ़ा रही है।

संगठन के अंदर कुल ऊर्जा खपत 127,142,014 गीगाजूल थी और संगठन के बाहर 1,897,498,384 गीगाजूल थी। अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के लिए, ओएनजीसी ने कैम्बे और काकीनाडा में नए सौर ऊर्जा प्रतिष्ठान स्थापित किए, जिन्होंने कंपनी के समग्र ऊर्जा मिश्रण में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी की पवन ऊर्जा परियोजनाएं पर्याप्त बिजली उत्पन्न कर रही हैं, जिसका एक बड़ा हिस्सा कंपनी द्वारा खपत किया जाता है और बाकी ग्रिड में अन्तर्क्षेपित किया जाता है।

भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान, ओएनजीसी और एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करने के लिए एक संयुक्त उदाम समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें अपतटीय पवन पर विशेष ध्यान दिया गया। ओएनजीसी ने मीथेन उत्सर्जन का पता लगाने और मापन हेतु टोटल एनर्जीज के एयरबोर्न अल्ट्रालाइट स्पेक्ट्रोमीटर फॉर एनवायरनमेंटल एप्लीकेशन (एयूएसईए) तकनीक को नियोजित करने के लिए टोटल एनर्जीज के साथ सहयोग समझौता भी किया। यह समझौता तेल और गैस डीकार्बोनाइजेशन चार्टर (ओजीडीसी) लक्षणों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक भारत में मीथेन उत्सर्जन को कम करना है।

317,306 जीजे	175.7 एम्यू	85.22
वर्ष के दौरान खपत की गई अक्षय ऊर्जा*	पवन ऊर्जा संयंत्रों से उत्पन्न ऊर्जा*	ऊर्जा तीव्रता (जीजे /मिलियन)*

\*ओएनजीसी एकल

## केस स्टडी

**दहेज-फ्लोटिंग सोलर संयंत्र:** दहेज संयंत्र ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और उसे अपनी सुविधा के भीतर 2.2 मेगावाट का यूटिलिटी-स्केल सोलर विद्युत संयंत्र अधिष्ठापित करने की परियोजना दी गयी है, ताकि अक्षय ऊर्जा और संधारणीयता के नए क्षेत्रों का पता लगाया जा सके। इस परियोजना के भाग के रूप में, दो सौर संयंत्र स्थापित किए जाएंगे रुप हला 2 मेगावाट का ग्राउंड-माउंटेड सिस्टम और दूसरा 200 किलोवाट का फ्लोटिंग सिस्टम। ओएनजीसी में पहली बार, 200 किलोवाट का फ्लोटिंग सोलर अधिष्ठापन, वाष्णीकरण के माध्यम से होने वाले कीमती पानी के नुकसान को काफी हद तक कम करेगा और साथ ही अक्षय ऊर्जा में नवीनतम तकनीकों को अपनाकर एक साहसिक और अग्रणी पहल करेगा। पानी द्वारा प्रदत्त शीतलन प्रभाव के कारण फ्लोटिंग सोलर इंस्टॉलेशन में जमीन पर स्थापित संयंत्र की तुलना में अधिक दक्षता का अतिरिक्त लाभ होता है।।



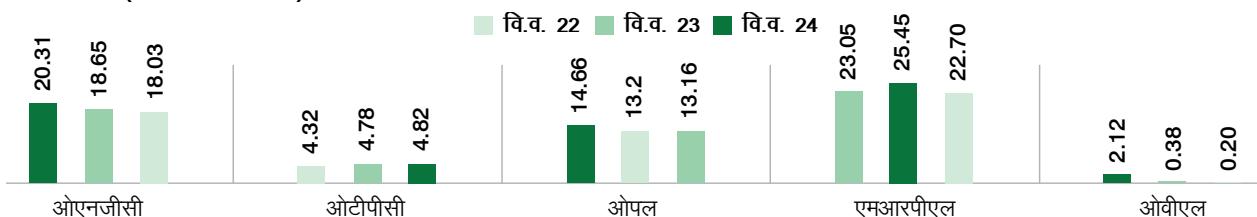
<sup>14</sup> जीआरआई 302-1, 302-2, 302-3



## जल प्रबंधन

ओएनजीसी मुख्य रूप से कच्चे तेल के अन्वेषण एवं निष्कर्षण और प्राकृतिक गैस की खोज और निष्कर्षण में काम करता है और ये गतिविधियां जल संसाधनों पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं। इन गतिविधियों के महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रभाव को स्वीकार करते हुए, कंपनी ने पिछले दशक में संधारणीय जल प्रबंधन प्रथाओं में काफी निवेश किया है। इन पहलों का उद्देश्य अलग-अलग स्थलों पर जल सुरक्षा से संबंधित संभावित जोखिमों और प्रभावों का सामना करते हुए शोधित जल के कुशल पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग को बढ़ाना है। जल प्रबंधन हेतु ओएनजीसी की प्रतिबद्धता पर्यावरण संरक्षण के प्रति इसके एक रणनीतिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो प्रचालन आवश्यकताओं को संधारणीयता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ संतुलित करने के प्रति कंपनी के समर्पण को प्रदर्शित करती है।

### जल खपत (बिलियन लीटर में)



## अपशिष्ट जल प्रबंधन

ओएनजीसी अपने प्रचालनों के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रभावी अपशिष्ट जल शोधन की चुनौतियों का समाधान करने के लिए, कंपनी ने 42 अपशिष्ट शोधन संयंत्र (ईटीपी) स्थापित किए हैं, जो अभियान उत्पादन अधिष्ठापनों और संयंत्रों से 104,170 घन मीटर/दिन अपशिष्ट को संभालने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

अत्यधिक कुशल ऑपरेटर ईटीपी में अपशिष्ट जल का शोधन करके उच्च गुणवत्ता वाला अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं, जिसका कई तकनीकी प्रयोजनों जैसे आगार का दबाव बनाए रखने हेतु इसका पुनःउपयोग किया जा सकता है। वेधन स्थलों पर अपशिष्ट जल उपचार के मुद्दों के समाधान हेतु ओएनजीसी के इन्हिंसन ने सीएसआईआर-एनईआईएसटी के साथ एक सहयोगी परियोजना शुरू की, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रोस्प्यन नैनोफाइबर डिल्टी विकसित करना है, जो शोधित अपशिष्ट जल के पुनःउपयोग की सुविधा प्रदान करती है। वर्तमान प्रयासों का फोकस अपशिष्ट जल शोधन प्रणालियों को विकसित करने पर है, जो उत्पादित अपशिष्ट जल को लक्षित पुनर्प्राप्ति दर 60% के साथ पेयजल में परिवर्तित करने में सक्षम हो।

वित्त वर्ष 2023–24 में, ओएनजीसी ने निम्नलिखित अपशिष्ट जल प्रबंधन उपाय शुरू किए :

- मेहसाणा परिसंपत्ति में, ईटीपी जल-आधारित वेधन द्रव प्रणाली का उपयोग करके 42 कूपों का वेधन किया गया, जिससे 25,642 घन मीटर मीठे पानी की बचत हुई।
- अंकलेश्वर परिसंपत्ति में, वेधन स्थल के मोबाइल बहिःसाव शोधन संयंत्र (एमईटीपी) से पानी का उपयोग करके कम्पलीशन द्रव तैयार किया गया, जिससे 164 घन मीटर मीठे पानी की बचत हुई।

ओएनजीसी को विभिन्न जल-आधारित वेधन द्रव पदार्थों की तैयार करने हेतु शोधित अपशिष्ट जल के उपयोग और जल उत्पादन के लिए गोल्डन पीकॉक इको-इनोवेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

## अपशिष्ट प्रबंधन

ओएनजीसी अपशिष्ट पदार्थों को प्रभावी ढंग से हैंडलिंग और निस्तारण एक मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का निर्माण किया है, हैंडलिंग, भंडारण, परिवहन और निस्तारण के संबंध में सभी प्रासंगिक कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करता है। अपशिष्ट के पर्यावरणीय प्रभाव और संधारणीय प्रथाओं के महत्व को स्वीकार करते हुए, कंपनी अपने प्रचालन में व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को क्रियान्वित करती है। ये रणनीतियाँ अपशिष्ट उत्पादन को कम करने, पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग को अधिकतम करने और किसी भी संभावित प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए नवीन तकनीकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने को प्राथमिकता देती हैं।

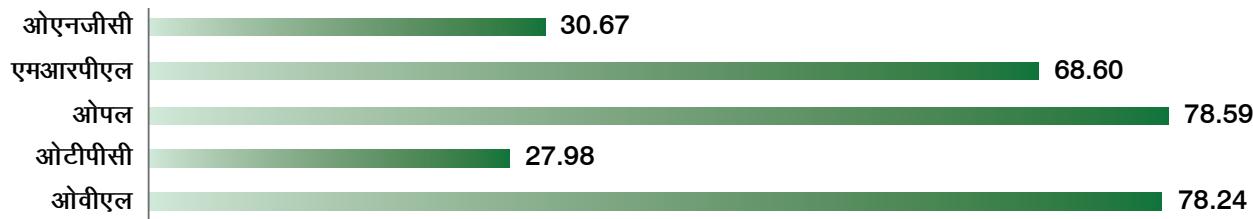
ओएनजीसी खतरनाक अपशिष्ट का जिम्मेदाराना निस्तारण सुनिश्चित करती है, दूषित खाली बैरल/कंटेनरों, ईटीपी से रासायनिक गादों, वेधन स्थलों पर प्रयुक्त तेल और तेल युक्त गाद की उचित हैंडलिंग पर नजर रखती है। ओएनजीसी की अहमदाबाद और मेहसाणा परिसंपत्तियों ने बड़े पैमाने पर जैवोपचार प्रयासों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है, जिससे तेल-दूषित अपशिष्ट की पर्याप्त मात्रा का प्रभावी ढंग से शोधन किया गया है। कंपनी ने अंकलेश्वर, असम, कावेरी और राजमहेन्द्री परिसंपत्तियों में इसी तरह की परियोजनाएँ शुरू की हैं, जो अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति इसके व्यापक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती हैं। वित्त वर्ष 2023–24 में ओएनजीसी द्वारा उत्पन्न कुल अपशिष्ट 138,401 मीट्रिक टन है।

ओएनजीसी ने उन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सहायक उपकरणों का जिम्मेदार निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए एक ई-अपशिष्ट नीति क्रियान्वित की है, जो अपने उपयोगी जीवन के अंत तक पहुँच चुके हैं। इस नीति के अनुसार, कंपनी पर्यावरण के अनुकूल तरीके से ई-अपशिष्ट का निस्तारण करने के लिए प्रमाणित पुनर्चक्रणकर्ताओं या अधिकृत टेक-बैंक सेवा प्रदाताओं के साथ सहयोग करती है।

<sup>15</sup> जीआरआई 303-1, 303-2, 303-5

<sup>16</sup> जीआरआई 306-1, 306-2, 306-3

वि.व. 2023–24 में पुनर्चक्रित/पुनः प्रयुक्त अपशिष्ट जल (%)



## ओएनजीसी देहरादून में परि-अपशिष्ट प्रबंधन

ओएनजीसी के देहरादून तेल भवन परिसर में बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए वर्मीकंपोस्ट बेड स्थापित किए गए हैं। वर्मीकंपोस्टिंग एक स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली है, जो सूखे पत्तों और अन्य जैविक अपशिष्ट के विघटन हेतु केंचुओं का उपयोग करती है, इसे पोषक तत्वों से परिपूर्ण खाद में परिवर्तित करती है, जिससे आग लगने का खतरा कम होता है और परिसर की स्वच्छता में सुधार होता है। यह पहल वैश्विक संधारणीयता प्रयासों के अनुरूप है, एक वृत्तीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है और लैंडफिल अपशिष्ट को कम करती है। तेल भवन में प्रायोगिक की सफलता के साथ, कंपनी अन्य ओएनजीसी परिसरों में इस परियोजना का विस्तार करने के लिए तैयार है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।



## जैव विविधता और पारिस्थितिकी संरक्षण

ओएनजीसी समूह प्रकृति, बनस्पतियों और जीवों तथा जैव विविधता की सुरक्षा में निरंतर अग्रणी रहा है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 का अनुपालन करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, ओएनजीसी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने से पहले अपने प्रचालन क्षेत्रों में पाई जाने वाली अनुसूची-1 प्रजातियों के लिए एक व्यापक संरक्षण योजना तैयार करता है और आवश्यक निर्धारित निधियों के साथ संबंधित राज्य वन्यजीव प्रभाग को प्रस्तुत करता है। प्रचालन उत्कृष्टता के प्रति इस समर्पण ने जैव विविधता और स्थानीय पर्यावासों को नुकसान होने से बचाने में मदद की है।

ओएनजीसी जैव विविधता संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के अनुरूप वृक्षारोपण जैसे प्रयास कर रहा है :

### मियावाकी वृक्षारोपण अभियान :

- राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर, ओएनजीसी के एमबीए बेसिन ने मियावाकी वृक्षारोपण तकनीक का उपयोग करके एक वृक्षारोपण अभियान चलाया, जिसमें कोलकाता के न्यू टाउन में एक छोटा शहरी वन बनाने के लिए 1,000 पौधे लगाए गए। यह पहल ओएनजीसी में नियोजित कई बड़े पैमाने वाले वृक्षारोपण अभियानों में से एक थी। चमेली, कंचन, कार्बी, डुमुर, अमलतास और आंवला जैसे पौधों की लगभग 25 देशी प्रजातियाँ लगाई गईं। यह पहल जैव विविधता को बढ़ावा देती है और वायु गुणवत्ता में सुधार करती है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण के लिए ओएनजीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
- पश्चिमी अमितट द्वारा, ओएनजीसी वडोदरा ने 15 दिसंबर, 2023 को भायली वासना कैनाल रोड, वडोदरा में मिनी शहरी जंगल बनाने के लिए मियावाकी वृक्षारोपण तकनीक का उपयोग करके 2,500 पौधे लगाए। वृक्षारोपण अभियान भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) 2024 को कार्बन तटस्थ बनाने के लिए पश्चिमी अमितट द्वारा को दिए गए 1,000 पौधों के वृक्षारोपण लक्ष्य का एक अंश है। यह प्रमुख कार्यक्रम एफआईपीआई (भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ) के सहयोग से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संरक्षण में आयोजित किया गया था।

<sup>17</sup> जीआरआई 304-1, 304-3, 304-4

- सिलचर में सामुदायिक पौधारोपण पहल :** सिलचर में ओएनजीसी के असम अराकान फॉल्ड बेल्ट अन्वेषी परिसंपत्ति (एएफबीईए) ने स्थानीय ग्रामीणों, बच्चों और ओएनजीसी कर्मियों की सक्रिय भागीदारी से कुल 800 पौधे लगाते हुए एक महत्वपूर्ण पौधारोपण पहल की शुरुआत की। इस सहयोगात्मक प्रयास को वर्तमान प्रबंधन निगरानी और मजबूत सामुदायिक भागीदारी प्राप्त हुई, जिससे पहल की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित हुई। यह परियोजना न केवल कार्बन टटस्थला में योगदान देती है, बल्कि सामुदायिक सहलग्नता और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देती है, जो ओएनजीसी के संधारणीय विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



**पश्चिमी अभितट द्वारा में मियावाकी पौधारोपण अभियान**

### जैव विविधता के संरक्षण के लिए ओवीएल द्वारा किए गए प्रयास

- एमईसीएल, कोलंबिया:** जीव-जंतुओं और वनस्पति संबंधी वास्तविक समय के डेटा को एकत्र करने के लिए, हमने घने वन पारिस्थिकी के भीतर एक प्रौद्योगिकी-संचालित निगरानी परियोजना को क्रियान्वित किया। बायोसेंसर क्षेत्र के रूप में नामित, यह क्षेत्र हमारे तेल क्षेत्र के आसपास वन्यजीव विविधताओं को ट्रैक करते हुए वन आवरण को संरक्षित और प्रतिरक्षित रखने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में कार्य करता है। प्रजातियों की विविधता के संकेतकों की निगरानी करके, हमने वर्ष 2023 में उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किए हैं, विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों में पक्षियों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि से।
- सीपीए-5, कोलंबिया:** ओएनजीसी विदेश ने कोलंबिया के कैबुरायो मेटा में अपने सीपीएच स्थान पर स्थानीय गैलापागास लैनेरस कछुए की प्रजाति पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्रजातियों की पहचान, देखभाल और घोसले की पहचान पर केंद्रित प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से, सभी कर्मचारियों ने इस लुप्तप्राय सरीसृप प्रजाति

के बारे में बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त किया। गैलापागास लैनेरस, अन्य सभी पोडोकेनेमिस प्रजातियों के साथ, वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधी कन्वेशन के परिशिष्ट-2 के तहत संरक्षित है (सीआईटीईएस 2017)। ओएनजीसी विदेश पर्यावरण प्राधिकारियों के निर्देशानुसार, सीपीएच स्थान पर सभी गैलापागास लैनेरस को उनके निवास स्थान पर वापस करने के लिए प्रतिबद्ध है।



**सीपीएच स्थान, कैबुरायो मेटा कोलम्बिया में कछुए स्वागत करते हैं**

## अग्रगामी पथ

ओएनजीसी वर्तमान में एक परिवर्तनकारी यात्रा से गुजर रहा है, जो वर्ष 2038 तक शुद्ध शून्य का दर्जा प्राप्त करने के लिए दृढ़ समर्पण द्वारा रेखांकित है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ऐकलिप्क ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए अपने व्यवसाय मॉडल का पुनर्गठन कर रही है, जो मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर आधारित है। आने वाले दशक में, ओएनजीसी अक्षय ऊर्जा में काफी निवेश करने और भारत और वैश्विक समुदाय को संधारणीयता की ओर संक्रमण में सहायता करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की तलाश करने की योजना बना रहा है।

## मानव पूंजी

ओएनजीसी अपने कर्मचारियों को अपनी सबसे मूल्यवान संपत्ति के रूप में अभिज्ञात करता है और उनके कल्याण को प्राथमिकता देता है। कंपनी जैसे जैसे ऊर्जा व्यवसाय में एक अग्रणी के रूप में उभर रहा है, इसका विजन विश्व स्तरीय प्रतिभाओं को विकसित करना और उनका पोषण करना है। इस प्रकार, यह संगठनात्मक उद्देश्यों को प्राप्त करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, अपने लोगों को पोषित करने, उन्हें सशक्त बनाने और उनमें निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोगों को प्राथमिकता देने के दृष्टिकोण को अपनाते हुए, ओएनजीसी सहयोग, चपलता और उच्च प्रदर्शन की संस्कृति को बढ़ावा देता है। कंपनी रणनीतिक रूप से मानव पूंजी में निवेश करती है, वित्तीय सुरक्षा को प्रगतिशील कैरियर विकास के साथ एकीकृत करती है। लोगों की भलाई और प्रगति का ध्यान रखकर, ओएनजीसी अपने लोगों को लाभान्वित करती है और राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने पर सार्थक प्रभाव डालती है।

## प्रबंधन दृष्टिकोण

ओएनजीसी मानव पूंजी प्रबंधन के लिए एक व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाता है, जो विविधतापूर्ण, न्यायसंगत और समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देते हुए शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने, उन्हें बनाए रखने और उनका पोषण करने के लिए मजबूत नीतियों और कार्यक्रमों को क्रियान्वित करता है। कंपनी कर्मचारी विकास में महत्वपूर्ण निवेश करती है, उनके कौशल और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए व्यापक प्रशिक्षण और स्पष्ट कैरियर उन्नति मार्ग प्रदान करती है। सहयोग, नवाचार और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देकर, ओएनजीसी एक चुस्त और प्रेरित कार्यबल का निर्माण करता है। मानव पूंजी संबंधी यह रणनीतिक फोकस न केवल ओएनजीसी को अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों की ओर अग्रसर करता है, बल्कि हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य सृजित करने की इसकी क्षमता को भी सुदृढ़ करता है, जिससे इसकी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त और तेजी से बदलते समय में लचीलापन गहन होता है।

## प्रमुख विशेषताएँ

<b>3</b> उत्तम स्वास्थ्य और स्वस्थता	<b>5</b> लैंगिक समानता	<b>8</b> अच्छा काम और आर्थिक संवृद्धि

<b>16</b> शांति, न्याय और सुदृढ़ संरक्षण	<b>10</b> कमतर असमानता

<b>773</b>	प्रशिक्षण कार्यक्रम*
<b>&lt;1 %</b>	संघर्षण दर
<b>655,170</b>	प्रशिक्षित मानव घंटे
<b>0</b>	घातकताएँ
<b>₹ 5,095 मिलियन</b>	कुल प्रशिक्षण लागत
<b>7.90%</b>	महिला कर्मचारी*

\*ओएनजीसी एकल

## प्रमुख संरेखित तात्त्विक मुद्दे

- रिश्वत रोधी और प्रतिस्पर्द्धा रोधी व्यवहार
- विविधता और समावेशन
- कर्मचारी और श्रमिक संबंध
- कर्मचारी संतुष्टि
- संघ को स्वतन्त्रता और सामूहिक सौदेबाजी
- मानव अधिकार
- स्वास्थ्य, संरक्षा और सुरक्षा
- कार्यबल सक्षमता और सहलगता

## मानव पूंजी प्रबंधन

यह स्वीकार करते हुए कि इसके लोग इसकी सबसे बड़ी शक्ति है, ओएनजीसी एक ऐसे विविध और प्रतिभाजित कार्यबल के निर्माण को प्राथमिकता देता है, जो इसे इस उद्योग की प्रगति के प्रति चपलता और जवाबदेही रखता है। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार ओएनजीसी में 25,847 कर्मचारी हैं (स्थायी कर्मचारी और स्थायी श्रमिक सहित), जिनमें से 92.10% पुरुष हैं और 7.90% महिला कर्मचारी हैं, जो विविध पृष्ठभूमि, आयु वर्ग और लिंगों से आते हैं। ओएनजीसी



एक समावेशी संस्कृति को पोषण करता है, जहाँ अनेक प्रकार के दृष्टिकोण नवाचार और समस्या समाधान देते हैं। शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित, पोषित और प्रतिधारित कर ओएनजीसी का लक्ष्य अपना अग्रणी दर्जा बनाए रखना, दीर्घावधि संवृद्धि हासिल करना और अपने हितधारकों के लिए संधारणीय मूल्य सृजित करना है।

**अपने कर्मचारियों के लिए ओएनजीसी का विजन और मिशन**

ओएनजीसी का विजन ऊर्जा व्यवसाय में अग्रणी स्थान पर काबिज रहने के लिए विश्व स्तरीय मानव पूँजी का निर्माण करना और उनका पोषण करना है। कंपनी का मिशन चार फोकस क्षेत्रों पर आधारित है: विश्व स्तरीय कार्य परिवेश, ऊर्जा व्यवसाय में एकीकृत, प्रबल भारतीय नेतृत्व और कार्बन तटरक्षण।

### ओएनजीसी समूह की कंपनियों में कार्यबल

ओएनजीसी समूह की कंपनी	पुरुष	महिला	कर्मचारी नागरिकता
ओएनजीसी	23,804	2,043	भारतीय
एमआरपीएल	2,330	229	भारतीय
ओटीपीसी	70	6	भारतीय
ओपल	842	27	भारतीय
ओवीएल	220	26	भारतीय
सकल योग	27,266	2,331	भारतीय

### प्रशिक्षण और विकास

वर्ष के दौरान, ओएनजीसी ने कर्मचारी विकास में अहम निवेश किया, विभिन्न प्रशिक्षण पहलों पर प्रति कर्मचारी औसतन ₹1.92 लाख समर्पित किए। इन कार्यक्रमों ने प्रति कर्मचारी को औसतन 21.8 घंटे का कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया, जिससे उन्हें मूल्यवान विशेषज्ञता प्राप्त हुई। तकनीकी कौशल से परे, प्रशिक्षण में भ्रष्टाचार-रोधी, मानवाधिकार और स्वास्थ्य और संरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे, जो नैतिक आचरण और कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

**वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान ओएनजीसी कर्मचारियों के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण\***

5054	21.8	1,324	10,552
कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर व्ययित कुल राशि (₹ मिलियन में)	ओसत कर्मचारी कौशल आधारित प्रशिक्षण घंटे	कुल कर्मचारी कौशल आधारित प्रशिक्षण घंटे (महिला)	कुल कर्मचारी कौशल आधारित प्रशिक्षण घंटे (पुरुष)

\*ओएनजीसी एकल

<sup>20</sup> जीआरआई 404-1, 405-1

ओएनजीसी सत्यनिष्ठा, बन्धुत्व, टीम वर्क, जवाबदेही और नवाचार पर केंद्रित एक संपन्न कार्यस्थल संस्कृति का विकास करता है। कंपनी की कर्मचारी-केंद्रित नीतियाँ सभी कर्मचारियों के लिए निरंतर सीखने और संवृद्धि पर जोर देती हैं। इस पहल का केंद्र ओएनजीसी अकादमी है, जिसे पहले प्रबंधन विकास संस्थान (आईएमडी) के नाम से जाना जाता था और जिसे आईएसओ 9001 प्रमाणन प्राप्त है। सात अन्य विशेष प्रशिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर ओएनजीसी अकादमी, कंपनी के कर्मचारियों को नवीनतम कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करने में सहायक है, और इस प्रकार उन्हें वैश्विक उद्योग मानकों के अनुरूप रखती है।

ओएनजीसी अकादमी, ओएनजीसी के मानव संसाधनों के विकास का काम करने वाली, प्रमुख नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है। यह हाइड्रोकार्बन की खोज और उत्पादन में, अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए कर्मचारियों को प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करती है। कंपनी हाइड्रोकार्बन की खोज और उत्पादन में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए कर्मचारियों को प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करती है। इसका यह दोहरा रणनीतिक फोकस यह सुनिश्चित करता है कि ओएनजीसी अपने विशेष ज्ञान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक ऊर्जा क्षेत्र में योगदान करते हुए उद्योग की उन्नति में सबसे आगे रहे।

ओएनजीसी के संयुक्त उद्यम और अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियोंने प्रशिक्षण विवरण

जेवी	ओवीएल	ओपीएल	एमआरपीएल	ओटीपीसी
प्रशिक्षण मानव घंटे	5,041	15,192	53,039	8,130
औसत प्रशिक्षण घंटे / कर्मचारी	20.01	17.48	20.73	49.27

इसके समानांतर, ओएनजीसी निगमित स्पोर्ट्स प्रभाग अपनी मजबूत खेल नीति के जरिए स्वास्थ्य, टीमवर्क और अनुशासन की संस्कृति विकसित करने हेतु संगठन के समर्पण का एक उदाहरण है। इस पहल ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर प्रशंसा अर्जित की है, जिससे कंपनी की अपने कर्मचारियों की समग्र भलाई और उत्पादकता के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला है। साथ ही, यह पहल कर्मचारी विकास के लिए ओएनजीसी की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है तथा यह सुनिश्चित करती है कि इसका कार्यबल चुस्त, प्रेरित और उच्चतम उद्योग मानकों के अनुरूप बना रहे।

## ओएनजीसी ने विश्व स्तरीय प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए असम ऊर्जा संस्थान का समर्थन किया

राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) के तहत एक केंद्र, असम ऊर्जा संस्थान, विशेष रूप से हाइड्रोकार्बन क्षेत्र के भीतर महत्वाकांक्षी ऊर्जा पेशेवरों के व्यापक विकास के लिए समर्पित एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। असम में स्थित राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी) से संबद्ध यह संस्थान ओएनजीसी और आरजीआईपीटी के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा के क्षेत्र में एक विशेष संस्थान की स्थापना करना है। ओएनजीसी द्वारा समर्थित और सह-संवर्द्धित, इस संस्थान का उद्देश्य पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी और ऊर्जा क्षेत्रों में विश्व स्तरीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है। इन नई सुविधाओं का उद्घाटन असम ऊर्जा संस्थान की कुशल ऊर्जा पेशेवरों को पोषित करने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पथर है, जो उद्योग के भविष्य को आकार देंगे। यह पहल न केवल ऊर्जा क्षेत्र के भीतर अकादमिक उत्कृष्टता के लिए ओएनजीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, बल्कि उद्योग के मानकों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक प्रमुख कंपनी के रूप में इसकी भूमिका को भी मजबूत करती है।

## कर्मचारी संतुष्टि

लगातार चार वर्षों तक “ग्रेट प्लेस टू वर्क” के रूप में मान्यता प्राप्त करना कर्मचारी विकास के प्रति ओएनजीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो गतिशील ऊर्जा क्षेत्र में इसकी संगठनात्मक सफलता और संधारण शक्ति को ऊर्जा प्रदान करता है। व्यापक कार्यबल संतुष्टि की तलाश में, ओएनजीसी अपने कर्मचारियों को लाभों का एक समूह प्रदान करता है, जिन्हें उनकी बहुमुखी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है।

व्यापक अवकाश हितलाभ और जीवन – कार्य संतुलन पहले	ओएनजीसी व्यापक अवकाश हितलाभ प्रदान करता है और कार्यकेंद्रों में क्रेच सुविधाओं जैसी पहलों के माध्यम से कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देता है। कर्मचारियों को प्रदान किए जाने वाले कुछ लाभ पैतृक अवकाश, चिकित्सा देखभाल और सेवानिवृत्ति के बाद के लाभ हैं। ओएनजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, 30 सप्ताह वार्षिक अवकाश लाभ के अलावा, महिला और पुरुष दोनों कर्मचारी क्रमशः 26 सप्ताह और 15 दिनों के लिए मातृत्व अवकाश और पितृत्व अवकाश का लाभ उठा सकते हैं।
नियमित स्वतंत्र संपरीक्षा	कर्मचारियों की सहभागिता और संतुष्टि का आकलन करने और उसे बढ़ाने के लिए, ओएनजीसी अपने प्रचालन में नियमित रूप से आंतरिक और बाह्य दोनों तरह के स्वतंत्र संपरीक्षा करता है। ये संपरीक्षा मानव संसाधन नीतियों और प्रथाओं का मूल्यांकन करते हैं, उद्योग मानकों और उभरती वास्तविकताओं के साथ संरेखण सुनिश्चित करते हैं।

सतत् सुधार के प्रति प्रतिबद्धता	ओएनजीसी निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए अपनी प्रथाओं और नीतियों को लगातार परिष्कृत करने हेतु बाहरी एजेंसियों और सलाहकारों से विशेषज्ञ सलाह लती है।
कर्मचारी प्रतिनिधित्व और वकालत	प्रतिनिधित्व और समर्थन के महत्व को मान्यता प्रदान करते हुए, ओएनजीसी ने अपने विविध कार्यबल सरोकारों और हितों को संबोधित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनका प्रतिनिधित्व किया जाए, कार्यकारी कैडर के लिए एसीसीएशन ऑफ साइटिफिक एंड टेक्निकल ऑफिसर्स (एसटो) और गैर-कार्यकारी कैडर के लिए 12 ड्रेड यूनियनों को मान्यता प्रदान की है।
सहलग्नता और कल्याण की संस्कृति	<ul style="list-style-type: none"> <li>आपचारिक संघों के अलावा, ओएनजीसी सौहार्द, कौशल विकास और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों और आयोजनों के माध्यम से कर्मचारी जुड़ाव की संस्कृति को बढ़ावा देती है। “मस्ती की पाठशाला”, चिकित्सा शिविर और सास्कृतिक समारोह जैसी पहल कर्मचारियों को व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से जुड़ने, सीखने और बढ़ने के अवसर प्रदान करती हैं।</li> <li>एक जीवंत और संलग्न कार्यबल को बढ़ावा देने के लिए ओएनजीसी की प्रतिबद्धता इसकी अभिनव मानव संसाधन पहल, जैसे “पैशन अनलिमिटेड” कार्यक्रम, और कर्मचारियों द्वारा माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई सहित उपलब्धियों का जश्न मनाने आदि से स्पष्ट होता है।</li> </ul>

## विविधता और समावेश

समावेश और विविधता ओएनजीसी के संगठनात्मक मूल्यों का मूल तत्व है, जो एक ऐसा वातावरण तैयार करता है जहाँ हर व्यक्ति को महत्व दिया जाता है, उसका सम्मान किया जाता है और उसे सशक्त बनाया जाता है। विविध दृष्टिकोणों और अनुभवों में ताकत को पहचानते हुए, कंपनी ने अपनी 2023 समान अवसर नीति के साथ समावेशीता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया, जो दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के साथ संरचित है।

ओएनजीसी ने विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की है। कंपनी ने नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) के साथ भागीदारी की, जिससे लगभग 30 महिलाओं को लाभ हुआ। कंपनी अधिमानी भर्ती और सहायक उपकरण देकर दिव्यांगों का भी समर्थन करती है। ओएनजीसी ने वर्ष 2020 में शुरू किए गए कार्यक्रम डब्ल्यूआईआईएल. एजाइल वूमेन लीडर्स और एनर्जी सेक्टर में वर्चुअल वूमेन के तहत वार्षिक कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिसमें महिला कर्मचारियों के लिए नेटवर्किंग, कौशल-निर्माण और मेंटरशिप प्रदान की गई। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के साथ कंपनी की साझेदारी कार्यकर्ता और समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए नियमित संपरीक्षा सुनिश्चित करती है, जिससे एक जिम्मेदार नियोक्ता के रूप में इसकी प्रतिष्ठा मजबूत होती है।

<sup>21</sup> जीआरआई 201-3



## माननीय मंत्री हरदीप एस पुरी ने 5वें ओएनजीसी पैरा गेम्स का उद्घाटन किया

माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, श्री हरदीप एस. पुरी ने सामाजिक उत्थान में सक्रिय भागीदारी के लिए ओएनजीसी की सराहना की, जिसमें दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। मंत्री ने सभी कंपनियों से खेलों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया और ओएनजीसी पैरा गेम्स में भाग लेने वाले एथलीटों की भी प्रशंसा की। उन्होंने मुख्यधारा के खेल प्रयासों के लिए प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें पोषित करने के उद्देश्य से इन पहलों को ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। वर्ष 2017 में अपने विशेष रूप से सक्षम कर्मचारियों के लिए मुख्यधारा में लाने और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए परिकल्पित ओएनजीसी पैरा गेम्स एक अनूठी निगमित प्रतिबद्धता के रूप में सामने आए हैं, जो खेल भावना के माध्यम से मानवीय भावना को सक्रिय करने के लिए ओएनजीसी के दूरदर्शी दृष्टिकोण को रेखांकित करते हैं। 5वें ओएनजीसी पैरा गेम्स में कुल 371 एथलीटों ने भाग लिया, जिसमें विभिन्न खेल विधाओं के 249 ओएनजीसी कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की।

## शिकायत निवारण

ओएनजीसी ने कर्मचारियों की शिकायतों को तुरंत सामना करने और हल करने के लिए शिकायत प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस), सुरक्षा समितियाँ, आंतरिक शिकायत समिति और डिसल ब्लॉअर नीति की स्थापना की है। जीएमएस संगठन के सभी नियमित कर्मचारियों पर लागू है। इसमें वेतन, वेतन, छुट्टी, पदान्वाति, वेतन वृद्धि, वरिष्ठता, कार्य असाइनमेंट और काम करने की स्थिति जैसे मुद्रे शामिल हैं। जीएमएस कर्मचारी शिकायतों के प्रभावी समाधान को सुनिश्चित करने के लिए एक संरचित चार-चौनल प्रक्रिया के माध्यम से संचालित होता है। यह संरचित दृष्टिकोण पारदर्शिता, निष्पक्षता और कर्मचारी शिकायतों के कुशल समाधान को सुनिश्चित करता है, जो सकारात्मक कार्य वातावरण और संगठनात्मक प्रभावशीलता में योगदान देता है।

## चार-स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र

चैनल	विवरण	समय-सीमा
चैनल I : रिपोर्टिंग अधिकारी	पीडिट कर्मचारी शिकायत पर सबसे पहले अपने रिपोर्टिंग अधिकारी से चर्चा करता है। यदि उसका समाधान नहीं होता है, तो वे औपचारिक रूप से लिखित शिकायत प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसकी रिपोर्टिंग प्राधिकारी द्वारा समीक्षा की जाती है और उसका समाधान किया जाता है।	7 कार्य दिवस के अंदर
चैनल II : अनुभाग प्रभारी (एल-III / एल-II)	यदि कर्मचारी चैनल-I के निर्णय से असंतुष्ट हैं, तो कर्मचारी लिखित रूप में अनुभागीय प्रभारी को शिकायत भेज सकता है। अनुभागीय प्रभारी, मानव संसाधन विभाग के सहयोग से, शिकायत का समाधान करता है।	15 कार्य दिवस के अंदर
चैनल III : शीर्ष अधिकारी	यदि शिकायत का फिर भी समाधान नहीं होता है, तो कर्मचारी शीर्ष अधिकारी के पास अपील कर सकता है। शीर्ष अधिकारी अंतिम निर्णय जारी करने से पहले सुनवाई कर सकते हैं।	45 कार्य दिवस के अंदर

चैनल	विवरण	समय-सीमा
चैनल IV : अपील समिति	चैनल-III में शिकायतों का समाधान न होने पर, कर्मचारी अपील समिति में अपील कर सकता है। अपील समिति में वरिष्ठ अधिकारी बाहरी पेशेवरों से बनी समिति शिकायत की जांच करती है और अध्यक्ष को एक सिफारिश प्रस्तुत करती है। अध्यक्ष की मंजूरी के आधार पर अंतिम निर्णय कर्मचारी को सूचित किया जाता है।	90 कार्य दिवस के अंदर

सहयोगी हितधारक सहलग्नता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, ओएनजीसी ने संरचित शिकायत निवारण पोर्टल लॉन्च किया। यह वेब-आधारित पहल डिजिटल इंडिया परियोजना के साथ संरेखित है, जिसका उद्देश्य उच्चतम सत्यनिष्ठा के साथ नागरिक-सरकार अंतर्फलक को बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना है। इस पोर्टल के माध्यम से, ओएनजीसी प्रत्येक हितधारक (नागरिक/विक्रेता/कर्मचारी/पूर्व कर्मचारी) को निगमित वेब पोर्टल पर एकल विंडो के माध्यम से किसी भी ओएनजीसी प्रचालन विंग से संबंधित अपनी शिकायतें दर्ज करने के लिए सशक्त बनाने के हेतु प्रतिबद्ध है।

## स्वास्थ्य और संरक्षा

ओएनजीसी अपनी एकीकृत स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) नीति द्वारा निर्देशित अपने लोगों, अपनी संपत्ति और पर्यावरण की भलाई को प्राथमिकता देता है। यह नीति आईएसओ 45001 पर आधारित एक लचीली एचएसई प्रबंधन प्रणाली को बनाए रखती है। संरक्षा के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता इसके एचएसई सूक्ति 'सभी दुर्घटनाएँ रोकी जा सकती हैं' में समाहित है।

संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ओएनजीसी बहु-संवर्गीय टीमों द्वारा नियमित आंतरिक संरक्षा संपरीक्षा (आईएसए) और तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) और खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) जैसी संस्थाओं द्वारा बाह्य सुरक्षा संपरीक्षा आयोजित करता है। कंपनी नियर मिस की रिपोर्ट करके और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए समय पर कार्रवाई कर निवारक उपायों को प्राथमिकता देती है। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी ने कर्मचारियों को संरक्षा को प्राथमिकता देने और समग्र संरक्षा संस्कृति में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक पुरस्कार योजना शुरू की है।

<sup>22</sup> जीआरआई 403-1, 403-2, 403-3, 403-4

## ओएनजीसी अपने गोवा सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उन्नयन करेगा

ओएनजीसी ने गोवा में अपने पेट्रोलियम संरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान का उन्नयन किया है। फरवरी 2024 में, संस्थान ने भारत ऊर्जा सप्ताह के दूसरे संस्करण की मेजबानी की, जिसमें 100 से अधिक देशों के 35,000 से अधिक प्रतिभागियों ने उभरती वैशिक ऊर्जा मांग पर चर्चा की। गोवा में उन्नत प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई)–ओएनजीसी का मुख्य आकर्षण नव-उद्घाटित सी–सर्वाइवल सेंटर (एसएससी) है, जो ऊर्जा की खोज में शामिल लोगों की जान बचाने में ओएनजीसी के मूल विश्वास को दर्शाता है। एसएससी उन्नत समुद्री विमानन और सी–सर्वाइवल प्रशिक्षण (ए–मास्ट) प्रदान करता है, जो आपातकालीन स्थितियों के लिए अपतटीय कार्मिकों को तैयार करने के लिए सर्वाइवल सिस्टम्स इंडिया के सहयोग से विकसित एक विशेष कार्यक्रम है।

इस केंद्र की सुविधाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्तमान में अपतटीय पेट्रोलियम उद्योग प्रशिक्षण संगठन (ओपीआईटीओ) प्रत्यायन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, जो उनकी गुणवत्ता और श्रमसाध्यता का प्रमाण है। आज तक, 350 से अधिक अधिकारियों ने ए–मास्ट प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। इसके अतिरिक्त, एटीआई ओएनजीसी एनआईएसटी ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड (एनईबीओएसएच) और व्यावसायिक संरक्षा और स्वास्थ्य संस्थान (आईओएसएच) जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें ओएनजीसी निबंश गोल्डन लर्निंग पार्टनर का दर्जा प्राप्त करने वाला पहला भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।



प्रशिक्षण कार्यक्रम ओएनजीसी की संरक्षा रणनीति का एक महत्वपूर्ण घटक है। इसमें अग्निशमन, प्राथमिक चिकित्सा, व्यवहार–आधारित प्रशिक्षण और कर्मचारियों और संविदा कर्मियों दोनों के लिए अनिवार्य खान व्यावसायिक प्रशिक्षण (एमवीटी) शामिल हैं। कंपनी ने उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रौद्योगिकी एकीकरण के माध्यम से कार्यस्थल संरक्षा को बढ़ाने के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। इसमें उच्च जोखिम वाले परिदृश्यों के लिए वर्चुअल रियलिटी (वीआर) प्रशिक्षण मॉड्यूल की शुरुआत शामिल है, जिससे कर्मचारियों को नियंत्रित, आभासी वातावरण में संभावित खतरों के लिए अभ्यास और तैयारी हो पाती है। प्रतिष्ठानों और रिंगों पर नियमित मॉक ड्रिल आपातकालीन परिदृश्यों के लिए तैयारी सुनिश्चित करती है। एसएपी–आधारित इलेक्ट्रॉनिक परमिट टू वर्क (3–पीटीडब्ल्यू) प्रणाली के कार्यान्वयन ने भौतिक अनुमोदन को समाप्त करके और प्रणाली–आधारित जाँच और संतुलन बनाए रखते हुए संरक्षा और दक्षता को और बढ़ाया है। इसके अलावा, संयंत्र, परिसंपत्ति, बेसिन और अन्य अधिष्ठापनों में कार्यरत सभी ओएनजीसी कार्मिकों को अनिवार्य रूप से तिमाही और वार्षिक आधार पर स्वास्थ्य और संरक्षा प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है।

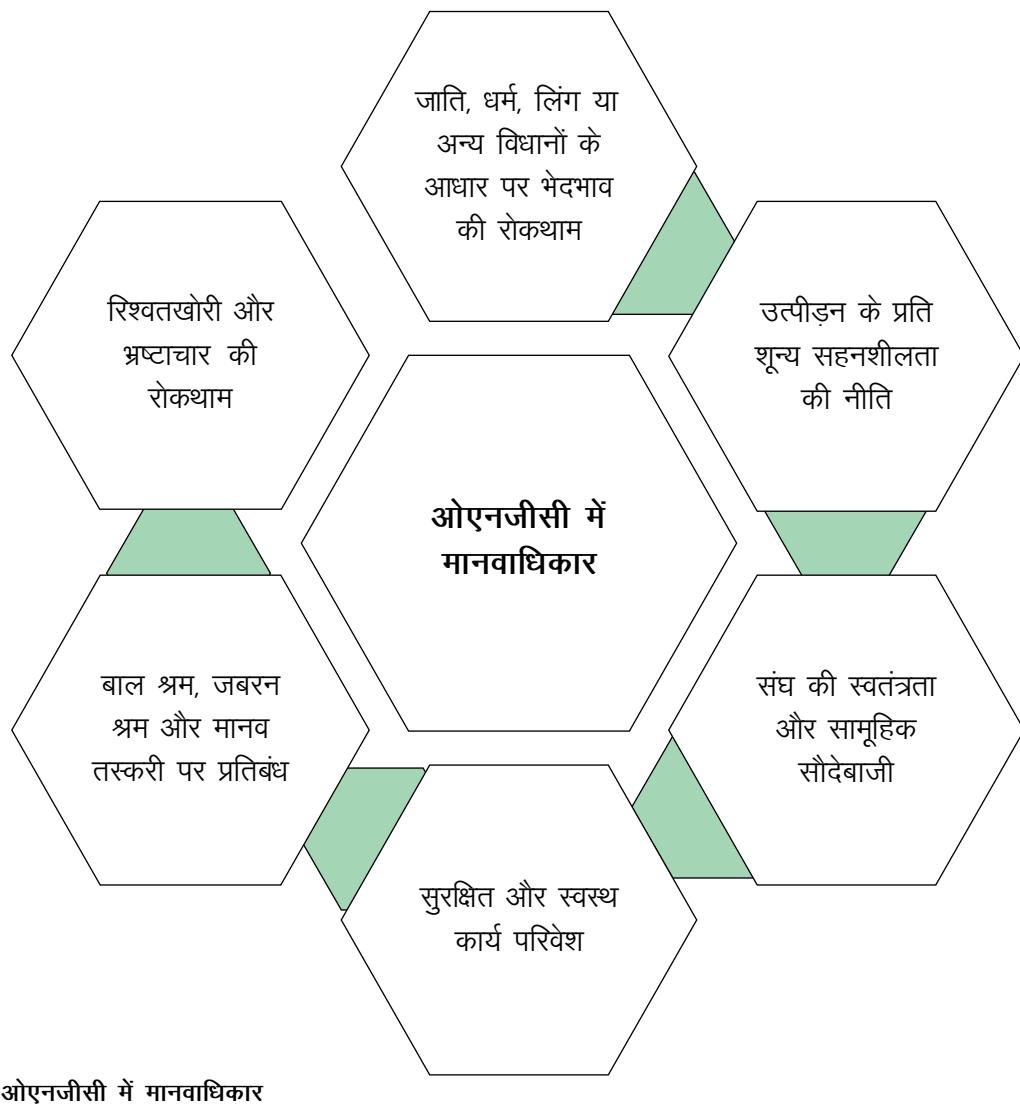
इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी ने कर्मचारियों के लिए अपनी मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाओं का विस्तार किया है, जिसमें शारीरिक संरक्षा के साथ–साथ मनोवैज्ञानिक कल्याण के महत्व को स्थीकार किया गया है। कंपनी ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान शुरू किया है और सहायता चाहने वाले कर्मचारियों के लिए 24/7 हेल्पलाइन की स्थापना की है, जिससे स्वास्थ्य और संरक्षा के प्रति कंपनी का समग्र दृष्टिकोण और मजबूत हुआ है।

- वित्त वर्ष 2023–24 में निकट दुर्घटनाएं (नियर मिस) 13% कम हुई।
- ओएनजीसी द्वारा अपने क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए दस सुरक्षा नियमों का मासिक अभियान
- एनएमआरपीएल ने द ग्रो केर इंडिया से प्रतिष्ठित व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं संरक्षा प्लैटफॉर्म अवार्ड प्राप्त किया।

## मानवाधिकार

ओएनजीसी सतत विकास, ज्ञान उत्कृष्टता और अनुकरणीय शासन प्रथाओं के माध्यम से एकीकृत ऊर्जा व्यवसाय में एक वैशिक अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (जीसीएनआई) के संस्थापक सदस्य के रूप में, कंपनी मानवाधिकार, श्रम, पर्यावरण और भ्रष्टाचार–रोधी क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट के 10 सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांतों को कायम रखती है।

यह नीति भारत के संविधान द्वारा गारंटीशुदा मौलिक अधिकारों के साथ संरेखित है, जैसे समानता, स्वतंत्रता और शोषण के प्रति सुरक्षा का अधिकार, जो मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) से प्रेरित है। ओएनजीसी इन अधिकारों को कर्मचारियों, व्यापार भागीदारों, संविदाकारों तक विस्तार करता है, और निकट भविष्य में व्यापार और मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र मार्गदर्शी सिद्धांतों सहित अंतर्राष्ट्रीय मानकों में उल्लिखित मानवाधिकारों को पूरा करने की प्रक्रिया में है।



## अग्रगामी पथ

ओएनजीसी उन्नत तकनीकों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ साझेदारी के माध्यम से प्रतिभा विकास में निवेश करके अपनी मानव पूँजी को प्राथमिकता देना जारी रखेगा। कंपनी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विविध, समावेशी और सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह खुले संचार, निरंतर प्रतिक्रिया और कर्मचारी प्रतिनिधित्व के लिए समर्थन के माध्यम से कर्मचारी जु़ड़ाव को मजबूत करने का प्रयास करेगी। शैक्षणिक संस्थानों के साथ रणनीतिक सहयोग भविष्य के लिए एक मजबूत प्रतिभा सुनिश्चित करेगा। इन पहलों के माध्यम से, ओएनजीसी अपनी प्रतिस्पर्धी बढ़त और एक स्थायी दीर्घकालिक मूल्य बनाए रखना जारी रखेगा।

## सामाजिक पूँजी

ओएनजीसी मजबूत हितधारक संबंधों को अत्यधिक महत्व देता है। कंपनी ने प्रमुख हितधारक समूहों, जिसमें व्यावसायिक भागीदार, ग्राहक, विनियामक निकाय, गैर-सरकारी संगठन और स्थानीय समुदाय शामिल हैं, के साथ भागीदारी का एक मजबूत नेटवर्क बनाए रखा है। इन संबंधों को पोषित करके, ओएनजीसी सामाजिक कल्याण और सतत विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है, जिससे इसमें शामिल सभी हितधारकों के लिए सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न हो सकते हैं। सहयोग के माध्यम से, ओएनजीसी और इसके हितधारक मिलकर एक जिम्मेदार मूल्य शृंखला बनाते हैं, जो उन समुदायों का उत्थान और लाभ करती है, जिनकी वे सेवा करते हैं।

### प्रबंधन दृष्टिकोण

ओएनजीसी समाज के हाशिए पर और वंचित वर्गों के समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए उच्च प्रभाव प्रचालित स्थिरता और सीएसआर पहलों की अभिकल्पना, निष्पादन और प्रबंधन करता है। कंपनी अपने हितधारकों की भलाई को प्राथमिकता देती है, और पर्यावरणीय स्थिरता और सतत व्यवसाय विकास को बढ़ावा देती है। आगे देखते हुए, कंपनी अपनी सामुदायिक विकास पहलों का विस्तार करने की योजना बना रही है, जो उन समुदायों के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने में अधिक सार्थक योगदान दे रही है। नवाचार, बढ़ी हुई हितधारक भागीदारी और मजबूत सामुदायिक विकास पहलों के माध्यम से, ओएनजीसी का लक्ष्य समावेशी विकास और बड़े पैमाने पर सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्तेक बनना है।

## मुख्य बातें



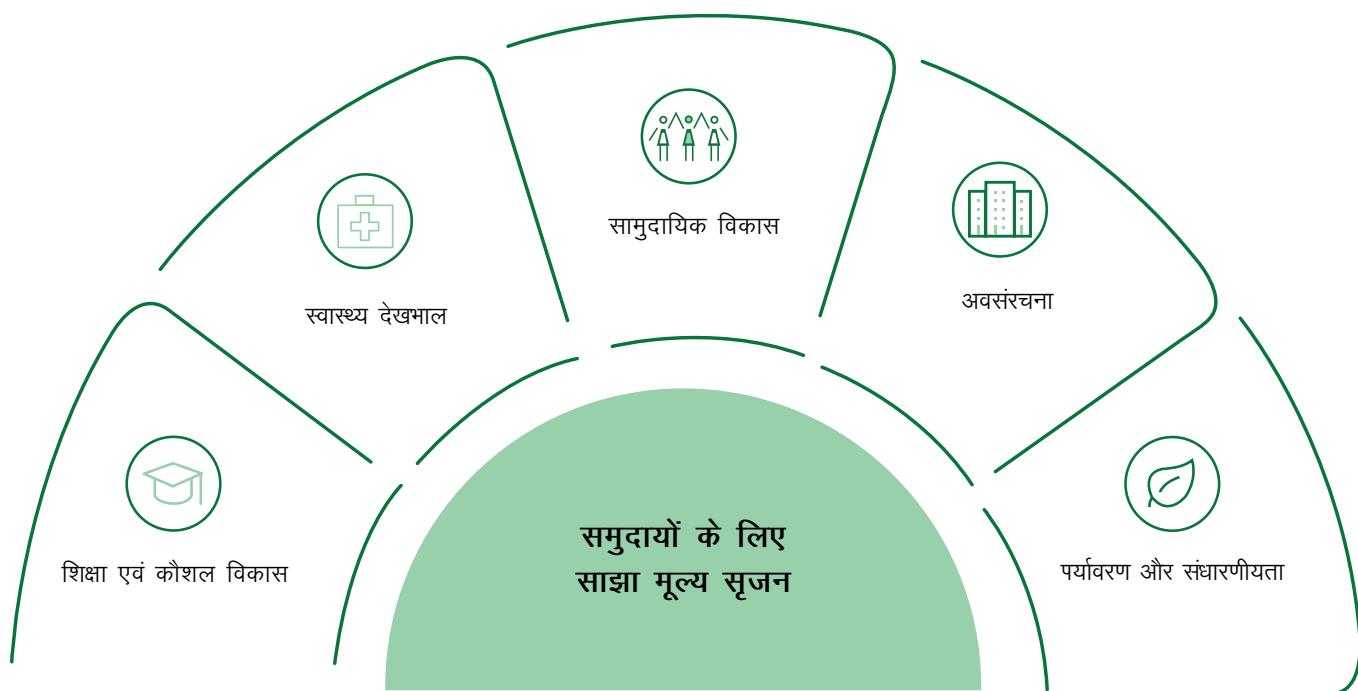
<b>₹ 7,614</b> मिलियन	समग्र ओएनजीसी समूह का कुल सीएसआर व्यय
<b>36</b> मिलियन	प्रभावित समग्र ओएनजीसी समूह लाभार्थी
ओएनजीसी को वर्ष 2023 में भारतीय जनसंपर्क परिषद (पीआरसीआई) द्वारा पीआरसीआई <sup>उत्कृष्टता—सीएसआर गोल्ड श्रेणी</sup> से सम्मानित किया गया	

## मुख्य सामग्री मुद्रे संरेखित

- सामुदायिक सहलगता
- जिम्मेदार आपूर्ति शृंखला
- ग्राहक संतुष्टि

## समुदायों के लिए साझा मूल्य सृजन

ओएनजीसी की सीएसआर समिति कंपनी की सीएसआर परियोजनाओं की देखरेख, विस्तृत आकलन करने और इन परियोजनाओं के प्रभाव का आकलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कंपनी शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक विकास, बुनियादी ढाँचे और पर्यावरणीय संधारणीयता के क्षेत्र में उच्च प्रभाव वाले सीएसआर कार्यक्रमों को क्रियान्वित करती है। ओएनजीसी की सीएसआर नीति इन कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए एक मजबूत ढाँचा प्रदान करती है, जिनकी नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और समुदाय की बदलती जरूरतों को पूरा करने और विधायी परिवर्तनों का अनुपालन करने के लिए उन्हें अद्यतित किया जाता है। ये पहल ओएनजीसी की जिम्मेदार निगमित नागरिकता के प्रति प्रतिबद्धता तथा समाज और पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण, सकारात्मक योगदान देने के प्रति समर्पण को दर्शाती है।



समुदायों के लिए साझा मूल्य सृजन

## शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण

ओएनजीसी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और कौशल विकास का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंकलेश्वर परिसंपत्ति ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) के तहत नर्मदा जिले में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से एक कौशल विकास पहल शुरू की। इस पहल में पर्यटन, आतिथ्य, स्वास्थ्य सेवा और सिलाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में लाभार्थियों को प्रशिक्षण देना शामिल था। मानव विकास और अनुसंधान फाउंडेशन और सानिध्य फाउंडेशन के सहयोग से प्रदान किए गए प्रशिक्षण में यह सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा किट और सिलाई मशीनों का वितरण भी शामिल था ताकि प्रतिभागी रोजगार के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हो।

असम के सिलचर में, ओएनजीसी ने हैलाकांडी जिले में 100 बेरोजगार युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया, जिससे उन्हें दूरसंचार क्षेत्र में लाभकारी रोजगार हासिल करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया गया। व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में दूरसंचार उद्योग के आवश्यक पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें सैद्धांतिक निर्देश और व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों को शामिल किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभागियों को सर्वांगीण और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। इस परियोजना की परिकल्पना ओएनजीसी, दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद, हैलाकांडी जिला प्रशासन और विभिन्न कौशल विकास संगठनों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास के रूप में की गई थी।

## स्वास्थ्य देखभाल

ओएनजीसी वंचित समुदायों को स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने और गुणवत्तापरक स्वास्थ्य देखभाल सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। ओएनजीसी मुंबई ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में प्रभाकर पटवर्धन स्मृति चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए आरएसस जनकल्याण समिति महाराष्ट्र के साथ भागीदारी की। इस सहयोग के माध्यम से, ओएनजीसी मुंबई ने एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में एक केंद्रीकृत प्रणाली के साथ—साथ 7 रोगी निगरानी प्रणालियों की स्थापना की सुविधा प्रदान की। इस प्रयास का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना और स्थानीय समुदाय के लिए सर्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

सितंबर, 2023 में, ओएनजीसी क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई ने पुणे में 110 जरूरतमंद बच्चों को श्रवण यंत्र प्रदान करने के लिए सूर्योदय फाउंडेशन के साथ भागीदारी की। यह कार्यक्रम डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के न्यू मराठी स्कूल में बधिर जागरूकता माह के दौरान आयोजित किया गया था। लाभार्थी 4 से 14 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चे थे, जो श्रवण बाधिता की समस्या से ग्रस्त थे, उन्हें श्रवण यंत्र, कस्टम सॉफ्ट मोल्ड्स और बैटरियों प्रदान की गई।



## समुदाय विकास



ओएनजीसी अंकलेश्वर टीम ने गुजरात के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में परिवारों की सहायता के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं और सूखे राशन के 2,000 राशन किट दान किए। कंपनी इन समुदायों के लिए पुनर्प्राप्ति और पुनर्वास प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए स्थानीय संगठनों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## अवसंरचना

ओएनजीसी अपने प्रचालन क्षेत्रों में सड़क, सामुदायिक केंद्रों, स्वच्छता सुविधाओं और पेयजल परियोजनाओं जैसी अवसंरचना के निर्माण में निवेश करती है। कंपनी ने गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्कूली बच्चों और स्थानीय समुदायों की शिक्षा और कल्याण पर सकारात्मक प्रभाव डालने के उद्देश्य से एक पहल की। नारेडी और भद्रुला गाँवों के सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सुरक्षित पेयजल और आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री तक पहुँच की कमी को देखते हुए, ओएनजीसी ने एक आरओ वाटर प्लांट लगाया, स्कूल किट वितरित की और स्कूलों को कंप्यूटर और स्मार्ट शिक्षण सहायक सामग्री प्रदान की। यह पहल एनजीओ सानिध्य फाउंडेशन के सहयोग से की गई थी।



## पर्यावरण और संधारणीयता<sup>23</sup>

ओएनजीसी की पर्यावरण और संधारणीयता पहल पारिस्थितिकी संतुलन को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन से निपटने पर केंद्रित है। इन पहलों के एक हिस्से के रूप में, कैम्बे परिसंपत्ति ने खंभात के एक लोकप्रिय सार्वजनिक पार्क, मादला तलाव में 13 किलोयाट की सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली क्रियान्वित की है, जिसने इसे क्षेत्र में इस तरह का पहला पार्क बना दिया है। कैम्बे परिसंपत्ति के सीएसआर फंड से ₹862,177 के वित्तीय योगदान से इस पार्क में प्रकाश और उपकरणों की व्यवस्था की गयी है। यह पहल क्षेत्र में भविष्य की हरित परियोजनाओं के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करती है, जो सामुदायिक रथानों में संधारणीय प्रथाओं को एकीकृत करने की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

₹ 809.62 मिलियन	35.6 मिलियन+	68.75 प्रतिशत
आकोक्षी जिलों में योगदान*	लाभान्वित लाभार्थी*	वंचित और सीमात समूहों के लाभार्थी*

\*ओएनजीसी एकल

### ओएनजीसी के संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों द्वारा की गई सीएसआर गतिविधियाँ

#### ओवीएल और ओटीपीसी द्वारा की गई सीएसआर पहलों की मुख्य विशेषताएँ

- ओवीएल ने अपने प्रचालन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई प्रभावशाली पहल की हैं। ये प्रयास ओवीएल की अपने वैश्विक प्रचालन में सामुदायिक कल्याण और सतत विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। दक्षिण सूडान के ब्लॉक 5क में थरजाथ बेस कैंप के आसपास सीएसीडी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों के माध्यम से प्रति वर्ष लगभग 30,000 रोगियों को चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गई। रीराय और कुआच पीएचसीसी में दो नई प्रयोगशालाएँ स्थापित की गईं तथा वर्ष के दौरान दक्षिण सूडान में टीकाकरण और नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए।
- दक्षिण सूडान में 2,500 छात्रों को स्कूल किट वितरित किए गए।
- दक्षिण सूडान में पशु टीकाकरण अभियान के तहत, दक्षिण सूडान में 25,000–30,000 पशुओं का टीकाकरण किया गया।
- कोलंबिया के प्लॉटों बोयाका नगरपालिका के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 13 युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सहायता प्रदान की।
- कोलंबिया के म्यूएल वेलास्केज में बैटरी 3 के निकट विद्यालयों के लिए अध्ययन सामग्री की आपूर्ति।
- ओटीपीसी ने ग्रामीण गरीबी उन्मूलन के उद्देश्य से मत्स्य विकास परियोजना के माध्यम से आजीविका वृद्धि हेतु निवेश किया है।
- सामुदायिक विकास प्रयासों में पालटाना, खिलपराँद और धजानगर में सौर स्ट्रीट लाइट लगाना और ओटीपीसी द्वारा सिलाई मशीनों का वितरण शामिल है।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता परियोजनाएं शुरू की गईं, जिसमें गोमती और धलाई जिलों में मोबाइल स्वास्थ्य इकाई (एमएचयू) सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।
- गोमती और सिपाहीजाला में एमएचयू सेवाओं का विस्तार किया गया, साथ ही बालिकाओं की स्वच्छता परियोजना प्रारंभ की गई और क्षेत्र के स्कूलों और अस्पतालों के लिए पेयजल परियोजनाओं को क्रियान्वित किया गया।
- खेलों को बढ़ावा देने के लिए, कंपनी ने समुदाय के लिए एक ओपन जिम की स्थापना की है, खेल कर्मियों को सहायता प्रदान की है और चंद्रपुर स्टेडियम परिसर के लिए खेल के सामान की आपूर्ति की है।
- शैक्षिक पहलों में अगरतला के एक हाई स्कूल में स्मार्ट बोर्ड की स्थापना, रंगमंदिरा के लिए नए स्कूल भवन का निर्माण और कलावर सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालय के लिए संबद्ध कार्य।
- आयुष अस्पताल के लिए उपकरणों की खरीद और कर्नाटक के जिलों में अन्य सामाजिक संगठनों के साथ कृत्रिम अंग शिविर का आयोजन।

<sup>23</sup> जीआरआई 413-1

## जिम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण

ओएनजीसी की विधिक आपूर्ति श्रृंखला में कई आपूर्तिकर्ता, संविदाकार और संयुक्त उद्यम भागीदार शामिल हैं जो इसके व्यावसायिक संचालन में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए, ओएनजीसी ने अपनी आपूर्ति श्रृंखला के भीतर सभी स्तरों पर कड़े नैतिक और स्थिरता मानकों को अपनाया है। ओएनजीसी ने व्यावसायिक भागीदारों और विक्रेताओं के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के लिए वित्त वर्ष 2023–24 में आंतरिक परिवर्तनों की एक श्रृंखला शुरू की है। उच्च मूल्य, बार-बार खरीदी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की हैंडिलिंग के लिए केंद्रीय खरीद विभाग (सीपीडी) को एकल छत्र खरीद विभाग के रूप में फिर से डिजाइन किया गया है। ओएनजीसी साझा वित्त सेवा (एसएफएस) विभाग चालान के समाशोधन के बाद सभी विक्रेता भुगतानों की केंद्रीकृत प्रक्रिया सुनिश्चित करता है। इसके प्रमुख लाभ एक समान एसएलए-संचालित चालान प्रबंधन प्रणाली, भुगतान प्रसंस्करण दिनों में कमी और भुगतान विसंगतियों को कम करना है।

ओएनजीसी में, आपूर्तिकर्ताओं की पहचान और मूल्यांकन की प्रक्रिया पारदर्शी और सुदृढ़ है, जिससे गुणवत्ता और अखंडता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित किया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और पारदर्शी बोली प्रक्रियाओं का उपयोग करके, कंपनी एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाती है, जिसमें संभावित आपूर्तिकर्ताओं के आकलन के लिए एक व्यापक मानदंड शामिल होता है, जैसे वित्तीय स्थिरता, तकनीकी क्षमता, नैतिक व्यवहार और स्थिरता प्रतिबद्धताएं। कंपनी अपनी सभी निविदाओं में ओएनजीसी की जलवायु परिवर्तन और संधारणीयता नीति शामिल कर रही है और बोलीदाताओं को यह पुष्टि करनी होती है कि उन्होंने ओएनजीसी की 'जलवायु परिवर्तन और संधारणीय नीति' पढ़ ली है और वे अपनी नीति भी विकसित करने पर काम कर रहे हैं। सार्वजनिक खरीद नीति के अनुसार, सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) को निविदा में सबसे कम बोली लगाने वाले द्वारा उद्धृत मूल्य के 15% के भीतर खरीद वरीयता दी जाती है, ताकि वे संविदा के अधिनिर्णय के लिए पात्र हो सकें, यदि वे सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में सामने नहीं आते हैं। सबसे कम बोली लगाने वाले मूल्य से मेल खाने की स्थिति में, एमएसई को निविदा मात्रा का न्यूनतम 25% दिया जाता।

2,38,433	58.6%	16,489
31.03.2024* की स्थिति के अनुसार आपूर्तिकर्ता आधार	एमएसई से कुल खरीद*	वित्त वर्ष 2023–24 में जोड़े गए नये आपूर्तिकर्ता

\*ओएनजीसी एकल

## ग्राहक

ओएनजीसी अपने विधिक ग्राहक आधार के साथ असाधारण मूल्य प्रदान करने और विश्वास बनाने को प्राथमिकता देती है। कंपनी रणनीतिक साझेदारी, मजबूत संचार चैनलों और अनुरूप समाधानों के माध्यम से अपने

बी2बी और अन्य ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाती है। ओएनजीसी समर्पित तकनीकी सहायता प्रदान करके और डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर, यह सुनिश्चित करता है कि उसके ग्राहकों की अनृती जरूरतों और आवश्यकताओं को समय पर और कुशल तरीके से पूर्ण किया जाए।

## आगे की राह

रणनीतिक साझेदारी, सामुदायिक जुड़ाव और प्रभाव-संचालित सीएसआर पहलों के माध्यम से, ओएनजीसी ने सामुदायिक कल्याण और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कंपनी हितधारक जुड़ाव को बढ़ाने, व्यापक जरूरतों का आकलन करने और भविष्य की पहलों को आगे बढ़ाने के लिए परिणाम-आधारित दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। यह स्थानीय समुदायों के लिए क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी और साथ ही अपनी सीएसआर गतिविधियों की पहुँच और प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए प्रौद्योगिकी और अभिनव समाधानों का लाभ उठाएगी, जिससे इसके हितधारकों और बड़े पैमाने पर समाज के लिए दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव पैदा होंगे। ओएनजीसी अवसरंचना के विकास में पर्याप्त निवेश करता है, सकारात्मक आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है और इन प्रयासों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का सहयोग करता है। स्वदेशी लोगों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध, ओएनजीसी यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी परिस्थिति में इस संबंध में कोई उल्लंघन न हो। अपनी खरीद प्रथाओं में, कंपनी स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं पर अधिक जोर देता है, जो स्थानीय विकास और अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कंपनी कठोर मानवाधिकार आकलन करती है और अपने संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश समझौतों में मानवाधिकार खंड शामिल करती है। ओएनजीसी विभिन्न विकास कार्यक्रमों और प्रभाव आकलन के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ती है, जिसका उद्देश्य किसी भी संभावित नकारात्मक प्रभाव को कम करना है।

ओएनजीसी सामाजिक मानदंडों का उपयोग करके नए आपूर्तिकर्ताओं की स्क्रीनिंग करती है और किसी भी नकारात्मक सामाजिक प्रभाव का समाधान करती है। ग्राहक, स्वास्थ्य और सुरक्षा ओएनजीसी के लिए शीर्ष रणनीतिक प्राथमिकताएँ हैं, जिसमें उत्पाद और सेवा प्रभावों से संबंधित किसी भी गैर-अनुपालन मुद्दों का नियमित आकलन और समाधान किया जाता है। कंपनी पारदर्शी एवं सटीक उत्पाद और सेवा जानकारी सुनिश्चित करती है, विपणन संचार और लेबलिंग में गैर-अनुपालन की किसी भी घटना का सामना करती है। ग्राहक गोपनीयता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध, ओएनजीसी गोपनीयता उल्लंघन और डेटा हानि के बारे में शिकायतों को पुष्ट करने की प्रक्रिया को सुदृढ़ कर रहा है। इन व्यापक उपायों के माध्यम से, ओएनजीसी नैतिक प्रथाओं, सामाजिक जिम्मेदारी और निगमित नागरिकता के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करता है।

<sup>24</sup> जीआरआई 204

## पूँजी अंतर्संबंध

निवेद	विनिर्भात पूँजी	वितीय पूँजी	वौद्धिक पूँजी	प्राकृतिक पूँजी	मानव पूँजी	सामाजिक और संबंध पूँजी
विनिर्भात पूँजी		नई खोजों का मुद्रकरण और उन्नत बैंगन रिय में निवेश ने उपचार अप्रत्यक्ष व्युद्धि की है और वितीय लाभ को बढ़ावा दिया है।	नई तकनीकों का पेटेंट जैसे किए इन्टरनल तथा विद्युत उपचार अप्रत्यक्ष व्युद्धि की प्रक्रिया में, विनिर्भात अप्रत्यक्ष व्युद्धि की प्रक्रिया में, या बायोग्रास के उत्पादन के विसर्ग सेवा और उत्पादकता में वृद्धि हुई सुखा संस्कृति पर अधिक ध्यान में ईक्यन शेष की खाता में 25% तक नीं की आई है।	एनआरपीएल 500 टॉनेंग क्षमता का एक हस्त हाइड्रोजन संबंधित कार्यक्रम करने की प्रक्रिया में, विनिर्भात अप्रत्यक्ष व्युद्धि विसर्ग सेवा के कोशल विनिर्भात अप्रत्यक्ष व्युद्धि विनिर्भात को बढ़ावा दिता, जिससे सामाजिक पूँजी में वृद्धि हुई।	तकनीकी प्रशिक्षण केंद्रों में निवेश में विनिर्भात अप्रत्यक्ष व्युद्धि विनिर्भात को कोशल विनिर्भात अप्रत्यक्ष व्युद्धि विनिर्भात को बढ़ावा दिया गया विनिर्भात को नोकरी से संतुष्टि में चुकार आया है विनिर्भात अप्रत्यक्ष व्युद्धि विनिर्भात का विकल्प बनाना है।	कोशिटविनिर्भात और समाजनों तक पहुँच में चुकार, घनबूत समुदायिक संबंध और सहयोग को बढ़ावा दिता, जिससे सामाजिक पूँजी में वृद्धि हुई।
वितीय पूँजी		विनिर्भात पूँजी के सूजन और रखसंबंध करने से एक व्यक्ति संबंध बनता है जो आर्थिक व्युद्धि और विकास को बढ़ावा देता है।	अनुसंधान विकास और विद्या में निवेश का समर्थन करना।	वर्ष 2030 तक ईकायोनाइजेशन पर ₹ 1 लाख कोड का विवाह करने की विविदता।	कर्मचारी प्रशिक्षण, विद्या और कोशल उन्नयन पर निवेश करना ताकि कर्मचारी संस्करण और विकास अंतर्विषय को बढ़ावा दा सके।	संग्रहालय के माध्यम से समुदायों, भागीदारों और ग्राहकों की भलाई सुनिश्चित करना।
वौद्धिक पूँजी		अनुसंधान एवं विकास में संबंध दृष्टान्त और प्राचालन में प्रैदृश्यक्रियां के कार्यान्वयन से प्राचालन दबाता में वृद्धि होती है।	प्रौद्योगिकी के लिए नवीन प्रौद्योगिकीय में निवेश से प्रतिप्रबलक लाभ प्राप्त होता है।	शहर में अक्षय ऊर्जा, जलविद्युत और पंच भूमिकाओं में कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए कर्तव्यित संस्कृत करने के साथ साझेदारी की गई।	एनआरपीएल 500 टॉनेंग करने की विविदता के लिए विनिर्भात अप्रत्यक्ष व्युद्धि विनिर्भात के लिए विनिर्भात करने और उन्हें विकासित करने के साथ समर्थन किया गया।	
प्राकृतिक पूँजी		दरेंज में आधिक 200 विनिर्भात की प्लाटिफ्य संस्करण तकनीक का उपयोग कर रही है, जिससे वायोक्रान्ति के कारण मूल्यवान जल की दृष्टि में उत्तरोत्तरीय उपयोग होता है।	दरेंज में आधिक 200 विनिर्भात की प्लाटिफ्य संस्करण तकनीक का उपयोग करना और विनिर्भात संस्करण के संरक्षण के माध्यम से वितीय वर्ता करनी आई है।	दरेंज के नए और वैकल्पिक चौतों की ओर सक्रमण, जिससे अतिरिक्त प्रकाश और अपराध रोगदान देने वाले विनिर्भात के लिए विनिर्भात करने के साथ समर्थन किया गया।	उर्जा के नए और वैकल्पिक चौतों की ओर सक्रमण, जिससे अतिरिक्त प्रकाश और अपराध रोगदान देने वाले विनिर्भात के लिए विनिर्भात करने के साथ समर्थन किया गया।	
मानव पूँजी		जनित ऊपर से कशल कार्यवित्त उन्नत परिसंपत्तियों और विनियोगी लोंगों के विकास में महत्व करता है, जिससे परिसम्बद्धता के लिए विनिर्भात का अनुकूलित उपयोग होता है।	कोशल ज्ञान और रचनात्मकता के विनियोग करने के लिए विनिर्भात और समाजस्वरूप उन परिस्पतियों का अनुकूलित उपयोग होता है।	कोशल ज्ञान और रचनात्मकता के विनियोग करने के लिए विनिर्भात और समाजस्वरूप उन परिस्पतियों की विनियोग करना।	विनियोग करने के लिए विनिर्भात और समाजस्वरूप उन परिस्पतियों की विनियोग करना।	
सामाजिक और संबंध पूँजी		एमएसएसई बोलीवारात्राओं के लिए आधिकारीय की खरीद प्रथमवार्ता का अधिकार तकनीक की खरीद का 25% तक होता है।	स्थानीय समुदायों के विनियोग संबंधित उपलब्ध करने के लिए विनियोग की व्यापार विनियोग लूप से समाज को घनबूत बनाता है।	तेल और गोस संस्कार, स्वच्छ सहयोग और नवाचार में योगदान देते हैं, जो सम्पर्क लूप से समाज को घनबूत बनाता है।	कर्मचारियों के सहयोग और सीखने के लिए सूचना, समाजनों और अवसरों तक पहुँच प्रदान करना।	



## बोर्ड की रिपोर्ट

प्रिय शेयरधारकगण,

मुझे आपकी कंपनी के निदेशक मंडल की ओर से अँयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी / कंपनी) की 31वीं वार्षिक रिपोर्ट और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष (वित्तीय वर्ष 2024) के लिए इसके अकेषित वित्तीय विवरण, लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक (सीएजी) द्वारा वित्तीय विवरणों पर की गयी टिप्पणियों के साथ प्रस्तुत करते हुए हर्ष हो रहा है।

ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अस्थिरता और चालू अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सुस्ती वाले वैश्विक परिवृत्ति में, भारत ने न केवल अनिश्चितता को काबू किया है, अपितु आर्थिक विकासहीनता के जाल से भी बचा है। सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में, हम निकट भविष्य में इस प्रभावशाली विकास पथ को बनाए रखने के लिए तैयार हैं। फिर भी, उभरती हुई ऊर्जा चुनौतियाँ बहुआयामी हैं, जिनमें न केवल प्राकृतिक गैस बल्कि तेल, कोयला, बिजली, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन भी शामिल हैं। तेल और गैस उद्योग निरंतर अप्रत्याशिता और संभावित अस्थिरता से ग्रसित रहा है।

आपकी कंपनी पूँजीगत व्यय और परियोजना निष्पादन की गतिशीलता को बनाए रखते हुए, उत्पादन स्तर को अक्षुण्ण रखते हुए और प्रचालन लागतों को इष्टतम करते हुए सभी हितधारकों के लिए मूल्य साध्य को बढ़ाने का प्रयास कर रही है। अपने प्रयासों को समर्पित करके और निरंतर विकास करते हुए, हम हितधारकों के लिए मूल्य सृजित करते हुए देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

आपकी कंपनी ने, अपनी समूह कंपनियों के साथ, शानदार प्रदर्शन का एक और वर्ष दर्ज किया है और अधिकांश प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में काफी प्रगति की है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान उत्पादन क्षेत्र की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- वित्त वर्ष 2023 के दौरान संयुक्त उद्यम उत्पादन में हिस्सेदारी सहित कच्चे तेल का उत्पादन वित्त वर्ष 2024 के दौरान 21.139 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) रहा, जबकि यह 21.485 एमएमटी था।
- वित्त वर्ष 2023 के दौरान संयुक्त उद्यम उत्पादन में हिस्सेदारी सहित प्राकृतिक गैस का उत्पादन वित्त वर्ष 2024 के दौरान 20.647 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) रहा, जबकि यह 21.351 बीसीएम था।
- वित्त वर्ष 2024 के दौरान मूल्य वर्धित उत्पाद (पीएपी) का उत्पादन 2.519 एमएमटी था, जबकि वित्त वर्ष 2023 के दौरान यह 2.598 एमएमटी था।

गहन और निरंतर अन्वेषण कार्यक्रम के बल पर, आपकी कंपनी ने भारत में ओएनजीसी द्वारा प्रचालित क्षेत्रों से 45.20 एमएमटीओई 2पी भंडार अर्जित किया। 2पी भंडार के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों से भंडार प्रतिस्थापन अनुपात (आरआरआर) 1.15 रहा। आपकी कंपनी ने लगातार 18वें वर्ष एक से अधिक का भंडार प्रतिस्थापन अनुपात (2पी) बनाए रखा है।

आपकी कंपनी की पांच प्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनियां हैं, अर्थात् ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) और ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल)।

आपकी कंपनी के नौ सहयोगी कंपनियां/संयुक्त उद्यम भी हैं, नामतः ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपल), ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी), ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल), दहेज एसईजे लिमिटेड (डीएसएल), मंगलौर एसईजे लिमिटेड (एमएसईजेडएल), इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल), पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल), पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) और रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड (आरएचएल)।

### 1. वित्त वर्ष 24 के प्रमुख आकर्षण :

- i. वित्त वर्ष'24 में प्रचालन से प्राप्त राजस्व ₹13,84,021 मिलियन रहा जबकि वित्त वर्ष'23 में यह ₹15,55,173 मिलियन था।
- ii. वित्त वर्ष'24 में शुद्ध लाभ ₹4,05,260 मिलियन रहा जबकि वित्त वर्ष'23 में यह ₹4,00,965 मिलियन (पुनर्कथित) था।
- iii. आपकी कंपनी ने अपने प्रचालित रक्षे में 11 नई हाइड्रोकार्बन खोजों (6 नई संभावनाएं और 5 नए पूल) को अधिसूचित किया है, जिनमें ओएलपी ब्लॉक में 6 खोज, नामांकन ब्लॉकों में 5 खोजें शामिल हैं।
- iv. वित्त वर्ष'24 के दौरान 7.11 एमएमटीओई के संचयी 2पी भंडार (ईयूआर) के साथ अधिसूचित सात हाइड्रोकार्बन खोजों (गोपावरम-21, दक्षिण महादेवपतनम-2, पूर्व लखीबारी-6, गोजालिया-13, केजी-डीडब्ल्यूएन- 98/2-एम-1, केजीडी982एनए-एम-3 और करुगोरुमिल्ली-1) का मुद्रीकरण वर्ष के दौरान ही किया गया था।
- v. दिनांक 07 जनवरी, 2024 को 4 तेल कूपों (पीडीएम-ए, पीडीएम-बी, पीडीएम-सी और पीडीएम-जी) के माध्यम से केजी-98/2 क्लस्टर-॥ से तेल उत्पादन शुरू किया गया। 27 फरवरी, 2024 को कूप पीडीएम-डी और पीडीएम-एफ के माध्यम से केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 क्लस्टर-॥ में जल अन्तःक्षेपण शुरू हुआ।



- vi. आपकी कंपनी ने महानदी अपतट गहन समुद्र में ओएलपी ब्लॉक एमएन-डीडब्ल्यूएचपी-2018/1 में दो नई संभावना खोजें 'उत्कल' (एमडीडब्ल्यू-27) और 'कोनार्क' (एमडीडब्ल्यू-26) को अधिसूचित किया है। इस सफलता ने महानदी गहन समुद्र क्षेत्र में अन्वेषण प्रयासों को फिर से जीवंत कर दिया है और अग्रतर अन्वेषण का एक बड़ा क्षेत्र खोल दिया है।
- vii. ऊपरी असम शेल्फ-दक्षिण में कूप ईएलडीए (ईएल-6) में क्रेटेशियस अनुक्रमों से हाइड्रोकार्बन स्ट्राइक एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह पूरे असम शेल्फ में क्रेटेशियस अनुक्रमों से पहली हाइड्रोकार्बन खोज है और इस तरह असम एवं असम अराकान बेसिन में न्यू प्ल्स ओपरेनिंग को चिह्नित करता है।
- viii. विभिन्न भारतीय अवसादी बेसिनों में नए अधिग्रहीत ओएलपी ब्लॉकों में त्वरित अन्वेषण प्रयास जहां आपकी कंपनी ने कुल 21 अन्वेषणात्मक कूप वेधित किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप अमृत, मूंगा, मोती, उत्कल, कोणार्क और पश्चिम आमोद नामक छह हाइड्रोकार्बन खोजें हुई हैं।
- ix. वर्ष के दौरान, अपरंपरागत आगारों से भंडार को समेकित करने और प्राप्त करने के उद्देश्य से, आपकी कंपनी ने असम एवं असम अराकान बेसिन और मुंबई अपतट में एक-एक, 2 एचपीएचटी कूपों का वेधन पूरा कर लिया है। इसके अलावा, बेसमेंट प्ल्स को साधने हेतु 6 कूप, जिनमें पांच खंभात बेसिन में और एक असम एवं असम अराकान बेसिन में वेधित किए गए थे।
- x. वर्ष के दौरान कुल 103 अन्वेषणात्मक कूपों का वेधन किया गया, जिनमें से 68 कूपों का वेधन कार्य पूरा हो गया है और 35 कूपों का परीक्षण किया जाना बाकी है। इनमें से 28 कूपों में हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति साबित हुई। इसके अलावा पिछले वर्षों के 28 कूपों का वेधन कार्य पूरा हुआ, जिनमें से 13 कूपों में हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति साबित हुई।
- xi. पिछले वर्ष वेधित कूप सहित कुल परीक्षित/पूर्ण किए गए कूपों पर विचार करते हुए अन्वेषणात्मक वेधन में सफलता का अनुपात 1:2.3 (42.7%) था – (कुल 96 कूपों का वेधन कार्य पूर्ण हुआ, जिनमें से 41 कूपों में हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति साबित हुई)।
- xii. वित्त वर्ष 2024 के दौरान कुल 971.81 एलकेएम 2डी और 8588 एसकेएम 3डी भूकंपीय डेटा प्राप्त किया गया। इस परिमाण में से, ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएलपी) ब्लॉकों में कुल 671.82 एलकेएम 2डी और 6140.28 एसकेएम 3डी भूकंपीय डेटा प्राप्त किया गया।
- xiii. आपकी कंपनी ने प्रौद्योगिकी ज्ञान और लागत गहन अन्वेषण सीमाओं के जोखिम को कम करने के लिए प्रतिष्ठित प्रमुख ई.एंड पी. कंपनियों
- के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ये साझेदारियां गहरे समुद्र की सीमाओं में अन्वेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, सीसीयूएस, भूतापीय हरित हाइड्रोजन, हरित अमोनिया और हरित हाइड्रोजन से निकलने वाले अन्य व्युत्पन्न सहित कम कार्बन ऊर्जा अवसरों को शामिल करेंगी। सम्पूर्ण ई.एंड पी. क्षेत्र में विभिन्न डिजिटल पहल भी की जा रही हैं।
- xiv. गहरे और अत्यधिक गहरे समुद्र में खोज के लिए, आपकी कंपनी ने अन्वेषण गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए शेवरॉन, एक्सॉनमोबिल और टोटलएनर्जीज जैसी वैश्विक प्रमुख कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रमुख ई. एंड पी. कंपनियों के साथ इन वैश्विक सहयोग के माध्यम से, आपकी कंपनी को बेसिनों, विशेष रूप से गहरे और अत्यधिक गहरे समुद्र की सेटिंग की बेहतर समझ के मामले में लाभ हुआ है।
- xv. ओएलपी बोली चक्र-VIII के तहत आपकी कंपनी को सात अनुबंध क्षेत्र दिए गए, जिनका क्षेत्रफल 30,342 वर्ग किलोमीटर है, इन क्षेत्रों के लिए आरएससी (राजस्व साझाकारण अनुबंध) पर 3 जनवरी, 2024 को हस्ताक्षर किए गए थे। ये आवंटित ब्लॉक हैं – कैम्बे बेसिन में 1 अभिट ब्लॉक सीबी-ओएनएचपी-2022-1 और 6 अपतट ब्लॉक, बंगाल अपतट में बीपी-ओएसएचपी-2022-1, केरल-कॉकण अपतट में केके-ओएसएचपी-2022-1 और केके-डीडब्ल्यूएचपी-2022-1, मुंबई अपतट में एमबी-ओएसएचपी-2022-1, सौराष्ट्र अपतट में जीएस-डीडब्ल्यूएचपी-2022-1 और महानदी अपतट के अल्ट्रा-डीपवाटर में एमएन-यूडीडब्ल्यूएचपी-2022-1।
- xvi. आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर ₹6,866.84 मिलियन व्यय किए, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह ₹5,698.46 मिलियन था। इन पहलों के परिणामस्वरूप आपकी कंपनी की प्रचालन क्षमता में सुधार हुआ और लागत इष्टतम हुई।
- xvii. वित्त वर्ष 2024 के दौरान, इंटेलेक्युअल प्रॉपर्टी इंडिया, भारत सरकार द्वारा आपकी कंपनी को 31 पेटेंट और 08 कॉपीराइट प्रदान किए गए।
- xiii. ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2024 में ₹6,345.74 मिलियन अब तक का सर्वाधिक सीएसआर व्यय दर्ज किया, जिसमें कंपनी के आकांक्षी जिलों में ₹809.62 मिलियन अब तक का सर्वाधिक व्यय शामिल है।

## 2. वैश्विक मान्यताएँ

आपकी कंपनी को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित किया गया है, पुरस्कारों और पुरस्कारों की सूची अनुलग्नक-क पर संलग्न है।

### 3. खोजों का विवरण

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने अपने प्रचालित क्षेत्रों में ग्यारह (11) नई हाइड्रोकार्बन खोजों (छह अभितट और पांच अपतट) की अधिसूचना जारी की है:

आपकी कंपनी द्वारा किए गए अन्वेषण प्रयासों का विवरण निम्नानुसार ह

क्रम संख्या	बेसिन /ब्लॉक	खोजा गया कूप	क्षेत्र	खोज का प्रकार	हाइड्रोकार्बन का प्रकार
1	केजी अभितट	गोपावरम-21(जीएमडीएल)	श्रीकतपल्ली-पसरलापुडी एवं गोपावरम पीएमएल	पूल	तेल एवं गैस
2	केजी अभितट	दक्षिण महादेवपटनम-2 (एसएमए-एडी)	महादेवपटनम पीएमएल	पूल	गैस
3	असम एवं असम अराकान	सीताबारी-1 (जीओएआई_एसयूबी)	गोजालिया पीएमएल	पूल	गैस
4	असम एवं असम अराकान	तुलामुरा-3(ठीएमएबी)	पश्चिमी त्रिपुरा	पूल	गैस
5	असम एवं असम अराकान	पूर्वी लखीबारी-6 (ईएलडीए)	पूर्वी लखीबारी पीएमएल	नई संभावना	तेल
6	पश्चिमी अभितट	पश्चिमी आमोद-1 (सीबीओएनएचपी-212ए-ए)	ओएएलपी: सीबी-ओएनएचपी-2021/2	नई संभावना	तेल एवं गैस
7	मुंबई अपतट (एसडब्ल्यू)	एमबीएस182एचडीए-1 (एमबीएस182एचडीए-ए) "मूंगा"	ओएएलपी: एमबी-ओएसएचपी-2018/2	नई संभावना	तेल एवं गैस
8	मुंबई अपतट (एसडब्ल्यू)	एमबीएस181एचसीए-1 (एमबीएस181एचसीए-ए) "मोती"	ओएएलपी: एमबी-ओएसएचपी-2018/1	नई संभावना	तेल एवं गैस
9	मुंबई अपतट (एसडब्ल्यू)	एसटी-6 (एसटी-ए) "पुखराज"	मध्य-दक्षिण ताप्सी पीएमएल	नई संभावना	तेल एवं गैस
10	महानदी अपतट (डीडब्ल्यू)	एमडीडब्ल्यू-27 (एमएनडीडब्ल्यू181एच-ए-ए) "उत्कल"	एमएन-डीडब्ल्यूएचपी-2018/1	नई संभावना	गैस
11	महानदी अपतट (डीडब्ल्यू)	एमडीडब्ल्यू-26 (एमएनडीडब्ल्यू181एच-बी-ए) "कोणार्क"	एमएन-डीडब्ल्यूएचपी-2018/1	नई संभावना	गैस

वित्तीय वर्ष के दौरान की गई ग्यारह नई खोजों में से, तीन खोजें अर्थात् गोपावरम-21, दक्षिण महादेवपटनम-2 और पूर्वी लखीबारी-6 को मुद्रीकरण किया गया। यह मुद्रीकरण पिछले वर्षों की 4 खोजों के मुद्रीकरण के अतिरिक्त है। वित्त वर्ष 24 के दौरान मुद्रीकृत खोजों से लाभ 0.20 एमएमटीओई था।।

### 4. भंडार अभिवृद्धि और भंडार स्थिति

वित्त वर्ष 24 के दौरान, भारत में ओएनजीसी द्वारा प्रचालित क्षेत्रों से 2पी भंडार में 45.20 एमएमटीओई अभिवृद्धि हुई। घरेलू क्षेत्रों (संयुक्त उद्यम शेयर को छोड़कर) से भंडार प्रतिस्थापन अनुपात (आरआरआर) 2पी रिजर्व के संबंध में 1.15 था। 1 अप्रैल, 2024 तक ओएनजीसी द्वारा अपने प्रचालित क्षेत्रों और गैर-प्रचालन (संयुक्त उद्यम शेयर को छोड़कर) से स्थापित 2पी भंडार की स्थिति इस प्रकार थी :

01 अप्रैल, 2023 की स्थिति के अनुसार भंडार स्थिति (एमएमटीओई)				
पीआरएमएस के अनुसार 1#	श्रेणी	कंपनी द्वारा प्रचालित	जेवी द्वारा प्रचालित	कुल
भंडार	2पी	704.17	12.77	716.96

1# पीआरएमएस: पेट्रोलियम रिसोर्सेज मैनेजमेंट सिस्टम। ओएनजीसी ने 1 अप्रैल, 2019 से पीआरएमएस अंगीकृत किया।



## 5. ब्लॉकों का अधिनिर्णय/अन्वेषण हेतु लिए गए नये रकमे

वर्ष के दौरान, कुल 30,342 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर करने वाले 7 ओएलपी ब्लॉकों के लिए राजस्व साझाकरण अनुबंध (आरएससी) 3 जनवरी, 2024 को निष्पादित किया गया।

वर्तमान में, सभी अधिनिर्णीत ओएलपी ब्लॉक अन्वेषण चरण में हैं। 01 अप्रैल 2024 की स्थिति के अनुसार, कुल 4378.31 एलकेएम 2डी भूकंपीय डेटा और 26058.18 एसकेएम 3डी भूकंपीय डेटा हासिल किया गया है और ओएलपी ब्लॉक में 21 अन्वेषणात्मक कूप वेधित किए गए।

इन अन्वेषण प्रयासों के साथ ओएनजीसी ने 6 हाइड्रोकार्बन खोजों को अधिसूचित किया है, जिनमें मुख्य अपटट (एसडब्ल्यू) में अमृत, मूंगा और मोती, महानदी अपटटीय (डीडब्ल्यू) में उत्कल और कोणार्क तथा कैम्बे अभितट में पश्चिम आमोद शामिल हैं।

वर्ष के दौरान, अन्वेषण के लिए लिए कुल नया रकमा 47,657 एसकेएम था।

## 6. ईओआर प्रस्ताव

आपकी कंपनी लगातार अपने संवर्धित तेल रिकवरी (ईओआर) पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। संवर्धित रिकवरी नीति के तहत, अभितटीय और अपटटीय क्षेत्रों में स्थित ओएनजीसी के क्षेत्रों को स्क्रीनिंग के लिए चिपक्हित गया था। तेल क्षेत्रों के लिए 31 मार्च, 2024 तक महानिवेशालय हाइड्रोकार्बन (डीजीएच) को 33 ईआर पायलट/प्रारंभिक स्क्रीनिंग रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। 17 ईआर पायलट पहले से ही स्वीकृत हैं (चरण-I), 3 स्वीकृत नहीं हैं, 11 अनुमोदन के अधीन हैं (चरण-I) और 2 को अधिसूचित किया गया है।।

## 7. पूरी की गयी प्रमुख परियोजनाएं

वर्ष 2024 के दौरान, करीब ₹ 27,398 मिलियन के निवेश से निम्नलिखित 2 प्रमुख परियोजनाएं पूरी की गयीं :

क्र. सं.	परियोजना का नाम	पूरा होने की तिथि	वास्तविक लागत (₹ मिलियन में)
1	हीरा पुनर्विकास चरण 3 परियोजना	31.12.2023	24,816.60
2	नेत्र ब्लॉक केंजी-ओएनएन-2003/1 नागायलंका फौल्ड चरण-II का विकास	25.12.2023	2,581.60*

\* ओएनजीसी शेयर की आनुपातिक पीआई लागत (51%)

## 8. पूंजीगत व्यय

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी को पूंजीगत व्यय इसकी अनुषंगी कंपनियों के पूंजीगत व्यय सहित ₹5,67,697 मिलियन था (ओएनजीसी – ₹3,74,942 मिलियन, एचपीसीएल – ₹1,44,118 मिलियन, ओवीएल – ₹32,590 मिलियन, एमआरपीएल – ₹15,995 मिलियन और पीएमएचबीएल – ₹52 मिलियन)

## 9. कूपों का वेधन

आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष'23 के दौरान वेधित किए गए 463 कूपों (पीईसी द्वारा वेधित 2 कूप सहित) की तुलना में वित्तीय वर्ष'24 के दौरान 544 कूपों का वेधन किया है। इनमें से 103 कूप अन्वेषणात्मक कूप हैं, जबकि शेष 441 कूप साइड ट्रैक सहित विकासात्मक कूप हैं। वर्ष के दौरान वेधन प्रचालनों की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार थीं :

- समग्र खोज और विकास चक्र गति और वाणिज्यिक गति अब तक की सर्वाधिक गति तक पहुंच गयी – 1042 एम/आरएम जो दक्षता और प्रचालनात्मक उत्कृष्टता दर्शाता है।

वेधन उस क्षेत्र में शुरू किया गया है जिसे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा हितों और महानदी ब्लॉक एमएन-डीडब्ल्यूएचपी-2018/1 में की गई दो खोजों के कारण 'नो-गो' क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जिसका नाम उत्कल और कोणार्क है, जहाँ समुद्र की गहराई क्रमशः 714 मीटर और 1,110 मीटर है।

### कूप सेवाएं :

- कूप सेवाओं ने वर्क ओवर जॉब्स (2,110 जॉब्स) के माध्यम से वित्तीय वर्ष में अब तक सबसे अधिक कूप सेवा उपलब्धि हासिल की और साथ ही इसने वित्त वर्ष'24 के लिए अब तक की सबसे अधिक वर्क ओवर दक्षता (वार्षिक वर्क ओवर सूचकांक 28.30) प्राप्त की है।

कूप सेवाओं ने वित्त वर्ष'24 में 13,276 कूप उत्प्रेरण कार्य किए, जो अब तक का सबसे अधिक उत्प्रेरण कार्य है।

कूप सेवाओं ने इस वर्ष अब तक की सबसे अधिक संख्या में कूपों का परीक्षण करके एक और मील का पत्थर स्थापित किया है, अर्थात् 509 कूप (424 विकासात्मक और 85 अन्वेषणात्मक)

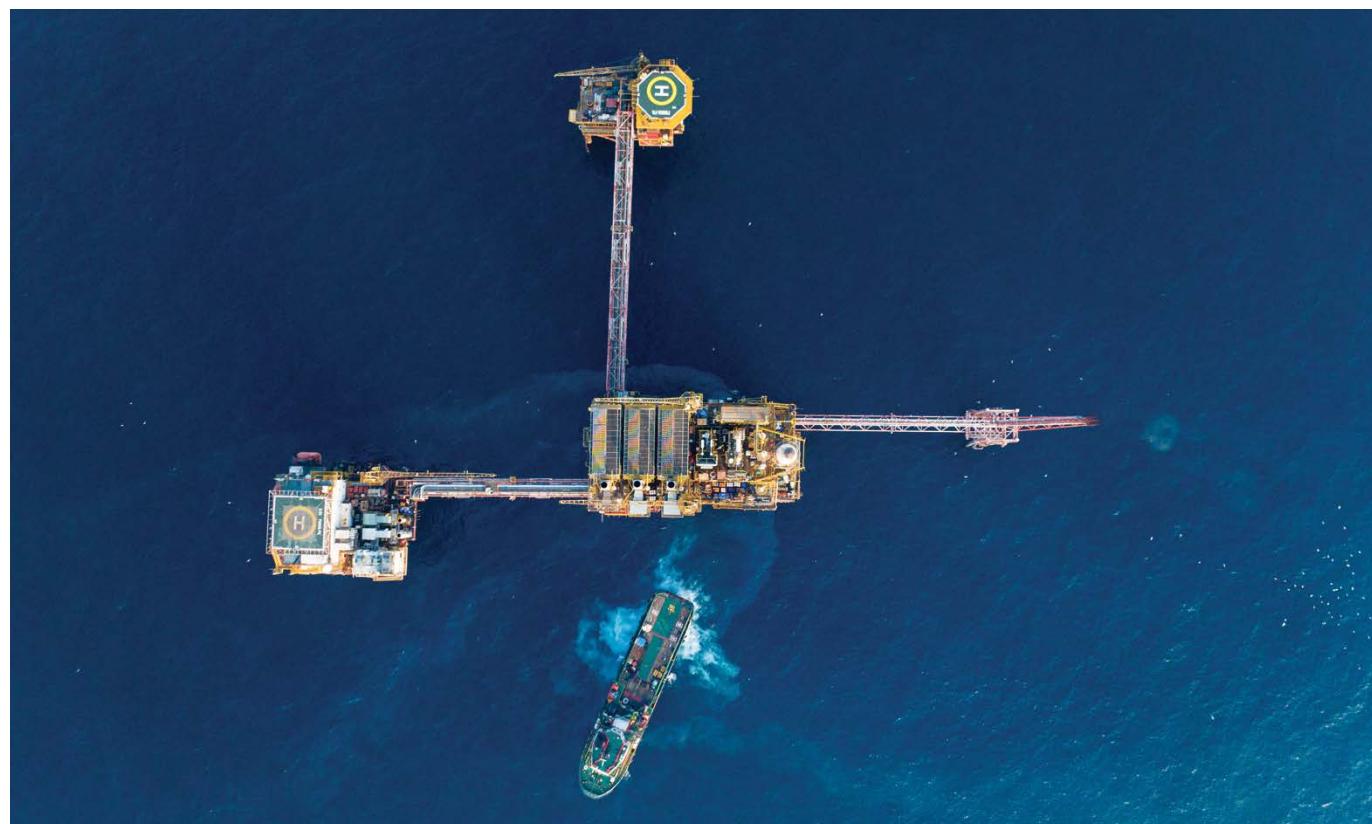
16 अगस्त, 2023 को एम-फील्ड में ऑयल मैनिफोल्ड (पीएम-04) अधिष्ठापित किया गया, ताकि पहले तेल उत्पादन के लिए एम फील्ड कूपों को जलमग्न अवसंरचना से जोड़ा और एकीकृत किया जा सके। एम-फील्ड (केंजी-डीडब्ल्यूएन-98 / 2% क्लस्टर-II) के चार पूर्ण हो चुके तेल कूपों को उप समुद्री उत्पादन प्रणाली, एफपीएसओ से जोड़ा गया और 07 जनवरी, 2024 को पहला तेल उत्पादन शुरू हुआ।

## 10. तेल, गैस एवं वीएपी उत्पादन

वित्त वर्ष 22 की तुलना वित्त वर्ष 23 के दौरान उत्पादन, बिक्री परिमाण और वीएपी उत्पादवार विवरण निम्नवत हैं :

विवरण	इकाई	उत्पादन परिमाण		विक्रीत मात्रा		मूल्य (₹ मिलियन में)	
		वि.व.24	वि.व.23	वि.व.24	वि.व.23	वि.व.24	वि.व.23
कच्चा तेल	(एमएमटी)	21.14	21.49	18.87	19.19	918,665	1,030,076
प्राकृतिक गैस	(बीसीएम)	20.65	21.35	15.93	16.68	334,287	374,168
<b>मूल्य वर्द्धित उत्पाद (वीएपी)</b>							
द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस	००० एमटी	953	883	954	884	49,704	55,543
नेथा	००० एमटी	933	932	922	921	45,945	49,614
इथेन - प्रोपेन	०००एमटी	0	119	0	119	0	4,909
इथेन	००० एमटी	216	281	216	281	11,331	13,311
प्रोपेन	००० एमटी	177	150	175	147	8,555	8,713
ब्यूटेन	००० एमटी	99	81	99	81	4,891	4,668
उत्कृष्ट कैरोसिन तेल एवं एमटीओ	००० एमटी	10	9	5	3	398	263
अन्य*	००० एमटी	131	143	61	80	3,966	6,276
अनुयोग (वीएपी)	००० एमटी	2519	2,598	2,432	2,516	124,790	143,297
<b>कुल</b>						<b>13,77,742</b>	<b>15,47,541</b>

\* अन्य में एटीएफ, एलएसएचएस, एचएसडी, एलडीओ और सल्फर शामिल हैं।





## 11. विदेश स्थित परिसंपत्तियों से उत्पादन – ओएनजीसी विदेश लिमिटेड

आपकी कंपनी के विदेशी प्रचालन अनन्य रूप से इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) के माध्यम से की जाती है, जो आगे अपने प्रचालन सीधे ही या अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से करती है। वित्त वर्ष'24 के दौरान विदेश स्थित परिसंपत्तियों से कुल तेल और गैस उत्पादन 10.518 एमएमटीओई रहा, जबकि वित्त वर्ष'23 के दौरान, यह 10.171 एमएमटीओई था। तेल उत्पादन वित्त वर्ष'23 के 6.349 एमएमटी की तुलना में वित्त वर्ष'24 के दौरान 7.178 एमएमटी था और गैस उत्पादन वित्त वर्ष'23 के दौरान 3.822 बीसीएम की तुलना में वित्त वर्ष'24 के दौरान 3.340 बीसीएम रहा। यह सकारात्मक प्रदर्शन स्व-प्रचालित और संयुक्त रूप से प्रचालित परिसंपत्तियों नामतः एमईसीएल, सीपीओ-5, जीपीओसी, एसपीओसी और सैन क्रिस्टोबल के प्रदर्शन से प्रचालित था, जबकि प्राकृतिक गिरावट, भू-राजनीतिक तनाव और स्थानीय समस्याओं के कारण ढेर सारी चुनौतियां थीं। वित्त वर्ष 2024 के दौरान कंपनी ने संचयी उत्पादन में 200 एमएमटीओई का आंकड़ा पार करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 31 मार्च, 2024 को ओवीएल का संचयी उत्पादन 204.370 एमएमटीओई तक पहुंच गया।

## 12. अन्य अन्वेषणात्मक पहलें / गतिविधियां

### क) ईईजेड तक अपतटीय क्षेत्रों हेतु नोडल एजेंसी के रूप में 2डी भूकंपी डेटा का अधिग्रहण :

सरकारी निधि से क्रियान्वित कार्यक्रम के अंतर्गत ईईजेड सर्वेक्षण हेतु आपकी कंपनी को नोडल एजेंसी के रूप में कार्य सौंपा गया था (अनन्य आर्थिक क्षेत्र-ईईजेड तक के अमूल्यांकित अपतटीय क्षेत्रों का मूल्यांकन करना), तीन क्षेत्रों, नामतः पश्चिमी तट, पूर्वी तट और अंडमान अपतट में कुल 82,353 एलकेएम (संशोधित लक्ष्य) अत्यधिक 2डी उच्च फिडेलिटी ब्रॉडबैंड भूकंपी डेटा (एपीआई) अधिग्रहित करने की योजना बनायी गयी थी। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार ओएनजीसी द्वारा 76,545 एलकेएम 2डी भूकंपनी डेटा का अधिग्रहण किया गया है, जो कुल लक्ष्य का 96.53% है।

### ख) बेसमेंट अन्वेषण :

बेसमेंट संरचना के लिए समिलित अन्वेषण प्रयासों के भाग के रूप में बेसमेंट के एक लक्ष्य के रूप में कुल 6 कूप वेधित किए गए थे, जिनमें कैब्स बेसिन में पद्मा-199, पद्मा-208, पद्मा-213, पद्मा-215 और पद्मा-219, असम शेल्फ में बी-बीआर-22 शामिल हैं। बेसमेंट सेक्वेशन के परीक्षण के दौरान, कूप पद्मा-199 और 215 में पानी बह रहा था और कूप पद्मा-208, 213 और 219 में सक्रियण के दौरान

तेल इमल्शन और कमजोर गैस के साथ पानी का प्रवाह हुआ। असम शेल्फ में वेधित किए गए कूप बी-बीआर-22 (बीआरएएल) में बेसमेंट ॲक्झिकिट व का परीक्षण नहीं किया गया था।

### ग) एचपी-एचटी अन्वेषण:

उच्च दबाव-उच्च ताप (एचपी-एचटी) और तंग रिजवॉर्यर आपकी कंपनी के लिए एक अन्वेषणात्मक और विकासात्मक चुनौती रही है। आपकी कंपनी बोरहोल जटिलताओं, द्रव डिजाइन, एचपी-एचटी सीमेंटिंग सहित उच्च लागत वाली वेधन तकनीक, कूप के निर्माण और अन्य रिजवॉर्यर इंजीनियरिंग समस्याओं के कारण काफी मुश्किल कार्य कर रही है। ओएनजीसी द्वारा प्रचालित क्षेत्रों में, एचपी-एचटी व्यवस्था का कावेरी अभियान के पेरियाकुडी, भुवनगिरि, केजी अभियान के नाग्यालांका बनदुमिल्ली साउथ और मल्लेश्वरण में सामना करना पड़ता है। केजी उथला अपतट के यानाम, पश्चिमी अपतट के जी-4-6, डी-33 और जीएस-ओएसएन-2004/1 को भी एचपी-एचटी के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इसके अतिरिक्त, असम अराकान फोल्ड बेल्ट के कुछेक क्षेत्रों में उच्च दबाव व्यवस्था का अक्सर सामना करना पड़ता है।

वित्तीय वर्ष 24 के दौरान, दो अन्वेषणात्मक एचपी-एचटी कूपों को वेधन कार्यक्रम में शामिल किया गया था, नामतः पश्चिमी अपतट में कूप बी-56-2 और एएफबी त्रिपुरा में बारामूरा-37 में वेधन करने की योजना बनायी गयी थी। मुंबई अपतट के कूप बी-56-2 में गैस की उपस्थिति सिद्ध हुई है और कूप बारामूरा-37 का परीक्षण बाद में किया जाएगा।

## 13. गैर-परंपरागत स्रोतों में अन्वेषण और उत्पादन

### क) कोल बेड मिथेन (सीबीएम) :

सीबीएम बोली चक्र के भाग के रूप में नामांकन ब्लॉकों सहित अधिनिर्णीत 9 मूल ब्लॉकों में से, आपकी कंपनी ने अन्वेषणात्मक कार्यों से जनित डेटा के आधार पर 5 ब्लॉकों का परित्याग कर दिया और 4 ब्लॉकों (झारखंड में झारिया, बोकारो और उत्तरी करनपुरा और पश्चिम बंगाल में रानीगंज) का प्रचालन कर रही है, जहाँ अन्वेषण गतिविधियां पूरी कर ली गयीं हैं। इन ब्लॉकों के तीन ब्लॉक नामतः बोकारो, झारिया, और उत्तरी करनपुरा में विकासात्मक गतिविधियां अग्रिम चरण में हैं।

हाल में, विशेष सीबीएम बोली चक्र 2021 में, ओएनजीसी को दो सीबीएम ब्लॉक अधिनिर्णीत किए गए थे, अर्थात् झारखंड के राजमहल कोलफील्ड में बीपी-ओएनएची (सीबीएम)-2021/2 और मध्य प्रदेश के सोहागपुर कोलफील्ड में एसआर-ओएनएचपी (सीबीएम)-2021/5। अन्वेषण हेतु सांविधिक अनुमोदन प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

## ख) गैस हाइड्रेट अन्वेषण कार्यक्रम

आपकी कंपनी भारत सरकार के राष्ट्रीय गैस हाइड्रेट कार्यक्रम (एनजीएचपी) के अंतर्गत गैस हाइड्रेट अन्वेषणात्मक अनुसंधान में सक्रिय योगदानकर्ता रही है। ओएनजीसी ने एनजीएचपी-1 और एनजीएचपी-2 के लिए साइटों की पहचान के लिए जी. एंड जी. अध्ययन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वित्त वर्ष 24 के दौरान, आपकी कंपनी ने महानदी बेसिन में गैस हाइड्रेट की संभावनाओं की पहचान करने के लिए परियोजनाएं चलाई हैं और भारत के बीएसआर मानचित्र में पूरे पूर्वी तट बीएसआर वाले क्षेत्रों को एकीकृत और अद्यतन किया है, जो एनजीएचपी-02 के सफल समापन के बाद भारतीय उपमहाद्वीप में पहली बार लगभग 4000 वर्ग किमी है। लेजर विवरण पर नई तकनीक हासिल की गई है, जो केजी बेसिन में बालू नियंत्रण प्रणाली के लिए गैस हाइड्रेट कोर नमूनों और बजरी पैक डिजाइन के कण आकार वितरण विश्लेषण करती है। इस नई तकनीक का उपयोग करके एमएच-डीसीएस क्षेत्र में पहली बार पन्ना, मुक्ता और बीसीएल संरचना के नमूनों का विश्लेषण किया गया।

## ग) भूतापीय ऊर्जा

भारत में अग्रतर खोज के लिए संभावित भू-तापीय हॉटस्पॉट की पहचान की गई है। मनुगुरु क्षेत्र में भूमैतीकीय डेटा अधिग्रहण और भू-रासायनिक सर्वेक्षण हाल ही में संपन्न हुए हैं। केडीएमआईपीई में डेटा प्रसंस्करण का कार्य प्रगति पर है।।

## 14. वेधन सेवाएं

वेधन सेवाओं में नई तकनीकों को लगातार शामिल किया जा रहा है। इनमें से कुछ नई प्रौद्योगिकियां, जिनका अब व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है, इस प्रकार है :

- वेधन सेवाएं, असम परिसंपत्ति के लिए 'सॉफ्ट स्पीड-॥ प्रौद्योगिकी' :** सतह पर टीडीएस मापदंडों को स्वचालित रूप से अलग-अलग करके स्टिक-स्लिप शमन प्रदान करती है। वेधन सेवाओं में 1 वर्ष के लिए प्रायोगिक परियोजना चलायी जा रही है। इसे कूप जीके 9 (रिंग ईवी-2000-5) में सफलतापूर्वक शामिल किया गया है और बाद में जीकेबी 10 (रिंग ईवी-2000-3) में चालू किया गया है।
- वेधन सेवाएं, असम परिसंपत्ति के लिए अक्षीय दोलन उपकरण:** टीआईबी (प्रौद्योगिकी इंडक्शन बोर्ड) द्वारा अनुमोदित और कूप एनजीडीएफ (रिंग एम-6100-1) में सफलतापूर्वक समावेशित और असम परिसंपत्ति में प्रवर्तित है। यह डाउन-होल टूल स्ट्रिंग को अक्षीय दोलन प्रदान करता है, जिससे स्लाइडिंग प्रचालन के दौरान स्ट्रिंग/स्टेबलाइजर को नीचे की तरफ लटकने से रोका जाता है।

- लाइनर वेधन:** पिछले वर्ष की प्रायोगिक परियोजना को जारी रखते हुए लाइनर व्हाइल वेधन तकनीक का उपयोग कर 8 1/2 चरण में 4 कूप का समापन किया गया है। इस तकनीक ने अस्थिर (शेल) संरचना के माध्यम से वेधन में और आगे एक ही वेधन चरण में समाप्त कुंड के माध्यम से वेधन में लाभ प्रदान किया है, जिससे बिना किसी समस्या के वेधित किए गए अनुभागों के एक साथ लाइनर आवरण और सीमेंटेशन की सुविधा मिलती है। वेधन द्रव हानि प्रबंधन के कारण संरचना क्षति को कम करने में यह तकनीक सिद्ध हुई है।

- अंडर रीमर सेवाएँ:** यह वेलबोर जटिलताओं को कम करने और छिद्र की सफाई को बढ़ाने में मदद करता है। 12 1/4" x 14 3/4" अंडर रीमर सेवाओं का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया और साथ ही साथ 10 1/2" x 12 1/4" पीडीसी बिट के साथ अंडर रीमर सेवाओं का उपयोग करके 10 1/2" से छिद्र को बेड़ात कर और बड़ा किया गया (एचईडब्ल्यूडी-वेधन के दौरान छिद्र का विस्तार), जो अभिट ओएनजीसी में पहली बार हुआ और इस खंड का वेधन कार्य 124 दिनों की प्रस्तावित योजना के सापेक्ष 53 दिनों में पूर्ण हुआ।

- आईडीटी में अत्याधुनिक रियल टाइम वेधन ऑपरेशन सेंटर (आरटीडीओसी) की कमिशनिंग,** ओएनजीसी में सभी वेधन गतिविधियों की निगरानी करना और पर्यवेक्षण करना और जटिलताओं से बचने के लिए अंतर्क्षेपण करना और शमन उपाय सुझाना।
- 5.7 मीटर/घंटा की अब तक की सबसे अधिक आरओपी से विशेष बिट का उपयोग करके 17.5" सेक्शन में 880 मीटर के हार्ड डेककन ट्रैप (बेसमेंट) का वेधन।
- वेधन प्रचालन की वास्तविक समय निगरानी करने के लिए वीपीएन आधारित मोबाइल आधारित अनुप्रयोग का प्रेरण।
- 07 यूबीडी कूपों के वेधन के साथ एचआरपी- III परियोजना पूर्ण की।
- कूप # वीएडीए में नई तकनीक 'थर्मोसेट रेजिन' को क्रियान्वित किया और जल असर वाले क्षेत्र का सफल अलगाव हासिल किया, जिससे 0.25 एमएमएससीएमडी गैस उत्पादन में वृद्धि हुई।
- मेहसाणा के सीएसएस कूपों के सीमेंटेशन के लिए पहली बार एचजीएस 4 के 28 आधारित सीमेंट घोल का इस्तेमाल किया गया, जिसके परिणामस्वरूप उत्कृष्ट सीबीएल/वीडीएल लॉर्स प्राप्त हुए हैं।



11. अपशिष्ट/उत्पादित जल के साथ वेधन और समापन द्रव: वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी) द्वारा इको इनोवेशन के माध्यम से, अपशिष्ट जल आधारित वेधन द्रव का उपयोग वित्त वर्ष 24 में मेहसाणा परिसंपत्ति के 47 कूपों और राजमहेन्द्री परिसंपत्ति के 15 कूपों में सफलतापूर्वक किया गया है। इसी तरह अंकलेश्वर परिसंपत्ति में अपशिष्ट जल आधारित समापन द्रव का उपयोग किया गया है। इससे मीठे पानी की खपत लगभग 80% कम हो गई है।

## 15. अवसंरचना उन्नयन :

आपकी कंपनी वैश्विक ई. एंड पी. व्यवसाय में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ मौजूदा संसाधनों के उन्नयन की प्रक्रिया में है। इसने पहले ही विभिन्न चरणों में अपने अभिटीय/अपतटीय वेधन रिग, वर्कओवर रिग, सीमेंटिंग यूनिट्स, क्राइसिस मैनेजमेंट उपकरण के नवीनीकरण, उन्नयन और प्रतिस्थापन के लिए कार्रवाई की है। वर्ष के दौरान क्रियान्वित प्रमुख अवसंरचना उन्नयन इस प्रकार हैं :

- सत्ताईस (27) वेधन रिगों को चरणबद्ध तरीके से नई पीढ़ी की हाई-टेक रिग्स द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है। वित्त वर्ष 24 तक कुल 11 नई पीढ़ी की हाई-टेक वेधन चालू की गई।

वित्त वर्ष 24 के अंत तक, 20 स्वचालित वर्कओवर रिगों में से सात वर्कओवर रिग चालू हो गयी हैं।

## 16. सूचना प्रौद्योगिकी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आईओटी और क्लाउड जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके डिजिटलीकरण की ओर बढ़ते हुए, डिजिटल ऑयलफील्ड और प्रचालन गतिविधियों का निर्माण करके, आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में आईटी के क्षेत्र में कई व्यावसायिक प्रक्रियागत सुधार किए हैं। प्रमुख प्रक्रिया सुधार इस प्रकार थे :

- ओएनजीसी के अत्याधुनिक डिजिटल निगमित विजुअलाइजेशन सेंटर, 'ओएनजीसी दर्पण' का उद्घाटन 25 जनवरी 2024 को दिल्ली निगमित कार्यालय में माननीय मंत्री पे. और प्रा.गै. और एमओएचयूए श्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा किया गया। भारत में अपनी तरह का यह पहला डिजिटल हब नवीनतम एआर/वीआर/लाइव फीड्स/संचार प्रौद्योगिकियों से लैस है, जो शीर्ष प्रबंधन द्वारा निगरानी किए जाने के लिए एंटरप्राइज डैशबोर्ड पर वास्तविक समय में ओएनजीसी के क्षेत्र प्रचालन और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करता है।

वेधन और वर्क-ओवर प्रचालन की केंद्रीकृत वास्तविक समय निगरानी करने के लिए, वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून में वास्तविक समय वेधन प्रचालन केंद्र (आरटीडीओसी) की स्थापना की गई है, सक्रिय एलईडी वीडियो वॉल और अनुमान विश्लेषण सहित बुद्धिमान निर्णय लेने के लिए विभिन्न उपकरणों से लैस, आरटीडीओसी के डोमेन विशेषज्ञ वास्तविक समय में सभी वेधन/वर्क-ओवर रिग को मूल्यवान सलाह/सेवाएं प्रदान करते हैं। यह विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग निगरानी करने के बोझ को कम करता है और इस प्रकार कई सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर की आवश्यकता को समाप्त करता है।

- पारदर्शिता, दक्षता और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाते हुए, ओएनजीसी ने विभिन्न डोमेन में विभिन्न पोर्टल/इंटरफेस लॉन्च किए हैं, जिनमें से उल्लेखनीय हैं – एक व्यापक कानूनी डेटाबेस एप्लिकेशन के साथ मध्यस्थता पोर्टल (व्यावसायिक भागीदारों के साथ विवादों के समाधान के लिए), ऑफशोर क्रू द्वारा हेलिकॉप्टर बोर्डिंग की सुविधा के लिए जहू हेलीबेस में एसएसी आरएफएम आधारित सुरक्षा चेक–इन इंटरफेस और आधुनिक यूआई और उन्नत सुविधाओं आदि के साथ संशोधित इंट्रानेट पोर्टल का रोलाउटट। अंतिम उपयोगकर्ताओं तक बेहतर पहुंच के लिए आंतरिक पोर्टल में जीपीयू आधारित सर्वर जोड़े गए – ओएनजीसी रिपोर्ट्स चौटबोट एप्लिकेशन।
- एसएस उन्नत डेटा विश्लेषण प्लेटफॉर्म की क्षमता का लाभ उठाते हुए, हितधारकों को मानव संसाधन, हेल्थकेयर और संपरीक्षा विश्लेषिकी सहित विभिन्न ऑन-डिमांड विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान किए गए। डिजिटल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीसीओई) द्वारा किए जा रहे विभिन्न डिजिटल प्रोजेक्ट्स में उन्नत डेटा विश्लेषिकी भी क्रियान्वित किया जा रहे हैं। उरण, हजारी और दाहेज संयंत्रों की सुरक्षा के लिए वीडियो विश्लेषिकी, वेधन और वर्कओवर कूपों के लिए वेल इंफॉर्मेशन सिस्टम (कॉमन रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म) में विश्लेषिकी और उरण संयंत्र के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी में सभी ई. एंड पी. डोमेन में एआई और जेनएआई क्षमताओं का पता लगाने और उनका लाभ उठाने के लिए एक एआई टास्क फोर्स का गठन किया गया है।
- पूरे संगठन में डिजिटलीकरण के लिए, बैंडविड्थ को कई गुना बढ़ाकर 22 जीबीपीएस कर दिया गया है। उच्च गति क्षेत्र संचार को सुवृद्ध करने के लिए पूर्वोत्तर (असम और जोरहाट परिसंपत्ति) में बिना लाइसेंस वाले बैंड में कैप्टिव बीडब्ल्यूए संचार नेटवर्क नियोजित किए जा रहे हैं।

- कागज रहित ई-बैंक गारंटी के कुशल प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा लिमिटेड (एनईएसएल) के साथ बी2बी एकीकरण स्थापित किया गया। शीर्ष प्रबंधन के लिए वित्त, तकनीकी सेवाओं, परिसंपत्ति प्रबंधक और वेल सर्विसेज के लिए निगमित स्तर के डैशबोर्ड शुरू किए गए।

## 17. वित्तीय विशेषताएँ

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष'24 के दौरान ₹4,05,260 मिलियन का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया, जो वित्तीय वर्ष'23 के ₹4,00,965 मिलियन की तुलना में ₹4,295 मिलियन (1.1%) अधिक है और वित्त वर्ष'24 में ₹13,84,021 मिलियन का प्रचालन राजस्व दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष'23 के प्रचालन राजस्व (₹ 15,55,173 मिलियन) से 11% कम है।

### विशेषताएँ—एकल वित्तीय विवरण

प्रचालनों से राजस्व	: ₹ 1384.02 मिलियन
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	: ₹ 405,260 मिलियन
राजकोष में योगदान	: ₹ 650,569 मिलियन
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल	: ₹ 30.60%
ऋण — इकिवटी अनुपात	: ₹ 0.02:1
अर्जन / शेयर	: ₹ 32.21
बही मूल्य / शेयर	: ₹ 205

विवरण	₹ मिलियन में	
	2023— 24	2022— 23*
प्रचालनों से राजस्व	1,384,021	1,555,173
अन्य आय	107,782	76,266
<b>कुल राजस्व</b>	<b>1,491,803</b>	<b>1,631,439</b>
ब्याज, मूल्यहास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	775,932	808,432
असाधारण मर्दें और कर पूर्व लाभ (पीबीटी)		
असाधारण मर्दें — आय / (व्यय)		(92,351)
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	530,162	520,889
<b>कर पश्चात लाभ (पीएटी)</b>	<b>405,260</b>	<b>400,965</b>
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरित	276,312	212,164

\*पुनर्कथित

## 18. शेयर पूंजी में परिवर्तन :

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी की पूंजी संरचना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

## 19. लाभांश

आपकी कंपनी ने नवंबर, 2023 में ₹5 प्रत्येक के शेयर पर प्रति शेयर ₹5.75 (115% की दर पर) के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है, जिसकी धनराशि ₹72,337 मिलियन है और फरवरी, 2024 में ₹5 प्रत्येक के शेयर पर प्रति शेयर ₹4.00 (80% की दर पर) के लाभांश का भुगतान किया है, जिसकी धनराशि ₹50,321 मिलियन है। इसके अलावा, निदेशक मंडल ने, आगामी एजीएम में आपके अनुमोदन के अध्यधीन ₹5 प्रत्येक के शेयर पर प्रति शेयर पर ₹2.50 (50% की दर पर) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जिसकी कुल राशि ₹31,451 मिलियन है। वित्तीय वर्ष'24 के लिए कुल लाभांश भुगतान ₹1,54,100 मिलियन है और पे—आउट अनुपात 38.03% है।

कंपनी की लाभांश वितरण नीति को निम्नलिखित वेबलिंक पर देखा जा सकता है : <https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/policies>

## 20. वित्तीय लेखांकन और सचिवीय मानक

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरण, भारतीय लेखांकन मानक (इंड एस) और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए तेल और गैस उत्पादन क्रियाकलापों के लिए लेखाओं पर मार्गदर्शक टिप्पणी सहित कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों के अनुपालन में तैयार किए गए हैं।

### सचिवीय मानक :

कंपनी ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी किए गए लागू सचिवीय मानकों का अनुपालन किया है।

## 21. ऋण, गारंटी या निवेश

आपकी कंपनी अन्वेषण एवं उत्पादन (ई. एंड पी.) व्यवसाय में लगी हुई है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186(11) के अंतर्गत उपबंधित छूट के अंतर्गत कवर किया गया है। तदनुसार, अनुषंगी कंपनियों और सहयोगी कंपनियों को दिए गए ऋण में किए गए निवेश या दी गई गारंटी या प्रतिभूति की रिपोर्ट नहीं की गई है।

## 22. निष्केप:

आपकी कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की है। इसके अलावा, या तो वित्तीय वर्ष 2024 के आरंभ में या अंत में किसी जमा राशि के प्रति कोई बकाया जमा और/या अप्रदत्त या अदावाकृत मूलधन या ब्याज नहीं है।



## 23. प्रतिभूतियों की क्रेडिट रेटिंग :

दिनांक 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार कंपनी की ऋण प्रतिभूतियों की क्रेडिट रेटिंग का विवरण :

क्र. सं.	विवरण	ब्यौरा					
		कंपनियों द्वारा जारी किए गए अंतर्राष्ट्रीय बंध—पत्र (वरिष्ठ अप्रत्याभूत नोट) जो कंपनी या अनुषंगी कंपनी द्वारा प्रत्याभूत हैं।	कंपनी या अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी किए गए अंतर्राष्ट्रीय बंध—पत्र (वरिष्ठ अप्रत्याभूत नोट) जो कंपनी द्वारा प्रत्याभूत हैं।	कंपनी या अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी किए गए अंतर्राष्ट्रीय बंध—पत्र (वरिष्ठ अप्रत्याभूत नोट) जो कंपनी द्वारा प्रत्याभूत हैं।	किसी भी समय बकाया ₹ 10,000 करोड़ तक के बेकाया वाणिज्यिक पत्र	₹ 5,000 करोड़ तक के गैर परिवर्तनीय ऋण—पत्र	₹ 7,500 करोड़ तक के गैर परिवर्तनीय ऋण—पत्र
1	ऋण प्रतिभूति का नाम	रेटिंग : बीएए३ (स्थिर) (जारीकर्ता रेटिंग के लिए सहित)	बीबीबी (स्थिर) (जारीकर्ता रेटिंग के लिए सहित)	बीबीबी (स्थिर) (जारीकर्ता रेटिंग के लिए सहित)	(आईसीआरए) ए1+ 19 जुलाई 2023 तक)** आरई ए1+ सीईड ए1+	(आईसीआरए) एएए (स्थिर), इड एएए (स्थिर)	(आईसीआरए) एएए (स्थिर), सीएआरई एएए (स्थिर)
2	प्राप्त क्रेडिट रेटिंग	मूडिंज इन्वेस्टर्स सर्विस	एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग	फिच रेटिंग	आईसीआरए लिमिटेड (आईसीआरए), सीएआरई रेटिंग लिमिटेड (सीएआरई) और इंडिया रेटिंग और रिसर्च प्रा. लि. (आईआरआरपीएल)	आईसीआरए लिमिटेड (आईसीआरए), इंडिया रेटिंग एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल)	आईसीआरए लिमिटेड (आईसीआरए), सीएआरई रेटिंग लिमिटेड (सीएआरई)
3	क्रेडिट रेटिंग एजेंसी का नाम	फरवरी, 2005 उसके बाद प्रत्येक वर्ष वार्षिक आवीक्षण	नवंबर, 2012 और उसके बाद प्रत्येक वर्ष वार्षिक आवीक्षण	जुलाई, 2021	आईसीआरए: 18.06.2018 और सावधिक आवीक्षण और समय समय पर 19 जुलाई, 2023 तक पुनर्वैधीकरण।  सीएआरई: 25.06.2018 और सावधिक आवीक्षण और समय समय पर पुनर्वैधीकरण आईआरआरपीएल: 09 नवं. 2023	आईसीआरए: 17.07.2020 और सावधिक आवीक्षण और समय समय पर पुनर्वैधीकरण।  आईआरआरपीएल: 23.07.2020 और सावधिक आवीक्षण और समय समय पर पुनर्वैधीकरण।	आईसीआरए: 07.09.2021 और सावधिक आवीक्षण और समय समय पर पुनर्वैधीकरण।  सीएआरई: 29.07. 2021 और सावधिक आवीक्षण और समय समय पर पुनर्वैधीकरण
4	क्रेडिट रेटिंग प्राप्त की गयी थी	लागू नहीं	रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, तथापि 29 मई, 2024 को धनात्मक से स्थिर में उन्नत किया गया है।	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
5	क्रेडिट रेटिंग में पुनरीक्षण यदि कोई हो, के लिए रेटिंग एजेंसी द्वारा दिया गया कारण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
6	निम्नतर पुनरीक्षण यदि कोई हो, के लिए रेटिंग एजेंसी द्वारा दिया गया कारण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

\*एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 29 मई, 2024 को जारी प्रेस विज्ञाप्ति के जरिए आएनजीसी के रेटिंग आउटलुक को स्थिर से सकारात्मक में संशोधित किया है। रेटिंग कार्रवाई 29 मई, 2024 को भारत के सॉवरेन रेटिंग आउटलुक को स्थिर से सकारात्मक में संशोधित करने के बाद की गई है।

\*\*चूंकि रेटेड इंस्ट्रमेंट के खिलाफ कोई राशि बकाया नहीं थी, इसलिए कंपनी के अनुरोध पर, आईसीआरए लिमिटेड ने 20 जुलाई, 2023 को जारी प्रेस विज्ञाप्ति के जरिए कंपनी के वाणिज्यिक पत्र (सीपी) कार्यक्रम को दी गई आईसीआरए, ए1+ की अल्पकालिक रेटिंग वापस ले ली है।

\*\*\*चूंकि एनसीडी को भुनाया गया था और उक्त उपकरणों के खिलाफ कोई राशि बकाया नहीं थी

## 24. निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईईपीएफ)

अदावाकृत लाभांश और पात्र शेयरों का आईईपीएफ में अंतरण के ब्यौरे निगमित अभिशासन रिपोर्ट में दिए गए हैं, जो इस रिपोर्ट का भाग है।

## 25. संबंधित पक्षकार लेनदेन

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 (1) में यथा—उल्लिखित संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए संविदाओं या करारों के विवरण विनिर्दिष्ट फार्म एओसी-2 में दिए गए हैं और अनुबंध-'ख' पर संलग्न किए गए हैं।

## 26. अनुषंगी कंपनियां

### क) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड, जो भारत के बाहर अन्वेषण एवं उत्पादन गतिविधियां चलाने के लिए आपकी कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है, की 15 देशों में 32 तेल एवं गैस परियोजनाएं में सहभागिता है। ओएनजीसी विदेश पोर्टफोलियो में 14 उत्पादनशील, 4 अन्वेषणात्मक/विकासात्मक, 11 अन्वेषण और 3 प्रक्रियाधीन परियोजनाएँ शामिल हैं। कंपनी इनमें से 16 परियोजनाओं का प्रचालन स्वयं या संयुक्त उद्यम भागीदारों के सहयोग से करती है। ओएनजीसी विदेश के पास वैशिक व्यापार केंद्रों यानी एम्स्टर्डम (नीदरलैंड), सिंगापुर और ह्यूस्टन (यूएसए) में परिसंपत्ति होल्डिंग, वाणिज्यिक और तकनीकी गतिविधियों के लिए 3 सहायक कंपनियाँ भी हैं। ओएनजीसी विदेश ने 03 अगस्त, 2023 को प्रतिष्ठित नवरत्न का दर्जा हासिल किया, जो भारत सरकार द्वारा मान्यता है।

वित्तीय वर्ष 2024 में ओएनजीसी विदेश के प्रचालन से प्राप्त सकल समेकित राजस्व, ₹95,534 मिलियन है (वित्त वर्ष 2023 के ₹1,16,763 मिलियन की तुलना में) और वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹6,393 मिलियन था जो वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान ₹17,003 मिलियन था, जिसका मुख्य कारण उच्चतर क्षति, सखालिन-1 के राजस्व का लेखा में शामिल नहीं होना और वित्तीय वर्ष 2024 में न्यूनतम कच्चा तेल मूल्य था।

### अन्वेषण और प्रचालन के क्षेत्र की महत्वपूर्ण घटनाएं :

- कोलंबिया में सीपीओ-5 में उत्पादन में वृद्धि:** वित्त वर्ष 24 के अंत में सीपीओ-5 लगभग 26,000 बीओपीडी उत्पादन कर रहा था, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 7,000 बीओपीडी की वृद्धि थी।
- दक्षिण सूडान में चुनौतियों पर काबू पाना :** क्षेत्रीय भू-राजनीतिक मुद्दों के बावजूद दक्षिण सूडान (जीपीओसी और एसपीओसी परियोजनाओं) में 64,000 बीओपीडी से अधिक का उत्पादन बनाए रखा।
- कोलंबिया में एमईसीएल में उत्पादन में वृद्धि :** इस परियोजना में 4 वर्षों के अंतराल के बाद इनफिल वेल वेधन फिर से शुरू हुई, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12% की वृद्धि हुई।

- एसीजी, अजरबैजान में उल्लेखनीय प्रगति :** एसीजी परियोजना का अजेरी सेंट्रल ईस्ट (एसीई) नया प्लेटफॉर्म 48 स्लॉट के साथ 3.3 बिलियन अमरीकी डॉलर की लागत से पूरा होने वाला है। इस प्लेटफॉर्म से पीएसए (2049) के अंत तक 300 एमएमबीबीएलएस का वृद्धिशील तेल उत्पादन प्राप्त होने की उम्मीद है। प्रथम कूप (के01) ने 16 अप्रैल, 2024 को उत्पादन शुरू किया, जिसकी शुरुआती दर 8.5 केबीडी कच्चा तेल थी।
- प्रमुख लाइसेंस विस्तार :** कंपनी ने कई प्रमुख परियोजनाओं में अन्वेषण लाइसेंस के लिए महत्वपूर्ण विस्तार हासिल किए हैं, जिससे इन क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति मजबूत हुई है :
  - सीपीओ-5, कोलंबिया :** हाल ही में लाइसेंस विस्तार के परिणामस्वरूप अन्वेषण गतिविधियाँ 18 मई, 2027 तक जारी रह सकती हैं।
  - आईईसी, रूस :** अन्वेषण ब्लॉक 85-1 और 86 के लिए लाइसेंस दो साल के लिए बढ़ा दिए गए हैं, जिससे 31 दिसंबर 2026 तक अन्वेषण करने की सुविधा मिल गई है।
  - ब्लॉक 06.1, वियतनाम :** ब्लॉक 06.1 के लिए 16 साल का महत्वपूर्ण विस्तार हासिल किया गया, जो 19 मई, 2023 से प्रभावी होगा, जिससे अन्वेषण गतिविधियों के लिए दीर्घकालिक रिस्थरता मिलेगी।
  - ब्लॉक-128, वियतनाम :** ब्लॉक 128 में अन्वेषण प्रयास 15 जून 2026 तक वैध लाइसेंस विस्तार के साथ आगे बढ़ेंगे।

### ख. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)

आपकी कंपनी के पास 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार एचपीसीएल में 54.90% इक्विटी शेयर हैं और एचपीसीएल एक अनुसूची 'क' महारत्न और अखिल भारतीय उपस्थिति वाली सूचीबद्ध इकाई है। एचपीसीएल 2 प्रमुख रिफाइनिंगों का स्वामित्व और संचालन करता है – एक मुंबई में (9.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष – एमएमटीपीए) और दूसरी विशाखापत्तनम में (13.7 एमएमटीपीए)। यह 428 टीएमटी (हजार मीट्रिक टन) की क्षमता वाली देश की सबसे बड़ी ल्यूब रिफाइनरी का भी स्वामित्व और संचालन करती है। एचपीसीएल के पास आपूर्ति और वितरण का एक विशाल विपणन नेटवर्क है, जिसमें टर्मिनल, अधिकारी, टैप-ऑफ पॉइंट, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, विमान सेवा सुविधाएं, ल्यूब ब्लैंडिंग प्लांट, ल्यूब डिपो और देश भर में विभिन्न ग्राहक टचपॉइंट शामिल हैं। एचपीसीएल का बंगलुरु में एचपी ग्रीन आर. एंड डी. सेंटर' नामक अनुसंधान एवं विकास केंद्र है।

वित्त वर्ष 24 के दौरान, मुंबई और विशाखापत्तनम रिस्थित इसकी रिफाइनरियों से 22.33 एमएमटी का संयुक्त रिफाइनिंग थ्रुपुट हासिल किया है, जो वित्त वर्ष 24 के दौरान संसाधित 19.09 एमएमटी के



कच्चा तेल थ्रुपूट की तुलना में 19.09% की वृद्धि दर्शाता है। विशाखा रिफाइनरी ने वर्ष के दौरान 12.69 एमएमटी का अब तक का सबसे अधिक कच्चा तेल थ्रुपूट दर्ज किया है, जिसमें 5.7 एमएमटी का डीजल उत्पादन पिछले उच्चतम डीजल उत्पादन से 30% से अधिक है। एचपीसीएल ने पिछले वर्ष की 43.45 एमएमटी बिक्री की तुलना में वित्त वर्ष 24 में 46.82 एमएमटी की अब तक की सबसे अधिक बिक्री मात्रा हासिल की। कंपनी ने पीएसयू तेल विपणन कंपनियों में 0.47% की बाजार हिस्सेदारी भी हासिल की। वर्ष के दौरान, एचपीसीएल ने पिछले वर्ष के दौरान हासिल किए गए 23.25 एमएमटी पाइपलाइन थ्रुपूट की तुलना में 11.0% की वृद्धि के साथ 25.83 एमएमटी का अब तक का सबसे अधिक पाइपलाइन थ्रुपूट भी दर्ज किया।

वर्ष के दौरान, एचपीसीएल ने वित्त वर्ष 24 के दौरान 836 रिटेल आउटलेट चालू कर 22,000 रिटेल आउटलेट का एक महत्वपूर्ण मील का पथर पार कर लिया, जिससे 31 मार्च, 2024 तक कुल रिटेल आउटलेट की संख्या 22,022 हो गयी।

विशाखा रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना मार्च, 2024 में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गई थी। यह रिफाइनरी वर्तमान में विभिन्न प्रक्रिया इकाइयों के चालू होने के साथ उच्चतर उत्पादन की 13.7 एमएमटीपीए की बढ़ी हुई क्षमता पर काम कर रही है।

वित्त वर्ष 24 के लिए औसत जीआरएम (सकल निर्यात शुल्क) 9.08 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल (पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 12.09 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल) था। जीआरएम में कमी अंतरराष्ट्रीय उत्पाद दराओं की प्रवृत्ति के अनुरूप है।

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार एचपीसीएल के पास ₹20 सुविधाओं वाले 4,355 रिटेल आउटलेट, सीएनजी वाले 1690 रिटेल आउटलेट, ईवी चार्जिंग वाले 3,603 रिटेल आउटलेट, सौर ऊर्जा से चलने वाले 17,618 रिटेल आउटलेट थे। 31 मार्च, 2024 तक एचपीसीएल की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (सौर और पवन ऊर्जा सहित) 208 मेगावाट थी।

वित्त वर्ष 24 के दौरान, एचपीसीएल ने पिछले वर्ष के ₹89,740 मिलियन के कर पश्चात घाटे की तुलना में ₹146,938 मिलियन का एकल कर पश्चात लाभ दर्ज किया। पिछले वर्ष के ₹4,661,924 मिलियन की तुलना में वित्त वर्ष 24 के लिए प्रचालन से राजस्व ₹4,616,375 मिलियन था।

#### ग) मंगलोर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)

आपकी कंपनी एमआरपीएल, अनुसूची 'क' मिनी रत्न और सूचीबद्ध कंपनी में 71.63% इकिवटी हिस्सेदारी धारित करती है, जो एक एकल स्थान 15 एमएमटीपीए रिफाइनरी है। इसके अलावा, आपकी कंपनी की एक अन्य अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल की भी एमआरपीएल में 16.95% हिस्सेदारी है।

एमआरपीएल की रिफाइनरी जटिल द्वितीयक प्रसंस्करण इकाइयों के साथ एक बहुमुखी डिजाइन के साथ स्थापित की गई है और विभिन्न एपीआई के क्रूड को संसाधित करने के लिए काफी लचीला है, जो विभिन्न प्रकार के गुणवत्तायुक्त उत्पादों को वितरित करता है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान एमआरपीएल का शुद्ध थ्रुपूट, वर्ष के दौरान बड़े शटडाउन के बावजूद वित्त वर्ष 2023 के 17.14 एमएमटी की तुलना में 16.59 एमएमटी रहा।

वित्त वर्ष 24 में, एमआरपीएल के लिए जीआरएम 10.36 अमेरिकी डॉलर / बीबीएल था, जबकि वित्त वर्ष 23 के दौरान यह 9.88 अमेरिकी डॉलर / बीबीएल था। वर्ष के दौरान कंपनी ने 40 खुदरा बिक्री केन्द्र जोड़े हैं। जिससे 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार इसके कुल खुदरा बिक्री केन्द्रों की संख्या बढ़कर 103 हो गयी है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, एमआरपीएल ने ₹1,052,233 मिलियन (वित्त वर्ष 2023 में ₹1,247,360 मिलियन के सापेक्ष) का एकल कारोबार दर्ज किया और ₹35,959 मिलियन का कर पश्चात लाभ दर्ज किया (वित्त वर्ष 2023 में ₹26,384 मिलियन के कर पश्चात लाभ के सापेक्ष)।

#### घ) पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल)

आपकी कंपनी और इसकी सहायक एचपीसीएल प्रत्येक पीएमएचबीएल में 49.996% इकिवटी धारित करती है। आपकी कंपनी की एचपीसीएल में 54.90% की हिस्सेदारी के साथ, आपकी कंपनी द्वारा पीएमएचबीएल में प्रभावी धारिता की सीमा 77.44% है और पीएमएचबीएल को ओएनजीसी की अनुषंगी कंपनी बनाती है। पीएमएचबीएल कर्नाटक राज्य के विभिन्न हिस्सों में एमआरपीएल के पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए एक बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन मंगलौर-हासन-बंगलुरु जेवी पाइपलाइन (362.3 किमी) का स्वामी है और उसका प्रचालन करता है।

पीएमएचबीएल ने वित्तीय वर्ष 23 के 3.894 एमएमटी के थ्रूपुट की तुलना में वित्तीय वर्ष 24 में 4.05 एमएमटी का थ्रूपुट हासिल किया है और वित्त वर्ष 24 में ₹1,857 मिलियन (वित्तीय वर्ष 23 में ₹1,683 मिलियन) का कुल राजस्व अर्जित करने की सूचना दी है और वित्त वर्ष 24 में ₹963 मिलियन (वित्तीय वर्ष 23 में ₹847 मिलियन) का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

#### घ) ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल)

हरित ऊर्जा कारोबार के प्रयास में और ओएनजीसी के व्यापार पोर्टफोलियो में विविधता लाने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता से जुड़े जोखिमों को कम करने और संधारणीयता लक्ष्यों के साथ संरचित करने के लिए, ओएनजीसी ने 27 फरवरी, 2024 को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल) का गठन किया।

सहयोगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम :-

**क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपल)**

ओपीएल, कंपनी की हजारी और उरण इकाइयों से सी2–सी3 और नेथा के अंतरिक उत्पादन का उपयोग करने के लिए दाहेज एसईजैड में स्थापित और वर्ष 2006 में अधिनिगमित एक मेगा पेट्रोरसायन परियोजना है। 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, आपकी कंपनी, गेल और जीएसपीसी के पास ओपीएल के इकिवटी शेयरों में क्रमशः 49.36%, 49.21% और 1.43% हिस्सेदारी है।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान ओपीएल के प्रचालनों से राजस्व ₹1,43,073 मिलियन था (वित्तीय वर्ष 2023 में ₹1,45,930 मिलियन) और इसका घाटा ₹34,561 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2023 में ₹41,555 मिलियन) रहा।

**ख) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)**

ओटीपीसी को आपकी कंपनी के एक संयुक्त उद्यम के रूप में वर्ष 2004 में अधिनिगमित किया गया था। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार आपकी कंपनी इसमें 50% शेयर धारित करती है।

ओटीपीसी के पास समान क्षमता वाली दो उत्पादन इकाइयों के साथ पलातना, त्रिपुरा में एक 726.6 मेगावाट गैस आधारित संयुक्त साइकल पावर संयंत्र है। इस परियोजना का मूलभूत उद्देश्य भूमिकद्वं त्रिपुरा राज्य में कंपनी की निष्क्रिय गैस परिसंपत्तियों को मुद्रीकृत करना और इस क्षेत्र में अन्वेषणात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना है।

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए औसत संयंत्र लोड फैक्टर (पीएलएफ) वर्ष 2023 के 77% की तुलना में करीब 70.7% था और विद्युत उत्पादन वित्तीय वर्ष'23 के 4,741 मिलियन यूनिट (एमयू) की तुलना वित्तीय वर्ष'24 में 4,368 एमयू हुआ।

वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान प्रचालनों से समेकित राजस्व प्राप्ति ₹15,473 मिलियन रही (वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान ₹16,315 मिलियन) थी और कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹699 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान ₹2,011 मिलियन) रहा। ओटीपीसी ने वित्त वर्ष'24 के लिए प्रति शेयर ₹0.20 के लाभांश की घोषणा की है।

**ग) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)**

ओटीबीएल, ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (टेरी) (48.02%) के साथ आपकी कंपनी (49.98%) द्वारा वर्ष 2007 में अधिनिगमित एक संयुक्त उद्यम है। इसमें शेष 2% शेयर निजी व्यक्तियों द्वारा धारित हैं। ओटीबीएल ने सहयोगात्मक अनुसंधानों, जिनमें यह कंपनी और टेरी शामिल थी, के जरिए तेल और गैस उद्योग के लिए विभिन्न बायोटेक्निकल समाधान विकसित किए हैं। वित्तीय वर्ष'24 में इस कंपनी ने पहली बार चुक्ता शेयर पूँजी के 10% की दर पर लाभांश का भुगतान किया है, जिसकी कुल राशि ₹25 मिलियन है।

वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, ओटीबीएल का प्रचालनों से कुल राजस्व ₹370 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2023 में ₹370 मिलियन की तुलना में) थी और कर पश्चात लाभ ₹150 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान ₹192 मिलियन के सापेक्ष) था।।।

**घ) दाहेज एसईजैड लिमिटेड (डीएसएल)**

डीएसएल जो गुजरात औद्योगिक विकास निगम के साथ कंपनी का एक 50:50 संयुक्त उद्यम है, को दाहेज में एक बहु-उत्पाद एसईजैड स्थापित करनेके लिए वर्ष 2004 में अधिनिगमित किया गया था। आपकी कंपनी ने इस एसईजैड में एक मूल्य-शृंखला एकीकरण परियोजना के रूप में सी2–सी3 निष्कर्षण संयंत्र स्थापित किया है, जो ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड, आपकी कंपनी के एक संयुक्त उद्यम, की फीडर इकाई के रूप में काम में करता है।

वित्तीय वर्ष'24 के दौरान डीएसएल के प्रचालनों से प्राप्त राजस्व ₹834 मिलियन (असंपरीक्षित) था, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 (संपरीक्षित) में यह ₹757 मिलियन था और कर पश्चात लाभ वित्तीय वर्ष 2023 (अंकेक्षित) के ₹381 मिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान ₹444 मिलियन (असंपरीक्षित) था।

**ड) मंगलोर एसईजैड लिमिटेड (एमएसईजैडएल)**

एमएसईजैड एक संयुक्त उद्यम है, जिसे एक विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में आपकी कंपनी द्वारा प्रवर्तित किया गया है और इसमें 26% इकिवटी पॉन धारित करती है। इस एमएसईजैड को औद्योगिक अधिष्ठापनों को सुविधा और स्थान प्रदान करने के लिए आवश्यक अवसंरचना के विकास हेतु वर्ष 2006 में अधिनिगमित किया गया था। यह एमएसईजैड अप्रैल, 2015 से प्रचालनरत है।

वित्तीय वर्ष 2024 में एमएसईजैड के प्रचालनों से ₹1,797 मिलियन का (वित्तीय वर्ष'23 के दौरान ₹2,036 मिलियन) राजस्व अर्जित हुआ था और वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान कर पश्चात लाभ ₹87 मिलियन (वित्तीय वर्ष'23 के दौरान ₹72 मिलियन) रहा था।

**च) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)**

एक सहयोगी कंपनी पीएचएल में कंपनी 49% शेयर धारित करती है, और शेष 51% शेयर भारत सरकार के पास है। पीएचएल का गठन मुख्यतः अपटट और दूरदराज क्षेत्र की तेल फील्डों की संभारतंत्रीय आवश्यकताएं पूरी करने के लिए किया गया था। पीएचएल एक मिनीरल्न-। श्रेणी का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, जिसके पास 43 हेलिकॉप्टरों का बेड़ा है।

**छ) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)**

पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) आपकी कंपनी का एक संयुक्त उद्यम है, जिसका अधिनिगमन वर्ष 1998 में किया गया था। कंपनी की पीएलएल में 12.50% इकिवटी शेयरधारिता है और अन्य तेल पीएसयू



सह-प्रवर्तक नामतः आईओसीएल, गेल और बीपीसीएल की उतनी ही शेयरधारिता है। यह एक सूचीबद्ध कंपनी है। एलएनजी कारोबार करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी पीएलएल ने दहेज, गुजरात में देश का पहला एलएनजी प्राप्ति और पुनः गैसीकरण टर्मिनल स्थापित किया है और एक अन्य टर्मिनल कोच्चि, केरल में स्थापित किया। जबकि दहेज टर्मिनल स्थित संयंत्र की क्षमता 17.5 एमएमटीपीए है, वहीं कोच्चि टर्मिनल की क्षमता 5 एमएमटीपीए की है।

पीएलएल ने वित्तीय वर्ष 2024 में प्रचालनों से ₹5,27,284 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2023 में ₹5,98,994 मिलियन) का राजस्व कमाया और वित्तीय वर्ष 2024 में इसका कर पश्चात लाभ ₹35,362 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2023 में ₹32,399 मिलियन) था।

#### ज) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)

आपकी कंपनी ने आईओसीएल, गेल, ओआईएल और एनआरएल के साथ आपकी कंपनी द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसमें आपकी कंपनी ने 20% इक्विटी पूँजी का अंशदान किया है। इस कंपनी को ₹92,650 मिलियन के पूँजीगत व्यय से पूर्वोत्तर राज्यों को कवर करते हुए 1656 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने के उद्देश्य से निगमित किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ₹55,590 मिलियन की व्यवहार्यता गैस निधियन (वीजीएफ) को अनुमोदित किया है, जो परियोजना लागत का 60% है। विभिन्न खंडों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार 80.4% भौतिक प्रगति और 65.17% वित्तीस प्रगति हासिल की गयी है, और संचयित वित्तीय व्यय ₹53,614 मिलियन है।

#### झ) रोहिणी हैलिपोर्ट लिमिटेड (आरएचएल)

आपकी कंपनी ने रोहिणी हैलिपोर्ट लिमिटेड में 49% इक्विटी पूँजी का अभिदान किया है और शेष इक्विटी पूँजी भारत सरकार के पास है। आरएचएच पवन हंस लिमिटेड की एक मिरर कंपनी है, जिसे पीएचएल का विनिवेश करने के लिए वर्ष 2019 में अधिनिगमित किया गया है।

#### द) वे कंपनियां जो वित्तीय वर्ष 24 के दौरान आपकी कंपनी की अनुषंगी, संयुक्त उद्यम और सहयोगी कंपनियां बन गयीं / नहीं रहीं

- क) कंपनियां जो अनुषंगी कंपनियां बन गयीं : ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड, 27 फरवरी, 2024 को अधिनिगमित हुई
- ख) कंपनियां जो अनुषंगी कंपनियां नहीं रहीं: शून्य
- ग) कंपनियां जो संयुक्त उद्यम या सहयोगी कंपनी बन गयीं : शून्य
- घ) कंपनियां जो संयुक्त उद्यम या सहयोगी कंपनी नहीं रहीं: शून्य

#### 27. मेक इन इंडिया

'आत्मनिर्भर भारत' का संवर्द्धन करने के लिए, ओएनजीसी प्रक्रिया को सरल और सतत बनाने हेतु वस्तु और सेवाओं को नियमित निविदा

प्रक्रिया से अलग करने के उपरांत, दिसंबर, 2020 में विकास आदेश नीति लायी है। यह नीति विक्रेता को किसी भी समय उत्पाद की पेशकश करने हेतु सक्षम बनाती है।

ओएनजीसी ने 27 सफल विकास आदेशों के माध्यम से 19 उत्पादों को स्थानीकृत करने में सफल रहा है, और 13 उत्पाद/सेवाएं 14 भारतीय विनिर्माताओं के पास विकास के अधीन हैं।

#### 28. ओएनजीसी स्टार्ट अप पहल

ओएनजीसी स्टार्ट-अप' ऊर्जा सेक्टर से संबंधित नए विचारों को पोषित, प्रोत्साहित और आत्मसात करने के लिए ओएनजीसी स्टार्ट-अप निधि नामक यह पहल भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गयी 'स्टार्ट-अप इंडिया' पहल की तर्ज पर है। यह निधि युवा भारतीयों के बीच उच्चमिता के लिए ऊर्जा क्षेत्र में पारिस्थितिकी की सहायता और संवर्द्धन करती है।

ओएनजीसी स्टार्ट अप निधि ने ऊर्जा क्षेत्र की 23 स्टार्ट अप पहल को सहायता प्रदान की। इन स्टार्ट अप के प्रति वित्तीय प्रतिबद्धता 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार ₹757.70 मिलियन थी।

#### 29. गवर्मेंट ई-मार्केट प्लेस (जीईएम) के माध्यम से खरीद

भारत सरकार के निदेशों के अनुरूप, आपकी कंपनी जैम पोर्टल के माध्यम वस्तु और सेवाओं की खरीद बढ़ाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। वित्तीय वर्ष'24 के दौरान, जैम के माध्यम से ओएनजीसी ने 6,289 आदेश जारी कर कुल ₹71,837.00 मिलियन की खरीद की थी। "ओएनजीसी वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान तीसरा सबसे बड़ा सेवा क्रेता रहा।

#### 30. टीआरईडीएस पोर्टल के माध्यम से बीजकों के भुगतान की सुविधा

भारत सरकार की पहलों के अनुरूप, आपकी कंपनी मैसर्स आरएक्सआईएल, मैसर्स एमवायएनडी सॉल्यूशन (एम1 एक्सचेंज) और मैसर्स ए. टीआरईडीएस लिमिटेड (इनवॉयस मार्ट) से टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं। इसका प्रयोजन एमएसएमई विक्रेताओं को एक नीलामी तंत्र, जिस पर बहुत से वित्तीय संस्थान प्रतिभागित कर सकते हैं और बोली लगा सकते हैं, के माध्यम से एमएसएमई व्यापार प्राप्तों की डिस्काउंटिंग द्वारा क्रेताओं (अर्थात् ओएनजीसी) की क्रेडिट रेटिंग पर आधारित नकदी निधि तत्काल प्राप्त करने में मदद करना है। एमएसएमई विक्रेता अपने आपको टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर ई-डिस्काउंटिंग / इलेक्ट्रॉनिक फैक्चरिंग सर्विसेज प्रदान करने वाले किसी भी एक्सचेंज पर, जहाँ ओएनजीसी क्रेता के रूप में ऐसे टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर प्रतिभागिता कर रहा है, इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। ऐसे एक्सचेंज जहाँ ओएनजीसी प्रतिभागिता कर रहा है, को समय-समय पर अधिसूचित किया जाता है।

वित्त वर्ष 24 के दौरान टीआरईडीएस प्रणाली के माध्यम से भुनाए गए बीजकों का व्यौरा इस प्रकार है :

टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म का नाम	टीआरईडीएस के माध्यम से डिस्काउंट किए गए बीजकों की संख्या	डिस्काउंट किए गए बीजकों का मूल्य (₹ मिलियन में)
एमवायएनडी सॉल्यूशन (एम1 एक्सचेंज)	85	817.80
आरएक्सआईएल	02	4.75
एटीआरईडीएस लिमिटेड (इनवॉयस मार्ट)	शून्य	शून्य

इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2024 से क्रेडिट अवधि को घटाकर 10 दिन करना विक्रेता भुगतान में तेजी लाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जो एमएसएमई क्षेत्र की समय पर वित्तीय अंतर्रवाह की आवश्यकता को पूरा करने में सहायक है।

## 31. स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई)

स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) के प्रति ओएनजीसी की प्रतिबद्धता इसकी कठोर एचएसई नीति में परिलक्षित होती है, जिसे एक मजबूत एचएसई प्रबंधन प्रणाली द्वारा विधिपूर्वक बनाया गया है।

मार्गदर्शन का यह व्यापक ढांचा अन्वेषण और उत्पादन कार्यों के अंतर्निहित जोखिमों के प्रबंधन को आश्वस्त करता है और लोगों तथा पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। एचएसई प्रबंधन प्रणाली सर्वोत्तम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं पर आधारित है, जो स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरणीय पहलुओं के प्रबंधन के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण सुनिश्चित करती है। यह प्रतिबद्धता नियामक आवश्यकताओं से परे है, जिसका लक्ष्य प्रदर्शन के उच्चतम मानकों को प्राप्त करना है।

'शून्य हानि' पर ध्यान केंद्रित करना जिम्मेदार और संधारणीय प्रथाओं के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

वित्त वर्ष 2024 ओएनजीसी के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा, जिसमें घातक दुर्घटनाएँ शून्य रहीं, यह संगठन के इतिहास में पहली बार हुआ है। यह उपलब्धि एचएसई प्रबंधन के प्रति संगठन की मजबूत प्रतिबद्धता और सुदृढ़ संरक्षा संस्कृति का प्रमाण है। वर्ष 2023–24 में, पिछले वर्ष की तुलना में छोटी दुर्घटनाओं की संख्या में 41% की कमी आयी है, जो एचएसई में की जा रही विभिन्न पहलों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करती है। वस्तुतः दुर्घटनाओं और घटनाओं की कुल संख्या 2023–24 में पिछले दशक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई, जो सुरक्षा प्रदर्शन में सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

### एचएसई पहलें :

- क) एचएसई प्रबंधन प्रणालियों और प्रचलित नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों और मानकों के अनुरूप क्रियाकलापों और प्रक्रियाओं के अनुपालन की जांच, कंपनी के बहु-विधा दलों द्वारा आयोजित की जा रही अंतरिक संपरीक्षा के दौरान की जाती हैं। इसकी जांच वाह्य प्राधिकरणों जैसे तेल उद्योग संरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) और खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) द्वारा भी की जाती है। वित्त वर्ष 24 के दौरान संपरीक्षाओं/निरीक्षणों की स्थिति इस प्रकार थी:-
- i. बहु-विधा टीमों ने 287 अंतरिक संरक्षा संपरीक्षाएं (आईएसए) आयोजित की हैं। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार ओआईएसडी द्वारा की गयी आईएसए टिप्पणियों की समग्र अनुपालना स्थिति 94.60% थी।
  - ii. तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) द्वारा 152 अधिष्ठापनों की संपरीक्षाएं आयोजित कीं। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार ओआईएसडी द्वारा की गयी ऐसी टिप्पणियों की समग्र अनुपालना स्थिति 91.79% थी।
  - iii. डीजीएमएस ने 152 अधिष्ठापनों के निरीक्षण किए और 31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार डीजीएमएस द्वारा उठाये गए उल्लंघनों के मामले के लिए समग्र अनुपालना स्थिति 97.73% थी।
- ख) ओएनजीसी ने संगठन की संरक्षा संस्कृति को और मजबूत करने के लिए परियोजना 'परिवर्तन' शुरू की थी।
- ग) कंपनी में एक मजबूत घटना रिपोर्टिंग और कार्रवाई तंत्र स्थापित किया गया है, जो निम्नलिखित पहलुओं को कवर करता है:
- घटना रिपोर्टिंग
  - घटना की जांच
  - सिफारिशों का क्रियान्वयन
  - निगरानी और समीक्षा
  - निरंतर सुधार
- दुर्घटना / घटना रिपोर्टिंग दिशानिर्देशों को संशोधित करके घटना रिपोर्टिंग प्रणाली को और सुदृढ़ किया गया है।
- घ) वित्त वर्ष 2024 के दौरान, 20216 मॉक ड्रिल आयोजित किए गए हैं, जिनमें 20184 ईआरपी (आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना), 27 डीएमपी (आपदा प्रबंधन योजना), और 1 आरसीपी (क्षेत्रीय आकस्मिक योजना) मॉक ड्रिल शामिल हैं।
- ड) खान व्यावसायिक प्रशिक्षण (एमवीटी), खान अधिनियम के अनुसार अनिवार्य प्रशिक्षण, कर्मचारियों और अनुबंध कर्मियों दोनों को इन-हाउस प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से दिया जा रहा है। वर्ष 2023–24 में 3471



कार्मिकों (870 ओएनजीसी और 2601 अनुबंध कार्मिक) को एमवीटी प्रदान किया गया।

- (च) प्रचालन क्षेत्रों में जोखिमों और खतरों के प्रति 'प्रभावी नियंत्रण' और 'शमन' उपायों की जाँच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हानि नियंत्रण दौरे आयोजित किए जा रहे हैं। वर्ष 2023–24 में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगभग 270 हानि नियंत्रण दौरे आयोजित किए गए हैं।
- (छ) नियर मिस की रिपोर्टिंग, दुर्घटनाओं से बचने का एक सक्रिय सुरक्षा उपाय है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी नियर मिस की ईमानदारी से रिपोर्ट की जाए, और शीघ्रातिशीघ्र समय पर कार्रवाई की जाए। इस वर्ष 18165 नियर मॉइस (136 उच्च संभावित नियर मिस, 2154 असुरक्षित कृत्य और 3298 असुरक्षित स्थिति सहित) की सूचना दी गई है। कार्यकेंद्रों को एसएपी में नियर मिस की रिपोर्ट करने और आवश्यक कार्रवाई करके उन्हें बंद करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया जा रहा है।
- (ज) एसएपी आधारित ई-पीटीडब्ल्यू (काम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक परमिट) लागू किया गया, जो सिस्टम-आधारित जांच और संतुलन बनाए रखता है, प्रक्रियाओं को दरकिनार करने की संभावना को समाप्त करता है और डेटा विश्लेषण के लिए दस्तावेजीकरण का निशान बनाता है।
- (झ) परिवर्तन प्रबंधन (एमओसी) की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया गया है और एमओसी प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए एसएपी आधारित एमओसी मॉड्यूल विकसित किया गया है।
- (ज) किसी भी असुरक्षित कार्य या असुरक्षित स्थिति से निपटने के लिए, स्टॉप कार्ड कार्यक्रम लागू किया गया है, जो किसी भी कार्मिक को किसी कार्य को रोकने के लिए स्टॉप कार्ड का उपयोग करने का अधिकार देता है। यदि यह देखा जाता है कि किसी कार्य से जुड़ा जोखिम अनदेखा है या कोई व्यक्ति असुरक्षित तरीके से काम कर रहा है। यह प्रणाली त्वरित कार्रवाई के माध्यम से जोखिम पर तत्काल कार्रवाई करने में सक्षम बनाती है।
- (ट) निगमित आपदा प्रबंधन योजना (सीडीएमपी) को संशोधित किया गया है, जिसमें पे. और प्रा. गै. मंत्रालय की डीएमपी-2020, एनडीएमपी-2019, कोविड-19 और चक्रवात ताउते संबंधी पे. और प्रा. गै. मंत्रालय के दिशानिर्देश और चक्रवात ताउते पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशें शामिल हैं। संपर्क बिंदुओं और वृद्धि स्तरों को भी मैप किया गया है और उन्हें मासिक स्तर पर अद्यतित किया जा रहा है।
- (ठ) संरक्षा संस्कृति को बेहतर बनाने में खान सुरक्षा अधिकारियों की सहायता के लिए छह महीने के लिए प्रायोगिक आधार पर विभिन्न

अधिष्ठापनों पर सौ सुरक्षा अधिकारियों को तैनात करके एक पहल की गई थी। ये अधिष्ठापन संरक्षा अधिकारी विभिन्न महत्वपूर्ण सुरक्षा संबंधी कार्यों में सहयोग कर रहे हैं जैसे कि जॉब सेपटी एनालिसिस, टूल बॉक्स वार्ता, जागरूकता कार्यक्रम, असुरक्षित व्यवहार और स्थितियों का अवलोकन, जोखिम रजिस्टर जैसे दस्तावेजों का अद्यतन करना आदि।

ये कर्मचारी समय पर असुरक्षित कृत्यों और स्थितियों की पहचान करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इससे समय रहते देखी गई कमियों पर कार्रवाई करने में मदद मिल रही है, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा रहा है।

सितंबर, 2023 में इन संरक्षा अधिकारियों द्वारा काम शुरू किए जाने के बाद से, हर महीने औसत दुर्घटनाओं में 50% (53.6%) से अधिक की कमी आई है।

#### ड) पर्यावरणीय मंजूरी

- 1) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (के श्रेणी के तहत) ने 5 पर्यावरण मंजूरी (ईसी) प्रदान की।
    - गुजरात के भरुच, सूरत और वडोदरा जिलों में 30 एमएल ब्लॉकों में 145 कूप (दिनांक 13 अप्रैल, 2023)।
    - पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना और नादिया जिले में 15 विकासात्मक कूप और त्वरित उत्पादन प्रणाली (दिनांक 13 अप्रैल, 2023)।
    - असम के गोलाघाट जिले के 6 पीएमएल ब्लॉकों में वन क्षेत्र में एसयूएबी वेधन स्थल पर 16 कूप और कासोमारीगांव ईपीएस और जीजीएस की स्थापना (दिनांक 31 जुलाई, 2023)।
    - कूप टीआईडीडी की विकास वेधन और त्रिपुरा परिसंपत्ति में तृष्णा ईपीएस की स्थापना (दिनांक 11 अक्टूबर, 2023)।
    - दक्षिण त्रिपुरा, सिपाहीजला और पश्चिम त्रिपुरा जिलों, त्रिपुरा में 3 पीएमएल ब्लॉकों के वन क्षेत्र में आने वाले 5 कूप (दिनांक 12 अक्टूबर, 2023)
  - 2) राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण से राज्य स्तर पर बी2 श्रेणी के अंतर्गत 24 ईसी (पश्चिमी अभितीर्णी बेसिन-9, एमबीए बेसिन-1, त्रिपुरा फॉरवर्ड बेस-14) प्राप्त किए गए हैं।
- ड) ओएनजीसी का केंद्रीकृत ईपीआर पंजीकरण प्रमाणपत्र: कंपनी ने सीपीसीबी (केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) से ईपीआर पंजीकरण प्रमाणपत्र सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। इस पंजीकरण से संगठन की ई. एंड पी. गतिविधियों के लिए आवश्यक प्लास्टिक पैकेजिंग वाले ओएनजीसी के सामानों की कस्टम क्लीयरेंस में तेजी आयी है।

प) मिशन लाइफ पहल: माननीय प्रधान मंत्री ने 2021 में ग्लासगो में आयोजित सीओपी 26 में लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) की अवधारणा पेश की, इस संबंध में, मिशन लाइफ के लिए जन जागरूकता हेतु गतिविधियाँ शुरू की गईं, जिसमें सभी ओएनजीसी कार्मियों के लिए वेबिनार, पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर डिजिटल मीडिया के माध्यम से पर्यावरण संबंधी जानकारी देना शामिल है।

## त) अपशिष्ट प्रबंधन

- अपशिष्ट जल प्रबंधन: ओएनजीसी अपशिष्ट जल के उपयोग की निगरानी करता है और सतह/उप-सतह पर संसाधित एफलुएंट के निस्सरण के लिए विनिर्दिष्ट सांगीधिक शर्तों के अनुरूप डिस्चार्ज किए गए एफलुएंट की गुणवत्ता बनाए रखता है। कंपनी के पास, अन्वेषण एवं उत्पादन प्रचालनों के दौरान उत्पादित लगभग 1,04,000 घनमीटर/दिन अपशिष्ट जल संसाधित करने के लिए पूरे अभिटट कार्यकेंद्रों में 41 एफलुएंट संसाधन संयंत्र हैं। अपतट एफलुएंट संसाधन के लिए प्रोसेस प्लेटफार्मों पर उत्पादित जल कंडीशनर्स (पीडब्ल्यूसी) अधिष्ठापित किए गए हैं। उत्पन्न हुए सीवेज जल के संसाधन के लिए सीवेज संसाधन संयंत्र भी अपतट सुविधाओं पर उपलब्ध कराए गए हैं।
- खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन: जनित ठोस अपशिष्ट का शोधन जैवोपचारण तकनीक के माध्यम से किया जाता है, जिसमें तेल खाने वाले जीवाणु के समूह का उपयोग खतरनाक पदार्थों को गैर जहरीले पदार्थों में तोड़ा जाता है, इस प्रकार अपशिष्टों का पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित निपटान किया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि शोधित तेलीय गाद का कुल पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन (टीपीएच) परिसंकटमय और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारीय संचलन) नियमावली, 2016 के अनुरूप 0.5% (5000 पीपीएम) से कम रहे। वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, 1,24,798 मीट्रिक टन तेल गादध्तेल संदूषित अपशिष्ट का जैवोपचार किया गया है।
- थ) जैव-विविधता के संरक्षण के लिए एक परियोजना शुरू की गई है जिसका उद्देश्य 10 हेक्टेयर क्षेत्र में मैंग्रोव लगाना और पुढ़ुचेरी के कराईकल जिले में लुपतप्राय ओलिव रिडले कछुए का संरक्षण करना है। यह परियोजना अगस्त 2022 में 3 वर्ष की अवधि के लिए नियोजित विभिन्न गतिविधियों के साथ शुरू हुई।

## द) अपतटीय प्रचालनों में ऑयल स्पिल प्रबंधन :

ओएनजीसी में एक सुदृढ़ ऑयल स्पिल प्रबंधन प्रणाली है, जो मामूली से भारी परिमाण में ऑयल स्पिल पर काम करती है। भारतीय तट रक्षक (आईसीजी) को भारत सरकार द्वारा भारतीय समुद्री क्षेत्र

में ऑयल स्पिल का सामना करने के लिए एक केंद्रीय समन्वयन प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया गया है। आईसीजी द्वारा प्रख्यापित राष्ट्रीय ऑयल स्पिल आकस्मिकता योजना (एनओएस-डीसीपी) के अनुसार, ओएनजीसी अपने टियर-1 ऑयल स्पिल प्रत्युत्तर उपकरण और बहु-सहायता पोत में तैनात जनबल का स्वयं ही अनुरक्षण करता है। टियर-2 स्तर के ऑयल स्पिल के लिए, ओएनजीसी भारतीय तट रक्षक और ओएनजीसी के परस्पर सहयोग साझीदार पर निर्भर है और टियर-3 ऑयल स्पिल के लिए, ओएनजीसी ने ऑयल स्पिल रिस्पांस लिमिटेड (ओएसआरएल), यूके की प्रतिभागिता सदस्यता रखता है, जिसके माध्यम से ओएनजीसी के पास ओएसआरएल के पास विश्वव्यापी संसाधन, गारंटीशुदा प्रत्युत्तर और उपलब्धता है, जिसमें बूम्स, स्किमर्स, ऑयल स्पिल डिस्पर्सेट स्टॉकपाइल, भंडारण उपकरण, विशेष रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति इत्यादि शामिल है। ओएनजीसी ने मुंबई हार्बर में टियर-1 ऑयल स्पिल रेस्पॉन्स सुविधा को बनाए रखने के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और प्रतिभागी तेल कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी ने ऑयल स्पिल की घटनाओं और आकस्मिकताओं से निपटने के लिए अपना स्वयं की ऑयल स्पिल आकस्मिकता योजना विकसित की है। ओएनजीसी आंतरिक ऑयल स्पिल मॉक ड्रिल आयोजित करता है और साथ ही भारतीय नौसेना और भारतीय तट रक्षक द्वारा आयोजित क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर के मॉक ड्रिल में प्रतिभागिता करता है। ऑयल स्पिल रेस्पॉन्स के लिए तैयारी संबंधी वार्षिक रिपोर्ट आईसीजी को भेजी जाती है।

## 32. कार्बन प्रबंधन और संधारणीय विकास

संधारणीय विकास कंपनी में आदर्श टेम्पलेट है और यह आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रदर्शन के बेंचमार्क को लगातार बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता में अभिव्यक्त होता है। नियमित संधारणीयता की दिशा में हमारे प्रमुख प्रयास इस प्रकार थे :

### स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) :

आपकी कंपनी की 15 सीडीएम परियोजनाएं क्योटो प्रोटोकॉल के अंतर्गत वर्ष 2006 से संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संबंधी फ्रेमवर्क कन्वेशन में पंजीकृत हैं।

ओएनजीसी मौजूदा सीडीएम परियोजनाओं के सत्यापन / नवीकरण और साथ ही साथ नयी सीडीएम परियोजनाओं के पंजीकरण के लिए अवसर की तलाश करना जारी रखा हुआ है। आपकी कंपनी ने पेरिस घोषणा, 2015 के अनुच्छेद 6.4 के अंतर्गत 6 सीडीएम परियोजनाओं को एसडीजी परियोजनाओं में परिवर्तित करने के लिए यूएनएफसीसीसी के पास पहले ही आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। इन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग से ओएनजीसी आज तक लगभग 22.05 एमएमटीसीओ2ई को कम करने में सक्षम रहा है।



## ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) लेखांकन और न्यूनीकरण :

ओएनजीसी का लक्ष्य बेहतर ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित करके जी. एच. जी. उत्सर्जन को कम करना है। स्कोप-1 और स्कोप-2 उत्सर्जन सहित वित्त वर्ष 24 के दौरान कुल उत्सर्जन 09.36 एमएमटी CO<sub>2</sub> उत्सर्जन था और उत्सर्जन सधनता 0.237 एमएमटीCO<sub>2</sub>ई / एमएमटीआईजी था।

## वैश्विक मीथेन पहल (जीएमआई)

वैश्विक मीथेन पहल (जीएमआई) आर्थिक विकास को बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने, पर्यावरण में सुधार करने और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक पलायक मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए संयुक्त राज्य पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (यूएसईपीए) की एक कार्रवाई-उन्मुख पहल है। यह कटौती "निर्देशित निरीक्षण और अनुरक्षण कार्यक्रम" (डीआई एंड एम) के कार्यान्वयन के माध्यम से प्राप्त की जाती है, जिसमें आईआर कैमरे के माध्यम से सर्वेक्षण करके रिसाव का पता लगाया जाता है और रिसाव को रोकने के लिए उपचारात्मक उपाय किए जाते हैं।

आपकी कंपनी सीओपी-28 में तेल और गैस डी-कार्बोनाइजेशन चार्टर (ओजीडीसी) की भी हस्ताक्षरकर्ता है। ओजीडीसी पर हस्ताक्षर करके ओएनजीसी ने वर्ष 2050 तक शुद्ध शून्य प्रचालन को प्राप्त करने और वर्ष 2030 तक नियमित पलेयरिंग को समाप्त करने और लगभग शून्य अपस्ट्रीम मीथेन उत्सर्जन को प्राप्त करने के लिए कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई है। तदनुसार, वर्ष 38 तक नेट जीरो प्रचालन उत्सर्जन को प्राप्त करने के लिए डीकार्बोनाइजेशन रणनीति को सुदृढ़ किया गया है और अब यह सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है और इसे प्राप्त करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। यह ओएनजीसी को भारत में पहली ऊर्जा कंपनी और सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बनाता है, जिसने हमारी पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं के साथ एक विस्तृत डीकार्बोनाइजेशन योजना की रूपरेखा तैयार की है।

वर्ष 2030 तक जीरो रूटीन पलेयरिंग और लगभग जीरो अपस्ट्रीम मीथेन उत्सर्जन प्राप्त करने की ओएनजीसी की प्रतिबद्धता को देखते हुए, ओएनजीसी ने अपने प्रचालन क्षेत्र के ऊपर वायुमंडल में मीथेन सांकेतिक कापता का पता लगाने के लिए केंडीएमआईपीआई के अपने रिमोट सेंसिंग डिवीजन के माध्यम से ट्रोपोस्फेरिक मॉनिटरिंग इंस्ट्रूमेंट सेटेलाइट डेटा का उपयोग करके टॉप-डाउन वृष्टिकोण अपनाया है। इसके अलावा ओएनजीसी प्रचालन क्षेत्र में हॉटस्पॉट का पता लगाने के लिए टोटल एनर्जी पेटेंटेड तकनीक एयूरसईए का उपयोग करके ड्रोन सर्वेक्षण भी कर रहा है। रिमोट सेंसिंग और हवाई सर्वेक्षणों के माध्यम से पहचाने गए हॉटस्पॉट के आधार पर, पाइपलाइन और अन्य उपकरणों में विशेष रिसाव का पता लगाने के लिए ग्राउंड सर्वेक्षण

किए जाते हैं, जो पृथिवी मीथेन उत्सर्जन का स्रोत हैं। इन उन्नत तकनीकों के उपयोग से, ओएनजीसी ने वर्ष 2007 से, वायुमंडल में लगभग 20.48 एमएमएससीएम मीथेन गैस रिसाव को रोका है, जिससे लगभग 0.31 एमएमटीCO<sub>2</sub>ई उत्सर्जन में कमी आई है, जिसे अन्यथा पता लगाना मुश्किल था।

## सौर और पवन ऊर्जा पहल :

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार कंपनी की अक्षय ऊर्जा की कुल अधिष्ठापित क्षमता 193.7 मेगावाट (सौररू 39.8 मेगावाट और पवनरू 153.9 मेगावाट) थी।

## पारंपरिक लाइटों को एलईडी लाइटिंग से प्रतिस्थापन :

कुशल ऊर्जा उपयोग (उजाला योजना) को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के आहवान के अनुरूप, ओएनजीसी ने चरणबद्ध तरीके से ओएनजीसी की सभी पारंपरिक लाइटों के प्रतिस्थापन के लिए एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। तथापि, उद्दीप्त लैंप, ट्यूब लाइट और सीएफएल को तुरंत प्रतिस्थापित किया गया। वित्तीय वर्ष 24 के अंत तक, ओएनजीसी ने 3.6 लाख एलईडी लाइटों लगायी हैं।

## कार्बन संग्रहण, भंडारण और उपयोग (सीसीएसयू)

कार्बन संग्रहण, भंडारण और उपयोग (सीसीएसयू) एक महत्वपूर्ण कार्बन डाइ-ऑक्साइड उत्सर्जन तकनीक है, जो बड़ी मात्रा में कार्बन डाइ-ऑक्साइड को वायुमंडल में छोड़ने से रोक सकती है। वर्ष 2038 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, ओएनजीसी कई शमन उपायों के साथ कई नेट जीरो पहल कर रही है।

मुख्य भू-रासायनिक प्रतिक्रियाओं की दरों और तंत्रों तथा भूवैज्ञानिक भंडारण पर उनके निहितार्थ को समझने के लिए, में केशव देव मालवीय पेट्रोलियम अन्वेषण संस्थान में एक अत्याधुनिक कार्बन कैचर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) प्रयोगशाला बनाई गई है।

नव स्थापित प्रयोगशाला शुरू में CO<sub>2</sub> के खनिज ट्रैपिंग पर काम करेगी, जिसमें CO<sub>2</sub> के पृथक्करण के कारण रासायनिक प्रतिक्रिया की दर और तंत्र तथा बेसाल्ट पर इसके निहितार्थ पर जोर दिया जाएगा, क्योंकि बेसाल्ट CO<sub>2</sub> पृथक्करण के लिए सबसे आशाजनक रॉक-टाइप है।

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर CO<sub>2</sub> कैचर को ध्यान में रखते हुए, CO<sub>2</sub> कैचर हेतु निम्नलिखित क्षेत्र केंद्रित हैं:

- कमरे के तापमान पर CO<sub>2</sub> को कैचर के लिए उत्प्रेरक का अनुकूलन

- उच्च तापमान पर सीधे हवा से CO<sub>2</sub> को पकड़ने के लिए धातु समृद्ध शिल्पी
- गहरे पानी के जलभूतों और समुद्री जल/नमकीन पानी में CO<sub>2</sub> खनिजीकरण
- तहखाने में CO<sub>2</sub> भंडारण में भू-रासायनिक व्यवहार्यता और भू-यांत्रिक जोखिम का आकलन।

## 33. आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली

आपकी कंपनी ने अपने कारोबारों का कुशल संचालन, अपनी परिसंपत्तियों के संरक्षण धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और संसूचन लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करनेये और कंपनी के प्रचालन के अनुरूप विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय पर तैयार करने हेतु नीतियां और प्रक्रियाएं निर्धारित कर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की व्यवस्था की है। आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की कार्यसाधकता, प्रबंधन समीक्षा, नियंत्रण स्व-मूल्यांकन और आंतरिक लेखा-परीक्षा टीम द्वारा स्वतंत्र लेखा परीक्षा कर सुनिश्चित किया जाता है, जो यह संकेत देते हैं कि आपकी कंपनी का कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण है और ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण कारगर रूप से कार्य कर रहे हैं। लेखा-परीक्षा एवं आचरण समिति बोर्ड आशयित प्रयोजन के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की कार्यसाधकता सुनिश्चित करने के लिए उनकी समीक्षा करती है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के अनुसार कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा स्वतंत्र लेखा-परीक्षक रिपोर्ट वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न है।

## 34. ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा अर्जन और बहिर्वाह :

कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) (ड) के अंतर्गत यथा अपेक्षित सूचना अनुलग्नक — ग के रूप में संलग्न है।

## 35. व्यापार उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट

व्यापार उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट (बीआरएसआर) अनुलग्नक—घ के रूप में संलग्न है और बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा है।

## 36. प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण रिपोर्ट

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 34(2) (ड) के अनुसार, प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट (एमडीएआर) इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

## 37. निगमित अभिशासन

सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 की अनुसूची 5 के साथ पठित विनियम 34(3) के अंतर्गत यथा उपबंधित निगमित अभिशासन संबंधी विस्तृत रिपोर्ट और साथ ही निगमित अभिशासन संबंधी डीपीई दिशानिर्देश, 2010 इस बोर्ड रिपोर्ट के भाग हैं।

## 38. मानव संसाधन विकास

कर्मचारी हमारे सबसे मूल्यवान संसाधन हैं, जो कंपनी को ऊर्जा व्यवसाय में अद्वितीय उत्कृष्टता की ओर ले जाते हैं। एक रणनीतिक व्यापार भागीदार के रूप में, आपकी कंपनी की मानव संसाधन पद्धतियाँ सहयोगात्मक एवं सतत विकास और सहक्रियाशीलता की दिशा में केन्द्रित एक व्यापक और समावेशी वृद्धिकोण है।

सतत विकास, ज्ञान उत्कृष्टता और अनुकरणीय अभिशासन प्रथाओं के माध्यम से एकीकृत ऊर्जा व्यवसाय में वैशिक नायक बनने की दृष्टि के साथ, आपका मानव संसाधन सर्वोत्तम मानव संसाधन प्रक्रियाओं के माध्यम से ऊर्जा व्यवसाय में विश्व स्तरीय मानव पूँजी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार, ओएनजीसी के रोल पर 25,847 नियमित कर्मचारी हैं। रणनीतिक नीति हस्तक्षेप और उद्देश्यपूर्ण मानव संसाधन प्रक्रियाओं के साथ, आपकी कंपनी समर्पित कार्यबल को उभरती चुनौतियों को स्वीकार करने और ऊर्जा परिदृश्य में बदलाव के अनुकूल होने के लिए सशक्त बनाती है।

**क्षमता निर्माण:** गतिशील ई. एंड पी. कारोबारी माहौल में, यह जरूरी है कि कर्मचारी आवश्यक ज्ञान, कौशल और दक्षताओं से लैस हों। आपके मानव संसाधन ने वर्तमान और भविष्य की कार्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ बेहतरीन उद्योग प्रशिक्षण और विकास पाठ्यक्रम क्रियान्वित किये हैं।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, ओएनजीसी द्वारा प्रासंगिक डोमेन में 12,751 अधिकारियों और 5,286 गैर-अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

**प्रशिक्षिता नियुक्ति** – वित्त वर्ष 2024 के दौरान, ओएनजीसी ने विभिन्न ट्रेडों में 1441 प्रशिक्षितों को नियुक्त किया, जो प्रशिक्षिता अधिनियम 1961 के अनुसार ओएनजीसी में कुल जनशक्ति के न्यूनतम आवश्यक 2.5% से अधिक था।

**कर्मचारी सहलग्नता:** वित्त वर्ष 2024 में, ओएनजीसी ने सामूहिक विकास, तालमेल, नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्मचारी सहलग्नता गतिविधियों की एक श्रृंखला क्रियान्वित की। कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं :



- i. ओएनजीसी के सभी कार्य केंद्रों पर निम्नलिखित विषयों पर 60 से अधिक 'पीपल कनेक्ट प्रोग्राम' आयोजित किए गए :
  - प्रमुख कार्यकारी / डोमेन विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्र
  - स्वास्थ्य और कार्य-जीवन संतुलन कार्यशालाएं
  - पीओएसएच/लिंग संवेदीकरण कार्यशालाएं
- ii. रणनीतिक सोच, व्यावसायिक कौशल, उद्यमशीलता सीखने और मॉक व्यावसायिक बाधाओं के साथ प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में निर्णय लेने जैसी क्षमताओं को निखारने के लिए वार्षिक ओएनजीसी बिजनेस गेम्स सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, 946 अधिकारियों के साथ कुल 239 टीमों ने इन गेम्स में भाग लिया।
- iii. प्रतिभागियों के बीच परिणाम उन्मुखीकरण, मानसिक/शारीरिक निपुणता और समन्वय को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण और कर्मचारी जुड़ाव पहल के रूप में ₹50 और उससे नीचे के स्तर के कर्मचारियों के लिए फन टीम गेम्स भी आयोजित किए गए, जिसमें 480 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया।
- iv. ओएनजीसी के कर्मचारियों ने जीओक्यूप प्रिंटिंग चैलेंज 2024 में भाग लिया। पहली बार भाग लेने के कारण ओएनजीसी ने ओवरऑल निगमित लीडर बोर्ड में दूसरा स्थान प्राप्त किया। ओएनजीसी की टीमों और प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखा और शीर्ष दो स्थान प्राप्त किए, जिसमें ओएनजीसी की तीन टीमें शीर्ष 5 में, पांच टीमें शीर्ष 10 में और उल्लेखनीय रूप से आठ टीमें शीर्ष 15 में शामिल रहीं। उल्लेखनीय रूप से, 56 ओएनजीसी प्रतिभागियों ने 1500 का परफेक्ट स्कोर प्राप्त किया, जो पूरे चैलेंज में असाधारण समर्पण का प्रदर्शन था।

**कार्य और जीवन संतुलन:** ओएनजीसी स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देकर कर्मचारी कल्याण पर ध्यान केंद्रित करता है। ओएनजीसी के लिए कर्मचारी अनुभूति को बेहतर करना एक प्राथमिकता है और आपकी कंपनी इस लक्ष्य को सुविकसित सुविधाओं जैसे टाउनशिप में जिम, कलबों, खेल सुविधाओं और संगीत कक्षों की सुविधाएं आदि ओएनजीसी के अपतटीय लिंगिंग क्वार्टर्स में उपलब्ध करायी जाती हैं।

आपकी कंपनी अपने प्रत्येक कार्य केन्द्र में सामूहिक प्रयासों और अन्य समूहों जैसे अधिकारी कलब, महिला विकास मंच, निवासी कल्याण एसेसिएशन आदि को मान्यता प्रदान करती है। वर्ष भर विभिन्न सामूदायिक कार्यक्रम, खेलकूद, और सांस्कृतिक सांस्कृतिक आयोजित किए जाते हैं, जो कर्मचारियों एक साथ लाते हैं और मैत्री की भावना और सामूहिक जीवन शैली निर्मित करती है।

**स्वास्थ्य और कल्याण:** कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवार सदस्यों को परामर्श/सलाह, विशेषकर मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थता से संबंधित मसलों पर, प्रदान करने के लिए ओएनजीसी के विभिन्न कार्य

केन्द्रों पर कल्याण केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इन वेलनेस सेंटरों और स्वास्थ्य जागरूकता सत्रों के माध्यम से बीमारियों को दूर रखने के लिए अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने और जीवनशैली में बदलाव के प्रति जागरूकता पैदा करने पर उनका ध्यान केंद्रित किया गया है।

ओएनजीसी हमेशा मल्टी-स्पेशलिटी मेडिकल कैंपों के माध्यम से देश के दूरदराज के इलाकों में विचित लोगों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में सहायता आगे है। इस पहल के तहत, मेडिकल टीम मरीजों की जांच करती है और सीएसआर के तहत समाज के जरूरतमंद लोगों को दवाइयां, पुनर्वास सहायता और चश्मे वितरित करती है।

### कर्मचारी कल्याण ट्रस्ट

आपकी कंपनी ने कर्मचारियों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए निम्नलिखित ट्रस्टों की स्थापना की है :-

- **कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि (ईसीपीएफ)** ईपीएफ एंड एम. पी. अधिनियम, 1952 के अंतर्गत आपकी कंपनी द्वारा स्थापित एक छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट है। यह ट्रस्ट कर्मचारियों की भविष्य निधि का प्रबंधन करता है।
- **सेवानिवृत्ति पश्च हितलाभ योजना (पीआरबीएस)** ट्रस्ट आपकी कंपनी के कर्मचारियों के पेंशन निधि का प्रबंधन करता है।
- **समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस):** आपकी कंपनी द्वारा तैयार की गई समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस) सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु या स्थायी विकलांगता की स्थिति में एक सुनिश्चित अनुग्रह भुगतान प्रदान करती है।
- उपदान (ग्रेच्युटी) अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उपदान के भुगतान के लिए उपदान निधि ट्रस्ट की स्थापना की गई।
- **ओएनजीसी सेवा निवृत्ति पश्च चिकित्सा हितलाभ (पीआरएमबी)** ट्रस्ट की स्थापना कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभों के लिए निधि के प्रबंधन के लिए की गई है।
- आपकी कंपनी के पास इसकी सहयोग योजना के लिए एक 'सहयोग ट्रस्ट' भी है, जो कार्यबल और उनके परिजनों के कल्याण के लिए जीविका, चिकित्सा सहायता और उपचार, पुनर्वास, शिक्षा, महिला आश्रित की शादी और किसी भी कठिनाई या संकट को दूर करने के लिए अनुग्रह वित्तीय अनुदान प्रदान करता है, जिनके पास पर्याप्त सहायता साधन नहीं हैं। इस योजना के लाभार्थियों में नियमित और पुराने कर्मचारियों के अलावा अस्थायी, आकस्मिक, दैनिक

कर्मचारी, अंशकालिक, तदर्थ, संविदा पर नियुक्त व्यक्ति, और कार्यकाल आधारित कर्मचारी, प्रशिक्षु और आपकी कंपनी द्वारा नियुक्त प्रशिक्षु शामिल हैं।

- आपकी कंपनी ने दिनांक 01.01.2007 से पहले सेवानिवृत्त पूर्व कर्मचारियों की आपातकालीन जरूरतों को पूरा करने के लिए आशा किरण योजना शुरू की है। इस योजना को डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कर पश्चात लाभ के 1.5% के एक कोष के साथ शुरू किया गया था।

### प्राथमिकता प्राप्त वर्ग के लिए सरकारी निदेशों का क्रियान्वयन

ओएनजीसी अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के कल्याण की दिशा में अपनी जिम्मेदारी के प्रति संचेत है और समाज के प्राथमिकता प्राप्त वर्ग के लिए सरकारी निदेशों का पालन करता है। दिनांक 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) कर्मचारियों का प्रतिशत क्रमशः 15.3% और 11.3% था।

आपकी कंपनी ने अपने प्रचलनात्मक क्षेत्रों में और उसके आसपास उनकी बेहतरी के लिए आपकी कंपनी द्वारा निम्नलिखित कल्याणकारी गतिविधियां क्रियान्वित की हैं।

- वार्षिक कंपोनेन्ट प्लान:** वार्षिक कंपोनेन्ट प्लान के अंतर्गत प्रति वर्ष ₹200 मिलियन का आबंटन किया जाता है। इसमें से ₹60 मिलियन कंपनी के प्रचलनाओं के क्षेत्रों में और उसके आसपास इन समुदायों के लिए कल्याण क्रियाकलाप चलाने हेतु कंपनी के सभी कार्य केन्द्रों में वितरित जाता है। शेष ₹140 मिलियन का प्रबंधन केंद्रीय रूप से किया जाता है और यह एससी / एसटी समुदायों के क्षेत्रों / व्यक्तियों के कल्याणकारी पहलों (शिक्षा, प्रशिक्षण, समुदाय विकास, चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल) हेतु निर्धारित है।

### मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति:

आपकी कंपनी, स्नातक अभियंता, एमबीबीएस, एमबीए के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों और भूगर्भीय विज्ञानों में पूरे देश के भिन्न-भिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों में उच्च व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए मेधावी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति छात्रों को 1000 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत विहित शर्तों की पूर्ति के अध्यधीन प्रति वर्ष प्रति छात्र को ₹48,000 की राशि प्रदान की जाती है।

- सभी कार्य केन्द्रों पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों के लिए आंतरिक शिकायत निवारण समिति का गठन अलग से किया गया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए सभी कार्य केन्द्रों पर संपर्क अधिकारियों के अतिरिक्त अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए क्रमशः मुख्य संपर्क अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

**विविधता एवं समावेशन:** ओएनजीसी एक समान अवसर प्रदाता नियोक्ता है और यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध लिंग, धर्म, जाति, जातीयता, भाषा, पृष्ठभूमि, आयु या क्षमता, इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार विविधता के सापेक्ष पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है।

**महिला विकास:** 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार आपकी कंपनी के कार्यबल में महिला कर्मचारियों 7.9% हैं। आपकी कंपनी एक ऐसे समावेशी कार्य-स्थल संव्यवहारों का संवर्द्धन करने में अग्रणी रही है, जो महिलाओं की कैरियर संवृद्धि को आलंबन प्रदान करती है और महिलाओं के नेतृत्व क्षमता को बढ़ाती है।

**दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) का समावेशन:** आपकी कंपनी की अवसंरचना और सुविधाएं दिव्यांगजनों को अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में समर्थकारी परिवेश प्रदान कर सहायता प्रदान करती है। दिव्यांगजन कर्मचारियों को भर्ती, कार्य समनुदेशन, स्थानांतरण और अवकाश के मामलों में सम्यक ध्यान रखा जाता है।

कर्मचारी कल्याण से संबंधित विभिन्न सौजूदा नीतियों की समीक्षा की गई और उन्हें संशोधित किया गया। दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम के तहत समान अवसर नीति भी तैयार की गई और उसे मुख्य आयुक्त, दिव्यांगजन के पास पंजीकृत किया गया।

ओएनजीसी एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, जो दिव्यांगजनों की खेल प्रतिभा का संवर्धन करने के लिए पैरा खेलों का आयोजन करता है।

माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने 8 मार्च, 2024 को दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 5वें ओएनजीसी पैरा खेलों का उद्घाटन किया। सात केन्द्रीय तेल एवं गैस सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के 371 विशेष रूप से सक्षम कर्मचारियों ने 8 से 10 मार्च, 2024 के दौरान आयोजित पैरा खेलों में प्रतिभागिता की। उनमें से 249 ओएनजीसी कर्मचारी थे।



**लैंगिक उत्पीड़न के अंतर्गत प्रकटन :** ओएनजीसी ने कार्य स्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न नीति (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत किए गए प्रावधानों का अनुपालन किया है। इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, स्थलों पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की शिकायतों की देखरेख करने के लिए आंतरिक समिति (आईसी) का गठन किया गया है। आईसी के सदस्यों को ऐसी शिकायतों की जांच करने के लिए प्रासंगिक जानकारी और कौशल से सुसज्जित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

लैंगिक उत्पीड़न की शिकायतों का सार नीचे दिया गया है :

वित्तीय वर्ष	प्राप्त शिकायतों की संख्या	निपटान की गयी शिकायतों की संख्या	31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार लंबित शिकायतों की संख्या	अभ्युक्तियां
2023–24	06	03	03	3 लंबित मामलों में से एक शिकायत फरवरी, 2024 में प्राप्त हुई है। शेष दो मामलों में आईसी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

### 39. औद्योगिक संबंध :

आपकी कंपनी ने पूरे वर्ष के दौरान सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाए रखा। आंतरिक औद्योगिक कार्रवाई के कारण श्रम दिवस हानि की संख्या वित्त वर्ष'24 के लिए 'शून्य' थी।

### 40. सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई), 2005 के तहत अनुपालन

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत प्राप्त अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए पूरे संगठन में एक सुव्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया है। आपकी कंपनी में इसके क्रियान्वयन के पर्यवेक्षण लिए 'नोडल अधिकारी' के रूप में एक निर्दिष्ट वरिष्ठ अधिकारी हैं। आरटीआई आवेदनों को संसाधित करने के लिए पूरी कंपनी के विभिन्न कार्य केंद्रों के 22 निर्दिष्ट 'केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी' (सीपीआईओ) नियुक्त किए गए हैं। एक वरिष्ठ स्तरीय अधिकारी को प्रथम अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

आम जनता की सुविधा के लिए ओएनजीसी कॉरपोरेट पोर्टल [www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) पर, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 से संबंधित महत्वपूर्ण सूचना अपलोड की गयी है।

वित्तीय वर्ष'24 के दौरान, आपकी कंपनी को 1,429 आवेदन प्राप्त हुए (अन्य लोक प्राधिकरणों से स्थानांतरित 120 आवेदन सहित)। इन आवेदनों के सापेक्ष, 1,175 आवेदनों में मांगी गयी सूचना प्रदान की गयी, 28 आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए और 16 आवेदन अन्य लोक प्राधिकरणों को हस्तांतरित किए गए, 20 आवेदन आरटीआई अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार आवेदक को वापस कर दिए गए। दिनांक 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार कुल लंबित अनुरोधों की संख्या 190 थी। कुल 273 प्रथम अपील दाखिल किए गए थे, जिसमें से 226 अपील अवधि के दौरान निस्तारित किए गए।

### 41. राजभाषा नीति का क्रियान्वयन

वित्त वर्ष'24 में आपकी कंपनी ने राजभाषा को बढ़ावा देने और उसके क्रियान्वयन हेतु सभी प्रयास किए। इस संबंध में वर्ष के दौरान किए गए कुछ प्रयास इस प्रकार हैं :

- संसदीय राजभाषा समिति के निर्देशों के अनुसार, ओएनजीसी मुख्यालय द्वारा देश भर के कार्य केंद्रों का शत-प्रतिशत राजभाषा निरीक्षण किया गया।
- सभी कार्यालयों में यूनिकोड हिंदी सॉफ्टवेयर स्थापित किया गया।
- आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर सभी कार्य केंद्रों में हिंदी व्याख्यान शृंखला।
- सभी कार्य केंद्रों में नियमित अंतराल पर त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- विभिन्न कार्य केंद्रों पर हिंदी तकनीकी सेमिनार/वेबिनार, कवि गोष्ठियां, कवि सम्मेलन और हिंदी नाटक आयोजित किए गए।
- राजभाषा पर्यावारे (18 से 30 सितंबर 2023) के दौरान कंपनी के सभी कार्य केंद्रों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी 2024) के अवसर पर ओएनजीसी के मुख्यालय और अन्य कार्य केंद्रों पर स्थानीय साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।
- कंपनी के सभी क्षेत्रीय कार्य केंद्रों पर भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया गया।
- सभी कार्य केंद्रों पर "पारंगत" पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से शुरू किया गया।
- ओएनजीसी के सभी कार्य केंद्रों पर राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पत्रिकाएँ प्रकाशित की जा रही हैं।
- हिंदी पुस्तकों और पत्रिकाएँ नियमित रूप से खरीदी जाती हैं।

- हिंदी के कार्यसाधक ज्ञान के बारे में कर्मचारियों का ई-रोस्टर बनाया गया है।
- राजभाषा नीति के कारण कार्यान्वयन के लिए कागज रहित कार्यालय को द्विभाषी बनाया गया है। इसके अलावा, द्विभाषी कार्य को सक्षम करने के लिए एसएपी प्लेटफॉर्म में यूनिकोड स्थापित किया गया है।
- राजभाषा नीति पर त्वरित संदर्भ के लिए एक द्विभाषी पुस्तिका तैयार की गई है और उसे रिपोर्ट- [reports.ongc.co.in](http://reports.ongc.co.in) पर अपलोड किया गया है।
- सात नराकास अध्यक्षता ओएनजीसी के पास हैं, नामतः ओएनजीसी मुख्यालय, देहरादून, अंकलेश्वर परिसंपत्ति, मेहसाणा परिसंपत्ति, असम परिसंपत्ति, नाजिरा, त्रिपुरा परिसंपत्ति अगरतला, कावेरी परिसंपत्ति कारैकल और राजमहेन्द्री परिसंपत्ति, राजमहेन्द्री परिसंपत्ति। ये कार्यालय अपने कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नियमित अंतराल पर वर्ष में दो बार नराकास सदस्यों के साथ बैठक आयोजित करते हैं।
- इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में अपना काम करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए हिंदी सेवी कार्मिक आदि जैसी विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जा रही हैं।

## 42. खेलकूद

एक जिम्मेदार महारत्न पीएसयू के रूप में, ओएनजीसी खिलाड़ियों को रोजगार के अवसर और छात्रवृत्ति प्रदान करके खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने का पुरजोर समर्थन करता है। आपकी कंपनी के विभिन्न खेल संघों, महासंघों और आयोजनों के प्रायोजन के साथ-साथ खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए प्रदत्त समर्थन ने कई खिलाड़ियों को देश और संगठन को प्रशंसा दिलाने में सहायता की है।

वर्ष के दौरान हमारे खिलाड़ियों की कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ इस प्रकार थीं:

- (i) ओएनजीसी के 24 खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया और हैंगज़ाउ, चीन में आयोजित एशियाई खेल 2023 में 14 पदक जीते।
- क. हॉकी खिलाड़ी गुरजंत सिंह, मंदीप सिंह ने पुरुष हॉकी में स्वर्ण पदक जीता।
- ख. कबड्डी खिलाड़ी सुश्री पूजा (छात्रवृत्ति) ने महिला कबड्डी में स्वर्ण पदक जीता।
- ग. बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय ने एकल में कांस्य पदक और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता।

घ. शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती और सुश्री कोने: हम्पी ने टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता।

ड. निशानेबाजी खिलाड़ी ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीताय सुश्री रिथम सांगवान ने स्वर्ण पदक जीताय सुश्री सिफट कौर समरा ने स्वर्ण और रजत पदक जीता विजय वीर सिंह ने कांस्य पदक जीता।

(ii) अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ:

- शिव थापा ने दिसंबर, 2023 में शिलांग में 7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- पंकज आडवाणी ने नवंबर, 2023 में दोहा, कतर में आईटीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चौंपियनशिप जीती।
- ध्रुव सितवाला ने मार्च, 2024 में सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में वाल्टर लिङ्गम ओपन बिलियर्ड्स चौंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- 5 ओएनजीसी छात्रवृत्ति हॉकी खिलाड़ियों को दिसंबर, 2023 में मलेशिया में जूनियर हॉकी विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।
- सुश्री खुशबू खान को दिसंबर, 2023 में चिली में आयोजित जूनियर विश्व कप के लिए चुना गया।
- 4 ओएनजीसी हॉकी खिलाड़ियों ने नवंबर, 2023 में गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता।
- ओएनजीसी से स्कॉलरशिप प्राप्त कर रहे एथलीटों ने 25 अक्टूबर से 9 नवंबर, 2023 तक गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेलों 2023 में 4 स्वर्ण, 4 रजत, 4 कांस्य जीते।
- एस.पी. सेथुरमन ने जनवरी, 2024 में प्रथम बंगलोर अंतर्राष्ट्रीय ओपन शतरंज टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया।
- दीप सेनगुप्ता ने दिसंबर, 2023 में यूनाइटेड किंगडम में हेस्टिंग्स मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।
- विष्णु वर्धन ने मार्च में दिल्ली में आईटीएफएम 25 वर्ल्ड टेनिस टूर में डबल्स जीता 2024.
- एस.पी. सेथुरमन ने 60वीं राष्ट्रीय शतरंज चौंपियनशिप, पुणे, अगस्त, 2023 जीती
- अभिनव लोहान ने गुजरात ओपन पीजीटीआई गोल्फ टूर्नामेंट, मार्च, 2024 जीता।
- राजेश नरवाल ने 37वें राष्ट्रीय खेल, नवंबर, 2023 में रजत पदक और सीनियर राष्ट्रीय कबड्डी चौंपियनशिप, मार्च, 2024 में स्वर्ण पदक जीता।



- हरमीत देसाई ने यूटीटी राष्ट्रीय रैकिंग टेबल टेनिस चौपियनशिप, वडोदरा, नवंबर, 2023 में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता
- (iii) वर्ष 2023–24 में प्राप्त सम्मान और पुरस्कार
  - ओएनजीसी से छात्रवृत्ति प्राप्त खिलाड़ी ऐश्वर्या प्रताप सिंह (निशानेबाजी) और सुश्री अंतिम पंघाल (कुश्ती) को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
  - संगठन में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं की कुल संख्या 63 है (पद्म भूषण – 1, खेल रत्न – 2, पद्म श्री – 6, अर्जुन पुरस्कार – 52, ध्यानचंद पुरस्कार – 2)
  - ओएनजीसी चौपियन संगठन के रूप में उभरा और वित्त वर्ष'24 के लिए प्रतिष्ठित "पेट्रोलियम मिनिस्टर्स ट्रॉफी" जीती।
- (iv) ओएनजीसी खेल छात्रवृत्ति
  - वर्ष 2023–24 में प्रतिभाशाली पुरुष और महिलाओं को 22 खेलों में कुल 224 खेल छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।

### 43. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

भारत के सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र निर्माताओं में से एक आपकी कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्ध है। सीएसआर गतिविधियों से संबंधित वार्षिक रिपोर्ट अनुलग्नक – ड के रूप में संलग्न है।

### 44. नियामक या न्यायालय आदेश

वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, किसी न्यायालय या अधिकरण या विनियामक का ऐसा कोई आदेश या निर्देश नहीं दिया गया है जो कंपनी के चालू समुत्थान की स्थिति को प्रभावित करता हो या जो कंपनी के कारोबारी प्रचालनों को प्रभावित करता हो।

### 45. वर्ष के दौरान दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत किए गए आवेदन या लंबित किसी कार्यवाही का विवरण तथा वित्त वर्ष 2024 के अंत तक उनकी स्थिति।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत कंपनी के खिलाफ कोई आवेदन नहीं किया गया था और कोई कार्यवाही लंबित नहीं थी।

### 46. बैंकों/वित्तीय संस्थानों के साथ एकमुश्त निपटान का विवरण

कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान बैंकों/वित्तीय संस्थानों के साथ एकमुश्त निपटान नहीं किया।

### 47. वित्तीय वर्ष के अंत और रिपोर्ट की तिथि के बीच वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ

वित्तीय वर्ष के अंत और इस रिपोर्ट की तिथि के बीच कोई भी भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ नहीं हुई हैं जो कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हों।

### 48. निदेशकों का उत्तरदायित्व वक्तव्य

निदेशकों के उत्तरदायित्व वक्तव्य के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3)(g) के अंतर्गत की गई अपेक्षा के अनुसरण में एतद्वारा पुष्टि की जाती है कि :

- क) वार्षिक लेखे तैयार करने में, प्रयोज्य लेखांकन मानकों का पालन किया गया है और उनसे कोई महत्वपूर्ण विपर्यय नहीं किया गया है;
- ख) निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया है और उन्हें लगातार लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान किए गए हैं, जो तर्कसंगत और विवेकपूर्ण हैं ताकि 31 मार्च, 2023 को यथास्थिति कंपनी के कारबार की ओर उस तारीख को समाप्त वर्ष के कंपनी के लाभ की सही और उचित तस्वीर प्रस्तुत की जा सके;
- ग) निदेशकों ने, कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा करने और धोखाई तथा अन्य अनियमितताएँ रोकने और उनका पता लगाने के लिए, कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुसार, पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त सावधानी बरती है;
- घ) निदेशकों ने एक 'चालू समुत्थान' आधार पर कंपनी के वार्षिक लेखे तैयार किए हैं;
- ड) निदेशकों ने, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण विनिर्धारित किए हैं, जिनका पालन कंपनी द्वारा किया जा रहा है और ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और कारगर रूप से कार्य कर रहे हैं; और
- च) सभी प्रयोज्य कानूनों के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निदेशकों ने उचित प्रणालियां तैयार की हैं और ये प्रणालियां पर्याप्त हैं तथा प्रचालन में हैं।

### 49. वार्षिक विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) के साथ पठित अधिनियम की धारा 134(3)(k) की अपेक्षा के अनुसार, कंपनी की वार्षिक विवरणी <https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/annual-return/ij> अपलोड की गयी है।

## 50. कर्मचारियों के विवरण

आपकी कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 (12) के प्राधान और प्रासंगिक नियमों के प्रावधान इस कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति की निबंधनों और शर्तें लोक उद्यम विभाग(डीपीई), भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अध्यधीन हैं।

## 51. लेखा—परीक्षा समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177(8) और सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकाटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 18 और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन में, लेखा—परीक्षा समिति से संबंधित व्यौरे, नियमित अभिशासन रिपोर्ट, जो वार्षिक रिपोर्ट का भाग है, के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हैं।

वित्तीय वर्ष'24 में ऐसा कोई दृष्टांत नहीं आया था, जहां लेखापरीक्षा समिति की सिफारिशें, निदेशक मंडल द्वारा नहीं की गई हैं।

## 52. निगरानी तंत्र

आपकी कंपनी ने नैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाई, आचार संहिता का उल्लंघन और साथ ही अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना के प्रकटन के दृष्टांतों के संबंध में वास्तविक सरोकार की रिपोर्ट करने के लिए फ़िसल ब्लॉअर नीति बनाई है ए सरकारी तंत्र स्थापित किया है। उक्त सरकारी तंत्र उन व्यक्तियों को उत्पीड़न के विरुद्ध पर्याप्त सुरक्षणों का प्रावधान करता है जो उस तंत्र का उपयोग करते हैं और इसमें उपयुक्त या असाधारण मामलों में लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष से सीधे मिलने का प्रावधान है।

कंपनी की नीति को वेबसाइट <https://ongcindia.com/web/eng/investors/policies> पर देखा जा सकता है।

## 53. सतर्कता प्रकार्य :

आपकी कंपनी के पास मुख्य सतर्कता अधिकारी के नेतृत्व में एक पूर्ण विकसित सतर्कता विभाग है। यह विभाग सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सतर्कता प्रबंधन संबंधी केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित होता है और आगे समय समय पर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग और एमओपीएनजी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार मार्गदर्शित होता है। आपकी कंपनी का सतर्कता विभाग अब आईएसओ 9001: 2015 अनुरूप है और इंटरसर्ट, यूएसए से प्रतिष्ठित एंटी ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) 37001:2016 प्रमाणन भी धारक है।

शिकायतों का प्रबंधन केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी सतर्कता निर्देशिका में निर्धारित शिकायत प्रबंधन नीतियों के अनुसार किया जाता है। सतर्कता गतिविधियों का मुख्य ध्यान आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के साथ नियमित अंतःक्रिया कर निवारक और प्रतिभागी सतर्कता रहा है। ।

प्रकरण की प्रकृति	प्रकरणों की संख्या	
	वित्त वर्ष (2023–24) के दौरान लगायी पैनल्टी	दिनांक 31.03.2024 को लंबित मामले
मेजर पैनल्टी	8	1
माइनर पैनल्टी	7	7

## 54. धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग :

वित्तीय वर्ष'24 के दौरान, कंपनी ने एक विक्रेता की मिलीभगत से एक नियमित और एक संविदात्मक ओएनजीसी चिकित्सक द्वारा फर्जी चिकित्सा बिलों के भुगतान के माध्यम से धन के दुरुपयोग के माध्यम से धोखाधड़ी की एक घटना की सूचना दी है। प्रासंगिक विवरण (एकल वित्तीय विवरण की टिप्पणी 24.5 देखें) इस प्रकार है:

- क) धोखाधड़ी की प्रकृति और विवरण: फर्जी चिकित्सा बिलों के प्रति भुगतानय
- ख) शामिल राशि: अब तक ₹2.88 मिलियन का पता चला है
- ग) शामिल पक्ष, यदि उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई: लागू नहीं, और
- घ) कृत उपचारात्मक कार्रवाई—आंतरिक और वाह्य जांच एजेंसियों को संसूचित कर दिया गया है और जांच की जा रही है।

## 55. जोखिम प्रबंधन नीति और क्रियान्वयन

इस कंपनी का एक बोर्ड अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति है। जोखिम ढांचा और जोखिम पोर्टफोलियो का जोखिम प्रबंधन समिति, लेखा परीक्षा समिति और बोर्ड द्वारा सावधिक निगरानी की जाती है।

## 56. लेखा—परीक्षक

आपकी कंपनी के सांविधिक लेखा—परीक्षक, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। 5 पेशेवर सनदी लेखाकार फर्म/लिमिटेड देता साझीदारी फर्म थीं, जिनके नाम थे तलाटी एंड तलाटी एलएलपी, वी. शंकर अच्युत एंड कंपनी, जे. गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी, लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स और मनुभाई एंड शाह एलएलपी, जिहें वित्त वर्ष'24 के लिए कंपनी के संयुक्त वैधानिक लेखा—परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था।



इन सांविधिक लेखा परीक्षकों को लेखा परीक्षा शुल्कों, प्रमाणन और अन्य सेवाओं के मद में ₹55.28 मिलियन के कुल पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है। उपर्युक्त शुल्कों में, लागू सेवा करध्जीएसटी शामिल है, परंतु इसमें वास्तविक रूप से की गयी यात्रा के प्रति व्यय और जेब खर्च की प्रतिपूर्ति शामिल नहीं है।

लेखाओं पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

कंपनी की एकल और समेकित लेखाओं पर सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक की टिप्पणियां वित्तीय वर्ष'23 के संबंधित वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न हैं। कंपनी के वित्तीय वर्ष'24 के वित्तीय विवरणों पर सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में कोई विशेषक नहीं है। इसके अलावा, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6) सह पठित धारा 129(4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक ने वित्त वर्ष'24 के समेकित और एकल लेखा विवरण पर शून्य टिप्पणियां दी हैं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक की टिप्पणियां इस रिपोर्ट का भाग हैं और अनुलग्नक-च के रूप में संलग्न हैं।

## 57. अन्य मामलों पर सी एंड एजी लेखा-परीक्षा

सी.एंड ए.जी. विभिन्न प्रकार की लेखा-परीक्षा आयोजित करती है, जैसे, प्रदर्शन लेखा-परीक्षा, विषयगत (थिमेटिक) लेखा-परीक्षा, अनुपालना लेखा परीक्षा, अनुवर्ती लेखा-परीक्षा इत्यादि।

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार सी.एंड ए.जी., पिछले वर्षों की इकोस प्रकाशित सी.एंड ए.जी. रिपोर्टधैरा विभिन्न चरणों में लंबित हैं। ये स्थिरता राहत के भुगतान, अनुलाभ कर की गैर-वसूली, अर्ध-वैतनिक छुट्टीअर्जित छुट्टी के नकदीकरण के लिए भुगतान, एसएपी के एफआई-सीओ मॉड्यूल पर आईटी संपरीक्षा, गैस के शेयर की प्राप्ति में अत्यधिक देरी के कारण ब्याज की हानि, परिवहन शुल्क, आकलन में देरी और केजी-डीडब्ल्यूएन-98६२ ब्लॉक में खोजों का गैर-मुद्रीकरण, कोल बेड मीथेन ब्लॉक प्राप्त करने के उद्देश्य की प्राप्ति न होना, केसिंग पाइप की खरीद में देरी के कारण परिहार्य अतिरिक्त व्यय, प्राप्त करने में विफलता निजी अन्वेषण और उत्पादन (ई. एंड पी.) प्रचालकों से अपतटीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए ओएनजीसी द्वारा खरीदे गए तत्काल सोर्ट वेसल की लागत का हिस्सा, याचित नकद की वसूली न होना, सीपीएसई द्वारा विद्यालयों में शैक्षालयों का निर्माण, गैर-सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में ओपीएल की स्थिति को बनाए रखने के लिए वित्तपोषण तंत्र के अंगीकरण के कारण ओएनजीसी को प्रति आय का नुकसान, उपकरण स्टैंडबाय किराये का परिहार्य भुगतान, प्रतिभूति के बिना गैस की आपूर्ति के परिणामस्वरूप बकाया की वसूली नहीं हुई, पश्चिमी अपतट

में जल अंतःक्षेपण प्रचालन, उच्च दबाव गैस की फ्लेयरिंग के कारण नुकसान, सरकारी विभागों/एजेंसियों आदि को प्रशासनिक आधार पर स्पेक्ट्रम का प्रबंधन सौंपने से संबंधित हैं।

इन लेखा-परीक्षा पैरों का उपर्युक्त जवाब दिया गया है और उनकी एमओपीएनजी या सीएजी द्वारा समीक्षा की जा रही है।

## 58. लागत लेखा-परीक्षा का रखरखाव और लागत लेखा-परीक्षकों का विवरण

कंपनी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उपधारा (1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट लागत अभिलेख रख रही है। 6 लागत लेखाकार फर्म जिनके नाम मैसर्स ए.बी.के. एंड एसोसिएट्स, मैसर्स संजय गुप्ता एंड एसोसिएट्स, मैसर्स राव, मूर्ति एंड एसोसिएट्स, मैसर्स शोम एंड बनर्जी, मैसर्स धनंजय वी. जोशी एंड एसोसिएट्स और मैसर्स दीवानजी एंड कंपनी हैं, जिन्हें बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2024 के लिए कंपनी के संयुक्त लागत लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। उक्त लेखा परीक्षकों द्वारा आवश्यक लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट तैयार की जाएगी और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यकताओं के अनुसार केंद्र सरकार के पास दाखिल की जाएगी।

## 59. सचिवीय लेखा-परीक्षा

आपकी कंपनी ने मैसर्स जेएमसी एंड एसोसिएट्स, पेशेवर कंपनी सचिव को वित्तीय वर्ष'23 के लिए सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया था। सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट अनुलग्नक-छ के रूप में संलग्न है। :-

**बोर्ड संघटन :**

यह कंपनी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के कारण, निदेशक मंडल की संरचना, कंपनी के संगम अनुच्छेद के अंतर्गत यथा उपबंधित भारत के राष्ट्रपति का विशेषाधिकार है। एक स्वतंत्र निदेशक का कार्यकाल पूरा होने और दूसरे में एक पूर्णकालिक निदेशक की नियुक्ति के कारण, बीच-बीच में कुछ अवधियों में अर्थात्, 6 मई, 2023 से 31 जनवरी, 2024 के दौरान एक स्वतंत्र निदेशक की कमी थी। 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार कंपनी पूरी तरह से अनुपालन कर रही थी।

## 60. निदेशक मंडल और अन्य शीर्ष प्रबंधन कार्मिकों में परिवर्तन

सरकारी कंपनी होने के नाते, निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक संबंधी नीति कंपनी पर लागू नहीं है और साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत उनके प्रदर्शन के आकलन से भी छूट प्राप्त है।

निदेशकों / शीर्ष प्रबंधन कार्मिकों की नियुक्ति / विरति का विवरण  
इस प्रकार हैं:

वर्ष के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल/शीर्ष प्रबंधन कार्मिक में  
परिवर्तनों और अद्यतन रिपोर्ट इस प्रकार है :

- श्री मनीष पाटील को 05 मई, 2023 से निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में नियुक्त किया गया। श्री पाटील को 01 फरवरी, 2024 से 01 जुलाई, 2024 तक निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।
- विवेक चं. टोणगांवकर ने 02 जुलाई, 2024 से कंपनी के निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी(सीएफओ) के रूप में कार्यभार संभाला।
- श्रीमती पोमिला जसपाल 01 फरवरी, 2024 से बोर्ड में निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नहीं रहीं।
- श्री देवेंद्र कुमार को 20 जून, 2024 से 02 जुलाई, 2024 तक कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक के रूप में नियुक्त किया गया। श्री विवेक चं. टोणगांवकर की निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी(सीएफओ) के रूप में नियुक्ति के बाद, वे कंपनी के सीएफओ नहीं रहे।
- श्री के. सी. रमेश को 10 फरवरी, 2024 से कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक के रूप में नियुक्त किया गया। इसके अलावा, उनकी सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप, वे 01 जून, 2024 से कंपनी के सीएफओ नहीं रहेंगे।

निदेशक मंडल डॉ. अलका मित्तल, श्रीमती पोमिला जसपाल, और श्री के.सी. रमेश द्वारा कंपनी के निदेशक मंडल में उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा किए गए प्रशंसनीय योगदान की सराहना करता है।

## 61. स्वतंत्र निदेशकों द्वारा घोषणा

कंपनी को स्वतंत्र निदेशकों से घोषणा प्राप्त हुई है, जिसमें यह पुष्टि की गयी है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के तहत विहित मापदंडों को पूरा करते हैं।

## 62. आभारोक्ति

आपके निदेशक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, डीपीई, एमसीए, एमईए और केंद्र तथा राज्य सरकारों की अन्य एजेंसियों से प्राप्त सभी सहयोग, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए अत्यधिक कृतज्ञ हैं। आपके निदेशक, लेखापरीक्षकों और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से प्राप्त रचनात्मक सुझावों के लिए आभार व्यक्त करते हैं और उनके निरंतर समर्थन तथा सहयोग के प्रति कृतज्ञ हैं।

आपके निदेशक सभी शेयरधारकों, व्यवसाय साझेदारों और ओएनजीसी परिवार के सभी सदस्यों को बोर्ड के प्रति उनकी निष्ठा, भरोसे और विश्वास के लिए धन्यवाद देते हैं। आपके निदेशक, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कंपनी प्रगति करती रहे और उत्कृष्ट बनी रहे, सभी स्तरों पर ओएनजीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए अथक प्रयासों और समर्पित योगदान के लिए उनकी हळदय से सराहना करते हैं।

निदेशक मंडल की ओर से

ह./-

नई दिल्ली

05 अगस्त, 2024

(अरुण कुमार सिंह)

अध्यक्ष एवं सीईओ



अनुलग्नक 'क'

## पुरस्कार एवं सम्मान

### 1. फोर्च्यून ग्लोबल 500 सूची 2023

फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची 2023 में ओएनजीसी को विश्व में 158वां और भारत में चौथा स्थान दिया गया है।

### 2. फोर्ब्स 2000 सूची, 2024

फोर्ब्स ग्लोबल 2000 सूची 2024 में विश्व में 207वां स्थान और भारत में 67वा स्थान दिया गया है।

### 3. राष्ट्र निर्माता 2023 में भारत का सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता

ओएनजीसी को लगातार चौथे वर्ष ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट द्वारा ग्रेट प्लेस टू वर्क के रूप में प्रमाणित किया गया है।

### 4. ओएनजीसी को सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा पीएसयू श्रेणी में 'वित्त वर्ष 2022–23' के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता पुरस्कार"

### 5. ओएनजीसी ने पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ द्वारा तेल एवं गैस सीपीएसई श्रेणी के अंतर्गत "महत्वपूर्ण योगदान के लिए ऊर्जा संरक्षण एवं ईंधन दक्षता" हेतु पुरस्कार प्राप्त हुआ।

### 6. ओएनजीसी ने राष्ट्र निर्माण एवं संचार आउटरीच श्रेणी में 'गवर्नेंस नाउ 10वां पीएसयू पुरस्कार' जीता।

### 7. ओएनजीसी को प्रमुख वैकल्पिक विवाद निपटान (एडीआर) में इसके योगदान के कारण एशिया प्रशांत माध्यस्थम एवं सुलह केन्द्र (एपीसीएएम) द्वारा "प्रमुख वैकल्पिक विवाद निपटान (एडीआर) प्रयोक्ता 2023 पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

### 8. ओएनजीसी को इकॉनोमिक टाइम्स द्वारा वर्ष की ऊर्जा कंपनी और सामाजिक परिवर्तनकर्ता (तेल एवं गैस) श्रेणी में "इनर्जी लीडरशिप अवार्ड 2023" से अलंकृत किया गया।

### 9. ओएनजीसी ने अपने उत्कृष्ट पर्यावरणीय प्रदर्शन के लिए "गोल्डेन पीकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार" हासिल किया और वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी) को इसके संधारणीय वेधन संव्यवहारों के लिए "गोल्डेन पीकॉक पर्यावरण नवाचार पुरस्कार 2023" से अलंकृत किया गया।

### 10. ओएनजीसी ने 26 जून, 2023 को वित्त वर्ष 2022–23 में गवर्नर्मेट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के माध्यम से उच्चतम सेवा खरीद के लिए "गोल्ड क्रेता पुरस्कार" प्राप्त किया। ओएनजीसी को लगातार

तीन वित्तीय वर्षों के लिए जैम पोर्टल में एक शीर्ष सीपीएसई क्रेता के रूप में पुरस्कृत किया गया।

11. ओएनजीसी को आसन्न ऊर्जा संक्रमण और भावी कार्य के अनुरूप सीख और विकास प्रस्तावों के संरेखन की दिशा में शुरू की गयी इसकी रणनीतिक और नवोन्मेषी पहलों हेतु "फिक्की मानव संसाधन इनोवेशन अवार्ड 2023" से अलंकृत किया गया था।
12. एशियन पावर मैगजीन द्वारा 8 नवंबर 2023 को मुंबई हाई परिसंपत्ति के क्लस्टर – 7 एवं 8 क्षेत्र में उत्पादन अभियांत्रिकी और सागर प्रौद्योगिकी (आईपीईओटी) द्वारा किए गए अध्ययन के आधार पर असाधारण "वर्ष की अपतटीय पहल – भारत" हेतु ओएनजीसी ने "इन्टरनेशनल ऑयल एंड गैस अवार्ड, अंतर्राष्ट्रीय एशियाई तेल और गैस पुरस्कार" प्राप्त किया।
13. ओएनजीसी को उत्तम निगमित अभिशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए "स्कॉप मेरिटोरियस अवार्ड 2016–17" और पर्यावरणीय उत्कृष्टता एवं संधारणीय विकास के क्षेत्र में प्रशंसनीय उपलब्धियों के लिए "स्कॉप एमिएन्स अवार्ड 2019–20" से अलंकृत किया गया।
14. ओएनजीसी ने विनिर्माण उद्यम में उचित व्यवसाय प्रथा – वृहत श्रेणी के अंतर्गत वित्त वर्ष 23 के लिए 35वें "सीएफबीपी जमनालाल बजाज पुरस्कार" में योग्यता प्रमाण–पत्र प्राप्त किया।
15. वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी), ओएनजीसी ने व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण क्षेत्र में "ग्रो केयर इंडिया व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा पुरस्कार 2023" हासिल किया।
16. वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी), ओएनजीसी ने व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण क्षेत्र में "ग्रो केयर इंडिया व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा पुरस्कार 2023" हासिल किया।
17. वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी), ओएनजीसी को पुनर्वक्रम और अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं में उसके उत्कृष्ट योगदान के लिए टीम ऑफ द इयर श्रेणी में बिजनेस वर्ल्ड रिसाइकिलिंग फॉर ग्रीनर टुमोरो अवार्ड का विजेता घोषित किया गया।
18. वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी), ओएनजीसी ने ग्रो केयर इंडिया वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार की पर्यावरण श्रेणी के अंतर्गत "ग्रो केयर इंडिया इनोवेटिव सर्विस अवार्ड 2023" हासिल किया।

- 19.** ओएनजीसी को इंस्टीट्यूट ऑफ डाइरेक्टर्स (आईओडी) द्वारा राष्ट्रीय श्रेणी में “गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2023 फॉर कॉरपोरेट गवर्नेंस” से अलंकृत किया गया।
- 20.** ओएनजीसी ने उत्कृष्टता और नवोन्मेष के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए सर्वश्रेष्ठ महारत्न और कच्चे तेल (केन्द्रीय पीएसयू) में “डुन एंड ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू अवार्ड 2023” हासिल किया।
- 21.** ओएनजीसी को “राष्ट्रीय ऊर्जा प्रबंधन पुरस्कार-2022” में कॉरपोरेट बिजनेस हाउस श्रेणी के अंतर्गत “एसईईएम (सोसायटी ऑफ एनर्जी इंजीनियर्स एंड मैनजर्स) प्लेटिनम अवार्ड” का विजेता घोषित किया गया।
- 22.** ओएनजीसी ने वर्ल्ड स्टेनेबिलिटी द्वारा दिया जाने वाला प्रतिष्ठित ‘ग्लोबल स्टेनेबिलिटी लीडरशिप अवार्ड 2024’ हासिल किया।
- 23.** ओएनजीसी को निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र उपकरणों के लिए सीएसआर, संधारणीयता सीईआर एवं ईएसजी हेतु “महात्मा अवार्ड 2023” से अलंकृत किया गया।
- 24.** ओएनजीसी ने पारिस्थितिकी संतुलन को संरक्षित रखते हुए सुरक्षित प्रचालनों और पर्यवरणीय संरक्षण के प्रति समर्पण को रेखांकित करते

हुए एक सुदृढ़ एचएसई प्रबंधन प्रणाली सुनिश्चित की है। इस उत्कृष्ट एचएसई प्रदर्शन हेतु विधिवत नीचे यथा उल्लिखित विभिन्न पुरस्कारों के माध्यम से सम्मानित किया गया है:

- I. 23वां ग्रीनटेक पर्यावरण एक्सिलेन्स अवार्ड, 2023;
- II. द एनर्जी एंड इनवायरमेंट फाउंडेशन ग्लोबल इनवायरमेंट अवार्ड,
- III. गोल्डन पीकॉक इनवायरमेंट मैनेजमेंट अवार्ड (जीपीईएमए) 2023;
- IV. ग्रीनटेक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य एवं संरक्षा पुरस्कार, 2023।
- V. एनर्जी एंड इनवायरमेंट फाउंडेशन द्वारा प्लेटिनम श्रेणी में ग्लोबल सेपटी अवार्ड 2023;
- VI. 21वां ग्रीन टेक संरक्षा पुरस्कार, 2023;
- VII. ग्रो केयर व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा पुरस्कार 2023; और
- VIII. द एनर्जी एंड इनवायरमेंट फाउंडेशन का ग्लोबल सेपटी अवार्ड 2023।



ફાર્મ સ્ટેડોર્મી - 2

(अधिनियम की धारा 134 की उप धारा (3) के खण्ड (ज) और कंपनी (लेखा) नियमावलि, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसरण में)

कंपनी अधिनियम की धारा 188 की उप धारा (1) में उल्लिखित संविधि पक्षों के साथ कंपनी द्वारा किए गए अनुबंधों / व्यवस्थाओं के विवरण के प्रकटन के प्रति, उसके लिए प्रत्यक्ष तीसरे परंतुके अंतर्गत कठ आमन्त्रिकत होने-देना होता।

उन सविदओं या व्यवस्थाओं या लेन - देन के विषय जो आसन्निक आधार पर नहीं हैं। शून्य

(₹ मिलियन में)

(क) संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति	(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रमुख शर्तें	(ङ) बोर्ड द्वारा अनुमेदन की तिथियों, यदि करने के आविष्ट	(च) बोर्ड द्वारा अनुमेदन की तिथियों, यदि करने के आविष्ट	(ज) धारा 188 के प्रथम परामुख के अनुगत यथा अपेक्षित चालान्य बैठक में पारित विशेष संकेत की तिथि
क्र. सं.	नाम	संबंध	प्रमुख भार्त	लेन-देन मूल्य	(र) मिलियन में	

2. उन संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेन-देन के विवरण जो आसन्निकट आधार पर हैं।

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	(क) संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ग) अनुबंध कोई सहित अनुबंध व्यवस्था/लेन देन की प्रमुख शर्तें लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध व्यवस्था/लेन देन की प्रमुख शर्तें लेन देन की अवधि कोई है	(ज) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(या), यदि कोई है
	नाम	संबंध				
1	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	कच्चे तेल की विक्री	विव. 23-24 के लिए	(इ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(या), यदि कोई है	(क) अग्रिम के रूप में पुण्यतान की गई राशि यदि कोई है
2	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	प्रौद्योगिक तेल और लुब्रिकेंट / हाई स्पीड ऊर्जात की खिलाद	विव. 23-24 के लिए	कच्चा तेल विक्री करार के अनुसार	152,966.95
3	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	अनुमंगी कंपनी कार्यालय पदा और अनुकरण	विव. 23-24 के लिए	संविदास्तक करार के अनुसार	7,329.54
4	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति एवं अन्य ग्रतिपूर्ति	विव. 23-24 के लिए	वार्ताविक	43.53
5	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	कच्चे तेल के आयात के लिए प्राप्त गारंटी शुल्क	विव. 23-24 के लिए	वार्ताविक	16.00
6	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	गारंटी इक्विटी निवेश	विव. 23-24 के लिए	वार्ताविक	11.77
7	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	वित्तीय गारंटी मूल्य	विव. 23-24 के लिए	वित्तीय गारंटी राशि	21,236.79
8	संगालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुमंगी कंपनी	प्राप्त लाभांश आय	विव. 23-24 के लिए	वार्ताविक	1,255.35



(₹ मिलियन में)

क्र. सं	(क) संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति			(ख) अनुबंध / स्वाक्षरा / लेन देन की प्रकृति			(ग) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /स्वाक्षरा /लेन देन की प्रमुख शर्तें अनुमोदन की तिथि(या) यदि कोई	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /स्वाक्षरा /लेन देन की प्रमुख शर्तें अनुमोदन की तिथि(या) यदि कोई
	नाम	संबंध		(ट) अनुबंध / स्वाक्षरा / लेन देन की अवधि	(ड) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की प्रमुख शर्तें अनुमोदन की तिथि(या) यदि कोई			
9	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	आवीएल की ओर से व्यापित व्यय की प्रतिपूर्ति	विव. 23-24 के लिए अनुसार	संविदास्तक करार के अनुसार	205.10		
10	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	आवीएल को प्रदत्त सेवाएं	विव. 23-24 के लिए अनुसार	संविदास्तक करार के अनुसार	53.66		
11	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	समीक्षा और विश्लेषण प्रभार	विव. 23-24 के लिए अनुसार	संविदास्तक करार के अनुसार	21.93		
12	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	कार्यालय भवन का किशाया	विव. 23-24 के लिए अनुसार	संविदास्तक करार के अनुसार	163.95		
13	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	डीपूर्ण की लिए सामान्य अनुरक्षण सेवाएं	विव. 23-24 के लिए अनुसार	संविदास्तक करार के अनुसार	116.70		
14	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	स्टेट्स सरकारी प्रभार	विव. 23-24 के लिए अनुसार	संविदास्तक करार के अनुसार	65.10		
15	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	आवीएल को प्रदत्त वित्तीय गारंटी हेतु गारंटी शुल्क	विव. 23-24 के लिए एएस उचित मूल्यांकन	गेर नकदी लेनदेन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	458.93		
16	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	वीआईएमएल (ओपीएल की अनुषांगी कर्परी) से गारंटी शुल्क	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	गेर नकदी लेनदेन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	4.80		
17	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	आवीआईएल (ओपीएल की अनुषांगी कर्परी) को प्रदत्त वित्तीय गारंटी	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	गेर नकदी लेनदेन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	3.02		
18	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	आवीएल की ओर से ओएनजीसी द्वारा प्रदत्त वित्तीय गारंटी जारी करने के लिए गारंटी शुल्क	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	गेर नकदी लेनदेन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	424.10		
19	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	आवीएल (ओपीएल की अनुषांगी कर्परी) से गारंटी शुल्क	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	गारंटी शुल्क	196.44		
20	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	आवीएल की ओर से आएनजीसी द्वारा प्रदत्त वित्तीय गारंटी जारी करने के लिए गारंटी शुल्क हेतु मान्य पूँजीगत योगदान	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	गेर नकदी लेनदेन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	-		
21	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	लोकिया की राष्ट्रीय तेल कंपनी के पक्ष में एसिया 43 के लिए 61 मिलियन अमरीकी डॉलर की निधारन गारंटी	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	निधारन गारंटी याचि	2,084.00		
22	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	ओएनजीसी, पूल कंपनी द्वारा लॉक एसएस-04, बांगलादेश के संस्थान में विनांक 27/03/2014 को मेसर्स पेट्रोबांगला के पक्ष में उपादान साझेदारी अनुबंध में निर्धारित कंपनी के दायित्वों के संबंध में गारंटी।	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	निधारन गारंटी याचि	1,367.10		
23	आएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओपीएल)	अनुमति कर्परी	लॉक एसएस-04, बांगलादेश के संस्थान में उपादान साझेदारी अनुबंध में उपादान साझेदारी अनुबंध में निर्धारित कंपनी के दायित्वों के संबंध में गारंटी।	विव. 23-24 के लिए गारंटी शुल्क	निधारन गारंटी याचि	1,392.11		

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	नाम	संबंध	(छ) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रक्रिया		(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रक्रिया	(द) बोर्ड द्वारा अनुमेदन की प्रमुख शर्तें	(इ) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रक्रिया	(ज) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रक्रिया	
			प्रमुख शर्तें	लेन-देन मूल्य (₹ मिलियन में)					
24	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	उत्पादन साइडरी अनुबंध में निर्धारित कंपनी के वायितों के संबंध में उच्चान्तर आयंत्र एंड गेस कॉर्पोरेशन के पक्ष में दिनांक 04/08/2014 को अभितटीय छालेक पीएससी बी-2, स्थानां के संबंध में गारंटी।	विव. 23-24 के लिए निषादान गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	(इ) बोर्ड द्वारा अनुमेदन की प्रमुख शर्तें	(द) बोर्ड द्वारा अनुमेदन की प्रमुख शर्तें	(ज) अधिकारी के रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है	
25	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	हेस कॉर्पोरेशन की एसीजी फिल्हस में 2.72/13% भागीदारी हिस्सेदारी और बीटीसी पाइपलाइन में 2.36% भागीदारी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 10 वर्ष अवधि के लिए यूएसडी बॉन्ड(500 मिलियन) विव. 23-24 के लिए	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	
26	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	जुलाई, 2019 में पुनर्जुटान के लिए देय 750 मिलियन अमरीकी डालर के यूएसडी बाल्ट के आशिक पुर्झुतान के लिए 500 मिलियन अमरीकी डालर का दोषकालिक ऋण	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी 1 बीआरएमएल 6 प्रतिशत वीडियोकॉन 3.25% कूपन 750 मिलियन अमरीकी डालर का दोषकालिक ऋण	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	
27	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	अनुपांगी कंपनी	‘मोनोमिक के लिए वित्तीय गारंटी 1 बीआरएमएल 6 प्रतिशत वीडियोकॉन 3.25% कूपन 750 मिलियन अमरीकी डालर का दोषकालिक ऋण	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	
28	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	अनुपांगी कंपनी	अण्टनीसी, यूल कंपनी द्वारा दिनांक 04/08/2014 को अधिग्रहण छालेक ईपी-3, स्थानां के संबंध में स्थानां और यात्रा एंड गेस कॉर्पोरेशन के पक्ष में उत्पादन साझेदारी अनुबंध में निवारित कंपनी के दायितों के संबंध में गारंटी ।	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	
29	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	अनुपांगी कंपनी	31 मार्च, 2020 को 1775 मिलियन अमरीकी डालर के साथवी ऋण के पूर्ण आशिक भुगतान के लिए 1000 मिलियन अमरीकी डालर का लिया गया दोषकालिक ऋण	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	
30	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	अनुपांगी कंपनी	पारम्परिक वित्तान्याय व्यवस्था के संबंध में ऑनन्जीसी द्वारा प्रदान की गई ऋण सेवा व्यवनवद्धता। ऑनन्जीसी ने मोजास्किक में 16% फीजाई के लिए 3072 मिलियन अमरीकी डोलर की क्रृण सेवा व्यवनवद्धता प्रदान की है। 30 जून, 21 तक परियोजना के लिए 237.30 मिलियन अमरीकी डालर की निकाली हो चुकी है। 16% फीजाई के लिए यह राशि 45.97 मिलियन अमरीकी डालर है।	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि
31	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	अनुपांगी कंपनी	सिंगापुर की ऑनन्जीसी विदेश लैकोस्पेट प्राइवेट लिंग द्वारा सीजेएससी लैकोस्पेट के 11% शेयरों के अधिग्रहण के लिए 875 मिलियन अमरीकी डालर के लिए फाइंडेंस को पुनर्वित करने के लिए लेपीवाई 38 विलियन का साथवी ऋण लिया गया। लेपीवाई 38 विलियन की सुविधा अपेल, 2024 तक देय गारंटी कुल प्रतिवर्षताओं के 103% पर सीमित है।	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि
32	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	अनुपांगी कंपनी	600 मिलियन अमरीकी डालर के बाद के लिए वित्तीय गारंटी 27 जुलाई, 2026 तक देय 3.75% अधीनेल को गारंटी दी गई कुल मूल राशि के 109% तक सीमित	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	
33	एण्टनीसी विदेश लिमिटेड (आवीरत)	अनुपांगी कंपनी	अनुपांगी कंपनी	लाभांश आय प्राप्त हुई अधीनादित	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	विव. 23-24 के लिए वित्तीय गारंटी राशि	



( ₹ मिलियन में )

क्र. सं.	नाम	संबंध	(च) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रक्रिया		(ट) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रमुख शर्तें अनुमति की गई तिथि(यों), यदि कोई	(ब) बोर्ड द्वारा अनुमति की रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है	
			प्रमुख शर्तें	लेन-देन मूल्य (₹ मिलियन में)			
34	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (आवेत्रण)	अनुमंगी कंपनी	परियोगता पर 525 मिलियन यूरो बांड के आंशिक पुर्णांगतान के लिए 500 मिलियन अमरीकी डालर का दीर्घकालिक ऋण लिया गया।	विष. 23-24 के लिए	वित्तीय गारंटी राशि	41,817.91	
35	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (आवेत्रण)	अनुमंगी कंपनी	दिनांक 28 अक्टूबर 2021 को परियोगता पर 525 मिलियन यूरो बांड के आंशिक पुर्णांगतान के लिए 600 मिलियन अमरीकी डालर का दीर्घकालिक ऋण लिया गया।	विष. 23-24 के लिए	वित्तीय गारंटी राशि	51,516.48	
36	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (आवेत्रण)	अनुमंगी कंपनी	अनुमंगी कंपनी 28 जनवरी 2022 को 700 मिलियन अमरीकी डालर के साथी ऋण की शेष राशि के पूर्व भुगतान के लिए 100 मिलियन अमरीकी डालर का दीर्घकालिक ऋण लिया गया।	विष. 23-24 के लिए	वित्तीय गारंटी राशि	8,586.08	
37	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (आवेत्रण)	अनुमंगी कंपनी	अनुमंगी कंपनी 500 मिलियन अमरीकी डालर के साथी ऋण के आंशिक पूर्व भुगतान के लिए 420 मिलियन अमरीकी डालर का दीर्घकालिक ऋण लिया गया, जुलाई 2024 में पुर्णांगतान किया जाना है।	विष. 23-24 के लिए	वित्तीय गारंटी राशि	36,061.54	
38	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (आवेत्रण)	अनुमंगी कंपनी	अनुमंगी कंपनी 550 मिलियन अमरीकी डालर का दीर्घकालिक ऋण पूर्व भुगतान के लिए लिया गया 1000 मिलियन अमरीकी डालर का साथी ऋण मार्च 2025 तक पुर्णांगतान के लिए देय है।	विष. 23-24 के लिए	वित्तीय गारंटी राशि	47,223.44	
39	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	अनुमंगी कंपनी	कच्चा तेल, प्रकृतिक गैस और गोरे पीढ़ी की बिक्री के जुर्मानान के लिए देय है।	विष. 23-24 के लिए	वित्तीय गारंटी राशि	231,751.71	
40	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	अनुमंगी कंपनी	प्रैटोलियम तेल और त्रिक्रिटा / हार्ट स्पीड डीजल की खरीद।	विष. 23-24 के लिए	संविदास्तक करार के अनुसार	1,627.81	
41	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	अनुमंगी कंपनी	प्रचालन और रस्तरखाव सेवाओं की खरीद	विष. 23-24 के लिए	संविदास्तक करार के अनुसार	22.88	
42	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	अनुमंगी कंपनी	कार्यालय भवन कियाया	विष. 23-24 के लिए	संविदास्तक करार के अनुसार	0.12	
43	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	अनुमंगी कंपनी	प्रकीर्ण कारोबारी सहायक सेवाएं	विष. 23-24 के लिए	वातानिक	1.47	
44	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	अनुमंगी कंपनी	लाभांश आय प्राप्त हुई।	विष. 23-24 के लिए	लाभांश	11,682.68	
45	प्राइज पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल की अनुमंगी कंपनी)	अनुमंगी कंपनी	हीरातुर तेल क्षेत्र का विकास।	विष. 23-24 के लिए	संविदास्तक करार के अनुसार	-	
46	पेट्रोनेट एप्प्लिकेशन्स	अनुमंगी कंपनी	लाभांश आय प्राप्त हुई।	विष. 23-24 के लिए	लाभांश	448.57	
47	पेट्रोनेट एप्प्लिकेशन्स	अनुमंगी कंपनी	इक्षिटी शेयरों में निवेश।	विष. 23-24 के लिए	वास्तविक	0.21	
48	ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट	अनुमंगी कंपनी	इक्षिटी लिखत में निवेश।	विष. 23-24 के लिए	वास्तविक	100.00	

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	(क) संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति		(ग) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रमुख शर्तें		(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रमुख शर्तें		(ज) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की प्रकृति	
	नाम	संबंध	देन की अवधि	प्रमुख शर्तें	लेन-देन मूल्य (₹ मिलियन में)	देन की अवधि	तिथि(यो), यदि कोई	अनुमोदन की प्रकृति	तिथि(यो), यदि कोई	अनुमोदन की प्रकृति
49	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (आईआईएल)	अनुमंगी कंपनी	व्यापारियों की प्रतिष्ठिति।	विव. 23–24 के लिए वास्तविक	9.13					
50	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	प्राकृतिक गैस की बिक्री।	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	7,802.99					
51	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	लाभांश आय प्राप्त हुई।	विव. 23–24 के लिए लाभांश	448.00					
52	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (आपल)	संयुक्त उद्यम	कार्यालय आवास के लिए प्राप्त किया और उसी के लिए जमा प्रतिष्ठिति।	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	32.78					
53	ओएनजीसी पेट्रो एडिसन्स	संयुक्त उद्यम	नेत्रों, प्राकृतिक गैस और सी2 – सी3 की बिक्री।	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	69,055.76					
54	ओएनजीसी पेट्रो एडिसन्स लिमिटेड (आपल)	संयुक्त उद्यम	जनशक्ति की प्रतिनियुक्ति	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	13.74					
55	ओएनजीसी पेट्रो एडिसन्स लिमिटेड (आपल)	संयुक्त उद्यम	पाइपलाइन के लिए ग्राहक आरओप्यू प्रभाव।	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	0.44					
56	ओएनजीसी पेट्रो एडिसन्स लिमिटेड (आपल)	संयुक्त उद्यम	पाइपलाइन के लिए ओ एंड एम प्रभाव।	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	37.14					
57	ओएनजीसी पेट्रो एडिसन्स लिमिटेड (आपल)	संयुक्त उद्यम	मान्य इकिटी निवेश – वित्तीय गारंटी लापिल्च एवं अनिवार्य रूप से परियोनीय डिवेंवर पर व्याज की वित्तीय गारंटी के लिए।	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	20.78					
58	ओएनजीसी पेट्रो एडिसन्स लिमिटेड (आपल)	संयुक्त उद्यम	ओपल द्वारा जारी अनिवार्य रूप से परियोनीय डिवेंवर (सीसीटी) के मूल्यांश और कूपन के पुनर्मुकाम हेतु बैकस्टॉपिंग सम्भवन की व्यवस्था।	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	2,212.45					
59	ओएनजीसी टेसी बायोटेक लिमिटेड (आईआईएल)	संयुक्त उद्यम	प्राप्त जैव पुनरुत्थावार	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	490.72					
60	ओएनजीसी टेसी बायोटेक लिमिटेड (आईआईएल)	संयुक्त उद्यम	क्षेत्र अध्ययन प्रभारीं और प्रदत्त कर्तव्योंनां आवास के लिए कियाया	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	0.50					
61	दाहेज एसईजेड लिमिटेड (झोस्फ़ोजेड)	संयुक्त उद्यम	एएईजेड और सी2 – सी3 संयंत्र के लिए पूरा कियाया	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	22.03					
62	इंस्टीचुर गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	संयुक्त उद्यम	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	37.27					
63	इंस्टीचुर गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	संयुक्त उद्यम	इकिटी शेयरों में अधिदान	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	243.60					
64	इंस्टीचुर गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	संयुक्त उद्यम	मान्य पूँजी निवेश–वित्तीय गारंटी दायित्व एवं वित्तीय गारंटी शुल्क का परिशोधन	विव. 23–24 के लिए संविदात्मक करार के अनुसार	42.82					



(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	(क) संचाधित पद्धति के नाम और संबंध की प्रकृति		(प) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(र) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ष) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /व्यवस्था/लेन देन की अवधि	(८) बोर्ड द्वारा अनुमति देने की अवधि	(९) अग्रणी बोर्ड द्वारा अनुमति देने की अवधि
	नाम	संबंध					
65	इंश्युरेंस गेस ग्रिड लिमिटेड (आईजीएल)	संयुक्त उद्यम	पूर्णतः गेस ग्रिड परियोजना के कार्यालयन के लिए ओआईडीबी से आईजीएल द्वारा ₹ 6600 मिलियन रुपये का दीर्घकालिक ऋण लिया गया (20% : ओएनजीसी प्रोट्राई शेयर)।	विष. 23-24 के लिए अनुसार	संविदात्मक करार के अनुसार	1,320.00	
66	एचपी ऑफल गेस प्राइवेट लि. – हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. का जेवी	संयुक्त उद्यम	प्राकृतिक गेस की विक्री।	विष. 23-24 के लिए अनुसार	संविदात्मक करार के अनुसार	35.75	
67	अविका गेस लि. – हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. का जेवी	संयुक्त उद्यम	पीएचएल से हेलिकॉप्टर सेवाओं की हातारिंग।	विष. 23-24 के लिए अनुसार	संविदात्मक करार के अनुसार	11.65	
68	पवन हैम्स लिमिटेड (भारत)	सहयोगी कंपनी	सी2-सी3 में प्रात चुकिया सेवाएं।	विष. 23-24 के लिए अनुसार	संविदात्मक करार के अनुसार	1,183.60	
69	पेट्रोनेट एलानजी लिमिटेड (भिएलएल)	सहयोगी कंपनी	प्रशिक्षण आय	विष. 23-24 के लिए अनुसार	संविदात्मक करार के अनुसार	1,196.49	
70	पेट्रोनेट एलानजी लिमिटेड (भिएलएल)	सहयोगी कंपनी	एलानजी की खरीद (शुद्ध सीमा शुल्क)	विष. 23-24 के लिए वास्तविक	-	-	
71	पेट्रोनेट एलानजी लिमिटेड (भिएलएल)	सहयोगी कंपनी	ग्रात लाभांश आय	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		22,399.81	
72	पेट्रोनेट एलानजी लिमिटेड (भिएलएल)	सहयोगी कंपनी	अंशदान	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		1,875.00	
73	ओएनजीसी सीएसएसएस इस्ट	इस्ट	अंशदान	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		1,194.82	
74	ओएनजीसी सहयोग इस्ट	इस्ट	अंशदान	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		42.22	
75	ओएनजीसी पीआरबीएस इस्ट	इस्ट	अंशदान	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		8,996.97	
76	ओएनजीसी अंशदानी भविष्य निषि इस्ट	इस्ट	अंशदान	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		11,314.11	
77	ओएनजीसी ग्रेचुटी निषि	इस्ट	प्रतिपूर्ति	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		3,055.11	
78	ओएनजीसी ग्रेचुटी निषि	अंशदान		विष. 23-24 के लिए वास्तविक		306.20	
79	ओएनजीसी ग्रेचुटी निषि	इस्ट	किराया और अन्य आय	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		3.57	
80	ओएनजीसी एनजी सेटा इस्ट	इस्ट	अनुसंधान एवं विकास के लिए योगदान	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		100.00	
81	ओएनजीसी फारउंडेशन	इस्ट	सोसाइटी गतिविधियां	विष. 23-24 के लिए वास्तविक		2,263.53	

ह./—  
(अरुण कुमार सिंह)  
अध्यक्ष एवं सीईआ



## ऊर्जा संरक्षण प्रौद्योगिकी समावेशन और विदेशी मुद्रा अर्जन एवं बहिर्वाह

### क. ऊर्जा संरक्षण

#### क) ऊर्जा संरक्षण के लिए किए गए उपाय

- वित्तीय वर्ष 24 में आंतरिक ऊर्जा संपरीक्षकों के माध्यम से ओएनजीसी में विभिन्न रिगों/प्रतिष्ठानों में 322 ऊर्जा संपरीक्षाएं की गईं।
- एलईडी लाइटिंग कार्यक्रम के कार्यान्वयन के तहत ओएनजीसी के विभिन्न कार्य केंद्रों में वित्तीय वर्ष 24 के दौरान 5,049 एलईडी लाइटें संस्थापित की गईं। ओएनजीसी में अब तक कुल 3.6 लाख एलईडी लाइटें लगाई जा चुकी हैं। इससे वर्ष में लगभग 76.7 मिलियन यूनिट (एमयू) की विद्युत ऊर्जा और ₹540 मिलियन की मौद्रिक बचत हुई है।
- उरण संयंत्र में पलेयर गैस रिकवरी यूनिट के कारण वित्त वर्ष 24 में कुल 17.54 एमएमएससीएम गैस की बचत हुई। ₹333.26 मिलियन (₹19/एससीएम) का मौद्रिक लाभ और संबंधित पर्यावरणीय लाभ। साथ ही प्रक्रिया अनुकूलन के कारण कुल 68.65 एमएमएससीएम गैस की बचत हुई। ₹1,304 मिलियन (₹19/एससीएम) का मौद्रिक लाभ और संबंधित पर्यावरणीय लाभ।
- हजार संयंत्र में, 4 सबस्टेशनों में 960 केवीएआरईच क्षमता के 10 कैपेसिटर बैंक लगाए गए। सभी कैपेसिटर को लाइन में लगाने पर अपेक्षित बिजली की बचत 2.8 एमवीए है, जिससे बिजली की बचत के कारण वार्षिक मौद्रिक बचत ₹120 मिलियन होगी।
- दक्षता बढ़ाने के लिए पायलट आधार पर परिसंपत्ति में गैस कंप्रेसर में से एक पर स्ट्रेट फ्लो वाल्व (सक्षान और डिस्चार्ज वाल्व) लगाए गए। कंप्रेसर की कुल प्रवाह दर में 5.4% सुधार हुआ तथा विशिष्ट ईंधन खपत में 3.87% की कमी आई।

#### ख) ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग के लिए उठाए गए कदम:

- ओएनजीसी में कुल संस्थापित पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 153.9 मेगावाट है। वित्त 24 के दौरान, इन पवन ऊर्जा संयंत्रों से कुल 175.7 मिलियन यूनिट बिजली उत्पन्न की गई।
- वित्त वर्ष 2024 के दौरान कुल 3 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र संस्थापित किए गए हैं। 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार, ओएनजीसी में कुल संचयी संस्थापित सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 193.7 मेगावाट (पवनरु 153.9 मेगावाट और सौररु 39.8 मेगावाट) हो गयी है। वर्ष 2023–24 के दौरान सौर ऊर्जा से कुल 62.1 मिलियन यूनिट बिजलीउत्पन्न की गई। कुल उत्पादित नवीकरणीय ऊर्जा वित्त वर्ष 24 में 237.8 मिलियन यूनिट रही।

#### ग) ऊर्जा संरक्षण उपकरणों पर पूंजी निवेश:

वित्त वर्ष 2024 के दौरान चालू किए गए सौर-आधारित बिजली संयंत्रों पर कुल पूंजी व्यय ₹277.9 मिलियन था। संबंधित विवरण इस प्रकार हैं—

- कैम्बे में 2 मेगावाट का सौर संयंत्र: ₹175.3 मिलियन।
- काकिनाडा में 1 मेगावाट का सौर संयंत्र: ₹102.6 मिलियन।

### ख. प्रौद्योगिकी अवशोषण

वित्त वर्ष 24 के दौरान नई प्रौद्योगिकियों के समावेशन के लिए किए गए प्रयास और उनसे प्राप्त लाभ इस प्रकार थे :

- एफबीए ट्रेसर प्रौद्योगिकी :** कुंड के अंदर कूप की कनेक्टिविटी और द्रव प्रवाह का पता लगाने के लिए सबसे सटीक और निश्चित तकनीक। यह सुविधा क्षेत्र आवीक्षण और निगरानी के हिस्से के रूप में प्रौद्योगिकी को विकसित करने और क्रियान्वित करने के लिए नई पहल करेगी।
- गैस क्रोमैटोग्राफ टैंडेम मास स्पेक्ट्रोमीटर :** टैंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एम/एमएस) बहुत जटिल नमूनों में फेमटोग्राम (एफजी) स्तरों तक ट्रेस एनालाइट्स के विश्लेषण में सह-एल्यूटिंग मैट्रिक्स चोटियों से पृष्ठभूमि को कम करके एनालाइट की संवेदनशीलता को बढ़ाने के लिए मास स्पेक्ट्रोमीटर के भीतर कई चरणों (मास एनालाइजर) का उपयोग करता है। अब ट्रेसर सुविधा का एक हिस्सा, इस उपकरण में ट्रेस तत्व का पता लगाने में त्रुटिहीन सटीकता है।
- सॉलिड फेज एक्स्ट्रैक्टर :** इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के फौल्ड वाटर सैंपल मैट्रिसेस और इमल्शन से रुचि के एनालाइट्स को अलग करने के लिए किया जाएगा। इसे एफबीए ट्रेसर डिटेक्शन में अनुप्रयोग के लिए ट्रेसर सुविधा में जोड़ा गया है।
- हाइड्रोजन जनरेटर :** प्रयोगशाला में उपयोग किए जाने वाले कई हाइड्रोजन गैस सिलेंडर की लागत को कम करने के लिए, ट्रेसर सुविधा में एक हाइड्रोजन जनरेटर जोड़ा गया है।
- सीओ2 कोर फलड उपकरण :** कुंड अध्ययन संस्थान (आईआरएस) ने कार्बन कैचर, उपयोग और भंडारण (आईआरएस) के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन और प्रयोगों को सक्षम करने वाले विंसी टेक्नोलॉजीज फ्रांस द्वारा निर्मित अत्याधुनिक सीओ2 कोर फलड उपकरण को सफलतापूर्वक संस्थापित और प्रवर्तित किया है। यह उपकरण भूमिगत कुंड की स्थितियों की प्रतिकृति करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे कुंड की चट्टानों में सीओ2 के व्यवहार का भौतिक सिमुलेशन

और आकलन करने, वृद्धिशील तेल दोहन की मात्रा निर्धारित करने और साथ ही साथ पृथक्करण क्षमता की स्थापना करने की सुविधा मिलती है। यह अपशिष्ट जल धारा के रासायनिक और भौतिक गुणों का निरंतर मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है, जो अमूल्य, समय—संवेदनशील अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। उपकरण की एक विशेषता इसकी निर्माण सामग्री है, जो हैस्टेलॉय है, जो इसे सीओ2 कोर फलिंग के लिए अनुकूल बनाती है।

6. **उच्च दाब रैप तापमान ऑक्सीकरण (एचपीआरटीओ) मॉड्यूल:** अपग्रेडेशन कनाडा के कैलगरी विश्वविद्यालय के सहयोग से एचपीआरटीओ मॉड्यूल को शामिल करके थर्मल प्रोसेस लैब किया गया था। ऑक्सीकरण और थर्मल क्रैकिंग परीक्षणों के माध्यम से वायु इंजेक्शन प्रक्रिया की गतिजata निर्धारित करने के लिए इसे जोड़ा गया है। उत्पन्न डेटा का उपयोग प्रयोगशाला और क्षेत्र स्तर पर दहन प्रक्रिया के उच्च रिजॉल्यूशन व्यापक प्रतिक्रिया मॉडल को विकसित करने के लिए किया जाता है।
7. **उच्च दाब उन्नत इंजेक्शन (एचपीएआई) प्रणाली :** एचपीएआई प्रणाली को कनाडा के कैलगरी विश्वविद्यालय की मदद से मौजूदा प्रणाली में एक उन्नयन के रूप में जोड़ा गया है ताकि हाइब्रिड थर्मल ईंओआर प्रक्रियाओं की व्यवहार्यता परीक्षणों को सक्षम किया जा सके जो तेल के दोहन में सुधार करने के लिए फोम, विलायक, या फ्लू गैस/सीओ2 जैसे अतिरिक्त एजेंटों के साथ हवा और भाप को एकीकृत करता है।
8. **हैस्लर कोर होल्डर :** कई दबाव नल के साथ हैस्लर प्रकार का कोर होल्डर उच्च तापमान और उच्च दबाव कुंड स्थितियों में कोर विस्थापन अध्ययन करने के लिए उपयोगी होगा।
9. **कच्चे तेल से प्रदूषित मिट्टी का फाइटोरेमेडिएशन :** सी—II जीवाणु समूह की उपस्थिति में देशी पौधों की प्रजातियाँ जैसे कि काउपिया (विग्ना अनगुइकुलाटा) और एलिफेंट ईयर (कोलोकैसिया एस्कुलेटा) और वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग मिट्टी के नमूनों में कच्चे तेल के संदूषण को कम करने के लिए सफलतापूर्वक किया गया। यह प्रक्रिया मिट्टी में कच्चे तेल के संदूषण का शोधन करने के लिए एक लागत प्रभावी और संधारणीय तरीका प्रदान करती है।
10. **लिथो—पेट्रो—इलास्टिक (एलपीई) व्युक्त्रम प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन :** लिथो—पेट्रो—इलास्टिक (एलपीई) पेट्रेल में एक व्युक्त्रम मॉड्यूल है और यह फेसीज और इलास्टिक गुणों के प्री—स्टैक संयुक्त व्युक्त्रम को पूरा करने की सुविधा प्रदान करता है। यह फेसीज प्रवृत्ति का उपयोग करता है, जो बरियल डायजेनेसिस को पकड़ता है, एकल कम आवृत्ति मॉडल की आवश्यकता को प्रतिस्थापित करता है और कूपों से बायस को कम करता है।
11. **विटेज रसी लॉग के पेट्रोफिजिकल मूल्यांकन के लिए व्यापक प्रक्रिया तैयार की गई है जो मजबूत पेट्रोफिजिकल मॉडलिंग में मदद करेगी।**
12. **जीसी—ईए—आईआरएमएस :** अत्याधुनिक जीसी—ईए—आईआरएमएस खरीदा गया है और स्टेबल आइसोटोप लैब में संस्थापित किया गया है, जिसे ओएनजीसी में दिनांक 21.11.2023 को पहली बार संस्थापित किया गया है। इस नए उपकरण का उपयोग तेलों और तलछट के नमूनों की आइसोटोपिक फिंगर प्रिंटिंग के लिए किया जाएगा जो तेल से तेल और तेल से स्रोत के सहसंबंध बनाने में फायदेमंद होगा।
13. **रियोमीटर :** प्रेशर सेल (400 बार) के साथ अत्याधुनिक उपकरण नए रियोमीटर का उपयोग 2000 सेल्सियस तक के तापमान और विशेष दबाव (वायुमंडलीय से 400 गुणा) पर पानी आधारित जेल पॉर्मूलेशन और अन्य द्रव नमूनों की श्यानता माप करने के लिए किया जाएगा, जो पानीच्छाइटर घटकों के वाष्णीकरण के कारण प्रेशर सेल के बिना रियोमीटर में संभव नहीं था। यह कई भूकंपीय विशेषता वॉल्यूम को एक साथ एकीकृत करने में सक्षम बनाता है और कलस्टरिंग एलोरिदम के माध्यम से अपर्यवेक्षित वर्गीकृत वॉल्यूम प्रदान करता है। यह महत्वपूर्ण भूकंपीय विशेषता विश्लेषण समय बचाता है और साथ ही डेटा में उपलब्ध छिपे हुए पैटर्न या जानकारी के खनन को सक्षम बनाता है जो अन्यथा मैन्युअल रूप से संभव नहीं है। इस सॉफ्टवेयर के लिए कॉपीराइट प्राप्त कर लिया गया है।
14. **सीसलिटिक्स :** यह अपर्यवेक्षित मशीन लर्निंग का इन—हाउस एआई/एमएल ओपन सोर्स—आधारित पायथन सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है। यह कई भूकंपीय विशेषता वॉल्यूम को एक साथ एकीकृत करने में सक्षम बनाता है और कलस्टरिंग एलोरिदम के माध्यम से अपर्यवेक्षित वर्गीकृत परिमाण प्रदान करता है। यह महत्वपूर्ण भूकंपीय विशेषता विश्लेषण समय बचाता है और साथ ही डेटा में उपलब्ध छिपे हुए पैटर्न या जानकारी का खनन करने में सक्षम बनाता है जो अन्यथा मैन्युअल रूप से संभव नहीं है। इस सॉफ्टवेयर के लिए कॉपीराइट प्राप्त कर लिया गया है।
15. **वेललिटिक्स :** यह कलस्टर कूप संलेख कर्व्स का विश्लेषण करने और कलस्टर करने के लिए अपर्यवेक्षित मशीन लर्निंग का एक इन—हाउस विकसित सॉफ्टवेयर अनप्रयोग है। कुल 8 अपर्यवेक्षित मशीन—लर्निंग एलोरिदम को लागू किया गया है और वेललिटिक्स में एकीकृत किया गया है। यह कलस्टरों की इष्टतम संख्या तय करने में मदद करता है और कलस्टरों को फेशिंज को सौंपा जा सकता है। इस सॉफ्टवेयर के लिए कॉपीराइट प्राप्त कर लिया गया है।
16. **एमएच परिसंपत्ति में आईडीएस (एकीकृत डिजिटल विश्लेशिकी प्रणाली) :** यह परिसंपत्ति तंत्र हाइब्रिड मॉडलिंग पर आधारित है, जिसका आधार भौतिकी—आधारित मॉडलिंग है।
17. **एनएच परिसंपत्ति में फिशबोन एसिड जेटिंग उत्प्रेरण तकनीक:** नॉर्वे के मेसर्स फिशबोन्स एएस की फिशबोन एसिड जेटिंग उत्तेजना तकनीक को दो—कूपों में क्रियान्वित किया गया था। इस तकनीक को एनएच परिसंपत्ति के कूप अन्वेषण आर—12—10 और साइडट्रैक कूप बी—173—एसी2जेड में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया था।



18. **इन–सीटू मरीन ग्रोथ प्रिवेंटर (एमजीपी) की संस्थापना :** अपतट में लेगों, मेम्बर्स, संरचनाओं पर समुद्री विकास का जमाव संरचना पर स्थैतिक भार और ड्रैग बलों को बढ़ाता है। इन–सीटू मरीन ग्रोथ प्रिवेंटर (एमजीपी) जैकेटड्मेंबर्स के लेगों के चारों ओर लगाए गए छल्ले हैं। ये छल्ले समुद्री तरंगों के साथ चलते हैं और समुद्री जमा को हटाते हैं और मेंबर्स के आसपास नए जमा को रोकते हैं। यह समुद्री विकास को हटाने और जैकेट के लेगों, मेंबर्स आदि से आगे समुद्री विकास को रोकने के लिए एक लागत प्रभावी तकनीक है। हीरा और नीलम फील्ड में 95 एमजीपी लगाए गए हैं।
19. **मेसर्स टैचियस द्वारा एआई/एमएल आधारित डेटा भौतिकी तकनीक का उपयोग करके हीरा और दक्षिण हीरा क्षेत्रों में वाटर-फ्लड अनुकूलन :** पहले टीआईबी के आधार पर, मेसर्स टैचियस द्वारा एआई/एमएल आधारित डेटा भौतिकी तकनीक को जून–2022 से डब्ल्यूआई अनुकूलन के लिए हीरा क्षेत्र में पायलट आधार पर अपनाया गया है। अध्ययन की सिफारिश मार्च–2023 से दक्षिण हीरा में क्रियान्वित की गई है। उत्तर–मध्य हीरा में 80% कूपों में कार्यान्वयन पूरा हो गया है।
20. **सब–हाइड्रोस्टेटिक कूपों के वर्कओवर के लिए सेल्फ–डिग्रेडेबल लॉस कंट्रोल पिल :** सब–हाइड्रोस्टेटिक कूपों के वर्कओवर के दौरान द्रव के नुकसान को नियंत्रित करने के लिए, आईपीईओटी ने पॉलीलैविट्क एसिड (पीएलए) से युक्त एक नया सेल्फ–डिग्रेडेबल लॉस कंट्रोल पिल विकसित की है। राजमुंदरी परिसंपत्ति के केवी:18 कूप में पिल को 04 जनवरी, 2024 को क्रियान्वित किया गया है। पीएलए पिल की नियोजन के बाद, स्थैतिक नुकसान काफी कम हो गए और परिसंचरण सफलतापूर्वक स्थापित हो गया, जिससे वर्कओवर ऑपरेशन समय पर पूरा हो गया।
21. **कुंड छिद्रण और पारगम्यता के मापन के लिए पोरो–पर्म प्रणाली :** – इस उपकरण का उपयोग कोर प्लग की गैस छिद्रण और पारगम्यता को मापने के लिए किया जा सकता है। पोरो–पर्म प्रणाली का उपयोग करके कोर नमूने की पारगम्यता का बेहतर मापन कुंड में हाइड्रोकार्बन प्रवाह क्षमता का संकेत देता है ताकि किसी दिए गए कूप से उत्पादन क्षमता, कुंड में विषमता, उत्प्रेरण द्रव का चयन का अनुमान लगाया जा सके। मैट्रिक्स एसिडाइजेशन, एसिड फ्रैक और हाइड्रो फ्रैक्चर के लिए उपयुक्त लक्ष्य कूपों का चयन करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण इनपुट है।
22. **अंकलेश्वर परिसंपत्ति में प्लंजर लिफ्ट सिस्टम :** पायलट आधार पर 05 इंटरमिटेंट लिफ्ट तेल कूपों में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। आंतरायिक गैस लिफ्ट कूपों में कृत्रिम लिफ्ट के एक मोड के रूप में प्लंजर लिफ्ट की संस्थापना ने तरल फॉलबैक में कमी को पूरा किया और साथ ही इससे आवश्यक अंतर्क्षेपण गैस की मात्रा में कटौती करके जीएल सिस्टम की दक्षता में सुधार होगा। कुल मिलाकर 15 टीपीडी का तेल लाभ प्राप्त हुआ।
23. **अंकलेश्वर परिसंपत्ति में अनुनाद आवृत्ति उत्प्रेरण तकनीक:** दिनांक 08/09 जुलाई, 2023 को रिग पर यह कार्य करके कूप जीएनडी: 717 में काम निष्पादित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप नगण्य तेल लाभ हुआ। प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के लिए और अधिक कूपों की पहचान की जा रही है।
24. **एक्सपेंडेबल सीमेंट स्लरी (ईसीएस) – कैम्बे :** एक अभिनव कम लागत वाला स्वदेशी विस्तारक योजक (डेड बर्न मैनेसेसाइट) सीमेंट के साथ मिलाया जाता है जो सिमेंट कॉलम में एक्सपेंडेबल योजक गुण डालता है और माइक्रो चैनलिंग समस्या को समाप्त करता है। ईसीएस का उपयोग सभी मध्यवर्ती आवरण सिमेंटेशन (यदि पे–जोन उपलब्ध होता है) और उत्पादन आवरण सिमेंटेशन कार्य में किया जाता है।
25. **रासायन मुक्त टिनी–बबल प्रौद्योगिकी आधारित ईटीपी (300 केरेलडी) – कैम्बे परिसंपत्ति :** उत्पादित अपशिष्ट जल के शोधन के लिए अगली पीढ़ी की तकनीक, उत्पादित जल के शोधन के लिए किसी भी रसायन की आवश्यकता के बिना वैधानिक मानदंडों को पूरा करता है, जिसके लिए, उपकरणों और डिजाइन की गई प्रक्रियाओं के एक सेट की आवश्यकता होती है। यह डिजाइन अपशिष्ट निपटान के वैधानिक दिशानिर्देशों को पूरा करने के लिए इनलेट अपशिष्ट जल का शोधन करता है।
26. **हाइड्रोलिक पंपिंग यूनिट :** हाइड्रोलिक पंपिंग यूनिट प्रणाली, पारंपरिक एसआरपी स्थापना का एक विकल्प, अधिक अपतटीय परिसंपत्तियों को कवर करने के लिए विस्तारित किया गया है। इन इकाइयों में रिमोट कंट्रोल, ॲटो–इको मीटरिंग, डायना–कार्ड जनरेशन, वैशिष्टिक अपस्ट्रोक/डाउनस्ट्रोक स्पीड और पंप दक्षता बढ़ाने के लिए ऊपर/नीचे पॉज आदि जैसे कई तकनीकी लाभ प्राप्त होते हैं।
27. **एसआरपी यूनिट ऑनलाइन मॉनिटरिंग डिवाइस :** एसआरपी स्थिति, बिजली की स्थिति और एसआरपी यूनिट के अन्य विद्युत मापदंडों की दूरस्थ निगरानी के लिए आईओटी आधारित एसआरपी कूपों की ऑनलाइन निगरानी प्रणाली।
28. **प्लाज्मा पल्स प्रौद्योगिकी :** अहमदाबाद में 5 कूपों में बीएआरसी प्लाज्मा पल्स उपकरण का उपयोग –
- **डब्ल्यूएस अहमदाबाद :** उनमें से 3 अलग–अलग प्रोफाइल के तेल उत्पादक थे, एक डब्ल्यूआई था और दूसरा पीआई था। 3 तेल कूपों में से 2 में तरल और तेल में वृद्धि हुई थी या तेल और तरल का समान स्तर बहाल हो गया था। अन्य तेल कूपों में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं देखा गया था। 2 इंजेक्टर कूपों में इंजेक्टिविटी समान रही या थोड़ी कम हुई।

- **डब्ल्यूएस मेहसाणा :** एक कूप में इंजेक्टिविटी में सुधार देखा गया (एसिड उत्प्रेरण के बाद) और संभवतः तेल लाभ हुआ। अन्य कूप में, एसिड उत्प्रेरण के बिना इंजेक्टिविटी में सुधार हुआ, हालांकि तेल लाभ नहीं देखा गया।
  - 29. सॉफ्ट टॉर्क रोटरी सिस्टम (सॉफ्ट स्पीड 2, एनओवी) – असम:** सतह पर टीडीएस मापदंडों को स्वचालित रूप से अलग-अलग करके स्टिक-स्लिप शमन प्रदान करता है इसे केवल ईवी श्रृंखला रिंग में क्रियान्वित किया गया है क्योंकि सर्विस द्वारा प्रदान की गई यह प्रणाली केवल एनओवी से सुसज्जित टीडीएस के साथ काम कर सकता है।
  - 30. अक्षीय दोलन उपकरण (एजिटेटर टूल, एनओवी) – असम :** स्ट्रिंग को अक्षीय दोलन प्रदान करने वाला डाउन-होल टूल जिससे स्लाइडिंग संचालन के दौरान स्ट्रिंग/स्टेबलाइजर को निचले हिस्से में लटकने से रोका जा सके। ड्रिलिंग सर्विसेज, असम परिसंपत्ति में 1 वर्ष के लिए पायलट प्रोजेक्ट निष्पादित किया जा रहा है 1 वर्ष सितंबर, 2024 में पूरा हो जाएगा।
  - 31. सीएसएस एसजी स्लरी (साइविल स्टीम स्टिमुलेशन)** कूपों के लिए 1.44 एसजी स्लरी को हॉलो ग्लास स्फीयर (एचजीएस 4के28) का उपयोग करके इन-हाउस विकसित किया गया था और इसे पहली बार किसी भी ओएनजीसी अपतटीय परिसंपत्ति (मेहसाणा) में फील्ड-क्रियान्वयन किया गया था ताकि सीमेंटेशन के दौरान नुकसान को कम किया जा सके और उन क्षेत्रों में सीमेंट की सतह को ऊपर उठाया जा सके जहाँ सीएसएस कूपों के लिए ईंजोआर की योजना बनाई गई है। सीएसएस कूपों में सीमेंटेशन के दौरान होने वाले
- नुकसान अपर्याप्त संरचनाओं के कारण होते हैं, जबकि 320 डिग्री सेंटीग्रेड तक के अत्यधिक उच्च तापमान से सीमेंट की परत पर दरारें पड़ सकती हैं और भाप के टूटने से गंभीर खतरे पैदा हो सकते हैं। चुनौतियों का समाधान करने के लिए, अभिनव सीमेंट डिजाइन को हल्का, लचीला और तापीय रूप से अनुकूलन योग्य बनाया गया था। मेहसाणा में 9 कूपों (लंबा क्षेत्र में एलडब्ल्यूकेआई, एलडब्ल्यूकेजे आदि) में 1.44 एसजी सीमेंट स्लरी को क्रियान्वित किया गया है और सभी ने लचि के क्षेत्रों में अच्छे सीमेंट बंधन दर्ज किए हैं।
- 32. कॉरपोरेट विजुअलाइजेशन सेंटर, 'ओएनजीसी दर्पण' :**
- यह भारत में अपनी तरह का पहला डिजिटल हब है जो कॉरपोरेट स्तर पर निगरानी करने के लिए एंटरप्राइज डैशबोर्ड पर वास्तविक समय में ओएनजीसी के क्षेत्र परिचालन और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए नवीनतम एआर/वीआर/लाइव फीड /संचार तकनीकों से लैस है।
- 33. रियल टाइम ड्रिलिंग ऑपरेशन सेंटर (आरटीडीओसी) – वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी) देहरादून :**
- ड्रिलिंग और वर्क-ओवर ऑपरेशन की केंद्रीकृत वास्तविक समय निगरानी के लिए, सक्रिय एलईडी वीडियो वॉल और अनुमान विश्लेषण सहित बुद्धिमान निर्णय लेने के लिए विभिन्न उपकरणों से लैस, आरटीडीओसी के डोमेन विशेषज्ञ वास्तविक समय में सभी ड्रिलिंग / वर्क-ओवर रिंग को मूल्यवान सलाह / सेवाएँ प्रदान करते हैं। यह विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग निगरानी के बोझ को कम करता है और इस तरह कई सॉफ्टवेयर / हार्डवेयर आवश्यकताओं को समाप्त करता है।





### आयातित प्रौद्योगिकियों के विवरण (पिछले 3 वर्षों के दौरान) :

क्र.सं.	प्रौद्योगिकी का नाम	आयात का वर्ष	क्या प्रौद्योगिकी का पूरी तरह समावेशन किया गया है	यदि पूरी तरह समावेशित है, वह क्षेत्र जहाँ समावेशन नहीं किया गया है और तत्संबंधी कारण
1	गैस क्रोमेटोग्राफ टैंडम मास स्पेक्ट्रोमीटर (जीसीएमएसएस)	2023–24	हाँ	
2	सॉलिड फेज एक्सट्रैक्टर (एसपीई)	2023–24	हाँ	
3	सीओ2 कोर पलड उपकरण	2023–24	हाँ	
4	हाई प्रेशर रैंप टेम्परेचर ऑक्सीडेशन (एचपीआरटीओ) मॉड्यूल	2023–24	हाँ	
5	हाई प्रेशर एडवार्स्ड इंजेक्शन	2023–24	हाँ	
6	प्रेशर सेल (400 बार) के साथ रिओमीटर उपकरण	2023–24	हाँ	
7	जीसी-ईए-आईआरएमएस	2023–24	हाँ	
8	ब्लू बैक और एक्स-क्रोमा प्लगइन	2023–24	हाँ	
9	अर्ध मॉडल बिल्डिंग प्लगइन	2023–24	हाँ	
10	पश्चिमी अपटट में इन सीटू मरीन ग्रोथ प्रिंटरिंग की स्थापना	2023–24	हाँ	
11	एकीकृत डिजिटल एनालिटिक्स सिस्टम (आईडीएस)	2023–24		क्रियान्वयन अधीन
12	सॉफ्ट टॉर्क रोटरी सिस्टम (सॉफ्ट स्पीड 2, एनओवी)	2023–24		क्रियान्वयन अधीन
13	एक्सियल ऑसिलेशन टूल (एजिटेटर टूल, एनओवी)	2023–24		क्रियान्वयन अधीन
14	एक्सिलिप्स ब्लैक ऑयल सिम्युलेटर, इंटरसेक्ट एनेबलर	2022–23	हाँ	
15	गामा डिटेक्टर सिस्टम (जीडीएस)	2022–23	हाँ	
16	स्पेक्ट्रल	2022–23	हाँ	
17	एक्सेस राइट्स पर पेट्रोल	2022–23	हाँ	
18	एक्सेस राइट्स पर डीएसजी सूट	2022–23	हाँ	
19	एलआर-एलसी कुंडों के लिए एनएमआर आधारित सेचुरेशन हाइट मॉडलिंग	2022–23	हाँ	
20	लैपलिंगन असम परिसंपत्ति के लिए डिजिटल तेल क्षेत्र	2022–23	हाँ	
21	ऑनशोर इनोवेशन एंड मॉनिटरिंग स्फीयर (ओआईएमएस)	2022–23	हाँ	
22	बी एंड एस परिसंपत्ति में केबल कंवैयड ईएसपी	2022–23	हाँ	
23	पश्चिमी अपटट में इन सीटू समुद्री विकास निवारक की संस्थापना	2022–23	हाँ	
24	वेधन के दौरान लाइनर	2022–23	हाँ	
25	एनएच परिसंपत्ति में फिशबोन एसिड जेटिंग उत्प्रेरण	2022–23	हाँ	
26	सीसनेटिक्स (1 प्रसंकरण और 5 विजुअलाइजेशन लाइसेंस)	2021–22	हाँ	
27	एक्सेस राइट्स के आधार पर पेट्रोसिस (20 लाइसेंस)	2021–22	हाँ	
28	एमएच परिसंपत्ति में डीआईएल (डिजिटल इंटेलिजेंट आर्टिफिशियल लिप्ट)	2021–22	हाँ	
29	ई-विल्डकेट 2.0 खचालित वेधन प्रणाली	2021–22	हाँ	
30	केसिंग व्हाइल ड्रिलिंग	2021–22	हाँ	
31	टैकेयस कॉरपोरेशन द्वारा डेटा फिजिक्स ऑप्टिमाइजेशन सॉफ्टवेयर	2021–22	हाँ	
32	आईएचएस मार्किट द्वारा रिजवर्वर एनालोग सॉफ्टवेयर	2021–22	हाँ	
33	आई-नेविगेटर सॉफ्टवेयर	2021–22	हाँ	

वित्तीय वर्ष 24 के दौरान नवाचार/नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के मद में किया गया व्यय :

(₹ मिलियन में)

क्र.सं.	नवोन्मेष और/या प्रौद्योगिकी का नाम	वास्तविक व्यय (कैपेक्स +ओपेक्स)
1	जीसीएमएस/एमएस	16.22
2	सॉलिड फेज एक्सट्रैक्टर	5.96
3	सीओ2 कोर फलड उपकरण	63.54
4	हाई प्रेशर रैंड टेम्परेचर ऑक्सीडेशन (एचपीआरटीओ) मॉड्यूल	99.25
5	हाई प्रेशर एडवांस्ड इंजेक्शन सिस्टम	84.07
6	हेस्लर कोर होल्डर	2.93
7	कच्चे तेल से प्रदूषित मिट्टी का फाइटोरेमेडिएशन	1.00
8	सीसलिटिक्स (पायथन आधारित एआई/एमएल सॉफ्टवेयर)	0.03
9	वेललिटिक्स (पायथन आधारित एआई/एमएल सॉफ्टवेयर)	0.03
10	प्रेशर सेल (400 बार) के साथ रियोमीटर उपकरण	8.47
11	जीसी-ईए-आईआरएमएस	26.32
12	ऑक्सीकरण न्यूनीकरण क्षमता और घुलने वाले ऑक्सीजन के लिए पोर्टबल मल्टीमीटर उपकरण	0.50
13	कोर सैचुरेटर	1.02
14	5 रोबोटिक आर्म के माध्यम से पाइपले बार्ज पर फील्ड जोड़ों पर प्रूजन बॉन्ड एपॉक्सी (एफबीई) आंतरिक कोटिंग। पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र में डब्ल्यूएफ लाइनें	4998.43
15	पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र में बायो-प्रोब्स की शुरुआत	44.32
16	कंप्रेसर के लिए ऑनलाइन डायग्नोस्टिक्स के साथ इलेक्ट्रॉनिक इनिशन मॉड्यूल - अंकलेश्वर	34.74
17	वॉल्यूमेट्रिक दक्षता बढ़ाने के लिए एरियल मेक कंप्रेसर हेतु नए स्ट्रेट फ्लो वाल्व की संस्थापना - अंकलेश्वर	22.50
18	अंकलेश्वर परिसंपत्ति के गैस लिफ्ट और सेल्फ पलो कूपों के लिए वास्तविक समय की निगरानी प्रणाली	19.70
19	एमएच परिसंपत्ति में डीआईएएल (डिजिटल इटेलिजेंट आर्टिफिशियल लिफ्ट)	17.34
20	रिजर्वायर पोरेसिटी और पारगम्यता के मापन के लिए आईपीईओटी द्वारा विकसित पोरो-पर्म सिस्टम	5.87
21	अंकलेश्वर परिसंपत्ति में सूक्ष्म बिखरे हुए गैस बुलबुले के लिए जीएलवी में गैस डायनेमिक जेनरेटर	4.90
22	अंकलेश्वर परिसंपत्ति में अनुनाद आवृत्ति उत्प्रेरण तकनीक	3.10
23	उत्परण संयंत्र में गैस स्वीटनिंग प्रक्रिया के लिए नैनोपार्टिकल-आधारित गहनता ऊर्जा	1.40
24	सब-हाइड्रोस्टेटिक कूपों के वर्कओवर के लिए आईपीईओटी द्वारा विकसित सेल्फ-डिग्रेडेबल लॉस कंट्रोल पिल	0.75
25	कॉर्परेट विजुअलाइजेशन सेंटर, 'ओएनजीसी दर्पण'	458.80
26	रियलटाइम ड्रिलिंग ऑपरेशन सेंटर (आरटीडीओसी)	126.10
27	मेहसाणा में चक्रीय भाप उत्प्रेरण (सीएसएस)	1092.80
28	सॉफ्ट टॉक रोटरी सिस्टम (सॉफ्ट स्पीड 2, एनओवी-असम	13.60
29	एक्सियल ऑसिलेशन टूल (एजिटेटर टूल, एनओवी)-असम	5.01
कुल		7,158.7



## ग. विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

(₹ मिलियन में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 24	वित्तीय वर्ष 23
कुल व्यय	2,44,316.04	1,94,328.01
कुल अर्जन	3,432.84	4,714.87

## घ. अनुसंधान एंव विकास व्यय :

वित्तीय वर्ष 24 के दौरान अनुसंधान और विकास पर किए गए व्यय के ब्यौरे इस प्रकार हैं :

(₹ मिलियन में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 24	वित्तीय वर्ष 23
अनुसंधान एंव विकास व्यय	6,866.84 (राजस्व : 6171.64 पूँजी : 695.20)	5,698.46 (राजस्व : 5,424.25 पूँजी : 274.21)



## व्यापार उत्तरदायित्व एवं संधारणीयता रिपोर्ट

### खंड क : कंपनी के संबंध में सामान्य सूचना

#### I. सूचीबद्ध कंपनी का विवरण

1	सूचीबद्ध कंपनी की निगमित पहचान संख्या (सीआईएन)	एल 74899 डीएल 1993 जीओआई 054155
2	सूचीबद्ध कंपनी का नाम	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
3	अधिनिगमन का वर्ष	1993
4	पंजीकृत कार्यालय पता	प्लॉट सं. 5ए-5बी, नेल्सन मंडेला मार्ग, दीनदयाल उपाध्याय ऊर्जा भवन, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070, भारत
5	निगमित पता	
6	ई - मेल	<a href="mailto:secretariat@ongc.co.in">secretariat@ongc.co.in</a>
7	दूरभाष	011-26752318
8	वेबसाइट	<a href="http://www.ongcindia.com/">http://www.ongcindia.com/</a>
9	वित्तीय वर्ष जिसके लिए रिपोर्ट की जा रही है	वित्तीय वर्ष 24
10	स्टॉक एक्सचेंज के नाम जहाँ शेयर सूचीबद्ध हैं	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एवं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज
11	चक्रता पूँजी	62,901.39 मिलियन रुपए
12	आपत्ति हेतु संपर्क व्यक्ति का नाम	श्री दीपक टंडन, ईडी - प्रमुख, सीएम एंड एसजी
13	रिपोर्टिंग परिसीमा	ओएनजीसी एकल
14	आश्वासन प्रदाना का नाम	ब्लूरो वेरिटास
15	प्राप्त आश्वासन का नाम	युक्तिसंगत

#### II. उत्पाद / सेवाएं

##### 16. कारोबार गतिविधियों के विवरण

क्र. सं.	मुख्य गतिविधि का विवरण	कारोबार गतिविधि का विवरण	कंपनी का % टर्नओवर
1.	अन्वेषण और उत्पादन	कच्चे तेल का उत्पादन = 19,471 एमएमटी	46.40%
2.		प्राकृतिक गैस का उत्पादन = 19,974 बीसीएम	47.60%
3.		वीएपी उत्पादन = 2,519 एमएमटी	6.00%

##### 17. कंपनी द्वारा बेचे गए उत्पाद / सेवाएं (कंपनी के 90% व्यापार का लेखांकन)

क्र. सं.	उत्पाद / सेवाएं	एनआईसी कोड	योगदान किए गए कुल टर्नओवर का %
1.	कच्चा तेल उत्पादन	06101/06102	66.38%
2.	प्राकृतिक गैस उत्पादन	06201/06202	24.15%
3.	द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस	19201	3.59%

नोट : क्रम सं. 1 : अपतट के लिए एनआईसी कोड 06101 है और अभितट के लिए 06102 है।

क्रम सं. 2 : अपतट के लिए एनआईसी कूट 06201 है और अभितट के लिए 06202 है।



### III. प्रचालन

18. स्थानों की संख्या जहाँ कंपनी के संयंत्र और/या प्रचालन/कार्यालय अवस्थित हैं

स्थान	संयंत्रों की संख्या	कार्यालयों की संख्या	कुल
राष्ट्रीय	17	19	36
अंतर्राष्ट्रीय	शून्य	शून्य	शून्य

19. कंपनी द्वारा सर्वेक्षण किए गए बाजार

क. स्थानों की संख्या

स्थान	संख्या
राष्ट्रीय (राज्यों की संख्या)	11
अंतर्राष्ट्रीय (देशों की संख्या)	शून्य

ख. कंपनी के कुल व्यवसाय के प्रतिशत के रूप में निर्यात का योगदान कितना प्रतिशत है।

4.33 प्रतिशत

ग. ग्राहकों के प्रकारों का संक्षिप्त विवरण

कंपनी का महत्वपूर्ण राजस्व हिस्सा तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) और अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी) को की गयी बिक्री से प्राप्त होता है। ओएनजीसी कच्चे तेल का उत्पादक है। यह भारत में कच्चे तेल के शोधन और पेट्रोलियम उत्पादों के विपणन में लगी रिफाइनरियों को कच्चे तेल की आपूर्ति करता है। प्रमुख ग्राहकों/रिफाइनरियों की सूची में आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल, एमआरपीएल शामिल हैं। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति मुख्य रूप से गेल को की जाती है।

### IV. कर्मचारी

20. वित्तीय वर्ष के अंत की स्थिति के अनुसार विवरण

क. कर्मचारी और श्रमिक (दिव्यांग कर्मचारी सहित)

क्र. सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
		सं.(क)	सं.(ख)	%(ख / क)	सं.(ग)	%(ग / क)
<b>कर्मचारी</b>						
1	स्थायी कर्मचारी (घ)	15,753	14,278	90.64%	1,475	9.36%
2	स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य (ड)	51	47	92.16%	4	7.84%
3	कुल कर्मचारी (घ+ड)	15,804	14,325	90.64%	1,479	9.36%
<b>श्रमिक</b>						
4	स्थायी कर्मचारी (व)	10,094	9,526	94.37%	568	5.63%
5	स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य (छ)	454	448	98.68%	6	1.32%
6	कुल कर्मचारी (व+छ)	10,548	9,974	94.56%	574	5.44%

## ख. दिव्यांग कर्मचारी एवं श्रमिक

क्र.सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
		सं.(क)	सं.(ख)	%(ख / क)	सं.(ग)	%(ग / क)
<b>दिव्यांग कर्मचारी</b>						
1	स्थायी कर्मचारी (घ)	308	267	86.69%	41	13.31%
2	स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य (ड)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	कुल कर्मचारी (घ+ड)	308	267	86.69%	41	13.31%
<b>दिव्यांग श्रमिक</b>						
4	स्थायी कर्मचारी (च)	213	184	86.38%	29	13.62%
5	स्थायी कर्मचारी के अलावा (छ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6	कुल कर्मचारी (च+छ)	213	184	86.38%	29	13.62%

## 21. महिलाओं की प्रतिभागिता/समावेशन/प्रतिनिधित्व

	कुल (क)	महिलाओं की संख्या और प्रतिशत	
		सं.(ख)	प्रतिशत (ख / क)
निदेशक मंडल	12	2	16.67%
शीर्ष प्रबंधन कार्मिक	7	1	14.29%

## 22. स्थायी कर्मचारियों और श्रमिकों के लिए (टर्नओवर) की दर

	वि.व. 23–24			वि.व. 22–23			वि.व. 21–22		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
स्थायी कर्मचारी	0.6%	1.2%	0.6%	0.4%	0.8%	0.5%	0.4%	1.1%	0.5%
स्थायी श्रमिक	0.3%	0.4%	0.3%	0.1%	0.5%	0.1%	0.2%	0.2%	0.2%

## V. नियंत्रक, अनुषंगी और सहयोगी कंपनी (संयुक्त उद्यम सहित)

23क). नियंत्रक कंपनी/अनुषंगी कंपनी / सहयोगी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के नाम

नियंत्रक कंपनी/अनुषंगी कंपनी/सहयोगी कंपनियों /संयुक्त उद्यमों के नाम समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 4 में संदर्भित हैं ।

## VI. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विवरण

24. क्या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार सीएसआर लागू हैं : (हाँ/नहीं)

1. क्या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार सीएसआर लागू हैं (हाँ/नहीं)	हाँ
2. टर्नओवर (₹) वित्त वर्ष 2023–24	₹ 1,384,021.31 मिलियन
3. 31.03.2024 को शुद्ध गूल्य	₹ 3,059,765.12 मिलियन



## VII. पारदर्शिता और प्रकटन अनुपालनाएं

25. जवाबदेह कारोबार आचार संबंधी राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अंतर्गत किसी भी सिद्धांतों (सिद्धांत 1 से 9) संबंधी शिकायतें / परिवेदना

हित धारक समूह जिनसे शिकायत प्राप्त हुई	स्थापित शिकायत निवारण तंत्र (हाँ / नहीं) (यदि हाँ, तो शिकायत निवारण के लिए वेबलिंक प्रदान करें)	वित्त वर्ष 23–24			वित्त वर्ष 22–23		
		वित्त वर्ष 23 के दौरान दाखिल शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में निवारण के लिए लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी	वर्ष के दौरान दाखिल शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में निवारण के लिए लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणी
समुदाय	हाँ <a href="https://grievance.ongc.co.in">https://grievance.ongc.co.in</a>	आम नागरिक प्रारम्भिक : 31 प्राप्त : 230	निस्तारण : 208 लंबित : 53	शून्य	आम नागरिक प्रारम्भिक : 16 प्राप्त : 119	निस्तारण : 104 लंबित : 31	शून्य
निवेशक (शेयरधारक)	हाँ <a href="https://ongcindia.com/web/eng/investors/investor-contact">https://ongcindia.com/web/eng/investors/investor-contact</a>	ब्यौरा निगमित अभिशासन रिपोर्ट के पैरा सं. 3 पर दिया गया है।			ब्यौरा निगमित अभिशासन रिपोर्ट के पैरा सं. 3 पर दिया गया है।		
कर्मचारी और श्रमिक	हाँ <a href="https://grievance.ongc.co.in">https://grievance.ongc.co.in</a>	कर्मचारी प्रारम्भिक : 8 प्राप्त : 24	निस्तारण : 21 लंबित : 11	शून्य	कर्मचारी प्रारम्भिक : 16 प्राप्त : 21	निस्तारण : 29 लंबित : 8	शून्य
ग्राहक	हाँ <a href="https://grievance.ongc.co.in">https://grievance.ongc.co.in</a>	ग्राहक प्रारम्भिक : 4 प्राप्त : 22	निस्तारण : 25 लंबित : 1	शून्य	ग्राहक प्रारम्भिक : 0 प्राप्त : 45	निस्तारण : 41 लंबित : 4	शून्य
मूल्य शृंखला साझीदार	हाँ <a href="https://grievance.ongc.co.in">https://grievance.ongc.co.in</a>	विक्रेता प्रारम्भिक : 5 प्राप्त : 65	निस्तारण : 6 लंबित : 64	शून्य	विक्रेता प्रारम्भिक : 38 प्राप्त : 13	निस्तारण : 46 लंबित : 5	शून्य
अन्य (पूर्व कर्मचारी)	हाँ <a href="https://grievance.ongc.co.in">https://grievance.ongc.co.in</a>	पूर्व कर्मचारी प्रारम्भिक : 14 प्राप्त : 47	निस्तारण : 39 लंबित : 22	शून्य	पूर्व कर्मचारी प्रारम्भिक : 42 प्राप्त : 25	निस्तारण : 53 लंबित : 14	शून्य



## 26. कंपनी के महत्वपूर्ण जवाबदेह कारोबार संचालन मुद्दों का संक्षिप्त विवरण

क्र.सं.	अभिज्ञात महत्वपूर्ण मुद्दे	क्या है जोखिम या अवसर (दर्शाएँ)	जोखिम/अवसर के अभिनिर्धारण का औचित्य	जोखिम के मामले में, अपनाना या न्यूनतम करना	जोखिम या अवसर की वित्तीय जटिलताएँ (इंगित करें सकारात्मक या नकारात्मक जटिलताएँ)
1	जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संक्रमण	जोखिम	जलवायु परिवर्तन तेल और गैस उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक चुनौती है, जिसके लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में बदलाव के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। सरकारें और निवेशक कंपनियों से मजबूत अनुकूलन और शमन रणनीतियों को लागू करने की मांग बढ़ा रहे हैं। जलवायु से संबंधित जोखिमों में कंपनी की परिसंपत्तियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने, आर्थिक प्रदर्शन को खराब करने और उपभोक्ता मांग को प्रभावित करने की क्षमता है।	1. वर्ष 2038 तक नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन और स्कोप-1 और स्कोप-2 उत्सर्जन के लिए नेट जीरो रिट्रिट हासिल करने के लिए रणनीति की तैयारी। 2. नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश। 3. वैश्विक और घरेलू विशेषज्ञों और उद्योगों के साथ सहयोग। 4. डीकार्बोनाइजेशन रणनीति तैयार की जा रही है।	नकारात्मक
2	ऊर्जा और उत्सर्जन प्रबंधन	अवसर	तेल और गैस उद्योग को रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि संचालन के लिए अपने सामाजिक लाइसेंस को बनाए रखने के लिए अपनी मूल्य श्रृंखला को डीकार्बोनाइज करने के लिए बढ़ता दबाव। ओएनजीसी के लिए ऊर्जा और उत्सर्जन प्रबंधन विनियमों का अनुपालन करने, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने, परिचालन दक्षता में सुधार करने और बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आवश्यक है। यह दृष्टिकोण जलवायु संबंधी जोखिमों को कम करता है, कंपनी के सामाजिक लाइसेंस को बनाए रखने में मदद करता है, और टिकाऊ उत्पादों की बढ़ती मांग को संबोधित करता है, जिससे दीर्घकालिक रिश्तरता और हितधारक विश्वास सुनिश्चित होता है।	1. ऊर्जा और उत्सर्जन प्रबंधन के लिए व्यापक उपाय और उन्नत तकनीक का क्रियान्वयन 2. गैस कम्प्रेसर की स्थापना द्वारा फ्लैरिंग को कम करना। 3. ऊर्जा कुशल एलईडी स्थापना। 4. नियमित रखरखाव और प्रौद्योगिकी उन्नयन। 5. पाइपलाइन रिसाव को रोकने के लिए एसओपी।	सकारात्मक
3	अपशिष्ट प्रबंधन	जोखिम	ओएनजीसी के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना एक विकल्प हो सकता है। किसी भी वैधानिक आवश्यकता को संबोधित करने के लिए, संसाधनों के पुनः उपयोग का विस्तार करने और संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में सर्कुलरिटी को अनुकूलित करने के अपने उद्देश्य को साकार करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं में लगातार नवाचार करे।	1. खतरनाक और गैर-खतरनाक अपशिष्ट के वैधानिक आवश्यकताओं का पालन 2. ई-अपशिष्ट और खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन योजना। 3. ई-अपशिष्ट को संग्रह केंद्र या रिसाइक्लर या नामित सेवा प्रदाता के माध्यम से निपटान।	नकारात्मक / सकारात्मक
4	निम्न कार्बन और संधारणीय उत्पाद	अवसर	ओएनजीसी सक्रिय रूप से एक व्यापक जलवायु परिवर्तन रणनीति और कम कार्बन इकाई में परिवर्तन के लिए एक रोडमैप विकसित कर रहा है। संधारणीयता को प्राथमिकता देकर, ओएनजीसी का लक्ष्य अपने कार्बन फूटप्रिंट को काफी हद तक कम करना और जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों का समर्थन करना है।	1. आपूर्ति श्रृंखला में संधारणीय उत्पाद का प्राथमिकता निर्धारण 2. प्रचालनों में कार्बन प्रबंधन पर जोर	सकारात्मक



क्र.सं.	अभिज्ञात महत्वपूर्ण मुद्दे	क्या है जोखिम या अवसर (दर्शाएँ)	जोखिम/अवसर के अभिनिर्धारण का औचित्य	जोखिम के मामले में, अपनाना या न्यूनतम करना	जोखिम या अवसर की वित्तीय जटिलताएँ (इंगित करें सकारात्मक या नकारात्मक जटिलताएँ)
5	जल प्रबंधन	जोखिम	जल प्रबंधन ओएनजीसी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। एक जिम्मेदार कंपनी के रूप में, ओएनजीसी सामाजिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अपने संचालन में जल उपयोग की निगरानी और नियंत्रण करती है।	<ol style="list-style-type: none"> <li>संधारणीय जल प्रबंधन प्रथाओं में निवेश।</li> <li>जहां भी संभव हो, सभी कार्यों में पानी का पुनर्चक्रण।</li> <li>प्रचालन से उत्पादित पानी का शोधन और निपटान, जहां भी संभव हो, उत्पादित पानी का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण किया जाता है।</li> </ol>	नकारात्मक
6	वायु गुणवत्ता	जोखिम	वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए जीएचजी उत्सर्जन को कम करना विनियामक अनुपालन और पर्यावरणीय प्रभाव के प्रबंधन के लिए आवश्यक है। प्रभावी उत्सर्जन नियंत्रण उपायों को लागू करने से सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा होती है, प्राकृतिक परिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण होता है, और परिचालन दक्षता और पर्यावरणीय संधारणीयता में वृद्धि होती है।	<ol style="list-style-type: none"> <li>प्रचालन स्थलों के आसपास वायु गुणवत्ता की निगरानी।</li> <li>फ्लेयर गैस और वीओसी उत्सर्जनों की निगरानी।</li> <li>फ्लेयर गैस रिकवरी यूनिटों जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर फ्लेयरिंग को कम करना।</li> <li>बिजली आवश्यकताओं के लिए स्वच्छतर ईंधन का उपयोग।</li> </ol>	नकारात्मक
7	जैव विविधता और पारि-प्रणाली संरक्षण	जोखिम	जैवविविधता की हानि और पारिस्थितिकी तंत्र का क्षरण कंपनी की प्रतिष्ठा और संरक्षण नियमों के अनुपालन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। जैवविविधता संरक्षण को सक्रिय रूप से संबोधित करने से विश्वास बढ़ता है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति ओएनजीसी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।	<ol style="list-style-type: none"> <li>ओएनजीसी जहां भी लागू हो, एमओईएफ एंड सीसी को ईसी लागू करने से पहले निर्दिष्ट धनराशि के साथ राज्य बन्यजीव प्रभाग को अपनी संरक्षण योजना प्रस्तुत करता है।</li> <li>कंपनी प्रचालन शुरू करने से पहले पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन आयोजित करती है, और अपने पर्यावरण प्रबंधन योजना के हिस्से के रूप में जैव विविधता संरक्षण के लिए धन अलग रखती है, जिसमें शमन उपाय शामिल हैं।</li> <li>ओएनजीसी अपने परिचालन के दौरान वनस्पतियों और जीवों के उचित संरक्षण को बनाए रखने के लिए लगातार संचेतन प्रयास कर रहा है।</li> <li>पर्यावरण संरक्षण कंपनी के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली भी शामिल है।</li> </ol>	नकारात्मक
8	मानव अधिकार	जोखिम	ओएनजीसी के पदविहार और इसके परिचालन सुविधाओं में आपूर्तिकर्ताओं के व्यापक नेटवर्क को ध्यान में रखते हुए, सभी कर्मचारियों के लिए उचित वेतन, सुविधित कार्य परिस्थितियाँ, गैर-भेदभाव और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार जैसे मानवाधिकार मुद्दों को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। संघर्षों को रोकने, परिचालन नियंत्रण बनाए रखने और कंपनी के संचालन के लिए सामाजिक लाइसेंस को बनाए रखने के लिए मानवाधिकार मानकों का पालन करना आवश्यक है।	<ol style="list-style-type: none"> <li>मानवाधिकार नीति और शिकायत निवारण तंत्र का क्रियान्वयन।</li> <li>संविदाओं में मानवाधिकार खंड का समावेशन।</li> </ol>	नकारात्मक

क्र.सं.	अभिज्ञात महत्वपूर्ण मुद्रे	क्या है जोखिम या अवसर (दर्शाएँ)	जोखिम/अवसर के अभिनिर्धारण का औचित्य	जोखिम के मामले में, अपनाना या न्यूनतम करना	जोखिम या अवसर की वित्तीय जटिलताएँ (इंगित करें सकारात्मक या नकारात्मक जटिलताएँ)
9	कार्य बल सक्षमता और सहलग्नता	अवसर	कर्मचारी ओएनजीसी की सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं, इसलिए कंपनी के लिए उनके निरंतर विकास में निवेश करना आवश्यक है। कर्मचारी विकास में निवेश करने से ओएनजीसी संगठनात्मक प्रदर्शन और कर्मचारी संतुष्टि को बढ़ाने में सक्षम हो सकता है।	उभरते व्यापार मानक के अनुसार कर्मचारियों की योग्यता निर्माण के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।	सकारात्मक
10	स्वास्थ्य, संरक्षा और सुरक्षा	जोखिम	ओएनजीसी को अपने परिचालन की भौगोलिक स्थिति और तकनीकी जटिलता के कारण कई प्रकार के एचएसई जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इसका कंपनी की प्रतिष्ठा, वित्तीय स्थिति और कर्मचारियों, संविदाकारों और समुदायों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है। ओएनजीसी के प्रमुख एचएसई जोखिम हैं, परिचालन क्षेत्रों में दुर्घटनाओंघटनाओं के कारण जीवन और संपत्ति को खतरा और सुरक्षा मानदंडोंधर्यावरणीय वैधानिक आवश्यकताओं का उल्लंघन। ये जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा, वित्तीय स्थिति और कर्मचारियों, संविदाकारों और समुदायों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर प्रभाव डालते हैं।	<p>इन जोखिमों को प्रबंधित करने और विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए ओएनजीसी के पास एक व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली है। शमनकारी कार्रवाईयों इस प्रकार हैं</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>ओएनजीसी ने प्रोजेक्ट परिवर्तन पहल शुरू की है जो सुरक्षा संस्कृति में सुधार से संबंधित है, जो कर्मचारी जुड़ाव और बेहतर जोखिम प्रबंधन में परिणत होती हैं।</li> <li>ओएनजीसी सभी कर्मचारियों को एचएसई प्रशिक्षण प्रदान करती है।</li> <li>इसके सभी कार्यस्थलों में, इसके प्रचालन संयंत्र आईएसओ 9001, 14001 और 45001 प्रमाणित हैं।</li> <li>ओएनजीसी एचएसई प्रबंधन प्रणाली की प्रभावशीलता को सत्यापित करने के लिए नियमित रूप से संपरीक्षा आयोजित करता है।</li> <li>ओएनजीसी सुरक्षित उद्योग मानकों और स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय नियमों (पीएनजीआरबी) का पालन करता है।</li> <li>सभी कर्मचारियों के लिए पीएमई अनिवार्य है।</li> </ol>	नकारात्मक
11	आपदा प्रबंधन	जोखिम	ओएनजीसी के लिए आपदा प्रबंधन अपने परिचालन क्षेत्रों, कर्मचारियों और आस-पास के समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह वित्तीय जोखिमों को कम करता है, विनियामक अनुपालन को बनाए रखता है, और आपात स्थितियों का प्रभावी ढंग से जवाब देकर और घटनाओं को रोककर कंपनी की प्रतिष्ठा को बनाए रखता है।	<ol style="list-style-type: none"> <li>आपदा प्रबंधन योजनाय</li> <li>आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाय और</li> <li>तेल रिसाव प्रतिक्रिया योजना।</li> </ol>	नकारात्मक
12	समुदाय सहलग्नता	अवसर	कंपनी एक समर्पित टीम के माध्यम से अपनी समिपत्ति टीम, जो अपने प्रचालन क्षेत्रों के आसपास के समुदायों की जरूरतों का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित करती है। सार्वजनिक परामर्श, आरटीआई और लिखित सहमति के माध्यम से उनकी शिकायत का समाधान करना।	ओएनजीसी अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करती है।	सकारात्मक



क्र.सं.	अभिज्ञात महत्वपूर्ण मुद्दे	क्या है जोखिम या अवसर (दर्शाएँ)	जोखिम/अवसर के अभिनिर्धारण का औचित्य	जोखिम के मामले में, अपनाना या न्यूनतम करना	जोखिम या अवसर की वित्तीय जटिलताएँ (इंगित करें सकारात्मक या नकारात्मक जटिलताएँ)	
13	नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन	अवसर	तेल और गैस उद्योग में नवाचार और तकनीकी उन्नयन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नवप्रवर्तन की प्रक्रिया न केवल व्यक्तिगत कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन को भी प्रभावित करती है अपितु देश की अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ता है। नवाचार ओएनजीसी की आंतरिक संस्कृति और कंपनी के मिशन का एक मुख्य हिस्सा है। ओएनजीसी की मुख्य चुनौती उचित प्रतिभा की पहचान करना और उसे प्राप्त करना, रणनीतिक साझेदारी बनाना और अपने नवाचार प्रयासों की प्रगति का आकलन करने के लिए प्रासंगिक मैट्रिक्स स्थापित करना है।	ओएनजीसी का नवाचार पर विशेष ध्यान है और इसने अपने परिचालन में सुधार लाने और लागत कम करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए इसने अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में निवेश किया है।	1. ओएनजीसी एनर्जी सेंटर (ओईसी) का प्रमुख विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों और अन्य बाहरी एजेंसियों के साथ सहयोगात्मक समझौते हैं। 2. ओएनजीसी हमेशा यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि उसकी तकनीक लागत प्रभावी और सभी नियमों के अनुरूप हो।	सकारात्मक
14	व्यवसाय आचार नीति और पारदर्शिता	अवसर	ओएनजीसी ने अपने मूल मूल्यों के रूप में नैतिकता और सत्यनिटा को लगातार बरकरार रखा है, जिसने हितधारकों के विश्वास और एक मजबूत प्रतिष्ठा की स्थापना को सुगम किया है।	1. ओएनजीसी अपनी मजबूत कॉर्पोरेट प्रशासन प्रथाओं के जरिए निष्पक्षता, जवाबदेही, जिम्मेदारी और पारदर्शिता की गारंटी देता है। कंपनी ने ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली और हिस्सल-ल्लोअर नीति/सतर्कता तंत्र सहित प्रभावी तंत्र स्थापित किए हैं। 2. श्रम कानूनों, स्वास्थ्य और सुरक्षा विनियमों, गैर-भेदभाव, संघ की स्वतंत्रता, सामूहिक सौदेबाजी, मानवाधिकार, अनुबंध प्रबंधन और कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच) का अनुपालन अनिवार्य है।	सकारात्मक	
15	विधिक और विनियामकीय परिवेश की अनुपालना	जोखिम	विनियामक परिवेश, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं और समय-सीमा में परिवर्तन को अपनाना व्यवसायों के लिए चुनौतियाँ पैदा करता है, विशेष रूप से अनुपालन करते रहने और विधिक उल्लंघनों से बचने के लिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ओएनजीसी आवश्यक मानकों को पूरा करती है और नियामक सीमाओं के भीतर रहती है, कंपनी अपने प्रदर्शन उद्देश्यों को अनुपालन आवश्यकताओं के साथ संरेखित करती है।	उपायों को लागू करके, ओएनजीसी अनुपालन जोखिमों को कम करता है और अधिक नैतिक और जिम्मेदार तरीके से काम करता है। 1. ओएनजीसी के पास एक मजबूत अनुपालन प्रबंधन प्रणाली है जिसमें नीतियां, प्रक्रियाएं और दिशानिर्देश शामिल हैं। 2. नैतिक और जिम्मेदार व्यावासायिक प्रथाओं के प्रति ओएनजीसी की प्रतिबद्धता कंपनी की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है और नए ग्राहकों और निवेशकों को आकर्षित करती है। 3. ओएनजीसी अनुपालन की आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करता है। 4. ओएनजीसी निर्धारित कानूनों और विनियमों की कंपनी द्वारा अनुपालन का आकलन करने के लिए तीसरे पक्ष से संपरीक्षा आयोजित करता है।	नकारात्मक	
16	संकट और जोखिम प्रबंधन	जोखिम	संकट और जोखिम प्रबंधन ओएनजीसी की पूँजी और कमाई के लिए खतरों की पहचान, आकलन और प्रबंधन की प्रक्रिया है। ये जोखिम वित्तीय अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक परिदृश्यों, कानूनी देनदारियों, प्रौद्योगिकी मुद्दों, रणनीतिक प्रबंधन त्रुटियों, दुर्घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं सहित विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होते हैं।	कंपनी की एक सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन नीति है। जोखिम प्रबंधन समिति, लेखा परीक्षा समिति और बोर्ड द्वारा प्रभावी जोखिम ढांचे और जोखिम पोर्टफोलियो की सावधिक निगरानी की जाती है। साथ ही ऐसे नये जोखिमों की पहचान की जाती है जो लंबे समय में इसके मूल्य सृजन करने की इसके सामर्थ्य को प्रभावित कर सकती है।	नकारात्मक	

## खंड ख : प्रबंधन और प्रक्रिया प्रकटन

क्र.सं.	प्रकटन प्रश्न	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9	
1	क. क्या आपकी कंपनी की नीति/वीतियाँ एनजीआरजीसी के प्रत्येक सिद्धांतों और इसके मूल तत्वों को कवर करती हैं। (हाँ/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	
	ख. क्या इस नीति को बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त है? (हाँ/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	
	ग. नीतियों की वेब लिंक, यदि उपलब्ध है?	क	ख	ग	घ	ड	च	छ	ज	झ	
		क: <a href="https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/3006_316_wb30052019.pdf/f57e9f93-0ede-8e52-007c-fdaccc117b0">https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/3006_316_wb30052019.pdf/f57e9f93-0ede-8e52-007c-fdaccc117b0</a>	ख: <a href="https://ongcindia.com/documents/77751/2660534/corpenvpolicy151222.pdf">https://ongcindia.com/documents/77751/2660534/corpenvpolicy151222.pdf</a>	ग: <a href="https://ongcindia.com/documents/77751/1767704/2204_hsepolicy040222.pdf/c521020b-6de8-4aa6-a047-a1f976b8d4ea">https://ongcindia.com/documents/77751/1767704/2204_hsepolicy040222.pdf/c521020b-6de8-4aa6-a047-a1f976b8d4ea</a>	घ: <a href="https://ongcindia.com/documents/77751/1767704/2204_hsepolicy040222.pdf/c521020b-6de8-4aa6-a047-a1f976b8d4ea">https://ongcindia.com/documents/77751/1767704/2204_hsepolicy040222.pdf/c521020b-6de8-4aa6-a047-a1f976b8d4ea</a>	ड: <a href="https://ongcindia.com/web/eng/career/recruitment-policy/hr-policy">https://ongcindia.com/web/eng/career/recruitment-policy/hr-policy</a>	च: <a href="https://ongcindia.com/documents/77751/2660534/corpenvpolicy151222.pdf">https://ongcindia.com/documents/77751/2660534/corpenvpolicy151222.pdf</a>	छ: <a href="https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/4994_248_Amcobm.pdf/9c5b3c75-de33-855a-5cd5-40ae9a8cf18b">https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/4994_248_Amcobm.pdf/9c5b3c75-de33-855a-5cd5-40ae9a8cf18b</a>	ज: <a href="https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/3583_321_56_2017.pdf/c0286794-3226-147b-7962-c2e3edef548b">https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/3583_321_56_2017.pdf/c0286794-3226-147b-7962-c2e3edef548b</a>	झ: <a href="https://ongcindia.com/web/eng/privacy-policy/privacy-policy#:~:text=Except%20as%20set%20out%20in,if%20we%20believe%20that%20such">https://ongcindia.com/web/eng/privacy-policy/privacy-policy#:~:text=Except%20as%20set%20out%20in,if%20we%20believe%20that%20such</a>	
2	क्या कंपनी ने नीतियों को प्रक्रियाओं में परिवर्त किया है? (हाँ/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	
3	क्या सूचीबद्ध नीतियाँ आपके मूल्य शुद्धिता साझादारों तक विस्तारित होती हैं? (हाँ/नहीं)	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	
4	आपकी कंपनी द्वारा अंगीकृत और प्रत्येक सिद्धांत के साथ मानवित्रित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संहिताओं / प्रमाणणों / लेवलों / मानकों (अर्थात् वन प्रबंधन परिषद, फेयरहेंड, वर्षावन गजबोड़, न्यासी) मानक (अर्थात् एसए 8000, आईचारसएएस, आईएएजी, बीआईएस) के नाम	आईएसओ 50001, आईएसओ 9001, आईएसओ 14001, आईएसओ 27001, आईएसओ 45001, आईएसओ 50001, आईएसओ 37001:									
5	तथ्य समय सीमाओं, यदि कोई हो, के अंतर कंपनी द्वारा निर्धारित प्रतिबद्ध तारों उद्देश्यों और लक्ष्यों के प्रति कंपनी का प्रदर्शन	ओएनजीसी कंपनी अधिनियम, 2013 (या सूचीबद्ध संस्थाओं के मामले में सबी (पलओडीआर) विनियम) और पारदर्शिता के प्रावधान का अनुपालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।	सुरक्षा से संबंधित शून्य घटना प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को खरीद और समय पर भगतान समय के लिए एमएसई के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद का 25 प्रतिशत (एसटी/एसटी एमएसई से 4 प्रतिशत और महिला एमएसई से 3 प्रतिशत)	ओएनजीसी एक सावधानिक क्षत्र का उद्यम है और इसका लक्ष्य शून्य गैर-अनुपालन है इसका लक्ष्य शून्य गैर-अनुपालन है और आईएसओ 14001 प्रमाणित है	2038 तक नेट जीरो लक्ष्य। ओएनजीसी के सभी प्रतिष्ठान आईएसओ 14001 प्रमाणित हैं					



क्र.सं.	प्रक्रिया	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
9	क्या कंपनी के पास कोई विशेष बोर्ड समिति/निदेशक हैं जो संधारणीयता से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए उचित दायी हैं? (हाँ/नहीं), यदि हाँ, तो विवरण प्रस्तुत करें।	ओएनजीसी में एक समर्पित कार्बन प्रबंधन एवं संधारणीयता समूह है, जिसका नेतृत्व निदेशक (अन्वेषण) द्वारा किया जाता है।								

10. कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरण :

समीक्षा हेतु विषय	इंगित करें कि क्या निदेशक/बोर्ड की समिति/किसी अन्य समिति द्वारा समीक्षा की गयी थी									आवृत्ति (वार्षिक/अर्द्ध-वार्षिक/ तिमाही/कोई अन्य – निर्दिष्ट करें)																		
	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9										
उपर्युक्त नीति के सापेक्ष प्रदर्शन और अनुवर्ती कार्रवाई	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	सावधिक																		
सिद्धांतों की प्रासंगिकता की वैधानिक अपेक्षाओं का अनुपालन, और किसी गैर-अनुपालना में दोष सुधार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	सावधिक																		
11	क्या कंपनी ने किसी वाहय एजेंसी से अपनी नीतियों का स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन करवाया है? (हाँ/नहीं)। यदि हाँ, एजेंसी का नाम बताएं	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9	नहीं																	

12. यदि ऊपर प्रश्न (1) का उत्तर 'नहीं' है अर्थात् किसी नीति के तहत बिल्कुल कवर नहीं है तो तत्संबंधी कारण बताएं

प्रश्न	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
कंपनी अपने व्यवसाय के लिए सिद्धांतों को महत्वपूर्ण नहीं मानती (हाँ/नहीं)	लागू नहीं								
कंपनी ऐसी स्थिति में नहीं है जहां वह निर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने की स्थिति में हो (हाँ/नहीं)									
कंपनी के पास कार्य के लिए वित्तीय /या मानव और तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं (हाँ/नहीं)									
इसे अगले वित्तीय वर्ष में पूरा करने की योजना है (हाँ/नहीं)									
कोई अन्य कारण (कृपया बताएं)									





## खंड ग : सिद्धांतवार प्रदर्शन प्रकटन

**सिद्धांत 1 :** व्यापार को अपना संचलन एवं शासन सत्यनिष्ठा के साथ, और ऐसे तरीके से करना चाहिए जो नैतिक, पारदर्शी तथा जवाबदेह हो।

### अनिवार्य संकेतक

- वित्त वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांतों पर प्रशिक्षण और जागरूकता द्वारा प्रतिशत कवरेज :

खंड	आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत कवर किए गए शीर्षक/सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रम द्वारा कवर किए गए संबंधित वर्ग के व्यक्तियों का %
निदेशक मंडल	10	सभी तकनीकी और प्रबंधकीय	100%
शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक और निदेशक मंडल और केएमपी के अलावा अन्य कर्मचारी	773	सभी तकनीकी और प्रबंधकीय	80.16%
श्रमिक	621	तकनीकी	54.51%

- वित्तीय वर्ष में नियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों की कार्यवाही (कंपनी या निदेशकों/केएमपी द्वारा) में भुगतान की गई अर्थदंड/जुर्माना/सजा/पंचाट/शमन शुल्क/निपटान राशि का विवरण, निम्नलिखित प्रारूप में। (टिप्पणी: इकाई सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण दायित्व) विनियम, 2015 के विनियम 30 में निर्दिष्ट और इकाई की वेबसाइट पर बताए अनुसार भौतिकता के आधार पर प्रकटीकरण करेगी) :

मौद्रिक				
	एनजीआरबीसी सिद्धांत	विनियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों के नाम	राशि (₹ में)	मामले का संक्षिप्त विवरण, क्या अपील की गयी है? (हाँ/नहीं)
जुर्माना/अर्थदंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
शमन शुल्क	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
गैर-मौद्रिक				
	एनजीआरबीसी सिद्धांत	विनियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों के नाम	राशि (₹ में)	मामले का संक्षिप्त विवरण, क्या अपील की गयी है? (हाँ/नहीं)
कारावास	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
सजा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

- उपरोक्त प्रश्न 2 में प्रकट किए गए दृश्टांतों में, उन मामलों में की गयी अपील/पुनरीक्षण का व्यौरा जहाँ मौद्रिक या गैर-मौद्रिक कार्रवाई के विरुद्ध अपील की गयी है।

मामलों का विवरण	विनियामक/प्रवर्तन एजेंसी/न्यायिक संस्थान का नाम
लागू नहीं	

- क्या कंपनी की कोई भ्रष्टाचार रोधी या रिश्वत रोधी नीति है? यदि हाँ, तो संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें और यदि उपलब्ध है तो नीति का वेब लिंक दें।

हाँ, ओएनजीसी में एक रिश्वत रोधी नीति है। नैतिकता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित सभी नीतियाँ 'समावेशी' हैं और कंपनी के साथ-साथ इसके कर्मचारियों और अन्य सभी बाहरी हितधारकों को कवर करती हैं। इसमें कानूनों और विनियमों के अनुपालन, गैर-अनुपालन के परिणामों को स्पष्ट करने के साथ-साथ कंपनी के उद्देश्यों को निर्धारित करने, समीक्षा करने और प्राप्त करने के लिए प्रबंधन प्रणालियों की स्थापना पर प्रकाश डाला

गया है। ओएनजीसी सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), सेबी और भारत सरकार के अन्य लागू दिशा-निर्देशों के साथ तालमेल रखते हुए नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही के अपने शासन में निरंतर सुधार के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

नीति का वेबलिंक : [https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/3006\\_316\\_wb30052019.pdf/f57e9f93-0ede-8e52-007c-ffdaccb117b0](https://ongcindia.com/documents/77751/1767719/3006_316_wb30052019.pdf/f57e9f93-0ede-8e52-007c-ffdaccb117b0)

कंपनी की निम्नलिखित नीतियां या दिशानिर्देश हैं जो अपने प्रचालनों में आचार, पारदर्शिता और जवाबदेही का संवर्धन करती हैं :

क. निदेशक और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए आचार संहिता;

ख. प्रत्यायोजित भावितयों की पुस्तक;

ग. निर्देशिका, जैसे, एकीकृत सामग्री प्रबंधन निर्देशिका, वित्त निर्देशिका, सीएसआर निर्देशिका, इत्यादि।

घ. जोखिम नीति जिसमें जोखिम ढांचा और रजिस्टर, जिसमें अभिनिर्धारित जोखिम क्षेत्र और इसकी शमन योजनाएं शामिल हैं, जिसका प्रबंधन और निगरानी एक स्वतंत्र उद्यम जोखिम प्रबंधन अनुभाग (ईआरएम) द्वारा की जाती है।

5. निदेशकों/केएमपी/कर्मचारियों/कर्मचारियों की संख्या जिनके विरुद्ध रिश्वत/भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी :

	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2022–23
निदेशक	शून्य	शून्य
केएमपी	शून्य	शून्य
कर्मचारी	शून्य	शून्य
श्रमिक	शून्य	शून्य

6. हित टकराव के संबंध में शिकायतों का विवरण :

	वित्त वर्ष 2023–24		वित्त वर्ष 2022–23	
	संख्या	टिप्पणी	संख्या	टिप्पणी
निदेशकों के हित टकराव के मुद्दे के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	शून्य	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं
केएमपी के हित टकराव के मुद्दे के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	शून्य	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं

7. भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामले में नियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों द्वारा अर्थदंड/जुर्माना/ की गई कार्रवाई से संबंधित किसी भी मुद्दों पर की गई सुधारात्मक कार्रवाई या की जा रही कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

लागू नहीं

8. निम्नलिखित प्रारूप में संदेय लेखा दिवस की संख्या ((लेखा संदेय\* 365)/प्रचालनों से राजस्व)

	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2022–23
संदेय लेखा दिवस की संख्या		17



## 9. व्यवसाय का खुलापन

व्यापारिक घरानों, डीलरों और संबंधित पक्षों के साथ खरीद और बिक्री के संकेन्द्रण का विवरण, साथ ही संबंधित पक्षों के साथ ऋण और अग्रिम तथा निवेश का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें :

मापदंड	मैट्रिक्स	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2022–23
खरीद का संकेन्द्रन	कुल खरीद के % के रूप में व्यापारिक घरानों से खरीद	लागू नहीं	लागू नहीं
	जिन व्यापारिक घरानों से खरीद की गई है उनकी संख्या	लागू नहीं	लागू नहीं
	कुल खरीद के % के रूप में शीर्ष 10 व्यापारिक घरानों से खरीद	लागू नहीं	लागू नहीं
बिक्री का संकेन्द्रन	कुल बिक्री के % के रूप में डीलरों/वितरक को बिक्री	लागू नहीं	लागू नहीं
	जिन डीलरों/वितरक को बिक्री की गई है उनकी संख्या	लागू नहीं	लागू नहीं
	कुल बिक्री के % के रूप में शीर्ष 10 डीलरों/वितरक को बिक्री	लागू नहीं	लागू नहीं
आरपीटी का हिस्सा	खरीद (संबंधित पक्षों के साथ खरीद/कुल खरीद)	7.37%	2.30%
	बिक्री (संबंधित पक्षों को बिक्री/कुल बिक्री)	32.93%	27.88%
	ऋण और अग्रिम (संबंधित पक्षों को दिए गए ऋण और अग्रिम/कुल ऋण और अग्रिम)	0.024%	0.088%
	निवेश (संबंधित पक्षों में निवेश/कुल निवेश)	62.33%	77.33%

## नेतृत्व संकेतक

### 1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांतों पर मूल्य श्रृंखला भागीदारों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम :

आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत कवर किए गए भीर्शक/सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत कवर किए गए मूल्य श्रृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार)
एमएसएमई विक्रेताओं के साथ व्यवसाय भागीदारों की बैठक, अंकलेश्वर परिसंपत्ति में 30 से अधिक एमएसएमई ने भाग लिया	ओएनजीसी ने अपने वैल्यू चेन पार्टनर के लिए विक्रेता बैठक और जागरूकता सत्र आयोजित किए, जिसमें निम्नलिखित विषय शामिल थे <ul style="list-style-type: none"> <li>• भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी विरोधी</li> <li>• सतर्कता</li> <li>• पारदर्शिता बढ़ाना</li> <li>• व्यापार में सुधार करना</li> <li>• खरीद नीति पहल</li> <li>• जीईएम से संबंधित प्रश्नों का समाधान</li> </ul>	ओएनजीसी में वैल्यू चेन पार्टनर्स के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं। हालाँकि, वर्तमान में कंपनी मूल्यांकन किए गए भागीदारों की गिनती नहीं रखती है, लेकिन अंततः ऐसा करना शुरू करने का इरादा रखती है
मुंबई में कॉर्पोरेट व्यवसाय भागीदारों की बैठक में बड़ी संख्या में व्यवसाय भागीदारों ने भाग लिया		
मेहसाणा परिसंपत्ति में गैस उपभोक्ता बैठक, 2023		
दिल्ली में विक्रेता बैठक, 2023		

### 2. क्या कंपनी के पास बोर्ड के सदस्यों के हित टकराव से बचने के लिए/प्रबंधन करने के लिए कोई प्रक्रिया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो तत्संबंधी विवरण प्रस्तुत करें।

हाँ। कंपनी के पास निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता है (लिंक <https://ongcindia.com/web/eng/investors/policies> में), – जो संघर्ष के लिए भी प्रावधान करती है, जो इसकी व्यावसायिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न हो सकती है।

कंपनी के पास संबंधित पक्षकार नीति है, जो व्यावसायिक लेन-देन में हितों के टकराव के प्रभाव से बचने के लिए अनुमोदन तंत्र प्रदान करती है।

## सिद्धांत 2 : व्यवसायिकों को ऐसी वस्तुएं और सेवाएं इस तरीके से प्रदान किए जाने चाहिए जो संधारणीय और सुरक्षित हो

### अनिवार्य संकेतक

- कंपनी द्वारा किए गए कुल अनुसंधान एवं विकास और पूँजीगत व्यय (कैपेक्स) निवेशों की तुलना में उत्पादों और प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों में सुधार लाने के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में कमशः अनुसंधान एवं विकास और पूँजी व्यय का प्रतिशत।

	वित्त वर्ष 2023–24 (₹ मिलियन में)	वित्त वर्ष 2022–23 (₹ मिलियन में)	सामाजिक और पर्यावरणीय पहलूओं में सुधार का ब्यौरा
अनुसंधान एवं विकास	6171.64 (100%)	5,424.25 (100%)	अनुसंधान एवं विकास के लिए मुख्य ध्यान केंद्रित हरित प्रौद्योगिकी जैसे कार्बन कैचर उपयोग और भंडारण, प्रक्रिया सुधार, जल प्रबंधन आदि पर है।
कैपेक्स	374,942	302,084	ओएनजीसी का पूँजीगत व्यय, राष्ट्र के लिए भारत सरकार के ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें ऊर्जा दक्षता, संसाधन अनुकूलन आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- क्या कंपनी में संधारणीय स्रोतीकरण के लिए कोई प्रक्रिया है? (हाँ / नहीं)

नहीं।

- यदि हाँ, तो कितने प्रतिशत निवेशों को संधारणीय रूप से प्राप्त किया गया? (हाँ / नहीं)

लागू नहीं।

- जीवन के अंत में पुनः उपयोग, पुनर्वर्कण और निपटान के लिए अपने उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का वर्णन करें, (क) प्लास्टिक (ऐकेजिंग सहित) (ख) ई-अपशिष्ट (ग) परिसंकटमय अपशिष्ट और (घ) अन्य अपशिष्ट।

क्र.सं.	उत्पाद का प्रकार	आप पर लागू है (हाँ / नहीं)	उत्पाद की सुरक्षित पुनर्प्राप्ति की प्रक्रिया
क.	प्लास्टिक (ऐकेजिंग सहित)		
ख.	ई-अपशिष्ट	नहीं	
ग.	परिसंकटमय अपशिष्ट		
घ.	अन्य अपशिष्ट – यदि कोई हो		

- क्या विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व (ईपीआर) कंपनी की गतिविधियों पर लागू होता है (हाँ / नहीं)? यदि हाँ, तो क्या अपशिष्ट संग्रहण योजना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रस्तुत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) योजना के अनुरूप है? यदि नहीं, तो इसके समाधान के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करें:

यदि हाँ, तो क्या अपशिष्ट संग्रह योजना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रस्तुत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) योजना के अनुरूप है? यदि नहीं, तो इसे संबोधित करने के लिए उठाए गए कदम बताएँ।

विस्तारित उत्पादक को उत्तरदायित्व (ईपीआर) प्लास्टिक ऐकेजिंग वाले माल के आयातक के रूप में ओएनजीसी पर लागू है। संगठन को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्लास्टिक ऐकेजिंग वाले माल के आयातक के रूप में ओएनजीसी के पंजीकरण के लिए मंजूरी दी गई है।

अपशिष्ट संग्रह को संबोधित करने के लिए, निम्नलिखित चरणों के साथ विभिन्न कार्य-केंद्रों के बीच एक आंतरिक अपशिष्ट प्रबंधन योजना प्रसारित की गई है:

- प्लास्टिक अपशिष्ट कम उत्पन्न करना – आयातित माल के साथ आने वाली प्लास्टिक ऐकेजिंग को आयातित माल में प्लास्टिक ऐकेजिंग को खत्म करने या यथासंभव कम्पोस्टेबल प्लास्टिक ऐकेजिंग का उपयोग करने के लिए नियिदा दस्तावेज में खंड शामिल करके कम किया जा सकता है।



- पृथक भंडारण – आयातित माल के साथ आने वाली प्लास्टिक पैकेजिंग को अलग से संग्रहीत करने की आवश्यकता है और इसे अन्य अपशिष्ट धाराओं के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए।
- जनित प्लास्टिक अपशिष्ट का अभिलेख – आयातित वस्तुओं के साथ आने वाली प्लास्टिक पैकेजिंग का श्रेणीवार अभिलेख रखना आवश्यक है।
- सुरक्षित निपटान – आयातित वस्तुओं के साथ आने वाले प्लास्टिक पैकेजिंग सीपीसीबी में पंजीकृत प्लास्टिक अपशिष्ट संसाधकों (पीडब्ल्यूपी) को सौंपने की जरूरत है। पंजीकृत पीडब्ल्यूपी की सूची सीपीसीबी की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध है : [https://eprplastic.cpcb.gov.in/#/plastic/home/main\\_dashboard](https://eprplastic.cpcb.gov.in/#/plastic/home/main_dashboard).
- ई पी आर प्रमाण पत्र – ई पी आर लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए श्रेणीवार प्रमाण-पत्र सी पी सी बी में पंजीकृत पी डब्ल्यू पी से ई पी आर जमा खरीद के प्रमाण-पत्र के माध्यम से या आयात सामान के साथ सौंपी गई प्लास्टिक पैकेजिंग पंजीकृत पी डब्ल्यू पी से प्राप्त किए जा सकते हैं।

### नेतृत्व संकेतक

- क्या कंपनी ने अपने किसी भी उत्पाद (निर्माण उद्योग के लिए) या अपनी सेवाओं (सेवा उद्योग के लिए) के लिए जीवन चक्र संभाव्यता/मूल्यांकन (एलसीए) आयोजित किया है? यदि हाँ, तो निम्नलिखित प्रारूप में विवरण प्रदान करें?

एनआईसी कूट	उत्पाद/सेवाओं के नाम	योगदान किए गए कुल टर्न-ओबर %	परिसीमा जिसके लिए जीवन चक्र संभाव्यता/मूल्यांकन आयोजित किया गया था	क्या स्वतंत्र वाहय एजेंसी द्वारा आयोजित किया गया था (हाँ/नहीं)	परिणाम सार्वजनिक डोमेन में संप्रेषित किया गया (हाँ/नहीं), यदि हाँ तो वेब लिंक प्रदान करें
06101/ 06102	कच्चा तेल	66.38%	क्रेडल से गेट तक	हाँ	नहीं
06201/06102	प्राकृतिक गैस	24.15%	क्रेडल से गेट तक	हाँ	नहीं
19201	एलपीजी	3.59%	क्रेडल से गेट तक	हाँ	नहीं
19209	नेपथा	3.32%	क्रेडल से गेट तक	हाँ	नहीं
19209	सी2–सी3	1.36%	क्रेडल से गेट तक	हाँ	नहीं

- यदि जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य/आकलन (एलसीए) में या किसी अन्य माध्यम से अभिज्ञात आपके उत्पादों/सेवाओं के उत्पादन या निपटान से उत्पन्न होने वाली कोई महत्वपूर्ण सामाजिक या पर्यावरणीय चिंताएं और/या जोखिम हैं, तो उसको कम करने के लिए की गई कार्रवाई के साथ, उसका संक्षेप में वर्णन करें।

निम्नलिखित 4 प्रभाव श्रेणियों के लिए छ: उत्पादों के लिए जीवन चक्र मूल्यांकन निश्पादित किया गया था : जलवायु परिवर्तन, अम्लीकरण, ताजा पानी यूट्रोफिकेशन और मैरिन यूट्रोफिकेशन।

जलवायु परिवर्तन जीएचजी रिलीज की मात्रा का मूल्यांकन करता है, अम्लीकरण अम्लीय वर्षा की ओर एक उत्पाद के संभावित योगदान का मूल्यांकन करता है, समुद्री यूट्रोफिकेशन समुद्री निकायों में 'नाइट्रोजन' संवर्धन में योगदान करने के लिए उत्पाद की क्षमता का मूल्यांकन करता है, जो शैवाल और अन्य जलीय पौधों की वृद्धि को जन्म देता है, और मीठे पानी का यूट्रोफिकेशन समुद्री निकायों में 'फॉस्फोरस' संवर्धन में योगदान करने के लिए उत्पाद की क्षमता का मूल्यांकन करता है और जो शैवाल और अन्य जलीय पौधों की वृद्धि कारित करता है।

अध्ययन के दौरान, सभी पैरामीटर उद्योग बैचमार्क के भीतर पाए गए, इस प्रकार, अभिनिर्धारित उपरोक्त प्रभाव श्रेणियों से संबंधित चयनित उत्पादों के लिए कोई महत्वपूर्ण मुद्दे की पहचान नहीं की गई।

- उत्पादन (निर्माण उद्योग के लिए) या सेवाएं प्रदान करने (सेवा उद्योग के लिए) में उपयोग की जाने वाली कुल सामग्री (मूल्य के अनुसार) में पुनर्नवीनीकरण या पुनः उपयोग की गई इनपुट सामग्री का प्रतिशत।

इस क्षेत्र में उत्पाद पुनर्वर्कण नहीं किया जाता है। उत्पाद पौर्टफोलियो में मुख्य रूप से कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पाद (एलपीजी, नेपथा, सी 2–सी 3, मिट्टी का तेल, एसकेओ आदि) शामिल हैं जिन्हें पुनर्नवीनीकरण नहीं किया जा सकता है।

- उत्पादों के जीवन के अंत में पुनः उपयोग, पुनर्नवीनीकरण और सुरक्षित रूप से निपटान किया जाता है:

इस क्षेत्र में उत्पाद पुनर्चक्रण नहीं किया जाता है। उत्पाद पोर्टफोलियो में मुख्य रूप से कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पाद (एलपीजी, नेपथा, सी 2–सी 3, मिट्टी के तेल, एसकेओ आदि) शामिल हैं जिन्हें पुनर्नवीनीकरण नहीं किया जा सकता है।

	वित्त वर्ष 2023–24			वित्त वर्ष 2022–23		
	पुनः प्रयुक्त	पुनर्चक्रित	सुरक्षित निपटान	पुनः प्रयुक्त	पुनर्चक्रित	सुरक्षित निपटान
प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित)	लागू नहीं					
ई-अपशिष्ट						
परिसंकटमय अपशिष्ट						
अन्य अपशिष्ट						

5. प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए पुनः प्राप्त उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री (बेचे गए उत्पादों के प्रतिशत के रूप में)।

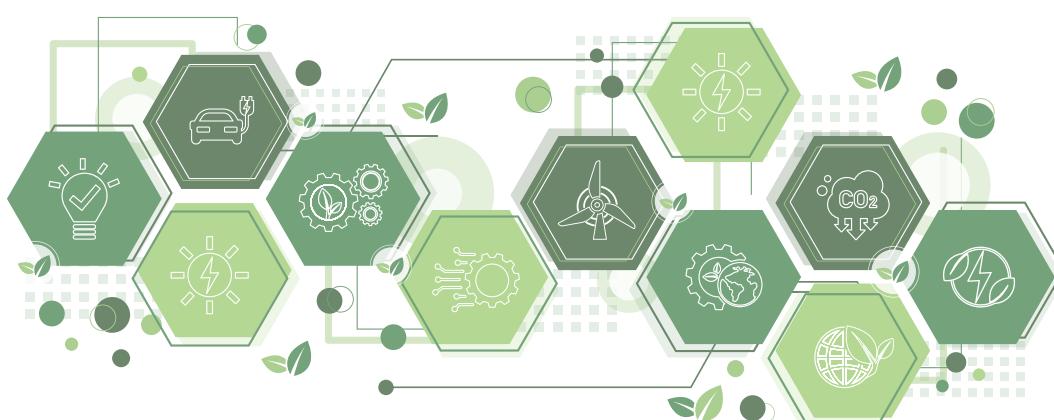
इस क्षेत्र में उत्पाद पुनर्चक्रण नहीं किया जाता है। उत्पाद पोर्टफोलियो में मुख्य रूप से कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पाद (एलपीजी, नेपथा, सी 2–सी 3, मिट्टी का तेल, एसकेओ आदि) शामिल हैं जिन्हें पुनर्चक्रण नहीं किया जा सकता है।

## सिद्धांत 3: व्यवसाय को सभी कर्मचारियों, जिसमें उनके मूल्य श्रृंखला के कर्मचारी शामिल हैं, के कुशल क्षेत्र का सम्मान और संवर्द्धन करना चाहिए।

### अनिवार्य संकेतक

1.क. कर्मचारियों के कुशल क्षेत्र के उपायों के विवरण:

श्रेणी	कवर किए गए कर्मचारियों का %										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		दिवस देखभाल सुविधाएं	
		सं. (ख)	% (ख/क)	सं. (ग)	% (ग/क)	सं. घ	सं. (घ/क)	सं. ङ	सं. (ङ/क)	सं. च	सं. (च/क)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	14,278	14,278	100%	14,278	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	14,278	100%	14,278	100%
महिला	1,475	1,475	100%	1,475	100%	1,475	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	1,475	100%
कुल	15,753	15,753	100%	15,753	100%	1,475	9.36%	14,278	90.64%	15,753	100%
स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य											
पुरुष	47	47	100%	47	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
महिला	4	4	100%	4	100%	4	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल	51	51	100%	51	100%	4	7.84%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं





#### ख. कर्मचारियों के कुशल क्षेत्र के उपायों का विवरण:

श्रेणी	कवर किए गए कर्मचारियों का %										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		दिवस देखभाल सुविधाएं	
		सं. (ख)	% (ख/क)	सं. (ग)	% (ग/क)	सं. घ	सं. (घ/क)	सं. ङ	सं. (ङ/क)	सं. च	सं. (च/क)
<b>स्थायी कर्मचारी</b>											
पुरुष	9,526	9,526	100%	9,526	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	9,526	100%	9,526	100%
महिला	568	568	100%	568	100%	568	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	568	100%
कुल	10,094	10,094	100%	10,094	100%	568	5.63%	9,526	94.37%	10,094	100%
<b>स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य</b>											
पुरुष	448	448	100%	448	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
महिला	6	6	100%	6	100%	6	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल	454	454	100%	454	100%	6	1.32%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

ग. कर्मचारियों और श्रमिकों के कल्याण के मद में किए गए उपाय पर व्यय (स्थायी कर्मचारी और स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य सहित)

	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2022–23
कंपनी के कुल राजस्व के प्रतिशत के रूप में कल्याणकारी किए गए उपायों पर किया गया व्यय	1.81 %	1.42 %

#### 2. सेवानिवृत्ति हितलाभ का विवरण:

हितलाभ	वित्त वर्ष 2023–24			वित्त वर्ष 2022–23		
	कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकों के % के रूप में शामिल श्रमिकों की संख्या	कटौती की गयी और अधिकरण में जमा किया गया (हाँ / नहीं / लागू नहीं)	कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकों के % के रूप में शामिल श्रमिकों की संख्या	कटौती की गयी और अधिकरण में जमा किया गया (हाँ / नहीं / लागू नहीं)
भविष्य निधि	100 %	.	हाँ	100 %	.	हाँ
उपदान	100 %	.	हाँ	100 %	.	हाँ
ईएसआई	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

#### 3. कार्य-स्थल की सुगम्यता

क्या कंपनी के परिसर/कार्यालय दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की अपेक्षाओं के अनुसार दिव्यांगजन कर्मचारियों और श्रमिकों के लिए सुगम्य हैं? यदि नहीं, तो क्या इस संबंध में कंपनी द्वारा कोई कदम उठाए जा रहे हैं।

सभी क्षेत्रों, जिन्हें दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित माना जाता है, को मानदंडों के अनुसार पर्याप्त अवसंरचना शामिल कर दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाया गया है।

#### 4. क्या दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार कंपनी समान अवसर प्रदान करती है? यदि हाँ, तो नीति का वेबलिंक बताएं।

कंपनी ने दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) को आलंब प्रदान करने के उद्देश्य से कई नीतियां और सुविधाएं शुरू की हैं। उनकी प्रतिभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी कंपनी में उनके सशक्तीकरण और विकास पर केन्द्रित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस नीति के लिए वेब-लिंक: <https://ongcindia.com/documents/77751/2660534/policy310723.pdf/eda414a7-dc4f-8704-07bc-9ebd25d409f7>

5. मातृत्व और पितृत्व छुट्टी लेने वाले स्थायी कर्मचारियों और श्रमिकों की काम पर वापसी और प्रतिधारण दर।

लिंग	स्थायी कर्मचारी		स्थायी श्रमिक	
	कार्य पर वापसी की दर	प्रतिधारण दर	कार्य पर वापसी की दर	प्रतिधारण दर
पुरुष	100%	100%	100%	100%
महिला	100%	100%	100%	100%
कुल	100%	100%	100%	100%

6. क्या निम्नलिखित श्रेणियों के कर्मचारियों और श्रमिकों की शिकायतों को प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए कोई तंत्र उपलब्ध है? यदि हाँ, तो तंत्र का संक्षेप में विवरण दें।

	हाँ / नहीं
	(यदि हाँ तो तंत्र का संक्षिप्त विवरण)
स्थायी श्रमिक	हाँ। ओएनजीसी में, परिवाद दाखिल करने के लिए दो संरचित प्लेटफॉर्म हैं, अर्थात् ओएनजीसी शिकायत प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस), 2012 और लोक शिकायत निवारण पोर्टल। इन दो संरचित प्लेटफॉर्म के अलावा कर्मचारी ई-मेल, एसएपी मेल, भौतिक आवेदन/वीआईपी संदर्भ, राश्ट्रीय आयोगों, पीएमओ पीजी पोर्टल इत्यादि के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
स्थायी श्रमिक के अलावा अन्य	ओएनजीसी शिकायत प्रबंधन प्रणाली (जीएमएस), 2012 शिकायत निवारण के लिए तीन स्तरीय चैनल का प्रावधान करती है, जिसमें अपील समिति को अपील करने का प्रावधान भागिल है, जिसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष होते हैं जो स्वतंत्र और वाह्य पेशेवर होते हैं।
स्थायी कर्मचारी	ओएनजीसी.com पर उपलब्ध लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली ओएनजीसी के सभी हितधारकों (आंतरिक हितधारक और वाह्य हितधारक दोनों) को शिकायत दर्ज करने का प्रावधान है। सभी पंजीकृत शिकायतें नियमित रूप से पोर्टल में मसौदा उत्तर प्रस्तुत करने हेतु मुख्य अधिकारियों को अंग्रेजित किया जाता है।
स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य	

7. संघ (संघों) या यूनियनों में कर्मचारियों और श्रमिक की सदस्यता सूचीबद्ध कंपनी द्वारा मान्यता प्राप्त है :

श्रेणी	वित्त वर्ष 2023–24			वित्त वर्ष 2022–23		
	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों/श्रमिकों की कुल संख्या (क)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों/श्रमिकों की कुल संख्या, जो संघ(घो) या यूनियन में शामिल हैं (ख)	% (ख/क)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों/श्रमिकों की कुल संख्या (ग)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों/श्रमिकों की कुल संख्या, जो संघ(घो) या यूनियन में शामिल हैं (घ)	% (घ/ग)
कुल स्थायी कर्मचारी						
पुरुष	14,278	14,215	99.56%	14,306	14,133	98.79%
महिला	1,475	1,468	99.53%	1,424	1,278	89.75%
कुल	15,753	15,683	99.56%	15,730	15,411	97.97%
कुल स्थायी श्रमिक						
पुरुष	9,526	9,526	100%	9,655	9,655	100%
महिला	568	568	100%	608	608	100%
कुल	10,094	10,094	100%	10,263	10,263	100%



8. कर्मचारियों और श्रमिकों को दिए गए प्रशिक्षण का विवरण :

श्रेणी	वित्त वर्ष 2023–24					वित्त वर्ष 2022–23				
	कुल	स्वास्थ्य और संरक्षा संबंधी उपाय		कौशल उन्नयन संबंधी		कुल	स्वास्थ्य और संरक्षा संबंधी उपाय		कौशल उन्नयन संबंधी	
	(क)	सं.(ख)	% (ख / क)	सं.(ग)	% (ग / क)	(क)	सं.(ख)	% (ख / क)	सं.(ग)	% (ग / क)
<b>कर्मचारी</b>										
पुरुष	14,278	3,083	21.59%	8,302	58.15%	14,306	6,110	42.71%	12,133	84.81%
महिला	1,475	284	19.25%	960	65.08%	1,424	152	10.67%	1,424	100%
कुल	15,753	3,367	21.37%	9,262	58.80%	15,730	6,262	39.81%	13,584	86.36%
<b>श्रमिक</b>										
पुरुष	9,526	3,581	37.59%	1,759	18.47%	9,655	2,799	28.99%	2,305	23.87%
महिला	568	73	12.85%	89	15.67%	608	234	38.49%	168	27.63%
कुल	10,094	3,654	36.20%	1,848	18.31%	10,263	3,033	29.55%	2,473	24.10%

9. कर्मचारियों और श्रमिकों के प्रदर्शन और कैरियर विकास समीक्षाओं का विवरण :

श्रेणी	वित्त वर्ष 2023–24			वित्त वर्ष 2022–23		
	कुल (क)	सं.(ख)	% (ख / क)	कुल (ग)	सं.(घ)	% (घ / ग)
<b>कर्मचारी</b>						
पुरुष	14,278	14,278	100%	14,306	14,306	100%
महिला	1,475	1,475	100%	1,424	1,424	100%
कुल	15,753	15,753	100%	15,730	15,730	100%
<b>श्रमिक</b>						
पुरुष	9,526	14,278	100%	9,655	9,655	100%
महिला	568	1,475	100%	608	608	100%
कुल	10,094	15,753	100%	10,263	10,263	100%

10. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली :

- क. क्या कंपनी द्वारा कोई व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली क्रियान्वित की गयी है? (हाँ / नहीं)। यदि हाँ, तो ऐसी प्रणाली का कवरेज क्या है?

हाँ

नहीं

कवरेज : 100 %



- ख. कंपनी द्वारा नियमित और अनियमित अधार पर कार्य संबंधित खतरों की पहचान करने और जोखिमों का आकलन करने के लिए कौन-कौन सी प्रक्रियाओं का उपयोग किया गया है?

सभी अन्वेषण एवं उत्पादन परियोजनाओं के आरंभिक चरण में संकट पहचान (एचएजेडआईडी), संकट संकार्य क्षमता (एचएजेडआईओपी), परिमाणात्मक जोखिम आकलन (क्यूआरए) और संरक्षा अखंडता स्तर (एसआईएल) जैसे सुरक्षा अध्ययन किए जाते हैं। जॉब सेपटी एनालिसिस (जेएसए) करने के बाद ही सभी काम किए जाते हैं। हर शिफ्ट में काम शुरू होने से पहले टूलबॉक्स टॉक (टीबीटी) की जाती है। सब कुछ के साथ-साथ, सुरक्षा उपायों की प्रभावकारिता का आकलन और जांच करने के लिए आंतरिक सुरक्षा संपरीक्षा (आईएसए) भी की जाती है। तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी), खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) और औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएसएच) संबंधित नियमों/विनियमों के अनुपालन की जाँच करने के लिए नियमित रूप से संपरीक्षा/निरीक्षण करते हैं। प्रत्येक परिचालन गतिविधि से जुड़े संकटों को आईएसओ 17776: 2000 के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रतिश्ठान विशिष्ट जोखिम रजिस्टर में कैचर किया जाता है।

- ग. क्या आपके पास कार्य संबंधित खतरों की रिपोर्ट करने और ऐसे जोखिमों से अपने आपको अलग करने के लिए श्रमिकों के लिए कोई प्रक्रियाएं हैं (हाँ / नहीं)

हाँ

नहीं

- घ. क्या कंपनी के कर्मचारी/श्रमिक को गैर-व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्राप्त करने के लिए पहुँच है? (हाँ / नहीं)

हाँ

नहीं

11. सुरक्षा से संबंधित घटनाओं का विवरण, निम्नलिखित प्रारूप में :

सुरक्षा घटना / संख्या	श्रेणी	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2022–23
लॉस्ट टाइम इंजुरी फिक्वेंसी रेट (एलटीआईएफआर) (प्रति एक मिलियन – व्यक्ति घंटे किए गए कार्य)	कर्मचारी	0.34	0.29
	श्रमिक	0.15	0.30
कुल अभिलेख योग्य कार्य –संबंधित चोट	कर्मचारी	0.21	0.60
	श्रमिक	0.39	0.58
घातक दुर्घटनाओं की संख्या	कर्मचारी	0	4
	श्रमिक	0	2
जरा सी चूक	कर्मचारी		12593
	श्रमिक		14439
उच्च परिणाम कार्य संबद्ध चोट या खराब स्वास्थ्य (घातकता सहित)	कर्मचारी	2	0
	श्रमिक	0	0

12. एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य–स्थल सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा किए गए उपायों का वर्णन करें।

कंपनी ने आईएसओ 9001, आईएसओ 45001 और आईएसओ 14001 मानकों के आधार पर एक मजबूत स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) प्रबंधन प्रणाली क्रियान्वित की है। इसमें सभी उपकरणों के समय पर रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए एसेट इंटीग्रिटी मैनेजमेंट हेतु एक संस्थान ढांचा शामिल है। एक प्रभावी घटना रिपोर्टिंग प्रणाली किसी भी स्वास्थ्य और संरक्षा घटना की रिपोर्टिंग को अनिवार्य बनाती है, जिसमें कमियों को दूर करने और भविष्य की घटनाओं को रोकने के लिए जाँच की जाती है। बड़ी और घातक दुर्घटनाओं की बहु-विषयक टीमों द्वारा स्वतंत्र रूप से जाँच की जाती है। सभी कर्मचारियों और द्वितीयक कार्यबल के लिए अनिवार्य सुरक्षा प्रशिक्षण सहित सभी कर्मियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण, संवेदीकरण और जागरूकता कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। इन प्रशिक्षणों में समुद्र में जीवित रहना, हेलीकॉप्टर अंडरवाटर इग्रेस प्रशिक्षण, अग्निशमन और प्राथमिक चिकित्सा जैसे आवश्यक प्रचालन शामिल हैं। व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनईबीओएसएय) और आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम जैसे अतिरिक्त प्रमाणन भी प्रदान किए जाते हैं। सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए, कंपनी नई तकनीकों को अपना रही है, स्वचालन बढ़ा रही है और मौजूदा प्रक्रियाओं में उन्नत आईटी समाधान और एआई को एकीकृत कर रही है।



### 13. निम्नलिखित विषय पर कर्मचारियों और श्रमिकों द्वारा की गयी शिकायतों की संख्या :

	वित्त वर्ष 2023–24			वित्त वर्ष 2022–23		
	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष अंत में समाधान के लिए लंबित	टिप्पणी	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष अंत में समाधान के लिए लंबित	टिप्पणी
कार्य परिवेश	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
स्वास्थ्य एवं संरक्षा	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं

### 14. वर्ष का मूल्यांकन

	मूल्यांकित (संस्था या सांविधिक प्राधिकरणों या तृतीय पक्षकारों द्वारा) संयंत्रों और कार्यालयों का %
स्वास्थ्य और संरक्षा संव्यवहार	100%
कार्य परिवेश	100%

15. सुरक्षा से संबंधित घटनाओं (यदि कोई हो) को संबोधित करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रथाओं और कार्य स्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं संबंधी जानकारी दें।

ओएनजीसी में एक मजबूत घटना रिपोर्टिंग और कार्रवाई तंत्र मौजूद है, जो घटना रिपोर्टिंग, घटना की जाँच, अनुशंसा कार्यान्वयन और निरंतर सुधार जैसे पहलुओं को कवर करता है। दुर्घटना/घटना रिपोर्टिंग दिशानिर्देशों को संशोधित करके घटना रिपोर्टिंग प्रणाली को और मजबूत किया गया है। घटना रिपोर्टिंग प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

- उच्च प्रबंधन के साथ—साथ संबंधित नियामक प्राधिकरणों को निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी भी बड़ी/घातक/छोटी दुर्घटना की अनिवार्य रिपोर्टिंग
- किसी भी दुर्घटना या किसी भी निकट चूक/असुरक्षित कार्य/असुरक्षित स्थिति को दर्ज करने के लिए एसएपी प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।
- सभी घटनाओं की मूल कारणों, सुधारात्मक/निवारक उपायों और यदि कोई चूक हो तो उसका पता लगाने के लिए जांच की जाती है।
- सभी बड़ी/घातक दुर्घटनाओं की कॉरपोरेट स्तर पर स्वतंत्र रूप से जांच की जानी है।
- सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए आवश्यक उपायों को पुख्ता करने के लिए इन घटनाओं के निष्कर्षों पर कार्रवाई की जाती है।
- कॉरपोरेट स्तर पर भी सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सलाह जारी की जा रही है, जैसा कि घटनाओं और ऑडिट विश्लेषण के दौरान देखा गया है।

अधिकांश घटनाएं मानक प्रक्रियाओं का पालन न करने के कारण होती हैं। संरक्षा निश्चादन को बढ़ाने के लिए, ओएनजीसी ने संगठन की सुरक्षा संरक्षित का मूल्यांकन और सुधार करने के लिए एक विशेषज्ञ सलाहकार को नियुक्त किया है। सलाहकार की सिफारिशों को रणनीतिक लक्ष्यों में एकीकृत किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजनाएँ और कार्य संरेखित हों और संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए।

### नेतृत्व संकेतक

- क्या कंपनी (क) कर्मचारी (हाँ/नहीं) (ख) श्रमिक (हाँ/नहीं) की मृत्यु होने पर कोई जीवन बीमा या कोई प्रतिकारी पैकेज प्रदान करता है। हाँ, समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना, जो अंशदायी प्रकृति की है, के अंतर्गत लाभार्थी की मृत्यु होने पर वे प्रतिकर का लाभ उठाने के हकदार होते हैं।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि मूल श्रृंखला भागीदारों द्वारा सांविधिक देयों की कटौती की जाती है और जमा किया जाता है, कंपनी द्वारा किए गए उपायों का व्यौरा प्रदान करें।

ओएनजीसी ने एक 'मॉडल टेंडर एंड एग्रीमेंट' दस्तावेज़ का मसौदा तैयार किया है जिसमें अन्य बातों के साथ—साथ अनुबंध श्रम (आर एंड ए) अधिनियम, 1970 और अन्य लागू कानूनों के विभिन्न वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के प्रावधान हैं। कानून के वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख नियोक्ताओं को विशेष कार्यशालाओं के माध्यम से जागरूक किया जाता है जो समय—समय पर कार्य—केंद्र और मुख्यालय स्तर पर आयोजित की जाती हैं।

3. अधिक दुष्परिणाम वाले कार्य संबद्ध चोट/खराब स्वास्थ्य/घातकताएं (ऊपर अनिवार्य संकेतकों के प्रश्न 11 में यथा संसूचित) से पीड़ित कर्मचारियों/श्रमिकों की सख्ती बताएं, जिन्हें पुनर्वासित किया गया है और उपयुक्त नियोजन प्रदान किया गया है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त नियोजन प्रदान किया गया है :

	प्रभावित कर्मचारियों/श्रमिकों की सख्ती		कर्मचारियों/श्रमिकों की सख्ती, जिन्हें पुनर्वासित किया गया है और उपयुक्त नियोजन प्रदान किया गया है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त नियोजन प्रदान किया गया है	
	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
कर्मचारी	1	शून्य	शून्य	शून्य
श्रमिक	1	शून्य	शून्य	शून्य

4. क्या कंपनी सेवानिवृत्ति या नियोजन निलंबन के परिणामस्वरूप कैरियर समाप्ति पर सतत नियोजन क्षमता और प्रबंधन सुगम्य करने के लिए संक्रमण सहायता कार्यक्रम उपलब्ध करता है? (हाँ/नहीं)

हाँ, सभी कर्मचारियों जो सेवानिवृत्ति हो रहे होते हैं उन्हें सेवानिवृत्ति हेतु आयोजना संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

5. मूल्य—श्रृंखला भागीदारों के मूल्यांकन संबंधी विवरण :

	मूल्यांकित मूल्य श्रृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य से)
स्थानीय और संरक्षा संव्यवहार	शून्य
कार्य परिवेश	शून्य

6. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं और मूल्य श्रृंखला भागीदारों के कार्य परिवेश/स्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/विंताओं को दूर करने के लिए उठाए गए या किए जा रहे किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

चूंकि वर्ष के दौरान कोई मूल्यांकन नहीं किया गया था, इसलिए कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

## सिद्धांत 4 : व्यवसाय को अपने सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करना चाहिए और प्रतिक्रियाशील होना चाहिए अनिवार्य संकेतक

1. कंपनी के प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान करने की प्रक्रिया का वर्णन करें :

मुख्य हितधारकों के अभिनिर्धारण के लिए मुख्यतया चार कदम होते हैं : सभी संभावित हितधारकों का सूचीकरण कर, ओएनजीसी के परिचान/व्यवसाय पर प्रभाव का अभिनिर्धारण कर, ओएनजीसी के परिचान/व्यवसाय के संबंध में उनकी आवश्यकता और प्रयोजन को समझ कर और मुख्य हितधारकों की प्राथमिकता निर्धारण और पहचान कर। कंपनी के प्रमुख आंतरिक और वाह्य हितधारक अभिनिर्धारित किए हैं जिनमें भारत सरकार और राज्य सरकार, जहाँ कंपनी प्रचालन करती है, सांविधिक निकाय और निवेशक, कर्मचारी, आपूर्तिकर्ता और श्रृंखला भागीदार, संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियां, स्थानीय संघ जैसे सीआईआई, एफआईसीसीआई इत्यादि।





2. आपकी कंपनी के लिए प्रमुख के रूप में अभिनिर्धारित हितधारक समूहों की सूची और प्रत्येक हितधारक समूह के साथ सहलग्नता की आवृत्ति :

हितधारक समूह	क्या असुरक्षित एवं सीमांत समूह के रूप में अभिनिर्धारित है (हाँ / नहीं)	संचार के चैनल (ई-मेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पर्चा, विज्ञापन, समुदाय बैठकें, नोटिस बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	सहलग्नता की आवृत्ति (वार्षिक / छमाही / तिमाही / अन्य-कृपया निर्दिष्ट करें)	मुख्य विशय सहित सहलग्नता का प्रयोजन और दायरा ऐसी सहलग्नता के दौरान उठाए गए मुद्दे
कर्मचारी	नहीं	<ul style="list-style-type: none"> <li>कर्मचारी वेब पोर्टल</li> <li>कॉरपोरेट ई-मेल</li> <li>माइस्पेस</li> <li>शिकायत तंत्र</li> <li>डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, आरडब्ल्यूए, ईडब्ल्यूसी जैसे कल्याण संघ</li> <li>कर्मचारी यूनियनों और संघों के साथ नियमित द्विपक्षीय बैठकें</li> </ul>	आवश्यकता आधारित	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्वास्थ्य और संरक्षा</li> <li>मानव अधिकार</li> <li>कल्याण उपाय</li> </ul>
ग्राहक	नहीं	<ul style="list-style-type: none"> <li>सहलग्नता बैठकें</li> <li>कच्चा तेल बिक्री करार (सीओएसए) और गैस बिक्री करार (जीएसए) के माध्यम से संरचित सहलग्नता</li> <li>बी2बी भारीदारों और वाह्य हितधारक सम्मेलन के साथ नियमित/आवधिक बैठकें</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>मासिक उद्योग बैठक – आईडब्ल्यू गार्ड ओसीसीएम</li> <li>मासिक उद्योग बैठक – आईएलपी, एफएम डीपी और आईपीआर</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>अवित्तीय प्रदर्शन</li> <li>ग्राहक प्रतिक्रिया</li> <li>जोखिम प्रबंधन</li> <li>ईएसजी प्रदर्शन</li> <li>आपूर्ति और वितरण योजना</li> <li>उत्पादों की गुणवत्ता और मूल्य निर्धारण</li> </ul>
शेयरधारक	नहीं	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल करना</li> <li>निवेशक और विश्लेषक की बैठक</li> <li>वार्षिक आम बैठक</li> <li>निवेशक सम्मेलन</li> <li>कॉरपोरेट वेबसाइट</li> <li>प्रेस विज्ञप्ति/प्रेस कॉन्फ्रेंस</li> <li>ईमेल संचार</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्टॉक एक्सचेंजों को फाइलिंग मुख्य रूप से अनुपालन आवश्यकताओं का पूरा करने के लिए की जाती है। हालांकि, जानकारी आम तौर पर सुलभ है।</li> <li>वार्षिक आम बैठक हर साल आयोजित की जाती है। निवेशकों की बैठक / सम्मेलन वित्तीय परिणामों और अनुरोधों पर भी आयोजित किया जाता है।</li> <li>कॉरपोरेट वेबसाइट को बहुत बार अपडेट किया जाता है और प्रेस विज्ञप्तियाँ प्रकाशित की जाती हैं।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>वित्तीय प्रदर्शन</li> <li>जोखिम प्रबंधन</li> <li>कॉरपोरेट अभिशासन और भ्रष्टाचार रोधी</li> <li>ईएसजी प्रदर्शन</li> </ul>
निवेशक (शेयरधारक के अलावा)	नहीं	<ul style="list-style-type: none"> <li>निवेशक और विश्लेषक सम्मेलन</li> <li>निवेशक सम्मेलन</li> <li>कॉरपोरेट वेबसाइट</li> <li>प्रेस विज्ञप्ति / प्रेस सम्मेलन</li> </ul>	जैसा उपर उल्लिखित है।	<ul style="list-style-type: none"> <li>वित्तीय प्रदर्शन;</li> <li>जोखिम प्रबंधन;</li> <li>कॉरपोरेट अभिशासन और भ्रष्टाचार रोधी;</li> <li>ईएसजी प्रदर्शन।</li> </ul>
समुदाय	हाँ	<ul style="list-style-type: none"> <li>एनजीओ के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों में प्रतिभागिता</li> <li>निवासियों के साथ गोलमेज सम्मेलन</li> <li>ओएनजीसी के कार्यक्रमों में स्थानीय समुदायों को आमंत्रित करना</li> </ul>	आवश्यकता आधारित	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रचालन क्षेत्रों में समुदायों के सामाजिक सरोकार</li> <li>अवसंरचना विकास और समुदाय उत्थान हेतु सीएसआर पर व्यय</li> <li>आवश्यकता आकलन</li> </ul>

### नेतृत्व संकेतक

1. आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विशयों पर हितधारकों और बोर्ड के बीच परामर्श के लिए प्रक्रिया उपलब्ध कराएं या यदि परामर्श प्रत्यायोजित किया गया है, तो बोर्ड को ऐसे परामर्श से फीडबैक कैसे प्रदान किया जाता है।

ओएनजीसी ने हमेशा हितधारकों के साथ नियमित बातचीत को प्राथमिकता दी है जो स्वस्थ और दीर्घकालिक भागेदारी का निर्माण करता है, आपसी विश्वास को बढ़ावा देती है और मूल्य उत्पन्न करती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी प्रासंगिक हितधारकों को निर्णय लेने में शामिल किया गया है, कंपनी के पास आंतरिक और बाहरी हितधारकों की पहचान करने के लिए एक संरचित प्रक्रिया है जो संगठन के संचालन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लघु, मध्यम और दीर्घकालिक रूप से प्रभावित करते हैं। कंपनी हितधारक समूहों के साथ नियमित संचार बनाए रखने और अपनी व्यावसायिक प्रथाओं में स्थिरता के एकीकरण को मजबूत करने के लिए कई तंत्रों का उपयोग करती है। इनमें ग्राहक शिकायत तंत्र, ग्राहक और कर्मचारी फीडबैक सर्वेक्षण, वार्षिक आम बैठक (एजीएम), निवेशक और विश्लेषक बैठकें, मार्केटिंग बैठकें, विक्रेता बैठकें और ईएसजी सहलग्नताएं शामिल हैं। आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर हितधारकों और बोर्ड के बीच प्रभावी परामर्श सुनिश्चित करने के लिए, ओएनजीसी एक ऐसी प्रक्रिया अपनाती है जहां प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से बोर्ड को परामर्श से फीडबैक प्रदान किया जाता है, और हितधारक चर्चाओं के प्रमुख मुद्दों और निष्कर्षों को विचार और निर्णय लेने के लिएबोर्ड को सूचित किया जाता है।

- क्या हितधारक परामर्श का उपयोग पर्यावरणीय, और सामाजिक विषयों की पहचान और प्रबंधन के लिए किया गया है (हाँ/नहीं)। यदि हाँ, तो दृष्टांत का विवरण दें कि कैसे इन विषयों पर हितधारकों से प्राप्त इनपुट को कंपनी की नीतियों और गतिविधियों में समाहित किया गया। हाँ, पर्यावरण और सामाजिक विषयों की पहचान और प्रबंधन में सहायता करने के लिए ओएनजीसी द्वारा हितधारक परामर्श का उपयोग किया जाता है। इन विषयों पर हितधारकों से प्राप्त इनपुट को सार्वजनिक परामर्श, हितधारक सहभागिता मंच और सहयोगी भागीदारी जैसे विभिन्न तंत्रों के माध्यम से कंपनी की नीतियों और गतिविधियों में शामिल किया जाता है। ओएनजीसी हितधारकों द्वारा उठाए गए दृष्टिकोण और सराकारों को महत्व देता है और पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन के लिए अधिक समावेशी और संधारणीय दृष्टिकोण सुनिश्चित करते हुए उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में एकीकृत करने का प्रयास करता है। जैसे ओएनजीसी ने बाह्य हितधारकों की सिफारिश के आधार पर पर्यावरणीय विधेय उत्सर्जन को कम करने के लिए सैटेलाइट/हैंडहेल्ड ऑप्टिकल गैस इमेजिंग आईआर कैमरा के माध्यम से मीथेन रिसाव का पता लगाने वाले सर्वेक्षण शुरू कर दिए हैं।
- कमजोर/हाशिए पर चले गए हितधारक समूहों की चिंताओं को दूर करने के लिए उनके साथ सहलग्नता के उदाहरणों और उनके लिए की गई कार्रवाइयों का विवरण प्रदान करें।

ओएनजीसी की सीएसआर नीति भारत की भौगोलिक सीमाओं के भीतर सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों को कवर करती है, अधिमानतः समुदाय और पर्यावरण के हाशिए पर, वंचित, गरीब और वंचित वर्गों के लाभ के लिए। इस तरह अंतिम उद्देश्य हमारे जनसांख्यिकीय स्तर में पिरामिड के नीचे तक पहुंचना और उनके जीवन को सकारात्मक तरीके से छूना है। इस प्रकार, जबकि ओएनजीसी अपनी स्थापना के समय से ही विभिन्न कल्याणकारी उपायों के माध्यम से समाज की सेवा करने में लगा हुआ है, इसने अब ऐसे कल्याणकारी उपायों को करने में एक अधिक संरचित दृष्टिकोण अपनाया है। मुख्य रूप से वंचित समूहों की आबादी वाले दूरदराज के इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

## सिद्धांत 5 : व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए

### अनिवार्य संकेतक

- कर्मचारी और श्रमिकों जिन्हें निम्नलिखित प्रारूप में मानव अधिकारों के मुद्दों और संस्था की नीतियों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है :

श्रेणी	वित्त वर्ष 2023 –24			वित्त वर्ष 2022 –23		
	कुल (क)	कवर कर्मचारियों/ श्रमिकों की सं. (ख)	% (ख/क)	कुल (ग)	कवर कर्मचारियों/ श्रमिकों की सं. (घ)	% (घ/ग)
<b>कर्मचारी</b>						
स्थायी कर्मचारी	15,753	15,753	100%	15,730	15,730	100%
स्थायी कर्मचारी के अलावा अन्य	51	शून्य	शून्य	53	शून्य	शून्य
कुल कर्मचारी	15,804	15,753	99.68%	15,783	15,730	99.66%
<b>श्रमिक</b>						
स्थायी श्रमिक	10,094	10,094	100%	10,263	10,263	100%
स्थायी श्रमिकों के अलावा अन्य	454	शून्य	शून्य	472	शून्य	शून्य
कुल श्रमिक	10,548	10,094	95.70%	10,735	10,263	95.60%



2. कर्मचारियों और कामगारों को दी जाने वाली न्यूनतम मजदूरी का विवरण निम्न प्रारूप में प्रदान करें :

श्रेणी	वित्त वर्ष 2023 –24				वित्त वर्ष 2022 –23					
	कुल (क)	न्यूनतम मजदूरी के समान		न्यूनतम मजदूरी से अधिक		कुल (घ)	न्यूनतम मजदूरी के समान		न्यूनतम मजदूरी से अधिक	
		सं.(ख)	% (ख / क)	सं.(ग)	% (ग / क)		सं.(ड)	% (ड / घ)	सं.(च)	% (च / घ)
<b>कर्मचारी</b>										
स्थायी	15,753	शून्य	शून्य	15,753	100%	15,730	शून्य	शून्य	15,730	100%
पुरुष	14,278	शून्य	शून्य	14,278	100%	14,306	शून्य	शून्य	14,306	100%
महिला	1,475	शून्य	शून्य	1,475	100%	1,424	शून्य	शून्य	1,424	100%
स्थायी के अलावा अन्य	51	शून्य	शून्य	51	100%	53	शून्य	शून्य	53	100%
पुरुष	47	शून्य	शून्य	47	100%	49	शून्य	शून्य	49	100%
महिला	4	शून्य	शून्य	4	100%	4	शून्य	शून्य	4	100%
<b>श्रमिक</b>										
स्थायी	10,094	शून्य	शून्य	10,094	100%	10,263	शून्य	शून्य	10,263	100%
पुरुष	9526	शून्य	शून्य	9526	100%	9,655	शून्य	शून्य	9,655	100%
महिला	568	शून्य	शून्य	568	100%	608	शून्य	शून्य	608	100%
स्थायी के अलावा अन्य	454	शून्य	शून्य	454	100%	472	शून्य	शून्य	472	100%
पुरुष	448	शून्य	शून्य	448	100%	466	शून्य	शून्य	466	100%
महिला	6	शून्य	शून्य	6	100%	6	शून्य	शून्य	6	100%

### 3. निम्नलिखित प्रारूप में पारिश्रमिक / वेतन / मजदूरी का विवरण

क. वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान औसत पारिश्रमिक / वेतन:

	पुरुष		महिला	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार संख्या	संबंधित श्रेणी का औसत पारिश्रमिक / वेतन / मजदूरी	संख्या	संबंधित श्रेणी का औसत पारिश्रमिक / वेतन / मजदूरी
निदेशक मंडल (बीओडी)*	5	7,949,178	1	8,578,349
शीष प्रबंधन कार्मिक	1	7,459,846	शून्य	शून्य
निदेशक मंडल और केएमपी को छोड़कर अन्य कर्मचारी	22,477	3,063,699	1,930	3,025,587
श्रमिक	1,122	2,606,207	89	2,296,948

\*निदेशक मंडल में शामिल सभी निदेशक केएमपी हैं।

ख. कंपनी द्वारा भुगतान किए गए कुल वेतन में महिलाओं को भुगतान किया गया सकल वेतन, निम्नलिखित प्रारूप में :

	वित्त वर्ष 2023 –24	वित्त वर्ष 2022 –23
महिलाओं को कुल मलदूरी के % के रूप में भुगतान किया गया सकल वेतन	7.29%	7.07%

4. क्या आपके पास व्यवसाय द्वारा उत्पन्न या योगदान किए गए मानवाधिकार प्रभावों या मुद्दों को संबोधित करने के लिए जिम्मेदार एक केंद्र बिंदु (व्यक्तिगत/समिति) है? (हाँ, नहीं)

हाँ, संचालन और आपूर्ति श्रृंखला दोनों में मानवाधिकार उल्लंघन को कम करने के लिए ओएनजीसी समूह में पर्याप्त प्रणालियां और प्रक्रियाएं स्थापित की गई हैं। ओएनजीसी आपूर्तिकर्ताओं और संविदाकारों सहित व्यावसायिक भागीदारों को मानवाधिकार उल्लंघन और चिंताओं को संबोधित करने के लिए प्रभावी शिकायत तंत्र प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी के पास एक स्वतंत्र मुख्य सतर्कता अधिकारी है जो भारत सरकार के केंद्रीय सतर्कता आयोग को रिपोर्ट करता है।

5. मानवाधिकार मुद्दों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए मौजूद आंतरिक तंत्र का वर्णन करें।

ओएनजीसी ने मानवाधिकार नीति के तहत उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए शिकायत प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षा समितियां, आंतरिक शिकायत समिति और हिस्सल-ब्लॉअर नीति जैसी मजबूत प्रणालियां और तंत्र स्थापित किए हैं। ओएनजीसी के पास अँनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली और हिस्सल ब्लॉअर नीति/सतर्कता तंत्र जैसी सुरक्षाप्रणालियां और प्रथाएं हैं, जो श्रम अधिकारों, स्वास्थ्य और सुरक्षा, गैर-भेदभाव, संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी, मानवाधिकार अनुशासनात्मक प्रथाओं, अनुबंध प्रबंधन और यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच) से संबंधित कानूनों, नियमों और विनियमों का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करती हैं। कंपनी के पास एक स्वतंत्र मुख्य सतर्कता अधिकारी भी है जो भारत सरकार के केंद्रीय सतर्कता आयोग को रिपोर्ट करता है। ओएनजीसी में पीओएसएच के लिए एक समर्पित तंत्र है।

6. कर्मचारियों और श्रमिकों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर की गई शिकायतों की संख्या :

	वित्त वर्ष 2023 –24			वित्त वर्ष 2022 –23		
	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष के अंत में लंबित निपटान	टिप्पणी	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष के अंत में लंबित निपटान	टिप्पणी
लैंगिक उत्पीड़न	6	3	2 शिकायतें सही ठहरायी गयीं और 1 शिकायत आईसीसी द्वारा बंद कर दी गयी	6	2	लागू नहीं
कार्य-स्थल पर भेदभाव	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
बाल श्रम	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
बल-पूर्वक श्रम/अस्वैच्छिक श्रम	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
श्रम	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
मजदूरी	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं
अन्य मानव अधिकार संबंधित मुद्दे	शून्य	शून्य	लागू नहीं	शून्य	शून्य	लागू नहीं

7. कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोश) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत निम्नलिखित प्रारूप में दर्ज की गई शिकायतें :

	वित्त वर्ष 2023 –24	वित्त वर्ष 2022 –23
कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोश) अधिनियम, 2013 (पीओएसएच) के अंतर्गत दर्ज की गई कुल शिकायतें	6	6
महिला कर्मचारियों/श्रमिकों के % के रूप में पीओएसएच पर शिकायतें	0.29%	0.29%
पीओएसएच पर सही ठहराया गयी शिकायतें	2	4

8. भेदभाव और उत्पीड़न मामलों में शिकायत के प्रतिकूल परिणामों को रोकने के लिए तंत्र :

कार्य-स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोश) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत जाँच की लंबितता के दौरान व्यवित्र महिला कर्मचारी को 90 दिनों तक का विशेष अवकाश संस्वीकृत किया जा सकता है। इस प्रकार संस्वीकृत अवकाश का अवकाश खाते से विकलन नहीं किया जाएगा।



9. क्या मानवाधिकार आवश्यकताएं आपके व्यापार समझौतों और अनुबंधों का हिस्सा हैं? (हाँ / नहीं)

हाँ, ओएनजीसी का मानवाधिकार पहलू कंपनी के आपूर्तिकर्ताओं और संविदाकारों तक विस्तृत है।

10. वर्ष का मूल्यांकन :

	मूल्यांकन किए गए संयंत्रों और कार्यालयों का % (संस्था या सार्विधिक प्राधिकरण या अन्य पक्षकार द्वारा)
बाल श्रम	100%
बलात् / अस्वैच्छिक श्रम	100%
लैंगिक उत्पीड़न	100%
कार्यस्थल पर भेदभाव	100%
मजदूरी	100%
अन्य – कृपया निर्दिष्ट करें	100% (कार्य स्थितियों और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन)

11. उपरोक्त प्रश्न संख्या 10 के मूल्यांकन से उत्पन्न महत्वपूर्ण जोखिमों / चिंताओं को हल करने के लिए किए गए सुधारात्मक कार्रवाईयों का ब्यौरा प्रदान करें।

लागू नहीं

### नेतृत्व संकेतक

- मानवाधिकार परिवेदनाओं / शिकायतों को संबोधित करने के परिणामस्वरूप उपांतरित / शुरू की जा रही व्यावसायिक प्रक्रिया का विवरण। ओएनजीसी ने शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए ई-शिकायत प्रबंधन तंत्र भी शुरू किया है, जिसे लिंक <https://grievance.ongc.co.in/> पर देखा जा सकता है।
- किसी भी मानव अधिकारों के लिए किए गए सम्यक तत्परता के दायरे और कवरेज का विवरण।

कंपनी द्वारा लागू नियमों और विनियमों के तहत यथा उपबंधित सम्यक तत्परता बरती जाती है। यह नीति ओएनजीसी और ओएनजीसी विदेश (इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) पर लागू है। यह नीति स्वतंत्र संविदाकारों और व्यवसाय भागीदारों के लिए एक परामर्शी के रूप में कार्य करता है, जो कंपनी से सहबद्ध होते हैं, ताकि इस नीति में निहित सिद्धांतों को कायम रखा जा सके और अंगीकृत किया जा सके।

यह नीति निम्नलिखित पहलूओं को कवर करती है :

- समान अवसर, गैर-भेदभाव, विविधता और समावेशन।
- उत्पीड़न की रोकथाम
- संघ बनाने की स्वतंत्रता
- श्रम मानक
- सुरक्षित और स्वस्थ कार्य-स्थल
- बाल श्रम और बलात् श्रम की रोकथाम
- निजता का अधिकार
- प्रस्ताचार विरोधी
- स्थानीय समुदाय / हितधारक सहलग्नता
- विकास का अधिकार

3. क्या दिव्यांग जनों के अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार कंपनी का परिसर/कार्यालय दिव्यांगजन आगंतुकों के लिए सुगम्य है?

परिसंकटमय अवस्थितियों को छोड़कर, सभी अन्य क्षेत्र जो दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित माने जाते हैं, को मानदंडों के अनुसार पर्याप्त अवसंरचना का निर्माण कर दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाया गया है।

4. मूल्य शृंखला भागीदारों के मूल्यांकन संबंधी विवरण

	मूल्य शृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य की दृष्टि से) जिनका मूल्यांकन किया गया
तैंगिक उत्पीड़न	
कार्य केन्द्रों पर भेदभाव	ओएनजीसी अपने सभी विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं से सभी वैधानिक और मानवाधिकार कानून जैसे कि नो-चाइल्ड लेबर, फेयर वेजेज, नो फोर्स लेबर आदि के अनुपालन के बारे में लिखित वचन लेता है। इसके अलावा, ₹ 1 करोड़ से अधिक मूल्य वाली सभी परियोजनाओं में एक सत्यनिष्ठा संधि होती है, जिसके तहत खरीदार और आपूर्तिकर्ता दिए गए टैंडर की खरीद प्रक्रिया और सामान्य रूप से सत्यनिष्ठा, निष्क्रियता और पारदर्शिता के हित में कोड के एक सेट का पालन करने के लिए बाध्य होते हैं। आपूर्तिकर्ता अनुबंध की निर्धारित सामान्य और विशेष शर्तों के अनुसार प्रत्येक अनुबंध में शर्तों के एक मानक सेट (मानवाधिकार संबंधी शर्तों सहित) का पालन करने के लिए भी बाध्य हैं।
बाल श्रम	
ब्लात् /अस्वैच्छिक श्रम	
मजदूरी	
मुद्दों से संबंधित मानव अधिकार	

5. उपरोक्त प्रश्न 4 में मूल्यांकनों से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

कंपनी उचित वेतन सुनिश्चित करती है, जो कम से कम न्यूनतम मजदूरी या उचित प्रचलित मजदूरी, जो भी अधिक हो, मजदूरी संबंधी सभी कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए सुनिश्चित करता है। वेतन भुगतान अधिनियम, 1936, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, ईएसआई अधिनियम, 1948, कर्मचारी भविष्य निधि और विविध अधिनियम, 1952, ठेका श्रम (विनियमन और उन्मूलन) अधिनियम (सीएलआरए), 1970, बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 जैसे मानवाधिकारों से संबंधित सभी लागू नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है।

## सिद्धांत 6 : व्यवसायों को पर्यावरण का सम्मान करना चाहिए और उसकी रक्षा और उसे बहाल करने का प्रयास करना चाहिए

### अनिवार्य संकेतक

1. निम्नलिखित प्रारूप में कुल ऊर्जा खपत (जूल या गुणकों में) और ऊर्जा तीव्रता का विवरण :

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
नवीकरणीय स्रोतों से		
कुल विद्युत खपत (क) – जीजे	317,306	350,733
कुल ईंधन खपत (ख) – जीजे	शून्य	शून्य
अन्य स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा खपत (ग) – जीजे	शून्य	शून्य
कुल ऊर्जा खपत (क. ख. ग) – जीजे	317,306	350,733
गैर-नवीकरणीय स्रोतों से		
कुल विद्युत खपत (घ) – जीजे	2,019,005	1,076,013
कुल ईंधन खपत (ङ) – जीजे	124,805,703	132,541,670
अन्य स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा खपत (च) – जीजे	शून्य	शून्य



मापदंड	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
गैर–नवीकरणीय स्रोतों से खपत की गयी कुल ऊर्जा (घ+ड+च) जीजे	126,824,708	133,617,683
कुल ऊर्जा खपत (क+ख+ग+घ+ड)–जीजे	127,142,014	133,968,416
प्रति ₹ टर्न ओवर के ऊर्जा तीव्रता (जीजे ₹ मिलियन)	85.22	82.12
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति ₹ कारोबार की ऊर्जा तीव्रता	82.78	78.62
भौतिक आउटपुट के अनुसार ऊर्जा तीव्रता (जीजे/एमटीओ+ओईजी)	3.22	3.33

टिप्पण : इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

2. क्या कंपनी का भारत सरकार की निष्पादन, हासिल और व्यापार (पीएटी) स्कीम के अंतर्गत निर्दिष्ट उपभोक्ता (डीसी) के रूप में अभिज्ञात कोई स्थल/सुविधा है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो यह प्रकट करें कि क्या पीएटी स्कीम के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं। यदि लक्ष्य हासिल नहीं किए गए हैं तो, की गयी उपचारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो तो बताएं।

हाँ

नहीं

व्यवसाय की प्रकृति के आलोक में, यह संकेतक लागू नहीं है।

3. जल से संबंधित निम्नलिखित प्रकटनों का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें :

मापदंड	वित्तीय वर्ष –2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
स्रोत से जल निकासी (किलो लीटर में)		
(i) भूतल–जल	5,115,581	7,940,772
(ii) भू–जल	5,095,941	4,349,644
(iii) अन्य पक्षकार जल	310,085	5,647,082
(iv) समुद्र जल/विलवणीकृत जल	331,965	196,522
(v) अन्य	12,518,892	523,349
निकाले गए जल का कुल परिमाण (किलो लीटर में) (i + ii + iii + iv + v)	23,372,464	18,657,369
जल खपत का कुल परिमाण (किलो लीटर में)	18,031,808	18,657,369
टर्न–ओवर के प्रति ₹ जल सघनता (प्रति मिलियन ₹ किलो लीटर में)	12.09	11.44
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित व्यापारावर्त के प्रति ₹ जल सघनता	11.74	10.95
भौतिक आउटपुट के अनुसार जल सघनता (केएल/एमटीओ + ओईजी)	0.46	0.46

टिप्पणी : जल निकासी और जल खपत में अंतर को नीचे दी गई तालिका में निस्सरित जल के रूप में दर्शाया गया है।

टिप्पणी : इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

#### 4. निस्तारित जल से संबंधित निम्नलिखित विवरण प्रदान करें :

मापदंड	वित्तीय वर्ष –2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
गंतव्य और उपचार के स्तर के अनुसार जल निर्वहन (किलोलीटर में)		
(i) भूतल जल में	517,653	84,244
- बिना शोधन	शून्य	शून्य
- शोधन कर — तृतीयक स्तर	517,653	84,244
(ii) भू—जल में	शून्य	शून्य
- बिना शोधन	शून्य	शून्य
- शोधन कर — तृतीयक स्तर	शून्य	शून्य
(iii) समुद्र जल में	4,823,002	17,247,779
- बिना शोधन	शून्य	शून्य
- शोधन कर — तृतीयक स्तर	4,823,002	17,247,779
(iv) अन्य पक्षकार को भेजा गया	शून्य	शून्य
- बिना शोधन	शून्य	शून्य
- शोधन कर — तृतीयक स्तर	शून्य	शून्य
(v) अन्य	शून्य	16,598,837
- बिना शोधन	शून्य	शून्य
- शोधन कर — तृतीयक स्तर	शून्य	16,598,837
कुल निस्तारित जल (किलोलीटर में)	5,340,655	33,930,860

टिप्पणी : इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

#### 5. क्या कंपनी ने शून्य तरल निर्वहन के लिए कोई तंत्र लागू किया है? यदि हाँ, तो इसके कवरेज और कार्यान्वयन का विवरण प्रदान करें।

हाँ   
नहीं

हाँ, नई दिल्ली में ओएनजीसी के दीनदयाल ऊर्जा भवन (डीयूबी) ने जल संरक्षण के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी अपशिष्ट जल का शोधन और पुनर्चक्रण सुविधा के भीतर किया जाए, जिससे शून्य तरल अपशिष्ट निर्वहन प्राप्त करने का लक्ष्य प्राप्त हो सके। इस दृष्टिकोण में प्राथमिक और द्वितीयक स्पष्टीकरण, विस्तारित वातन, और दबाव रेत निस्पंदन, मृदुकरण, सक्रिय कार्बन निस्पंदन और क्लोरीनीकरण जैसे तृतीयक उपचार विधियों सहित उन्नत उपचार चरण शामिल हैं। उपचारित पानी को फिर एयर कंडीशनिंग कूलिंग टावरों और सिंचाई के लिए पुनः उपयोग किया जाता है, जिससे इमारत की पानी की खपत और बाहरी जल स्रोतों पर निर्भरता में काफी कमी आती है। इमारत को यूएस ग्रीन बिलिंग काउंसिल के “लीडरशिप इन एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल डिजाइन” (एलईईडी) ग्रीन बिलिंग रेटिंग सिस्टम (यूएसजीबीसी के एलईईडी) के तहत प्लेटिनम रेटिंग मिली हुई है।

#### 6. कृपया कंपनी के वायु उत्सर्जन (जीएचजी उत्सर्जन को छोड़कर) का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में दें :

मापदंड	कृपया विनिर्दिष्ट करें	वित्तीय वर्ष –2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23*
एनओएक्स	मि.ग्रा. / घन मीटर	34.7	15.8
एसओएक्स	मि.ग्रा. / घन मीटर	14.6	26.5
सूक्ष्म कण (पीएम)	मि.ग्रा. / घन मीटर	1	1.3

\*संबंधित कार्य क्रेंडों की परियोजना की ईसी शर्तों में निर्धारित एनएक्यू मानक के अनुसार परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी की जाती है, जिसे कार्य क्रेंड द्वारा संबंधित एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, एमओईफसीसी को छमाही आधार पर प्रस्तुत किया जाता है। उरण, हजीरा और सी2–सी3 संयंत्र में अँनलाइन सतत वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली है और निगरानी किए गए डेटा को टीपीसीबीओ एसपीटीबी सर्वर पर अपलोड किया जा रहा है। रिपोर्ट किया गया डेटा उरण, हजीरा और सी2–सी3 संयंत्र के लिए है।



**टिप्पणी :** इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

7. निम्नलिखित प्रारूप में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों (स्कोप 1 और स्कोप 2) और इसकी तीव्रता का विवरण प्रदान करें :

मापदंड	इकाई	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (जीएचजी का सीओ2, सीएच4, एन2ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3 में अलग-अलग विवरण दें, यदि उपलब्ध हो)	एमटीसीओ2ई समतुल्य	8,961,199	8,545,142
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन(जीएचजी का सीओ2, सीएच4, एन2ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3 में अलग-अलग विवरण दें, यदि उपलब्ध हो)	एमटीसीओ2ई समतुल्य	402,000	351,444
कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता प्रति रुपया कारोबार (कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन/राजस्व)	एमटीसीओ2 समतुल्य मिलियन ₹	6.28	5.45
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित टर्नओवर के प्रति रुपए कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन/पीपीपी के लिए समायोजित राजस्व)	एमटीसीओ2 समतुल्य/मिलियन ₹	6.57	5.47
भौतिक आउटपुट के रूप में कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता	एमटीसीओ2 एमटीओ+ओईजी	0.24	0.21

**टिप्पणी :** इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

8. क्या कंपनी की ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से संबंधित कोई परियोजना है? यदि हाँ, तो विवरण दें।

स	परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	बचत किया गया उत्सर्जन (%) बचत या बचायी गयी यूनिट) 'यदि उपलब्ध हो'	कोई अन्य मापदंड (यदि उत्सर्जन उपलब्ध न हो)	बैसलाइन वर्ष
1	कैम्बे और ईओए काकीनाडा में सौर ऊर्जा अधिकारपत्र	7,268 टीसीओ2	कुल सौर ऊर्जा उत्पादन में 3मेगा वाट का योगदान देता है। उत्पादित अक्षय ऊर्जा : 2.82 एमयू	वित्त वर्ष 2023.24
2	ईईएसएल से वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान 5,049 एलईडी लाइटें संस्थापित की गई	197,701 टीसीओ2	बचत ऊर्जा : 76.7 एमयू	वित्त वर्ष 2023.24
3	उरण प्लांट में फ्लेयर गैस रिकवरी	38,588 टीसीओ2	वित्त वर्ष 2023–24 में फ्लेयर गैस की मात्रा 17.54 एमएससीएम बचाई गई है	वित्त वर्ष 2022.23
4	उरण प्लांट में प्रक्रिया अनुकूलन	151,030 टीसीओ2	बचत गैस 68.65 एमएससीएम है।	वित्त वर्ष 2022.23

9. निम्नलिखित प्रारूप में कंपनी द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विवरण दें :

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
उत्पन्न कुल अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)	138,401.77	110,849.70
प्लास्टिक अपशिष्ट (क)	3,441.08	शून्य
ई-अपशिष्ट (ख)	83.73	97.70
जैव-चिकित्सा अपशिष्ट (ग)	1.29	शून्य
निर्माण एवं विधंस अपशिष्ट (घ)	शून्य	शून्य
बैटरी अपशिष्ट (ङ)	4.94	शून्य

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
रेडियोधर्मी अपशिष्ट (च)	शून्य	शून्य
अन्य परिसंकटमय अपशिष्ट, व्यित तेल, जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट, रासायनिक गाद (छ),	119,823.00	93,151.00
अन्य उत्पन्न गैर-परिसंकटमय अपशिष्ट (ज)– धातु इम, ड्रिल कटिंग और काष्ठ पेलेट	15,047.73	17,601.00
कुल (क, ख, ग, घ, ड, च, छ, ज), मीट्रिक टन में	138,401.77	110,849.70
प्रति रुपया कारोबार पर अपशिष्ट तीव्रता (कुल उत्पन्न अपशिष्ट / राजस्व)	0.093	0.068
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति रुपया कारोबार पर अपशिष्ट तीव्रता (कुल उत्पन्न अपशिष्ट/पीपीपी के लिए समायोजित परिचालन से राजस्व)	0.097	0.068
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में अपशिष्ट तीव्रता (एमटी/एमटीओई)	0.0035	0.0027
प्रत्येक श्रेणी के उत्पन्न अपशिष्ट के लिए, पुनर्वर्कण, पुनः उपयोग या अन्य वसूली संक्रियाओं के माध्यम से वसूल किया गया अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
अपशिष्ट की श्रेणी (मीट्रिक टन में)		
(i) पुनर्वर्कित	228.20	शून्य
(ii) पुनः प्रयुक्त	शून्य	शून्य
(iii) अन्य वसूली परिचालन	11,887.25	5,544.55
कुल	12,115.45	5,544.55
प्रत्येक श्रेणी के उत्पन्न अपशिष्ट के लिए, व्ययन पद्धति की प्रकृति व्यव्ययित कुल अपशिष्ट		
अपशिष्ट की श्रेणी (मीट्रिक टन में)		
(i) भस्मीकरण	1.29	शून्य
(ii) लैंडफिलिंग	शून्य	शून्य
(iii) अन्य निपटान प्रचालन	119,065.00	शून्य
कुल	119,066.29	शून्य

टिप्पणी : इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

10. अपने प्रतिष्ठानों में अपनाए गए अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का संक्षेप में वर्णन करें। अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं में परिसंकटमय और जहरीले रसायनों के उपयोग को कम करने के लिए अपनी कंपनी द्वारा अपनाई गई रणनीति और ऐसे अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए अपनाई गई प्रथाओं का वर्णन करें।

**अभितट परिचालनों में अपशिष्ट जल प्रबंधन:** उत्पादित जल सतत जल उपयोग के लिए ओएनजीसी के फोकस क्षेत्रों में से एक रहा है। सतह/उपसतह पर उपचारित अपशिष्ट के निर्वहन के लिए वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल और गैस के प्रसंस्करण के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट के उपचार के लिए कार्य केंद्रों में अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित किए गए हैं। ओएनजीसी 42 से अधिक अपशिष्ट उपचार संयंत्रों (ईटीपी) का संचालन करता है, जिनकी डिजाइन की गई क्षमता अभितट उत्पादन प्रतिष्ठानों/संयंत्रों से 1,04,000 घन मीटर/दिन से अधिक अपशिष्ट को संभालने की है। पानी को डिस्पोजेबल स्तरों तक उपचारित करने के बाद, विशेष रूप से तैयार अपशिष्ट निपटान कुओं के माध्यम से भूमिगत जलाशयों में निपटाया जाता है। कुछ अतिरिक्त उपचार के साथ, इस पानी को आगे उपचारित किया जाता है और तकनीकी उपयोगों के लिए फिर से इस्तेमाल किया जाता है। उपचारित पानी का उपयोग ड्रिल साइटों पर ड्रिलिंग के दौरान विभिन्न उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है और इसका उपयोग बागवानी, फर्श की सफाई और अन्य उपयोगिताओं के लिए भी किया जाता है।

**अपतटीय प्रचालनों में अपशिष्ट जल प्रबंधन :** अपतटीय उत्पादित जल के उपचार के लिए उत्पादित जल कंडीशनर (पीडब्ल्यूसी) स्थापित किए गए हैं। उपचार के बाद छोड़े गए अपशिष्ट के विभिन्न मापदंडों को निर्धारित सीमाओं के भीतर बनाए रखा जाता है।



**परिसंकटमय अपशिष्ट प्रबंधन—** अन्वेषण एवं उत्पादन परिचालनों से उत्पन्न तैलीय गाढ़ को परिसंकटमय और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमा पार संचलन) नियम, 2016 के अनुसार परिसंकटमय अपशिष्ट के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ओएनजीसी जैव-उपचार का उपयोग करता है, जिसमें तेल खाने वाले बैकटीरिया को परिसंकटमय अपशिष्ट को गैर विषेले पदार्थों में परिवर्तित करने के लिए उपयोग किया जाता है, जिससे पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित निपटान सुनिश्चित होता है।) अन्य परिसंकटमय अपशिष्ट, जैसे खर्च किए गए तेल और रासायनिक कंटेनर, सीपीसीबी / एसपीसीबी अधिकृत रिसाइकिलर्स के माध्यम से निपटाए जाते हैं।

11. यदि संस्था के पास पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (जैसे राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, बायोस्फीयर रिजर्व, आर्द्धभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट, वन, तटीय विनियमन क्षेत्र आदि) में/आसपास के संचालन/कार्यालय हैं। जहाँ पर्यावरण अनुमोदन/मंजूरी की आवश्यकता है, कृपया निम्नलिखित प्रारूप में विवरण निर्दिष्ट करें :

क्र. सं.	प्रचालन/कार्यालय का स्थान	प्रचालन का प्रकार	क्या पर्यावरणीय अनुमोदन/मंजूरी की भारतीय का अनुपालन किया जाता है? (हाँ/नहीं) यदि नहीं, तत्संबंधी कारण बताएं, और की गयी सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो।
1	जोरहाट परिसंपत्ति, जोरहाट	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन उत्पादन	हाँ
2	असम एवं असम अरकान बेसिन परिसंपत्ति, असम	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का अन्वेषण	हाँ
3	त्रिपुरा परिसंपत्ति	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन और उत्पादन	हाँ
4	पूर्वी अपतट परिसंपत्ति	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन और उत्पादन	हाँ
5	केजी बेसिन	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन और उत्पादन	हाँ
6	फ्रॉटियर बेसिन, देहरादून	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का अन्वेषण	हाँ
7	अन्वेषणात्मक परिसंपत्ति, सिलचर	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन एवं उत्पादन	हाँ
8	असम परिसंपत्ति	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन और उत्पादन	हाँ
9	त्रिपुरा फॉरवर्ड बेस	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का अन्वेषणात्मक	हाँ
10	सीबीएम परिसंपत्ति बोकारो	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन एवं उत्पादन	हाँ
11	अहमदाबाद परिसंपत्ति	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन एवं उत्पादन	हाँ
12	अंकलेश्वर परिसंपत्ति	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन एवं उत्पादन	हाँ
13	कावेरी परिसंपत्ति	कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का वेधन एवं उत्पादन	हाँ

वन/पारिस्थितिकी—संवेदनशील/तटीय विनियमक क्षेत्र/संरक्षित क्षेत्र में आने वाली अन्वेषण एवं उत्पादन परियोजनाओं को प्रयोग्यता के अनुसार वन मंजूरी/वन्यजीव मंजूरी/सीआरजेड मंजूरी की आवश्यकता होगी।



12. वर्तमान वित्तीय वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर कंपनी द्वारा निष्पादित परियोजनाओं के पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन का विवरण

परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	ईआईए अधिसूचना सं.	तिथि	क्या स्वतंत्र वाह्य एजेंसी द्वारा आयोजित किया गया (हाँ / नहीं)	परिणाम सार्विनक रूप से संसूचित किए गए (हाँ / नहीं)	संबंधित वेब लिंक
अभियानीय विकास और दक्षिण त्रिपुरा, सेफजाला और पश्चिम त्रिपुरा जिलों में 3 पीएमएल ब्लॉकों के बन क्षेत्र में आने वाले 5 कृषि (अर्थात् बीएमडीएच, गोडा, जीओडीबी, जीओडीडी और आरओः15ए) से उत्पादन	ईआईए अधिसूचना, 2006	2006	हाँ	हाँ	<a href="https://parivesh.nic.in/newupgrade/#/trackYourProposal/proposal-details?proposalId=IA%2FTR%2FIND2%2F437553%2F2023&amp;proposalId=6978413">https://parivesh.nic.in/newupgrade/#/trackYourProposal/proposal-details?proposalId=IA%2FTR%2FIND2%2F437553%2F2023&amp;proposalId=6978413</a>
अभियानीय विकास और असम के गोलाघाट जिले के 6 पीएमएल ब्लॉकों के बन क्षेत्र में एसयूएबी ड्रिल साइट पर 28 कूपों से तेल और गैस का उत्पादन और कासोमारीगांव इंपीएस और जीजीएस की स्थापना	ईआईए अधिसूचना, 2006	2006	हाँ	हाँ	<a href="https://environmentclearance.nic.in/onlinesearchnewrk.aspx?autoid=44484&amp;proposal_no=IA/AS/IND2/423980/2023&amp;typep=EC">https://environmentclearance.nic.in/onlinesearchnewrk.aspx?autoid=44484&amp;proposal_no=IA/AS/IND2/423980/2023&amp;typep=EC</a>

13. क्या कंपनी भारत में लागू पर्यावरण कानून/विनियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन करती है, जैसे जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और उसके तहत नियम (हाँ / नहीं)। यदि नहीं, तो ऐसे सभी गैर-अनुपालनों का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें :

हाँ, ओएनजीसी भारत में लागू पर्यावरण कानूनों, विनियमों और दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है।

क्र.सं.	उस कानून/विनियम/दिशानिर्देश को निर्दिष्ट करें जिनका अनुपालन नहीं किया गया था	अननुपालन का उपलब्ध विवरण	विनियमक एजेंसी जैसे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या न्यायालय द्वारा लगाया गया कोई जुर्माना / शास्ति / की गयी कार्रवाई	सुधारात्मक कार्रवाई यदि कोई है
1	पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 और परिसंकटमय और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारीय संचलन) नियम 2016	अंकलेश्वर : परिसंकटमय अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित प्रावधानों का उल्लंघन	09/06/2023 को ₹ 5,00,000 का जुर्माना जमा किया गया।	पर्यावरण क्षति मुआवजा माफ करने के अनुरोध के साथ अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समाधान हो गया।
2	प्रचालन के लिए सहमति	असम : असम राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से पूर्व अनिवार्य सहमति प्राप्त किए बिना ड्रिलिंग	पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क ₹ 200,000 का आंशिक भुगतान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, असम को 09/02/2024 को भेज दिया गया।	शेष पूरी राशि का भुगतान करने से छूट के लिए असम राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अपील की गई है
3	तेल रिसाव	उरण : महाराश्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस	प्रदूषण नियंत्रण उपकरण के संचालन और रखरखाव के लिए ₹ 2,500,000 की निष्पादन बैंक गारंटी 06.02.2024 को जब्त कर ली गई।	समाधान हो गया।



## नेतृत्व संकेतक

### 1. जल संकट वाले क्षेत्रों में जल निकासी, खपत और निर्वहन (किलोलीटर में):

जल संकट वाले क्षेत्रों में स्थित प्रत्येक सुविधा/संयंत्र के लिए, निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:

- (i) क्षेत्र का नाम : गुजरात, राजस्थान, पश्चिमी और पूर्वी अपतटीय
- (ii) प्रचालन की प्रकृति : अन्वेषण और उत्पादन
- (iii) निम्नलिखित प्रारूप में जल निकासी, खपत और निर्वहन

मापदंड	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
स्रोत से जल निकासी (किलो लीटर में)		
(i) भूतल जल	3,002,001	6,578,312
(ii) भू—जल	2,789,847	2,679,354
(iii) तृतीय पक्षकार पानी	102,579	5,636,918
(iv) समुद्र जल / विलवणीकृत जल	330,813	196,520
(v) अन्य	12,341,426	378,908
जल निकासी की कुल मात्रा (किलो लीटर में)	18,566,666	15,470,012
जल खपत की कुल मात्रा (किलो लीटर में)	13,279,618	15,470,012
टर्न ओवर के प्रति रुपए पर जल सघनता (खपत किया गया पानी/टर्न ओवर)	8.90	9.48
गंतव्य और उपचार के स्तर के अनुसार जल निर्वहन (किलो लीटर में)		
(i) भूतल जल में	464,045	6,578,312
— शोधन कर	शून्य	शून्य
— बिना शोधन — तृतीयक स्तर	464,045	6,578,312
(ii) भू—जल में	शून्य	2,679,354
— शोधन कर	शून्य	शून्य
— बिना शोधन — तृतीयक स्तर	शून्य	2,679,354
(iii) समुद्र—जल में	4,823,002	5,636,918
— शोधन कर	शून्य	शून्य
— बिना शोधन — तृतीयक स्तर	4,823,002	6,578,312
(iv) अन्य पक्षकार को भेजा गया	शून्य	196,520
— शोधन कर	शून्य	शून्य
— बिना शोधन — तृतीयक स्तर	शून्य	196,520
(v) अन्य	शून्य	378,908
— शोधन कर	शून्य	शून्य
— बिना शोधन — तृतीयक स्तर	शून्य	378,908
कुल निस्सारित जल (किलो लीटर में)	5,287,047	15,470,012

टिप्पणी : इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

## 2. कृपया निम्नलिखित प्रारूप में कुल स्कोप 3 उत्सर्जन एवं इसकी सघनता का विवरण प्रस्तुत करें :

मापदंड	इकाई	वित्तीय वर्ष 2023–24*	वित्तीय वर्ष 2022–23
कुल स्कोप 3 उत्सर्जन (जीएचजी का सीओ2, सीएच4, एन2ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ3 में विभाजन, यदि उपलब्ध हो)	मीट्रिक टन सीओ2 समतुल्य	19,350,000	-
प्रति रुपया टर्न ओवर पर कुल स्कोप 3 उत्सर्जन	मीट्रिक टन सीओ2 समतुल्य ₹ मिलियन में	12.97	-

\*उपरोक्त उल्लिखित स्कोप-3 दो श्रेणियों के लिए है – बेचे गए माल का प्रसंस्करण और बेचे गए उत्पादों का उपयोग।

टिप्पणी : इंगित करें यदि किसी वाह्य एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आवश्वासन किया/दिया गया है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, वाह्य एजेंसी का नाम :

हाँ, मैसर्स ब्यूरो वेरिटास

## 3. उपरोक्त आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 11 में बताए गए पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में, रोकथाम और उपचार गतिविधियों के साथ-साथ ऐसे क्षेत्रों में जैव विविधता पर कंपनी के महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव का विवरण प्रदान करें।

ओएनजीसी में जैव विविधता का संरक्षण एक सतत प्रक्रिया है और यह समूह द्वारा पहचानी और विकसित की गई विभिन्न पहलों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। ओएनजीसी के पास एक व्यवस्थित दृष्टिकोण है, जिसमें जौखियों का मूल्यांकन करने और उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए स्मार्ट टूल, डिजिटलीकरण और पर्यावरण के अनुकूल अवधारणाएं शामिल हैं। संगठन की प्रतिबद्धता इसकी परिचालन उत्कृष्टता में परिलक्षित होती है, जो जैव विविधता और स्थानीय आवास को नुकसान से बचाती है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अनुसार यह परिचालन क्षेत्र में पाई जाने वाली अनुसूची-1 प्रजातियों के लिए, ओएनजीसी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरण मंजूरी लेने से पहले राज्य वन्यजीव प्रभाग को निर्धारित निधियों के साथ एक संरक्षण योजना प्रस्तुत करता है। परिचालन शुरू करने से पहले, पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन किए जाते हैं। पर्यावरणीय प्रबंधन योजना में बायो-डिवर्सिटी कंजर्वेशन मीटिंगेशन उपायों सहित, के अन्तर्गत नियि आवंटित की गई है।

## 4. यदि कंपनी ने संसाधन दक्षता में सुधार के लिए कोई विशिष्ट पहल की है या नवीन प्रौद्योगिकी या समाधानों का उपयोग किया है, या उत्सर्जन/अपशिष्ट निर्वहन/उत्पन्न अपशिष्ट के प्रभाव को कम किया है, तो निम्नलिखित प्रारूप में कृपया उसका विवरण और साथ ही इस तरह की पहल के परिणाम प्रदान करें :

क्र. सं.	की गई पहल	पहल का विवरण (वेब लिंक यदि कोई हो, सार के साथ उपलब्ध करवाया जाए)	पहल का परिणाम
1-	जल पुनर्वर्क्रण	1. रासायन मुक्त टिनी-बबल प्रौद्योगिकी आधारित ईटीपी (300 केलडी)। 2. ओएनजीसी 42 अपशिष्ट उपचार संयंत्र (ईटीपी) संचालित करता है	1. उत्पाद जल के उपचार के लिए बिना आवश्कता के किसी रसायन हेतु साधित मानकों के अनुसार उत्सर्जन पानी का उपचार। 2. अभिटट और अपतट अधिक्षिपन एवं संयंत्र से प्रतिदिन 104000 एम3 से अधिक ईटीपी हैंडलिंग।
2	अपशिष्ट प्रबंधन	कैम्बे और ईओए काकीनाडा में सौर ऊर्जा प्रतिश्ठान	समग्र सोलर ऊर्जा उत्पादन के लिए 3 मेगावाट योगदान। नवीकरण ऊर्जा उत्पादन: 2-82 मैट्रिक यूनिट 1 उत्सर्जन बचत 7,268 टीसीओ2ई
3	उत्सर्जन नियंत्रण एवं ऊर्जा दक्षता	ईईएसएल से वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान 5,049 एलईडी लाइटें लगाई गई	ऊर्जा बचत : 76.7 एमयू उत्सर्जन बचत : 197,701 टीसीओ2ई
		उरण संयंत्र में प्रक्रिया अनुकूलन	गैस बचत : 68.65 एमएमएससीएम उत्सर्जन बचत : 151,030 टीसीओ2
		उरण संयंत्र में फ्लेयर गैस रिकवरी प्रणाली संस्थापित की गयीं	फ्लेयर गैस परिमाण : 17.54, वित्त वर्ष 2023–24 में उत्सर्जन बचत : 38,588 टीसीओ2

## 5. क्या कंपनी के पास व्यवसाय निरंतरता और आपदा प्रबंधन योजना है? 100 शब्दों में विवरण दें / वेब लिंक बताएं।

ओएनजीसी के पास तेल और गैस कुओं से ब्लोआउट/अनियंत्रित प्रवाह से संबंधित आपातकालीन परिदृश्यों को नियंत्रित करने और संबंधित आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए समर्पित टीमें हैं, ओएनजीसी के पास विभिन्न स्तरों पर संकट प्रबंधन टीमें हैं— केंद्रीय संकट प्रबंधन टीम (सीएमटी), चार क्षेत्रीय सीएमटी (राजमहेन्द्री, वडोदरा, मुंबई और शिवसागर में) और कार्य केंद्र स्तर की सीएमटी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, ओएनजीसी ने हजारों में एक अत्याधुनिक ईआरसी (आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र) स्थापित करने की योजना बनाई है जो आग



की आपात स्थितियों और अन्य संबंधित घटनाओं को संभालेगी जो स्थापना और जिला प्रशासन के नियंत्रण से परे हैं। प्रत्येक ईआरसी लगभग 300 किलोमीटर (रेडियस) की सीमा के भीतर सुविधाओं को पूरा करेगा।

अपतटीय परिचालन के लिए, एक बहु-विषयक आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (ईआरटी) है। ईआरटी अपतटीय परिचालन से संबंधित आपात स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और कम करने के लिए किसी भी उभरती स्थिति से निपटने के लिए पहली और त्वरित प्रतिक्रिया टीम के रूप में कार्य करता है। अपतटीय परिचालन में आपात स्थितियों से निपटने के लिए क्षेत्रीय आकस्मिक योजना (आरसीपी) है। आरसीपी (पश्चिमी अभियान) पश्चिमी नौसेना कमान के चौफ ऑफ स्टाफ द्वारा जारी किया जाता है, जो पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा स्थापित क्षेत्रीय आकस्मिक समिति (ऑफशोर वेस्ट) के अध्यक्ष भी हैं। अपतटीय आपात स्थिति के मामले में, समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) को ओएनजीसी द्वारा सतर्क और संपर्क किया जाता है। भारतीय तट रक्षक (आईसीजी) के तहत काम करने वाला एमआरसीसी, अपतटीय में बचाव कार्यों का समन्वय करता है। इसके अलावा, ओएनजीसी ने आपातकालीन स्थितियों को संभालने के लिए निवारक, नियंत्रण और शमन उपायों को अच्छी तरह से परिभाषित किया है। घटनाओं की गंभीरता के आधार पर आपात स्थितियों से निपटने के लिए तीन स्तरीय प्रणाली है:

- साइट विशिष्ट ईआरपी (आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना)
  - अभियान के लिए ऑफसाइट और ऑनसाइट डीएमपी (आपदा प्रबंधन योजना) और अपतट के लिए आरसीपी (क्षेत्रीय आकस्मिकता योजना)
  - सीडीएमपी (कॉरपोरेट आपदा प्रबंधन योजना)
6. कंपनी की मूल्य शृंखला से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण पर किसी भी महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव का खुलासा करें। इस संबंध में कंपनी द्वारा क्या शमन या अनुकूलन उपाय किए गए हैं।
- ओएनजीसी अपनी मूल्य शृंखला के लिए कोई पर्यावरणीय मूल्यांकन नहीं करता है, हालांकि निकट भविष्य में ऐसा करने की योजना बना रहा है।
7. मूल्य शृंखला भागीदारों का प्रतिशत (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार) जिनका पर्यावरणीय प्रभावों के लिए मूल्यांकन किया गया।

शून्य

## सिद्धांत 7.: सार्वजनिक और नियामक नीति को प्रभावित करने वाले व्यवसाय को जिम्मेदार और पारदर्शी तरीके से ऐसा करना चाहिए

### अनिवार्य संकेतक

#### 1.क) व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों के साथ संबद्धता की संख्या :

कंपनी का कई व्यापार मंडलों और संघों से जुड़ाव है जैसे :

- i. संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉर्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएनजीसीएनआई)
- ii. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉर्मर्स एंड इंडस्ट्री (फिककी)
- iii. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
- iv. सार्वजनिक उद्यम संबंधी स्थायी सम्मेलन (स्कोप)
- v. भारतीय पेट्रोलियम उद्योग संघ (एफआईपीआई)

ख) शीर्ष 10 व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों (ऐसे निकाय के कुल सदस्यों के आधार पर निर्धारित) की सूची बनाएं, जिसका कंपनी एक सदस्य है/से संबद्ध है।

क्र. सं.	व्यापार और उद्योग परिसंघ / संघ	व्यापार और उद्योग परिसंघ/संघ की व्याप्ति (राज्य/राष्ट्रीय)
1	संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉर्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएनजीसीएनआई)	अंतर्राष्ट्रीय
2	फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉर्मर्स एंड इंडस्ट्री (फिककी)	राष्ट्रीय
3	सार्वजनिक उद्यम संबंधी स्थायी सम्मेलन (स्कोप)	राष्ट्रीय
4	भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)	राष्ट्रीय
5	भारतीय पेट्रोलियम उद्योग संघ (एफआईपीआई)	राष्ट्रीय

2. नियामक प्राधिकरणों के प्रतिकूल आदेशों के आधार पर कंपनी द्वारा प्रतिस्पर्धा-रोधी आचरण से संबंधित किसी भी मुद्दे पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

प्राधिकरण का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
लागू नहीं		

### नेतृत्व संकेतक

1. कंपनी द्वारा हिमायत की जा रही सार्वजनिक स्थिति

क्र. सं.	हिमायत की गयी सार्वजनिक नीति	ऐसी हिमायत के लिए सहारा ली गयी पद्धति	क्या यह सूचना सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है	बोर्ड द्वारा समीक्षा की आवृत्ति (वार्षिक/ छमाही/ तिमाही/ अन्य, कृप्या निर्दिष्ट करें)	वेब लिंक, यदि उपलब्ध है
1	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सहयोग सुगम करना	विभिन्न अंतर सरकारी फोरमों में प्रतिनिधित्व के माध्यम से	नहीं	जब और ज्यों आवश्यकता पड़ती है	-
2	विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभागिता जैसे विजन इंडिया /2047, सवृद्धि और कौशल विकास, मेंक इन इंडिया, आंतरिक आर एंड डी का संवर्द्धन	सरकारी संस्थाओं जैसे नीति आयोग और विभिन्न अन्य सरकारी समितियों के साथ अंतःक्रिया के माध्यम से	नहीं	जब और ज्यों आवश्यकता पड़ती है	-
3	क) आत्मनिर्भर भारत पहल ख) एमएसएमई विकास एवं सहयोग प्रबंधन	विभिन्न औद्योगिक निकायों जैसे सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, रकोप इत्यादि।	नहीं	जब और ज्यों आवश्यकता पड़ती है	-

### सिद्धांत 8 : व्यवसायों को समावेशी विकास और समान विकास को बढ़ावा देना चाहिए।

#### अनिवार्य संकेतक

1. चालू वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर कंपनी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) का विवरण।

परियोजनाओं के नाम और संक्षिप्त विवरण	एसआईए अधिसूचना सं.	अधिसूचना की तिथि	क्या स्वतंत्र वाह्य एजेंसी द्वारा आयोजित किया गया	सार्वजनिक क्षेत्र में परिणाम प्रसारित किए गए (हाँ/ नहीं)	प्रासंगिक वेब लिंक
सिउ का फा मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, शिवसागर असम (चरण I)	दिल्ली/ओएनजीसी/सीएसआर इंपैक्ट /2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
कौशल विकास संस्थान (एसडीआई), अहमदाबाद में कौशल विकास	दिल्ली/ओएनजीसी/सीएसआर इंपैक्ट /2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
चिरार 9, जवान वलब और युवा पुनर्वास झग डिएडिक्शन सेंटर, बारामूला में युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा	दिल्ली/ओएनजीसी/सीएसआर इंपैक्ट /2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
नागपुर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की स्थापना	दिल्ली/ओएनजीसी/सीएसआर इंपैक्ट /2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
ओएनजीसी सुपर 30, अल्मोड़ा और श्रीनगर	दिल्ली/ओएनजीसी/सीएसआर इंपैक्ट /2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>



परियोजनाओं के नाम और संक्षिप्त विवरण	एसआईए अधिसूचना सं.	अधिसूचना की तिथि	क्या स्वतंत्र वाह्य एजेंसी द्वारा आयोजित किया गया	सार्वजनिक क्षेत्र में परिणाम प्रसारित किए गए (हाँ / नहीं)	प्रासंगिक वेब लिंक
डॉ. आर.एन. कूपर म्युनिसिपल जनरल अस्पताल, मुंबई को आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के लिए रोटरी वलब ऑफ मुंबई वेस्ट कोस्ट चौरिटेबल ट्रस्ट को वित्तीय सहायता	दिल्ली / ओएनजीसी / सीएसआर इंपैक्ट / 2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
12 बैंडिकूट की खरीद और आपूर्ति	दिल्ली / ओएनजीसी / सीएसआर इंपैक्ट / 2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
हिम ज्योति स्कूल, देहरादून, उत्तराखण्ड में वंचित परिवारों की 35 लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा और आवास के लिए वित्तीय सहायता	दिल्ली / ओएनजीसी / सीएसआर इंपैक्ट / 2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में वृद्धावस्था सुविधा – विश्रांति की स्थापना	दिल्ली / ओएनजीसी / सीएसआर इंपैक्ट / 2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
विरासत–2022, सांस्कृतिक महोत्सव, देहरादून – उत्तराखण्ड	दिल्ली / ओएनजीसी / सीएसआर इंपैक्ट / 2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>
राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी), असम ऊर्जा संस्थान, शिवसागर की स्थापना के लिए योगदान	दिल्ली / ओएनजीसी / सीएसआर इंपैक्ट / 2024	16.02.2024	हाँ	हाँ	<a href="https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report">https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report</a>

2. उस परियोजना (परियोजनाओं) के बारे में जानकारी प्रदान करें जिसके लिए वर्तमान में आपकी कंपनी द्वारा पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) किया जा रहा है :

क्र. सं.	उस परियोजना का नाम जिसके लिए आर एंड आर चल रहा है	राज्य	जिला	परियोजना प्रभावित परिवारों (पीएफ) की सं.	आर एंड आर द्वारा कवर किए गए पीएफ का %	वित्त वर्ष में पीएफ में भुगतान की गयी राशि (₹ में)
लागू नहीं						

3. समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए स्थापित तंत्र का वर्णन करें

हितधारक इंटरफेस को अधिक सहयोगात्मक बनाने के लिए, ओएनजीसी ने अपनी वेबसाइट पर एक लोक शिकायत पोर्टल स्थापित की है। यह पोर्टल समुदाय के सदस्यों सहित हितधारकों को कॉरपोरेट वेब पोर्टल पर एकल विंडो के माध्यम से अपनी शिकायतें दर्ज करने का अधिकार देता है। इस लिंक ([www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com)) के जरिए कोई भी इस पोर्टल तक पहुंच सकता है। शिकायतें विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न हो सकती हैं और विभिन्न प्रकृति में भिन्न हो सकती हैं, इसलिए निवारण प्रक्रिया थोड़ी भिन्न हो सकती है, लेकिन आमतौर पर एक व्यापक संरचना का पालन किया जाता है।

ओएनजीसी की प्रंचालन गतिविधियों से प्रभावित कोई भी व्यक्ति निकटतम प्रतिष्ठान से संपर्क कर सकता है। जॉच समीक्षा के बाद दावा फॉर्म जारी करता है। उपयोगकर्ता समूह (सतह/सीएंडएम/ड्रिलिंग/वेल सर्विसेज), एलएक्यू और वित्त के सदस्यों सहित एक समिति का गठन नुकसान का आकलन करने के लिए किया जाता है, या अन्य क्षति का आंकलन करती है, यह समिति साइट का दौरा करती है, प्रभावित क्षेत्र को मापती है, और खड़ी फसलों, भूमि की क्षति, जैसे नुकसान के लिए यह मुआवजे का मूल्यांकन करती है अन्य प्रकार की शिकायतों के लिए, सामान्य दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल है :

- जो व्यक्ति साक्षर नहीं हैं, वे स्थानीय अधिकारियों से सहायता ले सकते हैं या भूमि संबंधी शिकायतों के लिए सीधे ओएनजीसी के स्थानीय भूमि अधिग्रहण अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं, या वे परिसंपत्ति / बेसिन / संयंत्र प्रबंधक के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।
- कोई भी व्यक्ति ओएनजीसी शिकायत पोर्टल [www.ongcindia.co.in](http://www.ongcindia.co.in) पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकता है।
- शिकायत में शिकायतकर्ता का नाम और पता लिखा होना चाहिए।
- शिकायतकर्ता और ओएनजीसी के साथ विस्तृत बातचीत के बाद शिकायत का समाधान किया जाता है।

#### 4. स्थानीय या छोटे पैमाने के आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त इनपुट सामग्री का % :

	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
सीधे ही एमएसएमई / छोटे उत्पादकों से लिए गए	58 %	47 %
सीधे ही भारत के अंदर से	लागू नहीं	लागू नहीं

टिप्पणी : आंकड़े कुल पात्र खरीद के प्रतिशत के रूप में हैं। तथापि, कुल खरीद में से एमएसई से कुल खरीद 11.85 % है।

#### 5. छोटे शहरों में रोजगार सृजन – निम्नलिखित स्थानों पर कार्यरत व्यक्तियों (स्थायी या गैर-स्थायी / अनुबंध के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों या श्रमिकों सहित) को भुगतान की गई मजदूरी का प्रकटन कुल मजदूरी लागत के प्रतिशत के रूप में ओएनजीसी कृपया उपलब्ध करवाएं –लागू नहीं

स्थान	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
ग्रामीण	शून्य	शून्य
अद्वै शहरी	24.81 %	26.07 %
शहरी	30.07 %	28.09 %
महानगरीय	45.12 %	45.84 %

#### नेतृत्व संकेतक

##### 1. सामाजिक प्रभाव आकलन (संदर्भ : ऊपर अनिवार्य संकेतक का प्रश्न संख्या 1) में चिह्नित गए किसी नकारात्मक सामाजिक प्रभाव के उपशमन के लिए की गयी कार्रवाईयों का विवरण दें :

अभिनिर्धारित नकारात्मक सामाजिक प्रभाव का विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
लागू नहीं	

##### 2. सरकारी निकायों द्वारा अभिचिह्नित आकांक्षी जिलों में आपकी कंपनी द्वारा शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं के बारे में निम्नलिखित सूचना प्रदान करें :

क्र. सं.	राज्य	आकांक्षी जिले	व्ययित राशि (₹ मिलियन में)
1	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम	0.21
2	অসম	হালাকংড	52.80
3	অসম	উড়ুপি	26.20
4	বিহার	নবাদা	27.28
5	বিহার	শেখপুরা	3.46
6	ગુજરાત	દાહોદ	51.32



क्र. सं.	राज्य	आकांक्षी जिले	व्ययित राशि (₹ मिलियन में)
7	गुजरात	नરमदा	9.09
8	झारखण्ड	बोकारो	94.20
9	झारखण्ड	गुमला	29.16
10	झारखण्ड	हजारीबाग	11.23
11	झारखण्ड	खूटी	4.15
12	झारखण्ड	रामगढ़	11.00
13	महाराष्ट्र	धाराशिव	50.68
14	ओडिशा	डेरकनाल	2.35
15	ओडिशा	नुआपादा	42.33
16	राजस्थान	जैसलमेर	113.64
17	तमिलनाडु	रामानाथापुरम	91.31
18	तमिलनाडु	विरुद्धनगर	71.89
19	त्रिपुरा	ঢলাই	81.95
20	उत्तराखण्ड	हरिद्वार	35.37

3.(क) क्या आपके पास एक अधिमान्य खरीद नीति है जहां आप वंचित / कमज़री समूहों से गठित आपूर्तिकर्ताओं से खरीद को प्राथमिकता देते हैं? (हाँ/नहीं)

हाँ। ओएनजीसी सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति का अनुपालन करता है, जिसमें अ.जा./अ.ज.जा और महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यम भी शामिल हैं। इस नीति के तहत, एमएसई को निविदा में सबसे कम बोली लगाने वालों द्वारा उद्दृत कीमतों के 15 % के भीतर खरीद प्राथमिकता दी जाती है, ताकि वे संविदा दिये जाने के लिए पात्र हो सकें, यदि वे सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में उभर कर सामने नहीं आते हैं। यदि वे सबसे कम बोलीदाता नहीं हैं। यदि वे सबसे कम बोली मूल्य से मेल खाते हैं, तो एमएसई को निविदा मात्रा का कम से कम 25 प्रतिशत दिया जाता है, जिसमें पात्र महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसई को न्यूनतम 3 % और अ.जा./अ.ज.जा के स्वामित्व वाले एमएसई को निविदा मात्रा का न्यूनतम 4 % मिलता है।

(ख) आप किन वंचित वर्ग/कमज़ोर वर्ग समूहों से खरीद करते हैं?

ओएनजीसी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला सूक्ष्म और लघु उद्यम से खरीद करता है।

(ग) कुल खरीद (मूल्य के आधार पर) का यह कितना प्रतिशत है?

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एमएसई से कुल खरीद वार्षिक पात्र खरीद का 58.6% थी, जिसमें महिला एमएसई से 0.84 % और अ.जा./अ.ज.जा एमएसई से 0.50 % शामिल है। हालाँकि एमएसई से कुल खरीद कुल खरीद का 11.8 % थी।

4. आपकी कंपनी के स्वामित्व या अधिग्रहित बौद्धिक संपदा से प्राप्त और साझा किए गए लाभों का विवरण (वर्तमान वित्तीय वर्ष में)

क्र. सं.	परंपरागत ज्ञान के आधार पर बौद्धिक संपदा	स्वत्व/अधिग्रहित (हाँ/नहीं)	सुधारात्मक कृत कार्रवाई (हाँ/नहीं)	हितलाभ हिस्सा की गणना का आधार
शून्य				

5. बौद्धिक संपदा से संबंधित विवादों में किसी भी प्रतिकूल आदेश के आधार पर की गई या वर्तमान में चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण जिसमें पारंपरिक ज्ञान का उपयोग शामिल है।

प्राधिकारी का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	कृत सुधारात्मक कार्रवाई
लागू नहीं		

6. सीएसआर परियोजनाओं के लाभार्थियों का विवरण।

क्र. सं.	सीएसआर परियोजना	लाभान्वित व्यक्तियों की सं. (मिलियन में)	विवित और सीमांत समूहों से आने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत
1	स्वास्थ्य सेवा, भूख, गरीबी, कुपोषण, सुरक्षित पेयजल आदि संबंधी परियोजनाएँ।	8.65	64%
2	शिक्षा, कौशल और आजीविका सृजन पर परियोजनाएँ	6.07	73%
3	असमानताओं को कम करने की दिशा में उन्मुख परियोजनाएँ	0.13	66%
4	पर्यावरण स्थिरता, पारिस्थितिक संतुलन, वनस्पति और जीव, पशु कल्याण, कृषि वानिकी, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण आदि की ओर उन्मुख परियोजनाएँ।	11.92	70%
5	राष्ट्रीय विरासत, कला, संस्कृति आदि संबंधी परियोजनाएँ।	0.31	68%
6	सशस्त्र बलों के दिग्गजों, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों के लाभ के लिए उपाय। खेलों को बढ़ावा देने संबंधी परियोजनाएँ।	0.01	58%
7	सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए स्थापित निधियों में योगदान।	0.06	61%
8	विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, इनक्यूबेटरों में योगदान देने वाली परियोजनाएँ।	0.07	64%
9	ग्रामीण विकास संबंधी परियोजनाएँ।	0.004	60%
10	आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियों संबंधी परियोजनाएँ।	8.39	69%
11	स्वास्थ्य सेवा, भूख, गरीबी, कुपोषण, सुरक्षित पेयजल आदि संबंधी परियोजनाएँ।	0.03	62%

## सिद्धांत 9 : व्यवसाय को जिम्मेदार तरीके से अपने उपभोक्ताओं के साथ जुड़ना चाहिए और उन्हें मूल्य प्रदान करना चाहिए

### अनिवार्य संकेतक

1. उपभोक्ता शिकायतों और फीडबैक को प्राप्त करने और उनका जवाब देने के लिए स्थापित तंत्र का वर्णन करें।

कच्चा तेल : कच्चे तेल के ग्राहक मासिक उद्योग बैठक में भाग लेते हैं, अर्थात्, उद्योग कार्य समूह (आईडब्ल्यूजी) और अपतटीय कच्चे तेल समन्वय बैठक (ओसीसीएम) में क्रमशः अपतटीय और अभितटीय कच्चे तेल की मासिक बिक्री और वितरण की योजना बनाई जाती है। इन बैठकों के दौरान, ग्राहक अपनी प्रतिक्रिया और टिप्पणियाँ प्रदान करते हैं, जिनका जवाब ओएनजीसी द्वारा बैठक के दौरान दिया जाता है।

गैस: ओएनजीसी नियमित रूप से उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया लेती है, जो सीधे यूनिट स्तर पर प्रस्तुत की जाती है। जल्द से जल्द एक व्यवहार्य समाधान प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं। ओएनजीसी नियमित रूप से उपभोक्ता कठिनाइयों को समझने और समाधान प्रदान करने के लिए ग्राहक बैठकों का आयोजन करता है।

वीएपी : ओएनजीसी नियमित रूप से आईएलपी, एफएमडीपी और आईपीआर जैसी उद्योग बैठकों में भाग लेता है। इससे कंपनी को ग्राहकों के साथ बातचीत करने और ग्राहकों के साथ किसी भी मुद्दे पर चर्चा करने में मदद मिलती है।



## 2. सूचना देने वाले सभी उत्पादों/सेवाओं से टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में उत्पादों और/सेवाओं का टर्न-ओवर

	कुल टर्न-ओवर के % के रूप में
उत्पाद से संबंधित पर्यावरणीय और सामाजिक मापदंड	100 %
सुरक्षित और जवाबदेह उपयोग	100 %
पुनर्चक्रण और/या सुरक्षित निपटान	लागू नहीं

## 3. निम्नलिखित के संबंध में उपमोक्ता शिकायतों की संख्या

	वित्तीय वर्ष 2023			वित्तीय वर्ष 2022		
	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में समाधान के लिए लंबित	टिप्पणी	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में समाधान के लिए लंबित	टिप्पणी
डेटा गोपनीयता	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
विज्ञापन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
साइबर सुरक्षा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
आवश्यक सेवा की प्रदायगी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
प्रतिबंधित व्यवहार प्रथा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
अनुचित व्यापार प्रथा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
अन्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

## 4. संरक्षा मुद्दों के कारण उत्पाद वापसी के किसी दृष्टांत का विवरण

	संख्या	वापसी के कारण
स्वैच्छिक वापसी	लागू नहीं	लागू नहीं
अनिवार्य वापसी	लागू नहीं	लागू नहीं

## 5. क्या कंपनी का साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता से संबंधित जोखिमों के लिए कोई ढांचा/नीति है? (हाँ/नहीं) यदि उपलब्ध है, नीति की वेब लिंक बताएं।

हाँ। ओएनजीसी की एक साइबर सुरक्षा संबंधी सुरक्षा नीति और डेटा गोपनीयता से संबंधित जोखिम नीति है। हाँ, ओएनजीसी के पास साइबर सुरक्षा पर एक अच्छी तरह से परिभाषित और संरचित सूचना सुरक्षा नीति है, हालांकि डेटा गोपनीयता से संबंधित जोखिमों के लिए कोई प्रावधान नहीं है।

सूचना सुरक्षा नीतियों की वेबलिंक [https://reports.ongc.co.in/group/reports\\_en/home/virtualcorporate/services/chief-information-security-office/isms-group](https://reports.ongc.co.in/group/reports_en/home/virtualcorporate/services/chief-information-security-office/isms-group) है।

## 6. विज्ञापन और आवश्यक सेवाओं के वितरण से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें, साइबर सुरक्षा और ग्राहकों की डेटा गोपनीयता, उत्पाद वापसी के उदाहरणों की पुनः घटना, उत्पादों/सेवाओं की सुरक्षा संबंधी नियामक प्राधिकारियों द्वारा की गई शास्ति/कार्रवाई।

शून्य

## 7. डेटा उल्लंघन से संबंधित निम्नलिखित सूचना उपलब्ध करवाएं :

क. डेटा उल्लंघन के दृष्टांतों की संख्या

शून्य

ख. डेटा उल्लंघन का प्रतिशत जिनमें ग्राहक की व्यक्तिगत पहचान योग्य सूचना शामिल थी।

शून्य

ग. डेटा उल्लंघन का प्रभाव, यदि कोई हो,

शून्य

## नेतृत्व संकेतक

- चैनल/प्लेटफॉर्म जहां कंपनी के उत्पादों और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है (यदि उपलब्ध हो तो वेब लिंक प्रदान करें)। ओएनजीसी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खोज और उत्पादन में माहिर है, ये इसके प्राथमिक उत्पाद हैं। ओएनजीसी ने कच्चे तेल, गैस और वीएपी सहित अपने उत्पादों के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू की है, जिसे डीजीएच सूचीबद्ध एजेंसी मेसर्स एम जंक्षन द्वारा संचालित किया जाता है। चल रही निविदाओं के बारे में अधिक जानकारी <https://tenders.ongc.co.in> और <https://eps.buyjunction.in/gasbidding> पर देखी जा सकती है।
- उत्पादों और/या सेवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित करने और शिक्षित करने के लिए उठाए गए कदम। **कच्चा तेल :** ओआईएसडी (तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत एक तकनीकी निदेशालय है जो भारत में तेल और गैस उद्योग में उपभोक्ता सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से स्व-नियामक उपायों की एक श्रृंखला के कार्यान्वयन को तैयार और समन्वित करता है। तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) सुरक्षा अभियानों, जागरूकता कार्यक्रमों और दिशा-निर्देशों और मैनुअल के प्रकाशन के माध्यम से उपभोक्ताओं को शिक्षित करता है, साथ ही नियामक अनुपालन सुनिश्चित करता है और सुरक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए उद्योग के हितधारकों के साथ साझेदारी करता है। **प्राकृतिक गैस:** शामिल कर्मियों को संवेदनशील बनाने के लिए समय-समय पर सुरक्षा अभ्यास आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को पीएनजीआरसी अनुपालन का पालन करने के लिए भी संवेदनशील बनाया जाता है। **वीएपी :** उत्पाद की सुरक्षित हैंडलिंग के लिए हमारे खरीदारों को प्रत्येक उत्पाद के लिए एमएसडीएस (सामग्री सुरक्षा डेटा शीट) प्रदान की जाती है।
- उपभोक्ताओं को आवश्यक सेवाओं के बाधित/बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में सूचित करने के लिए तंत्र मौजूद है। अगर ओएनजीसी को किसी भी तरह के गैर-अनुपालन के बारे में पता चलता है, तो संबंधित सेवाओं को तुरंत निलंबित कर दिया जाता है। उपभोक्ताओं को समय पर ईमेल, डाक पत्र या फोन कॉल के माध्यम से व्यवधान या निलंबन के बारे में पहले से सूचित किया जाता है।
- क्या कंपनी स्थानीय कानूनों के अनुसार अनिवार्य उत्पाद के बारे में उत्पाद जानकारी प्रदर्शित करती है? (हाँ/नहीं/लागू नहीं)? यदि हाँ, तो संक्षिप्त विवरण दें।  
हाँ  नहीं
- क्या आपकी कंपनी ने कंपनी के प्रमुख उत्पादों/सेवाओं, कंपनी के संचालन के महत्वपूर्ण स्थानों या समग्र रूप से इकाई से संबंधित उपभोक्ता संतुष्टि के संबंध में कोई सर्वेक्षण किया? (हाँ/ नहीं)  
हाँ  नहीं





## स्वतंत्र आश्वासन कथन

सेवा में,

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी)  
प्लॉट नं. ५४-५बी, नेल्सन मंडेला मार्ग, दीनदयाल ऊर्जा भवन,  
वसंत कुंज, नई दिल्ली-११००७०, भारत।

### कार्य की प्रस्तावना और उद्देश्य

ब्यूरो वेरिटास को ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात संक्षिप्ततः "ओएनजीसी" कहा गया है) द्वारा 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक की प्रतिवेदन अवधि के लिए ओएनजीसी की एकीकृत रिपोर्ट (जिसे इसके पश्चात संक्षिप्ततः "रिपोर्ट" कहा गया है) में अनुपालित प्रतिवेदन मानदंडों के आधार पर इस रिपोर्ट में प्रतिवेदित संधारणीयता प्रकटीकरण का स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के लिए नियुक्त किया गया है। बीआरएसआर "कोर" के लिए उचित आश्वासन और जीआरआई ढांचे के अनुसार तैयार बीआरएसआर 9 सिद्धांतों और आईआर के लिए सीमित आश्वासन प्रदान किया जाता है।

### निर्धारित उपयोकर्ता

यह आश्वासन कथन केवल "ओएनजीसी" और उसके हितधारकों के लिए "ओएनजीसी" और "ब्यूरो वेरिटास" के बीच आश्वासन अनुबंध के शासी संविदात्मक नियमों और शर्तों के अनुसार तैयार किया गया है। जहाँ तक कानून अनुमत करता है, हम इस आश्वासन रिपोर्ट के लिए किए गए कार्य या नीचे दिए गए पैराग्राफ में बताए गए हमारे निष्कर्षों के लिए "ओएनजीसी" के अलावा किसी अन्य पक्षकार के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं लेते हैं और न ही कोई दायित्व स्वीकार करते हैं।

### प्रतिवेदन मानदंड

कंपनी ने प्रतिवेदन तैयार करने के लिए नीचे उल्लिखित मानदंड अंगीकृत किए हैं :

- अंतर्राष्ट्रीय डाईआरझ फ्रेमवर्क (जनवरी, 2021);
- वैश्विक प्रतिवेदन पहल (जीआरआई) मानक;
- ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) प्रोटोकॉल;
- सेबी परिपत्र (सेबी/एचआ/सीएफडी/सीएफडी-एसईसी-2/पी/सीआईआर/2023/122, दिनांक 12 जुलाई, 2023) बीआरएसआर कोर के प्रतीकार्थी के अनुसार व्यावसाय उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्ट।

### प्रयुक्त आश्वासन मानदंड

ब्यूरो वेरिटास ने इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी)

इंटरनेशनल स्टैंडर्ड ऑन एश्योरेस एंगेजमेंट (आईएसएई) 3000 (संशोधित) उचित आश्वासन और आईएसएई 3410 के अनुसार जीएचजी की अपेक्षाओं के अनुसार बीआरएसआर कोर का युक्तिसंगत आश्वासन आयोजित किया। इस मानक के तहत, ब्यूरो वेरिटास ने प्रासंगिकता, पूर्णता, भौतिकता, विश्वसनीयता, तटस्थिता और समझ विलक्षणों के सापेक्ष प्रतिवेदन में प्रस्तुत जानकारी की समीक्षा की है। जीआरआई प्रकटीकरण के सीमित आश्वासन में मुख्य रूप से पूछताछ और विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएँ शामिल हैं। सीमित आश्वासन सहलग्नता में निष्पादित प्रक्रियाएँ प्रकृति और समय में भिन्न होती हैं और उचित आश्वासन सहलग्नता की तुलना में कम होती हैं। सीमित आश्वासन सहलग्नता में निष्पादित प्रक्रियाएँ, प्रकृति और समय में अलग-अलग होती हैं और एक युक्तिसंगत आश्वासन सहलग्नता के लिए निष्पादित प्रक्रियाओं की हद अपेक्षाकृत छोटी होती है।

### आश्वासन का दायरा और उसकी परिसीमा

आश्वासन के दायरे में बीआरएसआर, जीआरआई मानकों और जीएचजी प्रोटोकॉल के आधार पर 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि के लिए गैर-वित्तीय प्रकटीकरण (नीचे उल्लिखित सामान्य और विषय विशिष्ट) की संधारणीयता के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना शामिल है।

रिपोर्टिंग परिसीमा :

- एकीकृत रिपोर्टिंग के लिए : ओएनजीसी और इसकी समूह कंपनियाँ, जिनमें ओएनजीसी विदेश, एमआरपीएल, ओपल और ओटीपीसी शामिल हैं।
- बीआरएसआर के लिए : ओएनजीसी का एकमात्र एकल परिचालन।

आईआर और बीआरएसआर के लिए संधारणीयता आश्वासन के दायरे में शामिल हैं :

- विशिष्ट प्रचालनों के लिए संधारणीयता प्रदर्शन गैर - वित्तीय प्रकटीकरणों के डेटा संकलन और रिपोर्टिंग के लिए अपनाई गई प्रक्रियाओं या दृष्टिकोणों का मूल्यांकन।
- डेटा का समर्थन करने वाले साक्ष्य का नमूना आधार पर परीक्षण।
- परिनिश्चित रिपोर्टिंग अवधि के लिए उपर्युक्त परिचालनों में प्रतिवेदित चयनित तात्त्विक विषयों से संबंधित नमूना डेटा साक्ष्य और सूचना का सत्यापन।
- चयनित संधारणीयता प्रदर्शन के लिए बैकअप डेटा और आईआर में प्रस्तुत गैर वित्तीय प्रकटीकरण और सूचना के बीच उपयुक्तता का आकलन।
- सामान्य और विषय-विशिष्ट संधारणीयता गैर-वित्तीय मानक

प्रकटीकरण आश्वासन के लिए उपलब्ध जानकारी की सीमा के आधार पर सीमित आश्वासन के अध्यधीन हैं।

- प्रकटीकरण के आश्वासन के सत्यापन, निष्कर्षों और निष्पत्ति को दर्शाते हुए रिपोर्ट में शामिल करने के लिए आश्वासन कथन को पूरा करना। जीआरआई मानकों के अनुसार अंतर का आकलन, प्रकटीकरण के सत्यापन के दौरान निष्कर्षों की मुख्य विशेषताएं, मसौदा आश्वासन कथन, जीआरआई मानकों के अनुपालन के अनुसार अंतिम हस्ताक्षरित आश्वासन कथन।

युक्तियुक्त आश्वासन में चयनित सामग्री बीआरएसआर कोर विषयों पर डेटा और सूचना का सत्यापन शामिल होता है, जो निम्नलिखित पर रिपोर्ट किए गए हैं :

- ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) पदचिह्न
- जल पदचिह्न
- ऊर्जा पदचिह्न
- इकाई द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परिपत्र-विवरण को अंगीकृत करना
- कर्मचारी कल्याण और संरक्षा को बढ़ाना
- व्यवसाय में लैंगिक विविधता को सक्षम करना
- समावेशी विकास समर्थ करना
- ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ सहलगता में निष्पक्षता
- व्यापार का खुलापन

एकीकृत में स्थिरता रिपोर्टिंग के लिए ओएनजीसी द्वारा विचार किए गए मापदंडों के लिए सीमित आश्वासन जिसमें जीआरआई मानक 2021 का निम्नलिखित प्रकटीकरण शामिल है;

जीआरआई	प्रकटन
जीआरआई 201	आर्थिक निष्पादन 2016
जीआरआई 202	बाजार उपस्थिति 2016
जीआरआई 203	अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव
जीआरआई 204	खरीद प्रथाएं 2016
जीआरआई 205	प्रष्टाचार निरोध 2016
जीआरआई 206	प्रतिस्पर्द्धारोधी संव्यवहार 2016
जीआरआई 301	सामग्री 2016
जीआरआई 302	ऊर्जा 2016
जीआरआई 303	जल और बहिःस्नाव 2018
जीआरआई 304	जैव विविधता 2016
जीआरआई 305	उत्सर्जन 2016
जीआरआई 306	अपशिष्ट 2020

जीआरआई	प्रकटन
जीआरआई 308	आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय मूल्यांकन 2016
जीआरआई 401	रोजगार 2016
जीआरआई 402	श्रम प्रबंधन संबंध 2016
जीआरआई 403	व्यवसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा 2018
जीआरआई 404	प्रशिक्षण और शिक्षा 2016
जीआरआई 405	विविधता और समान अवसर 2016
जीआरआई 406	गैर-भेदभाव 2016
जीआरआई 407	संघ बनाने और सामूहिक सौदा की स्वतंत्रता 2016
जीआरआई 408	बाल श्रम
जीआरआई 409	वलात् श्रम या अनिवार्य श्रम
जीआरआई 412	मानवाधिकार मूल्यांकन
जीआरआई 413	स्थानीय समुदाय 2016
जीआरआई 414	आपूर्तिकर्ता सामाजिक मूल्यांकन 2016
जीआरआई 415	लोक नीति 2016
जीआरआई 416	ग्राहक स्वास्थ्य और संरक्षा
जीआरआई 417	विपणन और लेबलिंग 2016
जीआरआई 418	ग्राहक गोपनियता 2016

## आश्वासन के लिए अपनाई गई कार्य-पद्धति

ब्यूरो वेरिटास की संधारणीयता आश्वासन प्रक्रिया में सामान्य और विषय-विशिष्ट मानक प्रकटीकरण से संबंधित प्रदान किए गए डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता के बारे में साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निर्दिष्ट प्रक्रियाएं शामिल हैं। चयनित प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा प्रदत्त डेटा और साक्ष्य पर निर्भर करती है, जिसमें अभिनिर्धारित संधारणीयता गैर-वित्तीय प्रकटीकरण के तात्त्विक विषयों के साथ संबंधित जोखिमों का सत्यापन और रिपोर्टिंग अवधि के लिए उनकी प्रासंगिकता शामिल है। संबंधित जोखिमों का आकलन करते समय, आश्वासन प्रक्रिया को डिजाइन करने और संभावित सीमा तक उनकी उपयुक्तता को मान्य करने के लिए रिपोर्ट की तैयारी के दौरान आंतरिक रणनीति पर विचार किया जा रहा है।

आश्वासन के दायरे के अनुसार, नमूना साक्ष्य, जानकारी और स्पष्टीकरण जिन्हें आश्वासन के दायरे के संबंध में आवश्यक माना गया था और तदनुसार नीचे उल्लिखित निष्पत्ति निकाले गए हैं :

- ओएनजीसी परिचालन पर प्रयोज्य बीआरएसआर कोर मापदंडों सहित जीआरआई मानकों और बीआरएसआर ढांचे पर आधारित संधारणीयता रिपोर्टिंग मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने का आकलन किया गया।



- डेटा आकलन के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न मान्यताओं की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया और आश्वासन के दायरे में प्रकटीकरण गों की कोई गलत व्याख्या न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट की समीक्षा की।
- कोर मापदंडों के उचित आश्वासन के लिए बीआरएसआर ढांचे के पालन का मूल्यांकन किया, जिसमें तात्प्रकार, समावेशिता और जवाबदेही के सिद्धांत शामिल हैं, और डेटा संकलन और रिपोर्टिंग के लिए उपयोग की जाने वाली प्रणालियों का मूल्यांकन किया।
- परिचालन स्थानों और कॉर्पोरेट कार्यालयों, जिनमें सोभासन जीजीएस, नकाड़ी जीजीएस4, मेहसाणा के नंदसन जीजीएस, हजीरा प्लांट और दाहेज प्लांट शामिल हैं, के स्थल दौरे के माध्यम से रिपोर्ट में शामिल संधारणीयता प्रदर्शन प्रकटीकरणों के परिमाणीकरण, मिलान और विश्लेषण की प्रणाली और प्रक्रियाविधि का सत्यापन किया। नमूना आधार पर डेटा विश्वसनीयता का परीक्षण किया।
- संधारणीयता जोखिमों और अवसरों को समझने के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय के अधिकारियों के साथ चर्चा की, उन मुद्दों पर काम करने के लिए ओएनजीसी की रणनीति, और समानता, विश्वसनीयता और सटीकता के लिए महीनेवार डेटा का मूल्यांकन किया।
- प्रासादिक आंतरिक हितधारकों के साथ बातचीत और संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा के माध्यम से हितधारक सहलग्नता प्रक्रिया का मूल्यांकन किया। कॉर्पोरेट और संयंत्र स्तरों पर तात्प्रकार मूल्यांकन प्रक्रिया और संधारणीयता प्रदर्शन प्रकटीकरण के संग्रह, संकलन और रिपोर्टिंग की प्रक्रियाओं की समीक्षा की।
- ओएनजीसी के प्रदर्शन माप, लक्ष्य निर्धारण, अभिशासन और जवाबदेही सहित इसके तात्प्रकार मुद्दों और हितधारक सरोकारों के सापेक्ष इसकी रणनीति विकास की समीक्षा की।
- रिपोर्ट में विवरणों की सटीकता और निर्दिष्ट संधारणीयता प्रदर्शन – गैर – वित्तीय प्रकटीकरण आश्वासन की विश्वसनीयता निर्धारित करने के लिए दावों और डेटा धाराओं की समीक्षा की। डेटा संग्रह, प्रतिलेखन और एकत्रीकरण की सटीकता निर्धारित करने के लिए दावों और डेटा धाराओं का ऑडिट ट्रेल निष्पादित किया।
- बीआरएसआर रिपोर्टिंग की पर्याप्तता और निष्पक्षता का आकलन और मूल्यांकन करने के लिए पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन पहलुओं से संबंधित योजनाओं, नीतियों और प्रथाओं की समीक्षा की। यह सुनिश्चित किया कि रिपोर्ट संधारणीय विकास के प्रति संगठन के सकारात्मक और नकारात्मक योगदान का संतुलित और उचित निरूपण प्रस्तुत करें।
- जीएचजी प्रोटोकॉल के अनुसार जीएचजी उत्सर्जन के लिए रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं का मूल्यांकन किया और डेटा अनुमान के लिए अपनाई गई

विभिन्न अवधारणाओं और गणनाओं की उपयुक्तता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन किया।

- आश्वासन और निष्कर्षों के दायरे में प्रकटीकरणों का कोई मिथ्या बयानी नहीं हो ऐसा सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट, सहायक साक्ष्य और प्रलेखित डेटा की समीक्षा की। रिपोर्ट में प्रस्तुत डेटा और संबंधित बैकअप डेटा पर ओएनजीसी मुख्यालय कॉर्पोरेट स्तर और साइट स्तर पर संबंधित कर्मियों के साथ चर्चा की। संबंधित बैकअप, ओएनजीसी के परिचालन के लिए स्थल दौर और संबंधित कर्मियों के साथ चर्चा सहित संबंधित इकाइयों के लिए प्रदत्त डेटा के आधार पर संधारणीयता प्रदर्शन गैर–वित्तीय प्रकटीकरण डेटा की समीक्षा की।

## सीमाएँ और अपवर्जन

यह आश्वासन कार्य के ऊपर उल्लिखित दायरे तक सीमित है और निम्नलिखित से संबंधित सूचना को इस दायरे से बाहर रखा गया है :

- कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन प्रकटीकरण से संबंधित डेटा।
- ऊपर उल्लिखित परिभाषित आश्वासन अवधि के बाहर की गतिविधियाँ और संव्यवहार।
- “ओएनजीसी” द्वारा स्थिति संबंधी कथन, राय, विश्वास, उद्देश्य या भविष्य के इरादे की अभिव्यक्तियाँ और भविष्य की प्रतिबद्धता के कथन।
- यह आश्वासन रिपोर्ट में उल्लिखित दायरे और भौगोलिक सीमाओं के बाहर “ओएनजीसी” की गतिविधियों और प्रवालनों के साथ–साथ किसी अन्य कंपनी द्वारा किए गए प्रवालनों तक विस्तारित नहीं होता है जो “ओएनजीसी” से जुड़ी हो या उसके साथ व्यावसायिक संबंध रखती हो।
- विनियामक प्राधिकरण से संबंधित किसी भी पर्यावरणीय, सामाजिक और कानूनी मुद्दों का अनुपालन।
- कंपनी के पहलुओं या प्रतिष्ठा से संबंधित कोई भी कथन।

## युक्तिसंगत आश्वासन राय

बीआरएसआर कोर : बूरो वेरिटास ने अपनी रिपोर्ट में ओएनजीसी द्वारा प्रदत्त बीआरएसआर मूल प्रकटन की समीक्षा की। ऊपर उल्लिखित प्रक्रियाओं, प्राप्त साक्ष्यों और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के साथ–साथ प्रबंधन द्वारा प्रदत्त निरूपण और इस रिपोर्ट में कहीं और उल्लिखित अंतर्निहित सीमाओं के अधीन, हमारी राय में, रिपोर्ट में शामिल, 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 की अवधि के लिए बीआरएसआर मूल प्रकटन पर बीएचईएल का डेटा और जानकारी, सभी तात्प्रकार मामलों में, सेबी के बीआरएसआर दिशानिर्देशों के अनुरूप है।

## सीमित आश्वासन निष्कर्ष

बीआरएसआर (गैर-कोर) और एकीकृत रिपोर्ट 'जीआरआई मानक प्रकटीकरण': निष्पादित प्रक्रियाओं और प्राप्त साक्षयों के आधार पर, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें यह विश्वास हो कि 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि की बीआरएसआर रिपोर्ट में प्रकटीकरण से संबंधित बीआरएसआर खंड (जो बीआरएसआर मूल का हिस्सा नहीं है) में ओएनजीसी द्वारा अभिज्ञात संधारणीयता सूचना, सीमित आश्वासन के अधीन, सभी तात्त्विक मामलों में सेबी के बीआरएसआर दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार नहीं की गई है।

## प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

ओएनजीसी रिपोर्ट की अंतर्वस्तु, तात्त्विक विषयों की पहचान और डेटा रिपोर्टिंग संरचना के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। रिपोर्टिंग मानदंड का चयन, रिपोर्टिंग अवधि, रिपोर्टिंग सीमा, निगरानी और डेटा का मापन, रिपोर्ट के लिए सूचना की तैयारी और प्रस्तुति एकमात्र 'ओएनजीसी' के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। ब्यूरो वेरिटास (बीवी) रिपोर्टिंग अवधि के लिए रिपोर्ट और किसी भी अन्य बैकअप डेटा के प्रारूपण या तैयारी में शामिल नहीं था। बी. वी. की जिम्मेदारी आश्वासन के दायरे में वर्णित गैर-वित्तीय प्रकटीकरण की संधारणीयता के लिए सीमित स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करना था।

उक्त मूल्यांकन उचित रूप से इस अवधारणा पर आधारित है कि रिपोर्ट में प्रदत्त डेटा और जानकारी उचित हैं और उनमें कोई विसंगति नहीं है। ब्यूरो वेरिटास किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा इस आश्वासन कथन के आधार पर लिए गए किसी भी प्रकार के निर्णय के लिए उत्तरदायी या जिम्मेदार नहीं होगा। इस आश्वासन कथन को पढ़ते समय, हितधारकों को ऊपर उल्लिखित सीमाओं और दायरे को पहचानना और स्वीकार करना चाहिए।

## अनिश्चितता

आश्वासन की विश्वसनीयता अनिश्चितता(ओं) के अधीन है जो आश्वासन प्रक्रिया में निहित है। अनिश्चितताएँ उपयोग किए गए परिमाणीकरण मॉडल, मान्यताओं, या डेटा रूपांतरण कारकों में सीमाओं से उत्पन्न होती हैं या परिणामों पर पहुँचने के लिए उपयोग किए गए डेटा के अनुमान में मौजूद हो सकती हैं। इस आश्वासन के संबंध में हमारे निष्कर्ष स्वाभाविक रूप से आश्वासन प्रक्रिया में शामिल किसी भी अंतर्निहित अनिश्चितता(यों) के अधीन हैं।

हस्ताक्षर

कल्याण डे

वरिष्ठ प्रधान आश्वासनकर्ता

हस्ताक्षर

अमित कुमार

टीम सदस्य

तिथि : 23 जुलाई, 2024

स्थान : नई दिल्ली, भारत

## स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सक्षमता विवरण

ब्यूरो वेरिटास एक स्वतंत्र पेशेवर सेवा कंपनी है जो गुणवत्ता, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सामाजिक और पर्यावरण प्रबंधन में विशेषज्ञता रखती है और स्वतंत्र आश्वासन सेवाएँ प्रदान करने में लगभग 190 वर्षों का इतिहास है। ब्यूरो वेरिटास ने अपने दैनिक व्यावसायिक गतिविधियों में कर्मचारियों के बीच उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखने के लिए पूरे व्यवसाय में आचार संहिता लागू की है। हम हितों के टकराव की रोकथाम के प्रति विशेष रूप से सतर्क हैं।

आश्वासन टीम के किसी भी सदस्य का ओएनजीसी, इसके निदेशकों, प्रबंधकों या अधिकारियों के साथ इस समनुदेशन के लिए यथा आवश्यक से परे कोई व्यावसायिक संबंध नहीं है। हमने यह सत्यापन स्वतंत्र रूप से किया है और इसमें हितों का कोई टकराव नहीं हुआ है।

## सक्षमता

आश्वासन टीम के पास पर्यावरण, सामाजिक, नैतिक, और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी, प्रणालियों और प्रक्रियाओं पर आश्वासन देने का व्यापक अनुभव है, संधारणीयता रिपोर्ट के आश्वासन के लिए ब्यूरो वेरिटास मानक कार्यप्रणाली की उत्कृष्ट समझ है।

## हमारी रिपोर्ट के उपयोग पर प्रतिबंध

कंपनी के निदेशक मंडल को हमारी आश्वासन रिपोर्ट कंपनी के अनुरोध पर तैयार की गई है और कंपनी के संधारणीयता प्रदर्शन और गतिविधियों पर रिपोर्टिंग में कंपनी की सहायता करने के लिए भेजी गई है। तदनुसार, हम कंपनी के अलावा किसी और के प्रति कोई दायित्व स्वीकार नहीं करते हैं। हमारे व्युत्पन्न का उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए या हमारे व्युत्पन्नों के पते के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं किया जाना चाहिए। फर्म किसी अन्य उद्देश्य के लिए या किसी अन्य पक्षकार के लिए देखभाल या दायित्व का कोई कर्तव्य स्वीकार नहीं करती है या नहीं मानती है जिसे हमारे व्युत्पन्न दिखाए जाते हैं या जिनके हाथों में यह लिखित रूप में हमारी पूर्व सहमति के बिना आ सकता है।

हस्ताक्षर

मुंजी रामा मोहन राव

तकनीकी समीक्षक

तिथि : 23 जुलाई, 2024

स्थान : हैदराबाद, भारत



अनुलग्नक 'ड'

## वित्त वर्ष 2023–24 की वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट

### 1. कंपनी की सीएसआर नीति की संक्षिप्त रूपरेखा

पिछले कुछ वर्षों से, ओएनजीसी अपने सीएसआर कार्यक्रम के माध्यम से हाशिए पर चले गए स्थानीय समुदायों और वंचित वर्ग के लोगों तक पहुंच रहा है और विकास के अंतराल को पाट, रहा है मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, शिक्षा, कौशल विकास, राष्ट्रीय विरासतों का संरक्षण, कला और संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 135 के अंतर्गत विनिर्दिश्ट अन्य फोकस क्षेत्र में, कंपनी द्वारा शुरू की गयी विकासात्मक गतिविधियों को जान –बूझकर देश के मानव विकास संबंधी सूचकांकों की बेहतरी की ओर निर्देशित किया जा रहा है और इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की भी दिशा में बढ़ रहा है।

देश भर में सीएसआर परियोजनाओं और कार्यक्रमों की बहुलता कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और संधारणीयता नीति, 2021 के अनुरूप शुरू की गई है, जिसे दिनांक 30.03.2021 को आयोजित अपनी 335वीं बैठक में ओएनजीसी के बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया

गया है। सीएसआर नीति लोगों, पृथ्वी और लाभ की चिंता का ख्याल रखते हुए जिम्मेदार और संधारणीय पहलों का समर्थन करने के अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ देश में सीएसआर के समग्र कानूनी ढांचे के भीतर सीएसआर गतिविधियों को करने के लिए व्यापक दिशानिर्देश प्रदान करती है।

सीएसआर नीति सीएसआर गतिविधियों की रूपरेखा बताती है जो ओएनजीसी द्वारा की जा सकती हैं, यह नीति सीएसआर पहलों की योजना बनाने पर दिशानिर्देश भी प्रदान करती है, जिसमें सीएसआर बजट और सीएसआर व्यय, प्रत्येक वित्तीय वर्ष की शुरुआत में वार्षिक सीएसआर कार्य योजना तैयार करना, सीएसआर कार्यान्वयन भागीदारों के मानदंड और सीएसआर निगरानी, मूल्यांकन, प्रभाव आकलन, रिपोर्टिंग और दस्तावेजीकरण के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं।

सीएसआर और संधारणीयता नीति को ओएनजीसी की कॉरपोरेट वेबसाइट अर्थात् [www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) पर प्रकाशित किया गया है।

### 2. सीएसआर समिति की संरचना :

क्र.सं.	निदेशक का नाम	पदनाम/निदेशक पद की प्रकृति	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान भाग ली गई सीएसआर समिति बैठकों की संख्या
01.	सुश्री रीना जेटली	स्वतंत्र निदेशक एवं अध्यक्षा	13	13
02.	डॉ. प्रभाकर राय	स्वतंत्र निदेशक	13	13
03.	डॉ. माधव सिंह	स्वतंत्र निदेशक	13	13
04.	श्री पंकज कुमार	निदेशक (उत्पादनं.)	13	13
05.	सुश्री पोमिला जसपाल (31.01.2024 को सेवानिवृत्त)	निदेशक (वित्त)	9	9
06.	श्री मनोष पाटील	निदेशक (मा.सं.)	12	11

3. वह वेब लिंक साझा करें जहाँ बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं से संबंधित सूचना का प्रकटन कंपनी की वेबसाइट पर किया गया है :

सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजना हमारी वेबसाइट <https://ongcindia.com/web/eng/csr/> पर उपलब्ध है।

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) नियमावली, 2014 के उप-नियम (3) के अनुसरण में, यदि लागू हो, क्रियान्वित सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव आकलन का विवरण प्रस्तुत करें (रिपोर्ट संलग्न करें)।

कंपनी कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) संशोधन नियम, 2021 ("सीएसआर संशोधन नियम") के नियम 8 के उप-नियम (3) का संज्ञान लेती है। सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन का विवरण अनुबंध-1 में संलग्न है। 2023-24 के दौरान किए गए प्रभाव मूल्यांकन का संक्षिप्त विवरण <https://ongcindia.com/web/eng/csr-annual-report> पर उपलब्ध है।

## 5.

	राशि (₹ मिलियन में)
क) धारा 135 की उप-धारा (5) के अनुसार कंपनी के शुद्ध लाभ का औसत	3,25,167.11
ख) धारा 135 की उप-धारा (5) के अनुसार कंपनी के शुद्ध लाभ के औसत का दो प्रतिशत	6,503.34
ग) पिछले वित्तीय वर्षों के सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष	भून्य
घ) वित्त वर्ष के लिए सेट ऑफ के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो	461.35
ड) वित्त वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व [(ख)+(ग)+(घ)]	6,041.99

## 6.

	राशि (₹ मिलियन में)
क) सीएसआर परियोजनाओं पर व्यय की गयी राशि (चालू परियोजना और चालू परियोजना के अलावा अन्य)	6,124.17
ख) प्रशासनिक ऊपरी शीर्ष में व्ययित राशि	217.06
ग) प्रभाव आकलन में व्ययित राशि, यदि लागू हो*	4.50
घ) वित्त वर्ष के लिए व्ययित कुल राशि [(क)+(ख)+(ग)]	6,345.74

\*वित्त वर्ष 2022-23 के लिए

ड) वित्त वर्ष में व्ययित या अव्ययित सीएसआर राशि :

वित्त व्यय के लिए व्ययित कुल राशि (₹ मिलियन में)	अव्ययित राशि (रुपए में)				
	धारा 135 (6) के अनुसार सीएसआर खाते में अव्ययित में अंतरित कुल राशि		धारा 135 (5) के द्वितीयक परंतुक के अनुसार अनुसूची 7 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट किसी अन्य निधि में अंतरित राशि		
	राशि (₹ मिलियन में)	अंतरण की तिथि	निधि का नाम	राशि	अंतरण की तिथि
6,345.74	0.48	15.04.2024	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं



च) सेट ऑफ के लिए आधिक्य राशि, यदि कोई हो :

क्र. सं.	विवरण	राशि (₹ मिलियन में)
(1)	(2)	(3)
(i)	धारा 135 की उप-धारा के अनुसार कंपनी के औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत	6,503.34
(ii)	वित्त वर्ष के लिए व्ययित कुल राशि (पिछले वर्ष के सेट ऑफ सहित 219.82 मिलियन रुपए)	6,807.09
(iii)	वित्त वर्ष के लिए व्यय की गयी आधिक्य राशि	303.74
(iv)	पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न आधिक्य राशि	0
(v)	परवर्ती वित्तीय वर्षों में सेट ऑफ के लिए उपलब्ध राशि	303.74

## 7. पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व राशि का विवरण :

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	
क्र.सं.	पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों)	धारा 135 की उप-धारा (6) के अंतर्गत अव्ययित सीएसआर खाते में अंतरित राशि (₹ मिलियन में)	धारा 135 की उप-धारा (6) के अंतर्गत अव्ययित सीएसआर खाते में शेष राशि (₹ मिलियन में)	वित्तीय वर्ष में व्यय की गयी राशि (₹ मिलियन में)	धारा 135 की उप-धारा (5) के द्वितीय परंतुक के अनुसार अनुसूची 7 के अंतर्गत यथा निर्दिष्ट किसी निधि में अंतरित राशि	परवर्ती वित्तीय वर्षों में व्यय की जाने वाली शेष राशि (₹ मिलियन में)	कमियां यदि कोई हो	
1	2021-22	130.73	74.23	3.57	शून्य	लागू नहीं	74.23	
2	2022-23	266.85	34.74	201.21	शून्य	लागू नहीं	65.64	
3	2023-24	0.48	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	

\*31 मार्च, 2024 के अनुसार शेष;

\*\*30 अप्रैल, 2024 के अनुसार शेष

## 8. क्या वित्तीय वर्ष में व्यय की गई निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व राशि के माध्यम से कोई पूँजीगत संपत्ति बनाई गई या अर्जित की गई है: हाँ

यदि हाँ, तो सृजित/अर्जित पूँजीगत संपत्तियों की संख्या दर्ज करें: 41\*

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से बनाई गई या अर्जित की गई ऐसी संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें:

\* ₹10 लाख एवं उससे अधिक मूल्य वाली पूँजीगत परिसंपत्ति

क्र.सं.	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का संक्षिप्त विवरण (संपत्ति का पता और स्थान सहित)	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का पिन कोड	सूचन की तिथि	व्यक्ति सीएसआर की राशि (₹ मिलियन में)	संस्था / प्राधिकारी / पंजीकृत स्वामी के लाभार्थी		
					सीएसआर पंजीकरण संख्या, यदि लागू हो	नाम	पंजीकृत पता
1	चिकित्सा उपकरण अर्थात् सी—आर्म इमेजिंग सिस्टम—1 नग। और बैटरी चालित ड्रिल और सॉ मॉडल—2 नग, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली—110001	110001	वित्त वर्ष 23–24	45.26	लागू नहीं	राम मनोहर लोहिया अस्पताल	बाबा खड़क सिंह मार्ग, गुरुद्वारा बंगला साहिब के पास, दिल्ली—110001
2	छात्रावास भवन, रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर, खंडवाया, शिकारपुर, बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश—203395	203395	वित्त वर्ष 23–24	43.98	लागू नहीं	राजपाल सिंह जन कल्याण सेवा समिति	खंडवाया, शिकारपुर, बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश—203395
3	बर्न वार्ड, सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, रामनाथपुरम, तमिलनाडु—623503	623503	वित्त वर्ष 23–24	12.96	लागू नहीं	सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल	रामनाथपुरम, तमिलनाडु—623503, हरियाणा—122413
4	स्कूल भवन, स्वामी प्रणबानंद विद्या मंदिर, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल—733123	733123	वित्त वर्ष 23–24	11.20	सीएसआर 00000812	भारत सेवाश्रम संघ	कालीबाड़ी देवीनगर, रायपंज, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल—733123
5	सामुदायिक हॉल, ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम, हरियाणा—122413	122413	वित्त वर्ष 23–24	9.74	सीएसआर 00000880	ब्रह्मा कुमारिस एजुकेशनल सोसायटी, ओम शांति रिट्रीट सेंटर	बिलासपुर चौक, एनएच—48, भोरा कलां, जिला—गुरुग्राम, हरियाणा—122413
6	विधानसभा / सम्मेलन हॉल, डीएवी (पीजी) कॉलेज, देहरादून, उत्तराखण्ड—248001	248001	वित्त वर्ष 23–24	9.68	लागू नहीं	डीएवी (पीजी) कॉलेज	डीएवी कॉलेज रोड, करणपुर, देहरादून, उत्तराखण्ड—248001
7	सीएनजी बर्से—2 नंबर, विवेकानंद विद्यालय सीबीएसई स्कूल, नागाची पीओ, रामनाथपुरम—623534	623534	वित्त वर्ष 23–24	5.07	सीएसआर 00002806	रामकृष्ण मठ, विवेकानंद विद्यालय सीबीएसई स्कूल	नागाची पीओ, रामनाथपुरम—623534
8	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, न्हावा गांव, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र—410206	410206	वित्त वर्ष 23–24	4.98	लागू नहीं	ग्राम पंचायत न्हावा	न्हावा गांव, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र—410206
9	टीवीपीएलआईएस मुख्य नहर पर पुल, नीलाद्रिरावपेटा (वी), जग्गमपेटा मंडल	533435	वित्त वर्ष 23–24	4.85	लागू नहीं	कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट	काकीनाडा जिला
10	विधानसभा / सम्मेलन हॉल, सरुपाथर कॉलेज, गोलाघाट जिला, असम—785601	785601	वित्त वर्ष 23–24	4.43	लागू नहीं	सरुपथार कॉलेज	सरुपथार, गोलाघाट, असम—785601
11	चिकित्सा उपकरण यानी सी—आर्म फ्लोरोस्कोपी मशीन—1 नं. और क्रायोस्टेट—1 नं., किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल, मुंबई, महाराष्ट्र—400012	400012	वित्त वर्ष 23–24	4.60	लागू नहीं	किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल	आचार्य डॉडे मार्ग, परेल ईस्ट, परेल, मुंबई, महाराष्ट्र—400012
12	मुर्दाघर कोल्ड स्टोरेज चॉबर और वॉकइन कोल्ड रूम, जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, असम—785001	785001	वित्त वर्ष 23–24	4.57	सीएसआर 00019330	सोसायटी ऑफ मेडिकल एजुकेशन	जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, असम, केवी रोड, बरभेटा, जोरहाट—785001



क्र.सं.	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का संक्षिप्त विवरण (संपत्ति का पता और स्थान सहित)	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का पिन कोड	सूजन की तिथि	व्ययित सीएसआर की राशि (₹ मिलियन में)	संस्था / प्राधिकारी / पंजीकृत स्वामी के लाभार्थी		
					सीएसआर पंजीकरण संख्या, यदि लागू हो	नाम	पंजीकृत पता
13	चिकित्सा उपकरण यानी माइक्रो—वॉल्यूम स्पेक्ट्रोफोटोमीटर— 1 नंबर, श्री सत्य साई संजीवनी केंद्र, खारघर, नवी मुंबई, महाराष्ट्र—410208	410208	वित्त वर्ष 23–24	1.20	लागू नहीं	श्री सत्य साई संजीवनी सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट केयर	सेक्टर 38, खारघर, नवी मुंबई, महाराष्ट्र—410208
14	सामुदायिक हॉल, नारा पाबू, चिपा नेलो, हांग गांव, निचला सुबनसिरी ज़िला, अरुणाचल प्रदेश	791120	वित्त वर्ष 23–24	3.97	सीएसआर 00005146	हेलिंग हैंड्स	निचला सुबनसिरी ज़िला, अरुणाचल प्रदेश
15	शेड का निर्माण, सरकारी सामान्य अस्पताल, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश—533001	533001	वित्त वर्ष 23–24	2.77	लागू नहीं	गवर्नर्मेंट जनरल हॉस्पिटल	काकीनाडा, आंध्र प्रदेश—533001
16	स्कूल बस— 1 नंबर, सिनामोरा, जोरहाट, असम—785008 ,	785008	वित्त वर्ष 23–24	2.62	सीएसआर 00022824	प्रेरणा प्रतिभा शिशु विकास केंद्र	सिन्नामोरा, जोरहाट, असम—785008
17	ट्यूबवेल, हाजीपुर गांव, तालुका—कलोल, ज़िला — गांधीनगर, गुजरात—382721	382721	वित्त वर्ष 23–24	2.15	सीएसआर 00034884	हाजीपुर ग्राम पंचायत	हाजीपुर गांव, तालुका — कलोल, ज़िला — गांधीनगर, गुजरात—382721
18	कचरा ट्रक 1 नंबर, चांजे ग्राम पंचायत, नवापाड़ा, करंजा, महाराष्ट्र—400702	400702	वित्त वर्ष 23–24	2.00	लागू नहीं	चांजे ग्राम पंचायत	नवापाड़ा, करंजा, महाराष्ट्र—400702
19	20 किलोवाट ऑफ-ग्रिड रुफॉप सोलर सिस्टम, चिन्मय विद्यालय, बोकारो स्टील सिटी, झारखण्ड—827006	827006	वित्त वर्ष 23–24	1.98	सीएसआर 00008084	चिन्मय विद्यालय	बोकारो स्टील सिटी, झारखण्ड—827006
20	मेडिकल उपकरण यानी बीपीएल सी—आर्म सी रे 100 प्रो एमएसवीआई— 1 नंबर, प्रागनानंद सरस्वती सेवा सदन, अशोकनगर, कल्याणगढ़, पश्चिम बंगाल—743222	743222	वित्त वर्ष 23–24	1.29	लागू नहीं	प्रागनानंद सरस्वती सेवा सदन	अशोकनगर, कल्याणगढ़, पश्चिम बंगाल—743222
21	क्लास रूम — 2 नग, पीयूँझेस, त्यागराजपुरम पंचायत, तिरुवरुर ज़िला	613701	वित्त वर्ष 23–24	1.95	लागू नहीं	पंचायत यनियन एलीमेंट्री स्कूल (पीयूँझेस), त्यागराजपुरम पंचायत	तिरुवरुर ज़िला, तमिलनाडु
22	वाहन— 1 संख्या, एडाप्ट सेंटर, कोलोबा, मुंबई, महाराष्ट्र—400005	400005	वित्त वर्ष 23–24	1.87	सीएसआर 00001228	एडाप्ट सेंटर	कोलोबा, मुंबई, महाराष्ट्र—400005
23	5 सौर ऊर्जा आधारित आरओ प्लॉट— 1 संख्या, जानकी जीवन भवन, गोला घाट, अयोध्या, यूपी	224001	वित्त वर्ष 23–24	1.94	लागू नहीं	जानकी जीवन भवन	गोला घाट, अयोध्या, यूपी
24	बोरवेल, उन्वरसद गांव, गांधीनगर ज़िला, गुजरात—382422	382422	वित्त वर्ष 23–24	1.91	सीएसआर 00030643	उन्वरसद ग्राम पंचायत, उन्वरसद गांव	गांधीनगर ज़िला, गुजरात—382422

क्र.सं.	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का संक्षिप्त विवरण (संपत्ति का पता और स्थान सहित)	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का पिन कोड	सूचन की तिथि	व्यित सीएसआर की राशि (₹ मिलियन में)	संस्था / प्राधिकारी / पंजीकृत स्वामी के लाभार्थी		
					सीएसआर पंजीकरण संख्या, यदि लागू हो	नाम	पंजीकृत पता
25	कलास रुम— 2 संख्या, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, परुथियूर, तिरुवरुर जिला, तमिलनाडु	612604	वित्त वर्ष 23–24	1.86	लागू नहीं	सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	परुथियूर, नन्निलम ब्लॉक, तिरुवरुर जिला, तमिलनाडु
26	पुस्तकालय, सरकार। सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पहाड़ी, पटोदी ब्लॉक, गुरुग्राम, हरियाणा—122502	122502	वित्त वर्ष 23–24	1.84	लागू नहीं	सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल	पहाड़ी, पटोदी ब्लॉक, गुरुग्राम, हरियाणा—122502
27	कलास रुम— 2 नंबर, विवेकानन्द सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, कपानमंगलम पंचायत, तिरुवरुर जिला, तमिलनाडु	612604	वित्त वर्ष 23–24	1.79	लागू नहीं	विवेकानन्द सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, कपानमंगलम पंचायत	तिरुवरुर जिला, तमिलनाडु
28	ड्रेनेज सिस्टम, बेलाटांड गांव, गोमिया ब्लॉक, बोकारो जिला, झारखण्ड	828103	वित्त वर्ष 23–24	1.72	लागू नहीं	बेलाटांड गांव	गोमिया ब्लॉक, बोकारो जिला, झारखण्ड
29	जल उपचार संयंत्र, हजारी, खुदगङ्गा गांव, गोमिया ब्लॉक, बोकारो जिला, झारखण्ड	829112	वित्त वर्ष 23–24	1.59	लागू नहीं	हजारी ग्राम पंचायत, खुदगङ्गा गांव	जॉयसागर, रूपही पथार, असम—785665
30	डेंड बॉडी कैरियर— 1 नं., शिवसागर सिविल हॉस्पिटल, जॉयसागर, रूपाही पाथर, असम—785665	785665	वित्त वर्ष 23–24	1.57	लागू नहीं	शिवसागर सिविल अस्पताल,	गांधी बाग, तारापुर, सिलचर, असम 788001 कोलोबा, मुबई, महाराष्ट्र—400005
31	स्कूल बिल्डिंग, तरुण राम फूकून स्कूल, गांधी बाग, तारापुर, सिलचर, असम 788001	788001	वित्त वर्ष 23–24	1.50	लागू नहीं	तरुण राम फूकून स्कूल	गांधी बाग, तारापुर, सिलचर, असम 788001
32	असेंबली / कॉम्प्रोस हॉल, टेंगापानी एचएस स्कूल, गोला पथार, डेमो, शिवसागर, असम—785671	785671	वित्त वर्ष 23–24	1.44	लागू नहीं	टेंगापानी एचएस स्कूल	गोला पथार, डेमो, शिवसागर, असम—785671
33	टॉयलेट ब्लॉक, गोराजन हायर सेकेंडरी स्कूल, बोरहोल्ला, जोरहाट, असम—785631	785631	वित्त वर्ष 23–24	1.44	लागू नहीं	गोराजन हायर सेकेंडरी स्कूल	बोरहोल्ला, जोरहाट, असम—785631
34	मेडिकल उपकरण यानी एचपीएलसी मशीन, जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, गोत्री, वडोदरा, गुजरात—390021	390021	वित्त वर्ष 23–24	1.42	लागू नहीं	जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल	गोत्री, वडोदरा, गुजरात—390021
35	स्कूल बिल्डिंग, रुद्रसागर एलपी स्कूल, जॉयसागर, अमगुरी, शिवसागर जिला, असम—785665	785665	वित्त वर्ष 23–24	1.27	लागू नहीं	रुद्रसागर एलपी स्कूल	जॉयसागर, अमगुरी, शिवसागर जिला, असम—785665
36	सीमेट कंफ्रीट (सीसी) रोड, लक्ष्मीपुरा गांव, मेहसाणा, गुजरात—384002	384002	वित्त वर्ष 23–24	1.27	सीएसआर 00015197	श्री लक्ष्मीपुरा ग्राम पंचायत	लक्ष्मीपुरा गांव, मेहसाणा, गुजरात—384002



क्र.सं.	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का संक्षिप्त विवरण (संपत्ति का पता और स्थान सहित)	संपत्ति या परिसंपत्ति (यों) का पिन कोड	सूचन की तिथि	व्ययित सीएसआर की राशि (₹ मिलियन में)	संस्था / प्राधिकारी / पंजीकृत स्वामी के लाभार्थी		
					सीएसआर पंजीकरण संख्या, यदि लागू हो	नाम	पंजीकृत पता
37	कलास रुम— 1 नंबर, पीयूएमएस, उदयमार्थदपुरम, मुश्येपट्टई, तिरुवरुर, तमिलनाडु—614704	614704	वित्त वर्ष 23–24	1.24	लागू नहीं	पंचायत यनियन मिडिल स्कूल (पीयूएमएस)	उदयमार्थदपुरम, मुश्येपट्टई, तिरुवरुर, तमिलनाडु—614704
38	मेडिकल वैन—1 नंबर, पोरेचा आई हॉस्पिटल, बरेजा, अहमदाबाद, गुजरात—382425	382425	वित्त वर्ष 23–24	1.03	सीएसआर 00000936	पोरेचा आई हॉस्पिटल, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन	बरेजा, अहमदाबाद, गुजरात—382425
39	कलास रुम— 2 नंबर, तवाड़िया प्राथमिक शाला, तवाड़िया, मेहसाणा, गुजरात—384001	384001	वित्त वर्ष 23–24	1.00	सीएसआर 00029534	तवाड़िया प्राथमिक शाला	तवाड़िया, मेहसाणा, गुजरात—384001
40	भाटल कोर्ट 3 नग, अधिकारी मनोरंजन क्लब, डॉ. बी.आर. अंबेडकर, कोनसीमा जिला, आंध्र प्रदेश	533201	वित्त वर्ष 23–24	1.00	सीएसआर 00033419	जिला कलेक्टर कोनसीमा इंद्रप्रग्राम पंचायत	अमलापुरम, डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनसीमा जिला, आंध्र प्रदेश—533201
41	सीमेंट कंब्रीट (सीसी) रोड, गांव इंद्रप, बेचराजी, गुजरात 384210	384210	वित्त वर्ष 23–24	1.00	सीएसआर 00031783	इंद्रप ग्राम पंचायत	ग्राम इंद्रप, बेचराजी, मेहसाणा, गुजरात—384210

## 9. यदि कंपनी धारा 135 की उपधारा (5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है, तो कारण निर्दिष्ट करें:

ओएनजीसी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के तहत निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन किया है और वित्तीय वर्ष के लिए आवश्यकता से अधिक व्यय किया है। अतः कोई अव्ययित राशि नहीं है।

हस्ताक्षर  
(अध्यक्ष सीएसआर समिति)

हस्ताक्षर  
(अध्यक्ष, ओएनजीसी)

## सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव आकलन – कार्यकारी सारांश

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) विकास सहायता समिति (डीएसी) के फ्रेमवर्क मापदंडों के अनुरूप वित्त वर्ष 2021–22 में ओएनजीसी द्वारा कार्यान्वयन/संपन्न 11 प्रमुख सीएसआर परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी (मेसर्स डेलोइट टच टोहमात्सु इंडिया एलएलपी) को नियुक्त किया गया था। इन परियोजनाओं को स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, शिक्षा, जल, स्वच्छता और पर्यावरण जैसे विषयगत क्षेत्रों में कार्यान्वयन किया गया था। प्रभाव आकलन के लिए विचार की गई परियोजनाओं में उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, गुजरात असम, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, गोवा और आंध्र प्रदेश के लाभार्थी शामिल थे। इस स्वतंत्र एजेंसी ने वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान ओएनजीसी द्वारा सहायता प्रदत्त लाभार्थियों पर प्रभाव का आकलन करने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण के बाद मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण का उपयोग करके प्रभाव आकलन किया और अध्ययन करने के लिए नमूनाकरण के सांख्यिकीय तरीकों का उपयोग करके नमूना तैयार किया गया। दस्तावेज़/रिपोर्ट समीक्षा और प्रमुख हितधारक और लाभार्थी के साथ बातचीत के माध्यम से अनुकूलित साधनों का उपयोग करके गुणात्मक और परिमाण गात्मक डेटा संग्रह के लिए उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण का उपयोग किया गया था। प्राथमिक डेटा संग्रह के तरीकों में अर्ध–संरचित नमूना सर्वेक्षण, गहन प्रमुख सूचना साक्षात्कार और लाभार्थियों/हितधारकों के साथ केंद्रित समूह चर्चाएँ शामिल थीं।

11 प्रमुख सीएसआर परियोजनाओं के लिए प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं :

### परियोजना 1: “सिउ—का—फा” मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, शिवसागर असम (चरण-1)

- इस परियोजना ने शिवसागर के साथ–साथ पड़ोसी जिलों जैसे जोरहाट, डिबुगढ़, गोलाघाट और पड़ोसी राज्यों जैसे नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए उपचार, निदान और गहन देखभाल के मामले में मल्टी–स्पेशलिटी देखभाल की उपलब्धता में सुधार किया है।
- अस्पताल के चरण 1 (अप्रैल, 2019) की शुरुआत के बाद से, ओपीडी के तहत पंजीकृत रोगियों की संख्या 1,02,742, आईपीडी— 11,327, सर्जरी— 3,746 और डायलिसिस—25,772 है (फरवरी, 2024 तक अस्पताल के रिकॉर्ड से संकलित डेटा)।



- आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञों और एक विजिटिंग नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा बेहतर सेवा प्रावधान के साथ आयुष्मान भारत – पीएमजे एवाई के तहत सूचीबद्ध होने से अस्पताल में डायलिसिस रोगियों की संख्या में सुधार हुआ है (वित्त वर्ष 23 में 5,800 से अधिक डायलिसिस रोगियों का इलाज किया गया, जिनमें से 36% ओएनजीसी के रोगी, 54% पीएमजे एवाई के रोगी और 9% नकद भुगतान करने वाले रोगी थे)।
- सेवाओं की संवहनीयता ने अस्पताल में सेवाओं की गुणवत्ता और कर्मचारियों के व्यवहार के संबंध में विश्वास को फिर से जगाया है, जैसा कि नमूना आधार पर बातचीत करने वाले 97% रोगियों ने बताया।
- बातचीत करने वाले 67% मरीज ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों से थे, जिन्होंने अस्पताल में उपचार प्राप्त किया था।
- जबकि अधिकांश सैंपल वाले रोगियों (66 प्रतिशत) ने परीक्षण, निदान और कुछ मामलों में सर्जरी के साथ संयोजन उपचार और उपचारात्मक सेवाएं प्राप्त की थीं, 9% ने विशेष डायग्नोस्टिक परीक्षण प्राप्त किया था।
- बातचीत करने वाले 88% सैंपल वाले रोगियों ने पूर्व अनुभव के आधार पर सेवाओं को विश्वसनीय बताया और मित्र/परिवार से यहाँ आने की सिफारिश की।
- 8 निजी बीमा प्रदाताओं के साथ साझेदारी, कॉरपोरेट्स के साथ पैनल में शामिल होने और आयुष्मान भारत–पीएमजे एवाई, ईएसआईसी जैसी बीमा योजनाओं के साथ जुड़ाव ने वित्तीय सहायता की आवश्यकता वाले लोगों के लिए सेवा वितरण में सुधार किया है।



- बेहतर सामुदायिक जागरूकता सत्र (वर्ष 2022 में 1983 सत्रों की तुलना में वर्ष 2023 में आयोजित जागरूकता सत्रों (4019) की संख्या में 130 प्रतिशत की वृद्धि के परिणामस्वरूप सिटी विलनिक और सेपोन विलनिक के साथ जुड़ाव के माध्यम से रोगियों की संख्या में सुधार हुआ है, जहाँ डॉक्टर प्रति सप्ताह 1–2 सत्रों के लिए प्रतिदिन औसतन 10–20 रोगियों को नियमित नैदानिक और प्राथमिक देखभाल सेवाएँ प्रदान करते हैं।

## परियोजना 2 : कौशल विकास संस्थान (एसडीआई), अहमदाबाद में कौशल विकास :

- अहमदाबाद में एसडीआई द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य वंचित युवाओं को कई क्षेत्रों से संबंधित उद्योग—तैयार कौशल से लैस करके क्षेत्र के विकास के मुद्दों का दीर्घकालिक समाधान प्रदान करना है, जिससे स्थायी दीर्घकालिक रोजगार के अवसर सुनिश्चित होते हैं।
- वर्ष 2021–22 में 9 विभिन्न क्षेत्रों में 488 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें हाइड्रोकार्बन, पूँजीगत सामान, सौर पीवी संस्थापना, परिषान, स्वास्थ्य सेवा, ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे हरित रोजगार शामिल हैं।
- वर्ष 2021–22 में 76% प्लेसमेंट दर हासिल की गई।
- प्रशिक्षितों की नियुक्ति के लिए 50 से अधिक उद्योग गठजोड़
- वर्ष 2021–22 में 18% महिला उम्मीदवारों ने नामांकन कराया
- पाठ्यक्रम में फील्ड विजिट और ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से वास्तविक समय उद्योग अनुभव और एक्सपोजर शामिल है।

## परियोजना 3 : “चिनार 9 जवान क्लब” में युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा और नशा मुक्ति केंद्र, बारामुल्ला में युवाओं का पुनर्वास

- परियोजना की गतिविधियों ने स्थानीय युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में मुख्यधारा में लाने में मदद की है।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में 100% छात्रों ने सर्वसम्मति से अपने अनुभव को ‘अपेक्षाओं से बढ़कर’ बताया। उन्होंने आत्मविश्वास में वृद्धि, मुफ्त सीखने की पहुँच, नई स्वतंत्रता और प्रतिष्ठित संकाय और प्लेसमेंट संगठनों को अपने समग्र अनुभव के प्रमुख सकारात्मक पहलुओं के रूप में खेलाकित किया। आउटटीच गतिविधियों के माध्यम से परिवारों और दोस्तों की बढ़ती भागीदारी ने भी इस ओएनजीसी सीएसआर परियोजना के प्रति विश्वास और आस्था में वृद्धि की है।
- नशा मुक्ति केंद्र का लक्ष्य प्रति वर्ष 1300 रोगियों का उपचार करना था। वर्ष 2014 में बारामुल्ला, कश्मीर में केंद्र की स्थापना के बाद

से लगभग 9,727 रोगियों का उपचार किया गया है, जिनमें से कुल 3,878 रोगी ठीक हो चुके हैं।

- 100% छात्रों ने प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, उनके विषय ज्ञान, क्षमताओं और पहुँच सहित उच्च संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों ने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सहायता प्रदान की, जिसमें निरंतर संदेह—समाधान सत्र, आत्मविश्वास—निर्माण गतिविधियाँ और छात्रों के सामने आने वाले किसी भी व्यक्तिगत मुद्दे के लिए सहायक व्यवित शामिल हैं।
- कौशल विकास कार्यक्रम के तहत चिनार 9 जवान क्लब में प्राप्त प्लेसमेंट के 90 प्रतिशत अवसर कश्मीर घाटी से हैं। इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित कुछ युवाओं को होटल खैबर गुलमढ़, होटल ल्यूपिन गुलमर्ग, द ललित ग्रैंड पैलेस श्रीनगर जैसे आतिथ्य क्षेत्र के प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा भर्ती किया जाता है।
- क्लब के माध्यम से स्थापित 6 स्वयं सहायता समूहों ने ₹ 26.36 लाख का राजस्व अर्जित किया है।
- पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले, अधिकांश छात्रों, विशेष रूप से महिलाओं ने सामाजिक संपर्क और संचार कौशल में कम आत्मविश्वास की बात कही थी। हालांकि, कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उन्होंने अपनी अंग्रेजी दक्षता और खुद को अभिव्यक्त करने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा। ये सुधार संकाय और कार्यक्रम के व्यावहारिक अभ्यास और सार्वजनिक भाषण पर जोर देने के कारण संभव हो पाए हैं।

## परियोजना 4 : राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, नागपुर की स्थापना

- स्थापना के बाद से एनसीआई नागपुर में 1.10 लाख रोगियों का उपचार किया गया है, जिसमें प्रतिदिन औसतन 300–400 रोगी आते हैं।
- परियोजना के तहत अस्पताल में 32 अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं।
- 100% कैंसर रोगियों ने एनसीआई नागपुर में प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण सेवा पर भरोसा जताया है।
- 95,893 रेडियोलॉजी परीक्षण और 6,85,923 पैथोलॉजी परीक्षण किए गए।
- 80% परामर्शदाता चिकित्सकों को टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया
- परियोजना लाभार्थियों के लिए किफायती कैंसर देखभाल की उपलब्धता में सुधार करने में सक्षम रही है, क्योंकि नैदानिक और चिकित्सीय देखभाल चाहने वाले कई रोगी कमज़ोर समुदायों से हैं।

## परियोजना 5 : ओएनजीसी सुपर 30, अल्मोड़ा और श्रीनगर

- सुपर 30 अल्मोड़ा केंद्र से 60% छात्रों ने आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश प्राप्त किया, जबकि श्रीनगर केंद्र से 33% छात्र सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं, 18% नर्सिंग में और 4% डैंटल कॉलेजों में।
- 3536 छात्र प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित हुए, जिनमें से 59 योग्य छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया।
- 65% छात्र जिनके पास अपने स्थानों पर कोचिंग सुविधाओं तक पहुंच नहीं थी, उन्हें गुणवत्तापूर्ण कोचिंग प्रदान की गई।
- समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के 100% माता-पिता (छात्रों के) अल्मोड़ा और श्रीनगर में रिथ्ट ओएनजीसी सुपर 30 केंद्र में निःशुल्क आवासीय कोचिंग के कारण औसतन ₹ 50,000–1,00,000 बचा पाए।

## परियोजना 6: डॉ. आर. एन. कपूर म्युनिसिपल जनरल अस्पताल, मुंबई को आवश्यक चिकित्सा उपकरण प्रदान करने के लिए रोटरी क्लब ऑफ मुंबई वेस्ट कोस्ट चैरिटेबल ट्रस्ट को वित्तीय सहायता।

- विश्वसनीय विक्रेताओं से प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण और विभिन्न विभागों – कैथलैब, आईसीटीयू, पैथोलॉजी, स्त्री रोग / प्रसूति / बाल रोग को प्रदान किए गए उपकरण ने अपने रोगियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अस्पताल की दक्षता और प्रतिक्रिया समय में महत्वपूर्ण रूप से सुधार किया है।
- अस्पताल में नैदानिक सेवाओं तक पहुंचने में समाज के सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों से आने वाले 100% रोगियों द्वारा शून्य आउट ऑफ पॉकेट व्यय (ओपीई) की सूचना दी गई।
- पैथोलॉजी लैब में स्थापित पूरी तरह से स्वचालित कोगुलोमीटर का उपयोग करके प्रतिदिन औसतन 60–65 नमूनों का मूल्यांकन किया गया, मासिक रूप से 1500 से अधिक नमूनों का परीक्षण किया गया। अस्पताल में स्थापित 4 मल्टीपैरा रोगी मोनिटर और 1 नियो नेटल रस्फ्रैस टेस्ट मशीन का उपयोग करके अब तक 100 से अधिक गंभीर रूप से बीमार बच्चों की निगरानी की गई।
- पर्याप्त नैदानिक सहायता के कारण 100% रोगियों को कूपर अस्पताल के बाहर सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। 90% संतुष्टि दर पाई गई।
- चिकित्सा उपकरणों ने स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को बीमारियों का सही निदान करने, रोगियों का अधिक प्रभावी ढंग से इलाज करने और अधि-

क सटीकता के साथ चिकित्सा प्रक्रियाओं को करने में सक्षम बनाया। इसके अलावा, इस प्रावधान ने मौजूदा स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे पर दबाव को कम करने, उपचार के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने और समग्र रोगी संतुष्टि में सुधार करने में मदद की।

- इस पहल की संधारणीयता अस्पताल को उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण प्रदान करके सुनिश्चित की गई थी, जिसमें उपकरणों के निवारक और सुधारात्मक रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए एक अंतर्निहित वारंटी अवधि थी। इसके अलावा, निरंतर समर्थन की सुविधा के लिए एमसीजीए जैसी सरकारी एजेंसियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा दिया गया।

## परियोजना 7 : 12 बैंडिकूट की खरीद और आपूर्ति :

- परियोजना के हिस्से के रूप में ओएनजीसी द्वारा संस्थापित रोबोटिक मशीन का उपयोग करके अब 95 प्रतिशत मलजल सफाई का काम मैनहोल में प्रवेश किए बिना किया जा सकता है।
- इस परियोजना ने मलजल सफाई कार्यों में दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जैसा कि मैनुअल स्कैवेजिंग प्रसंगों में उल्लेखनीय कमी और सफाई कार्यों को करने के लिए सफाई कर्मचारियों/रोबोट ऑरेटरों की बेहतर तकनीकी क्षमताओं से स्पष्ट है।
- रोबोटिक मशीन की तैनाती के बाद 100% सफाई कर्मचारियों ने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की सूचना दी।
- 84% ने मैनहोल की सफाई में बेहतर दक्षता की रिपोर्ट की है।
- यह परियोजना अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को सरकार की व्यापक स्वच्छता पहलों के साथ संरेखित करने के लिए नगर निगमों के साथ मिलकर काम करती है। यह सहयोगात्मक योजना सुनिश्चित करती है कि परियोजना की गतिविधियों को मौजूदा नगरपालिका रणनीतियों और रूपरेखाओं में एकीकृत किया जाए ताकि परियोजना की संधारणीयता सुनिश्चित हो सके।

## परियोजना 8 : हिम ज्योति स्कूल, देहरादून, उत्तराखण्ड में वंचित परिवारों की 35 लड़कियों के लिए निःशुल्क शिक्षा और बोर्डिंग के लिए वित्तीय सहायता

- इस परियोजना ने छात्राओं पर गहरा प्रभाव डाला है, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवश्यक कौशल और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करके उनके जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाए हैं।
- 35 छात्रों को अनुदान अवधि 2022–23 में वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 100% लाभार्थी समाज के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों (वार्षिक पारिवारिक आय – < ₹ 3,00,000) से थे।



- इस परियोजना में 100% प्रतिधारण दर रही है, जिसके अनुसार सभी 35 छात्र निरंतर शिक्षा, बोर्डिंग और सहायता सेवाओं और प्रावधान के साथ हिम ज्योति स्कूल में नामांकित हैं।
- साक्षात्कार में शामिल 86% छात्रों ने कहा कि वे अपने पिछले स्कूल की तुलना में हिम ज्योति में शिक्षा के अनुभव को अधिक पसंद करते हैं।
- 51% छात्रों ने बताया कि जब वे अपने पिछले स्कूल में पढ़ रहे थे, तब की तुलना में अब वे अंग्रेजी में बातचीत करने में अधिक सहज हैं।
- 100% प्राथमिक लाभार्थियों ने हिम ज्योति स्कूल में शामिल होने के बाद से अपने आत्मविश्वास के स्तर और आत्म-सम्मान में वृद्धि की सूचना दी।
- 100% छात्रों ने हिम ज्योति स्कूल में समग्र शिक्षण अनुभव से संतुष्टि की सूचना दी।
- 100% लाभार्थियों ने बताया कि उनमें आगे अध्ययन करने की प्रेरणा और आकांक्षाएं बढ़ी हैं और वे इस बात से सहमत हैं कि हिम ज्योति स्कूल उनके भविष्य के सपनों को पूरा करने में उनकी मदद करेगा।

## परियोजना 9: वृद्धावस्था सुविधा की स्थापना – विश्रांति पालमपुर, हिमाचल प्रदेश

- विश्रांति में सुविधाओं का लाभ उठाने वाले 95% से अधिक वरिष्ठ नागरिक केंद्र में प्रदान की गई सुविधाओं से संतुष्ट थे। सुरक्षित और सम्मानजनक रहने की सुविधाओं के अलावा, केंद्र की योकित्सा सुविधाओं से निकटता बुजुर्ग नागरिकों के लिए एक अतिरिक्त लाभ रही है।
- इस परियोजना ने पहले ही स्थानीय क्षेत्र से 18 सहायक कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।
- केंद्र में आत्मनिर्भरता की अधिकतम संभावना है क्योंकि ओएनजीसी से वित्त पोषण के माध्यम से बनाई गई सुविधा बेहतर गुणवत्ता की है और परिचालन व्यय लाभार्थियों द्वारा योगदान किए गए शुल्क से प्रबंधित किया जाता है।

## परियोजना 10 : विरासत-2022, सांस्कृतिक महोत्सव, देहरादून – उत्तराखण्ड

- यह कार्यक्रम भारतीय पारंपरिक कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। लोक कलाकारों को उनकी प्रतिभा दिखाने के लिए दृष्टिता, पहचान और अवसर प्रदान करके उन्हें

- सशक्त बनाता है। कार्यक्रम ने सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने, उत्तराखण्ड के स्वदेशी कला रूपों की समृद्ध विरासत को पुनर्जीवित करने और संरक्षित करने में मदद की, जिससे समकालीन समाज में उनकी निरंतर जीवन शक्ति और प्रासारिकता सुनिश्चित हुई।
- 156 कारीगरों/शिल्पकारों को विरासत में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और बेचने का अवसर मिला और वे संयुक्त रूप से 9.72 करोड़ रुपये की बिक्री करने में सक्षम हुए।
  - वर्ष 2022 में 15 दिवसीय महोत्सव में 244 कलाकारों ने प्रदर्शन किया, जिसने औसतन 20,000 दर्शकों को आकर्षित किया।
  - सर्वेक्षण किए गए 78% कलाकारों ने महोत्सव में भाग लेने के बाद अपने काम में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया, जो दर्शकों की दृश्यता और पहुंच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका को रखांकित करता है।
  - विरासत में प्रदर्शन करने वाले कलाकार देश भर के 14 राज्यों से आए थे और 35 अलग-अलग कला रूपों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें से अधिकांश दुर्लभ और अद्वितीय थे।

## परियोजना 11: राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (आरजीआईपीटी), असम ऊर्जा संस्थान, शिवसागर की स्थापना में योगदान

- बुनियादी ढांचे ने आरजीआईपीटी, असम ऊर्जा संस्थान (ईआईआई) में हाइड्रेकार्बन क्षेत्रों में पांच डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने में मदद की है।
- ईआई असम का एकमात्र शैक्षणिक संरक्षण बन गया है जो विशेष रूप से पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स और इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग और अग्नि एवं सुरक्षा इंजीनियरिंग में विशेष डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पेशकश करता है।
- वर्ष 2017 में अपनी स्थापना के बाद से, आरजीआईपीटी में सभी पाठ्यक्रमों में 954 छात्रों का नामांकन हुआ है।
- वर्ष 2021 में 86 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ है।
- वर्ष 2021 में 163 छात्रों ने नामांकन कराया, जिनमें से मैकेनिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सबसे अधिक नामांकन हुआ।
- वर्ष 2021 में, नामांकित छात्रों में से 143 पुरुष और 20 महिला थीं।

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय विवरणों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6) (ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत विहित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 (5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखापरीक्षक इस अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत विहित लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर इस अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरणों पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार होंगे। 20 मई, 2024 की उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के तहत इस बात का उल्लेख किया गया है कि यह कार्य उनके द्वारा कर लिया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से ॲयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए तैयार किए गए वित्तीय विवरणों की अधिनियम 143 (6)(क) के अंतर्गत पूरक लेखापरीक्षा की है। यह पूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षा के सार्थक पत्रों को देखे बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह मुख्यतया सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों के प्रवृत्त्य परीक्षण के आधार पर की गई है।

मेरी पूरक लेखा परीक्षा जॉच के आधार पर कुछ भी ऐसा महत्वपूर्ण मेरी जानकारी में नहीं आया है जो इस अधिनियम की धारा 143(6)(ख) के तहत सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर टिप्पणी में वृद्धि करे अथवा उसे अनुपूरित करे।

भारत के नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक के निमित्त और उनकी ओर से

हस्ताक्षर  
संदीप राय  
वाणिज्यिक लेखा-परीक्षा महानिदेशक, मुंबई

स्थान : मुंबई

तिथि : 31 जुलाई, 2024



## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (4) के साथ पठित धारा 143 (6) (ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत विहित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 (5) या 139 (7) सह पठित इस अधिनियम की धारा 129 (4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखा-परीक्षण इस अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत विहित लेखा-परीक्षण मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा-परीक्षण के आधार पर इस अधिनियम की धारा 143 सह पठित इस अधिनियम की धारा 129 (4) के अंतर्गत इन वित्तीय विवरणों पर अपना वृट्टिकोण व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार होंगे। 20 मई, 2024 की उनकी लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के तहत इस बात का उल्लेख किया गया है कि यह कार्य उनके द्वारा कर लिया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक की ओर से ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए तैयार किए गए समेकित वित्तीय विवरणों की अधिनियम की धारा 143 (6)(क), सह पठित धारा 129 (4) के अंतर्गत पूरक लेखा-परीक्षा की है। हमने वित्तीय विवरणों (अनुलग्नक 1) की एक पूरक लेखा-परीक्षा की है, परंतु उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों (अनुलग्नक 2) की पूरक लेखा-परीक्षा नहीं की थी। इसके अलावा, इस अधिनियम की धारा 139 (5) और 143 (6) (क) (अनुलग्नक 3) पर लागू नहीं होता है क्योंकि यह निजी कंपनियां हैं / विदेशों में निगमित कंपनियां हैं, जिनके लिए सांविधिक लेखा-परीक्षकों की नियुक्ति और पूरक लेखा-परीक्षा आयोजित करने के लिए संबंधित देश के कानूनों के अनुसार की जाती है। तदनुसार, भारत के नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक ने न ही इन कंपनियों के लिए सांविधिक लेखा-परीक्षकों की नियुक्ति की है और ना ही पूरक लेखा-परीक्षा की है। यह पूरक लेखा-परीक्षा सांविधिक लेखा-परीक्षा के सार्थक पत्रों को देखे बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह मुख्यतया सांविधिक लेखा-परीक्षकों और कंपनी कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों के चयनित परीक्षण के आधार पर की गई है।

मेरी पूरक लेखा-परीक्षा जाँच के आधार पर कुछ भी ऐसा महत्वपूर्ण मेरी जानकारी में नहीं आया है जो इस अधिनियम की धारा 143(6)(ख) के तहत सांविधिक लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर टिप्पणी में वृद्धि करे अथवा उसे अनुपूरित करे।

भारत के नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक के निमित्त और उनकी ओर से

हस्ताक्षर  
संदीप राय  
वाणिज्यिक लेखा-परीक्षा महानिदेशक, मुंबई

स्थान : मुंबई

तिथि : 31 जुलाई, 2024

## अनुलग्नक—I जिनकी लेखा—परीक्षा आयोजित की गयी

(निर्माणाधीन/पूर्ण)

सहायक कंपनियां

1.	मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड
2.	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड
3.	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड
4.	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड
5.	एचपीसीएल बायो फ्यूल लिमिटेड
6.	ओएनजीसी विदेश रोवुमा लिमिटेड (भारत)
7.	एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड
8.	ओवीएल ओवरसीज आईएफएससी लिमिटेड

संयुक्त उद्यम कंपनियां

1.	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड
2.	एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड
3.	भाग्यनगर गैस लिमिटेड
4.	मुंबई एविएशन फ्यूल फार्मिंग फेसिलिटी प्रा. लि.
5.	एचपीओआईएल गैस प्राइवेट लिमिटेड
6.	आईएचबी प्राइवेट लिमिटेड
7.	इंद्रप्रस्थ गैस ग्रिड लिमिटेड
8.	रत्नागिरी रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड

सहयोगी कंपनियां

1.	जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड
2.	जीएसपीएल इंडिया ट्रास्को लिमिटेड

## अनुलग्नक—II जिनकी लेखा—परीक्षा आयोजित नहीं की गयी

सहायक कंपनी :

1.	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड
2.	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड

संयुक्त उद्यम कंपनी

1.	दाहेज एसईजेड लिमिटेड
2.	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड
3.	अंवितिका गैस लिमिटेड

सहयोगी कंपनियां

1.	पवन हंस लिमिटेड
2.	रोहिणी हेलिपोर्ट लिमिटेड

## अनुलग्नक—III लेखा—परीक्षा लागू नहीं

सहायक कंपनियां

1.	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी
2.	ओएनजीसी कैंपोस लिमिटेड
3.	ओएनजीसी नील गंगा (सैन क्रिस्टोबल) लिमिटेड
4.	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड
5.	ओएनजीसी अमेजन अलकनन्दा लिमिटेड
6.	इम्पीरियल इनर्जी लिमिटेड
7.	इम्पीरियल इनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड

8.	इम्पीरियल इनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड
9.	इम्पीरियल इनर्जी नॉर्ड लिमिटेड
10.	बियानकास होलिंग लिमिटेड
11.	रेडविलफ होलिंग लिमिटेड
12.	इम्पीरियल फ्रैंक सर्विसेज (साइप्रस) लिमिटेड
13.	सैन एजियो इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड
14.	एलएलसी सिबिटरनेप्ट
15.	एलएलसी एलायंसनेप्टगैस
16.	एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल
17.	एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप
18.	एलएलसी इम्पीरियल फ्रैंक सर्विसेज
19.	काराबोबो वन बी.वी
20.	पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी.
21.	ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड
22.	ब्यास रोवुमा इनर्जी मोजांबिक लिमिटेड
23.	ओएनजीसी विदेश एटलाटिक इंक
24.	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड
25.	ओएनजीसी विदेश वैंकोरनेप्ट प्राइवेट लिमिटेड
26.	इंडस ईस्ट मेडिटेरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड
27.	एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ
28.	एचपीसीएल रिच्युबल एंड ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एचीजीआरई)

संयुक्त उद्यम कंपनी

1.	ओएनजीसी मितल इनर्जी लिमिटेड
2.	मंगलौर एसईजेड लिमिटेड
3.	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड
4.	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड
5.	एचपीसीएल मितल एनर्जी लिमिटेड
6.	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड
7.	मानसरोवर इनर्जी कॉलोनिया लिमिटेड
8.	हिमालय इनर्जी सीरिया बी.वी.
9.	हिन्दुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड
10.	साउथ एशिया एलपीजी कं. प्राइवेट लिमिटेड

सहयोगी कंपनियां

1.	तांबा बी.वी
2.	पेट्रो काराबोबो एस.ए.
3.	काराबोबो इंगेनिएरिया बी.कस्ट्रक्शंस एस.ए.
4.	पेट्रोलेरा इडेवेनेजोलाना एस.ए.
5.	साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड
6.	जेएससी वैकारनेप्ट
7.	फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी.
8.	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड
9.	मोज एलएनजी आई होलिंग कंपनी लिमिटेड
10.	भारत एनर्जी ऑफिस एलएलसी



अनुलग्नक 'छ'

## सचिवीय लेखा—परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के नियम 9 और केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपकरणों के लिए कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट संबंधी दिशानिर्देश, 2010 के अनुसरण में]

सदस्यगण,

**ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड**

(सीआईएन : एल74899डीएल1993जीओआई054155)

प्लॉट सं. ५६ – ५६, नेल्सन मंडेला मार्ग,

वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070

हमने ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीआईएन : एल74899 डीएल1993 जीओआई 054155) ("इसमें इसके पश्चात 'कंपनी'" कहा गया है) द्वारा लागू सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन की तथा श्रेष्ठ निगमित पद्धतियों के प्रति अनुवर्तन की सचिवीय लेखा—परीक्षा की है। हमने सचिवीय लेखा—परीक्षा इस तरह से की थी जो हमें कॉरपोरेट आचरणों/सांविधिक अनुपालनों का मूल्यांकन तथा उस पर हमारे अभिमत को अभिव्यक्त करने का उचित आधार प्रदान कर सके।

कंपनी की बहियों, कागजात, कार्यवृत्त पुस्तकों, दाखिल किए गए प्ररूप और विवरणों और कंपनी द्वारा रखे गए गए अन्य अभिलेखों के हमारे सत्यापन के आधार पर और सचिवीय लेखापरीक्षा के संचालन के दौरान कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, हम एतद्वारा यह रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च 2024 (लेखा परीक्षा अवधि) को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान यहां सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह भी कि कंपनी के पास इसमें इसके बाद की गई रिपोर्टिंग के तरीके और विषय के अनुसार उचित बोर्ड—प्रक्रियाएं और अनुपालन—तंत्र मौजूद हैं।

हमने निम्नलिखित अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा बनाए रखी गयी बहियों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तकाओं, प्रपत्रों और प्रस्तुत की गयी विवरणियों तथा अन्य अभिलेखों की जाँच की है :

- (i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और उसके तहत बनाए गए नियम;
- (ii) प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 (एससीआरए) और उसके तहत बनाए गए नियम;
- (iii) निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और तद्धीन बनाए गए विनियम और उप—नियम
- (iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्रपारीय प्रत्यक्ष निवेश और बाह्य वाणिज्यिक उधारों की सीमा

तक उसके तहत बनाए गए नियम एवं विनियम (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर प्रयोज्य सीमा तक);

- (v) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ("सेबी अधिनियम") के तहत विहित निम्नलिखित विनियम एवं दिशानिर्देश और समय समय पर उनमें किए गए संशोधनों (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू सीमा तक)
  - (क) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 ("सेबी (एलओडीआर)");
  - (ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का सारबान अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011;
  - (ग) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग कारोबार निशेध) विनियम, 2015;
  - (घ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2018;
  - (ङ) भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी हितलाभ और स्वेट इक्विटी), विनियम, 2021 (इस लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं);
  - (च) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021;
  - (छ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गम रजिस्ट्रार और भोयर अंतरण एजेंट) विनियम, 1993;
  - (ज) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीकरण) विनियम, 2009 और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीकरण) विनियम, 2021 (इस लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं);
  - (झ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद) विनियम, 2018 (इस लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं);
  - (ञ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और प्रतिभागी) विनियम, 2018

- (vi) मैं आगे रिपोर्ट करता हूँ कि, कंपनी में प्रचलित अनुपालन प्रणाली को ध्यान में रखते हुए तथा नमूना-जांच के आधार पर उसके अनुसरण में प्रासंगिक दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच करने पर, कंपनी ने कंपनी पर विशेष रूप से लागू निम्नलिखित कानूनों का अनुपालन किया है:
- (क) पेट्रोलियम अधिनियम, 1934;
  - (ख) खान अधिनियम, 1952;
  - (ग) तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974;
  - (घ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड अधिनियम, 2006;
  - (ड) विस्फोटक अधिनियम, 1884;
  - (च) तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1948;
  - (छ) पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिग्रहण अधिनियम), 1962;
  - (ज) अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 2002;
  - (झ) खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957; और
  - (ञ) मर्चेट शिपिंग अधिनियम, 1958।

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

- (i) भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश) द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश, 2010;
- (ii) बोर्ड, समिति(ओं) और आम बैठक(ओं) के संबंध में भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक; और
- (iii) बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ कंपनी द्वारा किए गए लिस्टिंग समझौते।

लेखा—परीक्षा अवधि के दौरान, कंपनी ने ऊपर उल्लिखित अधिनियम, नियम, विनियम, दिशानिर्देश, मानक आदि के प्रावधानों का अनुपालन किया है, सिवाय नीचे उल्लिखित सीमा तक:

**बोर्ड संरचना:** 05.05.2023 से 31.01.2024 तक सेबी एलओडीआर के विनियम 17(1)(वी) और डीपीई दिशानिर्देशों के पैरा 3.1.4 की आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं किया गया, क्योंकि इस अवधि के दौरान कंपनी के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक की कमी थी।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:-

- कंपनी के निदेशक मंडल का गठन कार्यकारी निदेशकों, गैर—कार्यकारी निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों के उचित संतुलन के साथ किया गया है, सिवाय ऊपर दी गई रिपोर्टिंग के। लेखा—परीक्षा अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में जो परिवर्तन हुए, वे अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए।
- बोर्ड की बैठकों को निर्धारित करने के लिए सभी निदेशकों को आम तौर पर कम से कम सात दिन पहले पर्याप्त सूचना दी गई थी, कम समय की सूचना पर आयोजित बैठकों के अलावा अन्य बैठकों के लिए कार्य—सूची पहले ही भेज दी गई थी। और बैठक से पहले एजेंडा मद्दों पर आगे की जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए एक प्रणाली मौजूद है।
- बोर्ड या समिति की बैठकों में निर्णय सर्वसम्मति से किए गए थे, सिवाय ऐसे मामले के जहां निदेशक(ओं) की असहमति विशेष रूप से दर्ज की गई थी।
- कंपनी द्वारा स्थापित अनुपालन तंत्र के आधार पर तथा कंपनी के बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत तथा कंपनी पर लागू सभी कानूनों से संबंधित अनुपालन रिपोर्टों की समीक्षा के आधार पर, हमारा यह मत है कि प्रबंधन के पास कंपनी में इसके आकार तथा संचालन के अनुरूप प्रणालियाँ तथा प्रक्रियाएँ हैं, जो लागू कानूनों, नियमों, विनियमों तथा दिशा—निर्देशों के अनुपालन की निगरानी तथा सुनिश्चित करती हैं।
- उपर्युक्त उल्लिखित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशा—निर्देशों आदि के अनुसरण में कोई विशेष घटना / कार्रवाई नहीं हुई, जिसका कंपनी के मामलों पर कोई बड़ा प्रभाव पड़ा हो।

कृते जेएमसी एंड एसोसिएट्स  
कंपनी सचिव

हस्ता. /—  
(सीएस मुकेश चंद जैन)

स्वामी

एफसीएस नं.: एफ10483  
सीपी नं.: 22307

पीआर नं. 1965 / 2022

दिनांक: 17 जून, 2024

स्थान: नई दिल्ली

यूडीआईएन: F010483F000578481

टिप्पणी: इस रिपोर्ट को हमारे सम संख्या के पत्र के साथ पड़ा जाना चाहिए जो अनुलग्नक ए के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का अभिन्न अंग है।



## अनुलग्नक 'क'

सेवा में,  
सदस्यगण,  
**ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड**  
(सीआईएन : एल74899डीएल1993जीओआई054155)  
प्लॉट सं. ५ए – ५बी, नेल्सन मंडेला मार्ग,  
वसंत कुंज, नई दिल्ली – ११००७०

इस पत्र के साथ सम तिथि की हमारी रिपोर्ट पढ़ी जानी है।

1. सचिवीय अभिलेखों का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लेखा-परीक्षा के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर एक राय व्यक्त करें।
2. हमने सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की सत्यता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा-परीक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का पालन किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित हों, सत्यापन परीक्षण के आधार पर किया गया था। हमारा मानना है कि हमने जिन प्रक्रियाओं और प्रथाओं का पालन किया है, वे हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती हैं।
3. इस लेखा-परीक्षा में कंपनी द्वारा लागू वित्तीय कानूनों जैसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर कानूनों के अनुपालन तथा वित्तीय अभिलेखों और लेखा पुस्तकों के रखरखाव की समीक्षा नहीं की गई है, क्योंकि ये वैधानिक लेखा परीक्षकों, कर लेखा-परीक्षकों और अन्य नामित पेशेवरों द्वारा समीक्षा के अधीन हैं।

4. जहाँ भी आवश्यक हुआ, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं के घटित होने आदि के बारे में प्रबंधन से प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।
5. निगमित और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जांच नमूना जांच के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते जेएमसी एंड एसोसिएट्स  
कंपनी सचिव

हस्ता./—

(सीएस मुकेश चंद जैन)  
स्वामी

एफसीएस नं.: एफ10483  
सीपी नं.: 22307

पीआर नं. 1965 / 2022

यूडीआईएन: F010483F000578481

दिनांक: 17 जून, 2024

स्थान: नई दिल्ली



## प्रबंधन विचार–विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट

### वैश्विक दृष्टिकोण

कोविड और यूक्रेन युद्ध के संकट से उभरकर, हमेशा के लिए बदली हुई दुनिया न केवल ठीक हो गई है, बल्कि और भी सुनृद्ध हो गई है। एक "अशांति का युग" उभर रहा है, जो स्थायी शांति हासिल करने में बढ़ती जटिलताओं को उजागर करता है। यह वास्तव में हमारी उभरती हुई वास्तविकता को दर्शाता है, जहाँ व्यवधान, जो कभी गुजरते तूफान की तरह क्षणभंगुर था, अब क्षितिज पर एक स्थायी रिथरता के रूप में दिखाई देता है। वैश्विक आर्थिक एकीकरण की लहरे बदलती दिख रही हैं, जिसमें राष्ट्रीय लचीलापन पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पैटर्न को आकार दे रहा है। यह बदलाव, जिसे अक्सर "डीग्लोबलाइजेशन" के रूप में जाना जाता है, व्यवसायों के लिए एक विकासशील भू-राजनीतिक जोखिम का प्रतिनिधित्व करता है।

इस बदलाव का दीर्घकालिक प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भू-राजनीतिक तनाव कैसे विकसित होते हैं और व्यापार बाधाएँ किस हद तक अधिक प्रचलित होती हैं। यह बढ़ती प्रवृत्ति प्रमुख शक्तियों के बीच विश्वास की गहरी कमी से प्रेरित है। फिर भी, हमने अपनी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के भीतर लचीलापन बढ़ाया है। इतिहास दर्शाता है कि महत्वपूर्ण प्रगति अक्सर बहुत दबाव और उथल-पुथल के समय में होती है।

### 1. वैश्विक अर्थव्यवस्था

#### कठिन राह पर चलना: वृद्धि बनाम मुद्रास्फीति

2023 में, वैश्विक अर्थव्यवस्था ने भयावह पूर्वानुमानों को गलत बताते हुए मंदी के आगे झुके बिना मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय वृद्धि का सामना किया है। मुद्रास्फीति में वृद्धि की गंभीरता और इसके परिणामस्वरूप जीवन-यापन की लागत की चुनौतियों के बावजूद, इसने अनियन्त्रित वेतन-मूल्य स्पाइरल से बचा लिया। बैंकिंग प्रणाली ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया और प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की अचानक रुकावटों से बचा लिया।

सेंट्रल बैंक लगातार उच्च मुद्रास्फीति और स्थिर आर्थिक विकास के कारण व्याज दरों को कम करने में सतर्क हैं। यह मुद्रास्फीति को नियन्त्रित करते हुए आर्थिक विस्तार के प्रबंधन की वैश्विक दुविधा को रेखांकित करता है। आई एम एफ के अनुसार, वैश्विक हेडलाइन मुद्रास्फीति 2023 में वार्षिक औसत 6.8% से घटकर वर्ष 2024 में 5.9% और 2025 में 4.5% होने की उम्मीद है, जिसमें उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपने मुद्रास्फीति लक्ष्यों पर जल्दी लौट आएंगी।<sup>1</sup>

<sup>1</sup> आईएमएफ: विश्व आर्थिक परिवृश्य, अप्रैल, 2024

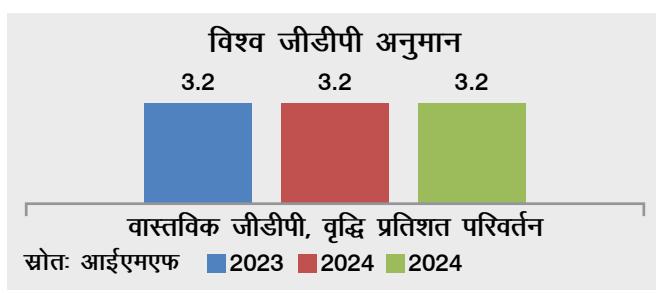
<sup>2</sup> ड्रेंग इको-ऑमिक्स डॉक्यूमेंट कॉम्पनी, जून, 2024 आईएमएफ विश्व आर्थिक परिवृश्य, अप्रैल, 2024

<sup>3</sup> डब्ल्यूटीआ: वैश्विक व्यापार परिवृश्य और साइर्कल – अप्रैल, 2024

बैंक ऑफ कनाडा और यूरोपीय सेंट्रल बैंक दोनों ने जून, 2024 में सहजता चक्र शुरू किया, लेकिन दोनों में से किसी से भी दरों को तेजी से कम करने की उम्मीद नहीं है। दुनिया भर में व्याज दरें मुद्रास्फीति के उत्तर में उतार-चढ़ाव करेंगी, विशेष रूप से तेल की कीमत में अस्थिरता, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव से प्रभावित होंगी। फिर भी, उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए, तरीके और भी अधिक हैं। तुर्की, पाकिस्तान और ईरान जैसे देशों ने मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के अपने प्रयासों में क्रमशः व्याज दरों में 50%, 20-5% और 23% तक की भारी वृद्धि देखी है।<sup>2</sup>

2024 में, जिसे "महान चुनाव वर्ष" कहा जाता है, दुनिया की आधी से अधिक आबादी और जीडीपी का प्रतिनिधित्व करने वाली 88 अर्थव्यवस्थाएँ या तो पहले ही चुनाव करा चुकी हैं या चुनाव कराने वाली हैं। अनुभव साक्ष्य दर्शाते हैं कि चुनाव वर्ष के दौरान राजकोषीय नीति ढाली और कमज़ोर हो जाती है और राजनीतिक बजट को भी दर्शाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपने ग्लोबल डेट मॉनिटर के साथ अलार्म बजाया है, जिसमें बताया गया है कि वैश्विक ऋण में सार्वजनिक और निजी दोनों तरह से 235 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का चौंका देने वाला हिस्सा है। यह दुनिया के कुल आर्थिक उत्पादन का चौंका देने वाला 238% हिस्सा है। महामारी के दौरान ऋण-से-जीडीपी अनुपात बढ़ गया और जो उच्च बना हुआ है।

यह देखना रुचिकर होगा कि विभिन्न अर्थव्यवस्थाएँ इन चुनौतीपूर्ण समय में किस तरह आगे बढ़ेगी। सरकारों द्वारा संरक्षणवादी उपायों में वृद्धि, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर ब्रेक के रूप में भी काम कर सकती है, जिससे अनुमानित सुधार में बाधा आ सकती है। 2023<sup>3</sup> में -1-2% की अपेक्षा से अधिक गिरावट के बाद, विश्व माल व्यापार की मात्रा 2024 में 2-6% और 2025 में 3-3% बढ़ने का अनुमान है। 3 उच्च ऊर्जा कीमतों और मुद्रास्फीति के लंबे समय तक चलने वाले प्रभावों ने विशेष





रूप से व्यापार—गहन निर्मित वस्तुओं की मांग पर भारी असर डाला।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वैश्विक विकास दर और वर्ष 2022 के दोरान 3.5% से घटकर 2023 में 3.2% रह जाएगी। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार वर्ष 2024 और 2025 में विकास दर लगभग 3.2% पर स्थिर रहने का अनुमान है।<sup>1</sup>

एक और वास्तविकता जो हम सभी के सामने है, वह है जलवायु परिवर्तन। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा है, “ग्लोबल वार्मिंग का युग” समाप्त हो गया है, और “ग्लोबल बॉइलिंग का युग” आ गया है। चरम मौसम की घटनाओं के परिणामस्वरूप बढ़ते आर्थिक नुकसान से इसके संभावित परिणामों की पहचान मजबूत होती है। जबकि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है, इसके प्रभाव असमान रूप से महसूस किए जाएंगे। विकासशील देश और द्वीप राष्ट्र अक्सर बढ़ते समुद्र के स्तर और चरम मौसम की घटनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

साथ ही, प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रगति ने डिजिटल डोमेन में समानता, सुरक्षा और स्वतंत्रता की सुरक्षा के बारे में नए और अनिवार्य वैश्विक वार्तालापों को प्रेरित किया है।

## 2. वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र

### ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना

ऊर्जा संकट के तात्कालिक दबावों से कुछ राहत के बावजूद, ऊर्जा बाजार, भू—राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चित बनी हुई है, और आगे भी उथल—पुथल की संभावना है। यूक्रेन युद्ध और उसके बाद ऊर्जा की कीमतों में उछाल होने के बाद, यह विचार कि ऊर्जा सुरक्षा अब स्थिरता पर प्राथमिकता ले रही है। हालांकि, ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता को एक ही चुनौती के परस्पर जुड़े पहलुओं को एक ही रूप में देखा जा रहा है।

ऊर्जा तक पहुँच महत्वपूर्ण बनी हुई है, लाखों लोगों के पास अभी भी बिजली और स्वच्छ खाना के विकल्प नहीं हैं। यह वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य की जटिलता को रेखांकित करता है, जहाँ विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति को संतुलित करना, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना — “ऊर्जा त्रिविधता” के मूल तत्व — पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। ये गतिशीलता दुनिया भर में ऊर्जा नीतियों और बाजारों को आकार देने में महत्वपूर्ण हैं। यह मानते हुए कि तेल उत्पादक क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों में कोई वृद्धि नहीं होगी, विश्व बैंक के ऊर्जा सूचकांक में 2024 (वर्ष—दर—वर्ष) में 3% की गिरावट आने का अनुमान है, क्योंकि प्राकृतिक गैस और कोयले की कम कीमतें उच्च तेल कीमतों की भरपाई कर देंगी, और फिर वर्ष

2025 में इसमें 4% की और गिरावट आएगी।<sup>4</sup>

वैश्विक तेल की तस्वीर बाकई जटिल है। भले ही कुल मांग बढ़ रही है, लेकिन यह समान रूप से वितरित नहीं है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं (ओईसीडी देशों) में खपत लगभग स्थिर है, जबकि भारत, चीन और एशिया में अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ विकास को आगे बढ़ा रही हैं। गैस के लिए, यूरोप में रूसी आपूर्ति के नुकसान के कारण होने वाले महत्वपूर्ण व्यवधान ने कीमतों में ऐतिहासिक उछाल आया है। हालांकि, बाजार ने एलएनजी आयात में वृद्धि, प्रभावी भंडारण प्रबंधन और कम महाद्वीपीय मांग के माध्यम से घाटे को इंगित किया, जो वर्ष 2023 में लगातार दूसरे वर्ष घटी, जिससे संतुलन पर दबाव कम हुआ।

दुबई में सीओपी28 में नेताओं ने जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की प्रतिबद्धता दिखायी। वर्ष 2050 तक 10 बिलियन की अनुमानित वैश्विक आबादी के साथ, ऊर्जा की मांग बढ़ने की संभावना है। आर्थिक विकास और बढ़ते जीवन स्तर, विशेष रूप से विकासशील देशों में, प्रमुख घटक होंगे। यह समृद्धि निस्संदेह वैश्विक ऊर्जा आवश्यकताओं को बढ़ाएगी। ऊर्जा—कुशल प्रौद्योगिकियों और कम—उत्सर्जन वाले उत्पादों को अपनाने से समय के साथ आर्थिक उत्पादन की प्रति इकाई ऊर्जा खपत और सीओ2 उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी।

इस बीच, ऊर्जा कर को लेकर दुनिया भर की सरकारों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है। वर्ष 2018 से, तेल और गैस उद्योग से वार्षिक राजस्व औसतन लगभग 3.5 ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर रहा है। वर्ष 2018 से तेल और गैस उद्योग द्वारा उत्पादित राजस्व का लगभग 50% सरकारों को गया है। कुल में से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन से होने वाली आय के साथ—साथ प्रसंस्करण, शोधन, परिवहन और उपभोक्ताओं को अंतिम उत्पादों के विपणन के माध्यम से उत्पन्न अतिरिक्त मूल्य शामिल हैं।

आईईए के अनुसार, ऊर्जा उत्पादन से सरकारी राजस्व लगभग 1.7 ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर था, जबकि 1.8 ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर ऊर्जा खपत से प्राप्त हुआ था। हालांकि, ये आंकड़े वर्ष—दर—वर्ष महत्वपूर्ण परिवर्तनशीलता प्रदर्शित करते हैं, जो कोविड—19 महामारी के प्रभाव के कारण 2020 में 2 ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर के निम्न स्तर से लेकर वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच 2022 में 5 ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक है।<sup>5</sup> अतः सरकारों को ऊर्जा संक्रमण की गति को देखते हुए राजस्व के वैकल्पिक स्रोतों को खोजने के लिए रणनीति तैयार करने की आवश्यकता होगी।

वैश्विक वार्षिक नवीकरणीय क्षमता वृद्धि वर्ष 2023 में 50% से बढ़कर लगभग 560 गीगावाट (जीडब्ल्यू) हो जाएगी, जो पिछले दो दशकों में सबसे तेज़ वृद्धि दर है।

<sup>1</sup> आईएमएफ: विश्व आर्थिक परिदृश्य, अप्रैल 2024

<sup>2</sup> विश्व बैंक: कमोडिटी मार्केट्स परिदृश्य, अप्रैल 2024

<sup>3</sup> आईईए: शुद्ध शून्य संक्रमण में तेल और गैस तथा किफायती और निष्पक्ष स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए रणनीतियाँ

वर्ष 2023 में, चीन की गति असाधारण थी। चीन ने 2022 में पूरी दुनिया के बराबर सौर पीवी चालू किए, जबकि इसके पवन ऊर्जा में भी वर्ष-दर-वर्ष 66% की वृद्धि हुई<sup>6</sup>। एक सहज स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए एक महत्वपूर्ण कारक यह है कि स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की लागत कितनी जल्दी उत्सर्जन-गहन प्रौद्योगिकियों के साथ प्रतिस्पर्धी हो जाती है। संक्रमण मूल्य भी झटकों से अछूते नहीं हैं, जो ऊर्जा बाजारों में आम रहे हैं और भविष्य में भी जारी रहेंगे। भू-राजनीतिक तनाव और उथल-पुथल पारंपरिक ईंधन बाजारों और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाओं दोनों में अस्थिरता के प्रमुख घटक बने हुए हैं।

## तेल की कीमतें और मांग

### तेजी और मंदी से परे: अधिक स्थिर कच्चे तेल परिदृश्य की ओर

तेल अर्थशास्त्री पॉल फ्रैंकल ने सत्तर साल पहले देखा था कि पेट्रोलियम उद्योग का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका आत्म-समायोजन की कमी है: "हमेशा बहुत ज़्यादा या बहुत कम तेल होता है।" यह अवलोकन तेल बाजारों में निहित सतत अस्थिरता को रेखांकित करता है। उन्होंने तर्क दिया कि तेल उद्योग में "अत्यधिक संकटों की एक अंतर्निहित प्रवृत्ति है," जहाँ "तेज वृद्धि के बाद बहुत तेजी से पूर्ण पतन होता है।"

2020 से 2023 तक के व्यवधानों के बाद, जब कोविड-19 महामारी और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण तेल बाजार अस्थिर हो गए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि तेल बाजार अन्य बाजारों से अलग है। तेल बाजार को जो वस्तु अद्वितीय बनाती है, वह है आपूर्ति और मांग से परे कारकों के प्रति इसकी संवेदनशीलता। आर्थिक भय, भू-राजनीतिक तनाव और यहाँ तक कि अन्य बाजारों की तुलना में अधिक अपवाहें भी तेल की कीमतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती हैं।

### तेल की कीमतें और प्रमुख घटनाएँ



<sup>6</sup> आईईए: नवीनीकरण 2023

<sup>7</sup> आईईए: विश्व ऊर्जा दृष्टिकोण 2023

<sup>8</sup> आईईए: तेल बाजार भई 2024

इस अवधि के दौरान वैश्विक कार बेड़े में 600 मिलियन से अधिक कारों का विस्तार हुआ है, और सड़क माल डुलाई गतिविधि में लगभग 65% की वृद्धि हुई है। सड़क परिवहन अब वैश्विक तेल मांग का लगभग 45% हिस्सा है, जो किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में काफी अधिक है। वर्तमान में यह कुल 441 एम्बी/डी है, जिसमें कारों का हिस्सा 21 एम्बी/डी और ट्रकों का 16 एम्बी/डी है। तेल वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसके कुछ प्रमुख अनुप्रयोगों में, विकल्पों को अभी भी आसानी से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है।

तेल उद्योग ने अपनी स्थापना के बाद से चक्रों का अनुभव किया है, और हम वर्तमान में अधिशेष के चक्र में हैं, जो उत्तरी अमेरिका में मजबूत तेल उत्पादन वृद्धि के कारण एक दशक से अधिक समय पहले शुरू हुआ था। 2022 के अंत से, ओपेक+ ने संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य गैर-सदस्यों से बढ़ते उत्पादन के जवाब में उत्पादन में कटौती की एक शृंखला को लागू किया है, ओपेक+ सदस्यों के कुल कटस 5.86 मिलियन बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) हैं, जो वैश्विक मांग का लगभग 5.7% है। इसमें 3.66 मिलियन बीपीडी की कटौती शामिल है जो शुरू में 2024 के अंत में समाप्त होने वाली है और आठ सदस्यों द्वारा स्वैच्छिक कटौती कुल 2.2 मिलियन बीपीडी है, जो जून 2024 के अंत में समाप्त होने वाली है।

हाल ही में 02 जून, 2024 को अपनी बैठक में, ओपेक+ ने सुस्त मांग वृद्धि, उच्च ब्याज दरों और बढ़ते अमेरिकी उत्पादन के बीच बाजार का समर्थन करने के लिए 2025 तक इन महत्वपूर्ण तेल उत्पादन कटौतियों में से अधिकांश को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। ओपेक+ ने 3.66 मिलियन बीपीडी कटौती को एक अतिरिक्त वर्ष तक बढ़ाने का फैसला किया, जो 2025 के अंत तक चलेगा, और 2.2 मिलियन बीपीडी कटौती को सितंबर 2024 के अंत तक बढ़ाने का फैसला किया। इसके अलावा, ओपेक+ अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 तक वर्ष भर में 2.2 मिलियन बीपीडी कटौती को धीरे-धीरे समाप्त करेगा।

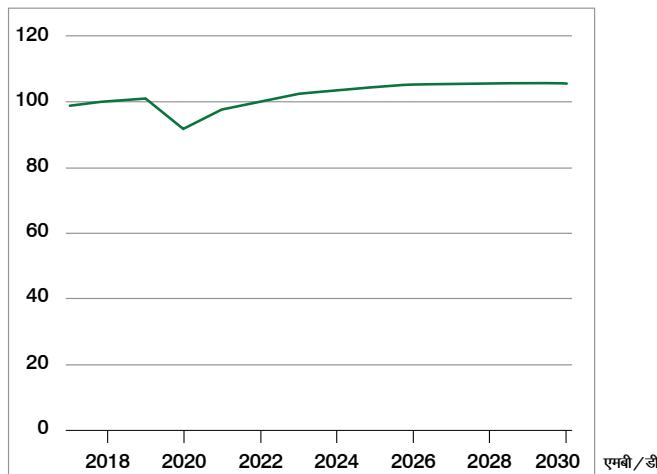
विभिन्न क्षेत्रों में तेल की मांग है। आईईए ने अनुमान लगाया है कि 2024 में मांग में लगभग 1 मिलियन बैरल प्रतिदिन की वृद्धि होगी, लेकिन 2025 के लिए पूर्वनुमान तुलनात्मक रूप से अपरिवर्तित है, विकास की गति अब 2024 से थोड़ा आगे बढ़कर 1.2 एम्बी/डी<sup>8</sup> हो गई है। जबकि ओपेक+ का अनुमान है कि 2023 की तुलना में इस वर्ष मांग में 2.25 मिलियन बीपीडी की वृद्धि होगी, और 2025 में 1.85 मिलियन बीपीडी की वृद्धि होगी।

आईईए की ओआईएल 2024 मध्यम अवधि बाजार रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक तेल मांग में वृद्धि धीमी हो रही है और 2030 तक इसके चरम पर पहुंचने की उम्मीद है। महामारी के बाद मांग में शुरूआती उछाल



कम हो गया है, व्यापक आर्थिक स्थितियां कमज़ोर बनी हुई हैं, और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने से प्रमुख क्षेत्रों और क्षेत्रों पर काफी असर पड़ रहा है। इस वर्ष, मांग में प्रति दिन लगभग 1 मिलियन बैरल की वृद्धि होगी।

### वैश्विक तेल मांग पूर्वानुमान



स्रोत: आईईए (2024), तेल मांग में वृद्धि, 2022–2030, आईईए

जब तक कि मजबूत नीतिगत उपाय लागू नहीं किए जाते या व्यवहार में महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होते। यह विकास में मंदी के बावजूद, वैश्विक तेल की मांग 2030 में 2023 की तुलना में 3.2 मिलियन बैरल प्रति दिन अधिक रहने का अनुमान है, वृद्धि दो मुख्य कारकों से प्रेरित होगी: एशियाई उभरती अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से भारत में परिवहन के लिए तेल की बढ़ती खपत और चीन में तेजी से बढ़ता पेट्रोकेमिकल उद्योग। इसके विपरीत, विकसित अर्थव्यवस्थाओं से तेल पर अपनी निर्भरता कम करने की उम्मीद है, जिसकी मांग 2023 में लगभग 46 मिलियन बैरल प्रति दिन से घटकर 2030 तक 43 मिलियन बैरल प्रति दिन से कम होने का अनुमान है।

पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र, जो तेल का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, मांग का 15% हिस्सा है। तेल की बढ़ती मांग का सबसे बड़ा चालक तेजी से बढ़ता पेट्रोकेमिकल उद्योग होगा। इस क्षेत्र में 2030 तक प्रतिदिन अतिरिक्त 2.8 मिलियन बैरल तेल की खपत होने की उम्मीद है, जो तेल की मांग में कुल अनुमानित वृद्धि का लगभग तीन—चौथाई हिस्सा है। महामारी के वर्षों में गतिविधि में एक बड़ा बदलाव हुआ, जिसमें चीन ने पॉलिमर उत्पादन के दुनिया के सबसे प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को तेजी से मजबूत किया। इसका तेल की मांग पर बड़ा प्रभाव पड़ा है, जिसमें 2019 से 2023 तक नेपथ्य, एलपीजी और ईथेन की संयुक्त मात्रा में 1.7 एम्बी/डी की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में, वैश्विक स्तर पर कुल तेल की मांग में भी इतनी ही वृद्धि

हुई। उद्योग द्वारा प्राकृतिक गैस तरल पदार्थ (एनजीएल) का अधिक उपयोग किए जाने के कारण ईथेन और एलपीजी की बढ़ती मांग के कारण यह वृद्धि हुई है। दीर्घावधि के लिए बड़ा सवाल यह है कि क्या पेट्रोकेमिकल्स परिवहन की जगह तेल की मांग का मुख्य चालक बन जाएगा। यह बदलाव अनिश्चित है और अज्ञातताओं से भरा हुआ है।

वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उछाल देखा गया है। विभिन्न प्रकार के वाहनों में ईवी को तेजी से अपनाने से 2030 तक तेल की मांग में 6 मिलियन बैरल प्रति दिन (एम्बी/डी) की कमी आने की उम्मीद है और 2035 तक 10 एम्बी/डी से अधिक की कमी आएगी, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में सड़क परिवहन के लिए वर्तमान तेल खपत के बराबर है। 2023 में, इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री लगभग 14 मिलियन तक पहुंच गई, जो बेची गई सभी कारों का 18% है, और 2022 में 14% से अधिक है। यह 35% की वृद्धि को दर्शाता है, पिछले वर्ष की तुलना में 3.5 मिलियन अधिक इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। 2024 तक, इलेक्ट्रिक कारें चीन में 45%, यूरोप में 25% और संयुक्त राज्य अमेरिका में 11% से अधिक बाजार पर कब्जा कर सकती हैं, जो निर्माताओं के बीच प्रतिस्पर्धा, बैटरी और कार की कीमतों में गिरावट और चल रहे नीति समर्थन से प्रेरित है।

हाल ही में दुनिया भर में नीतिगत विकास ने स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में गति को मजबूत किया है, जिसका प्रमाण पिछले वर्ष कनाडा, यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका में नए उत्सर्जन मानकों को अपनाना है। इन उपायों को यूएस आईआरए, ईयू नेट जीरो इंडस्ट्री एक्ट, चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना और भारत की पीएलआई योजना जैसे औद्योगिक प्रोत्साहनों द्वारा पूरा किया जाता है, जिनका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देना है।

साथ ही, अमेरिका और उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के अन्य उत्पादकों द्वारा संचालित उत्पादन क्षमता में वृद्धि, 2030 तक वैश्विक तेल मांग वृद्धि को पार करने की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि कुल आपूर्ति क्षमता 2030 तक लगभग 114 मिलियन बैरल प्रति दिन तक पहुंच जाएगी, जो अनुमानित वैश्विक मांग से 8 मिलियन बैरल प्रति दिन से अधिक है। तेल उद्योग का भविष्य छोटे खिलाड़ियों के लिए एक तूफान बन रहा है। एक प्रत्याशित मूल्य युद्ध उनके मार्जिन को और कम कर सकता है, जिससे वे पूरी तरह से बाजार से बाहर हो सकते हैं।

इस अधिक आपूर्ति से तेल की कीमतों में निरंतर गिरावट आ सकती है, जिससे संभावित रूप से उपभोक्ताओं को लाभ हो सकता है लेकिन उद्योग पर भारी दबाव पड़ सकता है। मध्यम आकार की और छोटी कंपनियों को जीवित रहने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है, जिससे तेल क्षेत्र में एकीकरण हो सकता। इसके अतिरिक्त, अधिक उत्पादन

<sup>9</sup> आईईए: वैश्विक ईवी ट्रॉफिकोन 2024

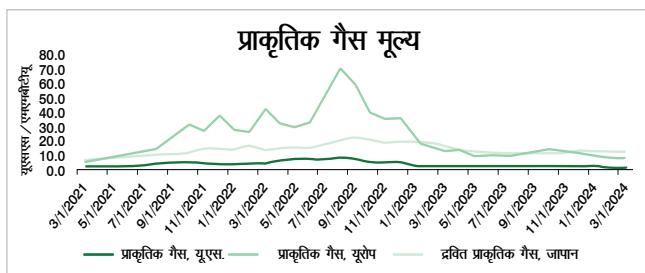
की संभावना, नए अन्वेषण और उत्पादन में निवेश को हतोत्साहित कर सकती है, जिससे भविष्य की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। हालांकि यह वर्तमान अनुमानों के आधार पर केवल एक संभावित भविष्य है, लेकिन यह छोटे खिलाड़ियों की अनिश्चित स्थिति और तेल उद्योग में महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना को उजागर करता है।

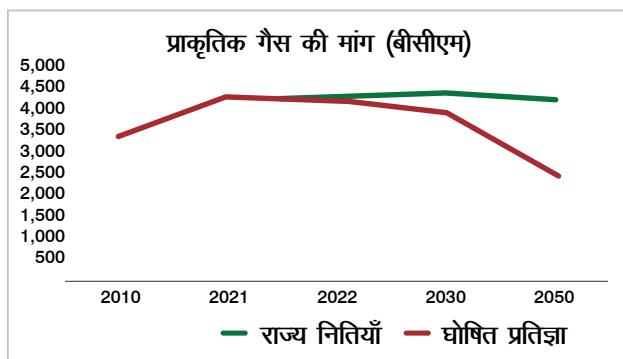
2024 में, तेल उद्योग स्वयं को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पाता है, क्योंकि नई तकनीकें और विकसित बाजार प्राथमिकताएं पारंपरिक प्रथाओं को चुनौती देती हैं। इन बदलावों के बावजूद, उद्योग वैश्विक ऊर्जा मिश्रण का एक अनिवार्य हिस्सा बना हुआ है, जिसमें अधिक टिकाऊ और तकनीकी रूप से उन्नत भविष्य की ओर एक स्पष्ट प्रक्षेपवक्र है।

## गैस और एलएनजी:

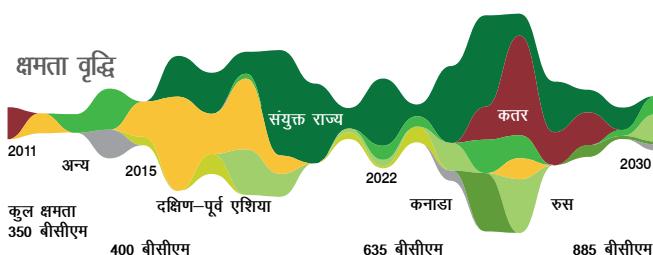
### गैस और एलएनजी मूल्य गतिशीलता के चालक

वर्ष 2022 में, यूरोपीय और वैश्विक गैस बाजारों ने आपूर्ति में भारी गिरावट का अनुभव किया, जिसकी वजह रूस द्वारा यूरोपीय संघ को पाइपलाइन गैस की आपूर्ति में उल्लेखनीय कमी थी। रूस से पाइपलाइन आपूर्ति में लगभग 80 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) की महत्वपूर्ण कमी ने व्यापक अस्थिरता के लिए मुख्य उत्प्रेरक का काम किया। यूरोप को रूसी गैस आपूर्ति में व्यवधान ने ऊर्जा बाजारों में मूल्य प्रभावों को बढ़ाया है। यूरोपीय थोक गैस बाजार, सबसे पहले प्रभावों को महसूस करने वाला था।





आईईए के अनुसार, 2030 तक उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में प्राकृतिक गैस की मांग में सभी परिदृश्यों में गिरावट आने की उम्मीद है। इसके विपरीत, उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में प्राकृतिक गैस की मांग के लिए संभावित परिणामों की एक विस्तृत श्रृंखला है। 2030 तक 250 बीसीएम प्रति वर्ष से अधिक नई द्रवीकरण क्षमता ऑनलाइन आने वाली है। संयुक्त राज्य अमेरिका और कंतर में इसका 60% हिस्सा है।



प्राकृतिक गैस के लिए एक प्रमुख अनिश्चितता कोयला, गैस और नवीकरणीय ऊर्जा के बीच प्रतिस्पर्धा में निहित है। गैस को कम कार्बन वाली दुनिया की ओर संक्रमण का एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है, खासकर उन बाजारों में जो कोयले पर बहुत अधिक निर्भर हैं। ऊर्जा संकट से पहले, यह व्यापक रूप से सहमत था कि जैसे-जैसे कोयले को धीरे-धीरे समाप्त किया जाएगा, गैस का बाजार हिस्सा बढ़ेगा, खासकर एशिया में। हालांकि, ऊर्जा संकट ने 2022 में कोयले के उपयोग में पुनरुत्थान देखा, कुछ एशियाई देशों में कोयले में निवेश जारी रहा। यदि गैस को वहनीय नहीं माना जाता है, तो यह कोयले और नवीकरणीय ऊर्जा के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर सकती है।

2023 में पुनर्स्तुलन के बाद, 2024 में प्राकृतिक गैस बाजारों में मजबूत मांग वृद्धि की वापसी की उम्मीद है, जो मुख्य रूप से एशिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिक और बिजली क्षेत्रों द्वारा

संचालित है। 2024<sup>10</sup> में वैश्विक गैस की मांग में 2-3% की वृद्धि होने का अनुमान है। प्राकृतिक गैस की कीमतें 2024 में पिछले दो वर्षों की तुलना में काफी कम होने का अनुमान है, लेकिन 2025<sup>5</sup> में ठीक हो जाएंगी। यह तेजी से बढ़ते एशियाई बाजारों में जारी आर्थिक विस्तार के साथ-साथ यूरोप की औद्योगिक गैस की मांग में सुधार से आंशिक रूप से समर्थित है – हालांकि यह अपने संकट-पूर्व स्तरों से काफी नीचे है, रूस और अमेरिका सहित सभी मुख्य उत्पादक क्षेत्रों में आपूर्ति कुछ हद तक बढ़ने की ओर अग्रसर है।

हालांकि, लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाज हमलों के कारण बढ़े हुए सुरक्षा जोखिमों ने प्रमुख शिपिंग कंपनियों को दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के आसपास अपने जहाजों को फिर से रुट करने के लिए प्रेरित किया है परिणामस्वरूप, स्वेज और पनामा नहरों में बाधाएं भौतिक एलएनजी प्रवाह के अधिक क्षेत्रीय स्वरूप की ओर वापसी को प्रेरित कर रही हैं।

## अन्वेषण

### बदलती रेत: तेल और गैस में अन्वेषण के रुझान

रिस्टैड एनर्जी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों में खोजे गए तरल पदार्थ उत्पादन से अधिक नहीं रहे हैं, सबसे करीबी घटना 2010 में हुई थी जब खोजकर्ताओं ने उत्पादित मात्रा का 91% प्रतिस्थापित किया था। इसके विपरीत, प्राकृतिक गैस की खोज की गई मात्रा अक्सर तब से उत्पादन से अधिक रही है। यह असमानता वैश्विक अन्वेषण गतिविधि में कमी और प्रमुख हाई-प्रोफाइल कुओं के खराब प्रदर्शन के कारण है।

अन्वेषण व्यय में नाटकीय परिवर्तन हुए हैं, जो 2013 में अपने शिखर +100 बिलियन से अधिक से तेजी से घट रहा है, जो दक्षता पर वैश्विक जोर को दर्शाता है। 2016 और 2019 के बीच अन्वेषण व्यय +51 बिलियन से +60 बिलियन के बीच था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में इसमें 27% की गिरावट आई, जिसमें अपतटीय अन्वेषण सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। लागत की कमी ने इस प्रवृत्ति को प्रतिबिंबित किया, जो 2019 और 2022 के बीच 1.5 अमेरिकी डॉलर प्रति बीओई से नीचे गिर गई, इससे पहले कि 2023 में कम मात्रा के कारण इसमें उछाल आए। इन चुनौतियों के जवाब में, खोजकर्ता “फास्ट-ट्रैक खोजों” जैसे अभिनव दृष्टिकोण अपना रहे हैं, उत्पादन समयसीमा में तेजी लाने और समग्र लागत को कम करने के लिए मौजूदा बुनियादी ढाँचे का लाभ उठा रहे हैं।

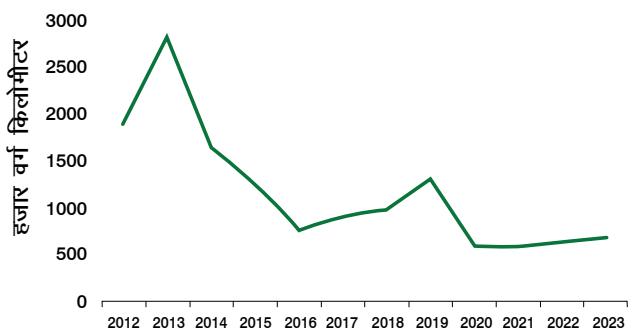
हालांकि, 2021 से खर्च धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जो 2022 में 47 बिलियन डॉलर और 2023 में 51 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। सख्त रिंग बाजारों और उच्च रिंग डे दरों के बीच, 2024 में खर्च में और

<sup>5</sup> आईईए: नेट जीरो संक्रमण में तेल और गैस और सरक्ती और निष्पक्ष स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए रणनीतियाँ  
<sup>10</sup> आईईए गैस बाजार: फ़ 2024

वृद्धि होने की उम्मीद है, खासकर गहरे पानी के क्षेत्र में। इस साल कुल अन्वेषण खर्च लगभग 56 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है।<sup>11</sup> महामारी ने काफी हद तक प्रभावित किया, जिससे 2021 में 43% की गिरावट आई, 2022 में कुछ सुधार देखा गया और उसके बाद 2023 में फिर से गिरावट आई। 2023 में, तेल की खोज अधिक महंगी हो गई क्योंकि लगातार खर्च के बावजूद खोजी गई मात्रा में गिरावट आई, जिससे तेल की खोज की लागत 3.3 डॉलर प्रति बैरल तेल समकक्ष (बीओई) तक बढ़ गई। 2024 की ओर देखते हुए, शुरुआती संकेत बेहतर लागत दक्षता की संभावना दिखाने वाली खोजों के साथ अधिक आशाजनक दृष्टिकोण का सुझाव देते हैं।

2024 में तेल और गैस की खोज में तेज़ी आ रही है, जिससे 2023 की तुलना में वैश्विक स्तर पर दिए जाने वाले लीज़ चक्र में संभावित 30% की वृद्धि का अनुमान है। इस वर्ष, यह अनुमान है कि 73 लीज़ चक्र दिए जाएँगे। 2024 की शुरुआत से, अपतटीय गतिविधि मुख्य रूप से नॉर्वे, भारत और ब्राज़ील जैसे देशों द्वारा संचालित की गई है, जबकि अभिटट अन्वेषण का नेतृत्व रूस, भारत और तुर्की ने किया है। क्षेत्रीय रूप से, पूर्वानुमानित कूपों का अधिकांश हिस्सा अमेरिका, रूस, अफ्रीका और एशिया में केंद्रित है। अपतटीय अन्वेषण विशेष रूप से पश्चिमी यूरोप, दक्षिण पूर्व एशिया, उत्तरी अमेरिका और दक्षिण एशिया में सक्रिय होने की उम्मीद है।

### वर्ष में वैश्विक तेल और गैस का लाइसेंसीकृत क्षेत्र



स्रोत: रिस्टैड एनर्जी

इस दशक में गिरावट के रुझान के बावजूद तेल और गैस की खोज मूल्य सृजनात्मक बनी हुई है, लेकिन शीर्ष खोजकर्ता अपने रिजर्व प्रतिस्थापन अनुपात (आरआरआर) को बढ़ाने में विफल रहे हैं क्योंकि 2010 से खोजे गए वॉल्यूम में गिरावट आई है और खोज लागत बढ़ रही है। 2020 में आवंटित एकड़ में गिरावट के बाद, हाल के वर्षों में लाइसेंसिंग गतिविधि धीरे-धीरे बढ़ी है, 2022 से 2023 तक लाइसेंस प्राप्त एकड़ के मामले में लगभग 5% की वृद्धि हुई है।

<sup>11</sup> रिस्टैड एनर्जी रिपोर्ट

आईईए: वैश्व ऊर्जा निवेश 2024

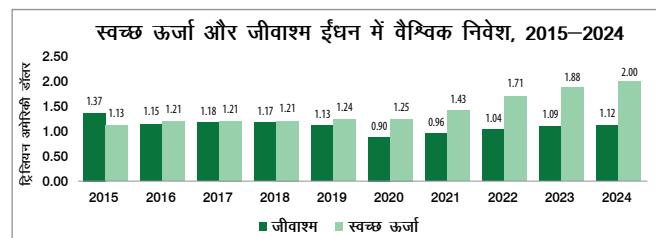
हाल ही में चीन, नाइजीरिया, कनाडा, इंडोनेशिया और नॉर्वे में नए लीज़ दौर की घोषणा के साथ, और इस वर्ष के लिए नियोजित लीज़ दौर में वृद्धि के साथ, 2024 में आवंटित एकड़ में वृद्धि देखी जा सकती है। हालांकि, खोजे गए बैरल और कम निवेश लागत की विशेषता वाले मजबूत अन्वेषण परिणामों ने परिचालन दक्षता में वृद्धि और वैश्विक खोज लागत में उल्लेखनीय कमी ला दी है।

### ऊर्जा में निवेश

#### क) बदलता परिवृश्य

वैश्विक ऊर्जा निवेश परिवृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल रहा है। अनुमानों से पता चलता है कि 2024 में वैश्विक ऊर्जा निवेश पहली बार 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और बुनियादी ढांचे को एक बड़ा हिस्सा मिलने की उम्मीद है, जो कुल 2 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि जीवाश्म ईंधन के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक आवंटित किया गया है। यह वितरण निवेश पैटर्न में उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाता है, जो ऊर्जा क्षेत्र में उभरती प्राथमिकताओं की ओर संकेत देता है।<sup>12</sup>

हालांकि, भू-राजनीतिक अस्थिरता से चिह्नित वर्तमान परिवृश्य ने ऊर्जा रणनीतियों को बाधित कर दिया है। अस्थिर बाजार का सामना कर रही तेल और गैस कंपनियां दीर्घकालिक उपक्रमों के प्रति सर्तक रुख अपना रही हैं। प्रतिबद्ध होने के बजाय, वे अल्पकालिक लाभ पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इस गतिशील बाजार के माहौल में उभरते अवसरों को भुनाने के लिए अनुकूलनशील बने हुए हैं।



स्रोत: आईईए, वैश्व ऊर्जा निवेश

निवेश व्यवहार में यह बदलाव ऐतिहासिक संदर्भ में देखा जा सकता है। 2014 में, वैश्विक अपरस्ट्रीम निवेश लगभग 900 बिलियन अमेरिकी डॉलर के शिखर पर पहुंच गया। हालांकि, 2015 में तेल की कीमतों में गिरावट के साथ, निवेश में तेज गिरावट देखी गई। 2015 के बाद से, अपरस्ट्रीम निवेश में एक महत्वपूर्ण पुनर्संरचना हुई है, जिसकी विशेषता विभिन्न प्रकार की कंपनियों में बढ़ी हुई लागत अनुशासन और खर्च करने के तरीकों में उल्लेखनीय बदलाव है। विशेषकर, 2017 और 2024 के बीच, मध्य पूर्व और एशियाई राष्ट्रीय तेल कंपनियों

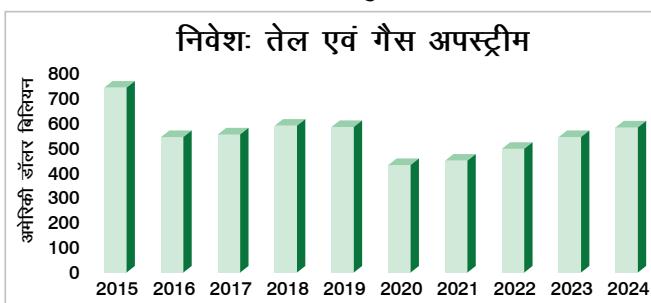


(एनओसी) द्वारा निवेश में 50% से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि निजी कंपनियों द्वारा निवेश में लगभग 20% की गिरावट आई।

2023 में भी, अपस्ट्रीम उद्योग में एक प्रमुख विषय संभावित कम निवेश था, जो भविष्य में आपूर्ति-मांग अंतर पैदा कर सकता है। हालांकि, रिस्टैड एनर्जी इस धारणा का विरोध करती है, यह देखते हुए कि निवेश में गिरावट के बावजूद, तेल उत्पादन के स्तर में गिरावट नहीं आई है। इसका मतलब है कि पर्याप्त दक्षता वृद्धि, उद्योग को प्रति डॉलर खर्च पर अधिक तेल निकालने में सक्षम बनाती है, जिससे भविष्य में आपूर्ति की कमी के बारे में चिंताओं को कम किया जा सकता है।

आईईए का अनुमान है कि 2024 में अपस्ट्रीम तेल और गैस निवेश बढ़कर लगभग 570 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगा, जो 2023 के स्तर से 7% अधिक है, जो यह दर्शाता है कि उद्योग को निकट भविष्य में स्थिर या बढ़ती मांग की उम्मीद है। निवेश का यह स्तर बताता है कि तेल और गैस क्षेत्र को निकट भविष्य में मांग में उल्लेखनीय कमी की आशंका नहीं है। इसलिए, पर्याप्त पूँजी प्रतिबद्धता इन ऊर्जा संसाधनों की निरंतर या बढ़ती खपत में विश्वास को दर्शाती है। 2021 और 2023 के बीच, पारंपरिक तेल और गैस अन्वेषण पर लगभग 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किए गए। इस निवेश का आधे से अधिक हिस्सा चीन, उत्तरी अमेरिका, नॉर्थ और रूस में हुआ, जिसमें गुयाना (स्टेंड्रोइक ब्लॉक में) और नामीबिया में सबसे बड़ी खोजें हुईं। 2024 में अन्वेषण निवेश में अतिरिक्त 15% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण चीन और उत्तरी अमेरिका में खर्च में वृद्धि है।

लगभग 140 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) प्रति वर्ष नई एलएनजी क्षमता की घोषणा की गई है, जो कुल मिलाकर लगभग 80 बिलियन



स्रोत: आईईए

अमेरिकी डॉलर का निवेश है। कई भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद कुल एलएनजी व्यापार में लगातार वृद्धि देखी गई है। 2023 में, तेल और गैस कंपनियों ने स्वच्छ ऊर्जा में 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया, जो उनके कुल पूँजीगत व्यय का 4% से भी कम और उनकी शुद्ध आय का 1% से भी कम है।

निष्कर्ष के तौर पर, तेल और गैस कंपनियाँ निवेश के लिए ज्यादा समझदारी भरा दृष्टिकोण अपना रही हैं, संभावित परियोजनाओं का आकलन करने के लिए कड़े मानदंड लागू कर रही हैं और मजबूत रिटर्न वाले लोगों को प्राथमिकता दे रही हैं। इस रणनीति के परिणामस्वरूप सबसे आशाजनक अवसरों पर केंद्रित एक सुव्यवस्थित पोर्टफोलियो तैयार हुआ है।

## विलय और अधिग्रहण

### समेकन और बदलती लहरें

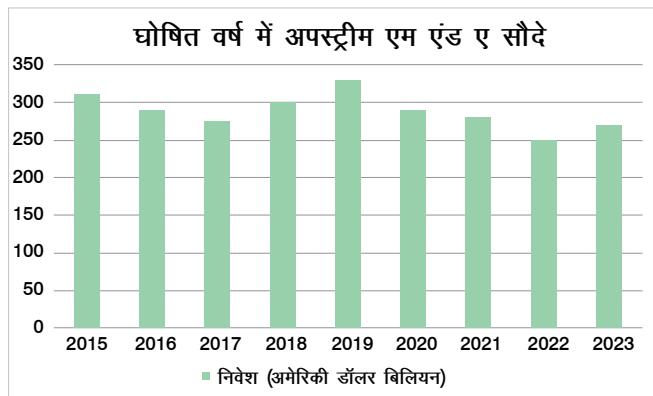
तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन कंपनियों ने 2023 में 2.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की शुद्ध आय अर्जित की, जो 2022 से 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की मामूली कमी है, लेकिन फिर भी 2015–2017 और 2020 के निचले स्तरों से काफी अधिक है। अधिकांश उत्पादकों के पास ब्रेक-ईवन पॉइंट होते हैं जो उन्हें तेल की कीमतों 55 डॉलर या 60 डॉलर प्रति बैरल तक गिरने पर भी लाभ कमाने की अनुमति देते हैं। 2023 के अधिकांश समय में कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर और 90 डॉलर प्रति बैरल के बीच उतार-चढ़ाव करती रही है और अगले साल तक इसके इसी दायरे में रहने या थोड़ा बढ़ने की उम्मीद है। बढ़ती मांग और ओपेक+ द्वारा उत्पादन में कटौती के साथ-साथ चल रही भू-राजनीतिक अस्थिरता कीमतों को समर्थन देना जारी रखेगी।

इस वर्ष कई बड़े विलय और अधिग्रहण समझौते हुए, जिनमें से तीन-तिमाही में अमेरिकी शेल कंपनियाँ शामिल थीं, जो उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट बेसिनों में एकीकरण की ओर रुझान को उजागर करती हैं। प्रमुख समझौते में शेवरॉन द्वारा 7.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर में पीडीसी की खरीद और ऑक्सिडेंटल द्वारा 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर में क्राउनरॉक का अधिग्रहण शामिल है। 2024 में पूरे होने वाले महत्वपूर्ण सौदों में एक्सॉनमोबिल द्वारा पायनियर की 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीद, डायमंडबैक और एंडेवर के बीच 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर का विलय, चेसापीक और साउथवेस्टर्न के बीच 7.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का विलय, जिससे सबसे बड़ा अमेरिकी गैस उत्पादक बन जाएगा, और एसएलबी द्वारा पर्मियन बेसिन में सेवाओं को बढ़ाने के लिए चैंपियनएक्स का अधिग्रहण शामिल है।

शेवरॉन ने हेस के 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अधिग्रहण की भी घोषणा की, जो हेस की गैर-अमेरिकी परिसंपत्तियों से संबंधित कानूनी चुनौतियों के समाधान के लिए लंबित है। इसके अतिरिक्त, मैराथन ऑयल कॉर्प के कोनोकोफिलिप्स के अधिग्रहण ने अमेरिकी तेल और गैस एम एंड ए की प्रवृत्ति को जारी रखा है, जो पर्मियन बेसिन में पर्याप्त स्थिति बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

अपस्ट्रीम तेल और गैस बाजार वर्तमान में अधिग्रहण और विलय के दौर में है। सार्वजनिक कंपनियाँ अन्य सार्वजनिक कंपनियों या निजी उत्पादकों का अधिग्रहण कर रही हैं, या बराबर के विलय में संलग्न

हैं। पिछले एक साल में सौदे के मूल्य में वृद्धि के साथ, कंपनियों ने हाल के वर्षों में निवेशकों द्वारा मांगे गए राजकोषीय अनुशासन को बनाए रखा है। नतीजतन, नई ड्रिलिंग पर पूँजीगत खर्च कम बना हुआ है, इसके बजाय कंपनियाँ अगले दशक के लिए माल—सूची बनाने के लिए तैयार उत्पादन संपत्तियों को हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।



स्रोत: विश्व ऊर्जा निवेश 2024, ब्लूमबर्ग और अन्य बाजार और कंपनी डेटा पर आधारित आईईए विश्लेषण।

उत्तरी अमेरिका से परे, तेल और गैस क्षेत्र में एम एंड ए गतिविधि प्रमुख तेल कंपनियों और राष्ट्रीय तेल कंपनियों (एनओसी) द्वारा विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करती है। ईएनआई ने यूरोप, इंडोनेशिया और उत्तरी अफ्रीका में नेच्यून एनर्जी की परिसंपत्तियों को 2.6 बिलियन अमरीकी डॉलर में खरीदा, जिससे इन क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति मजबूत हुई, जबकि वार एनर्जी ने नेच्यून नॉर्ज को 2.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर में अधिग्रहित किया। टोटल एनर्जी ने 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर में सपुराओएमवी अपस्ट्रीम में हिस्सेदारी हासिल करके मलेशिया में अपनी स्थिति मजबूत की। साथ ही, शेल ने इंडोनेशिया में अपने मासेला ब्लॉक को पर्टमिना और पेट्रोनास को 650 मिलियन अमरीकी डॉलर में बेच दिया। 2024 को देखते हुए, कई प्रमुख कंपनियों ने नाइजीरिया में गतिविधियों को कम करने या बाहर निकलने की योजना की घोषणा की है, जो आशिक रूप से स्थिरता लक्ष्यों से प्रेरित है। 2023 में घोषित या पूर्ण किए गए अधिग्रहणों को विभिन्न माध्यमों से वित्तपोषित किया गया, जिसमें नकदी, स्टॉक, रिजर्व—आधारित उधार और अन्य निवेश वाहन शामिल हैं, जिसमें बैंकों, निजी इकिवटी और संस्थागत ऋणदाताओं से धन प्राप्त किया गया।

### 3. भारतीय अर्थव्यवस्था

#### भारत की अर्थव्यवस्था को चलाने वाली विविध शक्तियाँ

2023 एक महत्वपूर्ण क्षण था जब भारत ने जी20 की प्रतिष्ठित अध्यक्षता संभाली और विश्व मंच पर अपनी आर्थिक शक्ति और कूटनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया। इस नेतृत्वकारी भूमिका ने

भारत को वैश्विक आर्थिक नीतियों को प्रभावित करने, अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने और सतत और समावेशी विकास के लिए अपने दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की अनुमति दी।

ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अस्थिरता और लगातार अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सुस्ती से चिह्नित वैश्विक वातावरण में, भारत न केवल अनिश्चितता से बाहर निकला है, बल्कि आर्थिक ठहराव के संक्रमण से भी बचा है। सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में, हम निकट भविष्य में इस उल्लेखनीय विकास पथ को बनाए रखने के लिए तैयार हैं। यह गति सरकार के पूँजीगत व्यय पर जोर से चल रहे के साथ—साथ राजकोषीय समेकन की दिशा में प्रयासों से प्रेरित है, जो निवेश को प्रोत्साहित करने और उपभोग की मांग को बढ़ाने का वादा करती है। बजट में, सरकार ने वित्त वर्ष 2024 में ₹ 11.1 ट्रिलियन से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2024–25 में (वित्त वर्ष 2025) 16.5% केन्द्र की पूँजी व्यय का लक्ष्य रखा है।

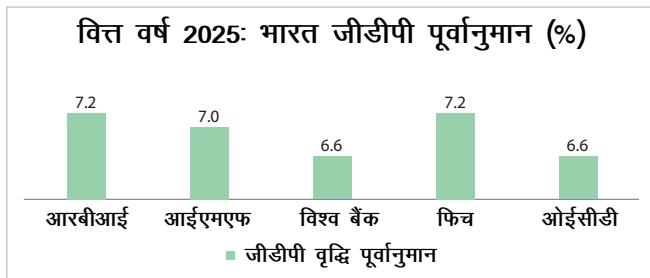
आरबीआई ने फरवरी, 2023 में आखिरी बढ़ातरी के बाद से रेपो दर को 6-5% पर स्थिर रखा है। यह मौद्रिक नीति के प्रति दृढ़ दृष्टिकोण का संकेत देते हुए अपने 'समायोजन वापस लेने' के रुख पर जोर देना जारी रखता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2022–23 में 6.7 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2023–24<sup>13</sup> में 5.4 % हो गई, 2024–25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.5<sup>14</sup> % रहने का अनुमान है। आरबीआई जल्दी जीत की घोषणा करने के बारे में सतर्क है, वैश्विक तेल की कीमतों में अस्थिरता, भू—राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अस्थिरता के कारण मुद्रास्फीति के जोखिम पैदा करने के कारण अवस्फीति के अंतिम चरणों के दौरान सतर्क रहने के महत्व पर जोर देता है। जलवायु संबंधी खाद्य और समग्र मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण में अनिश्चितता बढ़ाते हैं।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनंतिम अनुमान (पीई) जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023–24 में वास्तविक जीडीपी में 8.2% की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2022–23 में वृद्धि दर 7.0% रहने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, वास्तविक सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) 2023–24 में 7.2% होने की उम्मीद है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 6.7% से अधिक है, लगातार तीसरे वर्ष 7% या उससे अधिक की वृद्धि है।

इस वृद्धि को मजबूत पूँजी पर्याप्तता, बैंकों की ठोस आय और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार से समर्थन मिला है। चालू खाता घाटा (सीएडी) कम हो रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। वित्तीय प्रणाली भी स्वस्थ और सक्रिय है, जिससे दोहरे अंकों में ऋण वृद्धि को बढ़ावा भिल रहा है।

<sup>13</sup> आर्थिक मासलों का विवाह: मासिक समीक्षा मार्च, 2024

<sup>14</sup> मौद्रिक नीति समिति की बैठक के कायदृत, जून, 2024



आरबीआई ने 2024–25 के लिए 7.2% वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान ग्रामीण मांग में तेजी और विनिर्माण क्षेत्र में चल रही गति से समर्थित है। इसी तरह, आईएमएफ ने 2024–25 में भारत की वृद्धि 7.0% और 2025–26 में 6.5% तक पहुंचने की भविष्यवाणी की है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने व्यापार और वित्तीय साधनों के माध्यम से अपने वैश्विक एकीकरण को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है, आंतरिक मांग पर जोर देने के साथ विभिन्न बाहरी चुनौतियों को कम किया है। वैश्विक बॉण्ड इंडेक्स में भारत के शामिल होने की बढ़ती उम्मीदें निवेशकों के लिए इसकी अपील को बढ़ा रही हैं। भारत वैश्विक विकास में अग्रणी योगदानकर्ता के रूप में उभरा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमानों से पता चलता है कि वैश्विक विकास में भारत का योगदान 2028 तक अपने मौजूदा 16% से बढ़कर 18% हो जाएगा।

## 4. भारत ऊर्जा स्नैपशॉट

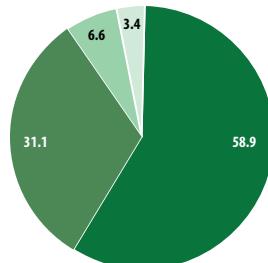
### वृद्धि और स्थिरता में संतुलन

बढ़ती आबादी और युवा कार्यबल द्वारा समर्थित मजबूत घरेलू मांग के साथ, भारत को सबसे तेजी से बढ़ने वाली जी20 अर्थव्यवस्था होने का अनुमान है। नतीजतन, अगले 10 वर्षों के लिए प्राथमिक ऊर्जा मांग में सालाना 3&4% की वृद्धि होने की उम्मीद है। भविष्य को देखते हुए, भारत को अगले 30 वर्षों में ऊर्जा मांग वृद्धि में वैश्विक नेता होने का अनुमान है। यह उछाल शहरीकरण, औद्योगीकरण और बढ़ती युवा आबादी द्वारा संचालित है।

आने वाले वर्षों में, भारत के ऊर्जा विकल्प उसके उत्सर्जन पथ को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे। ऐतिहासिक रूप से जीवाश्म ईधन के आयात पर निर्भर भारत अब एक रणनीतिक बदलाव कर रहा है। भारत का ऊर्जा क्षेत्र पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ तेज़ विकास को संतुलित करने में एक आकर्षक केस स्टडी प्रस्तुत करता है। वर्ष 2000 से, भारत ने 810 मिलियन लोगों को बिजली उपलब्ध कराकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

वर्तमान में यह संख्या यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका की संयुक्त आबादी से भी अधिक है! लगभग 655 मिलियन लोगों को स्वच्छ खाना पकाने के विकल्पों तक पहुंच प्राप्त हुई है।

### ऊर्जा की स्रोतवार खपत 2022–23



कोयला तेल प्राकृतिक गैस विद्युत # (प्रति जूली में)

स्रोत: ऊर्जा सारिंगकी भारत 2024, एमओएसपीआई

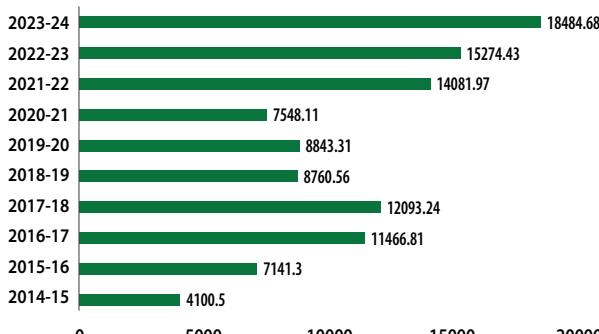
भारत अपने ऊर्जा विकास में एक गतिशील नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसकी पहचान दीर्घकालिक नेट जीरो उत्सर्जन महत्वाकांक्षा से की गई है। भारत ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य की घोषणा की है, और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति और स्वच्छ प्रौद्योगिकी निर्माण को बढ़ाने के लिए नीतियाँ बनाई हैं। भारत को दशक के अंत से पहले अपनी आधी बिजली क्षमता को गैर-जीवाश्म बनाने के अपने 2030 के लक्ष्य को पूरा करने की उम्मीद है। जैसे-जैसे भारत अक्षय ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ रहा है, उसे आवश्यक सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को सुरक्षित करने के लिए जटिल अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्यों को नेविगेट करना होगा। पारंपरिक रूप से जीवाश्म ईधन के आयात पर निर्भर भारत अब सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन में अपनी क्षमता का विस्तार करने के लिए उन्नत स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का आयात कर रहा है।

सीओपी28 जैसे वैश्विक समझौतों का उद्देश्य जीवाश्म ईधन से दूर जाना है, लेकिन भारत जैसे देशों को कोयले की जगह लेने में मदद करने के लिए प्रभावी रणनीतियों का अभी भी अभाव है। नतीजतन, भारत कोयले पर निर्भर रहता है, जो बढ़ती बिजली की मांग के कारण अपने बिजली उत्पादन का 70% से अधिक हिस्सा है। कोयले पर यह निर्भरता निकट भविष्य में बनी रहने की उम्मीद है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना जारी रखता है।

आईईए रिपोर्ट तेल के लिए एक विपरीत तस्वीर पेश करती है। मौजूदा नीतियों के तहत, भारत की तेल मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है, जो 2022 में 5.2 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) से बढ़कर 2030 में 6.8 मिलियन बीपीडी और घोषित नीतियों के तहत 2050 में 7.8 मिलियन बीपीडी हो जाएगी। हालांकि, 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के लिए भारत की प्रतिबद्धता संभावित दिशा सुधार का संकेत देती है। घोषित नीतियों से तेल की मांग 2030 तक 6.2 मिलियन बीपीडी और 2050 तक 4.7 मिलियन बीपीडी तक

कम हो सकती है, जो स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के भारत के प्रयासों को उजागर करती है।<sup>7</sup>

## वर्षावार स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता (मेगावाट)



स्रोत: एमएनआरई

भारत नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में तेजी से आगे बढ़ा है और वैश्विक मंच पर एक अग्रणी देश के रूप में उभरा है। अक्षय ऊर्जा क्षमता में यह असाधारण वृद्धि सरकारी नीतियों, तकनीकी प्रगति और महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय निवेशों से प्रेरित है। 2030 तक 500 गीगावाट का महत्वाकांक्षी लक्ष्य और लगभग 193.5 गीगावाट पहले ही स्थापित हो चुका है।<sup>15</sup> देश का ऊर्जा परिवर्तन बदल रहा है, जिसमें ऊर्जा की बढ़ती पहुँच, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता को संतुलित करने पर जोर दिया जा रहा है।

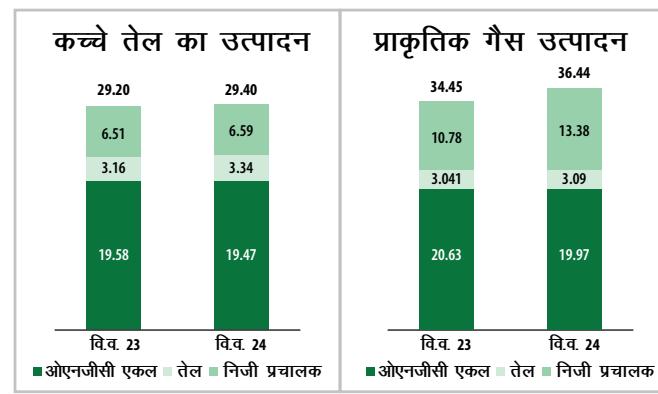
भारत अपनी बढ़ती आबादी को ईंधन देने के लिए एक साथ कड़ी मेहनत कर रहा है, साथ ही अपने शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ रहा है। देश व्यापक ऊर्जा परिवर्तन की अग्रिम पंक्ति में है, जो निकट भविष्य में 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुँचने के लिए तेज़ आर्थिक विस्तार से प्रेरित है। देश सभी प्रकार की ऊर्जा में भारी निवेश कर रहा है, साथ ही नवीकरणीय स्रोतों को भी अपना रहा है। बड़ी चुनौतियों और अपार अवसरों के बावजूद, भारत की डीकार्बोनाइजेशन यात्रा अभी भी अपने शुरुआती चरण में है। बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने की दोहरी चुनौती राष्ट्र के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई है। भारत का स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन न केवल अपने स्वयं के कल्याण के लिए, बल्कि ग्रह के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है।

## कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन

पेट्रोलियम नियोजन और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनन्तिम आकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन 29.4 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 29.2 एमएमटी था। वित्त वर्ष 2024 में ओएनजीसी का एकल

कच्चे तेल का उत्पादन 19.47 एमएमटी रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 19.58 एमएमटी था। ऑयल इंडिया लिमिटेड का एकल उत्पादन 3.34 एमएमटी रहा और पीएससी / जेवी ने वित्त वर्ष 2024 में क्रमशः 6.59 एमएमटी का योगदान दिया।

वित्त वर्ष 2024 में प्राकृतिक गैस का उत्पादन 36.44 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 34.45 था। वित्त वर्ष 2024 में ओएनजीसी का एकल घरेलू उत्पादन 19.97 बीसीएम रहा। ऑयल इंडिया ने 3.09 बीसीएम और अन्य निजी ऑपरेटरों ने 13.38 बीसीएम का उत्पादन किया।



स्रोत: एमएनआरई

## पेट्रोलियम उत्पादों की खपत

पीपीएसी के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में घरेलू पेट्रोलियम उत्पादों की खपत 5% से अधिक बढ़कर 233.1 मिलियन मीट्रिक टन हो गई। 2023-24 में पेट्रोल की खपत 6.3% से बढ़कर 37.2 मिलियन टन हो गई, जबकि डीजल की बिक्री 4.4% से बढ़कर 89.7 मिलियन टन हो गई। एलपीजी की खपत 3.8% से बढ़कर 29.7 मिलियन टन हो गई। उच्च विमान यातायात के कारण एटीएफ की मांग 10.8% से बढ़कर 8.2 मिलियन टन हो गई।

## आयात और निर्यात

पीपीएसी 16 ने बताया कि वित्त वर्ष 2024 में कच्चे तेल का आयात 234.3 मिलियन मीट्रिक टन पर स्थिर रहा। अंतर्राष्ट्रीय तेल की कीमतों में कमी के कारण भारत का कच्चे तेल का आयात बिल पिछले वर्ष के 158 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 16% से घटकर 2023-24 में 133 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

घरेलू उत्पादन में लगातार गिरावट और मांग में उछाल के कारण देश की आयात निर्भरता बढ़ गई है। पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 61 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 62.4 मिलियन मीट्रिक टन हो गया।

## कच्चे तेल की कीमत: भारतीय बास्केट

वित्त वर्ष 2024 के दौरान भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत औसतन 82.58 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि पिछले वित्त

<sup>7</sup> आर्टिंग: वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2023

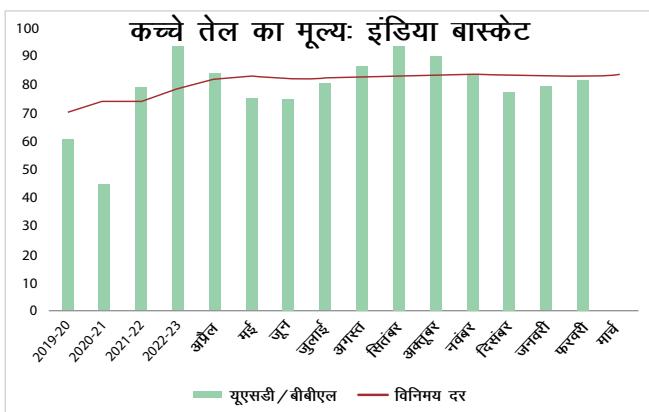
<sup>15</sup> सीईई: इनटाल्ड कंपोसिट रिपोर्ट मई 2024

<sup>16</sup> पीपीएसी: रेडी रेकोर्ड मई 2024



वर्ष में यह 93.15 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत का तेल आयात पर व्यय 132.8 बिलियन डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के 157.5 बिलियन डॉलर से उल्लेखनीय कमी है, जैसा कि पीपीएसी के अधिकारिक डेटा से संकेत मिलता है। कम अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण कच्चे तेल के आयात में 16% की कमी के बावजूद, विशेष आपूर्तिकर्ताओं पर भारत की निर्भरता एक नए शिखर पर पहुंच गई, वित्त वर्ष 2023–24 (अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024) में 233.1 मिलियन टन आयात किया गया। आयात निर्भरता 2023–24 में 87-4% से बढ़कर 87-7% हो गई।

1 जुलाई, 2022 को भारत ने अप्रत्याशित लाभ कर की शुरुआत की, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) लागू किया। विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के जवाब में इसके बाद के समायोजन के परिणामस्वरूप, ओएनजीसी की प्राप्ति औसतन लगभग 75 डॉलर प्रति बैरल रही।



स्रोत: पीपीएसी

## घरेलू गैस की कीमतें

प्राकृतिक गैस भारत की ऊर्जा रणनीति का केंद्र है, सरकार का लक्ष्य 2030 तक प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में इसकी हिस्सेदारी 6-5% से बढ़ाकर 15% करना है। इसे हासिल करने के लिए कई प्रमुख पहल चल रही हैं। घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास तेज़ हो रहे हैं, आयात पर निर्भरता कम करने और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लिए भारत के गैस भंडार को खोलने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण संरचना समय के साथ बदल गई है, भारत का लक्ष्य धीरे-धीरे विनियमित मूल्य निर्धारण से मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता में परिवर्तन करना है। अप्रैल, 2023 में, सरकार ने ओएनजीसी/ओआईएल, नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) ब्लॉक और प्री-एनईएलपी ब्लॉक के नामकन क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए संशोधित घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों को मंजूरी दी है, जहां उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) सरकार

के मूल्यों की मंजूरी प्रदान करता है। ऐसी प्राकृतिक गैस का एपीएम (प्रशासित मूल्य तंत्र) मूल्य भारतीय क्रूड बास्केट के मासिक औसत का 10% होगा और इसे मासिक आधार पर अधिसूचित किया जाएगा। ओएनजीसी और ओआईएल द्वारा उनके नामकन ब्लॉकों से उत्पादित गैस के लिए यूएसडी4 और यूएसडी 6.5 प्रति एमएमबीटीयू के बीच का फलोर और सीलिंग मूल्य मौजूदा उत्पादन कुओं पर लागू होगाद्य ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के नामकन क्षेत्रों में नए कुओं या कुओं के निर्माण से उत्पादित गैस को एपीएम मूल्य पर 20% प्रीमियम की अनुमति दी जाएगी।

एचपी-एचटी/डीप/अल्ट्रा डीप वाटर क्षेत्रों से उत्पादित गैस वैकल्पिक ईंधन से जुड़ी उच्च कीमतों के लिए पात्र है और एक अधिकतम मूल्य के अधीन है। वर्तमान कीमतें देश के बढ़ते औद्योगिक और वाणिज्यिक सेटअप को स्वदेशी रूप से विकसित गैस की स्थिर और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए मूल्य को अनलॉक करेंगी।

इसके साथ ही, सरकार एक मजबूत बुनियादी ढांचा नेटवर्क विकसित कर रही है, गैस पाइपलाइनों का विस्तार कर रही है ताकि कुशल राष्ट्रव्यापी वितरण और सभी बाजार खिलाड़ियों के लिए खुली पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, उत्पादकों को प्रोत्साहित करने, निवेश पर स्थिरता और आकर्षक रिटर्न प्रदान करने के लिए प्राकृतिक गैस के लिए बाजार संचालित मूल्य निर्धारण में बदलाव लागू किया जा रहा है। प्राकृतिक गैस में यह बदलाव पर्यावरणीय और आर्थिक दोनों उद्देश्यों का समर्थन करता है, क्योंकि गैस के बढ़ते उपयोग से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होता है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है। चुनौतियों के बावजूद, बुनियादी ढांचे में और अधिक निवेश और नवीकरणीय ऊर्जा को ऊर्जा मिश्रण में एकीकृत करने के बावजूद, भारत एक स्पष्ट रोडमैप और निर्णायक कार्रवाई करके अपने 2030 के लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर है।

## घरेलू अपर्स्ट्रीम सुधार और पहल

हाल के वर्षों में घरेलू अपर्स्ट्रीम क्षेत्र ने महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन और सक्रिय निर्णय देखे हैं। भारत सरकार (जीओआई) ने देश भर में अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से कई पहल की हैं। भारत सरकार ने 30 मार्च, 2016 को हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी) शुरू की, जिसका उद्देश्य अन्वेषण एकड़ के पुरस्कार के लिए उत्पादन साझाकरण तंत्र से राजस्व साझाकरण तंत्र में संक्रमण करके भारतीय अन्वेषण और उत्पादन (ई एंड पी) क्षेत्र को पुनर्जीवित करना है। गहरे और अत्यधिक गहरे पानी के ब्लॉकों में पहले 7 वर्षों के लिए कोई रॉयल्टी नहीं। उसके बाद पूरे अनुबंध अवधि के लिए रॉयल्टी की दर अल्ट्राडीप में 2% और गहरे पानी में 5% है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियों के लिए पहले से प्रतिबंधित 'नो-गो' क्षेत्रों में से 99% को खोल दिया है। इस पहल को राजकोषीय प्रोत्साहनों द्वारा पूरा किया गया है जिसका उद्देश्य क्षेत्रों के शीघ्र मुद्रीकरण की सुविधा प्रदान करना और प्राकृतिक गैस के लिए विपणन और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता प्रदान करना है। ये उपाय ई एंड पी क्षेत्र में परिचालन को सुव्यवस्थित करने और व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। प्रमुख पहलों में ऑनलाइन "ऊर्जा प्रगति प्लेटफॉर्म" के माध्यम से त्वरित मंजूरी, अनुमोदन आवश्यकताओं को कम करने के लिए स्व-प्रमाणन के माध्यम से सरलीकृत अनुपालन प्रक्रियाएँ और जीआईएस-आधारित निगरानी के लिए "ऊर्जा सुरक्षा समन्वय" का कार्यान्वयन शामिल है। इसके अतिरिक्त, "अपस्ट्रीम इंडिया पोर्टल" क्षेत्र में हितधारकों के बीच बेहतर सहयोग को बढ़ावा देता है।

अप्रैल, 2023 में, भारत ने प्रशासित मूल्य तंत्र (एपीएम) के तहत अपने प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों को संशोधित किया। पहले वैश्विक बैंचमार्क से बंधे हुए, अब कीमतें भारतीय क्रूड बास्केट के लिए मासिक बैंचमार्क हैं।

## परिचालन प्रदर्शन:

वित्त वर्ष 2024 के लिए, पीएससी-जेवी और विदेशी परिसंपत्तियों सहित ओएनजीसी समूह का तेल और गैस उत्पादन 52.3 एमएमटीओई रहा है (वित्त वर्ष 2023 के दौरान 53 एमएमटीओई)।

पिछले पांच वर्षों के दौरान घरेलू और विदेशी परिसंपत्तियों से तेल और गैस उत्पादन प्रोफाइल नीचे दी गई है:

कच्चे तेल का उत्पादन (एमएमटी)	वित्त वर्ष, 2024	वित्त वर्ष, 2023	वित्त वर्ष, 2022	वित्त वर्ष, 2021	वित्त वर्ष, 2020
कच्चे तेल का उत्पादन (एमएमटी)	28.32	27.83	29.80	31.04	33.11
ओएनजीसी	19.47	19.58	19.54	20.27	20.71
संयुक्त उद्यम में ओएनजीसी की हिस्सेदारी	1.67	1.901	2.16	2.26	2.64
ओएनजीसी विदेश	7.18	6.35	8.10	8.51	9.76
प्राकृतिक गैस उत्पादन (बीसीएम)	23.98	25.17	25.91	27.35	30.12
ओएनजीसी	19.97	20.63	20.91	22.10	23.85
संयुक्त उद्यम में ओएनजीसी की हिस्सेदारी	0.67	0.72	0.77	0.72	1.04
ओएनजीसी विदेश	3.34	3.82	4.23	4.53	5.23

## प्रमाणित भंडार

आपकी कंपनी (ओएनजीसी विदेश सहित) के प्रमाणित भंडार की स्थिति निम्नानुसार है:

प्रमाणित भंडार (एमएमटीओई)	वित्त वर्ष, 2024	वित्त वर्ष, 2023	वित्त वर्ष, 2022	वित्त वर्ष, 2021	वित्त वर्ष, 2020
ओएनजीसी	514.83	530.71	557.31	580.52	602.55
संयुक्त उद्यम शेयर	11.26	12.10	14.22	16.33	17.82
ओएनजीसी विदेश	253.81	264.09	274.34	273.59	340.45
अनुमानित शुद्ध प्रमाणित ओ+ओईजी भंडार	779.90	806.90	845.87	870.44	960.82

सरकार ने बढ़ी हुई तेल वसूली (ईओआर) नीति के माध्यम से हमारी हाइड्रोकार्बन उत्पादक परिसंपत्तियों से अधिक वसूली को प्रोत्साहित करने के लिए नीति भी लाइ। अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत से जुड़े घरेलू प्राकृतिक गैस के लिए नई मूल्य निर्धारण नीति की शुरुआत घरेलू हाइड्रोकार्बन उद्योग में निवेश को आकर्षित करने के लिए एक प्रगतिशील उपाय है। अन्वेषण के लिए अनुकूल राजकोषीय वातावरण बनाने के प्रयासों के बावजूद, निवेशक सावधानी बरत रहे हैं। अप्रत्याशित करों के लागू होने से अनिश्चितता बढ़ती है और दीर्घकालिक निवेश रणनीतियों पर असर पड़ता है, जो उद्योग की अस्थिर प्रकृति को रेखांकित करता है जहां आकस्मिक योजनाएँ आवश्यक हैं।

इसके अलावा, तेल, गैस और प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी से बाहर रखा जाना एक और बाधा के रूप में कार्य करता है। इस समय कुछ प्रमुख मुद्दे जो ध्यान देने योग्य हैं, वे हैं ओआईडी उपकर और रॉयल्टी दरों में कमी और जीएसटी के तहत कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का कवरेज।



## वित्तीय प्रदर्शन: ओएनजीसी (एकल)

(₹ मिलियन में, जब तक अन्यथा न कहा गया हो)

विवरण	वित्त वर्ष, 2024	वित्त वर्ष, 2023	% वृद्धि / (कमी)
<b>राजस्व:</b>			
कच्चा तेल	9,18,665	10,30,076	(10.82)
प्राकृतिक गैस	3,34,287	3,74,168	(10.66)
मूल्य वर्षित उत्पाद	1,24,790	1,43,297	(12.92)
अन्य परिचालन राजस्व	6,280	7,632	(17.71)
<b>परिचालन से कुल राजस्व:</b>	<b>13,84,022</b>	<b>15,55,173</b>	<b>(11.01)</b>
अन्य आय	1,07,782	76,266	41.32
ईबीआईडीटीए	7,75,932	8,08,432	(4.02)
असाधारण मद्दें-आय / (व्यय)	-	(92,351)	-
पीबीटी	5,30,162	5,20,889	1.78
पीएटी	4,05,260	4,00,965	1.07
ईपीएस (₹)	32.21	31.87	1.07
प्रति शेयर लाभांश (₹)	12.25	11.25	8.89
शुद्ध मूल्य**	30,59,765	25,99,723	17.70
शुद्ध मूल्य पर % रिटर्न	13.24	15.42	(14.14)
नियोजित पूँजी	17,53,922	15,45,027	13.52
नियोजित पूँजी पर % रिटर्न	30.60	39.82	(23.15)
पूँजीगत व्यय	3,74,942	3,02,084	24.11

\*\* इसमें अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्यांकित इकिवटी उपकरणों के लिए आरक्षित निधि शामिल है।

^ पुनर्कथन

विवरण	2023-24	2022-23 ^	परिवर्तन %
देनदारों का टर्नओवर (दिन)	29	26	11.54
इच्छिये टर्नओवर	14.54	19.22	(24.35)
ब्याज कवरेज अनुपात	185.16	200.18	(7.15)
वर्तमान अनुपात	1.58	1.29	22.48
ऋण इकिवटी अनुपात	0.02	0.03	(33.33)
प्रचालन लाभ मार्जिन (%)	41.25	41.17	0.19
शुद्ध लाभ मार्जिन (%)	29.28	25.78	13.58
शुद्ध मूल्य पर प्रतिफल (%)	13.24	15.42	(14.14)

^ पुनर्कथन

### टिप्पणी:

#### 1. ऋण इकिवटी अनुपात में परिवर्तन

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए ऋण इकिवटी अनुपात वित्त वर्ष 2022–23 में 0.03 के मुकाबले 0.02 है, यानी 33.33% की कमी, यह कुल इकिवटी में ₹ 460,042 मिलियन की वृद्धि और कुल ऋण में ₹ 11,096 मिलियन की कमी का संचयी प्रभाव है। कुल ऋण में कमी मुख्य रूप से ₹ 26,400 मिलियन के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के मूलधन के पुनर्मुग्यतान के कारण है और वित्त वर्ष 2024 के दौरान कार्यशील पूँजी ऋण में ₹ 14,920 मिलियन की वृद्धि से आंशिक रूप से ऑफसेट है।

## वित्तीय प्रदर्शन: ओएनजीसी (समूह)

(₹ मिलियन में, जब तक अन्यथा न कहा गया हो)

विवरण	वित्त वर्ष, 2024	वित्त वर्ष, 2023	% वृद्धि / (कमी)
परिचालन से राजस्व:	6,430,370	6,848,292	(6.10)
अन्य आय	122,219	80,741	51.37
ईबीआईडीटीए	1,150,573	853,208	34.85
पीबीटी	768,600	447,461	71.77
वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ	571,008	340,465	67.71
— कपनी के मालिकों को देय लाभ	492,214	367,093	34.08
— गैर-नियंत्रक हितों को देय लाभ	78,794	(26,628)	(395.91)
ईपीएस (₹)	39.13	29.18	34.10
शुद्ध मूल्य*	3,370,702	2,827,750	19.20
शुद्ध मूल्य पर % रिटर्न	14.60	12.98	12.48
नियोजित पूँजी	2,600,300	2,352,382	10.54
नियोजित पूँजी पर % रिटर्न %	32.48	25.52	27.27

\*अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी उपकरणों के लिए आरक्षित राशि शामिल है।

# नियोजित पूँजी पर रिटर्न की गणना असाधारण वस्तुओं के प्रभाव पर विचार किए बिना की जाती है। यदि पीबीआईटी की गणना के लिए असाधारण मदों पर भी विचार किया जाता है, तो वित्त वर्ष 2023–24 के लिए आरओसीई 31.85% और वित्त वर्ष 2022–23 के लिए 22.06% होगा।

## 5. शक्ति एवं दुर्बलताएं

### ऊर्जा नेतृत्व की विरासत

ओएनजीसी के पास कुशल, समर्पित और अनुभवी जनशक्ति सहित व्यापक संसाधन आधार है, जो इसके अन्वेषण और उत्पादन प्रयासों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। ओएनजीसी ने विभिन्न क्षेत्रों में गिरावट की दर को कम करने के लिए नए उत्पादक कुओं को शुरू करने, कुओं को उत्तेजित करने और जल अंतःक्षेपण को बढ़ाने जैसी पुनर्विकास योजनाओं को लागू किया है। नतीजतन, हमारा तटवर्ती कच्चा तेल उत्पादन काफी हद तक स्थिर रहा है। हालांकि, पश्चिमी अपतटीय क्षेत्रों में गिरावट की उच्च दर का अनुभव होता है, जिससे वर्ष-दर-वर्ष आधार पर समेकित स्तर पर समग्र गिरावट आती है।

जैसे—जैसे वैश्विक गहरे पानी और अति—गहरे पानी के क्षेत्र तेल और गैस उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण सीमा के रूप में उभर रहे हैं, ओएनजीसी इन कठोर वातावरणों में किसी भी चुनौती को पार करने के लिए तैयार है। अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए, ओएनजीसी ने केंजी—डीएन—98/2 ब्लॉक से "फर्स्ट ऑयल" की शुरुआत सहित महत्वपूर्ण मील के पथर का सिल किए हैं। भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक मील के पथर के रूप में, भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने 02 मार्च, 2024 को ओएनजीसी के कृष्णा गोदावरी गहरे पानी के ब्लॉक से 'पहला कच्चा तेल' टैंकर 'स्वर्ण सिंधु' को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा, महानदी बेसिन में आशाजनक गैस खोज ने परिचालन दक्षता को अनुकूलित करते हुए गहरे पानी के क्षेत्रों में गहराई तक जाने के प्रयासों को उत्थापित किया है।

डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में, ओएनजीसी की सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम संस्थाएं ऊर्जा बाजार में उत्तर—चढ़ाव को भुनाने के लिए एक रणनीतिक लाभ प्रदान करती हैं। अस्थिरता के समय में एक प्राकृतिक बचाव के रूप में कार्य करते हुए, वे ओएनजीसी समूह के लिए स्थिरता और लचीलापन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह सहजीवी संबंध दोनों क्षेत्रों को जोखिम कम करने और बाजार की अस्थिरता के बीच स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है। वित्त वर्ष 2024 में, ओएनजीसी ने ₹ 571,008 मिलियन का अब तक का सबसे अधिक समेकित शुद्ध लाभ हासिल किया। मूल कंपनी ओएनजीसी के बाद इस समेकित लाभ का महत्वपूर्ण हिस्सा एचपीसीएल द्वारा योगदान दिया गया था।

ओएनजीसी के संचालन के प्रमुख घटकों के रूप में, एमआरपीएल और ओपीएएल न केवल ओएनजीसी के ऊर्ध्वाधर एकीकरण को बढ़ाते हैं, बल्कि कंपनी के मूल्य—वर्धित पेट्रोकेमिकल्स बाजार में रणनीतिक विस्तार को भी आगे बढ़ाते हैं। जैसे—जैसे वैश्विक ऊर्जा बाजार विकसित होता जा रहा है, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभर रहा है, जो अगले दशक और

उसके बाद तेल उद्योग के भीतर पर्याप्त मांग को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

हमारी अंतर्राष्ट्रीय शाखा के रूप में, ओवीएल राष्ट्रीय सीमाओं से परे हमारी उपस्थिति का विस्तार करने, आवश्यक ऊर्जा भंडारों तक हमारी पहुँच सुनिश्चित करने और दुनिया भर के देशों के साथ रणनीतिक गठबंधनों को पोषित करने में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह देश में दूसरी सबसे बड़ी अन्वेषण और उत्पादन कंपनी है, जो तेल और गैस उत्पादन में 10 मिलियन टन से अधिक तेल के बराबर का महत्वपूर्ण योगदान देती है।

ओएनजीसी को विकास की अपनी खोज में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। देश की सीमित संभावनाएँ ही विस्तार के लिए एक बड़ी बाधा के रूप में कार्य करती हैं। इस मुद्दे को और भी जटिल बनाते हुए मौजूदा क्षेत्रों से जुड़ी बहुमुखी चुनौतियाँ हैं: परिपक्व क्षेत्रों और उनके पुराने बुनियादी ढाँचों का प्रबंधन करना, उत्पादन में गिरावट के बावजूद प्रचालन लागत को कम रखना और जलाशयों की भूवैज्ञानिक विशेषताओं की जटिलताओं को समझाना।

दूसरी ओर, रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स में विविधता लाने के अपने प्रयासों के बावजूद, ओएनजीसी के सीमित डाउनस्ट्रीम एकीकरण के परिणामस्वरूप मूल्य संवर्धन में कमी और बाजार की अनिश्चितताओं और उत्तर—चढ़ाव के प्रति जोखिम बढ़ सकता है। इसके अलावा, सहायक कंपनियों और कुछ संयुक्त उद्यमों में उच्च ऋण स्तर समूह स्तर पर राजकोषीय स्थिरता को चुनौती देते हैं। इसके अतिरिक्त, विनियमन और मूल्य निर्धारण तंत्र में परिवर्तन ओएनजीसी की लाभप्रदता और रणनीतिक निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं।

इसके अलावा, तेल क्षेत्र, सेवा क्षेत्र की अविकसित स्थिति और प्रौद्योगिकी तक सीमित पहुँच ने देश में तेल उद्योग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण बाधाओं के रूप में काम किया है। बढ़ती तेल कीमतों से प्रेरित वैश्विक कमी के कारण रिंग किराए पर लेने में हाल की कठिनाइयों ने ओएनजीसी सहित कई ई एंड पी कंपनियों की अपस्ट्रीम अन्वेषण योजनाओं को बाधित करने की क्षमता रखी है। रिंग की आपूर्ति कम है, क्योंकि कई वैश्विक और पश्चिम एशियाई तेल कंपनियों द्वारा क्षेत्र सुरक्षित किए गए हैं। यह कमी रिंग से आगे बढ़कर अन्य तेल क्षेत्र सेवाओं और घटक दल तक फैली हुई है, जो ओएनजीसी के लिए इन जोखिमों को कम करने के लिए रणनीतिक साझेदारी पर विचार करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है।

इन चुनौतियों के बावजूद, ओएनजीसी परिपक्व क्षेत्रों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करता है और विशेषज्ञता और दक्षता के साथ संबंधित कठिनाइयों का समाधान करता है। ओएनजीसी ने कई प्रमुख पहलों को लागू किया है। खरीद प्रक्रिया की खामियों को दूर करने के लिए, ओएनजीसी ने 'एमआईएनडी' (मर्टेरियल मैनेजमेंट इंटेलिजेंस एंड डिजाइन) के साथ एक केंद्रीय खरीद विभाग (सीपीडी) की शुरुआत



की है। एम आईएनडी का उद्देश्य प्रमुख उच्च-मूल्य श्रेणियों के लिए बाजार की खुफिया जानकारी, रणनीतिक इनपुट और लागत अनुमान प्रदान करके खरीद में तेजी लाना है। विक्रेता चालानों की पारदर्शी और कुशल प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक साझा वित्त सेवा केंद्र की स्थापना की गई है।

इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी विवादों के त्वरित समाधान के लिए सरकार की 'विवाद से विश्वास-2' योजना के कार्यान्वयन का नेतृत्व कर रही है और विवादों को तेजी से हल करने के लिए एक अग्रणी प्रयास का प्रदर्शन कर रही है।

## 6. अवसर और जोखिम

### अवसरों का लाभ उठाना और खतरों को कम करना

वर्ष 2023 से 2030 तक, वैश्विक तेल मांग में 3.2 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबी/डी) की वृद्धि होने की उम्मीद है, बावजूद इसके कि वर्ष 2022 और 2030 के बीच विकास की धीमी प्रवृत्ति का अनुमान है, जैसा कि आईईए द्वारा उजागर किया गया है। यह वृद्धि पेट्रोकेमिकल फाउंडर्स्टॉक और हवाई यात्रा की बढ़ती मांग से प्रेरित है, भले ही मौजूदा नीति सेटिंग्स के तहत ऊर्जा संक्रमण प्रयासों को तेज करने के कारण कुल तेल मांग अपने चरम पर पहुंच रही हो। तेल और गैस की बढ़ती मांग के बावजूद, उद्योग तेजी से सुरक्षा, सामर्थ्य और स्थिरता के बीच एक नया संतुलन हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह बदलाव उन प्रथाओं की ओर एक कदम है जो तीनों पहलुओं को एक साथ प्राथमिकता देते हैं।

आने वाले दशकों में भारत की ऊर्जा मांग में सबसे तेज दर से वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे भारतीय कंपनियों, विशेष रूप से ओएनजीसी पर भारी दबाव पड़ेगा। हालांकि, यह उछाल उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रस्तुत करता है, क्योंकि भारत काफी हद तक अप्रयुक्त है और इसकी अधिकांश क्षमता अभी भी अप्रयुक्त है। भारत के समृद्ध भूगर्भीय परिवृत्त्य में तलछटी घाटियों के नीचे अपार संभावनाएं हैं, भारत की तलछटी घाटियाँ 3.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैली हुई हैं, जिनमें से 61% के लिए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण पूरे हो चुके हैं, लेकिन ड्रिलिंग 10% से भी कम में हुई है। नवीनतम संसाधन पुनर्मूल्यांकन अध्ययन के आधार पर, सभी श्रेणियों के बेसिनों से कुल अनुमानित संसाधन क्षमता लगभग 42 बिलियन टन तेल समतुल्य (बी टीओई) है। इसमें से लगभग 12 बीटीओई की खोज पहले ही हो चुकी है, जबकि अनुमानित 30 बीटीओई की खोज अभी बाकी है।

हालांकि, भंडार का मुद्रीकरण एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है, जिसका मुख्य कारण नई खोजें तार्किक और भू-वैज्ञानिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में होना और उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़ों की कमी है, जिससे विकास परिचालन संबंधी आश्चर्यों से ग्रस्त है। हाल के

वर्षों में ओएनजीसी की खोज लागत में कमी आई है, लेकिन विरासत अनुबंधों के साथ परिपक्व पोर्टफोलियो के कारण उत्पादन लागत अधिक बनी हुई है। पश्चिमी अपतट लंबे समय से हमारी आधारशिला रहा है, और हमारे विकास और समृद्धि के लिए, इसे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका जारी रखनी चाहिए। मुंबई हाई के 50 वर्षों का सफलतापूर्वक पूरा होना एक असाधारण और गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। विशेष रूप से, आज भी एमएच और बी एंड एस परिसंपत्ति ओएनजीसी के कुल उत्पादन में लगभग 60% का योगदान करते हैं। ब्राउनफील्ड प्रबंधन में सीखे गए मूल्यवान सबक और भी अधिक चुनौतीपूर्ण गहरे पानी की परियोजनाओं में उद्यम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कार्य करते हैं।

पश्चिमी अपतटीय क्षेत्रों में बढ़ती प्राकृतिक गिरावट के बीच, ओएनजीसी पूर्वी अपतटीय संपत्ति (ईओए) को जल्दी पूरा करने और वित्त वर्ष 2025 तक धीरे-धीरे कुओं को खोलने का लक्ष्य रखकर उत्पादन वृद्धि को प्राथमिकता दे रही है। आपकी कंपनी का अनुमान है कि महानदी और कावेरी बेसिन में नई खोजों से आने वाले वर्षों में तेल और गैस की मात्रा में वृद्धि होगी। वर्तमान परिवृत्त्य में, प्रभावी और कुशल ब्राउन-फील्ड प्रबंधन वर्तमान आपूर्ति स्तरों को बनाए रखने का एकमात्र व्यवहार्य साधन बना हुआ है जब तक कि कोई महत्वपूर्ण, गेम-चैंजिंग खोज नहीं की जाती है। आपकी कंपनी के उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा परिपक्व क्षेत्रों से आता है, और लागत-गहन परिचालन योजनाओं के माध्यम से इन विरासत परिसंपत्तियों में गिरावट को रोकना प्रमुख फोकस क्षेत्र पर है। भारतीय ई एंड पी उद्योग पारंपरिक अन्वेषण और मूल्यांकन पर पर्याप्त खर्च के बावजूद हाल ही में कम मात्रा में खोजों से महत्वपूर्ण खतरों का सामना कर रहा है।

ओएनजीसी की ओपल और एमआरपीएल के माध्यम से पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। पेट्रोकेमिकल पर ध्यान ओएनजीसी की विविधीकरण रणनीति का हिस्सा है। आपकी कंपनी तेल से लेकर रसायनों तक में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रही है जो कच्चे तेल को सीधे उच्च मूल्य वाले रासायनिक उत्पादों में परिवर्तित करेगी। एस एंड पी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स के अनुसार, भारत की पेट्रोकेमिकल मांग 2024 में लगभग 8% बढ़ने का अनुमान है, हालांकि, इस संभावित अवसर के बावजूद, घरेलू उत्पादकों को मार्जिन दबाव का सामना करना जारी रखने की संभावना है। कमजोर मांग के बीच एशिया, विशेष रूप से चीन में बढ़ी हुई क्षमता के कारण अधिशेष उत्पादों को भारत जैसे बाजारों में भेजा जा रहा है। हालांकि भारत ने अपनी क्षमताओं का विस्तार किया है और पाइपलाइन में और भी बहुत कुछ है, लेकिन यह आयात पर निर्भर है। यह स्थिति निकट से मध्यम अवधि में बनी रहने की संभावना है, जिससे पेट्रोकेमिकल उत्पादकों की लाभप्रदता पर दबाव बना रहेगा।

ओपल, विशेष रूप से, उच्च ऋण और असंतुलित पूँजी संरचना से जूझ रहा है। ओएनजीसी के स्थायी पूँजी पुनर्गठन के प्रस्ताव, जिसका उद्देश्य इष्टतम ऋण—इकिवटी अनुपात प्राप्त करना है, में लगभग ₹ 183,650 मिलियन का निवेश शामिल है, जिसे सितंबर, 2023 में ओएनजीसी बोर्ड ने मंजूरी दी थी। हमारी परियोजनाओं के प्रत्येक चरण में पर्याप्त पूँजी आवश्यकताओं को देखते हुए, अनिश्चितताओं के बीच परियोजना की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए बुद्धिमानी से संसाधन आवंटन अनिवार्य है।

पर्यावरण और सुरक्षा नियमों को कठोर करने से तेल और गैस क्षेत्र को कम जीवाश्म ईंधन पर निर्भर भविष्य की ओर बदलाव से जुड़े दीर्घकालिक जोखिमों का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, यह जोखिम तत्काल नहीं है, क्योंकि भारत तेल और गैस के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। वर्तमान मोड़ का उपयोग पारंपरिक तेल और गैस कंपनियों द्वारा भविष्य के विकास और मूल्य निर्माण के लिए एक खाका तैयार करने के लिए मौजूदा व्यापार मॉडल पर पुनर्विचार करने के लिए एक खिड़की के रूप में किया गया है। हांलंकि उद्योग और दबाव ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर व्यापक स्तर अनेक जोखिमों के लिए निरंतर मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। तेल और गैस कंपनियां एक आशांत वातावरण नेविगेट कर रही हैं। कीमतें अधिक उतार—चढ़ाव कर रही हैं, उछाल और मंदी पहले से कहीं ज्यादा तेजी से हो रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की रिपोर्ट है कि तेल और गैस क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा से संबंधित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लगभग 15% के लिए जिम्मेदार है, जो 5.1 बिलियन टन के बराबर है। आपकी कंपनी सीओपी-28 में ऑयल एंड गैस डी-कार्बोनाइजेशन चार्टर (ओजीडीसी) की भी हस्ताक्षरकर्ता है। ओजीडीसी पर हस्ताक्षर करके, ओएनजीसी ने 2050 तक नेट-जीरो प्रचालन हासिल करने और 2030 तक टालने योग्य फ्लेयरिंग को शून्य स्तर और लगभग शून्य अपस्ट्रीम मीथेन उत्सर्जन तक लाने के लिए कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई है। ओएनजीसी ट्रोपोमी का उपयोग करते हुए ऊपर से नीचे की ओर के दृष्टिकोण को अपनाती है, केडीएमआईपीई में अपने प्रचालन क्षेत्र में मिथेन संक्रिया की निगरानी के लिए रिमोट सेंसिंग प्रभाग में सेटेलाइट डेंटा होता है। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी परिचालन हॉटस्पॉट का पता लगाने के लिए कुल ऊर्जा की एयूएसईए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ड्रोन सर्वेक्षण आयोजित करता है।

ओएनजीसी का लक्ष्य 2038 तक नेट जीरो स्कोप-1 और स्कोप-2 उत्सर्जन प्राप्त करना है, 9 मिलियन टन सीओ2 समतुल्य उत्सर्जन की भरपाई के लिए 2 ट्रिलियन का निवेश करना, जिससे यह भारत में विस्तृत जीएचजी कटौती योजना की रूपरेखा तैयार करने वाली पहली ऊर्जा कंपनी और सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बन

जाएगा। 2030 तक, ओएनजीसी सौर, पवन, बायोगैस और पंप भंडारण परियोजनाओं सहित 5 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लिए 970,000 मिलियन का निवेश करेगा। इसमें तकनीकी प्रगति के माध्यम से 2030 तक गैस फ्लेयरिंग को खत्म करने के लिए ₹ 50,000 मिलियन शामिल हैं। 2035 तक ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया सुविधाओं के लिए अतिरिक्त ₹ 655,000 मिलियन आवंटित किए जाएंगे। 2038 तक, अन्य ₹ 380,000 मिलियन 1 गीगावाट की अपतटीय पवन परियोजनाओं को वित्तपोषित करेंगे।

आईईए के अनुसार, 2015 में पेरिस समझौते के बाद से सालाना जोड़ी गई अक्षय क्षमता तीन गुना हो गई है। 2023 में, वैश्विक अक्षय क्षमता में वृद्धि लगभग 560 गीगावॉट तक पहुंच गई, जो 2022 से 64% की उल्लेखनीय वृद्धि है। पिछले दशक में वैश्विक स्तर पर तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत प्रगति द्वारा संचालित अक्षय ऊर्जा में उछाल देखा गया है।

ओएनजीसी ने 27 फरवरी, 2024 को एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (ओजीएल) को शामिल किया है। ओजीएल को तेजी से विकसित परिदृश्य के अनुकूल होना चाहिए और जैविक और अकार्बनिक दोनों मार्गों के माध्यम से क्षमता विस्तार के माध्यम से विकास को बढ़ाना चाहिए। इसके अलावा, ओएनजीसी और एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने अपतटीय पवन पर ध्यान केंद्रित करते हुए अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साथ ही आपकी कंपनी अपने पोर्टफोलियो में 25 सीबीजी संयंत्रों को शामिल कर प्रगति कर रही है। समय महत्वपूर्ण है क्योंकि हम तेजी से साझेदारी स्थापित कर रहे हैं और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में समीकरण बना रहे हैं।

निकट भविष्य में ऊर्जा व्यवसाय को जिस अनिश्चितता का सामना करना होगा, उसके बीच प्रौद्योगिकी आवश्यक परिवर्तन की अवधि में तेल और गैस कंपनियों के रणनीतिक ढांचे के भीतर एक 'महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता' के रूप में उभर रही है। 'सही' तकनीक की विवेकपूर्ण तैनाती विभिन्न स्थितियों में रामबाण के रूप में काम करने की क्षमता रखती है — बढ़ती कीमतों के बीच लागत मुद्रास्फीति को कम करना, परिषक्त भंडार में नए तेल तक पहुंचना, नई ऊर्जा सीमाओं की खोज करना और परिचालन सुक्ष्मा को बढ़ाना। वैश्विक स्तर पर, संगठन डिजिटल और एआई प्रौद्योगिकियों में भारी निवेश कर रहे हैं, उनकी परिवर्तनकारी शक्ति और विकास और सफलता को बढ़ावा देने की क्षमता को स्वीकार करते हुए। इस लक्ष्य की खोज में, हम स्टार्फिंग के स्थान—अज्ञेय मॉडल का पालन करते हुए अपने आंतरिक डिजिटल संसाधन पूल का विस्तार कर रहे हैं, जिसमें प्रौद्योगिकी भूमिकाओं को पारंपरिक लोगों के साथ एकीकृत किया गया है।



## 7. जोखिम, चिंताएं और उनका प्रबंधन

तेल और गैस उद्योग में पिछले कुछ वर्षों ने कई लोगों को विश्व ऊर्जा परिवृश्य के बारे में बेचैन कर दिया है। तेल और गैस का पारंपरिक प्रभुत्व और सुरक्षा अब विकसित हो रहे वैश्विक संदर्भ में सुनिश्चित नहीं हो सकती है। भविष्य तेजी से जटिल, चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धी बनने की ओर अग्रसर है, खासकर ऐसे उद्योग में जो बदलाव और अनिश्चितता का आदी है। यह अवलोकन पहले से ही हो रहे बदलावों को रेखांकित करता है, जिनमें से कुछ के गंभीर और अपरिवर्तनीय होने की संभावना है।

तेल और गैस क्षेत्र की कंपनियों के सामने प्राथमिक जोखिम वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के प्रक्षेपवक्र के आसपास घूमता है। महामारी के दौरान तेल की कीमतों में भारी गिरावट ने कई तेल और गैस कंपनियों की वित्तीय सेहत और विस्तार योजनाओं पर कहर बरपाया है। उन्होंने पेट्रो-डॉलर पर निर्भर देशों के बजट के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। जून, 2022 में अपने चरम 139 अमेरिकी डॉलर से चौंका देने वाली गिरावट के बावजूद, वैश्विक तेल की कीमतें अर्थशास्त्रियों द्वारा प्रत्याशित आर्थिक लाभ देने में विफल रही हैं।

जबकि तेल की कम कीमतें भारत जैसे देश के लिए फायदेमंद हैं जो आयात पर निर्भर है, लगातार कम कीमतें घरेलू तेल और गैस उद्योग में निवेश को हतोत्साहित कर सकती हैं। यह निवेश भारत के अपने तेल और गैस के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है, जिससे विदेशी आयात पर निर्भरता कम हो। वैश्विक स्तर पर, वाइल्डकैट अन्येषण तेजी से अधिक चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों को लक्षित कर रहा है। जैसे-जैसे दुनिया भर में ऑनशोर खोजों की संख्या घटती जा रही है, अपतटीय अन्येषण प्रयासों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव हो रहा है। इसके अतिरिक्त, हमारे परिपक्व तेल क्षेत्रों में वर्तमान उत्पादन स्तर को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है। हाल ही में स्थिरता और प्रमुख फर्मों द्वारा पर्याप्त पूँजी निवेश के बावजूद, उद्योग के भीतर सतर्कता व्यापक रूप से बढ़ी हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने दशक के अंत तक अनुमानित एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल अधिशेष की चेतावनी दी है, जिसमें उत्पादन वृद्धि ओपेक+ की कच्चे तेल की कीमतों को रिस्तर करने की क्षमता को कमजोर कर रही है। वर्ष 2030 से पहले मांग में एक अनुमानित शिखर के बावजूद, चल रहे निवेश, विशेष रूप से अमेरिका के नेतृत्व में, प्रतिदिन 8 मिलियन बैरल से अधिक अतिरिक्त क्षमता का नेतृत्व कर सकते हैं। अतिरिक्त तेल का "विशाल कुशन", ओपेक+ के बाजार प्रबंधन प्रयासों को बाधित करने और संभावित रूप से निरंतर

कम कीमतों की अवधि की शुरुआत करने की धमकी देता है। ये कम कीमतें एक साथ लाभ उत्पन्न करते हुए परिचालन लागतों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करेंगी। कम लागत वाले उत्पादक इस परिवृश्य में दूसरों से आगे निकल जाएंगे, जिससे परिचालन व्यय अनुकूल एक आवश्यक कार्य बन जाएगा जिसे छोटे और सीमातंत्र उत्पादक अनदेखा नहीं कर सकते।

ओएनजीसी को भंडारों को फिर से भरने और उत्पादन बढ़ाने में बढ़ती बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। अपने वर्तमान उत्पादन और राजस्व के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए कंपनी की पश्चिमी अपतटीय पर भारी निर्भरता एक संकेंद्रण जोखिम को बढ़ाती है। इसके अलावा, विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के कारण बढ़ती उत्पादन लागत और कम प्राप्तियां ओएनजीसी के परिचालन वातावरण में चुनौतियों को बढ़ाती हैं। तेल और गैस क्षेत्र में परिचालन सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, क्योंकि कंपनियां नियमित रूप से कई जोखिमों का सामना करती हैं और किसी भी घटना के संभावित गंभीर परिणाम हो सकते हैं। रिसाव, कुएँ का दूटना, विस्फोट, भूकंपीय घटनाएँ, सुनामी और सुरक्षा संबंधी खतरे जैसे जोखिम प्रारंभिक डिजाइन चरणों से ही कम हो जाते हैं। हालाँकि, सक्रिय उपायों के बावजूद, आपातकालीन स्थितियों की संभावना को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जा सकता है।

ओएनजीसी ने अपनी आकस्मिक तत्परता को मजबूत करने के लिए अद्यतन ओआईएसडी मानकों को लागू किया है, जिसके परिणामस्वरूप इसकी अपतटीय परिसंपत्तियों के लिए अधिक अनुकूल बीमा प्रीमियम प्राप्त हुए हैं। मई, 2022 में परियोजना "परिवर्तन" का शुभारंभ ओएनजीसी की अपनी सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने और अपनी परिवर्तनकारी यात्रा के हिस्से के रूप में रणनीतिक एचएसई उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। परियोजना के 75% पूरा होने के साथ, यह अनुमान है कि परियोजना "परिवर्तन" संगठन के भीतर सुरक्षा के प्रति आवश्यक व्यवहारिक परिवर्तनों को बढ़ावा देगी।

आपकी कंपनी स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन को अत्यधिक महत्व देती है, जिससे लोगों और पर्यावरण की भलाई सुनिश्चित होती है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने 06 फरवरी, 2024 को भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) 2024 के दौरान ओएनजीसी सी सर्वाइल सेंटर को राष्ट्र को समर्पित किया, गोवा में ओएनजीसी एडवांस्ड ड्रेनिंग इंस्टीट्यूट में स्थित यह केंद्र देश के समुद्री जीवन रक्षा प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक मानकों पर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक अग्रणी संस्थान के रूप में उभरा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, 'बड़े चालक दल परिवर्तन' को संबोधित करना भी शीर्ष-स्तरीय कंपनियों के लिए एक सर्वोपरि चिंता बन गया है। ओएनजीसी भी इस कठिन चुनौती का सामना कर रहा है, व्यापक सेवानिवृत्ति के दौरान स्थापन किए गए अनुभव के व्यापक भंडार को बदलने के कठिन कार्य से जूझ रहा है।

आपकी कंपनी अपने संचालन को प्रबंधित और अनुकूलित करने के लिए परस्पर जुड़े डिजिटल सिस्टम पर बहुत अधिक निर्भर करती है, जिससे यह साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील हो जाती है। अधिक चिताजनक नियंत्रण प्रणालियों में हेरफेर की संभावना है, जिससे सुरक्षा जोखिम या पर्यावरणीय आपदाएँ हो सकती हैं। डेटा उल्लंघन एक और खतरा पैदा करते हैं, जो संवेदनशील अन्वेषण डेटा, वित्तीय जानकारी या मालिकाना रहस्यों को उजागर करते हैं।

आपकी कंपनी ने सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) नीति सहित शमन उपायों का एक व्यापक सेट अपनाया है, जो डिजिटल बुनियादी ढांचे में संभावित कमजोरियों की पहचान, आकलन और समाधान के लिए एक मजबूत ढांचे के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, आपकी कंपनी साइबर उल्लंघनों और धोखाधड़ी के मामलों की स्थिति के बारे में प्रबंधन को लगातार मूल्यांकन करके एक सक्रिय दृष्टिकोण लागू करती है। इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी साइबर जोखिमों को प्रभावी ढंग से पहचानने और कम करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ अपने कर्मचारियों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता देती है।

## 8. दृष्टिकोण

तेल और गैस कंपनियों वर्तमान में विपरीत स्थिति के दौर से गुजर रही हैं। हाल के दिनों में उन्हें उच्च तेल कीमतों और मजबूत तुलन-पत्र के वित्तीय स्थिति में मजबूत होते देखा गया है। हालाँकि, वे विनियामक दबावों, नवीकरणीय ऊर्जा में बदलाव और अतिथर बाजार माँगों सहित महत्वपूर्ण दीर्घकालिक चुनौतियों से भी जूझ रहे हैं। इन कठिन बाधाओं के बावजूद, यह परिदृश्य उन्हें विकास पहलों के साथ आगे बढ़ने और शेयरधारकों को पर्याप्त लाभ पहुँचाने के अवसर प्रदान करता है।

आपकी कंपनी के पास परियोजनाओं की एक मजबूत पाइपलाइन है: ग्रीन-फील्ड परियोजनाएँ और साथ ही ब्राउनफील्ड पुनर्विकास योजनाएँ। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के संदर्भ में यह सक्रिय दृष्टिकोण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अपनी अन्वेषण और उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाकर, हमारा लक्ष्य कम तेल कीमतों के प्रभावों को

कम करना और एक विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जिससे परिचालन स्थिरता बनी रहे और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा का समर्थन हो। पिछले कुछ वर्षों में, आपकी कंपनी ने खोजों को उत्पादन धारा में लाने के प्रयासों में तेजी लाई है और राष्ट्रीय ई एंड पी मिशनों में पर्याप्त योगदान दिया है। आपकी कंपनी के पास 01.04.2024 तक भारत में 1,87,130 वर्ग किलोमीटर2 का अन्वेषण क्षेत्र है। आपकी कंपनी नए और सीमांत क्षेत्रों में व्यावसायिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। भारत के गहरे पानी में अपने आक्रामक अन्वेषण अभियान में अत्याधुनिक तकनीकों को एकीकृत करने के लिए, आपकी कंपनी सहयोग के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ विचार-विमर्श कर रही है।

आपकी कंपनी वैश्विक मोर्च पर भी मजबूत वृद्धि की उम्मीद कर रही है। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने 03 अगस्त, 2023 को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित नवरत्न का दर्जा हासिल किया। वित वर्ष 2024 में, इसने 200 एमएमटीओई संचयी उत्पादन चिह्न को पार कर लिया। उल्लेखनीय रूप से, इन संचालित/संयुक्त रूप से संचालित परिसंपत्तियों से कुल तेल उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 7% बढ़ा। इसके अलावा, आपकी कंपनी अपने परिवर्तन के हिस्से के रूप में नई ऊर्जा में अवसरों की खोज कर रही है।

**ऊर्जा रणनीति 2040:** ओएनजीसी ने 2019 में ऊर्जा रणनीति 2040 को अपने रणनीतिक रोडमैप के रूप में अपनाया, जिसमें 'ऊर्जा संक्रमण' एक प्रमुख चालक के रूप में सामने आया। यह स्पष्ट है कि यह संक्रमण भविष्य की नीतियों और रणनीतियों को आकार देने में एक बढ़ती हुई भूमिका निभाएगा। तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य के जवाब में, ओएनजीसी अब आवश्यक समायोजन करने के लिए प्रतिष्ठित सलाहकारों के मार्गदर्शन के साथ अपनी रणनीति को पुनर्जीवित कर रहा है। ओएनजीसी भविष्य के व्यावसायिक अवसरों के लिए अच्छी स्थिति में है, जिसे स्थिर नकदी प्रवाह का समर्थन प्राप्त है। कंपनी अपनी वर्तमान स्थिति को मजबूत करने और सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत स्थिति में है। जबकि 2024 एक अच्छा वर्ष होने की उम्मीद है, दीर्घकालिक सफलता विकसित हो रहे ऊर्जा बाजार के अनुकूल होने की क्षमता पर निर्भर करेगी।

यहाँ अन्वेषण की स्थिति, उभरते क्षेत्रों में पहल और उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों का संक्षिप्त अवलोकन दिया गया है:

### 8क. अन्वेषण

अन्वेषण प्रयासों को बढ़ाने के लिए, ओएनजीसी अपनी "भविष्य की अन्वेषण रणनीति" को आगे बढ़ा रहा है। यह दीर्घकालिक दृष्टिकोण



तीन प्रमुख क्षेत्रों को लक्षित करता है: नई संभावनाओं को उजागर करने के लिए मौजूदा तेल क्षेत्रों की फिर से खोज करना, आशाजनक नए बेसिनों को समेकित करना और आगे की जांच करना, और एक खेल-आधारित पद्धति के माध्यम से महत्वपूर्ण खोजों को जारी रखते हुए मौजूदा भंडार को सुरक्षित करना। अनदेखे संसाधनों (अभी तक नहीं खोजे गए) की अधिकतम क्षमता का मूल्यांकन करके, इस रणनीति का उद्देश्य अंततः कंपनी के समग्र भंडार आधार को मजबूत करना है। कंपनी का लक्ष्य 2025 तक हर साल एक लाख वर्ग किलोमीटर के अधिग्रहण करके 5 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सक्रिय अन्वेषण के तहत लाना है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, कुल 971.81 एलकेएम 2डी और 8588 एसकेएम 3डी भूकंपीय डेटा प्राप्त किया गया। इस मात्रा में से, कुल 671.82 एलकेएम 2डी और 6140.28 एसकेएम 3डी भूकंपीय डेटा ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) ब्लॉकों में प्राप्त किया गया था। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, आपकी कंपनी ने भारत में ओएनजीसी संचालित क्षेत्रों से 45.20 एमएमटीओई 2पी भंडार अर्जित किया। 2पी भंडार के संबंध में घरेलू क्षेत्रों से रिजर्व प्रतिस्थापन अनुपात (आरआरआर) 1.15 था। आपकी कंपनी ने लगातार 18वें वर्ष 1 से अधिक का रिजर्व प्रतिस्थापन अनुपात (2पी) बनाए रखा है।

भारतीय तलछटी बेसिनों में आपकी कंपनी के नए अधिग्रहीत ओएएलपी ब्लॉकों में गहन अन्वेषण पहलों ने महत्वपूर्ण परिणाम दिए हैं। ओएनजीसी ने कुल 21 अन्वेषण कुओं की खुदाई की है, जिसके परिणामस्वरूप अमृत, मूंगा, मोती, उत्कल, कोणार्क और पश्चिम अमोद नामक छह उल्लेखनीय हाइड्रोकार्बन खोजें हुई हैं।

महानदी अपतटीय डीपवाटर में ओएएलपी ब्लॉक एमएन-डी में दो नई खोजें, "उत्कल" (एमडीडब्ल्यू-27) और "कोणार्क"। इस सफलता ने महानदी डीडब्ल्यू क्षेत्र में अन्वेषण प्रयासों को पुनर्जीवित किया है, जिससे आगे की खोज के लिए एक बड़ा क्षेत्र खुल गया है और हाइड्रोकार्बन के वाणिज्यिक दोहन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। आपकी कंपनी ने 2 एचपीएचटी कुओं की ड्रिलिंग भी पूरी कर ली है, जिनमें से एक ए एंड ए ए और मुंबई ऑफशोर में है। इसके अतिरिक्त बेसमेंट प्ले के उद्देश्य से 6 कुओं की ड्रिलिंग की गई – पांच कैम्बे बेसिन में और एक ए एंड ए ए बेसिन में।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, आपकी कंपनी ने अपने संचालित क्षेत्रों में 11 नई हाइड्रोकार्बन खोजों (6 नई संभावनाएँ और 5 नई पूल खोजें) को अधिसूचित किया है, जिसमें ओएएलपी ब्लॉकों में 5 खोजें और नामांकन ब्लॉकों में 6 खोजें शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, अधिसूचित तीन खोजों सहित सात हाइड्रोकार्बन खोजों (गोपावरम-21, दक्षिण महादेवपट्टनम-2, पूर्वी लखीबारी-6, गोजालिया-13,

केजी-डीडब्ल्यूएन-98 / 2-एम-1, केजीडीडब्ल्यूएनए-98 / 2-एम-3 और करगोरमिली-1) को 7.11 एमएमटीओई के संचयी 2पी भंडार (यूरो) के साथ मुद्रीकृत किया गया।

ओएनजीसी ने कुल 103 अन्वेषण कुओं की शिनाखत की, 68 कुओं का काम पूरा हो गया और 35 कुओं का परीक्षण किया जाना बाकी है। पिछले वर्ष के कुओं सहित कुल परीक्षण/समाप्त किए गए कुओं को ध्यान में रखते हुए अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग में सफलता अनुपात 42.7% था – (कुल 96 कुओं का समापन किया गया, जिनमें से 41 कुएं हाइड्रोकार्बन युक्त साबित हुए)। साथ ही ओएएलपी बोली चक्र-VIII के तहत ओएनजीसी को सात अनुबंध क्षेत्र दिए गए, जो 30,342 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं, 03.01.2024 को हस्ताक्षरित ब्लॉकों के लिए आरएससी।

उपरोक्त प्रयासों के अलावा, ओएनजीसी उन्नत तकनीकों में निवेश भी कर रही है और अन्वेषण गतिविधियों में नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा दे रही है। गहरे और अति-गहरे पानी की खोज के लिए, ओएनजीसी ने अन्वेषण गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए शेररॉन, एक्सॉनमोबिल और टोटलएनर्जीज जैसी वैश्विक बड़ी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

## 8. नये क्षेत्रों का विकास

भारत की विशाल ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए निरंतर अन्वेषण और उत्पादन प्रयासों की आवश्यकता है। जबकि कम कीमतों के प्रबंधन के लिए लागत में कटौती और दक्षता महत्वपूर्ण है, घरेलू तेल और गैस आपूर्ति को बढ़ाना और भी महत्वपूर्ण है। इसे प्राप्त करने के लिए, हम तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं: गहरे पानी के क्षेत्रों की खोज, खोजे गए क्षेत्रों के विकास को तेज़ करना और मौजूदा क्षेत्रों से उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग करना। आपकी कंपनी ने अपने प्रयासों को तेज़ कर दिया है और मौजूदा ब्राउनफील्ड साइटों से उत्पादन को अधिकतम करने की पहल के साथ-साथ नए क्षेत्र विकास परियोजनाओं पर काम तेज़ कर दिया है। इन प्रयासों से आने वाले वर्षों में ओएनजीसी के उत्पादन प्रोफाइल में वृद्धि होने की उमीद है।

ओएनजीसी ने दो खोजों यानी केजी-डीडब्ल्यूएन-98 / 2-एम-1 (पदमावती) और केजीडीडब्ल्यूएनए-98 / 2-एम-3 का मुद्रीकरण किया और 07 जनवरी, 2024 को गहरे पानी के केजी-डीडब्ल्यूएन-98 / 2 ब्लॉक के 'एम' क्षेत्र से "पहले तेल" की सफल शुरुआत की घोषणा की। इस परियोजना का यू फील्ड पहले ही पूरी तरह से मुद्रीकृत हो चुका है। इस परियोजना के पूरा होने पर, ओएनजीसी के तेल और गैस पोर्टफोलियो में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उमीद है।

दमन अपसाइड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (डीयूडीपी) पश्चिमी तट से दूर भारत के उथले पानी के क्षेत्रों में ओएनजीसी की गैस उत्पादन रणनीति के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, जिसका लक्ष्य विशेष रूप से बी-12 और सी-24 सीमांत गैस क्षेत्रों से उत्पादन को बढ़ावा देना है। हाल ही में, ओएनजीसी ने डीयूडीपी के लिए एक महत्वपूर्ण अनुबंध प्रदान किया, जो इसके अपतटीय गैस विकास प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

31 मार्च, 2024 तक, 23 प्रमुख चालू परियोजनाएँ थीं, जिनकी संयुक्त परियोजना लागत लगभग ₹ 623,432 मिलियन थी, जिनसे निर्दिष्ट अवधि में लगभग 80.5 एमएमटीओई तेल और गैस प्राप्त होने का अनुमान है। पूंजीगत व्यय के मार्चे पर, ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए ₹ 330,000 मिलियन से ₹ 350,000 मिलियन के बीच निवेश बनाए रखने की योजना बनाई है, जो तेल और गैस क्षेत्रों के विकास और पुनर्विकास पर केंद्रित है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, लगभग ₹ 110,000 मिलियन की कुल लागत वाली छह प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें 26.64 एमएमटीओई तेल और गैस का परिकल्पित जीवन चक्र लाभ है। वित्त वर्ष 2024 में पूरी की गई प्रमुख नई विकास परियोजनाओं में हीरा पुनर्विकास चरण—III परियोजना और नागायलंका चरण II का पुनर्विकास शामिल है, जिसका निवेश मूल्य लगभग ₹ 27,399 मिलियन है। प्रोफाइल अवधि में परिकल्पित लाभ तेल और गैस का लगभग 9.5 एमएमटीओई है।

लक्षित और लागत-कुशल विकास रणनीतियों के माध्यम से वित्त वर्ष 29 तक 50 एमएमटीओई के अपने महत्वाकांक्षी उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, ओएनजीसी ने मार्च, 2024 में 'संकल्प 50' नामक एक व्यापक पांच वर्षीय व्यवसाय योजना पेश की। व्यवसाय योजना के उद्देश्यों के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, परिसंपत्तियों और बेसिनों के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) सावधानीपूर्वक स्थापित किए गए थे। आपकी कंपनी रणनीतिक पहलों और लक्षित निवेशों के माध्यम से अपनी रिस्ति को मजबूत करने के लिए तैयार है।

## 9. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

आपकी कंपनी ने महत्वपूर्ण व्यवसायों, कार्यों और परिचालनों; विशेष रूप से क्षेत्रीय परिचालनों, की निरंतर निगरानी के लिए मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों को संस्थागत रूप दिया है। आपकी कंपनी का शीर्ष प्रबंधन निरंतर आधार पर विभिन्न गतिविधियों की निगरानी और समीक्षा करता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि

सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया जाए और वे जमीनी स्तर तक भी पहुंचें, गतिविधियों के सभी पहलुओं के लिए मानकीकृत प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों का एक सेट जारी किया गया है।

आपकी कंपनी के पास एक समर्पित प्रदर्शन प्रबंधन और बैंचमार्किंग समूह (पीएमबीजी) है जो शीर्ष प्रबंधन और प्रमुख अधिकारियों के बीच प्रदर्शन अनुबंधों में परिभाषित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के खिलाफ प्रत्येक व्यावसायिक इकाई के प्रदर्शन की निगरानी करता है। प्रणालीगत परिवर्तन और नियंत्रण प्रणालियों को मजबूत करने के अपने प्रयास के हिस्से के रूप में, आपकी कंपनी ने उपकरणों, प्रथाओं और प्रणालियों के संस्थागतकरण पर पर्याप्त जोर दिया है जो अधिक परिचालन दक्षता और कार्यस्थल उत्पादकता की सुविधा प्रदान करते हैं। आपकी कंपनी ने अपने शेयरधारकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए ई-ग्रीवेंस हैंडलिंग तंत्र शुरू किया है।

आपकी कंपनी के पास समर्पित आंतरिक लेखा परीक्षा (आई ए) समूह है जो आंतरिक लेखा परीक्षा करता है। साथ ही, आवश्यकता के आधार पर पहचाने गए क्षेत्रों में लेखा-परीक्षा करने के लिए विशेष एजेंसियों को लगाया जाता है। सांविधिक लेखा परीक्षकों को भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा निश्चित कार्यकाल के लिए नियुक्त किया जाता है।

स्थापित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एचएसई एजेंसियों जैसे कि तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय ("ओआईएसडी"), जो एमओपीएनजी के नियंत्रण में एक संगठन है, जो सुरक्षा दिशानिर्देश जारी करता है, द्वारा अपतटीय और तटवर्ती प्रतिष्ठानों के लिए नियमित रूप से तीसरे पक्ष के सुरक्षा ऑडिट किए जाते हैं। इसके अलावा, खान और सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) द्वारा निर्धारित सुरक्षा विनियमों के अधीन, प्रत्येक कार्य केंद्र में एचएसई को समर्पित टीमें हैं, जो ओआईएसडी के साथ-साथ डीजीएमएस द्वारा निर्धारित सुरक्षा दिशानिर्देशों को निष्पादित करती हैं। एचएसई टीमें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से आवश्यक लाइसेंस और मंजूरी प्राप्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं।

कंपनी में सभी लेन-देन हाल ही में अपग्रेड किए गए सेप एस4-हाना। आधारित ईआरपी बिजनेस पोर्टल पर किए जाते हैं। आंतरिक नियंत्रण की उचित और पर्याप्त प्रणाली मौजूद है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी पहलुओं को अनधिकृत उपयोग या निपटान से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखा जाए और प्रत्येक लेनदेन को अधिकृत, रिकॉर्ड और रिपोर्ट किया जाए। सिस्टम यह भी सुनिश्चित करता है कि वित्तीय और अन्य रिकॉर्ड तथ्य-आधारित हों और वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए विश्वसनीय हों।



परिणाम बजट विश्लेषण: आपकी कंपनी ने भविष्य के विकास अभिविन्यास मापदंडों पर स्पष्ट दृष्टि रखने के लिए अनुमानित परिणामों के साथ बजट व्यय के संबंध स्थापित किए हैं। विकास ड्रिलिंग और पूँजी सुविधाओं के निर्माण के लिए बजट में प्रस्तावित व्यय अगले 5 वर्षों के लिए तेल और गैस उत्पादन लक्ष्यों में वृद्धिशील लाभ के साथ सह—संबंधित है। परिणाम बजट विश्लेषण के लिए शामिल कुछ अन्य पैरामीटर लाभप्रदता भिन्नता विश्लेषण, बजटीय तुलन—पत्र और नकदी प्रवाह, कच्चे तेल की कीमत और विनियम दर में परिवर्तन के परिणामस्वरूप लाभप्रदता और नकदी प्रवाह पर संवेदनशीलता विश्लेषण हैं।

## 10. मानव संसाधन विकास

हमारे लोग ओएनजीसी की सबसे बड़ी परिसंपत्ति हैं। आपकी कंपनी एचआर प्रथाओं में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे सर्वश्रेष्ठ—इन—क्लास हैं। ओ एन जी सी के विस्तार और मूल्य सृजन का आधार इसका कार्यबल है। 31 मार्च, 2024 तक, ओएनजीसी के पास 25,847 समर्पित कर्मचारी थे।

आपकी कंपनी की प्रतिभा प्रबंधन रणनीति कार्यबल नियोजन और प्रतिभा अधिग्रहण पर केंद्रित है, जो इसे सर्वोपरि बनाती है, खासकर आने वाले वर्षों में आसन्न चालक दल के बदलाव के साथ। मूल सिद्धांत युवा पीढ़ी को “ऊर्जा नेताओं” की अगली लहर में विकसित करना है। कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए इसके मानव संसाधनों का निरंतर विकास आवश्यक है। तकनीकी प्रतिभा को पोषित करने और प्रबंधकीय क्षमता को बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास चल रहे हैं, जिससे भविष्य के नेताओं की एक मजबूत पाइपलाइन सुनिश्चित हो सके।

ओएनजीसी नेतृत्व विकास कार्यक्रमों का एक व्यापक सूट प्रदान करके अपने कार्यबल में भारी निवेश करता है। इनमें नेतृत्व विकास कार्यक्रम, उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम और वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम जैसी प्रतिष्ठित पेशकशें शामिल हैं, जो सभी मध्य—स्तर और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तैयार की गई हैं। ईंडपी उद्योग की गतिशील प्रकृति को पहचानते हुए, ओएनजीसी अपने ऊर्जा पेशेवरों को उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम कौशल से दक्ष करने के लिए अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी करके इन—हाउस प्रशिक्षण से आगे बढ़ता है।

ओएनजीसी एक समान अवसर नियोक्ता है। ओएनजीसी कर्मचारियों के लिए अवसर पैदा करने के लिए संवैधानिक और सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करता है और कर्मचारियों के विकास को बढ़ावा देता है, चाहे उनकी जाति, पंथ, नस्ल, लिंग, विशेष रूप से विकलांग स्थिति

आदि कुछ भी हो। कर्मचारियों को उद्योग में सर्वश्रेष्ठ समर्थन और अवसरों के साथ सशक्त बनाया जाता है, जिससे वे अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

आपकी कंपनी ने खिलाड़ियों को रोजगार के अवसर और नवोदित प्रतिभाओं को खेल छात्रवृत्ति प्रदान करके देश में खेलों के विकास के लिए अपना समर्थन जारी रखा। आपकी कंपनी ने खेल आयोजनों के आयोजन के साथ—साथ खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए विभिन्न खेल संघों/महासंघों/खेल निकायों को प्रायोजित किया।

आपकी कंपनी जिम, व्लब, खेल केंद्र और संगीत कक्ष जैसी सुविधाओं से सुसज्जित टाउनशिप प्रदान करके कार्य—जीवन संतुलन को समृद्ध करती है। इसी तरह, ओएनजीसी में अपतटीय रहने वाले क्वार्टर जिम, खेल सुविधाएं, योग स्थान और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

विभिन्न ओएनजीसी कार्य केंद्रों में स्थापित वेलनेस सेंटर कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए परामर्श और सलाह प्रदान करते हैं। बीमारियों को रोकने के लिए स्वास्थ्य रखरखाव और जीवनशैली में बदलाव पर जागरूकता पर जोर देते हुए, ये केंद्र और स्वास्थ्य सत्र हमारे कार्य केंद्रों में कल्याण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मानव संसाधन विकास में आपकी कंपनी के प्रयासों को उद्योग में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है।

## 11. पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, प्रौद्योगिकी संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा विकास, विदेशी मुद्रा संरक्षण

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे और जीवन तथा आजीविका पर इसके गंभीर प्रभावों के बीच, राष्ट्रों को आर्थिक विकास को पर्यावरणीय नुकसान से अलग रखना चाहिए। भारत सरकार ने सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, खास तौर पर हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में। सीओपी26 में प्रधानमंत्री मोदी की “पंचामृत” प्रतिज्ञा सतत विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

आपकी कंपनी अत्याधुनिक तकनीकों, अपशिष्ट और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और रिपोर्टिंग, जैव—विविधता संरक्षण प्रयासों और पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों के उन्नयन और संधारण में निवेश करके अन्वेषण, ड्रिलिंग और उत्पादन जैसी अपनी व्यावसायिक गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने का निरंतर प्रयास करती है।

कार्बन उत्सर्जन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए, एक समर्पित समूह — कार्बन प्रबंधन और स्थिरता समूह (सीएम एवं एसजी) उत्सर्जन में कमी की पहल की देखरेख करता है और प्रासंगिक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

इसके अलावा, एकीकृत गुणवत्ता, स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति, साथ ही ई-कचरा नीति जैसी अच्छी तरह से परिभाषित नीतियों का पालन करने से पर्यावरण संरक्षण में सुधार होता है। अंतर्राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों और उद्योग मानकों के अनुरूप, कंपनी 2038 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 के लिए शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन को मापती है, निगरानी करती है और रिपोर्ट करती है।

ओएनजीसी ने जलवायु परिवर्तन के लिए मजबूत रणनीति बनाई और उसे लागू किया है तथा एक रोडमैप विकसित कर रही है जो कंपनी को बदलाव में मदद करेगा। कंपनी के प्रतिष्ठान और संयंत्र आईएसओ 50001 प्रमाणित हैं तथा विश्व व्यापार परिषद सतत विकास (डब्ल्यूबीसीएसडी), विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई) और जीएचजी प्रोटोकॉल जैसे प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का भी पालन करते हैं। इसके अतिरिक्त, हम अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) द्वारा विकसित तेल और गैस उद्योग के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन अनुमान अनुमान पद्धतियों के संग्रह में उल्लिखित क्षेत्र-विशिष्ट मार्गदर्शन का पालन करते हैं। इन समन्वित प्रयासों के माध्यम से, ओएनजीसी अपने परिचालन के पर्यावरणीय

प्रभाव को कम करने और एक स्थायी भविष्य में योगदान देने का प्रयास करता है।

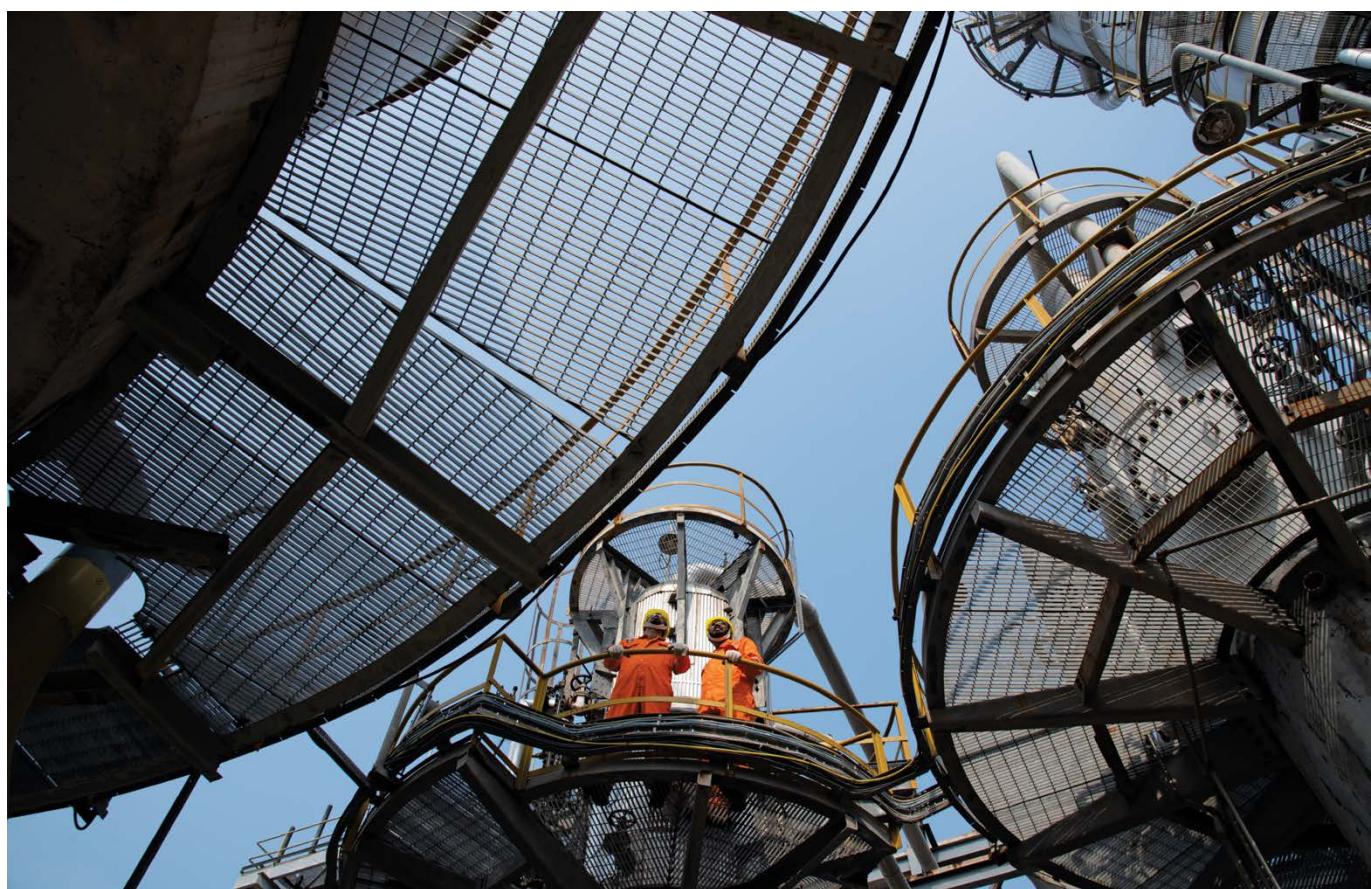
प्रौद्योगिकी संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा विकास, विदेशी मुद्रा संरक्षण की दिशा में आपकी कंपनी की पहलों का विस्तृत विवरण बोर्ड की रिपोर्ट में दिया गया है।

## 12. नियमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

आपकी कंपनी द्वारा सीएसआर के लिए उठाए गए कदमों का विवरण सीएसआर रिपोर्ट में दिया गया है।

## 13. चेतावनी कथन

प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण तथा निदेशक रिपोर्ट में कंपनी की ताकत, रणनीति, अनुमान और अनुमानों का वर्णन करने वाले कथन भविष्योन्मुखी कथन हैं और लागू कानूनों और विनियमों के अर्थ में प्रगतिशील हैं। वास्तविक परिणाम आर्थिक स्थितियों, सरकारी नीतियों और अन्य आकस्मिक कारकों के आधार पर व्यक्त या निहित परिणामों से भिन्न हो सकते हैं। पाठकों को सावधान किया जाता है कि वे भविष्योन्मुखी कथनों पर अत्यधिक भरोसा न करें।





## निगमित अभिशासन रिपोर्ट

### 1. ओएनजीसी का निगमित अभिशासन दर्शन और शासन संहिता

ओएनजीसी का निगमित अभिशासन दर्शन सभी स्तरों पर पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही को प्राथमिकता देता है, जिसका उद्देश्य कंपनी की क्षमता को बेहतर व्यावसायिक प्रथाओं के माध्यम से हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य प्राप्त करना है।

1.1 कंपनी अपने निगमित अभिशासन के दर्शन के कार्यान्वयन में शेयरधारकों के अधिकारों और न्यायसंगत व्यवहार, निष्पक्ष और समय पर प्रकटीकरण, जवाबदेही, जिम्मेदारी, स्थिरता आदि जैसे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रकटीकरण और दायित्वों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों को बनाए रखने का प्रयास करती है।

#### 1.2 निगमित अभिशासन मान्यताएँ

कंपनी की निगमित अभिशासन प्रथाओं ने भारतीय चैंबर ऑफ कॉर्मर्स, इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से कई प्रशंसाएँ प्राप्त की हैं। कंपनी को अपनी निगमित अभिशासन प्रथाओं के लिए मान्यता मिलती रही और वित्त वर्ष 2024 के दौरान, दो प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, अर्थात् वर्ष 2023 के लिए निगमित अभिशासन में उत्कृष्टता के लिए गोल्डेन पीकॉक पुरस्कार और पर्यावरण उत्कृष्टता और सतत विकास में सराहनीय उपलब्धियों के लिए स्कोप एमिनेंस पुरस्कार 2019–20.

### 2. निदेशक मंडल

#### 2.1 संरचना

निदेशक मंडल कंपनी के मामलों को सामूहिक रूप से निर्देशित करके कंपनी की समृद्धि सुनिश्चित करता है, जबकि इसके शेयरधारकों और हितधारकों के उचित हितों को पूरा करता है। बोर्ड में अध्यक्ष और छह पूर्णकालिक (कार्यात्मक) निदेशक शामिल हैं, अर्थात् निदेशक (उत्पादन), निदेशक (मानव संसाधन), निदेशक (वित्त), निदेशक (अन्वेषण), निदेशक (प्रौद्योगिकी एवं क्षेत्र सेवाएँ) और निदेशक (रणनीति और निगमित मामले), सरकार द्वारा नामित निदेशक और स्वतंत्र निदेशक। कार्यात्मक निदेशक कंपनी के दिन-प्रतिदिन के संचालन का नेतृत्व करते हैं और रणनीतिक निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल के समग्र पर्येक्षण, नियंत्रण और मार्गदर्शन के तहत किए जाते हैं।

ओएनजीसी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के अर्थ में एक सरकारी कंपनी है और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में आती है। कंपनी के निदेशकों को कंपनी के एसोसिएशन के लेखों के अनुसार भारत सरकार द्वारा नियुक्त/छांटकर/नामांकित किया जाता है।

31 मार्च, 2024 तक, 12 निदेशक थे, जिनमें 5 कार्यकारी (कार्यात्मक) निदेशक (अध्यक्ष सहित) और 7 गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल थे – अर्थात् 1 सरकारी नामित निदेशक और 6 स्वतंत्र निदेशक। 31 मार्च, 2024 तक बोर्ड की संरचना कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 ("सूचीबद्धता विनियम") की आवश्यकताओं के अनुरूप थी।

#### 2.2 बोर्ड के सदस्यों के कौशल/विशेषज्ञता/क्षमता प्रदान करने वाला मैट्रिक्स:

कंपनी के बोर्ड में योग्य सदस्य शामिल हैं जो आवश्यक कौशल, योग्यता और विशेषज्ञता लाते हैं जो उन्हें बोर्ड और बोर्ड स्तरीय समितियों में प्रभावी योगदान देने की अनुमति देते हैं।

जैसा कि कहा गया है, एक सरकारी कंपनी होने के नाते, बोर्ड के सभी निदेशक अर्थात् कार्यात्मक निदेशक, सरकारी नामित निदेशक और स्वतंत्र निदेशक भारत सरकार द्वारा निदेशकों की प्रत्येक श्रेणी के लिए एक अच्छी तरह से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार छांटे और नियुक्त किए जाते हैं। इसके मद्देनजर, कंपनी ने सूचीबद्ध विनियमों की आवश्यकताओं के संदर्भ में कंपनी के व्यवसाय के संदर्भ में मुख्य कौशल विशेषज्ञता/क्षमताओं को मैप नहीं किया है।

#### 2.3 स्वतंत्र निदेशकों के लिए परिचय कार्यक्रमों का विवरण

कंपनी के पास निदेशकों के लिए प्रेरण, परिचय और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर नीति है, जो अन्य बातों के साथ-साथ निदेशकों के लिए निम्नलिखित दो-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है:

- प्रेरण/परिचितीकरण कार्यक्रम, जिसमें व्यावसायिक पृष्ठभूमि, निदेशक की भूमिका और बोर्ड की कार्यप्रणाली शामिल है; और
- वाह्य प्रशिक्षण।

स्वतंत्र निदेशकों को दिए जाने वाले परिचय कार्यक्रमों का विवरण कंपनी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है और इसे यहां देखा

जा सकता है: <https://ongcindia.com/web/eng/investors/independent-director>

- 2.4 स्वतंत्र निदेशकों (आईडी) ने पुष्टि की है कि वे सूचीबद्ध विनियमों और कंपनी अधिनियम, 2013 में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र हैं।
- 2.5 वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, किसी भी स्वतंत्र निदेशक ने त्याग–पत्र नहीं दिया।
- 2.6 बोर्ड/समिति की बैठकें और प्रक्रियाएँ

कंपनी बोर्ड और बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकें लागू कानूनों के तहत न्यूनतम बैठकों की संख्या और दो लगातार बैठकों के बीच अधिकतम स्वीकार्य समय अंतराल के अनुसार आयोजित करती है। इसके अलावा, कंपनी की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त बैठकें भी आयोजित की जाती हैं। यदि आवश्यक हो तो तत्काल प्रकृति के व्यावसायिक लेन–देन को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रस्तावों द्वारा पारित किया जाता है।

कंपनी निदेशकों को बैठक(ओ) की कार्यवाही में भाग लेने और भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग की सुविधा भी प्रदान करती है।

निदेशकों द्वारा सूचित निर्णय लेने के लिए बैठकों की कार्यसूची पहले से प्रसारित की जाती है। हालाँकि, अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी और कम समय के नोटिस पर कार्यसूची वाले कार्यसूची मद को निदेशकों की आवश्यक अनुमति के साथ बोर्ड/समिति की संबंधित बैठक में पेश किया जाता है। कंपनी सचिव बोर्ड और बोर्ड स्तरीय समितियों की सभी बैठकों में भाग लेता है और ऐसी बैठकों के मिनट तैयार करता है।

कंपनी ने आंतरिक रूप से ऑनलाइन बोर्ड पोर्टल (आंतरिक सर्वर में भंडारण के साथ) अर्थात जी–बोर्ड (ग्रीन–बोर्ड) विकसित किया है, जिसने कागज–आधारित प्रथाओं को कुशल और सुरक्षित डिजिटल समाधानों के साथ प्रतिस्थापित किया है।

## 2.7 बोर्ड की बैठकें

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, बोर्ड की सोलह (16) बैठकें आयोजित की गईं

08.04.2023,	26.05.2023,	12.06.2023,	09.07.2023,
27.07.2023,	11.08.2023,	01.09.2023,	13.09.2023,
05.10.2023,	25.10.2023,	10.11.2023,	23.01.2024,
10.02.2024,	20.02.2024,	05.03.2024,	20.03.2024.





31 मार्च, 2024 तक विभिन्न कंपनियों में बोर्ड की बैठकों और पिछली वार्षिक आम बैठक में बोर्ड के सदस्यों की उपस्थिति के साथ-साथ अन्य निदेशक पदध्यायिति सदस्यता की संख्या का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:-

नाम और पदनाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	निदेशकों की उपस्थिति		व्या दिनांक 29.08.2023 को आयोजित अंतिम वार्षिक आम बैठक में भाग लिया था?	31.03.2024 तक का विवरण		
		बैठकों की संख्या (ख)	% (ख/क)		विनियमन ₹ (17क) के अनुसार निदेशक पदों की संख्या	सभी कंपनियों में समिति की सदस्यता की संख्या*	सदस्य के रूप में विनियमन 26(1)(क)
<b>क) कार्यकारी निदेशक</b>							
श्री अरुण कुमार सिंह अध्यक्ष	16	16	100	हाँ	3	0	0
श्री ओम प्रकाश सिंह निदेशक (प्रो. एवं क्ष.से.)	16	15	93.75	हाँ	1	0	0
श्री पंकज कुमार निदेशक (उत्पादन)	16	15	93.75	हाँ	3	2	0
श्रीमती सुषमा रावत निदेशक (अन्वेषण)	16	15	93.75	हाँ	1	0	0
श्री मनीष पाठील निदेशक (मानव संसाधन) (05.05.2023 से प्रभावी)	15	14	93.33	हाँ	1	1	0
श्रीमती पोमिला जसपाल निदेशक (वित्त) (31.01.2024 तक)	12	12	100	हाँ	लागू नहीं		
<b>ख) सरकार द्वारा नामित निदेशक</b>							
श्री प्रवीण मल खनूजा अपर सचिव	16	16	100	नहीं	1	1	1
<b>ग) स्वतंत्र निदेशक</b>							
श्री श्यामचंद घोष	16	16	100	हाँ	1	2	1
श्री वी. अर्जीत कुमार राजू	16	16	100	हाँ	1	1	1
श्री मनीष पारीक	16	16	100	हाँ	1	2	0
श्रीमती रीना जेटली	16	16	100	हाँ	1	0	0
डॉ. प्रभास्कर राय	16	16	100	हाँ	1	1	0
डॉ. माधव सिंह	16	16	100	हाँ	1	0	0

# इकिवटी सूचीबद्ध कंपनियों पर विचार किया गया

\* सूचीबद्ध विनियमों के विनियमन 26(ख) के तहत ऑडिट समिति और हितधारकों के संबंध समिति की अध्यक्षता/सदस्यता पर विचार किया गया है।

#### टिप्पणियाँ:

- कंपनी एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है, इसलिए सभी निदेशक भारत सरकार द्वारा चुनेधनियुक्तध्नामित किए जाते हैं।
- निदेशक एक-दूसरे से संबंधित नहीं हैं।
- निदेशकों का कंपनी के साथ कोई आर्थिक संबंध या लेन-देन नहीं है (पारिश्रमिक को छोड़कर, जिसमें बैठक का शुल्क शामिल है, और कंपनी के व्यवसाय के संबंध में किए गए उनके व्यय का भुगतान/प्रतिपूर्ति, जिसके बे हकदार हैं।)
- अन्य कंपनियों में निदेशक पद/समिति सदस्यता संबंधित निदेशकों से प्राप्त नवीनतम प्रकटीकरण पर आधारित है।
- कोई भी निदेशक सेबी (एलओडीआर) विनियमन 2015 के विनियमन 26 के तहत उल्लिखित सभी कंपनियों में 10 से अधिक समितियों के सदस्य या 5 से अधिक समितियों के अध्यक्ष नहीं हैं।

31 मार्च, 2024 तक निदेशक पद की श्रेणी और अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के नाम निम्नानुसार हैं:

क्रम सं.	नाम	सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक पद	पदनाम
1	श्री अरुण कुमार सिंह, (अध्यक्ष एवं सीईओ)	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	अध्यक्ष
		ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ऋण सूचीबद्ध)	अध्यक्ष
		पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	निदेशक
2	श्री पंकज कुमार, निदेशक (उत्पादन)	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	निदेशक
		ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ऋण सूचीबद्ध)	निदेशक
		मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	निदेशक

### 2.8 गैर-कार्यकारी निदेशकों द्वारा धारित इक्विटी शेयर और परिवर्तनीय उपकरण

31 मार्च, 2024 तक किसी भी गैर-कार्यकारी निदेशक के पास कंपनी में कोई शेयर नहीं था।

### 3. बोर्ड स्तरीय समितियाँ

बोर्ड ने विस्तृत विचार-विमर्श और प्रभावी निर्णय लेने में सहायता के लिए विभिन्न वैधानिक और गैर-वैधानिक बोर्ड स्तरीय समितियों (बीएलसी) का गठन किया है। कंपनी सचिव सभी बोर्ड स्तरीय समितियों के सचिव के रूप में कार्य करता है।

कंपनी की बीएलसी की संरचना, संदर्भ की शर्तों (टीओआर) का संक्षिप्त विवरण, बैठक और उपस्थिति से संबंधित विवरण नीचे दिए गए हैं:

#### 3.1 लेखा-परीक्षा समिति

निदेशक मंडल द्वारा लेखा-परीक्षा समिति के लिए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) को कंपनी अधिनियम, 2013, सूचीबद्ध विनियमन, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए निगमित अभिशासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश – 2010 और संगठनात्मक आवश्यकताओं के तहत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुमोदित किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, 08.04.2023 को लेखा-परीक्षा समिति की ग्यारह (11) बैठकों आयोजित की गई। 08.04.2023, 26.05.2023, 09.07.2023, 27.07.2023, 11.08.2023, 01.09.2023, 13.09.2023, 25.10.2023, 10.11.2023, 10.02.2024 and 20.03.2024.

लेखा-परीक्षा समिति के गठन, वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या तथा उनमें सदस्यों की उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है:-

सदस्य	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	सदस्यों की उपस्थिति	
		बैठकों की संख्या (ख)	% (ख/क)
श्री वी. अजीत कुमार राजू (स्वतंत्र निदेशक – अध्यक्ष)	11	11	100
श्री श्यामचंद घोष (स्वतंत्र निदेशक)	11	11	100
श्री मनीष पारीक (स्वतंत्र निदेशक)	11	11	100
डॉ. प्रभास्कर राय (स्वतंत्र निदेशक)	11	10	91
श्री पंकज कुमार निदेशक (उत्पादन)	11	11	100

#### 3.2 नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति (एनआरसी)

बोर्ड द्वारा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) का गठन किया गया है तथा इसमें कंपनी अधिनियम, 2013, सूचीबद्ध विनियमन, सीपीएसई के लिए निगमित अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देश–2010 तथा कंपनी की प्रशासनिक आवश्यकताओं के तहत निर्दिष्ट टीओआर हैं।

इसके अलावा, एक सरकारी कंपनी होने के नाते, पूर्णकालिक निदेशकों की नियुक्ति अवधि तथा नियम एवं शर्त (पारिश्रमिक सहित) भारत सरकार द्वारा तय की जाती हैं। स्वतंत्र निदेशकों की बैठने के शुल्क को कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया था।

एनआरसी के टीओआर में बोर्ड को मानव संसाधन से संबंधित सभी रणनीति / नीति मामलों का निर्माण और सिफारिश शामिल है। वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों सहित कर्मचारियों का पारिश्रमिक बोर्ड द्वारा लागू



डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप तय किया जाता है। एनआरसी वार्षिक बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल और डीपीई दिशानिर्देशों के तहत प्रदान की गई सीमाओं के भीतर कंपनी के कर्मचारियों के बीच इसके वितरण के लिए नीति भी तय करता है।

निदेशक(ओं) की नियुक्ति के मानदंड, निदेशक(ओं) के पारिश्रमिक से संबंधित नीति और निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन आदि से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होते हैं। कंपनी ने सूचीबद्ध विनियमों के तहत प्रदर्शन मूल्यांकन के संबंध में इसी तरह की छूट की व्यवस्था करने के लिए डीपीई को एक प्रतिनिधित्व दिया है।

वर्ष के दौरान, एनआरसी की तीन (3) बैठकें 27.09.2023, 25.10.2023 और 10.02.2024 को आयोजित की गईं।

समिति के गठन और वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या और उनमें सदस्यों की उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है:

सदस्य	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	सदस्यों की उपस्थिति	
		बैठकों की संख्या (ख)	% (ख/क)
डॉ. प्रभास्कर राय (स्वतंत्र निदेशक—अध्यक्ष)	3	3	100
सुश्री रीना जेटली (स्वतंत्र निदेशक)	3	3	100
श्री प्रवीण एम. खनूजा (सरकार द्वारा नामित निदेशक)	3	3	100

### 3.3. जोखिम प्रबंधन समिति

कंपनी के पास सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार गठित एक जोखिम प्रबंधन समिति है। कंपनी के पास एक अच्छी तरह से परिभाषित जोखिम नीति है जिसमें जोखिम ढांचा और रजिस्टर शामिल है, जिसने जोखिम क्षेत्रों और उनकी शमन योजनाओं की पहचान की है, जिसका प्रबंधन और निगरानी एक स्वतंत्र उद्यम जोखिम प्रबंधन सेल (ईआरएम) द्वारा की जाती है।

वर्ष के दौरान, समिति की दो (2) बैठकें 09.07.2023 और 25.10.2023 को आयोजित की गईं।

समिति के गठन, वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या तथा उनमें सदस्यों की उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है:

सदस्य	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	सदस्यों की उपस्थिति	
		बैठकों की संख्या (ख)	% (ख/क)
श्री वी. अजीत कुमार राजू (स्वतंत्र निदेशक – अध्यक्ष)	2	2	100
श्री माधव सिंह (स्वतंत्र निदेशक)	2	2	100
श्री श्यामचंद घोष (स्वतंत्र निदेशक)	2	2	100
श्री मनीष पारीक (स्वतंत्र निदेशक)	2	2	100
श्री पंकज कुमार निदेशक (उत्पादन)	2	1	50
श्रीमती पोमिला जसपाल निदेशक (वित्त)	2	2	100

### 3.4 शेयरधारक संबंधी समिती (एसआरसी)

एसआरसी का टीओआर सूचीबद्ध विनियमों की अनुसूची II के भाग डी के साथ विनियम 20(4) की आवश्यकता के अनुरूप है। एसआरसी कंपनी के शेयरधारकों के हितों के विभिन्न पहलुओं पर गौर करती है। समिति रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट के प्रदर्शन की देखरेख और समीक्षा भी करती है और निवेशक सेवाओं की गुणवत्ता में समग्र सुधार के लिए उपायों की सिफारिश करती है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, शेयरधारक संबंधी समिती की दो (2) बैठकें 09.11.2023 और 05.03.2024 को आयोजित की गईं।

31.03.2024 तक अध्यक्ष सहित एसआरसी की संरचना निम्नानुसार थी:

क्रम सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री श्यामचंद घोष स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष
2.	श्री मनीष पारीक स्वतंत्र निदेशक	सदस्य
3.	श्री मनीष पाटील निदेशक (मानव संसाधन) एवं अतिरिक्त प्रभार, निदेशक (वित्त)	सदस्य

## वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान प्राप्त शिकायतों और निवारण का विवरण:

वित्त वर्ष 2024 की शुरुआत में कोई भी शिकायत लंबित नहीं थी, वर्ष के दौरान शेयरधारकों से लाभांशधार्विक रिपोर्ट प्राप्त न होने से संबंधित 14 शिकायतें प्राप्त हुईं।

31 मार्च, 2024 तक स्टॉक एक्सचेंजों के पास केवल एक (1) शिकायत लंबित थी और अन्य सभी शिकायतों का शेयरधारकों की संतुष्टि के अनुसार समाधान कर दिया गया।

### 3.5.1 वरिष्ठ प्रबंधन

31 मार्च, 2024 तक वरिष्ठ प्रबंधन का विवरण, जिसमें वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान होने वाले परिवर्तन शामिल हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र.सं	नाम (श्री / श्रीमती)	पदनाम	प्रभावी तिथि	परिवर्तन का प्रकार
1	आनंद गुप्ता	कार्यकारी निदेशक	09.01.2020	कोई परिवर्तन नहीं
2	विशाल शास्त्री	कार्यकारी निदेशक	06.07.2020	कोई परिवर्तन नहीं
3	सी माथवन	कार्यकारी निदेशक	01.06.2020	कोई परिवर्तन नहीं
4	वेपा वैकटेश्वर प्रसाद	कार्यकारी निदेशक	26.03.2021	कोई परिवर्तन नहीं
5	अजय कुमार शर्मा	कार्यकारी निदेशक	26.03.2021	कोई परिवर्तन नहीं
6	मनोज कुमार मिश्रा	कार्यकारी निदेशक	26.03.2021	कोई परिवर्तन नहीं
7	विजय कुमार गोखले	कार्यकारी निदेशक	26.03.2021	कोई परिवर्तन नहीं
8	अरुण मित्तल	कार्यकारी निदेशक	26.03.2021	कोई परिवर्तन नहीं
9	संजय कुमार	कार्यकारी निदेशक	31.03.2021	कोई परिवर्तन नहीं
10	रवि शंकर	कार्यकारी निदेशक	01.04.2021	कोई परिवर्तन नहीं
11	ओम प्रकाश सिन्हा	कार्यकारी निदेशक	21.04.2021	कोई परिवर्तन नहीं
12	दीपक शंकरभाई पटेल	कार्यकारी निदेशक	28.04.2021	कोई परिवर्तन नहीं
13	विकास जगदीश पांडे	कार्यकारी निदेशक	01.05.2021	कोई परिवर्तन नहीं
14	आशुतोष प्रसाद सिंह	कार्यकारी निदेशक	01.05.2021	कोई परिवर्तन नहीं
15	जोसेफ रोजारियो विजय राज	कार्यकारी निदेशक	01.05.2021	कोई परिवर्तन नहीं
16	प्रसून कुमार सिन्हा	कार्यकारी निदेशक	01.07.2021	कोई परिवर्तन नहीं
17	एम पोर्सिया	कार्यकारी निदेशक	01.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
18	इरुकुवज्जुला साई राम	कार्यकारी निदेशक	17.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
19	सुभोजित बोस	कार्यकारी निदेशक	17.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
20	संजय कुमार मजूमदार	कार्यकारी निदेशक	17.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
21	सतीश कुमार द्विवेदी	कार्यकारी निदेशक	17.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
22	राजन अस्थाना	कार्यकारी निदेशक	18.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
23	तीर्थकर खौड़	कार्यकारी निदेशक	19.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
24	शांति स्वरूप शर्मा	कार्यकारी निदेशक	31.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
25	सुदीप गुप्ता	कार्यकारी निदेशक	31.01.2022	कोई परिवर्तन नहीं
26	संजय भट्ट	कार्यकारी निदेशक	02.02.2022	कोई परिवर्तन नहीं
27	संजीव सिंघल	कार्यकारी निदेशक	16.02.2022	कोई परिवर्तन नहीं
28	अजय रतन	कार्यकारी निदेशक	01.03.2022	कोई परिवर्तन नहीं
29	रायचौटी नागेंद्रप्पा सतीश बाबू	कार्यकारी निदेशक	01.05.2022	कोई परिवर्तन नहीं



क्र.सं	नाम (श्री / श्रीमती)	पदनाम	प्रभावी तिथि	परिवर्तन का प्रकार
30	आदित्य जौहरी	कार्यकारी निदेशक	04.05.2022	कोई परिवर्तन नहीं
31	शशि राजन	कार्यकारी निदेशक	01.06.2022	कोई परिवर्तन नहीं
32	मुदित कुमार माथुर	कार्यकारी निदेशक	01.06.2022	कोई परिवर्तन नहीं
33	चन्द्रशेखर	कार्यकारी निदेशक	01.07.2022	कोई परिवर्तन नहीं
34	गौर मोहन दास	कार्यकारी निदेशक	01.07.2022	कोई परिवर्तन नहीं
35	संदीप कुमार सिंघल	कार्यकारी निदेशक	01.07.2022	कोई परिवर्तन नहीं
36	दीप चंद्र पंत	कार्यकारी निदेशक	01.07.2022	कोई परिवर्तन नहीं
37	लक्ष्मा रेड्डी चिंतापल्ली	कार्यकारी निदेशक	01.07.2022	कोई परिवर्तन नहीं
38	अजय दीक्षित	कार्यकारी निदेशक	03.07.2022	कोई परिवर्तन नहीं
39	रत्नेश कुमार	कार्यकारी निदेशक	19.04.2023	नियुक्ति
40	विनोद कुमार चौधरी	कार्यकारी निदेशक	19.04.2023	नियुक्ति
41	रवीन्द्र माधव पाटिल	कार्यकारी निदेशक	20.04.2023	नियुक्ति
42	भगवान सिंह बोरा	कार्यकारी निदेशक	20.04.2023	नियुक्ति
43	प्रगति पार्थ मित्रा	कार्यकारी निदेशक	21.04.2023	नियुक्ति
44	सत्यन कुमार	कार्यकारी निदेशक	21.04.2023	नियुक्ति
45	प्रदीप कुमार गोयल	कार्यकारी निदेशक	21.04.2023	नियुक्ति
46	प्रियरंजन मिश्रा	कार्यकारी निदेशक	21.04.2023	नियुक्ति
47	रवि	कार्यकारी निदेशक	24.04.2023	नियुक्ति
48	पवन अग्रवाल	कार्यकारी निदेशक	24.04.2023	नियुक्ति
49	विनोद हालन	कार्यकारी निदेशक	25.04.2023	नियुक्ति
50	उमेश कुमार राणा	कार्यकारी निदेशक	28.04.2023	नियुक्ति
51	विन्नाकोटा नरसिंहा राव	कार्यकारी निदेशक	15.05.2023	नियुक्ति
52	कृष्ण गोपाल गोयल	कार्यकारी निदेशक	01.06.2023	नियुक्ति
53	मधुकर मोहन	कार्यकारी निदेशक	01.06.2023	नियुक्ति
54	अमित बलवंतराय देसाई	कार्यकारी निदेशक	03.07.2023	नियुक्ति
55	उदय पासवान	कार्यकारी निदेशक	20.07.2023	नियुक्ति
56	संदीप गुप्ता	कार्यकारी निदेशक	31.12.2023	सेवानिवृत्ति
57	अनिल कुमार	कार्यकारी निदेशक	31.12.2023	सेवानिवृत्ति
58	अवनींद्र कुमार गोयल	कार्यकारी निदेशक	31.12.2023	सेवानिवृत्ति
59	संजय कुमार सिंह	कार्यकारी निदेशक	01.01.2024	नियुक्ति
60	नमित शर्मा	कार्यकारी निदेशक	31.01.2024	सेवानिवृत्ति
61	राजेश कुमार शर्मा	कार्यकारी निदेशक	31.01.2024	सेवानिवृत्ति
62	देबदुलाल अधिकारी	कार्यकारी निदेशक	31.01.2024	सेवानिवृत्ति
63	जी वी एस सत्यनारायण राव	कार्यकारी निदेशक	31.01.2024	सेवानिवृत्ति
64	बुद्धवरापु पापाराजू	कार्यकारी निदेशक	31.01.2024	सेवानिवृत्ति
65	अमित नारायण	कार्यकारी निदेशक	29.02.2024	सेवानिवृत्ति
66	गौतम सिन्हा	कार्यकारी निदेशक	29.02.2024	सेवानिवृत्ति

क्र.सं	नाम (श्री / श्रीमती)	पदनाम	प्रभावी तिथि	परिवर्तन का प्रकार
67	गोर्ला अपाला वैंकट सत्य प्रसाद	कार्यकारी निदेशक	29.02.2024	सेवानिवृत्ति
68	विनोद कुमार	कार्यकारी निदेशक	29.02.2024	सेवानिवृत्ति
69	शांतनु दास	कार्यकारी निदेशक	01.03.2024	नियुक्ति
70	शशि प्रसाद	कार्यकारी निदेशक	31.07.2023	सेवानिवृत्ति
71	अनुराग	कार्यकारी निदेशक	31.07.2023	सेवानिवृत्ति
72	अंबत सतीश कुमार	कार्यकारी निदेशक	30.09.2023	सेवानिवृत्ति
73	संजय वर्मा	कार्यकारी निदेशक	31.10.2023	सेवानिवृत्ति
74	बीरेंद्र किशोर दास	कार्यकारी निदेशक	01.11.2023	नियुक्ति
75	आशीष कुमार माजी	कार्यकारी निदेशक	30.11.2023	सेवानिवृत्ति
76	कृष्ण कुमार	कार्यकारी निदेशक	04.01.2024	नियुक्ति
77	शील सूद	कार्यकारी निदेशक	04.01.2024	नियुक्ति
78	आशीष जैन	कार्यकारी निदेशक	04.01.2024	नियुक्ति
79	पॉलिसेटी सुरेश बाबू	कार्यकारी निदेशक	04.01.2024	नियुक्ति
80	अरूप कुमार दास	कार्यकारी निदेशक	04.01.2024	नियुक्ति
81	नंदन वर्मा	कार्यकारी निदेशक	04.03.2024	नियुक्ति
82	संदीप जॉली	कार्यकारी निदेशक	05.01.2024	नियुक्ति
83	राजीव निश्चल	कार्यकारी निदेशक	05.01.2024	नियुक्ति
84	राजेश तिवारी	कार्यकारी निदेशक	05.01.2024	नियुक्ति
85	आर.एस.नारायणी	कार्यकारी निदेशक	08.01.2024	नियुक्ति
86	रोहित मदान	कार्यकारी निदेशक	08.01.2024	नियुक्ति
87	योगेश बहुखंडी	कार्यकारी निदेशक	08.01.2024	नियुक्ति
88	सचिव कुमार	कार्यकारी निदेशक	09.01.2024	नियुक्ति
89	कौस्तव नाग	कार्यकारी निदेशक	09.01.2024	नियुक्ति
90	अजय कुमार सिंह	कार्यकारी निदेशक	12.01.2024	नियुक्ति
91	अमित कुमार	कार्यकारी निदेशक	12.01.2024	नियुक्ति
92	के.एन.रमेश	कार्यकारी निदेशक	12.01.2024	नियुक्ति
93	अनुपम सकर्मैना	कार्यकारी निदेशक	18.01.2024	नियुक्ति
94	दिनेश कुमार सिंह	कार्यकारी निदेशक	23.01.2024	नियुक्ति
95	अजय जैन	कार्यकारी निदेशक	23.01.2024	नियुक्ति
96	वैंकट नरसिंहा राव जम्मी	कार्यकारी निदेशक	23.01.2024	नियुक्ति
97	दांडू अंजनेय सुब्बाराजू	कार्यकारी निदेशक	01.03.2024	नियुक्ति
98	दीपक टंडन	कार्यकारी निदेशक	22.02.2024	नियुक्ति
99	दिनेश कुमार	कार्यकारी निदेशक	30.04.2023	सेवानिवृत्ति
100	हरि कीरत सिंह	कार्यकारी निदेशक	30.04.2023	सेवानिवृत्ति
101	मनोज कुमार तिवारी	कार्यकारी निदेशक	30.06.2023	सेवानिवृत्ति
102	कुश राजकेशरी सिंह	कार्यकारी निदेशक	30.06.2023	सेवानिवृत्ति
103	तरुण मलिक	कार्यकारी निदेशक	31.05.2023	सेवानिवृत्ति
104	जिमी जोसेफ	कार्यकारी निदेशक	31.05.2023	सेवानिवृत्ति



### 3.5.2 निदेशकों का पारिश्रमिक

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए निदेशकों के पारिश्रमिक का विवरण निम्नानुसार है:

#### क) कार्यकारी निदेशक

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	नाम/पदनाम	वेतन महंगाई भत्ते सहित	अन्य लाभ और भत्ते	प्रदर्शन प्रोत्साहन प्रावधान/भुगतान	पीएफ और एनपीएस का योगदान	संशोधित एएस-15 के अनुसार छट्टी, ग्रेच्युटी और सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों का प्रावधान	कुल राशि	वर्तमान कार्यकाल तक बढ़ाया गया
1.	श्री अरुण कुमार सिंह अध्यक्ष एवं सीईओ	5.29	1.38	2.20	1.18	0.6	10.65	06.12.2025
2.	श्री ओ. पी. सिंह निदेशक (प्रौ. एवं क्ष. से.)	5.08	0.87	1.82	1.11	0.59	9.47	31.12.2024
3.	श्री पंकज कुमार निदेशक (उत्पादन)	4.93	1.09	1.79	1.08	0.59	9.47	30.06.2026
4.	श्रीमती पोमिला जसपाल निदेशक (वित्त) (31.01.2024 तक)	4.86	1.05	1.51	0.92	0.5	8.84	31.01.2024
5.	श्रीमती सुषमा रावत निदेशक (अन्वेषण)	5.05	1.63	1.83	1.10	0.6	10.21	30.06.2025
6.	श्री मनीष पाटील निदेशक (मानव संसाधन) (05.05.2023 से प्रभावी)	4.54	0.92	1.65	1.01	0.54	8.66	29.02.2028
	अनुयोग (क)	<b>29.75</b>	<b>6.94</b>	<b>10.80</b>	<b>6.40</b>	<b>3.42</b>	<b>57.30</b>	

टिप्पणी:

- कार्यकारी निदेशकों को प्रदर्शन संबंधी वेतन डीपीई मानदंडों के अनुसार दिया जाता है।
- कार्यकारी निदेशकों की सेवाओं के विच्छेद के लिए 3 महीने की नोटिस अवधि या उसके बदले में वेतन की आवश्यकता होती है।

#### ख) स्वतंत्र निदेशक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के अनुसार कंपनी के एसोसिएशन के लेखों के अनुच्छेद 110 और 111 और अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों को बोर्ड की प्रत्येक बैठक के लिए ₹ 40,000 और समिति की प्रत्येक बैठक के लिए ₹ 30,000 की दर से बैठने के शुल्क का भुगतान किया जाता है, जिसमें वे सदस्य के रूप में शामिल होते हैं।

वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान किए गए बैठने के शुल्क (जीएसटी को छोड़कर) का विवरण नीचे दिया गया है:

स्वतंत्र निदेशक का नाम	बैठने का शुल्क (₹ मिलियन में)
श्री श्यामचंद घोष	1.12
श्री वैश्यराजू अजीत कुमार राजू	1.27
श्री मनीष पारीक	1.12
सुश्री रीना जेटली	1.21
डॉ. प्रभास्कर राय	1.45
डॉ. माधव सिंह	1.36
<b>कुल</b>	<b>7.53</b>

## (ग) सरकार द्वारा नामित निदेशक

सरकार द्वारा नामित निदेशक भारत सरकार के प्रतिनिधि होते हैं, जिन्हें कंपनी द्वारा न तो कोई पारिश्रमिक दिया जाता है और न ही कोई बैठक शुल्क दिया जाता है।

## (घ) कंपनी सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी

सूचीबद्धता विनियमों की अनुसूची (ii) के भाग क (उ) में निर्दिष्ट सीएफओ और कंपनी सचिव सहित निदेशक मंडल के ठीक नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों का पारिश्रमिक डीपीई दिशानिर्देशों द्वारा शासित होता है और समय—समय पर बोर्ड को अनुमोदित/रिपोर्ट किया जाता है। इसके अलावा, सीएफओ और कंपनी सचिव की नियुक्ति या हटाने को वैधानिक प्रावधानों के अनुसार बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

## 3.5.6 शिकायतों का निपटारा

निवेशक नीचे बताए गए तरीके से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं:

क्रम सं.	शिकायत की प्रकृति	संपर्क	कृत कार्रवाई
1.	भौतिक शेयरों के लिए— पता, स्थिति, बैंक खाता, अधिदेश, ईपीएस अधिदेश आदि में परिवर्तन।	रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आर टीए) अलंकित असाइनमेंट लिमिटेड, कंपनी का रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) है। आरटीए संपर्क विवरण:- अलंकित हाऊस, 4ई/2, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली – 110055 फोन नंबर: 011– 42541234/1953 वेबसाइट: <a href="http://www.alankit.com">www.alankit.com</a> ई-मेल: <a href="mailto:jksingla@alankit.com">jksingla@alankit.com</a> , और <a href="mailto:vijayps1@alankit.com">vijayps1@alankit.com</a>	लिखित संचार में शिकायत की प्रकृति बताएं तथा फोलियो/डीपीआईडी/क्लाइंट आईडी नंबर का उल्लेख करें।
2.	डीमैट में रखे गए शेयरों के लिए—	डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) जिसके साथ शेयरधारक अपना खाता बनाए रखता है।	संबंधित डीपी के निर्देशानुसार।
3.	किसी अन्य श्रेणी के अंतर्गत आने वाली शिकायतें	कंपनी सचिव ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड प्लॉट नंबर 5ए- 5बी, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज नई दिल्ली -110070 फोन: 011-26754073/85 ई-मेल: <a href="mailto:secretariat@ongc.co.in">secretariat@ongc.co.in</a>	सादे कागज/ई-मेल पर शिकायत की प्रकृति, फोलियो/डीपीआईडी/ग्राहक आईडी संख्या, नाम व पता, ईमेल आईडी और संपर्क विवरण बताएं।

जिन शेयरधारकों की दावा न की गई या भुगतान न की गई लाभांश राशि कंपनी द्वारा आईईपीएफ को हस्तांतरित की गई है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म आईईपीएफ-5 दाखिल करके आईईपीएफ प्राधिकरण से इसका दावा कर सकते हैं। आगे की जानकारी और प्रक्रिया वेबसाइट <http://www.iepf.gov.in/IEPFA/refund.html> पर उपलब्ध है।

### टिप्पणी:

लाभांश के निर्बाध भुगतान के लिए, सभी निवेशकों से अनुरोध है कि वे अपने क्लाइंट मास्टर (डीपी के साथ बनाए रखा गया) को सही बैंक विवरण और आईएफएससी के साथ ईमेल पते के साथ अपडेट करें।

भौतिक रूप से शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे सीधे संबंधित बैंक खाते में लाभांश के हस्तांतरण के लिए फॉर्म आईएसआर – 2 में बैंक अधिदेश के पंजीकरण सहित अपने केवाईसी को अपडेट करें।

कंपनी ने इस संबंध में <https://ongcindia.com/web/eng/investors/nomination> पर एक सार्वजनिक सूचना दी है।

## 3.5.3 स्टॉक विकल्प

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान अपने निदेशकों/कर्मचारियों को कोई कर्मचारी स्टॉक विकल्प (ईएसओपी) जारी नहीं किया है।

## 3.5.4 अनुपालन अधिकारी

श्री रजनी कांत, कंपनी सचिव, अनुपालन अधिकारी हैं।

## 3.5.5 निवेशकों की शिकायतों का निवारण

कंपनी निवेशकों की सभी शिकायतों, सुझावों और शिकायतों का शीघ्रता से समाधान करती है और तथ्यों या अन्य कानूनी बाधाओं पर विवाद के मामले को छोड़कर, निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर उनका समाधान करती



### 3.5.7 निवेशक संबंध प्रकोष्ठ

वैशिक प्रथाओं के अनुरूप, कंपनी कॉर्पोरेट प्रशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। निवेशकों और विश्लेषकों द्वारा अक्सर आवश्यक जानकारी कंपनी की वेबसाइट [www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) पर 'निवेशक' पृष्ठ के अंतर्गत उपलब्ध है। मौजूदा और संभावित निवेशक इस लिंक के माध्यम से कंपनी के साथ बातचीत कर सकते हैं।

निवेशक संबंध प्रकोष्ठ निकट संपर्क बनाए रखने और टेली-कॉन्फ़रेंसिंग सहित आवधिक बैठकों और निवेश बैंकरों, शोध विश्लेषकों और संस्थागत निवेशकों के साथ नियमित बातचीत के माध्यम से जानकारी साझा करने में भी सहायक है।

### 4. अन्य कार्यात्मकधातिविधि विशिष्ट समितियां

उपरोक्त के अलावा, बोर्ड ने अन्य वैधानिक समितियों का गठन किया है, जैसे नियमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति (सीएसआर), प्रतिभूतियों के आवंटन और प्रमाण—पत्र जारी करने के लिए समिति (सीएएसआईसी) और अन्य गैर-वैधानिक समितियां जिनमें परियोजना मूल्यांकन और समीक्षा समिति (पीएआरसी), स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण समिति (एचएसई), विवाद समाधान समिति (सीओडीआर), अनुसंधान और विकास समिति (आर एंड डी) और आशा किरण शामिल हैं।

### 5. स्वतंत्र निवेशक

31 मार्च, 2024 तक, बोर्ड में एक महिला स्वतंत्र निवेशक सहित छह (6) स्वतंत्र निवेशक थे, जो बोर्ड के 50% के बराबर थे। सभी स्वतंत्र निवेशक नियमित मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के साथ बनाए गए स्वतंत्र निवेशकों के डेटा बैंक में पंजीकृत हैं और उन्होंने कंपनी अधिनियम, 2013 और सूचीबद्ध विनियमों के प्रावधानों के अनुसार स्वतंत्रता की आवश्यकताओं को पूरा करने की पुष्टि करने के लिए खुलासे भी किए हैं।

#### स्वतंत्र निवेशकों की बैठक

कंपनी अधिनियम, 2013 और सूचीबद्ध विनियमों की आवश्यकताओं के अनुसार 10 जुलाई, 2023 को आईडी की बैठक आयोजित की गई थी।

### 6. सतर्कता तंत्र/व्हिसल ब्लॉअर नीति

कंपनी ने आवश्यक सतर्कता तंत्रव्हिसल ब्लॉअर नीति लागू की है जो निवेशकों और कर्मचारियों को अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिधि धोखाधड़ी या आचार संहिता के उल्लंघन और अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के लीक होने के मामलों के बारे में वास्तविक चिंताओं की रिपोर्ट करने के लिए चैनल प्रदान करती है। किसी भी कर्मचारीधार्मिक को ऑडिट समिति तक पहुंच से वंचित नहीं किया गया है।

उक्त तंत्र सभी सीपीएसई के लिए आवश्यक केंद्रीय सतर्कता आयोग के तत्वावधान में स्थापित सतर्कता व्यवस्था के अतिरिक्त है।

### 7. सीईओ/सीएफओ द्वारा अनुपालन प्रमाण—पत्र

लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 17(8) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित वित्तीय विवरणों और आंतरिक नियंत्रणों पर सीईओ और सीएफओ द्वारा जारी अनुपालन प्रमाण—पत्र 20 मई, 2024 को आयोजित बोर्ड बैठक में रखा गया।

### 8. सहायक निगरानी ढाँचा

कंपनी की पांच (5) प्रत्यक्ष सहायक कंपनियां हैं, अर्थात् हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल), पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) और ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल) (27 फरवरी, 2024 को इनकॉर्पोरेट)।

सूचीबद्ध विनियमों और नियमित अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, बोर्ड मीटिंग के कार्यवृत्त (एचपीसीएल को छोड़कर) के साथ—साथ सहायक कंपनियों के प्रदर्शन की समीक्षा लेखा—परीक्षा समिति और कंपनी के बोर्ड द्वारा की गई है।

#### महत्वपूर्ण गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी

लिस्टिंग विनियमन के विनियमन 24(1) के अनुसार कंपनी के पास कोई महत्वपूर्ण गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी नहीं है। सहायक कंपनी की महत्वपूर्णता के निर्धारण की नीति वेब लिंक पर उपलब्ध है: [https://ongcindia.com/web/eng/investors/policies](http://ongcindia.com/web/eng/investors/policies)

कंपनी की केवल एक सूचीबद्ध सहायक कंपनी है, अर्थात् एचपीसीएल। एचपीसीएल का विवरण इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

## 9. वार्षिक आम बैठकें

पिछले तीन वर्षों के दौरान आयोजित वार्षिक आम बैठकों का स्थान, तिथि और समय निम्नानुसार है:

वर्ष	स्थान*	दिनांक	समय (आईएसटी)	विशेष संकल्प
2020-21 (28वीं एजीएम)	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य - ॲडियो - विज़ुअल साधन	24.09.2021	11.00 पूर्वाह्न	नहीं
2021-22 (29वीं एजीएम)	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य - ॲडियो - विज़ुअल साधन	29.08.2022	02.00 P.M. साथ	नहीं
2022-23 (30वीं एजीएम)	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य - ॲडियो - विज़ुअल साधन	29.08.2023	11.00 पूर्वाह्न	नहीं

\* बैठक का स्थान कंपनी की पंजीकृत कार्यालय माना गया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, डाक मतपत्रों के माध्यम से 3 साधारण प्रस्ताव पारित किए गए, अर्थात् 1 साधारण प्रस्ताव दिनांक 29.11.2023 के नोटिस के माध्यम से डाक मतपत्रों के माध्यम से पारित किया गया और 2 साधारण प्रस्ताव दिनांक 15.02.2024 के नोटिस के माध्यम से डाक मतपत्रों के माध्यम से पारित किए गए।

उपरोक्त प्रस्तावों को क्रमशः 30.12.2023 और 16.03.2024 की जांचकर्ता रिपोर्ट के अनुसार विधिवत पारित किया गया था।

## 10. प्रकटीकरण

### 10.1 महत्वपूर्ण अनुबंध/संबंधित पक्ष लेनदेन

वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने संबंधित पक्षों के साथ अनुबंध या व्यवस्थाएँ की हैं, जो कंपनी अधिनियम, 2013 और सूचीबद्ध विनियमों की आवश्यकताओं के अनुपालन में थीं।

संबंधित पक्ष लेनदेन का विवरण निर्धारित प्रपत्र एओसी-2 में अलग से प्रदान किया गया है, जिसे बोर्ड की रिपोर्ट के भाग के रूप में संलग्न किया गया है।

इसके अलावा, लागू लेखांकन मानकों के अनुसार संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन का विवरण 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरणों के नोट्स के नोट संख्या 44 में प्रकट किया गया है। कंपनी के संबंधित पक्ष लेनदेन पर नीति <https://ongcindia.com/web/eng/investors/policies>. पर देखी जा सकती है।।

## 10.2 अनुपालन

कंपनी सूचीबद्ध विनियमों और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन कर रही है।

कंपनी ने लागू नियमों (अनुलग्नक क के रूप में संलग्न प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव द्वारा निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन पर प्रमाणपत्र में अन्यथा बताए गए को छोड़कर) और पूँजी बाजार पर नियामक प्राधिकरणों की आवश्यकता का अनुपालन किया है और पिछले तीन वर्षों के दौरान कंपनी द्वारा कोई जुर्माना या प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

सभी वैधानिक रिटर्नरिपोर्ट स्टॉक एक्सचेंजों के साथ निर्धारित समय के भीतर दायर किए गए थे।

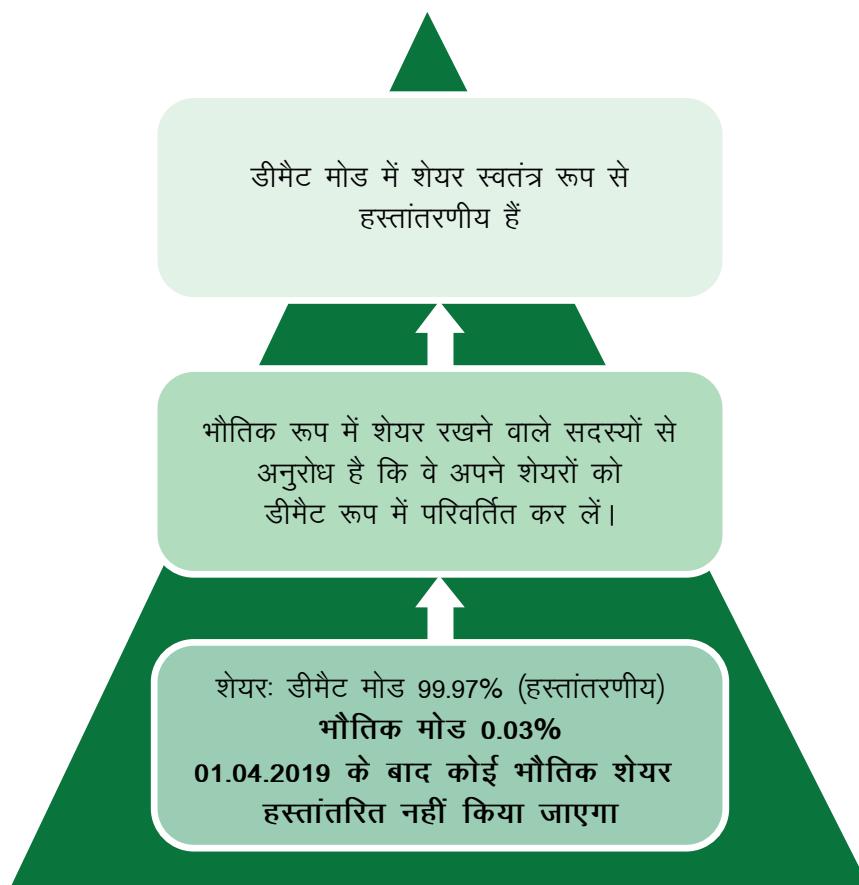
## 11. संचार के साधन

- तिमाही / वार्षिक परिणाम:** कंपनी बोर्ड की मंजूरी के तुरंत बाद स्टॉक एक्सचेंजों को नियमित रूप से गैर-लेखापरीक्षित और लेखा-परीक्षित वित्तीय परिणामों की जानकारी देती है। ये वित्तीय परिणाम देश भर में प्रसारित होने वाले प्रमुख अंग्रेजी और स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं। परिणाम कंपनी की वेबसाइट [www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) पर भी प्रदर्शित किए जाते हैं। इसके अलावा, तिमाही और वार्षिक परिणाम भी ई-मेल के माध्यम से शेयरधारकों के साथ साझा किए जा रहे हैं।
- समाचार विज्ञप्ति, प्रस्तुति आदि:** आधिकारिक समाचार विज्ञप्तियाँ, मीडिया, संस्थागत निवेशकों, वित्तीय विश्लेषकों आदि के समक्ष प्रस्तुत विस्तृत प्रस्तुतियाँ कंपनी की वेबसाइट [www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) पर प्रदर्शित की जाती हैं।
- वेबसाइट:** कंपनी की वेबसाइट [www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) में अलग से समर्पित अनुभाग 'निवेशक' है जहाँ शेयरधारकों के लिए जानकारी उपलब्ध है, जैसे वार्षिक रिपोर्ट, शेयरधारिता पैटर्न, प्रेस विज्ञप्तियाँ, संस्थागत निवेशकों / विश्लेषकों के समक्ष प्रस्तुति आदि।
- वार्षिक रिपोर्ट:** वार्षिक रिपोर्ट जिसमें एकल और समेकित वित्तीय विवरण के साथ-साथ लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट, एकीकृत रिपोर्ट, बोर्ड की रिपोर्ट, प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण (एमडी एंड ए) रिपोर्ट, व्यवसाय उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट, निगमित अभिशासन रिपोर्ट आदि शामिल हैं, सालाना जारी की जाती है और सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध होती है।



- एजीएम के दौरान अध्यक्ष का भाषण शेयरधारकों सहित जनता को सूचनाध्रसार के लिए कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।
- निवेशकों को संचार: कंपनी समय-समय पर वित्तीय परिणामों, केवाईसी के अद्यतनीकरण और लाभांश के दावे आदि सहित विभिन्न अपडेट के बारे में शेयरधारकों को संचार भेजती है।
- निवेशकों के संचार के लिए निर्दिष्ट ई-मेल: कंपनी के पास निवेशकों को सेवा प्रदान करने के लिए विशेष ई-मेल आईडी है - [secretariat@ongc.co.in](mailto:secretariat@ongc.co.in)
- हरित पहल: लागू प्रावधानों के अनुसार, कंपनी उन शेयरधारकों को ई-मेल के माध्यम से वार्षिक रिपोर्ट भेजती है जिनके ई-मेल पते उपलब्ध हैं और उक्त वार्षिक रिपोर्ट को कंपनी की वेबसाइट पर भी डालती है।

## 12 शेयरधारकों की जानकारी



प्रतिभूतियों का हस्तांतरण तब तक संसाधित नहीं किया जाएगा जब तक कि प्रतिभूतियों को डीमैट रूप में नहीं रखा जाता है।

उपर्युक्त के मद्देनजर, भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे शेयरों के हस्तांतरण के विकल्प को सक्षम करने के लिए अपने शेयरों को डीमैट रूप में ले लें।

## 12.1 वार्षिक आम बैठक

दिनांक	शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024
समय	11:00 बजे
मोड	अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से

## 12.2 लाभांश भुगतान और रिकॉर्ड तिथि

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024 के लिए दो अंतरिम लाभांश और वित्त वर्ष 2023 के लिए अंतिम लाभांश घोषित किया। वित्त वर्ष 2024 के दौरान भुगतान किए गए लाभांश से संबंधित विवरण नीचे दिए गए हैं:—

घोषित लाभांश	लाभांश की घोषणा की तिथि	घोषित लाभांश की दर और प्रतिशत	रिकॉर्ड तिथि	लाभांश भुगतान तिथि
60वाँ लाभांश दृ अंतिम 2022–23	29.08.2023	रु. 0.50 (10%) प्रति शेयर	18.08.2023	08.09.2023
61वाँ लाभांश दृ प्रथम अंतरिम 2023–24	10.11.2023	रु. 5.75 प्रति शेयर (115%)	21.11.2023	30.11.2023
62वाँ लाभांश दृ द्वितीय अंतरिम 2023–24	10.02.2024	रु. 4.00 प्रति शेयर (80%)	17.02.2024	27.02.2024

कंपनी ईसीएस/एनईएफटी/एनएसीएच के माध्यम से सदस्यों/लाभार्थी धारकों के रिकॉर्ड में उपलब्ध पंजीकृत बैंकिंग विवरण में लाभांश का भुगतान करती है। बैंक खाता संख्या उपलब्ध न होने की स्थिति में, संबंधित शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे लाभांश के प्रेषण के लिए पहचान प्रमाण की प्रति के साथ निरस्त चेक जमा करें।

## 12.3 स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्धता

कंपनी के इकिवटी शेयर एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 50 और एसएंडपी सीएनएक्स निपटी इंडेक्स का हिस्सा हैं और निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं:

नाम और पता	संपर्क विवरण	ट्रेडिंग प्रतीक
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) एक्सचेंज प्लाजा, सी-1, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुरुक्षेत्र कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (ई), मुंबई-400051	टेलीफोन: 022-26598100-8114 फैक्स: 022-26598120 ई-मेल: <a href="mailto:ignse@nse.co.in">ignse@nse.co.in</a> , वेबसाइट: <a href="http://www.nse-india.com">www.nse-india.com</a>	ओएनजीसी
बीएसई लिमिटेड, (बीएसई) पी.जे.टावर्स, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई-400001	टेलीफोन: 022-22721233/4 फैक्स: 022-22721919, ई-मेल: <a href="mailto:bsehelp@bseindia.com">bsehelp@bseindia.com</a> , वेबसाइट: <a href="http://www.bseindia.com">www.bseindia.com</a>	500312

आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड को वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान जारी एनसीडी की निम्नलिखित दो श्रृंखलाओं के लिए डिबैंचर ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया गया है और कहा गया है कि डिबैंचर बीएसई लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं।

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	पुनर्भुगतान की तिथि	रुपये मिलियन में (अंकित मूल्य पर)	ब्याज दर प्रति वर्ष
1.	6.40% ओएनजीसी 2031 सीरीज II	11 अगस्त, 2020	11 अप्रैल, 2031	10,000	6.40%
2.	5.25% ओएनजीसी 2025 सीरीज I	31 जुलाई, 2020	11 अप्रैल, 2025	5,000	5.25%
<b>कुल</b>				<b>15,000</b>	

कंपनी की किसी भी प्रतिभूति को कभी भी व्यापार से निलंबित नहीं किया गया है।

विनियम 53 (1) (ड) के अनुसार डिबैंचर ट्रस्टीशिपों का नाम और संपर्क विवरण निम्नानुसार हैं:

डिबैंचर ट्रस्टी का नाम: आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय: एशियन बिलिंग, ग्राउंड फ्लोर, 17, आर. कमानी मार्ग, बैलार्ड एस्टेट, मुंबई – 400 001, टेलीफोन: 022-40807000, फैक्स: 022-40807080



#### 12.4 सुचीबद्ध और वार्षिक कस्टोडियन शूल्क

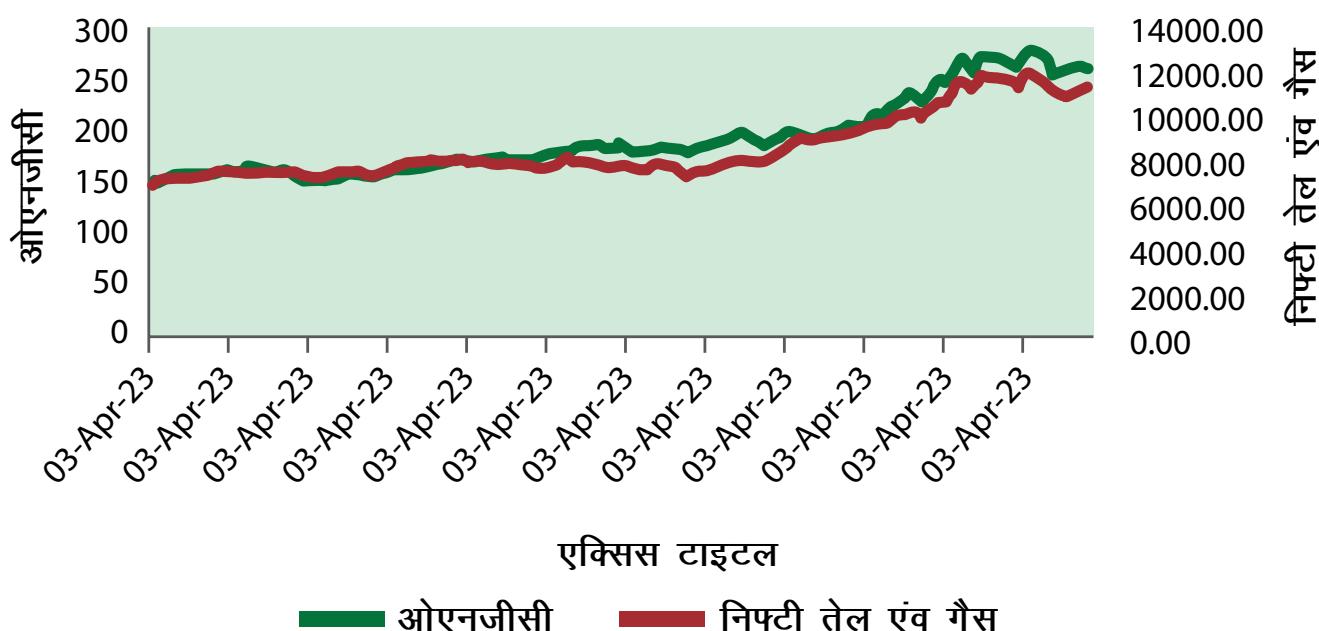
वित्तीय वर्ष 2023–24 तक की वार्षिक सूचीबद्ध शुल्क संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों अर्थात् बीएसई और एनएसई को चुका दी गई है। कंपनी के इविवटी शेरयों और एनसीडी के लिए एनएसडीएल और सीडीएसएल को कस्टोडियन शुल्क भी वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए चुका दी गई है।

## 12.5 शेयर बाजार की जानकारी

01.04.2023 से 31.03.2024 की अवधि के दौरान ऑयल एंड गैस निपटी के मुकाबले ओएनजीसी का स्टॉक मूल्य प्रदर्शन निम्नानुसार है-

शेयर प्रदर्शन-ओएनजीसी बनाम निपटी तेल एंव गैस

(01.04.2023 से 31.03.2024)



## 12.6 बाजार मूल्य डेटा

वित्त वर्ष 2024 के लिए एनएसई और बीएसई में मासिक उच्च और निम्न (कारोबार मूल्य) और कारोबार किए गए शेयरों की संख्या (मात्रा) निम्नानुसार है:

माह	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई लिमिटेड)			बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई लिमिटेड)		
	उच्चतम (₹)	न्यूनतम (₹)	मात्रा	उच्चतम (₹)	न्यूनतम (₹)	मात्रा
अप्रैल-23	161.80	150.00	179726512	161.80	150.45	8147675
मई-23	169.00	150.05	323707482	168.95	150.70	16824447
जून-23	161.00	152.55	231779488	162.05	152.55	8420608
जुलाई-23	177.50	160.00	171742860	177.50	160.00	6939368
अगस्त-23	180.45	171.50	142540893	180.25	171.60	6209632
सितंबर-23	192.25	174.40	236348457	192.25	174.30	11140121
अक्टूबर-23	189.80	179.90	186611068	189.80	179.80	5239660
नवंबर-23	203.40	185.05	208282779	203.35	185.05	9602404
दिसंबर-23	212.00	192.05	349347596	212.00	192.05	18023593
जनवरी-24	263.30	203.65	560091995	263.40	203.80	26898374
फरवरी-24	281.15	245.45	485799920	281.05	245.55	23822242
मार्च-24	284.95	248.90	295683561	284.75	248.90	9719115
कुल			3371662611			150987239

\*स्रोत: बीएसई और एनएसई की वेबसाइटें

31.03.2024 तक, कंपनी दोनों स्टॉक एक्सचेंजों – नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड में बाजार पूँजीकरण के मामले में शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों में 3,37,214 करोड़ रुपये के बाजार पूँजीकरण के साथ 19वें स्थान पर थी।

## 12.7 विदेशी मुद्रा और ब्याज जोखिम प्रबंधन और हेजिंग गतिविधियाँ

आपकी कंपनी विदेशी मुद्रा दर में उतार-चढ़ाव के संपर्क मर्ने हैं क्योंकि आय और नकदी प्रवाह संबंधित मुद्राओं से प्रभावित होते हैं जिनमें लेनदेन किए जाते हैं।

आपकी कंपनी भारतीय रुपये में उधार लेने के कारण ब्याज दर जोखिम के संपर्क में भी है, जिसमें ब्याज दरों ओवरनाइट एमसीएलआर, ट्रेजरी बिल, ऋण (पूँजी) बाजार, एमआईबीओआर, आरबीआई रेपो के लिए बैंचमार्क की जाती हैं।

आपकी कंपनी के पास विदेशी मुद्रा और ब्याज दर जोखिम और हेज्ड जोखिम के प्रति जोखिम प्रबंधन के लिए नीति है। इसने विदेशी मुद्रा और ब्याज दर जोखिम की पहचान, आकलन, निगरानी, माप और प्रबंधनशास्त्र करने और जोखिम को हेज करने के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंधन में मजबूत नियंत्रण विकसित किया है।

चूंकि आपकी कंपनी स्वाभाविक रूप से हेज्ड है, इसलिए नेट पॉजिटिव एक्सपोजर के मामले में हेजिंग निर्णय ट्रिगर होते हैं अर्थात् विदेशी

मुद्रा समकक्ष में बहिर्प्रवाह विदेशी मुद्रा समकक्ष में अंतर्वाह से अधिक है। वर्ष के दौरान, कोई हेजिंग निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि कोई नेट पॉजिटिव एक्सपोजर नहीं था।

कंपनी द्वारा गठित विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन समिति (एफआरएमसी) समय-समय पर विदेशी मुद्रा से संबंधित मामलों की समीक्षा करती है और आवश्यकतानुसार रुपरेखा के अनुसार आवश्यक कार्रवाई का सुझाव देती है।

## 12.8 शेयर हस्तांतरण/संचरण प्रणाली

सूचीबद्धता विनियमन के विनियमन 40(1) के अनुसार, प्रतिभूतियों का हस्तांतरण, संचरण और स्थानांतरण केवल डीमैटरियलाइज्ड रूप में किया जाएगा।

तदनुसार, शेयरधारक, जो कंपनी के शेयरों को भौतिक रूप में रखना जारी रखते हैं, वे आगे के हस्तांतरण के लिए कंपनी/इसके आरटीए के पास शेयर जमा नहीं करा पाएंगे।

इसलिए, भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे जल्द से जल्द अपनी होल्डिंग को डीमैटरियलाइज्ड कर लें।



31.03.2024 तक भौतिक शेयरधारिता का विवरण नीचे दिया गया है:—

भौतिक फोलियोज़ आर्कों की संख्या	धारित शेयरों की संख्या (भौतिक रूप में)	कुल शेयरधारिता का %
4,168	36,14,214	0.03

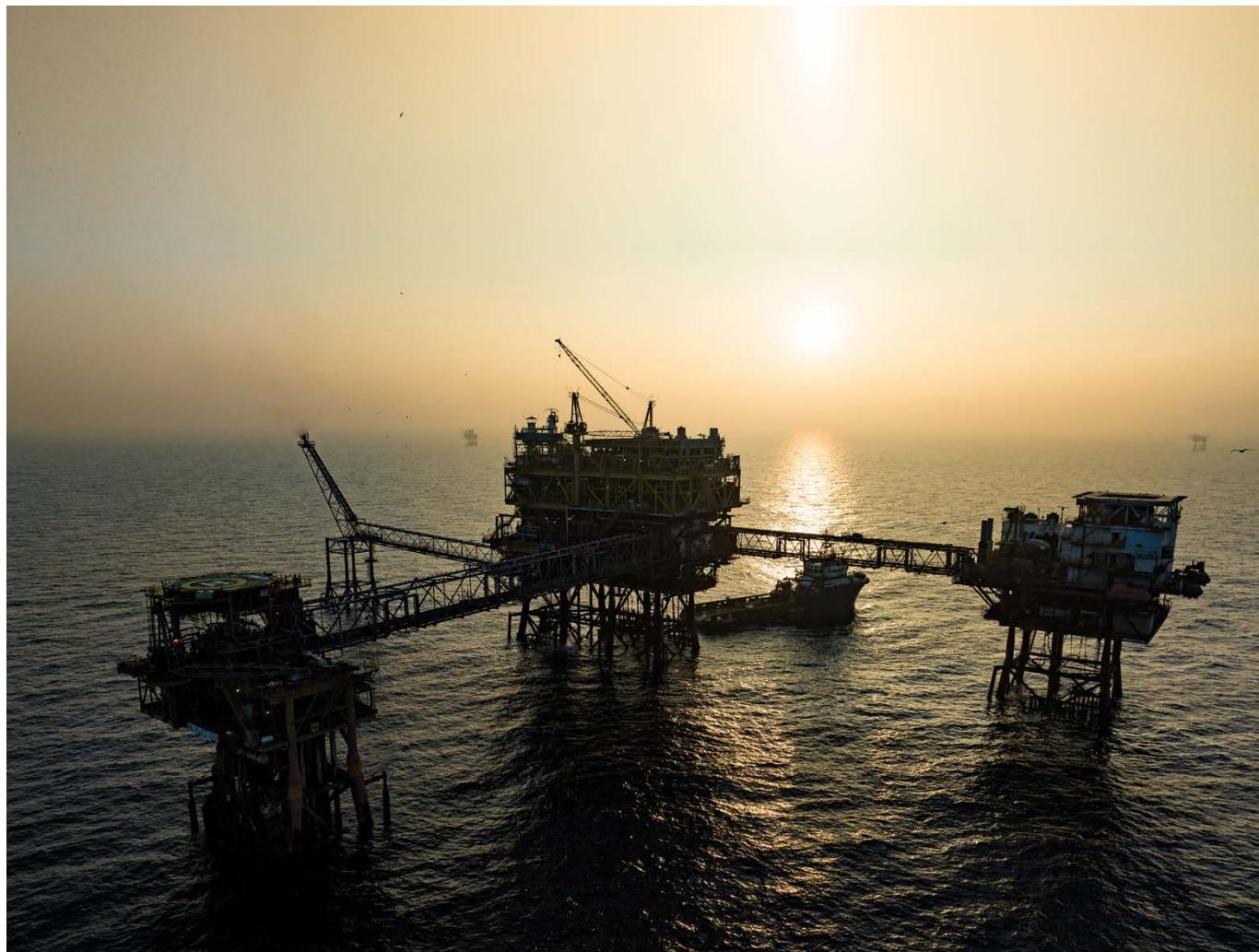
पुनः भौतिकीकरण तथा डुप्लिकेट शेयरों के निर्गम के लिए प्राप्त अनुरोधों की निगरानी प्रतिभूतियों के आवंटन तथा प्रमाण—पत्रों के निर्गम के लिए बोर्ड स्तर की समिति (सीएएसआईसी) द्वारा की जाती है।

सूचीबद्धता विनियमों के विनियम 40(9) तथा (10) के अनुसार, अभ्यासशील कंपनी सचिव से उक्त विनियमन के अनुपालन के संबंध में वार्षिक प्रमाण—पत्र स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत किया गया है।

इसके अतिरिक्त, सेबी (डिपॉजिटरी तथा प्रतिभागी) विनियम, 2018 के विनियम 76 के अनुपालन में, अभ्यासशील कंपनी सचिव द्वारा जारी तिमाही

शेयर पूंजी लेखा—परीक्षा रिपोर्ट, जिसमें पुष्टि की गई है कि कंपनी की कुल जारी पूंजी भौतिक रूप में शेयरों की कुल संख्या तथा एनएसडीएल तथा सीडीएसएल के पास रखे गए डीमैटरियलाइज़ड शेयरों की कुल संख्या के अनुरूप है, स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत की जाती है तथा बोर्ड के समक्ष भी रखी जाती है।

पिछले तीन (3) वित्तीय वर्षों (1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2024) के दौरान संसाधित किए गए हस्तांतरण कार्यों और हस्तांतरित शेयरों (भौतिक शेयर हस्तांतरण) की कुल संख्या थी: शून्य। कंपनी की प्रतिभूतियाँ अनिवार्य रूप से डीमैटरियलाइज़ड सेगमेंट में हैं और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) दोनों की डिपॉजिटरी सिस्टम में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं।



## 13.1 31 मार्च, 2024 तक शेयरधारिता पैटर्न

क्र. सं.	श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	इक्विटी का %
1	भारत के राष्ट्रपति	1	7,40,88,67,093	58.89
2	बीमा कंपनियाँ	32	1,39,16,07,153	11.06
3	विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	746	1,11,67,04,647	8.88
4	झांडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल)	1	98,68,85,142	7.84
5	गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया (गेल)	1	30,84,01,602	2.45
6	स्मृचुअल फंड	41	92,42,03,124	7.35
7	सार्वजनिक (व्यक्तिगत)	1751946	32,80,95,101	2.61
10	वित्तीय संस्थान/बैंक	12	15,28,436	0.01
11	अन्य निकाय कॉर्पोरेट	2414	2,18,92,962	0.17
13	निदेशक और उनके रिश्तेदार (स्वतंत्र निदेशकों और नामित निदेशकों को छोड़कर)	5	9,006	0.00
14	शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक	2	3,478	0.00
15	निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि	1	14,43,043	0.01
16	भविष्य निधि/पेंशन निधि	3	5,72,05,971	0.45
17	एन बीएफसी	8	52,095	0.00
18	वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ)	12	8,37,268	0.01
19	विदेशी नागरिक	5	14982245	0.12
20	अन्य	348434	17560840	0.14
	कुल	1790074	12,58,02,79,206	100.00

## 13.2 31 मार्च, 2024 तक शीर्ष 10 शेयरधारक

क्र. सं.	शेयरधारकों का नाम	धारित शेयरों की संख्या	कुल शेयरधारिता का %
1	भारत के राष्ट्रपति	7408867093	58.89
2	भारतीय जीवन बीमा निगम – पी एंड जीएस फंड	1219391280	9.69
3	झांडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	986885142	7.84
4	गेल (इंडिया) लिमिटेड	308401602	2.45
5	निपॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी लिमिटेड-ए/सी-निपॉन इंडिया निपटी 50 वैल्यू 20 इंडेक्स फंड	264696412	2.10
6	आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल वैल्यू डिस्कवरी फंड	246633888	1.96
7	एसबीआई एसएंडपी बीएसई 100 ईटीएफ	139420317	1.11
8	एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड ए/सी एचडीएफसी टॉप 100 फंड	79052030	0.63
9	वैनगार्ड टोटल इंटरनेशनल स्टॉक इंडेक्स फंड	53252529	0.42
10	वैनगार्ड इमर्जिंग मार्केट्स स्टॉक इंडेक्स फंड, वैनगार्ड इंटरनेशनल इक्विटी इंडेक्स फंड की एक श्रृंखला	51920860	0.41

\* एक ही पेन वाले फोलियो नंबर/डीपी आईडी को एक साथ नहीं जोड़ा जाता।



### 13.3 31 मार्च, 2024 तक आकार के अनुसार शेयरधारिता का वितरण

श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या			धारक का %	शेयरों की संख्या			शेयरधारिता का %
	भौतिक धारक	डीमैट धारक	कुल धारक		भौतिक धारक	डीमैट धारक	कुल धारक	
1 से 500	1712	1664614	1666248	93.08	230583	106181765	106412348	0.85
501 से 1000	296	65955	66242	3.70	228979	48340142	48569121	0.39
1001 से 2000	574	28582	29147	1.63	861514	41452208	42313722	0.34
2001 से 3000	69	9274	9339	0.52	173350	23459821	23633171	0.19
3001 से 4000	89	5095	5181	0.29	308634	18079493	18388127	0.15
4001 से 5000	63	3846	3909	0.22	277506	17677615	17955121	0.14
5001 से 10000	274	6770	7037	0.39	1511040	45272914	46783954	0.37
10001 से ऊपर	4	2971	2971	0.17	22608	12276201034	12276223642	97.58
कुल	<b>3081</b>	<b>1787107</b>	<b>1790074</b>	<b>100.00</b>	<b>3614214</b>	<b>12576664992</b>	<b>12580279206</b>	<b>100.00</b>

\*एक ही पैन वाले फोलियो नंबर/डीपी आईडी को एक साथ नहीं जोड़ा जाता।

### 13.4 31 मार्च, 2024 तक शेयरधारकों का भौगोलिक वितरण

क्र. सं.	शहर का नाम	कुल धारक*	प्रतिशत	कुल शेयर	प्रतिशत
1	नई दिल्ली	97727	5.33	7748483381	61.59
2	मुंबई	214600	11.71	4550227496	36.17
3	चेन्नै	48505	2.65	13095669	0.10
4	कलकत्ता	53476	2.92	20424192	0.16
5	अहमदाबाद	46716	2.55	20958321	0.17
6	बड़ौदा	28853	1.57	12154451	0.10
7	बंगलोर	67898	3.71	15314627	0.12
8	पुणे	56169	3.06	10435960	0.08
9	हैदराबाद	39270	2.14	9835153	0.08
10	अन्य	1179388	64.36	179349956	1.43
	कुल	<b>1832602</b>	<b>100.00</b>	<b>12580279206</b>	<b>100.00</b>

\*एक ही पैन वाले फोलियो नंबर/डीपी आईडी को एक साथ नहीं जोड़ा जाता।

### 13.5 शेयरों का डीमैटेरियलाइजेशन और लिकिविडी (31 मार्च, 2024 तक)

क्र. सं.	विवरण	फोलियो/धारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	कुल इक्विटी पुंजी का %
1	एनएसडीएल	545699	3484399703	27.70
2	सीडीएसएल	1282735	9092265289	72.27
3	भौतिक	4168	3614214	0.03
	कुल	<b>1832602</b>	<b>12580279206</b>	<b>100.00</b>

## 13.6 प्रदत्त इकिवटी शेयर पूँजी का इतिहास

वर्ष	शेयरों की संख्या	संचयी	विवरण
1993-94	10	10	23 जून, 1993 को एसोसिएशन के ज्ञापन की प्रारंभिक सदस्यता।
1993-94	342,853,716	342,853,726	तेल और प्राकृतिक गैस आयोग (उपक्रम का हस्तांतरण और निरसन) अधिनियम, 1993 के अनुसार तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के उपक्रम के हस्तांतरण पर 01 फरवरी, 1994 को भारत के राष्ट्रपति को जारी किया गया।
1994-95	6,639,300	349,493,026	कर्मचारियों को ₹ 260 प्रति शेयर के प्रीमियम पर जारी किया गया (इसमें 1995-96 में जारी 600 शेयर शामिल हैं)।
1995-96	1,076,440,966	1,425,933,992	जनरल रिजर्व के पूँजीकरण द्वारा 24 अप्रैल, 1995 को 3.08:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए।
2006-07	(18,972)	1,425,915,020	12 अप्रैल, 2006 को शेयरों की जब्ती।
	712,957,510	2,138,872,530	जनरल रिजर्व के पूँजीकरण द्वारा 08 नवंबर, 2006 को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए।
2010-11	6,416,617,590	8,555,490,120	कंपनी के प्रत्येक इकिवटी शेयर को ₹ 10 के अंकित मूल्य से ₹ 5 के अंकित मूल्य के दो इकिवटी शेयरों में विभाजित किया गया। 09 फरवरी, 2011 (रिकॉर्ड तिथि) को शेयरधारकों को रिजर्व के पूँजीकरण द्वारा 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए।
2016-17	4,277,745,060	12,833,235,180	18 दिसंबर, 2016 को सामान्य रिजर्व के पूँजीकरण द्वारा 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए।
2018-19	(252,955,974)	12,580,279,206	₹ 159/- प्रति शेयर (पूर्व-खरीद पूँजी का 1.97:) की दर से शेयरों की पुनर्खरीद। 22 फरवरी, 2019 को पुनर्खरीद पूरी हुई।

## 14. पिछले 7 वर्षों का लाभांश इतिहास:

वर्ष	दर (%)	प्रति शेयर (₹)	राशि (मिलियन ₹ में)
<b>2016-17</b>			
पहला अंतिम	90	4.50	38,499.71
दूसरा अंतिम (बोनस के बाद)	45	2.25	28,874.78
अंतिम	16	0.80	10,266.61
<b>2017-18</b>			
पहला अंतिम	60	3.00	38,499.71
दूसरा अंतिम (बोनस के बाद)	45	2.25	28,874.89
अंतिम	27	1.35	17324.87
<b>2018-19</b>			
पहला अंतिम	105	5.25	66046.53
दूसरा अंतिम	20	1.00	12580.28
अंतिम	15	0.75	9435.21
<b>2019-20</b>			
अंतिम	100	5.00	62,901.40

वर्ष	दर (%)	प्रति शेयर (₹)	राशि (मिलियन ₹ में)
<b>2020-21</b>			
अंतिम	35	1.75	22,015.49
अंतिम	37	1.85	23,273.51
<b>2021-22</b>			
पहला अंतिम	110	5.50	69,191.53
दूसरा अंतिम	35	1.75	22,015.48
अंतिम	65	3.25	40,885.91
<b>2022-23</b>			
पहला अंतिम	135	6.75	84,916.88
दूसरा अंतिम	80	4.00	50,321.12
अंतिम	10	0.50	6,290.14
<b>2023-2024</b>			
पहला अंतिम	115	5.75	
दूसरा अंतिम	80	4.00	50,321.12



## 15. निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ)

### 15.1 वित्त वर्ष 2024 के दौरान आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित अवैतनिक लाभांश और शेयर

निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, हस्तांतरण और वापसी) नियम, 2016 ("आईईपीएफ नियम") के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 124 और 125 के अनुसार, यदि अवैतनिक लाभांश खाते में हस्तांतरण की तारीख से सात वर्ष की अवधि के लिए लाभांश का दावा नहीं किया जाता है, तो उसे आईईपीएफ में स्थानांतरित किया जा सकता है। इसके अलावा, वे सभी शेयर जिनके संबंध में अवैतनिक लाभांश खाते में हस्तांतरण की तारीख से लगातार सात साल या उससे अधिक समय तक लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है या दावा नहीं किया गया है, उन्हें भी आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित किया जाएगा। उक्त आवश्यकता उन शेयरों पर लागू नहीं होती है जिनके संबंध में न्यायालय, न्यायाधिकरण या वैधानिक प्राधिकरण का कोई विशिष्ट आदेश है, जो शेयरों के किसी भी हस्तांतरण को रोकता है।

शेयरधारकों के हित में कंपनी आईईपीएफ प्राधिकरण को लाभांश/शेयरों के हस्तांतरण से बचने के लिए शेयरधारकों को उनके लाभांश का दावा करने के लिए आवधिक अनुस्मारक भेजती है। इस संबंध में समाचार पत्रों में भी नोटिस प्रकाशित किए जाते हैं और दावा न किए गए लाभांश और शेयरधारकों जिनके शेयर आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित किए जाने योग्य हैं का विवरण कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है।

उर्प्युक्त प्रावधानों के आलोक में, कंपनी ने सात वर्षों से बकाया दावा न किए गए लाभांश को आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित कर दिया है। इसके अलावा, कंपनी के शेयर, जिनके संबंध में अवैतनिक लाभांश खाते में हस्तांतरण की तारीख से लगातार सात वर्षों या

उससे अधिक समय तक लाभांश का दावा नहीं किया गया है, उन्हें भी आईईपीएफ प्राधिकरण के डीमैट खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान, अवैतनिक/अवैतनिक लाभांश और शेयरों की निम्नलिखित राशि केंद्र सरकार द्वारा स्थापित आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित की गई है।

वित्तीय वर्ष	घोषणा की तिथि	आईईपीएफ में हस्तांतरित राशि (₹ में राशि)	आईईपीएफ में हस्तांतरित शेयरों की संख्या
2015-16 (दूसरा अन्तरिम)	09.03.2016	37,34,723	80,673
2015-16 (अंतिम)	08.09.2016	1,39,43,675	40,002
दावा न किए गए लाभांश की कुल राशि		<b>1,76,78,398</b>	<b>120,745</b>

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2017 (दो अंतरिम और एक अंतिम लाभांश) और वित्त वर्ष 2018 (एक अंतरिम लाभांश) के दौरान घोषित दावा न किए गए अवैतनिक लाभांश को वित्त वर्ष 2025 के दौरान आईईपीएफ में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

कंपनी के नोडल अधिकारी और उप नोडल अधिकारी का विवरण और अवैतनिक लाभांश राशि और आईईपीएफ में स्थानांतरित शेयरों से संबंधित अन्य विवरण वेबसाइट <https://ongcindia.com/web/eng/investors/transfer-of-shares-to-ief> पर उपलब्ध हैं।

<b>नोडल अधिकारी:</b> श्री रजनी कांत कंपनी सचिव फोन नंबर: +91 11 26754002 ईमेल आईडी: <a href="mailto:secretariat@ongc.co.in">secretariat@ongc.co.in</a>	<b>उप नोडल अधिकारी:</b> श्री शशि भूषण सिंह उप कंपनी सचिव फोन नंबर: +91 11 26754092 ईमेल आईडी: <a href="mailto:secretariat@ongc.co.in">secretariat@ongc.co.in</a>
--	---

#### 31.03.2024 तक अवैतनिक लाभांश खातों में शेष राशि

वर्ष	लाभांश का प्रकार	राशि (₹ में)
2016-17	अंतरिम	1,84,01,859.00
	अंतरिम-II	1,51,42,205.00
	अंतिम	64,47,295.00
2017-18	अंतरिम-I	1,93,03,692.00
	अंतरिम-II	1,51,39,361.00
	अंतिम	1,17,48,558.00
2018-19	अंतरिम-I	2,84,97,200.00
	अंतरिम-II	64,55,920.00
	अंतिम	49,44,292.00

वर्ष	लाभांश का प्रकार	राशि (₹ में)
2019-20	अंतरिम	4,73,73,350.00
2020-21	अंतरिम	1,61,45,336.00
	अंतिम	1,39,59,523.00
2021-22	अंतरिम-I	2,36,01,076.00
	अंतरिम-II	82,90,414.00
	अंतिम	1,51,08,578.00
2022-23	अंतरिम-I	2,59,21,157.00
	अंतरिम-II	1,69,81,558.00
	अंतिम	29,59,833.00
2023-24	अंतरिम-I	2,07,34,803.00
	अंतरिम-II	2,13,86,878.00
<b>कुल</b>		<b>33,85,42,888.00</b>

## 16. बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या परिवर्तनीय उपकरण

वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान कंपनी द्वारा कोई जीडीआर/एडीआर/वारंट या परिवर्तनीय उपकरण जारी नहीं किए गए हैं।

## 17. क्रेडिट रेटिंग

बोर्ड की रिपोर्ट के पैरा 23 में क्रेडिट रेटिंग की जानकारी दी गई है।

## 18. परिसंपत्तियां/ बेसिन/ संयंत्र/ संस्थान

परिसंपत्तियां	बेसिन	संयंत्र	संस्थान
1. मुंबई हाई परिसंपत्ति, मुंबई	1. पश्चिमी अपटटीय बेसिन, मुंबई	1. उरण प्लांट, महाराष्ट्र	1. केशव देव मालवीय पेट्रोलियम अन्वेषण संस्थान (केडीएमआईपीई), देहरादून
2. नीलम और हीरा परिसंपत्ति, मुंबई	2. पश्चिमी अभितटीय बेसिन, वडोदरा	2. हजीरा प्लांट, गुजरात	2. वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी), देहरादून
3. बेसिन और सैटेलाइट परिसंपत्ति, मुंबई	3. केंजी-पीजी बेसिन, चेन्नई	3. सी2 सी3 प्लांट, दहेज, गुजरात	3. आगार अध्ययन संस्थान (आईआरएस), अहमदाबाद
4. पूर्वी अपतट परिसंपत्ति, काकीनाडा	4. कावेरी बेसिन, चेन्नै		4. पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग और महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीईओटी), नवी मुंबई
5. अहमदाबाद परिसंपत्ति, अहमदाबाद	5. असम और असम अरकान, बेसिन, जोरहाट		5. भू-डेटा प्रसंस्करण और व्याख्या केंद्र, (जीईओपीआईसी), देहरादून
6. अंकलेश्वर परिसंपत्ति, अंकलेश्वर	6. एमबीए बेसिन, कोलकाता		6. पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम), गोवा
7. मेहसाणा परिसंपत्ति, मेहसाणा	7. फंटियर बेसिन, देहरादून		7. जैव प्रौद्योगिकी और भू-विवर्तनिकी अध्ययन संस्थान (आईएनबीआईजीएस), जोरहाट
8. राजमहेन्द्री परिसंपत्ति, राजमहेन्द्री	8. सिलचर बेसिन, असम		8. वेल लॉगिंग में उत्कृष्टता केंद्र (सीईवेल), वडोदरा
9. कावेरी परिसंपत्ति, कारैक्काल	9. पश्चिमी अभितट, जोधपुर		
10. असम परिसंपत्ति, नाजिरा			
11. त्रिपुरा परिसंपत्ति, अगरतला			
12. कैम्बे परिसंपत्ति, कैम्बे			
13. सोबीएम परिसंपत्ति, बोकारो			
14. जोरहाट परिसंपत्ति, जोरहाट			



## 19. इनसाइडर ट्रेडिंग पर कोड

कंपनी के पास इनसाइडर ट्रेडिंग (पीआईटी) के निषेध पर नीति है और उक्त नीति को <https://ongcindia.com/web/eng/investors/policies> पर देखा जा सकता है। कंपनी अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) को कैचर करने के लिए संरचनात्मक डिजिटल डेटाबेस (एसडीटी) बनाए रखती रही है।

इसके अलावा, कंपनी ने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए एक आचार संहिता अपनाई है। आचार संहिता में उचित प्रतिबंधात्मक नियम रखे गए हैं ताकि अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

## 20. डीपीई द्वारा निगमित अभिशासन पर दिशा निर्देश

कंपनी, एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) होने के नाते, सीपीएसई 2010 के लिए निगमित अभिशासन पर दिशानिर्देशों द्वारा शासित है।

वित्त वर्ष 2024 के दौरान कोई राष्ट्रपति निर्देश जारी नहीं किए गए हैं।

खातों की पुस्तकों में व्यय की कोई भी वस्तु डेबिट नहीं की गई है, जो व्यवसाय के उद्देश्य से नहीं है। निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए कोई भी व्यय, जो व्यक्तिगत प्रकृति का है, नहीं किया गया है। सामान्य प्रशासनिक व्यय वित्त वर्ष 2024 के दौरान कुल व्यय का 3.98% था, जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह 3.88% (पुनः घोषित) था। सामान्य मुद्रास्फीति के कारण व्यय में मामूली वृद्धि हुई है।

## 21. वैधानिक लेखा-परीक्षकों को शुल्क

कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा सांविधिक लेखा परीक्षकों और नेटवर्क फर्मनेटवर्क इकाई, जिसका सांविधिक लेखा परीक्षक हिस्सा है, की सभी संस्थाओं को समेकित आधार पर भुगतान की गई सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क का व्यौरा निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

वैधानिक लेखा-परीक्षकों को भुगतान	वर्ष समाप्त 31.03.2024	वर्ष समाप्त 31.03.2023
लेखा-परीक्षा शुल्क	38.94	38.94
प्रमाणन और अन्य सेवाएँ	16.34	16.14
यात्रा और जेब से होने वाले खर्च	26.02	18.58
<b>कुल</b>	<b>81.30</b>	<b>73.66</b>

## 22. यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें

यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों का विवरण बोर्ड की रिपोर्ट के पैरा 38 में दिया गया है।

## 23 गैर-अनिवार्य आवश्यकताओं को अपनाना

- 23.1 आंतरिक लेखा-परीक्षक की रिपोर्टिंग: मुख्य आंतरिक लेखा-परीक्षा सीधे लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट करती है;
- 23.2 समिति संरचना में स्वतंत्रतारूप समिति संरचना में स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए, बोर्ड स्तर की समितियों में नामित स्वतंत्र निदेशकों की संख्या वैधानिक रूप से आवश्यक संख्या से अधिक है; और
- 23.3 अपरिवर्तित लेखा-परीक्षा राय/रिपोर्टिंग।

## 24. बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आचार संहिता

सूचीबद्ध विनियमों के विनियमन 26(3) के अनुसार, बोर्ड के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने कंपनी की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है, जैसा कि कंपनी की वेबसाइट [www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) पर दिया गया है।

सीईओ द्वारा 08 मई, 2024 को हस्ताक्षरित एक घोषणा नीचे दी गई है:

“मैं एतद्वारा पुष्टि करता हूं कि कंपनी ने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों (मुख्य कार्यकारी अधिकारियों) से पुष्टि प्राप्त कर ली है कि उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023–24 के संबंध में बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए आचार संहिता की शर्तों का अनुपालन किया है।”

## 25. अनुपालन प्रमाण—पत्र

एसजीएस एसोसिएट्स एलएलपी, कंपनी सेक्रेटरीज (सीएस) से प्रमाण पत्र, सूचीबद्ध विनियमों की अनुसूची V (ड) के तहत निर्धारित निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए, इस रिपोर्ट के अनुलग्नक—के रूप में संलग्न है।

इसके अलावा एसजीएस एसोसिएट्स एलएलपी, कंपनी सेक्रेटरीज (सीएस) ने सूचीबद्ध विनियमों की अनुसूची V पैरा सी खंड (10) (i) के तहत आवश्यक 14 जून, 2024 को निदेशकों की गैर-अयोग्यता का प्रमाण पत्र भी जारी किया है, जो पुष्टि करता है कि कंपनी के बोर्ड के किसी भी निदेशक को सेबी/निगमित मामलों के मंत्रालय या किसी ऐसे वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनियों के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है। प्रमाण पत्र अनुलग्नक—ख के रूप में संलग्न है।

## 26. प्रैक्टिस कर रहे कंपनी सचिव से सचिवीय लेखा—परीक्षा रिपोर्ट और प्रमाण—पत्र

कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों और निगमित अभिशासन 2010 पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन के संबंध में मेसर्स जेएमसी एंड एसोसिएट्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्ट्रीज द्वारा सचिवीय ऑडिट किया गया है। सचिवीय लेखा—परीक्षा रिपोर्ट बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा है।

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 24क की आवश्यकताओं के संदर्भ में, मेसर्स जेएमसी एंड एसोसिएट्स ने लागू सेबी दिशानिर्देशों से संबंधित अनुपालन की जांच की है और वार्षिक सचिवीय अनुपालन रिपोर्ट जारी की है, जिसे 28 मई, 2024 को स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत किया गया था।

## 27. पैन, केवाईसी विवरण और नामांकन अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना

प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के लिए कारोबार करने में आसानी बढ़ाने के अपने सतत उपाय के तहत सेबी ने सेबी/एचओ/एमआईआरएसडी/पीओडी-1/पी/सीआईआर/2024/ 37 दिनांक 07 मई, 2024 के माध्यम से एक मास्टर परिपत्र जारी किया है, जिसमें आरटीए द्वारा निवेशक के सेवा अनुरोध को संसाधित करने के लिए “सामान्य और सरलीकृत मानदंड तथा पैन, केवाईसी विवरण और नामांकन प्रस्तुत करने के मानदंड” प्रदान किए गए हैं।

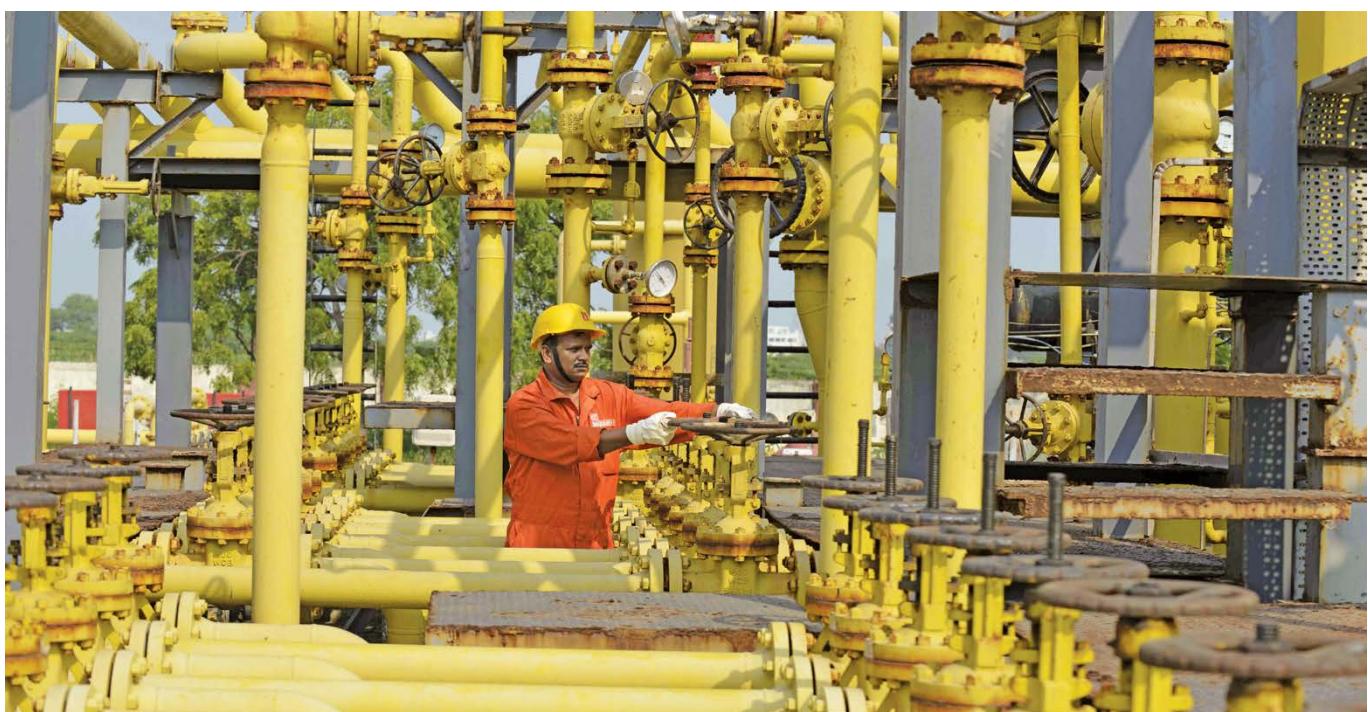
उपर्युक्त सेबी परिपत्र के महेनजर पैन, केवाईसी बैंक विवरण और नामांकन के पंजीकरण/अद्यतन के लिए निवेशक सेवा अनुरोध फॉर्म कंपनी की वेबसाइट [www.ongcindia.com/web/eng/w/nomination-form-shareholders](http://www.ongcindia.com/web/eng/w/nomination-form-shareholders) पर उपलब्ध हैं।

## 28. स्टॉक एक्सचेंज में विवाद समाधान तंत्र: –

सेबी ने भारतीय प्रतिभूति बाजार में उत्पन्न होने वाले विवादों के समाधान के लिए एक सामान्य ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल (“ओडीआर पोर्टल”) स्थापित किया है। निवेशक सेबी परिपत्र द्वारा जारी रूपरेखा के अनुसार ओडीआर पोर्टल (<https://smartodr-in/login>) के माध्यम से विवाद समाधान आरंभ कर सकते हैं और ओडीआर पोर्टल का विवरण <https://ongcindia-com/web/eng/odr&portal&for&investors> पर भी देखा जा सकता है।

इसके अलावा, स्टॉक एक्सचेंजों में विवाद समाधान तंत्र के बारे में सूचित करते हुए शेयरधारकों को एक संचार भी भेजा गया था। अधिक जानकारी के लिए, शेयरधारक स्टॉक एक्सचेंजों के निम्नलिखित वेब लिंक पर पहुँच सकते हैं:-

बीएसई – <http://tiny-cc/m1l2vz> एनएसई – <http://tiny-cc/s1l2vz>





अनुलग्नक – क

## निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन पर प्रमाण–पत्र

सदस्य

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

नई दिल्ली

सीआईएन: L74899DL1993GOI054155

मैंने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वर्ष के दौरान लागू सीमा तक विनियमन 17 से 27, विनियमन 46 के उप-विनियमन (2) के खंड (ख) से (ज्ञ) और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ('सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं') विनियम, 2015 ('सूचीबद्धता विनियम') की अनुसूची V के पैराग्राफ ग, घ और ड में निर्धारित निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन को प्रमाणित करने के उद्देश्य से ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (कंपनी) के सभी प्रासंगिक रिकॉर्ड की जांच की है।

मैंने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार प्रमाणन के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे। निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

मेरी जांच निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन तक सीमित थी।

मैं प्रमाणित करता हूँ कि कंपनी ने सूचीबद्ध विनियमों के तहत निर्धारित निगमित अभिशासन की सभी लागू शर्तों का अनुपालन किया है, सिवाय निम्नलिखित के:

- (i) सूचीबद्ध विनियमों के खंड 17(1)(ख) के अनुसार बोर्ड की संरचना – 05 मई, 2023 से 31 जनवरी, 2024 की अवधि के दौरान स्वतंत्र निदेशकों की संख्या निदेशक मंडल के पचास प्रतिशत से कम थी।

हस्ता/-

दामोदर प्रसाद गुप्ता

प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव

सदस्यता संख्या FCS 2411

प्रैक्टिस सर्टिफिकेट नंबर 1509

आईसीएसआई यूडीआईएन नंबर F002411F000573421

आईसीएसआई पीआर नंबर 5321/2023

दिनांक : 14 जून, 2024

स्थान : नई दिल्ली



## निदेशकों की अयोग्यता न होने का प्रमाण पत्र

अनुलग्नक – ख

(सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 34(3) और अनुसूची V पैरा सी खंड (10)(i) के अनुसार)

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सदस्य  
प्लॉट नंबर 5ए-5बी, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070

हमने ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के निदेशकों से प्राप्त प्रासंगिक रजिस्टरों, अभिलेखों, प्रपत्रों, रिटर्न और प्रकटीकरणों की जांच की है, जिसका सीआईएन L74899DL1993GOI054155 है और जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट नंबर 5क-5ख, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070 में है (जिसे आगे 'कंपनी' कहा जाएगा), जो इस प्रमाण-पत्र को जारी करने के उद्देश्य से कंपनी द्वारा हमारे समक्ष प्रस्तुत किया गया था, भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 की अनुसूची V पैरा-सी उप खंड 10(i) के साथ पठित विनियम 34(3) के अनुसार।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और पोर्टल ([www.mca.gov.in](http://www.mca.gov.in)) पर आवश्यक समझे गए सत्यापन (निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन) रिथ्टि सहित) और कंपनी और उसके अधिकारियों द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि 31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए नीचे बताए अनुसार कंपनी के बोर्ड के किसी भी निदेशक को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, निगमित मामलों के मंत्रालय या किसी अन्य ऐसे वैधानिक प्राधिकरण द्वारा निदेशक के रूप में नियुक्त होने या जारी रखने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है: –

क्र.सं.	निदेशक का नाम	डीआईएन	कंपनी में नियुक्ति की तिथि
1.	श्री अरुण कुमार सिंह	06646894	07/12/2022
2.	श्री ओम प्रकाश सिंह	08704968	01/04/2020
3.	श्री पंकज कुमार	09252235	04/09/2021
4.	श्री मनीष पाटील	10139350	05/05/2023
5.	सुश्री सुषमा रावत	09361428	01/01/2023
6.	श्री प्रवीण मल खनूजा	09746472	23/09/2022
7.	श्री श्यामचंद घोष	09396486	14/11/2021
8.	श्री वैश्यराजू अजीत कुमार राजू	09396500	14/11/2021
9.	श्री मनीष पारीक	09396501	14/11/2021
10.	सुश्री रीना जेटली	06853063	14/11/2021
11.	डॉ. प्रभास्कर राय	09453169	31/12/2021
12.	डॉ. माधव सिंह	09489194	02/02/2022
13.	*सुश्री. पोमिला जसपाल	08436633	19/04/2022

\*वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान कंपनी के निदेशक पद से मुक्त हो गए हैं।

बोर्ड में प्रत्येक निदेशक की नियुक्तिधनिरंतरता के लिए पात्रता सुनिश्चित करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सत्यापन के आधार पर इन पर राय व्यक्त करें। यह प्रमाण-पत्र न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते एसजीएस एसोसिएट्स एलएलपी  
कंपनी सचिव  
एफआरएन L2021DE011600

हस्ता/-

सीएस डी.पी. गुप्ता  
एफसीएस: 2411 (एम.नं.: 1509)  
आईसीएसआई पीआर: 5321/2023  
आईसीएसआई यूडीआईएन: F002411F000573511

दिनांक : 14 जून, 2024

स्थान : नई दिल्ली



## एकल वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की रिपोर्ट

### ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्यों को

#### एकल वित्तीय विवरणों की लेखा—परीक्षा पर रिपोर्ट

##### 1. राय

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड ("कंपनी") के साथ दिए गए एकल वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च, 2024 तक के तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इकिवटी में परिवर्तन का विवरण और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का विवरण, और एकल वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणियां शामिल हैं, जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है (जिसे आगे एकल वित्तीय विवरण के रूप में संदर्भित किया गया है)। हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त एकल वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 (जिसे आगे "अधिनियम" के रूप में संदर्भित किया गया है) द्वारा अपेक्षित तरीके से जानकारी देते हैं और कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, जैसा कि संशोधित किया गया है, (जिसे आगे "भारतीय लेखांकन मानक" के रूप में संदर्भित किया गया है) और भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले अन्य लेखांकन सिद्धांतों, 31 मार्च, 2024 तक कंपनी के मामलों की स्थिति और उसके लाभ, अन्य व्यापक आय, इकिवटी में बदलाव और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए इसके नकदी प्रवाह।

##### 2. राय का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखा—परीक्षा के मानकों (जिन्हें आगे "एस.ए." कहा जाएगा) के अनुसार एकल

वित्तीय विवरणों की अपनी लेखा—परीक्षा की। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के एकल वित्तीय विवरणों की लेखा—परीक्षा के लिए लेखा—परीक्षक की जिम्मेदारियों में आगे वर्णित किया गया है। हम भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (जिसे आगे "आईसीएआई" कहा जाएगा) द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं, साथ ही अधिनियम के प्रावधानों और इसके तहत बनाए गए नियमों के तहत एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा—परीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ, और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है।

##### 3. मामले पर जोर

हम उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अपतटीय क्षेत्रों में कुछ विकास या विकसित क्षेत्रों में किए गए सर्वेक्षण लागत के संबंध में पूर्व अवधियों की त्रुटि के सुधार के कारण पिछले अवधि के वित्तीय विवरणों के पुनर्कथन के संबंध में एकल वित्तीय विवरणों के टिप्पणी संख्या 54 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। एकल वित्तीय विवरणों पर हमारी राय इस मामले के संबंध में संशोधित नहीं है।

##### 4. मुख्य लेखा—परीक्षा मामला

मुख्य लेखा—परीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा—परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को एकल वित्तीय विवरणों की हमारी समग्र लेखा—परीक्षा के संदर्भ में और उस पर हमारी राय बनाने में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर अलग से राय नहीं देते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को अपनी रिपोर्ट में बताए जाने वाले मुख्य लेखा—परीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

क्र.सं.	मुख्य लेखा—परीक्षा मामला	हमारे लेखा—परीक्षा ने मामले को कैसे संबोधित किया
1	<p>मूर्त और अमूर्त परिसंपत्तियों के लिए हानि के लिए प्रावधान की पर्याप्तता का मूल्यांकन (एकल वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी 47 देखें)</p> <p>प्रबंधन ने मूल्यांकन किया है कि क्या मूर्त और अमूर्त परिसंपत्तियों की हानि के कारण किसी प्रावधान को मान्यता देने की आवश्यकता है।</p> <p>कंपनी अपनी मूर्त और अमूर्त परिसंपत्तियों (पूजीगत कार्य—प्रगति (सीडब्ल्यूआईपी) और विकास कुओं की प्रगति (डीडब्ल्यूआईपी), अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पूजीगत कार्य—प्रगति, उपयोग के अधिकार की परिसंपत्तियों सहित) सहित तेल और गैस परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निर्धारित “नकदी उत्पादक इकाई” (सीजीयू) के लिए करती है ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या काई संकेत है कि उन परिसंपत्तियों को कोई हानि हुई है।</p> <p>तेल और गैस मूल्य धारणाओं का सीजीयू हानि आकलन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है और वे स्वाभाविक रूप से अनिश्चित हैं। इसके अलावा, तेल और गैस की कीमतों अधिसूचित गैस की कीमतों, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और वैशिक ऊर्जा संक्रमण सहित नियामक दिशानिर्देशों को देखते हुए अनिश्चितता में वृद्धि के अधीन हैं।</p> <p>भविष्य में तेल और गैस की कीमतों के लिए प्रबंधन की धारणाएँ अत्यधिक निर्णयात्मक हैं और उपरोक्त कारकों को प्रतिबिधित नहीं कर सकती हैं, जिससे वित्तीय प्रदर्शन और स्थिति के भौतिक गलत विवरण का जोखिम हो सकता है।</p> <p>इसमें शामिल लंबी समय—सीमा को देखते हुए, परिसंपत्तियों की कुछ वसूली योग्य मात्राएँ लागू छूट दर के प्रति संवेदनशील हैं। चूंकि उचित छूट दर का निर्धारण निर्णयात्मक होता है, इसलिए यह जोखिम होता है कि छूट दरें बाजार द्वारा अपेक्षित प्रतिफल तथा छूट प्राप्त नकदी प्रवाह में निहित जोखिमों को प्रतिबिधित न करें, जिससे भौतिक गलत विवरण हो सकता है।</p> <p>क्षति आकलन तथा मूल्यांकन के लिए एक प्रमुख इनपुट उत्पादन पूर्वानुमान है, जो बदले में कंपनी के भंडार अनुमानों, उत्पादन प्रोफाइल तथा तेल और गैस के संदर्भ में क्षेत्र विकास मान्यताओं से निकटता से संबंधित है।</p> <p>उचित मूल्य में से जो अधिक हो, बिक्री लागत तथा उपयोग में मूल्य में से जो अधिक हो, उसका निर्धारण उक्त विचार—विमर्श किए गए कारकों पर आधारित होता है, जिसके लिए प्रबंधन की ओर से निर्णय की आवश्यकता होती है।</p> <p>अन्य तेल और गैस परिसंपत्तियों सहित अन्येषण तथा मूल्यांकन परिसंपत्तियों के मामले में, प्रबंधन के निर्णय के आधार पर, हानि के लिए मूल्यांकन तब किया जाता है, जब निकट भविष्य में आगे अन्येषण गतिविधियों की योजना नहीं बनाई जाती है या जब पर्याप्त डेटा यह संकेत देता है कि यद्यपि विकास आगे बढ़ने की संभावना है, लेकिन अन्येषण परिसंपत्ति की वहन राशि सफल विकास या बिक्री से पूरी तरह से वसूल होने की संभावना नहीं है।</p> <p>उपर्युक्त कारकों के आधार पर, हमने हानि के मापन को मुख्य लेखा—परीक्षा मामले के रूप में माना है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल थे:</p> <p>सीजीयू अन्येषण और मूल्यांकन परिसंपत्तियों की प्रबंधन की पहचान की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया और प्रासंगिक वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों द्वारा अपेक्षित हानि के संकेतकों सहित हानि मूल्यांकन प्रक्रिया पर नियंत्रण की प्रचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया।</p> <p>भविष्य में तेल और गैस की कीमतों के लिए धारणाओं (प्रासंगिक विनियामक दिशानिर्देशों सहित) के संबंध में प्रबंधन द्वारा किए गए निर्णयों और निर्णयों की तर्कसंगतता की समीक्षा की ताकि यह पता लगाया जा सके कि सभावित प्रबंधन पूर्वाग्रह के संकेतक हैं या नहीं और तदनुसार भविष्य में तेल और गैस की कीमतों के लिए प्रबंधन की धारणाओं पर भरोसा किया।</p> <p>अनुमान में उपयोग की गई छूट दरों की उपयुक्तता की समीक्षा की। प्रबंधन द्वारा हमें दिखाए गए तेल और गैस के भंडार और उत्पादन प्रोफाइल के संबंध में प्रबंधन के तकनीकी मूल्यांकन पर भरोसा किया।</p> <p>नकदी प्रवाह मॉडल की गणितीय सटीकता का परीक्षण किया और संबंधित प्रकटीकरणों की उपयुक्तता की जाँच की। हमने लेखा बही में संबंधित सीजीयू की वहन राशि के साथ वसूली योग्य राशि की तुलना सहित प्रबंधन के मूल्यांकन और हानि की संबंधित गणनाओं का मूल्यांकन किया।</p> <p>अन्येषण गतिविधियों से संबंधित भविष्य की योजनाओं पर काम किया गया। इसके अलावा, हमने प्रबंधन के इस आकलन पर भरोसा किया है कि खनन पट्टा (एमएल) / पेट्रोलियम खनन पट्टा (पीएमएल) फिर से प्रदान किया जाएगा, जहां भी समाप्त हो गया है / निकट भविष्य में समाप्त हो रहा है।</p>



क्र.सं.	मुख्य लेखा—परीक्षा मामला	हमारे लेखा—परीक्षा ने मामले को कैसे संबोधित किया
2	<p><b>2 डीकमीशनिंग देयता का अनुमान</b>          (एकल वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी 24 देखें)</p> <p>कंपनी का दायित्व है कि वह कंपनी द्वारा प्रचालित परिसंपत्ति/क्षेत्रों को उनके उपयोग के अंत में बहाल और पुनर्वासित करे। यह डीकमीशनिंग देयता इस दायित्व को पूरा करने के लिए आवश्यक लागतों के अनुमानों के आधार पर दर्ज की जाती है।</p> <p>प्रावधान वर्तमान लागत अनुमानों पर आधारित है और वर्तमान कानूनी आवश्यकताओं और प्रौद्योगिकी परिवर्तनों के संदर्भ में रियायती आधार पर निर्धारित किया गया है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर डीकमीशनिंग देयता की समीक्षा की जाती है और अवलोकनीय मान्यताओं, समय और रिपोर्टिंग तिथि पर होने वाली लागतों के नवीनतम अनुमानों में परिवर्तनों के अनुरूप पुनः मापा जाता है।</p> <p>हमने डीकमीशनिंग लागतों के मापन को मुख्य लेखा—परीक्षा मामले के रूप में माना है क्योंकि इसके लिए महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है, जिसमें लेखांकन गणना और अनुमान शामिल हैं जिसमें उच्च अनुमान अनिश्चितता शामिल है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल थे:</p> <p>डीकमीशनिंग की अपेक्षित लागतों का निर्धारण करने में प्रबंधन द्वारा अपनाए गए ट्रॉटिंग का मूल्यांकन किया।</p> <p>प्रयोग की गई लागत मान्यताओं की पहचान की जिनका प्रावधानों पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है और इन मान्यताओं की उपयुक्तता का परीक्षण किया।</p> <p>अनुमान में उपयोग की गई छूट और मुद्रास्फीति दरों की उपयुक्तता की समीक्षा की।</p> <p>व्याज की समाप्ति के साथ—साथ यह भी सत्यापित किया कि क्या वर्ष के दौरान कोई बहाली की गई थी।</p> <p>प्रबंधन द्वारा अनुमानित उत्पादन प्रोफाइल के संबंध में तकनीकी मूल्यांकन पर भरोसा किया, जिसके आधार पर डीकमीशनिंग के लिए परिसंपत्ति/क्षेत्रों के अंतिम वर्ष का अनुमान लगाया गया है।</p> <p>प्रबंधन के इस आकलन पर भरोसा किया कि खनन पट्टा (एमएल)/पेट्रोलियम खनन पट्टा (पीएमएल) प्रबंधन द्वारा अनुमानित क्षेत्र के अंतिम वर्ष तक पुनः प्रदान किया जाएगा।</p> <p>तकनीकी/वाणिज्यिक मूल्यांकन के उद्देश्य से आंतरिक/बाहरी विशेषज्ञों के निर्णयों पर भरोसा किया।</p> <p>वित्तीय विवरणों में किए गए प्रकटीकरणों की उपयुक्तता का आकलन किया।</p>
3	<p><b>मुकदमेबाजी और दावे</b>          (एकल वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी 48 देखें)</p> <p>मुकदमेबाजी और दावे कई कर और विनियामक प्राधिकरणों के पास लंबित हैं और विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं और कर्मचारियों के दावे हैं जिन्हें कंपनी द्वारा ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है (संयुक्त प्रचालन सहित)।</p> <p>व्यापार के सामान्य क्रम में, लंबित कानूनी/विनियामक कार्यवाही और कंपनी द्वारा ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए ऊपर संदर्भित दावों से वित्तीय हित या जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। कर और विनियामक प्राधिकरणों की मांगों और विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं के दावों को एकल वित्तीय विवरणों में देयता के रूप में मान्यता दी जानी है या आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया जाना है या दूरस्थ माना जाना है, यह प्रबंधन द्वारा की गई कई महत्वपूर्ण धारणाओं और निर्णयों पर निर्भर करता है। इसमें शामिल राशियाँ संभावित रूप से महत्वपूर्ण हैं और वित्तीय विवरणों में मान्यता दी जाने वाली या प्रकट की जाने वाली राशि, यदि कोई हो, का निर्धारण स्वाभाविक रूप से व्यक्तिप्रक है।</p> <p>हमने मुकदमेबाजी और दावों को मुख्य लेखा—परीक्षा मामले के रूप में माना है क्योंकि जिन अनुमानों पर ये राशियाँ आधारित हैं, उनमें प्रबंधन निर्णय की एक महत्वपूर्ण डिग्री शामिल है, जिसमें लेखांकन अनुमान शामिल हैं जिसमें उच्च अनुमान अनिश्चितता शामिल है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल थे:</p> <p>कर मुकदमों, अन्य मुकदमों और दावों और इसके उचित लेखांकन और/या प्रकटीकरण के निर्धारण और आकलन के लिए प्रबंधन के आंतरिक निर्देशों, प्रक्रिया और नियंत्रण को समझा।</p> <p>मुकदमों और दावों के मामलों की स्थिति के संबंध में कंपनी के कर्मियों के साथ लंबित मामलों पर चर्चा की।</p> <p>अधिकांश महत्वपूर्ण विवादों की स्थिति और प्रमुख प्रासंगिक दस्तावेजों के निरीक्षण के संबंध में कानूनी और कर विभागों से पूछताछ की।</p> <p>जहां उपलब्ध हो, वहां विशेषज्ञों से प्राप्त राय की समीक्षा की।</p> <p>इसी तरह के मामलों में स्थापित मिसालों को समझकर प्रबंधन के निष्कर्षों का आकलन किया, प्रबंधन द्वारा विशेष रूप से गठित आंतरिक समिति की सिफारिशों की समीक्षा की, जहां भी प्रबंधन द्वारा प्राप्त विशेषज्ञों की राय पर भरोसा किया।</p> <p>हमने एकल वित्तीय विवरणों में आकस्मिक देनदारियों की पहचान, माप, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की पर्याप्तता और उपयुक्तता का आकलन किया है।</p>

क्र.सं.	मुख्य लेखा—परीक्षा मामला	हमारे लेखा—परीक्षा ने मामले को कैसे संबोधित किया
4	<p><b>सूचना प्रौद्योगिकी और सामान्य नियंत्रण</b></p> <p>कंपनी वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं सहित अपने लेन-देन को संसाधित करने और रिकॉर्ड करने के लिए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी ("आईटी") प्रणालियों पर निर्भर है।</p> <p>यह सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त आईटी सामान्य नियंत्रण और अनुप्रयोग नियंत्रण की आवश्यकता है कि ऐसी आईटी प्रणालियाँ विश्वसनीय वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आवश्यकतानुसार डेटा को पूरी तरह, सटीक और लगातार संसाधित कर सकें।</p> <p>आईटी अनुप्रयोग नियंत्रण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि अनुप्रयोगों / फाइलों / सूचनाओं और अंतर्निहित डेटा में परिवर्तन उचित तरीके से और नियंत्रित वातावरण में किए जाते हैं। उपयुक्त नियंत्रण अनुप्रयोगों और डेटा में परिवर्तनों के परिणामस्वरूप संभावित धोखाधड़ी या त्रुटियों के जोखिम को कम करने में योगदान करते हैं।</p> <p>कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर आईटी प्रणालियों और संबंधित नियंत्रण वातावरण के व्यापक उपयोग के कारण, वित्तीय रिपोर्टिंग में उपयोग की जाने वाली आईटी प्रणालियों के सामान्य कंप्यूटर नियंत्रणों का परीक्षण एक प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला माना गया है।</p>	<p>वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए प्रासंगिक आईटी प्रणालियों की अखंडता का आकलन करने में, हमने प्रबंधन से पूछताछ और तीसरे पक्ष द्वारा किए गए सूचना प्रणाली नियंत्रण ऑडिट की रिपोर्ट की समीक्षा के माध्यम से, प्रासंगिक आईटी सामान्य नियंत्रण और आईटी अनुप्रयोग नियंत्रण (एसएपी) के मूल्यांकन और परीक्षण के लिए कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया के लिए प्रासंगिक आईटी अवसंरचना और आईटी प्रणालियों की समझ हासिल की। अनुप्रयोगों, ऑपरेटिंग सिस्टम पर नमूना आधार पर पहुँच अधिकारों का परीक्षण किया गया, जिन पर वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए भरोसा किया जाता है। हमने निवारक नियंत्रणों सहित कर्तव्यों के पृथक्करण का भी परीक्षण किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उत्पादन वातावरण में अनुप्रयोगों, ऑपरेटिंग सिस्टम या डेटाबेस को बदलने की पहुँच केवल अधिकृत कर्मियों को दी गई थी।</p> <p>हमारे ऑडिट में प्रबंधन के साथ आवश्यक पूछताछ करना, तीसरे पक्ष के विशेषज्ञ द्वारा 'आईटी ऑडिट और सुरक्षा' पर रिपोर्ट की जांच, पहुँच सुरक्षा (विशेषाधिकार प्राप्त पहुँच पर नियंत्रण सहित), कर्तव्यों का पृथक्करण और अधिकार का प्रतिनिधिमंडल शामिल था। उपरोक्त आईटी आवश्यकताओं के जगत् में, वर्ष के दौरान आईटी सिस्टम में कार्यक्षमताओं में वृद्धि की गई, हमने निम्नलिखित कार्य किए:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>– नियंत्रणों की समीक्षा की और प्रमुख सामान्य खाता समाधान की अतिरिक्त मूल प्रक्रियाएं निष्पादित कीं।</li> <li>– पाया कि एसएपी कार्यक्षमताओं के पूर्ण उपयोग को सक्षम करने के लिए उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षण सत्र भी प्रदान किए जाते हैं।</li> </ul> <p>आईटी अवसंरचना के माध्यम से उत्पन्न रिपोर्टों के लिए प्रमुख स्वचालित और मैन्युअल व्यवसाय चक्र नियंत्रण और तरक की समीक्षा की, जो वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए प्रासंगिक थे या वित्तीय विवरण के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के प्रयोग में उपयोग किए गए थे, जिसमें क्षतिपूर्ति नियंत्रणों या वैकल्पिक प्रक्रियाओं का परीक्षण शामिल था ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या कोई अनसुलझा आईटी जोखिम था जो एकल वित्तीय विवरणों को भौतिक रूप से प्रभावित करेगा।</p>





## 5. अन्य मामले

- i. हमने अन्वेषणात्मक, विकासात्मक, उत्पादक और शुष्क कुओं के रूप में कुओं के वर्गीकरण, उन पर होने वाले खर्च के आवंटन, उत्पादन प्रोफाइल, प्रमाणित (विकसित और अविकसित) / संभावित हाइड्रोकार्बन भंडार, और तेल और गैस परिसंपत्तियों पर उनकी कमी, हानि, डीकमीशनिंग लागत के लिए देयता, प्रगति पर परियोजनाओं के पूरा होने के लिए मूल्यांकन और समयसीमा, एनईएलपी/हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति ('हेल्प') के लिए देयता और सहमत न्यूनतम कार्य कार्यक्रम के विरुद्ध कम प्रदर्शन के लिए नामित ब्लॉकों के संबंध में प्रबंधन द्वारा तकनीकी/वाणिज्यिक मूल्यांकन पर भरोसा किया है।
- ii. जैसा कि टिप्पणी संख्या 46.1.4 में उल्लेख किया गया है, एकल वित्तीय विवरणों में नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) / हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी) / खोजे गए छोटे क्षेत्रों (डीएसएफ) / ओपन एकरेज लाइसेंसिंग नीति (ओएएलपी) और अन्वेषण और उत्पादन के लिए संयुक्त प्रचालन (जेओ) लेखों के तहत 201 ब्लॉकों की परिसंपत्तियों, देनदारियों, व्यय और आय के कुल मूल्य में कंपनी का हिस्सा शामिल है, जिनमें से:
- क. 8 ब्लॉकों का अन्य सनदी लेखाकार द्वारा ऑडिट किया गया है। इन ब्लॉकों के संबंध में, एकल वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2024 तक परिसंपत्तियों और देनदारियों में आनुपातिक हिस्सेदारी शामिल है, जो क्रमशः ₹ 60,733.53 मिलियन और ₹ 36,687.59 मिलियन है और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय सहित राजस्व और लाभ क्रमशः ₹ 72,881.85 मिलियन और ₹ 15,027.54 मिलियन है। हमारी राय अन्य सनदी लेखाकार की ऑडिट रिपोर्ट पर आधारित है।
- ख. 19 ब्लॉकों को प्रबंधन द्वारा प्रमाणित किया गया है। इन ब्लॉकों के संबंध में, एकल वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2024 तक परिसंपत्तियों और देनदारियों में आनुपातिक हिस्सेदारी शामिल है, जो क्रमशः ₹ 8,331.05 मिलियन और ₹ 15,027.54 मिलियन है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए राजस्व और लाभ / (हानि) सहित अन्य व्यापक आय क्रमशः ₹ 89.77 मिलियन और ₹ (1,255.52) मिलियन थी। हमारी राय इन ब्लॉकों के संबंध में प्रबंधन प्रमाणित लेखों पर आधारित है।

- iii. 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों का कंपनी के संयुक्त लेखा परीक्षकों द्वारा ऑडिट किया गया था, जिनमें से चार पूर्ववर्ती ऑडिट फर्म थे, और उन्होंने ऐसे एकल वित्तीय विवरणों पर 26 मई, 2023 को एक अपरिवर्तित राय व्यक्त की है। टिप्पणी संख्या 54 में उल्लिखित पूर्व अवधि की त्रुटि के सुधार के कारण उक्त वित्तीय विवरणों को पुनः प्रस्तुत किया गया है।

इन मामलों के संबंध में एकल वित्तीय विवरणों पर हमारी राय सशोधित नहीं की गई है।

## 6. एकल वित्तीय विवरण और उस पर लेखा—परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में प्रबंधन विचार विर्मश और विश्लेषण, बोर्ड की रिपोर्ट, बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक, व्यवसायिक जिम्मेदारी और स्थिरता रिपोर्ट, निगमित अभिशासन में शामिल जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें एकल वित्तीय विवरण, समेकित वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है। उपर्युक्त संदर्भित जानकारी इस ऑडिट रिपोर्ट की तिथि के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

एकल वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को कवर नहीं करती है और हम इस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

एकल वित्तीय विवरणों की हमारी ऑडिट के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि जब यह उपलब्ध हो जाए तो ऊपर पहचानी गई अन्य जानकारी को पढ़ें और ऐसा करते समय, इस बात पर विचार करें कि क्या अन्य जानकारी एकल वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है, या ऑडिट में प्राप्त हमारी जानकारी या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है। जब हम अन्य सूचना पढ़ते हैं, और यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उसमें कोई गलत जानकारी है, तो हमसे यह अपेक्षित है कि हम मामले को शासन के प्रभारी अधिकारियों को बताएं तथा परिस्थिति और लागू कानूनों और विनियमों के अनुसार आवश्यक उचित कार्रवाई करें।

## 7. एकल वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के लिए जिम्मेदार लोगों की जिम्मेदारी

कंपनी का निदेशक मंडल अधिनियम की धारा 134(5) में वर्णित मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो इन एकल वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में है, जो अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानक और भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले अन्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, इक्विटी और नकदी प्रवाह में परिवर्तन का सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं। इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है य उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग य उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और अनुमान लगानाय और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से काम कर रहे थे, एकल वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक हैं जो एक सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं और भौतिक गलत बयानों से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

एकल वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन कंपनी की चालू व्यवसाय के रूप में जारी रहने की क्षमता का आकलन करने, लागू होने पर चालू व्यवसाय से संबंधित मामलों का खुलासा करने और लेखांकन के चालू व्यवसाय आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक कि प्रबंधन कंपनी को समाप्त करने या प्रचालन बंद करने का इरादा न रखे, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प न हो।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

## 8. एकल वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या एकल वित्तीय विवरण समग्र रूप से भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक ऑडिटर की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल हो। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार आयोजित एक ऑडिट हमेशा एक भौतिक गलतबयानी का

पता लगाएगा जब वह मौजूद हो। गलतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और उन्हें भौतिक माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, वे इन एकल वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उचित रूप से उम्मीद की जा सकती है।

एसए के अनुसार एक ऑडिट के एक भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे ऑडिट के दौरान पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम यह भी करते हैं।

- एकल वित्तीय विवरणों में भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करना और उनका आकलन करना, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करना और निष्पादित करना, और लेखा-परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हो। धोखाधड़ी से उत्पन्न भौतिक गलत विवरण का पता न लगा पाने का जोखिम त्रुटि से उत्पन्न होने वाले जोखिम से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा-परीक्षा से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करें जो परिस्थितियों में उपयुक्त हों। अधिनियम की धारा 143(3)(j) के तहत, हम इस बारे में अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और ऐसे नियंत्रणों की प्रचालन प्रभावशीलता क्या है।
- उपयोग की जाने वाली लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन के लिए चालू व्यवसाय के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालें और प्राप्त लेखा-परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की चालू व्यवसाय के रूप में जारी रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें



अपने लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में एकल वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों पर ध्यान आकर्षित करना होगा या, यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा-परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी चालू व्यवसाय के रूप में जारी रहना बंद कर सकती है।

- प्रकटीकरणों सहित एकल वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या एकल वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं को इस तरह से प्रस्तुत करते हैं जिससे निष्कष प्रस्तुति प्राप्त होती है।

हम शासन के प्रभारी लोगों के साथ अन्य मामलों के साथ-साथ लेखा-परीक्षा के नियोजित दायरे और समय तथा महत्वपूर्ण लेखा-परीक्षा के बारे में संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में कोई महत्वपूर्ण कमी शामिल है, जिसे हम अपने लेखा-परीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम शासन के प्रभारी लोगों को यह कथन भी देते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, तथा उन्हें सभी संबंधों और अन्य मामलों के बारे में संवाद करने के लिए कहा है, जो उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता को प्रभावित

करने वाले माने जा सकते हैं, तथा जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय।

शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद किए गए मामलों से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के एकल वित्तीय विवरणों के लेखा-परीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले हैं। हम इन मामलों का वर्णन अपने लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में तब तक करते हैं, जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता नहीं है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम ऐसे संचार के सार्वजनिक हित लाभों से अधिक होने की उचित रूप से अपेक्षा की जाती है।

## 9. अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

- अधिनियम की धारा 143 की उपधारा (11) के अनुसार भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 (आदेश) की आवश्यकता के अनुसार, हम आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर यथासंभव विवरण 'अनुलग्नक - 1' में देते हैं।
- कंपनी की लेखा पुस्तकों के सत्यापन के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम अधिनियम की धारा 143(5) के अनुसार भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों पर एक रिपोर्ट नीचे देते हैं।

क्र. सं.	वर्ष 2023–24 के लिए अधिनियम की धारा 143(5) के तहत निर्देश	निर्देशों पर की गई कार्रवाई पर लेखापरीक्षक का उत्तर
1.	क्या कंपनी के पास आईटी सिस्टम के माध्यम से सभी लेखा लेनदेन को संसाधित करने की प्रणाली है? यदि हाँ, तो आईटी सिस्टम के बाहर लेखा लेनदेन को संसाधित करने का लेखा की अखंडता पर प्रभाव और वित्तीय प्रभाव, यदि कोई हो, का उल्लेख किया जाना चाहिए।	हाँ, कंपनी के पास आईटी सिस्टम, अर्थात् एसएपी के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए सिस्टम है। किए गए आँडिट प्रक्रियाओं के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, आईटी सिस्टम के बाहर कोई भी लेखांकन लेनदेन संसाधित/प्रचालित नहीं किया गया है। तदनुसार, लेखों की अखंडता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
2.	क्या किसी मौजूदा ऋण का पुनर्गठन किया गया है या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण कंपनी को ऋणदाता द्वारा ऋण/ऋण/ब्याज आदि की छूट/अपलेखन के मामले हैं? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव का उल्लेख किया जाना चाहिए। क्या ऐसे मामलों का उचित रूप से लेखा-जोखा रखा गया है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू है)	ऋण/उधार जहां कंपनी उधारकर्ता है: किए गए आँडिट प्रक्रियाओं के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण किसी भी ऋणदाता द्वारा ऋण/ऋण/ब्याज आदि के पुनर्गठन या छूट/अपलेखन का कोई मामला नहीं था।
3	क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्त धन (अनुदान/सब्सिडी आदि) का उचित रूप से लेखा-जोखा रखा गया/उसकी शर्तों के अनुसार उपयोग किया गया? विचलन के मामलों की सूची बनाएँ।	किए गए लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्त होने वाली धनराशि (अनुदान/सब्सिडी) का उसके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित रूप से लेखा/उपयोग किया गया था।

- iii. अधिनियम की धारा 143(3) के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि:
  - क) हमने वह सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारे लेखा—परीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।
  - ख) हमारी राय में, कंपनी द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा पुस्तकों रखी गई हैं, जैसा कि उन पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।
  - ग) इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए तुलन पत्र, अन्य व्यापक आय सहित लाभ और हानि का विवरण, इकिवटी में परिवर्तन का विवरण और नकदी प्रवाह का विवरण लेखा पुस्तकों के अनुरूप हैं।
  - घ) हमारी राय में, उपर्युक्त एकल वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानक का अनुपालन करते हैं, जिसे संशोधित कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के साथ पढ़ा जाए।
  - ङ) चूंकि कंपनी एक सरकारी कंपनी है, अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. निगमित मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ई) दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार, अधिनियम की धारा 164 की उप—धारा (2) कंपनी पर लागू नहीं होती है।
  - च) कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की प्रचालन प्रभावशीलता के संबंध में, 'अनुलग्नक 2' में हमारी अलग रिपोर्ट देखें। हमारी रिपोर्ट वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और प्रचालन प्रभावशीलता पर एक अपरिवर्तित राय व्यक्त करती है।
  - छ) चूंकि कंपनी एक सरकारी कंपनी है, निगमित मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ई), दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार, अधिनियम की धारा 197 की उप—धारा (16) कंपनी पर लागू नहीं होती है।
  - ज) संशोधित कंपनी (लेखा—परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार:
    - i. कंपनी ने अपने एकल वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है – एकल वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी 48.1.1 देखें।
- ii. कंपनी के पास व्युत्पन्न अनुबंधों सहित कोई भी दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था जिसके लिए कोई भौतिक पूर्वानुमानित घाटा था – एकल वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी 56 देखें।
- iii. वित्तीय वर्ष 2015–16 से संबंधित क्रमशः ₹ 3.73 मिलियन और ₹ 13.94 मिलियन की राशि का दूसरा अंतिम और अंतिम लाभांश जिसे समय पर हस्तांतरित नहीं किया जा सका, जो क्रमशः 15 मई, 2023 और 26 अक्टूबर, 2023 को हस्तांतरित होने वाला था, लेकिन क्रमशः 29 जून, 2023 और 28 दिसंबर, 2023 को हस्तांतरित किया गया। उपरोक्त के अलावा, कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में हस्तांतरित की जाने वाली राशि को हस्तांतरित करने में कोई देरी नहीं हुई है।
- iv. (क) प्रबंधन ने यह दर्शाया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, जैसा कि एकल वित्तीय विवरणों के टिप्पणी संख्या 45.2 में बताया गया है, कंपनी द्वारा किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी संस्था ('मध्यस्थ') शामिल है, को कोई भी निधि (जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से महत्वपूर्ण है) अग्रिम या ऋण या निवेश (उधार ली गई निधि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या निधि के प्रकार से) नहीं दी गई है, जिसके बारे में यह समझ है, चाहे लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ, कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं ('अंतिम लाभार्थी') को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार देगा या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा;
- (ख) प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, जैसा कि एकल वित्तीय विवरणों के टिप्पणी संख्या 45.2 में खुलासा किया गया है, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति या संस्था से कोई भी निधि (जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर महत्वपूर्ण है) प्राप्त नहीं की गई है, जिसमें विदेशी संस्था ('फंडिंग पार्टियां') शामिल हैं, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि कंपनी, चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, फंडिंग पार्टी ('अंतिम लाभार्थी') द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगी; और



- (ग) लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है, जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11(ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) के तहत प्रदान किया गया है, में कोई भी महत्वपूर्ण गलत बयान है।
- v. (क) पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान अधिनियम की धारा 123 के अनुसार लागू है।
- (ख) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।
- (ग) जैसा कि एकल वित्तीय विवरणों के टिप्पणी संख्या 21.5 में कहा गया है, कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है, जैसा कि लागू है।

जे. गुप्ता एण्ड कंपनी एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 314010E/E300029

हस्ता. /—  
(सीए नैन्सी गुप्ता)  
भागीदार  
(सदस्यता सं. 067953)  
यूडीआईएन: 24067953BKEZRM5760

लक्ष्मी तृप्ति एण्ड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 009189C

हस्ता. /—  
(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)  
भागीदार  
(सदस्यता सं. 415118)  
यूडीआईएन: 24415118BKCREP1508

दिनांक : 20 मई, 2024  
स्थान : नई दिल्ली

मनुभाई एण्ड शाह एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 106041W/W00136

हस्ता. /—  
(सीए के.बी.सोलंकी)  
भागीदार  
(सदस्यता सं. 110299)  
यूडीआईएन: 24110299BKCUST9893

तलाती एण्ड तलाती एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 110758W/W100377

हस्ता. /—  
(सीए अमित शाह)  
भागीदार  
(सदस्यता सं. 122131)  
यूडीआईएन: 24122131BKHHCE8632

vi. हमारी जांच के आधार पर जिसमें परीक्षण जांच शामिल है, कंपनी ने अपने लेखों की पुस्तकों को बनाए रखने के लिए एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है जिसमें ऑडिट ट्रेल (संपादन लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए पूरे वर्ष प्रचालित है। इसके अलावा, हमारे ऑडिट के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला।

चूंकि कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 3(1) का प्रावधान 1 अप्रैल, 2023 से लागू है, इसलिए रिकॉर्ड प्रतिधारण के लिए वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार ऑडिट ट्रेल के संरक्षण पर कंपनी (लेखा-परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 (छ) के तहत रिपोर्टिंग 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लागू नहीं है।

वी. शंकर अम्यर एण्ड कंपनी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 109208W

हस्ता. /—  
(सीए जी. शंकर)  
भागीदार  
(सदस्यता सं. 046050)  
यूडीआईएन: 24046050BKCLLQ1519

## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के एकल वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलानक-1

(हमारी सम तिथि की रिपोर्ट के अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट अनुभाग के अंतर्गत पैराग्राफ 9(i)में संदर्भित)

हमारी जानकारी के अनुसार तथा कंपनी द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों और लेखा-परीक्षा के सामान्य क्रम में हमारे द्वारा जांचे गए लेखा बहीयों और अभिलेखों के अनुसार, हम कहते हैं कि:-

- (i) (क) • कंपनी ने आम तौर पर संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के मात्रात्मक विवरण और स्थिति सहित पूर्ण विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।
  - कंपनी ने आम तौर पर अमूर्त परिसंपत्तियों के पूर्ण विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।
- (ख) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (भूमिगत/जलमग्न/संयुक्त प्रचालन के तहत आने वाले को छोड़कर) को प्रबंधन द्वारा तीन वर्षों की अवधि में सभी मदों को कवर करने के लिए चरणबद्ध तरीके से भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है, जो कि हमारी राय में कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए उचित है। इस तरह के सत्यापन में कोई भौतिक विसंगतियां नहीं पाई गईं।
- (ग) अचल परिसंपत्तियों के स्वामित्व/पट्टा विलेख (उन परिसंपत्तियों को छोड़कर जहां कंपनी पट्टेदार है, और पट्टा समझौते पट्टेदार के पक्ष में विधिवत निष्पादित किए गए हैं) संलग्न परिशिष्ट-1 में बताए गए मामलों को छोड़कर कंपनी के नाम पर रखे गए हैं।
- (घ) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों सहित) और अमूर्त संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(प)(घ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (ङ) बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (जैसा कि 2016 में संशोधित किया गया है) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए वर्ष के दौरान

कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या 31 मार्च, 2024 तक लंबित नहीं है।

- (ii) (क) इन्वेंट्री (तीसरे पक्ष के पास पड़ी इन्वेंट्री, संयुक्त प्रचालन के तहत इन्वेंट्री और पारगमन में सामग्री को छोड़कर) को प्रबंधन द्वारा तीन साल की अवधि में सभी वस्तुओं को कवर करने के लिए उचित अंतराल पर चरणबद्ध तरीके से भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है। हमारा विचार है कि प्रबंधन द्वारा इस तरह के सत्यापन की कवरेज और प्रक्रिया उचित है और इस तरह के भौतिक सत्यापन पर भौतिक इन्वेंट्री और बुक रिकॉर्ड के बीच इन्वेंट्री के प्रत्येक वर्ग के लिए कुल मिलाकर 10% या उससे अधिक की कोई भौतिक विसंगतियां नहीं देखी गईं।
- (ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, वर्ष के दौरान कंपनी को सावधि जमा की सुरक्षा के आधार पर बैंकों से कुल मिलाकर ₹ पांच करोड़ से अधिक की कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारी जांच के आधार पर, कंपनी द्वारा ऐसे बैंकों के साथ कोई तिमाही रिटर्न या विवरण दाखिल करने की कोई आवश्यकता नहीं थी, इसलिए आदेश के खंड 3(ii)(ख) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है।
- (iii) वर्ष के दौरान, कंपनी ने ऋण की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है या किसी भी पक्ष को कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की है। कंपनी ने वर्ष के दौरान कंपनियों में निवेश किया है और उन्हें गारंटी प्रदान की है, जिसके संबंध में:
  - (क) कंपनी ने वर्ष के दौरान संस्थाओं को गारंटी प्रदान की है, जिसके संबंध में:



(क) सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के लिए ऐसी गारंटियों के संबंध में वर्ष के दौरान कुल राशि और तुलन पत्र की तारीख पर बकाया शेष राशि निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	विवरण	गारंटी*	
		वर्ष के दौरान उपलब्ध कराई गई कुल राशि	31.03.2024 को बकाया शेष राशि
1.	सहायक कंपनियाँ	296,207.20	422,733.65
2.	संयुक्त उद्यम	3,332.45	81,312.45
3.	सहयोगी	-	-

\*यह देयता और वित्तीय गारंटी के रूप में हिसाब में ली गई बैंकस्टॉपिंग व्यवस्था को दर्शाता है।

- (ख) कंपनी ने लेखा-परीक्षा अवधि के दौरान सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के अलावा अन्य पक्षों को गारंटी या सुरक्षा प्रदान नहीं की है। हालांकि, कंपनी ने अतीत में हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड को ₹ 100 मिलियन का असुरक्षित ऋण दिया था, 31 मार्च, 2024 तक बकाया बही शेष राशि ₹ 193.37 मिलियन (ब्याज सहित) है। चूंकि इस ऋण की वसूली संदिग्ध थी, इसलिए कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान ऐसे संदिग्ध ऋण के खिलाफ पूर्ण प्रावधान किया था।
- (ग) वर्ष के दौरान किए गए निवेश और प्रदान की गई गारंटी और ऐसी गारंटी देने की शर्तें और नियम कंपनी के हित के लिए प्रथम दृष्ट्या प्रतिकूल नहीं हैं।
- (घ) कंपनी ने वर्ष के दौरान ऋण की प्रकृति में कोई ऋण और अग्रिम नहीं दिया है, इसलिए आदेश के खंड 3 (ग) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (ङ) चूंकि कंपनी ने वर्ष के दौरान ऋण की प्रकृति में कोई ऋण और अग्रिम नहीं दिया है, इसलिए आदेश के खंड 3 (घ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है। हालांकि, जैसा कि ऊपर बताया गया है कि हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड को पूर्व में दिए गए ₹ 100 मिलियन के ऋण के संबंध में एक अतिदेय राशि है, 31 मार्च, 2024 तक

नबे दिनों से अधिक के लिए बकाया अतिदेय बही शेष ₹ 193.37 मिलियन (ब्याज सहित) है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे द्वारा की गई लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, कंपनी द्वारा मूलधन और ब्याज की वसूली के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं।

- (च) दिए गए ऋण की प्रकृति में कोई भी ऋण या अग्रिम जो वर्ष के दौरान देय हो गया है, उसका नवीनीकरण या विस्तार नहीं किया गया है या उन्हीं पक्षों को दिए गए मौजूदा ऋणों के अतिदेय को निपटाने के लिए नया ऋण नहीं दिया गया है।
- (छ) कंपनी ने वर्ष के दौरान मांग पर चुकाने योग्य या बिना किसी शर्त या चुकौती की अवधि निर्दिष्ट किए ऋण की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है।
- (iv) कंपनी ने निवेशकों/ऐसी कंपनी को ऋण नहीं दिया है जिसमें निवेशक की रुचि हो और जिस पर अधिनियम की धारा 185 के प्रावधान लागू होते हैं। कंपनी ने किए गए निवेशों और प्रदान की गई गारंटियों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों का अनुपालन किया है।
- (v) कंपनी ने जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किया है और इसलिए अधिनियम की धारा 73 से 76 और अन्य प्रासंगिक प्रावधान तथा कंपनी (जमा स्वीकार करना) नियम, 2014 के प्रावधान लागू नहीं होते।
- (vi) हमने कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा-परीक्षा) नियम, 2014 के अनुसार कंपनी द्वारा बनाए गए लागत रिकॉर्ड की व्यापक समीक्षा की है, जैसा कि अधिनियम की धारा 148 की उपधारा (1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा संशोधित और निर्धारित किया गया है और हमारा मानना है कि प्रथम दृष्ट्या निर्धारित खाते और रिकॉर्ड नियमित आधार पर बनाए और अद्यतन किए जा रहे हैं। हालांकि, हमने यह निर्धारित करने के लिए लागत रिकॉर्ड की विस्तृत जाँच नहीं की है कि वे सटीक या पूर्ण हैं या नहीं।
- (vii) (क) माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क,

मूल्य वर्धित कर, उपकर और किसी भी अन्य वैधानिक बकाया सहित निर्विवाद वैधानिक बकाया आमतौर पर कंपनी द्वारा उचित अधिकारियों के पास नियमित रूप से जमा किया जाता रहा है। उपरोक्त बकाया के संबंध में देय कोई भी निर्विवाद राशि 31 मार्च, 2024 तक देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया नहीं थी।

- (ख) माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर या अन्य वैधानिक बकाया का विवरण, जो उचित अधिकारियों के समक्ष लंबित किसी भी विवाद के कारण कंपनी द्वारा जमा नहीं किया गया है, संलग्न परिशिष्ट-2 में वर्णित है।

(viii) वर्ष के दौरान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कर निर्धारण में आय के रूप में समर्पित या प्रकट की गई पूर्व में अलिखित आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं हुआ।

- (ix) (क) कंपनी ने किसी ऋणदाता को ऋण या अन्य उधार के पुनर्भुगतान या उस पर ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।

(ख) कंपनी को किसी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

(ग) सावधि ऋण उन उद्देश्यों के लिए लागू किए गए थे जिनके लिए ऋण प्राप्त किए गए थे।

(घ) कंपनी द्वारा अल्पकालिक आधार पर जुटाई गई किसी भी निधि का दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया गया है।

(ङ) कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के दायित्वों को पूरा करने के लिए या उनके लिए किसी भी इकाई या व्यक्ति से कोई निधि नहीं ली है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(ix)(ङ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(च) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में रखी गई प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर ऋण नहीं लिया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(ix)(ग) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है।

- (x) (क) कंपनी ने वर्ष के दौरान आरंभिक सार्वजनिक पेशकश या आगे की सार्वजनिक पेशकश (ऋण लिखत सहित) के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया है और इसलिए आदेश के खंड 3(x)(क) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(ख) कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों या परिवर्तनीय डिबंचर (पूरी तरह से, आंशिक रूप से या वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय) का कोई अधिमान्य आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है और इसलिए आदेश के खंड 3(•)(इ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।।

(xi) (क) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं देखी गई है या रिपोर्ट नहीं की गई है। हालाँकि, हमें प्रबंधन द्वारा सूचित किया गया है कि वर्ष के दौरान कंपनी पर निम्नलिखित धोखाधड़ी देखी गई है और रिपोर्ट की गई है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	धोखाधड़ी की प्रकृति	31 मार्च, 2024 तक शामिल राशि (रु.मिलियन में)
1.	विक्रेताओं के साथ मिलीभगत करके कर्मचारियों द्वारा फर्जी चिकित्सा भुगतान	2.88 <sup>(#)</sup>
2.	सहायक दस्तावेजों के बिना चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ति	1.39
3.	भुगतान दस्तावेजों में बेस लाइन तिथि को आगे बढ़ाना जिसके परिणामस्वरूप विक्रेता को संभावित लाभ हो सकता है	0.27 <sup>(*)</sup>
4.	झूठे चिकित्सा रेफरल जारी करके कंपनी की चिकित्सा सुविधाओं का दुरुपयोग	0.09

(#) इसमें वित्तीय वर्ष 22-23 में रिपोर्ट की गई ₹ 241 मिलियन की धोखाधड़ी शामिल है।

(\*) समय से पहले भगवान् पर काल्पनिक द्याज घटक के लिए।

- (ख) वर्ष के दौरान और इस लेखा-परीक्षा रिपोर्ट की तिथि तक, लेखा-परीक्षकों द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उपधारा (12) के अंतर्गत कंपनी (लेखा-परीक्षा और लेखा-परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्र एडीटी-4 में केन्द्रीय सरकार के समक्ष रिपोर्ट दाखिल की गई है।



- (ग) जैसा कि प्रबंधन द्वारा हमें बताया गया है, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई विस्तृत-ब्लॉअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।
- (xii) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारी राय में, कंपनी निधि कंपनी नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3(पप) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (xiii) संबंधित पक्षों के साथ लेन-देन अधिनियम की धारा 177 और 188 के अनुपालन में हैं, जहाँ लागू हो। कंपनी ने संबंधित पक्ष के लेन-देन का विवरण एकल वित्तीय विवरणों के टिप्पणीस में प्रकट किया है, जैसा कि लागू भारतीय लेखा मानकों द्वारा अपेक्षित है।
- (xiv) (क) कंपनी के पास आंतरिक लेखा-परीक्षा विभाग द्वारा प्रचालित एक आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली है, जो इसके व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप है। हमारी राय में, धोखाधड़ी जैसे मामलों के जोखिम वाले क्षेत्र में लेखा-परीक्षा प्रक्रिया को और मजबूत करने की आवश्यकता है, जैसा कि खंड vi(क) के तहत रिपोर्ट किया गया है, सामग्री/सेवाओं की खरीद के लिए उपरोक्त प्रणाली/नियंत्रण।
- (ख) कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित आंतरिक लेखा परीक्षा योजना के अनुसार, आंतरिक लेखा परीक्षा चालू वित्तीय वर्ष और पिछली अवधि को कवर करते हुए आवधिक चक्रों में एक वर्ष में की जाती है। हमने अपनी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा का निर्धारण करने में लेखा परीक्षा के तहत वर्ष के दौरान और आज तक जारी आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर विचार किया है।
- (xv) कंपनी ने अधिनियम की धारा 192 के अंतर्गत आने वाले निदेशकों या उनसे जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xv) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (xvi) (क) कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xvi) (क) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (ख) कंपनी ने कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय या आवास वित्त गतिविधियाँ प्रचालित नहीं की हैं, इसलिए कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक
- अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xvi)(ख) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (ग) कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए विनियमों में परिभाषित कोर निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xvi) (ग) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (घ) समूह के भीतर कोई कोर निवेश कंपनी नहीं है (जैसा कि कोर निवेश कंपनियां (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016 में परिभाषित किया गया है)। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xvi)(घ) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (xvii) कंपनी ने वित्तीय वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में नकद घाटा नहीं उठाया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xvii) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (xviii) वर्ष के दौरान वैधानिक लेखा परीक्षकों का कोई इस्तीफा नहीं हुआ है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xviii) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- (xix) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा वित्तीय अनुपातों, वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति और वित्तीय देनदारियों के भुगतान की आयु और अपेक्षित तिथियों, वित्तीय विवरणों के साथ दी गई अन्य जानकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारे ज्ञान और मान्यताओं का समर्थन करने वाले साक्ष्य की हमारी जांच के आधार पर, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है, जिससे हमें विश्वास हो कि लेखा-परीक्षा रिपोर्ट की तिथि पर कोई भी भौतिक अनिश्चितता मौजूद है कि कंपनी तुलन पत्र की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर तुलन पत्र की तिथि पर मौजूद अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। हालांकि, हम कहते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई आश्वासन नहीं है। हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग ऑडिट रिपोर्ट की तिथि तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि तुलन पत्र की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर आने वाली सभी देनदारियों को कंपनी द्वारा चुका दिया जाएगा।

- (xx) (क) अधिनियम की धारा 135 की उपधारा (5) के दूसरे प्रावधान के अनुपालन में अधिनियम की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में स्थानांतरण की आवश्यकता वाली चालू परियोजनाओं के अलावा अन्य पर निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कोई भी राशि अप्रयुक्त नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xx)(क) के तहत रिपोर्टिंग वर्ष के लिए लागू नहीं है।
- (छ) चालू परियोजनाओं के संबंध में, कंपनी ने अधिनियम की धारा 135(6) के प्रावधान के अनुपालन में पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में अप्रयुक्त सीएसआर राशि को उक्त वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 30 दिनों की अवधि के भीतर एक विशेष खाते में स्थानांतरित कर दिया है।

जे. गुप्ता एण्ड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 314010E / E300029

हस्ता. /—

(सीए नैन्सी गुप्ता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 067953)

यूडीआईएन: 24067953BKEZRM5760

मनुभाई एण्ड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 106041W/W00136

वी. शंकर अस्यर एण्ड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 109208W

लक्ष्मी तृप्ति एण्ड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 009189C

तलाती एण्ड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 110758W/W100377

हस्ता. /—

(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 415118)

यूडीआईएन: 24415118BKCREP1508

हस्ता. /—

(सीए अमित शाह)

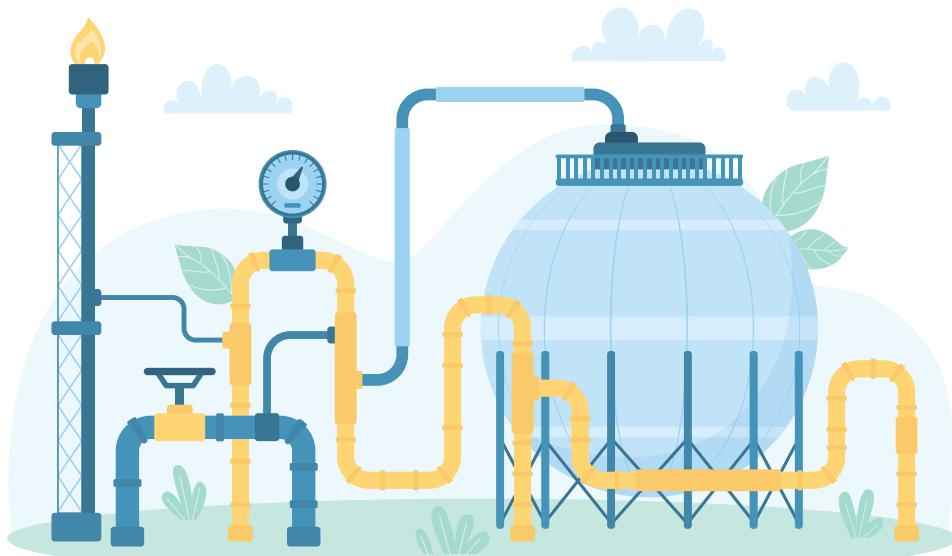
भागीदार

(सदस्यता सं. 122131)

यूडीआईएन: 24122131BKHHCE8632

दिनांक : 20 मई, 2024

स्थान : नई दिल्ली





## स्वतंत्र लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक-2

(हमारी सम दिनांक की रिपोर्ट के अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट अनुभाग के अंतर्गत पैराग्राफ 9 (iii) (च) में संदर्भित)

अधिनियम की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट।

हमने 31 मार्च, 2024 तक ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (कंपनी) के एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का ऑडिट किया है, जो उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के साथ है।

### आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन और निदेशक मंडल, आईसीएआई द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन टिप्पणी में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाने, लेखा अभिलेखों की सटीकता और पूर्णता, और अधिनियम के तहत आवश्यक विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी सहित अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

### लेखा-परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने ऑडिट के आधार पर एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करें। हमने भारतीय चार्टर्ड अकाउटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की ऑडिटिंग पर मार्गदर्शन टिप्पणी ('मार्गदर्शी टिप्पणी') और अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखा-परीक्षा के मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया, जो एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की ऑडिटिंग के लिए लागू सीमा तक है। उन मानकों और मार्गदर्शन टिप्पणी के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट की योजना बनाएं और प्रदर्शन करें कि क्या एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी रूप से प्रचालित हुए थे।

हमारे ऑडिट में एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और उनकी प्रचालन प्रभावशीलता के बारे में ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं करना शामिल है। एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखा-परीक्षा में ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, किसी भौतिक कमज़ोरी के मौजूद होने के जोखिम का आकलन करना और आंके गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और प्रचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल था। चुनी गई प्रक्रियाएं ऑडिटर के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें एकल वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखा-परीक्षा साक्ष्य एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर हमारी लेखा-परीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

### वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए एकल वित्तीय विवरणों की तैयारी के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो (1) रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो उचित विवरण में, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाते हैं; (2) उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार एकल वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति देने के लिए लेनदेन को आवश्यक रूप से रिकॉर्ड किया जाता है, और कंपनी की प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं; और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों के अनाधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करते हैं जो एकल वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव डाल सकते हैं।

## वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ

एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना, नियंत्रणों का उल्लंघन, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण गलत बयान हो सकते हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सकता है। साथ ही, भविष्य की अवधि के लिए एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में बदलाव के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री खराब हो सकती है।

## राय

हमारी राय में, कंपनी के पास सभी भौतिक मामलों में, एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं और एकल वित्तीय विवरणों के संदर्भ में ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के मानदंडों के आधार पर, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन टिप्पणी में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए, 31 मार्च, 2024 तक प्रभावी रूप से काम कर रहे थे।

जे. गुप्ता एण्ड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 314010E / E300029

मनुभाई एण्ड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 106041W/W00136

वी. शंकर अस्यर एण्ड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 109208W

हस्ता. /—

(सीए नैन्सी गुप्ता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 067953)

यूडीआईएन: 24067953BKEZRM5760

हस्ता. /—

(सीए के.बी.सोलंकी)

भागीदार

(सदस्यता सं. 110299)

यूडीआईएन: 24110299BKCUST9893

हस्ता. /—

(सीए जी. शंकर)

भागीदार

(सदस्यता सं. 046050)

यूडीआईएन: 24046050BKCLLQ1519

लक्ष्मी तृप्ति एण्ड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 009189C

तलाती एण्ड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 110758W/W100377

हस्ता. /—

(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 415118)

यूडीआईएन: 24415118BKCREP1508

हस्ता. /—

(सीए अमित शाह)

भागीदार

(सदस्यता सं. 122131)

यूडीआईएन: 24122131BKHHCE8632

दिनांक : 20 मई, 2024

स्थान : नई दिल्ली



## परिशिष्ट-1

(जैसा कि स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट के अनुलग्नक-1 के खंड संख्या (i)(ग) में संदर्भित है)

ऐसे मामले जहां स्थायी परिसंपत्तियों के स्वामित्व/पट्टा विलेख कंपनी के नाम पर नहीं हैं

परिसंपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	किसके नाम पर धारित है	क्या प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी हैं	धारण अवधि—जहां उचित हो, सीमा बताएं	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
भवन/ फ्लैट	18.38	विक्रेता—सहकारी आवास सोसायटी	नहीं	29.02.1984	रजिस्ट्रार के आदेश के अनुसार, पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
भवन/ फ्लैट	28.62	विक्रेता— औद्योगिक/बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	29.02.1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
भवन/ फ्लैट	1.87	विक्रेता—राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	29.02.1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
भवन/ फ्लैट	70.96	विक्रेता—राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	31.03.2001	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
भवन/ फ्लैट	4.80	विक्रेता—सहकारी आवास सोसायटी	नहीं	29.02.1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
भवन	155.01	विक्रेता—राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	01.04.1985	महानगर विकास प्राधिकरण के पास मामला लंबित है
भूमि	0.18	विक्रेता(ओ)—व्यक्ति(यों)	नहीं	06.03.2012	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है
भूमि	0.08	विक्रेता(ओ)—व्यक्ति(यों)	नहीं	18.05.2012	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है
भूमि	1,272.01	विक्रेता—औद्योगिक/बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	22.04.2016	समझौते की शर्तों के अनुसार परियोजना के चालू होने पर बिश्री विलेख निष्पादित किया जाएगा।
भूमि	188.33	विक्रेता—राज्य औद्योगिक विकास निगम	नहीं	01.10.2015	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
भूमि	63.67	विक्रेता—राज्य औद्योगिक विकास निगम	नहीं	27.10.2006	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
भूमि	19.57	विक्रेता—औद्योगिक/बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	30.09.2017	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।

परिसंपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	किसके नाम पर धारित है	क्या प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी हैं	धारण अवधि—जहां उचित हो, सीमा बताएं	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
भूमि—पट्टा	47.14	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	28.10.1985	मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।
भूमि—पट्टा	36.25	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	29.02.1984	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	15.16	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	10.03.1983	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	5.24	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	10.03.1983	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	1.02	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	02.07.1982	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	29.90	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	05.11.1979	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	75.46	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	01.10.1982	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	0.44	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	25.05.1987	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	5.80	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	07.05.1987	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	0.34	विक्रेता— औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	30.11.1987	राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	1.28	विक्रेता— राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	31.01.1994	राज्य आवास विकास प्राधिकरण के पास मामला लंबित है।
भूमि—पट्टा	3.69	विक्रेता— राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	31.01.1994	राज्य आवास विकास प्राधिकरण के पास मामला लंबित है।



## परिशिष्ट-2

(जैसा कि स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की रिपोर्ट के अनुलग्नक-1 के खंड संख्या (vii)(ख) में संदर्भित है)

### विवादित वैधानिक बकाया का विवरण

(₹ मिलियन में)

कानून का नाम	वह फ़ोरम जहाँ विवाद लंबित है	वह अवधि जिससे राशि संबंधित है (वित्तीय वर्ष)	शामिल कुल राशि	विरोध के तहत भुगतान की गई राशि	अदत्त राशि
खनिज उपकर, आंध्र प्रदेश	माननीय सर्वोच्च न्यायालय	<b>2005-06</b>	3,656.10	-	3,656.10
		<b>कुल (क)</b>	<b>3,656.10</b>	-	<b>3,656.10</b>
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	आयुक्त	<b>2016-17</b>	18.73	-	18.73
	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण	<b>2016-17; 2018-19</b>	112.78	29.24	83.54
	माननीय उच्च न्यायालय	<b>2012-13 से 2014-15</b>	7,695.25	-	7,695.25
	माननीय सर्वोच्च न्यायालय	<b>2001-02; 2006-07 से 2008-09</b>	518.54	-	518.54
		<b>कुल (ख)</b>	<b>8,345.30</b>	<b>29.24</b>	<b>8,316.06</b>
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण	<b>2007-08; 2012-13; 2018-19; 2020-21</b>	118.42	1.00	117.42
	माननीय उच्च न्यायालय	<b>2015-16</b>	1.50	-	1.50
		<b>कुल (ग)</b>	<b>119.92</b>	<b>1.00</b>	<b>118.92</b>
कर्मचारी भविष्य निधि	ट्रिव्यूनल	<b>1986-87</b>	66.35	49.76	16.59
		<b>कुल (घ)</b>	<b>66.35</b>	<b>49.76</b>	<b>16.59</b>
आयकर अधिनियम, 1961	आयुक्त / (अपील) एवं अपर आयुक्त / आईटीओ	<b>2002-03 से 2007-08; 2012-13 से 2020-21</b>	260,102.20	260,102.20	-
	आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण	<b>2007-08; 2009-10 से 2011-12;</b>	120,391.65	120,391.65	-
	माननीय उच्च न्यायालय	<b>1990-91</b>	420.83	411.92	8.91
		<b>कुल (ङ)</b>	<b>380,914.67</b>	<b>380,905.76</b>	<b>8.91</b>
वस्तु एवं सेवा कर	विभागीय फोरम / न्यायिक प्राधिकरण	<b>2017-18 से 2018-19; 2020-21 से 2022-23</b>	39,203.64	36,168.55	3,035.09
	प्रथम अपीलीय प्राधिकरण / आयुक्त अपील	<b>2017-18 से 2020-21; 2022-23</b>	30,385.09	27,294.69	3,090.40
	न्यायाधिकरण / सी ईएसटीएटी	<b>2017-18 से 2022-23</b>	65,064.78	64,123.63	941.15
	उच्च न्यायालय	<b>2017-18 से 2022-23</b>	49,451.24	-	49,451.24
		<b>कुल (च)</b>	<b>185,104.75</b>	<b>127,586.88</b>	<b>56,517.87</b>

(₹ मिलियन में)

कानून का नाम	वह फोरम जहाँ विवाद लंबित है	वह अधिकारी जिससे राशि संबंधित है (वित्तीय वर्ष)	शामिल कुल राशि	विरोध के तहत भुगतान की गई राशि	अदत राशि
राज्य नगरपालिका कर	प्रथम अपीलीय प्राधिकारी	1998-99; 1999-2000; 2017-18	182.71	-	182.71
	माननीय उच्च न्यायालय	1999-20; 2000-01; 2004-05; 2006-07; 2017-18	117.67	4.30	113.37
	कुल (छ)		300.38	4.30	296.08
रॉयलटी	भूविज्ञान विभाग	1992-93; 1996-97; 2004-05	496.82	-	496.82
	हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (थ छ झ)	2022-23	7,070.30	-	7,070.30
	कुल (झ)		7,567.12	-	7,567.12
केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956 और संबंधित राज्यों के बिक्री कर अधिनियम	आयुक्त / संयुक्त आयुक्त-अपील / संयुक्त आयुक्त-अपील	2005-06; 2009-10; 2016-17; 2017-18	645.05	-	645.06
	अपील न्यायाधिकरण / प्रथम अपीलीय प्राधिकारी	2001-02; 2002-03; 2005-06; 2009-10 से 2015-16; 2018-19	16,339.27	25.50	16,313.77
	माननीय उच्च न्यायालय	2006-07; 2012-13	11.16	7.40	3.76
	माननीय सर्वोच्च न्यायालय	2002-03 से 2008-09; 2012-13; 2016-17	11,607.75	623.96	10,983.79
	कुल (ञ)		28,603.24	656.86	27,946.38
	कृषि भूमि कर	प्रथम अपीलीय प्राधिकारी	2017-18	2.93	1.57
	माननीय उच्च न्यायालय	1995-16; 1998-99; 2005-06; 2009-10; 2018-19; 2020-21	14,334.97	-	14,334.97
	कुल (ट)		14,337.90	1.57	14,336.33
	वित्त अधिनियम, 1994 (सेवा कर)	आयुक्त / (अपील), संयुक्त आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर, महानिदेशक	2006-07; 2007-08; 2011-12 से 2017-18	13,749.85	337.90
	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण / प्रथम अपीलीय प्राधिकारी	2003-04; 2005-06 से 2012-13; 2014-15 से 2017-18	37,151.62	10,363.39	26,788.23
	माननीय उच्च न्यायालय	2012-13; 2015-16; 2016-17	6,522.95	2,870.82	3,652.13
	कुल (ट)		57,424.41	13,572.11	43,852.31
कुल योग (क+ख+ग+घ+ङ+च+ছ+জ+ঝ+ঞ)			685,440.15	522,807.48	162,632.67



## 31 मार्च, 2024 तक एकल तुलना-पत्र

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी संख्या	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को ^	01 अप्रैल, 2022 को ^
I.	परिसंपत्तियाँ				
(1)	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ				
(1)	क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण				
(1)	(i) तेल और गैस परिसंपत्तियाँ	5	1,373,663.00	1,223,494.68	1,168,778.18
(1)	(क) मूर्त		3,628.96	2,808.54	-
(1)	(ख) अमूर्त				
(1)	(ii) अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	6	127,193.44	104,813.86	97,604.70
(1)	(iii) उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	7	284,280.21	86,161.95	101,149.14
(1)	ख) निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	8			
(1)	(i) तेल और गैस परिसंपत्तियाँ				
(1)	1) निर्माणाधीन विकासात्मक कूप		87,739.26	93,983.08	66,132.60
(1)	2) निर्माणाधीन पर तेल और गैस सुविधाएँ		214,453.53	203,360.48	193,523.00
(1)	(ii) अन्य		31,115.22	31,580.26	27,881.24
(1)	ग) अमूर्त परिसंपत्तियाँ	9	2,458.23	1,677.46	1,823.95
(1)	घ) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	10			
(1)	1) निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूप		155,634.67	134,758.57	132,170.25
(1)	2) निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियाँ		42,192.38	25,592.66	11,476.89
(2)	ड) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(2)	(i) निवेश	11	1,053,713.68	849,855.79	851,732.15
(2)	(ii) ऋण	13	19,275.96	16,965.35	14,470.58
(2)	(iii) साइट बहाली निधि के अंतर्गत जमाराशि	14	282,055.43	264,105.99	246,305.67
(2)	(iv) अन्य	15	2,176.85	3,795.90	1,671.57
(2)	च) गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	29	113,969.49	114,966.16	84,269.50
(2)	छ) अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ	16	9,242.52	10,074.60	25,865.09
(2)			<b>3,802,792.83</b>	<b>3,167,995.33</b>	<b>3,024,854.51</b>
(2)	वर्तमान परिसंपत्तियाँ				
(2)	क) सूची	17	107,118.11	83,206.70	78,614.15
(2)	घ) वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(2)	(i) निवेश	11	1,975.08	-	-
(2)	(ii) व्यापार प्राप्त	12	114,097.42	102,503.05	117,884.84
(2)	(iii) नकद और नकद समकक्ष	18	345.48	771.94	501.05
(2)	(iv) अन्य बैंक शेष	19	299,967.52	215,568.52	1,861.25
II.	(v) ऋण	13	2,822.83	2,591.37	2,442.24
II.	(vi) अन्य	15	84,553.38	69,239.64	26,770.44
II.	ग) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ	16	46,536.25	56,907.15	131,190.79
II.	कुल परिसंपत्तियाँ		<b>657,416.07</b>	<b>530,788.37</b>	<b>359,264.76</b>
II.			<b>4,460,208.90</b>	<b>3,698,783.70</b>	<b>3,384,119.27</b>
II.	इक्विटी और देयता				
II.	इक्विटी				
II.	(क) इक्विटी शेयर पूँजी	20	62,901.39	62,901.39	62,901.39
II.	(घ) अन्य इक्विटी	21	2,996,863.73	2,536,821.77	2,317,167.86
II.	कुल इक्विटी		<b>3,059,765.12</b>	<b>2,599,723.16</b>	<b>2,380,069.25</b>

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी संख्या	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को ^	01 अप्रैल, 2022 को ^
(1)	देयताएँ गैर-वर्तमान देयताएँ (क) वित्तीय देयताएँ (i) उधार (ii) पट्टा देयताएँ (iii) अन्य (घ) प्रावधान (ग) आस्थगित कर देयताएँ (शुद्ध) (घ) अन्य गैर-वर्तमान देयताएँ	27 22 23 24 25 26	39,882.48 214,123.29 1,796.25 481,702.98 247,088.28 165.46	39,499.32 46,392.14 1,986.12 374,738.02 224,759.79 186.04	63,969.02 54,649.75 17,026.89 301,862.37 200,221.04 307.29
(2)	वर्तमान देयताएँ (क) वित्तीय देयताएँ (i) उधार (ii) लीज देयताएँ (iii) व्यापार देय - सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए - सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य को (iv) अन्य (ख) अन्य वर्तमान देयताएँ (ग) प्रावधान	27 22 28  23 26 24	21,210.00 76,178.83  3,986.75 59,834.13 195,105.33 34,010.24 25,359.76	32,689.47 42,436.63  2,255.51 60,300.45 223,684.76 30,805.65 19,326.64	- 45,506.71  3,549.23 57,998.02 190,289.28 35,201.55 33,468.87
	कुल देयता कुल इक्विटी और देयता			415,685.04 1,400,443.78 4,460,208.90	411,499.11 1,099,060.54 3,698,783.70
एकल वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न टिप्पणीस			1-59		

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/- (रजनी कान्त)	हस्ता/- (के सी रमेश)	हस्ता/- (मनीष पाठील)	हस्ता/- (अरुण कुमार सिंह)
कंपनी सचिव	मुख्य वित्तीय अधिकारी	निदेशक (मानव संसाधन)	अध्यक्ष एवं सीईओ (डीआइएन: 10139350)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते वी शंकर अस्यर एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 109208W

हस्ता/-

(सीए नैन्सी गुप्ता)

भागीदार (सदस्यता स: 067953)

हस्ता/-

(सीए के.बी. सोलंकी)

भागीदार (सदस्यता स: 110299)

हस्ता/-

(सीए जी शंकर)

भागीदार (सदस्यता स: 046050)

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-

(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)

भागीदार (सदस्यता स: 415118)

हस्ता/-

(सीए अमित शाह)

भागीदार (सदस्यता स: 122131)

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 20 मई, 2024



## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का एकल विवरण

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी संख्या	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक ^
I	प्रचालन से राजस्व	30	1,384,021.31	1,555,173.15
II	अन्य आय	31	107,781.88	76,265.52
III	<b>कुल आय (I+II)</b>		<b>1,491,803.19</b>	<b>1,631,438.67</b>
IV	तैयार/अर्ध-तैयार माल की सूची में परिवर्तन और काम में व्यय	32 & 33	(7,720.02)	(4,828.24)
	उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय, अपलिखित अन्येषण लागत	34	638,289.71	712,108.10
	क. सर्वेक्षण लागत		18,790.76	22,228.30
	ख. अन्येषणात्मक कूप लागत		36,896.53	60,547.90
	वित्त लागत	35	40,813.12	26,996.01
	मूल्यव्यापास, निःशेषण, परिशोधन और टूट-फूट से हानि अन्य टूट-फूट से हानि और अपलेखन	36	204,957.10	168,195.52
	<b>कुल व्यय (IV)</b>	37	29,613.87	32,950.83
			<b>961,641.07</b>	<b>1,018,198.42</b>
V	असाधारण मद्दें और कर पूर्व लाभ (III-IV)		530,162.12	613,240.25
VI	असाधारण मद्दें – आय/(व्यय)	24.4	-	(92,351.14)
VII	<b>कर पूर्व लाभ (V+VI)</b>		<b>530,162.12</b>	<b>520,889.11</b>
VIII	कर व्यय:	38 एवं 39		
	(क) वर्तमान कर से संबंधित:			
	– चालू वर्ष		120,626.57	126,200.00
	– पूर्व के वर्ष		(948.24)	(28,448.24)
	(ख) आस्थगित कर		5,224.09	22,172.32
	<b>कुल कर व्यय (VIII)</b>		<b>124,902.42</b>	<b>119,924.08</b>
IX	<b>वर्ष के लिए लाभ (VII-VIII)</b>		<b>405,259.70</b>	<b>400,965.03</b>
X	<b>अन्य व्यापक आय (ओसीआई)</b>			
	(क) वे मद जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	(i) परिभाषित लाभ दायित्वों का पुनर्मापन		(4,186.13)	(463.84)
	– आस्थगित कर		1,053.57	116.74
	(ii) अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत		205,020.96	(2,356.19)
	– आस्थगित कर		(18,157.99)	(2,483.16)
	<b>कुल अन्य व्यापक आय (शुद्ध कर) (X)</b>		<b>183,730.41</b>	<b>(5,186.45)</b>
XI	<b>वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (IX+X)</b>		<b>588,990.11</b>	<b>395,778.58</b>
XII	प्रति इक्विटी शेयर आय:	40	32.21	31.87
	<b>मूल और तनुकृत (₹)</b>			
एकल वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न टिप्पणी		1-59		

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

## कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/- (रजनी कान्त) कंपनी सचिव	हस्ता/- (के सी रमेश) मुख्य वित्तीय अधिकारी	हस्ता/- (मनीष पाठील) निदेशक (भानव संसाधन) (डीआइएन: 10139350)	हस्ता/- (अरुण कुमार सिंह) अध्यक्ष एवं सीईओ (डीआइएन: 06646894)
हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार			
कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029	कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136	कृते वी शंकर अच्यर एंड कंपनी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 109208W	
हस्ता/- (सीए नैन्सी गुप्ता) भागीदार (सदस्यता स: 067953)	हस्ता/- (सीए के.बी. सोलंकी) भागीदार (सदस्यता स: 110299)	हस्ता/- (सीए जी शंकर) भागीदार (सदस्यता स: 046050)	
कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 009189C	कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377		
हस्ता/- (सीए (डॉ.) विवेक मेहता) भागीदार (सदस्यता स: 415118)	हस्ता/- (सीए अमित शाह) भागीदार (सदस्यता स: 122131)		

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 20 मई, 2024

## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए इकिवटी में परिवर्तन का एकल विवरण

### (i) इकिवटी शेयर पूँजी

(₹ मिलियन में)

विवरण	राशि
1 अप्रैल, 2022 को शेष पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इकिवटी शेयर पूँजी में परिवर्तन	62,901.39
1 अप्रैल, 2022 को पुनः कथित शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	62,901.39
1 अप्रैल, 2023 को पुनः कथित शेष पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इकिवटी शेयर पूँजी में परिवर्तन	62,901.39
1 अप्रैल, 2023 को पुनः कथित शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	62,901.39
31 मार्च, 2024 को शेष	62,901.39



## (ii) अन्य इकिवटी

(₹ मिलियन में)

विवरण	आरक्षित एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत	कुल
	सामान्य आरक्षिति	पूँजी आरक्षिति	पूँजी मोचन आरक्षित	प्रतिधारित अर्जन		
31 मार्च, 2022 तक शेष पुनर्निर्धारण का प्रभाव (टिप्पणी संख्या 54)	2,157,161.51	159.59	1,264.78	8,919.86	141,073.73	2,308,579.47
1 अप्रैल, 2022 को शेष राशि ^	-	-	-	8,588.39	-	8,588.39
वर्ष के लिए लाभ परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन (शुद्ध कर)	2,157,161.51	159.59	1,264.78	17,508.25	141,073.73	2,317,167.86
वर्ष के लिए लाभ परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन (शुद्ध कर)	-	-	-	400,965.03 (347.10)	-	400,965.03 (347.10)
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय (शुद्ध कर)	-	-	-	-	(4,839.35)	(4,839.35)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	400,617.93	(4,839.35)	395,778.58
लाभांश का भुगतान	-	-	-	(176,124.67)	-	(176,124.67)
सामान्य आरक्षिति में अंतरण	212,164.00	-	-	(212,164.00)	-	-
31 मार्च, 2023 तक शेष	2,369,325.51	159.59	1,264.78	29,837.51	136,234.38	2,536,821.77
वर्ष के लिए लाभ परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन (कर पश्चात)	-	-	-	405,259.70 (3,132.56)	-	405,259.70 (3,132.56)
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय (शुद्ध कर)	-	-	-	-	186,862.97	186,862.97
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	402,127.14	186,862.97	588,990.11
लाभांश का भुगतान	-	-	-	(128,948.15)	-	(128,948.15)
सामान्य आरक्षिति में अंतरण	276,311.55	-	-	(276,311.55)	-	-
31 मार्च 2024 को शेष	2,645,637.06	159.59	1,264.78	26,704.95	323,097.35	2,996,863.73

^ पुनर्निर्धारण, टिप्पणी संख्या 54 देखें

### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/-  
(रजनी कान्त)  
कंपनी सचिव

हस्ता/-  
(के सी रमेश)  
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ता/-  
(मनीष पाठील)  
निदेशक (भानव संसाधन)  
(डीआईएन: 10139350)

हस्ता/-  
(अरुण कुमार सिंह)  
अध्यक्ष एवं सीईओ  
(डीआईएन: 06646894)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते वी शंकर अच्यर एंड कंपनी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 109208W

हस्ता/-  
(सीए नैन्सी गुप्ता)  
भागीदार (सदस्यता स: 067953)

हस्ता/-  
(सीए के.बी. सोलंकी)  
भागीदार (सदस्यता स: 110299)

हस्ता/-  
(सीए जी शंकर)  
भागीदार (सदस्यता स: 046050)

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-  
(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)  
भागीदार (सदस्यता स: 415118)

हस्ता/-  
(सीए अमित शाह)  
भागीदार (सदस्यता स: 122131)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 20 मई, 2024

## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का एकल विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
i) प्रचालन गतिविधियों से नगद प्रवाह :		
कर पश्चात शुद्ध लाभ	405,259.70	400,965.03
समायोजन:		
– आयकर व्यय	124,902.42	119,924.08
– आसाधरण मदें	-	92,351.14
– मूल्यांकन, निःशेषण, परिशोधन और हानि	204,957.10	168,195.52
– अपलिखित अन्वेषणात्मक कूप लागत	36,896.53	60,547.90
– वित्त लागत	40,813.12	26,996.01
– अवास्तविक विदेशी मुद्रा हानि / (लाभ)	1,893.21	11,612.03
– अन्य टूट-फूट और अपलेखन	29,613.87	32,950.83
– अतिरिक्त प्रावधान को अपलेखन	(709.27)	(3,270.68)
– व्याज आय	(46,015.06)	(28,253.81)
– वित्तीय साधनों के उचित मूल्यांकन पर हानि / (लाभ)	1,803.60	1,762.48
– वित्तीय गारंटी का परिशोधन	(388.29)	(385.46)
– सीरीडी के प्रति वित्तीय देयता के पुनर्मूल्यांकन / मोचन पर लाभ	(3,663.27)	(3,968.76)
– परिभावित लाभ योजनाओं का पुनः मापन	(4,186.13)	(463.84)
– देयताओं को अब वापस लिखे जाने की आवश्यकता नहीं है	(8,609.10)	(2,503.73)
– सरकारी अनुदान का परिशोधन	(14.14)	(19.39)
– निवेश की बिक्री पर हानि / (लाभ)	(309.60)	-
– गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	(13.13)	(3.93)
– लाभांश आय	(34,303.12)	342,668.74
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पहले प्रचालन लाभ	747,928.44	851,428.92
इसके लिए समायोजन		
– प्राप्य	(12,455.72)	16,345.63
– ऋण और अग्रिम	4,644.10	5,398.52
– अन्य परिसंपत्तियाँ	16,211.30	39,843.27
– मालसूची	(24,663.25)	(4,473.04)
– व्यापार देय और अन्य देयताएँ	40,372.02	24,108.45
प्रचालन से उत्पन्न नकदी	772,036.89	936,826.58
भुगतान किए गए आयकर (शुद्ध कर)	(118,681.66)	(128,448.42)
प्रचालन गतिविधियों द्वारा उत्पन्न शुद्ध नकदी "क"	653,355.23	808,378.16
ii) निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह:		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान	(242,128.21)	(269,923.69)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के निपटान से प्राप्त आय	971.71	1,595.41
अन्वेषणात्मक और विकास वेधन	(135,512.24)	(116,903.23)
सावधि जमा में निवेश	(103,259.35)	(213,550.00)
म्यूचुअल फंड (शुद्ध) में मोचन / (निवेश)	309.60	-
संयुक्त उद्यमों में निवेश	(243.59)	(300.00)
सहायक कंपनियों में बिक्री / (निवेश)	(100.21)	-
निवेश—अन्य	-	(150.00)
साइट बहाली निधि में निकासी / (जमा)	(17,949.44)	(17,800.32)
सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	16,459.60	18,667.85
प्राप्त व्याज	17,843.52	6,338.65
	36,672.89	18,372.16



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
शुद्ध नकदी (उपयोग में) / निवेश गतिविधियों द्वारा उत्पन्न "ख"	(426,935.72)	(573,653.17)
iii) वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह:		
गैर-वर्तमान उधार का पुनर्भुगतान	(26,400.00)	-
वर्तमान उधार की आय/पुनर्भुगतान (शुद्ध)	14,920.01	6,289.99
पट्टे की देनदारियों का भुगतान (शुद्ध ब्याज)	(69,380.34)	(57,988.16)
पट्टे की देनदारियों पर ब्याज व्यय	(13,570.57)	(3,483.39)
इक्विटी शेयरों पर भुगतान किया गया लाभांश भुगतान किया गया ब्याज	(128,949.01)	(176,089.65)
वित्तीय गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी "ग"	(3,466.06)	(3,182.89)
नकदी और नकदी समकक्ष में शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	(226,845.97)	(234,454.10)
वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष।	(426.46)	270.89
वर्ष की अंत में नकद और नकद समकक्ष।	771.94	501.05
	345.48	771.94
	(426.46)	270.89

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

क) नकदी और नकदी समकक्ष में निम्नलिखित शामिल हैं:-

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष
बैंकों के पास शेष राशि	343.09	769.26
हस्तगत नकदी	2.39	2.68
नकदी और नकदी समकक्ष (टिप्पणी संख्या 18)	345.48	771.94
नकदी प्रवाह विवरण में नकदी और नकदी समकक्ष	345.48	771.94

ख) वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न देयताओं का समाधान: -

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च 2023 को	नकदी प्रवाह का वित्तपोषण		गैर-नकदी प्रवाह – विनिमय हानि / (लाभ) और छूट का परिशोधन	31 मार्च 2024 को
		जुटाई गई आय	पुनर्भुगतान		
गैर-वर्तमान उधार					
– विदेशी मुद्रा बांड (टिप्पणी संख्या 27.4)	24,500.22	-	-	382.94	24,883.16
– गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (टिप्पणी संख्या 27.3)	41,398.58	-	26,400.00	0.74	14,999.32
<b>कुल</b>	<b>65,898.80</b>	<b>-</b>	<b>26,400.00</b>	<b>383.68</b>	<b>39,882.48</b>

विवरण	31 मार्च 2023 को	नकदी प्रवाह का वित्तपोषण		गैर-नकदी प्रवाह – विनिमय हानि / (लाभ)	31 मार्च 2024 को
		आय / पुनर्भुगतान (शुद्ध)			
वर्तमान उधार					
– कार्यशील पूंजी ऋण (टिप्पणी संख्या 27.1 और 27.2)	6,289.99		14,920.01	-	21,210.00
<b>कुल</b>	<b>6,289.99</b>		<b>14,920.01</b>		<b>21,210.00</b>

वित्त वर्ष 2022–23 के लिए

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च 2022 को	नकदी प्रवाह का वित्तपोषण		गैर–नकदी प्रवाह – विनिमय हानि / (लाभ) और छूट का परिशोधन	31 मार्च 2023 को
		जुटाई गई आय	पुनर्भुगतान		
गैर–वर्तमान उधार					
– विदेशी मुद्रा बांड (टिप्पणी संख्या 27.4)	22,571.34	-	-	1,928.88	24,500.22
– गैर–परिवर्तनीय डिबैंचर (टिप्पणी संख्या 27.3)	41,397.68	-	-	0.90	41,398.58
<b>कुल</b>	<b>63,969.02</b>	-	-	<b>1,929.78</b>	<b>65,898.80</b>

विवरण	31 मार्च 2022 को	नकदी प्रवाह का वित्तपोषण		गैर–नकदी प्रवाह – विनिमय हानि / (लाभ)	31 मार्च 2023 को
		आय / पुनर्भुगतान (शुद्ध)			
वर्तमान उधार					
– कार्यशील पूँजी ऋण (टिप्पणी संख्या 27.1 और 27.2)	-	6,289.99		-	6,289.99
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>6,289.99</b>		<b>-</b>	<b>6,289.99</b>

### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/- (रजनी कान्त) कंपनी सचिव	हस्ता/- (के सी रमेश) मुख्य वित्तीय अधिकारी	हस्ता/- (मनीष पाठील) निदेशक (मानव संसाधन) (डीआइएन: 10139350)	हस्ता/- (अरुण कुमार सिंह) अध्यक्ष एवं सीईओ (डीआइएन: 06646894)
---------------------------------------	--	---	--

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते वी शंकर अस्यर एंड कंपनी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 109208W

हस्ता/-  
(सीए नैन्सी गुप्ता)  
भागीदार (सदस्यता स: 067953)

हस्ता/-  
(सीए के.बी. सोलंकी)  
भागीदार (सदस्यता स: 110299)

हस्ता/-  
(सीए जी शंकर)  
भागीदार (सदस्यता स: 046050)

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-  
(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)  
भागीदार (सदस्यता स: 415118)

हस्ता/-  
(सीए अमित शाह)  
भागीदार (सदस्यता स: 122131)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 20 मई, 2024



## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरण की टिप्पणी

### 1. निगमित जानकारी

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड ('ओ एनजीसी' या 'कंपनी') भारत में स्थित और निगमित एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट नंबर 5ए-5बी, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, नई दिल्ली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली - 110070 में है। कंपनी के शेयर भारत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध और कारोबार किए जाते हैं। कंपनी कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की खोज, विकास और उत्पादन में लगी हुई है।

### 2. तैयारी का आधार

#### (क) अनुपालन का विवरण

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 16 फरवरी, 2015 की अधिसूचना के अनुसार, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत जारी भारतीय लेखांकन मानक को अपनाया है और 1 अप्रैल, 2016 से कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 (संशोधित) के तहत अधिसूचित किया है।

वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 (संशोधित), कंपनी अधिनियम, 2013 और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी तेल और गैस उत्पादन गतिविधियों के लिए लेखांकन पर मार्गदर्शन टिप्पणी (भारतीय लेखांकन मानक) के तहत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक के अनुसार तैयार किए गए हैं।

#### (ख) माप का आधार

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर लेखांकन की प्रोद्भवन प्रणाली का उपयोग करते हुए चालू व्यवसाय के आधार पर तैयार किए गए हैं, सिवाय कुछ परिसंपत्तियों और देनदारियों के, जिन्हें प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्य/परिशोधित लागत/शुद्ध वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है, जैसा कि लेखांकन नीतियों में बताया गया है।

लेखांकन नीतियों को लगातार लागू किया गया है, सिवाय इसके कि जहां एक नया जारी किया गया भारतीय लेखा मानक शुरू में अपनाया गया हो या मौजूदा लेखांकन मानक में संशोधन के लिए अब तक उपयोग में आने वाली लेखांकन नीति में बदलाव की आवश्यकता हो। उचित मूल्यों को मापने के लिए उपयोग की जाने वाली विधियों का खुलासा वित्तीय विवरणों के टिप्पणी में किया गया है।

#### (ग) चालू/गैर-चालू वर्गीकरण:

चूंकि उद्योग की विशेष प्रकृति के कारण सामान्य तौर पर प्रचालन चक्र की पहचान नहीं की जा सकती है, इसलिए इसे 12 महीने की अवधि माना गया है और सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों को तदनुसार चालू या गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

एकल वित्तीय विवरण भारतीय ("₹") में प्रस्तुत किए जाते हैं और सभी मूल्यों को निकटतम दो दशमलव मिलियन तक पूर्णांकित किया जाता है, सिवाय अन्यथा बताए गए।

#### (घ) नए लेखांकन मानक

1 अप्रैल, 2023 से प्रभावी भारतीय लेखा मानक में संशोधनों के अनुसार, कंपनी अपने वित्तीय विवरणों में पहले की अपेक्षा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों की जानकारी का खुलासा कर रही है। यह परिवर्तन कंपनी की प्रकटीकरण प्रथाओं को अद्यतन भारतीय लेखा मानक ढांचे के साथ संरेखित करता है और अन्य सभी संशोधनों का वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

एमसीए समय-समय पर जारी किए गए कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के तहत नए मानकों या मौजूदा मानकों में संशोधनों को अधिसूचित करता है। रिपोर्टिंग तिथि तक, एमसीए ने किसी भी नए मानक या संशोधन को अधिसूचित नहीं किया है, जिसे 01 अप्रैल, 2024 से लागू किया गया हो।

### 3. सामग्री लेखांकन नीतियां

#### 3.1. सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश:

कंपनी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश को लागत में से हानि हानि, यदि कोई हो, घटाकर दर्ज करती है।

जब कंपनी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की ओर से वित्तीय गारंटी जारी करती है, तो वह वित्तीय गारंटी के प्रारंभिक उचित मूल्य को वित्तीय गारंटी दायित्व के तहत आस्थगित राजस्व के रूप में दर्ज की गई संगत देयता के साथ कथित निवेश के रूप में दर्ज करती है। इस तरह के कथित निवेश को सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश की वहन राशि में जोड़ा जाता है। इसके बाद, देयता को टिप्पणी संख्या 3.25 (iv) के अनुसार मापा जाता है। आस्थगित राजस्व को अन्य आय के रूप में जारी वित्तीय गारंटी की शेष अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

सहायक कंपनियों को प्रदान किए गए ब्याज मुक्त ऋण संवितरण की तिथि पर उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और उचित मूल्यांकन पर अंतर को सहायक कंपनियों में कथित निवेश के रूप में मान्यता दी जाती है। इस तरह के कथित निवेश को सहायक कंपनियों में निवेश की वहन राशि में जोड़ा जाता है। प्रभावी ब्याज दर का उपयोग करके ऋणों का लेखा—जोखा परिशोधित लागत पद्धति पर किया जाता है। यदि सहायक कंपनियों द्वारा ऋण का समय से पहले पुनर्भुगतान किया जाता है, तो पहले से मान्यता प्राप्त माने गए निवेश की आनुपातिक राशि को समायोजित किया जाता है।

जहां कंपनी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों द्वारा जारी अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के संबंध में प्रायोजक है और उसे अनिवार्य रूप से ऐसे डिबेंचर खरीदने की आवश्यकता है, एक वित्तीय देयता को उचित मूल्य पर माना जाता है, जिसमें माना गया निवेश के लिए संगत डेबिट होता है। वित्तीय देयता को बाद में परिशोधित लागत पर मापा जाता है। माना गया निवेश सहायक कंपनियों या संयुक्त उद्यमों में निवेश की वहन राशि में जोड़ा जाता है और लागत पर वहन किया जाता है।

सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश का निपटान

सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश के निपटान पर, शुद्ध निपटान आय और वहन राशि (माना गया निवेश में कमजोर पड़ने के संगत मूल्य सहित) के बीच अंतर को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

## 3.2. संयुक्त प्रचालन में हित

संयुक्त प्रचालन एक संयुक्त व्यवस्था है जिसके तहत व्यवस्था पर संयुक्त नियंत्रण रखने वाले पक्षों के पास व्यवस्था से संबंधित परिसंपत्तियों पर अधिकार और देनदारियों के लिए दायित्व होते हैं।

कंपनी के पास हाइड्रोकार्बन की खोज, विकास और उत्पादन गतिविधियों के लिए भारत सरकार और विभिन्न निगमित निकायों के साथ उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) और राजस्व साझाकरण अनुबंध (आरएससी) की प्रकृति में संयुक्त प्रचालन हैं।

संयुक्त प्रचालन की जिम्मेदार आय और व्यय के साथ परिसंपत्तियों और देयताओं में कंपनी का हिस्सा कंपनी के वित्तीय विवरणों में समान मदों के साथ पंक्ति दर पंक्ति आधार पर विलय किया जाता है और कंपनी की लेखांकन नीतियों के अनुसार मूल्यांकन, निःशेषण, सर्वेक्षण, खोजपूर्ण कुओं की लागत को बढ़े खाते में डालना, डीकमीशनिंग

प्रावधान, हानि और साइडट्रैकिंग के लिए समायोजित किया जाता है।

ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोकार्बन भंडार कंपनी के सहभागी हित के अनुपात में लिया जाता है।

संयुक्त प्रचालन में पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों के उपयोग के संबंध में, कंपनी संबंधित संयुक्त प्रचालन समझौते की शर्तों के अनुसार पट्टा देयता और संबंधित उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति को मान्यता देती है।

## 3.3. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब मान्यता दी जाती है जब यह उचित आश्वासन हो कि कंपनी उनसे जुड़ी शर्तों का पालन करेगी और अनुदान प्राप्त किए जाएँगे।

पूँजी अनुदान जो किसी परिसंपत्ति से संबंधित है और जिसकी प्राथमिक शर्त यह है कि कंपनी को गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों को खरीदना, निर्माण करना या अन्यथा प्राप्त करना चाहिए, उन्हें तुलन पत्र में गैर-वर्तमान देयता के तहत 'आस्थगित आय' के रूप में मान्यता दी जाती है और उसका खुलासा किया जाता है। इसे संबंधित परिसंपत्तियों के अपेक्षित उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित आधार पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

कंपनी द्वारा प्राप्त गैर-मौद्रिक अनुदानों को अनुदानों और परिसंपत्तियों के लिए नाममात्र मूल्य पर मान्यता दी जाती है।

## 3.4. तेल और गैस परिसंपत्तियों सहित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

### (i) तेल और गैस परिसंपत्तियाँ

अधिग्रहित/निर्मित तेल और गैस परिसंपत्तियाँ (मूर्त और अमूर्त) शुरू में लागत पर पहचानी जाती हैं और फिर बाद में संचित निःशेषण और हानि हानियों को घटाकर लागत पर ले जाई जाती हैं। ये ऐसे क्षेत्र/क्षेत्र के संबंध में बनाए जाते हैं, जिसमें सिद्ध विकसित तेल और गैस भंडार हैं, जब क्षेत्र/क्षेत्र में कुआँ वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार होता है।

भूमि के अस्थायी कब्जे की लागत, सफल अन्वेषण कुएँ, सभी विकास कुएँ (सेवा कुओं सहित), संबद्ध सुविधाएँ, वेधन के लिए उपयोग किए जाने वाले सहायक उपकरणों पर मूल्यांकन और अनुमानित भविष्य की डीकमीशनिंग लागतों को पूँजीकृत किया जाता है और तेल और गैस परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

तेल और गैस परिसंपत्तियों को "उत्पादन विधि की इकाई" का उपयोग



करके समाप्त किया जाता है। इस की दर की गणना व्यक्तिगत पट्टे/लाइसेंस/परिसंपत्ति/परिशोधन आधार द्वारा कवर किए गए क्षेत्र के संबंध में की जाती है, जिसमें सिद्ध विकसित भंडार और अनुमानित भविष्य की डीकमीशनिंग/परित्याग लागतों सहित संबंधित पूँजीगत लागतों पर विचार किया जाता है। तेल और गैस परिसंपत्तियों की अधिग्रहण लागत प्रमाणित भंडारों पर विचार करके कम की जाती है। इन भंडारों का अनुमान कंपनी की आरक्षित आकलन समिति द्वारा सालाना लगाया जाता है, जो अंतर्राष्ट्रीय जलाशय इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं का पालन करती है।

## (ii) अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

उत्पादन, आपूर्ति या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए निर्माण के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (तेल और गैस परिसंपत्तियों के अलावा) को लागत पर रखा जाता है, जिसमें से किसी भी मान्यता प्राप्त हानि को घटा दिया जाता है। किसी परिसंपत्ति की लागत में उसका क्रय मूल्य या उसकी निर्माण लागत (लागू कर क्रेडिट के बाद शुद्ध), परिसंपत्ति को प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से प्रचालन करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक स्थान और स्थिति में लाने के लिए सीधे जिम्मेदार कोई भी लागत और टिप्पणी संख्या 3.10 के अनुसार डीकमीशनिंग लागत शामिल है। इसमें पेशेवर शुल्क और, योग्य परिसंपत्तियों के लिए, कंपनी की लेखा नीति के अनुसार पूँजीकृत उधार लागत शामिल है।

पीपीई की एक मद के अलग—अलग उपयोगी जीवन और महत्वपूर्ण मूल्य वाले हिस्से और पूँजी सुधार या अन्य कारकों के कारण संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर होने वाले बाद के व्यय को पीपीई के संबंधित मद के तहत अलग—अलग घटकों के रूप में हिसाब में लिया जाता है। रिग और जहाजों की ड्राई डॉकिंग पर व्यय को प्रासंगिक परिसंपत्तियों के घटक के रूप में हिसाब में लिया जाता है। वस्तुओं या सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग के लिए रखी गई भूमि और इमारतों को तुलन पत्र में लागत में से संचित मूल्यहास और हानि हानि, यदि कोई हो, घटाकर दर्शाया जाता है। फ्रीहोल्ड भूमि और स्थायी पट्टे के तहत भूमि का मूल्यहास नहीं किया जाता है।

पीपीई का मूल्यहास तब शुरू होता है जब परिसंपत्तियां अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार होती हैं।

पीपीई (फ्रीहोल्ड भूमि, तेल और गैस परिसंपत्तियों और निर्माणाधीन संपत्तियों के अलावा) की लागत पर मूल्यहास उनके अवशिष्ट मूल्यों को घटाकर, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची ॥ में बताए

गए पीपीई के उपयोगी जीवन पर लिखित डाउन वैल्यू पद्धति (शुष्क डॉकिंग के घटकों को छोड़कर) का उपयोग करके या कंपनी द्वारा तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। इन परिसंपत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन इस प्रकार है:

विवरण	वर्ष
भवन और बंक हाउस	3 से 60
संयंत्र और मशीनरी	2 से 40
फर्नीचर और फिक्स्चर	3 से 25
वाहन, जहाज और नावें	3 से 20
कार्यालय उपकरण	2 से 20

अनुमानित उपयोगी जीवन, अवशिष्ट मूल्य और मूल्यहास विधि की वार्षिक आधार पर समीक्षा की जाती है और यदि आवश्यक हो, तो अनुमानों में परिवर्तनों को भावी रूप से हिसाब में लिया जाता है।

पूँजी सुधार या अन्य कारकों के कारण उत्पन्न होने वाले पीपीई (तेल और गैस परिसंपत्तियों के अलावा) पर बाद के व्यय पर मूल्यहास शेष उपयोगी जीवन पर भावी रूप से प्रदान किया जाता है।

नवीनीकृत/पुनर्निर्मित पीपीई (तेल और गैस परिसंपत्तियों के अलावा) पर मूल्यहास जो अलग से पूँजीकृत हैं, पुनर्मूल्यांकित उपयोगी जीवन पर प्रदान किया जाता है।

प्रासंगिक रिग/जहाजों के घटक के रूप में पूँजीकृत रिग और जहाजों की ड्राई डॉकिंग पर व्यय पर मूल्यहास सीधी रेखा के आधार पर ड्राई डॉक अवधि पर लगाया जाता है। अन्वेषण/विकास वेधन के लिए उपयोग किए जाने वाले सहायक उपकरण और सुविधाओं सहित पीपीई (तेल और गैस परिसंपत्तियों के अलावा) पर मूल्यहास शुरू में वेधन लागत के हिस्से के रूप में पूँजीकृत किया जाता है और टिप्पणी संख्या 3.4 (i) के अनुसार व्यय/हास किया जाता है। सर्वेक्षण गतिविधियों के लिए मौजूद उपकरणों/परिसंपत्तियों पर मूल्यहास लाभ और हानि के विवरण में लगाया जाता है।

पीपीई की एक वस्तु को निपटान पर या जब परिसंपत्ति के निरंतर उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ होने की उम्मीद नहीं होती है, तब मान्यता रद्द कर दी जाती है। पीपीई की एक वस्तु के निपटान या सेवानिवृत्ति पर होने वाले किसी भी लाभ या हानि को शुद्ध बिक्री/निपटान आय और परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और इसे लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

### 3.5. पट्टा देयताएँ और उपयोग का अधिकार संपत्तियाँ

कंपनी अनुबंध के आरंभ में यह आकलन करती है कि अनुबंध में पट्टा शामिल है या नहीं। यह आकलन करने के लिए कि क्या अनुबंध किसी पहचानी गई संपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है, कंपनी यह आकलन करती है कि क्या:

- (i) अनुबंध में पहचानी गई संपत्ति का उपयोग शामिल है;
- (ii) कंपनी पट्टे की अवधि के दौरान संपत्ति के उपयोग से सभी आर्थिक लाभ प्राप्त करती है और
- (iii) कंपनी को संपत्ति के उपयोग को निर्देशित करने का अधिकार है।

कंपनी ने अमूर्त संपत्तियों के पट्टों पर इस मानक को लागू न करने का विकल्प चुना है।

#### कंपनी एक 'पट्टेदार' के रूप में

पट्टे के आरंभ की तिथि पर, कंपनी बारह महीने या उससे कम अवधि के पट्टे (यानी, अल्पकालिक पट्टे) और कम मूल्य की संपत्तियों के पट्टे को छोड़कर, सभी किराये के अनुबंधों / व्यवस्थाओं के लिए उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति (आरओयू संपत्तियाँ) और एक संगत पट्टा देयता को मान्यता देती है। इन अल्पकालिक और कम मूल्य के पट्टों के लिए, कंपनी पट्टे की अवधि के दौरान सीधी रेखा के आधार पर पट्टे के भुगतान को मान्यता देती है।

कुछ पट्टा व्यवस्थाओं में पट्टे की अवधि समाप्त होने से पहले पट्टे को बढ़ाने या समाप्त करने के विकल्प शामिल हैं। आरओयू परिसंपत्तियों और पट्टे की देयताओं में ये विकल्प शामिल हैं जब यह यथोचित रूप से निश्चित है कि पट्टे को बढ़ाने का विकल्प प्रयोग किया जाएगा / पट्टे को समाप्त करने का विकल्प प्रयोग नहीं किया जाएगा।

पट्टा देयता को शुरू में यथोचित रूप से निश्चित पट्टा अवधि पर भविष्य के पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है। पट्टे के भुगतान को पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग करके छूट दी जाती है, यदि यह आसानी से निर्धारित नहीं किया जा सकता है, तो वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करके। समान विशेषताओं वाले पट्टों के लिए, कंपनी, पट्टे के आधार पर, पट्टे के लिए विशिष्ट वृद्धिशील उधार दर या पूरे पोर्टफोलियो के लिए वृद्धिशील उधार दर लागू करती है।

यदि कंपनी विस्तार या समाप्ति विकल्प के बारे में अपना मूल्यांकन बदलती है, तो संबंधित उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति के अनुरूप समायोजन के साथ पट्टे की देयताओं को फिर से मापा जाता है।

उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों को शुरू में लागत पर पहचाना जाता है, जिसमें लीज़ देयता के प्रारंभिक माप की राशि शामिल होती है, जिसे लीज़ की आरंभिक तिथि पर या उससे पहले किए गए किसी भी लीज़ भुगतान के साथ-साथ किसी भी आरंभिक प्रत्यक्ष लागत, बहाली दायित्वों और प्राप्त लीज़ प्रोत्साहन के लिए समायोजित किया जाता है।

इसके बाद, उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों को लागत में से किसी भी संचित मूल्यांकास और संचित हानि हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है। उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का मूल्यांकास, उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों की लीज़ अवधि या उपयोगी जीवन में से जो भी कम हो, उस पर आरंभ तिथि से सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करके किया जाता है।

लीज़ देयता पर ब्याज लागत (प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके गणना की जाती है), लाभ और हानि के विवरण में व्यय की जाती है, जब तक कि उधार लागत पर नीचे दी गई लेखांकन नीति के अनुसार पूँजीकरण के लिए पात्र न हो।

कंपनी भारतीय लेखा मानक 116 पट्टा के अनुसार अनुबंध के प्रत्येक पट्टा घटक को अनुबंध के गैर-पट्टा घटकों से अलग पट्टे के रूप में हिसाब में लेती है तथा पट्टा घटक के सापेक्ष एकल मूल्य तथा गैर-पट्टा घटकों के समग्र एकल मूल्य के आधार पर अनुबंध में प्रत्येक पट्टा घटक को प्रतिफल आवंटित करती है।

### 3.6. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

#### (i) अलग से अर्जित अमूर्त संपत्तियाँ

परिमित उपयोगी जीवन वाली अमूर्त परिसंपत्तियाँ जो अलग से अर्जित की जाती हैं, उन्हें लागत में से संचित परिशोधन और हानि हानि घटाकर रेखा जाता है। परिशोधन को उनके अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा के आधार पर मान्यता दी जाती है, जो पूँजीकरण की तिथि से पाँच वर्ष से अधिक नहीं होती। अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है और अनुमान में किसी भी परिवर्तन के प्रभाव को भावी रूप से हिसाब में लिया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्तियों को निपटान पर या जब उपयोग या निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ अपेक्षित नहीं होता है, तब मान्यता रद्द कर दी जाती है। अमूर्त परिसंपत्ति की मान्यता रद्द करने से होने वाले लाभ या हानि को शुद्ध निपटान आय और संपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है, और परिसंपत्ति की मान्यता रद्द करने पर लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।



शोध व्यय को तब व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जब वह किया जाता है। विकास व्यय को निर्दिष्ट शर्तों की पूर्ति के अधीन अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है।

### (ii) विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियाँ—अन्वेषणात्मक विकासशील कूप।

अन्वेषणात्मक और मूल्यांकन कुओं की वेधन और उन्हें सुसज्जित करने में होने वाली सभी अन्वेषण और मूल्यांकन लागतों को शुरू में विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियों – अन्वेषणात्मक विकासशील कुएँ प्रगति पर के रूप में पूंजीकृत किया जाता है, जब तक कि इन्हें टिप्पणी संख्या 3.4 (i) के अनुसार पूरा होने पर तेल और गैस परिसंपत्तियों में स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता है या अन्वेषण और मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यव्यापास सहित) के रूप में व्यय नहीं किया जाता है, जब भी यह निर्धारित किया जाता है कि वे शुक्र हैं या आगे उपयोग के योग्य नहीं हैं, जैसा भी मामला हो।

अन्वेषणात्मक प्रकार के स्ट्रेटीगिक परीक्षण कुओं की वेधन की लागत को शुरू में विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियों – अन्वेषण गत्तमक विकासशील कुओं के रूप में पूंजीकृत किया जाता है, जब तक कि इन्हें टिप्पणी संख्या 3.4 (i) के अनुसार तेल और गैस परिसंपत्तियों में स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता है या अन्वेषण और मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यव्यापास सहित) के रूप में व्यय नहीं किया जाता है, जब भी यह निर्धारित किया जाता है कि वे सूखे हैं या पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस को सरेंडर कर दिया गया है। अन्वेषण कुओं की लागत तब तक आगे नहीं बढ़ाई जाती जब तक कि यह उचित रूप से प्रदर्शित न किया जा सके कि भंडार की पर्याप्त मात्रा के संकेत हैं और भंडार तथा परियोजना की आर्थिक और प्रचालन व्यवहार्यता का आकलन करने में पर्याप्त प्रगति हुई है। ऐसी सभी आगे बढ़ाई गई लागतों कंपनी की नीति के अनुसार हानि के लिए समीक्षा के अधीन हैं।

### (iii) निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्ति

विकास क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण की लागत को शुरू में 'प्रगति में अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्ति' के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और सर्वेक्षण (अधिग्रहण प्रसंस्करण और व्याख्या (एपीआई)) गतिविधि के समापन पर टिप्पणी संख्या 3.8 (iii) के अनुसार 'तेल और गैस परिसंपत्तियों' में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

### 3.7. मूर्त, अमूर्त परिसंपत्तियों और उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अपनी मूर्त (तेल और गैस परिसंपत्तियाँ, निर्माणाधीन विकास कुएँ (डीडब्ल्यूआइपी), संपत्ति,

संयंत्र और उपकरण जिसमें पूंजीगत कार्य-प्रगति शामिल है), "नकदी उत्पादक इकाई" (सीजीयू) की उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों और अमूर्त परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा करती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या कोई महत्वपूर्ण संकेत है कि उन परिसंपत्तियों को हानि हुई है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो हानि की सीमा (यदि कोई हो) निर्धारित करने के लिए परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है। जब किसी व्यक्तिगत परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाना संभव नहीं होता है, तो कंपनी उस नकदी उत्पादक इकाई की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है जिससे परिसंपत्ति संबंधित है।

वसूली योग्य राशि उचित मूल्य में से निपटान की लागत और उपयोग में मूल्य में से जो अधिक हो, वह है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भावी नकदी प्रवाह को कर-पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिमों के वर्तमान बाजार मूल्यांकन को दर्शाती है जिसके लिए भावी नकदी प्रवाह के अनुमानों को समायोजित नहीं किया गया है।

यदि किसी परिसंपत्ति (या नकदी-उत्पादक इकाई) की वसूली योग्य राशि उसकी वहन राशि से कम होने का अनुमान है, तो परिसंपत्ति (या नकदी-उत्पादक इकाई) की वहन राशि को उसकी वसूली योग्य राशि तक घटा दिया जाता है और हानि हानि को लाभ और हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में यह देखने के लिए मूल्यांकन किया जाता है कि क्या कोई संकेत है कि पहले मान्यता प्राप्त हानि हानि अब मौजूद नहीं हो सकती है या कम हो सकती है। यदि पिछली हानि मान्यता प्राप्त होने के बाद से परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि निर्धारित करने के लिए उपयोग किए गए अनुमानों में कोई परिवर्तन हुआ है, तो हानि हानि को उलट दिया जाता है। यदि ऐसा है, तो परिसंपत्ति की वहन राशि को उसकी वसूली योग्य राशि और निर्धारित की गई वहन राशि में से कम तक बढ़ा दिया जाता है, मूल्यव्यापास को घटाकर, यदि पिछले वर्षों में परिसंपत्ति के लिए कोई हानि मान्यता प्राप्त नहीं हुई थी। उलटफेर के बाद, परिसंपत्ति की संशोधित वहन राशि को, किसी भी अवशिष्ट मूल्य को घटाकर, उसके शेष उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित आधार पर आवंटित करने के लिए मूल्यव्यापास शुल्क को भविष्य की अवधि में समायोजित किया जाता है। हानि हानि के उलटफेर को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है। अन्वेषण और मूल्यांकन परिसंपत्तियों की हानि के लिए जाँच तब की जाती है जब निकट भविष्य में आगे की अन्वेषण गतिविधियों की योजना नहीं बनाई जाती है या जब यह इंगित करने के लिए पर्याप्त

डेटा मौजूद होता है कि हालांकि विकास आगे बढ़ने की संभावना है, लेकिन अन्वेषण परिसंपत्ति की वहन राशि सफल विकास या बिक्री से पूरी तरह से वसूल होने की संभावना नहीं है। टूट-फूट लाभ और हानि को बाद में उलट दिया जाता है, इस सीमा तक कि हानि के लिए स्थितियाँ अब मौजूद नहीं हैं।

### 3.8. अन्वेषण एवं मूल्यांकन, विकास एवं उत्पादन लागत

#### (i) अधिग्रहण—पूर्व लागत

तेल एवं गैस की खोज, विकास एवं उत्पादन के अधिकार प्राप्त करने से पहले किए गए व्यय के रूप में लिया जाता है।

#### (ii) अधिग्रहण लागत

तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की अधिग्रहण लागत खनिज हित प्राप्त करने के अधिकार से संबंधित लागत है तथा इसका लेखा निम्न प्रकार से किया जाता है: –

#### (क) अन्वेषण एवं विकास चरण

अन्वेषण या विकास के अंतर्गत परियोजनाओं से संबंधित अधिग्रहण लागत को प्रारंभ में क्रमशः विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ – प्रगतिशील अन्वेषण कुएं या विकासाधीन तेल एवं गैस परिसंपत्तियाँ – प्रगतिशील विकास कुएं के रूप में लिया जाता है। जब कोई कुआं वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार हो जाता है, तो ऐसी लागतों को तेल एवं गैस परिसंपत्तियों में स्थानांतरित करके पूंजीकृत किया जाता है। विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों – प्रगतिशील अन्वेषण कुएं के परित्याग/त्याग के मामले में, ऐसी लागतों को अपलिखित किया जाता है।

#### (ख) उत्पादन चरण

तेल और गैस परिसंपत्तियों के उत्पादन की अधिग्रहण लागत को तेल और गैस परिसंपत्तियों के अंतर्गत सिद्ध संपत्ति अधिग्रहण लागत के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के सिद्ध भंडार पर उत्पादन पद्धति की इकाई का उपयोग करके परिशोधित किया जाता है।

#### (iii) सर्वेक्षण लागत

अन्वेषण क्षेत्र में तेल और गैस की खोज में किए गए सर्वेक्षण और पूर्वेक्षण गतिविधियों की लागत को उस वर्ष में अन्वेषण लागत के रूप में व्यय किया जाता है जिसमें ये खर्च किए जाते हैं।

विकास क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण की लागत को शुरू में 'प्रगति' में अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्ति के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और सर्वेक्षण (एपीआई) गतिविधि के समापन पर 'तेल और गैस परिसंपत्तियों' में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

#### (iv) विकास के तहत तेल और गैस परिसंपत्ति – प्रगतिशील विकास कुएं

विकास कुओं से संबंधित सभी लागतों को शुरू में 'प्रगतिशील विकास कुओं' के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और "पूरा होने" पर 'तेल और गैस परिसंपत्तियों' में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

#### (v) उत्पादन लागत

उत्पादन लागत में मूल्यव्यापास और सहायक उपकरणों और सुविधाओं की लागू प्रचालन लागत सहित प्री-वेल हेड और पोस्ट-वेल हेड व्यय शामिल हैं।

#### 3.9. साइड ट्रैकिंग लागत

अन्वेषणात्मक कुएँ के मामले में, साइड-ट्रैकिंग की लागत को उसी तरह से माना जाता है जैसे कि नए अन्वेषणात्मक कुएँ पर होने वाली लागत को माना जाता है। साइड ट्रैक किए गए अन्वेषणात्मक कुओं के परित्यक्त हिस्से की लागत को 'अन्वेषण लागत में कमी' के रूप में व्यय किया जाता है।

विकासात्मक कुओं के मामले में, परित्यक्त हिस्से और साइड ट्रैकिंग की पूरी लागत को पूंजीकृत किया जाता है।

उत्पादक कुओं और सेवा कुओं की साइड ट्रैकिंग के मामले में जो विकास योजनाओं का हिस्सा हैं, उन्हें विकास कुएँ माना जाता है और साइड ट्रैकिंग पर होने वाली लागत को पूंजीकृत किया जाता है।

उत्पादक कुओं और सेवा कुओं की साइड ट्रैकिंग के मामले में जो विकास योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और साइड-ट्रैकिंग के परिणामस्वरूप अतिरिक्त सिद्ध विकसित तेल और गैस भंडार बनते हैं या प्रदर्शन के पहले से निर्धारित मानक से परे भविष्य के आर्थिक लाभ में वृद्धि होती है, साइड ट्रैकिंग पर होने वाली लागत को पूंजीकृत किया जाता है, जबकि कुएँ के परित्यक्त हिस्से की लागत को सामान्य तरीके से समाप्त कर दिया जाता है। अन्यथा, साइड ट्रैकिंग की लागत को 'कार्य व्यय' के रूप में व्यय किया जाता है।

#### 3.10. विघटन लागत

विघटन लागत तब पहचानी जाती है जब कंपनी के पास किसी कुएँ को बंद करने और छोड़ने, किसी सुविधा या संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु को नष्ट करने और हटाने तथा उस स्थान को बहाल करने का कानूनी या रचनात्मक दायित्व होता है, जिस पर वह स्थित है। कुएँ की साइटों और संबद्ध सुविधाओं को नष्ट करने, छोड़ने और बहाल करने से संबंधित लागतों के लिए पूर्ण अंतिम अनुमानित प्रावधान संबंधित परिसंपत्तियों में तब पहचाने जाते हैं, जब



कुओं पूरा हो जाता है / सुविधाएं या संपत्ति, संयंत्र और उपकरण स्थापित हो जाते हैं।

मान्यता प्राप्त राशि, वर्तमान कीमतों पर मौजूदा प्रौद्योगिकी का उपयोग करके निर्धारित अनुमानित भविष्य के व्यय का वर्तमान मूल्य है और डीकमीशनिंग की अपेक्षित तिथि तक उचित मुद्रास्फीति दर का उपयोग करके बढ़ाया जाता है और उचित जोखिम-मुक्त छूट दर का उपयोग करके रिपोर्टिंग तिथि तक छूट दी जाती है। डीकमीशनिंग प्रावधान के बराबर राशि को अन्वेषणात्मक कुएँ या संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत के साथ मान्यता दी जाती है। शुष्क कुएँ के संबंध में डीकमीशनिंग लागत को अन्वेषणात्मक कुएँ की लागत के रूप में व्यय किया जाता है। छूट की आवधिक अनवाइंडिंग के अलावा अनुमानित डीकमीशनिंग प्रावधान के वर्तमान मूल्य में कोई भी परिवर्तन डीकमीशनिंग प्रावधान और संबंधित परिसंपत्ति के वहन मूल्य में समायोजित किया जाता है। यदि डीकमीशनिंग प्रावधान का उलटा संबंधित परिसंपत्ति की वहन राशि से अधिक है, जिसमें डीकमीशनिंग प्रावधान के पूंजीकृत हिस्से का डब्ल्यूडीवी संबंधित परिसंपत्ति की वहन राशि में शामिल है, तो अतिरिक्त राशि को लाभ और हानि विवरण में मान्यता दी जाती है। प्रावधान पर छूट की अनवाइंडिंग को लाभ और हानि विवरण में वित्त लागत के रूप में चार्ज किया जाता है। संयुक्त प्रचालन के अंतर्गत परिसंपत्तियों के संबंध में डीकमीशनिंग लागत के लिए प्रावधान संबंधित प्रचालन समिति द्वारा अनुमोदित अनुमानों के आधार पर कंपनी के सहभागी हित के अनुसार माना जाता है। जहां भी संबंधित प्रचालन समिति द्वारा उन्हें अनुमोदित नहीं किया जाता है, वहां कंपनी के डीकमीशनिंग लागत अनुमानों पर विचार किया जाता है।

### 3.11. मालसूची

पाइपलाइनों/टैंकों में मालसूची सहित तैयार माल (सल्फर और कार्बन क्रेडिट के अलावा) का मूल्यांकन लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य जो भी कम हो, पर किया जाता है। तैयार माल की लागत अवशोषण लागत विधि पर निर्धारित की जाती है। इसमें सीधे तौर पर जिमेदार निश्चित और परिवर्तनीय उत्पादन ओवरहेड्स का व्यवस्थित आवर्टन भी शामिल है। इन्वेंटरी के मूल्य में प्रासंगिक परिसंपत्तियों की परिशोधन लागत, उत्पादन से संबंधित लागत, उत्पाद शुल्क और रॉयल्टी (जहां भी लागू हो) शामिल हैं, लेकिन वसूली योग्य करों को शामिल नहीं किया जाता है।

ग्रुप गैदरिंग स्टेशनों (जीजीएस) पर अर्ध-तैयार स्थिति में कच्चे तेल का मूल्यांकन अवशोषण लागत विधि या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य जो भी कम हो, पर किया जाता है। जीजीएस/प्लेटफॉर्म तक प्रवाह

लाइनों में अधूरे हालत में कच्चे तेल का मूल्यांकन नहीं किया जाता है क्योंकि इसे मापा नहीं जा सकता है। प्राकृतिक गैस का मूल्यांकन नहीं किया जाता है क्योंकि इसे संग्रहीत नहीं किया जाता है। तैयार माल और अर्ध-तैयार माल की लागत भारित औसत के आधार पर निर्धारित की जाती है। स्टोर और स्पेयर पार्ट्स की इन्वेंट्री का मूल्यांकन भारित औसत लागत या

शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। अप्रचलित और गैर-चलती इन्वेंट्री के लिए प्रावधान किए गए हैं। सल्फर (अवशिष्ट प्रकृति का) और कार्बन क्रेडिट का मूल्यांकन शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है।

### 3.12. राजस्व मान्यता

कंपनी मुख्य रूप से कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, मूल्य वर्धित उत्पादों, पाइपलाइन परिवहन और प्रसंस्करण सेवाओं जैसे उत्पादों और सेवाओं की बिक्री से राजस्व प्राप्त करती है।

ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व उस समय पहचाना जाता है जब कंपनी किसी वादा किए गए उत्पाद या सेवा का नियंत्रण ग्राहक को हस्तांतरित करके एक प्रदर्शन दायित्व को पूरा करती है, जो उस राशि को दर्शाता है जिसके लिए कंपनी उत्पादों और सेवाओं की बिक्री के बदले में हकदार होने की उम्मीद करती है, छूट, करों को छोड़कर। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण का हस्तांतरण डिलीवरी के बिंदु पर होता है, जहां आमतौर पर शीर्षक पारित किया जाता है और ग्राहक अनुबंध की शर्तों के आधार पर भौतिक कब्जा लेता है। कीमतों में किसी भी पूर्वावधी संशोधन को ऐसे संशोधन के वर्ष में हिसाब में लिया जाता है।

प्रगतिशील अन्वेषण/विकास कुओं से उत्पादित कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस (शुल्कों को छोड़कर) की बिक्री को ऐसे कुओं पर व्यय से घटाया जाता है।

संविदागत कम उठाई गई गैस मात्रा के संबंध में प्राप्त कोई भी भुगतान, जिसके लिए बाद की अवधि में ऐसी गैस की भरपाई करने का दायित्व मौजूद है, प्राप्ति के वर्ष में संविदा देयताओं के रूप में मान्यता प्राप्त है। ऐसी संविदागत कम उठाई गई गैस मात्रा के संबंध में राजस्व तब मान्यता प्राप्त होता है जब ऐसी गैस वास्तव में आपूर्ति की जाती है या जब ग्राहक का भरपाई करने का अधिकार समाप्त हो जाता है, जो भी पहले हो। तेल और गैस भंडारों को निकालने के लिए भारत सरकार के साथ उत्पादन साझाकरण अनुबंधों के अनुसार, लागत की वसूली के बाद भंडारों के दोहन से होने वाली आय में से, राजस्व का एक हिस्सा भारत सरकार को दिया जाता है जिसे लाभ

पेट्रोलियम कहा जाता है। इसे पेट्रोलियम लाभ में भारत सरकार के हिस्से के रूप में उत्पादों की बिक्री से प्राप्त राजस्व से घटाया जाता है। गैस की संविदागत कम उठाई गई मात्रा के संबंध में राजस्व, जिसमें भरपाई करने का कोई दायित्व नहीं है, तब मान्यता प्राप्त होता है जब प्राप्त की संग्रहणीयता उचित रूप से सुनिश्चित हो जाती है।

### 3.13. अन्य आय

- (i) निवेश से लाभांश आय को तब मान्यता दी जाती है जब शेयरधारक का भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है।
- (ii) निम्नलिखित के संबंध में आय को तब मान्यता दी जाती है जब प्राप्त की संग्रहणीयता उचित रूप से सुनिश्चित हो:
  - (क) ग्राहकों से विलंबित वसूली पर ब्याज और जेवी भागीदारों से नकद कॉल;
  - (ख) ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं से परिसमाप्त क्षति;
- (iii) बैंकों के पास जमा पर ब्याज आय को लागू प्रभावी ब्याज दर पर मान्यता दी जाती है, अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से ब्याज आय को प्रारंभिक मान्यता पर प्रभावी ब्याज दर पद्धति पर मान्यता दी जाती है।

### 3.14. विदेशी मुद्रा लेनदेन

कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा भारतीय रूपए ("₹") है जो उस प्राथमिक आर्थिक परिवेश की मुद्रा को दर्शाती है जिसमें यह प्रचालित होती है।

कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (विदेशी मुद्राओं) के अलावा अन्य मुद्राओं में लेनदेन लेनदेन की तिथियों पर प्रचलित विनिमय दरों पर मान्यता प्राप्त हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंतिम दिन प्रचलित औसत विनिमय दर का उपयोग करके अनुवादित किया जाता है।

मौद्रिक मदों पर विनिमय अंतर उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त हैं जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित गैर-मौद्रिक मदों जिन्हें ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापा जाता है, लेनदेन की तिथि पर विनिमय दर का उपयोग करके दर्ज की जाती है।

### 3.15. कर्मचारी लाभ

कर्मचारी लाभों में वेतन, मजदूरी, अंशदायी भविष्य निधि, ग्रेचुटी, अप्रयुक्त छुट्टी के लिए छुट्टी नकदीकरण, मुआवजा अनुपरिधि, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ और अन्य टर्मिनल लाभ शामिल हैं।

सभी अत्यकालिक कर्मचारी लाभों को उस लेखा अवधि में उनकी बिना छूट वाली राशि पर मान्यता दी जाती है जिसमें वे व्यय किए गए हैं।

#### (i) परिभाषित अंशदान योजनाएँ

सेवानिवृत्तितर लाभ योजना, कर्मचारी पैशन योजना—1995, समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना आदि को शामिल करते हुए परिभाषित अंशदान योजनाओं के अंतर्गत कर्मचारी लाभ को योजना में योगदान करने के लिए कंपनी के दायित्वों की छूट रहित राशि के आधार पर मान्यता दी जाती है। इसे एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित निधि में भुगतान किया जाता है।

#### (ii) परिभाषित लाभ योजनाएँ

योगदानकर्ता भविष्य निधि, ग्रेचुटी, सेवानिवृत्तितर

चिकित्सा लाभ और अन्य टर्मिनल लाभों को शामिल करते हुए परिभाषित कर्मचारी लाभ योजनाओं को परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसकी गणना अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की जाती है, जिसमें प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में एकचुरियल मूल्यांकन किया जाता है। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में या अनुमत के अनुसार परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है।

शुद्ध परिभाषित देयता पर शुद्ध ब्याज की गणना अवधि की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता या परिसंपत्ति पर छूट दर लागू करके की जाती है और अनुमत के अनुसार परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किए गए को छोड़कर लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है। परिभाषित सेवानिवृत्ति लाभ योजनाओं का पुनर्मापन, अप्रयुक्त छुट्टी और क्षतिपूर्ति अनुपरिधि के लिए छुट्टी नकदीकरण को छोड़कर, जिसमें बीमांकिक लाभ और हानि, परिसंपत्ति सीमा में परिवर्तन का प्रभाव (यदि लागू हो) और योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (ऊपर परिभाषित शुद्ध ब्याज को छोड़कर) शामिल हैं, को अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है, सिवाय उन परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किए गए, जैसा कि उस अवधि में अनुमत है जिसमें वे होते हैं और बाद में लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं होते हैं। कंपनी अंशदायी भविष्य निधि, ग्रेचुटी और अप्रयुक्त छुट्टी के संबंध में सभी सुनिश्चित देयताओं का योगदान क्रमशः ओएनजीसी के भविष्य निधि ट्रस्ट, ओएनजीसी के ग्रेचुटी फंड ट्रस्ट (ओजीएफटी) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में करती है। सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभों के प्रति देयता को एलआईसी को वित्त पोषित और योगदान दिया जा रहा है इस गणना से प्राप्त कोई भी अधिशेष, योजनाओं में भविष्य में योगदान में कटौती के रूप में उपलब्ध किसी भी आर्थिक लाभ के वर्तमान मूल्य तक सीमित है।



### (iii) अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ में अप्रयुक्त छुट्टी और प्रतिपूर्ति अनुपस्थिति के लिए छुट्टी नकदीकरण शामिल है। इन्हें परिभाषित दायित्व के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसकी गणना अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की जाती है, जिसमें प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में एकद्वितीय मूल्यांकन किया जाता है। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में या अनुमत के अनुसार परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है।

अनुपयोगी छुट्टी और प्रतिपूर्ति अनुपस्थिति के लिए छुट्टी नकदीकरण के पुनर्मापन को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय उन लोगों को छोड़कर जो उस अवधि में अनुमत के अनुसार परिसंपत्तियों की लागत में शामिल हैं जिसमें वे होते हैं।

### 3.16. प्रशासनिक व्यय

प्रशासनिक व्यय जो सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं, उन्हें गतिविधियों के लिए आवंटित किया जाता है और शेष राशि को सामान्य प्रशासनिक व्यय के रूप में लाभ और हानि विवरण में चार्ज किया जाता है।

### 3.17. बीमा दावे

बीमा दावों का लेखा—जोखा उन दावों के आधार पर किया जाता है जिन्हें स्वीकार किया गया है/स्वीकार किए जाने की उम्मीद है, इस सीमा तक कि वसूली योग्य राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है और अंतिम संग्रह की उम्मीद करना लगभग निश्चित है।

### 3.18. आयकर

आयकर व्यय वर्तमान कर और आस्थगित कर के योग का प्रतिनिधित्व करता है।

#### (i) वर्तमान कर

वर्तमान में देय कर वर्ष के लिए कर योग्य लाभ पर आधारित है। कर योग्य लाभ लाभ और हानि विवरण में बताए गए 'कर से पहले लाभ' से भिन्न होता है क्योंकि आय या व्यय की ऐसी मद्दें हैं जो अन्य वर्षों में कर योग्य या कटौती योग्य हैं और ऐसी मद्दें हैं जो कभी भी कर योग्य या कटौती योग्य नहीं हैं। कंपनी के वर्तमान कर की गणना कर दरों और कानूनों का उपयोग करके की जाती है जिन्हें रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित किया गया है और पिछले वर्ष के संबंध में देय कर में कोई समायोजन किया गया है।

#### (ii) आस्थगित कर

आस्थगित कर को तुलन पत्र विधि का उपयोग करके पहचाना जाता है, जो वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देयताओं की वहन राशि और कर योग्य लाभ की गणना में उपयोग किए जाने वाले संगत कर आधारों के बीच अस्थायी अंतरों के लिए प्रदान करता है। आस्थगित कर देयताओं को आम तौर पर सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए पहचाना जाता है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस सीमा तक पहचाना जाता है कि यह संभावना है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिसके विरुद्ध उन कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की वहन राशि की प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है और इस सीमा तक घटा दी जाती है कि यह संभावना नहीं रह जाती है कि आस्थगित कर परिसंपत्ति के सभी या हिस्से का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे।

आस्थगित कर देयताओं और परिसंपत्तियों को उन कर दरों पर मापा जाता है जो उस अवधि में लागू होने की उम्मीद है जिसमें देयता का निपटान किया जाता है या परिसंपत्ति का एहसास होता है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू या मूल रूप से लागू किए गए कर दरों (और कर कानूनों) पर आधारित होते हैं। यदि वर्तमान कर देनदारियों और परिसंपत्तियों को ऑफसेट करने का कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार है, और वे एक ही कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए आयकर से संबंधित हैं, तो स्थगित कर परिसंपत्तियों और देयताओं को ऑफसेट किया जाता है। स्थगित कर देयताओं और परिसंपत्तियों का मापन उन कर परिणामों को दर्शाता है जो कंपनी द्वारा रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अपनी परिसंपत्तियों और देयताओं की अग्रणीत राशि को वसूलने या निपटाने की अपेक्षा करने के तरीके से उत्पन्न होंगे।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों और किसी भी अप्रयुक्त कर घाटे के लिए मान्यता दी जाती है, इस सीमा तक कि यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके विरुद्ध कटौती योग्य अस्थायी अंतर और अप्रयुक्त कर घाटे का उपयोग किया जा सकता है, सिवाय जब कटौती योग्य अस्थायी अंतर से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्ति किसी ऐसे लेनदेन में परिसंपत्ति या देयता की प्रारम्भिक मान्यता से उत्पन्न होती है जो व्यवसाय संयोजन नहीं है और लेनदेन के समय, (प) न तो लेखांकन लाभ या हानि और न ही कर योग्य लाभ या हानि को प्रभावित करती है और (पप) समान कर योग्य और कटौती योग्य अस्थायी अंतर को जन्म नहीं देती है।

### (iii) वर्ष के लिए चालू और आस्थगित कर व्यय

चालू और आस्थगित कर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय जब वे उन मदों से संबंधित हों जिन्हें अन्य व्यापक आय या सीधे इकिवटी में मान्यता दी जाती है, जिस स्थिति में, चालू और आस्थगित कर को क्रमशः अन्य व्यापक आय या सीधे इकिवटी में भी मान्यता दी जाती है।

### 3.19. उधार या वित्त लागत

योग्य परिसंपत्तियों या विकास कुओं या अन्वेषण कुओं के अधिग्रहण या निर्माण के लिए विशेष रूप से पहचाने गए पट्टे देयता पर वित्त लागत सहित उधार लागत को योग्य परिसंपत्तियों से संबंधित गतिविधियों की समाप्ति की तिथि तक ऐसी परिसंपत्तियों के हिस्से के रूप में पूँजीकृत किया जाता है। एक योग्य परिसंपत्ति वह है जिसे इच्छित उपयोग के लिए तैयार होने में आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लगता है। अन्य सभी उधार लागतों को लाभ और हानि के विवरण में प्रभावित किया जाता है।

उधार लागत में विदेशी मुद्रा उधार से उत्पन्न होने वाले विनियम अंतर भी शामिल हैं, इस सीमा तक कि उन्हें ब्याज लागतों में समायोजन के रूप में माना जाता है, यानी, उस सीमा के बराबर, जिस सीमा तक विनियम हानि कार्यात्मक मुद्रा में उधार लेने की लागत (₹) के बीच अंतर से अधिक नहीं होती है, जब विदेशी मुद्रा में उधार लेने की लागत की तुलना की जाती है।

जब कोई अवास्तविक विनियम हानि होती है जिसे ब्याज में समायोजन के रूप में माना जाता है और बाद में उसी उधार के निपटान या अनुवाद के संबंध में एक वास्तविक या

अवास्तविक लाभ होता है, तो पहले से समायोजन के रूप में पहचाने गए नुकसान की सीमा तक लाभ को ब्याज में समायोजन के रूप में मान्यता दी जाती है।

### 3.20. रिंग दिवस लागत

रिंग मूवमेंट की लागत वेधन के लिए वेधन किए गए/योजनाबद्ध अगले स्थान पर बुक की जाती है। असामान्य रिंग दिवस की लागत को गैर-आबंटन योग्य माना जाता है और लाभ और हानि के विवरण में प्रभावित किया जाता है।

### 3.21. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्तियां

प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी के पास किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप कोई वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होता है, यह संभावना है कि कंपनी को दायित्व का

निपटान करने की आवश्यकता होगी, और दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त राशि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान दायित्व का निपटान करने के लिए आवश्यक विचार का सबसे अच्छा अनुमान है, दायित्व के आसपास के जोखिमों और अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए। जब किसी प्रावधान को वर्तमान दायित्व का निपटान करने के लिए अनुमानित नकदी प्रवाह का उपयोग करके मापा जाता है, तो इसकी वहन राशि उन नकदी प्रवाहों का वर्तमान मूल्य होती है (जब धन के समय मूल्य का प्रभाव भौतिक होता है)।

कंपनी दायित्व के उस हिस्से को आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट करती है जिसे अन्य पक्षों द्वारा पूरा किए जाने की उम्मीद है, जहां यह किसी दायित्व के लिए संयुक्त रूप से और व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी है।

आकस्मिक देयताओं का खुलासा वित्तीय विवरणों में लेखों के टिप्पणीं के माध्यम से किया जाता है, जब तक कि आर्थिक लाभ को शामिल करने वाले संसाधनों के बहिर्वाह की संभावना दूर न हो। आकस्मिक देयताओं का खुलासा प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञों के निर्णय के आधार पर किया जाता है। इनकी समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र तिथि पर की जाती है और वर्तमान प्रबंधन अनुमान को दर्शाने के लिए समायोजित किया जाता है।

आकस्मिक परिसंपत्ति एक संभावित परिसंपत्ति है जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसका अस्तित्व केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से ही पुष्टि होगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। इन परिसंपत्तियों का खुलासा वित्तीय विवरणों में तब किया जाता है जब आर्थिक लाभ का अंतर्वाह संभावित होता है।

### 3.22. वित्तीय साधन

वित्तीय साधनों को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी साधनों के संविदात्मक प्रावधानों का पक्षकार बन जाती है।

वित्तीय साधन को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी

जाती है और इसे (एफवीटीपीएल में वर्गीकृत नहीं किए गए साधनों के मामले में) लेन-देन लागतों के लिए समायोजित किया जाता है जो वृद्धिशील हैं और सीधे वित्तीय साधन के अधिग्रहण या जारी करने के लिए जिम्मेदार हैं, और शुल्क जो प्रभावी ब्याज दर का एक अभिन्न अंग हैं। एफवीटीपीएल में रखे गए वित्तीय साधनों से संबंधित लेन-देन लागत और भुगतान या प्राप्त शुल्क लाभ और हानि के विवरण में दर्ज किए जाते हैं।



### 3.23. इकिवटी साधन

कंपनी द्वारा जारी किए गए इकिवटी साधन प्रत्यक्ष निर्गम लागतों के शुद्ध, प्राप्त आय पर दर्ज किए जाते हैं।

### 3.24. वित्तीय परिसंपत्तियाँ

#### (i) प्रारंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, सिवाय व्यापार प्रतियों के जिन्हें शुरू में लेन-देन मूल्य पर मापा जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों (लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों के अलावा) के अधिग्रहण या निर्गम से सीधे संबंधित लेन-देन लागतों को वित्तीय परिसंपत्ति की प्रारंभिक मान्यता पर मापे गए उचित मूल्य में जोड़ा जाता है।

#### (ii) वर्गीकरण और बाद में माप

वित्तीय परिसंपत्तियों को उस व्यवसाय मॉडल के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है जिसके अंतर्गत परिसंपत्ति रखी जाती है और वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक नकदी प्रवाह विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

#### — परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को बाद में परिशोधित लागत पर मापा जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ ऐसे व्यवसाय मॉडल के अंतर्गत रखी जाती हैं जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने के लिए इन परिसंपत्तियों को रखना है और वित्तीय परिसंपत्तियों की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर नकदी प्रवाह को जन्म देती हैं जो केवल मूलधन और बकाया मूल राशि पर व्याज का भुगतान हैं। ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रभावी व्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

#### — अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (एफवीटीओसीआई)

वित्तीय परिसंपत्तियों को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ किसी ऐसे व्यवसाय मॉडल के अंतर्गत रखी जाती हैं जिसका उद्देश्य निर्दिष्ट तिथियों पर संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करके प्राप्त किया जाता है जो केवल बकाया मूल राशि पर मूलधन और व्याज का भुगतान और वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचना है।

उचित मूल्य आंदोलनों को अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में मान्यता दी जाती है। हालाँकि, कंपनी लाभ और हानि के विवरण में व्याज

आय, हानि और प्रतिवर्तन और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को पहचानती है। परिसंपत्ति की मान्यता रद्द करने पर, ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को ओसीआई से लाभ और हानि के विवरण में पुनः चक्रित किया जाता है।

#### — लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (एफवीटीपीएल)

वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है जब तक कि उन्हें प्रारंभिक मान्यता पर परिशोधित लागत या अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर नहीं मापा जाता है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सीधे जिम्मेदार लेनदेन लागत को तुरंत लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

#### — इकिवटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश

सहायक कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों के अलावा अन्य कंपनियों में सभी इकिवटी निवेश उचित मूल्य पर मापा जाता है। व्यापार के लिए रखे गए इकिवटी इंस्ट्रूमेंट्स को एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ऐसे अन्य सभी इकिवटी इंस्ट्रूमेंट्स के लिए, कंपनी उन्हें एफवीटीओसीआई या एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है।

इंस्ट्रूमेंट-दर-इंस्ट्रूमेंट के आधार पर चुनाव किया जाता है। वर्गीकरण प्रारंभिक मान्यता पर किया जाता है और अपरिवर्तनीय होता है।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल इकिवटी इंस्ट्रूमेंट्स को उचित मूल्य पर मापा जाता है और सभी परिवर्तनों को लाभ और हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकृत इकिवटी इंस्ट्रूमेंट के लिए, इंस्ट्रूमेंट पर सभी उचित मूल्य परिवर्तन, लाभांश को छोड़कर, ओसीआई में मान्यता प्राप्त हैं। ऐसे इकिवटी इंस्ट्रूमेंट्स पर लाभांश को लाभ और हानि विवरण में मान्यता प्राप्त है। ऐसे निवेशों की बिक्री/निपटान पर भी ओसीआई से लाभ और हानि विवरण में राशियों का पुनर्वर्तन नहीं होता है। हालाँकि, कंपनी निवेशों की बिक्री/निपटान पर इकिवटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानांतरित कर सकती है।

#### (iii) वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

इंडएएस 109 वित्तीय साधनों के अनुसार, कंपनी परिशोधित लागतों पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों या एफवीटीओसीआई पर मापी गई ऋण साधनों और ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त होने वाली व्यापार प्राप्तियों/राशि पर हानि की माप और पहचान के लिए अपेक्षित ऋण

हानि (ईसीएल) मॉडल लागू करती है।

ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त होने वाली व्यापार प्राप्तियों/राशि के लिए हानि भत्ता हमेशा आजीवन ईसीएल (सरलीकृत दृष्टिकोण) के बराबर राशि पर मापा जाता है।

जीवन भर अपेक्षित ऋण हानियाँ अपेक्षित ऋण हानियाँ हैं जो किसी वित्तीय साधन के अपेक्षित जीवन पर सभी संभावित डिफॉल्ट घटनाओं के परिणामस्वरूप होती हैं।

12 महीने की अपेक्षित ऋण हानियाँ अपेक्षित ऋण हानियों का वह हिस्सा हैं जो रिपोर्टिंग तिथि के बाद 12 महीनों के भीतर संभावित डिफॉल्ट घटनाओं के परिणामस्वरूप होती हैं (या यदि साधन का अपेक्षित जीवन 12 महीने से कम है तो कम अवधि)।

जेओ भागीदारों से नकद कॉल प्राप्तियों सहित अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की पहचान के लिए, कंपनी सामान्य दृष्टिकोण का पालन करती है जिसमें यह निर्धारित करना आवश्यक है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम (एसआरईसीआर) में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है या नहीं। यदि क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, तो हानि के लिए 12 महीने की ईसीएल का उपयोग किया जाता है। हालांकि, यदि क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, तो आजीवन ईसीएल का उपयोग किया जाता है। यह निर्धारित करते समय कि क्या प्रारंभिक मान्यता के बाद से किसी वित्तीय परिसंपत्ति का क्रेडिट जोखिम उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है और ईसीएल का अनुमान लगाते समय, कंपनी उचित और समर्थन योग्य जानकारी पर विचार करती है जो बिना किसी अनावश्यक लागत या प्रयास के प्रासंगिक और उपलब्ध है। इसमें कंपनी के ऐतिहासिक अनुभव और सूचित क्रेडिट मूल्यांकन के आधार पर मात्रात्मक और गुणात्मक जानकारी और विश्लेषण दोनों शामिल हैं, जिसमें दूरंदेशी जानकारी शामिल है। यदि, बाद की अवधि में, साधन की क्रेडिट गुणवत्ता में इस तरह सुधार होता है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, तो कंपनी 12 महीने की ईसीएल के आधार पर हानि की हानि भत्ते को पहचानने पर वापस आ जाती है।

#### (iv) मान्यता रद्द करना

कंपनी किसी वित्तीय परिसंपत्ति की मान्यता रद्द कर देती है, जब वित्तीय परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के लिए संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाते हैं या वह वित्तीय परिसंपत्ति को स्थानांतरित कर देती है और यह स्थानांतरण भारतीय लेखा मानक 109 के तहत मान्यता रद्द करने के लिए योग्य हो जाता है।

किसी वित्तीय परिसंपत्ति की संपूर्णता में मान्यता रद्द करने पर (एफवीटीओसीआई के रूप में नामित इक्विटी उपकरणों को छोड़कर),

परिसंपत्ति की वहन राशि और प्राप्त और प्राप्त प्रतिफल की राशि के बीच के अंतर को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

#### 3.25. वित्तीय दायित्व

##### (i) आरंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय दायित्वों को आरंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और, ऐसे मामले में जहां ऐसे वित्तीय दायित्वों को बाद में परिशोधित लागत पर मापा जाता है, सीधे तौर पर जिम्मेदार लेनदेन लागत को उसके उचित मूल्य से घटा दिया जाता है।

##### (ii) बाद में माप

वित्तीय दायित्वों को प्रभावी व्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

##### (iii) मान्यता रद्द करना

जब अनुबंध में निर्दिष्ट दायित्व समाप्त हो जाता है या रद्द हो जाता है या समाप्त हो जाता है, तो वित्तीय दायित्व को मान्यता रद्द कर दी जाती है।

##### (iv) वित्तीय गारंटी अनुबंध

कंपनी द्वारा जारी किए गए वित्तीय गारंटी अनुबंध वे अनुबंध हैं, जिनमें धारक को उस नुकसान की प्रतिपूर्ति करने के लिए भुगतान करने की आवश्यकता होती है, जो निर्दिष्ट देनदार द्वारा ऋण साधन की शर्तों के अनुसार देय होने पर भुगतान करने में विफल रहने के कारण होता है।

वित्तीय गारंटी अनुबंधों को आरंभ में उचित मूल्य पर दायित्व के रूप में मान्यता दी जाती है, जो गारंटी जारी करने के लिए सीधे जिम्मेदार लेनदेन लागतों के लिए समायोजित किया जाता है। इसके बाद, देयता को निम्न में से जो भी अधिक हो, उसके आधार पर मापा जाता है:-

(क) भारतीय लेखांकन मानक 109 'वित्तीय उपकरण' की हानि आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित हानि भत्ते की राशि और

(ख) भारतीय लेखांकन मानक 115 'ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व' के सिद्धांतों के अनुसार मान्यता प्राप्त आय की संचयी राशि को घटाकर मान्यता प्राप्त राशि।

(सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम को जारी वित्तीय गारंटी के लिए टिप्पणी संख्या 3.1 देखें)

#### (v) वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं की भरपाई

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं की भरपाई की जाती है, और शुद्ध राशि को तुलन-पत्र में प्रस्तुत किया जाता है, यदि मान्यता



प्राप्त राशियों की भरपाई करने के लिए वर्तमान में लागू करने योग्य कानूनी अधिकार है और शुद्ध आधार पर निपटान करने, परिसंपत्तियों को प्राप्त करने और देयताओं को एक साथ निपटाने का इरादा है।

### 3.26. नकद और नकद समतुल्य

कंपनी सभी अत्यधिक तरल वित्तीय साधनों को नकद समतुल्य मानती है, जो आसानी से नकदी की ज्ञात मात्रा में परिवर्तित हो सकते हैं, जो मूल्य में परिवर्तन के महत्वहीन जोखिम के अधीन हैं और जिनकी खरीद की तारीख से तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता है। नकद और नकद समतुल्य में बैंकों के पास शेष राशि शामिल है जो निकासी और उपयोग के लिए अप्रतिबंधित है।

### 3.27. प्रति शेयर आय

प्रति शेयर मूल आय की गणना कर के बाद शुद्ध लाभ को अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। प्रति शेयर तनु आय की गणना कर के बाद लाभ को प्रति शेयर मूल आय प्राप्त करने के लिए विचार किए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और साथ ही सभी तनु संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जा सकने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

### 3.28. नकदी प्रवाह का विवरण

नकदी प्रवाह अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है, जिसके तहत कर के बाद लाभ को गैर-नकद प्रकृति के लेनदेन के प्रभावों, भविष्य या पिछले प्रचालन नकद प्राप्तियों या भुगतानों के किसी भी आस्थगन या उपार्जन और नकदी प्रवाह के निवेश या वित्तपोषण से जुड़े आय या व्यय के मद के लिए समायोजित किया जाता है।

### 3.29. खंड रिपोर्टिंग

प्रचालन खंडों की रिपोर्ट मुख्य प्रचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) को प्रदान की गई आंतरिक रिपोर्टिंग के अनुरूप तरीके से की जाती है। निदेशक मंडल को कंपनी का सीओडीएम माना गया है।

सीओडीएम को रिपोर्ट किए जाने वाले खंड परिणामों में सीधे खंड से संबंधित मदें शामिल होती हैं और साथ ही वे मदें भी शामिल होती हैं जिन्हें उचित आधार पर आवंटित किया जा सकता है। गैर-आवंटित मदों में मुख्य रूप से निगमित व्यय, वित्त लागत, आयकर व्यय और निगमित आय शामिल होती है जो सीधे खंडों से संबंधित नहीं होती हैं। खंडों से सीधे संबंधित राजस्व को खंड राजस्व माना जाता है। खंडों से सीधे संबंधित व्यय और उचित आधार पर आवंटित सामान्य व्यय को खंड व्यय माना जाता है।

## 3.30. रिपोर्टिंग तिथि के बाद की घटनाएँ

कंपनी तुलन-पत्र की तिथि के बाद लेकिन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन से पहले होने वाली घटनाओं और लेनदेन का मूल्यांकन करती है ताकि वित्तीय विवरणों में इनमें से किसी भी घटना और लेनदेन की पहचान और/या रिपोर्टिंग की आवश्यकता का निर्धारण किया जा सके।

## 4. महत्वपूर्ण लेखांकन निर्णय, मान्यताएँ और अनुमान अनिश्चितता के प्रमुख स्रोत

वित्तीय विवरण तैयार करने में उपयोग की जाने वाली कई लेखांकन नीतियों के अनुपयोग में निहित हैं प्रबंधन के लिए निर्णय, अनुमान और धारणाएँ बनाने की आवश्यकता जो परिसंपत्तियों और देयताओं की रिपोर्ट की गई राशियों, आकस्मिक परिसंपत्तियों और देयताओं के प्रकटीकरण और राजस्व और व्यय की रिपोर्ट की गई राशियों को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणाम उपयोग किए गए अनुमानों और धारणाओं से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमानों और अंतर्निहित धारणाओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों में संशोधन उस अवधि में पहचाने जाते हैं जिसमें अनुमान संशोधित किए जाते हैं और भविष्य की अवधियाँ प्रभावित होती हैं।

वित्तीय विवरणों की तैयारी में निर्णय, धारणाएँ और अनुमान अनिश्चितता का मुख्य स्रोत जो अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों और देयताओं की वहन राशि में महत्वपूर्ण समायोजन का कारण बन सकता है, तेल और गैस भंडार, दीर्घकालिक उत्पादन प्रोफाइल, हानि, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के उपयोगी जीवन, तेल और गैस परिसंपत्तियों की कमी, डीकमीशनिंग प्रावधान, कर्मचारी लाभ दायित्व, हानि, आयकर के लिए प्रावधान, आस्थगित कर परिसंपत्तियों का मापन, मुकदमेबाजी और आकस्मिक परिसंपत्तियों और देयताओं के संबंध में हैं।

### 4.1 लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण निर्णय

निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय हैं अनुमानों से संबंधित नीतियों के अलावा (टिप्पणी संख्या 4.2 देखें), जो प्रबंधन ने कंपनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में लिए हैं और जिनका वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

#### (क) कार्यात्मक मुद्रा का निर्धारण

प्राथमिक आर्थिक परिवेश की मुद्रा जिसमें कंपनी प्रचालित होती है ("कार्यात्मक मुद्रा") भारतीय रुपये (₹) है जिसमें कंपनी मुख्य रूप से नकदी उत्पन्न करती है और र्खच करती है। तदनुसार, प्रबंधन ने

अपनी कार्यात्मक मुद्रा को भारतीय रूपया (₹) माना है।

## (ख) निवेश का वर्गीकरण

किसी अन्य इकाई में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए किसी लेनदेन में प्राप्त नियंत्रण के स्तर का आकलन करने में निर्णय की आवश्यकता होती है; प्रत्येक मामले में तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर, कंपनी इकाई या व्यवस्था पर नियंत्रण, संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त कर सकती है। ऐसे लेनदेन जो कंपनी को किसी व्यवसाय का नियंत्रण देते हैं, व्यावसायिक संयोजन होते हैं। यदि कंपनी किसी व्यवस्था का संयुक्त नियंत्रण प्राप्त करती है, तो यह आकलन करने के लिए भी निर्णय की आवश्यकता होती है कि व्यवस्था एक संयुक्त प्रचालन है या एक संयुक्त उद्यम है। यदि कंपनी के पास न तो नियंत्रण है और न ही संयुक्त नियंत्रण है, तो वह इकाई पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की स्थिति में हो सकती है, जिसे तब सहयोगी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कंपनी के पास ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएएल) में 49.36% इकिवटी हिस्सेदारी है। कंपनी ने 31 मार्च, 2023 तक ₹ 3,451.24 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3,451.24 मिलियन) शेयर वारंट के लिए सब्सक्राइब किया है, जिससे कंपनी को प्रत्येक वारंट को ₹ 10 अंकित मूल्य के इकिवटी शेयर के साथ एक्सचेंज करने का अधिकार मिलता है, जिसके लिए प्रत्येक वारंट के लिए ₹ 9.75 का भुगतान किया गया है।

इसके अलावा कंपनी ने तीन किस्तों में ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड द्वारा जारी ₹ 77,780.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 77,780.00) की अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) के मूलधन और कूपन के पुनर्भुगतान के लिए बैंकस्टॉपिंग समर्थन की व्यवस्था की है। 31 मार्च, 2024 तक अर्जित बकाया व्याज ₹ 2,212.45 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,766.85 मिलियन) है।

कंपनी ने ओपीएएल में हित को संयुक्त उद्यम की प्रकृति का माना है। क्योंकि ओपीएएल और संयुक्त उद्यम भागीदारों, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) और कंपनी के बीच शेयरधारक समझौते में दोनों संयुक्त उद्यम भागीदारों द्वारा ओपीएएल की विशिष्ट गतिविधियों से संबंधित निर्णयों पर नियंत्रण साझा करने का प्रावधान है।

## (ग) यह पहचानना कि क्या अनुबंध में पट्टा शामिल है

कंपनी विभिन्न परिसंपत्तियों/सेवाओं के लिए किराए पर लेने/सेवा व्यवस्था में प्रवेश करती है। कंपनी भारतीय लेखा मानक 116 के सिद्धांतों के अनुसार आकलन करती है कि अनुबंध में पट्टा शामिल है या नहीं। इसके लिए महत्वपूर्ण निर्णयों की आवश्यकता होती है, जिसमें शामिल हैं लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं, क्या परिसंपत्ति की

पहचान निहित रूप से की गई है, आपूर्तिकर्ता के पास उपलब्ध मूल प्रतिस्थापन अधिकार, अंतर्निहित परिसंपत्ति का उपयोग कैसे किया जाएगा, व्यवस्था का आर्थिक सार, आदि के संबंध में निर्णय लेने के अधिकार।

## (घ) पट्टा अवधि का निर्धारण (विस्तार और समाप्ति विकल्पों सहित)

कंपनी पट्टे की अवधि को पट्टे की गैर-रद्द करने योग्य अवधि के रूप में मानती है, जिसे पट्टे को बढ़ाने या समाप्त करने के किसी भी विकल्प के साथ समायोजित किया जाता है, यदि ऐसे विकल्प का उपयोग उचित रूप से निश्चित है। विस्तार/समाप्ति विकल्पों का निर्धारण प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर लीज़ दर लीज़ आधार पर किया जाता है। यदि वास्तव में किसी विकल्प का प्रयोग किया जाता है, तो लीज़ अवधि का पुनर्निर्धारण किया जाता है। अनुबंधों के मामले में, जहाँ कंपनी के पास कुछ परिस्थितियों (जैसे प्रचालनात्मक आवश्यकताएं) पर अंतर्निहित परिसंपत्ति को किराए पर लेने और हटाने का विकल्प होता है, लीज़ अवधि को प्रारंभिक अनुबंध अवधि माना जाता है।

## (ङ) लीज़ देयता की गणना के लिए लीज़ भुगतान की पहचान

निश्चित (अंतर्निहित निश्चित सहित) लीज़ भुगतान की पहचान करने के लिए, कंपनी लीज़ देयता और उपयोग के संबंधित अधिकार परिसंपत्ति की गणना के उद्देश्य से न्यूनतम निश्चित लीज़ भुगतान के रूप में गैर-प्रचालन दिवस दर/स्टैंडबाय पर विचार करती है।

## (च) कम मूल्य के पट्टे

भारतीय लेखा मानक 116 के मूल्यांकन की आवश्यकता है कि क्या अंतर्निहित परिसंपत्ति कम मूल्य की है, यदि पट्टेदार उन पट्टों पर भारतीय लेखा मानक 116 की मान्यता और मापन आवश्यकताओं को लागू नहीं करने का विकल्प चुनता है जहाँ अंतर्निहित परिसंपत्ति कम मूल्य की है। कम मूल्य निर्धारित करने के उद्देश्य से, कंपनी ने भारतीय लेखांकन मानक 1 में परिभाषित परिसंपत्तियों की प्रकृति और भौतिकता की अवधारणा और भारतीय लेखा मानक के वैचारिक ढांचे पर विचार किया है, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय शामिल है।

## (छ) तेल और गैस संपत्तियों की हानि हेतु संकेतकों का आकलन

संपत्ति की हानि के संकेतकों की प्रयोज्यता के आकलन के लिए बाहरी कारकों (परिसंपत्ति के मूल्य में महत्वपूर्ण गिरावट, तकनीकी, बाजार, आर्थिक या कानूनी वातावरण में महत्वपूर्ण परिवर्तन, बाजार व्याज दरें आदि) और आंतरिक कारकों (अप्रचलन या भौतिक क्षति) के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। एक संपत्ति, संपत्ति का खराब आर्थिक प्रदर्शन आदि) जिसके परिणामस्वरूप तेल और गैस परिसंपत्तियों की वसूली योग्य राशि में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो सकता है।



### (ज) तेल और गैस लेखा

यह निर्धारित करना कि अन्वेषण कुएँ द्वारा संभावित रूप से आर्थिक तेल और प्राकृतिक गैस भड़ा की खोज की गई है या नहीं, आमतौर पर कूप के पूरा होने के एक वर्ष के भीतर किया जाता है, लेकिन भूवैज्ञानिक संरचना की जटिलता के आधार पर इसमें अधिक समय लग सकता है। अन्वेषण कूप जो संभावित रूप से आर्थिक मात्रा में तेल और प्राकृतिक गैस की खोज करते हैं और ऐसे क्षेत्रों में हैं जहाँ उत्पादन शुरू होने से पहले प्रमुख पूंजीगत व्यय (जैसे एक अपतटीय प्लेटफॉर्म या पाइपलाइन) की आवश्यकता होगी, और जहाँ उस प्रमुख पूंजीगत व्यय की आर्थिक व्यवहार्यता उस क्षेत्र में आगे के अन्वेषण कार्य के सफल समापन पर निर्भर करती है, तुलन-पत्र पर तब तक पूंजीकृत रहते हैं जब तक कि अतिरिक्त अन्वेषण या मूल्यांकन कार्य चल रहा हो या उसकी योजना बनाई गई हो।

अन्वेषण कूपों और अन्वेषण-प्रकार के स्ट्रेटीग्राफिक परीक्षण कुओं का कई वर्षों तक तुलन पत्र पर निलंबित रहना असामान्य नहीं है, जबकि संभावित तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर अतिरिक्त मूल्यांकन वेधन और भूकंपीय कार्य किया जाता है या जब इष्टतम विकास योजनाएँ और समय निर्धारित किए जाते हैं। ऐसी सभी वहनीय लागतें कम से कम वार्षिक आधार पर नियमित तकनीकी, वाणिज्यिक और प्रबंधन समीक्षा के अधीन हैं, ताकि खोज को विकसित करने या अन्यथा उससे मूल्य निकालने के निरंतर इरादे की पुष्टि की जा सके। जहाँ अब ऐसा नहीं है, वहाँ लागतों को तुरंत व्यय कर दिया जाता है।

### 4.2 अनुमान अनिश्चितता के अनुमान और मुख्य स्रोत

परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की पहचान और माप पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले अनुमानों और मान्यताओं के बारे में जानकारी नीचे दी गई है। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

### (क) विघटन के लिए प्रावधान का अनुमान

कंपनी अपने आर्थिक जीवन के अंत में तेल और गैस परिसंपत्तियों के भविष्य के विघटन के लिए भारतीय लेखांकन मानक 37 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्ति' के सिद्धांतों के अनुसार विघटन के लिए प्रावधान का अनुमान लगाती है। इनमें से अधिकांश विघटन गतिविधियाँ भविष्य में होंगी, जब निष्कासन की घटनाएँ घटित होंगी तो जिन सटीक आवश्यकताओं को पूरा करना होगा, वे अनिश्चित हैं। व्यघटन के लिए तकनीक और लागत लगातार बदल रही हैं। भविष्य के नकदी प्रवाह का समय और मात्रा महत्वपूर्ण अनिश्चितता के अधीन हैं।

भविष्य के व्यय का समय और धनराशि वार्षिक रूप से या जब कोई भौतिक परिवर्तन होता है, तो समीक्षा की जाती है, साथ ही वर्तमान लागत अनुमानों में वृद्धि के लिए मुद्रास्फीति की दर और नकदी प्रवाह को छूट देने में उपयोग की जाने वाली व्याज दर की समीक्षा की जाती है। तेल और गैस परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवन का अनुमान संबंधित तेल और गैस परिसंपत्ति के दीर्घकालिक उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर लगाया जाता है और प्रबंधन को उमीद है कि समाप्त हो चुके खनन पट्टे को संबंधित परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवन की समाप्ति से पहले बढ़ा दिया जाएगा।

मुद्रास्फीति के लिए दीर्घकालिक औसत सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) यानी 5.29: (पिछले वर्ष 4.67:) का उपयोग वर्तमान लागत अनुमानों में वृद्धि के लिए किया गया है और वर्ष के अंत में तुलन पत्र दायित्व निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली कर-पूर्व छूट दर 10 वर्ष की अधिप्राप्ति के साथ दीर्घकालिक औसत जोखिम मुक्त सरकारी बांड दर है यानी 6.98: (पिछले वर्ष 6.92:)।

### (ख) पट्टा देयता की गणना के लिए छूट दर का निर्धारण

पट्टा देयता की गणना के लिए, भारतीय लेखांकन मानक 116 के अनुसार पट्टेदार को अपनी वृद्धिशील उधार दर को छूट दर के रूप में उपयोग करना होगा, यदि पट्टा अनुबंध में निहित दर को आसानी से निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा में मूल्यांकित पट्टों के लिए, कंपनी वृद्धिशील उधार दर को सरकारी बांड की जोखिम मुक्त दर मानती है, जिसे लागू क्रेडिट जोखिम प्रसार और अन्य पट्टा विशिष्ट समायोजन जैसे प्रासंगिक पट्टा अवधि के साथ समायोजित किया जाता है। विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित पट्टों के लिए, कंपनी वृद्धिशील उधार दर को अमरीकी ट्रेजरी बिलों के आधार पर जोखिम मुक्त दर मानती है, जिसे लागू क्रेडिट जोखिम प्रसार और अन्य पट्टा विशिष्ट समायोजन जैसे प्रासंगिक पट्टा अवधि और दायित्व की मुद्रा के साथ समायोजित किया जाता है।

### (ग) नकद उत्पादक इकाई (सीजीयू) का निर्धारण

कंपनी मुख्य रूप से अभितट और अपतट में तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन के व्यवसाय में लगी हुई है। तटवर्ती परिसंपत्तियों के मामले में, क्षेत्र सामान्य उत्पादन/परिवहन सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं और एकल नकदी उत्पादक इकाई (सीजीयू) का गठन करने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक रूप से परस्पर निर्भर हैं। तदनुसार, सभी अभितट क्षेत्रों का हानि परीक्षण परिसंपत्ति स्तर पर उन सभी क्षेत्रों के

समग्र रूप में किया जाता है। अपतटीय परिसंपत्तियों के मामले में, एक क्षेत्र को आम तौर पर सीजीयू के रूप में माना जाता है, सिवाय उन क्षेत्रों के जिन्हें क्लस्टर या क्लस्टर के समूह के रूप में विकसित किया जाता है, जिसके लिए सामान्य सुविधाओं का उपयोग किया जाता है, जिस स्थिति में क्लस्टर या क्लस्टर के समूह में शामिल सभी क्षेत्रों के लिए हानि परीक्षण समग्र रूप से किया जाता है।

## (घ) परिसंपत्तियों की हानि

यह निर्धारित करना कि क्या, और कितना, एक सीजीयू क्षतिग्रस्त है, इसमें भविष्य के कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पाद (वीएपी) की कीमतों, प्रचालन व्यय पर मुद्रास्फीति के प्रभाव, छूट दरों, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए उत्पादन प्रोफाइल जैसे अनिश्चित मामलों पर प्रबंधन के अनुमान शामिल हैं। तेल और गैस परिसंपत्तियों के लिए, भविष्य के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों, उत्पादन और भंडार की मात्रा के प्रबंधन के सर्वोत्तम अनुमान का उपयोग करके अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह का अनुमान लगाया जाता है।

नकदी प्रवाह के वर्तमान मूल्यों का निर्धारण ₹ के लेन-देन के लिए 16.10% (पिछले वर्ष 14.74%) की पूर्व कर-छूट दरों और कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों के राजस्व के लिए 12.16% (पिछले वर्ष 10.10%) को लागू करके किया जाता है, जिन्हें अमेरिकी डॉलर में मापा जाता है। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह का अनुमान प्रबंधन के भविष्य की कीमतों के सर्वोत्तम अनुमान और बैंचमार्क कच्चे तेलों और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के साथ इसके सह-संबंधों का उपयोग करके लगाया जाता है।

उपयोग की जाने वाली छूट दर एक स्थापित मॉडल से पूँजी की लागत पर आधारित है।

उत्पादक/विकासशील सीजीयू के उपयोग में मूल्य एक बहु-चरणीय दृष्टिकोण के तहत निर्धारित किया जाता है, जिसमें भविष्य के नकदी प्रवाह का अनुमान शुरू में सिद्ध विकसित भंडार के आधार पर लगाया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जहां सीजीयू में क्षेत्रों का आगे विकास प्रगति पर है और जहां सीजीयू के वहन मूल्य को केवल सिद्ध विकसित भंडार के दोहन के माध्यम से वसूल किए जाने की संभावना नहीं है, भविष्य के नकदी प्रवाह का अनुमान लगाने के उद्देश्य से सीजीयू के सिद्ध और संभावित भंडार (2पी) को भी लिया जाता है। ऐसे मामलों में, उपयोग में मूल्य का निर्धारण करते समय मूल्यांकन/विकास की अपेक्षित लागत का पूरा अनुमान भी माना जाता है।

क्षति के आकलन मूल्यांकन में लागू छूट दरों का हर साल पुनर्मूल्यांकन किया जाता है।

## (ङ) भंडार का अनुमान

प्रबंधन कंपनी की भंडार अनुमान समिति (आरईसी) द्वारा निर्धारित नीतियों और प्रक्रियाओं के आधार पर सभी तेल और गैस परिसंपत्तियों के संबंध में भंडार का अनुमान लगाता है। इस प्रकार निर्धारित अनुमानों का उपयोग निःशेषण और हानि परीक्षण की गणना के लिए किया जाता है।

कंपनी के वर्ष के अंत के भंडार का अनुमान आरईसी द्वारा लगाया जाता है जो लगातार अंतरराष्ट्रीय जलाशय इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं का पालन करता है। अपने पेट्रोलियम संसाधनों की रिपोर्टिंग के लिए, कंपनी सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियर्स (एसपीई), वर्ल्ड पेट्रोलियम काउंसिल (डब्ल्यूपीसी), अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पेट्रोलियम जियोलॉजिस्ट्स (एपीजी), सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इवल्यूएशन इंजीनियर्स (एसपीईई), सोसाइटी ऑफ एक्सप्लोरेशन जियोफिजिस्ट्स (एसईजी), सोसाइटी ऑफ पेट्रोफिजिस्ट्स एंड वेल लॉग एनालिस्ट्स (एसपीडब्ल्यूएलए) और यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ जियोसाइंटिस्ट्स एंड इंजीनियर्स (ईएजीई) द्वारा प्रायोजित सर्वभौमिक रूप से स्वीकृत पेट्रोलियम संसाधन प्रबंधन प्रणाली—पीआरएमएस (2018) का पालन करती है।

पीआरएमएस (2018) रिजर्व श्रेणी के तहत प्रमाणित रिजर्व को पेट्रोलियम की उन मात्राओं के रूप में परिभाषित करता है, जिन्हें भविज्ञान और इंजीनियरिंग डेटा के विश्लेषण से, ज्ञात जलाशयों से और परिभाषित आर्थिक स्थितियों, प्रचालन विधियों और सरकारी नियमों के तहत किसी निश्चित तिथि से व्यावसायिक रूप से पुनर्प्राप्त करने योग्य होने का उचित निश्चितता के साथ अनुमान लगाया जा सकता है। इसके अलावा यह विकसित रिजर्व को मौजूदा कूपों और सुविधाओं से पुनर्प्राप्त की जाने वाली अपेक्षित मात्रा के रूप में और अविकसित रिजर्व को भविष्य के महत्वपूर्ण निवेशों के माध्यम से पुनर्प्राप्त की जाने वाली मात्रा के रूप में परिभाषित करता है।

वॉल्यूमेट्रिक अनुमान अनुमान लगाने की मुख्य प्रक्रिया है जो हाइड्रोकार्बन की गणना करने के लिए जलाशय की चट्टान और द्रव गुणों का उपयोग करती है और फिर उस हिस्से का अनुमान लगाती है जिसे इससे पुनर्प्राप्त किया जाएगा। जैसे—जैसे क्षेत्र परिपक्व होता है और उचित रूप से अच्छा उत्पादन इतिहास उपलब्ध होता है अनुमानों में संशोधन क्षेत्र वृद्धि के कारण भी होता है जिसमें परिसीमन/मूल्यांकन गतिविधियाँ और क्षेत्र पुनर्मूल्यांकन शामिल हैं। परिसीमन/मूल्यांकन गतिविधियाँ नए उप-सतही डेटा के कारण अनुमानों में संशोधन की



ओर ले जाती हैं। इसी तरह, पेट्रो-भौतिक मापदंडों में संशोधन, नए भूकंपीय इनपुट, स्थैतिक और गतिशील मॉडल को अपडेट करने और भंडार में बदलाव के लिए प्रदर्शन विश्लेषण की आवश्यकता के कारण मौजूदा क्षेत्रों के लिए भी पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। नई तकनीक का हस्तक्षेप, वर्गीकरण और संविदात्मक प्रावधानों में बदलाव के कारण भी भंडार के अनुमान में संशोधन की आवश्यकता होती है।

एसपीई बोर्ड द्वारा 25 जून 2019 को अनुमोदित तेल और गैस भंडार सूचना के अनुमान और लेखा-परीक्षा से संबंधित मानकों (संशोधित जून 2019) के अनुसार: प्रारंभ में, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि भंडार की जानकारी अंतर्निहित अनिश्चितताओं और डेटा के संचय और व्याख्या की सीमित प्रकृति के परिणामस्वरूप अस्पष्ट है, जिस पर भंडार की जानकारी का अनुमान और लेखा-परीक्षा आधारित है। इसके अलावा, भंडार की जानकारी का अनुमान लगाने में उपयोग की जाने वाली विधियाँ और डेटा अक्सर प्रत्यक्ष या निगमनात्मक के बजाय अनिवार्य रूप से अप्रत्यक्ष या अनुरूप प्रकृति के होते हैं..."

"भंडार और अन्य भंडार की जानकारी का अनुमान लगाना एक अस्पष्ट विज्ञान है क्योंकि कई अज्ञात भूवैज्ञानिक और जलाशय कारक हैं जिनका अनुमान केवल नमूनाकरण तकनीकों के माध्यम से लगाया जा सकता है। इसलिए भंडार केवल अनुमान है, और सटीकता की पुष्टि करने के उद्देश्य से उनका लेखा-परीक्षण नहीं किया जा सकता है..."

कंपनी उचित परिश्रम के लिए तीसरे पक्ष की एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग करती है और यह अपने प्रमुख क्षेत्रों के भंडारों का समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सलाहकारों द्वारा लेखा-परीक्षण करवाती है जो उनके मूल्यांकन के लिए नवीनतम उद्योग प्रथाओं को अपनाते हैं।

### (च) परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ)

डीबीओ के प्रबंधन का अनुमान कई महत्वपूर्ण अंतर्निहित धारणाओं पर आधारित है जैसे मुद्रास्फीति की मानक दरें, चिकित्सा लागत रुझान, मृत्यु दर, छूट दर और भविष्य में वेतन वृद्धि की प्रत्याशा। इन

मान्यताओं में भिन्नता डीबीओ राशि और वार्षिक परिभाषित लाभ व्यय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है।

### (छ) मुकदमेबाजी

समय-समय पर, कंपनी कानूनी कार्यवाही के अधीन रहती है और प्रत्येक का अंतिम परिणाम हमेशा मुकदमेबाजी में निहित कई अनिश्चितताओं के अधीन रहता है। मुकदमेबाजी के लिए प्रावधान तब किया जाता है, जब यह माना जाता है कि भुगतान किया जाएगा और नुकसान की राशि का उचित अनुमान लगाया जा सकता है। अन्य कारकों के अलावा, प्रतिकूल परिणाम की संभावना और संभावित नुकसान की राशि का उचित अनुमान लगाने की देयता का मूल्यांकन करते समय महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाता है। प्रत्येक लेखा अवधि के अंत में मुकदमेबाजी के लिए प्रावधान की समीक्षा की जाती है और तथ्यों और परिस्थितियों में बदलाव के लिए संशोधन किए जाते हैं।

### (ज) वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि:

भारतीय लेखांकन मानक 109 – वित्तीय साधनों के अनुसार, कंपनी व्यापार प्राप्तियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की माप और पहचान के लिए ईसीएल मॉडल लागू करती है। व्यापार प्राप्तियों के लिए, कंपनी उधारकर्ताओं की क्रेडिट रेटिंग के आधार पर डिफॉल्ट दरों की गणना करने के लिए रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण का पालन करती है और प्रासंगिक मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों का उपयोग करके दूरंदेशी अनुमानों को शामिल किया जाता है। इनमें जीडीपी विकास दर और कच्चे तेल और एनजीएल उत्पादन पूर्वानुमान शामिल हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डिफॉल्ट मूल्यों की पूर्वानुमानित संभावना का अनुमान लगाते समय समग्र अर्थव्यवस्था के साथ-साथ अन्वेषण एवं उत्पादन उद्योग के दृष्टिकोण पर भी विचार किया जाए।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए, कंपनी हानि की पहचान के लिए सामान्य दृष्टिकोण लागू करती है जिसमें कंपनी प्रारंभिक मान्यता पर डिफॉल्ट की संभावना पर विचार करने में निर्णय का उपयोग करती है और क्या प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में निरंतर आधार पर क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

## 5. तेल और गैस परिसंपत्तियाँ

क. मूर्त

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
सकल लागत (टिप्पणी संख्या 5.1 और 5.2)		
प्रारंभिक शेष	2,226,523.47	2,025,595.45
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों से अंतरण – निर्माणाधीन	14,683.69	5,550.52
विकासशील कूपों से स्थानांतरण	124,327.59	78,570.86
विद्युत लागत अनुमानों में वृद्धि / (कमी)	68,673.61	51,028.95
वर्ष के दौरान वृद्धि	93,689.09	66,368.20
अधिग्रहण लागत	248.79	-
वर्ष के दौरान विलोपन / सेवानिवृत्ति	(2,341.90)	(691.28)
पुनर्वर्गीकरण / अन्य समायोजन	(1,027.62)	100.77
	<b>2,524,776.72</b>	<b>2,226,523.47</b>
घटाएँ: संचित निःशेषण और हानि		
संचित निःशेषण	964,722.18	822,289.68
प्रारंभिक शेष	158,148.36	142,524.91
वर्ष हेतु प्रावधान (टिप्पणी संख्या 36)	(1,137.81)	(125.70)
वर्ष के दौरान विलोपन / सेवानिवृत्ति	(338.18)	33.29
पुनर्वर्गीकरण / अन्य समायोजन		
	<b>1,121,394.55</b>	<b>964,722.18</b>
संचित हानि		
प्रारंभिक शेष	38,306.61	34,527.59
वर्ष के लिए प्रावधान	1,662.36	7,476.43
पुनर्लिखित हानि	(10,309.42)	(3,697.41)
पुनर्वर्गीकरण	59.62	-
	<b>29,719.17</b>	<b>38,306.61</b>
<b>कुल</b>	<b>1,373,663.00</b>	<b>1,223,494.68</b>

ख. अमूर्त

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
सकल लागत (टिप्पणी संख्या 54)		
प्रारंभिक शेष	3,054.51	-
निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों से अंतरण	1,285.10	3,054.51
	<b>4,339.61</b>	<b>3,054.51</b>
घटाएँ: संचित निःशेषण		
प्रारंभिक शेष	245.97	-
वर्ष हेतु प्रावधान (टिप्पणी संख्या 36)	464.68	245.97
	<b>710.65</b>	<b>245.97</b>
<b>कुल</b>	<b>3,628.96</b>	<b>2,808.54</b>



- 5.1 कंपनी ने 1 अप्रैल, 2015 (संक्रमण तिथि) को मान्यता प्राप्त अपनी संपत्ति संयंत्र एवं उपकरण (तेल एवं गैस परिसंपत्ति सहित), निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य और अमूर्त परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का चयन किया था, जिसे पिछले जीएपी के अनुसार मापा गया था और उस वहन मूल्य को भारतीय लेखा मानक 101 के पैरा डीए के अनुसार संक्रमण तिथि को अपनी मानी गई लागत के रूप में इस्तेमाल किया था, सिवाय संपत्ति संयंत्र एवं उपकरण (तेल एवं गैस परिसंपत्ति सहित) और निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य की लागत में शामिल विघटित और बहाली प्रावधान के, जिन्हें भारतीय लेखा मानक 101 के पैरा डी21 'भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाना' के अनुसार समायोजित किया गया है।
- 5.2 वर्ष 2016–17 के दौरान, ताप्ती ए श्रृङ्खला की सुविधाएं, जो पीएमटी संयुक्त प्रचालन (जेओ) की परिसंपत्तियों का हिस्सा थीं और संयुक्त प्रचालन समझौते की शर्तों के अनुसार संयुक्त प्रचालन द्वारा भारत सरकार (जीओआई) को सौंप दी गई थीं, उन्हें भारत सरकार द्वारा अपने नामिती के रूप में कंपनी को निःशुल्क हस्तांतरित कर दिया गया और गैर–मौद्रिक अनुदान के रूप में दर्ज किया गया। वर्ष 2019–20 के दौरान, कंपनी ने गैर–मौद्रिक सरकारी अनुदान को नाममात्र मूल्य पर मान्यता देने का विकल्प चुना और उक्त सुविधाओं को नाममात्र मूल्य पर दर्ज किया, जो कि कंपनी (भारतीय लेखा मानक) दूसरा संशोधन नियम, 2018 ('नियम') के माध्यम से भारतीय लेखांकन मानक 20 'सरकारी अनुदानों के लिए लेखांकन और सरकारी सहायता का प्रकटीकरण' में संशोधन के अनुरूप है। संयुक्त प्रचालन में कंपनी के हिस्से की सीमा तक इन परिसंपत्तियों को गैर–पूँजीकृत/रिटायर कर दिया गया।
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने 31 मई, 2019 प्रचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी लागत के वर्तमान पीएससी की समाप्ति पर पन्ना–मुक्ता फ्रील्ड कंपनी को नामांकन के आधार पर 22 दिसंबर, 2019 को दिया गया। गैर–मौद्रिक अनुदान होने के कारण, कंपनी ने इन परिसंपत्तियों और अनुदान को नाममात्र मूल्य पर दर्ज किया है।

कंपनी को पन्ना–मुक्ता क्षेत्र के सौंपने के बाद, भारत सरकार ने पीएमटी (पन्ना–मुक्ता और ताप्ती) क्षेत्र के संयुक्त उद्यम भागीदारों को ताप्ती भाग 'क' सुविधा और पन्ना–मुक्ता क्षेत्रों के लिए विघटन दायित्व के लिए बनाए गए मौजूदा एसआरएफ फंड को कंपनी को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया है, साथ ही पन्ना–मुक्ता क्षेत्रों और ताप्ती भाग 'क' सुविधाओं की साइट बहाली और विघटन की पूरी वित्तीय और भौतिक देयता भी। तदनुसार, वर्ष 2019–20 में कंपनी

ने ताप्ती भाग–क सुविधाओं के लिए 33.81 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 2,402.18 मिलियन) और पन्ना–मुक्ता क्षेत्रों के लिए 598.24 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 42,506.87 मिलियन) का एसआरएफ फंड संयुक्त उद्यम भागीदारों से प्राप्त किया (क्षेत्रों में कंपनी का 40% हिस्सा सहित) और इस शर्त के साथ संबंधित विघटित दायित्व हासिल किया। कंपनी खाते बनाए रखेगी और एसआरएफ के दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी पन्ना–मुक्ता फील्ड्स और ताप्ती भाग–क सुविधाओं के समर्पित एसआरएफ फंड के फंड का उपयोग एसआरएफ योजना/दिशानिर्देशों के तहत परिभाषित उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं करेगी। यदि भौतिक विघटन के समय पन्ना–मुक्ता क्षेत्र की सुविधाओं को बंद करने की अंतिम वास्तविक लागत स्वीकृत विघटन लागत और संचित राशि से अधिक है, तो कंपनी विघटन के लिए आवश्यक अतिरिक्त राशि का योगदान करेगी। यदि विघटन के समय वास्तविक लागत संचित राशि से कम है, तो शेष राशि भारत सरकार को हस्तांतरित कर दी जाएगी। कंपनी को ताप्ती क सुविधाओं के उपयोग के लिए भारत सरकार को प्रति वर्ष एक रुपया किराये के रूप में भुगतान करना अनिवार्य है, जब तक कि इसे छोड़ नहीं दिया जाता।

5.3 भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तेल और गैस के घेरेलू अन्वेषण और उत्पादन को बढ़ाने के लिए अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति में सुधारों पर 19 फरवरी, 2019 को आयोजित अपनी बैठक में राष्ट्रीय तेल कंपनियों द्वारा प्रचालित पहचान किए गए सीमांत नामांकन क्षेत्रों की बोली लगाने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसरण में, कंपनी ने 64 ऐसे सीमांत क्षेत्रों की पेशकश की, जो हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय की देखरेख में बोली लगाने के लिए 17 अनुबंध क्षेत्रों (सीए) में भौगोलिक रूप से समूहीकृत हैं। वर्तमान में 2021–22 में पीईसी बोली चक्र—I और 2022–23 में पीईसी बोली चक्र—II के तहत दिए गए 25 क्षेत्र पीईसी अनुबंधों के तहत प्रचालित किए जा रहे हैं। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव महत्वहीन है।

5.4 चक्रवात ताउते ने 17 मई, 2021 की तऱ्हके मुंबई के तट पर अरब सागर में दस्तक दी, जहां कंपनी के प्रमुख उत्पादन प्रतिष्ठान और वेधन रिंग स्थित/प्रचालित हैं। चक्रवात ने अपतटीय सुविधाओं/प्लेटफॉर्मों को नुकसान पहुँचाया है। घटना की सूचना बीमा कंपनी को अपतटीय बीमा पैकेज पॉलिसी के तहत दी गई और घटना के लिए उनके द्वारा सर्वेक्षक/हानि समायोजक नियुक्त किए गए। हानि समायोजक द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्री-इंजीनियरिंग और

पोस्ट इंजीनियरिंग सर्वेक्षण किया गया है और उन्होंने चक्रवात से हुए नुकसान की बहाली पर हुए/होने की संभावना वाले व्यय के लिए नवंबर, 2022 को प्रस्तुत अपनी चौथी अंतरिम सर्वेक्षण रिपोर्ट में अनुमानित दावा राशि ₹ 8,255.00 मिलियन (103 मिलियन अमेरीकी डॉलर) की सिफारिश की है। रिपोर्ट के आधार पर कंपनी को 27.03. 2023 को ₹ 1,314.54 मिलियन (16 मिलियन अमेरीकी डॉलर; सकल 36 मिलियन अमेरीकी डॉलर में से 20 मिलियन अमेरीकी डॉलर की

पॉलिसी कटौती घटाकर) का प्रथम खाता भुगतान प्राप्त हुआ है। प्रस्तुत दस्तावेजों और हानि समायोजक और बीमा कंपनी के साथ बैठक के आधार पर, कंपनी को ₹ 1,660.00 मिलियन (20 मिलियन अमेरीकी डॉलर) का द्वितीय खाता भुगतान प्राप्त हुआ है और इसे वर्ष के दौरान विविध प्राप्तियों के रूप में दर्ज किया गया है (टिप्पणी संख्या 31 और टिप्पणी संख्या 6.2 देखें)।

## 6. अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ मिलियन में)

वहन राशि: (टिप्पणी सं. 5.1)	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	12,371.75	11,673.78
भवन और बंक हाउस	21,221.65	15,879.83
संयंत्र और उपकरण	81,316.09	69,615.78
फर्नीचर और फिक्सचर	4,033.50	1,544.24
कार्यालय उपकरण	4,375.19	2,804.32
वाहन, जहाज और नावें	3,875.26	3,295.91
<b>कुल</b>	<b>127,193.44</b>	<b>104,813.86</b>

(₹ मिलियन में)

लागत या मानी गई लागत	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	भवन और बंक हाउस	संयंत्र और उपकरण	फर्नीचर और फिक्सचर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज और नावें	कुल
31 मार्च, 2022 को शेष	<b>10,664.47</b>	<b>26,643.81</b>	<b>157,561.24</b>	<b>7,398.45</b>	<b>9,699.76</b>	<b>11,314.45</b>	<b>223,282.18</b>
वृद्धि	1,094.27	1,938.76	22,151.14	616.72	2,294.45	1,335.30	29,430.64
निपटान/समायोजन	-	(10.51)	(1,218.08)	(569.55)	(1,222.07)	(12.13)	(3,032.34)
31 मार्च, 2023 को शेष	<b>11,758.74</b>	<b>28,572.06</b>	<b>178,494.30</b>	<b>7,445.62</b>	<b>10,772.14</b>	<b>12,637.62</b>	<b>249,680.48</b>
वृद्धि	698.15	7,476.91	28,252.22	4,455.13	4,291.91	2,428.02	47,602.34
निपटान/समायोजन	(0.18)	(15.86)	20.87	(3,100.94)	(654.63)	3.24	(3,747.50)
31 मार्च, 2024 को शेष	<b>12,456.71</b>	<b>36,033.11</b>	<b>206,767.39</b>	<b>8,799.81</b>	<b>14,409.42</b>	<b>15,068.88</b>	<b>293,535.32</b>



(₹ मिलियन में)

लागत या मानी गई लागत	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	इमारतें और बंक हाउस	संयंत्र और उपकरण	फर्नीचर और फिक्स्चर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज और नावें	कुल
31 मार्च, 2022 को शेष	<b>84.96</b>	<b>11,035.87</b>	<b>94,894.91</b>	<b>5,673.58</b>	<b>6,915.29</b>	<b>7,072.87</b>	<b>125,677.48</b>
मूल्यहास व्यय	-	1,661.07	14,355.34	734.87	2,173.01	2,278.86	21,203.15
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त हानि	-	-	17.64	0.38	7.70	-	25.72
संपत्तियों के निपटान/समायोजन पर समाप्त	-	(4.71)	(389.37)	(507.45)	(1,128.18)	(10.02)	(2,039.73)
31 मार्च, 2023 को शेष	<b>84.96</b>	<b>12,692.23</b>	<b>108,878.52</b>	<b>5,901.38</b>	<b>7,967.82</b>	<b>9,341.71</b>	<b>144,866.62</b>
मूल्यहास व्यय	-	2,095.98	16,787.84	1,590.22	2,641.65	1,859.50	24,975.19
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त हानि	-	30.54	103.47	1.11	19.73	0.05	154.90
संपत्तियों के निपटान/समायोजन पर समाप्त	-	(7.29)	(318.53)	(2,726.40)	(594.97)	(7.64)	(3,654.83)
31 मार्च, 2024 को शेष	<b>84.96</b>	<b>14,811.46</b>	<b>125,451.30</b>	<b>4,766.31</b>	<b>10,034.23</b>	<b>11,193.62</b>	<b>166,341.88</b>

क. भवन में भूमि में अविभाजित हित की लागत शामिल है।

ख. अचल संपत्तियों का विवरण जिसका कंपनी के नाम पर स्वामित्व विलेख नहीं है

31 मार्च, 2024 तक

तुलन—पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रोमोटर का रिश्तेदार है/प्रमोटर/निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भवन/फ्लैट्स	18.38	सहकारी आवास समिति	नहीं	29 फरवरी, 1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भवन/फ्लैट्स	28.62	ओयोगिक / बुनियादी ढाँचा विकास निगम	नहीं	29 फरवरी, 1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भवन/फ्लैट्स	1.87	राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	29 फरवरी, 1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भवन/फ्लैट्स	70.96	राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	31 मार्च, 2001	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भवन/फ्लैट्स	4.80	को—ऑप हाउसिंग सोसायटी	नहीं	29 फरवरी, 1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भवन/फ्लैट्स	155.01	विक्रेता(ओं)–व्यक्ति (यों)	नहीं	01 अप्रैल, 1985	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भूमि	0.18	विक्रेता(ओं)–व्यक्ति (यों)	नहीं	17 अगस्त, 2011	पंजीकरण प्रक्रियाधीन
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भूमि (2 नग)	0.08	राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	06 मार्च, 2012	पंजीकरण प्रक्रियाधीन

तुलन—पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर' का रिश्तेदार है /प्रमोटर/ निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भूमि	1,272.01	राज्य औद्योगिक विकास निगम	नहीं	18 मई, 2012	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।—राज्य आवास विकास प्राधिकरण के पास मामला लंबित
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भूमि	188.33	औद्योगिक / अवसंरचना विकास निगम	नहीं	01 अक्टूबर, 2015	पंजीकरण प्रक्रियाधीन
संपत्ति संयंत्र और उपकरण(पीपीई)	भूमि	19.57	राज्य औद्योगिक विकास निगम	नहीं	30 सितम्बर, 2017	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।
संपत्ति योजना और उपकरण(पीपीई)	भूमि	63.67	औद्योगिक / अवसंरचना विकास निगम	नहीं	27 अक्टूबर, 2006	पंजीकरण प्रक्रियाधीन।
<b>कुल</b>		<b>1,823.48</b>				

31 मार्च, 2024 तक

तुलन—पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर' का रिश्तेदार है /प्रमोटर/ निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भवन/फ्लैट्स	18.38	सहकारी आवास सोसायटी	नहीं	29 फरवरी, 1984	रजिस्ट्रार के आदेश के अनुसार, पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भवन/फ्लैट्स	28.62	औद्योगिक / बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	29 फरवरी, 1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भवन/फ्लैट्स	1.87	राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	29 फरवरी, 1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भवन/फ्लैट्स	70.96	राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	31 मार्च, 2001	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भवन/फ्लैट्स	4.80	को—ऑप हाउसिंग सोसाइटी	नहीं	29 फरवरी, 1984	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भवन/फ्लैट्स	155.01	राज्य विकास प्राधिकरण	नहीं	01 अप्रैल, 1985	महानगर विकास प्राधिकरण के पास मामला लंबित है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	3 भूमि	0.02	विक्रेता(ओं)– व्यक्ति(ओं)	नहीं	17 अगस्त, 2011	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भूमि	0.18	विक्रेता(ओं)– व्यक्ति(ओं)	नहीं	06 मार्च, 2012	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।



तुलन—पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर' का रिश्टेदार है/प्रमोटर/निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भूमि	0.08	विक्रेता(ओं)–व्यक्ति(ओं)	नहीं	18 मई, 2012	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भूमि	37.47	विक्रेता(ओं)–व्यक्ति(ओं)	नहीं	30 सितंबर, 2015	पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।
संपत्ति संयंत्र और उपकरण	भूमि	1,272.01	औद्योगिक/बुनियादी ढांचा विकास निगम	नहीं	22 अप्रैल, 2016	समझौते की शर्तों के अनुसार परियोजना के चालू होने पर बिक्री विलेख निष्पादित किया जाएगा।
<b>कुल</b>		<b>1,589.40</b>				

6.1. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने 31 मई, 2019 के पत्र के माध्यम से प्रचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान पीएससी की समाप्ति पर बिना किसी लागत के 22 दिसंबर, 2019 से पन्ना—मुक्ता क्षेत्रों को नामांकन के आधार पर कंपनी को सौंपा है। गैर-मौद्रिक अनुदान होने के कारण, कंपनी ने इन परिसंपत्तियों और अनुदान को मामूली मूल्य पर दर्ज किया है (टिप्पणी संख्या 5.2 देखें)।

6.2. चक्रवात ताउते ने 17 मई, 2021 को तड़के मुंबई के तट पर अरब सागर में दस्तक दी, जहां कंपनी के प्रमुख उत्पादन प्रतिष्ठान और वेधन रिंग स्थित/प्रचालित हैं। चक्रवात ने अपतटीय सुविधाओं/प्लेटफॉर्मों को नुकसान पहुंचाया है। हानि समायोजक द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्री-इंजीनियरिंग और पोस्ट इंजीनियरिंग सर्वेक्षण किया

गया है और उन्होंने चक्रवात से हुए नुकसान की बहाली पर किए गए/होने वाले व्यय के लिए नवंबर 2022 को प्रस्तुत अपनी चौथी अंतरिम सर्वेक्षण रिपोर्ट में ₹ 8,255.00 मिलियन (103 मिलियन अमरीकी डॉलर) की अनुमानित दावा राशि की सिफारिश की है। रिपोर्ट के आधार पर कंपनी को 27.03.2023 को ₹ 1,314.54 मिलियन (16 मिलियन अमरीकी डॉलर; सकल 36 मिलियन अमरीकी डॉलर में से 20 मिलियन अमरीकी डॉलर की पॉलिसी कठौती घटाकर) का प्रथम भुगतान प्राप्त हुआ है। प्रस्तुत दस्तावेजों और हानि समायोजक और बीमा कंपनी के साथ बैठक के आधार पर, कंपनी को ₹ 1,660.00 मिलियन (20 मिलियन अमरीकी डॉलर) का द्वितीय भुगतान प्राप्त हुआ है और इसे वर्ष के दौरान विविध प्राप्तियों के रूप में दर्ज किया गया है (टिप्पणी संख्या 31 और टिप्पणी संख्या 5.4 देखें)।

## 7. उपयोग का अधिकार (आरओयू) परिसंपत्ति

(₹ मिलियन में)

वहन की जाने वाली राशि:	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
भूमि	5,940.40	4,865.27
भवन	501.88	700.74
संयंत्र और उपकरण	240,644.28	63,686.72
वाहन, जहाज और नावें	37,193.65	16,909.22
<b>कुल</b>	<b>284,280.21</b>	<b>86,161.95</b>

(₹ मिलियन में)

लागत	भूमि	भवन	संयंत्र और उपकरण	वाहन, जहाज और नावें	कुल
31 मार्च, 2022 को शेष	<b>5,133.22</b>	<b>699.78</b>	<b>153,089.47</b>	<b>53,660.71</b>	<b>212,583.18</b>
वृद्धि	26.28	862.42	33,508.70	6,432.41	40,829.81
लीज पूरा होने/समापन पर समायोजन	(5.51)	-	(1,899.24)	(2,509.82)	(4,414.57)
31 मार्च, 2023 को शेष	<b>5,153.99</b>	<b>1,562.20</b>	<b>184,698.93</b>	<b>57,583.30</b>	<b>248,998.42</b>
वृद्धि	1,279.36	-	233,428.35	33,893.66	268,601.37
लीज पूरा होने/समापन पर समायोजन	-	(83.52)	(43,118.80)	(21,838.56)	(65,040.88)
31 मार्च, 2024 को शेष	<b>6,433.35</b>	<b>1,478.68</b>	<b>375,008.48</b>	<b>69,638.40</b>	<b>452,558.91</b>

(₹ मिलियन में)

लागत	भूमि	भवन	संयंत्र और उपकरण	वाहन, जहाज और नावें	कुल
31 मार्च, 2022 को शेष	<b>225.27</b>	<b>397.23</b>	<b>81,071.55</b>	<b>29,739.99</b>	<b>111,434.04</b>
वृद्धि	64.75	464.23	41,650.70	11,726.77	53,906.45
लीज के पूरा होने/समापन पर समायोजन	(1.30)	-	(1,710.04)	(792.68)	(2,504.02)
31 मार्च, 2023 को शेष	<b>288.72</b>	<b>861.46</b>	<b>121,012.21</b>	<b>40,674.08</b>	<b>162,836.47</b>
वृद्धि	204.23	198.85	56,134.19	13,609.23	70,146.50
लीज के पूरा होने/समापन पर समायोजन	-	(83.51)	(42,782.20)	(21,838.56)	(64,704.27)
31 मार्च, 2024 को शेष	<b>492.95</b>	<b>976.80</b>	<b>134,364.20</b>	<b>32,444.75</b>	<b>168,278.70</b>



7.1. प्रभावी कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 116 "लीज" को 1 अप्रैल, 2019 से अपनाया है, जो दिनांक 1 अप्रैल, 2019 को संशोधित पूर्वव्यापी संक्रमण पद्धति का उपयोग करते हुए सभी लीज अनुबंधों पर लागू होता है।

7.2. लीजहोल्ड भूमि का विवरण जहाँ कंपनी के पक्ष में लीज समझौता निष्पादित नहीं किया गया है

31 मार्च, 2024 तक

तुलन-पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर का रिश्टेदार है/प्रमोटर/निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
उपयोग के अधिकार वाली परिपरिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	47.14	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	28 अक्टूबर, 1985	मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	36.25	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	29 फरवरी, 1984	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	15.16	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	10 मार्च, 1983	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	5.24	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	10 मार्च, 1983	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	1.02	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	02 जुलाई, 1982	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	29.90	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	05 नवंबर, 1979	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	75.46	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	01 अक्टूबर, 1982	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	0.44	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	25 मई, 1987	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	5.80	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	07 मई, 1987	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि- पट्टा	0.34	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	30 नवंबर, 1987	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।

तुलन-पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर' का रिश्तेदार है/प्रमोटर/निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि- पट्टा	1.28	राज्य आवास विकास प्राधिकरण	नहीं	31 जनवरी, 1994	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि- पट्टा	3.69	राज्य आवास विकास प्राधिकरण	नहीं	31 जनवरी, 1994	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
	कुल	221.72				

31 मार्च, 2024 तक

तुलन-पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर' का रिश्तेदार है/प्रमोटर/निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	47.14	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	28 अक्टूबर, 1985	मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	36.25	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	29 फरवरी, 1984	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	15.16	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	10 मार्च, 1983	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	5.24	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	10 मार्च, 1983	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि-पट्टा	1.02	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	02 जुलाई, 1982	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि- पट्टा	29.90	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	05 नवंबर, 1979	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि- पट्टा	75.46	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	01 अक्टूबर, 1982	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।



तुलन—पत्र में प्रासंगिक लाइन मदे	संपत्ति की मदों का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ मिलियन में)	स्वामित्व विलेख किसके नाम पर हैं	क्या स्वामित्व विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर' का रिश्टेदार है/प्रमोटर/निदेशक का निदेशक या कर्मचारी	संपत्ति किस तारीख से रखी गई है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि— पट्टा	0.44	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	25 मई, 1987	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि— पट्टा	5.80	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	07 मई, 1987	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि— पट्टा	0.34	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	30 नवंबर, 1987	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि— पट्टा	1.28	राज्य आवास विकास प्राधिकरण	नहीं	31 जनवरी, 1994	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	भूमि— पट्टा	3.69	राज्य आवास विकास प्राधिकरण	नहीं	31 जनवरी, 1994	मामला राज्य नगर एवं औद्योगिक विकास निगम के पास लंबित है।
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ*	भूमि— पट्टा	367.33	औद्योगिक/अवसंरचना विकास निगम	नहीं	30 सितंबर, 1996	पंजीकरण प्रक्रियाधीन
	<b>कुल</b>	<b>589.05</b>				

\* इस परिसंपत्ति से संबंधित पट्टा विलेख दिनांक 18 अप्रैल, 2023 को कंपनी के नाम पर निष्पादित किया गया है।

## 8. निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
क) तेल और गैस परिसंपत्तियां (टिप्पणी संख्या 5.1)		
(i) निर्माणाधीन विकासत्मक कूप (टिप्पणी संख्या 8.1 और 10.4)		
प्रारंभिक शेष	96,625.92	68,448.46
वर्ष के दौरान व्यय	92,781.75	80,809.37
वर्ष के दौरान मूल्यहास	25,568.94	25,938.95
घटाएँ: तेल और गैस परिसंपत्तियों में अंतरण	124,327.59	78,570.86
	90,649.02	96,625.92
घटाएँ: हानि		
प्रारंभिक शेष	2,642.84	2,315.86
वर्ष के लिए प्रावधान	266.92	452.89
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	-	(125.91)
	2,909.76	2,642.84
कुल निर्माणाधीन विकासत्मक कूप	<b>87,739.26</b>	<b>93,983.08</b>
(ii) निर्माणाधीन तेल और गैस सुविधाएं		
तेल और गैस सुविधाएं	223,076.80	211,747.35
अधिग्रहण लागत	1,849.31	1,849.38
	224,926.11	213,596.73
घटाएँ: संचित हानि		
प्रारंभिक शेष	10,236.25	9,177.25
वर्ष के लिए प्रावधान	299.52	1,792.90
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	-	(723.40)
पुनर्वर्गीकरण	(63.19)	(10.50)
	10,472.58	10,236.25
कुल निर्माणाधीन तेल और गैस सुविधाएं	<b>214,453.53</b>	<b>203,360.48</b>
ख) अन्य पूंजीगत कार्य प्रगति पर		
भवन	2,334.65	1,488.95
संयंत्र और उपकरण	25,534.88	28,962.89
पूंजीगत भंडार (मार्गस्थ) (टिप्पणी संख्या 5.2 और 6.1)	3,469.20	1,368.45
	<b>31,338.73</b>	<b>31,820.29</b>
घटाएँ: संचित हानि		
प्रारंभिक शेष	240.03	170.99
वर्ष के लिए	5.17	77.58
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	-21.69	-8.54
	<b>223.51</b>	<b>240.03</b>
कुल अन्य निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य	<b>31,115.22</b>	<b>31,580.26</b>
कुल निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य	<b>333,308.01</b>	<b>328,923.82</b>



## 8.1. निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य परिपक्व अनुसूची

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य	सीडब्ल्यूआईपी में अवधि के लिए राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन पर परियोजनाएँ	63,655.42	82,839.85	50,098.88	136,740.83	333,334.98
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ	1.39	139.85	109.11	13,328.53	13,578.88
<b>कुल</b>	<b>63,656.81</b>	<b>82,979.70</b>	<b>50,207.99</b>	<b>150,069.36</b>	<b>346,913.86</b>
घटाएँ: संचित हानि					13,605.85
<b>कुल</b>					<b>333,308.01</b>

निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य (जिसका पूरा होना विलम्बित है या जिसकी लागत इसकी मूल योजना की तुलना में अधिक हो गई है) समापन अनुसूची (टिप्पणी सं. 8.1.1)

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य	में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ:					
– एनक्यू अपतटीय प्रक्रिया प्लेटफॉर्म पर आवास परियोजना	6,131.46	-	-	-	6,131.46
– सीबीएम–बोकारो क्षेत्र विकास परियोजना	3,648.41	-	-	-	3,648.41
– सागर सम्माट रूपांतरण परियोजना	3,402.53	-	-	-	3,402.53
– मंगला क्षेत्र विकास परियोजना	-	2,747.68	-	-	2,747.68
– अनिन्दित उत्तराखण्ड का उन्नयन–अंकलेश्वर	2,071.40	-	-	-	2,071.40
– उरण में स्लग कैचर प्लांट परियोजना	1,947.55	-	-	-	1,947.55
– उरण में गैस टरबाइन पॉवर प्लांट परियोजना	1,878.71	-	-	-	1,878.71
– कूप प्लेटफॉर्म विकास परियोजनाएँ–I	1,792.92	-	-	-	1,792.92
– कूप प्लेटफॉर्म विकास परियोजनाएँ–II	1,758.52	-	-	-	1,758.52
– उरण में अपशिष्ट उपचार संयंत्र परियोजना	1,232.15	-	-	-	1,232.15
– कोलकाता में हरित भवन का निर्माण	-	-	1,203.59	-	1,203.59
– मदनम ब्लॉक में केंद्रीय प्रसंसंकरण सुविधा परियोजना	-	1,174.89	-	-	1,174.89
– हजीरा में एलपीजी उत्पादन संयंत्र परियोजना	1,170.60	-	-	-	1,170.60
– हजीरा में फ्लेयरिंग प्रणाली का उन्नयन	983.71	-	-	-	983.71
– पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना–मेहसाणा	-	969.16	-	-	969.16
– भाग्यम क्षेत्र विकास परियोजना	-	901.68	-	-	901.68
– जल उपचार संयंत्र का निर्माण–मेहसाणा	899.70	-	-	-	899.70
– पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना–VI	809.21	-	-	-	809.21
– लीन गैस कंप्रेसर विकास परियोजना	785.93	-	-	-	785.93
– तेल और पानी की टंकी का निर्माण–मेहसाणा	613.15	-	-	-	613.15
– पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना–रुद्रसागर असम	-	-	573.47	-	573.47
– ईपीएस सुविधा परियोजना–अंकलाव कैम्बे	-	566.02	-	-	566.02
– सीबीएम–झरिया जीसीएस विकास परियोजना	-	564.52	-	-	564.52

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य	में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
तृष्णा ईपीएस सुविधा का विकास	-	453.28	-	-	453.28
– गैस कंप्रेसर संयंत्र परियोजना—लकवा असम	-	453.27	-	-	453.27
– अंकलेश्वर में वाटरलाइन परियोजना	-	443.74	-	-	443.74
– उरण में कच्चे तेल के टैंक का पुनरुद्धार	443.72	-	-	-	443.72
– अंकलेश्वर में एयर कंप्रेसर का निर्माण	421.38	-	-	-	421.38
– हॉट फ्लेयर सिस्टम स्थापना परियोजना— अहमदाबाद	410.73	-	-	-	410.73
– निर्माणाधीन अन्य तेल और गैस सुविधाएँ	3,258.16	730.90	2.49	566.94	4,558.49
– अन्य निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य—भवन	48.62	16.09	7.23	-	71.94
– अन्य निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य—संयंत्र और उपकरण	2,565.88	617.90	26.41	277.51	3,487.70
– राजमेहन्द्री परिसंपत्ति में विकासात्मक कूप	997.30	4,867.61	10.28	-	5,875.19
– पश्चिमी अपतटीय परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	3,035.79	1,937.72	345.47	-	5,318.98
– संयुक्त उद्यम दक्षिणी क्षेत्र में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	3,605.01	-	-	-	3,605.01
– असम परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	2,624.70	38.84	-	55.31	2,718.85
– अगरतला परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	163.91	987.21	326.17	-	1,477.29
– मेहसाणा परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	-	-	1,299.36	-	1,299.36
– निर्माणाधीन विकासात्मक कूप— अन्य	1,650.80	963.95	1,076.58	-	3,691.33
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ:					
– सागर प्रगति रूपांतरण परियोजना	-	-	-	4,144.36	4,144.36
– सागर लक्ष्मी रूपांतरण परियोजना	-	-	-	2,145.26	2,145.26
– बी-127 प्लेटफॉर्म पर प्रोसेस गैस कंप्रेसर परियोजना	-	-	-	928.48	928.48
– फील्ड बी-22 की विकासात्मक परियोजना	-	-	-	762.21	762.21
– असम परिसंपत्ति नवीनीकरण परियोजना	-	480.70	-	-	480.70
– अन्य निर्माणाधीन तेल और गैस सुविधाएँ का निर्माण कार्य प्रगति पर है	-	31.36	21.94	56.40	109.70
– अन्य निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य—भवन	-	-	1.28	-	1.28
– अन्य निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य—संयंत्र और उपकरण	-	55.86	-	-	55.86
– एचपीएचटी परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	-	-	2,586.01	-	2,586.01
– संयुक्त उद्यम बड़ादा में विकास कूपों का निर्माणाधीन कार्य	99.66	179.13	-	-	278.79
<b>कुल</b>	<b>48,451.61</b>	<b>19,181.51</b>	<b>7,480.28</b>	<b>8,936.47</b>	<b>84,049.87</b>

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य	निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य में अवधि के लिए राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ	116,021.29	59,012.67	42,455.92	109,663.70	327,153.58
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ	981.73	222.91	753.94	12,930.78	14,889.36
<b>कुल</b>	<b>117,003.02</b>	<b>59,235.58</b>	<b>43,209.86</b>	<b>122,594.48</b>	<b>342,042.94</b>
घटाएँ: संचित हानि					13,119.12
<b>कुल</b>					<b>328,923.82</b>



निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य (जिसका पूरा होना विलम्बित है या जिसकी लागत इसकी मूल योजना की तुलना में अधिक हो गई है) समापन अनुसूची (टिप्पणी सं. 8.1.1)

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य	अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ:					
– पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना—VII	-	8,912.06	-	-	8,912.06
– पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना—VI	5,484.45	-	-	-	5,484.45
– काकीनाडा में पाइपयार्ड का निर्माण	4,766.11	-	-	-	4,766.11
– सीबीएम-बोकारो क्षेत्र विकास परियोजना	3,396.26	-	-	-	3,396.26
– अग्नि सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन—अंकलेश्वर	1,991.74	-	-	-	1,991.74
– हजीरा में सतत संयुक्त विद्युत संयंत्र परियोजना	1,926.48	-	-	-	1,926.48
– कूप प्लेटफॉर्म विकास परियोजना—I	1,788.56	-	-	-	1,788.56
– कूप प्लेटफॉर्म विकास परियोजना—II	1,742.93	-	-	-	1,742.93
– उरण में गैस टरबाइन विद्युत संयंत्र परियोजना	1,714.68	-	-	-	1,714.68
– प्रक्रिया मंच पर कंप्रेसर का उन्नयन	1,351.65	-	-	-	1,351.65
– मदनम ब्लॉक में केंद्रीय प्रसंस्करण सुविधा परियोजना	1,130.69	-	-	-	1,130.69
– हजीरा में पलेयरिंग प्रणाली का उन्नयन	850.63	-	-	-	850.63
– अग्नि सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन— अहमदाबाद	836.29	-	-	-	836.29
– एसएपी प्रणाली का उन्नयन	750.13	-	-	-	750.13
– लीन गैस कंप्रेसर विकास परियोजना	658.68	-	-	-	658.68
– अग्नि सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन— मेहसाणा	641.49	-	-	-	641.49
– तृष्णा ईपीएस सुविधा का विकास	-	446.33	-	-	446.33
– अंकलेश्वर में वॉटरलाइन परियोजना	443.74	-	-	-	443.74
– अंकलेश्वर में वायु कंप्रेसर का निर्माण	407.50	-	-	-	407.50
– अन्य निर्माणाधीन तेल और गैस सुविधाएँ	2,093.12	98.27	151.44	484.43	2,827.26
– अन्य निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य—भवन	124.05	15.33	-	-	139.38
– अन्य निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य—संयंत्र और उपकरण	2,873.68	670.97	-	15.42	3,560.07
– संयुक्त उद्यम दक्षिणी क्षेत्र में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	22,364.61	3,151.76	-	-	25,516.37
– परिचमी अपतटीय परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	5,834.24	-	-	-	5,834.24
– असम परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	2,544.61	2,257.88	-	-	4,802.49
– संयुक्त उद्यम कोलकाता में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	4,243.40	-	-	-	4,243.40
– राजमहेन्द्री परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	1,822.54	15.22	-	-	1,837.76
– अहमदाबाद परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	1,153.49	-	-	-	1,153.49
निर्माणाधीन विकासात्मक कूप—अन्य	1,775.59	1,342.47	-	-	3,118.06

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अस्थायी रूप से स्थगित परियोजनाएँ:					
– सागर प्रगति रूपांतरण परियोजना	-	-	-	4,144.36	4,144.36
– सागर लक्ष्मी रूपांतरण परियोजना	-	-	-	2,145.26	2,145.26
– बी-127 प्लेटफॉर्म पर प्रोसेस गैस कंप्रेसर परियोजना	-	-	-	928.48	928.48
– फील्ड बी-22 की विकास परियोजना	-	-	-	762.21	762.21
– असम परिसंपत्ति नवीनीकरण परियोजना	-	-	480.70	-	480.70
– अन्य निर्माणाधीन तेल और गैस सुविधाएं	132.26	174.06	49.78	56.40	412.50
– अन्य निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य—भवन	13.92	-	1.28	-	15.20
– अन्य निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य—संयंत्र और उपकरण	1.18	-	55.86	-	57.04
– एचपीएचटी परिसंपत्ति निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	-	2,585.09	-	-	2,585.09
<b>कुल</b>	<b>74,858.70</b>	<b>19,669.44</b>	<b>739.06</b>	<b>8,536.56</b>	<b>103,803.76</b>

8.1.1. अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाओं और अनुमानित पूर्णता अवधि से अधिक लागत/समय वाली परियोजनाओं की पहचान, परियोजनाओं के कार्यान्वयन में शामिल कंपनी के तकनीकी अधिकारियों द्वारा किए गए आकलन के आधार पर की जाती है।

## 9. अमूर्त परिसंपत्ति

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
परिमित उपयोगी जीवन—		
एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (टिप्पणी सं. 5.1)	5,602.08	5,041.15
प्रारंभिक शेष	1,462.99	612.36
वर्ष के दौरान वृद्धि	(9.59)	(51.43)
अन्य समायोजन	<b>7,055.48</b>	<b>5,602.08</b>
घटाएँ: संचित परिशोधन और हानि		
संचित परिशोधन		
प्रारंभिक शेष	3,920.86	3,213.44
वर्ष के लिए प्रावधान	678.70	769.91
अन्य समायोजन	(6.07)	(62.49)
	<b>4,593.49</b>	<b>3,920.86</b>
संचित हानि		
प्रारंभिक शेष	3.76	3.76
वर्ष के लिए प्रावधान	-	-
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	-	-
	<b>3.76</b>	<b>3.76</b>
<b>कुल</b>	<b>2,458.23</b>	<b>1,677.46</b>



## 10. विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

### 10.1 निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूप

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक		31 मार्च, 2023 तक	
निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूप (टिप्पणी सं. 10.4) प्रारंभिक शेष वर्ष के दौरान व्यय घटाएँ: तेल और गैस की बिक्री आय (शुल्क के बाद शुद्ध) वर्ष के दौरान मूल्यव्याप्ति (टिप्पणी सं. 36)	55,898.37	171,417.40	40,338.87	188,896.88
	74.55	55,823.82	1,302.89	39,035.98
		12,754.26		9,582.96
		<b>239,995.48</b>		<b>237,515.82</b>
घटाएँ:				
तेल और गैस परिसंपत्तियों में अंतरण वर्ष के दौरान अपलिखित कूप	14,683.69		5,550.52	
	35,862.13	50,545.82	60,547.90	66,098.42
		<b>189,449.66</b>		<b>171,417.40</b>
घटाएँ: हानि				
प्रारंभिक शेष	36,658.83		56,726.63	
वर्ष के दौरान प्रावधान	1,641.02		2,695.22	
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(4,484.86)	33,814.99	(22,763.02)	36,658.83
<b>कुल</b>		<b>155,634.67</b>		<b>134,758.57</b>

#### 10.1.1 परिपक्वता अनुसूची

##### 31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	अवधि के लिए विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ	42,080.46	23,985.85	21,869.28	87,157.15	175,092.74
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ	811.77	0.14	3.22	13,541.79	14,356.92
<b>कुल</b>	<b>42,892.23</b>	<b>23,985.99</b>	<b>21,872.50</b>	<b>100,698.94</b>	<b>189,449.66</b>
घटाएँ: संचित हानि					33,814.99
<b>कुल</b>					<b>155,634.67</b>

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ (जिनकी पूर्णता में देरी हो चुकी है या जिनकी लागत उनकी मूल योजना की तुलना में अधिक हो चुकी है) पूर्णता अनुसूची (टिप्पणी सं. 10.3)

(₹ मिलियन में)

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ:					
अन्वेषणात्मक कूप					
—मुंबई अपतटीय	8,918.25	6,650.19	11,470.63	22,495.41	49,534.48
—राजमहेन्द्री परिसंपत्ति	34,384.85	1,001.30	30.29	-	35,416.44
—संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक मुंबई अपतटीय	9,474.31	-	1,992.25	5,389.47	16,856.03
—संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक कोलकाता	4,152.85	830.78	-	10,896.79	15,880.42
—अगरतला परिसंपत्ति	9,838.45	-	8.58	-	9,847.03
—संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक चेन्नै	677.75	6.36	6,419.43	-	7,103.54
—असम परिसंपत्ति	1,434.75	4.19	-	-	1,438.94
—अन्य	3,920.74	2,390.67	982.50	-	7,293.91
अस्थायी रूप से निर्लिपित परियोजनाएँ					
अन्वेषणात्मक कूप					
—अन्य	781.13	-	-	779.57	1,560.70
<b>कुल</b>	<b>73,583.08</b>	<b>10,883.49</b>	<b>20,903.68</b>	<b>39,561.24</b>	<b>144,931.49</b>

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	अवधि के लिए विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ:					
अस्थायी रूप से निर्लिपित परियोजनाएँ	28,414.94	23,505.42	17,654.68	84,828.75	154,403.79
कुल	44.07	1.09	40.06	16,928.39	17,013.61
घटाएँ: संचित हानि					36,658.83
<b>कुल</b>	<b>28,459.01</b>	<b>23,506.51</b>	<b>17,694.74</b>	<b>101,757.14</b>	<b>171,417.40</b>
					<b>134,758.57</b>

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ (जिनका पूरा होना अतिरिक्त है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक हो गई है) पूर्णता अनुसूची (टिप्पणी संख्या 10.3)

(₹ मिलियन में)

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ:					
अन्वेषणात्मक कूप					
— मुंबई अपतटीय	4,894.68	4,009.88	8,109.19	22,282.00	39,295.75
— राजमहेन्द्री परिसंपत्ति	34,200.28	-	-	-	34,200.28
— ब्लॉक केजी-डीडब्लूएन-98 / 02	36.88	12,118.22	5,693.36	14,680.13	32,528.59



(₹ मिलियन में)

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
– मुंबई अपतट में संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक	-	7,237.09	2,230.48	1,990.92	11,458.49
– अगरतला परिसंपत्ति	4,903.58	1,938.09	-	-	6,841.67
– असम परिसंपत्ति	2,112.84	2,434.56	923.16	-	5,470.56
– अन्य	9,224.39	1,989.61	229.77	419.07	11,862.84
<b>अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ:</b>					
<b>अन्वेषणात्मक कूप</b>					
– मुंबई अपतट में संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक	-	-	2,608.47	-	2,608.47
– अन्य	1,713.11	-	-	-	1,713.11
<b>कुल</b>	<b>57,085.76</b>	<b>29,727.45</b>	<b>19,794.43</b>	<b>39,372.12</b>	<b>145,979.76</b>

## 10.2. निर्माणाधीन अमूर्त तेल एवं गैस परिसंपत्तियाँ (टिप्पणी संख्या 54 देखें)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
प्रारंभिक शेष	25,592.66	11,476.89
वर्ष के दौरान वृद्धि	17,884.82	17,170.28
अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों में अंतरण	(1,285.10)	(3,054.51)
<b>कुल</b>	<b>42,192.38</b>	<b>25,592.66</b>

## 10.2.1. परिपक्वता अनुसूची

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों	अवधि के लिए प्रगति पर अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ	17,884.82	17,170.28	4,126.11	3,011.17	42,192.38
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>17,884.82</b>	<b>17,170.28</b>	<b>4,126.11</b>	<b>3,011.17</b>	<b>42,192.38</b>

31 मार्च, 2023 तक

(राशि मिलियन रुपए में)

अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों पर काम जारी	अवधि के लिए प्रगति पर अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ	17,170.28	4,157.56	53.20	4,211.62	25,592.66
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>17,170.28</b>	<b>4,157.56</b>	<b>53.20</b>	<b>4,211.62</b>	<b>25,592.66</b>

ऐसी कोई अमूर्त तेल एवं गैस परिसंपत्ति नहीं है जिसका निर्माण कार्य पूरा होने में देरी हो गई हो या जिसकी लागत चालू वर्ष एवं पिछले वर्ष के अंत में उसकी मूल योजना की तुलना में अधिक हो गई हो।

- 10.3.** निलम्बित परियोजनाओं तथा अनुमानित पूर्णता अवधि के साथ लागत वृद्धि/समय वृद्धि वाली परियोजनाओं की पहचान, परियोजनाओं के कार्यान्वयन में शामिल कंपनी के तकनीकी अधिकारियों द्वारा किए गए अनुमानों के आधार पर की जाती है।
- 10.4.** वर्ष 2004–05 के दौरान, कंपनी ने केयर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से अन्वेषण ब्लॉक केजी–डीडब्ल्यूएन–98/02 में 90 भागीदारी हित ₹ 3,711.22 मिलियन के एकमुश्त प्रतिफल पर अर्जित किया था, जिसे बाद में कुओं की अन्वेषणात्मक वेधन लागतों के साथ प्रगति पर अन्वेषणात्मक कुओं के अंतर्गत पूँजीकृत किया गया था। वर्ष 2012–13 के दौरान, कंपनी ने केयर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से ब्लॉक में शेष 10 भागीदारी हित ₹ 2,124.44 मिलियन के प्रतिफल पर वास्तविक अतीत लागत के आधार पर अर्जित किया था। इस ब्लॉक में प्रारंभिक इन–प्लेस रिजर्व स्थापित किए गए थे और मूल पीएससी समय–सीमा का पालन करते हुए, एक संकल्पनात्मक कलस्टर विकास योजना के साथ वाणिज्यिकता की घोषणा (डीओसी) 21 दिसंबर, 2009 को दक्षिणी डिस्कवरी क्षेत्र के लिए और 15 जुलाई, 2010 को उत्तरी डिस्कवरी क्षेत्र के लिए प्रस्तुत की गई थी। इसके बाद, दिसंबर, 2013 में संशोधित डीओसी प्रस्तुत की गई थी, पूरे विकास क्षेत्र को तीन कलस्टरों में विभाजित करके ब्लॉक के कलस्टर–वार विकास की परिकल्पना की गई थी। कलस्टर-II के संबंध में डीओसी की समीक्षा ब्लॉक की प्रबंधन समिति (एमसी) द्वारा 25 सितंबर, 2014 को की गई थी। कलस्टर-प के लिए क्षेत्र विकास योजना (एफडीपी) 8 सितंबर, 2015 को प्रस्तुत की गई थी, जिसमें अनुबंध क्षेत्र में ड्रिल किए गए सभी अन्वेषण कुओं की लागत शामिल थी। वर्ष 2018–19 के दौरान सबसी अम्बिलिकल राइजर, फ्लो लाइन, सबसी प्रोडक्शन सिस्टम, सेंट्रल प्रोसेसिंग ल्येटर्फॉर्म – लिविंग क्वार्टर यूटिलिटी ल्येटर्फॉर्म और अभितट टर्मिनल के लिए अनुबंध प्रदान किए गए हैं। 31 मार्च, 2021 तक सोलह (16) तेल के कुएं, सात (7) गैस के कुएं और छह (6) जल इंजेक्टर कुएं खोदे गए। शीघ्र मुद्राकरण की दिशा में, वशिष्ठ और एस1 परियोजना सुविधाओं का उपयोग करके यू–फ़ील्ड से गैस का उत्पादन करने की योजना बनाई गई थी। एक गैस कुओं–यू3बी मार्च, 2020 के महीने में पूरा हो गया और 5 मार्च, 2020 को परीक्षण उत्पादन शुरू हुआ। कंपनी की लेखा नीति के अनुरूप, वर्ष 2019–20 के दौरान सिद्ध विकसित भंडार की स्थापना पर कुओं यू3बी के लिए तेल और गैस संपत्तियाँ बनाई गईं। कुएं से वाणिज्यिक उत्पादन 25 मई, 2020 को शुरू हुआ। कुओं यू1बी और कुओं यू1–ए–शिफ्ट का काम पूरा हो गया और क्रमशः 26 अगस्त, 2021 और 28 अप्रैल,

2022 को उत्पादन में लाया गया। 07 जनवरी 2024 को कलस्टर-प के एम फील्ड के 4 तेल कुओं अर्थात् पीडीएमबी, पीडीएमसी और पीडीएमजी से तेल उत्पादन शुरू हुआ। कलस्टर-II के तहत 31 मार्च, 2024 तक प्रगति पर विकास कुओं, प्रगति पर पूँजीगत कार्य और तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की लागत क्रमशः ₹ 45,563.32 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 56,147.21 मिलियन), ₹ 169,552.16 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 142,392.36 मिलियन) और ₹ 80,614.38 मिलियन (पिछले वर्ष 27,392.38 मिलियन) है। स्वीकृत एफडीपी के संबंध में परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने 19 अगस्त, 2022 को डीजीएच (हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय) को कलस्टर-II विकास के लिए आरएफडीपी प्रस्तुत किया, जो डीजीएच में समीक्षाधीन है। सीपीपी टॉपसाइड पर निर्भरता को छोड़कर गैस सिस्टम से संबंधित सभी सबसी इंस्टॉलेशन कार्य और पाइप बिछाने का काम पूरा हो चुका है। सीपीपी टॉपसाइड को 24 मार्च, 2024 को फ्लोट ओवर विधि का उपयोग करके स्थापित किया गया था। एलक्यूपी टॉपसाइड और संबंधित संरचनाओं की स्थापना के लिए तैयारियाँ चल रही हैं। इसके बाद उत्पादन शुरू करने के लिए आर एंड ए क्षेत्रों के शेष गैस कुओं को जोड़ा जाएगा। शेष तेल प्रणाली सुविधाओं को पूरा करने के लिए कार्य प्रगति पर है और वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, एमसी ने 13.03.2024 से शुरू हुई अन्वेषण अवधि की समाप्ति के बाद खनन पट्टा क्षेत्र में कलस्टर-II (500 एसकैम के लिए) में 4सी–3डी ओबीएन भूकंपीय डेटा अधिग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या को मंजूरी दे दी है।

कलस्टर-I के संबंध में एफडीपी को ई1 में गैस खोजों के विकास और एफ1 क्षेत्र में तेल खोजों के एकीकृत विकास के लिए वित्त वर्ष 2019–20 में प्रबंधन समिति द्वारा जीएस-29 क्षेत्र के नामित क्षेत्रों के साथ अनुमोदित किया गया था। ई-1 कुएँ की एफ-1 से निकटता को देखते हुए, दोनों परियोजनाओं यानी (i) जीएस-29, डीडब्ल्यूएन–एफ1 और (ii) डीडब्ल्यूएन–ई1 को मिलाकर समुद्री सर्वेक्षण, जहाजों को जुटाने, परामर्श सेवाओं को काम पर रखने और समुद्र के नीचे सुविधाओं में अनुकूलन के लिए लागत बचत होगी। उपरोक्त को देखते हुए, समय और लागत लाभ के लिए दोनों परियोजनाओं को एकीकृत करने का निर्णय लिया गया। 06 मई, 2022 के पत्र के माध्यम से एमसी को इसका मूल्यांकन किया गया। जीएस-29–8–ए मूल्यांकन सह विकास कुओं की वेधन 30 अप्रैल, 2021 को पूरी हुई। डीडब्ल्यूएन–ई1 और डीडब्ल्यूएन–एफ1 और जीएस-29 के एकीकृत विकास का मूल्यांकन ओएनजीसी कार्यकारी



समिति (ईसी) को किया गया। कार्यकारी समिति ने 13.04.2022 को आयोजित अपनी बैठक में एकीकृत परामर्श सेवाओं (यानी प्री-फीड, एफईईडी और पीएमसी), समुद्री सर्वेक्षण (भूमौतिकीय, भू-तकनीकी और मौसम-महासागर सर्वेक्षण), समुद्री सर्वेक्षण और ईआईएआरए अध्ययन के लिए परामर्श सेवाएं और टीपीआई जैसी परियोजना-पूर्व गतिविधियों को काम पर रखने के लिए सेद्धातिक रूप से मंजूरी दे दी। मौसम महासागर सर्वेक्षण और एकीकृत परामर्श सेवाओं को काम पर रखने का काम सौंपा गया है और काम प्रगति पर है। भू-तकनीकी सर्वेक्षण की भर्ती मई, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है। 31 मार्च, 2024 तक प्रगति पर विकास कुओं की लागत ₹ 885.56 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 885.56 मिलियन) है। वलस्टर II के संबंध में, कंपनी ने 1 अगस्त, 2022 को वलस्टर-III की यूडी-1 खोज के लिए एफडीपी प्रस्तुत की जीएसए जांच के बाद, डीजीएच ने एक मजबूत एफडीपी

को फिर से प्रस्तुत करने के लिए एफडीपी को वापस कर दिया है। कंपनी प्रस्तावित 4सी-3डी ओबीएन भूकंपीय अध्ययन (150 एसकेएम के लिए) के परिणामों को शामिल करके एक मजबूत एफडीपी तैयार करने का प्रस्ताव करती है, जिसके लिए एमसी से मंजूरी मिल गई है और आगामी फील्ड सीजन में डेटा प्राप्त किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से यूडी-1 खोज क्षेत्र में 4सी-3डी ओबीएन भूकंपीय डेटा अधिग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या करने के लिए पीईएल समयसीमा को 41 महीने यानी 1 जनवरी, 2026 तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। विस्तार को 26. 12.2023 के पत्र के माध्यम से मंजूरी दी गई है। सभी वलस्टरों के विकास के लिए निश्चित योजना को ध्यान में रखते हुए, ब्लॉक में अन्येषण कुओं की लागत अर्थात ₹ 25,969.21 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 32,678.81 मिलियन) को आगे बढ़ाया गया है।

## 11. निवेश

### गैर-वर्तमान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
इकिवटी लिखत में निवेश (टिप्पणी सं. 11.1)	951,492.11	745,533.13
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश (टिप्पणी सं. 11.5)	-	1,975.08
अन्य निवेश (टिप्पणी सं. 11.6)	102,221.57	102,347.58
<b>कुल</b>	<b>1,053,713.68</b>	<b>849,855.79</b>

### वर्तमान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश (टिप्पणी सं. 11.5)	1,975.08	-
<b>कुल</b>	<b>1,975.08</b>	<b>-</b>

### 11.1. इकिवटी लिखत में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि
(i) सहायक कंपनियों में निवेश (लागत पर) (टिप्पणी संख्या 11.1.1)				
उद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त				
(क) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	778.85	369,150.00	778.85	369,150.00
(ख) मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	1,255.35	10,405.73	1,255.35	10,405.73

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि
अनुद्धृत — पूर्णतः प्रदत्त				
(ग) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 100 प्रति शेयर)	1,500.00	150,000.00	1,500.00	150,000.00
(घ) पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (टिप्पणी संख्या 11.1.3)	274.35	3,693.31	274.33	3,693.10
(ड) ओएनजीसी स्टार्ट-अप फंड ट्रस्ट (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति यूनिट) (टिप्पणी संख्या 11.1.4)	69.42	694.21	-	-
सहायक कंपनियों में कुल निवेश		<b>533,943.25</b>		<b>533,248.83</b>
(ii) एसोसिएट्स में निवेश (लागत पर) (टिप्पणी क्रमांक 11.1.1)				
उद्धृत — पूर्णतः प्रदत्त				
(क) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	187.50	987.50	187.50	987.50
अनुद्धृत — पूर्णतः प्रदत्त				
(ख) पवन हंस लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10,000 प्रति शेयर)	0.27	2,731.66	0.27	2,731.66
(ग) रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	-	0.05	-	0.05
एसोसिएट्स में कुल निवेश		<b>3,719.21</b>		<b>3,719.21</b>
(iii) संयुक्त उद्यमों में निवेश (लागत पर) (टिप्पणी नं. 11.1.1)				
उद्धृत नहीं — पूर्णतः प्रदत्त				
(क) मंगलोर एसईजेड लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	13.00	130.00	13.00	130.00
(ख) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (टिप्पणी संख्या 4.1.बी और 11.1.2)	997.98	9,979.81	997.98	9,979.81
(ग) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	12.50	0.25	12.50	0.25
(घ) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	560.00	5,600.00	560.00	5,600.00
(ड) दहेज एसईजेड लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति यूनिट)	23.02	230.25	23.02	230.25
(च) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (टिप्पणी संख्या 11.1.5)	222.36	2,223.60	198.00	1,980.00
सहायक कंपनियों में कुल निवेश		<b>18,163.91</b>		<b>17,920.31</b>
(iv) अन्य संस्थाओं में निवेश				
(एफवीटीओसीआई पर)				
उद्धृत — पूर्णतः प्रदत्त				



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि
(क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (टिप्पणी सं. 11.1.7)	2,005.82	336,476.79	2,005.82	156,253.60
(ख) गेल (इंडिया) लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	326.72	59,152.00	326.72	34,354.23
<b>अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त</b>				
(ग) इंडियन गैस एक्सचेंज लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (एफवीटीपीएल पर)	3.69	36.94	3.69	36.94
<b>अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त</b>				
(घ) ऑयल स्पिल रिस्पांस लिमिटेड	-	0.01	-	0.01
अन्य संस्थाओं में कुल निवेश		<b>395,665.74</b>		<b>190,644.78</b>
इकिवटी लिखत में कुल निवेश		<b>951,492.11</b>		<b>745,533.13</b>
उद्धृत निवेशों का कुल वहन मूल्य		776,172.02		571,151.06
अनुद्धृत निवेशों का कुल वहन मूल्य		175,320.09		174,382.07
उद्धृत निवेशों का कुल बाजार मूल्य		1,089,794.23		483,916.65
निवेशों के मूल्य में हानि की कुल राशि		-		-

\*कंपनी के पास 31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 तक रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड के 4,899 शेयर हैं।

#ऑयल स्पिल रिस्पांस लिमिटेड के 100 इकिवटी शेयर जारी होने के समय जीबीपी 1 प्रत्येक के मूल्य के थे। शेयर जारी होने के समय भारतीय ₹ में कुल ₹ 6,885/- था। इसके अलावा, वर्ष 2021–22 के दौरान, कंपनी को बिना किसी प्रतिफल के 200 इकिवटी शेयर आवंटित किए गए, जिससे कंपनी के पास कुल 300 इकिवटी शेयर हैं।

**11.1.1.** कंपनी ने सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों में अपने निवेश के वहन मूल्य को जारी रखने का चयन किया है, जिसे पिछले जीएपी के अनुसार मापा गया है और उसने भारतीय लेखा मानकों 101 भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाना' के पैरा डी15 (ख) (ii) के अनुसार संक्रमण तिथि 1 अप्रैल, 2015 को उस वहन मूल्य का इस्तेमाल किया है।

**11.1.2.** कंपनी को प्रायोजित ऋण का पूरा भुगतान होने तक ऋण समझौते की शर्तों के अनुसार निवेश को कम करने से रोका गया है।

**11.1.3.** वर्ष के दौरान, कंपनी ने आईएलएंडएफएस फाइरेशियल सर्विसेज लिमिटेड से ₹ 10 प्रति शेयर अंकित मूल्य वाली सहायक कंपनी पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) के अतिरिक्त 19,960 (पिछले वर्ष शून्य) इकिवटी शेयर ₹ 10.48 प्रति शेयर पर खरीदे हैं। ₹ 3,693.31 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3,693.10 मिलियन)।

**11.1.4.** ओएनजीसी स्टार्ट-अप फंड ट्रस्ट (नियंत्रित इकाई) को वित्त वर्ष 2022–23 तक लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से

उचित मूल्य वाले अन्य निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया था। स्टार्ट-अप कंपनियों में अंतर्निहित निवेशों के उचित मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए इसे वित्त वर्ष 2023–24 से भारतीय लेखा मानक 110 के अनुसार सहायक कंपनी में निवेश के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

वर्ष के दौरान, कंपनी ने ₹ 100 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 150 मिलियन) के कुल विचार के लिए ओएनजीसी स्टार्ट-अप फंड ट्रस्ट (वैकल्पिक निवेश निधि श्रेणी I के रूप में सेबी के साथ पंजीकृत) की अतिरिक्त 10,000,000 यूनिट (पिछले वर्ष 15,000,000 यूनिट) सब्सक्राइब की है।

**11.1.5.** वर्ष के दौरान, कंपनी ने इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) के अतिरिक्त 24,360,000 यूनिट (पिछले वर्ष 113,000,000 यूनिट) इकिवटी शेयर सब्सक्राइब किए हैं, जो एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसका अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर है। 31 मार्च, 2024 तक आईजीजीएल में कुल निवेश ₹ 2,223.60 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,980.00 मिलियन) है।

11.1.6. दिनांक 27.02.2024 को, एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल) को ₹ 1,000 मिलियन की अधिकृत पूँजी के साथ शामिल किया गया, जिसे ₹ 10 प्रत्येक के 100 मिलियन इकिवटी शेयरों में विभाजित किया गया और ₹ 10 मिलियन की प्रारंभिक सब्सक्राइब / पेड—अप इकिवटी शेयर पूँजी को ₹ 10 प्रत्येक के 1 मिलियन इकिवटी शेयरों में विभाजित किया गया। ओजीएल नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन, हाइड्रिड, जलविद्युत, ज्वारीय और भूतापीय आदि), जैव-ईधन, बायो—गैस व्यवसाय, ग्रीन हाइड्रोजन और इसके व्युत्पन्न जैसे ग्रीन अमोनिया, ग्रीन मेथनॉल, कार्बन कैप्चर उपयोग और भंडारण और एलएनजी व्यवसाय सहित ऊर्जा व्यवसाय की मूल्य श्रृंखलाओं में संलग्न होगी। दिनांक

12.04.2024 को, कंपनी ने ₹ 10/- प्रत्येक के 1 मिलियन इकिवटी शेयरों के बदले ओजीएल को ₹ 10 मिलियन का पूँजी योगदान दिया है।

11.1.7. वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, कंपनी को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) से 1:2 के अनुपात में बोनस शेयरों के रूप में 668,607,628 इकिवटी शेयर प्राप्त हुए हैं।

11.1.8. वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, कंपनी को गेल (इंडिया) लिमिटेड से 1:2 के अनुपात में बोनस शेयरों के रूप में 108,905,462 इकिवटी शेयर प्राप्त हुए हैं।।

## 11.2. सहायक कंपनियों का विवरण

(₹ मिलियन में)

सहायक कंपनी का नाम	प्रमुख गतिविधि	निगमन का स्थान और व्यवसाय का प्रमुख स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/मतदान अधिकार का अनुपात		कंपनी द्वारा धारित प्रभावी स्वामित्व हित/मतदान अधिकार	
			31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियाँ	भारत में निगमित, जिसका सारा प्रचालन भारत से बाहर होता है	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%
मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	रिफाइनरी	भारत	71.63%	71.63%	80.94%	80.94%
हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	रिफाइनिंग और विपणन	भारत	54.90%	54.90%	54.90%	54.90%
पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (टिप्पणी संख्या 11.1.3)	मल्टी प्रोडक्ट पाइपलाइन	भारत	50.00%	49.99%	77.45%	77.44%

## 11.3. सहयोगियों का विवरण

(₹ मिलियन में)

सहायक कंपनी का नाम	प्रमुख गतिविधि	निगमन का स्थान और व्यवसाय का प्रमुख स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/मतदान अधिकार का अनुपात		कंपनी द्वारा धारित प्रभावी स्वामित्व हित/मतदान अधिकार	
			31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
पवन हंस लिमिटेड	हेलीकॉप्टर सेवाएँ	भारत	49.00%	49.00%	49.00%	49.00%
पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड*	तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्ति	भारत	12.50%	12.50%	12.50%	12.50%
रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड	हेलीकॉप्टर सेवाएँ	भारत	49.00%	49.00%	49.00%	49.00%

\* पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) को सहयोगी कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि कंपनी का पीएलएल पर महत्वपूर्ण प्रभाव है।



#### 11.4. संयुक्त उद्यमों का विवरण

(₹ मिलियन में)

सहायक कंपनी का नाम	प्रमुख गतिविधि	निगमन का स्थान और व्यवसाय का प्रमुख स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/मतदान अधिकार का अनुपात		कंपनी द्वारा धारित प्रभावी स्वामित्व हित/मतदान अधिकार	
			31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
मंगलोर एसईजे१ लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	26.00%	26.00%	26.78%	26.78%
ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	पेट्रोकेमिकल्स	भारत	49.36%	49.36%	49.36%	49.36%
ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड	जैविक उपचार	भारत	49.98%	49.98%	49.98%	49.98%
ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड	विद्युत उत्पादन	भारत	50.00%	50.00%	50.00%	50.00%
दहेज एसईजे१ लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	50.00%	50.00%	50.00%	50.00%
इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	पाइपलाइन	भारत	20.00%	20.00%	20.00%	20.00%

#### 11.5. सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	मार्च 31, 2024 तक				मार्च 31, 2023 तक			
	अवर्तमान		वर्तमान		अवर्तमान		वर्तमान	
	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि
परिशोधित लागत पर वहन की गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	0.20	1,975.08	0.20	1,975.08	-	-
(क) 8.40 ऑयल कंपनी भारत सरकार विशेष बांड-2025 (अनुद्वृत - पूर्णतः प्रदत्त)								
सरकारी या न्यास प्रतिभूतियों में कुल निवेश		-		<b>1,975.08</b>		<b>1,975.08</b>		-
अनुद्वृत निवेशों का कुल वहन मूल्य				1,975.08		1,975.08		-
निवेशों के मूल्य में हानि की कुल राशि		-		-		-		-

8.40 ऑयल कंपनी भारत सरकार के विशेष बांड -2025 मार्च 2025 में परिषक्त होने वाले हैं।

#### 11.6. अन्य निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	मार्च 31, 2024 को		मार्च 31, 2023 को	
	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि
(i) सहायक कंपनियों में माना गया निवेश				
(ए) मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (टिप्पणी संख्या 11.6.1)			63.75	
(बी) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (टिप्पणी संख्या 11.6.2)			6,038.48	
(सी) ओएनजीसी विदेश रोबुमा लिमिटेड (टिप्पणी संख्या 11.6.3)			16.59	
सहायक कंपनियों में कुल माना गया निवेश			<b>6,118.82</b>	<b>5,702.42</b>

(₹ मिलियन में)

विवरण	मार्च 31, 2024 को		मार्च 31, 2023 को	
	(संख्या मिलियन में)	राशि	(संख्या मिलियन में)	राशि
<b>(ii) संयुक्त उद्यमों में माना गया निवेश</b>				
(क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (टिप्पणी संख्या 11.6.5)		62,402.66		62,393.68
(ख) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (टिप्पणी संख्या 11.6.6)		50.50		7.68
संयुक्त उद्यमों में कुल माना गया निवेश		<b>62,453.16</b>		<b>62,401.36</b>
<b>(iii) शेयर वारंट की सदस्यता – संयुक्त उद्यम (उच्चत नहीं – आंशिक रूप से भुगतान किया गया)</b>				
(क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (टिप्पणी संख्या 11.6.4 और 11.6.5)	3,451.24	33,649.59	3,451.24	33,649.59
कुल निवेश – शेयर वारंट		<b>33,649.59</b>		<b>33,649.59</b>
<b>(iv) स्टार्ट अप फंड में निवेश (एफवीटीपीएल पर)</b>				
(क) ओएनजीसी स्टार्ट-अप फंड ट्रस्ट	-	-	59.42	594.21
(अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति यूनिट) (टिप्पणी संख्या 11.1.4)				
स्टार्ट अप फंड में कुल निवेश		<b>-</b>		<b>594.21</b>
कुल अन्य निवेश		102,221.57		102,347.58
निवेश का कुल वहन मूल्य		<b>102,221.57</b>		<b>102,347.58</b>
निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि		-		-

**11.6.1.** ₹ 63.75 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 51.99 मिलियन) की राशि मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के लिए बिना किसी विचार के दी गई वित्तीय गारंटी के लिए शुल्क के उचित मूल्य को दर्शाती है।

**11.6.2.** ₹ 6,038.48 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 5,614.38 मिलियन) की राशि में शामिल हैं, (i) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के लिए बिना किसी विचार के दी गई वित्तीय गारंटी पर गारंटी शुल्क के उचित मूल्य की ओर ₹ 4,434.17 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 4,010.07 मिलियन) और (ii) 31 जनवरी, 2018 तक ओएनजीसी विदेश लिमिटेड को ब्याज मुक्त ऋण के उचित मूल्य की ओर ₹ 1,604.31 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,604.31 मिलियन)।

**11.6.3.** ₹ 16.59 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 36.05 मिलियन) की राशि कंपनी की स्टेपडाउन सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश रोबुमा लिमिटेड के लिए बिना किसी प्रतिफल के दी गई वित्तीय गारंटी पर गारंटी शुल्क के उचित मूल्य की ओर है।

**11.6.4.** कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड के 3,451,240,000 शेयर वारंट ₹ 9.75 प्रति शेयर वारंट की दर से सब्सक्राइब किए हैं, जिससे कंपनी को प्रत्येक वारंट के लिए ₹ 0.25 के शेष भुगतान के बाद ₹ 10 के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर के साथ विनिमय करने का अधिकार मिलता है। ओपीएल द्वारा जारी शेयर वारंट में कंपनी द्वारा सब्सक्राइब किए गए शेयर वारंट की स्थिति निम्नानुसार है:

शेयर वारंट जारी किए गए	सब्सक्राइब किए गए वॉरंट की संख्या	शेयर वारंट का मूल्य (₹ मिलियन में)	कंपनी द्वारा भुगतान की गई सब्सक्राइब राशि	(₹ मिलियन में) वारंट के निष्पादन/परिवर्तन की तिथि
25 अगस्त, 2015	1,922,000,000	19,220.00	18,739.50	24 अगस्त, 2024
13 दिसंबर, 2018	636,000,000	6,360.00	6,201.00	12 दिसंबर, 2024
07 अप्रैल, 2020	893,240,000	8,932.40	8,709.09	06 अक्टूबर, 2024

**11.6.5.** कंपनी ने संयुक्त उद्यम ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएल) द्वारा तीन किस्तों में जारी किए गए ₹ 77,780.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 77,780.00 मिलियन) के अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) के मूलधन और कूपन के पुनर्भुगतान के लिए बैंकस्टॉपिंग सहायता



की व्यवस्था की है। कंपनी उसी बैकस्टॉपिंग सहायता को जारी रख रही है। 31 मार्च, 2024 तक अर्जित बकाया व्याज ₹ 2,212.45 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,766.85 मिलियन) है। ₹ 56,150 मिलियन और ₹ 4,920 मिलियन की राशि वाले सीसीडी की पहली और तीसरी किस्त को 6 महीने की अवधि के लिए आगे बढ़ा दिया गया है और क्रमशः मई 2024 और अगस्त 2024 में परिपक्व होने वाली है। सीसीडी की दूसरी किश्त ₹ 16,710 मिलियन की थी, जो अप्रैल, 2023 में पुट ऑप्शन के लिए देय थी। इसे 18 महीने के लिए आगे बढ़ा दिया गया है और पुट ऑप्शन की एक्सरसाइज तिथि 18 अक्टूबर, 2024 होगी और रूपांतरण तिथि 18 नवंबर, 2024 होगी। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की विशेषज्ञ सलाहकार समिति (ईएसी) की राय के आधार पर, कंपनी ने मूलधन के पुनर्भुगतान के लिए बैकस्टॉपिंग समर्थन के लिए उचित मूल्य पर वित्तीय देयता और ओपीएल में डीम्ड निवेश की संगत मान्यता दी है। ₹ 62,402.66 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 62,393.68 मिलियन) की मानित निवेश राशि में इन सीसीडी के विरुद्ध वित्तीय देयता के उचित मूल्य के प्रति

₹ 62,308.05 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 62,308.05 मिलियन) और ओपीएल के लिए बिना किसी प्रतिफल के दी गई वित्तीय गारंटी पर गारंटी शुल्क के उचित मूल्य के प्रति ₹ 94.61 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 85.63 मिलियन) शामिल हैं।

11.6.6. कंपनी के संयुक्त उद्यम इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) ने इन शेयरधारिताओं के अनुपात में आईजीजीएल के प्रमोटरों द्वारा गारंटीकृत उत्तर पूर्व गैस ग्रिड परियोजना के कार्यान्वयन के उद्देश्य से 25 अगस्त, 2021 को तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से ₹ 25,940 मिलियन का ऋण स्वीकृत किया था। वर्ष के दौरान आईजीजीएल द्वारा स्वीकृत राशि ₹ 25,940 मिलियन में से ₹ 5,600 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,000 मिलियन) का ऋण लिया गया है। 31 मार्च, 2024 तक आईजीजीएल ने कुल ₹ 6,600 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 1,000 मिलियन) का ऋण लिया है। कंपनी ने आईजीजीएल में अपनी शेयरधारिता के संबंध में वित्तीय गारंटी दायित्व को मान्यता दी है, जिसके लिए उपरोक्त वित्तीय गारंटी के लिए आईजीजीएल में ₹ 50.50 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 7.68 मिलियन) के डीम्ड निवेश की मान्यता दी गई है।



11.7 प्रत्येक सहायक कंपनी, सहयोगी कंपनी और संयुक्त उद्यम में कुल निवेश निम्नानुसार है:

कंपनी का नाम	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	सहायक			सहयोगी			संयुक्त उद्यम			
		मंगलोर सिफाइनरी एड पेर्टी – केमिकल्स लिमिटेड	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्बोरेशन लिमिटेड	ओएनजीसी विदेश रेखमा लिमिटेड	ओएनजीसी स्टार्ट – अप फ़ॉर्ड द्रस्ट	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	पचन हस्त लिमिटेड	रोहिणी हेलीपोट लिमिटेड	ओएनजीसी विपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	मंगलोर एसईजेड लिमिटेड	ओएन जीसी बायोटेक लिमिटेड

31 मार्च, 2024 तक

इकाइयाँ	150,000.00	10,405.73	369,150.00	3,693.31	-	694.21	987.50	2,731.66	0.05	9,979.81	5,600.00	130.00	0.25	230.25	2,223.60
शेयर वारंट	-	-	-	-	-	-	-	-	-	33,649.59	-	-	-	-	-
मान्य निवेश	6,038.48	63.75	-	-	16.59	-	-	-	-	62,402.66	-	-	-	-	50.50
शेयर आवेदन राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>156,038.48</b>	<b>10,469.48</b>	<b>369,150.00</b>	<b>3,693.31</b>	<b>16.59</b>	<b>694.21</b>	<b>987.50</b>	<b>2,731.66</b>	<b>0.05</b>	<b>106,032.06</b>	<b>5,600.00</b>	<b>130.00</b>	<b>0.25</b>	<b>230.25</b>	<b>2,274.10</b>

31 मार्च, 2023 तक

इकाइयाँ	150,000.00	10,405.73	369,150.00	3,693.10	-	-	987.50	2,731.66	0.05	9,979.81	5,600.00	130.00	0.25	230.25	1,980.00
शेयर वारंट	-	-	-	-	-	-	-	-	-	33,649.59	-	-	-	-	-
मान्य निवेश	5,614.38	51.99	-	-	36.05	-	-	-	-	62,393.68	-	-	-	-	7.68
शेयर आवेदन राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>155,614.38</b>	<b>10,457.72</b>	<b>369,150.00</b>	<b>3,693.10</b>	<b>36.05</b>	<b>-</b>	<b>987.50</b>	<b>2,731.66</b>	<b>0.05</b>	<b>106,023.08</b>	<b>5,600.00</b>	<b>130.00</b>	<b>0.25</b>	<b>230.25</b>	<b>1,987.68</b>



## 12. व्यापार प्राप्य—वर्तमान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
(क) शोध्य समझे गए— प्रत्याभूत	2,159.52	2,663.42
(ख) शोध्य समझे गए— अप्रत्याभूत (टिप्पणी संख्या 12.3 और टिप्पणी संख्या 12.4)	111,937.90	99,839.63
(ग) ऋण हानि (टिप्पणी संख्या 12.5)	3,179.44	2,868.30
घटाएँ: संदिध प्राप्य के लिए हानि	3,179.44	2,868.30
<b>कुल</b>	<b>114,097.42</b>	<b>102,503.05</b>

### 12.1. व्यापार प्राप्य— परिपक्वता अनुसूची

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	देय नहीं	गतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
		6 महीने से कम	6 महीने – 1 वर्ष	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य — शोध्य समझे गए	105,197.37	4,113.47	2,205.31	222.24	27.93	9.12	111,775.44
(ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य — जिसमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-
(iii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य — क्रेडिट हानि	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य — शोध्य समझे गए	0.98	1.50	1.04	2.59	226.86	2,570.61	2,803.58
(v) विवादित व्यापार प्राप्य — जिसमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	20.84	20.84
(vi) विवादित व्यापार प्राप्य — क्रेडिट हानि	-	-	-	0.78	0.84	2,675.38	2,677.00
<b>सकल योग</b>	<b>105,198.35</b>	<b>4,114.97</b>	<b>2,206.35</b>	<b>225.61</b>	<b>255.63</b>	<b>5,275.95</b>	<b>117,276.86</b>
घटाएँ: संदिध प्राप्य के लिए हानि (टिप्पणी संख्या 12.6 और 45.4)							3,179.44
<b>कुल</b>							<b>114,097.42</b>

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	देय नहीं	गतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
		6 महीने से कम	6 महीने – 1 वर्ष	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य — शोध्य समझे गए	93,609.70	3,500.56	219.04	12.39	4.20	48.14	97,394.03
(ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य — जिसमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि होती है	-	-	-	-	-	-	-
(iii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य — क्रेडिट हानि	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य — शोध्य समझे गए	120.54	5.37	9.91	245.77	672.88	4,033.71	5,088.18
(v) विवादित व्यापार प्राप्य — जिसमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि होती है	-	-	-	-	-	20.84	20.84
(vi) विवादित व्यापार प्राप्य — क्रेडिट हानि	-	-	200.46	-	-	2,667.84	2,868.30
<b>सकल योग</b>	<b>93,730.24</b>	<b>3,505.93</b>	<b>429.41</b>	<b>258.16</b>	<b>677.08</b>	<b>6,770.53</b>	<b>105,371.35</b>
घटाएँ: संदिध प्राप्य के लिए हानि							2,868.30
<b>कुल</b>							<b>102,503.05</b>

- 12.2 आम तौर पर, कंपनी अपने ग्राहकों के साथ कच्चे तेल और गैस की बिक्री व्यवस्था करती है। कच्चे तेल, गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री पर सामान्य क्रेडिट अवधि 7 – 30 दिन है। इस क्रेडिट अवधि के दौरान कोई व्याज नहीं लिया जाता है। इसके बाद, विलंबित भुगतानों पर व्याज एसबीआई बेस रेट / एसबीआई एमसीएलआर प्लस 4% – 6.50% प्रतिवर्ष की दर से बकाया शेष राशि पर लगाया जाता है। 31 मार्च, 2024 तक सकल व्यापार प्राप्तियों में से, ₹ 107,771.68 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 91745.87 मिलियन) की राशि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल और गैस विपणन कंपनियों, कंपनी के सबसे बड़े ग्राहकों से देय है। कोई अन्य ग्राहक नहीं हैं जो कुल व्यापार प्राप्तियों के 5% से अधिक का प्रतिनिधित्व करता हो।
- 12.3 इसमें संशोधित पाइपलाइन परिवहन शुल्क के कारण गेल इंडिया लिमिटेड (गेल) से 20 नवंबर, 2008 से 6 जुलाई, 2021 तक की अवधि के लिए पाइपलाइन परिवहन शुल्क के रूप में देय ₹ 3,764.43 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3,764.43 मिलियन) की राशि शामिल है। गेल और कंपनी के बीच हस्ताक्षरित गैस बिक्री समझौते (जीएसए) के अनुसार, गेल को उरण ट्रॉन्क नेचुरल गैस पाइप लाइन (यूटीएनजीपीएल) के मामले में गैस की कीमत के अलावा परिवहन शुल्क का भुगतान करना है और इसका भुगतान गेल द्वारा किया जा रहा था। वर्ष 2008 में पाइपलाइन के प्रतिस्थापन के बाद, यूटीएनजीपीएल के संबंध में संशोधित पाइपलाइन परिवहन शुल्क को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा अनुमोदित किया गया था, जिसके लिए 20 नवंबर, 2008 से गेल को डेबिट टिप्पणी/चालान जारी किए गए थे। गेल के ग्राहकों में से एक महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने गेल को गैस की आपूर्ति पर शुल्क की प्रयोज्यता के संबंध में 12 फरवरी, 2015 को पीएनजीआरबी के पास शिकायत दर्ज कराई थी। सभी पक्षों को सुनने के बाद पीएनजीआरबी ने 15 अक्टूबर, 2015 के आदेश के तहत शिकायत को खारिज कर दिया और कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया। एमजीएल द्वारा विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) में अपील के अनुसरण में, मामला वापस पीएनजीआरबी के पास भेज दिया गया। एक बार फिर, पीएनजीआरबी ने 18 मार्च, 2020 के आदेश के तहत शिकायत को खारिज कर दिया, पाइपलाइन को कॉमन कैरियर पाइपलाइन के रूप में अधिकृत किया और गेल और एमजीएल दोनों को यूटीएनजीपीएल के लिए पीएनजीआरबी द्वारा समय—समय पर तय परिवहन शुल्क का भुगतान करने का निर्देश दिया। एमजीएल ने पीएनजीआरबी के आदेश के खिलाफ 04 अप्रैल, 2020 को एपीटीईएल के साथ फिर से अपील दायर की। एपीटीईएल ने 16 जुलाई, 2021 के आदेश के तहत मामले को नए सिरे से निर्णय लेने और सदस्य (कानूनी) की नियुक्ति की तारीख से 3 महीने के भीतर अंतिम आदेश पारित करने के लिए पीएनजीआरबी को वापस भेज दिया। पीएनजीआरबी ने 30 सितंबर, 2022 के आदेश के तहत

एमजीएल को आदेश पारित करने के 2 महीने की अवधि के भीतर 1 जनवरी, 2014 से अवधि के लिए 30 दिसंबर, 2013 के टैरिफ आदेश के तहत यूटीएनजीपीएल के लिए पीएनजीआरबी द्वारा तय परिवहन शुल्क के अनुसार परिवहन शुल्क का भुगतान करने का निर्देश दिया। हालांकि पीएनजीआरबी ने 20 नवंबर, 2008 से 31 दिसंबर, 2013 तक के परिवहन शुल्क को खारिज कर दिया। एमजीएल ने पीएनजीआरबी के 30 सितंबर, 2022 के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की। दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2022 के आदेश के तहत पीएनजीआरबी के आदेश के खिलाफ वसूली पर रोक लगा दी और एमजीएल को गेल के पास ₹ 500 मिलियन की राशि जमा करने का निर्देश दिया। यद्यपि कंपनी ने पीएनजीआरबी के आदेश के खिलाफ एपीटीईएल के समक्ष अपील दायर की है, लेकिन एपीटीईएल द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के कारण उस पर स्थगन प्रदान किया गया है जिसमें एपीटीईएल के समक्ष गेल (इंडिया) लिमिटेड से संबंधित सभी मामलों/कार्यवाहियों के लिए स्थगन प्रदान किया गया है। मामले में अंतिम निर्णय लंबित होने तक कंपनी ने 20 नवंबर, 2008 से 31 दिसंबर, 2013 तक की अवधि के लिए प्राप्त परिवहन शुल्क के लिए वित्त वर्ष 2022– 23 के दौरान ₹ 745.50 मिलियन का प्रावधान किया है।

गेल का एक अन्य ग्राहक राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) फरवरी, 2016 से संशोधित टैरिफ का भुगतान कर रहा था और 20 नवंबर, 2008 से 31 जनवरी, 2016 तक का टैरिफ विवाद मैं था। इस मामले को सीपीएसई विवादों के समाधान के लिए प्रशासनिक तंत्र (एमआरसीडी) के तहत सचिवों की समिति को भेजा गया था, जिसकी 17 जून, 2021 को बैठक हुई और यह निष्कर्ष निकाला गया कि आरसीएफ पीएनजीआरबी की संशोधित टैरिफ दरों के आदेश की तारीख (यानी 30 दिसंबर, 2013) से परिवहन शुल्क का भुगतान करेगा। तदनुसार वर्ष 2021–22 के दौरान 30 दिसंबर, 2013 से 31 जनवरी, 2016 की अवधि से संबंधित ₹ 196.52 मिलियन की राशि प्राप्त हुई। कंपनी ने गेल से प्राप्तियों पर एमआरसीडी आदेश के प्रभाव के बारे में एमओपीएंडएनजी से स्पष्टीकरण का अनुरोध किया है। हालांकि, एमआरसीडी के समापन के महेनजर, 30 दिसंबर, 2013 से पहले की अवधि के लिए आरसीएफ के संबंध में पाइपलाइन परिवहन शुल्क के कारण गेल से बकाया के लिए ₹ 446.43 मिलियन का प्रावधान किया गया है। कंपनी नवंबर, 2008 से मार्च 2024 तक की अवधि के दौरान पाइपलाइन परिवहन शुल्क के लिए गेल पर ₹ 9,357.19 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 8,717.60 मिलियन) का चालान जारी कर रही है, इसमें से ₹ 5,569.21 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 4,893.35 मिलियन) की राशि प्राप्त हुई है। उपरोक्त के महेनजर, 31 मार्च, 2024 तक ₹ 2,596.05 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2,632.32 मिलियन) की प्राप्त शेष राशि (प्रावधान को छोड़कर) अच्छी मानी जाती है।



12.4 इसमें मार्च, 2023 से अक्टूबर, 2023 के महीने के दौरान पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चे तेल की बिक्री के लिए आइओसीएल से प्राप्त होने वाली ₹ 1,364.61 मिलियन की राशि शामिल है। आइओसीएल के साथ कच्चे तेल की बिक्री समझौतों (सीओएसए) को अंतिम रूप दिए जाने तक पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से आइओसीएल को कच्चे तेल की बिक्री अनंतिम आधार पर की गई है। कंपनी ने अक्टूबर 2022 से फरवरी, 2023 की अवधि के लिए लागू बैंचमार्क कीमतों पर कच्चे तेल की बिक्री के लिए चालान जारी किए हैं। सीओएसए को अंतिम रूप दिए जाने तक, आइओसीएल ने सितंबर, 2022 तक लागू मूल्य निर्धारण फॉर्मूला बैंचमार्क के अनुसार मार्च, 2023 से अक्टूबर, 2023

के महीने के लिए भुगतान जारी कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप 31 मार्च 2024 तक आइओसीएल से ₹ 1,364.61 मिलियन की राशि प्राप्त होनी है। मार्च, 2023 से अक्टूबर 2023 के लिए लागू पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए मूल्य निर्धारण शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए आइओसीएल के साथ चर्चा चल रही है और जल्द ही इसे अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। इसे देखते हुए, मार्च 2023 से अक्टूबर, 2023 के महीने के लिए पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चे तेल की बिक्री के लिए ₹ 1,364.61 मिलियन की उपरोक्त राशि अच्छी मानी जाती है। (टिप्पणी संख्या 30.1 देखें)

## 12.5 संदिग्ध प्राप्य के लिए हानि का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2,868.30	2,132.83
जोड़ें	511.64	957.22
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(200.50)	(221.75)
वर्ष के अंत में शेष	<b>3,179.44</b>	<b>2,868.30</b>

12.6 भारतीय लेखा मानक 109 – वित्तीय साधनों के अनुसार, कंपनी व्यापार प्राप्तियों पर हानि की माप और पहचान के लिए सरलीकृत दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए ईसीएल मॉडल और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए सामान्य दृष्टिकोण लागू करती है। इस उद्देश्य के लिए, कंपनी उधारकर्ताओं की क्रेडिट रेटिंग के आधार पर डिफॉल्ट दरों की गणना करने के लिए रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण का पालन करती है और प्रासंगिक मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों का उपयोग करके भविष्य-उन्मुख अनुमानों को शामिल किया जाता है। (टिप्पणी संख्या 45.4 देखें)

## 13 ऋण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
क. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ऋण				
– ऋण हानि	170.50	-	170.50	-
घटाएँ: संदिग्ध ऋणों के लिए हानि	170.50	-	170.50	-
सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कुल ऋण	-	-	-	-
ख. कर्मचारियों को ऋण (टिप्पणी संख्या 13.1)				
– प्रत्याघृत, शोध्य समझे गए	19,228.67	2,729.92	16,760.73	2,529.83
– अप्रत्याघृत, शोध्य समझे गए	47.29	92.91	204.62	61.54
– ऋण हानि	74.57	19.95	-	9.21
घटाएँ: संदिग्ध ऋणों के लिए हानि	74.57	19.95	-	9.21
कर्मचारियों को कुल ऋण	<b>19,275.96</b>	<b>2,822.83</b>	<b>16,965.35</b>	<b>2,591.37</b>
कुल ऋण	<b>19,275.96</b>	<b>2,822.83</b>	<b>16,965.35</b>	<b>2,591.37</b>

13.1 कर्मचारियों को दिए गए ऋणों में प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों से बकाया ₹ 1.95 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 0.47 मिलियन) की राशि शामिल है। (टिप्पणी संख्या 44.2.8)

13.2 संदिग्ध ऋणों के लिए हानि का संचालन: (टिप्पणी संख्या 12.6 और 45.4 देखें) (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	179.71	179.05
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त	85.53	0.66
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(0.22)	-
वर्ष के अंत में शेष	265.02	179.71

## 14. स्थल पुनर्स्थापना निधि योजना के अंतर्गत जमा राशि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
स्थल पुनर्स्थापन निधि योजना के अंतर्गत जमा राशि	282,055.43	264,105.99
वर्ष के अंत में शेष	<b>282,055.43</b>	<b>264,105.99</b>

14.1. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 33एबीए के तहत उपरोक्त राशि भारतीय स्टेट बैंक में जमा कर दी गई है और इसे केवल योजना में निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए ही निकाला जा सकता है, यानी परित्याग योजना के अनुसार केंद्र सरकार के साथ सहमत तरीके से उपकरणों और प्रतिष्ठानों को हटाने के लिए। इस राशि को प्रतिबंधित नकदी माना जाता है और इसलिए इसे 'नकद और नकदी समकक्ष' नहीं माना जाता है।

14.2. इसमें ताप्ती ए सुविधाओं के लिए ₹ 3,031.74 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2,834.05 मिलियन) और पन्ना मुक्ता फील्ड्स के लिए ₹ 54,661.61 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 51,097.38 मिलियन) शामिल हैं (टिप्पणी संख्या 5.2, 6.1 और 24.3 देखें)।

## 15. वित्तीय परिसंपत्तियां – अन्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
(अप्रत्याभूत शोध्य समझे गए जब तक कि अन्यथा न कहा जाए)				
(क) निषेप				
– शोध्य समझे गए	1,047.67	2,225.30	1,919.95	1,161.97
– ऋण हानि	12.54	5.52	9.96	-
घटाएँ: संदिग्ध जमा के लिए	12.54	5.52	9.96	-
कुल निषेप	<b>1,047.67</b>	<b>2,225.30</b>	<b>1,919.95</b>	<b>1,161.97</b>
(अप्रत्याभूत शोध्य समझे गए जब तक कि अन्यथा न कहा जाए)				
(ख) नकद में वसूली योग्य अग्रिम				
– शोध्य समझे गए (टिप्पणी संख्या 15.1)	1,129.18	18,031.50	1,775.95	26,588.30
– ऋण हानि (टिप्पणी संख्या 15.2 और 15.3)	446.34	15,957.36	455.40	15,803.71
घटाएँ: संदिग्ध अग्रिमों के लिए हानि	446.34	15,957.36	455.40	15,803.71
नकद में वसूली योग्य कुल अग्रिम	<b>1,129.18</b>	<b>18,031.50</b>	<b>1,775.95</b>	<b>26,588.30</b>



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
(ग) जेओ भागीदारों से प्राप्य याचित नकद				
– शोध्य समझे गए	-	3,116.22	-	1,955.52
– ऋण हानि (टिप्पणी संख्या 15.3)	8,981.34	195.03	8,625.43	-
घटाएँ: संदिग्ध नकद	8,981.34	195.03	8,625.43	-
जेओ भागीदारों से प्राप्य कुल याचित नकद	-	<b>3,116.22</b>	-	<b>1,955.52</b>
(घ) निष्केप और ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज				
– शोध्य समझे गए	-	14,276.57	-	8,272.08
– ऋण हानि (टिप्पणी संख्या 15.3)	22.87	-	22.87	-
घटाएँ: संदिग्ध प्राप्तियों के लिए हानि	22.87	-	22.87	-
निष्केप और ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज	-	<b>14,276.57</b>	-	<b>8,272.08</b>
(ड.) बैंक निष्केप (12 महीने से अधिक परिपक्वता के साथ)				
– शोध्य समझे गए	-	44,829.35	-	27,540.00
– ऋण हानि	-	20.65	-	-
घटाएँ: संदिग्ध बैंक निष्केपों के लिए हानि	-	20.65	-	-
कुल बैंक निष्केप (12 महीने से अधिक परिपक्वता के साथ)	-	<b>44,829.35</b>	-	<b>27,540.00</b>
(च) अन्य				
– शोध्य समझे गए	-	2,074.44	100.00	3,721.77
– ऋण हानि (टिप्पणी संख्या 15.3)	-	6.32	-	0.10
घटाएँ: संदिग्ध प्राप्तियों के लिए हानि	-	6.32	-	0.10
कुल अन्य	-	<b>2,074.44</b>	<b>100.00</b>	<b>3,721.77</b>
कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ—अन्य	<b>2,176.85</b>	<b>84,553.38</b>	<b>3,795.90</b>	<b>69,239.64</b>

15.1. वर्ष 2010–11 के दौरान, भारत सरकार (जीओआई) के नामित तेल विपणन कंपनियों ने संयुक्त प्रचालन – पन्ना मुक्ता और ताप्ती उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार 80.18 मिलियन अमरीकी डालर (कंपनी का हिस्सा 32.07 मिलियन अमरीकी डालर (₹ 2,673.36 मिलियन के बराबर) वसूल किया। मध्यस्थता न्यायाधिकरण द्वारा अंतिम रूप दिए जाने तक, कंपनी का हिस्सा 32.07 मिलियन अमरीकी डालर जो ₹ 2,673.36 मिलियन (31 मार्च, 2023: ₹ 2,634.55 मिलियन के बराबर) 'नकद में वसूली योग्य अग्रिम' शीर्षक के अंतर्गत प्रकट किया गया है (टिप्पणी संख्या 48.1.1 (घ) देखें)।

15.2. रावा संयुक्त प्रचालन में, पोस्ट ऑफिस भुगतान की गणना के संबंध में उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के प्रावधानों की व्याख्या में मतभेदों के कारण भारत सरकार द्वारा उठाए गए अतिरिक्त लाभ

पेट्रोलियम की मांग ऑपरेटर के पक्ष में पहले के मध्यस्थ न्यायाधिकरण के फैसले को खारिज करने वाले मलेशियाई उच्च न्यायालय के फैसले के आधार पर कर दर प्रतिफल (पीटीआरआर) को ऑपरेटर वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्न इंडिया लिमिटेड) द्वारा विवादित किया गया था। कंपनी विवाद में पक्ष नहीं है, लेकिन ऑपरेटर पर लागू निर्णय का पालन करने के लिए सहमत हो गई है। ब्याज और विनिमय दर में उत्तार-चढ़ाव के समायोजन के बाद कंपनी के पास 167.84 मिलियन अमरीकी डॉलर (₹ 13,991.53 मिलियन के बराबर) की राशि है, जिसे भारत सरकार द्वारा वसूल किया गया है, इसमें 54.88 मिलियन अमरीकी डॉलर (₹ 4,503.21 मिलियन के बराबर) का ब्याज शामिल है। कंपनी ने भारत सरकार द्वारा की गई इस वसूली के लिए हानि प्रावधान किया है। बाद की कानूनी कार्यवाही में, कुआलालंपुर के माननीय मलेशियाई उच्च न्यायालय के अपीलीय

प्राधिकरण ने मलेशियाई उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज कर दिया मलेशिया के संघीय न्यायालय ने 11 अक्टूबर, 2011 के अपने आदेश के तहत भारत सरकार की उक्त अपील को खारिज कर दिया है। कंपनी ने मलेशिया के संघीय न्यायालय के अनुकूल निर्णय के महेनजर की गई वसूली की वापसी के मामले को भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ उठाया है। हालांकि,

13 जनवरी, 2012 के एक संचार के अनुसार, पे.ओर.प्रा.गै.मं. ने यह विचार व्यक्त किया कि कंपनी के प्रस्ताव की जांच तब की जाएगी जब रावा पीएससी में वहन के मुद्दे पर सरकार और अन्य भागीदारों द्वारा पूरी तरह से निर्णय लिया जाएगा। इस स्तर पर रिफंड प्राप्त करने में कथित अनिश्चितताओं को देखते हुए, बहियों में की गई उपरोक्त हानि को वसूली योग्य राशि के विरुद्ध बरकरार रखा गया है।

### 15.3. वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए हानि का संचलन—अन्य : (टिप्पणी संख्या 12.6 और 45.4 देखें)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	<b>24,917.47</b>	<b>23,716.39</b>
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त	905.96	1,491.69
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(175.46)	(290.61)
वर्ष के अंत में शेष	<b>25,647.97</b>	<b>24,917.47</b>

### 16. अन्य परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
क. पूँजीगत अग्रिम				
– शोध्य समझे गए	5,989.25	-	6,223.64	-
– क्रेडिट हानि	346.69	-	346.69	-
घटाँ: हानि (टिप्पणी संख्या 16.1)	346.69	-	346.69	-
	<b>5,989.25</b>	-	<b>6,223.64</b>	-
ख. अन्य प्राप्य				
– शोध्य समझे गए	54.66	-	55.10	-
– क्रेडिट हानि	376.97	-	379.56	-
घटाँ: हानि (टिप्पणी संख्या 16.1)	376.97	-	379.56	-
	<b>54.66</b>	-	<b>55.10</b>	-
ग. निपेक्ष				
सीमा शुल्क/पोर्ट ट्रस्ट में	37.06	2.30	37.18	2.18
अन्य में				
– शोध्य समझे गए	2,437.09	14,457.20	2,658.99	23,025.97
– ऋण हानि	2,557.29	430.10	1,936.40	991.82
घटाँ: हानि (टिप्पणी संख्या 16.1)	2,557.29	430.10	1,936.40	991.82
	<b>2,474.15</b>	<b>14,459.50</b>	<b>2,696.17</b>	<b>23,028.15</b>



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
घ. प्राप्य अग्रिम				
– शोध्य समझे गए	563.12	31,577.16	968.65	32,491.44
– ऋण हानि	641.86	945.89	641.86	953.65
घटाँँ: प्राप्य के लिए हानि (टिप्पणी संख्या 16.1)	641.86	945.89	641.86	953.65
	<b>563.12</b>	<b>31,577.16</b>	<b>968.65</b>	<b>32,491.44</b>
ड. पूर्व भुगतान – संचलन शुल्क	-	488.35	-	1,340.86
च. पूर्व भुगतान – लीज भूमि	161.34	11.24	131.04	46.70
<b>कुल</b>	<b>9,242.52</b>	<b>46,536.25</b>	<b>10,074.60</b>	<b>56,907.15</b>

## 16.1. अन्य परिसंपत्तियों के लिए हानि में परिवर्तन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	<b>5,249.98</b>	<b>5,047.21</b>
वर्ष के प्रारंभ में मान्यता प्राप्त	79.18	275.58
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(30.36)	(72.81)
वर्ष के अंत में शेष	<b>5,298.80</b>	<b>5,249.98</b>

## 17. मालसूची

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
कच्चा माल (कंडेनसेट)	2.24	1.53
अर्ध-तैयार माल (टिप्पणी संख्या 32 और 33)	896.28	701.25
तैयार माल (टिप्पणी संख्या 17.2, 32 और 33)	26,763.20	19,238.22
भंडार और यंत्रांग		
(क) हस्तगत	83,323.21	67,740.00
(ख) मार्गस्थ	3,524.97	1,955.75
	<b>86,848.18</b>	<b>69,695.75</b>
घटाँँ: अचल वस्तुओं के लिए हानि	7,391.79	6,696.52
	<b>79,456.39</b>	<b>62,999.23</b>
अनुपयोगी मदें (टिप्पणी संख्या 54.5)	-	266.47
<b>कुल</b>	<b>107,118.11</b>	<b>83,206.70</b>

^ पुनः कथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

- 17.1. 3,30,484 कार्बन क्रेडिट (सीईआर) (पिछले वर्ष 3,30,484) का मूल्य शून्य (31 मार्च, 2023 तक शून्य) माना गया है क्योंकि इसमें कोई उद्धृत मूल्य नहीं है और शुद्ध वसूली योग्य मूल्य के संबंध में यह महत्वहीन प्रतीत होता है। प्रमाणन के तहत कोई सीईआर नहीं हैं। वर्ष के दौरान उत्सर्जन में कमी करने वाले उपकरणों के लिए प्रचालन और रखरखाव लागत और मूल्यव्यापास के लिए क्रमशः ₹ 284.43 मिलियन (2022–23 के लिए ₹ 297.37 मिलियन) और ₹ 227.67 मिलियन (2022–23 के लिए ₹ 275.58 मिलियन) खर्च किए गए हैं।
- 17.2. ₹ 9,065.75 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 238.97 मिलियन) की इच्चेटरी का मूल्यांकन ₹ 4,032.64 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 150.54 मिलियन) के शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया गया है। परिणामस्वरूप, ₹ 5,033.11 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 88.43 मिलियन) की राशि को टिप्पणी 33 के तहत लाभ और हानि विवरण में व्यय के रूप में मान्यता दी गई है।

## 18. नकद और नकद समकक्ष

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
बैंकों में शेष	343.09	769.26
हस्तगत नकद	2.39	2.68
	<b>345.48</b>	<b>771.94</b>

## 19. अन्य बैंक शेष

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
3 महीने से अधिक से लेकर 12 महीने तक की मूल परिपक्वता के लिए अन्य बैंक निष्केप (टिप्पणी संख्या 27.1)	299,520.00	213,550.00
अदावाकृत लाभांश खाता (टिप्पणी संख्या 19.1)	338.54	339.40
एस्क्रो खाते में निष्केप (टिप्पणी संख्या 19.2)	-	1,600.79
बैंक शेष – अप्रयुक्त सीएसआर	108.98	78.33
	<b>299,967.52</b>	<b>215,568.52</b>

19.1. अदावाकृत लाभांश खाते में जमा की गई राशि लाभांश के भुगतान के लिए निर्धारित की जाती है तथा इसका उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है। निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में जमा करने के लिए कोई राशि देय नहीं है।

19.2. भारत सरकार और बीजी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) के साथ—साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और कंपनी (पीएमटी जेओ भागीदार) के बीच पन्ना—मुक्ता गैस के वितरण बिंदु पर विवाद का मामला प्रासंगिक पीएससी खंडों की अलग—अलग व्याख्या के कारण उत्पन्न हुआ। पीएमटी जेओ भागीदार के अनुसार, पन्ना—मुक्ता गैस के लिए वितरण बिंदु अपतटीय है, हालांकि, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार और गेल (इंडिया) लिमिटेड (गेल) ने कहा कि वितरण बिंदु हजारों में तटवर्ती है। पन्ना—मुक्ता क्षेत्रों से उत्पादित गैस को कंपनी की पाइपलाइनों के माध्यम से ले जाया गया। डिलीवरी पॉइंट विवाद के कारण न तो विक्रेता (पीएमटी जेओ) और न ही गैस का खरीदार (गेल) गैस परिवहन के लिए अपनी पाइपलाइन के उपयोग के लिए कंपनी को कोई मुआवजा दे रहा था।

वर्ष के दौरान कंपनी ने पीएमटी जेओ भागीदार के साथ निपटान समझौता किया और मई 2023 में एस्क्रो खाते से निपटान के लिए आय प्राप्त की। तदनुसार, शुद्ध प्राप्तियों के अलावा ₹ 432.97 मिलियन को विविध प्राप्तियों के रूप में गिना गया है।



## 20. इकिवटी शेयर पूँजी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
इकिवटी शेयर पूँजी	62,901.39 <b>62,901.39</b>	62,901.39 <b>62,901.39</b>
अधिकृत:		
₹ 5 प्रति इकिवटी के 30,000,000,000 इकिवटी शेयर (31 मार्च, 2023 तक: ₹ 5 प्रति इकिवटी के 30,000,000,000 इकिवटी शेयर)	<b>150,000.00</b>	<b>150,000.00</b>
जारी और अभिदत्त:		
₹ 5 प्रति इकिवटी के 12,580,279,206 शेयर (31 मार्च, 2023 तक: ₹ 5 प्रति इकिवटी के 12,580,279,206 शेयर)	<b>62,901.39</b>	<b>62,901.39</b>
पूर्णतः प्रदत्त इकिवटी शेयर:		
₹ 5 प्रति इकिवटी के 12,580,279,206 शेयर (31 मार्च, 2023 तक: ₹ 5 प्रति इकिवटी के 12,580,279,206 शेयर)	62,901.39	62,901.39
कुल	<b>62,901.39</b>	<b>62,901.39</b>

### 20.1. रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ और अंत में बकाया इकिवटी शेयरों का समाधान:

विवरण	शेयरों की संख्या मिलियन में	शेयर पूँजी (₹ मिलियन में)
1 अप्रैल, 2022 को शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	12,580.28	62,901.39
1 अप्रैल, 2023 को शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	12,580.28	62,901.39
31 मार्च, 2024 को शेष	12,580.28	62,901.39

### 20.2. इकिवटी शेयरों से जुड़ी शर्तें/अधिकार

कंपनी के पास इकिवटी शेयरों की केवल एक श्रेणी है, जिसका सम्मूल्य ₹ 5 प्रति शेयर है। इकिवटी शेयरों के प्रत्येक धारक को प्रति शेयर एक वोट का अधिकार है। निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

कंपनी के परिसमापन की स्थिति में, इकिवटी शेयरों के धारक सभी अधिमान्य राशियों के वितरण के बाद कंपनी की शेष संपत्ति प्राप्त करने के हकदार होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा रखे गए इकिवटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

### 20.4. कंपनी में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण निम्नानुसार है:-

इकिवटी शेयर धारकों का नाम	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	संख्या मिलियन में	%होल्डिंग	संख्या मिलियन में	%होल्डिंग
भारत के राष्ट्रपति	7,408.87	58.89	7,408.87	58.89
भारतीय जीवन बीमा निगम	1,219.39	9.69	1,245.54	9.90
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	986.89	7.84	986.89	7.84

## 20.5. कंपनी के इकिवटी शेयरों में प्रवर्तकों की शेयरधारिता का विवरण

प्रवर्तकों का नाम	31 मार्च, 2024 को			31 मार्च, 2023 को		
	संख्या मिलियन में	% होल्डिंग	वर्ष के दौरान % परिवर्तन	संख्या मिलियन में	% होल्डिंग	वर्ष के दौरान % परिवर्तन
भारत के राष्ट्रपति	7,408.87	58.89	-	7,408.87	58.89	(0.02)

20.4.1. पिछले वर्ष के दौरान, ओएफएस के तहत लेनदेन पूरा होने के बाद, भारत सरकार ने पात्र कर्मचारियों को एक प्रस्ताव दिया और कंपनी के 20,37,177 इकिवटी शेयर बेचे, जो कंपनी की कुल इकिवटी शेयर पूँजी का 0.02% था।

## 21. अन्य इकिवटी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
पूँजी आरक्षिति	159.59	159.59
पूँजी मोचन आरक्षिति	1,264.78	1,264.78
अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत के लिए आरक्षिति	323,097.35	136,234.38
सामान्य आरक्षिति	2,645,637.06	2,369,325.51
प्रतिधारित आय	26,704.95	29,837.51
<b>कुल</b>	<b>2,996,863.73</b>	<b>2,536,821.77</b>

^ पुनर्कथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
क. पूँजी आरक्षिति (टिप्पणी सं. 21.1 और टिप्पणी सं. 21.6)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	159.59	159.59
संचलन	-	-
<b>वर्ष के अंत में शेष राशि</b>	<b>159.59</b>	<b>159.59</b>
ख. पूँजी मोचन आरक्षिति (टिप्पणी सं. 21.2)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,264.78	1,264.78
संचलन	-	-
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>1,264.78</b>	<b>1,264.78</b>
ग. अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत के लिए आरक्षिति (टिप्पणी सं. 21.3)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	136,234.38	141,073.73
इकिवटी लिखत में निवेश पर उचित मूल्य लाभ/ (हानि)	186,862.97	(4,839.35)
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>323,097.35</b>	<b>136,234.38</b>



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
<b>घ. सामान्य आरक्षिति (टिप्पणी सं. 21.4)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2,369,325.51	2,157,161.51
जोड़ें: प्रतिधारित आय से अंतरण	276,311.55	212,164.00
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>2,645,637.06</b>	<b>2,369,325.51</b>
<b>ड. प्रतिधारित आय</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	29,837.51	17,508.25
वर्ष के लिए कर के बाद लाभ	405,259.70	400,965.03
जोड़ें: परिभाषित लाभ दायित्व के पुनर्मापन से उत्पन्न अन्य व्यापक आय, आयकर के बाद शुद्ध घटाएँ: लाभांश का भुगतान (टिप्पणी सं. 21.5)	(3,132.56)	(347.10)
घटाएँ: सामान्य आरक्षिति में अंतरित	128,948.15	176,124.67
वर्ष के अंत में शेष	276,311.55	212,164.00
	<b>26,704.95</b>	<b>29,837.51</b>

^ पुनर्कथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

- 21.1. इसमें ₹ 0.15 मिलियन के जब्त शेयर और उपहार के रूप में प्राप्त परिसंपत्तियों का मूल्य शामिल है।
- 21.2. वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान निजी शेयरों की पुनर्खरीद के विरुद्ध कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार बनायी गयी पूँजी मोचन आरक्षिति।
- 21.3. कंपनी ने अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी प्रतिभूतियों में कुछ निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तनों को मान्यता देने का निर्णय किया है। यह आरक्षिति अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इकिवटी लिखत के पुनर्मूल्यांकन पर उत्पन्न होने वाले संचयी लाभ और हानि का प्रतिनिधित्व करता है। जब संबंधित इकिवटी प्रतिभूतियों का निपटान किया जाता है, तो कंपनी इस आरक्षिति से राशि को प्रतिधारित आय में अंतरित करती है।
- 21.4. सामान्य आरक्षिति का उपयोग समय–समय पर प्रतिधारित आय से लाभ को विनियोग उद्देश्यों के लिए अंतरित करने के लिए किया जाता है, क्योंकि इसे इकिवटी के एक घटक से दूसरे में अंतरित करके बनाया जाता है।
- 21.5. कंपनी द्वारा अपने इकिवटी शेयरधारकों को लाभांश के रूप में वितरित की जाने वाली राशि कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं और कंपनी की लाभांश वितरण नीति पर विचार करते हुए निर्धारित की जाती है।

कंपनी द्वारा अपने इकिवटी शेयरधारकों को लाभांश के रूप में वितरित की जाने वाली राशि कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं और कंपनी की लाभांश वितरण नीति पर विचार करते हुए निर्धारित की जाती है। 10 नवंबर, 2023 और 10 फरवरी, 2024 को कंपनी ने क्रमशः ₹ 5.75 प्रति शेयर (115%) और ₹ 4.00 प्रति शेयर (80%) का अंतरिम लाभांश घोषित किया था, जिसका भुगतान किया जा चुका है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के संबंध में, निदेशक मंडल ने पूरी तरह से चुकता इकिवटी शेयरों पर ₹ 2.50 प्रति शेयर (50%) का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव दिया है। यह अंतिम लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन के अधीन होगा और इसे इन वित्तीय विवरणों में देयता के रूप में शामिल नहीं किया गया है। प्रस्तावित इकिवटी लाभांश पूरी तरह से चुकता इकिवटी शेयरों के सभी धारकों को देय है। भुगतान किया जाने वाला कुल अनुमानित इकिवटी लाभांश ₹ 31,450.70 मिलियन है।

- 21.6. वर्ष 2020–21 के दौरान, ₹ 10 प्रति शेयर मूल्य के 18,972 इकिवटी शेयर (₹ 5 प्रति शेयर मूल्य के 37,944 इकिवटी शेयरों के समतुल्य) जिन्हें वर्ष 2006–07 में जब्त कर लिया गया था, 13 नवंबर, 2020 से रद्द कर दिए गए और तदनुसार इन शेयरों के विरुद्ध ₹ 0.15 मिलियन की आंशिक रूप से चुकता राशि को वर्ष 2020–21 में पूँजी आरक्षिति में अंतरित कर दिया गया।

## 22. पट्टा देयताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
पट्टा देयताएं (टिप्पणी संख्या 41)	214,123.29	76,178.83	46,392.14	42,436.63
कुल	<b>214,123.29</b>	<b>76,178.83</b>	<b>46,392.14</b>	<b>42,436.63</b>

### 22.1. पट्टा देयताओं का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	<b>88,828.77</b>	<b>100,156.46</b>
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त	268,575.37	40,625.29
लीज़ देनदारियों पर छूट की समाप्ति	13,570.57	3,483.39
वर्ष के दौरान भुगतान	(82,950.91)	(61,471.55)
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(331.27)	(1,791.95)
लीज़ देनदारियों का पुनर्मूल्यांकन	211.82	5,470.62
पुनर्मूल्यांकन का प्रभाव/अन्य समायोजन	2,397.77	2,356.51
वर्ष के अंत में शेष	<b>290,302.12</b>	<b>88,828.77</b>

## 23. अन्य वित्तीय देयताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
पूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों से निक्षेप	1,246.48	3,112.01	1,582.32	2,683.15
वित्तीय गारंटी दायित्व (टिप्पणी संख्या 23.1)	549.77	270.23	403.80	336.29
अदावाकृत लाभांश (टिप्पणी संख्या 23.2)	-	338.54	-	339.40
पूंजीगत मदों के लिए देयता	-	33,690.74	-	32,939.91
कर्मचारियों के लिए देयता	-	12,972.01	-	18,725.06
सेवानिवृत्ति के पश्चात लाभ योजना के लिए देयता	-	870.63	-	816.23
संयुक्त उद्यम भागीदारों को देय याचित नकद	-	13,899.40	-	31,344.13
पार्टियों से काटे गए परिसमाप्त नुकसान	-	35,768.36	-	31,849.34
उधार पर प्रोद्भूत ब्याज	-	856.49	-	1,238.89
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेचर के लिए देयता	-	76,352.06	-	75,725.94
अव्ययित निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए देयता	-	137.46	-	343.54
अन्य देयताएं	-	16,837.40	-	27,342.88
कुल	<b>1,796.25</b>	<b>195,105.33</b>	<b>1,986.12</b>	<b>223,684.76</b>



23.1. यह सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों की ओर से जारी वित्तीय गारंटी के लिए शुल्क का उचित मूल्य दर्शाता है, जिसे वित्तीय गारंटी दायित्व के रूप में मान्यता दी गई है और इसके अनुरूप निवेश को डेबिट किया गया है।

23.2. निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में जमा करने के लिए कोई राशि बकाया नहीं है।

## 24. प्रावधान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
<b>कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 42.3)</b>				
– सेवानिवृत्ति पश्चात बाद चिकित्सा और सेवांत लाभ के लिए	1,329.87	6,245.02	1,246.17	1,618.56
– कंटीजेंट कर्मचारियों के लिए ग्रेचुटी	45.40	10.60	54.11	17.49
– अप्रयुक्त छुट्टी और क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति	-	4,983.74	-	3,745.54
<b>अन्य के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 24.1)</b>				
– विघटन के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 24.2)	447,137.09	7,774.67	339,652.77	7,981.40
– विवादित कर्तृों के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 24.4)	-	146,556.65	-	121,080.39
घटाएँ: विरोध के तहत जमा राशि (टिप्पणी सं. 24.4)	-	(140,669.16)	-	(115,581.52)
– अन्य प्रावधान (टिप्पणी सं. 24.3)	33,190.62	458.24	33,784.97	464.78
	<b>481,702.98</b>	<b>25,359.76</b>	<b>374,738.02</b>	<b>19,326.64</b>

### 24.1 अन्य के लिए संचलन का प्रावधान

(₹ मिलियन में)

विवरण	विनियोजन का प्रावधान		अन्य प्रावधान	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के आरंभ में शेष राशि	<b>347,634.17</b>	<b>268,788.65</b>	<b>39,748.62</b>	<b>35,868.59</b>
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त	58,300.26	10,044.92	25,476.27	121,080.39
वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	(1,085.87)	(2,666.09)	-	-
छूट की समाप्ति	22,145.72	17,911.65	-	-
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(122.64)	(1,788.65)	(6.55)	(144.31)
पुनर्मापन का प्रभाव/अन्य समायोजन का प्रभाव	28,040.12	55,343.69	(594.35)	(1,474.53)
विरोध के तहत जमा राशि (टिप्पणी संख्या 24.4)	-	-	(25,087.64)	(115,581.52)
वर्ष के अंत में शेष	<b>454,911.76</b>	<b>347,634.17</b>	<b>39,536.35</b>	<b>39,748.62</b>

24.2. कंपनी तेल और गैस परिसंपत्तियों, निर्माणाधीन कूपों आदि के आर्थिक जीवन के अंत में भविष्य में विघटन के लिए भारतीय लेखा मानक 37 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां' के सिद्धांतों के अनुसार विघटन के लिए प्रावधान का अनुमान लगाती है। इनमें से अधिकांश विघटन गतिविधियां भविष्य में होंगी, जिसके लिए सटीक आवश्यकताएं जो हटाने की घटनाएं होने पर पूरी करनी होंगी, अनिश्चित हैं। विघटन के लिए प्रौद्योगिकियां और लागतें लगातार बदल रही हैं। भविष्य के नकदी प्रवाह का समय और मात्रा काफी अनिश्चितता के अधीन हैं। तेल और गैस परिसंपत्तियों का आर्थिक जीवन संबंधित तेल और गैस परिसंपत्ति की दीर्घकालिक उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर आकलित किया जाता है। भविष्य के व्यय का समय और राशि की वार्षिक समीक्षा की जाती है, साथ ही वर्तमान लागत अनुमानों में वृद्धि के लिए मुद्रास्फीति की दर और नकदी प्रवाह को छूट देने में उपयोग की जाने वाली ब्याज दर की समीक्षा की जाती है।

- 24.3. इसमें कंपनी की लेखा नीति के अनुसार पन्ना—मुक्ता क्षेत्रों और ताप्ती पार्ट ए सुविधाओं के विघटित प्रावधान का अनुमान लगाने के बाद एसआरएफ फंड में संचित शेष राशि की अधिकता की सीमा तक आकस्मिकता के लिए प्रावधान के रूप में हिसाब में लिए गए ₹ 33,216.05 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 33,810.40 मिलियन) शामिल हैं। (टिप्पणी संख्या 5.2, 6.1 और 14.2 देखें)
- 24.4. कंपनी ने 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि के लिए रॉयल्टी पर विवादित एसटी/जीएसटी (उस पर व्याज सहित) के लिए ₹ 146,535.16 मिलियन की सीमा तक पुस्तकों में प्रावधान किया है (31 मार्च, 2023 तक ₹ 121,074.46 मिलियन)। वित्त वर्ष 2023–2024 से संबंधित प्रावधान ₹ 25,460.69 मिलियन है। (टिप्पणी संख्या 48.1.1 (ख) देखें)
- 24.5. कंपनी द्वारा एक संदिग्ध धोखाधड़ी देखी गई, जिसमें इसके कुछ नियमित/अनुबंधित कर्मचारियों ने कुछ विक्रेताओं के साथ मिलीभगत करके धन की हेराफेरी से जुड़े कुछ फर्जी चिकित्सा भुगतान किए हैं, मामले की अंतरिक और बाहरी एजेंसियों द्वारा जांच की जा रही है और कथित धोखाधड़ी की अंतिम राशि जांच के परिणाम के बाद ही पता चलेगी। जांच लंबित रहने तक ₹ 2.88 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2.41 मिलियन) की अंतरिम राशि को कंपनी पर धोखाधड़ी के रूप में पुष्टि की गई है और तदनुसार उक्त राशि के लिए विक्रेताओं से प्राप्त होने वाले संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान किया गया है।

## 25. आस्थगित कर देयताएं (शुद्ध)

तुलना-पत्र में प्रस्तुत आस्थगित कर परिसंपत्तियों/ (देयताओं) का विश्लेषण निम्नलिखित है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
आस्थगित कर देयताएँ	337,134.02	286,328.31
घटाएँ: आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	90,045.74	61,568.52
<b>कुल</b>	<b>247,088.28</b>	<b>224,759.79</b>

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए

(₹ मिलियन में)

विवरण	प्रारंभिक शेष	लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त	अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त	अंतिम शेष
आस्थगित कर (देयताएँ)/परिसंपत्तियाँ निम्नलिखित के संबंध में:				
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ				
अदावाकृत अपलिखित अन्वेषात्मक कूप	7,669.13	1,413.78	-	9,082.91
हानि/आयकर के अंतर्गत अस्वीकृत व्यय	47,588.95	25,967.38	-	73,556.33
वित्तीय परिसंपत्तियाँ	2,483.36	382.50	-	2,865.86
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	151.77	(339.99)	-	(188.22)
परिमापित लाभ दायित्व	3,675.31	-	1,053.55	4,728.86
<b>कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ</b>	<b>61,568.52</b>	<b>27,423.67</b>	<b>1,053.55</b>	<b>90,045.74</b>
आस्थगित कर देयताएँ				
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	216,391.99	29,930.93	-	246,322.92
निर्माणाधीन अन्वेषात्मक कूप	29,944.01	1,376.41	-	31,320.42
निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	22,916.91	(1,571.75)	-	21,345.16
वित्तीय देयताएँ	23.54	35.86	-	59.40
एफवीटीओसीआइ में इकिवटी शेयरों में निवेश पर उचित मूल्य लाभ	11,494.43	-	18,157.98	29,652.41
अन्य	5,557.43	2,876.28	-	8,433.71
<b>कुल आस्थगित कर देयताएँ</b>	<b>286,328.31</b>	<b>32,647.73</b>	<b>18,157.98</b>	<b>337,134.02</b>
<b>आस्थगित कर देयताएँ (शुद्ध)</b>	<b>224,759.79</b>	<b>5,224.06</b>	<b>17,104.43</b>	<b>247,088.28</b>



वित्त वर्ष 2022–23 के लिए

(₹ मिलियन में)

विवरण	प्रारंभिक शेष	लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त	अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त	अंतिम शेष
आस्थगित कर (देयताएँ) / परिसंपत्तियाँ निम्नलिखित के संबंध में:				
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ				
अदावाकृत अपलिखित अन्वेषात्मक कूप	23,785.63	(16,116.50)	-	7,669.13
हानि/आयकर के अंतर्गत अस्वीकृत व्यय	27,971.21	19,617.74	-	47,588.95
वित्तीय परिसंपत्तियाँ	2,139.70	343.66	-	2,483.36
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	306.22	(154.45)	-	151.77
परिभाषित लाभ दायित्व	3,558.57	-	116.74	3,675.31
<b>कुल आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ</b>	<b>57,761.33</b>	<b>3,690.45</b>	<b>116.74</b>	<b>61,568.52</b>
आस्थगित कर देयताएँ				
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	202,882.57	13,509.42	-	216,391.99
निर्माणाधीन अन्वेषात्मक कूप	27,309.75	2,634.26	-	29,944.01
निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	15,965.04	6,951.87	-	22,916.91
वित्तीय देयताएँ	8.84	14.70	-	23.54
एफवीटीओसीआइ में इकिवटी शेयरों में निवेश पर उचित मूल्य लाभ	9,011.27	-	2,483.16	11,494.43
अन्य	2,804.90	2,752.53	-	5,557.43
<b>कुल आस्थगित कर देयताएँ</b>	<b>257,982.37</b>	<b>25,862.78</b>	<b>2,483.16</b>	<b>286,328.31</b>
<b>आस्थगित कर देयताएँ (शुद्ध)</b>	<b>200,221.04</b>	<b>22,172.33</b>	<b>2,366.42</b>	<b>224,759.79</b>

## 26. अन्य देयताएँ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
ग्राहकों से अप्रिम	-	555.08	-	589.88
अनुबंध देयता—अप्रिम एम.जी.ओ. (टिप्पणी संख्या 26.1, 26.2 और 26.3)	104.14	18.32	91.37	187.65
आस्थगित सरकारी अनुदान (टिप्पणी संख्या 5.2)	60.96	-	75.10	-
सांविधिक भुगतानों के लिए देयता	-	31,363.95	-	28,083.66
अन्य देयताएँ	0.36	2,072.89	19.57	1,944.46
<b>कुल</b>	<b>165.46</b>	<b>34,010.24</b>	<b>186.04</b>	<b>30,805.65</b>

26.1 मान्यता प्राप्त राजस्व जो अनुबंध दायित्व में शामिल था;

(₹ मिलियन में)

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
प्राकृतिक गैस	153.18	-

26.2 शेष निष्पादन दायित्वों को आवंटित लेनदेन मूल्य जो रिपोर्टिंग तिथि पर संतुष्ट नहीं हैं:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	12 महीने से कम	12 महीने से अधिक	12 महीने से कम	12 महीने से अधिक
प्राकृतिक गैस	18.32	104.14	187.65	91.37

26.3 वर्ष के दौरान अनुबंध देयता शेष में महत्वपूर्ण परिवर्तन निम्नानुसार हैं:

(₹ मिलियन में)

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	<b>279.02</b>	<b>279.02</b>
जोड़ें: वर्ष के दौरान ग्राहकों से प्राप्त राशि	24.19	-
घटाएँ: न्यूनतम गारंटीकृत ऑफरेक (एमजीओ) वापस किया गया	27.57	-
घटाएँ: वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त राजस्व	153.18	-
वर्ष के अंत में शेष	<b>122.46</b>	<b>279.02</b>

## 27. उधार

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को		31 मार्च, 2023 को	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
प्रत्याभूत				
कार्यशील पूंजी ऋण (टिप्पणी सं. 27.2)	-	-	-	6,289.99
अप्रत्याभूत				
कार्यशील पूंजी ऋण (टिप्पणी सं. 27.1)	-	21,210.00	-	-
गैर-परिवर्तनीय डिबैंचर (टिप्पणी सं. 27.3)	15,000.00	-	15,000.00	-
घटाएँ: गैर-परिवर्तनीय डिबैंचर पर प्ररिशोधित इश्यू और अन्य शुल्क	(0.68)	-	(0.90)	-
विदेशी मुद्रा बॉन्ड (टिप्पणी सं. 27.4)	25,008.00	-	24,645.00	-
घटाएँ: विदेशी मुद्रा बॉन्ड पर प्ररिशोधित डिस्काउंट और अन्य शुल्क	(124.84)	-	(144.78)	-
गैर-वर्तमान उधार की वर्तमान परिपक्वता (शुद्ध)	-	-	-	26,399.48
<b>कुल</b>	<b>39,882.48</b>	<b>21,210.00</b>	<b>39,499.32</b>	<b>32,689.47</b>



## 27.1 कार्यशील पूंजी ऋण बकाया:

31 मार्च, 2024 तक

क्रम सं.	₹ मिलियन में	ब्याज दर प्रति वर्ष (मासिक देय)
1	20,000.00	7.00% प्रति वर्ष
2	1,210.00	7.10% प्रति वर्ष
कुल	21,210.00	

31 मार्च 2023 तक

क्रम सं.	₹ मिलियन में	वार्षिक ब्याज (मासिक देय)
—शून्य—		

## 27.2 बकाया सावधि जमा के विरुद्ध कार्यशील पूंजी ऋण

31 मार्च, 2024 तक

क्रम सं.	₹ मिलियन में	वार्षिक ब्याज (मासिक देय)	सावधि जमा की परिपक्वता तिथि
—शून्य—			

31 मार्च, 2023 तक

क्रम सं.	₹ मिलियन में	वार्षिक ब्याज दर (मासिक देय)	सावधि जमा की परिपक्वता तिथि
1	1,764.00	5.40% प्रति वर्ष	24 अप्रैल, 2023
2	4,525.99	5.43% प्रति वर्ष	25 अप्रैल, 2023
कुल	<b>6,289.99</b>		

## 27.3 बकाया गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर का विवरण

31 मार्च, 2024 तक

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	पुनर्भुगतान की तिथि	₹ मिलियन में (अकित मूल्य पर)	वार्षिक ब्याज दर
गैर-वर्तमान:					
1	6.40% ओएनजीसी 2031 श्रंखला	11 अगस्त, 2020	11 अप्रैल, 2031	10,000.00	6.40 %
2	5.25% ओएनजीसी 2025 श्रंखला	31 जुलाई, 2020	11 अप्रैल, 2025	5,000.00	5.25 %
	कुल			<b>15,000.00</b>	
अवर्तमान उधारों की वर्तमान परिपक्वता					
—शून्य—					

31 मार्च, 2023 तक

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	पुनर्भुगतान की तिथि	₹ मिलियन में (अकित मूल्य पर)	वार्षिक ब्याज दर
गैर-वर्तमान:					
1	6.40% ओएनजीसी 2031 श्रंखला	11 अगस्त, 2020	11 अप्रैल, 2031	10,000.00	6.40 %
2	5.25% ओएनजीसी 2025 श्रंखला	31 जुलाई, 2020	11 अप्रैल, 2025	5,000.00	5.25 %
	कुल			<b>15,000.00</b>	

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	पुनर्भुगतान की तिथि	₹ मिलियन में (अंकित मूल्य पर)	वार्षिक ब्याज दर
गैर-वर्तमान उधारों की वर्तमान परिपक्वता (सकल):					
1	4.50% ओएनजीसी 2024 श्रंखला IV	11 जनवरी, 2021	09 फरवरी, 2024	15,000.00	4.50 %
2	4.64% ओएनजीसी 2023 श्रंखला III	21 अक्टूबर, 2020	21 नवंबर, 2023	11,400.00	4.64 %
	कुल			26,400.00	

#### 27.4 बकाया विदेशी मुद्रा बांड का विवरण:

31 मार्च, 2024 तक

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	मिलियन अमरीकी डॉलर में (अंकित मूल्य पर)	(₹ मिलियन में)	वार्षिक ब्याज दर (आर्धवार्षिक देय)
1.	05 दिसंबर, 2019	05 दिसंबर, 2029	300.00	25,008.00	3.375 %

31 मार्च, 2023 तक

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	मिलियन अमरीकी डॉलर में (अंकित मूल्य पर)	(₹ मिलियन में)	वार्षिक ब्याज दर (आर्धवार्षिक देय)
1.	05 दिसंबर, 2019	05 दिसंबर 2029	300.00	24,645.00	3.375 %

## 28. व्यापार देयताएं

### 28.1 व्यापार देयताएं—सूक्ष्म एवं लघु उद्यम\*

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
क) वर्ष के अंत तक बकाया लेकिन भुगतान न किए गए मूलधन और ब्याज की राशि	3,986.75	2,255.51
ख) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार कंपनी द्वारा भुगतान किया गया ब्याज, वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि सहित।	-	-
ग) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज (जो वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद भुगतान किया गया है) लेकिन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-
घ) वर्ष के अंत तक प्रोटूर्भूत और भुगतान न किए गए ब्याज।	-	-
ड.) आगामी वर्षों में भी बकाया और देय ब्याज, उस तिथि तक जब तक कि उपरोक्त ब्याज देय राशि वार्षिक में छोटे उद्यम को भुगतान नहीं की जाती है।	-	-

\* विक्रेताओं से पुष्टि के आधार पर सूक्ष्म और लघु उद्यमों की स्थिति।

### 28.2 व्यापार देयताएं – सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को छोड़कर

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
व्यापार देय (टिप्पणी सं.28.4)	59,834.13	60,300.45
कुल	59,834.13	60,300.45



### 28.3 व्यापार देय का आयु विश्लेषण

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	देय नहीं	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
		1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	582.79	-	-	-	-	582.79
(ii) अन्य	6,294.23	18,230.09	228.46	565.64	775.94	26,094.36
(iii) विवादित बकाया – एमएसएमई	177.49	-	-	-	-	177.49
(iv) विवादित बकाया – अन्य	3.97	95.95	184.42	73.85	707.20	1,065.39
<b>कुल</b>	<b>7,058.48</b>	<b>18,326.04</b>	<b>412.88</b>	<b>639.49</b>	<b>1,483.14</b>	<b>27,920.03</b>
बिल न किया गया (एमएसएमई बकाया सहित)						35,900.85
<b>कुल व्यापार देय</b>						<b>63,820.88</b>

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	देय नहीं	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
		1 वर्ष से कम	1 – 2 वर्ष	2 – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	704.09	-	-	-	-	704.09
(ii) अन्य	7,967.10	29,125.90	778.13	55.82	965.90	38,892.85
(iii) विवादित बकाया – एमएसएमई	201.30	-	-	-	-	201.30
(iv) विवादित बकाया – अन्य	124.05	2,317.76	223.59	71.84	737.22	3,474.46
<b>कुल</b>	<b>8,996.54</b>	<b>31,443.66</b>	<b>1,001.72</b>	<b>127.66</b>	<b>1,703.12</b>	<b>43,272.70</b>
बिल न किया गया (एमएसएमई बकाया सहित)						19,283.26
<b>कुल व्यापार देय</b>						<b>62,555.96</b>

28.4. भारत सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा लंबित संविदा विवादों को निपटाने के लिए विवाद से विश्वास II (संविदात्मक विवाद) योजना शुरू की है। कंपनी ने योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुमोदन प्रदान कर दिया है। कंपनी को व्यापारिक भागीदारों से निपटान के लिए 70 मामले प्राप्त हुए, जिनमें से 34 विवाद से विश्वास II योजना के तहत पात्र पाए गए। कंपनी ने सभी 34 पात्र मामलों में अपना निपटान प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। जब योजना में निर्दिष्ट दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जा रहा है, तो दावों का लेखा-जोखा किया जा रहा है। तदनुसार, वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, ₹ 18,602.28 मिलियन की राशि के 28 मामलों का निपटारा किया गया है, जिनमें से ₹ 6,646.73 मिलियन की देयता पहले से ही लेखों की पुस्तकों में मौजूद थी, ₹ 5,918.60 मिलियन अतिरिक्त रूप से पूंजीकृत किए गए हैं और ₹ 6,036.95 मिलियन की शेष राशि को लाभ और हानि खाते के विवरण में चार्ज किया गया है। उपरोक्त के परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान पूंजीकृत राशि के सापेक्ष लाभ एवं हानि खाते के विवरण में ₹ 715.47 मिलियन का मूल्यव्यापास/व्यापास लगाया गया है। अन्य मामले व्यवसायिक भागीदारों द्वारा स्वीकृति और समापन के विभिन्न चरणों में हैं, अर्थात् निपटान समझौते पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं या विभिन्न न्यायालयों के समक्ष लंबित मामले ठेकेदारों या कंपनी द्वारा वापस लिए जाने की प्रक्रिया में हैं।

## 29. कर परिसंपत्तियां / देयताएं (शुद्ध)

(क) गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	113,969.49	114,966.16
कुल	113,969.49	114,966.16

(ख) वर्तमान कर देयताएं (शुद्ध)

(₹ मिलियन में)

Particulars	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	-	-
कुल	-	-

## 30. प्रचालन से राजस्व

(₹ मिलियन में)

	विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
क.	उत्पादों की विक्री  स्वयं के उत्पाद (उत्पाद शुल्क सहित) (टिप्पणी संख्या 30.1, 30.2 और 30.3)  घटाएँ: निर्माणाधीन कूपों में अंतरण  घटाएँ: पेट्रोलियम लाभ में भारत सरकार का हिस्सा	1,402,017.49  101.53  24,174.30  <b>1,377,741.66</b>	1,584,226.53  1,822.62  34,862.56  <b>1,547,541.35</b>
ख.	अन्य प्रचालन राजस्व  अनुबंधित शॉर्ट लिपटेड गैस प्राप्तियां  पाइपलाइन परिवहन प्राप्तियां  पूर्वोत्तर गैस सब्सिडी (टिप्पणी संख्या 30.2)  गैस पूल खाते से अधिशेष  उत्पादन बोनस  बिजली की विक्री  प्रसंस्करण शुल्क  कुल	513.38  750.69  3,897.26  9.46  74.86  706.07  327.93  <b>6,279.65</b>  <b>1,384,021.31</b>	336.82  1,555.58  4,632.03  79.63  69.69  709.44  248.61  <b>7,631.80</b>  <b>1,555,173.15</b>



30.1. नामित ब्लॉकों से उत्पादित कच्चे तेल के संबंध में बिक्री राजस्व क्रेता रिफाइनरियों के साथ हस्ताक्षरित कच्चे तेल बिक्री समझौतों (सीओएसए) में दिए गए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले पर आधारित है।

भारत सरकार ने 1 अक्टूबर, 2022 से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल की बिक्री को नियंत्रणमुक्त कर दिया है। विनियमन के बाद, पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चे तेल की नीलामी समय—समय पर फरवरी 2023 तक की गई है और प्रत्येक खरीदार के साथ अलग—अलग सीओएसए किए गए हैं, जिन्हें ई—नीलामी के माध्यम से पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चा तेल आविट किया गया है।

पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र के लिए, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल), मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के साथ 31 मार्च, 2024 तक आपूर्ति किए जाने वाले कच्चे तेल के लिए सीओएसए को अनंतिम रूप दिया गया है और हस्ताक्षर किए गए हैं। (टिप्पणी संख्या 12.4 देखें।)

पूर्वोत्तर क्षेत्र में उत्पादित कच्चे तेल के लिए, आईओसीएल को आपूर्ति किए गए कच्चे तेल के संबंध में बिक्री राजस्व 31 मार्च, 2024 तक आईओसीएल के साथ हस्ताक्षरित सीओएसए में दिए गए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले पर आधारित है और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले पर आधारित है।

सीपीसीएल के साथ कावेरी परिसंपत्ति के नामित ब्लॉकों से कच्चे तेल की बिक्री के लिए सीओएसए 30.09.2022 तक वैध था। आगे की अवधि के लिए सीओएसए पर बातचीत चल रही है और कच्चे तेल को सीपीसीएल को अनंतिम कीमतों पर बेचा जा रहा है।

आईओसीएल के साथ पश्चिमी अपतट क्षेत्र के लिए 31.03.2024 तक आपूर्ति किए गए कच्चे तेल के लिए सीओएसए पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 31.03.2024 तक आपूर्ति किए जाने वाले कच्चे तेल के लिए एमआरपीएल और एचपीसीएल के साथ अन्य क्षेत्रों (केजी और ईओए) के लिए सीओएसए पर हस्ताक्षर किए गए हैं और अन्य ओएमसी

(आईओसीएल, बीपीसीएल और सीपीसीएल) के साथ सीओएसए पर बातचीत चल रही है।

30.2. प्राकृतिक गैस के संबंध में बिक्री राजस्व का अधिकांश हिस्सा घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य पर आधारित है, जिसे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण सेल (पीपीएसी) द्वारा मासिक आधार पर "नए घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देश, 2014" के संदर्भ में अधिसूचित किया जाता है, जिसे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय अधिसूचना (संख्या CG&DL&E&07042023&245017 दिनांक 7 अप्रैल, 2023 के माध्यम से संशोधित किया गया है। संशोधित मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों के अनुसार, घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत (एपीएम मूल्य) भारतीय क्रूड बास्केट (आईसीबी) मूल्य का 10% है, जो एक न्यूनतम और अधिकतम सीमा के अधीन है। प्रारंभिक न्यूनतम और अधिकतम मूल्य क्रमशः 4 अमरीकी डॉलर/एमएमबीटीयू और 6.50 अमरीकी डॉलर/एमएमबीटीयू है। यह सीमा अगले दो वर्षों (वित्त वर्ष 2023–24 और 2024–25) तक बनाए रखी जाएगी और फिर प्रत्येक वर्ष 0.25 अमरीकी डॉलर/एमएमबीटीयू बढ़ाई जाएगी घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत और घरेलू गैस की कीमत और उपभोक्ता की कीमत के बीच का अंतर भारत सरकार के बजट के माध्यम से कंपनी को भुगतान किया जाता है और इसे 'पूर्वोत्तर गैस सब्सिडी' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

30.3. कंपनी द्वारा उत्पादित एलपीजी वर्तमान में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बेची जा रही है, जो कि कंपनी द्वारा ओएमसी के साथ 31 मार्च, 2002 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के प्रावधान के अनुसार है, जो 2 साल की अवधि के लिए या द्विपक्षीय समझौते द्वारा प्रतिस्थापित होने तक या इसके समाप्त होने तक वैध था।

एलपीजी के अलावा अन्य मूल्य वर्धित उत्पाद विभिन्न ग्राहकों को पार्टियों के बीच दर्ज संबंधित टर्म शीट/समझौतों में सहमत कीमतों पर बेचे जाते हैं।

## 30.4 बिक्री राजस्व का विवरण

उत्पाद	इकाई	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	
		मात्रा	मूल्य ₹ मिलियन में	मात्रा	मूल्य ₹ मिलियन में
कच्चा तेल*	एमटी	18,869,673	938,456.47	19,193,843	1,061,631.55
घटाएँ: निर्माणाधीन अन्वेषात्मक कूप		74,530	73.15	38,742	1,411.75
घटाएँ: पेट्रोलियम लाभ में भारत सरकार का हिस्सा			19,718.76		30,144.15
			<b>918,664.56</b>		<b>1,030,075.65</b>
प्राकृतिक गैस*	000एम 3	15,926,637	338,770.58	16,676,842	379,297.46
घटाएँ: निर्माणाधीन अन्वेषात्मक कूपों से		7,900	28.38	17,051	410.87
घटाएँ: पेट्रोलियम के लाभ में भारत सरकार का हिस्सा			4,455.54		4,718.41
			<b>334,286.66</b>		<b>374,168.18</b>
द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस	एमटी	954,074	49,703.57	883,847	55,542.72
नेपथा	एमटी	921,814	45,944.67	921,281	49,613.69
ईथेन-प्रोपेन	एमटी	-	-	119,404	4,909.03
ईथेन	एमटी	215,632	11,331.44	280,690	13,310.75
प्रोपेन	एमटी	174,829	8,555.39	147,177	8,713.61
ब्यूटेन	एमटी	99,149	4,890.99	80,508	4,667.68
उत्कृष्ट केरोसिन तेल	एमटी	-	-	732	67.54
एलएसएचएस	एमटी	20,953	859.24	27,610	1,217.78
एचएसडी	एमटी	3,962	337.76	13,275	1,366.17
विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ)	एमटी	35,136	2,764.97	39,349	3,691.81
एमटीओ	एमटी	5,161	397.59	2,082	196.74
अन्य	एमटी	1,788	4.81	-	-
<b>कुल</b>			<b>1,377,741.66</b>		<b>1,547,541.35</b>

\*मात्रा में सहभागिता हित और/या पात्रता हित, जो भी लागू हो, के अनुसार संयुक्त प्रचालन से प्राप्त हिस्सा शामिल है।



### 31. अन्य आय

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
<b>इन पर ब्याज़:</b>		
बैंकों में जमा राशि	27,906.60	12,636.28
आयकर वापसी	449.92	20.67
ग्राहकों और अन्य ग्राहकों से विलंबित भुगतान	1,592.35	188.17
वित्तीय परिसंपत्तियाँ (परिशोधित लागत पर मापी गई)		
– साइट बहाली निधि जमा	14,594.68	13,670.66
– कर्मचारी ऋण	1,750.66	1,587.10
– अन्य निवेश	165.79	165.79
– अन्य	4.98	5.81
	<b>46,464.98</b>	<b>28,274.48</b>
<b>इससे लाभांश आयः</b>		
सहायक, एसोसिएट्स और संयुक्त उद्यमों में निवेश	16,459.60	18,667.85
अन्य निवेश (एफवीटीओसीआई)	17,843.52	6,338.65
	<b>34,303.12</b>	<b>25,006.50</b>
<b>अन्य गैर-प्रचालन आय</b>		
अतिरिक्त विघटन प्रावधान पुनर्लेखन	122.64	1,788.65
अतिरिक्त विघटन प्रावधान पुनर्लेखन – अन्य	586.63	1,482.03
देयताएँ पुनर्लेखन आवश्यकता नहीं	8,609.10	2,503.73
संविदागत प्राप्तियाँ	664.28	1,600.82
निवेशों की बिक्री पर लाभ	309.60	-
परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	13.13	3.93
वित्तीय गारंटी दायित्व का परिशोधन	388.29	385.46
उचित मूल्यांकन पर लाभ (परिशोधित लागत)		
– वित्तीय लिखतों के उचित मूल्यांकन पर लाभ	209.98	267.68
– सीसीडी के प्रति वित्तीय देयता के पुनर्मूल्यांकन / मोर्चन पर लाभ	3,663.27	3,968.76
विविध प्राप्तियाँ	12,446.86	10,983.48
	<b>27,013.78</b>	<b>22,984.54</b>
<b>कुल</b>	<b>107,781.88</b>	<b>76,265.52</b>

### 32. तैयार माल और निर्माणाधीन मालसूची में परिवर्तन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
अंतिम भंडार	27,659.48	19,939.46
प्रारंभिक भंडार	19,939.46	15,111.22
<b>मालसूची में (वृद्धि) / कमी</b>	<b>(7,720.02)</b>	<b>(4,828.24)</b>

^ पुनर्कथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

## 33. तैयार माल और निर्माणाधीन प्रारंभिक और अंतिम मालसूची का विवरण

(₹ मिलियन में)

उत्पाद	इकाई	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष^	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
<b>प्रारंभिक भंडार</b>					
कच्चा तेल*	एमटी	1,002,223	19,165.48	894,387	14,458.93
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	एमटी	10,569	135.19	11,315	126.43
नेपथा	एमटी	38,624	271.81	28,957	230.39
ईथेन/प्रोपेन	एमटी	60	1.70	369	5.07
उत्कृष्ट केरोसिन तेल	एमटी	4,500	29.26	5,308	31.37
विमानन टरबाइन ईधन	एमटी	7,268	65.07	5,919	54.51
कम सल्फर भारी स्टॉक	एमटी	1,080	41.47	1,605	46.57
हाई स्पीड डीजल	एमटी	5,450	156.43	3,435	119.84
ईथेन	एमटी	721	25.23	548	6.64
प्रोपेन	एमटी	489	20.61	166	7.60
ब्यूटेन	एमटी	225	10.52	157	9.78
खनिज तारपीन तेल	एमटी	133	5.13	172	4.99
कार्बन क्रेडिट	इकाइयाँ	330,484	-	330,484	5.59
अन्य			11.56		3.51
			<b>19,939.46</b>		<b>15,111.22</b>
<b>अंतिम भंडार</b>					
कच्चा तेल*	एमटी	974,046	26,680.24	1,002,223	19,165.48
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	एमटी	9,075	166.37	10,569	135.19
नेपथा	एमटी	49,662	494.76	38,624	271.81
ईथेन-प्रोपेन	एमटी	-	-	60	1.70
बेहतरीन केरोसिन तेल	एमटी	4,534	27.09	4,500	29.26
विमानन टरबाइन ईधन	एमटी	6,408	46.68	7,268	65.07
कम सल्फर भारी स्टॉक	एमटी	795	11.20	1,080	41.47
हाई स्पीड डीजल	एमटी	5,072	145.39	5,450	156.43
ईथेन	एमटी	1,131	53.15	721	25.23
प्रोपेन	एमटी	364	14.44	489	20.61
ब्यूटेन	एमटी	186	10.06	225	10.52
खनिज तारपीन तेल	एमटी	56	2.13	133	5.13
कार्बन क्रेडिट	इकाइयाँ	330,484	-	330,484	-
अन्य			7.97		11.56
<b>कुल</b>			<b>27,659.48</b>		<b>19,939.46</b>

\*संयुक्त प्रचालन के भंडार में कंपनी का हिस्सा शामिल है। ^ पुनःकथन, टिप्पणी संख्या 54 देखें।



### 34. उत्पादन, परिवहन, विक्रय एवं वितरण व्यय

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
रॉयल्टी (टिप्पणी सं. 34.4)	140,545.98	182,076.48
ओआईडीबी उपकर	139,301.45	159,294.42
राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क	928.74	933.31
उत्पाद शुल्क	86,606.58	110,038.65
पत्तन न्यास प्रभार	508.61	347.81
अन्य शुल्क	83.30	151.41
कर्मचारी व्यय	27,846.25	27,850.91
वर्कओवर प्राचलन	16,859.69	15,337.20
जल अंतः क्षेपण, विलवणीकरण और विमल्सीफिकेशन	17,907.05	15,196.86
कच्चे माल, भंडार और यंत्रांग की खपत	37,996.58	39,213.10
प्रदूषण नियंत्रण	4,643.88	3,972.20
परिवहन व्यय	9,126.19	8,314.82
बीमा	2,335.04	2,183.80
बिजली और ईंधन	5,905.71	4,721.87
मरम्मत और अनुरक्षण	28,410.47	23,582.98
संविदात्मक भुगतान किराया शुल्क आदि सहित	16,146.43	18,230.61
अन्य उत्पादन व्यय	11,126.35	13,137.92
उत्पादों का परिवहन और माल ढुलाई	18,644.14	17,238.10
अनुसंधान और विकास	6,171.64	5,424.25
सामान्य प्रशासनिक व्यय	38,262.87	39,502.40
सीएसआर व्यय (टिप्पणी सं. 34.2)	6,503.35	4,517.39
विनिमय हानि (शुद्ध) (टिप्पणी सं. 35.1)	3,068.85	10,047.39
विविध व्यय (टिप्पणी सं. 34.3)	17,346.98	8,764.06
वित्तीय लिखत के उचित मूल्यांकन पर हानि	2,013.58	2,030.16
<b>कुल</b>	<b>638,289.71</b>	<b>712,108.10</b>

## 34.1 प्रकृतिवार व्यय का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
<b>कर्मचारी लाभ व्यय</b>		
(क) वेतन, मजदूरी, अनुग्रह राशि आदि।	80,181.76	85,301.25
(ख) भविष्य निधि और अन्य निधियों में अंशदान	11,021.49	11,852.52
(ग) ग्रेचुटी का प्रावधान	1,509.28	(611.17)
(घ) छुट्टी का प्रावधान (प्रतिपूरक अनुपस्थिति सहित)	5,002.71	3,720.85
(ङ) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा और सेवांत लाभ	4,587.77	1,909.28
(च) कर्मचारी कल्याण व्यय	2,953.55	4,034.35
<b>अनुयोग:</b>	<b>105,256.56</b>	<b>106,207.08</b>
कच्चे माल, भंडार और यंत्रांगों की खपत	108,162.07	102,600.69
रॉयल्टी (टिप्पणी संख्या 34.4)	140,545.98	182,076.48
ओआईडीबी उपकर	139,301.45	159,294.42
राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क	928.74	933.31
उत्पाद शुल्क	86,606.58	110,038.65
पत्तन न्यास प्रभार	508.61	347.81
अन्य शुल्क	83.30	151.41
किराया	3,466.04	3,485.69
दरें और कर	1,886.29	327.88
उपकरणों और वाहनों का किराया शुल्क	58,191.72	44,663.79
बिजली, ईंधन और पानी का प्रभार	8,064.37	6,820.07
संविदागत वेधन, लॉगिंग, वर्कओवर आदि	87,179.48	98,592.83
संविदागत सुरक्षा	10,567.04	10,223.50
भवन की मरम्मत	1,360.56	1,262.12
संयंत्र और उपकरणों की मरम्मत	26,841.04	17,454.32
अन्य मरम्मत	3,550.01	2,528.06
बीमा	3,785.54	3,657.72
यात्रा/प्रगति पर व्यय	5,053.64	4,159.16
सीएसआर व्यय (टिप्पणी संख्या 34.2)	6,503.35	4,517.39
विनिमय हानि (शुद्ध) (टिप्पणी सं. 35.1)	3,068.85	10,047.39
विविध व्यय (टिप्पणी सं. 34.3)	24,732.55	15,903.53
<b>घटाएँ:</b>	<b>825,643.77</b>	<b>885,293.30</b>
अन्वेषण, विकास वेधन, पूँजीगत सेवाओं, प्राप्त्यों आदि के लिए आवंटित।	187,354.06	173,185.20
<b>उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय</b>	<b>638,289.71</b>	<b>712,108.10</b>



## 34.2 सीएसआर व्यय

### 34.2.1 सीएसआर व्यय के विभिन्न शीर्षों का व्यौरा

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	व्यय शीर्ष	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
i.	शिक्षा को बढ़ावा और आजीविका संवर्धन परियोजनाएं	2,499.50	1,290.77
ii.	स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना और भूख, गरीबी और कुपोषण का उन्मूलन	2,074.38	1,411.19
iii.	लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों द्वारा सामना की जाने वाली असमानताओं को कम करना	160.64	239.78
iv.	राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त और पैरा-ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देना	138.92	-
v	व्यावसायिक कौशल को बढ़ाकर रोजगार प्रदान करना	31.51	-
vi.	पर्यावरण स्थिरता	601.62	135.10
vii	पीएम केर्यर फंड	-	1,000.00
viii	महिला सशक्तिकरण	28.96	-
ix.	ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विकास	455.39	161.63
x.	राष्ट्रीय धरोहर की सुरक्षा, कला, संस्कृति और हस्तशिल्प को बढ़ावा देना	27.84	28.30
xi.	आपदा प्रबंधन	7.61	10.12
xii.	प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटरों को प्रदत्त योगदान या निधि	38.23	194.35
xiii.	सशस्त्र बलों के लाभ के लिए उपाय	3.66	0.65
xiv	खेलों को बढ़ावा देना	8.21	20.95
xv	अन्य	269.27	266.08
	<b>कुल</b>	<b>6,345.74</b>	<b>4,758.92</b>

34.2.2 सीएसआर व्यय में निम्नलिखित शामिल हैं:

(क) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली कुल राशि ₹ 6,503.34 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 4,517.39 मिलियन) है, जबकि बोर्ड द्वारा अनुमोदित बजट ₹ 7,515.30 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 4,517.39 मिलियन) था। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 461.35 मिलियन अधिक खर्च किए गए, जिन्हें बोर्ड की मंजूरी से वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान खर्च की जाने वाली कुल राशि से घटा दिया गया है और वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान खर्च की जाने वाली शुद्ध राशि ₹ 6,042.00 मिलियन है।

(ख) वर्ष के दौरान व्यय की गयी राशि:

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष		
		नकद में	अभी नकद में भुगतान किया जाना है	कुल	नकद में	अभी नकद में भुगतान किया जाना है	कुल
i.	किसी भी परिसंपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	-	-	-	-	-	-
ii.	उपर्युक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्य से	6,217.77	127.97	6,345.74	4,657.06	101.86	4,758.92
	<b>कुल</b>	<b>6,217.77</b>	<b>127.97</b>	<b>6,345.74</b>	<b>4,657.06</b>	<b>101.86</b>	<b>4,758.92</b>

(ग) वर्ष के दौरान सीएसआर व्यय के संबंध में कंपनी के ट्रस्ट ओएनजीसी फाउंडेशन का योगदान ₹ 2,263.53 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,496.19 मिलियन) है, टिप्पणी संख्या 44.2.7 देखें।

(घ) वर्ष के दौरान खर्च की गई सीएसआर की अतिरिक्त राशि को आगे बढ़ाया गया:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक शेष	461.35	219.82
वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि	6,503.35	4,517.39
वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली राशि	6,345.74	4,758.92
अंतिम शेष	303.74	461.35

34.3 टिप्पणी संख्या 34 में विविध व्यय में निम्नानुसार वैधानिक लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक शामिल है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
लेखा—परीक्षा शुल्क	38.94	38.94
प्रमाणन और अन्य सेवाएँ	16.34	16.14
यात्रा और जेब खर्च	26.02	18.58
कुल	81.30	73.66

34.4 ओजीएच ने अपने पत्र दिनांक 04.01.2022 के माध्यम से बचाई गई और बेची गई संपूर्ण प्राकृतिक गैस पर रॉयल्टी का भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश दिया है, अर्थात् उस प्राकृतिक गैस को छोड़कर जो अपरिहार्य रूप से खो जाती है या जलाशय में वापस आ जाती है या जिसका उपयोग वेधन या पेट्रोलियम, या प्राकृतिक गैस, या दोनों के उत्पादन से संबंधित अन्य कार्यों के लिए तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1948 (ओआरडी अधिनियम) की धारा 6ए (3) के अनुसार किया जाता है। प्रबंधन के आकलन के अनुसार, सभी गैस फ्लेयर प्रकृति में अपरिहार्य हैं और ओआरडी अधिनियम के उपरोक्त प्रावधान के अनुसार रॉयल्टी के भुगतान से छूट दी गई है। तदनुसार, गैस फ्लेयर पर कोई रॉयल्टी का भुगतान नहीं किया गया है।

## 35 वित्त लागत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>ब्याजः</b>		
— गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर पर	1,823.04	2,107.37
— विदेशी मुद्रा बांड पर	715.29	658.38
— विदेशी मुद्रा अवधि ऋण और कार्यशील पूँजी ऋण पर	540.08	430.84
— नकद ऋण पर	0.61	0.13
— अन्य	4.64	1.63
विदेशी मुद्रा ऋण पर उधार लागत—विनिमय अंतर (टिप्पणी संख्या 35.1)	172.42	288.16
<b>अनवाइंडिंगः</b>		
— विघटित प्रावधान	22,145.72	17,911.65
— लीज रेपताएँ	11,079.69	2,287.16
— वित्तीय देयताएँ	42.24	17.81
— अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के लिए देयता	4,289.39	3,292.88
<b>कुल</b>	<b>40,813.12</b>	<b>26,996.01</b>

35.1 भारतीय लेखा मानक 23 'उधार लागत' के पैरा 6 और 6क के अनुसार विदेशी मुद्रा उधार से उत्पन्न विनिमय अंतर, अर्थात् कार्यात्मक मुद्रा में उधार की लागत (₹) की तुलना में विदेशी मुद्रा में उधार की लागत के बीच के अंतर को विदेशी मुद्रा हानि के समायोजन के रूप में वित्त लागत के रूप में माना जाता है।



## 36 मूल्यवास, निःशेषण, परिशोधन और हानि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^	
तेल और गैस परिसंपत्तियों का निःशेषण (टिप्पणी सं. 5.क और 5.ख)		158,613.04		142,770.88
अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का मूल्यवास	24,975.19		21,203.15	
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का मूल्यवास	70,146.50		53,906.45	
कुल मूल्यवास	95,121.69		75,109.60	
घटाएँ: आवंटित:				
अन्वेषणात्मक वेधन	12,754.26		9,582.96	
विकासात्मक वेधन	25,568.94		25,938.95	
अन्य	347.05	56,451.44	135.41	39,452.28
अमूर्त परिसंपत्तियों का परिशोधन		678.70		769.91
टूट-फूट से हानि (टिप्पणी सं. 47)				
वर्ष के दौरान प्रावधान	4,029.89		12,520.73	
घटाएँ: वर्ष के दौरान व्युक्तम	14,815.97	(10,786.08)	27,318.28	(14,797.55)
कुल		204,957.10		168,195.52

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

## 37 अन्य क्षति और अपलेखन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
निम्न के लिए क्षति:		
संदिग्ध ऋण	511.64	957.22
संदिग्ध दावे/अग्रिम	1,070.67	1,767.92
अचल मालसूची	868.80	372.26
विवादित कर (टिप्पणी संख्या 24.4)	25,460.69	28,723.32
	27,911.80	31,820.72
अपलेखन		
अन्य पीपीई और आरओयू परिसंपत्तियों का निपटान/निष्प्रयोज्यता	1,477.82	882.44
दावे/अग्रिम	167.68	0.53
मालसूची	56.57	247.01
प्राप्तियां	-	0.13
	1,702.07	1,130.11
कुल	29,613.87	32,950.83

## 38 कर व्यय

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
वर्तमान कर के संबंध में:		
– वर्तमान वर्ष	120,626.57	126,200.00
– पिछले वर्ष	(948.24)	(28,448.24)
	<b>119,678.33</b>	<b>97,751.76</b>
आस्थगित कर	<b>5,224.09</b>	<b>22,172.32</b>
	5,224.09	22,172.32
<b>कुल</b>	<b>124,902.42</b>	<b>119,924.08</b>

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

38.1 वर्ष के दौरान, कंपनी ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80एम के अनुसार, वर्ष के दौरान लाभांश आय पर कटौती का लाभ माना है, जिसका वर्तमान कर व्यय पर कर प्रभाव ₹ 8,633.41 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 6,293.64 मिलियन) है।

## 39. वर्ष के लिए आयकर व्यय को लेखांकन लाभ के साथ निम्नानुसार समाशोधित किया जा सकता है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
कर से पूर्व लाभ	530,162.11	520,889.10
आयकर व्यय की गणना 25.168: पर की गई	133,431.20	131,097.37
(वित्त वर्ष 2022–2023: 25.168:)		
घटाएँ: छूट/कटौतियाँ		
धारा 80–एम के तहत कटौती	8,633.41	6,293.64
जोड़ें: कर योग्य लाभ निर्धारित करने में कटौती योग्य नहीं होने वाले व्ययों का प्रभाव		
पूर्व अवधियों के वर्तमान कर के कारण अस्थायी अंतरों का संगत प्रभाव	(633.40)	4,342.03
सीएसआर व्यय पर वर्तमान कर	1,636.76	1,136.94
आयकर में अनुमत नहीं व्यय	286.07	220.55
<b>अनुयोग</b>	<b>126,087.22</b>	<b>130,503.25</b>
अन्य*	(236.57)	17,869.07
	<b>125,850.65</b>	<b>148,372.32</b>
पिछले वर्षों के वर्तमान कर के संबंध में चालू वर्ष में मान्यता प्राप्त समायोजन	(948.23)	(28,448.24)
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त आयकर व्यय (निरंतर प्रचालन से संबंधित)	<b>124,902.42</b>	<b>119,924.08</b>

\* इसमें असाधारण मदों पर कर समायोजन का प्रभाव शामिल है। ^ पुनः कथन, टिप्पणी संख्या 54 देखें



(₹ मिलियन में)

अन्य व्यापक आय में आयकर को मान्यता दी गई	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
आस्थगित कर		
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त आय और व्यय पर उत्पन्न:		
एफवीटीओसीआइ पर इकिवटी शेयरों में निवेश पर शुद्ध उचित मूल्य लाभ / (हानि)	(18,157.99)	(2,483.16)
परिभाषित लाभ दायित्व का पुनर्मूल्यांकन	1,053.57	116.74
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल आयकर	(17,104.42)	(2,366.42)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त आयकर का विभाजन:-		
-ऐसी मदेर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा	(17,104.42)	(2,366.42)

#### 40. प्रति इकिवटी शेयर आय

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
इकिवटी शेयरधारकों को देय वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (₹ मिलियन में)	405,259.70	400,965.03
इकिवटी शेयरों की भारित औसत संख्या (संख्या मिलियन में)	12,580.28	12,580.28
इकिवटी शेयर प्रति मूल और तनु आय (₹)	32.21	31.87
इकिवटी शेयर प्रति अंकित मूल्य (₹)	5.00	5.00

^ पुनः कथन, टिप्पणी संख्या 54 देखें

#### 41. पट्टे

पिछले वर्ष के दौरान भारतीय लेखा मानक 116 'पट्टों' के अंतर्गत परिवर्तन के एक भाग के रूप में, कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 116 की मान्यता आवश्यकताओं को अल्पावधि पट्टों पर लागू न करने का व्यावहारिक लाभ उठाया था तथा पट्टों से संबंधित परिसंपत्तियों और देनदारियों की मान्यता के लिए भौतिकता सीमा भी लागू की थी।

41.1 भारतीय लेखा मानक 116 'लीज' से संबंधित विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत दर्ज व्यय और भविष्य के नकदी बहिर्वाह के लिए कंपनी का जोखिम निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों पर मूल्यांकन व्यय	70,146.50	53,906.45
पट्टे की देयताओं पर ब्याज व्यय	13,570.57	3,483.39
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय	16,769.74	8,198.55
कम मूल्य की परिसंपत्तियों के पट्टों से संबंधित व्यय	3,569.46	3,422.57
पट्टे की देयताओं के मापन में शामिल न किए गए परिवर्तनशील पट्टा भुगतानों से संबंधित व्यय	9,506.87	6,360.97

41.2 31 मार्च 2024 तक लीज़ भुगतान के लिए अनुमानित भविष्य के बिना छूट वाले नकदी प्रवाह:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
वर्ष के अंत से देय भावी पट्टा:		
1 वर्ष तक	89,939.79	44,984.48
1 से 3 वर्ष के बीच	125,697.64	34,299.07
3 से 5 वर्ष के बीच	49,939.00	7,583.62
5 वर्ष से अधिक	71,714.09	7,405.31
<b>कुल</b>	<b>337,290.52</b>	<b>94,272.48</b>
छूट का प्रभाव	47,406.36	5,861.67
<b>शुद्ध पट्टा देयता</b>	<b>289,884.16</b>	<b>88,410.81</b>
स्थायी पट्टा देयता	417.96	417.96
<b>कुल पट्टा देयता</b>	<b>290,302.12</b>	<b>88,828.77</b>

## 42. कर्मचारी लाभ योजनाएँ

कंपनी की सभी कर्मचारी लाभ योजनाएं समूह प्रशासन योजनाओं (एकल नियोक्ता योजना) के रूप में चलाई जाती हैं, जिसमें ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) की 100: सहायक कंपनी को दिए गए कंपनी के कर्मचारी, साथ ही ओवीएल द्वारा सीधे नियुक्त कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी अपने लेखों में ओवीएल कर्मचारियों से संबंधित सभी परिभाषित लाभ योजनाओं की कर्मचारी लाभ देयता का लेखा—जोखा रखती है और उस अवधि के लिए व्यय ओवीएल की खाता—बही में अंतरित कर दिया जाता है। यह भारतीय लेखा मानक 19 'कर्मचारी लाभ' के पैरा 38 में बताई गई समूह प्रशासनिक योजना की आवश्यकता के अनुपालन में किया जाता है।

### 42.1 परिभाषित अंशदान योजनाएँ:

42.1.1 सेवानिवृत्ति पश्च लाभ योजना (पीआरबीएस) अपने कर्मचारियों के लिए कंपनी की परिभाषित अंशदान पेंशन योजना एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित की जाती है। कंपनी का दायित्व ट्रस्ट में मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30: से अधिक राशि का योगदान करना है, जिसे भविष्य निधि, ग्रेचुटी, सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए नियोक्ता के योगदान से घटाया जाता है।

ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड केंद्र सरकार द्वारा समय—समय पर इस संबंध में जारी किए जाने वाले सभी लागू दिशा—निर्देश या निर्देश के अनुसार कार्य करता है। न्यासी बोर्ड की निम्नलिखित जिम्मेदारियाँ हैं:

- (i) इस संबंध में सरकार द्वारा अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय—समय पर फंड की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।
- (ii) योगदान की दर और उस पर ब्याज का निर्धारण
- (iii) सदस्यों के लिए वार्षिकी की खरीद।

### 42.1.2 राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान अपने कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति पश्च लाभ योजना की समग्र सीमा के भीतर एनपीएस शुरू किया था। कर्मचारी के पास पीआरबीएस और एनपीएस में किए जाने वाले योगदान को निर्धारित करने का विकल्प होता है।

कंपनी का दायित्व कर्मचारी के विकल्प पर एनपीएस में योगदान करना है, जो कि मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30% से अधिक नहीं हो सकता है, जो कि नियोक्ता द्वारा भविष्य निधि, ग्रेचुटी, सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए योगदान से कम हो जाता है। कोई भी कर्मचारी एनपीएस के लिए नियोक्ता के योगदान के रूप में अपने



मूल वेतन और डीए के अधिकतम 10: का विकल्प चुन सकता है। एनपीएस के अन्य सभी मानक प्रावधान इस योजना पर लागू होते हैं।

#### 42.1.3 कर्मचारी पेंशन योजना 1995

कर्मचारी पेंशन योजना –1995 का प्रचालन भारतीय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा किया जाता है, जिसमें कंपनी को भविष्य निधि में नियोक्ता के योगदान से वेतन का 8.33% (अधिकतम ₹ 15,000 प्रति माह के अधीन) योगदान करना होता है।

#### 42.1.4 समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)

कंपनी द्वारा अपने नियमित कर्मचारियों के कल्याण के लिए समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना तैयार की गई है समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना ट्रस्ट। समेकित कंपनी का दायित्व कंपनी के नियमित कर्मचारियों के योगदान की सीमा तक ट्रस्ट को समान अंशदान प्रदान करना है। ट्रस्ट सेवा में रहते हुए किसी कर्मचारी की मृत्यु या स्थायी पूर्ण विकलांगता की स्थिति में एक सुनिश्चित एकमुश्त

42.1.1 परिभाषित अंशदान योजनाओं के लिए आवंटन से पहले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त धनराशि निम्नानुसार हैं:

(₹ मिलियन में)

परिभाषित अंशदान योजनाएँ	इस दौरान मान्यता प्राप्त राशि		शीर्ष प्रबंधन कर्मियों के लिए अंशदान	
	2023-24	2022-23	2023-24	2022-23
भविष्य निधि	4,516.00	4,445.77	3.20	2.81
सेवानिवृत्ति पश्च लाभ योजना (पीआरबीएस)	3,965.96	4,129.87	2.60	2.90
कर्मचारी पेंशन योजना–1995 (ईपीएस)	219.67	243.83	0.05	0.05
समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)*	590.62	1,590.19	0.21	0.20
राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)	1,729.24	1,442.55	1.26	0.50

\* वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान कंपनी ने नियमित कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान दुर्घटना के कारण मृत्युव्यायी विकलांगता के मामलों के लिए मौजूदा वित्तीय सहायता के अलावा वृद्धिशील वित्तीय सहायता के लिए सीएसएसएस ट्रस्ट को शून्य ₹ (पिछले वर्ष ₹ 991.91 मिलियन) का अतिरिक्त योगदान दिया था।

#### 42.2 परिभाषित लाभ योजनाएँ

##### 42.2.1 संक्षिप्त विवरण: कर्मचारी लाभ योजनाओं के प्रकार का सामान्य विवरण इस प्रकार है:

कंपनी की सभी कर्मचारी लाभ योजनाएँ समूह प्रशासन योजनाओं (एकल नियोक्ता योजना) के रूप में चलाई जाती हैं, जिसमें ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) की 100% सहायक कंपनी को दिए गए कंपनी के कर्मचारी, साथ ही ओवीएल द्वारा सीधे नियुक्त कर्मचारी शामिल हैं।

##### 42.2.2 भविष्य निधि

कंपनी एक अलग ट्रस्ट को पूर्व निर्धारित दरों पर भविष्य निधि में निश्चित अंशदान देती है, जो अनुमत प्रतिभूतियों में निधियों का निवेश करता है। कंपनी का दायित्व ऐसा निश्चित अंशदान करना और भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट सदस्यों को न्यूनतम दर पर प्रतिफल सुनिश्चित करना है। परामर्शदाता एकत्रितीय की रिपोर्ट के अनुसार, कुल ब्याज आय और संचयी अधिशेष वैधानिक ब्याज भुगतान आवश्यकता से अधिक है। इसलिए, आगे कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना जाता है। योजना परिसंपत्तियों और दायित्वों के उचित मूल्य का विवरण निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को*
वर्ष के अंत में दायित्व	1,47,938.60	1,49,939.43
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,49,050.50	1,51,309.20

\* योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य 31 मार्च, 2023 तक भविष्य निधि ट्रस्ट की संपत्तीक्षित तुलना-पत्र के आधार पर बहाल किया गया है और दायित्व का आंकड़ा वित्त वर्ष 2022–2023 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा घोषित आधिकारिक दरों पर देयता की पुनः गणना के आधार पर बहाल किया गया है।

भविष्य निधि एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रचालित होती है। ट्रस्ट के न्यासी बोर्ड, केंद्र सरकार या केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा समय-समय पर इस संबंध में जारी किए जाने वाले किसी भी लागू दिशा-निर्देश या निर्देशों के अनुसार कार्य करते हैं। न्यासी बोर्ड के पास निम्नलिखित जिम्मेदारियाँ हैं:

- (i) इस संबंध में सरकार द्वारा अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय-समय पर निधि की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।
- (ii) निवेश को पूरी तरह या आंशिक रूप से बेचकर, बंधक रखकर या गिरवी रखकर निधि के प्रयोजनों के लिए आवश्यक धन जुटाना।
- (iii) सदस्यों के लेखों में जमा की जाने वाली व्याज दर का निर्धारण।

#### 42.2.3 ग्रेच्युटी

सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर ग्रेच्युटी देय है। निहित अवधि 5 वर्ष है और भुगतान सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, सेवा समाप्ति, विकलांगता या मृत्यु पर ₹ 2 मिलियन तक सीमित है।

योजना को स्वयं के ग्रेच्युटी ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। ग्रेच्युटी के लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

#### 42.2.4 सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ

कंपनी के पास सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) है, जिसके तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके जीवनसाथी और आश्रित माता-पिता को कंपनी के अस्पतालों/सूचीबद्ध अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। वे बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार का लाभ उठा सकते हैं। वर्ष के दौरान, कंपनी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने आश्रित माता-पिता को कंपनी की पीआरएमबी योजना में शामिल करने का विकल्प दिया है। इसके लिए देयता को एकव्युत्तियल मूल्यांकन के आधार पर सालाना मान्यता दी जाती है। स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति पर पूर्ण चिकित्सा लाभ न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा और 50 वर्ष की आयु पूरी करने के अधीन उपलब्ध है।

सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए पात्र होने के लिए किसी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के समय कंपनी में कम से कम 15 वर्ष की निरंतर सेवा करनी चाहिए। हालांकि, 03 अगस्त, 2017 के डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, बोर्ड स्तर के अधिकारियों को (15 वर्ष की सेवा से किसी भी तरह के संबंध के बिना) उनके कार्यकाल के पूरा होने पर या सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर, जो भी पहले हो, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ की अनुमति दी जाती है।

योजना को अपने स्वयं के पीआरएमबी ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। पीआरएमबी के लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

#### 42.2.5 सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ

सेवानिवृत्ति के समय, कर्मचारी अपनी पसंद के स्थान पर बसने के हकदार होते हैं और वे निपटान भत्ते के लिए पात्र होते हैं।

42.2.6 ये परिभाषित लाभ योजनाएं आमतौर पर कंपनी को बीमांकिक जोखिमों जैसे: निवेश जोखिम, व्याज दर जोखिम, दीर्घायु जोखिम और वेतन जोखिम के लिए प्रकट करती हैं।

निवेश जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना छूट दर का उपयोग करके की जाती है, जो सरकारी बॉन्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार की प्राप्ति के संदर्भ में निर्धारित की जाती है। जब ऐसे बॉन्ड के लिए गहरा बाजार होता है, यदि योजना परिसंपत्ति पर रिटर्न इस दर से कम है, तो यह योजना घटा उत्पन्न करेगी। वर्तमान में, इन योजनाओं के लिए, वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार सरकारी प्रतिमूल्यांकित ऋण लिखते, अत्यावधि ऋण साधनों, इकिवटी लिखते और परिसंपत्ति समर्थित, ट्रस्ट संरचित प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है।
व्याज जोखिम	बॉन्ड व्याज दर में कमी से योजना देयता में वृद्धि होगी; हालांकि, यह योजना के निवेश पर रिटर्न में वृद्धि से आंशिक रूप से ऑफसेट हो जाएगा।
लंबी उम्र जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना योजना प्रतिभागियों की मृत्यु दर के सर्वोत्तम अनुमान के संदर्भ में की जाती है, उनके रोजगार के दौरान और उसके बाद। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से योजना की देयता में वृद्धि होगी।



वेतन जाखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना योजना प्रतिभागियों के भविष्य के वेतन के संदर्भ में की जाती है। इस प्रकार, योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि से योजना की देयता में वृद्धि होगी।
------------	--

42.2.7 इन कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पश्चात कोई अन्य लाभ प्रदान नहीं किया जाता है।

उपर्युक्त योजनाओं के संबंध में, योजना परिसंपत्तियों का सबसे हालिया बीमांकिक मूल्यांकन और परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य 31 मार्च, 2024 को भारतीय बीमांकिक संस्थान की एक सदस्य फर्म द्वारा किया गया था। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य, और संबंधित वर्तमान सेवा लागत और पिछली सेवा लागत, अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके मापा गया था।

#### 42.2.8 अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

##### (i) अर्जित अवकाश (ईएल) लाभ

उपार्जन – प्रति वर्ष 30 दिन

सेवा में रहते हुए नकदीकरण – अर्जित अवकाश शेष का 75%, प्रति कैलेंडर वर्ष प्रति वर्ष अधिकतम 90 दिन

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – अधिकतम 300 दिन

योजना का वित्तपोषण भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है।

प्रत्येक कर्मचारी सेवा के प्रत्येक पूर्ण आधे वर्ष के लिए 15 अर्जित अवकाश पाने का हकदार है। कंपनी के सभी नियमित कर्मचारियों को सेवा के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में एक बार अर्जित अवकाश के नकदीकरण की अनुमति है, जो उनके क्रेडिट में अर्जित अवकाश के 75% की सीमा तक है, अधिकतम 90 दिनों के अधीन है।

इसके अलावा, प्रत्येक कर्मचारी हर छह महीने के अंत में 10 एचपीएल (अर्ध वेतन अवकाश) पाने का हकदार है। संपूर्ण संचय को केवल सेवानिवृत्ति के समय नकदीकरण के लिए अनुमति दी जाती है। सार्वजनिक उद्यम विभाग ने पहले स्पष्ट किया था कि बीमारी की छुट्टी को भुनाया नहीं जा सकता है, हालांकि अर्जित अवकाश (ईएल) और अर्ध वेतन अवकाश (एचपीएल) को 300 दिनों की समग्र सीमा के अधीन सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण के लिए विचार किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने कंपनी को डीपीई दिशानिर्देशों का अनुपालन करने की सलाह दी थी। इसके बाद, मामले को तीसरे वेतन संशोधन समिति की सिफारिशों में निपटाया गया इसलिए, कंपनी द्वारा अपेक्षित शर्तें पूरी की जाती हैं।

##### (ii) अच्छे स्वास्थ्य पुरस्कार (एचपीएल)

उपार्जन – प्रति वर्ष 20 दिन सेवा में रहते हुए नकदीकरण – शून्य

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – अर्ध वेतन अवकाश शेष का 50:

योजना भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से वित्तपोषित है।

इसके लिए देयता को वार्षिक रूप से बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

42.2.9 बीमांकिक मूल्यांकन के प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त प्रमुख धारणाएं निम्नानुसार थीं:

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
	ग्रेचुटी		
I.	छूट दर (%)	7.21	7.51
II.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न (%)	7.51	7.25
III.	वेतन में वार्षिक वृद्धि (%)	7.50	7.50
	छुट्टी		
IV.	छूट दर (%)	7.21	7.51
V.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न (%)	7.51	7.25
VI.	वेतन में वार्षिक वृद्धि (%)	7.50	7.50
	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ		
VII.	छूट दर (%)	7.21	7.51
VIII.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न (%)	7.51	7.25
IX.	लागत में वार्षिक वृद्धि (%)	7.50	7.50
	अंतिम लाभ		
X.	छूट दर (%)	7.21	7.51
XI.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न (%)	NA	NA
XII.	लागत में वार्षिक वृद्धि (%)	7.50	7.50
	कर्मचारी टर्नओवर (%)		
XIII.	30 वर्ष तक	3.00	3.00
XIV.	31 से 44 वर्ष तक	2.00	2.00
XV.	44 वर्ष से अधिक	1.00	1.00
XVI.	वर्तमान लाभ दायित्वों की भारित औसत अवधि	14.75	14.16
	मृत्यु दर		
XVII.	सेवानिवृत्ति से पूर्व	भारतीय आश्वासित जीवन मृत्यु दर तालिका (2012–14) के अनुसार	भारतीय आश्वासित जीवन मृत्यु दर तालिका (2012–14) के अनुसार
XVIII.	सेवानिवृत्ति पश्चात	भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकीधारक की मृत्यु दर तालिका (2012–15) के अनुसार	भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकीधारक की मृत्यु दर तालिका (2012–15) के अनुसार

छूट की दर लेखांकन तिथि पर सरकारी प्रतिभूतियों पर उपलब्ध बाजार प्रप्ति पर आधारित होती है, जिसकी अवधि वर्तमान लाभ दायित्वों की भारित औसत अवधि से मेल खाती है। वेतन वृद्धि दीर्घावधि के आधार पर मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखती है। योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न की अपेक्षित दर संबंधित दायित्व के संपूर्ण जीवनकाल में रिटर्न के लिए वर्ष की शुरुआत में बाजार की अपेक्षा पर आधारित होती है।

भारतीय बीमांकक संस्थान द्वारा 2 अगस्त, 2018 को जारी भारतीय बीमित जीवन मृत्यु दर (2012–14) के 100% के अनुसार 31 मार्च, 2024 तक बीमांकक मूल्यांकन के लिए सेवानिवृत्ति से पहले पुरुष बीमित जीवन के लिए मृत्यु दर मान ली गई है। चूंकि भारतीय बीमांकक संस्थान द्वारा महिला जीवन के लिए लागू अलग दरों को अधिसूचित नहीं किया गया है सेवानिवृत्ति पश्चात मृत्यु दर भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकीग्राही की मृत्यु दर तालिका (2012–15) के अनुसार मानी गई है, जो 01 अप्रैल, 2021 से प्रभावी होगी।

42.3 इन परिभाषित लाभ योजनाओं और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के संबंध में आवंटन से पहले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त धनराशि निम्नानुसार हैं:

(₹ मिलियन में)

विवरण	ग्रे ब्यूटी		छुट्टी		सेवानिवृति पश्चात चिकित्सा लाभ		सेवात लाभ	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
सेवा लागतः								
वर्तमान सेवा लागत	757.94	675.31	2,261.37	1,842.35	1,211.05	975.62	94.42	83.58
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-	-	-	-	-	-	-
शुद्ध ब्याज व्यय	(122.64)	(76.70)	273.64	387.53	(190.41)	114.46	106.39	102.55
संपरीक्षा के पश्चात्प्रकल्प प्रारंभिक कोष में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	(86.55)	(113.72)	(42.61)	(29.66)	12.36	(7.70)	-	-
निधि में वृद्धिशील योगदान	(1,829.18)	(1,329.64)	-	-	-	-	-	-
पृथक कर्मचारी योगदान	-	-	-	-	(58.49)	(86.39)	-	-
कर्मचारी लाभ व्यय में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ लागत के घटक	(1280.43)	(844.75)			974.51	995.99	200.81	186.13
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर पुनर्मापनः								
बीमाकारिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमाकारिक (लाभ) / हानि	-	-	-	-	-	-	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमाकारिक (लाभ) / हानि	396.89	(341.84)	798.98	(655.74)	1,618.68	(1,212.32)	32.88	(29.17)
अनुबंध समायोजन से उत्पन्न बीमाकारिक (लाभ) / हानि	(419.24)	(332.07)	1,804.40	2,372.21	2,257.94	1,907.24	13.65	42.94
शुद्ध ब्याज लागत में शामिल राशि को छोड़कर योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल	(63.99)	(27.83)	(129.34)	(230.43)	(242.28)	(246.99)	-	-
पुनर्मापन के घटक	(86.34)	(701.74)			3,634.34	447.93	46.53	13.77
कुल	(1,366.77)	(1546.49)	4,966.44	3,686.26	4,608.85	1,443.92	247.34	199.90

अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त शुद्ध परिभाषित लाभ देयता के पुनर्मापन के घटक ₹ 4,186.13 मिलियन की बीमाकारिक हानि है (पिछले वर्ष ₹ 4,633.84 मिलियन की बीमाकारिक हानि)।



(₹ मिलियन में)

विवरण	ग्रन्थी		छुट्टी		सेवानिवृति पश्चात चिकित्सा लाभ		सेवात लाभ	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारम्भिक परिधित लाभ दायित्व	18,822.14	20,776.03	31,553.80	32,078.78	52,583.47	51,199.29	1,422.17	1,419.55
वर्तमान सेवा लागत	763.31	681.24	2,293.87	1,868.86	1,220.10	982.73	95.28	84.50
ब्याज लागत	1,413.54	1,506.26	2,369.69	2,325.71	3,949.02	3,711.95	106.81	102.92
पुनः मापन (लाभ) /हानि:	-	-	-	-	-	-	-	-
बीमाविक मानचालाओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमाविक (लाभ) /हानि	397.04	(343.11)	802.00	(659.10)	1,619.60	(1,213.22)	33.01	(29.27)
विनीय मानचालाओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमाकिक (लाभ) /हानि	(433.80)	(332.84)	1,784.07	2,408.74	2,258.23	1,894.43	12.16	42.25
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमाकिक (लाभ) /हानि	(2,868.11)	(3,465.44)	(6,330.98)	(6,469.19)	(4,434.09)	(3,991.71)	(155.85)	(197.78)
कठोरियों पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-	-	-
भुगतान किए गए लाभ	18,094.12	18,822.14	32,472.46	31,553.80	57,196.33	52,583.47	1,513.58	1,422.17
अंतिम परिधित लाभ दायित्व	18,094.12	18,822.14	32,472.46	31,553.80	57,196.33	52,583.47	183.70	176.00
वर्तमान दायित्व	-	-	-	-	-	-	1,329.88	1,246.17
गेर-वर्तमान दायित्व	-	-	-	-	-	-	-	-

42.4 परिधित लाभ दायित्व और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन निम्नानुसार हैं:

**42.5** योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में उतार-चढ़ाव निम्नानुसार हैं।

(₹ मिलियन में)

विवरण	ग्रेड्युली		चुट्टी		सेवानिवृति पश्चात चिकित्सा लाभ
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	
योजना परिसंपत्तियों का आरंभिक उचित मूल्य द्रष्टव्य के ऑडिट के परिणामस्वरूप आरंभिक कोष में समायोजन निधि में वृद्धिशील योगदान	20,355.30	21,721.64	27,804.70	26,711.54	55,132.64 (12.37) 27,390.34 2.81
योजना परिसंपत्तियों पर अधेक्षित प्रतिफल	-	87.97	103.48	42.73	- -
पुरुष मापन लाभ (हानि):	1,535.29	1,582.32	2,091.34	1,938.62	4,139.53 3,596.90
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध व्याज व्यय में शामिल राशियों को छोड़कर)	64.18	27.91	129.71	231.36	242.53 247.24
नियोक्ता से अंशदान	282.69	385.39	3,749.12	5,364.36	- 23,808.96
पृथक कर्मचारी अंशदान	-	-	-	-	58.49 86.39
भुगतान किए गए लाभ	(2,868.11)	(3,465.44)	(6,330.98)	(6,469.19)	-
योजना परिसंपत्तियों का समापन उचित मूल्य	<b>19,457.32</b>	<b>20,355.30</b>	<b>27,486.62</b>	<b>27,804.70</b>	<b>59,560.82 55,132.64</b>

**42.6** इकाई के परिमाणित लाभ योजना और अन्य दोषकालिक कर्मचारी लाभों के सर्वधं में दायित्व से उत्पन्न एकत्र तुलन-पत्र में शामिल धनराशि निम्नानुसार है:

विवरण	ग्रेड्युली		चुट्टी		सेवानिवृति के बाद चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष		
वित्तोपेक्षित परिस्थिति लाभ दायित्व का वर्गीकरण मूल्य योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	18,094.12	18,822.14	32,472.46	31,553.80	57,196.33 52,583.47 1,513.58	1,422.18
वित्तोपेक्षित स्थिति	19,457.32	20,355.30	27,486.62	27,804.70	59,560.82 55,132.64 2,549.17	लागू नहीं लागू नहीं लागू नहीं
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिवंश	1,363.20	1,533.16	(4,985.84)	(3,749.10)	2,364.49	लागू नहीं लागू नहीं लागू नहीं
परिमाणित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता / (परिसंपत्तियों	(1,363.20)	(1,533.16)	<b>4,985.84</b>	<b>3,749.10</b>	<b>(2,364.49) (2,549.17)</b>	<b>1,513.58 1,422.18</b>

- 42.6.1.** अगले वर्ष के लिए ग्रेच्युटी के संबंध में अपेक्षित अंशदान ₹ 649.90 मिलियन होगा (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 588.65 मिलियन)।
- 42.6.2.** अगले वर्ष के लिए अवकाश देयता के संबंध में अपेक्षित अंशदान ₹ 2,859.65 मिलियन होगा (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 2,275.09 मिलियन)।
- 42.6.3.** अगले वर्ष के लिए पीआरएमबी देयता के संबंध में अपेक्षित अंशदान ₹ 1,122.27 मिलियन होगा (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 820.89 मिलियन)।
- 42.6.4.** कंपनी ने विभिन्न कार्यक्रमों में लगे 104 कंटीजेट कर्मचारियों (31 मार्च 2023 तक: 131 कर्मचारी) के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31 मार्च, 2024 तक ₹ 56.00 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 71.60 मिलियन) की ग्रेच्युटी देयता को मान्यता दी है।

**42.7** प्रत्येक श्रेणी के लिए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>उपदान</b>		
नकद और नकद समतुल्य	0.10	0.02
स्थूचुअल फंड में निवेश		0.50
<b>ऋण निवेश (निगमित बॉन्ड) जारीकर्ता की क्रेडिट रेटिंग द्वारा वर्गीकृतः</b>		
– एएए	144.18	877.01
– एए+	397.06	397.21
<b>समूह उपदान नकद संचय योजना</b>		
<b>(पारंपरिक निधि)</b>		
बीमा कंपनियाँ	19,757.15	20,078.35
<b>अन्य परिसंपत्तियाँ</b>		
बैंक जमा	-	-
शुद्ध वर्तमान परिसंपत्तियाँ	(841.17)	(997.79)
<b>कुल उपदान</b>	<b>19,457.32</b>	<b>20,355.30</b>
<b>अवकाश</b>		
बीमा कंपनी द्वारा 100: प्रबंधन (ट्रस्ट के माध्यम से)	<b>27,486.62</b>	<b>27,804.70</b>
<b>पीआरएमबी</b>		
बीमा कंपनी द्वारा 100: प्रबंधन (ट्रस्ट के माध्यम से)	<b>59,560.82</b>	<b>55,132.64</b>
<b>कुल</b>	<b>1,06,504.76</b>	<b>103,292.64</b>

**42.7.1** उपर्युक्त पीएसयू बांड (ऋण लिखत) के उचित मूल्य अंकित मूल्य प्लस प्रीमियम के रूप में प्राप्त किए जाते हैं, जो कि अपलिखित नहीं किये गए हैं और छूट को घटाकर पुनर्लेखित नहीं किए गए हैं।

**42.7.2** निवेश की लागत को स्थूचुअल फंड और बैंक टीडीआर में निवेश के उचित मूल्य के रूप में लिया जाता है।

**42.7.3** पीएसयू बांड में सभी निवेश सक्रिय बाजार में उद्भूत किए जाते हैं।

**42.7.4** बीमा कंपनी की समूह ग्रेच्युटी नकद संचय योजना (पारंपरिक निधि) में निवेश का उचित मूल्य रिपोर्टिंग तिथि पर बही मूल्य के रूप में लिया जाता है।

**42.7.5** शुद्ध चालू परिसंपत्तियाँ रिपोर्टिंग तिथि पर निवेश पर अर्जित ब्याज को बकाया ग्रेच्युटी प्रतिपूर्ति से कम दर्शाती हैं।



**42.7.6** वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान ग्रेचुटी की योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न ₹ 1,599.47 मिलियन (वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 1,610.23 मिलियन), छुट्टी की योजना परिसंपत्ति पर ₹ 2,221.05 मिलियन (वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 2,169.97 मिलियन) और पीआरएमबी की योजना परिसंपत्ति पर ₹ 4,382.06 मिलियन (वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 3,844.14 मिलियन) था।

**42.8** परिभाषित दायित्व के निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ छूट दर और अपेक्षित वेतन/लागत वृद्धि हैं। नीचे दिए गए संवेदनशीलता अन्य सभी धारणाएँ स्थिर रखी गई हैं।

#### 42.8.1 31 मार्च, 2024 तक संवेदनशीलता विश्लेषण

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ	ग्रेचुटी	छुट्टी	सेवानिवृत्ति पश्चात् के चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ	भविष्य निधि
<b>छूट दर</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	(657.10)	(1,314.89)	(3,106.79)	(58.97)	(33.94)
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	714.74	1,439.74	3,202.74	60.34	35.66
<b>वेतन वृद्धि</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	192.37	1,424.05	-	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(207.67)	(1,316.28)	-	-	-
<b>लागत वृद्धि</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	3,189.66	61.36	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(3,159.50)	(58.27)	-
<b>सांविधिक व्याज दर</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	-	-	35.15
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	-	-	(33.77)

#### 42.8.2 31 मार्च, 2023 तक संवेदनशीलता विश्लेषण

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ	ग्रेचुटी	छुट्टी	सेवानिवृत्ति पश्चात् के चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ	भविष्य निधि
<b>छूट दर</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	(622.71)	(1,049.38)	(2,591.44)	(55.57)	(30.43)
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	674.94	1,136.57	2,671.45	57.98	31.91
<b>वेतन वृद्धि</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	188.75	1,884.17	-	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(203.11)	(1,053.89)	-	-	-
<b>लागत वृद्धि</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	2,660.51	57.55	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(2,635.38)	(55.91)	-
<b>सांविधिक व्याज दर</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	-	-	31.56
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	-	-	(30.39)

ऊपर प्रस्तुत संवेदनशीलता विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है क्योंकि यह संभावना नहीं है कि मान्यताओं में परिवर्तन एक दूसरे से अलग–थलग हो क्योंकि कुछ मान्यताएँ सहसंबद्ध हो सकती हैं। मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता भौतिक नहीं है और इसलिए परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की गई है।

इसके अलावा, उपरोक्त संवेदनशीलता विश्लेषण प्रस्तुत करने में, परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य की गणना रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की गई है, जो कि तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ दायित्व देयता की गणना में लागू की गई विधि के समान है।

## 42.9 परिभाषित लाभ दायित्व और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों की परिपक्वता प्रोफाइल:

(₹ मिलियन में)

परिभाषित लाभ:	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
<b>उपदान:</b>		
एक वर्ष से कम	2,877.95	2,964.54
एक से तीन वर्ष	4,172.17	4,676.92
तीन से पांच वर्ष	2,554.96	3,059.91
पांच वर्ष से अधिक	8,489.04	8,120.77
<b>छुट्टी:</b>		
एक वर्ष से कम	4,952.24	4,699.80
एक से तीन वर्ष	7,428.78	7,345.64
तीन से पांच वर्ष	4,837.57	5,473.40
पांच वर्ष से अधिक	15,253.87	14,034.96
<b>सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ:</b>		
एक वर्ष से कम	3,883.74	3,448.31
एक से तीन वर्ष	8,100.32	8,127.19
तीन से पांच वर्ष	8,768.57	9,678.65
पांच वर्ष से अधिक	36,443.70	31,329.32



## 43 सेगमेंट रिपोर्टिंग

43.1. कंपनी ने विभिन्न जोखिमों और रिटर्न, संगठन संरचना और आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणालियों को ध्यान में रखते हुए खंडों की पहचान की है और उनकी रिपोर्ट की है। तदनुसार, कंपनी ने निम्नलिखित भौगोलिक खंडों को रिपोर्ट करने योग्य खंडों के रूप में पहचाना है।

क. अपतट

ख. अभितट

### 43.2 खंड राजस्व और परिणाम

निम्नलिखित रिपोर्ट योग्य खंड द्वारा कंपनी के राजस्व और निरंतर प्रचालन से परिणामों का विश्लेषण है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	खंड राजस्व		खंड लाभ/(हानि)	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
अपतट	942,701.81	1,041,138.04	444,081.64	447,031.87
अभितट	441,319.50	514,035.11	61,847.31	61,830.19
<b>कुल</b>	<b>1,384,021.31</b>	<b>1,555,173.15</b>	<b>505,928.95</b>	<b>508,862.06</b>
अनाबंटित निगमित व्यय (शुद्ध)			(15,721.81)	(14,257.92)
वित्त लागत			(40,813.12)	(26,996.01)
ब्याज/लाभांश आय			80,768.10	53,280.98
<b>कर पूर्व लाभ</b>	<b>530,162.12</b>			<b>520,889.11</b>

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

43.2.1. ऊपर अभिलिखित खंड राजस्व बाहरी ग्राहकों से उत्पन्न राजस्व को दर्शाता है। चालू वर्ष में कोई अंतर—खंड बिक्री नहीं हुई (पिछले वर्ष: शून्य)।

43.2.2. खंड लाभ वित्त लागत और ब्याज/लाभांश आय जैसी अन्य आय को छोड़कर प्रत्येक खंड द्वारा अर्जित कर से पहले लाभ को दर्शाता है। यह संसाधन आवंटन और खंड प्रदर्शन के आकलन के प्रयोजनों के लिए मुख्य प्रचालन निर्णय निर्माता को रिपोर्ट किया गया उपाय है।

### 43.3 खंड परिसंपत्तियाँ और देयताएँ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को ^
खंड परिसंपत्तियाँ		
अपतट	1,904,557.54	1,528,242.90
अभितट	786,470.50	734,526.53
<b>कुल खंड परिसंपत्तियाँ</b>	<b>2,691,028.04</b>	<b>2,262,769.43</b>
अनाबंटित	1,769,180.86	1,436,014.27
<b>कुल खंड परिसंपत्तियाँ</b>	<b>4,460,208.90</b>	<b>3,698,783.70</b>
खंड देयताएँ		
अपतट	826,087.76	551,996.87
अभितट	193,182.13	176,394.76
<b>कुल खंड देयताएँ</b>	<b>1,019,269.89</b>	<b>728,391.63</b>
अनाबंटित	381,173.89	370,668.91
<b>कुल देयताएँ</b>	<b>1,400,443.78</b>	<b>1,099,060.54</b>

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

उपर्युक्त खंडों का उपयोग प्रदर्शन की निगरानी और संसाधनों के आवंटन के उद्देश्य से किया जाता है।

43.3.1. सभी परिसंपत्तियों को सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों, अन्य निवेशों, ऋणों और चालू और स्थगित कर परिसंपत्तियों में निवेश के अलावा रिपोर्ट करने योग्य खंडों में आवंटित किया जाता है।

43.3.2. सभी देनदारियों को उधार, चालू और स्थगित कर देनदारियों के अलावा रिपोर्ट करने योग्य खंडों में आवंटित किया जाता है।

43.3.3. खंड राजस्व, परिणाम, परिसंपत्तियां और देनदारियों में प्रत्येक खंड के लिए पहचान योग्य संबंधित राशि और उचित आधार पर आवंटित राशि शामिल है। गैर-आवंटित व्यय में सभी खंडों के लिए किए गए सामान्य व्यय और निगमित स्तर पर किए गए व्यय शामिल हैं। वित्त लागत में खंड को आवंटित नहीं किए गए विधिटित प्रावधानों पर छूट की समाप्ति शामिल है।

#### 43.4 अन्य जानकारी

(₹ मिलियन में)

विवरण	मूल्यवास, हास और परिशोधन		अन्य गैर-नकद मद्दें— हानि और अपलेखन	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष <sup>^</sup>	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अपतटीय	149,127.74	120,551.57	18,023.87	19,207.83
तटवर्ती	64,941.06	60,655.59	11,894.53	13,704.63
आवंटित नहीं की गई	1,674.38	1,785.91	(304.53)	38.37
	<b>215,743.18</b>	<b>182,993.07</b>	<b>29,613.87</b>	<b>32,950.83</b>

<sup>^</sup> पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

#### 43.5 टूट-फूट से हानि (टिप्पणी संख्या 47 देखें)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अपतट	(12,059.94)	(12,969.73)
अमितट	1,273.86	(1,827.82)
	<b>(10,786.08)</b>	<b>(14,797.55)</b>

#### 43.5.1 असाधारण मद्दें (टिप्पणी संख्या 24.4 देखें)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अपतट	-	50,810.33
अमितट	-	41,540.81
	<b>-</b>	<b>92,351.14</b>

#### 43.6 गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों में वृद्धि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष <sup>^</sup>
अपतट	365,891.20	71,412.89
अमितट	45,443.22	20,151.89
अनावंटित नहीं की गई	1,960.86	336.32
<b>कुल</b>	<b>413,295.28</b>	<b>91,901.10</b>

<sup>^</sup> पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें



#### 43.7. प्रमुख ग्राहकों के बारे में जानकारी

कंपनी का महत्वपूर्ण राजस्व (90% से अधिक) सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों को बिक्री से प्राप्त होता है। ऐसी कंपनियों को कुल बिक्री 2023–24 में ₹ 1,266,604.58 मिलियन और 2022–23 में ₹ 1,385,309.74 मिलियन थी। 2023–24 और 2022–23 के लिए किसी अन्य एकल ग्राहक ने कंपनी के राजस्व में 10% या उससे अधिक का योगदान नहीं दिया।

#### 43.8. भौगोलिक क्षेत्रों के बारे में जानकारी:

कंपनी भारत में स्थित है। बाहरी ग्राहकों से उत्पादों की बिक्री से प्राप्त राजस्व की राशि ग्राहकों के स्थान के अनुसार नीचे सारणीबद्ध की गई है:

(₹ मिलियन में)

स्थान	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
भारत	1,318,089.71	1,484,018.42
अन्य देश (एसईजे१ सहित)	59,651.95	63,522.93
<b>कुल</b>	<b>1,377,741.66</b>	<b>1,547,541.35</b>

वित्तीय साधनों, आस्थगित कर परिसंपत्तियों, रोजगार—पश्चात लाभ परिसंपत्तियों के अलावा अन्य गैर—वर्तमान परिसंपत्तियों का योग, परिसंपत्तियों के स्थान के अनुसार नीचे दर्शाया गया है:

(₹ मिलियन में)

स्थान	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ^
भारत	2,331,601.42	1,918,306.14
अन्य देश	-	-
<b>कुल</b>	<b>2,331,601.42</b>	<b>1,918,306.14</b>

^ पुनःकथित, टिप्पणी संख्या 54 देखें

#### 43.9. उत्पादों और सेवाओं के बारे में जानकारी:

कंपनी कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री से अपना राजस्व अर्जित करती है। प्रत्येक उत्पाद के बारे में बाहरी ग्राहकों से प्राप्त राजस्व की जानकारी टिप्पणी संख्या 30.4 में दी गई है।



## 44. संबंधित पक्ष प्रकटीकरण

44.1. संबंधित पक्षों का नाम और संबंधों का विवरण:

### क. सहायक कंपनियां

1. ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)

1.1. ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. (ओएनजीबीवी)

1.1.1. ओएनजीसी कैम्पोस लिमिटेड

1.1.2. ओएनजीसी नाइल गंगा (सैन क्रिस्टोबल) बी.वी.

1.2. ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)

1.3. ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)

1.4. ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड

1.5. कैराबोबो वन एवी

1.5.1. पेट्रो कैराबोबो गंगा बी.वी.

1.6. इंपीरियल एनर्जी लिमिटेड

1.6.1. इंपीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड

1.6.2. इंपीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड

1.6.3. इंपीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड

1.6.4. वियानकस होल्डिंग्स लिमिटेड

1.6.5. रेडविलफ होल्डिंग्स लिमिटेड

1.6.6. इंपीरियल फ्रैक सर्विसेज (साइप्रस) लिमिटेड

1.6.7. सैन एजियो इच्वेस्टमेंट्स लिमिटेड

1.6.8. एलएलसी सिबिन्टरनेफट \*

1.6.9. एलएलसी अलायंसनेफटेगाज

1.6.10. एलएलसी नॉर्ड इंपीरियल

1.6.11. एलएलसी रस इंपीरियल ग्रुप

1.6.12. एलएलसी इंपीरियल फ्रैक सर्विसेज

1.7. ब्यास रोवुमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड

1.8. ओएनजीसी विदेश रोवुमा लिमिटेड

1.9. ओएनजीसी विदेश अटलांटिक इंक.

1.10. ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड

1.10.1. ओएनजीसी विदेश वैकोरनेफट प्राइवेट लिमिटेड

1.11. इंडस ईस्ट मेडिटेरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड (14.11.2023 से परिसमाप्त)

1.12. ओवीएल ओवरसीज आईएफएससी लिमिटेड (07 दिसंबर, 2023 को निगमित)

2. मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)

3. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)

3.1. प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड

3.1.1. प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड

3.2. एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड

3.3. एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेडसीओ

3.4. एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड (एचपीसीएलएनजी) जिसे पहले एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचएसईपीएल) के नाम से जाना जाता था

3.5. एचपीसीएल रिन्यूएबल एंड ग्रीन एनर्जी लिमिटेड

4. पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड

5. ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (27.02.2024 को कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में शामिल)

6. ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट

### ख. संयुक्त उद्यम

1. मंगलोर एसईजेड लिमिटेड (एमएसईजेड)

2. ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड (ओपीएएल)

3. ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)

4. ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)

5. दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)

6. इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)

7. ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)

8. मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड, कोलंबिया (ओवीएल के माध्यम से)

9. हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी., नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)

10. शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)

11. हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल)

12. एचपीओआईएल गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)

13. एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)



14. साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
15. एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
16. गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
17. पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से, 30 अगस्त, 2018 से खैचिक समापन की प्रक्रिया में)
18. मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
19. आवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
20. भाग्यनगर गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
21. रत्नागिरि रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
22. आईएचबी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
- ग. सहायक कंपनियां
1. पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)
2. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)
3. रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड
4. पेट्रो कैराबोबो एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
5. कैराबोबो इंजीनिएरिया वाई कॉन्स्ट्रक्शंस, एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
6. पेट्रोलेरा इंडोवेनेज़ोलाना एसए, वेनेजुएला (ओवीएल)
7. साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड, हांगकांग (ओवीएल के माध्यम से)
8. तांबा बीवी, नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
9. जैएससी वैंकोरनेफ्ट, रूस (ओवीएल के माध्यम से)
10. फाल्कन ऑयल एंड गैस बीवी, नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
11. भारत एनर्जी ऑफिस एलएलसी, रूस (ओएनजीसी विदेश सिंगापुर पीटीई लिमिटेड—ओवीएल के माध्यम से)
12. मोज एलएनजी1 होलिंग कंपनी लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)
13. जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
14. जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
- घ. ट्रस्ट (सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी लाभ ट्रस्ट सहित) जिसमें ओएनजीसी का नियंत्रण है
1. ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट
2. ओएनजीसी सीएसएसएस ट्रस्ट
3. ओएनजीसी सहयोग ट्रस्ट
4. ओएनजीसी पीआरबीएस ट्रस्ट
5. ओएनजीसी ग्रेच्युटी फंड
6. ओएनजीसी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट ट्रस्ट
7. ओएनजीसी एनर्जी सेंटर
8. ओएनजीसी फाउंडेशन
9. एमआरपीएल ग्रेच्युटी फंड ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)
10. एमआरपीएल भविष्य निधि ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)
11. एमआरपीएल एजुकेशन ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)
12. एमआरपीएल जनसेवा ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)
13. उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन, (एचपीसीएल के माध्यम से)
14. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड प्रोविडेंट फंड
15. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड कर्मचारी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट फंड
16. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी आश्वासन योजना
17. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड कर्मचारी सुपरएनुएशन बेनिफिट फंड योजना
- ड. शीर्ष प्रबंधन कार्मिक
- ड.1 पूर्णकालिक निदेशक
1. श्री अरुण कुमार सिंह, अध्यक्ष एवं सीईओ तथा 01 अगस्त, 2023 से निदेशक (रणनीति एवं निगमित मामले) के रूप में अतिरिक्त प्रभार
2. श्री ओ.पी. सिंह, निदेशक (प्रौ. एवं क्षे. से.)
3. श्री पंकज कुमार, निदेशक (उत्पादन) तथा अतिरिक्त प्रभार निदेशक (मानव संसाधन) (04.05.2023 तक)
4. सुश्री पोमिला जसपाल, निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) (31.01.2024 तक)
5. सुश्री सुषमा रावत, निदेशक (अन्वेषण)
6. श्री मनीष पाटील, निदेशक (मानव संसाधन) (05.05.2023 से) तथा अतिरिक्त प्रभार निदेशक (वित्त) (01.02.2024 से)

## ड.2. कंपनी सचिव

1. श्री रजनी कांत, कंपनी सचिव

## ड.2. मुख्य वित्तीय अधिकारी

1. श्री के.सी. रमेश (10.02.2024 से प्रभावी)

## ड.3. स्वतंत्र निदेशक

1. श्री श्यामचंद घोष

2. श्री वी अजीत कुमार राजू

3. श्री मनीष पारीक

4. सुश्री रीना जेटली

5. डॉ. प्रभास्कर राय

6. डॉ. माधव सिंह सरकार

## ड.4. सरकार द्वारा नामित – निदेशक

1. श्री प्रवीण मल खनूजा

\*ओपीएल समूह के पास इंग्रिजियल एनजी के माध्यम से स्टेप डाउन सक्रियाएँ एलएलसी सिविन्टरनेपट ("एसआईबी") की पंजीकृत पूँजी में 55.9% हिस्सा था। ओपीएल ने एसआईबी से सदस्यता वापस ले ली है और 26 सितंबर, 2023 को रूस के कर प्राधिकरण को आवेदन देकर अपना हिस्सा सरेंडर कर दिया है, जिसे कर प्राधिकरण ने 03 अक्टूबर, 2023 को स्वीकार कर लिया। इसलिए, 26 सितंबर, 2023 से एसआईबी समूह का सदस्य नहीं है।"

#ओएनजीसी स्टार्ट-अप फंड ट्रस्ट (टिप्पणी 11.1.4 देखें)

^ एचपीसीएल के बोर्ड ने 18 जुलाई, 2023 को आयोजित अपनी बैठक में उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन को बंद करने की मंजूरी दे दी है।

## 44.2 लेनदेन का विवरण:

### 44.2.1 सहायक कंपनियों के साथ लेनदेन

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(i)	उत्पादों की बिक्री:			
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	कच्चे तेल की बिक्री	152,966.95	118,133.11
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री	231,751.71	244,949.41
(ii)	उत्पाद की खरीद:			
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	पेट्रोलियम तेल और स्नेहक/हाई स्पीड डीजल की खरीद	7,329.54	9,403.30
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोलियम तेल और स्नेहक/हाई स्पीड डीजल की खरीद	1,627.81	1,679.37
(iii)	से प्राप्त सेवाएँ:			
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	व्यय की प्रतिपूर्ति	0.69	-
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	प्रचालन एवं रखरखाव सेवाएँ	22.88	-
	ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड	कार्यालय का किराया	163.95	929.05
(iv)	इनको प्रदान की गई सेवाएँ:			
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	कार्यालय का पट्टा और रखरखाव	43.53	61.24
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	गारंटी शुल्क	16.00	35.64
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	मानवशक्ति प्रतिनियुक्ति और अन्य प्रतिपूर्ति	2.23	2.17
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	व्यय की प्रतिपूर्ति	462.49	574.17
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	गारंटी शुल्क (ओवल)	196.44	552.72
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	गारंटी शुल्क (बीआरईएमएल)	4.80	5.81
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	कार्यालय का किराया	0.12	0.10
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	अन्य व्यय	1.47	39.14
	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड	व्यय की प्रतिपूर्ति	9.13	



(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(v)	निवेश			
	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	इकिवटी शेयरों में निवेश	0.21	-
	ओएनजीसी स्टार्टअप ट्रस्ट फंड	यूनिटों में निवेश	100.00	-
(vi)	मानित निवेश – गैर नकद लेनदेन (भारतीय लेखांकन मानक उचित मूल्यांकन):			
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	ओवीएल की ओर से ओएनजीसी द्वारा वित्तीय गारंटी जारी करने पर मान्य पूँजी अंशदान	424.10	-
	मंगलोर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	ब्याज की वित्तीय गारंटी के लिए माना इकिवटी निवेश	11.77	9.83
(vii)	लाभांश और ब्याज आय:			
	मंगलोर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	लाभांश आय	1,255.35	-
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	लाभांश आय	750.00	4,800.00
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	लाभांश आय	11,682.68	10,903.84
	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	लाभांश आय	448.57	403.27
(viii)	गैर-नकद लेनदेन (भारतीय लेखांकन मानक उचित मूल्यांकन):			
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	वित्तीय गारंटी (ओवीएल) के संबंध में गारंटी शुल्क	458.93	427.69
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	वित्तीय गारंटी (ओवीएल) के संबंध में गारंटी शुल्क	3.02	2.47
(ix)	दी गई प्रतिबद्धताएँ:			
	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड	इकिवटी शेयरों की सदस्यता	10.00	-

## 44.2.2 सहायक कंपनियों के पास बकाया शेष)

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	वर्ष 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(i)	प्राप्य राशि:			
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	14,733.91	13,809.60
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	अन्य प्राप्य	250.04	273.74
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	गारंटी शुल्क (ओवीवीएल)	196.50	550.15
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	गारंटी शुल्क (ओवीआरएल)	0.43	0.76
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	गारंटी शुल्क (बीआरईएमएल)	4.44	8.59
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	21,708.91	13,363.83
	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड	अन्य प्राप्य	9.13	-
(ii)	देय राशि:			
	मंगलोर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	व्यापार देयताएं	822.71	521.99
	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	व्यापार देय	120.33	114.21
	प्राइज पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल की सहायक कंपनी)	व्यापार देय	-	-
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	अन्य देय	147.55	150.06

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	वर्ष 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(iii)	सहायक कंपनियों की ओर से जारी निगमित वित्तीय गारंटी:			
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (इसकी सहायक कंपनियों सहित)	वित्तीय गारंटी का मूल्य	401,496.85	399,201.49
	मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	वित्तीय गारंटी का मूल्य	21,236.79	-
(iv)	प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट मूल्य:			
	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	कार्य-निष्पादन की गारंटी	8,727.79	8,601.11

#### 44.2.3 संयुक्त उद्यमों के साथ लेन-देन

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(i)	उत्पादों की बिक्री:			
	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	7,802.99	7,955.16
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	प्राकृतिक गैस, नेपथा और सी 2–सी3 की बिक्री	69,055.76	70,572.36
	एचपी ऑयल गैस प्राइवेट लिमिटेड-हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का संयुक्त उद्यम	प्राकृतिक गैस की बिक्री	35.75	-
	अवंतिका गैस लिमिटेड-हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का संयुक्त उद्यम	प्राकृतिक गैस की बिक्री	11.65	-
(ii)	इनसे प्राप्त सेवाएँ:			
	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	जैव-उपचार और अन्य सेवाएँ	490.72	375.86
	दहेज एसईजेड लिमिटेड	एसईजेड भूमि के लिए पट्टा किराया और पाइपलाइन के लिए आरओयू शुल्क	22.03	19.88
(iii)	निम्नलिखित को प्रदान की गई सेवाएँ:			
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति	13.74	
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	पाइपलाइन के लिए आरओयू शुल्क प्राप्त हुआ	0.44	0.44
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	प्रचालन और रखरखाव शुल्क	37.14	110.67
	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	क्षेत्र अध्ययन शुल्क और किराया	0.50	0.60
	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति	-	0.09
	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	कार्यालय स्थान के लिए किराया	27.44	24.44
	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति	37.27	39.90
(iv)	ऋण और अग्रिम			
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	भूमि हस्तांतरण के लिए प्राप्त अग्रिम राशि	-	17.30
	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	सुरक्षा जमा	5.34	-
(v)	इकिवटी शेयरों की सदस्यता			
	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	इकिवटी में सदस्यता	243.60	1,130.00



(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(vi)	से लाभांश आयः			
	ओएनजीसी ट्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	लाभांश आय	448.00	392.00
	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	लाभांश आय	-	12.50
(vii)	मान्य निवेश गैर-नकद लेनदेन (भारतीय लेखांकन मानक उचित मूल्यांकनः)			
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	समझे गए इकिवटी निवेश – वित्तीय गारंटी दायित्व और अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर पर व्याज के लिए वित्तीय गारंटी	20.78	22.74
	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	समझे गए इकिवटी निवेश – वित्तीय गारंटी दायित्व और अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर पर व्याज के लिए वित्तीय गारंटी	42.82	7.68

## 44.2.4 संयुक्त उद्यमों के पास बकाया शेष

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(i)	प्राप्य राशि:			
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	2,912.26	3,732.06
	ओएनजीसी ट्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	380.67	393.44
	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	2.83	3.16
(ii)	देय राशि:			
	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	व्यापार देय	73.83	62.36
	ओएनजीसी ट्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	व्यापार देय और अन्य देय	5.34	-
(iii)	बकाया अग्रिमः			
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	आवंटन लंबित होने पर ओपीएल / 9.75 के शेयर वारंट के लिए इकिवटी/सब्सक्रिप्शन के विरुद्ध अग्रिम	33,649.59	33,649.59
(iv)	प्रतिबद्धताएँ:			
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	शेयर वारंट की अवैतनिक सदस्यता	862.81	862.81
		अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के लिए बैकस्टॉपिंग समर्थन— अर्जित व्याज	2,212.45	1,766.85
	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	आईजीजीएल द्वारा ओआईडीबी से लिया गया ऋण	1,320.00	200.00
(v)	सुविधा पत्रः			
	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	बांड/गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर/सावधि ऋण/या ऐसे ऋण उपकरणों के विरुद्ध सुविधा पत्र	100,000.00	100,000.00

## 44.2.5 सहयोगियों के साथ लेन-देन

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(i) से प्राप्त सेवाएँ:				
	पवन हंस लिमिटेड	हेलीकॉप्टर सेवाओं को किराये पर लेना	1,183.60	1,342.06
	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	एलएनजी की खरीद (सीमा शुल्क के बाद)	22,399.81	15,472.58
	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	सुविधा शुल्क	1,196.49	555.47
(ii) प्रदत्त सेवाएँ:				
	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	विविध शुल्क	-	0.14
(iii) से प्राप्त आय:				
	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	लाभांश आय	1,875.00	2,156.25

## 44.2.6 सहयोगियों के पास बकाया शेष

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(i) प्राप्त राशि:				
	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्त	-	0.16
(ii) देय राशि:				
	पवन हंस लिमिटेड	व्यापार देय	307.14	129.27
	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	व्यापार देय	1,060.68	1,869.79

## 44.2.7 न्यास के साथ लेनदेन

(₹ मिलियन में)

	संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(i) भुगतान का प्रेषण:				
	ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट	योगदान	11,314.11	11,605.08
	ओएनजीसी सीएसएसएस ट्रस्ट	योगदान	1,194.82	2,209.08
	ओएनजीसी सहयोग ट्रस्ट	योगदान	42.22	43.60
	ओएनजीसी पीआरबीएस ट्रस्ट	योगदान	8,996.97	8,983.56
	ओएनजीसी ग्रेच्युटी ट्रस्ट	योगदान	306.20	423.45
(ii) ट्रस्ट की ओर से किए गए ग्रेच्युटी भुगतान की प्रतिपूर्ति:				
	क) ओएनजीसी ग्रेच्युटी फंड	प्रतिपूर्ति	3,055.11	4,545.17
(iii) प्रदान की गई सेवाएँ:				
	ओएनजीसी ऊर्जा केंद्र	किराये से होने वाली आय	3.57	3.24
(iv) ट्रस्ट में योगदान				
	ओएनजीसी ऊर्जा केंद्र	अनुसंधान एवं विकास	100.00	195.00
	ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट	निवेश	-	250.00
	ओएनजीसी फाउंडेशन	सीएसआर गतिविधियों के लिए	2,263.53	1,496.19



#### 44.2.8 शीर्ष प्रबंधन कर्मियों का मुआवजा

(क) पूर्णकालिक निदेशक और कंपनी सचिव

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अल्पावधि कर्मचारी लाभ	54.26	57.48
नौकरी के बाद के लाभ	7.87	6.15
दीघावधि लाभ	3.44	2.97
<b>कुल</b>	<b>65.57</b>	<b>66.60</b>

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
प्राप्य राशि	1.95	0.47
देय राशि	15.75	5.68

(ख) स्वतंत्र निदेशक

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
बैठने का शुल्क	8.77	8.04
<b>कुल</b>	<b>8.77</b>	<b>8.04</b>

#### 44.3 सरकार से संबंधित कंपनियों के संबंध में प्रकटीकरण

44.3.1 सरकार से संबंधित कंपनियों का नाम और संबंध का विवरण जिसमें महत्वपूर्ण मात्रा में लेनदेन किया गया:

क्र. सं.	सरकार से संबंधित संस्थाएं	संबंध
1.	इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
2.	गोल (इंडिया) लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
3.	भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
4.	चेन्नै पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
5.	नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
6.	कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
7.	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
8.	यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
9.	भारत संचार निगम लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
10.	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
11.	बॉमर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
12.	शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू

क्रं सं.	सरकार से संबंधित संस्थाएं	संबंध
13.	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
14.	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
15.	भारत पंप एंड कंप्रेसर लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
16.	ऑयल इंडिया लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
17.	कोल इंडिया लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
18.	नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
19.	भारतीय जीवन बीमा निगम	केंद्रीय पीएसयू

#### 44.3.2 सरकार से संबंधित कंपनियों के साथ लेनदेन

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के दौरान उत्पादों और अन्य सेवाओं की बिक्री:			
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल, सी—सी <sub>2</sub> , एसकेओ, एचएसडी, एलपीजी और संबंधित सेवाओं की बिक्री	283,215.31	449,191.91
भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल, सी—सी <sub>2</sub> , एसकेओ, एचएसडी और एलपीजी की बिक्री	183,158.74	173,920.40
चेन्नै पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल की बिक्री	75,335.04	102,464.42
नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	कच्चे तेल की बिक्री	34,787.16	49,426.79
कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	कच्चे तेल की बिक्री	6,481.48	-
गेल (इंडिया) लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	294,115.01	327,876.27
ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	912.22	1,049.90
नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल, सी—सी <sub>2</sub> , एसकेओ, एचएसडी, एलपीजी और संबंधित सेवाओं की बिक्री	1,578.47	1,669.55
वर्ष के दौरान उत्पादों की खरीद:			
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल तेल और स्नेहक की खरीद	2,402.65	1,765.33
भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल तेल और स्नेहक की खरीद	537.68	5,453.95
गेल (इंडिया) लिमिटेड	एलएनजी की खरीद	4,276.05	11,532.31
भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	वेधन रिंग से संबंधित वस्तुओं की खरीद जिसमें स्पेयर पाटर्स और संबंधित सेवाएं शामिल हैं	1,746.41	2,030.99
नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	एचएसडी की खरीद	175.45	14.04
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	पूँजीगत वस्तुओं की खरीद	85.08	308.75
इनसे प्राप्त सेवाएँ:			
यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	1,869.35	2,359.22



(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ के लिए धन प्रेषण	3,846.98	29,269.91
बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड	योजना, छुट्टी नकदीकरण और अन्य	1,454.22	1,373.65
शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया	यात्रा व्यय	94.50	5,135.54
ऑयल इंडिया लिमिटेड	जहाजों को किराए पर लेना	350.58	181.69
लाभांश आय प्राप्त हुई:			
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	लाभांश आय	16,046.58	4,813.97
गेल (इंडिया) लिमिटेड	लाभांश आय	1,796.94	1,524.68
प्राप्ति योग्य राशि:			
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	24,442.82	24,707.02
भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	17,661.19	9,434.05
चेन्नै पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	8,961.70	4,470.73
नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	3,497.19	2,882.79
गेल (इंडिया) लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	17,088.86	23,271.37
ऑयल इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	23.08	371.96
ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	27.65	69.40
कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	3,084.70	-
कोल इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	64.86	992.37
भारतीय जीवन बीमा निगम	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना के तहत प्राप्ति	8,579.42	3,990.86
देय राशि:			
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	37.15	96.79
भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	39.76	674.02
गेल (इंडिया) लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	157.46	321.02
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	87.16	424.89
बॉमर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	69.44	56.09
शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	1,434.77	1,905.08
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	74.65	91.32
ऑयल इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्ति	13.11	580.93
भारतीय जीवन बीमा निगम	व्यापार और अन्य प्राप्ति	121.75	79.64

सरकार से संबंधित संस्थाओं के साथ उपरोक्त लेन-देन में वे लेन-देन शामिल हैं जो व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। कंपनी ने उपर्युक्त और अन्य विभिन्न सरकारी संबंधित कंपिनयों के साथ टेलीफोन व्यय, हवाई यात्रा, ईंधन खरीद और जमा आदि जैसे अन्य लेन-देन भी किए हैं। ये लेन-देन व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वहीन हैं और इसलिए इनका खुलासा नहीं किया गया है।

## 45 वित्तीय साधन प्रकटीकरण

### 45.1. पूंजी प्रबंधन

#### पूंजी प्रबंधन करते समय कंपनी का उद्देश्य है:

चालू व्यवसाय के रूप में जारी रहने की अपनी क्षमता की रक्षा करना ताकि कंपनी हितधारकों को अधिकतम लाभ और अन्य हितधारकों को लाभ प्रदान करने में सक्षम हो सके; और

पूंजी की लागत को कम करने के लिए एक इष्टतम पूंजी संरचना बनाए रखना।

कंपनी शेयरधारकों के लिए मूल्य वृद्धि की खोज का समर्थन करने के लिए अपने वित्तीय ढांचे को बनाए रखती है, जबकि एक सुरक्षित वित्तीय आधार सुनिश्चित करती है। पूंजी संरचना को बनाए रखने या समायोजित करने के लिए, कंपनी शेयरधारकों को लाभांश की राशि

समायोजित कर सकती है, शेयरधारकों को पूंजी वापस कर सकती है, नए शेयर जारी कर सकती है या ऋण कम करने के लिए संपत्ति बेच सकती है।

कंपनी की पूंजी संरचना में कुल इकिवटी शामिल है (टिप्पणी संख्या 20 और 21 देखें)। कंपनी किसी भी बाहरी रूप से लगाई गई पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है।

कंपनी का प्रबंधन नियमित आधार पर पूंजी संरचना की समीक्षा करता है। इस समीक्षा के हिस्से के रूप में, समिति पूंजी की लागत, पूंजी आवश्यकताओं के प्रत्येक वर्ग से जुड़े जोखिमों और पर्याप्त तरलता के रखरखाव पर विचार करती है।

#### 45.1.1. गियरिंग अनुपात

कंपनी के पास बकाया चालू और गैर-चालू उधार / ऋण है। तदनुसार, गियरिंग अनुपात निम्नानुसार निकाला जाता है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
वर्तमान ऋण (टिप्पणी संख्या 27)	21,210.00	32,689.47
गैर-वर्तमान ऋण (टिप्पणी संख्या 27)	39,882.48	39,499.32
नकद एवं बैंक शेष	300,313.00	216,340.46
शुद्ध ऋण	-	-
कुल इकिवटी	3,059,765.12	2,578,458.41
शुद्ध ऋण-इकिवटी अनुपात	-*	-*

\* 31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 को कंपनी का नकद और बैंक शेष उसके कुल उधार से अधिक है। इसलिए, गियरिंग अनुपात को शून्य माना जाता है।

### 45.2 वित्तीय साधनों की श्रेणियाँ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
वित्तीय परिसंपत्तियाँ		
लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई (एफ वीटीपीएल)		
(क) वैकल्पिक निवेश कोष में निवेश *	-*	594.21
(ख) अन्य इकिवटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश (अप्रकाशित)	0.01	0.01
परिशोधित लागत पर मापा गया		
(क) भारत सरकार के विशेष बौन्ड में निवेश	1,975.08	1,975.08
(ख) व्यापार और अन्य प्राप्य	114,097.42	102,503.05
(ग) नकद और नकद समकक्ष	345.48	771.94
(घ) अन्य बैंक शेष	299,967.52	215,568.52
(ड) साइट बहाली निधि के तहत जमा	282,055.43	264,105.99



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
(च) ऋण	22,098.79	19,556.72
(छ) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	86,730.23	73,035.54
<b>वीटीओसीआई पर मापी गई</b>		
(क) इकिवटी उपकरणों में निवेश (टिप्पणी संख्या 11.1.7 और 11.1.8)	395,665.73	190,644.77
<b>वित्तीय देयताएँ</b>		
<b>परिशोधित लागत पर मापी गई</b>		
(क) अल्पकालिक उधारी	21,210.00	32,689.47
(ख) दीर्घकालिक उधारी	39,882.48	39,499.32
(ग) व्यापार देय	63,820.89	62,555.96
(घ) अन्य वित्तीय देयताएँ		
i. अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर	76,352.06	75,725.94
ii. वित्तीय गारंटी अनुबंध	820.00	740.09
iii. अन्य	119,729.52	149,204.85
(ड) लीज देयताएँ	290,302.13	88,828.77

\* वर्ष के दौरान, कंपनी ने ओएनजीसी स्टार्टअप फंड ट्रस्ट (वैकल्पिक निवेश निधि श्रेणी ८ के रूप में सेवी के साथ पंजीकृत) की अतिरिक्त 10,000,000 यूनिटें (पिछले वर्ष 15,000,000 यूनिटें) सब्सक्राइब की हैं, जिनकी कुल कीमत ₹ 100 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 150 मिलियन) है। (टिप्पणी 11.1.4 देखें)

ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट (नियंत्रित इकाई) को वित्त वर्ष 2022–23 तक लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के जरिए उचित मूल्य वाले अन्य निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। स्टार्ट-अप कंपनियों में अंतर्निहित निवेशों के उचित मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए इसे वित्त वर्ष 2023–24 से भारतीय लेखांकन मानक 110 के अनुसार सहायक कंपनी में निवेश के रूप में वर्गीकृत किया गया है। कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति(यों) या संस्था(यों) को, जिसमें विदेशी संस्थाएं ("मध्यस्थ") शामिल हैं, कोई भी धनराशि अग्रिम, ऋण या निवेश (या तो उधार ली गई निधियों या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या निधियों के प्रकार से) नहीं दी गई है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ कंपनी द्वारा या उसकी ओर से पहचाने गए पक्ष (अंतिम लाभार्थी) को उधार देगा या निवेश करेगा। कंपनी को किसी भी पार्टी (फॉर्डिंग पार्टी) से कोई फंड नहीं मिला है, इस समझ के साथ कि कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी द्वारा या उसकी ओर से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं ("अंतिम लाभार्थी") को उधार देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थीयों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई चीज़ प्रदान करेगी।"

**45.3. वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य** यह सुनिश्चित करते हुए कि कंपनी की प्रचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता है, कंपनी जोखिमों की डिग्री और परिमाण के आधार पर जोखिमों का विश्लेषण करके कंपनी के प्रचालन से संबंधित प्रमुख वित्तीय जोखिमों की निगरानी और प्रबंधन भी करती है। इन जोखिमों में क्रेडिट जोखिम, तरलता जोखिम और बाजार जोखिम (मुद्रा जोखिम और मूल्य जोखिम सहित) शामिल हैं। वर्ष के दौरान, कंपनी की तरलता स्थिति आरामदायक थी। अल्पकालिक कार्यशील पूँजी/घाटे की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न बैंकों के पास उपलब्ध ऋण/अल्पकालिक ऋण की लाइनें फंड आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त थीं। कंपनी के पास वाणिज्यिक पत्र के माध्यम से धन जुटाने के लिए ₹ 100,000 मिलियन की समग्र सीमा भी है। नकदी प्रवाह/तरलता स्थिति की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है।

#### 45.4. ऋण जोखिम प्रबंधन

ऋण जोखिम नकदी और नकद समकक्षों, परिशोधित लागत पर किए गए निवेशों और बैंकों के साथ-साथ ग्राहकों के पास जमा राशियों से उत्पन्न होता है,

जिसमें प्राप्य राशियाँ भी शामिल हैं। ऋण जोखिम प्रबंधन बाहरी ऋण रेटिंग (जहाँ तक उपलब्ध हो), मैक्रो-इकोनॉमिक जानकारी (जैसे विनियामक परिवर्तन, सरकारी निर्देश, बाजार ब्याज दर) जैसे संकेतकों सहित उपलब्ध उचित और सहायक अग्रगामी जानकारी पर विचार करता है।

प्रमुख ग्राहक, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसी) और उच्चतम ऋण रेटिंग वाली गैस कंपनियाँ, नगण्य ऋण जोखिम रखती हैं। वर्ष के दौरान किसी भी समय किसी अन्य प्रतिपक्ष के लिए ऋण जोखिम की सांद्रता कुल मौद्रिक परिसंपत्तियों के 2.35: (पिछले वर्ष 5.00:) से अधिक नहीं थी।

ऋण जोखिम का प्रबंधन अधिशेष निधियों के निवेश के लिए प्रतिपक्ष सीमाओं द्वारा किया जाता है, जिसकी प्रबंधन द्वारा समीक्षा की जाती है। लिविंड प्लान/योजनाओं में निवेश सार्वजनिक क्षेत्र की एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के पास है, जिनकी रेटिंग सबसे अधिक है। बैंकों के लिए, जमाराशियों के प्लेसमेंट के लिए केवल उच्च रेटिंग वाले बैंकों पर विचार किया जाता है। बैंक बैलेंस प्रतिष्ठित और क्रेडिट योग्य बैंकिंग संस्थानों के पास रखे जाते हैं।

कंपनी, सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों की ओर से बैंकों/विक्रेताओं को दी गई वित्तीय गारंटी के संबंध में डिफॉल्ट जोखिम के संपर्क में है, जो कि दायित्व ग्रहण करने के लिए तीसरे पक्ष को देय अनुमानित राशि होगी। 31 मार्च, 2024 तक इस संबंध में कंपनी का अधिकतम जोखिम ₹ 426,266.10 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 401,168.34 मिलियन) है।

भारतीय लेखांकन मानक 109— वित्तीय साधनों के अनुसार, कंपनी अपने व्यापार प्राप्तियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की माप और पहचान के लिए अपेक्षित ऋण हानि ("ईसीएल") मॉडल का उपयोग करती है।

अपेक्षित ऋण हानि की गणना के उद्देश्य से, कंपनी उधारकर्ताओं की क्रेडिट रेटिंग के आधार पर डिफॉल्ट दरों की गणना करने के लिए रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण का पालन करती है और प्रासंगिक मैक्रोइकॉनॉमिक संकेतकों का उपयोग करके दूरदेशी अनुमानों को शामिल किया जाता है। डिफॉल्ट तब होता है जब प्रबंधन के दृष्टिकोण से वसूली के लिए सभी उपलब्ध विकल्पों पर विचार करने के बाद प्राप्य की वसूली की कोई महत्वपूर्ण संभावना नहीं होती है। वर्ष के दौरान परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि के लिए हानि भत्ते में उत्तर-चढ़ाव निम्नानुसार रहा:

वित्तीय परिसंपत्तियाँ	प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान बनाई गई ईसीएल	ईसीएल वापस लिखें	ईसीएल को बढ़े खाते में डाला गया / पुनर्वर्गीकरण	समापन शेष
	(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(क+ख+ग+घ)
नकद में वसूली योग्य अग्रिम राशि	16,259.11	318.62	(174.04)	-	16,403.69
जमा राशि	9.96	8.14	(0.04)	-	18.06
जेओ भागीदारों से प्राप्त नकद कॉल	8,625.43	552.30	(1.37)	-	9,176.36
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	0.10	6.25	(0.04)	-	6.32
सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम को ऋण	170.50	-	-	-	170.50
कर्मचारियों को ऋण	9.21	85.53	(0.21)	-	94.53
व्यापार प्राप्तियाँ	2,868.30	511.64	(200.50)	-	3,179.44
बैंक जमा राशि झ 12 महीने की परिपक्वता	-	20.65	-	-	20.65
<b>कुल</b>	<b>27,942.62</b>	<b>1,503.13</b>	<b>(376.20)</b>	<b>-</b>	<b>29,069.55</b>

#### 45.5 तरलता जोखिम प्रबंधन

कंपनी बैंक जमा सहित पर्याप्त नकदी और नकदी समकक्षों को बनाए रखकर तरलता जोखिम का प्रबंधन करती है और देय होने पर दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं के माध्यम से वित्तपोषण की उपलब्धता बनाए रखती है। प्रबंधन अपेक्षित नकदी प्रवाह के आधार पर तरलता स्थिति और नकदी और नकदी समकक्षों के रोलिंग पूर्वानुमानों की निगरानी करता है। इसके अलावा, तरलता प्रबंधन में वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करके और तुलन पत्र तरलता अनुपात की निगरानी करके दायित्वों को पूरा करने के लिए आवश्यक तरल परिसंपत्तियों के स्तर पर विचार करते हुए नकदी प्रवाह का अनुमान लगाना भी शामिल है।



निम्नलिखित तालिकाएँ सहमत पुनर्भुगतान अवधि के साथ अपनी गैर-व्युत्पन्न वित्तीय देयताओं के लिए कंपनी की शेष संविदात्मक परिपक्वता का विवरण देती हैं। तालिकाओं में शामिल जानकारी वित्तीय देयताओं के नकदी प्रवाह के आधार पर तैयार की गई है, जो उस शुरुआती तारीख पर आधारित है जिस पर कंपनी को भुगतान करने की आवश्यकता हो सकती है। तालिकाओं में व्याज और मूल नकदी प्रवाह दोनों शामिल हैं। संविदात्मक परिपक्वता उस शुरुआती तारीख पर आधारित है जिस पर कंपनी को भुगतान करने की आवश्यकता हो सकती है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	1 महीने से कम	1 महीना -1 वर्ष	1 वर्ष तक 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
<b>31 मार्च, 2024 को</b>					
व्यापार देय	63,820.89	-	-	-	63,820.89
ठेकेदारों और ग्राहकों से सुरक्षा जमा	2,839.20	464.00	1,283.90	7.44	4,594.54
गैर-वर्तमान ऋण #	-	-	5,000.00	34,882.48	39,882.48
लीज़ देयताएँ #	-	21,210.00	-	-	21,210.00
वर्तमान ऋण	-	76,352.06	-	-	76,352.06
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर	114,176.00	-	-	-	114,176.00
अन्य वित्तीय देयताएँ					
<b>कुल</b>	<b>180,836.09</b>	<b>98,026.06</b>	<b>6,283.90</b>	<b>34,889.92</b>	<b>610,338.10</b>
वित्तीय गारंटी दायित्व*					426,266.10
<b>31 मार्च, 2023 तक</b>					
व्यापार देय	62,555.96	-	-	-	62,555.96
ठेकेदारों और ग्राहकों से सुरक्षा जमा	2,653.33	244.18	1,425.71	35.81	4,359.03
गैर-वर्तमान ऋण #	-	-	5,000.00	34,499.32	39,499.32
लीज़ देयताएँ #	-	32,689.47	-	-	32,689.47
वर्तमान ऋण	-	75,725.94	-	-	75,725.94
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर	143,361.09	-	-	-	143,361.09
अन्य वित्तीय देयताएँ					
<b>कुल</b>	<b>208,570.38</b>	<b>108,659.59</b>	<b>6,425.71</b>	<b>34,535.13</b>	<b>447,019.58</b>
वित्तीय गारंटी दायित्व*					401,168.34

\*31 मार्च, 2024 तक सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों की ओर से बैंकों/विक्रेताओं को दी गई वित्तीय गारंटी दायित्व के संबंध में कंपनी के अधिकतम जोखिम को दर्शाता है, जो कि दायित्व ग्रहण करने के लिए तीसरे पक्ष को देय अनुमानित राशि होगी।

#लीज देनदारियों के परिपक्वता विश्लेषण के लिए टिप्पणी संख्या 41.2 देखें और गैर-वर्तमान उधार के लिए टिप्पणी संख्या 27.3 और 27.4 देखें।

कंपनी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के साथ मिलकर 27 अगस्त, 2019 को 2 बिलियन अमरीकी डॉलर का यूरो मीडियम टर्म टिप्पणी (ईएमटीएन) कार्यक्रम स्थापित किया था, जिसे इंगियरिंग स्टॉक एक्सचेंज और बाद में इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (इंडिया आईएनएक्स) में सूचीबद्ध किया गया और यह 5 दिसंबर, 2029 को परिपक्व होगा। ईएमटीएन कार्यक्रम को कंपनी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों ओएनजीसी विदेश लिमिटेड और ओएनजीसी विदेश वैकोरनेप्ट लिमिटेड के साथ मिलकर 19 अप्रैल, 2021 को ड्रॉडाउन के लिए अपडेट किया था। हालांकि, फंड की आवश्यकता की दृश्यता के आधार पर ईएमटीएन कार्यक्रम में आगे अपडेट किया जाएगा।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान निजी प्लेसमेंट के आधार पर कुल ₹ 41,400 मिलियन के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) की चार श्रृंखला जारी करके घरेलू ऋण पूँजी बाजार का दोहन किया। 31 मार्च, 2024 तक बकाया एनसीडी का विवरण टिप्पणी संख्या 27.3 के अंतर्गत दिया गया है।

अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) के लिए देयताएँ संयुक्त उद्यम कंपनी ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएएल) द्वारा जारी सीसीडी के विरुद्ध परिपक्वता प्रोफाइल को दर्शाती हैं, जिसकी राशि ₹ 77,780.00 मिलियन है।

कंपनी के पास प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं तक पहुंच है और उपयोग की जाने वाली सुविधाओं का विवरण नीचे दिया गया है। कंपनी को उम्मीद है कि वह प्रचालन नकदी प्रवाह और परिपक्व वित्तीय परिसंपत्तियों की आय से अपने अन्य दायित्वों को पूरा करेगी।

असुरक्षित बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, जिसकी वार्षिक समीक्षा की जाती है तथा मांग पर भुगतान किया जाता है:	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
उपयोग की गई राशि	-	-
उपयोग न की गई राशि #	45,000	45,000

# वर्ष के अंत में, कंपनी की व्यावसायिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नकद ऋण सीमा ₹ 45,000 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 45,000 मिलियन) थी। ₹ शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य मिलियन) की नकद ऋण सीमा का उपयोग कार्यशील पूँजी ऋण के रूप में किया गया।

इसके अलावा, वर्ष के अंत में, कंपनी ने ₹ शून्य (पिछले वर्ष ₹ 73,013.50 मिलियन) की सावधि जमा सुविधा के विरुद्ध ऋण की सुविधा की व्यवस्था की थी। इसके विरुद्ध, ₹ शून्य (पिछले वर्ष ₹ 6,289.99 मिलियन) की सावधि जमा के विरुद्ध ऋण का उपयोग किया गया।

उपर्युक्त के अलावा, कंपनी ने अन्य बैंकों के साथ 31 मार्च, 2024 तक 57,500 मिलियन ₹ (पिछले वर्ष ₹ 50,000 मिलियन) की अप्रयुक्त अल्पावधि ऋण सुविधाओं की व्यवस्था की थी।

कंपनी के पास वाणिज्यिक पत्र के माध्यम से धन जुटाने के लिए 100,000 मिलियन ₹ (पिछले वर्ष ₹ 100,000 मिलियन) की अप्रयुक्त सीमा भी थी।

## 45.6. बाजार जोखिम

बाजार जोखिम संभावित बाजार मूल्य आंदोलनों और किसी व्यवसाय के भविष्य के प्रदर्शन पर उनके प्रभाव से उत्पन्न होने वाला जोखिम या अनिश्चितता है। बाजार जोखिम के प्रमुख घटक मूल्य जोखिम, मुद्रा जोखिम और ब्याज दर जोखिम हैं।

कंपनी को अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और गैस की कीमतों के कारण होने वाले प्राथमिक कमोडिटी मूल्य जोखिम जो कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियों या अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह के मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में पर्याप्त या विस्तारित गिरावट का कंपनी के रिपोर्ट किए गए परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रबंधन ने आंतरिक और बाहरी सूचना स्रोतों के आधार पर यूकेन-रूस संघर्ष के जारी रहने के संभावित प्रभाव का आकलन किया है और प्रचालन की निरंतरता, संपत्ति संयंत्र और उपकरण के उपयोगी जीवन, परिसंपत्तियों की वसूली, व्यापार प्राप्तियों आदि और दीर्घकालिक आधार पर कंपनी

की वित्तीय स्थिति पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं होने की उम्मीद है। कंपनी लगातार मैक्रो लेवल विश्लेषण कर रही है और वैश्विक विश्लेषकों और फर्मों द्वारा की जा रही वैश्विक रिपोर्टों और विश्लेषणों पर सतर्क नज़र रख रही है।

### 45.6.1.1 मुद्रा जोखिम

कच्चे तेल की बिक्री कीमत यूनाइटेड स्टेट्स डॉलर (यूएसडी) में अंकित है, हालांकि बिल और प्राप्त भारतीय रूपए (₹) में किया जाता है। इसलिए, कंपनी मुख्य रूप से यूएसडी के मुकाबले ₹ के मूल्यवृद्धि से विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। प्राप्तियों/राजस्व और भुगतान/व्यय के कारण विदेशी मुद्रा जोखिम को निर्यात आय के माध्यम से स्वाभाविक रूप से होने वाले विपरीत जोखिमों को कम करके प्रबंधित किया जाता है, जहाँ भी संभव हो और घेरेलू बिक्री से उपलब्ध प्राकृतिक बचाव को ध्यान में रखते हुए अवशिष्ट के लिए असुरक्षित जोखिम को बहन किया जाता है।

कंपनी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गीत लेनदेन करती है और परिणामस्वरूप विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के संपर्क में रहती है। विनिमय दर जोखिम को स्वीकृत नीति मापदंडों के भीतर प्रबंधित किया जाता है।

कंपनी के पास एक विदेशी मुद्रा और ब्याज जोखिम प्रबंधन नीति (आरएमपी) है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राजस्व और तुलन-पत्र लेखों दोनों पर विदेशी मुद्रा जोखिम की उचित गणना, रिकॉर्ड और निगरानी की जाती है, जोखिम को सहनीय स्तरों तक सीमित रखा जाता है और जोखिम की रिपोर्टिंग और जोखिम प्रबंधन कार्यों के मूल्यांकन के लिए एक कुशल प्रक्रिया बनाई जाती है।

आरएमपी का प्राथमिक उद्देश्य जोखिम को सीमित करना/कम करना है और विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रबंधन के लिए उचित प्राधिकार और संरचित जिम्मेदारी के साथ एक विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन समिति (एफआरएमसी) मौजूद है। एफआरएमसी कानूनी और विनियामक ढांचे के भीतर उचित रूप से पहचान, आकलन, निगरानी और प्रबंधन/शमन करता है।

कंपनी के पास एक हेजिंग नीति है ताकि कंपनी भर में जोखिमों की पहचान और माप की जा सके, तदनुसार, शुद्ध जोखिम के आधार पर उचित हेजिंग की जा सके। कंपनी के पास स्वीकार्य जोखिम सीमा के भीतर विदेशी मुद्रा जोखिम को हेज करने के लिए एक संरचित जोखिम प्रबंधन नीति है। हेजिंग इंस्ट्रूमेंट में प्लेन वेनिला फॉर्वर्ड (प्लेन



वेनिला स्वैप सहित) और विकल्प अनुबंध शामिल हैं। एफआरएमसी बाजार की अस्थिरता, बाजार की स्थितियों, कानूनी ढांचे, वैश्विक घटनाओं और अन्य मैक्रो-आर्थिक स्थितियों के आधार पर हेजिंग उपकरणों के चयन के बारे में निर्णय लेता है और आवश्यक निर्णय लेता है। सभी निर्णय और रणनीतियां स्थीकृत विदेशी मुद्रा और ब्याज जोखिम प्रबंधन नीति के अनुरूप और उसके भीतर ली जाती हैं।

चूंकि कंपनी स्वाभाविक रूप से हेज की गई है, इसलिए शुद्ध जोखिम 500 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक होने की स्थिति में हेजिंग निर्णय शुरू हो जाते हैं। वर्ष के दौरान, कोई हेजिंग निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी क्योंकि 500 मिलियन अमरीकी डॉलर के शुद्ध जोखिम का उल्लंघन नहीं हुआ। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी की विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित मौद्रिक परिसंपत्तियों और मौद्रिक देनदारियों की वहन राशि निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

जोखिम	देयताएँ		परिसंपत्तियाँ	
	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
यू एस डी	116,148.56	115,526.62	10,037.65	8,207.15
जीबीपी	1,586.22	737.22	-	-
यूरो	932.55	1,618.05	-	-
जेपीवाई	9.60	24.04	-	-
अन्य	23.13	41.90	-	-
<b>कुल</b>	<b>118,700.06</b>	<b>117,947.83</b>	<b>10,037.65</b>	<b>8,207.15</b>

#### क) विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता विश्लेषण

कंपनी मुख्यतः यूएसडी के प्रति जोखिम में है। लाभ या हानि की संवेदनशीलता मुख्य रूप से अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित प्राप्त और देय राशियों से उत्पन्न होती है।

अमरीकी डॉलर-₹ मुद्रा जोड़ी के बीच (+/-) 5% की विनिमय दर में उचित संभावित परिवर्तनों के प्रबंधन के आकलन के अनुसार, अवधि के अंत में केवल बकाया अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों पर लाभ या हानि की संवेदनशीलता नीचे प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

वर्ष के अंत में यूएसडी संवेदनशीलता	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
संपत्तियाँ:		
₹ में 5% की कमी	501.88	410.36
₹ में 5% की मजबूती	(501.88)	(410.36)
देयताएँ:		
₹ में 5% की कमी	(5,807.43)	(5,776.33)
₹ में 5% की मजबूती	5,807.43	5,776.33

₹ और अमरीकी डॉलर मुद्रा जोड़े के बीच विनिमय दर में (+/-)

₹ 1 के परिवर्तन के प्रति प्रचालन से राजस्व (शुल्कों को छोड़कर) की संवेदनशीलता निम्नानुसार प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता (शुल्क के बाद शुद्ध)	2023–2024	2022–2023
विनिमय दर के लिए प्रचालन से राजस्व (शुद्ध शुल्क) पर प्रभाव	(+/-) 12,232.37	(+/-) 13,701.63

कंपनी की राय में, संवेदनशीलता विश्लेषण अंतर्निहित विदेशी मुद्रा जोखिम का प्रतिनिधित्व नहीं करता है क्योंकि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में जोखिम वर्ष के दौरान जोखिम को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

#### ख) फॉरवर्ड विदेशी मुद्रा अनुबंध

वर्ष के दौरान, कंपनी ने किसी भी फॉरवर्ड विदेशी मुद्रा अनुबंध में प्रवेश नहीं किया है।

#### 45.6.1.2. व्याज दर जोखिम प्रबंधन

कंपनी व्याज दर जोखिम के संपर्क में है क्योंकि कंपनी ने ओवरनाइट एम्सीएलआर, ड्रेजरी बिल, ऋण (पूँजी) बाजार, आरबीआई रेपो के लिए बैंचमार्क किए गए फंड उधार लिए हैं। व्याज दरों के लिए कंपनी के जोखिम का विवरण टिप्पणी संख्या 27 में दिया गया है।

कंपनी पचालन से उत्पन्न अधिशेष निधि को बैंकों और म्यूचुअल फंड के साथ सावधि जमा में निवेश करती है। बैंक जमा आम तौर पर 12 महीने तक की अवधि के लिए किए जाते हैं और प्रवलित बाजार व्याज दर के अनुसार व्याज दर लेते हैं। यह देखते हुए कि ये बैंक जमा अल्पकालिक प्रकृति के हैं, कोई महत्वपूर्ण व्याज दर जोखिम नहीं है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए सावधि जमा और म्यूचुअल फंड पर अर्जित औसत व्याज 7.67% प्रति वर्ष था। (पिछले वर्ष 5.98% प्रति वर्ष)।

कंपनी के निश्चित दर वाले उपकरण परिशोधित लागत पर रखे जाते हैं। इसलिए वे व्याज दर जोखिम के अधीन नहीं हैं, क्योंकि बाजार व्याज दरों में बदलाव के कारण न तो वहन राशि और न ही भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा।

#### परिवर्तनीय दर वाले उपकरणों के लिए नकदी प्रवाह संवेदनशीलता विश्लेषण

औसत व्याज दर में (+/-) 50 आधार बिंदु में परिवर्तन के लिए वित्त लागत की संवेदनशीलता निम्नानुसार प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

व्याज दर की संवेदनशीलता	2023-2024	2022-2023
वित्त लागत पर प्रभाव	(+/-) 32.13	(+/-) 7.92

#### 45.6.1.3 मूल्य जोखिम

कंपनी का मूल्य जोखिम इकिवटी शेयरों (समूह कंपनियों में निवेश के अलावा) में निवेश से उत्पन्न होता है, जो तुलन-पत्र में या तो अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर या लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर रखे और वर्गीकृत किए जाते हैं।

म्यूचुअल फंड की लिकिवड योजनाओं में कंपनी के अल्पकालिक अधिशेष फंड का निवेश मनी मार्केट सिक्योरिटीज और उच्च गुणवत्ता वाले ऋण के पोर्टफोलियो से उच्च स्तर की लिकिवडी प्रदान करता है और लिकिवडी और व्याज दर जोखिम के ट्रॉटिकोण से इसे 'कम जोखिम' वाले उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की कीमतों में बदलाव के कारण कंपनी के प्रचालन से होने वाला राजस्व भी मूल्य जोखिम के अधीन है।

#### क. मूल्य संवेदनशीलता विश्लेषण

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में इकिवटी शेयरों में निवेश के संबंध में लाभ या हानि की संवेदनशीलता

मूल्य और शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य में +/−5% परिवर्तन नीचे प्रस्तुत किया गया है:

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय में ₹ 19,783.29 मिलियन की वृद्धि/कमी होगी (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 9,532.24 मिलियन की वृद्धि/कमी होगी) जो कि एफवीटीसीओआई पर मापे गए इकिवटी निवेशों के उचित मूल्य में 5% परिवर्तन के परिणामस्वरूप होगी।

कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों (वीएपी) की कीमतों में (+/-) 1 अमरीकी डॉलर के परिवर्तन के लिए प्रचालन से राजस्व (शुद्ध शुल्क) की संवेदनशीलता

(₹ मिलियन में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता (शुद्ध शुल्क)	2023-2024	2022-2023
कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और वीएपी की कीमतों में यूएसडी के लिए प्रचालन से राजस्व (शुद्ध शुल्क) पर प्रभाव	(+/-) 55,166.29	(+/-) 54,992.82



#### 45.7 वित्तीय साधनों का उचित मूल्य मापन

45.7.1.1 कंपनी उचित मूल्य पर मापी गई परिसंपत्तियों और देयताओं को उनके मापन में प्रयुक्त इनपुट को देखने की क्षमता के आधार पर तीन स्तरों में से एक में वर्गीकृत करती है, जिन्हें निम्नानुसार वर्णित किया गया है:

- (क) स्तर 1 इनपुट समान परिसंपत्तियों या देयताओं के लिए सक्रिय बाजारों में उद्भूत मूल्य (समायोजित नहीं) हैं।
- (ख) स्तर 2 इनपुट ऐसे इनपुट हैं जो परिसंपत्ति या देयता के लिए स्तर 1 में शामिल उद्भूत मूल्यों के अलावा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अवलोकनीय हैं।
- (ग) स्तर 3 इनपुट परिसंपत्ति या देयता के लिए अवलोकनीय इनपुट नहीं हैं जो अवलोकनीय संबंधित बाजार डेटा या बाजार प्रतिभागियों द्वारा मूल्य निर्धारण के बारे में कंपनी की धारणाओं में महत्वपूर्ण संशोधनों को दर्शाते हैं।

**45.7.1.2** वर्ष के दौरान स्तर 3 इनपुट के लिए मूल्यांकन पद्धति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कंपनी ने उचित मूल्य पदानुक्रम के स्तर 3 के तहत किसी भी महत्वपूर्ण वित्तीय साधन को वर्गीकृत नहीं किया है। स्तर 3 वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं के उचित मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले अप्राप्य इनपुट में परिवर्तन की संवेदनशीलता का उनके मूल्य पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

**45.7.1.3** 31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्षों के लिए किसी भी दिशा में (यानी स्तर 1, 2 और 3 के बीच) कोई हस्तांतरण नहीं हुआ है।

**45.7.1.4** कंपनी की कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं को वित्तीय वर्ष के अंत में उचित मूल्य पर मापा जाता है। निम्न तालिका इस बारे में जानकारी देती है कि इन वित्तीय परिसंपत्तियों/और वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य कैसे निर्धारित किए जाते हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियाँ / (वित्तीय देयताएँ)	यथा उचित मूल्य		उचित मूल्य पदानुक्रम	मूल्यांकन तकनीक और मुख्य इनपुट
	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023		
<b>वित्तीय परिसंपत्तियाँ:</b>				
<b>परिशोधित लागत पर मापी गई:</b>				
कर्मचारी ऋण	22,098.79	19,556.72	स्तर 2	रियायती नकदी प्रवाह अर्थात् अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य, जिसे उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई है।
<b>एफवीटीओसीआई:</b>				
इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश (उद्भूत)	395,628.79	190,607.83	स्तर 1	स्टॉक एक्सचेंज—एनएसई से उद्भूत बोली मूल्य
अन्य इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश (उद्भूत नहीं)	36.94	36.94	स्तर 2	रियायती निःशुल्क नकदी प्रवाह पद्धति
<b>एफवीटीपीएल:</b>				
अन्य इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश (अउद्भूत)	0.01	0.01	स्तर 2	रियायती निःशुल्क नकदी प्रवाह पद्धति
वैकल्पिक निवेश कोष में निवेश	-*	594.21	स्तर 2	रियायती निःशुल्क नकदी प्रवाह पद्धति
<b>वित्तीय देयताएँ:</b>				
<b>परिशोधित लागत पर मापी गई:</b>				
वित्तीय गारंटी	820.00	740.09	स्तर 2	ब्याज दर अंतर मॉडल
लीज़ देयताएँ	290,302.13	88,828.77	स्तर 2	रियायती नकदी प्रवाह अर्थात् अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य, जिसे उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई है।
ठेकेदारों से सुरक्षा जमा	4,358.49	4,265.47	स्तर 2	रियायती नकदी प्रवाह अर्थात् अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य, जिसे उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई है।
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेचर	76,352.06	75,725.94	स्तर 2	रियायती नकदी प्रवाह अर्थात् अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य, जिसे उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई है।

\*ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट (नियंत्रित इकाई) को वित्त वर्ष 2022–23 तक लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य वाले अन्य निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। स्टार्ट-अप कंपनियों में अंतर्निहित निवेशों के उचित मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए इसे वित्त वर्ष 2023–24 से भारतीय लेखा मानक 110 के अनुसार सहायक कंपनी में निवेश के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

**45.8** वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य जिन्हें उचित मूल्य पर नहीं मापा जाता है (लेकिन उचित मूल्य प्रकटीकरण आवश्यक है)।

नकदी और नकद समकक्ष, व्यापार प्राप्य, सावधि जमा में निवेश, अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां, व्यापार देतायाँ और अन्य वित्तीय देतायाँ का उचित मूल्य उनके अल्पकालिक प्रकृति के कारण उनकी वहन राशि के करीब होता है।

## 46 संयुक्त व्यवस्था और सहयोगियों में हितों का प्रकटीकरण:

### 46.1. संयुक्त प्रचालन

कुछ गैर-निगमित पीएससी/नेल्प/हेल्प/सीबीएम ब्लॉकों के संबंध में, कंपनी के संयुक्त प्रचालन (जेओ) ने कुछ निगमित निकायों के साथ भारत में प्रचालन के लिए भारत सरकार के साथ उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी)/राजस्व साझाकरण अनुबंध (आरएससी) में प्रवेश किया है। हस्ताक्षरित पीएससी, आरएससी और संयुक्त प्रचालन समझौते के अनुसार, कंपनी के पास ब्लॉकों की परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय पर सीधा अधिकार है। इन संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	ब्लॉक	कंपनी का भागीदारी हित		जेओ/ऑपरेटरशिप में अन्य भागीदार और उनका भागीदारी हित
		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	
क	संयुक्त रूप से प्रचालित जेओ			
1	पंचा, मुक्ता और ताप्ती (टिप्पणी संख्या 48.1.1घ)	40%	40%	बीजीईपीआईएल 30%, आरआईएल 30%
2	एनके-सीबीएम-2001/1	55%	55%	आईओसी 20%, पीईपीएल 25%
ख	ओएनजीसी प्रचालित जेओ			
3	एए-ओएनएन-2001/2	80%	80%	आईओसी 20%
4	सीवाई-ओएनएन-2002/2	60%	60%	बीपीआरएल 40%
5	केजी-ओएनएन-2003/1	51%	51%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केयर्न इंडिया लिमिटेड) 49%
6	सीवाई-ओएनएन-2004/2	80%	80%	बीपीआरएल 20%
7	रानीगंज (टिप्पणी संख्या 46.1.11)	74%	74%	सीआईएल 26%
8	झरिया (टिप्पणी संख्या 46.1.10)	74%	74%	सीआईएल 26%
9	बीके-सीबीएम-2001/1	80%	80%	आईओसी 20%
10	डब्ल्यूबी-ओएनएन-2005/4	75%	75%	ऑयल 25%
11	जीके-ओएसएन-2009/1	40%	40%	एडब्ल्यूएल 20%, जीएसपीसी 20%, आईओसी 20%
12	जीके-ओएसएन-2010/1	60%	60%	ऑयल 30%, गेल 10%
13	केजी-ओएसएन-2009/2*	90%	90%	एपीजीआईसी 10%
14	केजी-ओएसएन-2001/3	80%	80%	जीएसपीसी 10%, जेओडीपीएल 10%
15	केजी/ओएसडीएसएफ/चंद्रिका/2021	70%	70%	आईओसी 30%
16	एमबी/ओएसडीएसएफ/डब्ल्यूओ5/2021	70%	70%	आईओसी 30%
ग	संयुक्त प्रचालन भागीदारों द्वारा प्रचालित			
17	रवा	40%	40%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केयर्न इंडिया लिमिटेड) (ऑपरेटर) 22.5%, बीआईएल 25%, आरओपीएल 12.5%
18	सीवाई-ओएस-90/1	40%	40%	एचईपीआई (ऑपरेटर) 18%, एचआईसी 21%, टीपीएल 21%
19	आरजे-ओएन-90/1	30%	30%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केयर्न इंडिया लिमिटेड) (ऑपरेटर) 35%, सीईएचएल 35%
20	सीबी-ओएस/2	50%	50%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केयर्न इंडिया लिमिटेड) (ऑपरेटर) 40%, आईईपीएल 10%



क्र. सं.	ब्लॉक	कंपनी का भागीदारी हित		जेओ/ऑपरेटरशिप में अन्य भागीदार और उनका भागीदारी हित
		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	
21	सीबी—ऑन/7	30%	30%	एच ऑईसी (प्रचालक) 35%, जीएसपीसी 35%
22	सीबी—ऑन/3	30%	30%	ईओजीईपीएल (प्रचालक) 70%
23	सीबी—ऑन/2	30%	30%	जीएसपीसी (प्रचालक) 70%
24	एए—ओएनएन—2010/2	30%	30%	ओआईएल 50% (प्रचालक) गेल 20%
25	एए—ओएनएन—2010/3	40%	40%	ओआईएल 40% (प्रचालक) बीपीआरएल 20%
26	सीबी—ओएनएचपी—2017/9	40%	40%	बीपीआरएल 60% (प्रचालक)
27	एए—ओएनएचपी—2017/10	30%	30%	ओआईएल 70% (प्रचालक)
28	एए—ओएनएचपी—2017/13	30%	30%	ओआईएल 70% (प्रचालक)

\*परिस्थित के लिए प्रस्तावित

\*टिप्पणी: पिछले वर्ष के विवरण में कोई परिवर्तन नहीं है, जब तक कि अन्यथा न कहा जाए।

\*संक्षिप्त रूप—एपीजीआईसी—आंध्र प्रदेश गैस इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, एडब्ल्यूईएल—अदानी वेलस्पन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, बीजीईपीआईएल—ब्रिटिश गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, बीपीआरएल—भारत पेट्रो रिसोर्सज लिमिटेड, सीईएचएल—कैयरन एनर्जी हाइड्रोकार्बन लिमिटेड, सीआईएल—कौल इंडिया लिमिटेड, ईओजीईपीएल—एस्सार ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड, गेल—गैस अर्थात् ऑफ इंडिया लिमिटेड, जीएसपीसी—गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, एचईपीआई—हार्डी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, एचओईसी—हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनी लिमिटेड, आईओसीएल—इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, जेओजीपीएल—जुबिलेट अपारट वेन्यू प्राइवेट लिमिटेड, ओआईएल—ऑयल इंडिया लिमिटेड, पीईपीएल—प्रमा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, आरआईएल—रिलायस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आरओपीएल—रावा ऑयल (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड, टीपीएल—टाटा पेट्रोडाइन लिमिटेड, वीआईएल—वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आईईपीएल—लिमिटेड।

46.1.1. वर्ष 2023–24 के दौरान, कंपनी ने ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत अधिग्रहित 7 ब्लॉकों के लिए भारत सरकार के साथ राजस्व साझाकरण अनुबंध किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

46.1.2 वर्ष के दौरान, निम्नलिखित ओएनजीसी प्रचालित नेल्प/हेल्प ब्लॉकों को छोड़ दिया गया है:

क्र.सं.	ओएएलपी चक्र	राजस्व साझाकरण अनुबंधों/ब्लॉकों का नाम	भागीदारी हित	गतिविधि की प्रकृति
1	ओएएलपी—आठवीं	सीबी—ओएनएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
2	ओएएलपी—आठवीं	एमबी—ओएसएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
3	ओएएलपी—आठवीं	केके—ओएसएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
4	ओएएलपी—आठवीं	बीपी—ओएसएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
5	ओएएलपी—आठवीं	जीएस—डीडब्ल्यूएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
6	ओएएलपी—आठवीं	केके—डीडब्ल्यूएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
7	ओएएलपी—आठवीं	एमएन—यूटीडब्ल्यूएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण

46.1.2. वर्ष के दौरान, निम्नलिखित ओएनजीसी प्रचालित नेल्प/हेल्प ब्लॉकों को छोड़ दिया गया है:

क्र.सं.	नेल्प चक्र	ब्लॉक का नाम	ओएनजीसी का भागीदारी हित	भागीदार का भागीदारी हित
1	नेल्प-VI	सीबी—ओएनएन—2004/3	65%	जीएसपीसी-35%
2	नेल्प-VII	एमबी—ओएसएन—2005/3	70%	ईईपीए-30%
3	ओएएलपी-II	सीबी—ओएनएचपी—2018/2	100%	लागू नहीं

46.1.3. वर्ष के दौरान, कंपनी ने निम्नलिखित नेल्प ब्लॉकों में जीएसपीसी से संबंधित भागीदारी हित के अधिग्रहण को मंजूरी दी है:

क्र.सं.	नेल्प त्रक	ब्लॉक का नाम	ओएनजीसी के भागीदारी हित (अधिग्रहण से पहले)	भागीदार के भागीदारी हित ने अधिग्रहण किया	ओएनजीसी के भागीदारी हित (अधिग्रहण के बाद)
1	नेल्प-VI	सीबी-ओएनएन-2004/1	60%	जीएसपीसी-40%	100%
2	नेल्प-VI	सीबी-ओएनएन-2004/2	55%	जीएसपीसी-45%	100%
3	नेल्प-VII	एमबी-ओएसएन-2005/1	80%	जीएसपीसी-20%	100%

46.1.4 संयुक्त प्रचालन-कंपनी के हिस्से की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:

201 (पिछले वर्ष 194) संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों (जेओ/नेल्प/हैल्प) में से 182 (पिछले वर्ष 179) के वित्तीय विवरण, उत्पादन साझेदारी अनुबंध के अनुसार प्रमाणित विवरणों के आधार पर परिसंपत्तियाँ, देयताओं, आय, व्यय और कर से पहले लाभ/हानि में कंपनी की भागीदारी हित की सीमा तक लेखों में शामिल किए गए हैं और शेष 19 (पिछले वर्ष 15) संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों (जेओ/नेल्प/सीबीएम ब्लॉक) के संबंध में, आंकड़े उत्पादन साझेदारी अनुबंधों के तहत तैयार अप्रमाणित विवरणों के आधार पर शामिल किए गए हैं। दोनों आंकड़ों को टिप्पणी संख्या 3.2 के अनुसार परिवर्तनों के लिए समायोजित किया गया है। जेओ/नेल्प/एचईएलपी की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:-

31 मार्च 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ	वर्तमान देयताएँ	गैर-वर्तमान देयताएँ	राजस्व	निरंतर प्रचालन से लाभ या (हानि)	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
नेल्प -100% पीआई (11)	8,362.07	330,733.83	795.45	13,179.45	21,942.34	(12,714.20)	(1.16)	(12,715.36)
ओएएलपी -100% पीआई (51)	115.00	18,377.32	62.62	-	-	(17,836.76)	(1.10)	(17,837.86)
डीएसएफ 100% (9)	13.06	3,472.15	6.98	73.03	-	(174.87)	(0.46)	(175.33)
नेल्प/प्री एनईएलपी	26,456.78	96,870.24	30,495.68	18,578.21	76,226.18	8,151.35	(5.05)	8,146.30
अन्य भागीदार के साथ ब्लॉक (23)	2.28	167.71	61.31	-	-	(38.65)	-	(38.65)
अन्य भागीदारों के साथ ओएएलपी ब्लॉक (3)	69.85	88.64	-	-	-	(104.66)	-	(104.66)
अन्य भागीदारों के साथ डीएसएफ ब्लॉक (2)	275.47	67.92	9,819.58	68.72	-	3,266.66	(0.07)	3,266.59
<b>सुपुर्द (102)</b>	<b>35,294.51</b>	<b>449,777.81</b>	<b>41,241.62</b>	<b>31,899.41</b>	<b>98,168.52</b>	<b>(19,451.13)</b>	<b>(7.84)</b>	<b>(19,458.97)</b>

उपरोक्त ब्लॉकों का आगे विवरण निम्नानुसार है:

लेखा-परिक्षित (174)	12,639.11	403,368.63	10,527.74	15,786.31	25,196.90	(33,223.66)	(7.33)	(33,230.99)
प्रमाणित (8) #	18,907.94	41,825.59	22,718.55	13,969.04	72,881.85	15,027.54	-	15,027.54
अलेखा-परिक्षित (19)	3,747.46	4,583.59	7,995.33	2,144.06	89.77	(1,255.01)	(0.51)	(1,255.52)
<b>कुल (201)</b>	<b>35,294.51</b>	<b>449,777.81</b>	<b>41,241.62</b>	<b>31,899.41</b>	<b>98,168.52</b>	<b>(19,451.13)</b>	<b>(7.84)</b>	<b>(19,458.97)</b>

# पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।



31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ	वर्तमान देयताएँ	गैर-वर्तमान देयताएँ	राजस्व	निरंतर प्रचालन से लाभ या (हानि)	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
नेत्य-100% पीआई (8)	2,300.17	266,101.13	1,052.16	3,729.67	19,534.54	(7,231.95)	(0.40)	(7,232.35)
ओएएलपी -100% पीआई (45)	68.43	3,456.63	53.74	-	-	(16,515.98)	(0.03)	(16,516.01)
डीएसएफ 100% (9)	12.34	2,833.10	9.31	60.22	-	(437.45)	-	(437.45)
नेत्य/प्री-नेत्य	51,833.38	101,734.91	65,497.14	18,190.27	114,485.35	(20,805.50)	(2.33)	(20,807.83)
अन्य भागीदारों के साथ ओएएलपी ब्लॉक (3)	0.69	7.06	14.94	-	-	(44.69)	-	(44.69)
अन्य भागीदारों के साथ डीएसएफ ब्लॉक (2)	34.77	7.19	-	-	-	(37.65)	-	(37.65)
समर्पित (99)	319.80	52.69	18,107.87	59.07	-	(1,275.22)	0.01	(1,275.21)
<b>कुल (194)</b>	<b>54,569.58</b>	<b>374,192.71</b>	<b>84,735.16</b>	<b>22,039.23</b>	<b>134,019.89</b>	<b>(46,348.44)</b>	<b>(2.75)</b>	<b>(46,351.19)</b>

उपरोक्त ब्लॉकों का आगे विवरण निम्नानुसार है:

लेखा-परीक्षित (169)	5,641.92	324,212.17	19,535.96	6,091.47	23,574.48	(40,144.14)	(2.65)	(40,146.79)
प्रमाणित (10) #	44,192.98	45,738.07	54,271.26	15,839.90	110,395.89	(2,248.19)	(0.02)	(2,248.21)
आलेखा-परीक्षित (15)	4,734.68	4,242.47	10,927.94	107.86	49.52	(3,956.11)	(0.08)	(3,956.19)
<b>कुल (194)</b>	<b>54,569.58</b>	<b>374,192.71</b>	<b>84,735.16</b>	<b>22,039.23</b>	<b>134,019.89</b>	<b>(46,348.44)</b>	<b>(2.75)</b>	<b>(46,351.19)</b>

# पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।

46.1.5. संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों से संबंधित अतिरिक्त वित्तीय जानकारी निम्नानुसार है:

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकद और नकद समकक्ष	वर्तमान वित्तीय देयताएँ	मूल्यवास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
नेत्य -100% पीआई (11)	0.02	343.62	21,150.67	6.90	8,142.09
ओएएलपी -100% पीआई (51)	-	38.89	4.58	0.83	-
डीएसएफ 100% (9)	-	-	0.80	0.46	4.12
नेत्य/प्री नेत्य ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (23)	236.28	22,304.29	14,181.82	1,531.41	1,279.83
ओएएलपी ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (3)	1.18	61.31	-	-	-
डीएसएफ ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (2)	7.24	-	0.41	0.06	-
सुरुद (102)	1.17	9,743.66	(2,607.29)	1.44	0.53
<b>कुल (201)</b>	<b>245.89</b>	<b>32,491.77</b>	<b>32,730.99</b>	<b>1,541.10</b>	<b>9,426.57</b>
उपरोक्त ब्लॉकों का आगे विवरण निम्नानुमार है :					
लेखा-परीक्षित (174)	8.36	9,644.32	22,327.19	15.44	8,365.76
प्रमाणित (8) #	4.06	19,613.03	9,734.07	1,416.99	965.15
लेखा-परीक्षित (19)	233.47	3,234.42	669.73	108.67	95.66
<b>कुल (201)</b>	<b>245.89</b>	<b>32,491.77</b>	<b>32,730.99</b>	<b>1,541.10</b>	<b>9,426.57</b>

# पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकद और नकद समकक्ष	वर्तमान वित्तीय देयताएँ	मूल्यवास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
नेत्प -100% पीआई (8)	0.02	348.04	6,218.89	5.31	305.40
ओएएलपी -100% पीआई (45)	-	53.74	1.13	0.30	-
डीएसएफ 100% (9)	-	4.08	0.19	0.30	1.27
नेत्प/प्री नेत्प ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (28)	205.46	43,429.69	26,117.08	740.03	1,110.56
ओएएलपी ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (3)	0.01	14.94	-	-	-
डीएसएफ ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (2)	-	-	0.20	0.01	-
सुपुर्द (99)	1.16	18,058.95	(3,861.76)	19.62	-
<b>कुल (194)</b>	<b>206.65</b>	<b>61,909.44</b>	<b>28,475.73</b>	<b>765.57</b>	<b>1,417.23</b>

उपरोक्त ब्लॉकों का आगे का ब्यौरा इस प्रकार है:

लेखा—परीक्षित (169)	1.13	18,159.29	14,888.60	30.29	452.63
प्रमाणित (10) #	69.22	38,393.80	13,583.62	568.40	963.81
अलेखा—परीक्षित (15)	136.30	5,356.35	3.51	166.88	0.79
<b>कुल (194)</b>	<b>206.65</b>	<b>61,909.44</b>	<b>28,475.73</b>	<b>765.57</b>	<b>1,417.23</b>

# पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।

**46.1.6.** एक नेत्प ब्लॉक और 2 ओएएलपी ब्लॉक (पिछले वर्ष 1 प्री नेत्प ब्लॉक और 2 ओएएलपी ब्लॉक) के संबंध में, अधूरे न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) में कंपनी का हिस्सा ₹ 6,710.47 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 6,855.05 मिलियन) का प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी ने नेत्प/ओएएलपी ब्लॉकों की विस्तार नीति के भीतर तकनीकी जटिलताओं का हवाला देते हुए इन ब्लॉकों में अवधि के आगे विस्तार के लिए पहले ही 'क्षम्य देरी' / विशेष छूट के रूप में आवेदन कर दिया है, जो भारत सरकार के सक्रिय विचाराधीन हैं। देरी आमतौर पर विभिन्न सरकारी प्राधिकरणों जैसे रक्षा मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, पर्यावरण मंजूरी, राज्य सरकार की अनुमति आदि से लंबित वैधानिक मंजूरी के कारण हुई है। ₹ 6,710.47 मिलियन की एमडब्ल्यूपी राशि (पिछले वर्ष ₹ 6,855.05 मिलियन 48.2.2

5 नेत्प ब्लॉकों के संबंध में, कंपनी ने अपने अनुमान/डीजीएच/एमओपीएनजी से हाल ही में प्राप्त संचार के आधार पर अधूरे न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (सीओयूएमडब्ल्यूपी) की लागत के विरुद्ध मूल राशि के लिए देयता प्रदान की थी। 31 मार्च, 2024 तक शेष देयता ₹ 6,925.35 मिलियन है। हालाँकि, ब्याज घटक के लिए कोई देयता प्रदान नहीं की गई है क्योंकि कंपनी छूट के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ उक्त मामलों को आगे बढ़ा रही है क्योंकि उक्त देयताएं पर्यावरण मंजूरी, अन्य नियामक

अनुमतियों आदि के कारण होने वाली देरी के कारण हैं और कंपनी को विश्वास है कि उक्त मामले उसके पक्ष में सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिए जाएंगे।

कंपनी द्वारा भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित उत्पादन/राजस्व साझाकरण अनुबंधों के अनुसार, कंपनी को निर्धारित समय के भीतर न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) पूरा करना आवश्यक है इसके अलावा, यदि कंपनी एमडब्ल्यूपी को पूरा नहीं करती है या एमडब्ल्यूपी को पूरा किए बिना ब्लॉक को सरेंडर करती है, तो शेष कार्य कार्यक्रम को पूरा करने की अनुमानित लागत भारत सरकार को चुकानी होगी। एलडी/फीस की राशि ₹ 124.13 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 5.54 मिलियन) और अधूरे एमडब्ल्यूपी की लागत ₹ 1,034.40 मिलियन (पिछले वर्ष शून्य), भारत सरकार को भुगतान/देय, क्रमशः सर्वेक्षण और कूपों के अपलेखन व्यय में शामिल हैं।

**46.1.7.** भारत सरकार ने 01 जून, 2017 के अपने पत्र के माध्यम से ब्लॉक आरजे-ओएन/6 में कंपनी के 30% भागीदारी हित (पीआई) के त्याग और ब्लॉक में किसी भी खोज में 30% भागीदारी हित प्राप्त करने के अपने भविष्य के अधिकारों और दायित्वों को ऑपरेटर फोकस एनर्जी लिमिटेड (एफईएल) और अन्य संयुक्त उद्यम भागीदारों के पक्ष में उनके संबंधित पीआई के अनुपात में इस



शर्त पर सौंपने को मंजूरी दी है कि फोकस एनर्जी लिमिटेड (ऑपरेटर) रॉयलटी, पीईएल / एमएल शुल्क, अन्य वैधानिक शुल्कों के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए सभी पिछले लागतों की प्रतिपूर्ति करेगा और ब्लॉक के एसजीएल फील्ड में विकास और उत्पादन लागत में कंपनी की अवैतनिक देयता को वहन करेगा। रॉयलटी, पीईएल / एमएल शुल्क, अन्य वैधानिक शुल्कों के लिए बकाया राशि की वसूली लंबित होने तक, ब्लॉक आरजे-ओएन/6 से त्याग के बाद लेखों में कोई समायोजन नहीं किया गया है। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, कंपनी ने अपने बकाया बकाये की वसूली के लिए एफईएल और अन्य संयुक्त उद्यम भागीदारों के खिलाफ मध्यस्थता का आवृत्ति किया है और इस संबंध में मध्यस्थता सुनवाई चल रही है। 31 मार्च, 2024 तक रॉयलटी, पीईएल / एमएल शुल्क, अन्य वैधानिक शुल्कों के लिए वसूल की जाने वाली कुल बकाया राशि ₹ 2,569.80 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2,415.90 मिलियन) है।

**46.1.8.** कंपनी के पास वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्न इंडिया लिमिटेड) (ऑपरेटर) और केर्न एनर्जी हाइड्रोकार्बन लिमिटेड के साथ ब्लॉक आरजे-ओएन-90/1 में 30% भागीदारी हित है। अनुच्छेद 13.2 के तहत सरकारी नामिती के रूप में कंपनी केवल विकास और उत्पादन कार्यों के लिए भागीदारी हित के अनुसार अपने हिस्से का योगदान करने के लिए उत्तरदायी है, और अन्वेषण लागत को साझा करने के लिए उत्तरदायी नहीं है जिसे पीसीए मामले 2019–30 में मध्यस्थ पुरस्कार में बरकरार रखा गया था। हालांकि, ऑपरेटर ने अन्वेषण लागत (पीएससी के अन्वेषण चरण से परे) वसूल कर ली है, जो पीसीए मामले 2020–39 में वेदांता और भारत सरकार के बीच मध्यस्थता का विषय था। दावों और लागत वसूली राशियों के परिमाणीकरण की अंतिमता लंबित होने तक 233.54 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 19,467.89 मिलियन के बराबर) की राशि देयता (पिछले वर्ष 203.92 मिलियन अमेरीकी डॉलर और ₹ 16,752.14 मिलियन के बराबर) 778.46 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 64,892.05 मिलियन के बराबर) का 30% है (पिछले वर्ष 679.74 मिलियन अमेरीकी डॉलर और ₹ 55,840.47 मिलियन के बराबर) आकर्षिक देयताओं के तहत खुलासा किया गया है। इसके अलावा, ओएनजीसी और वेदांता के बीच पीसीए मामले 2019–30 में दिनांक 31.07.2023 के अंतिम पुरस्कार के अनुसार, दावेदार मेसर्स वेदांता को प्रदान की गई 166.37 मिलियन अमेरीकी डॉलर की राशि को बकाया रॉयलटी प्राप्त के लिए प्रतिवादी मेसर्स ओएनजीसी को प्रदान की गई 190.302 मिलियन अमेरीकी डॉलर की राशि के विरुद्ध समायोजित किया

गया है और व्याज और लागत सहित 34.656 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 2,888.91 मिलियन के बराबर) की शुद्ध प्राप्त राशि 10.724 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 893.94 मिलियन के बराबर) को लेखा पुस्तकों में संयुक्त उद्यम भागीदार से प्राप्त के रूप में दिखाया गया है।

**46.1.9.** ब्लॉक आरजे-ओएन-90/1 के उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) की पच्चीस वर्ष की प्राथमिक अवधि 14 मई, 2020 को समाप्त हो गई। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, पीएससी के लिए एक परिषिष्ट संख्या 2 27 अक्टूबर, 2022 को निष्पादित किया गया, जिससे ब्लॉक के पीएससी की अवधि 15 मई, 2020 से पूर्वव्यापी रूप से 10 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ गई। भारत सरकार ने इस संबंध में नवीनतम मांग पत्र दिनांक 06.09.2022 के अनुसार पीएससी प्रावधानों के अनुसार लेखा-परीक्षा अपवादों के विरुद्ध ब्लॉक आरजे-ओएन-90/1 के संबंध में 1,660.06 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 138,382.50 मिलियन) (पिछले वर्ष 654.83 मिलियन अमेरीकी डॉलर और समतुल्य ₹ 53,794.28 मिलियन) के अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम के भुगतान की मांग की। उक्त मांग पीसीए मामले 2020–39 में वेदांता और भारत सरकार के बीच मध्यस्थता कार्यवाही के तहत है, जिसमें कंपनी (ओएनजीसी) भारत सरकार के खिलाफ मध्यस्थता में पक्ष नहीं है। उक्त मांग को मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने अपने दिनांक 22.08.2023 और 08.12.2023 के पुरस्कार के माध्यम से खारिज कर दिया है, हालांकि इसकी मात्रा न्यायाधिकरण के समक्ष लंबित है। मेसर्स के बीच पीसीए मामले 2020–39 में पुरस्कार में परिणाम और मात्रा का अंतिम रूप लंबित है। वेदांता और भारत सरकार के बीच, कंपनी का हिस्सा 498.02 मिलियन अमेरीकी डॉलर (41,514.75 मिलियन रुपए) (पिछले वर्ष 196.45 मिलियन अमेरीकी डॉलर और समतुल्य ₹ 16,138.29 मिलियन) है, जो लेखा-परीक्षा अपवादों के कारण अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम की मांग के 1,660.06 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 138,382.50 मिलियन) (पिछले वर्ष 654.83 मिलियन अमेरीकी डॉलर और समतुल्य 53,794.28 मिलियन रुपए) का 30% है, जिसे आकर्षिक देयताओं के तहत प्रकट किया गया है।

**46.1.10.** झारिया सीबीएम ब्लॉक के संबंध में, 9 सितंबर, 2019 को आयोजित प्रचालन समिति (एससी) की बैठक में संशोधित व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) को मंजूरी दे दी गई है। भारत कौकिंग कोल लिमिटेड कंपनियों के साथ ओवरलैप के मुद्दे और बेहतर तकनीकी-अर्थशास्त्र को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने शीघ्र

कार्यान्वयन और मुद्रीकरण के लिए संशोधित एफआर को चरणों में लागू करने का फैसला किया है। परबतपुर और आसपास के क्षेत्रों को अनुमोदित एफआर के तहत चरण—I में लिया गया था और तदनुसार, झारिया सीबीएम ब्लॉक के लिए चरण—I के लिए कार्यान्वयन रणनीति को कंपनी द्वारा 21 नवंबर, 2019 को और प्रचालन समिति (ओसी) ने 10 दिसंबर, 2019 को अपनी बैठक में अनुमोदित किया है। इसे जेओ भागीदार, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) को सूचित किया गया था और 10 जनवरी, 2020 को हुई अपनी बैठक में सीआईएल के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।

डीजीएच द्वारा उपलब्ध कराए गए परफॉर्मा के अनुसार, सीआईएल के 10% से 26% तक भागीदारी हित (पीआई) को बढ़ाने के लिए सभी औपचारिकताएं कंपनी (असाइनर) और सीआईएल (असाइनी) दोनों द्वारा पूरी की गई थीं और हस्ताक्षरित दस्तावेज 27 जनवरी, 2020 को भारत सरकार के अनुमोदन के लिए डीजीएच को प्रस्तुत किए गए थे। हालांकि, भारत सरकार ने आवेदन और सहायक दस्तावेजों के आधार पर 25 जनवरी, 2021 से सीआईएल के भागीदारी हित को 10% से 26% तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी। कंपनी द्वारा इसका विरोध किया गया क्योंकि भागीदारी हित को 10% से 26% तक बढ़ाने के विकल्प का प्रयोग करने का प्रावधान और समय संयुक्त प्रचालन समझौते (जेओए) में बहुत स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, यानी विकास चरण की शुरुआत से पहले सीआईएल द्वारा विकल्प का प्रयोग किया जाएगा। तदनुसार, डीजीएच और एमआपीएनजी से अनुरोध किया गया कि वे 23 अप्रैल, 2013 को विचार करें जो कि विकास चरण गतिविधि की आरंभ तिथि और जेओए के अनुसार भागीदारी हित वृद्धि के प्रारंभ की तिथि है, क्योंकि भागीदारी हित वृद्धि में देरी मुख्य रूप से सीआईएल द्वारा अपेक्षित दस्तावेजों को देरी से प्रस्तुत करने के कारण है। हमारे अभ्यावेदन के आधार पर डीजीएच ने अपने पत्र दिनांक 16.04.2024 के माध्यम से स्पष्ट किया है कि झारिया सीबीएम ब्लॉक के लिए विकास चरण प्रारंभ तिथि 23 अप्रैल, 2013 है। डीजीएच से स्पष्टीकरण, जेओए के प्रावधानों और प्रचालन समिति के अनुमोदन पर विचार करते हुए, सीआईएल से ₹ 707.95 मिलियन की नकद कॉल को दिनांक 01.01.2024 से 26% पर मान्यता देना जारी रखा गया है। 23 अप्रैल, 2013 से 24 जनवरी, 2021 तक 10% भागीदारी हित की दर से ₹ 272.29 मिलियन नकद कॉल के मुकाबले 24 जनवरी, 2021 को थी।

**46.1.11** रानीगंज (एन) सीबीएम ब्लॉक के संबंध में, लागत को अनुकूलित करने के लिए विभिन्न प्रकारों की खोज करने वाली व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) पर बंगाल एयरोट्रोपोलिस प्रोजेक्ट लिमिटेड, सीएम (एसपी) ब्लॉक के साथ ओवरलैप मुद्दे के मद्देनजर शीघ्र कार्यान्वयन और मुद्रीकरण के लिए काम किया गया है और कंपनी ने संशोधित एफआर को चरणों में लागू करने का फैसला किया है। सभी ओवरलैप मुद्दों को छोड़कर क्षेत्र को अनुमोदित एफआर के तहत वर्तमान चरण में लिया गया था और तदनुसार, कार्यान्वयन रणनीति को कंपनी द्वारा 8 दिसंबर, 2022 को और संचालन समिति (ओसी) द्वारा 13 फरवरी, 2023 को अनुमोदित किया गया है। संशोधित व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) को 3 मार्च, 2023 को आयोजित प्रचालन समिति (एससी) में सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित किया गया है। ब्लॉक पर अंतिम निर्णय लंबित होने तक, पुस्तकों में ₹ 617.75 मिलियन का हानि प्रावधान प्रदान किया गया है।

**46.1.12.** वर्ष 2017–18 के दौरान कंपनी ने ब्लॉक केजी—ओएसएन—2001/3 में दीन दयाल वेस्ट (डी डी डब्ल्यू) फील्ड के लिए 995.26 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 62,950.20 मिलियन के बराबर) के खरीद मूल्य पर गुजरात राज्य पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसी) के संपूर्ण 80% भागीदारी हित (पीआई) को ऑपरेटरशिप अधिकारों के साथ अधिग्रहित किया था। उपरोक्त अधिग्रहण के बाद ब्लॉक में संशोधित पीआई कंपनी 80%, जीएसपीसी 10% और जुबिलेंट अपतट वेधन प्राइवेट लिमिटेड (जेओडीपीएल) 10% है। 10 मार्च, 2017 को जीएसपीसी के साथ एक फार्म—इन फार्म—आउट समझौते (फीफो) पर हस्ताक्षर किए गए थे। वित वर्ष 2022–23 के दौरान, बिक्री प्रतिफल अर्थात् आर्थिक तिथि से लेकर समापन तिथि तक के लेन—देन के लिए अंतिम समापन समायोजन (अर्थात् कार्यशील पूँजी और अन्य समायोजन) का लेखा—जोखा अनंतिम रूप से किया गया है और अंतिम निपटान के रूप में जीएसपीसी को ₹ 993.92 मिलियन की शुद्ध राशि देय है और इस पर विचार—विमर्श किया जा रहा है। फीफो के अनुसार, कंपनी वास्तविक गैस उत्पादन और सहमत गैस मूल्य में अंतर के आधार पर पहले से भुगतान किए गए प्रतिफल के समायोजन के रूप में राशि प्राप्त करने की हकदार है। मदर वेल के निष्पादन और भविष्य के उत्पादन का अनुमान लगाने तक, प्रतिफल के लिए आकस्मिक समायोजन की मात्रा निर्धारित की जानी बाकी है। कंपनी ने ब्लॉक केजी—ओएसएन—2001/3 में डीडीडब्ल्यू फील्ड के अलावा अन्य छह खोजों के लिए जीएसपीसी को 200 मिलियन



अमेरीकी डालर (₹ 12,650.00 मिलियन के बराबर) का आंशिक भुगतान भी किया है, जो कि ब्लॉक केजी–ओएनएन–2001/3 में इन खोजों के अधिग्रहण अधिकारों के लिए है, जिसे जीएसपीसी और कंपनी के बीच सहमत मूल्यांकन मापदंडों के आधार पर ऐसे क्षेत्रों के मूल्यांकन के खिलाफ समायोजित किया जाएगा।

जेओ भागीदार जेओडीपीएल दिसंबर 2017 से परिसमापन में है और कंपनी द्वारा ब्लॉक के अधिग्रहण के बाद से सभी नकद कॉलों का भुगतान नहीं किया है। 31 मार्च, 2024 तक, जेओडीपीएल से बकाया नकद कॉल की राशि 2,145.69 मिलियन रुपए (पिछले वर्ष: 1,800.05 मिलियन रुपए) है। उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के प्रावधानों के अनुसार जेओडीपीएल के 10% भागीदारी हित का असाइनमेंट ब्लॉक के अधिग्रहण के बाद 2,145.69 मिलियन (पिछले वर्ष: ₹ 1,800.05 मिलियन) की राशि गैर-डिफॉल्ट करने वाले संयुक्त उद्यत भागीदारी द्वारा उनके भागीदारी हित के अनुपात में योगदान करने की आवश्यकता है। एमसी द्वारा जेओडीपीएल के पीआई के असाइनमेंट के लंबित निर्णय के लिए जेओडीपीएल से उक्त नकद कॉल प्राप्तियों के खिलाफ ₹ 1,907.28 मिलियन (पिछले वर्ष: ₹ 1,600.04 मिलियन) की राशि का प्रावधान किया गया है, जो पीआई अनुपात के अनुसार कंपनी का हिस्सा है।

**46.1.13.** ब्लॉक सीबी–ओएनएन–2004/3 के मामले में, खोज कुआं उबर#2 23 जून, 2020 से बहना बंद हो गया। कंपनी ने संयुक्त उद्यम भागीदार गुजरात राज्य पेट्रोलियम निगम लिमिटेड के परामर्श से ब्लॉक सीबी–ओएनएन–2004/3 की जांच/समर्पण करने और 10.78 वर्ग किमी के विकास क्षेत्र को छोड़ने का प्रस्ताव शुरू किया है। मई, 2022 में प्रबंधन समिति (एमसी) की बैठक के दौरान, सरकारी नामिती ने एमसी अनुमोदन प्राप्त होने के 60 दिनों के भीतर भविष्य की ठोस योजनाएं प्रस्तुत करने या फिर भविष्य की बोली के दौर के लिए क्षेत्र को छोड़ देने की सलाह दी। ब्लॉक को छोड़ने का प्रस्ताव कंपनी द्वारा ऑपरेटर होने के नाते शुरू किया गया है और डीजीएच के पास लंबित है, पुस्तकों में ₹ 373 मिलियन की हानि का प्रावधान किया गया है।

**46.1.14.** इस प्रकार, लागत वसूली विवरण तैयार करने के लिए भारतीय रूपए में किए गए व्यय को यूएसडी में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। कंपनी ने लागत वसूली विवरण तैयार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) संदर्भ दर के स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) संदर्भ दर को अपनाने के लिए संबंधित ब्लॉकों के लिए प्रबंधन समिति के मसौदा कार्यसूची पहले

ही प्रस्तुत कर हैं। वीएन–ओएनएन–2009/3 नामक ब्लॉक की प्रबंधन समिति (एमसी) ने पीएससी के तहत निर्धारित प्रावधान में संशोधन करते हुए यूएसडी और रुपए के बीच रूपांतरण के उद्देश्य के लिए आरबीआई संदर्भ दर के स्थान पर एसबीआई संदर्भ दर को मंजूरी देने के लिए सरकार से सिफारिश की है। एमसी ने यह भी सिफारिश की है कि इसे ऑपरेटर के अन्य समान रूप से रखे गए पीएससी तक बढ़ाया जा सकता है। एमसी ने आगे सिफारिश की कि एसबीआई विनिमय दर का विकल्प चुनने की उपरोक्त छूट अन्य ऑपरेटरों को भी एकमुश्त उपाय के रूप में उपलब्ध कराई जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चुनते हैं, बशर्ते कि उन्होंने निगमित स्तर पर एसबीआई विनिमय दर को अपनाया हो। इसके बाद, हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) जो कि भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) की पीएससी निगरानी शाखा है, ने मई 2020 में ब्लॉक वीएन–ओएनएन–2009/3 के लिए आरबीआई संदर्भ दर के बदले एसबीआई संदर्भ दर को अपनाने के लिए एमओपीएनजी की मंजूरी के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो वर्तमान में एमओपीएनजी के पास लंबित है। कंपनी लेखों के रखरखाव के लिए लगातार आधार पर एसबीआई संदर्भ विनिमय दरों का पालन कर रही है क्योंकि कंपनी का मुख्य बैंकर भारतीय स्टेट बैंक है, और एसबीआई विनिमय दर को अपनाने के कारण कंपनी के वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, क्योंकि कंपनी में विदेशी मुद्रा के लेनदेन वास्तविक लागत के आधार पर दर्ज किए जाते हैं और अवधि के अंत में विदेशी मुद्रा देनदारियों और परिसंपत्तियों को भी एसबीआई संदर्भ दर के अनुसार मान्यता दी जाती है। भारतीय रिजर्व बैंक संदर्भ दर के मुकाबले डीजीएच के साथ लागत वसूली विवरणों की एसबीआई संदर्भ दर तैयार करने के लिए वित्तीय निहितार्थ महत्वहीन है।

**46.1.15.** वर्ष 2021–22 के दौरान हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय ने कंपनी/जेओ के संघ के अधूरे कार्यक्रम (सीओयूडब्ल्यूपी) की लागत और उस पर ब्याज (18 सीओयूडब्ल्यूपी प्लस सीओयूडब्ल्यूपी पर 4 ब्याज) से संबंधित 22 नेल्प ब्लॉकों के मुद्दों को बाहरी प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की समिति (सीईईई) को भारत सरकार और कंपनी/इसके जेओ–भागीदारों (ठेकेदारों) के बीच ठेकेदारों की सहमति के आधार पर सुलह कार्यवाही के लिए मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए भेजा था। उक्त 22 ब्लॉकों में से कंपनी 19 ब्लॉकों में ऑपरेटर है और शेष 3 ब्लॉक अन्य ऑपरेटरों द्वारा प्रचालित किए गए थे। सीईईई ने 2021–22 और 2022–23 के दौरान कंपनी और उसके जेओ भागीदारों द्वारा किए गए

अम्यावेदन पर विभिन्न बैठकें कीं। सीईईई ने 30 मार्च, 2023 के अपने संचार के माध्यम से 10 ब्लॉकों के लिए प्रस्तावित निपटान प्रस्तावों को साझा किया है और इस पर कंपनी और उसके जेओ भागीदारों से टिप्पणियां मांगी हैं। इसके बाद, सीईईई के सचिव के निमंत्रण पर, कंपनी और उसके जेओ भागीदारों ने 17 अप्रैल, 2023 को सीईईई सदस्यों को प्रस्तावित निपटान प्रस्तावों पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कीं। इसके अलावा, कंपनी ने 21 अप्रैल, 2023 के अपने संचार के माध्यम से सीईईई द्वारा निष्पक्ष और न्यायसंगत विचार के आधार पर उपरोक्त ब्लॉकों के लिए संशोधित निपटान प्रस्ताव के लिए उक्त 10 ब्लॉकों के लिए लिखित प्रस्तुतियाँ दीं। कंपनी द्वारा की गई प्रस्तुतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए 2 मई, 2023 को सीईईई की एक बैठक आयोजित की गई थी। सीईईई की दिनांक 17.08.2023 की सिफारिशों और उसके बाद दिनांक 15.12.2023 के संचार के आधार पर, ओएनजीसी ने जनवरी, 2024 के पहले सप्ताह में उक्त 22 ब्लॉकों में सीओयूडब्ल्यूपी मुद्दों के पूर्ण और अंतिम निपटान के लिए कुल देय राशि 49,509,300 अमेरीकी डॉलर (₹ 4,121.40 मिलियन के बाबर) का भुगतान किया।

- 46.1.16.** हाइड्रोकार्बन महानिदेशक (डीजीएच) ने 4 अप्रैल, 2017 के अपने पत्र के माध्यम से शेल गैस और तेल की खोज और दोहन के लिए निश्चित समय सीमा के भीतर न्यूनतम कार्य कार्यक्रम को पूरा नहीं करने के कारण निश्चित हर्जाने के रूप में ₹ 645.24 मिलियन की मांग की। कंपनी ने उठाई गई मांग के जवाब में बताया कि शेल गैस नीति 2013 / सरकार का अनुमति पत्र खंड-I के पैरा V में शेल गैस और तेल अन्वेषण/दोहन अधिकारों के अनुदान के लिए भारत सरकार के नियम 1 में, यदि मूल्यांकन शेल गैस और तेल संसाधनों की स्थापना नहीं करता है, तो एलडी के बिना, जी एंड जी अध्ययनों के बाद शेल गैस और तेल प्रचालन से वापसी का प्रावधान है। उपरोक्त के आधार पर, परिसमाप्त हर्जाना लागू नहीं है क्योंकि विभिन्न बैसिनों में जी एंड जी अध्ययनों के माध्यम से मूल्यांकन ने शेल गैस और तेल संसाधनों की स्थापना नहीं की है। भारत सरकार द्वारा जारी 08 अगस्त, 2018 को अपारंपरिक हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण और दोहन के लिए नीति ढांचे में भी इसे दोहराया गया है, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय तेल कंपनियों (एनओसी) को दिए गए नामांकन ब्लॉकों में, एनओसी को तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम 1948 और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के तहत सभी प्रकार के हाइड्रोकार्बन की खोज और दोहन की अनुमति होगी 2013 की शेल गैस नीति को उस सीमा तक संशोधित और / या विस्तारित माना जाएगा।

इस मामले पर डीजीएच/एमओपीएनजी के साथ विभिन्न बैठकों में विचार-विमर्श किया गया और उसका पालन किया गया। कंपनी ने 30 अगस्त, 2022 को डीजीएच को लिखे अपने पत्र में फिर से कहा कि इस मामले में कोई एलडी लागू नहीं है और इस प्रस्तुतिकरण के आधार पर, मामले को बंद माना जाए और उक्त प्रस्तुतिकरण के बाद डीजीएच से कोई और संचार/मांग प्राप्त नहीं हुई है और तदनुसार कोई देयता/आकस्मिक देयता मान्यता प्राप्त/प्रकट नहीं की गई है।

- 46.1.17.** वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, हाइड्रोकार्बन महानिदेशक ने ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 और सीबी–ओएस/2 के लिए रॉयल्टी के अवैतनिक/कम भुगतान के कारण ₹ 4,881.35 मिलियन की मांग की थी, जिसमें 2016–17 से 2020–21 की अवधि के लिए ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 के संबंध में ₹ 262.41 मिलियन की मूल राशि और ₹ 148.74 मिलियन का दंडात्मक ब्याज और 2006–07 से 2020–2021 की अवधि के लिए ब्लॉक सीबी–ओएस/2 के संबंध में ₹ 1,209.48 मिलियन की मूल राशि और उसी पर ₹ 3,260.72 मिलियन का दंडात्मक ब्याज शामिल है। कंपनी ने विभिन्न बैठकों और लिखित संचार के माध्यम से डीजीएच/एमओपीएनजी के साथ इस मुद्दे को उठाया था, जिसमें ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 के संबंध में अंतिम पत्राचार दिनांक 09 सितंबर, 2021 और ब्लॉक सीबी–ओएस/2 के संबंध में दिनांक 26 अक्टूबर, 2021 का पत्र था और कहा गया था कि डीजीएच द्वारा उठाई गई मांग तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम 1948 (ओआरडी अधिनियम) और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (पीएनजी नियम) नियम, 2003 और उसके तहत जारी अधिसूचनाओं के वैधानिक प्रावधानों के साथ पठित उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के विभिन्न प्रावधानों के संदर्भ में मान्य नहीं है। ओआरडी अधिनियम के अनुसार रॉयल्टी वेल हेड पर प्राप्त मूल्य की निर्धारित दर पर देय है। इसमें यह भी प्रावधान है कि पिछले वर्ष के लेखा-परीक्षित लेखों में रिपोर्ट किए गए वास्तविक पूर्व वेल हेड व्यय के आधार पर पूर्व वेल हेड लागत/वेल हेड मूल्य निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा, ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 के संबंध में उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के प्रावधानों के अनुसार, कंपनियों (पट्टेदारों) को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के वेल-हेड मूल्य की निर्धारित दर पर सरकार (पट्टेदार) को रॉयल्टी का भुगतान करना होगा। पेट्रोलियम खनन पट्टे में यह भी प्रावधान है कि पट्टेदार ओआरडी अधिनियम, 1948 (1948 का 53) और प्री और प्रा.वे. नियम, 1959 के अधीन है। इसमें आगे यह भी प्रावधान है



कि पट्टेदार द्वारा रॉयल्टी का भुगतान उक्त ब्लॉक/अनुबंध क्षेत्र के संबंध में पट्टेदार और सरकार के बीच किए गए किसी भी अनुबंध की शर्तों के अनुसार या भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों पर किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, डीजीएच ने 21 सितंबर, 2023 के अपने पत्र के माध्यम से ब्लॉक केजी-ओएसएन-2001/3 के लिए 31 मार्च, 2023 तक रॉयल्टी के अवैतनिक/कम भुगतान और 30 जून, 2023 तक दंडात्मक ब्याज के लिए ₹ 637.67 मिलियन की संशोधित मांग उठाई है। डीजीएच ने 21 सितंबर, 2023 के पत्र के माध्यम से ब्लॉक सीबी-ओएस/2 के लिए 31 मार्च, 2023 तक रॉयल्टी के अवैतनिक/कम भुगतान और 30 जून, 2023 तक दंडात्मक ब्याज के लिए ₹ 6,432.63 मिलियन की मांग भी उठाई है। इस मामले को विभिन्न बैठकों के माध्यम से डीजीएच/एमओपीएनजी के साथ फिर से उठाया गया है और यह समझा जाता है कि मामला एमओपीएनजी के सक्रिय विचाराधीन है डीजीएच/एमओपीएनजी के अंतिम निर्णय तक, कुल 7,070.30 मिलियन रुपए की उक्त मांगों को आकस्मिक देयताओं के रूप में प्रकट किया गया है।

**46.1.18.** वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, कंपनी ने जीएसपीसी के साथ फार्म इन और फार्म आउट (फीफो) समझौता किया था, जिसके तहत ब्लॉक सीबी-ओएनएन-2004/2 में जीएसपीसी की हिस्सेदारी यानी 45% का अधिग्रहण किया जाएगा, जिसकी बिक्री प्रतिफल राशि अमरीकी डालर 3,000,021/- होगी, जिसकी पूर्वव्यापी तिथि 1 जनवरी, 2023 होगी। फीफो समझौते पर 21 मार्च, 2024 को हस्ताक्षर किए गए और हस्ताक्षरित फीफो समझौते और असाइनमेंट डीड को अनुमोदन के लिए हाइड्रोकार्बन महानिदेशक के समक्ष रखा गया है। इस अधिग्रहण के साथ, ब्लॉक में ओएनजीसी की भागीदारी हित बढ़कर 100% हो जाएगा।

## भारतीय लेखा मानक 36 के अंतर्गत प्रकटीकरण – परिसंपत्तियों की हानि

**47.1.** कंपनी मुख्य रूप से अभिटट और अपटट में तेल और गैस की खोज और उत्पादन के व्यवसाय में लगी हुई है। अभिटट के मामले में, क्षेत्र सामान्य उत्पादन/परिवहन सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं और नकदी उत्पादक इकाई (सीजीयू) का गठन करने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक रूप से परस्पर निर्भर हैं। तदनुसार, सभी अभिटट क्षेत्रों का हानि परीक्षण कुल मिलाकर परिसंपत्ति स्तर पर किया जाता है। अपटट के मामले में, एक क्षेत्र को आम तौर पर सीजीयू के रूप में माना जाता है, सिवाय उन क्षेत्रों के जो कलस्टर या कलस्टर के समूह के रूप में विकसित होते हैं, जिनके लिए सामान्य सुविधाओं का उपयोग किया जाता

है, ऐसे मामले में कलस्टर या कलस्टर के समूह में शामिल सभी क्षेत्रों के लिए हानि परीक्षण कुल मिलाकर किया जाता है।

**47.2.**

उत्पादक/विकासशील सीजीयू के उपयोग में मूल्य एक बहु-चरण दृष्टिकोण के तहत निर्धारित किया जाता है, जिसमें भविष्य के नकदी प्रवाह का प्रारंभिक रूप से सिद्ध विकसित भंडार के आधार पर अनुमान लगाया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जहां सीजीयू में क्षेत्रों का आगे विकास प्रगति पर है और जहां सीजीयू के वहन मूल्य को केवल सिद्ध विकसित भंडारों के दोहन के माध्यम से बसूल किए जाने की संभावना नहीं है, भविष्य के नकदी प्रवाह का अनुमान लगाने के उद्देश्य से सीजीयू के सिद्ध और संभावित भंडार (2पी) लिए जाते हैं। ऐसे मामलों में, उपयोग में मूल्य का निर्धारण करते समय भविष्य के विकास की अपेक्षित लागत का पूरा अनुमान भी माना जाता है।

**47.3.**

उपयोग में मूल्य का आकलन करते समय, परिसंपत्तियों के निरंतर उपयोग से और इसके उपयोगी जीवन के अंत में इसके निपटान से अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है। नकदी प्रवाह का वर्तमान मूल्य ₹ के लेन-देन के लिए 14.91% (31 मार्च, 2023 तक: 16.10%) की छूट दरों को लागू करके निर्धारित किया गया है और कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों के राजस्व के लिए 11.96% (31 मार्च, 2023 तक: 12.16%), जिन्हें यूएसडी में मापा जाता है। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह की गणना, भविष्य के कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की कीमतों के प्रबंधन के अनुमान का उपयोग करके की गई है, जिसे यूएसडी में मापी गई नकदी प्रवाह पर लागू दर को लागू करके छूट दी गई है।

**47.4.**

कंपनी ने भविष्य की आर्थिक स्थितियों की आंतरिक और बाहरी जानकारी/संकेतकों के आधार पर भविष्य के कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पाद की कीमतों का आकलन करने के लिए मौजूदा व्यावसायिक स्थितियों पर विचार किया है। मूल्यांकन के आधार पर, कंपनी ने संचित हानि प्रावधान के अधीन वहन राशि, जो उपयोग में मूल्य के बराबर है, से अधिक शुद्ध हानि प्रतिवर्तन दर्ज किया है, जिसकी राशि ₹ 7,942.24 मिलियन है (पिछले वर्ष: ₹ 5,270.26 मिलियन की शुद्ध हानि), इसमें अभिटट सीजीयू में ₹ 422.94 मिलियन की शुद्ध हानि (पिछले वर्ष: ₹ 559.68 मिलियन) और अपटट सीजीयू में ₹ 8,365.18 मिलियन की शुद्ध हानि प्रतिवर्तन (पिछले वर्ष: ₹ 4,710.58 मिलियन की शुद्ध हानि) शामिल है।

**47.5** 31 मार्च, 2024 के अनुसार संबंधित सीजीयू हेतु निम्नलिखित 2पी भंडारों को क्षति आकलन हेतु एक आधार के लिए लिया गया है:-

सीजीयू का नाम	क्षति आकलन हेतु प्रयुक्त भंडारों की मात्रा (एमएमटी में)
असम ऑनशोर परिसंपत्ति	39.16
अंकलेश्वर परिसंपत्ति	14.68
केजी-ओएस्सन-2001/3 ब्लाक	22.95
एस1 वशिष्ठ	4.76
आरजे-ओएन-90/1 ब्लाक	7.87
डब्ल्यूओ 16 (पश्चिमी अपतट)	8.88
केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 ब्लाक	65.93
सिलचर अभिटीय परिसंपत्ति	0.98
राजस्थान अन्वेषण परिसंपत्ति	0.10

31 मार्च, 2024 को अन्वेषणात्मक चरण (अन्वेषणात्मक कुएं प्रगति पर) के तहत आस्तियों का क्षति परीक्षण किया गया है और वर्ष के दौरान 2843.84 मिलियन रुपए (पिछले वर्ष 20067.81 मिलियन रुपए) का शुद्ध क्षति प्रत्यावर्तन किया गया है।

**47.6.** सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में कंपनी के निवेश की हानि के लिए जाँच तब की जाती है जब कोई महत्वपूर्ण संकेत मिलता है कि उन निवेशों में हानि हुई है। वर्ष के दौरान ऐसे निवेशों का हानि मूल्यांकन किया गया और ऐसे निवेशों का उपयोग मूल्य/उचित मूल्य वहन मूल्य से अधिक था और इसलिए ऐसे निवेशों पर कोई हानि प्रदान नहीं की गई है।

## 48. आकस्मिक देयताएं, आकस्मिक परिसंपत्तियां और प्रतिबद्धताएं (प्रावधान न किए गए की सीमा तक)

**48.1** आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां :

**48.1.1** कंपनी के विरुद्ध दावे / विवादित मार्गों जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया: -

	विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
<b>क</b>	कंपनी के संबंध में :		
I	आयकर	110,341.24	83,171.90
II	उत्पाद शुल्क	8,345.30	7,963.79
III	सीमा शुल्क	119.92	119.92
IV	रॉयल्टी	496.82	496.82
VI	एपी खनिज युक्त भूमि (आधारभूत ढांचा) उपकर	3,656.10	3,538.42
VII	बिक्री कर	25,981.58	28,424.43
VIII	सेवा कर (टिप्पणी सं. 48.1.1.ख)	18,930.39	18,697.89
IX	माल और सेवा कर (टिप्पणी सं. 48.1.1.ख)	6,366.86	3,235.87
X	चुंगी और अन्य नगरीय कर	151.15	141.28
XI	विनिर्दिष्ट भूमि कर (असम)	14,337.90	15,970.90
XII	मध्यस्थता/न्यायालय में ठेकेदारों के दावे (एलएक्यू सहित) (देखें टिप्पणी 48.1.1.च)	152,565.12	172,260.09
XIII	कर्मचारी भविष्य निधि	66.35	66.35
XIV	अन्य मामले	20,258.99	24,274.41
	<b>अनुयोग (क)</b>	<b>361,617.72</b>	<b>358,362.07</b>



	विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
ख	संयुक्त उद्यमों तथा एसोसिएटों के संबंध में		
I	आयकर	8.91	8.91
II	नगर निगम कर	149.23	143.80
III	रॉयल्टी	7,070.30	5,922.04
IV	बिक्री कर	2,621.66	2,621.66
V	सेवा कर (टिप्पणी सं. 48.1.1.ख)	23,498.93	23,239.44
VI	जीएसटी (टिप्पणी सं. 48.1.1.ख)	46,306.19	37,198.45
VII	मध्यस्थता / न्यायालय में ठेकेदारों के दावे	13,266.20	12,335.72
VIII	अन्य	196,842.69	167,886.61
	अनुयोग (ख)	<b>289,764.11</b>	<b>249,356.63</b>
	कुल (क+ख)	<b>651,381.83</b>	<b>607,718.70</b>

क. कंपनी के लम्बित मुकदमेबाजी में कंपनी के विरुद्ध दावे और कर/सांविधिक/सरकारी प्राधिकारियों के समक्ष लम्बित कार्यवाहियां शामिल हैं। कंपनी ने अपने सभी लम्बित मुकदमों तथा कार्यवाहियों की समीक्षा की है और जहां कहीं अपेक्षित हों पर्याप्त प्रावधान किए हैं तथा जहां कहीं लागू हों आकस्मिक देयताओं को अपने वित्तीय विवरणों में प्रकट किया है। कंपनी इन कार्यवाहियों के परिणामों की इसकी वित्तीय स्थिति पर अदि तक प्रभाव होने की आशा नहीं रखती है। उपरोक्त के संबंध में भविष्य के नकदी बाह्य प्रवाह को विभिन्न फोरम/प्राधिकारियों के साथ लम्बित आदेशों/निर्णयों के प्राप्त होने पर ही निर्धारित किया जा सकता है।

भविष्य में नकदी का बर्हिप्रवाह में केवल विभिन्न मंचों/प्राधिकरणों के पास

ख. कंपनी को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के संबंध में रॉयल्टी पर सेवा कर के कारण विभिन्न कार्य-केंद्रों में सेवा कर विभाग से मांग आदेश प्राप्त हुए थे। ऐसे आदेशों के विरुद्ध अधिकरणों के समक्ष अपील दायर की गई है और स्थिति निम्नानुसार है:

i. चेन्नै अधिकरण ने दिनांक 09.01.2024 के आदेश के अंतर्गत रॉयल्टी पर सेवा कर की मांग को खारिज कर दिया है।

ii. अहमदाबाद अधिकरण ने 25 जून, 2019 के आदेश के अंतर्गत मामले को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया, जिसके विरुद्ध कंपनी ने माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के समक्ष

रिट याचिका दायर की है। इस मामले में, माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने 4 जनवरी, 2021 को हुई सुनवाई में राजस्व अधिकारियों को 21 जनवरी, 2021 तक जवाबी हलफानामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जो 20 जनवरी, 2021 को दाखिल किया गया। इसके बाद, माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का निपटारा कर दिया और ओएनजीसी को उपरोक्त चेन्नई अधिकरण आदेश को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद अधिकरण के समक्ष तत्काल सुनवाई अपील दाखिल करने और अधिकरण को शीघ्र सुनवाई करने का निर्देश दिया है। ओएनजीसी ने 10 अप्रैल, 2024 को अहमदाबाद अधिकरण के समक्ष शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन दायर किया है, हालांकि, सुनवाई अभी निर्धारित नहीं की गई है।

iii. मुंबई अधिकरण के समक्ष भी मामला सुनवाई के लिए निर्धारित किया जाना है।

कंपनी ने कानूनी राय भी प्राप्त की थी जिसके अनुसार कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के संबंध में रॉयल्टी पर सेवा कर/जीएसटी लागू नहीं है। तथापि, जीएसटी व्यवस्था के अंतर्गत भी मुकदमेबाजी जारी रही, जिसकी स्थिति इस प्रकार है:

कंपनी को राजस्थान राज्य में रॉयल्टी पर जीएसटी के कारण 1 जनवरी, 2019 का डिमांड ऑर्डर भी प्राप्त हुआ। कंपनी ने माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका (4919 / 2019) दायर की। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने 3 अप्रैल, 2019 को मामले की सुनवाई की और विभाग को नोटिस

- जारी कर निर्देश दिया कि कंपनी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। अंतिम सुनवाई अभी तक नहीं हुई है।
- 2) कंपनी ने रॉयल्टी पर जीएसटी लगाने पर रोक लगाने की मांग करते हुए माननीय मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष परमादेश रिट (9961/2019) भी दायर की। माननीय मद्रास उच्च न्यायालय ने 3 अप्रैल, 2019 को मामले की सुनवाई की और केंद्र सरकार और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। केंद्र सरकार ने 26 अगस्त, 2019 को अपना जवाबी हलफनामा दायर किया। कंपनी ने रिट याचिका में अतिरिक्त आधार दायर किए और 24 जनवरी, 2020 को केंद्र सरकार के जवाब पर प्रत्युत्तर दायर किया। माननीय मद्रास उच्च न्यायालय ने 6 जुलाई, 2022 को हुई सुनवाई में विभाग द्वारा कंपनी के जीएसटी रिफंड आवेदनों को योग्यता के आधार पर आगे की जांच किए बिना खारिज करने के आधार पर रिट याचिका को बंद कर दिया। हालांकि कानून के अनुसार विभाग के रिफंड अस्वीकृति आदेश को चुनौती देने की स्वतंत्रता दी गई, तदनुसार, विभाग के 24 जून, 2022 के रिफंड अस्वीकृति आदेश को चुनौती देते हुए अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर की गई है।
- 3) रॉयल्टी पर जीएसटी के संबंध में परिवाद विभिन्न कार्य केन्द्रों के लिए विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर भी लिखित हैं।

पर्याप्त सावधानी बरतते हुए, कंपनी ने 31 मार्च, 2024 तक विरोध के साथ व्याज की राशि सहित रॉयल्टी पर विवादित सेवा कर और जीएसटी के रूप में ₹ 140,664.15 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 115,581.52 मिलियन) की राशि जमा कर दी है।

कंपनी कानूनी राय के आधार पर विभिन्न मंचों के समक्ष ऐसे विवादित मामलों पर मुकदमा चलाना जारी रखेगी, जिसके अनुसार कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के संबंध में रॉयल्टी पर सेवा करन्हीं लागू नहीं है। तथापि, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के नौ न्यायाधीशों की पीठ द्वारा इसी तरह के मामले में लंबित अंतिम निर्णय पर विचार करते हुए, कंपनी ने रॉयल्टी पर विवादित सेवा कर और जीएसटी के पूरे मुद्दे की समीक्षा की है और नामित क्षेत्रों के संबंध में विवेकपूर्ण और रुढ़िवादी अभ्यास के रूप में इन विवादित करों के लिए प्रावधान करने का फैसला किया है, जो संयुक्त उद्यम ब्लॉकों में सहमत शर्तों के अनुसार है जहां संयुक्त उद्यम भागीदारों के बीच कोई विवाद नहीं है और संयुक्त उद्यम ब्लॉकों में कंपनी की भागीदारी हित की सीमा तक है जहां संयुक्त उद्यम भागीदारों के बीच विवाद विद्यमान है।

तदनुसार, कंपनी ने 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि के लिए रॉयल्टी (उस पर व्याज सहित) पर विवादित एसटी/जीएसटी के लिए बहियों में ₹ 146,535.16 मिलियन की सीमा तक का प्रावधान किया है (31 मार्च, 2023 तक ₹ 121,074.46 मिलियन)। वित्तीय वर्ष 2023–2024 से संबंधित प्रावधान ₹ 25,460.69 मिलियन है। भागीदारों के भाग की सामी तक जेवी ब्लॉकों से संबंधित रॉयल्टी पर एसटी/जीएसटी के प्रति देयता के संबंध में, जहां विवाद विद्यमान हैं, कंपनी का मानना है कि सेवा कर/जीएसटी, यदि रॉयल्टी पर लागू होता है, तो जेवी भागीदारों को उसका जेवी ब्लॉकों में भागीदारी हित के अपने संबंधित भाग से निर्वहन करना होगा, भले ही ओएनजीसी एक लाइसेंसधारी हो। कंपनी का यह दृष्टिकोण राजस्थान संयुक्त उद्यम से संबंधित कंपनी और संयुक्त उद्यम भागीदारों के बीच मध्यस्थता के संदर्भ में भारत के अपर महाधिवक्ता (एएसजीआई) की कानूनी राय द्वारा समर्थित है, जहां पीएससी की शर्तों और नियमों पर विचार न करने को ध्यान में रखते हुए नवीन मध्यस्थता की सिफारिश की गई है, जो संयुक्त उद्यम भागीदारों को मध्यस्थ अधिकरण, लंदन द्वारा अपने अंतिम फैसले में सेवा कर और जीएसटी सहित करों का भुगतान करने के लिए बाध्य करता है।

तदनुसार, जिन संयुक्त उद्यम ब्लॉकों में विवाद हैं (राजस्थान ब्लॉक सहित) उनमें रॉयल्टी पर विवादित एसटी/जीएसटी में अन्य संयुक्त उद्यम भागीदारों का हिस्सा, 31 मार्च, 2024 तक व्याज सहित, ₹ 52,964.04 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 43,318.13 मिलियन) के प्रावधान पर विचार नहीं किया गया है और इसे आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है।

इस संबंध में कंपनी द्वारा शास्ति और अन्य अंतरों के लिए प्राप्त शेष विवादित मांग अर्थात ₹ 18,721.67 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 18,624.60 मिलियन) को भी आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है।

इस विषय पर आयकर विशेषज्ञों की राय को ध्यान में रखते हुए, विरोध के तहत जमा की गई उपरोक्त राशि को आयकर रिटर्न/जारी मूल्यांकन और अपीलीय कार्यवाही में, प्रासंगिक पिछले मूल्यांकन वर्षों के लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 43ख के साथ पठित धारा 37 के तहत स्वीकार्य व्यय के रूप में दावा किया गया है और इसे पिछले वर्षों के लिए वर्तमान कर की गणना करते समय और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए



वर्तमान कर के लिए भी स्वीकार्य व्यय के रूप में माना गया है। कंपनी ने उपरोक्त अवधि के लिए विवादित कराँ के लिए किए गए प्रावधान के विरुद्ध जमा की जाने वाली राशि के संबंध में 977.15 मिलियन रुपए की राशि की आस्थगित कर परिसंपत्ति भी बनाई है। (टिप्पणी संख्या 24.4 देखें)

ग. कंपनी और प्रचालक – वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्नर इंडिया लिमिटेड) के बीच ब्लॉक आरजे–ओएन–90/1 में अन्वेषण, विकास और उत्पादन लागत के संबंध में लागत वसूली और साझाकरण सहित कुछ अनसुलझे मुद्दे हैं। मुद्दों के निपटान के लंबित रहने तक, कंपनी ने 31 मार्च, 2024 तक आकस्मिक देयता के तहत 233.54 मिलियन अमरीकी डॉलर – ₹ 19,467.89 मिलियन (पिछले वर्ष : 203.92 मिलियन अमरीकी डॉलर – ₹ 16,752.14 मिलियन के बराबर) की राशि दिखाई है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने पीएससी प्रावधानों के अनुसार संपरीक्षा अपवादों के विरुद्ध ब्लॉक आरजे–ओएन–90/1 के संबंध में अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम के भुगतान की मांग की। उक्त मांग पीसीए मामले 2020–39 में वेदांता और भारत सरकार के बीच मध्यस्थता कार्यवाही के तहत है, जिसमें उक्त मांग को मध्यस्थ अधिकरण ने अपने पंचाट दिनांक 22.08.2023 और 08.12.2023 के माध्यम से खारिज कर दिया है। परिणाम की अंतिमता और उसी पंचाट के परिमाण के आने तक, कंपनी ने 31.03.2024 तक आकस्मिक देयता के तहत 498.02 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि दिखाई है – जो ₹ 41,514.75 मिलियन के बराबर है (पिछले वर्ष : 196.45 मिलियन अमरीकी डॉलर जो ₹ 16,138.29 मिलियन के बराबर है)। अधिक जानकारी के लिए, कृपया टिप्पणी संख्या 46.1.8 और 46.1.9 देखें।

घ. कंपनी 40% प्रतिभागिता हित के साथ पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ ताप्ती फील्डों में संयुक्त प्रचालक है जिसमें रिलाइंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और बीजीएक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) प्रत्येक का 30% प्रतिभागिता हित है (तीनों को एक साथ “संविदाकार” कहा गया है)। पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ ताप्ती संविदा क्षेत्रों के संबंध में उत्पादन साझेदारी संविदाओं (पीएससी) पर संविदाकारों तथा भारत सरकार के मध्य 22 दिसम्बर, 1994 को 25 वर्षों की अवधि के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। पन्ना मुक्ता और मिड एण्ड साउथ ताप्ती के लिए पीएससी 21 दिसम्बर, 2019 को समाप्त हो गए हैं। पन्ना मुक्ता फील्ड परिसंपत्ति को सौंपने के समझौते

के अनुरूप पीएमटी जेवी के संविदाकार पूर्व–विद्यमान देयता के लिए दायी है।

दिसम्बर, 2010 में आरआईएल और बीजीईपीआईएल (संयुक्त उद्यम भागीदार) ने दोनों पीएससी के प्रावधानों के अनुपालन में पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ ताप्ती संविदा क्षेत्रों के संबंध में दोनों पीएससी से उत्पन्न होने वाले या उससे संबंधित कुछ विवादों, मतभेदों तथा दावों के संबंध में भारतीय संघ के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय माध्यस्थम कार्यवाही प्रारंभ की। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने दिनांक 4 जुलाई, 2011 के पत्र के माध्यम से कंपनी को संयुक्त उद्यम भागीदारों (बीजीईपीआईएल और आरईएल) द्वारा प्रारंभ की गई माध्यस्थम कार्यवाही में भाग न लेने का परामर्श दिया था। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह भी बताया है कि माध्यस्थम निर्णय के मामले में यह दोनों पीएसई हेतु संविदाकार के एक घटक के रूप में कंपनी पर भी लागू होगा।

हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने दिनांक 25 मई, 2017 के पत्रों के माध्यम से कंपनी को सूचित किया था कि दिनांक 12 अक्टूबर, 2016 को उक्त माध्यस्थम कार्रवाइयों में अधिकरण द्वारा एक अंतिम आंशिक निर्णय (एफटीए) दिया गया था। बीजीईपीआईएल द्वारा सूचित किए गए अनुसार, अतिरिक्त रूप से 11 जनवरी, 2018 को अतिरिक्त लेखा–परीक्षा पंचाट, 1 अक्टूबर, 2018 को अनुबंध मामला पंचाट और 12 मार्च, 2019 को क्षेत्राधिकार पंचाट दिया गया था जिसमें उपरोक्त विवादों से संबंधित मुद्दे थे। तथापि, इस संबंध में कार्यवाहियों के ब्यौरे कंपनी को ज्ञात नहीं है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने 25 मई, 2017 और 4 जून, 2018 के पत्रों के माध्यम से सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों को संबोधित करते हुए एफपीए की सरकार की व्याख्या के अनुपालन में संविदाकार द्वारा देय तथाकथित लाभ पेट्रोलियम एवं रायल्टी के विभेदीय भारत सरकार के अंश के भुगतान हेतु कहा था (कंपनी का 40% का अंश 1624.05 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि का होता है जो 30 नवम्बर, 2016 तक ब्याज सहित समतुल्य रूपए में ₹ 135380.81 मिलियन (31 मार्च, 2023: ₹ 133415.71 मिलियन) बनता है। तथापि, डीजीएच के पत्रों के प्रतिउत्तर में संयुक्त उद्यम भागीदारों (जिसकी प्रति सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों को भेजी गई है) ने कहा है कि डीजीएच की मांग समय से पूर्व की गई है क्योंकि एफपीए में भारत सरकार के पक्ष में राशि का कोई निर्णय नहीं दिया गया

है और चूंकि देयताओं को मात्रात्मक रूप दिए जाने का निर्धारण माध्यरथम कार्यवाही के अंतिम चरण में होगा और उक्त को ब्रिटिश वाणिज्यिक न्यायालय (लंदन उच्च न्यायालय) के समक्ष चुनौती दी गई है। उक्त तथ्यों के आधार पर कंपनी ने डीजी एच के पत्रों पर भी यह कहते हुए प्रति उत्तर दिया है कि आदेश को अंतिम रूप दिया जानालंबित होने के चलते कंपनी द्वारा देय राशि को मात्रात्मक रूप नहीं दिया जा सकता था। कंपनी के मतानुसार यदि पीएससी की शर्तों के अनुसार प्रबंधन समिति द्वारा लागत वसूली सीमा (सीआरएल) में वृद्धि किए जाने हेतु कोई परिवर्तन अनुमोदित किए जाते हैं तो डी जीएचके प्रति देयता में संभाव्य रूप से कमी आएगी।

ब्रिटिश न्यायालय ने 2 मई, 2018 को अपना अंतिम निर्णय दिया जिसके चलते माध्यरथम अधिकरण ने 2016 एफपीए (संशोधित निर्णय) के अपने पहले के निष्कर्षों में से कुछ परपुनर्विचार किया। भारत सरकार, डीजीईपीआईएल और आरआईएल ने संशोधित निर्णय के कुछ अंशों को ब्रिटिश न्यायालय के समक्ष चुनौती दी है। 12 फरवरी, 2020 को, अंग्रेजी न्यायालय ने बीजीईपीआईएल और आरआईएल द्वारा की गई चुनौतियों के पक्ष में एक फैसला पारित किया और मामले को संशोधित अवार्ड में पुनर्विचार के लिए माध्यरथ न्यायाधिकरण को वापस भेज दिया। जनवरी 2024 में बीजीईपीआईएल द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर, अधिकरण ने प्रेषित मामले पर बीजीईपीआईएल/आरआईएल के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसे भारत सरकार द्वारा अंग्रेजी न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई है। अंग्रेजी न्यायालय ने 9 जून, 2022 को अपना निर्णय दिया जिसमें भारत सरकार की चुनौती को खारिज कर दिया गया और संशोधित समझौता पंचाट को बनाए रखा गया। भारत सरकार ने 9 जून, 2022 के अंग्रेजी न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध अपील दायर की जिसे अंग्रेजी न्यायालय द्वारा अगस्त, 2022 में अस्वीकार कर दिया गया था।

बीजीईपीआईएल द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर, भारत सरकार ने 12 अक्टूबर, 2016 के एफपीए को लागू करने और उसे निष्पादित करने की मांग करते हुए माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक निष्पादन याचिका भी दायर की है। बीजीईपीआईएल/आरआईएल का तर्क है कि भारत सरकार की निष्पादन याचिका अनुरक्षणीय नहीं है और उन्होंने उक्त याचिका के तहत भारत सरकार द्वारा मांगी गई राहत का विरोध किया है। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष मामले की सुनवाई 4 अगस्त, 2022 को समाप्त हुई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने

2 जून, 2023 को एक निर्णय जारी किया कि 2016 के एफपीए के संबंध में सरकार की निष्पादन याचिका समयपूर्व है, अनुरक्षणीय नहीं है और खारिज की जाती है। सरकार ने इस फैसले के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष अपील दायर की है जो वर्तमान में अंतिम सुनवाई के लिए लंबित है।

जनवरी, 2018 में, कंपनी ने जेवी भागीदारों के साथ पीएससी के संदर्भ में सीआरएल में वृद्धि के लिए एमसी के समक्ष एक आवेदन दायर किया था। आवेदन को एमसी ने खारिज कर दिया है। अस्वीकृति के अनुसार में, जेवी भागीदारों ने मध्यरथ अधिकरण के समक्ष दावा दायर किया है। जेवी भागीदारों में से एक ने कंपनी को आगे सूचित किया है कि मध्यरथ अधिकरण के समक्ष सुनवाई अक्टूबर–दिसंबर, 2021 की तिमाही के दौरान आंशिक रूप से प्रचालित की गई है। बीजीईपीआईएल और आरआईएल द्वारा दायर लागत वसूली सीमा वृद्धि आवेदनों के संबंध में 2021 से पर्याप्त सुनवाई हुई है और वर्तमान में 2024 की तीसरी तिमाही अर्थात् जुलाई–सितंबर, 2024 तक पंचाट मिलने की आशा है।

डीजीएचने 14 जनवरी, 2019 के पत्र के माध्यम से संविदाकारों को वर्ष 2017–18 हेतु पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ ताप्ती फील्डों के लेखे पुनः निर्धारित करने का परामर्श दिया है। मध्यरथम अधिकरण के निर्णय को अंतिम रूप दिया जाना लंबित होने के चलते संयुक्त उद्यम भागीदारों और कंपनी ने डीजीएच को अपने पत्रों में दर्शाया है कि लेखे को अंतिम रूप से रिकास्ट किया जाना अपरिपक्व है और डीजीएच द्वारा उठाए गए मुद्दों को स्थगित रखा जाए।

वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान, भारत सरकार द्वारा नामित तेल विपणन कंपनियों ने संयुक्त प्रचालन के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार 80.18 मिलियन अमरीकी डॉलर में कंपनी का हिस्सा 32.07 मिलियन अमरीकी डॉलर –2,673.26 मिलियन रुपए के बराबर (31 मार्च, 2023 : ₹ 2634.55 मिलियन), की वसूली की – पन्ना मुक्ता और ताप्ती उत्पादन साझाकरण अनुबंध। यह वसूली भारत सरकार को देय पेट्रोलियम शेयर की लागत और लाभ के संबंध में 2002–03 से 2005–06 की अवधि के लिए दो पीएससी के तहत डीजीएच द्वारा नियुक्त लेखा–परीक्षकों द्वारा उठाए गए कुछ टिप्पणियों के प्रति है।

ऊपर उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर मध्यरथता अधिकरण द्वारा अंतिम रूप दिए जाने तक, वित्तीय विवरणों की पुनः कास्टिंग और देनदारियों की अंतिम मात्रा के निर्धारण का वित्तीय विवरणों



में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। डीजीएच द्वारा उठाई गई 1,624.05 मिलियन अमरीकी डॉलर की मांग, जो 31 मार्च, 2024 को ₹ 83.36 की दर से ₹ 135,380.81 मिलियन (31 मार्च, 2023 : ₹ 133,415.71 मिलियन) के बराबर है, को आकस्मिक देयता माना गया है।

उपरोक्त प्रकटीकरण पीएमटी जेवी के संयुक्त प्रचालक बीजीईपीआईएल द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर आधारित है, व्योंगि ओएनजीसी को भारत सरकार (एमओपीएडएनजी) द्वारा दिनांक 04.07.2011 के अपने पत्र के माध्यम से सलाह दी गई है कि वह पन्ना—मुक्ता और मध्य एवं दक्षिण ताप्सी पीएससी के तहत आरआईएल और बीजीईपीआईएल द्वारा शुरू की गई मध्यस्थता में भाग न लें। हालाँकि, मध्यस्थता पंचाट के मामले में, यह दोनों पीएससी के लिए संविदाकार के घटक के रूप में ओएनजीसी पर भी लागू होगा।

ड. कंपनी भारत सरकार से प्रारम्भिक मंजूरी के बाद राज्य सरकार (रो) द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न पेट्रोलियम खनन पट्टों (पीएमएल) का प्रचालन कर रही है। तेल खनन पट्टे को प्रदान किया जाना तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास), अधिनियम 1948 (ओआरडी अधिनियम) के उपबंधों द्वारा विनियमित और शासित किया जाता है। एक बार पट्टा आदेश प्रदान कर दिए जाने के बाद, पट्टेदार को संबंधित राज्य सरकार के साथ पट्टा विलेख निष्पादित करना होता है। निष्पादित पट्टा विलेख पर स्टाम्प शुल्क संबंधित राज्यों के स्टाम्प अधिनियम के अनुसार देय है। कंपियर राज्य सरकारें ऐसे राज्यों के लिए लागू स्टाम्प शुल्क अधिनियम (अधिनियमों) के तहत स्टाम्प शुल्क की गणना के उद्देश्य से अन्य भुगतानों जैसे प्रतिभूति जमा, भूतल किराया और डेड रेंट आदि के अलावा रॉयल्टी की राशि को शामिल करने पर विचार करती हैं।

तथापि, कंपनी का दृष्टिकोण है कि कंपनी द्वारा देय रॉयल्टी राज्य सरकार को किराया नहीं है, बल्कि यह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 (पीएनजी नियम) के नियम 14 के तहत देय है। किराए और रॉयल्टी की अवधारणा के बीच एक अंतर है। शब्द “रॉयल्टी” खनन पट्टे में रिडेंडम के उस हिस्से को दर्शाता है जो परिवर्तनशील है और एक निर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त खनिजों या निकाले खनिज की मात्रा पर निर्भर करता है। जबकि किराया भूमि के उपयोग और कब्जे के लिए देय राशि है। इसलिए, यह उचित रूप से माना जा सकता है कि स्टाम्प शुल्क की गणना के उद्देश्य से, रॉयल्टी की राशि पीएमएल के

लिए निष्पादित किए जाने वाले पट्टा विलेख के प्रतिफल मूल्य का भाग नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने 31 दिसंबर, 2014 के पत्र द्वारा तमिलनाडु राज्य सरकार को सूचित किया कि पीएनजी नियमों के साथ पठित ओआरडी अधिनियम के तहत दिए गए खनन पट्टों पर स्टाम्प शुल्क के निर्धारण के लिए रॉयल्टी को आधार के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

मामले को सुलझाने में लगने वाले समय को देखते हुए, असम सरकार ने एक रास्ता निकाला है ताकि पट्टे पर हस्ताक्षर किए जा सकें। भूविज्ञान और खान निदेशालय के निदेशक ने 10 जून, 2021 के पत्र के माध्यम से असम सरकार के अपर मुख्य सचिव से अनुमोदन प्राप्त किया था, ताकि कंपनियों के साथ पेट्रोलियम खनन पट्टे (पीएमएल) के लिए डेड रेंट के आधार पर विलेख पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी जा सके, जैसा कि पहले किया गया था।

भारत के महाधिवक्ता ने 05 मई, 2007 को अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा था कि रॉयल्टी और किराए के बीच का अंतर अच्छी तरह से तय हो गया है। चाहे संपत्ति पर काम किया गया है या नहीं, इस पर ध्यान दिए बिना किराया देय होगा। दूसरी ओर, रॉयल्टी एक परिवर्तनशील आंकड़ा है। यह प्राप्त खनिज की मात्रा पर निर्भर करेगा। यदि खदान पर काम नहीं किया जाता है, तो भी किराया देय होगा। इसलिए, उनका मत था कि स्टाम्प शुल्क की गणना के उद्देश्य से रॉयल्टी को शामिल करना अनुचित और तर्क नहीं है। मुहे पर स्पष्टता के अभाव में फर्म की देनदारी या आकस्मिक देयता की राशि अनिश्चित है।

तीन खनन कंपनियों अर्थात गमीज, मोटेरा और सांगंद एक्सटेंशन—॥ के संबंध में स्टाम्प रजिस्ट्रार, अहमदाबाद के समक्ष कुछ खनन पट्टों के संबंध में खनन पट्टा समझौतों के निष्पादन के लिए देय स्टाम्प शुल्क का निर्धारण करने के लिए कार्यवाही चल रही थी। ये कार्यवाही स्टाम्प अधिनियम के तहत अधिकारियों अर्थात मुख्य नियंत्रण राजस्व प्राधिकरण / स्टाम्प रजिस्ट्रार द्वारा 21 मार्च, 2024 को पूरी की गई। उक्त आदेश अभी कंपनी को प्राप्त होना बाकी है।

भारत सरकार ने पीएसयू द्वारा लंबित संविदा विवादों को निपटाने के लिए विवाद से विश्वास ॥ (संविदात्मक विवाद) योजना शुरू की है। कंपनी ने योजना के कार्यान्वयन के लिए स्वीकृति थी दे दी है। उक्त योजना के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान

कुछ मामलों का निपटारा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप ₹ 22,843.47 मिलियन की आकस्मिक देयता समाप्त हो गई (टिप्पणी संख्या 28.4 देखें)।

## 48.1.2 आकस्मिक परिसंपत्ति

आकस्मिक परिसंपत्ति एक ऐसी संभावित परिसंपत्ति है जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसकी मौजूदगी की पुष्टि भविष्य की एक अथवा अधिक अनिश्चित घटनाओं के होने या न होने पर होगी जो पूरी तरह से इकाई के नियंत्रण में नहीं है। व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया के दौरान कई अनसुलझे कई अनसुलझे मुद्दे वर्तमान में बकाया हैं। ऐसे दावों के संबंध में आर्थिक लाभ के प्रवाह को संबंधित घटनाओं तथा परिस्थितियों के आस-पास मौजूद होने वाली अनिश्चितताओं के कारण मापा नहीं जा सकता।

## 48.2 प्रतिबद्धताएँ

### 48.2.1 पूंजी प्रतिबद्धताएँ:

पूंजी लेखे पर निष्पादित किए जाने वाले अनुबंधों की अनुमानित राशि:-

- i) कंपनी के संबंध में ₹ 199,970.49 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 115,409.12 मिलियन)।
- ii) संयुक्त प्रचालन के संबंध में ₹ 60,159.64 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 39,542.56 मिलियन)।

### 48.2.2 अन्य प्रतिबद्धताएँ

- i) भारत सरकार/नामांकित ब्लाकों के साथ "विभिन्न" उत्पादन साझेदारी संविदाओं और "राजस्व साझेदारी संविदाओं" के अंतर्गत प्रतिबद्ध न्यूनतम कार्यकार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) की अनुमानित राशि—  
(क) नेत्य/ओएएलपी/डीएसएफ ब्लाकों के संबंध में जिनमें कंपनी का 100% प्रतिभागिता हित है। ₹ 130942.19 मिलियन (गतवर्ष ₹ 116310.45 मिलियन)।  
(ख) संयुक्त प्रचालनों में नेत्य/ओएएलपी/डीएसएफ ब्लाकों के संबंध में कंपनी का अंश ₹ 2453.93 मिलियन (गतवर्ष ₹ 11049.98 मिलियन)।

ii) एक संयुक्त उद्यम कंपनी ओएनजीसी पेट्रो एडीशन लिमिटेड (ओपीएएल) के संबंध में शेयर वारंट के सबस्क्रिप्शन के चलते ₹ 862.81 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 862.81 मिलियन) की राशि ₹ 0.25 प्रति शेयर के शेष भुगतान के पश्चात शेयरों को परिवर्तित करने की शर्त के साथ है।

iii) कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड द्वारा तीन खेप में जारी 77,780.00 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष 77,780.00 मिलियन रुपए) की राशि के बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबंगर (सीरीडी) के मूलधन तथा संचित कूपन के पुनर्मुग्यतान के प्रति बैकस्टापिंग सहायता के लिए एक व्यवस्था की गई है। कंपनी बैक स्टॉप सहायता जारी रखे हुए है और 31 मार्च, 2024 तक संचित व्याज की राशि ₹ 2212.45 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1766.85 मिलियन) है।

iv) भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, कंपनी को निगमित पर्यावरण उत्तरदायित्व के अंतर्गत क्रियाकलाप प्रचालित किए जाने की आवश्यकता है, जिनमें पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, सड़कों, क्रॉस नालियों, सौर ऊर्जा सहित विद्युतीकरण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं, फसल और चारे की उपज बढ़ाने के लिए स्थानीय किसानों को वैज्ञानिक समर्थन और जागरूकता, वर्षा जल संचयन, मृदा आर्द्रता संरक्षण कार्य, मार्गों में वृक्षारोपण, सामुदायिक क्षेत्र में वृक्षारोपण आदि के लिए अवसंरचना के निर्माण शामिल है। कंपनी के ग्रीन फील्ड और ब्राउन फील्ड प्रोजेक्ट के विकास अथवा उसे चालू करने के लिए पर्यावरण मंजूरी देने के लिए आयोजित सार्वजनिक सुनवाई, सामाजिक आवश्यकता मूल्यांकन आदि के आधार पर इन क्रियाकलापों के लिए निर्दिष्ट प्रतिबद्धताओं पर काम किया जाता है। कंपनी के उपरोक्त क्रियाकलापों के प्रति 31 मार्च, 2024 को ₹ 2359.48 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 2,075.97 मिलियन) की बकाया प्रतिबद्धताएँ हैं, अतः कंपनी को पर्यावरण मंजूरी प्रदान करने की तारीख से वर्षों दस वर्ष की अवधि के दौरान उपरोक्त क्रियाकलापों के लिए प्रतिबद्ध राशि का व्यय करने की आवश्यकता है क्योंकि इसी की वैधता दस के लिए है और इसे एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है।



#### 49. "तेल और गैस उत्पादन क्रियाकलाप\*\* के लिए लेखांकन संबंधी मार्गदर्शीटिप्पणी के अंतर्गत प्रकटीकरण:

49.1. भौगोलिक आधार पर प्रमाणित भंडारों में कंपनी का अंश इस प्रकार है:

विवरण	व्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतूल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
अपतट	प्रारंभिक	<b>157.70</b>	166.01	<b>155.83</b>	163.67	<b>313.53</b>	329.68
	जोड़ें	<b>8.20</b>	4.04	<b>12.45</b>	8.08	<b>20.65</b>	12.12
	उत्पादन	<b>12.28</b>	12.35	<b>15.52</b>	15.92	<b>27.80</b>	28.27
	अंतिम	<b>153.62</b>	<b>157.70</b>	<b>152.76</b>	<b>155.83</b>	<b>306.38</b>	<b>313.53</b>
अभिटट	प्रारंभिक	<b>124.28</b>	126.68	<b>105.00</b>	115.17	<b>229.28</b>	241.85
	जोड़ें	<b>2.54</b>	5.23	<b>1.32</b>	(4.88)	<b>3.86</b>	0.35
	उत्पादन	<b>7.39</b>	7.52	<b>4.99</b>	5.28	<b>12.38</b>	12.80
	परिवर्तन*	(0.59)	(0.11)	(0.46)	(0.01)	(1.05)	(0.12)
	अंतिम	<b>118.84</b>	<b>124.28</b>	<b>100.87</b>	<b>105.00</b>	<b>219.71</b>	<b>229.28</b>
कुल	प्रारंभिक	<b>281.98</b>	292.69	<b>260.83</b>	278.84	<b>542.81</b>	571.53
	जोड़ें	<b>10.74</b>	9.27	<b>13.77</b>	3.20	<b>24.51</b>	12.47
	उत्पादन	<b>19.67</b>	19.87	<b>20.51</b>	21.20	<b>40.18</b>	41.07
	परिवर्तन*	(0.59)	(0.11)	(0.46)	(0.01)	(1.05)	(0.12)
	अंतिम	<b>272.46</b>	<b>281.98</b>	<b>253.63</b>	<b>260.83</b>	<b>526.09</b>	<b>542.81</b>

भंडारों के अनुमान की प्रक्रिया हेतु टिप्पणी सं.4.2(ङ) देखें।

49.2 भौगोलिक आधार पर सिद्ध विकसित भंडार में कंपनी का हिस्सा निम्नानुसार है:

विवरण	व्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतूल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
अपतट	प्रारंभिक	<b>118.72</b>	126.37	<b>100.76</b>	108.13	<b>219.48</b>	234.50
	जोड़ें	<b>9.35</b>	4.70	<b>6.18</b>	8.55	<b>15.53</b>	13.25
	उत्पादन	<b>12.28</b>	12.35	<b>15.52</b>	15.92	<b>27.80</b>	28.27
	अंतिम	<b>115.79</b>	<b>118.72</b>	<b>91.42</b>	<b>100.76</b>	<b>207.21</b>	<b>219.48</b>

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतूल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
अभितट	प्रारंभिक	<b>57.58</b>	62.82	<b>37.06</b>	39.35	<b>94.64</b>	102.17
	जोड़ें	<b>7.26</b>	2.39	<b>3.87</b>	2.99	<b>11.13</b>	5.38
	उत्पादन	<b>7.39</b>	7.52	<b>4.99</b>	5.28	<b>12.38</b>	12.80
	परिवर्तन*	<b>(0.57)</b>	(0.11)	<b>(0.25)</b>	(0.01)	<b>(0.82)</b>	(0.12)
	आंतिम	<b>56.88</b>	<b>57.58</b>	<b>35.69</b>	<b>37.05</b>	<b>92.57</b>	<b>94.63</b>
कुल	प्रारंभिक	<b>176.30</b>	189.19	<b>137.82</b>	147.48	<b>314.12</b>	336.67
	जोड़ें	<b>16.61</b>	7.09	<b>10.05</b>	11.54	<b>26.66</b>	18.63
	उत्पादन	<b>19.67</b>	19.87	<b>20.51</b>	21.20	<b>40.18</b>	41.07
	परिवर्तन*	<b>(0.57)</b>	(0.11)	<b>(0.25)</b>	(0.01)	<b>(0.82)</b>	(0.12)
	आंतिम	<b>172.67</b>	<b>176.30</b>	<b>127.11</b>	<b>137.81</b>	<b>299.78</b>	<b>314.11</b>

\*एमएल के अंतर्गत आने वाले अनुमान जिनकी वैधता समाप्त होने के चलते उन्हें आरक्षित बही से हटा दिया गया था।

# एमटीओई “मिलियन बैट्रिक टन तेल समतूल्य” को दर्शाता है और तेल समतूल्य गैस का परिकलन करने के लिए 1000 एम<sup>3</sup> गैस को 1 एमटी खनिज तेल के बराबर माना गया है। कच्चे तेल के उत्पादन में बैल हैड कंडेनसेट शामिल है।

योग में भिन्नता, यदि कोई हो, आंतरिक योग और पूर्णकिन के कारण हुई है।

## 50. सेबी (सूचीकरण बाध्यता और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम 2015 के अनुपालन में प्रकटीकरण:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च 2024 को बकाया	वर्ष 2023–24 के दौरान बकाया अधिकतम राशि	31 मार्च 2023 को बकाया	वर्ष 2022–23 के दौरान बकाया अधिकतम राशि
(क) अनुषंगी कंपनियों को ऋणः*	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ख) एमोसिएट को ऋणः	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ग) फर्मों/कंपनियों को ऋण की प्रकृति वाले ऋण जिमने निदेशक हितबद्ध हैं	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

\* वर्तमान लेखा लेनदेन के अतिरिक्त

**50.1** कंपनी ने चालू वर्ष और पिछले वर्ष के दौरान अपनी किसी भी अनुषंगी, सहयोगी या फर्म/कंपनियों को, जिनमें निदेशकों की रुचि है, कोई ऋण या ऋण के रूप में अग्रिम प्रदान नहीं किया है। चूंकि चालू और पिछले वर्ष में कोई ऋण बकाया नहीं है, इसलिए मूल कंपनी और अनुषंगी कंपनी के शेयरों में ऋणधारक द्वारा किए गए निवेश के प्रकटीकरण की अपेक्षा कंपनी पर लागू नहीं है।



**51. वर्ष के अंत में व्युत्पन्न लिखत या अन्यथा द्वारा हेज नहीं किए गए विदेशी मुद्रा संपर्क का प्रकटीकरण नीचे दिया गया है**

(₹ मिलियन में)

आयात क्रेडिटर	31 मार्च 2024 को		31 मार्च 2023 को	
	विदेशी मुद्रा	समतुल्य रूपए	विदेशी मुद्रा	समतुल्य रूपए
संयुक्त अरब अमीरात दिरहम – 1.5 (एईडी)	-	-	-	0.01
आस्ट्रेलियन डॉलर – (ऐयूडी)	0.06	3.21	0.06	3.25
यूरो – (ईयूआर)	10.34	932.55	18.06	1,618.05
ग्रेट ब्रिटेन पाउंड (जीबीपी)	15.06	1,586.22	7.24	737.22
जापानी येन (जेपीयाई)	17.43	9.60	38.89	24.04
नार्वजियाई क्रोना (एनओके)	-	-	3.99	31.58
सिंगापुर डॉलर (एसजेडी)	0.32	19.92	0.10	6.03
अमेरीकी डॉलर (यूएसडी)	956.11	79,701.38	846.78	69,563.27
मलेशियाई रिंगिट – आरएम (एमवाईआर)	-	-	0.06	1.04
<b>कुल</b>		<b>82,252.88</b>		<b>71,984.49</b>
<b>अल्पावधि ऋण</b>				
अमेरीकी डॉलर (यूएसडी)	8.70	725.10	8.69	713.76
<b>दीर्घावधि ऋण</b>				
अमेरीकी डॉलर (यूएसडी)	300.00	25,008.00	300.00	24,645.00
<b>एमडब्ल्यूपी</b>				
अमेरीकी डॉलर (यूएसडी)	80.37	6,699.71	201.16	16,525.63
<b>देय नकदी कॉल</b>				
अमेरीकी डॉलर (यूएसडी)	48.16	4,014.38	49.65	4,078.95
<b>प्राप्य</b>				
अमेरीकी डॉलर (यूएसडी)	120.41	10,037.65	46.55	3,823.90
<b>प्राप्य नकदी कॉल</b>				
अमेरीकी डॉलर (यूएसडी)	-	-	53.36	4,383.25

**52. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 के अंतर्गत बंद कंपनियों के साथ संबंध पर प्रकटीकरण :**

(i) वेंडरों और ग्राहकों का व्यौरा (31 मार्च, 2024 को बंद की गई कंपनियां)

(₹ मिलियन में)

कंपनी का नाम	बंद की गई कंपनी के साथ संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान संव्यवहार	31 मार्च, 2024 के अनुसार बकाया राशि	बंद कंपनी के साथ संबंध
वंडरफुल ग्रीनवे एंटरप्राइसेस	प्राप्य	-*	-*	वेंडर
सर्डिया फार्मास्यूटिकल्स	देय	-	-*	वेंडर
हिंदुस्तान रियलटर्स प्रा. लि.	प्राप्य	-*	-*	वेंडर
सीसी एण्ड एल इंजीनियरिंग प्रा. लि.	देय	-	2.02	ग्राहक
एमराल्ड पेट्रोकैमिकल्स प्रा. लि.	देय	-	-*	ग्राहक
साई रेफिनरी प्रा. लि.	देय	-	-*	ग्राहक

\* ₹1 मिलियन से कम।

(ii) वेंडरों और ग्राहकों का व्यौरा (31 मार्च, 2023 को बंद की गई कंपनियाँ)

(₹ मिलियन में)

कंपनी का नाम	बंद की गई कंपनी के साथ संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान संव्यवहार	31 मार्च, 2024 के अनुसार बकाया राशि	बंद कंपनी के साथ संबंध
बायोनिच लाइफ साइंसेस प्रा. लि.	देय	-*	-	वेंडर
सर्डिया फार्मास्यूटिकल्स	देय	-	-*	वेंडर
अम्बरिश बिल्डर्स प्रा. लि.	देय	-*	-	वेंडर
हिंदुस्तान रियलटर्स प्रा. लि.	देय	-*	-	वेंडर
प्लैनेट 3 स्टूडियोस आर्किटेक्चर प्रा. लि.#	देय	-	-*	वेंडर
मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इंडिया लि.	देय	-*	-	वेंडर
सीसी एण्ड एल इंजीनियरिंग प्रा. लि.	देय	-	2.02	ग्राहक
कुसालावा पावर प्रा. लि.	प्राप्त	-*	-	ग्राहक
पोन पुरे कैमिकल्स प्रा. लि.	प्राप्त	-*	-	ग्राहक
एमराल्ड पेट्रोकैमिकल्स प्रा. लि.	प्राप्त	-	-*	ग्राहक
साई रेफीरिंग प्रा. लि.	प्राप्त	-	-*	ग्राहक

\* ₹1 मिलियन से कम।

# मैसर्स लैनेट 3 स्टूडियोस आर्किटेक्चर प्रा. लि. 31.03.2024 को बंद की गई कंपनियों में शामिल थी, तथापि, 31.03.2024 को उसकी स्थिति सक्रिय है।





(iii) शेयरधारकों का व्यौरा (31 मार्च, 2024 को बंद की गई कंपनियां)

कंपनी का नाम	बंद की गई कंपनी के साथ संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को शेयरों की संख्या	बंद कंपनी के साथ संबंध
सेंचुरी मार्बल एण्ड ग्रेनाइट्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	12,500	शेयरधारक
एस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	5,000	शेयरधारक
विक्टर प्रॉपर्टीज प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	3,808	शेयरधारक
इकरिया इन्फोटेक प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	1,000	शेयरधारक
मस्कौन ग्लोबल लिमिटेड	शेयरधारिता	900	शेयरधारक
हिमाटसू बीमेट लिमिटेड	शेयरधारिता	630	शेयरधारक
हेमलता इन्वेस्टमेंट प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	600	शेयरधारक
विक्रम टेक्स्टाइल लिमिटेड	शेयरधारिता	450	शेयरधारक
अभय कैरियर्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	383	शेयरधारक
फायदा पोर्टफोलियो प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	300	शेयरधारक
रजत फाइनेन्शियल प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	300	शेयरधारक
वॉयेजर 2 इन्फोटेक प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	300	शेयरधारक
सुवीरोन प्रोडक्युस प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	277	शेयरधारक
केशन ग्रेनाइट एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	180	शेयरधारक
रियल वर्ल्ड बिल्डर्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	180	शेयरधारक
श्री महाबीर कंपनी प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	180	शेयरधारक
आर्कटेक्चरल ग्लास प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	150	शेयरधारक
जीएनके इन्वेस्टमेंट्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	114	शेयरधारक
फेयरट्रेड सिक्योरिटीज लिमिटेड	शेयरधारिता	100	शेयरधारक
यूनीकार्न फिनकैप प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	78	शेयरधारक
उत्सव लीजिंग एण्ड फिनस्टॉक लिमिटेड	शेयरधारिता	72	शेयरधारक
श्रीजी एन्टरप्राइसेस प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	60	शेयरधारक
कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	शेयरधारिता	21	शेयरधारक
ग्लोबअर्थ ट्रेडर्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	20	शेयरधारक
शिविर इंडिया लिमिटेड	शेयरधारिता	8	शेयरधारक
स्ट्रीम्स कॉमरेड प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	4	शेयरधारक
मयूर शेयर ब्लूकिंग प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	3	शेयरधारक

(IV) शेयरधारकों का व्यौरा (31 मार्च, 2023 को बंद की गई कंपनियां)

कंपनी का नाम	बंद की गई कंपनी के साथ संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2023 को शेयरों की संख्या	बंद कंपनी के साथ संबंध
यूनीकार्न फिनकैप प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	10,495	शेयरधारक
सेंचुरी मार्बल्स एण्ड ग्रेनाइट्स प्रा. लि.	शेयरधारिता	10,000	शेयरधारक
हेमलता इन्वेस्टमेंट प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	5,350	शेयरधारक
एस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	5,000	शेयरधारक
विक्टर प्रॉपर्टीज प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	3,808	शेयरधारक
इकरिया इन्फोटेक प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	1,000	शेयरधारक
मस्कौन ग्लोबल लिमिटेड	शेयरधारिता	900	शेयरधारक
हिमाटसू बीमेट लिमिटेड	शेयरधारिता	630	शेयरधारक
विक्रम टेक्सटाइल लिमिटेड	शेयरधारिता	450	शेयरधारक
फायदा पोर्टफोलियो प्रा. लि.	शेयरधारिता	300	शेयरधारक
रजत फाइनेन्शियल प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	300	शेयरधारक
वॉयेजर 2 इन्फोटेक प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	300	शेयरधारक
सुवीरोन प्रोडक्युस प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	277	शेयरधारक
केशन ग्रेनाइट एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	180	शेयरधारक
सियल वर्ल्ड बिल्डर्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	180	शेयरधारक
श्री महाबीर कंपनी प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	180	शेयरधारक
आर्कटेक्चरल ग्लास प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	150	शेयरधारक
जीएनके इन्वेस्टमेंट्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	114	शेयरधारक
फेयरट्रेड सिक्योरिटीज लिमिटेड	शेयरधारिता	100	शेयरधारक
उत्सव लीजिंग एण्ड फिनस्टॉक लिमिटेड	शेयरधारिता	72	शेयरधारक
श्रीजी एन्टरप्राइसेस प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	60	शेयरधारक
अभय कैरियर्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	43	शेयरधारक
कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	शेयरधारिता	21	शेयरधारक
ग्लोबअर्थ ट्रेडर्स प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	20	शेयरधारक
शिविर इंडिया लिमिटेड	शेयरधारिता	8	शेयरधारक
ड्रीम्स कॉमरेड प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	4	शेयरधारक
मयूर शेयर ब्रूकिंग प्रा. लिमिटेड	शेयरधारिता	3	शेयरधारक



### 53. अतिरिक्त नियामक जानकारी :

वित्तीय अनुपात

क्रम सं.	विवरण	2023–24	2022–23 ^	परिवर्तन % में	परिवर्तन के कारण
क.	वर्तमान अनुपात	1.58	1.29	22.48%	
ख.	ऋण-इकिवटी अनुपात	0.02	0.03	(33.33)%	इसका मुख्य कारण ऋण की चुकौतियों और वित्तीय वर्ष के दौरान कुल इकिवटी में वृद्धि है।
ग.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	19.37	200.18	(90.32)%	इसका मुख्य कारण वित्तीय वर्ष के दौरान गैर-वर्तमान ऋणों की मूलधन चुकौती है।
घ.	इकिवटी अनुपात पर प्रतिफल	0.14	0.16	(12.50)%	
ङ.	मालसूची टर्नओवर अनुपात	14.54	19.22	(24.35)%	
च.	व्यापार प्राप्त टर्नओवर अनुपात	12.78	14.11	(9.43)%	
छ.	देय व्यापार टर्नओवर अनुपात	21.90	25.06	(12.61)%	
ज.	निवल पूँजी टर्नओवर अनुपात	5.73	13.04	(56.06)%	यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक जमा और मालसूची में वृद्धि के कारण प्रचालन से राजस्व में वृद्धि और कार्यशील पूँजी में वृद्धि का संचयी प्रभाव है।
झ.	शुद्ध लाभ अनुपात	29.28	25.78	13.58%	
ञ.	नियोजित पूँजी पर प्रतिफल	30.60	39.82	(23.25)%	
ट.	निवेश पर प्रतिफल (%)				
	– अनुपंगी कंपनी, एसोसिएट और संयुक्त उद्यम	2.67	2.98	(10.40)%	
	– सरकारी बॉर्डों में निवेश	8.39	8.39	-	
	– अन्य निवेश	75.74	1.64	4518.29%	इसका मुख्य कारण पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष के दौरान अन्य संस्थाओं से प्राप्त लाभांश में वृद्धि और अन्य संस्थाओं में निवेश के औसत उचित मूल्यांकन में वृद्धि है।

^ पुनःकथित, टिप्पणी सं. 54 देखें

निम्न के परिकलन के लिए प्रयुक्त सूत्र:

- क. चालू अनुपात = चालू आस्तियां/चालू देयताएं।
- ख. ऋण इकिवटी अनुपात = कुल उधारियां/कुल इकिवटी।
- ग. ऋण सेवा कवरेज अनुपात = ब्याज, कर और आपवादिक मद पूर्व आय / (उधारियों पर ब्याज (निर्माण के दौरान व्यय के प्रति अंतरण का शुद्ध) + दीर्घकालिक उधारियों की मूल राशि का पुनर्भुगतान)।
- घ. इकिवटी अनुपात पर वापसी = वर्ष के लिए लाभ/औसत कुल इकिवटी।
- ङ. इंवेंट्री टर्नओवर = प्रचालनों/औसत इंवेंट्रियों से राजस्व।
- च. व्यापार प्राप्त टर्नओवर = प्रचालनों से राजस्व/औसत व्यापार प्राप्त।

- छ. व्यापार संदेय टर्नओवर = प्रचालनों से राजस्व/औसत व्यापार संदेय।
- ज. शुद्ध पूँजीगत टर्नओवर अनुपात = प्रचालनों से राजस्व/कार्यशील पूँजी।
- झ. शुद्ध लाभ मार्जिन (प्रतिशत) = अवधि के लिए लाभ/प्रचालनों से राजस्व
- ञ. नियोजित पूँजी पर रिटर्न = ब्याज, लाभांश और कर पूर्व लाभ (लाभांश आय को छोड़कर पीबीआईटी) / नियोजित पूँजी।
- ट. निवेश पर रिटर्न = (अंतिम शेष + ब्याज + लाभांश - प्रारंभिक शेष +/- अवधि के दौरान नकदी प्रवाह) / औसत निवेश।

**53.1** कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-III के भाग-II के सामान्य निर्देशों द्वारा यथाअपेक्षित अतिरिक्त विनियामक जानकारी/प्रकटीकरण कंपनी पर लागू सीमा तक प्रस्तुत किए जाते हैं।

**53.2** संशोधित प्रकटीकरण, समझ और स्पष्टता के लिए कुछ महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के शब्दों में कुछ सुधार/परिवर्तन किए गए हैं। हालाँकि, ऐसे परिवर्तनों का एकल भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

## 54. भारतीय लेखांकन मानक 8 – 'लेखांकन नीतियां, लेखांकन अनुमानों और त्रुटियों में परिवर्तन' और भारतीय लेखांकन मानक 1 'वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण' के अनुसार प्रकटीकरण

**54.1** भारतीय लेखा मानक 8 'लेखांकन नीतियां, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियां' और भारतीय लेखा मानक 1 'वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति' के अनुसार, कंपनी ने 31 मार्च, 2023 और 1 अप्रैल, 2022 (पूर्ववर्ती अवधि की शुरुआत) के अपने तुलन-पत्र तथा 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण नीचे बताए गए कारणों से पूर्वव्यापी रूप से पुनः प्रस्तुत किया है:

**54.2** 31 मार्च, 2023 और 01 अप्रैल, 2022 के अनुसार तुलन-पत्र की पुनःकथित मदों का मिलान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च 2023 को		यथा पुनःकथित	01 अप्रैल, 2022 को		यथा पुनःकथित
	पूर्व में यथासूचित	समायोजन		पूर्व में यथासूचित	समायोजन	
तेल और गैस परिसंपत्तियां – अमूर्त	-	2,808.54	2,808.54	-	-	-
प्रगतिधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियां	-	25,592.66	25,592.66	-	11,476.89	11,476.89
मालसूची	83,195.13	11.57	83,206.70	78,614.15	-	78,614.15
अन्य	3,587,175.80	-	3,587,175.80	3,294,028.23	-	3,294,028.23
<b>कुल परिसंपत्तियां</b>	<b>3,670,370.93</b>	<b>28,412.77</b>	<b>3,698,783.70</b>	<b>3,372,642.38</b>	<b>11,476.89</b>	<b>3,384,119.27</b>
अन्य इकिवटी	2,515,557.02	21,264.75	2,536,821.77	2,308,579.47	8,588.39	2,317,167.86
विलंबित कर देयताएं (शुद्ध)	217,611.77	7,148.02	224,759.79	197,332.54	2,888.50	200,221.04
अन्य	937,202.14	-	937,202.14	866,730.37	-	866,730.37
<b>कुल इकिवटी और देयताएं</b>	<b>3,670,370.93</b>	<b>28,412.77</b>	<b>3,698,783.70</b>	<b>3,372,642.38</b>	<b>11,476.89</b>	<b>3,384,119.27</b>



**54.3** 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि विवरण की पुनःकथित मदों का मिलान

(₹ मिलियन में)

विवरण	पूर्व में यथासूचित	समायोजन	यथा पुनःकथित
तैयार/अर्ध-तैयार वस्तुओं की मालसूचियों में परिवर्तन और प्रगतिधीन कार्य	(4,816.68)	(11.56)	(4,828.24)
पश्चलेखित अन्वेषण लागत — सर्वेक्षण लागत	39,396.59	(17,168.29)	22,228.30
मूल्यहास, निःशेषण, परिशोधन और टूट-फूट से हानि कर व्यय	167,951.55	243.97	168,195.52
वर्ष के लिए लाभ	115,664.56	4,259.52	119,924.08
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	<b>388,288.67</b>	<b>12,676.36</b>	<b>400,965.03</b>
प्रति शेयर अर्जन (मूल और तनुकृत) (₹ में)	<b>383,102.22</b>	<b>12,676.36</b>	<b>395,778.58</b>
	<b>30.86</b>	<b>1.01</b>	<b>31.87</b>

**54.4** 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण का मिलान

(₹ मिलियन में)

विवरण	पूर्व में यथासूचित	समायोजन	यथा पुनःकथित
कर पश्चात शुद्ध लाभ	388,288.67	12,676.36	400,965.03
आयकर व्यय	115,664.56	4,259.52	119,924.08
मूल्यहास, निःशेषण, परिशोधन और टूट-फूट से हानि	167,951.55	243.97	168,195.52
मालसूची	(4,461.47)	(11.57)	(4,473.04)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान	(252,755.41)	(17,168.28)	(269,923.69)
नकदी और नकदी तुल्यों में शुद्ध वृद्धि/(कमी)	<b>270.89</b>	-	<b>270.89</b>

**55.** चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी ईएसी राय के आधार पर, कंपनी ने स्टोर और स्पेयर तथा त्यागे गए पीपीई से उत्पन्न स्क्रैप सामग्री के सूचीकरण पर अपनी लेखांकन नीति में बदलाव किया है। वित्तीय वर्ष 2023–24 से पहले लेखांकन नीति में परिवर्तन को लागू करने में प्रभाव को महत्वहीन मानते हुए, कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही उक्त परिवर्तनों पर विचार किया है। इसके परिणामस्वरूप ₹ 266.47 मिलियन की राशि की स्क्रैप सामग्री के शुरुआती स्टॉक को अब अन्य आय के विरुद्ध समायोजित किया गया है। उपरोक्त परिवर्तनों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2023–24 के लिए कर से पहले लाभ में ₹ 266.47 मिलियन की कमी आई। कंपनी के पास तीन साल की अवधि में सभी वस्तुओं को कवर करने के लिए चरणबद्ध तरीके से वस्तुसूची, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और पूँजी भंडार के भौतिक

सत्यापन की एक प्रणाली विद्यमान है। समायोजन अंतर, यदि कोई हो, सुलह के पूरा होने पर किया जाता है।

**56.** कंपनी के पास कोई दीर्घकालिक संविदा नहीं है जिसमें ऐसी व्युत्पन्न संविदाएं भी शामिल हैं, जिनके संबंध में कोई तात्परिक भविष्यगामी हानियां मौजूद हों।

**57.** कंपनी की बैंक तथा अन्य पक्षों से शेष की आवधिक पुष्टि प्राप्त करने की एक प्रणाली है। इसके अलावा व्यापार और अन्य प्राप्त व्यापार के कुछ शेष तथा अन्य देय और ऋण पुष्टि/समाधान के अध्यधीन हैं। समायोजनों, यदि कोई हो, को पुष्टि/समाधान के आधार पर हिसाब में लिया जाएगा, जिसका कोई तात्परिक प्रभाव नहीं होगा।

**58.** चालू वर्ष के समूहीकरण की पुष्टि करने के लिए, जहां कहीं आवश्यक है, पूर्व वर्ष के आंकड़ों को पुनःवर्गीकृत किया गया है।

## 59. वित्तीय विवरणों का अनुमोदन

एकल वित्तीय विवरणों को निदेशक मंडल द्वारा 20 मई, 2024 को अनुमोदित किया गया था।

### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/- (रजनी कान्त)	हस्ता/- (के सी रमेश)	हस्ता/- (मनीष पाटील)	हस्ता/- (अरुण कुमार सिंह)
कंपनी सचिव	मुख्य वित्तीय अधिकारी	निदेशक (मानव संसाधन) (डीआइएन: 10139350)	अध्यक्ष एवं सीईओ (डीआइएन: 06646894)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029	कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136
--	---

हस्ता/- (सीए नैन्सी गुप्ता) भागीदार (सदस्यता संख्या: 067953)	हस्ता/- (सीए के.बी. सोलंकी) भागीदार (सदस्यता संख्या: 110299)
--	--

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 009189C	कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377
--	--

हस्ता/- (सीए (डॉ.) विवेक मेहता) भागीदार (सदस्यता संख्या: 415118)	हस्ता/- (सीए अमित शाह) भागीदार (सदस्यता संख्या: 122131)
--	---

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 20 मई, 2024

## फॉर्म-एओसी-1

31.03.2024 तक सहायक कंपनियों या सहयोगी कंपनियों या समुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताओं को दर्शाने वाला विवरण  
(कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पाठित धारा 129 की उप-धारा (3) के पहले पंरंतुक के अनुपालन में)

भाग "क" : अनुष्ठानी कंपनियां

(₹ मिलियन में)

क्रम सं.	अनुष्ठानी कंपनी का नाम	अनुष्ठानी कंपनी के अधिकारीय की तिथि	अनुष्ठानी कंपनी के अधिकारीय की तिथि	31.03.2024 के अनुसार				वर्ष 2023-24 के लिए						
				शेयर पूँजी और विनियम दर (टिप्पणी 3)	आरक्षित और अवधि	कुल देयताएं	निवेश	टन्नेश्वर	कर पूर्ण लाभ	कर प्रथम लाभ	प्रसारित लाभांश	शेयरधारिता की सीमा (प्रतिशत)*		
1	आॅन्जीसी विदेश लिमिटेड	05.03.1965	31.03.2024	150,00,000.00	304,591.41	880,768.42	426,177.01	555,878.30	56,053.58	28,276.29	10,315.69	17,960.60	750.00	100.00%
2	मागलौर रिफाइनरी एंड प्रोक्रेसिकल सिस्टम्स लिमिटेड	30.03.2003	31.03.2024	17,526,64	114,988.24	353,990.05	221,475.17	173.00	1,052,232.78	55,214.13	19,254.76	35,959.37	3,505.20	80.94%
3	डिस्ट्रिक्ट एंट्रेप्रिय कॉर्पोरेशन लिमिटेड	31.01.2018	31.03.2024	14,189.40	396,108.30	1,737,829.80	1,327,532.10	51,827.00	4,616,375.10	191,531.30	44,593.00	146,938.30	23,406.05	54.90%
4	आॅन्जीसी नील गंगा बी.वी.	12.03.2003	31.03.2024	4.36	155,247.92	197,230.76	16,483.91	106,795.35	51,490.37	7,491.92	715.65	6,776.27	-	ए एड. बी के लिए 100% और शी के लिए 77.491%
5	आॅन्जीसी कम्पास लिमिटेड	16.03.2007	31.03.2024	61,706.65	(52,445.87)	31,333.28	22,072.51	-	17,297.47	4,952.40	1,685.30	3,267.09	-	100.00%
6	आॅन्जीसी नील गंगा (एन क्रिस्टल) बी.वी.	29.02.2008	31.03.2024	4.87	68,232.65	68,247.39	9.87	23,561.26	-	11,528.53	-	11,528.53	-	100.00%
7	आॅन्जीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड	08.08.2006	31.03.2024	10,421.09	21,574.53	32,009.74	14.12	-	-	435.05	-	435.05	-	100.00%
8	आॅन्जीसी नर्मदा लिमिटेड	07.12.2005	31.03.2024	12.97	(2,607.76)	22.98	2,617.77	-	-	(2.58)	-	(2.58)	-	100.00%
9	आॅन्जीसी (बीट्टर्सी) लिमिटेड	28.03.2013	31.03.2024	81.18	(66.89)	64.24	49.95	-	-	(0.49)	49.61	(50.11)	-	100.00%
10	काराबोबो कन एष्टी	05.02.2010	31.03.2024	475.71	4,397.47	4,884.86	11.68	4,884.72	-	(2.71)	-	(2.71)	-	100.00%
11	पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी.	26.02.2010	31.03.2024	1.62	14,839.26	15,102.05	260.99	167.19	0.19	(16.86)	-	(16.86)	-	100.00%
12	इम्पीश्यल एनजी लिमिटेड	12.08.2008	31.03.2024	24,566.41	(3,616.05)	21,431.15	480.75	-	-	(58.06)	10.54	(68.60)	-	100.00%
13	इम्पीश्यल एनजी टॉम्सक लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2024	0.20	798.97	834.35	34.14	-	-	1.32	-	1.32	-	100.00%



क्रम सं.	अनुषंगी कंपनी का नाम	अनुषंगी कंपनी के लिए अधिग्रहण की तिथि	अनुषंगी कंपनी के लिए अधिग्रहण की तिथि	31.03.2024 के अनुसार				वर्ष 2023-24 के लिए							
				शेयर पूँजी	आरक्षित शेयर पूँजी (टिप्पणी 3)	कुल परिवर्तनीय	कुल देयताएं	निवेश	टर्नओवर	कर पूर्व लाभ	कर के लिए प्रावधान	कर के पश्चात लाभ	प्रस्तावित लामाश	शेयरधारिता की सीमा (प्रतिशत)*	
14	इमोरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	2.21	4,449.76	4,482.95	30.98	-	1.43	-	1.43	-	100.00%	
15	इमोरियल एनर्जी नॉर्थ लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	2.16	11,126.99	11,244.23	115.08	-	1.24	-	1.24	-	100.00%	
16	बायनक्स होल्डिंग्स लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	25,031.10	(24,329.06)	844.36	142.33	-	(40.61)	35.18	(75.76)	-	100.00%	
17	खड़किल होल्डिंग्स लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	0.22	1,200.51	1,215.48	14.78	-	0.63	-	0.63	-	100.00%	
18	इमोरियल फ्रेक्स मार्किन्स (साइप्रस) लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	0.19	99.09	101.14	1.87	-	1.23	-	1.23	-	100.00%	
19	सेन एंजिओ इन्स्ट्रमेंट लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	0.17	(581.04)	1,594.51	2,175.38	-	67.86	-	67.86	-	100.00%	
20	एलएलसी सिविलसेवा	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0.00%	
21	एलएलसी एलाइसेन्टरेज	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	0.05	4,491.69	7,123.90	2,632.20	-	2,799.40	139.94	25.33	114.61	-	100.00%
22	एलएलसी नॉर्ड इमोरियल	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	0.27	10,435.88	14,088.74	3,652.63	-	4,028.88	(402.18)	93.90	(496.08)	-	100.00%
23	एलएलसी रस इमोरियल क्युप	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	0.09	(1,603.50)	273.80	1,877.22	-	108.96	56.91	-	56.91	-	100.00%
24	एलएलसी इमोरियल फ्रेक्स सर्विसेस	13.01.2009	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	0.01	741.37	930.47	189.09	-	1,275.76	(291.18)	61.71	(352.89)	-	100.00%
25	वायस रेखा एनर्जी मोजान्सिक लि.	07.01.2014	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	148,401.18	(23,623.78)	126,861.71	2,084.32	-	(1,269.12)	-	(1,269.12)	-	60.00%	
26	ओएनजीसी विदेश अदाळाटिक कौरायोगेशन	14.08.2014	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	170.05	(56.21)	121.93	8.09	-	164.08	8.58	1.80	6.77	-	100.00%
27	ओएनजीसी विदेश ट्रांसप्रा. प्रा. लि.	15.04.2016	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	41.68	49.51	6,507.75	6,416.56	45.49	-	(7.01)	(0.20)	(6.80)	-	100.00%
28	ओएनजीसी विदेश ट्रेन्कोस्टेप्ट प्रा. लि.	18.04.2016	31.03.2024	अमेरिकी डॉलर	41.68	26,176.38	108,571.15	83,299.97	95,437.68	-	5,156.77	9.12	5,147.66	-	100.00%

**टिप्पणी:**

1. उन सहायक कंपनियों के नाम जिन्हें आम प्रचालन शुरू नहीं किया है।
    - क) एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड (ईर्ष में एचपीसीएल शापूर्जी एनजी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ज्ञात) कंपनी को 10 सितंबर 2021 से एक प्रतिक्रिया कंपनी में परिवर्तित कर दिया गया था।
    - य) एनजीसी ग्रूप एनजी लिमिटेड (ओजीएल) को 27.02.2024 को अधिसनियमित किया गया था। 12.02.2024 को एनजीसी ने 1 मिलियन इकिविटी शेयरों के प्रति ₹ 10 मिलियन का इकिविटी अंशदान दिया है।
  2. ~वर्ष के दौरान बद्व होने वाली सहायक कंपनियों के नाम: क) एलएलसी साइबरसेफ्ट और ख) इंडस ईस्ट मैडिसेनियन एक्सलोरेशन लिमिटेड।
  3. विविध दरें :
- तुलन-पत्र मदों के लिए: 1 अमेरिकी डालर = ₹ 82.15 (पिछला वर्ष – 1 अमेरिकी डालर = ₹ 75.75)
- लाम और हानि मदों के लिए: 1 अमेरिकी डालर = ₹ 80.3708 (पिछला वर्ष – 1 अमेरिकी डालर = ₹ 74.5375)
- 1 एडजी = ₹ 22.3815
4. उपरोक्त तालिका के अंकड़ों में अंतरकंपनी लेनदेन को समाप्त करना शामिल नहीं है।
  5. #कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण पर आधारित आंकड़े।
  6. \$ वर्ष 2023-24 के लिए अंकड़े प्रबंधन प्रभागित वित्तीय आंकड़ों के आधार पर निकाले गए हैं।
  7. \*समूह प्रमाण विस्तृतरी को दर्शाता है।

**कृते एवं बोर्ड की ओर से**

हस्ता/-

हस्ता/-

(स्थीर नैन्सी गुरु)

आगीदार (सदस्यता स: 067953)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 314010/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

हस्ता/-

(स्थीर नैन्सी गुरु)

आगीदार (सदस्यता स: 110299)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते लक्ष्मी तुमि एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-

(स्थीर नैन्सी गुरु)

आगीदार (सदस्यता स: 415118)

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 20 मई, 2024

धारा 129 (एओसी-1) के अनुसरण में विवरण



(₹ मिलियन में)

**भाग “ख” : एसोसिएट और संयुक्त उद्यम सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(3) के अनुपालन का विवरण**

क्र. सं.	संयुक्त उद्यम/ सहयोगी कंपनी का नाम	सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यम के स्थापना की अधिकारिता	नवीनतम लेखापरीक्षित पुलन-पत्र	31.03.2024 को समाप्त वर्ष को कंपनी द्वारा घासित सहयोगी कंपनी/ संयुक्त उद्यम का अंश संख्या	महत्वपूर्ण प्रमाण का विवरण	सहयोगी कंपनी और संयुक्त उद्यम का समेकन नहीं किए जाने के कारण	नवीनतम लेखापरीक्षित पुलन-पत्र के आधार पर शेयरस्थानिता को आरोपित निवेद मूल्य	वर्ष के लिए लाभ/ हानि समेकन में ली गई समेकन में नहीं तो गई
1	मांगलोर सेज लिमिटेड (ईएसईजे)	31.03.2024	24.02.2006	13,000,000	130.00	26.78	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 22.11
2	ओएनजीसी पेट्रो एडीजेस लिमिटेड (ओपीएल)	31.03.2024	15.11.2006	997,980,632	9,979.81	49.36	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं (13,317.26) (17,058.52)
3	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	31.03.2024	27.09.2004	560,000,000	5,600.00	50.00	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 7,809.77 345.79
4	ओएनजीसी टेसी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	31.03.2024	26.03.2007	12,495,000	0.25	49.98	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 554.09 74.86
5	दहेज एसईजे लिमिटेड (ईएसईजे)	31.03.2023	21.09.2004	23,024,800	230.25	50.00	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 1,718.20 221.89
+								
6	शेल एवजरपीएल एविएशन फ्लूट्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएसएल)	31.03.2024	11.03.2008	15,000,000	150.00	50.00	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 474.72 154.37
7	ओएनजीसी निचल एनर्जी लिमिटेड	31.03.2023	26.03.2009	24,990,000	2,083.17	49.98	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं (3,764.75) -
8	मानसरोवर एनर्जी कोलीविया लिमिटेड	31.12.2023	20.09.2006	6,000 Shares of USD 1 each	11,043.68	50.00	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं (5,517.89) 434.67
9	हिमालय एनर्जी लीसिंग बी.पी.	31.12.2014	07.11.2006	45,000 shares of Euro 1 each	193.14	50.00	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 418.52 (6.97)
10	हिंदुरान कोलस प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2024	31.01.2018	4,725,000	47.25	50.00	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 2,922.83 649.25
11	एचपीसीएल निचल एनर्जी लिमिटेड#	31.03.2024	31.01.2018	3,939,555,200	39,395.55	48.99	शेयरस्थानिता 20% से अधिक	लागू नहीं 78,839.43 9,031.98 -



क्र. सं.	संयुक्त उदयम/सहयोगी कंपनी का नाम	नवीनतम लेखापरीक्षित तुलना-पत्र	सहयोगी कंपनी या संयुक्त उदयम के स्थानन् या अधिग्रहण की तारीख	31.03.2024 को समाप्त वर्ष को कंपनी द्वारा घासित सहयोगी कंपनी का पन्थी/संयुक्त उदयम का अशा सहयोगी कंपनी का पन्थी/संयुक्त उदयम में निवेश की गई राशि	महत्वपूर्ण प्रमाणव का विवरण	सहयोगी कंपनी और संयुक्त उदयम का समेकन का नहीं किए जाने के कारण	नवीनतम लेखापरीक्षित तुलना-पत्र के अनुसार शेयरधारिता को आरोप्य निवल मूल्य	वर्ष के लिए लागू / हानि समेकन में ली गई
12	साउथ एशिया एलीमी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2024	31.01.2018	50,000,000	500.00	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 934.88
13	भार्य नार गेस लिमिटेड	31.03.2024	31.01.2018	43,650,000	1,282.50	48.73	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 2,143.58
14	पेट्रोनेट ईडिया लिमिटेड	31.03.2022	31.01.2018	16,000,000	1.60	16.00	शेयरधारिता समझौते के कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 के वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं।	लागू नहीं 4.40
15	एचपीओआईएल गेस प्रा. लि.	31.03.2024	30.11.2018	96,000,000	960.00	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 1,027.21
16	गोदारी गेस प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2023	31.01.2018	29,097,810	290.98	26.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 240.91 (15.69)
17	अवतिका गेस लिमिटेड	31.03.2024	31.01.2018	29,557,038	500.22	49.99	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 2,299.99
18	एचपीटीएल राजस्थान लिमिटेड	31.03.2024	31.01.2018	10,630,137,000	106,301.37	74.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 102,956.65 (252.47)
19	मुंबई एशियन प्लूट फार्म कैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2024	31.01.2018	52,918,750	529.19	25.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 1,075.32
20	रत्नागिरि लिमिटेड	31.03.2024	31.01.2018	50,000,000	500.00	25.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 158.52
21	आईएचबी प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2024	09.07.2019	764,500,000	7,645.00	25.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 267.48 (12.25)
22	इंद्रधनु गेस ग्रिड लिमिटेड	31.03.2024	10.08.2018	222,360,000	2,223.60	20.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं 2,255.43 0.56

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	संयुक्त उदाम/ सहयोगी कंपनी का नाम	नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन-पत्र	सहयोगी कंपनी या संयुक्त उदाम के स्थापन या अधिग्रहण की तारीख	31.03.2024 को समाप्त वर्ष को कंपनी द्वारा घासित सहयोगी कंपनी/ संयुक्त उदाम का अंश		सहयोगी कंपनी का प्रमाण का विवरण	सहयोगी कंपनी और संयुक्त उदाम का समेकन नहीं किए जाने के कारण	नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार शेयरस्थिता को आरोपित विवर मूल्य	वर्ष के लिए लाभ/ हानि	
				संख्या	संयुक्त उदाम में निवेश की गई राशि					
सहयोगी कंपनी										
1	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)*	31.03.2023	02.04.1998	187,500,000	987,50	12,50	शेयरस्थिता 20% से अधिक	लागू नहीं	21,761,40	4,564,31
2	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)*	31.03.2022	15.10.1985	273,166	2,731,66	49,00	शेयरस्थिता समझौते के कारण	लागू नहीं	4,236,19	(186,33)
3	रोहिंगो हेलीपोर्ट लिमिटेड (आएएचएल)*	31.03.2022	07.01.2019	4,899	0,05	49,00	शेयरस्थिता 20% से अधिक	लागू नहीं	248,09	(20,87)
4	पेट्रो काराबोरो एसए	31.12.2023	12.05.2010	10 बोलीवर प्रत्येक के 11,26,400 शेयर	5,468,39	11,00	शेयरस्थिता समझौते के कारण	लागू नहीं	7,383,53	2,128,94
5	कारबोरो इंजेनियरिंग वर्क्स कंट्रक्टर्सीफोर्म्स एसए	31.12.2019	21.01.2011	1 बोलीवर प्रत्येक के 379 शेयर	0,35	37,90	शेयरस्थिता 20% से अधिक	लागू नहीं	0,35	-
6	पेट्रोलियम इंडिपेन्डेंट्स एसए	31.03.2024	08.04.2008	10 बोलीवर फुलरेस प्रत्येक के 40,000 शेयर	18,309,00	40,00	शेयरस्थिता 20% से अधिक	लागू नहीं	20,709,71	11,633,30
7	साउथ ईट एशिया ग्रेस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	31.03.2023	25.06.2010	1 अमेरिकी डॉलर प्रत्येक के 16,694 शेयर	6,601,47	8,35	शेयरस्थिता समझौते के कारण	लागू नहीं	4,481,21	1,138,72
8	ताम्बा बी.टी.	31.12.2022	01.11.2006	10 अमेरिकी डॉलर प्रत्येक के 1,620 शेयर	4,897,13	27,00	शेयरस्थिता 20% से अधिक	लागू नहीं	350,75	(9,03)
9	जेएससी ऐन्कोरेसेप्ट लिमिटेड	31.12.2023	15% 31.05.2016 अधिग्रहण। 28.10.2016	1 रुबल प्रत्येक के 30,92,871 शेयर	84,636,12	26,00	शेयरस्थिता 20% से अधिक	लागू नहीं	52,162,62	7,157,16
10	मोज एलएनजी1 होटिल्स कंपनी लिमिटेड	31.12.2022	08.05.2020 1 अमेरिकी डॉलर प्रत्येक के 92,486,520 शेयर	1 अमेरिकी डॉलर प्रत्येक के 40 ए क्षमी शेयर	7,018,06	16,00	शेयरस्थिता समझौते के कारण	लागू नहीं	7,030,66	(198,49)
11	फाल्कोन ऑयल एंड गेस बी.वी.	31.03.2024	06.02.2018 20% अधिग्रहण। 18.10.2021	1 अमेरिकी डॉलर प्रत्येक के 4,000,000 शेयर	22,832,54	40,00	शेयरस्थिता 20% से अधिक	लागू नहीं	22,832,54	2,193,73
12	भारत एनजी ऑफिस एलएलसी	31.03.2024	पौर-लेखापरीक्षित	1 रुबल प्रत्येक के 1,000 शेयर	3,81	20,00	धारित शेयरों के अनुसार	लागू नहीं	3,81	(2,25)
13	जीएसपीएल ईडिया ग्रेसेनेट लि.	31.01.2018	243,237,505	2,432,38	11,00	शेयरस्थिता समझौते के कारण	लागू नहीं	213,88	(153,21)	-
14	जीएसपीएल ईडिया ट्रांसको लि.	31.03.2024	66,770,000	667,70	11,00	शेयरस्थिता समझौते के कारण	लागू नहीं	356,07	(16,72)	-

**टिप्पणी:**

1. संयुक्त उद्यमों या सहयोगियों के नाम जिनका प्रयालन अभी शुरू होना वाकी है।
2. एचपीसीएल राजस्थान लिमिटेड (लॉन्गनी को 06 ऑक्टूबर 2021 से एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित कर दिया गया था)
3. एचपीसीएल कंपनी के रूप में उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन को 2017–18 के दौरान कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत और—लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में अधिनियमित किया गया था। बोर्ड ने 18 जुलाई, 2023 को हुई अपनी बैठक में उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन के समापन के लिए अनुमोदन प्रदान कर दिया था।
4. पेट्रोनर्ट इंडिया लिमिटेड द्वितीय 30 अगस्त, 2018 से स्वेच्छितक समापन की प्रक्रिया में है।
5. #कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण पर आधारित आंकड़े।
6. \*वर्ष 2023–24 के अंकड़े सीमित समीक्षा वित्तीय आधार पर निकाले गए हैं।
7. \*वर्ष 2023–24 के अंकड़े प्रबंधन प्रमाणित वित्तीय आधार पर निकाले गए हैं।
8. @ एचपीसीएल राजस्थान लिमिटेड (एचआरआरएल) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(8) के अनुसार एचपीसीएल की एक अनुषंगी कंपनी है। तथापि, एचपीसीएल और राजस्थान सरकार का एक संयुक्त नियंत्रित निकाय होने के बालंते, एचआरआरएल को भारतीय लेखांकन भानकों की अपेक्षाओं के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार किए जाने के प्रयाजन के लिए एचपीसीएल का एक 'संयुक्त उद्यम' के रूप में माना गया है।

**कृते एवं बोर्ड की ओर से**

हस्ता/-  
 (रजनी कान्त)  
 कंपनी कान्त  
 कंपनी सचिव  
 मुख्य वित्तीय अधिकारी  
 (जीआइएन: 10139350)

**हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार**

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी  
 सनदी लेखाकार  
 फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते मनुभाई एंड कंपनी  
 सनदी लेखाकार  
 फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

हस्ता/-  
 (सीए नैन्सी गुला)  
 भागीदार (सदस्यता सं: 067953)

कृते लक्ष्मी दुष्टि एंड एसोसिएट्स  
 सनदी लेखाकार  
 फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

हस्ता/-  
 (लीए (डॉ) विनेक मेहता)  
 भागीदार (सदस्यता सं: 415118)

हस्ता/-  
 (सीए अमित शाह)  
 भागीदार (सदस्यता सं: 122131)

स्थान : नई दिल्ली  
 दिनांक : 20 मई, 2024



## ओएनजीसी समूह का कार्य निष्पादन एक झलक में

(₹ मिलियन में जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)

विवरण	2023-24*	2022-23*	2021-22*	2020-21*	2019-20*	2018-19*	2017-18*	2016-17*	2015-16*
<b>पितृत्य</b>									
प्रचालनों से राजस्व	6,430,370	6,848,292	5,317,925	3,604,635	4,249,611	4,536,828	3,622,464	3,256,662	1,356,642
लाभांश आय	18,312	7,027	17,268	15,405	9,074	15,263	15,987	17,527	10,243
अन्य गैर प्रचालन आय	103,907	73,714	57,109	77,919	81,696	62,036	58,694	75,705	71,205
<b>कुल राजस्व</b>	<b>6,552,589</b>	<b>6,929,033</b>	<b>5,392,302</b>	<b>3,697,959</b>	<b>4,340,381</b>	<b>4,614,127</b>	<b>3,697,145</b>	<b>3,349,894</b>	<b>1,438,090</b>
सांविधिक प्रभार	820,098	898,679	713,669	745,309	524,150	603,591	610,944	651,502	318,823
प्रचालन व्यय ^	4,514,104	5,047,063	3,741,048	2,293,238	3,078,993	3,079,546	2,368,010	2,024,929	584,655
विनियम हानि	9,709	45,442	5,541	-	35,184	13,296	-	-	1,033
अपलिखित अन्वेषण लागतें	58,105	84,641	58,931	71,355	90,234	92,206	74,620	52,195	60,785
व्याज, मूल्यांकन एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	1,150,573	853,208	873,113	588,057	611,820	825,488	643,571	621,268	472,794
मूल्यांकन, निषेधण, ऋण-परिशोधन एवं टूट-फूट	287,627	245,815	268,832	255,385	266,349	237,037	231,119	202,192	163,840
व्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	<b>862,946</b>	<b>607,393</b>	<b>604,281</b>	<b>332,672</b>	<b>345,471</b>	<b>588,451</b>	<b>412,452</b>	<b>419,076</b>	<b>308,954</b>
वित्त लागतें	101,942	78,894	56,960	50,790	74,893	58,367	49,990	35,911	37,656
कर पूर्व लाभ तथा असाधारण मद्दें	<b>761,004</b>	<b>528,499</b>	<b>547,321</b>	<b>281,882</b>	<b>270,578</b>	<b>530,084</b>	<b>362,462</b>	<b>383,165</b>	<b>271,298</b>
असाधारण मद्दें	(16,364)	(81,379)	(21,049)	9,188	(90,285)	(15,910)	2,481	5,910	(79,432)
संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में लाभ / (हानि) का अंश (शुद्ध)	23,960	341	14,639	10,194	9,332	34,282	27,132	28,100	8,657
कर पूर्व लाभ	<b>768,600</b>	<b>447,461</b>	<b>540,911</b>	<b>301,264</b>	<b>189,625</b>	<b>548,456</b>	<b>392,075</b>	<b>417,175</b>	<b>200,523</b>
कारपोरेट कर	197,592	106,996	47,970	87,662	75,062	209,076	131,395	125,484	69,507
कर पश्चात लाभ	<b>571,008</b>	<b>340,465</b>	<b>492,941</b>	<b>213,602</b>	<b>114,563</b>	<b>339,380</b>	<b>260,680</b>	<b>291,691</b>	<b>131,016</b>
गैर नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ	78,794	(26,628)	37,720	50,558	6,527	33,920	39,621	47,499	2,264
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ	<b>492,214</b>	<b>367,093</b>	<b>455,221</b>	<b>163,044</b>	<b>108,036</b>	<b>305,460</b>	<b>221,059</b>	<b>244,192</b>	<b>128,752</b>
लाभांश	(128,948)	(176,125)	(114,481)	(22,856)	(72,488)	(96,407)	(79,206)	(112,954)	(49,194)
लाभांश पर कर	-	-	-	-	(13,809)	(19,153)	(15,705)	(22,972)	(10,005)
शेयर पूँजी	62,901	62,901	62,901	62,901	62,902	62,902	64,166	64,166	42,778
शुद्ध मूल्य (इक्विटी)	3,370,702	2,827,750	2,595,029	2,209,810	2,051,046	2,169,347	2,040,189	1,943,852	1,978,137
एनसीआई सहित कुल इक्विटी	3,650,905	3,033,827	2,833,278	2,425,968	2,235,103	2,350,409	2,196,249	2,076,772	2,004,655
दीर्घावधि ऋण# #	779,520	983,595	880,427	791,621	729,316	521,680	550,249	527,723	402,292
कार्यशील पूँजी	(233,166)	(232,857)	(267,471)	(355,630)	(497,081)	(473,776)	(495,362)	(535,501)	38,978
नियोजित पूँजी	2,600,300	2,352,382	2,308,133	2,025,625	1,981,199	1,950,175	1,844,539	1,649,004	1,756,994
<b>वित्तीय निष्पादन अनुपात</b>									
पीबीआईटी से कुल कारोबार (%)	17.89	12.46	16.42	16.31	14.40	18.20	17.77	19.08	34.85
पीबीटीटी से कुल कारोबार (%)	16.31	11.31	15.35	14.90	12.63	16.91	16.39	17.97	32.07
असाधारण मद्दें सहित लाभ मार्जिन (%)	8.51	4.97	8.99	5.64	2.48	6.72	6.45	8.09	9.02
नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई)	32.48	25.52	25.43	15.66	16.98	29.39	21.49	24.35	17.00
नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई) – असाधारण मद्दें सहित	31.85	22.06	24.52	16.12	12.42	28.58	21.63	24.71	12.48
इक्विटी के प्रति शुद्ध लाभ (%) – असाधारण मद्दें सहित	14.60	12.98	17.54	7.38	5.27	14.08	10.84	12.56	6.51
तुलना-पत्र अनुपात	0.88:1	0.86:1	0.83:1	0.76:1	0.65:1	0.67:1	0.62:1	0.64:1	1.13:1
चालू अनुपात	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण इक्विटी अनुपात	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- दीर्घावधि ऋण के प्रति कुल इक्विटी अनुपात	0.27:1	0.37:1	0.33:1	0.36:1	0.38:1	0.25:1	0.27:1	0.28:1	0.21:1
- कुल ऋण के प्रति कुल इक्विटी अनुपात	0.33:1	0.43:1	0.38:1	0.49:1	0.52:1	0.46:1	0.48:1	0.39:1	0.23:1
लेनदार कारोबार अनुपात (दिवस)	12	11	14	15	12	13	15	13	34
<b>प्रति शेयर डाटा</b>									
प्रति शेयर आय#	39.13	29.18	36.19	12.96	8.59	23.85	17.23	19.03	10.03
लाभांश (%)	245	225	210	72	100	140	132	121	170
प्रति शेयर वही मूल्य (₹) (पुनः बताया गया) #	268	225	206	176	163	172	159	151	154



## ओएनजीसी समूह निष्पादन एक नजर में

(₹ मिलियन में जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)

विवरण	2014-15
वित्तीय	
प्रचालनों से राजस्व	1,663,888
लाभांश आय	6,074
अन्य गैर प्रचालन आय	53,179
कुल राजस्व	1,723,141
सांविधिक प्रभार	306,836
प्रचालन व्यय ^	824,585
विनियम हानि/(लाभ)	(465)
अपलिखित अन्येषण लागतें	109,514
ब्याज, मूल्यहास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	482,671
मूल्यहास, निशेषण, ऋण-परिशोधन एवं टूट-फूट	180,330
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	302,341
वित्त लागतें	28,637
कर पूर्व लाभ तथा असाधारण मद्दें	273,704
असाधारण मद्दें	-
कर पूर्व लाभ	273,704
कॉरपोरेट कर	96,974
कर पश्चात लाभ	176,730
संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में लाभ/(हानि) का अंश (शुद्ध)	303
अल्पसंख्यकों को आरोप्य लाभ	(6,302)
कर पश्चात और अल्पसंख्यक हित के बाद लाभ	183,335
लाभांश	(81,277)
लाभांश पर कर	(16,317)
शेयर पूँजी	42,778
शुद्ध मूल्य (इकिवटी)	1,794,742
कुल इकिवटी	1,819,473
दीर्घावधि ऋण	475,755
कार्यशील पूँजी	15,427
नियोजित पूँजी	1,781,995
वित्तीय निष्पादन अनुपात	
पीबीआईडीटी से कुल कारोबार (%)	29.01
पीबीडीटी से कुल कारोबार (%)	27.29
असाधारण मद्दों सहित लाभ मार्जिन (%)	10.62
नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई)	16.63
नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई) -असाधारण मद्दों सहित	16.63
इकिवटी के प्रति निवल लाभ (%) -असाधारण मद्दों सहित	10.22
तुलन-पत्र अनुपात	
चालू अनुपात	1.03:1
ऋण इकिवटी अनुपात	
- दीर्घावधि ऋण के प्रति कुल इकिवटी अनुपात	0.27:1
- कुल ऋण के प्रति कुल इकिवटी अनुपात	0.3:1
लेनदार कारोबार अनुपात (दिवस)	38
प्रति शेयर डाटा	
प्रति शेयर आय #	14.29
लाभांश (%)	190
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) (पुनः बताया गया) #	140

\*वित्तीय वर्ष 2023–24, वित्तीय वर्ष 2022–23 (पुनःकथित), वित्तीय वर्ष 2021–22, वित्तीय वर्ष 2020–21, वित्तीय वर्ष 2019–20 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2018–19 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (भारतीय लेखांकन मानक के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक के साथ अनुपालन वाली अनुसूची-3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए हैं।

# भारतीय लेखांकन मानक 33 'प्रति शेयर अर्जन' के अनुसार प्रति इकिवटी शेयर अर्जन को सभी वर्षों हेतु बोनस इश्यु तथा विभाजन हेतु समायोजित किया गया है। प्रति शेयर बही मूल्य हो भी बोनस तथा विभाजन पश्चात समायोजित किया गया है।

स्टॉक में (वृद्धि) / कमी, क्रय, प्रावधान तथा पश्चलेखन शामिल है।

##01 अप्रैल, 2019 से भारतीय लेखांकन मानक 116 को अपनाए जाने के परिणामस्वरूप, ऋण के रूप में वर्गीकृत वित्त पट्टा बाध्यता को वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए वित्तीय देयताओं के अंतर्गत पट्टा देयताओं में पुनः वर्गीकृत किया गया है।

#### टिप्पणी :

1. टर्नओवर = प्रचालनों से राजस्व
2. नियोजित पूंजी = निवल कार्यशील पूंजी + निवल गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य, अन्वेषणात्मक/विकास कुएं तथा निवेश के अतिरिक्त।

3. इकिवटी (शुद्ध मूल्य) = इकिवटी शेयर पूंजी और कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य इकिवटी।
4. कुल इकिवटी = इकिवटी शेयर पूंजी + अन्य इकिवटी + गैर नियंत्रक हित।
5. कुल ऋण = अल्पावधि ऋण + दीर्घावधि ऋण + दीर्घावधि ऋण की वर्तमान परिपक्वताएं।
6. लाभ अंतर (%) = वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ संयुक्त उद्यमों और सहयोगी कंपनियों/टर्नओवर के लाभ/(हानि) के अंश के अतिरिक्त।
7. वर्तमान अनुपात = वर्तमान परिसंपत्तियां (वर्तमान निवेश सहित)/वर्तमान देयताएं।
8. दीर्घावधि ऋण के प्रति कुल इकिवटी = (दीर्घावधि ऋण + दीर्घावधि ऋण की वर्तमान परिपक्वता) / कुल इकिवटी।
9. कुल ऋण के प्रति कुल इकिवटी = कुल ऋण/कुल इकिवटी।
10. इकिवटी के प्रति शुद्ध लाभ (%) = कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कर पश्चात लाभ/इकिवटी शेयरों की संख्या!
11. देनदार टर्नओवर अनुपात (दिवस) = (औसत प्राप्य/प्रचालनों से राजस्व)\*365।
12. प्रति शेयर अर्जन = कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कर पश्चात लाभ/इकिवटी शेयरों की संख्या
13. प्रति शेयर बही मूल्य = इकिवटी/इकिवटी शेयरों की संख्या!
14. आरओसीई = (लाभांश आय के अतिरिक्त पीबीआईटी)/नियोजित पूंजी।





## ओएनजीसी समूह की आय और प्रतिधारित अर्जन का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	2023-24*	2022-23*	2021-22*	2020-21*	2019-20*	2018-19*	2017-18*	2016-17*	2015-16*
<b>राजस्व</b>									
उत्पादों की बिक्री	<b>6,401,004</b>	<b>6,820,134</b>	<b>5,297,931</b>	<b>3,587,875</b>	<b>4,227,808</b>	<b>4,515,709</b>	<b>3,606,428</b>	<b>3,232,749</b>	<b>1,348,162</b>
अन्य प्रचालन आय	29,366	28,158	19,994	16,760	21,803	21,119	16,036	23,913	8,480
प्रचालनों से कुल राजस्व	<b>6,430,370</b>	<b>6,848,292</b>	<b>5,317,925</b>	<b>3,604,635</b>	<b>4,249,611</b>	<b>4,536,828</b>	<b>3,622,464</b>	<b>3,256,662</b>	<b>1,356,642</b>
लाभांश आय	18,312	7,027	17,268	15,405	9,074	15,263	15,987	17,527	10,243
अन्य गैर-प्रचालन आय	103,907	73,714	57,109	77,919	81,696	62,036	58,694	75,705	71,205
कुल राजस्व	<b>6,552,589</b>	<b>6,929,033</b>	<b>5,392,302</b>	<b>3,697,959</b>	<b>4,340,381</b>	<b>4,614,127</b>	<b>3,697,145</b>	<b>3,349,894</b>	<b>1,438,090</b>
लागत और व्यय									
प्रचालन, बिक्री और सामान्य सांविधिक लेवी									
(क) रॉयल्टी	154,641	204,941	159,173	91,385	127,846	147,730	109,379	125,242	99,152
(ख) उपकर	139,301	159,294	141,261	80,188	107,878	128,568	99,638	89,045	101,916
(ग) उत्पाद शुल्क	515,899	525,033	404,920	565,713	281,985	320,753	395,407	431,601	115,901
(घ) प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क – खनिज तेल	929	933	974	989	1,020	1,063	1,122	1,129	1,137
(ङ) चुंगी और पत्तन न्यास प्रभार #	509	348	543	433	347	322	389	354	333
(च) अन्य उद्वच्छण	8,819	8,130	6,798	6,601	5,074	5,155	5,009	4,131	384
<b>अनुयोग (क से च)</b>	<b>820,098</b>	<b>898,679</b>	<b>713,669</b>	<b>745,309</b>	<b>524,150</b>	<b>603,591</b>	<b>610,944</b>	<b>651,502</b>	<b>318,823</b>
स्टॉक में (वृद्धि) / कमी	(44,339)	25,152	(23,031)	(100,471)	11,456	(30,956)	(82)	(47,847)	7,560
उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	2,219,111	2,323,250	1,499,826	970,084	1,280,146	1,439,817	1,135,340	1,027,440	569,416
व्यापार गत स्टाक की खरीद	2,304,695	2,661,200	2,256,169	1,412,015	1,760,064	1,654,387	1,216,894	1,041,983	-
प्रावधान और पश्च लेखन	34,637	37,461	8,084	11,610	27,327	16,298	15,858	3,353	7,679
विनियम हानि	9,709	45,442	5,541	-	35,184	13,296	-	-	1,033
अपलिखित अन्येषण लागतें									
– सर्वेक्षण लागतें	19,429	22,626	19,885	19,677	19,015	19,607	15,968	19,019	17,389
– अन्येषण कूप लागतें	38,676	62,015	39,046	51,678	71,219	72,599	58,652	33,176	43,396
<b>मूल्यांकन, ब्याज और कर से पूर्व लाभ</b>	<b>1,150,573</b>	<b>853,208</b>	<b>873,113</b>	<b>588,057</b>	<b>611,820</b>	<b>825,488</b>	<b>643,571</b>	<b>621,268</b>	<b>472,794</b>
मूल्यांकन, निःशेषण, परिशोधन और हानि	287,627	245,815	268,832	255,385	266,349	237,037	231,119	202,192	163,840
<b>कुल लागत और व्यय</b>	<b>5,689,643</b>	<b>6,321,640</b>	<b>4,788,021</b>	<b>3,365,287</b>	<b>3,994,910</b>	<b>4,025,676</b>	<b>3,284,693</b>	<b>2,930,818</b>	<b>1,129,136</b>
<b>ब्याज और कर से पूर्व लाभ</b>	<b>862,946</b>	<b>607,393</b>	<b>604,281</b>	<b>332,672</b>	<b>345,471</b>	<b>588,451</b>	<b>412,452</b>	<b>419,076</b>	<b>308,954</b>
वित्त लागतें	101,942	78,894	56,960	50,790	74,893	58,367	49,990	35,911	37,656
कर और असाधारण मदों से पूर्व लाभ	<b>761,004</b>	<b>528,499</b>	<b>547,321</b>	<b>281,882</b>	<b>270,578</b>	<b>530,084</b>	<b>362,462</b>	<b>383,165</b>	<b>271,298</b>
असाधारण मदें	(16,364)	(81,379)	(21,049)	9,188	(90,285)	(15,910)	2,481	5,910	(79,432)
संयुक्त उद्यम और एसोसिएट के लाभ का अंश	23,960	341	14,639	10,194	9,332	34,282	27,132	28,100	8,657
<b>कर पूर्व लाभ</b>	<b>768,600</b>	<b>447,461</b>	<b>540,911</b>	<b>301,264</b>	<b>189,625</b>	<b>548,456</b>	<b>392,075</b>	<b>417,175</b>	<b>200,523</b>
कॉरपोरेट कर (शुद्ध)	197,592	106,996	47,970	87,662	75,062	209,076	131,395	125,484	69,507

विवरण	2023-24*	2022-23*	2021-22*	2020-21*	2019-20*	2018-19*	2017-18*	2016-17*	2015-16*
कर पश्चात लाभ (क)	571,008	340,465	492,941	213,602	114,563	339,380	260,680	291,691	131,016
अन्य व्यापक आय (ख)	181,260	28,713	43,972	18,647	(122,321)	(8,965)	(31,728)	137,070	22,465
कुल व्यापक आय (क) + (ख)	752,268	369,178	536,913	232,249	(7,758)	330,415	228,952	428,761	153,481
वर्ष के लिए निम्न को आरोप्य कर पश्चात लाभ :									
— कंपनी के स्वामी	492,214	367,093	455,221	163,044	108,036	305,460	221,059	244,192	128,752
— गैर नियंत्रक हित	78,794	(26,628)	37,720	50,558	6,527	33,920	39,621	47,499	2,264
अन्य व्यापक आय									
— कंपनी के स्वामी	177,779	30,129	42,968	17,894	(119,087)	(8,531)	(31,914)	136,283	22,467
— गैर नियंत्रक हित	3,481	(1,416)	1,004	753	(3,234)	(434)	186	787	(2)
निम्न को आरोप्य कुल व्यापक आय :									
— कंपनी के स्वामी	669,993	397,222	498,189	180,938	(11,051)	296,929	189,146	380,475	151,219
— गैर नियंत्रक हित	82,275	(28,044)	38,724	51,311	3,293	33,486	39,806	48,286	2,262
वर्ष के प्रारंभ में प्रतिधारित अर्जन	275,679	297,351	246,090	152,456	204,656	190,809	184,724	100,418	214,095
पुनःकथन का प्रभाव	-	8,626	-	2,488	(12,491)	(12,551)	-	62,524	(91,995)
वर्ष के प्रारंभ में प्रतिधारित अर्जन (पुनः कथन)	275,679	305,977	246,090	154,944	192,165	178,258	184,724	162,942	122,100
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	492,214	367,093	455,221	163,044	108,036	305,460	221,059	244,192	128,752
अन्य व्यापक आय	(3,786)	(1,345)	504	(889)	(3,691)	(2,912)	(534)	(3,121)	(299)
अन्य समायोजन (संयुक्त उद्यम और एसोसिएट सहित)	(1,364)	65	(83)	(1,500)	(2,690)	681	(420)	(132)	(24)
निवेश की अंतर धारिता के कारण समायोजन	2,858	2,208	2,589	1,572	(2,433)	1,001	2,989	2,834	-
एचपीसीएल लाभांश द्वारा बोनस शेयर के लिए अधिग्रहण पूर्व समायोजन	-	-	-	-	-	-	(2,483)	(3,311)	-
लाभांश	(128,948)	(176,125)	(114,481)	(22,856)	(72,488)	(96,407)	(79,206)	(112,954)	(49,194)
लाभांश पर कर	-	-	-	-	(13,809)	(19,153)	(15,705)	(22,972)	(10,005)
भारतीय लेखांकन मानक 115 का संक्रमण प्रभाव (कर का निवल)	-	-	-	-	-	(420)	-	-	-
शेयरों की पुनः खरीद से संबंधित व्यय	-	-	(999)	-	-	(75)	-	-	-
पूँजी मोचन आरक्षित को अंतरित	-	-	(184)	-	-	-	-	-	-
विधिक आरक्षित को अंतरित	-	(7,664)	(1,776)	27,436	-	(6,890)	(9,530)	(581)	(8,082)
सामान्य आरक्षित को अंतरित	(309,161)	(214,699)	(289,518)	(75,488)	(50,216)	(154,592)	(110,472)	(64,691)	(76,067)
डिंचर मोचन आरक्षित से/को अंतरित	280	169	(12)	(173)	(2,418)	(295)	387	(17,482)	(6,763)
वर्ष के अंत में प्रतिधारित अर्जन	327,772	275,679	297,351	246,090	152,456	204,656	190,809	184,724	100,418

\*\* वित्तीय वर्ष 2023–24, वित्तीय वर्ष 2022–23 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2021–22, वित्तीय वर्ष 2020–21, वित्तीय वर्ष 2019–20 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2018–19 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (भारतीय लेखांकन मानक के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक के साथ अनुपालन वाली अनुसूची-3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए हैं।

# भारतीय लेखांकन मानक 18 'राजस्व' के पैरा 8 के अनुसार वर्ष 2016–17 तथा वर्ष 2015–16 हेतु वस्तुओं की विक्री को विक्री कर तथा ढुमी के शुद्ध के रूप में प्रस्तुत किया गया है।



## ओएनजीसी समूह की आय और प्रतिधारित अर्जन का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	2014-15
<b>राजस्व</b>	
उत्पादों की बिक्री	<b>1,645,426</b>
व्यापार किए गए उत्पाद	60
अन्य प्रचालन राजस्व	18,402
प्रचालनों से कुल राजस्व	<b>1,663,888</b>
लाभांश आय	6,074
अन्य गैर-प्रचालन आय	53,179
<b>कुल राजस्व</b>	<b>1,723,141</b>
लागत और व्यय	
प्रचालन, बिक्री और सामान्य सांविधिक उद्ग्रहण	
(क) रायलटी	141,451
(ख) उपकर	102,535
(ग) मोटर स्पिरिट कर	-
(घ) उत्पाद शुल्क	52,669
(ङ) प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क – खनिज तेल	1,123
(च) बिक्री कर	2,586
(छ) सेवा कर	298
(ज) शिक्षा उपकर	91
(झ) चुंगी और पत्तन न्यास प्रभार	6,083
<b>अनुयोग (क से झ)</b>	<b>306,836</b>
स्टॉक में (बुद्धि) / कमी	17,229
उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	793,345
व्यापार गत स्टाक की खरीद	10,876
प्रावधान और पश्च लेखन	(465)
विनियम हानि	3,135
पूर्वावधि से संबंधित समायोजन (शुद्ध)	
अपलिंगित अन्येषण लागतें	20,835
– सर्वेक्षण लागतें	88,679
– अन्येषण कूप लागतें	<b>482,671</b>
मूल्यांकन, ब्याज और कर से पूर्व लाभ	180,330
मूल्यांकन, क्षय, परिशोधन और हानि	<b>1,420,800</b>
<b>कुल लागत और व्यय</b>	<b>302,341</b>
ब्याज और कर से पूर्व लाभ	28,637
<b>वित्त लागतें</b>	<b>273,704</b>
कर और असाधारण मदों से पूर्व लाभ	-
<b>असाधारण मदें</b>	<b>273,704</b>
कर पूर्व लाभ	96,974
<b>निगमित कर (शुद्ध)</b>	<b>176,730</b>
कर पश्चात लाभ	303
वर्ष के लिए एसोसिएट के लाभ का अंश	(6,302)
<b>अल्प संबंधित संबंधित लाभ</b>	<b>183,335</b>
कर पश्चात समूह लाभ	233,115
अप्रेनीत शेष लाभ और हानि लेखा	1
शेयरधारिता में परिवर्तन के कारण समायोजन / अन्य समायोजन	-
पूँजी मोचन आरक्षित को अंतरित	(81,277)
लाभांश	(16,317)
लाभांश पर कर	(4)
निजी बीमा आरक्षित को अंतरित	-
सीएसआर आरक्षित को अंतरित	(80,755)
सामान्य आरक्षित को अंतरित	(24,003)
डिबेंचर मोचन आरक्षित को अंतरित	214,095
वर्ष के अंत में प्रतिधारित अर्जन	

## ओएनजीसी समूह की वित्तीय स्थिति का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	2023-24*	2022-23*	2021-22*	2020-21*	2019-20*	2018-19*	2017-18*	2016-17*	2015-16*
स्रोत									
क. निजि									
1. शुद्ध मूल्य									
(क) इकिटी									
(1) शेयर पूँजी	62,901	62,901	62,901	62,901	62,902	62,902	64,166	64,166	42,778
(2) अन्य इकिटी									
– अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से इकिटी लिखत हेतु आरक्षित	328,550	136,937	141,581	102,291	77,221	200,362	215,813	246,864	110,536
– अन्य	2,979,251	2,627,912	2,390,547	2,044,618	1,910,923	1,906,083	1,760,210	1,632,822	1,824,823
कुल अन्य इकिटी	<b>3,307,801</b>	<b>2,764,849</b>	<b>2,532,128</b>	<b>2,146,909</b>	<b>1,988,144</b>	<b>2,106,445</b>	<b>1,976,023</b>	<b>1,879,686</b>	<b>1,935,359</b>
शुद्ध मूल्य #	<b>3,370,702</b>	<b>2,827,750</b>	<b>2,595,029</b>	<b>2,209,810</b>	<b>2,051,046</b>	<b>2,169,347</b>	<b>2,040,189</b>	<b>1,943,852</b>	<b>1,978,137</b>
ख. दीर्घावधि ऋण	779,520	983,595	880,427	791,621	729,316	521,680	550,249	527,723	402,292
ग. आस्थगित कर देयता (शुद्ध)	367,672	304,365	349,345	427,068	433,745	449,910	398,070	352,172	264,456
घ. गैर-नियंत्रक हित	280,203	206,077	238,249	216,158	184,057	181,062	156,060	132,920	26,518
कुल संसाधन (क+ख+ग+घ)	<b>4,798,097</b>	<b>4,321,787</b>	<b>4,063,050</b>	<b>3,644,657</b>	<b>3,398,164</b>	<b>3,321,999</b>	<b>3,144,568</b>	<b>2,956,667</b>	<b>2,671,403</b>
संसाधनों की स्थिति									
क. गैर-चालू परिसंपत्तियां									
1) ब्लॉक पूँजी (शुद्ध)									
(1) अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण ^	1,057,939	926,315	830,263	741,258	741,274	712,382	681,341	667,449	309,498
(2) तेल और गैस परिसंपत्तियां ^	1,450,161	1,312,645	1,433,524	1,392,809	1,400,441	1,443,794	1,430,878	1,296,152	1,198,915
(3) उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियां	341,445	141,894	157,826	159,064	147,118	-	-	-	-
(4) अमृत परिसंपत्तियां	13,555	9,736	10,274	8,868	7,641	6,768	6,254	5,749	1,054
(5) निवेश संपत्तियां	79	79	79	79	79	79	79	1	-
कुल ब्लॉक पूँजी	<b>2,863,179</b>	<b>2,390,669</b>	<b>2,431,966</b>	<b>2,302,078</b>	<b>2,296,553</b>	<b>2,163,023</b>	<b>2,118,552</b>	<b>1,969,351</b>	<b>1,509,467</b>
2. समेकन पर साख	121,364	120,334	112,056	135,386	142,367	140,884	142,025	141,904	153,301
3. वित्तीय परिसंपत्तियां									
क) प्राप्य व्यापार	25,355	26,225	24,765	25,630	23,741	20,572	16,564	13,630	11,695
ख) ऋण	34,426	29,655	26,437	23,440	32,146	28,504	20,911	21,546	21,188
ग) स्थल पुनरुद्धार निधि योजना के अंतर्गत जमा	285,710	267,512	248,722	235,115	222,836	181,884	160,640	145,943	135,986
घ) अन्य	110,739	93,554	79,930	68,347	41,369	37,275	11,630	9,392	9,660
कुल वित्तीय परिसंपत्तियां	<b>456,230</b>	<b>416,946</b>	<b>379,854</b>	<b>352,532</b>	<b>320,092</b>	<b>268,235</b>	<b>209,745</b>	<b>190,511</b>	<b>178,529</b>
4. गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियां	148,732	142,545	105,186	95,669	107,600	105,232	108,314	98,720	83,615
5. अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां (पूँजीगत अंग्रिम को छोड़कर)	20,780	19,827	30,463	24,119	36,279	44,962	32,400	25,575	15,362
6. अनुयोग (क) (1+2+3+4+5)	<b>3,610,285</b>	<b>3,090,321</b>	<b>3,059,525</b>	<b>2,909,784</b>	<b>2,902,891</b>	<b>2,722,336</b>	<b>2,611,036</b>	<b>2,426,061</b>	<b>1,940,274</b>



विवरण	2023-24*	2022-23*	2021-22*	2020-21*	2019-20*	2018-19*	2017-18*	2016-17*	2015-16*
ख. घटाएं : गैर-चालू देयताएं और प्रावधान									
क) पट्टा देयताएं # #	255,054	84,035	92,167	96,462	80,149	6,053	-	-	-
ख) वित्तीय देयताएं	1,894	4,318	19,502	62,867	7,019	8,353	7,310	2,321	1,538
ग) प्रावधान	506,860	404,231	363,830	361,268	331,006	278,499	252,002	231,146	220,487
घ) अन्य गैर-वर्तमान देयताएं	13,011	12,498	8,422	7,932	6,437	5,480	11,823	8,089	233
अनुयोग (ख)	<b>776,819</b>	<b>505,082</b>	<b>483,921</b>	<b>528,529</b>	<b>424,611</b>	<b>298,385</b>	<b>271,135</b>	<b>241,556</b>	<b>222,258</b>
शुद्ध गैर वर्तमान परिसंपत्तियां (ग) = (क)-(ख)	<b>2,833,466</b>	<b>2,585,239</b>	<b>2,575,604</b>	<b>2,381,255</b>	<b>2,478,280</b>	<b>2,423,951</b>	<b>2,339,901</b>	<b>2,184,505</b>	<b>1,718,016</b>
घ. शुद्ध कार्यशील पूँजी									
1) वर्तमान परिसंपत्तियां									
(1) मालसूची	522,505	442,409	541,631	445,733	330,512	351,341	305,571	298,817	99,181
(2) वित्तीय परिसंपत्तियां									
क) प्राप्य व्यापार	197,630	187,516	191,873	160,158	91,734	153,965	138,992	125,471	83,317
ख) नकदी और नकदी शेष	366,896	291,403	68,409	71,923	96,402	48,197	50,628	132,126	246,890
ग) ऋण	4,201	4,576	4,929	4,785	11,821	17,015	12,583	9,927	3,406
घ) अन्य	123,058	92,437	52,650	65,502	115,707	169,288	142,436	110,016	79,004
3) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	65,319	77,870	146,689	128,935	107,468	81,315	24,085	28,435	42,804
अनुयोग (1)	<b>1,279,609</b>	<b>1,096,211</b>	<b>1,006,181</b>	<b>877,036</b>	<b>753,644</b>	<b>821,121</b>	<b>674,295</b>	<b>704,792</b>	<b>554,602</b>
घटाएं :									
2. चालू देयताएं									
क) वित्तीय देयताएं									
1) अल्पावधि ऋण	418,034	308,260	197,331	398,991	315,056	493,323	462,212	216,274	43,185
2) देय व्यापार	374,903	336,426	401,860	269,250	229,611	305,575	264,847	240,138	297,780
3) पट्टा देयताएं # #	79,197	46,657	49,933	44,796	51,552	1,017	-	-	-
4) अन्य	451,229	477,223	434,117	371,480	543,047	369,207	322,356	661,557	130,660
ख) अन्य वर्तमान देयताएं	114,292	103,407	113,948	90,379	63,335	69,897	66,659	63,862	21,244
ग) अल्पावधि प्रावधान	69,174	52,487	66,635	50,344	41,872	43,825	44,099	49,512	12,309
घ) वर्तमान कर देयताएं (शुद्ध)	5,946	4,608	9,828	7,426	6,252	12,053	9,484	8,950	10,446
अनुयोग (2)	<b>1,512,775</b>	<b>1,329,068</b>	<b>1,273,652</b>	<b>1,232,666</b>	<b>1,250,725</b>	<b>1,294,897</b>	<b>1,169,657</b>	<b>1,240,293</b>	<b>515,624</b>
कार्यशील पूँजी (घ)=(1)-(2)	<b>(233,166)</b>	<b>(232,857)</b>	<b>(267,471)</b>	<b>(355,630)</b>	<b>(497,081)</b>	<b>(473,776)</b>	<b>(495,362)</b>	<b>(535,501)</b>	<b>38,978</b>
ड. नियोजित पूँजी (ग+घ)	<b>2,600,300</b>	<b>2,352,382</b>	<b>2,308,133</b>	<b>2,025,625</b>	<b>1,981,199</b>	<b>1,950,175</b>	<b>1,844,539</b>	<b>1,649,004</b>	<b>1,756,994</b>
च. निवेश									
1) गैर-वर्तमान निवेश	968,270	737,037	612,706	549,028	514,103	618,252	623,352	620,026	303,836
2) वर्तमान निवेश	53,802	51,689	53,715	54,176	53,449	50,838	49,994	87,431	30,032
छ. निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य (पूँजीगत अग्रिम सहित)	935,799	975,575	736,149	641,722	469,445	311,131	225,378	332,665	329,976
ज. निर्माणाधीन अन्येषणात्मक / विकास कूप	239,926	205,104	352,347	374,106	379,968	391,603	401,305	267,541	250,565
कुल स्थिति (ड+च+छ+ज)	<b>4,798,097</b>	<b>4,321,787</b>	<b>4,063,050</b>	<b>3,644,657</b>	<b>3,398,164</b>	<b>3,321,999</b>	<b>3,144,568</b>	<b>2,956,667</b>	<b>2,671,403</b>

## ओएनजीसी समूह की वित्तीय स्थिति का विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	2014-15
स्रोत	
क. निजी के	
1. शुद्ध मूल्य	42,778
(क) इविएटी	1,761,766
(i) शेयर पूँजी	1,804,544
(ii) आरक्षित और अधिशेष	9,802
अनुयोग	1,794,742
(ख) घटाएं : विविध व्यय	475,755
शुद्ध मूल्य	181,759
ख. दीर्घावधि ऋण	24,731
ग. अस्थगित कर देयता (शुद्ध)	2,476,987
घ. अल्पसंख्यक हित	
कुल संसाधन (क+ख+ग+घ)	
संसाधनों की स्थिति	
क. गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	
1) ब्लॉक पूँजी (शुद्ध)	686,712
(i) अचल परिसंपत्तियां ^	910,049
(ii) तेल और गैस परिसंपत्तियां/ उत्पादक संपत्तियां ^	1,169
(iii) अमूर्त परिसंपत्तियां	1,597,930
कुल ब्लॉक पूँजी	201,399
2. समेकन पर साथ	94,164
3. दीर्घावधि ऋण और अग्रिम (पूँजीगत अग्रिम को छोड़कर)	136,424
4. स्थल पुनरुद्धार निधि योजना के अंतर्गत बैंक के साथ जमा	71,270
5. अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां (डीआरई को छोड़ कर)	2,101,187
6. अनुयोग = (1+2+3+4+5)	
7. घटाएं : गैर-वर्तमान देयताएं और प्रावधान	
क) अन्य दीर्घावधि देयताएं	7,625
ख) परित्याग लागत के लिए प्रावधान	298,198
ग) दीर्घावधि प्रावधान	28,796
अनुयोग (7)	334,619
निवल गैर वर्तमान परिसंपत्तियां (क) = (6)-(7)	1,766,568
घ. शुद्ध कार्यशील पूँजी	
1) चालू परिसंपत्तियां	
(i) मालसूची	106,198
(ii) प्राय व्यापार	188,158
(iii) नकदी और नकदी शेष	160,969
(iv) अत्यावधि ऋण और अग्रिम	100,174
(v) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (डीआरई को छोड़कर)	9,635
अनुयोग (1)	565,134
घटाएं :	
2. चालू देयताएं	
i) अल्पावधि ऋण	53,448
ii) देय व्यापार	304,660
iii) अन्य वर्तमान देयताएं	168,205
iv) अल्पावधि प्रावधान	23,394
अनुयोग (2)	549,707
शुद्ध कार्यशील पूँजी	15,427
ग. नियोजित पूँजी	1,781,995
घ. निवेश	
i) गैर-चालू निवेश	47,470
ii) वर्तमान निवेश	22
ड. निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य (पूँजीगत अग्रिम सहित)	435,533
च. निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक/विकास कूप	211,967
कुल स्थिति (ग+घ+ड+च)	2,476,987

\* वित्तीय वर्ष 2023-24, वित्तीय वर्ष 2022-23 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2021-22, वित्तीय वर्ष 2020-21, वित्तीय वर्ष 2019-20 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2018-19 (पुनः कथन), वित्तीय वर्ष 2017-18, वित्तीय वर्ष 2016-17 तथा वित्तीय वर्ष 2015-16 (भारतीय लेखांकन मानक के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़े को कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक के साथ अनुपालन वाली अनुसूची-3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014-15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए हैं।

^ अन्य व्यापक आय के माध्यम से इविएटी निवेश हेतु आरक्षित शामिल है।

# टिप्पणी : 1 अप्रैल, 2015 को परिवर्तन तिथि को उत्पादन और संबद्ध सुविधाओं से संबंधित परिसंपत्तियों को वहन मूल्य को अन्य संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण से 'तेल और गैस परिसंपत्तियों' में पुनः समूहबद्ध किया गया है ताकि तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की संवित राशि को प्रदर्शित किया जा सके।

## 01 अप्रैल, 2019 से भारतीय लेखांकन मानक 116 को अपनाए जाने के परिणामस्वरूप, ऋण के रूप में वर्गीकृत वित्त पट्टा बाध्यता को वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए वित्तीय देयताओं के अंतर्गत पट्टा देयताओं में पुनः वर्गीकृत किया गया है।



# स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की रिपोर्ट

## सेवा में

### ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सदस्यगण

#### समेकित वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

## 1. मत

हमने ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ("धारक कंपनी") और इसकी अनुषंगी कंपनियां (धारक कंपनी और इसकी अनुषंगी कंपनियां को एक साथ "समूह" कहा गया है), इसकी संहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों, जिसमें 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार समेकित तुलना-पत्र, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इकिवटी में परिवर्तन का समेकित विवरण, समेकित नकदी प्रवाह विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का एक सार और अन्य व्याख्यात्मक सूचना शामिल है, (जिसे एतदपश्चात 'समेकित वित्तीय विवरण' कहा गया है), की लेखा—परीक्षा की है।

हमारे मतानुसार और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, और पृथक वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा—परीक्षकों की रिपोर्टों और अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों की अन्य वित्तीय जानकारी पर विचार किए जाने के आधार पर, उपरोक्त वर्णित समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") द्वारा अपेक्षानुसार सूचना को दर्शाते हैं और कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के साथ पढ़ी जाने वाली अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्दिष्ट यथा संशोधित भारतीय लेखांकन मानकों ('इंड एएस') के अनुसार 31 मार्च, 2024 को कंपनी के समेकित मामलों, और उसके समेकित लाभ (अन्य व्यापक आय सहित), इकिवटी में समेकित परिवर्तन और उस तरीख को समाप्त वर्ष के लिए इसके समेकित नकदी प्रवाह का भारत में आमतौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा उचित चित्र प्रस्तुत करते हैं।

## 2. मत हेतु आधार

हमने समेकित वित्तीय विवरणों की अपनी लेखा—परीक्षा अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्दिष्ट लेखा—परीक्षा के मानकों (एसए) के अनुसार की है। उन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्वों को हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण की लेखा—परीक्षा के लिए लेखा—परीक्षकों के उत्तरदायित्व खंड में आगे वर्णित किया गया है। हम भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार समूह, इसकी सहयोगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों से स्वतंत्र हैं, और साथ ही अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत समेकित वित्तीय विवरण की हमारे लेखा—परीक्षा के लिए प्रासंगिक होने वाली नैतिक आवश्यकताओं सहित हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार हमारे अन्य नैतिक उत्तरदायित्वों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखा—परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, और नीचे पैराग्राफ में अन्य मामलों के पैरा 5 में संदर्भित हमारी रिपोर्टों के संदर्भ में अन्य लेखा—परीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखा—परीक्षा साक्ष्य, वे हमारे मत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

## 3. मामले पर बल दिया जाना

हम समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में निम्नलिखित मामलों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें तात्पर्यकता पर विचार करते हुए, 'अन्य लेखा—परीक्षक के कार्य का उपयोग' पर लेखांकन मानक (एसए 600) की आवश्यकता के अनुसार घटक लेखा—परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किए गए मामले शामिल हैं:

i. हम समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 80 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अपतटीय क्षेत्रों में कुछ विकासशील या विकसित क्षेत्रों में किए गए सर्वेक्षण लागत के संबंध में पूर्व अवधियों की त्रुटि के सुधार के कारण पिछले अवधि के वित्तीय विवरणों के पुनर्कथन के संबंध में उल्लेख किया गया गया है।

इस मामले के संबंध में समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय आशोधित नहीं है।

ii. समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 62 और टिप्पणी 14.1.11 तथा धारक कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की लेखा—परीक्षा रिपोर्ट में विषय के महत्व (ईओएम) के पैराओं, जिन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की एक स्वतंत्र फर्म द्वारा 10 मई, 2024 को उनकी संबंधित रिपोर्ट के माध्यम से जारी किया गया है, उक्त ईओएम को निम्नानुसार पुनः प्रस्तुत किया गया है:

“सखालिन-1 (एस-1) परियोजना” के अधिग्रहण और उसके पीएसए के अंतर्गत कंसोर्टियम के सभी अधिकारों और दायित्वों को एक नई इकाई “सखालिन-1 एलएलसी” को हस्तांतरित की जाने के लिए रूसी संघ की डिक्री के कारण उत्पन्न हुई महत्वपूर्ण घटना के बारे में समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 57 (ख) (i) और 12.2”

iii. समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 15.6 और धारक कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की लेखा—परीक्षा रिपोर्ट में शामिल विषय के महत्व (ईओएम) वाले पैराओं का पैरा (vii) जिन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की एक स्वतंत्र फर्म द्वारा 10 मई, 2024 की उनकी रिपोर्ट द्वारा जारी किया गया है, उक्त ईओएम को निम्नानुसार पुनः प्रस्तुत किया गया है:

“सूडान सरकार से प्राप्तियों के संबंध में समेकित वित्तीय विवरण की टिप्पणी संख्या 13.6.1 में ₹ 30,775.98 मिलियन का आजीवन अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) के लिए मूल्यांकन किया गया है, और 31 मार्च, 2024 तक ₹ 5,421.20 मिलियन का कुल संचित प्रावधान किया गया है।”

iv. समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 80.1.2 और धारक कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की लेखा—परीक्षा रिपोर्ट में शामिल विषय के महत्व (ईओएम) वाले पैराओं के पैरा (8), जिन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की एक स्वतंत्र फर्म द्वारा 10 मई, 2024 की रिपोर्ट द्वारा जारी किया गया है, उक्त ईओएम को निम्नानुसार पुनः प्रस्तुत किया गया है:

“प्रगति पर पूँजीगत कार्य से संबंधित विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों से अधिग्रहण लागत को पुनर्वर्गीकृत की जाने से उत्पन्न प्रस्तुति त्रुटि के भौतिक पूर्वव्यापी पुनर्वर्गीकरण को ध्यान में रखते हुए 01.04.2022 को प्रारंभिक तुलन-पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 58.1”

v. चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की एक स्वतंत्र फर्म द्वारा 10 मई, 2024 को जारी की गई अपनी रिपोर्ट के अनुसार, धारक कंपनी के एक संयुक्त उद्यम ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड के एकल वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा—परीक्षक की लेखा—परीक्षा रिपोर्ट में शामिल समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 68 और गोइंग कन्सर्न से संबंधित तात्त्विक अनिश्चितता पैराग्राफ, एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 40 में दिए गए उक्त पैराग्राफ को निम्नानुसार पुनः प्रस्तुत किया गया है —

“हम 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए इकिवटी (अन्य इकिवटी) में परिवर्तन के विवरण और एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 15.2 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जो दर्शाती है कि कंपनी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹ 34,556.89 मिलियन का शुद्ध घटा उठाया है और, उस तारीख तक, कंपनी की वर्तमान देयताओं इसकी वर्तमान परिसंपत्तियों से ₹ 1,05,130.37 मिलियन अधिक हैं। एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 15.2 के साथ—साथ एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 38 और 39.1 में निर्धारित अन्य संकेतक यह संकेत देते हैं कि एक ऐसी उल्लेखनीय अनिश्चितता विद्यमान है जो कंपनी के गोइंग कन्सर्न के रूप में जारी रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है।”

ऐसी घटनाओं या स्थितियों के बावजूद, जो कंपनी की चालू व्यवसाय के रूप में जारी रहने की क्षमता पर संदेह पैदा कर सकती हैं, प्रबंधन की राय है कि प्रबंधन योजना को ध्यान में रखते हुए तथा एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 40 में उल्लिखित अन्य तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लेखांकन का गोइंग कन्सर्न आधार उपयुक्त है।

एकल वित्तीय विवरणों पर इन मामलों के संबंध में हमारा मत अर्हक नहीं है। समेकित वित्तीय विवरणों पर इन मामलों के संबंध में हमारा मत अर्हक नहीं है।

#### 4. प्रमुख लेखा—परीक्षा मामले

प्रमुख लेखा—परीक्षा मामले, वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरण की हमारी लेखा—परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समेकित वित्तीय विवरण की हमारी समग्र लेखा—परीक्षा और उन पर हमारा मत बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग मत प्रदान नहीं करते हैं। नीचे दिए गए प्रत्येक मामले के लिए, उस संदर्भ में हमारी लेखा—परीक्षा ने मामले पर कैसे ध्यान



दिया, का विवरण दिया गया है। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखा-परीक्षा मामलों हेतु नीचे उल्लिखित मामलों का निर्धारण किया है। भौतिकता सहित 'किसी अन्य लेखा-परीक्षक के कार्य का उपयोग करने' के संबंध में लेखापरीक्षण मानक (एसए

600) की आवश्यकता पर विचार करते हुए धारक कंपनी और इसकी भौतिक अनुषंगी कंपनियों के एकल वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा पर स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट से प्रमुख लेखा-परीक्षा मामलों को नीचे पुनः उद्धृत किया गया है :

#### क. धारित कंपनी के लिए प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले

क्रम सं.	प्रमुख लेखा-परीक्षा मामला	हमारी लेखा-परीक्षा ने प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले पर किस प्रकार ध्यान दिया
1	<p>मूर्त तथा अमूर्त परिसंपत्तियों की क्षति हेतु प्रावधान की पर्याप्तता का मूल्यांकन</p> <p>प्रबंधन ने यह आकलन किया कि क्या मूर्त तथा अमूर्त परिसंपत्तियों की क्षति के लिए किसी प्रावधान को मान्यता प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। धारक कंपनी अपनी मूर्त तथा अमूर्त परिसंपत्तियों (निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी) और प्रगतिधीन विकासात्मक कुएं (डीडब्ल्यूआईपी) सहित तेल तथा गैस परिसंपत्तियों, अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (प्रगतिधीन पूँजीगत कार्य, उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियों सहित) की वहन राशि की समीक्षा प्रयोक्त रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निर्धारित "नकदी उत्पन्न करने की यूनिट" (सीजीयू) हेतु यह आकलन करने के लिए करती है कि क्या इसका कोई संकेत है कि इन परिसंपत्तियों को कोई क्षति हानि हुई है।</p> <p>तेल और गैस की कीमत के पूर्वानुमानों का सीजीयू हानि आकलन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है और यह स्वाभाविक रूप से अनिश्चित है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को देखते हुए, तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि और भी अनिश्चित है।</p> <p>भविष्य में तेल और गैस की कीमतों के लिए प्रबंधन की धारणाएं निर्णयात्मक हैं और उपरोक्त कारकों को प्रतिविवित नहीं कर सकती हैं, जिससे सामग्री के गलत विवरण का जोखिम हो सकता है।</p> <p>इसमें निहित दीर्घावधि को देखते हुए, कुछ पुनराप्य परिसंपत्तियां लागू की गईं छूट दर के प्रति संवेदनशील होती हैं। चूंकि उचित छूट दर का निर्धारण निर्णयात्मक है, अतः यह जोखिम हो सकता है कि छूट दरें बाजार के लिए अपेक्षित प्रतिफल को प्रतिविवित न करें और नकदी प्रवाह में निहित जोखिम कम कम दर्शाएं, जिससे सामग्री संबंधी विवरण गलत हो सकता है।</p> <p>हानि आकलन और मूल्यांकन के लिए एक प्रमुख इनपुट उत्पादन पूर्वानुमान है, तेल और गैस के संबंध में से धारक कंपनी के भंडार अनुमानों, उत्पादन प्रोफाइल और क्षेत्र विकास पूर्वानुमानों से निकट रूप से संबंधित है।</p> <p>प्राप्ति योग्य राशि का निर्धारण, जो बिक्री के लिए उचित मूल्य घटा लागत तथा उपयोग में मूल्य में से अधिक होगा, के लिए धारक कंपनी के प्रबंधन की ओर से निर्णय अपेक्षित होता है।</p> <p>अन्य तेल तथा गैस परिसंपत्तियों सहित, अन्येषण तथा मूल्यांकन परिसंपत्तियों के के मामले में प्रबंधन के निर्णय के आधार पर क्षति हेतु आकलन तब किया जाता है जब निकट भविष्य में आगे कोई अन्येषण क्रियाकलापों की योजना न हो या जब पर्याप्त डाटा यह इंगित करे कि यद्यपि विकास के आगे जारी रहने की संभावना है, लेकिन अन्येषण परिसंपत्ति की वहन राशि को सफलतापूर्वक विकास या बिक्री से पूरी तरह से वसूल किए जाने की संभावना न हो।</p> <p>उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर हमने क्षति के मापन को एक प्रमुख लेखा-परीक्षा मामला माना है।</p>	<p>हमारी लेखा-परीक्षा ने प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले पर किस प्रकार ध्यान दिया</p> <p>हमारी लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल था :</p> <p>प्रबंधन की सीजीयू तथा अन्येषण एवं मूल्यांकन परिसंपत्तियों की पहचान की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया और क्षति के संकेतों सहित क्षति आकलन प्रक्रिया पर नियंत्रणों की प्रचालनशील प्रभावोत्पादकता की जांच की।</p> <p>हमने भविष्य में तेल और गैस की कीमतों के पूर्वानुमानों के बारे में धारक कंपनी के प्रबंधन द्वारा किए गए फैसलों और निर्णयों के औचित्य की समीक्षा की है कि क्या ये संभावित प्रबंधन पूर्वाग्रह के संकेतक हैं और तदनुसार भविष्य में तेल और गैस की कीमतों के लिए प्रबंधन के पूर्वानुमानों पर भरोसा किया।</p> <p>हमने अनुमान में उपयोग की जाने वाली छूट दरों की उपयुक्तता की समीक्षा की। हमने भंडारों और तेल और गैस के उत्पादन प्रोफाइल के संबंध में प्रबंधन के तकनीकी मूल्यांकन पर भरोसा किया, जैसा कि प्रबंधन द्वारा हमें दर्शाया गया है।</p> <p>हमने नकदी प्रवाह मॉडल की गणितीय स्टीकेट की जांच निष्पादित की और संबंधित प्रकटीकरण की उपयुक्तता को वैधीकृत किया।</p> <p>हमने प्रबंधन के इस आकलन और प्राप्ति योग्य मात्रा की तुलना सहित क्षति की संबंधित गणना का मूल्यांकन लेखा बहियों में संबंधित सीजीयू की वसूली योग्य राशि का वहन राशि से मिलान करके किया।</p> <p>हमने अन्येषण गतिविधियों संबंधी भवी योजनाओं का अध्ययन किया। इसके अलावा, हमने प्रबंधन के इस आकलन पर भरोसा किया है कि जहां कहीं एमएल/पीएमएल समाप्त हो गया है/ निकट भविष्य में समाप्त हो रहा है, उसे फिर से नियोजित किया जाएगा।</p>

क्रम सं.	प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला	हमारी लेखा—परीक्षा ने प्रमुख लेखा—परीक्षा मामले पर किस प्रकार ध्यान दिया
2	<p>समाप्त किए जाने की देयता का अनुमानन</p> <p>कंपनी की उसके द्वारा उपयोग के अंत में प्रचालित परिसंपत्तियों/फील्डों के पुनरुद्धार तथा पुनर्वास की बाध्यता है। समाप्त किए जाने की इस देयता को इस बाध्यता को पूरा करने हेतु अपेक्षित लागतों के अनुमान पर दर्ज किया जाता है।</p> <p>यह प्रावधान वर्तमान लागत अनुमानों पर आधारित है और इसे वर्तमान विधिक आवश्यकताओं तथा प्रौद्योगिकी के संदर्भ में एक छूट दिए गए आधार पर निर्धारित किया गया है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को समाप्त किए जाने की देयता की समीक्षा की जाती है और इसे देखी जाने वाली मान्यताओं, समय तथा रिपोर्टिंग तिथि को वहन की जाने वाली लागतों के नवीनतम अनुमानों के अनुरूप पुनः मापा जाता है।</p> <p>हमने समाप्त किए जाने की लागतों को एक प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला माना है क्योंकि इसमें लेखांकन गणनाओं तथा उच्च अनुमानन अनिश्चितता अंतर्रस्त होने वाले अनुमानों सहित महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल था :</p> <p>समाप्त किए जाने की प्रत्याशित लागतों के निर्धारण में धारक कंपनी के प्रबंधन द्वारा अपनाए गए तरीके का मूल्यांकन किया गया।</p> <p>प्रावधानों पर सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रभाव होने वाली प्रयुक्त लागत मान्यताओं को चिह्नित किया गया और इन मान्यताओं की उपयुक्तता की जांच की गई।</p> <p>छूट और अनुमानन में प्रयुक्त मुद्रास्फीति दरों की उपयुक्तता की समीक्षा की।</p> <p>व्याज को समाप्त किए जाने तथा साथ ही साथ इस समझ की भी पुष्टि की कि वर्ष के दौरान क्या कोई पुनरुद्धार कार्य किया गया था।</p> <p>हमने प्रबंधन द्वारा अनुमानित उत्पादन प्रोफाइल के संबंध में तकनीकी मूल्यांकन पर भरोसा किया है जिसके आधार पर परिसंपत्ति/फील्डों को बंद किए जाने के अंतिम वर्ष का अनुमान लगाया गया है।</p> <p>हमने कंपनी के प्रबंधन के इस आकलन पर भरोसा किया है कि खनन पटटा (एमएल) / पेट्रोलियम खनन पटटा (पीएमएल) प्रबंधन द्वारा यथा अनुमानित फील्ड के अंतिम वर्ष तक पुनः प्रदान किया जाएगा।</p> <p>तकनीकी / वाणिज्यिक मूल्यांकन के उपयोग हेतु आंतरिक / बाहरी विशेषज्ञों के निर्णयों पर निर्भर किया।</p> <p>वित्तीय विवरणों में किए गए प्रकटीकरणों की उचितता का आकलन किया।</p>
3	<p>मुकदमेबाजी और दावे</p> <p>मुकदमेबाजी और दावे बहुकर तथा नियामक निकायों के पास लंबित हैं और बैडरों/आपूर्तिकारों तथा कर्मचारों से दावे प्राप्त हुए हैं जिन्हें धारक कंपनी द्वारा ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है (संयुक्त प्रचालनों सहित)।</p> <p>व्यापार के सामान्य चालन के दौरान लंबित विधिक/नियामक कार्यवाहियों और धारक कंपनी द्वारा ऋण के रूप में स्वीकार न किए गए उक्त उल्लिखित दावों से वित्तीय प्रभाव हो सकते हैं। किसी दावे को देयता के रूप में मान्यता दी जाए, आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया जाए या एकल वित्तीय विवरणों में सुदूर माना जाए, कई महत्वपूर्ण मान्यताओं तथा निर्णयों पर निर्भर करता है। अंतर्रस्त राशियां सम्भाव्य रूप से महत्वपूर्ण होती हैं और राशि का निर्धारण, यदि कोई हो, जिसे एकल वित्तीय विवरणों में मान्यता या प्रकटीकरण दिया जाता है, निहित रूप से विषयपरक होती है।</p> <p>हमने मुकदमेबाजी तथा दावों को एक प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला माना है क्योंकि जिन राशियों पर ये अनुमान आधारित होते हैं, उनमें उच्च अनुमानन अनिश्चितता अंतर्रस्त होने वाले लेखांकन अनुमानों सहित महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल था :</p> <p>प्रबंधन के आंतरिक अनुदेशों, कर मुकदमेबाजी तथा अन्य मुकदमेबाजी और दावों के निर्धारण हेतु प्रक्रिया तथा नियंत्रण और/अथवा इसके उचित लेखांकन तथा प्रकटीकरण को समझा।</p> <p>ऐसी मुकदमेबाजी के आस—पास के प्रमुख नियंत्रणों का परीक्षण किया।</p> <p>मुकदमेबाजी और दावों की स्थिति के संबंध में कंपनी के कार्मिकों से लम्बित मामलों पर चर्चा की।</p> <p>ऐसे मामलों में निर्धारित पूर्वोदाहरण की समझ के माध्यम से कंपनी के प्रबंधन के निष्कर्षों का आकलन किया, प्रबंधन द्वारा विशेष रूप गठित आंतरिक समिति की सिफारिशों की समीक्षा की, जिसमें प्रबंधन द्वारा जहां—कहीं प्राप्त किया गया हो, विशेषज्ञ मतों पर निर्भर करना शामिल था।</p> <p>हमने एकल वित्तीय विवरणों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण आकस्मिक देयताओं के प्रस्तुतीकरण और प्रकटीकरण की उचितता का आकलन किया।</p>



क्रम सं.	प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला	हमारी लेखा—परीक्षा ने प्रमुख लेखा—परीक्षा मामले पर किस प्रकार ध्यान दिया
4	<p><b>सूचना प्रौद्योगिकी और सामान्य नियंत्रण</b></p> <p>कंपनी वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं सहित अपने लेनदेनों को संसाधित करने और उन्हें अभिलेखबद्ध करने के लिए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी ("आईटी") प्रणालियों पर निर्भर है।</p> <p>यह सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त आईटी सामान्य नियंत्रण और अनुप्रयोग नियंत्रण की आवश्यकता है कि ऐसी आईटी प्रणालियां यथाअपेक्षित विश्वसनीय वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए पूर्णतः स्टीक और लगातार डेटा को संसाधित करने में सक्षम हैं।</p> <p>आईटी अनुप्रयोग नियंत्रण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि अनुप्रयोगों/ फाइलों/सूचनाओं और अंतर्निहित डेटा में परिवर्तन उचित तरीके से और नियंत्रित वातावरण में किए जाते हैं। उपयुक्त नियंत्रण अनुप्रयोगों और डेटा में परिवर्तन के परिणामस्वरूप संभावित धोखाधड़ी या त्रुटियों के जोखिम को कम करने में योगदान करते हैं।</p> <p>कंपनी की आईटी प्रणालियों के व्यापक उपयोग तथा कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर संबंधित नियंत्रण वातावरण के कारण, वित्तीय रिपोर्टिंग में उपयोग की जाने वाली आईटी प्रणालियों के सामान्य कंप्यूटर नियंत्रणों के परीक्षण को एक प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला माना गया है।</p>	<p>वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए प्रासंगिक आईटी प्रणालियों के एकीकरण का आकलन करने में, हमने प्रबंधन के साथ पूछताछ और किसी तीसरे पक्षकार द्वारा की गई सूचना प्राणाली नियंत्रण लेखा—परीक्षा की रिपोर्ट की समीक्षा के माध्यम से प्रासंगिक आईटी सामान्य नियंत्रण और आईटी अनुप्रयोग नियंत्रण ("एसएपी") के मूल्यांकन और परीक्षण के लिए धारक कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया से संबंधित आईटी बुनियादी ढांचे और आईटी प्रणालियों की पर्याप्त समझ हासिल की।</p> <p>अधिगम अधिकारों का परीक्षण अनुप्रयोगों, ऑपरेटिंग सिस्टम पर नमूना आधार पर किया गया, जिन पर वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए भरोसा किया जाता है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए निवारक नियंत्रण सहित कर्तव्यों के पृथक्करण का परीक्षण किया कि परिवर्तन अनुप्रयोगों, ऑपरेटिंग सिस्टम या उत्पादन वातावरण में डेटाबेस कंपनी अधिकृत कर्तव्यों को ही प्रदान किए गए थे।</p> <p>हमारी लेखा—परीक्षा में प्रबंधन के साथ आवश्यक पूछताछ करना, तीसरे पक्षकार के विशेषज्ञ द्वारा 'आईटी लेखा—परीक्षा और सुरक्षा' पर रिपोर्ट की जांच, एकसेव सुरक्षा (विशेषाधिकार अधिगम पर नियंत्रण सहित), कर्तव्यों का पृथक्करण और प्राधिकरण का प्रतिनिधिमंडल शामिल था।</p> <p>उपरोक्त आईटी आवश्यकताओं, वर्ष के दौरान बनाई गई आईटी प्रणालियों में कार्यात्मकता में वृद्धि के प्रत्युत्तर में हमने निम्नलिखित कार्य निष्पादित किया:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>- नियंत्रणों का परीक्षण किया गया और प्रमुख सामान्य खाता बही खातों के समाधान की अतिरिक्त वास्तविक प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया।</li> <li>- यह देखा गया कि एसएपी कार्यात्मकताओं के पूर्ण उपयोग को सक्षम करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।</li> </ul> <p>हमने आईटी अवसरंचना के माध्यम से उत्पन्न रिपोर्ट के लिए प्रमुख स्वचालित और मैन्युअल व्यापार चक्र नियंत्रण और तर्क का भी परीक्षण किया, जिसमें एमआईएस से संबंधित ऐसे तर्क भी शामिल थे, जो वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए प्रासंगिक थे या जिन्हें परीक्षण सहित वित्तीय विवरण के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अन्यास में उपयोग में लाया गया था जिसमें यह आकलन करने के लिए क्षतिपूर्ति नियंत्रण या वैकल्पिक प्रक्रियाएं भी शामिल थीं कि क्या कोई ऐसा अनसुलझा आईटी जोखिम विद्यमान है, जो समेकित वित्तीय विवरणों को प्रभावित करेगा।</p>

ख. अनुषंगी कंपनी – हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ('एचपीसीएल') के समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की रिपोर्ट में एचपीसीएल के लेखा—परीक्षकों द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुसार निम्नलिखित प्रमुख लेखा—परीक्षा मामले सूचित किए हैं

क्रम सं.	प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला	निष्पादित प्रधान लेखा—परीक्षक प्रक्रियाएं
1	<p>एसएपी में रूपांतरण पर डाटा और वित्तीय रिपोर्टिंग की अखंडता वर्ष के दौरान धारक कंपनी ने 1 जुलाई, 2023 से ईआरपी जेडी एडवर्ड्स ("जेडीई") से एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग ("ईआरपी") अर्थात् सिस्टम एप्लीकेशन और डेटा प्रोसेसिंग में उत्पाद ("एसएपी") में अंतरण किया है। उपरोक्त के संबंध में, इसमें शामिल प्रमुख मामलों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• डेटा अंतरण की स्टीकता और पूर्णता; रूपए</li> <li>• रूपांतरण के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग की अखंडता;</li> <li>• एसएपी सिस्टम के भीतर नियंत्रण की प्रभावशीलता;</li> </ul> <p>मामले के महत्व को ध्यान में रखते हुए, इसे प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला माना गया है।</p>	<p>हमारे लेखा—परीक्षा दृष्टिकोण / प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल हैं:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक परीक्षण और सामंजस्य प्रक्रियाएं संचालित करना कि एसएपी प्राणाली में स्थानांतरित किया गया या सभी डेटा स्टीक और पूर्ण हैं</li> <li>• डाटा अखंडता के लिए कार्यान्वित नियंत्रणों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना और रूपांतरण के दौरान मिथ्या वर्णन को रोकना, एसएपी प्राणाली से उत्पन्न वित्तीय रिपोर्टों की स्टीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करनाय</li> <li>• डाटा सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों से संबंधित जोखिमों को कम करने में उनकी प्रभावशीलता का निर्धारण करने के लिए एकसेव नियंत्रण, कर्तव्यों का पृथक्करण और लेनदेन निगरानी सहित एसएपी प्राणाली के भीतर नियंत्रण के डिजाइन और कार्यान्वयन का आकलन करनाय</li> <li>• उपरोक्त मामलों को कवर करने वाली डाटा माइग्रेशन प्रक्रिया, अंतरिक्ष नियंत्रण के डिजाइन और आईटी सिस्टम और नियंत्रण सहित इसकी परिचालन प्रभावशीलता की जांच करने के लिए सलाहकार की मदद से प्रबंधन द्वारा संचालित कवायद पर विश्वास करना।</li> </ul>

क्रम सं.	प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला	निष्पादित प्रधान लेखा—परीक्षक प्रक्रियाएं
2	<p>संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>धारक कंपनी ने वर्ष के दौरान विभिन्न परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है और यह रिफाइनरी का विस्तार, बायो-रिफाइनरी और अन्य नए संयंत्रों, डिपो, एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों, टर्मिनलों, पाइपलाइनों आदि की स्थापना जैसी विभिन्न परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया में भी है। चूंकि इन परियोजनाओं को इच्छित उपयोग के लिए तैयार होने में काफी समय लगता है। पूँजीगत कार्य प्रगति में शामिल और पूँजीगत राशियों की भौतिकता के कारण, कंपनी के तुलन-पत्र के संदर्भ में, इसे समग्र लेखा—परीक्षा रणनीति और हमारे लेखा—परीक्षा की योजना और समापन में संसाधनों के आवंटन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाला एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया है;</li> <li>उपरोक्त पूँजीगत परियोजनाओं के संबंध में, प्रबंधन ने उपरोक्त पूँजीगत परियोजनाओं में प्रत्येक आस्ति से संबंधित कर्मचारी लागत और अन्य उपरिव्ययों सहित विशिष्ट व्यय की पहचान की है और यह आकलन करने के लिए निर्णय क्रियान्वित किया है कि क्या इन परिसंपत्तियों के संबंध में उपगत किए गए व्यय भारतीय लेखा मानक 16 के अनुसार संपत्ति, संयंत्रों और उपकरणों के मान्यता मानदंडों की पूर्ति करते हैं।</li> <li>ऐसे क्षेत्र विद्यमान हैं जहाँ प्रबंधन के निर्णय संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, अमूर्त परिसंपत्तियों और उनके संबंधित मूल्यव्यास/परिशोधन दरों के वहन मूल्य को प्रभावित करते हैं। इनमें लागतों को पूँजीकृत या व्यय करने का निर्णय, वार्षिक परिसंपत्ति जीवन समीक्षा, परिसंपत्तियों के पूँजीकरण की समयबद्धता और सक्रिय उपयोग से हटाई गई परिसंपत्तियों के लिए निर्धारण या मापन और मान्यता मानदंड हेतु प्रबंधन मान्यताओं और अनुमानों का उपयोग किया जाना शामिल है।</li> </ul> <p>इसे वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के विद्यमान ब्लॉक की तुलना में पूँजीगत व्यय के महत्व के कारण एक प्रमुख लेखा—परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया गया है और इसमें लागत के अवयव का जोखिम है जो पूँजीकरण के लिए पात्र हैं जिन्हें इंड एएस 16 में प्रदान किए गए मान्यता मानदंड और जिसे परियोजना की जटिल प्रकृति के अनुसार उचित रूप से पूँजीकृत नहीं किया गया है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा एप्रोच/ प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>प्रमुख नियंत्रणों की पहचान और परीक्षण के संदर्भ में परियोजनाओं और चल रहे पूँजीगत कार्य में शामिल परियोजनाओं पर आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया की प्रणाली की समझ हासिल करना और उसका मूल्यांकन निष्पादित करना।</li> <li>परियोजनाओं के अनुमोदन और उनके अनुमानों में परिवर्तन से संबंधित बोर्ड के कार्यवृत्त की समीक्षा करना।</li> <li>परियोजना की प्रगति और प्रबंधन के आशय और उसकी क्षमता का आकलन करना और आस्ति को उसके इच्छित उपयोग की स्थिति में लाया जाना।</li> </ul> <p>विभिन्न लागतों के पूँजीकरण से संबंधित प्रमुख नियंत्रणों के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता को समझना, उसका मूल्यांकन और परीक्षण करना।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>लागत की प्रकृति और आवंटन के आधार, जहाँ लागू हो, का पता लगाने के लिए अंतर्निहित सहायक दस्तावेजों के साथ नमूना आधार पर पूँजीकृत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागतों का परीक्षण करना, और उनका मूल्यांकन करना कि क्या वे भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) 16, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण में उपबंधित मान्यता मानदंडों को पूरा करते हैं।</li> <li>समेकित वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की पर्याप्तता को सुनिश्चित करना।</li> <li>प्रबंधन द्वारा लिए गए निर्णयों की समीक्षा करते हुए, जिसमें पूँजीकृत अंतर्निहित लागतों की प्रकृति, सक्रिय उपयोग से हटाई गई परिसंपत्तियों के प्राप्तियोग्य मूल्य का निर्धारण, मूल्यव्यास/परिशोधन की गणना में लागू उपयोगी जीवन की उपयुक्तता, अधिनियम की अनुसूची ॥ में निर्धारित परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन और प्रबंधन के तकनीकी मूल्यांकन के अनुसार कुछ परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन शामिल हैं, हमने पाया है कि प्रबंधन ने नियमित रूप से उपरोक्त निर्णयों की समीक्षा की है और इसमें कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है।</li> </ul>
3	<p>अनिश्चित अप्रत्यक्ष कर स्थितियों का मूल्यांकन</p> <p>धारक कंपनी के पास अप्रत्यक्ष कर की अनिश्चित स्थिति है, जिसमें विवादित मामले शामिल हैं, जिसमें इन विवादों के संभावित परिणाम को निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय और अनुमान शामिल हैं। कंपनी के पास पिछले कई वर्षों से कर अधिकारियों के विभिन्न स्तरों पर विवाद लंबित हैं। (टिप्पणी संख्या— 53 देखें)।</p> <p>अपेक्षित निर्णय के कारण, क्षेत्र को एक प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला माना गया है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा एप्रोच/ प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>डिजाइन की उपयुक्तता के मूल्यांकन और कर मुकदमेबाजी मामलों पर प्रबंधन के नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया गया है।</li> <li>इन अनिश्चित कर स्थितियों पर प्रबंधन की स्थिति के मूल्यांकन में कर प्रावधान, विवादों के संभावित परिणाम, कानूनी प्राथमिकता और अन्य निर्णयों का आकलन करने के लिए प्रबंधन की अंतर्निहित धारणाओं की समीक्षा की।</li> <li>ऐसी विवादित कर स्थितियों के संबंध में प्रबंधन के निर्णयों, उद्योग स्तर पर विचार—विमर्श और संभावित बहिर्प्रवाह और कंपनी के आंतरिक विशेषज्ञों की राय के अनुमानों पर निर्भरता व्यक्त की।</li> </ul>



ग. अनुषंगी कंपनी – ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ('ओवीएल') के समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट में उसके लेखा–परीक्षकों द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुसार निम्नलिखित प्रमुख लेखा–परीक्षा मामले सूचित किए हैं

क्रम सं.	प्रमुख लेखा–परीक्षा मामला	संबंधित लेखा–परीक्षक का प्रतिज्ञतर
1	सहयोगियों और संयुक्त उदामों में निवेश	<p>हमने वित्तीय विवरणों में ऐसी आस्तियों के शेषों की तात्प्रकाता, भू-राजनीतिक जोखिमों सहित विभिन्न बाहरी जोखिमों के प्रति उनकी संवेदनशीलता, कुछ ऐसे देशों में विषम आर्थिक स्थिति, जहां धारक कंपनी के सहयोगी और संयुक्त उदाम संचालन करते हैं, हानि विश्लेषण के तहत मान्यताओं में उच्च स्तर की व्यक्तिप्रक्रिया के कारण और साथ ही प्रबंधन द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय और लगाए गए अनुमानों के आधार पर हमारी लेखा–परीक्षा में इस मामले को सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना है।</p> <p>भारत से बाहर स्थित अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त प्रचालनों में सभी निवेश, जिसे हमने देखा नहीं है और न ही उनकी लेखा–परीक्षा की है, तथापि, हमने स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों/ संचालकों/ संयुक्त उदाम भागीदारों द्वारा लेखापरीक्षित लेखाओं (जहां भी उपलब्ध हो) को प्राप्त किया है और उनका विश्लेषण किया है, जो धारक कंपनी द्वारा निवेश की गई राशि की वसूली के लिए तीसरे पक्षकार की मंशा और क्षमता का समर्थन करते हैं और हमने उस पर ही निर्भर किया है।</p>
2	मुकदमेबाजी और दावे	<p>हमारे लेखा–परीक्षा दृष्टिकोण/प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल है:</p> <p>कर मुकदमों, अन्य मुकदमों और दावों के निर्धारण और आकलन तथा इसके उचित लेखाकान और/या प्रकटीकरण के लिए प्रबंधन के आंतरिक निर्देशों, प्रक्रिया और नियंत्रण को समझा।</p> <p>मुकदमों और दावों के मामलों की स्थिति के संबंध में कंपनी के कर्मियों के साथ लिंगित मामलों पर चर्चा की।</p> <p>इसी प्रकार के मामलों में स्थापित उदाहरणों को समझकर प्रबंधन के निष्ठार्थी का मूल्यांकन किया गया, प्रबंधन द्वारा विशेष रूप से गठित आंतरिक समिति की सिफारिशों की समीक्षा की गई, तथा जहां भी प्रबंधन द्वारा विशेषज्ञ की राय प्राप्त की गई, उस पर भरोसा किया गया।</p> <p>हमने वित्तीय विवरणों में आकस्मिक देयताओं की पहचान, मापन, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की पर्याप्तता और उपयुक्तता का आकलन किया है।</p>

घ. अनुषंगी कंपनी – मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड ("एमआरपीएल") के समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट में उसके लेखा–परीक्षकों द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुसार निम्नलिखित प्रमुख लेखा–परीक्षा मामले सूचित किए हैं:

क्रम सं.	प्रमुख लेखा–परीक्षा मामला	संबंधित लेखा–परीक्षक का प्रतिज्ञतर
1	<p>संपत्ति, संयंत्र और उपकरण – टिप्पणी संख्या 5 देखें</p> <p>ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ प्रबंधन का निर्णय संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के वहन मूल्य और उनकी संबंधित मूल्यांकन दरों को प्रभावित करता है। इनमें लागतों को पूँजीकृत या व्यय करने वाले रिपोर्टिंग तिथि पर उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्य की समीक्षाय निपटान, प्रतिस्थापन, कटौती और पुनर्वर्गीकरण पर पहचान से बाहर की गई संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के निर्धारण या माप मानदंडों के लिए प्रबंधन मान्यताओं और अनुमानों के उपयोग के बारे में निर्णय शामिल हैं।</p> <p>कंपनी के तुलन–पत्र के संदर्भ में तात्प्रकाता तथा अपेक्षित निर्णय एवं अनुमान के स्तर के कारण, हम इसे महत्व का क्षेत्र मानते हैं।</p>	<p>हमने संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण पर लागू नियंत्रणों का मूल्यांकन किया, पूँजीकरण प्रक्रिया की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया, पूँजीकृत लागतों पर परीक्षण जांच की, तथा निपटाई गई प्रतिस्थापित की गई, तथा पुनर्वर्गीकृत की गई परिसंपत्तियों के लिए विवार किए गए उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्य की उपयुक्तताय कंपनी अधिनियम की अनुसूची प में निर्धारित परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन और प्रबंधन के तकनीकी मूल्यांकन के अनुसार कुछ परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन शामिल हैं।</p> <p>हमने देखा है कि प्रबंधन ने नियमित रूप से उपरोक्त निर्णयों की समीक्षा की है और इस संबंध में कोई भी भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है।</p>

क्रम सं.	प्रमुख लेखा—परीक्षा मामला	संबंधित लेखा—परीक्षक का प्रतिउत्तर
2	<p>आकस्मिक देयताओं का मूल्यांकन और उसके संबंध में पूर्वनिश्चेप की वसूलीयोग्यता (टिप्पणी संख्या 45 देखें)</p> <p>आकस्मिक देयताओं का प्रकटीकरण उन मदों के संबंध में है जो प्रत्येक मामले में सीमा से ऊपर हैं। कंपनी के विरुद्ध विभिन्न मंचों के समक्ष अनेक दावे और मुकदमे लंबित हैं जिन्हें कंपनी द्वारा ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है और उनका प्रकटीकरण आकस्मिक देनदारियों के रूप में किया गया है। इन दावों और मुकदमों में इन विवादों के संभावित परिणाम को निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रबंधन अनुमान और निर्णय को ध्यान में रखते हुए, हमने इसे एक महत्वपूर्ण लेखा—परीक्षा मामले के रूप में माना है।</p>	<p>इस संबंध में निम्नलिखित लेखा—परीक्षा प्रक्रियाएं संचालित की गई थीं:</p> <p>हमने आकस्मिक देयताओं के निर्धारण के लिए सीमा से ऊपर की वस्तुओं की जांच की और 31 मार्च, 2024 तक कंपनी के विरुद्ध उत्पाद शुल्क, सीमाशुल्क, वैट/बिक्री कर/प्रवेश कर, माल और सेवा कर, आयकर आकलन/मांगों के साथ—साथ अन्य विवादित दावों का विवरण प्राप्त किया।</p> <p>हमने कंपनी के विरुद्ध लंबित मुकदमों की प्रकृति की समझ हासिल की और कंपनी के प्रबंधन और कानूनी विभाग के साथ प्रमुख मुकदमों के लिए वर्ष के दौरान विकास पर चर्चा की।</p> <p>हमने उपलब्ध कराए गए अभिलेखों और न्यायिक उदाहरणों के आधार पर, कंपनी के विरुद्ध ऐसे विवादित दावों/मामलों के संभावित परिणाम का अनुमान लगाने में प्रबंधन की अंतर्निहित धारणाओं का आकलन किया है।</p>
3	<p>आस्थगित कर आस्तियों की मान्यता और मापन — (टिप्पणी सं. 25 देखें)</p> <p>भारतीय लेखा मानक 12 के अनुसार, आस्थगित कर परिसंपत्ति भविष्य की अवधि में इनके संबंध में वसूलीयोग्य आयकर की राशि हैं : (क) कटौतीयोग्य अस्थायी अंतर (ख) अप्रयुक्त कर हानियों को आगे ले जाया जाना, और (ग) अप्रयुक्त कर क्रेडिट।</p> <p>किसी आस्थगित कर परिसंपत्ति को अप्रयुक्त कर हानियों और अप्रयुक्त कर क्रेडिटों को आगे ले जाने के लिए उस सीमा तक मान्यता दी जाएगी, जहां यह संभावना है कि भविष्य में करयोग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके विरुद्ध अप्रयुक्त कर हानियों और अप्रयुक्त कर क्रेडिट का उपयोग किया जा सकता है।</p> <p>संभावित भविष्य के करयोग्य लाभ का निर्धारण किसी ठोस साक्ष्य के आधार पर निर्णय लेने का विषय है। भविष्य के करयोग्य लाभ के निर्धारण में प्रबंधन की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, जिसमें अनिश्चितता का एक परिमाण शामिल है, इस मामले को एक प्रमुख लेखा—परीक्षा मामले के रूप में निर्धारित किया गया है।</p>	<p>हमारी लेखा—परीक्षा प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल था, परंतु केवल इन तक ही सीमित नहीं था:</p> <p>कंपनी के पिछले और वर्तमान वर्षों के कर योग्य लाभ, भुगतान किए गए करों, आयकर के तहत आगे ले जाने के नुकसान का विवरण और भविष्य के करयोग्य लाभ के अनुमानों का विवरण प्राप्त किया गया।</p> <p>उस अवधि का परीक्षण किया गया जिस अवधि के दौरान इस तरह के अप्रयुक्त कर हानियों तथा अप्रयुक्त कर क्रेडिट से भविष्य की करयोग्य आय के विरुद्ध राशियां वसूल की जाएंगी।</p> <p>भविष्य के संभावित करयोग्य लाभ और पर्याप्त करयोग्य अस्थायी अंतर के अस्तित्व का अनुमान लगाने में प्रबंधन की गलत धारणाओं और निर्णयों का परीक्षण किया गया जिसके प्रति कंपनी द्वारा अप्रयुक्त कर हानि या अप्रयुक्त कर क्रेडिट का उपयोग किया जा सकता है।</p> <p>समेकित वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की पर्याप्तता और उपयुक्तता का आकलन किया गया।</p>
4	<p>कार्य—निष्पादन से संबंधित वेतन</p> <p>वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए कार्य—निष्पादन आधारित वेतन का प्रावधान लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा—निर्देशों के आधार पर किया गया है। रेटिंग कारकों को अभी निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है।</p>	<p>इस संबंध में निम्नलिखित लेखा—परीक्षा प्रक्रियाएं संचालित की गईं:</p> <p>हमने डीपीई द्वारा जारी परिपत्र की समीक्षा की है और वित्त वर्ष 2023–24 के लिए प्रबंधन द्वारा साझा की गई गणनाओं को सत्यापित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परिपत्र में निर्धारित कार्यप्रणाली का पालन किया गया है और किए गए प्रावधान उचित हैं।</p> <p>हमने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए उपयोग की गई मान्यताओं की उचितता निर्धारित करने के लिए वित्त वर्ष 2022–23 के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) की मूल्यांकन रिपोर्ट को सत्यापित किया है।</p>



## 5. अन्य मामले

- i. हमने, अन्वेषणात्मक, विकास, उत्पादन, उत्पादनशील कूपों की श्रेणी, उन पर खर्च की गई लागतों के आबंटन, प्रमाणित विकसित हाइड्रोकार्बन भंडारों, तेल एवं गैस परिसंपत्तियों पर उनके निःशेषण, हानिकरण, परित्याग लागतों के लिए देयता, सहमति वाले न्यूनतम कार्य के कार्यक्रम के प्रति कार्य-निष्पादन के अंतर्गत नेत्र्य और नामांकन ब्लॉकों के लिए देयता के श्रेणीकरण के संबंध में प्रबंधन द्वारा किए गए तकनीकी/वाणिज्यिक मूल्यांकन को आधार बनाया है।
- ii. टिप्पणी सं. 53.1.4 में उल्लेख किए गए अनुसार, समेकित वित्तीय विवरणों में, नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (नेत्र्य)/हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (हेत्र्य)/खोजे गए लघु फील्डों (डीएसएफ)/मुक्त संचयन लाइसेंसिंग नीति (ओएएलपी) / संयुक्त प्रचालनों (जेओ) अन्वेषण एवं उत्पादन लेखाओं के तहत 201 ब्लॉकों की परिसंपत्तियों, देयताओं, व्यय एवं आय के कुल मूल्य में कंपनी का अनुपातिक अंश शामिल है, जिसमें से 27 ब्लॉकों की हमारे द्वारा लेखा-परीक्षा नहीं की गई है, जिसका व्यौरा निम्नानुसार है :
- क. 8 ब्लॉकों की अन्य सनदी लेखाकार द्वारा संपरीक्षा की गई है। इन ब्लॉकों के संबंध में, एकल वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2024 तक क्रमशः ₹ 60,733.53 मिलियन और ₹ 36,687.59 मिलियन रूपये की संपत्ति और देनदारियों में आनुपातिक हिस्सा शामिल है और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए क्रमशः ₹ 72,881.85 मिलियन और ₹ 15,027.54 मिलियन की अन्य व्यापक आय सहित राजस्व और लाभ शामिल हैं। हमारी राय अन्य सनदी लेखाकार की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट पर आधारित है।
- ख. 19 ब्लॉकों को प्रबंधन द्वारा प्रमाणित किया गया है। इन ब्लॉकों के संबंध में, एकल वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2024 तक परिसंपत्तियों और देयताओं में आनुपातिक हिस्सेदारी शामिल है, जो क्रमशः ₹ 8,331.05 मिलियन और ₹ 10,139.39 मिलियन है और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए राजस्व और लाभ/(हानि) सहित अन्य व्यापक आय क्रमशः ₹ 89.77 मिलियन और ₹ 1,255.52 मिलियन है। हमारी राय इन ब्लॉकों के संबंध में प्रबंधन द्वारा प्रमाणित खातों पर आधारित है।
- iii. समेकित वित्तीय विवरण में निम्नलिखित के संबंध में लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण/वित्तीय परिणाम/अन्य वित्तीय जानकारी भी शामिल है:

क. 4 अनुषंगी कंपनियाँ, जिनके ऑडिट किए गए एकल/समेकित वित्तीय विवरण/वित्तीय परिणाम/अन्य वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2024 तक ₹ 33,37,696.29 मिलियन की कुल संपत्ति, ₹ 57,68,954.06 मिलियन का कुल राजस्व, ₹ 2,03,472.08 मिलियन का कुल लाभ/(हानि) (शुद्ध) और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 2,01,032.01 मिलियन की कुल व्यापक आय दर्शाती है। इन वित्तीय विवरणों/वित्तीय परिणामों की अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षा की गई है।

ख. 5 संयुक्त उद्यम, जिनके लेखापरीक्षित एकल/समेकित वित्तीय विवरणधवितीय परिणामधन्य वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समूह के शुद्ध लाभ/(हानि) में (₹ 16,613.95) मिलियन की हिस्सेदारी और (₹ 16,611.31) मिलियन की कुल व्यापक आय को दर्शाती है। इन वित्तीय विवरणों/वित्तीय परिणामों की अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षा की गई है।

लेखा-परीक्षित एकल/समेकित वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट और अन्य वित्तीय जानकारी हमें धारक कंपनी के प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई है और विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इन अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरणों से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसे लेखा-परीक्षकों की रिपोर्टों और हमारे द्वारा निष्पादित प्रक्रियाओं पर आधारित है, जैसा कि ऊपर समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा-परीक्षा के लिए लेखा-परीक्षक की जिम्मेदारियों के तहत बताया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी राय, किए गए कार्य और ऐसे लेखा-परीक्षकों की रिपोर्टों पर हमारी निर्भरता के संबंध में, उपरोक्त मामले के संबंध में आशोधित नहीं की गई है।

iv. समेकित वित्तीय विवरण में निम्नलिखित के संबंध में अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी भी शामिल है:

क. 1 अनुषंगी कंपनी और 1 नियंत्रित ट्रस्ट, जिनके अलेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2024 तक ₹ 1,805.49 मिलियन की कुल संपत्ति दर्शाती है, के संबंध में कुल राजस्व शून्य है और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कुल लाभ/(हानि) (शुद्ध) ₹ 1,095.66 मिलियन और कुल व्यापक आय ₹ 1,095.66 मिलियन है, जिनकी उनके लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षा नहीं की गई है। यह वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी संबंधित इकाई के प्रबंधन द्वारा प्रमाणित है।

ख. 1 संयुक्त उद्यम और 3 सहयोगी कंपनियां, जिनके अलेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समूह के कुल लाभ/(हानि) (शुद्ध) में ₹ 4,579.02 मिलियन की हिस्सेदारी और ₹ 4,570.41 मिलियन की कुल व्यापक आय दर्शाती है, जिनकी उनके लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षा नहीं की गई है। यह वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी संबंधित इकाई के प्रबंधन द्वारा प्रमाणित है।

समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी राय, कि ए गए कार्य पर हमारी निर्भरता के संबंध में, उपरोक्त मामले के संबंध में आशोधित नहीं की गई है।

v. 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों की कंपनी के संयुक्त लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षा की गई थी, जिनमें से चार पूर्ववर्ती लेखा-परीक्षा फर्म थीं, और उन्होंने ऐसे समेकित वित्तीय विवरणों पर 26 मई, 2023 को एक अपरिवर्तित राय व्यक्त की है। समेकित वित्तीय विवरण की टिप्पणी संख्या 80.1.1 में उल्लिखित पूर्व अवधि की त्रुटि को ठीक करने के कारण उक्त वित्तीय विवरणों को संशोधित किया गया है।

इस मामले के संबंध में, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय आशोधित नहीं की गई है।

## 6. समेकित वित्तीय विवरण और उस पर लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य सूचना

धारक कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। अन्य सूचना में बोर्ड की रिपोर्ट के अनुबंध सहित बोर्ड की रिपोर्ट, प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण, व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट और कार्यालय अभियासन रिपोर्ट में शामिल सूचना समाविष्ट है, परंतु इसमें समेकित वित्तीय विवरण और उस पर हमारी लेखा-परीक्षा रिपोर्ट शामिल नहीं है। उक्त उल्लिखित सूचना हमें इस लेखा-परीक्षा की रिपोर्ट की तारीख के बाद उपलब्ध करवाए जाने की प्रत्याशा है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारा मत अन्य सूचना को कवर नहीं करता है और हम इस बारे में किसी भी रूप में आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करेंगे।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व है कि उपलब्ध होने पर ऊपर चिह्नित की गई अन्य सूचनाओं को पढ़ें और ऐसा करते समय, विचार करें कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरण के साथ या लेखा-परीक्षा में प्राप्त किए गए हमारे ज्ञान से भौतिक रूप से असंगत हैं या अन्यथा भौतिक

रूप से गलत प्रतीत होती है।

जब हम इस जानकारी को पढ़ते हैं, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई भौतिक गलतबयानी है, तो हमसे शासन का प्रभार होने वालों को संप्रेषित करना और परिस्थितियों के अनुसार तथा लागू विधियों और विनियमों के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर उचित कार्रवाई करना अपेक्षित है।

## 7. समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारियों का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विहित भारतीय लेखांकन मानक (इंड एएस) सहित भारत में आमतौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप वित्तीय रिप्पति, वित्तीय निष्पादन, इकिवटी में परिवर्तन और नकदी प्रवाह का एक सही और निष्पक्ष चित्र प्रस्तुत करने हेतु इन समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में अधिनियम की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्डों का रखरखाव; उचित लेखांकन नीतियों का चयन और उन्हें लागू करना; निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैं; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव भी शामिल है, जो कि लेखांकन रिकॉर्डों की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी हो या त्रुटि के कारण, और जिनका प्रयोग उपर्युक्तानुसार धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए किया गया था।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए, समूह में शामिल कंपनियों, इसकी सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम के संबंधित निदेशक मंडल गोइंग कन्सर्न के रूप में जारी रखने की इनकी क्षमता का आकलन करने, गोइंग कन्सर्न से संबंधित मामलों का यथा लागू प्रकटीकरण करने और लेखांकन के गोइंग कन्सर्न आधार का उपयोग करने, जब तक कि प्रबंधन कंपनी के परिसमाप्त या प्रचालनों को बंद करने का इरादा नहीं रखता है या उसके पास ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।



समूह में शामिल कंपनियों, इसकी सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम के संबंधित निदेशक मंडल समूह, इसकी सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी उत्तरदायी है।

## 8. समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा—परीक्षा के लिए लेखा—परीक्षा के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समेकित वित्तीय विवरण समग्र रूप से भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और एक लेखा—परीक्षा की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारा मत भी शामिल है। तर्कसंगत आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन इसकी गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार की गई लेखा—परीक्षा हमेशा मौजूद होने पर किसी भौतिक गलतबयानी का पता लगाएगी। गलतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती हैं और तब भौतिक मानी जाती है, जब वे, यदि, पृथक रूप से या कुल मिलाकर, इन समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को तर्कसंगत रूप से प्रभावित कर सकते हों।

एसए के अनुसार लेखा—परीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरी लेखा—परीक्षा के दौरान पेशेवर संदेह को बनाए रखते हैं। हम यह भी करते हैं :

- समेकित वित्तीय विवरणों की भौतिक गलतबयानी के जोखिमों की पहचान और उनका आकलन करना, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के प्रति प्रतिउत्तर वाली लेखा—परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करना, और लेखा—परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारे मत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली भौतिक गलतबयानी विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की अनदेखी शामिल हो सकती है।
- लेखा—परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा—परीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की एक समझ प्राप्त करना जो परिस्थितियों में उपयुक्त हो। अधिनियम की धारा 143(3)(1) के अंतर्गत, हम कंपनी के पास समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद होने तथा उन नियंत्रणों की प्रचालन प्रभावशीलता पर अपना मत व्यक्त करने के लिए भी उत्तरदायी हैं।

- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन के गोइंग कन्सर्न आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता और प्राप्त लेखा—परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या किसी घटना या स्थूलियों से संबंधित भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो गोइंग कन्सर्न के रूप में बने रहने की समूह, इसकी सहयोगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह डाल सकती है, के संबंध में निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें समेकित वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों पर हमारी लेखा—परीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करना अपेक्षित होता है या, यदि इस तरह के प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो हमारे मत को संशोधित करना होता है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा—परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थितियों से समूह, इसकी सहयोगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों का गोइंग कन्सार्न बने रहना प्रभावित हो सकता है।
- प्रकटीकरण सहित समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री, और क्या समेकित वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं को इस तरह से प्रदर्शित करते हैं जो निष्पक्ष प्रकटीकरण देते हो, का मूल्यांकन करना।
- समेकित वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करने के लिए समूह, इसकी सहयोगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों के भीतर के निकायों या व्यापार क्रियाकलापों की वित्तीय सूचना के संबंध में पर्याप्त उचित लेखा—परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना। हम समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल ऐसे निकायों, जिनके हम स्वतंत्र लेखा—परीक्षक हैं, के वित्तीय विवरणों की लेखा—परीक्षा के निर्देशन, पर्यवेक्षण तथा निष्पादन के लिए उत्तरदायी हैं। समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल अन्य निकायों हेतु, ऐसे अन्य लेखा—परीक्षक उनके द्वारा की गई लेखा—परीक्षा के निर्देशन, पर्यवेक्षण तथा निष्पादन के लिए उत्तरदायी हैं। हम हमारे लेखा—परीक्षा मत हेतु पूर्णतः उत्तरदायी हैं।

हम अन्य मामलों में, लेखा—परीक्षा के योजनाबद्ध दायरे और समय और हमारे द्वारा अपनी लेखा—परीक्षा के दौरान पहचान किए गए महत्वपूर्ण लेखा—परीक्षा निष्कर्षों सहित आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों को धारक कंपनी के शासन के प्रभारियों को सूचित करते हैं।

हम शासन के प्रभारियों को भी एक विवरण प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में संगत नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उन्हें ऐसे सभी संबंध तथा अन्य मामलों की सूचना देते हैं जो तर्कसंगत रूप से हमारी स्वतंत्रता, और जहां लागू हो, संबंधित रक्षोपायों पर प्रभाव डाल सकते हों।

शासन के प्रभारी होने वालों को संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो मौजूदा अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा में सबसे अधिक महत्व के थे और इसलिए वे प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले हैं। हम अपनी लेखा-परीक्षा की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन इस मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकते हो या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले को संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम, ऐसे संप्रेषण के जनहित लाभों से तर्कसंगत रूप से अधिक होंगे।

## 9. अन्य विधिक और विनियामकीय अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143 की उप धारा 3 द्वारा यथा अपेक्षित, हमारी लेखा-परीक्षा और पृथक वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट तथा अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों की अन्य वित्तीय सूचना के आधार पर, 'अन्य मामले' पैराग्राफ में नोट किए गए अनुसार, हम लागू सीमा तक सूचित करते हैं कि :
- क. हमने ऐसी सभी जानकारी तथा स्पष्टीकरण मांगे तथा प्राप्त किए हैं जो हमारे श्रेष्ठ ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार उक्त वर्णित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के प्रयोजन हेतु आवश्यक थे।
- ख. हमारे मतानुसार कंपनी द्वारा उक्त वर्णित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में विधि द्वारा यथापेक्षित उचित लेखा बहियों को रखा गया है जो इन बहियों की हमारे द्वारा की गई जांच तथा अन्य लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट से प्रतीत होता है।
- ग. इस रिपोर्ट से संबद्ध समेकित तुलन-पत्र, समेकित लाभ एवं हानि विवरण और समेकित नकद प्रवाह विवरण, रिपोर्ट द्वारा प्रयुक्त इक्विटी में परिवर्तन का विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार किए जाने के प्रयोजन हेतु रखी गयी संगत लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

- घ. हमारे मतानुसार उपर्युक्त वर्णित समेकित वित्तीय विवरण यथा संशोधित कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के साथ पढ़ी जाने वाली अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों के अनुरूप हैं।
- ड. धारक कंपनी और इसकी 4 (चार) अनुषंगी कंपनियों के संबंध में, कंपनी कार्य मंत्रालय द्वारा दिनांक 5 जून 2015 को जारी की गयी अधिसूचना सं. सा.का.नि. 463(क) के अनुसार, निदेशकों के अनहंता के संबंध में धारा 164(2) कंपनियों पर लागू नहीं है, क्योंकि वे सरकारी कंपनियां होने के चलते अधिनियम की धारा 164 की उप-धारा (2) उन पर लागू नहीं हैं;
- ख. इसके अलावा, भारत में अधिनियमित 5 (पांच) संयुक्त उद्यमों के लेखा-परीक्षकों की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के आधार पर किसी भी निदेशक को 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार अधिनियम की धारा 164(2) के अनुसार निदेशक के रूप में नियुक्त होने से निर्हर नहीं किया गया है।
- च. धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियों, नियंत्रित निकायों, संयुक्त उद्यमों तथा एसोसिएट की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की यथेष्टता और ऐसे नियंत्रणों की कार्यशील प्रभावोत्पादकता के संबंध में, "अनुबंध क" की हमारी पृथक रिपोर्ट देखें। हमारी रिपोर्ट वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता पर एक अनर्हक मत व्यक्त करता है।
- छ. क. धारक कंपनी और इसकी अनुषंगी कंपनियों के संबंध में, कंपनी कार्य मंत्रालय द्वारा दिनांक 5 जून, 2015 को जारी की गयी अधिसूचना सं. सा.का.नि. 463(क) के अनुसार, निदेशकों के पारिश्रमिक के संबंध में धारा 197 लागू नहीं होती है, क्योंकि वे सरकारी कंपनियां होने के चलते अधिनियम की धारा 164 की उप-धारा (2) उन पर लागू नहीं हैं;
- ख. इसके अलावा, भारत में अधिनियमित 5 (पांच) संयुक्त उद्यमों के लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा इसके निदेशकों को किया गया पारिश्रमिक का भुगतान अधिनियम की धारा 197 के प्रावधानों के अनुसार है।
- ज. कंपनी (लेखा-परीक्षा तथा लेखा-परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में हमारे मतानुसार और हमें दी गयी श्रेष्ठ जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार :



- i. समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2024 के अनुसार समूह, इसकी अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम की वित्तीय स्थिति पर लंबित अदालती मामलों के प्रभाव को प्रकट किया है – देखें समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 58;
- ii. टिप्पणी 77 का संदर्भ ले, समूह को कोई ऐसी दीर्घावधि संविदा नहीं है जिसमें किसी भौतिक पूर्वानुमान योग्य हानियों के लिए प्रावधान किए जाने की आवश्यकता होती हो। तथापि, ऐसी व्युत्पन्न संविदाएं हैं, जिन्हें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के अनुसार लेखांकित किया गया है;
- iii. धारक कंपनी के मामले में, वित्तीय वर्ष 2015–16 से संबंधित क्रमशः ₹ 3.73 मिलियन और ₹ 13.94 मिलियन के दूसरे अंतरिम और अंतिम लाभांश को छोड़कर, जिन्हें समय पर स्थानांतरित नहीं किया जा सका था, जो क्रमशः 15 मई, 2023 और 26 अक्टूबर, 2023 को स्थानांतरित होने वाले थे, उन्हें क्रमशः 29 जून, 2023 और 28 दिसंबर, 2023 को स्थानांतरित किया गया।  
उपर्युक्त के अलावा, समूह, इसके संयुक्त उद्यमों तथा एसोसिएट द्वारा निवेशक शिक्षा और बचाव निधि को अंतरित किए जाने हेतु अपेक्षित राशियों को अंतरित किए जाने में कोई विलंब नहीं हुआ है।
- iv. (क) धारक कंपनी और इसकी अनुषंगी कंपनियां, सहयोगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित कंपनियां हैं तथा जिनके वित्तीय विवरण अधिनियम के अंतर्गत लेखापरीक्षित किए गए हैं, के संबंधित प्रबंधन ने हमें और क्रमशः ऐसी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के ऐसे संबंधित लेखा-परीक्षकों को बताया है कि उनकी सर्वश्रेष्ठ जानकारी और विश्वास के अनुसार, समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 52.2 में यथा प्रकट किए गए अनुरूप, धारक कंपनी या उसकी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों द्वारा विदेशी संस्थाओं सहित किसी भी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या निकाय (निकायों) ('मध्यवर्ती') को किसी विदेशी निकाय ('वित्त-पोषण पक्षकार') सहित किसी भी व्यक्ति या निकाय से कोई धनराशि (जो पृथक रूप से या समग्र रूप से भौतिक है) इस समझ के साथ प्राप्त नहीं हुई है, चाहे वह लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, वित्त-पोषण पक्षकार ('अंतिम लाभार्थी') द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उदार देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थी की ओर से कोई गारंटी प्रदान करेगी।
- v. (क) धारक कंपनी द्वारा पिछले वर्ष के लिए प्रस्तावित अंतिम लाभांश, जिसे वर्ष के दौरान घोषित और संदर्भ किया गया था, अधिनियम की यथालागू धारा 123 के अनुरूप है,

गया हो, हो कि मध्यवर्ती, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगा या निवेश करेगा ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या ऐसी कोई अन्य सुरक्षा मुहैया कराएगा।

(ख) धारक कंपनी और इसकी अनुषंगी कंपनियां, सहयोगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित कंपनियां हैं तथा जिनके वित्तीय विवरण अधिनियम के अंतर्गत लेखापरीक्षित किए गए हैं, के संबंधित प्रबंधन ने हमें और क्रमशः ऐसी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के ऐसे संबंधित लेखा-परीक्षकों को बताया है कि उनकी सर्वश्रेष्ठ जानकारी और विश्वास के अनुसार, समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 52.2 में यथा प्रकट किए गए अनुरूप, धारक कंपनी या उसकी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों द्वारा विदेशी संस्थाओं सहित किसी भी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या निकाय (निकायों) ('मध्यवर्ती') को किसी विदेशी निकाय ('वित्त-पोषण पक्षकार') सहित किसी भी व्यक्ति या निकाय से कोई धनराशि (जो पृथक रूप से या समग्र रूप से भौतिक है) इस समझ के साथ प्राप्त नहीं हुई है, चाहे वह लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, वित्त-पोषण पक्षकार ('अंतिम लाभार्थी') द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उदार देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थी की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या ऐसी ही कोई गारंटी प्रदान करेगी।

(ग) ऐसी लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें धारक कंपनी पर हमारे द्वारा निष्पादित परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है तथा अनुषंगीयों, सहयोगी और संयुक्त उद्यम के संबंध में अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा निष्पादित किया गया है, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की अधिनियम के अधीन लेखा-परीक्षा की गई है, हमारे या अन्य लेखा-परीक्षकों के संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें या अन्य लेखा-परीक्षकों को यह विश्वास होता हो कि नियम 11 (ङ.) के उप-चंड (1) और (2) के अधीन, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) के अंतर्गत प्रदान किया गया है, कोई तात्परिक मिथ्या विवरण अंतर्विष्ट है,

(क) धारक कंपनी द्वारा पिछले वर्ष के लिए प्रस्तावित अंतिम लाभांश, जिसे वर्ष के दौरान घोषित और संदर्भ किया गया था, अधिनियम की यथालागू धारा 123 के अनुरूप है।

(ख) धारक कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 123 के अनुसार लाभांश के भुगतान पर लागू होने वाली सीमा तक है।

(ग) जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 27.3 में वर्णित किया गया है, धारक कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अध्यधीन है। प्रस्तावित/घोषित लाभांश की राशि अधिनियम की यथालागू धारा 123 के अनुरूप है।

अनुषंगियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर, जो भारत में निर्गमित कंपनियाँ हैं:

(क) वर्ष के दौरान, 2 (दो) अनुषंगी और 1 (एक) संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा उसी के संबंध में जो पिछले वर्ष के लिए घोषित किया गया था संदर्भ अंतिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार उस सीमा में है, जैसाकि यह लाभांश के भुगतान पर लागू होता है।

(ख) 1 (एक) अनुषंगी कंपनी और 1 (एक) संयुक्त उद्यम द्वारा घोषित और भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 123 के अनुसार उस सीमा में है, जैसाकि यह लाभांश के भुगतान पर लागू होता है।

(ग) 2 (दो) अनुषंगी कंपनियों उद्यम के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो संबंधित कंपनियों की आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अध्यधीन है। घोषित लाभांश की राशि अधिनियम की यथालागू धारा 123 के अनुरूप है।

2. अधिनियम की धारा 143(11) के निबंधनों के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ('आदेश') के पैराग्राफ 3(गगप) और 4 में निर्दिष्ट मामलों के संबंध में, जिसे लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किया जाना चाहिए, हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और हमारे द्वारा तथा कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के लेखा-परीक्षकों द्वारा धारक कंपनी के लिए जारी सीएआरओ रिपोर्ट के आधार पर, जिस पर सीएआरओ के तहत रिपोर्टिंग लागू होती है, जिसे कंपनी के प्रबंधन द्वारा हमें प्रदान किया गया है और संबंधित घटक लेखा-परीक्षकों द्वारा समेकित/एकल वित्तीय विवरणों पर उनकी सीएआरओ रिपोर्ट में अहंता या प्रतिकूल टिप्पणियों के मामलों की पहचान के आधार पर, और जिसे हमें प्रदान किया गया है, हम प्रतिवेदित करते हैं कि ऐसी कंपनियों के लेखा-परीक्षकों ने अपनी सीएआरओ रिपोर्ट में दी गई अहंताओं या प्रतिकूल टिप्पणी को नीचे दर्शाया गया है :

क्रम सं.	नाम	सीआईएन	धारक कंपनी/ अनुषंगी कंपनी/ सहयोगी कंपनी/ संयुक्त उद्यम	सीएआरओ रिपोर्ट की खंड संख्या जिसमें अहंता या प्रतिकूल टिप्पणी है
1	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	L74899DL1993G0I054155	धारक कंपनी	खंड (i)(ग), (xi)(क), (xi)(क)
2	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	L23201MH1952G0I008858	अनुषंगी कंपनी	खंड (xi) (क)
3	साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	U11101AP1999PTC032851	एचपीसीएल का संयुक्त उद्यम	खंड (xx) (क)
4	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	U85110KA1998G0I024020	अनुषंगी कंपनी	खंड (i) (ग)
5	इन्ड्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	U40300AS2018G0I018660	संयुक्त उद्यम	खंड (i) (ग)



इस रिपोर्ट में विचार किए गए गैर-लेखापरीक्षित घटकों का व्यौरा (सीएआरओ रिपोर्ट के बिना) दृ

क्रम सं.	नाम	सीआईएन	धारक कंपनी / अनुरंगी कंपनी / सहयोगी कंपनी / संयुक्त उद्यम
1	दहेज एसईजेड लिमिटेड	U45209GJ2004PLC044779	संयुक्त उद्यम
2	पवन हंस लिमिटेड	U62200UP1985G0I129953	सहयोगी कंपनी
3	रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड	U62100DL2019G0I343879	सहयोगी कंपनी
4	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	L74899DL1998PLC093073	सहयोगी कंपनी
5	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड	U35105DL2024G0I427427	सहयोगी कंपनी
6	ओएनजीसी स्टार्ट ट्रस्ट	लागू नहीं	नियंत्रित निकाय

3. हमारी जांच के आधार पर, जिसमें नमूना जांच शामिल थी, कंपनी ने अपने खातों की बहियों को बनाए रखने के लिए एक अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेन-देन के लिए पूरे साल काम करता रहा है। इसके अलावा, हमारे लेखा-परीक्षा के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला, सिवाय एक अनुरंगी कंपनी और दूसरी अनुरंगी कंपनी के दो संयुक्त उद्यमों के मामले में, जहाँ उनके लेखा-परीक्षक ने इसका वर्णन इस निम्नानुसार किया है:

“क. ‘हमारी जांच के आधार पर, जिसमें नमूना जांच शामिल थी, धारक कंपनी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने खाते की बहियों को बनाए रखने के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेन-देन के लिए पूरे वर्ष संचालित होता है। इसके अलावा, हमारी लेखा-परीक्षा के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला है।

विदेशों में संयुक्त विदेशी परिचालन के संबंध में, धारक कंपनी उनसे प्राप्त आवधिक विवरणों के आधार पर अपने व्यय और आय आदि के हिस्से का लेखा-जोखा रखती है। ऐसे मामलों में लेखा-जोखा प्राप्त होने के चरण से ही धारक कंपनी द्वारा लेखा-परीक्षण का रिकॉर्ड बनाए रखा जाता है और लेन-देन को धारक कंपनी की खाता-बही में दर्ज किया जाता है। विदेशी शाखा कार्यालयों के व्यय का लेखा-जोखा धारक कंपनी के एसएपी अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में रखा जाता है और

उसके संबंध में लेखा-परीक्षण के बारे में अपेक्षाओं को अनुरक्षित किया जाता है।”

ख. “हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने अपने खातों की बहियों को बनाए रखने के लिए एक अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है, सिवाय इसके कि सॉफ्टवेयर (डीबी2 संस्करण) के संबंध में डेटाबेस स्तर पर कोई ऑडिट ट्रेल सुविधा सक्षम नहीं थी, जिससे कि कोई भी प्रत्यक्ष डेटा परिवर्तन लॉग किया जा सके। इसके अलावा, अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेन-देनों के लिए ऑडिट ट्रेल सुविधा पूरे वर्ष संचालित की गई है, सिवाय ऊपर बताए गए डेटा बेस स्तर पर सॉफ्टवेयर के, जिसके संबंध में इस अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेन-देन के लिए ऑडिट ट्रेल सुविधा पूरे वर्ष संचालित नहीं की गई है क्योंकि यह सक्षम नहीं थी।

इसके अलावा, हमारे लेखा-परीक्षा के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल फीचर के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला”; और

ग. “हमारी जांच के आधार पर, जिसमें नमूना जांच शामिल है, धारक कंपनी और उसकी अनुरंगी कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, जिनकी भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की अधिनियम के तहत लेखा-परीक्षा की गई है, धारक कंपनी और उसकी अनुरंगी कंपनियों ने अपने खातों की बहियों को अनुरक्षित करने के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर (एसएपी इसीसी 6.0 इआई आईपी7) का इस्तेमाल किया, जिसमें ऑडिट ट्रेल (संपादन लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है और

यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेन-देन के लिए पूरे वर्ष संचालित रहा है, सिवाय इसके कि ऑडिट ट्रेल सुविधा कुछ मामलों में एप्लिकेशन अंतर्निहित डेटाबेस में सक्षम नहीं है, जैसा कि कंपनी के समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण गों की टिप्पणी 34 में अधिक विशेष रूप से वर्णित है। लेखा सॉफ्टवेयर के संबंध में ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं देखा गया।"

चूंकि कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 3(1) का उपबंध 1 अप्रैल, 2023 से लागू है, इसलिए रिकॉर्ड प्रतिधारण के लिए वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार ऑडिट ट्रेल के संरक्षण पर कंपनी (लेखा-परीक्षा और लेखा-परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 (छ) के तहत रिपोर्टिंग 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लागू नहीं है।

## जे. गुप्ता एण्ड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 314010E / E300029

## मनुभाई एण्ड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 106041W/W00136

## वी. शंकर अच्यर एण्ड कंपनी

सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 109208W

हस्ता. /—

(सीए नैन्सी गुप्ता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 067953)

यूडीआईएन: 24067953BKEZRM5760

हस्ता. /—

(सीए के.बी.सोलंकी)

भागीदार

(सदस्यता सं. 110299)

यूडीआईएन: 24110299BKCUST9893

हस्ता. /—

(सीए जी. शंकर)

भागीदार

(सदस्यता सं. 046050)

यूडीआईएन: 24046050BKCLLQ1519

## लक्ष्मी तृप्ति एण्ड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 009189C

## तलाती एण्ड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण सं. 110758W/W100377

हस्ता. /—

(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 415118)

यूडीआईएन: 24415118BKCREP1508

हस्ता. /—

(सीए अमित शाह)

भागीदार

(सदस्यता सं. 122131)

यूडीआईएन: 24122131BKHHCE8632

दिनांक : 20 मई, 2024

स्थान : नई दिल्ली



## समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा—परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध – क

(समसंख्यक तिथि की हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और विनियामक अपेक्षाएं संबंधी रिपोर्ट' खंड के तहत पैराग्राफ 9(1)(च) में उल्लिखित)

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों से संबंधित रिपोर्ट

सेवा में,

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सदस्यगण

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार और उस तिथि को समाप्त वर्ष में कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा—परीक्षा के संयोजन में हमने ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एतदपश्चात् "धारक कंपनी" कहा गया है) और उक्त तिथि को इसकी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित हैं, की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की संपरीक्षा की है।

**आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों से संबंधित प्रबंधन का उत्तरदायित्व**

धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित कंपनियां हैं, के संबंधित निदेशक मंडल भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की संपरीक्षा की मार्गदर्शी लेख में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण मानदंडों पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं। इन जिम्मेदारियों में यथेष्ट आंतरिक नियंत्रण की डिजाइन, क्रियान्वयन और सधारण शामिल हैं जो अधिनियम के तहत यथा अपेक्षित संबंधित कंपनियों की नीतियों का अनुशीलन, इसकी परिसंपत्तियों का संरक्षण, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और संसूचन, लेखांकन अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय सूचना का समयबद्ध प्रस्तुति सहित इसके कारोबार के सुनियोजित और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से परिचालित किए जा रहे थे।

**लेखा—परीक्षक का उत्तरदायित्व**

हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखा—परीक्षा पर आधारित वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर अपनी राय व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखा—परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा—परीक्षा पर लागू होने की सीमा तक अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत यथाविनिर्दिष्ट लेखा—परीक्षा करने पर जारी किए गए मानकों और वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों ("मार्गदर्शी टिप्पणी"), दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की

लेखा—परीक्षा पर लागू होते हैं और दोनों को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किया गया है, की लेखा—परीक्षा उस पर मार्गदर्शी टिप्पणी के अनुसार की है। इन मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी में यह अपेक्षा की गई है कि हम नैतिकतापूर्ण शर्तों का पालन करें और इस संबंध में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा—परीक्षा की योजना बनाएं तथा लेखा—परीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित किए गए थे और उन्हें बनाए रखा गया था और क्या ये नियंत्रण हर प्रकार से सारावान तरीके से प्रभावी ढंग से प्रचालन में लाए गए थे।

हमारी लेखा—परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली तथा प्रचालन संबंधी प्रभावीपन की पर्याप्तता के बारे में लेखा—परीक्षा के साक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्य—निष्पादन संबंधी प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखा—परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझबूझ प्राप्त करना, इस जोखिम का मूल्यांकन करना कि सारावान कमज़ोरी मौजूद है और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और प्रचालन संबंधी प्रभावीपन का परीक्षण तथा मूल्यांकन करना शामिल था। युनी गई प्रक्रियाएं, इंड एस वित्तीय विवरणों के सारावान मिथ्या कथन, चाहे वह कपट के कारण हो या त्रुटि के कारण के जाखिमों के मूल्यांकन सहित लेखा—परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर हैं।

हमारा विश्वास है कि हमने जो लेखा—परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है, और नीचे अन्य मामले पैराग्राफ में संदर्भित अन्य लेखा—परीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखा साक्ष्य, वित्तीय रिपोर्टिंग पर धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों, जो भारत में अधिनिगमित कंपनियां हैं, की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखा—परीक्षा संबंधी राय का आधार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

**वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ**

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी का आंतरिक नियंत्रण, आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उद्देश्यों के लिए समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने और वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई एक प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं

शामिल हैं, जो (1) रिकार्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो तर्कसंगत व्यारों में कंपनी की परिसंपत्तियों की स्थिति और लेन-देनों को उचित ढंग से दर्शाते हैं; (2) यह तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं कि लेन-देन उस प्रकार दर्ज किए गए हैं, जो आमतौर पर स्थीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति के लिए आवश्यक थे, और कि कंपनी की प्राप्तियां और व्यय, कंपनी के निदेशकों और प्रबंधन के प्राधिकृत किए जाने के अनुसार ही किए जा रहे हैं; और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों की रोकथाम या अधिग्रहण, इस्तेमाल या स्थिति का समय से पता लगाने के संबंध में तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं, जिनका समेकित वित्तीय विवरणों पर सारवान प्रभाव पड़ सकता था।

**वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएं**  
वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण मिलाभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना, नियंत्रणों का आविभाव, त्रुटि या कपट के कारण सारवान मिथ्या कथन सहित संभवतः पता लगाया

जा सकता है या नहीं भी लगाया जा सकता। इसके अलावा, भावी अवधियों से संबंधित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन के पूर्वानुमान इस जोखिम की शर्त के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तनों के कारण अपर्याप्त हो सकते हैं या कि नीतियों अथवा प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा गिर सकती है।

## राय

हमारी राय में धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित कंपनियां हैं, के पास वित्तीय रिपोर्टिंग पर हर प्रकार से एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा-परीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रणों के अनिवार्य संघटकों पर विचार करते हुए, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग के मापदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर 31 मार्च, 2024 को यथास्थिति, प्रभावी ढंग से प्रचालनरत थे।

जे. गुप्ता एण्ड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 314010E / E300029

मनुबाई एण्ड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 106041W/W00136

वी. शंकर अच्यर एण्ड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 109208W

हस्ता. /—

(सीए नैन्सी गुप्ता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 067953)

यूडीआईएन: 24067953BKEZRM5760

हस्ता. /—

(सीए के.बी.सोलंकी)

भागीदार

(सदस्यता सं. 110299)

यूडीआईएन: 24110299BKCUST9893

हस्ता. /—

(सीए जी. शंकर)

भागीदार

(सदस्यता सं. 046050)

यूडीआईएन: 24046050BKCLLQ1519

लक्ष्मी तृप्ति एण्ड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 009189C

तलाती एण्ड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 110758W/W100377

हस्ता. /—

(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)

भागीदार

(सदस्यता सं. 415118)

यूडीआईएन: 24415118BKCREP1508

हस्ता. /—

(सीए अमित शाह)

भागीदार

(सदस्यता सं. 122131)

यूडीआईएन: 24122131BKHHCE8632

दिनांक : 20 मई, 2024

स्थान : नई दिल्ली



## 31 मार्च, 2024 के अनुसार समेकित तुलना-पत्र

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को*	01 अप्रैल, 2022 को*
I.	परिसंपत्तियां				
(1)	गैर-चालू परिसंपत्तियां				
	(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	6	1,446,532.12	1,309,836.32	1,433,523.60
	(i) तेल और गैस परिसंपत्तियां		3,628.96	2,808.54	-
	(क) मूर्त		1,057,938.85	926,315.04	830,262.64
	(ख) अमूर्त		341,445.51	141,894.16	157,826.03
	(ii) अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	7			
	(iii) उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियां	8			
	(ख) प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य	9			
	(i) तेल और गैस परिसंपत्तियां		90,101.32	97,259.87	76,128.40
	(क) प्रगतिधीन विकास कुं		380,223.70	351,168.84	320,807.91
	(ख) प्रगतिधीन तेल और गैस सुविधाएं		211,097.30	222,032.43	180,806.21
	(ग) अधिग्रहण लागत		238,868.19	289,473.62	316,109.40
	(ii) अन्य				
	(ग) निवेश संपत्ति	10	78.67	78.68	78.69
	(घ) साख (समेकन पर साख सहित)	11	121,364.44	120,334.12	112,056.49
	(ङ) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां	12	13,555.06	9,736.07	10,274.28
	(च) विकास के अधीन होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियां	13			
	(i) निर्माणाधीन अन्येषणात्मक कूप		184,563.91	163,924.94	158,604.73
	(ii) अधिग्रहण लागत		12,650.00	12,650.00	12,650.00
	(iii) निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियां		42,192.38	25,592.66	11,476.89
	(iv) अन्य		519.98	2,936.37	2,085.62
	(छ) संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में निवेश	14	553,820.61	536,711.54	369,150.98
	(छ) वित्तीय परिसंपत्तियां				
	(i) अन्य निवेश	14	414,449.34	200,325.59	243,555.13
	(ii) व्यापार प्राप्य	15	25,354.78	26,224.86	24,765.01
	(iii) ऋण	16	34,425.93	29,655.59	26,437.17
	(iv) स्थल पुनरुद्धार निधि के अंतर्गत जमा	17	285,710.40	267,511.58	248,721.80
	(v) प्राप्य वित्त पट्टा	18	-	-	-
	(vi) अन्य	19	110,738.99	93,554.19	79,930.57
	(ज) आस्थागित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	33	14,237.74	24,145.86	33,279.35
	(झ) गैर-चालू कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	36	148,732.45	142,545.02	105,185.89
	(ञ) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियां	20	36,288.78	35,467.26	51,766.30
	कुल गैर-चालू परिसंपत्तियां		<b>5,768,519.41</b>	<b>5,032,183.15</b>	<b>4,805,483.09</b>

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को*	01 अप्रैल, 2022 को*
<b>(2)</b>	चालू परिसंपत्तियां				
	(क) मालसूची	21	522,505.10	442,409.14	541,630.99
	(ख) वित्तीय परिसंपत्तियां				
	(i) निवेश	22	53,802.09	51,688.97	53,715.24
	(ii) व्यापार प्राप्त	15	197,629.53	187,515.81	191,872.83
	(iii) नकदी और नकदी तुल्य	23	41,327.51	26,399.98	50,346.67
	(iv) अन्य बैंक शेष	24	325,568.91	265,003.29	18,062.72
	(v) ऋण	16	4,200.73	4,576.10	4,928.80
	(vi) अन्य	19	123,057.52	92,436.90	52,650.49
	(ग) चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)	36	-	1,890.87	1,209.94
	(घ) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	20	64,535.01	75,440.91	144,840.52
	कुल चालू परिसंपत्तियां		<b>1,332,626.40</b>	<b>1,147,361.97</b>	<b>1,059,258.20</b>
	बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियां	25	783.87	538.26	638.48
	कुल परिसंपत्तियां		<b>7,101,929.68</b>	<b>6,180,083.38</b>	<b>5,865,379.77</b>
<b>II.</b>	इकिवटी और देयताएं				
<b>(1)</b>	इकिवटी				
	(क) इकिवटी शेयर पूँजी	26	62,901.39	62,901.39	62,901.39
	(ख) अन्य इकिवटी	27	3,307,800.88	2,764,848.53	2,540,716.10
	कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इकिवटी		<b>3,370,702.27</b>	<b>2,827,749.92</b>	<b>2,603,617.49</b>
	गैर-नियंत्रक हित	28	280,203.20	206,077.39	238,249.33
	कुल इकिवटी		<b>3,650,905.47</b>	<b>3,033,827.31</b>	<b>2,841,866.82</b>
<b>(2)</b>	देयताएं				
	गैर-वर्तमान देयताएं				
	(क) वित्तीय देयताएं				
	(i) ऋण	29	779,519.93	983,595.45	880,426.76
	(ii) पट्टा देयताएं	30	255,054.15	84,035.29	92,167.21
	(iii) अन्य	31	1,893.82	4,317.57	19,502.43
	(ख) प्रावधान	32	506,860.21	404,230.68	363,830.08
	(ग) विलंबित कर देयताएं (शुद्ध)	33	381,910.23	328,510.60	385,512.05
	(घ) अन्य गैर-वर्तमान देयताएं	34	13,011.24	12,498.21	8,421.99
	कुल गैर-वर्तमान देयताएं		<b>1,938,249.58</b>	<b>1,817,187.80</b>	<b>1,749,860.52</b>



(₹ मिलियन में)

विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को*	01 अप्रैल, 2022 को*
वर्तमान देयताएं				
(क) वित्तीय देयताएं				
(i) ऋण	29	418,034.08	308,260.11	197,331.30
(ii) पट्टा देयताएं	30	79,197.12	46,657.31	49,933.31
(iii) देय व्यापार	35			
— सूक्ष्म और लघु उद्यम को		12,342.39	7,507.34	7,948.49
— सूक्ष्म और लघु उद्यम के अतिरिक्त अन्य को		362,560.46	328,918.68	393,911.65
(iv) अन्य	31	451,228.70	477,222.64	434,116.92
(ख) अन्य वर्तमान देयताएं	34	113,380.36	103,406.59	113,948.21
(ग) प्रावधान	32	69,173.63	52,487.36	66,634.68
(घ) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	36	5,946.03	4,608.24	9,827.87
<b>कुल वर्तमान देयताएं</b>		<b>1,511,862.77</b>	<b>1,329,068.27</b>	<b>1,273,652.43</b>
बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियों के साथ सीधे संबद्ध देयताएं	57.9	911.86	-	-
<b>कुल देयताएं</b>		<b>3,451,024.21</b>	<b>3,146,256.07</b>	<b>3,023,512.95</b>
<b>कुल इक्विटी और देयताएं</b>		<b>7,101,929.68</b>	<b>6,180,083.38</b>	<b>5,865,379.77</b>

\* पुनःकथन, टिप्पणी सं. 80 देखें।

संलग्न टिप्पणियां – 1 से 82 समेकित वित्तीय विवरणों का भाग है।

## कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/-

(रजनी कान्त)

कंपनी सचिव

हस्ता/-

(के सी रमेश)

मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ता/-

(मनीष पाटील)

निदेशक (मानव संसाधन)

हस्ता/-

(अरुण कुमार सिंह)

अध्यक्ष एवं सीईओ

(डीआइएन: 10139350)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते वी शंकर अच्यर एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 109208W

हस्ता/-

(सीए नैन्ती गुप्ता)

भागीदार (सदस्यता सं: 067953)

हस्ता/-

(सीए के.बी. सोलंकी)

भागीदार (सदस्यता सं: 110299)

हस्ता/-

(सीए जी शंकर)

भागीदार (सदस्यता सं: 046050)

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-

(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)

भागीदार (सदस्यता सं: 415118)

हस्ता/-

(सीए अमित शाह)

भागीदार (सदस्यता सं: 122131)

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 20 मई, 2024

## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित लाभ एवं हानि विवरण

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष*
1	प्रचालनों से राजस्व	37	6,430,370.08	6,848,292.23
2	अन्य आय	38	122,219.34	80,740.80
3	<b>कुल आय (1+2)</b>		<b>6,552,589.42</b>	<b>6,929,033.03</b>
4	व्यय			
	व्यापारगत स्टॉक की खरीद	39	2,304,695.29	2,661,200.41
	तैयार वस्तुओं, व्यापाररत स्टॉक और प्रगतिधीन कार्य की मालसूची में परिवर्तन	40	(44,339.34)	25,151.79
	उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	41	3,048,917.30	3,267,370.68
	पश्चलेखित अन्वेषण लागते			
	(क) सर्वेक्षण लागतें		19,429.49	22,626.02
	(ख) अन्वेषण कुआं लागतें		38,676.26	62,015.40
	वित्त-पोषण लागतें	42	101,941.73	78,893.56
	मूल्यांकन, क्षय, परिशोधन और क्षति	43	287,627.45	245,814.52
	अन्य क्षति और पश्चलेखन	44	34,636.58	37,461.46
	<b>कुल व्यय (4)</b>		<b>5,791,584.76</b>	<b>6,400,533.84</b>
5	अपवादजनक मदों तथा कर से पूर्व लाभ (3-4)		<b>761,004.66</b>	<b>528,499.19</b>
6	अपवादजनक मदें – आय/ (व्यय)	45	(16,364.31)	(81,379.42)
7	एसोसिएट के लाभ का अंश		28,229.27	(3,192.34)
8	संयुक्त उद्यम के लाभ का अंश		(4,268.97)	3,532.85
9	<b>कर पूर्व लाभ (5+6+7+8)</b>		<b>768,600.65</b>	<b>447,460.28</b>
10	कर व्यय	46		
	(क) निम्नलिखित से संबंधित वर्तमान कर			
	– वर्तमान वर्ष		152,301.88	146,209.30
	– पूर्व वर्ष		(3,917.23)	(28,914.32)
	(ख) विलंबित कर		49,207.57	(10,299.31)
	<b>कुल कर व्यय (10)</b>		<b>197,592.22</b>	<b>106,995.67</b>
11	<b>वर्ष हेतु लाभ (9-10)</b>		<b>571,008.43</b>	<b>340,464.61</b>
12	अन्य व्यापक आय			
	क. मदें जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	(क) निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन		(5,784.00)	(2,878.81)
	– विलंबित कर		1,465.73	730.82
	(ख) अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत		214,346.26	(2,001.80)
	– विलंबित कर		(18,831.06)	(2,483.16)
	(ग) एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों में अन्य व्यापक आय का अंश, लाभ अथवा हानि को पुनः वर्गीकृत न किए जाने की सीमा तक		3.90	(26.68)
	– विलंबित कर		-	-
	ख. मदें जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा			
	(क) विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरण को परिवर्तित करने में विनियम अंतर		(15,728.71)	56,541.36
	– विलंबित कर		5,447.24	(19,902.04)
	(ख) नकदी प्रवाह हेजों में हेजिंग लिखतों पर लाभ (हानियों) का प्रभावी हिस्सा		29.19	40.14
	– विलंबित कर		(7.35)	(10.10)



(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष*
13	(ग) एसोसिएट और संयुक्त उद्यमों में अन्य व्यापक आय का अंश, लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत किए जाने की सीमा तक		318.80	(1,296.89)
	कुल अन्य व्यापक आय (12) (शुद्ध कर)		<b>181,260.00</b>	<b>28,712.84</b>
	वर्ष हेतु कुल व्यापक आय (11+12)		<b>752,268.43</b>	<b>369,177.45</b>
	निम्न को आरोप्य वर्ष हेतु लाभ :			
	— कंपनी के स्वामी		492,213.78	367,093.34
	— गैर-नियंत्रक हित		78,794.65	(26,628.73)
			<b>571,008.43</b>	<b>340,464.61</b>
	निम्न को आरोप्य वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय :			
	— कंपनी के स्वामी		177,779.47	30,129.40
	— गैर-नियंत्रक हित		3,480.53	(1,416.56)
			<b>181,260.00</b>	<b>28,712.84</b>
	निम्न को आरोप्य वर्ष हेतु कुल व्यापक आय :			
	— कंपनी के स्वामी		669,993.25	397,222.74
	— गैर-नियंत्रक हित		82,275.18	(28,045.29)
			<b>752,268.43</b>	<b>369,177.45</b>
	प्रति इकिवटी शेयर अर्जन :	47		
	(क) आधारभूत (₹)		39.13	29.18
	(ख) तनुकृत (₹)		39.13	29.18

\* पुनःकथन, टिप्पणी सं. 80 देखें।

संलग्न टिप्पणियाँ – 1 से 82 समेकित वित्तीय विवरणों का भाग हैं।

#### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/- (रजनी कान्त)	हस्ता/- (के सी रमेश)	हस्ता/- (मनीष पाटील)	हस्ता/- (अरुण कुमार सिंह)
कंपनी सचिव	मुख्य वित्तीय अधिकारी	निदेशक (मानव संसाधन)	अध्यक्ष एवं सीईओ (डीआइएन: 06646894)

#### हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते वी शंकर अच्यर एंड कंपनी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 109208W

हस्ता/-  
(सीए नैन्सी गुप्ता)  
भागीदार (सदस्यता स: 067953)

हस्ता/-  
(सीए के.बी. सोलंकी)  
भागीदार (सदस्यता स: 110299)

हस्ता/-  
(सीए जी शंकर)  
भागीदार (सदस्यता स: 046050)

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-  
(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)  
भागीदार (सदस्यता स: 415118)

हस्ता/-  
(सीए अमित शाह)  
भागीदार (सदस्यता स: 122131)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 20 मई, 2024

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु इकिटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

(i) इकिटी शेयर पूंजी

(₹ मिलियन में)

विवरण	राशि
01 अप्रैल, 2022 को शेष पूर्व अवधि त्रुटियों के कारण परिवर्तन	62,901.39
01 अप्रैल, 2022 को पुनः कथित शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	-
01 अप्रैल, 2023 को शेष पूर्व अवधि त्रुटियों के कारण परिवर्तन	62,901.39
01 अप्रैल, 2023 को पुनः कथित शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	-
31 मार्च, 2024 को शेष	62,901.39



## (ii) अन्य इविवटी

(₹ मिलियन में)

आरक्षित और अधिशेष		विवरण		निरेशी प्रचलनों के वित्तीय विवरणों के परिवर्तन पर विनियम हाले		अन्य व्यापक आय के माध्यम से इविवटी तिक्षण		मूल कंपनी के उचामियों का आरोग्य		गैर- (एनसीआई)		कुल
		पूँजीगत आरक्षित	पूँजी मोबाइल आरक्षित	द्वितीय भौवन आरक्षित	सामान्य आरक्षित	विधिक आरक्षित	प्रतिधारित आय	नकदी प्रताह हेज आरक्षित	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इविवटी तिक्षण	मूल कंपनी के उचामियों का आरोग्य	गैर- (एनसीआई)	कुल
31 मार्च, 2022 को शेष पुनःकथन का प्रभाव (टिप्पणी स. 80)	614.61 (354,420.79)	1,917.49	28,318.13	2,240,359.54	30,357.95	297,388.90	147,373.49	(1,362.98)	141,581.37	2,532,127.71	238,249.33	2,770,377.04
31 मार्च, 2022 को शेष पुनःकथन)	614.61 (354,420.79)	1,917.49	28,318.13	2,240,359.54	30,357.95	305,977.29	147,373.49	(1,362.98)	141,581.37	2,540,716.10	238,249.33	2,778,965.43
वर्ष हेतु लाभ नियरित लाभ योजनाओं का पुनः मापन (क्र. का निवल)	-	-	-	-	-	-	367,093.34	-	-	367,093.34	(26,628.73)	340,464.61
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय (क्र. का निवल)	-	-	-	-	-	-	(1,331.37)	-	-	(1,331.37)	(816.62)	(2,147.99)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय संयुक्त उदाहरण तथा एसासिएट के संबंध में इविवटी लेखकन समायोजन अंतर सहूँ कंपनी धारिता के कारण समायोजन लाभांश का भुगतान सामान्य आरक्षित से / को अंतरण विधिक आरक्षित से / को अंतरण डीआरआर से / को अंतरण अधिग्रहण / निपटन के कारण एनसीआई में परिवर्तन अन्य	-	-	-	-	-	-	115.38	-	-	115.38	-	115.38
वर्ष हेतु लाभ नियरित लाभ योजनाओं का पुनः मापन (शुद्ध कर)	-	-	-	-	-	-	2,207.82	-	-	2,207.82	-	2,207.82
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय संयुक्त उदाहरण / एसासिएट के संबंध में इविवटी लेखकन समायोजन के कारण एनसीआई में परिवर्तन अन्य	-	-	-	-	-	-	(176,124.67)	-	-	(176,124.67)	(9,138.65)	(185,263.32)
31 मार्च, 2023 को शेष वर्ष हेतु लाभ नियरित लाभ योजनाओं का पुनः मापन (शुद्ध कर)	615.53 (354,420.79)	1,917.49	28,149.49	2,455,058.54	38,021.71	275,678.95	184,188.30	(1,297.17)	136,936.58	2,764,848.53	206,077.39	2,970,925.92
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय संयुक्त उदाहरण / एसासिएट के संबंध में इविवटी लेखकन समायोजन	-	-	-	-	-	-	492,213.78	-	-	492,213.78	78,794.65	571,008.43
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय संयुक्त उदाहरण / एसासिएट के संबंध में इविवटी लेखकन समायोजन	-	-	-	-	-	-	(3,790.81)	-	-	(3,790.81)	(527.46)	(4,318.27)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय की मद्देता (क्र. का निवल)	0.92	-	-	-	-	-	4.34	(10,234.11)	187.01	191,613.04	181,570.28	4,007.99
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय संयुक्त उदाहरण / एसासिएट के संबंध में इविवटी लेखकन समायोजन	-	-	-	-	-	-	(1,072.69)	-	-	(1,072.69)	-	(1,072.69)



(₹ मिलियन में)

विवरण	आरक्षित और अधिकारी						विवरणी प्रचलनों के वित्तीय परिवर्णों के परिवर्तन पर नियन्मय हालनि	नकदी आय के माध्यम से इविवरी लिखत	पूल कंपनी के उचितीय आय के माध्यम से इविवरी लिखत	पूल कंपनी के गैर-नियन्मय हित (एनसीआई)	कुल
	पूँजीगत आरक्षित	अन्य पूँजीगत आरक्षित – समान नियन्मय	पूँजी मोबान आरक्षित	सामाच्य आरक्षित	विधिक आरक्षित	प्रतिधारित आय					
अंतर समूह कंपनी धरिता के कारण समायोजन लाभांश का प्रयोगान	-	-	-	-	-	-	2,858.41 (128,948.15)	-	-	2,858.41 (10,132.90)	2,858.41 (139,081.05)
सामाच्य आरक्षित को अंतरण विधिक आरक्षित से / को अंतरण	-	-	-	-	-	-	(12,153.02) 309,161.14	-	-	(12,153.02) -	(12,153.02) -
डीआरआर से / को अंतरण अधिग्रहण / निपटन के कारण एनसीआई में परिवर्तन अन्य	-	-	-	-	-	-	(279.87) 12,153.02	279.87 (1.18)	-	12,153.02 (1.18)	12,153.02 4,053.98 4,052.80 (1,947.74)
31 मार्च, 2024 को शेष	616.62 (354,420.79)	1,917.49	15,716.60	2,776,800.21	38,021.71	327,771.38	173,954.19 (1,126.65)	328,549.62 (1,126.65)	3,307,800.88	280,203.20	3,368,004.08

### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/-

(रेजनी काटन)  
(के. सी. स्मश)  
कंपनी सचिव  
मुख्य वित्तीय अधिकारी  
(डीआइएन: 10139350)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एड कंपनी एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

हस्ता/-

(सीए नैन्सी गुप्ता)  
आगीदार (सदस्यता स: 067953)  
कृते लक्ष्मी गुप्ति एड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

हस्ता/-

(सीए (डॉ). विवेक मेहता)  
आगीदार (सदस्यता स: 415118)  
कृते लक्ष्मी गुप्ति एड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-

(सीए अमित शाह)  
आगीदार (सदस्यता स: 122131)  
कृते लक्ष्मी गुप्ति एड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377



## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित नकदी प्रवाह विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष*
<b>क. प्रचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह :</b>		
कर पश्चात शुद्ध लाभ	<b>571,008.43</b>	<b>340,464.61</b>
निम्नलिखित के लिए समायोजन :		
– आय कर व्यय	197,592.22	106,995.67
– संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट के लाभ का अंश	(23,960.30)	(340.51)
– असाधारण मर्दे	16,364.31	81,379.42
– मूल्यांकन, क्षय, परिशोधन और क्षति	287,627.45	245,814.52
– पश्चलेखित अन्वेषणात्मक कुआं लागत	38,676.26	62,015.40
– वित्त लागत	101,941.73	78,893.56
– वसूल न की गई विदेशी मुद्रा हानि / (लाभ)	7,374.36	28,810.35
– अन्य क्षति और पश्चलेखन	34,636.58	37,461.46
– पश्च लेखित अधिक प्रावधान	(1,559.14)	(4,101.61)
– सीसीडी के प्रति वित्तीय देयताओं के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ / (हानि)	(3,663.27)	(3,968.76)
– व्याज आय	(57,096.88)	(37,763.04)
– वित्तीय लिखत के उचित मूल्यांकन पर हानि / (लाभ)	(22.47)	3,600.06
– वित्तीय गारंटी का परिशोधन	38.10	(20.91)
– पूर्वभुगतान का परिशोधन	7.38	6.75
– पश्च लेखन की आवश्यकता न होने वाली देयताएं	(9,665.97)	(3,146.04)
– सरकारी अनुदान का परिशोधन	(480.88)	(293.29)
– निवेश की बिक्री पर हानि / (लाभ)	(309.60)	-
– गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि / (लाभ)	1,055.54	330.34
– लाभांश आय	(18,311.65)	(7,027.20)
– निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन	(4,171.13)	(446.97)
– अन्य व्यय / आय	(151.91)	411.11
<b>कार्यशील पूंजी परिवर्तनों से पूर्व प्रचालनशील लाभ</b>	<b>565,920.73</b>	<b>588,610.31</b>
निम्नलिखित हेतु समायोजन :		
– प्राप्त	<b>1,136,929.16</b>	<b>929,074.92</b>
– ऋण और अग्रिम		
– अन्य परिसंपत्तियां		
– मालसूची		
– देय लाभ और अन्य देयताएं		
<b>प्रचालनों से उत्पन्न नकदी</b>		
अदा किए गए प्रत्यक्ष कर (कर प्रतिदाय का शुद्ध)	<b>1,138,285.84</b>	<b>1,016,164.96</b>
प्रचालन कार्यकलापों से उत्पन्न निवल नकदी 'क'	<b>(145,658.90)</b>	<b>(155,543.95)</b>
<b>ख. निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह</b>		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण हेतु भुगतान	<b>(379,156.23)</b>	<b>(387,187.93)</b>
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के निपटान से प्राप्तियां	2,508.80	3,388.49
प्राप्त पूंजीगत अनुदान	50.88	1,649.00
अन्वेषणात्मक और विकास वेंडन	(139,859.70)	(122,114.59)
सावधि जमा का मोचन / (निवेश)	(78,743.41)	(244,742.56)
म्यूचुअल फंडों का मोचन / (निवेश)	324.68	(2,756.06)
संयुक्त उद्यम / एसोसिएट में निवेश	(35,304.54)	(35,359.49)
संयुक्त उद्यमों / एसोसिएट को ऋण की चुकौती / (अनुदान)	(5,000.00)	779.41
निवेश – अन्य	(76.95)	(156.15)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष*
स्थल पुनरुद्धार निधि से निकासी / (जमा)	(18,147.32)	(18,568.63)
एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	18,261.76	23,232.48
अन्य निवेशों से प्राप्त लाभांश	18,311.62	7,027.16
प्राप्त ब्याज	44,162.18	23,859.48
निवेश कार्यकलापों (में प्रयुक्त) / उत्पन्न निवल नकदी 'ख'	(572,668.23)	(750,949.39)
ग. वित्त-पोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
एनसीआई में परिवर्तन	(6,092.79)	(6,187.88)
गैर-वर्तमान ऋण से प्राप्तियां	224,590.47	232,586.91
गैर-वर्तमान ऋण की चुकौती	(368,022.89)	(102,666.59)
वर्तमान ऋण की प्राप्तियां / (चुकौती) (निवल)	(10,776.10)	44,421.70
इविवटी शेयरों पर अदा किया गया लाभांश	(128,949.01)	(176,089.65)
अदा किया गया ब्याज	(76,827.02)	(55,073.83)
पट्टा देयताओं का भुगतान (ब्याज का निवल)	(73,615.37)	(59,484.56)
पट्टा देयताओं पर ब्याज व्यय	(16,810.21)	(6,268.39)
वित्त-पोषण कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकदी 'ग'	(456,502.92)	(128,762.29)
नकदी और नकदी तुल्य में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	(36,544.21)	(19,090.67)
वर्ष के प्रारंभ में नकदी और नकदी तुल्य	12,253.35	27,293.18
जोड़े : विदेशी मुद्रा में धारित नकदी और नकदी तुल्य के शेष पर विनिमय दर परिवर्तनों का प्रभाव	633.99	4,050.84
वर्ष के अंत में नकदी और नकदी तुल्य	(23,656.87)	12,253.35

\* पुनःकथन, टिप्पणी सं. 80 देखें।

## 1. वर्ष के अंत में नकदी और नकदी तुल्य का व्यौरा

(मिलियन रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
बैंकों के साथ शेष	22,287.79	16,935.25
हस्तगत नकदी	91.37	70.37
3 माह तक की मूल परिपक्वता के साथ बैंक जमा	18,948.35	9,394.36
	41,327.51	26,399.98
घटाएँ : नकदी ऋण / बैंक ओड़ी	64,984.38	14,146.63
वर्ष के अंत में नकदी और नकदी तुल्य	(23,656.87)	12,253.35

\* समूह की कंपनियों के पास, समूह द्वारा उपयोग के लिए कोई महत्वपूर्ण नकदी और नकदी समतुल्य शेष नहीं है।

## 2. वित्त-पोषण क्रियाकलापों से उत्पन्न देयताओं का मिलान :-

वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए :

(मिलियन रुपए में)

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2023 के अनुसार	वित्त-पोषण नकदी प्रवाह	गैर-नकदी परिवर्तन	31 मार्च, 2024 के अनुसार
1	ऋण – गैर-चालू *				
1	बाहरी वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी)	4,232.44	(4,233.89)	1.45	(0.00)
2	तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से ऋण	3,189.38	(1,735.63)	-	1,453.75



(₹ मिलियन में)

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2023 के अनुसार	वित्त—पोषण नकदी प्रवाह	गैर—नकदी परिवर्तन	31 मार्च, 2024 के अनुसार
3	गैर—परिवर्तनीय डिबेंचर	284,638.84	(57,400.00)	6.68	227,245.52
4	विलंबित भुगतान देयताएं – वैट ऋण	1,919.89	1,858.12	(459.67)	3,318.34
5	बैंकों से कार्यशील पूँजी ऋण	44,876.98	-	770.02	45,647.00
6	विदेशी मुद्रा बाण्ड	216,883.10	(41,398.35)	3,028.06	178,512.81
7	विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीटीएल)	422,704.70	(17,287.99)	5,401.26	410,817.97
8	रूपए में सावधि ऋण	140,896.02	(23,237.87)	2.85	117,661.00
9	अन्य ऋण	301.25	3.19	4.46	308.90
10	अन्य वित्तीय देयताएं (गैर—वर्तमान) – शुद्ध व्युत्पन्न संविदाएं	651.29	-	827.86	1,479.15
कुल		<b>1,120,293.90</b>	<b>(143,432.42)</b>	<b>9,582.97</b>	<b>986,444.45</b>
<b>II</b>					
	<b>ऋण – चालू</b>				
1	बैंकों से कार्यशील पूँजी ऋण	6,289.99	14,920.01	-	21,210.00
2	वाणिज्यिक पत्र	-	-	-	-
3	मांग पर चुकौतीयोग्य ऋण	17,136.12	6,517.09	-	23,653.21
4	त्रिपक्षीय रेपो डीलिंग प्रणाली ऋण	-	1,549.73	-	1,549.73
5	कलीयरकार्प रेपो आर्डर मैचिंग प्रणाली	30,385.72	6,831.74	(0.02)	37,217.44
6	रूपया सावधि ऋण	104,254.49	(40,594.67)	314.13	63,973.95
कुल		<b>158,066.32</b>	<b>(10,776.10)</b>	<b>314.11</b>	<b>147,604.33</b>

\* दीर्घावधि ऋण की वर्तमान परिपक्वता शामिल है।

## वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए :

(मिलियन रुपए में)

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2023 के अनुसार	वित्त—पोषण नकदी प्रवाह	गैर—नकदी परिवर्तन	31 मार्च, 2024 के अनुसार
I	<b>ऋण – गैर—चालू *</b>				
1	बाहरी वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी)	12,027.50	(8,135.46)	340.40	4,232.44
2	तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से ऋण	4,924.99	(1,735.62)	0.01	3,189.38
3	गैर—परिवर्तनीय डिबेंचर	232,638.15	51,991.79	8.90	284,638.84
4	विलंबित भुगतान देयताएं – वैट ऋण	509.52	2,931.43	(1,521.06)	1,919.89
5	बैंकों से कार्यशील पूँजी ऋण	41,525.06	3,207.66	144.26	44,876.98
6	विदेशी मुद्रा बाण्ड	199,944.56	-	16,938.54	216,883.10
7	विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीटीएल)	389,696.30	1,140.55	31,867.85	422,704.70
8	रूपए में सावधि ऋण	60,383.07	80,519.97	(7.02)	140,896.02
9	अन्य ऋण	292.60	-	8.65	301.25
10	अन्य वित्तीय देयताएं (गैर—वर्तमान) – शुद्ध व्युत्पन्न संविदाएं	207.39	-	443.90	651.29
कुल		<b>942,149.15</b>	<b>129,920.32</b>	<b>48,224.43</b>	<b>1,120,293.90</b>

(₹ मिलियन में)

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2023 के अनुसार	वित्त-पोषण नकदी प्रवाह	गैर-नकदी परिवर्तन	31 मार्च, 2024 के अनुसार
II	ऋण — चालू				
1	बैंकों से कार्यशील पूँजी ऋण	-	6,289.99	-	6,289.99
2	वाणिज्यिक पत्र	7,990.80	(7,990.80)	-	-
3	मांग पर चुकौतीयोग्य ऋण	44,681.11	(27,544.99)	-	17,136.12
4	अन्य ऋण	10,496.91	(10,496.91)	-	-
5	विदेशी मुद्रा सावधि ऋण	-	30,385.72	-	30,385.72
6	रूपया सावधि ऋण	49,593.99	53,778.69	881.81	104,254.49
	<b>कुल</b>	<b>112,762.81</b>	<b>44,421.70</b>	<b>881.81</b>	<b>158,066.32</b>

\* दीर्घावधि ऋण की वर्तमान परिपक्वता शामिल है।

### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/-  
(रजनी कान्त)  
कंपनी सचिव

हस्ता/-  
(के सी रमेश)  
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ता/-  
(मनीष पाटील)  
निदेशक (भानव संसाधन)  
(डीआइएन: 10139350)

हस्ता/-  
(अरुण कुमार सिंह)  
अध्यक्ष एवं सीईओ  
(डीआइएन: 06646894)

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते वी शंकर अच्यर एंड कंपनी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 109208W

हस्ता/-  
(सीए नैन्सी गुप्ता)  
भागीदार (सदस्यता स: 067953)

हस्ता/-  
(सीए के.बी. सोलंकी)  
भागीदार (सदस्यता स: 110299)

हस्ता/-  
(सीए जी शंकर)  
भागीदार (सदस्यता स: 046050)

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी  
सनदी लेखाकार  
फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-  
(सीए (डॉ.) विवेक मेहता)  
भागीदार (सदस्यता स: 415118)

हस्ता/-  
(सीए अमित शाह)  
भागीदार (सदस्यता स: 122131)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 20 मई, 2024



## 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां

### 1. निगमित सूचना

आयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ("ओएनजीसी" अथवा "कंपनी") भारत में अधिवासित तथा अधिनिगमित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है। जिसका पंजीकृत कार्यालय प्लॉट नं. ५-५बी, नेलसन मंडेला मार्ग, वसन्त कुंज, नई दिल्ली - 110070 है। कंपनी के शेयर बम्बई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इन इंडिया में सूचीबद्ध हैं। समेकित वित्तीय विवरण कंपनी, इसकी सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम निकायों तथा एसोसिएट्स से संबंधित हैं। समूह (जिसमें कंपनी तथा इसकी अनुषंगी कंपनियां शामिल हैं), संयुक्त उद्यम निकाय और एसोसिएट मुख्यतः भारत में खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा मूल्य वर्धित उत्पादों के अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन और विदेशों में अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन के लिए तेल तथा गैस संचयनों की खरीद, डाउनस्ट्रीम (पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग तथा विपणन), विद्युत उत्पादन, एलएनजी आपूर्ति, पाइपलाइन परिवहन, एसईजेड विकास, हेलीकॉप्टर सेवाएं, इथेनॉल का विनिर्माण और चीनी, ग्रीन और नवीकरणीय ऊर्जा व्यापार में नियोजित है।

### 2. तैयार करने के आधार

#### (क) अनुपालन का कथन

निगमित कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 16 फरवरी 2015 की अधिसूचना के अनुसार, समूह ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत जारी और कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 (संशोधित) के अंतर्गत अधिसूचित ई एंड एएस को 1 अप्रैल, 2016 से अपनाया है।

समेकित वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 (संशोधित), कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत अधिसूचित ई एंड एएस और भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी तेल एवं गैस उत्पादक गतिविधियों के लिए लेखांकन पर मार्गदर्शक टिप्पणी (इंड एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

#### (ख) मापन के आधार

समेकित वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किया गया है सिवाय कुछ वित्तीय लिखत के जिनका मापन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर किया जाता है, जैसा कि लेखांकन नीतियों में विस्तारपूर्वक बताया गया है।

लेखांकन नीतियों को लगातार लागू किया गया है, सिवाय इसके कि जहां एक नया जारी किया गया इड एएस शुरू में अपनाया गया हो या मौजूदा लेखांकन मानक में संशोधन के लिए अब तक उपयोग में आने वाली लेखांकन नीति में बदलाव की आवश्यकता हो।

#### (ग) चालू/गैर-चालू वर्गीकरण

चूंकि उद्योग की विशेष प्रकृति के कारण सामान्य तौर पर परिचालन चक्र की पहचान नहीं की जा सकती है, इसलिए इसे 12 महीने की अवधि माना गया है और सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों को तदनुसार चालू या गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण भारतीय रूपए (₹) में प्रस्तुत किए जाते हैं और सभी मूल्यों को निकटतम दो दशमलव मिलियन तक पूर्णांकित किया जाता है, जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो।

#### (घ) नए भारतीय लेखांकन मानक

1 अप्रैल, 2023 से प्रभावी भारतीय लेखांकन मानक में संशोधन के अनुसार, समूह महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के स्थान पर, जैसाकी पूर्व में अपेक्षित था, अपने वित्तीय विवरणों में तात्काल लेखांकन जानकारी का प्रकटीकरण कर रहा है। यह परिवर्तन समूह की प्रकटीकरण प्रथाओं को अद्यतन भारतीय लेखांकन मानक ढांचे के साथ संरेखित करता है और अन्य सभी संशोधनों का वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

एमसीए समय-समय पर जारी कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के तहत मौजूदा मानकों में नए मानकों या संशोधनों को अधिसूचित करता है। रिपोर्टिंग की तारीख, एमसीए ने ऐसा कोई भी नया मानक या संशोधन अधिसूचित नहीं किया है जिसे 01 अप्रैल, 2024 से लागू किया गया हो।

### 3. महत्वपूर्ण समूह लेखांकन नीतियां

#### 3.1 समेकन के सिद्धांत

समेकित वित्तीय विवरण में कंपनी तथा कंपनी द्वारा नियंत्रित निकायों (इसकी अनुषंगी कंपनियों), जिनको सामूहिक रूप से "समूह" कहा गया है, के वित्तीय विवरण शामिल होते हैं। समूह के संयुक्त उद्यम तथा एसोसिएट में निवेश हैं जिन्हें इन समेकित वित्तीय विवरणों में साम्यता पद्धति का उपयोग करते हुए लेखांकित किया गया है। समेकित वित्तीय विवरणों में एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यम में निवेश

की लेखांकन नीति हेतु टिप्पणी 3.5 देखें।

कंपनी किसी निकाय को तब नियंत्रित करती है जब इसके उस निकाय के साथ संपर्क हो, अथवा उसमें अपनी भागीदारी से परिवर्तनशील प्रतिफल के अधिकार हों तथा निकाय के संगत क्रियाकलापों को निदेश देकर अपनी शक्तियों के माध्यम से उन प्रतिफलों को प्रभावित करने की क्षमता हो।

अनुषंगी कंपनियों को उनके अधिग्रहण (सिवाय समान नियंत्रण के अधीन होने वाले व्यापार संयोजनों के) की तिथि से समेकित किया जाता है, यह वह तिथि होती है जिसको कंपनी उनका नियंत्रण प्राप्त करती है और ऐसे नियंत्रण के समाप्त होने की तिथि तक उनका समेकन जारी रहता है।

समेकित वित्तीय विवरणों को समान कारबाहर तथा समान परिस्थितियों में अन्य घटनाओं हेतु लगातार समान लेखांकन नीतियों का उपयोग करके तैयार किया जाता है और इन्हें संभव सीमा तक उसी तरीके से तैयार किया जाता है जैसे कि कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों को सिवाय जहां अन्यथा बताया गया हो। आवश्यक होने पर अनुषंगी कंपनी के वित्तीय विवरणों में समायोजन किया जाता है ताकि उनकी लेखांकन नीतियों को समूह की महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के अनुरूप बनाया जा सके।

## समेकन पद्धति :

- समेकित वित्तीय विवरणों को कंपनी तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय विवरणों को पंक्ति—दर—पंक्ति आधार पर परिसंपत्तियों, देयताओं, इकिवटी, आय, व्यय तथा नकदी प्रवाह के बही मूल्यों को जोड़कर तथा पूर्ण अंतरा—समूह परिसंपत्तियों, देयताओं, इकिवटी, आय, व्यय तथा अंतरा—समूह लेन—देन और वसूल न किए गए लाभों को हटाने के पश्चात तैयार किया गया है। वसूल न की गई हानियों को भी हटाया जाता है जब तक कि कारबाहर अंतरित परिसंपत्ति की क्षति का साक्ष्य मुहैया न करवाता हो। ऐसे वसूल न किए गए लाभ/हानियों को पूरी तरह से कंपनी पर आरोप्य किया जाता है।
- प्रत्येक अनुषंगी कंपनी में कंपनी के निवेश की अग्रणीत राशि और प्रत्येक अनुषंगी कंपनी की मूल कंपनी की इकिवटी के भाग को ऑफसेट (समाप्त) करना।

लाभ एवं हानि और अन्य व्यापक आय के प्रत्येक घटक को कंपनी के स्वामी को तथा गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य किया जाता है। कुल व्यापक आय कंपनी के स्वामियों तथा गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य होती है भले ही यह गैर नियंत्रक हितों के एक घाटे वाले शेष में परिण ात हो।

अनुषंगी कंपनियों में समूह के स्वामित्व हितों में परिवर्तन जो समूह के अनुषंगी कंपनी पर नियंत्रण को खो देने में परिणत न होता हो, इकिवटी संव्यवहार के रूप में लेखांकित किया जाता है। समूह के हितों की वहन राशि और गैर-नियंत्रक हितों को अनुषंगी कंपनियों में उनके संबंधित हितों में परिवर्तन को दर्शाने के लिए समायोजित किया जाता है। राशि के मध्य ऐसा कोई अंतर जिससे गैर-नियंत्रक हितों को समायोजित किया जाता है और अदा या प्राप्त किए गए मूल्य के उचित मान को सीधे इकिवटी में मान्यता दी जाती है और यह कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य होता है।

जब समूह किसी अनुषंगी कंपनी का नियंत्रण होता है अथवा लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में किसी लाभ या हानि को मान्यता दी जाती है तथा इसकी गणना (1) प्राप्त मूल्य के उचित मान तथा प्रतिधारित हित के उचित मान के जोड़ और (2) अनुषंगी कंपनी की परिसंपत्तियों (साथ सहित) तथा देयताओं की पिछली वहन राशि तथा अन्य किसी गैर-नियंत्रक हित के मध्य अंतर के रूप में की जाती है। उस अनुषंगी कंपनी के संबंध में अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की गई पहले की सभी राशियों का लेखांकन किस प्रकार किया जाता है कि जैसे समूह में सीधे अनुषंगी कंपनी की संबंधित परिसंपत्तियों तथा देयताओं का निपटान किया हो (अर्थात लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में पुनः वर्गीकृत अथवा लागू इंड एस द्वारा निर्दिष्ट/अनुमेय के अनुसार इकिवटी की किसी अन्य श्रेणी में अंतरित)। पहले की किसी अनुषंगी कंपनी में नियंत्रण समाप्त होने की तिथि को प्रतिधारित किसी निवेश के उचित मूल्य को इंड एस 109 के अंतर्गत आगे के लेखांकन हेतु प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य माना जाता है, अथवा, जब लागू हो, किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में निवेश की प्रारंभिक मान्यता की लागत माना जाता है।

## व्यापार संयोजन

व्यापारों के अधिग्रहण (सिवाय समान नियंत्रण के अधीन होने वाले व्यापार संयोजनों के) को अधिग्रहण पद्धति का उपयोग करके लेखांकित किया जाता है। किसी व्यापार संयोजन में अंतरित मूल्य का मापन उस उचित मूल्य पर किया जाता है जिसकी गणना अधिग्रहण तिथि को समूह द्वारा अंतरित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य, समूह द्वारा अधिग्रहणकर्ता के पुराने स्वामी हेतु वहन की गई देयताओं और अधिग्रहण किए जाने वाले के नियंत्रण के आदान—प्रदान में समूह द्वारा जारी इकिवटी हितों के जोड़ के अनुसार की जाती है।

अधिग्रहण तिथि को पहचान योग्य अधिगृहीत परिसंपत्तियों तथा मानी गई देयताओं को उनके उचित मूल्य पर मान्यता प्रदान की जाती है, सिवाय इसके कि :



विलंबित कर परिसंपत्तियां या देयताएं और कर्मचारी लाभ व्यवस्थाओं से संबंधित परिसंपत्तियों या देयताओं की मान्यता तथा मापन क्रमशः इंड एएस 12 “आयकर” और भारतीय लेखा मानक 19 “कर्मचारी लाभ” के अनुसार किया जाता है;

परिसंपत्तियां (अथवा निपटान समूह) जिन्हें इंड एएस 105 “बिक्री तथा समाप्त प्रचालनों हेतु धारित गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां” के अनुसार बिक्री हेतु रोकी गई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, उनका मापन उसी मानक के अनुसार किया जाता है।

अधिग्रहित निवल परिसंपत्तियों के उचित मूल्य से अधिक भुगतान किए गए क्रय प्रतिफल को सद्भावना के रूप में मान्यता दी जाती है। जहां पहचान योग्य परिसंपत्तियों और देयताओं का उचित मूल्य अधिग्रहण की लागत से अधिक है, शुद्ध परिसंपत्तियों और आकस्मिक देनदारियों के उचित मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने के बाद, अतिरिक्त राशि को सौदेबाजी खरीद पर लाभ के रूप में मान्यता दी जाती है।

गैर-नियंत्रक शेयरधारकों के हित को शुरू में या तो उचित मूल्य पर या गैर-नियंत्रक हितों के अधिग्रहणकर्ता की पहचानयोग्य शुद्ध परिसंपत्तियों के अनुपातिक हिस्से पर मापा जाता है। माप के आधार का चुनाव अधिग्रहण-दर-अधिग्रहण के आधार पर किया जाता है।

अदला-बदली वाली खरीद के मामले में, उसके संबंध में किसी लाभ को मान्यता दिए जाने से पूर्व, समूह यह निर्धारित करता है कि क्या व्यापार संयोजन को एक अदला-बदली वाली खरीद के रूप में वर्गीकृत करने के लिए आधारभूत कारणों का स्पष्ट साक्ष्य मौजूद है। तत्पश्चात्, समूह यह पुनः आकलन करता है कि क्या उसने खरीदी गई सभी परिसंपत्तियों तथा ली गई सभी देयताओं की सही पहचान की है और इस पुनः आकलन में चिह्नित किसी अतिरिक्त परिसंपत्ति या देयता को मान्यता दी जाती है। उसके पश्चात् समूह उन राशियों के मापन हेतु प्रक्रियाओं की समीक्षा करता है जिनकी इंड एएस को अदला-बदली वाली खरीद की गणना के प्रयोजन हेतु आवश्यकता होती है। यदि इस पुनः आकलन तथा समीक्षा के पश्चात् लाभ बना रहता है, तो समूह इसे अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान करता है और उक्त को पूंजीगत आरक्षित के रूप में इक्विटी में संचित करता है। यह लाभ अधिग्रहण करने वाले पर आरोप्य होता है। यदि किसी व्यापार संयोजन को अदला-बदली वाली खरीद के रूप में वर्गीकृत करने के लिए आधारभूत कारणों का कोई स्पष्ट साक्ष्य मौजूद नहीं होता है तो समूह पुनः आकलन तथा समीक्षा (ऊपर वर्णित के अनुसार) के पश्चात् लाभ को सीधे पूंजीगत आरक्षित में इक्विटी के रूप में मान्यता प्रदान करता है।

अधिग्रहण संबंधी लागतों को व्यय किए जाने पर समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है।

जब कोई व्यापार संयोजन चरणों में प्राप्त किया जाता है तो समूह का अधिग्रहण किए जाने वाले में इक्विटी हित का पुनः मापन उसकी अधिग्रहण की तिथि के उचित मूल्य पर किया जाता है और परिणाम लाभ या हानि, यदि कोई हो, को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है। अधिग्रहण तिथि से पूर्व अधिग्रहण किए जाने वाले में हितों से उत्पन्न होने वाली राशियों जिन्हें पहले अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की जा चुकी है, उन्हें लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है जहां ऐसा उपचार उन हितों के निपटान पर उचित होगा।

यदि किसी व्यापार संयोजन हेतु प्रारंभिक लेखांकन संयोजन होने वाली रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधूरा है, तो समूह लेखांकन अपूर्ण होने वाली मदों हेतु अनंतिम राशियों को सूचित करता है। मापन अवधि के दौरान इन अनंतिम राशियों को अतिरिक्त परिसंपत्तियां या देयताएं (यदि कोई हो) को मान्यता प्रदान करते हुए संयोजित किया जाता है ताकि उस अधिग्रहण तिथि को विद्यमान तथ्यों तथा परिस्थितियों के संबंध में प्राप्त नई सूचना को दर्शाया जा सके, जो यदि ज्ञात होती, तो उस तिथि को मान्यता प्रदान की गई राशियों को प्रभावित कर सकती थी।

#### समान नियंत्रण के अधीन व्यापार संयोजन

किसी व्यापार संयोजन में एक ऐसा व्यापार संयोजन शामिल होता है जिसमें निकाय या व्यापार एक ऐसे समान नियंत्रण के अधीन होते हों जिसमें सभी संयोजन निकाय या व्यापार अंततः समान पक्ष या पक्षों से और व्यापार संयोजन के पूर्व तथा पश्चात् दोनों में नियंत्रित होते हों तथा नियंत्रण अस्थायी न हो।

समान नियंत्रण के अधीन होने वाले निकायों के मध्य संव्यवहार विशिष्ट रूप से इंड एएस-103 के परिशिष्ट ग से कवर होते हैं और इनका लेखांकन हित की पूरिंग पद्धति का उपयोग करके निम्नानुसार किया जाता है :

- समिश्रण वाले निकायों की परिसंपत्तियों तथा देयताओं को वहन राशियों में प्रदर्शित किया जाता है।
- उचित मूल्यों को प्रदर्शित करने या नई परिसंपत्तियों अथवा देयताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता। समायोजनों को महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को संतुलित बनाने के लिए किया जाता है।
- पूर्व अवधि के संबंध में वित्तीय विवरणों में वित्तीय जानकारी को इस प्रकार पुनः बताया जाता है जैसे कि वित्तीय विवरणों में व्यापार संयोजन पूर्व की अवधि के प्रारंभ में हुआ हो, चाहे संयोजन की वास्तविक तिथि कुछ भी रही हो।

अंतरणकर्ता के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली प्रतिधारित आय के शेष को अंतरिती के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली शेष राशि के

साथ मिलाया जाता है। शेष की पहचान को सुरक्षित रखा जाता है और अंतरणकर्ता के शेष अंतरिति के शेष बन जाते हैं।

जारी की गई शेयरपूँजी जमा नकदी या अन्य परिसंपत्तियों के रूप में अदा किए गए किसी अन्य मूल्य के रूप में दर्ज राशियों और अंतरणकर्ता की शेयरपूँजी की राशि के मध्य अंतर, यदि कोई हो, को पूँजीगत आरक्षित में अंतरित किया जाता है और इसे अन्य पूँजीगत आरक्षित को पृथक रूप से प्रदर्शित किया जाता है।

### 3.3 गैर-नियंत्रक हित

गैर-नियंत्रक हित, आय, अन्य व्यापक आय तथा अनुषंगी कंपनियों में निवल परिसंपत्तियों के उस भाग को दर्शाता है जो कंपनी के शेयर बाक़ों को आरोप्य नहीं होते हैं।

गैर-नियंत्रक हितों का मापन प्रारंभ में अधिग्रहण की जाने वाली कंपनी की चिह्नित परिसंपत्तियों की मान्यता प्राप्त राशियों के गैर-नियंत्रक हितों में उनके अनुपातिक अंश के रूप में की जाती है। अधिग्रहण के पश्चात गैर-नियंत्रक परिसंपत्तियों की वहन राशि प्रारंभिक मान्यता पर हित की राशि जमा इकिवटी में बाद के परिवर्तनों से गैर-नियंत्रक हितों के अंश में परिवर्तन की राशि होती है।

### 3.4 समेकन पर साख

किसी व्यापार के अधिग्रहण पर उत्पन्न होने वाली साख को व्यापार के अधिग्रहण की तिथि पर यथा स्थापित लागत घटा संचित हानि, यदि कोई हो, पर लिया जाता है।

क्षति परीक्षण के प्रयोजन हेतु समूह की प्रत्येक नकदी उत्पादक यूनिट (अथवा नकदी उत्पादक यूनिटों के समूहों) को साख आवंटित की जाती है जिससे संयोजन की सहक्रिया के लाभान्वित होने की आशा होती है।

नकदी उत्पादक यूनिट जिस पर साख आवंटित की गई हो उसका वार्षिक रूप से परीक्षण किया जाता है, अथवा अधिक जल्दी, जहां यह संकेत हो कि नकदी उत्पादक यूनिट को क्षति हो सकती है। यदि नकदी उत्पादक यूनिट की वसूल की जाने वाली राशि वहन राशि से कम है तो हानि क्षति का आवंटन पहले नकदी उत्पादक यूनिट को आवंटित किसी साख की वहन राशि कम करने और फिर यूनिट में प्रत्येक परिसंपत्ति की वहन राशि पर आधारित प्रो-राटा यूनिट को अन्य परिसंपत्तियों पर आवंटित किया जाता है। साख हेतु किसी हानि को सीधे समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है। साख हेतु मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि को बाद की अवधियों में वापिस नहीं किया जाता है।

संगत नकदी उत्पादक यूनिट के निपटान पर साख की आरोप्य राशि को लाभ एवं हानि के निर्धारण में शामिल किया जाता है।

### 3.5 सहयोगी और संयुक्त उद्यमों में निवेश

सहयोगी और संयुक्त उद्यमों में निवेश को इकिवटी पद्धति का उपयोग करके हिसाब में लिया जाता है और महत्वपूर्ण प्रभाव या संयुक्त नियंत्रण शुरू होने की तारीख से लेकर महत्वपूर्ण प्रभाव या संयुक्त नियंत्रण समाप्त होने की तारीख तक या ऐसे निवेश को बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत किए जाने तक की तारीख पर आस्ते में लागत पर मान्यता दी जाती है। वहन मूल्य में बाद के परिवर्तन सहयोगी या संयुक्त उद्यमों की शुद्ध परिसंपत्तियों में समूह के हिस्से में अधिग्रहण के बाद के परिवर्तनों और हानि प्रभारों, यदि कोई हो, को दर्शाते हैं। जब समूह के घाटे का हिस्सा सहयोगी या संयुक्त उद्यमों के वहन मूल्य से अधिक हो जाता है, तो समूह आगे के घाटे को मान्यता देना बंद कर देता है। अतिरिक्त घाटे को केवल उस सीमा तक मान्यता दी जाती है, जब समूह के पास कानूनी या रचनात्मक दायित्व होते हैं या उसने सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों की ओर से भुगतान किए होते हैं। सहयोगी या संयुक्त उद्यम से प्राप्त वितरण निवेश की वहन राशि को कम करता है।

जहां समूह संयुक्त उद्यमों द्वारा जारी अनिवार्य संपरिवर्तनीय डिवेंचरों के संबंध में एक प्रायोजक है और उसे अनिवार्य रूप से ऐसे डिवेंचर खरीदने आवश्यक हैं, वहां वित्तीय देयता को उचित मूल्य पर मान्यता प्राप्त निवेश के लिए समरूपी डेबिट के साथ मान्यता दी जाती है। वित्तीय देयता को बाद में परिशोधित लागत पर मापा जाता है। मानित निवेश को संयुक्त उद्यमों में निवेश की अग्रणीत राशि में जोड़ा जाता है और उसे लागत पर बहित किया जाता है।

समूह तथा इसके संयुक्त उद्यम एवं एसोसिएट के मध्य कारोबार पर प्राप्त न किए गए लाभों को संयुक्त उद्यम तथा एसोसिएट में समूह के हित की सीमा तक समाप्त किया जाता है। वसूल न की गई हानियों को भी समूह के हित तक समाप्त किया जाता है। जब तक कि संव्यवहार में अंतरित परिसंपत्ति की क्षति का कोई साक्ष्य मौजूद न हो।

यदि कोई एसोसिएट या संयुक्त उद्यम समान परिस्थितियों में समान संव्यवहार तथा घटनाओं हेतु समूह की लेखांकन नीतियों से भिन्न लेखांकन नीतियों का उपयोग करता है तो इकिवटी पद्धति लागू करने से पूर्व समूह की लेखांकन नीतियों के अनुरूप बनाने के लिए एसोसिएट या संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरणों में समायोजन किए जाते हैं, जब तक कि ऐसे किसी एसोसिएट का मामला हो जहां ऐसा करना व्यवहार्य नहीं है।

किसी सहयोगी या संयुक्त उद्यम में निवेश के अधिग्रहण पर, निवेश की लागत में निवेशीती की पहचानयोग्य परिसंपत्तियों और देयताओं के शुद्ध उचित मूल्य के समूह के हिस्से की तुलना में किसी भी अधिकता को सद्भावना के रूप में मान्यता दी जाती है, जिसे निवेश



की अग्रणीत राशि में शामिल किया जाता है। पहचानयोग्य परिसंपत्तियों और देनदारियों के निवल उचित मूल्य में समूह के हिस्से की निवेश की लागत की तुलना में किसी भी अधिकता को, पुनर्मूल्यांकन के बाद, सीधे इकिवटी में पूँजी आरक्षित के रूप में उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें निवेश का अधिग्रहण किया जाता है।

निवेश की पूरी अग्रणीत राशि (सद्भावना सहित) की हानि के लिए सालाना या जब भी परिस्थितियां संकेत देती हैं कि यह एकल परिसंपत्ति के रूप में क्षतिग्रस्त हो सकती है, इसकी वसूलीयोग्य राशि (उपयोग में मूल्य और उचित मूल्य में से अधिक निपटान की लागत घटा) की इसकी अग्रणीत राशि के साथ तुलना करके जांच की जाती है, उस हानि के किसी भी उलटफेर को उस सीमा तक मान्यता दी जाती है, जब निवेश की वसूलीयोग्य राशि में बाद में वृद्धि हो जाती है।

समूह उस तारीख से इकिवटी पद्धति का उपयोग बंद कर देता है, जब निवेश सहयोगी या संयुक्त उद्यम नहीं रह जाता है, या जब निवेश को बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। जब समूह पूर्व सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों में कोई हित रखता है और रखा गया हित एक वित्तीय परिसंपत्ति है, तो समूह उस तारीख पर उचित मूल्य पर रखे गए हित का मापन करता है और उचित मूल्य को भारतीय लेखांकन मानक 109 'वित्तीय उपकरण' के अनुसार प्रारंभिक मान्यता पर उसका उचित मूल्य माना जाता है।

### 3.6 संयुक्त प्रचालनों में हित

कोई संयुक्त प्रचालन एक ऐसी संयुक्त व्यवस्था है जिसके द्वारा व्यवस्था के संयुक्त नियंत्रण वाले पक्षों का उस व्यवस्था से संबंधित परिसंपत्तियों पर अधिकार और देयताओं हेतु दायित्व होता है। संयुक्त नियंत्रण किसी व्यवस्था के नियंत्रण को संविदात्मक रूप से साझा करने की सहमति है, जो केवल तब ही मौजूद होती है जब संगत क्रियाकलापों के संबंध में निर्णयों के लिए नियंत्रण साझा करने वाले पक्षों को एकमत सहमति की आवश्यकता होती है।

समूह के पास भारत सरकार/अन्य देशों और विभिन्न निगमित निकायों के साथ अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन क्रियाकलापों हेतु उत्पादन साझेदारी संविदा (पीएससी) की प्रकृति के संयुक्त प्रचालन है।

परिसंपत्तियों तथा देयताओं में समूह का अंश और साथ में संयुक्त प्रचालनों को आरोप्य आय तथा व्यय को लाइन-दर-लाइन आधार पर समेकित वित्तीय विवरणों की समान मदों के साथ मिलाया जाता है और पट्टों, मूल्यहास, अधिक उठान/कम उठान, क्षय, सर्वेक्षण, पश्चलेखित अन्वेषणात्मक कुएं, समाप्त किए जाने के प्रावधान, क्षति और साइडट्रैकिंग को समूह की लेखांकन नीतियों के अनुसार समायोजित किया जाता है।

ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोकार्बन संसाधनों को समूह के प्रतिभागिता हित के अनुपात में दिया जाता है।

संयुक्त प्रचालनों में पट्टे वाली परिसंपत्ति के उपयोग के संबंध में, कंपनी संबंधित संयुक्त प्रचालन समझौते/ उत्पादन साझेदारी संविदाओं के निबंधनों के अनुरूप पट्टा देयता और तदनुरूपी उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति को मान्यता देती है।

भारत से बाहर संयुक्त प्रचालनों के मामले में, दीर्घावधि कर्मचारी लाभों को उनके संबंधित क्षेत्राधिकार की विधियों के अनुसार मान्यता प्रदान की जाती है।

### 3.7 बिक्री हेतु धारित गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां

बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकृत गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों या निपटान समूहों का मापन वहन मूल्य के निम्नतर स्तर तथा उचित मूल्य घटा बिक्री लागत पर किया जाता है।

गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों अथवा निटान समूहों को बिक्री हेतु धारित के रूप में तब वर्गीकृत किया जाता है यदि उनकी वहन राशि को प्रधान रूप से एक बिक्री कारबार के माध्यम से वसूला जाएगा बजाए उनके सतत उपयोग के माध्यम से। इस शर्त को केवल तब ही पूरा माना जाता है जब बिक्री अत्यधिक संभाव्य हो और परिसंपत्ति या निपटान समूह अपने वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध हो जो केवल उन्हीं शर्तों के अधीन होगा जो ऐसी परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए सामान्य तथा प्रचलित हैं। प्रबंधन बिक्री के लिए प्रतिवद्ध होना चाहिए जिसे बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकरण की तिथि से एक वर्ष के भीतर एक पूर्ण बिक्री के रूप में मान्यता देने के लिए अर्हक होने की प्रत्याशा की जाती है , और बिक्री की योजना को पूरा करने के लिए अपेक्षित कार्रवाइयों में यह दर्शाया गया होना चाहिए कि इसकी संभावना नहीं है कि योजना में बड़े परिवर्तन किए जाएंगे अथवा योजना को वापिस ले लिया जाएगा।

संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (पीपीई) और अमूर्त परिसंपत्तियों को बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकृत किए जाने के पश्चात उनका मूल्यहास अथवा परिशोधन नहीं किया जाता है।

### 3.8 सरकारी अनुदान

उचित मूल्य पर गैर-मौद्रिक अनुदानों सहित सरकारी अनुदानों को तब तक मान्यता प्रदान नहीं की जाती है जब तक कि इसका कोई तर्कसंगत आश्वासन हो कि समूह उसके साथ जुड़ी शर्तों का पालन करेगा और अनुदान प्राप्त होंगे।

मौद्रिक सरकारी अनुदान जिसकी प्राथमिक शर्त यह है कि समूह को गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों को खरीदना, उनका निर्माण करना या

अन्यथा प्राप्त करना चाहिए, तुलन-पत्र में गैर-वर्तमान देयता के तहत 'आस्थगित आय' के रूप में मान्यताप्राप्त है और उसका प्रकटीकरण किया गया है। इसे संबंधित परिसंपत्ति के अपेक्षित उपयोगी जीवन पर समान मात्रा में आय के रूप में भी मान्यता दी जाती है।

जब अनुदान किसी व्यय मद से संबंधित होता है, तो उसे लाभ और हानि के विवरण में व्यवस्थित आधार पर उस अवधि के दौरान पहचाना जाता है, जब संबंधित लागत, जिसके लिए क्षतिपूर्ति करने का इरादा है, व्यय की जाती है।

समूह द्वारा प्राप्त गैर-मौद्रिक अनुदान, अनुदान और परिसंपत्तियों के लिए नाममात्र मूल्य पर पहचाना जाता है। बाजार व्याज दर से कम दर पर सरकारी ऋण का लाभ सरकारी अनुदान के रूप में माना जाता है और इसे प्राप्त आय और प्रचलित बाजार व्याज दरों के आधार पर ऋण के उचित मूल्य के बीच अंतर के रूप में मापा जाता है।

### 3.9 संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण

#### (i) तेल तथा गैस परिसंपत्तियां

अधिग्रहित/निर्मित तेल और गैस परिसंपत्तियों (मूर्त और अमूर्त) को शुरू में लागत पर मान्यता दी जाती है और फिर बाद में संचित कमी और बाधात्मक हानि को घटाकर लागत पर ले जाया जाता है। इन्हें ऐसे क्षेत्र/फील्ड के संबंध में बनाया जाता है, जिसमें तेल और गैस के भंडार विकसित हो चुके हों, जब क्षेत्र/फील्ड में कुआं वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार हो।

भूमि के अस्थायी कब्जे की लागत, सफल अन्वेषण कुओं, समस्त विकास कुओं (सेवा कुओं सहित), संबद्ध सुविधाओं, वेधन के लिए उपयोग किए जाने वाले सहायक उपकरणों पर मूल्यव्याप्ति और अनुमानित भविष्य की डीकमीशनिंग लागत को पूँजीकृत किया जाता है और तेल और गैस परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

तेल और गैस परिसंपत्तियों को "उत्पादन की इकाई विधि" का उपयोग करके समाप्त किया जाता है। कमी की दर की गणना व्यक्तिगत पट्टे/लाइसेंस/परिसंपत्ति/परिशोधन आधार द्वारा कवर किए गए क्षेत्र के संदर्भ में की जाती है, जिसमें सिद्ध विकसित भंडार और अनुमानित भविष्य के विघटन/परिस्थिति लागत शुद्ध बचाव मूल्य सहित संबंधित पूँजीगत लागत पर विचार किया जाता है। तेल और गैस परिसंपत्तियों की अधिग्रहण लागत सिद्ध भंडार पर विचार करके समाप्त की जाती है। इन भंडारों का अनुमान समूह की रिजर्व अनुमान समिति द्वारा सालाना लगाया जाता है, जो अंतर्राष्ट्रीय जलाशय इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं का पालन करती है।

#### (ii) अन्य परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण

उत्पादन, आपूर्ति या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए निर्माण के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (तेल और गैस परिसंपत्तियों के अलावा) को लागत पर रखा जाता है, जिसमें से कोई भी मान्यताप्राप्त हानि घटा दी जाती है। किसी परिसंपत्ति की लागत में उसका खरीद मूल्य या उसकी निर्माण लागत (लागू कर क्रेडिट का शुद्ध), परिसंपत्ति को प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से संचालन करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक स्थान और स्थिति में लाने के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार कोई भी लागत और डीकमीशनिंग लागत शामिल होती है। इसमें पेशेवर शुल्क और, योग्य परिसंपत्तियों के लिए, समूह की लेखांकन नीति के अनुसार पूँजीकृत उधार लागत शामिल है।

पीपीई की किसी मद के अलग-अलग उपयोगी जीवन और महत्वपूर्ण मूल्य वाले हिस्से और पूँजी सुधार या अन्य कारकों के कारण संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर होने वाले बाद के खर्च को अलग-अलग घटकों के रूप में हिसाब में लिया जाता है। रिंग और जहाजों की ड्राइ डॉकिंग पर खर्च को प्रासंगिक परिसंपत्तियों के घटक के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

माल या सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में उपयोग के लिए या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रखी गई भूमि और इमारतों को तुलन-पत्र में लागत घटाकर संचित मूल्यव्याप्ति और हानि हानि, यदि कोई हो, पर दर्शाया जाता है। फ्रीहोल्ड भूमि और स्थायी पट्टे के तहत भूमि का मूल्यव्याप्ति नहीं किया जाता है। हालाँकि, विदेशी तेल और गैस संचालन से संबंधित फ्रीहोल्ड भूमि का मूल्यव्याप्ति लाइसेंस अवधि की अवधि में सीधी रेखा के आधार पर किया जाता है।

अनुरंगी कंपनी एचपीसीएल के मामले में, संयंत्रों/सुविधाओं से संबंधित तकनीकी जानकारी/लाइसेंस शुल्क को अंतर्निहित परिसंपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में पूँजीकृत किया जाता है। साथ ही, गैस वितरण प्रणालियों को तब चालू माना जाता है जब गैस की आपूर्ति अलग-अलग बिंदुओं तक पहुँच जाती है। अनुमानित उपयोगी जीवन, अवशिष्ट मूल्य और मूल्यव्याप्ति विधि की वार्षिक आधार पर समीक्षा की जाती है और यदि आवश्यक हो, तो अनुमानों में परिवर्तनों को भावी रूप से हिसाब में लिया जाता है।

इन पीपीई का मूल्यव्याप्ति तब शुरू होता है जब परिसंपत्तियाँ अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार होती हैं।

पूँजीगत सुधारों या अन्य कारकों के कारण पीपीई पर होने वाले बाद के व्यय पर मूल्यव्याप्ति शेष उपयोगी जीवन पर भावी रूप से प्रदान किया जाता है।



अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के मामले में, मूल्यव्यापास जोड़ने/हटाने के महीने सहित मासिक आधार पर आनुपातिक आधार पर जोड़ने/हटाने पर लगाया जाता है।

पीपीई की किसी मद को निपटान के समय अथवा परिसंपत्ति के सतत उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ प्रत्याशित न होने पर विमान्य कर दिया जाता है। पीपीई की किसी मद के निपटान या हटाए जाने पर होने वाले किसी लाभ या हानि का निर्धारण बिक्री प्राप्तियों तथा परिसंपत्ति की वहन राशि के मध्य अंतर के रूप में किया जाता है और उसे लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है।

**समूह निम्नलिखित आधार पर अपने मूल्यव्यापास को लेखांकित करता है :**

(क) मूल्यव्यापास – अन्वेषण तथा उत्पादन (ई एण्ड पी) के पीपीई (फ्री-होल्ड भूमि, तेल तथा गैस परिसंपत्तियों और निर्माणाधीन संपत्तियों के अतिरिक्त)

मूल्यव्यापास ई एण्ड पी प्रचालनों के पीपीई की लागत घटा उनके अवशिष्ट मूल्यों पर, मूल्यव्यापासित पद्धति (सिवाय पूँजीकृत ड्राइ डॉकिंग घटकों के) का उपयोग करते हुए कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-2 में बताए गए अनुसार अथवा कंपनी द्वारा किए गए तकनीकी आकलन के आधार पर किया जाता है। विदेशी ब्लॉकों से संबंधित पीपीई के मामले में जहां लाइसेंस अवधि पीपीई के उपयोगी जीवनकाल से कम है, कंपनी उस वित्तीय वर्ष में पीपीई का पश्चलेखन करती है जिसमें लाइसेंस समाप्त हुआ हो अथवा ब्लॉक का अभ्यर्पण किया गया हो, यदि पीपीई से कोई भविष्य का आर्थिक लाभ प्रत्याशित नहीं है तो। इन परिसंपत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवनकाल निम्नानुसार :

विवरण	उपयोगी जीवनकाल वर्षों में
भवन तथा बंक गृह	3 से 60
संयंत्र और मशीनरी	2 से 40
फर्नीचर एवं फिक्सचर	3 से 25
वाहन, जहाज और नौकाएं	3 से 20
कार्यालय उपकरण	2 से 20

नवीकृत/पुनरुद्धार किए गए पीपीई पर मूल्यव्यापास, जिन्हें पृथक रूप से पूँजीकृत किया जाता है, पुनः आंकलित उपयोगी जीवनकाल पर किया जाता है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-2 में निर्दिष्ट जीवनकाल से अधिक नहीं है।

संगत रिग/वेसल के घटक के रूप में पूँजीकृत रिग तथा वेसलों की ड्राइ डॉकिंग संबंधी व्यय पर मूल्यव्यापास को सीधी रेखा पद्धति पर ड्राइ डॉक अवधि पर प्रभारित किया जाता है।

अन्वेषणात्मक/विकास डिलिंग हेतु प्रयुक्त सपोर्ट उपकरण तथा सुविधाओं सहित पीपीई (तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अतिरिक्त) पर मूल्यव्यापास को प्रारंभ में डिलिंग लागत के भाग के रूप में पूँजीकृत किया जाता है और उसका व्यय/निपटान किया जाता है। सर्वेक्षण क्रियाकलापों हेतु नियोजित उपकरण/परिसंपत्तियों पर मूल्यव्यापास को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण पर प्रभारित किया जाता है।

(ख) मूल्यव्यापास – रिफाइनिंग और विपणन, खनिज तेल परिवहन व्यापार का पीपीई (फ्री-होल्ड भूमि तथा निर्माणाधीन संपत्तियों के अतिरिक्त)

मूल्यव्यापास पीपीई की लागत घटा रिफाइनरी, पेट्रोरसायन, खनिज तेल परिवहन तथा एलएनी प्रचालन व्यापार से संबद्ध परिसंपत्ति के अवशिष्ट मूल्य पर सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करके कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-2 में निर्दिष्ट उपयोगी जीवनकाल दर मुहैया करवाया जाता है सिवाय संयंत्र तथा उपकरण के कुछ घटकों के मामले में जिनका उपयोगी जीवनकाल तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है। उपयोगी जीवनकाल निम्नानुसार है:

विवरण	उपयोगी जीवनकाल वर्षों में
भवन	3&60
संयंत्र और मशीनरी	2&42
फर्नीचर	3&15
कार्यालय उपकरण	3&15
वाहन	4&15
रेलवे साइडिंग	15
सड़क	5

रिफाइनिंग और विपणन व्यापार के संबंध में निम्नलिखित परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवनकाल आंतरिक तकनीकी मूल्यांकन पर आधारित होता है :

विवरण	उपयोगी जीवनकाल वर्षों में
खुदरा आउटलेट से संबंधित संयंत्र और मशीनरी (भड़ारण टैक तथा संबंधित उपकरण के अतिरिक्त)	15 वर्ष
डिस्पैसिंग यूनिट	10 वर्ष
केवर्न ढांचा	60 वर्ष
एलपीजी सिलेण्डर और रेगुलेटर (बिक्री के लिए धारित सिलेण्डरों के अलावा)	15 वर्ष
सीएनजी कम्प्रेसर	10 वर्ष
सीएनजी कास्केड और सीएनजी स्टेशनों में एसएस ट्यूबिंग	20 वर्ष
फर्नीचर नीति के अंतर्गत कर्मचारियों को मुहैया करवाई गई परिसंपत्तियां	3 से 6 वर्ष

विशिष्ट व्यवस्थाओं के तहत कवर की गई परिसंपत्तियों के मामले में, जैसे कि रेलवे उपभोक्ता डिपो के साथ किए गए समझौते, उपयोगी जीवन समझौते या अधिनियम की अनुसूची ।। के अनुसार लिया जाता है, जो भी कम हो।

अवशिष्ट मूल्य (आधार ऐतिहासिक डाटा) :

विवरण	अवशिष्ट मूल्य
एलपीजी सिलेण्डर और प्रेशर रेगुलेटर	मूल लागत का 25 प्रतिशत
नोबल धातु तत्व के साथ उत्प्रेरक	नोबल धातु तत्व की मूल लागत का 90 प्रतिशत

अत्यधिक मूल्य वाले (किसी परिसंपत्ति विशेष के मूल्य का 5 प्रतिशत) योजित शटडाउन के कारण पुनरुद्धार तथा मरम्मत पर किए गए व्यय को पीपीई के संगत मदों के घटक के रूप में पूँजीकृत किया जाता है और इसका मूल्यांक्स अगले शटडाउन की अवधि तक सीधी रेखा पद्धति के आधार पर मुहैया करवाया जाता है। एक वर्ष से अधिक का जीवनकाल होने वाले उत्प्रेरक को संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के रूप में पूँजीकृत किया जाता है और इसका उत्प्रेरक का उपयोग प्रारंभ किए जाने पर आपूर्तिकार द्वारा निर्दिष्ट गारंटीबद्ध उपयोगी जीवनकाल / तकनीकी मूल्यांकन (जो भी पहले हो) पर मूल्यांक्स किया जाता है।

लीजहोल्ड भूमि पर निर्मित अचल परिसंपत्तियों के संबंध में, अनुसूची ।। के अनुसार उपयोगी जीवन या भूमि की पट्टा अवधि (नवीकरणीय / संभावित नवीकरणीय अवधि सहित) जो भी पहले हो, पर विचार किया गया है।

### 3.10 पट्टा देयताएं और उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियां

यह निर्धारित करने के लिए कि क्या कोई अनुबंध किसी पहचान की गई संपत्ति के उपयोग के नियंत्रण का अधिकार देता है, समूह यह आकलन करता है कि क्या :

- (i) अनुबंध में किसी पहचानी गई परिसंपत्ति का उपयोग शामिल है,
- (ii) समूह को पट्टे की अवधि के माध्यम से परिसंपत्ति के उपयोग से सभी आर्थिक लाभ पर्याप्त रूप से प्राप्त होते हैं
- (iii) समूह के पास परिसंपत्ति के उपयोग को निर्देशित करने का अधिकार है।

समूह ने अमूर्त परिसंपत्तियों के पट्टों पर इस मानक को लागू नहीं करने का विकल्प छुना है।

'पट्टाधारी' के रूप में समूह

पट्टा शुरू होने की तारीख को, समूह आस्ति उपयोग अधिकार (आरओयू परिसंपत्ति) तथा ऐसे सभी हायरिंग अनुबंधों/व्यवस्थाओं के लिए एक तदनुरूपी पट्टा देयता को मान्यता देता है, जिसमें वह पट्टेदार होता है, सिवाय उस पट्टे के जिसकी अवधि बारह महीने या उससे कम है (यानी अल्पकालिक पट्टे) और कम मूल्य वाली अस्तियों के। इन अल्पकालिक और कम मूल्य के पट्टों के लिए, समूह पट्टे की अवधि के आधार की तुलना में प्रत्यक्ष आधार पर पट्टे के भुगतान को मान्यता देता है।

पट्टे की कुछ व्यवस्थाओं में पट्टे की अवधि समाप्त होने से पहले पट्टे का विस्तार करने या उसे समाप्त करने के विकल्प शामिल हैं। आरओयू आस्तियां और पट्टा देयताओं में ये विकल्प शामिल हैं, जब यह युक्तियुक्त रूप से निश्चित है कि उनका उपयोग किया जाएगा।

पट्टे की देयता को प्रारंभ युक्तियुक्त करिताप्य पट्टा अवधि की तुलना में पट्टे के भावी भुगतान के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है। पट्टे के भुगतानों उस स्थिति में पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग करते हुए छूट दी जाती है, यदि यह वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करते हुए तत्काल ही निर्धारणयोग्य नहीं है। समान विशेषताओं वाले पट्टों के लिए, समूह, पट्टा—दर—पट्टा के आधार पर, पट्टे के लिए विशिष्ट वृद्धिशील उधार दर या समग्र रूप से पोर्टफोलियो के लिए वृद्धिशील उधार दर लागू करता है।

पट्टा देयताओं को संबंधित उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति के तदनुरूपी समायोजन के साथ मापा जाता है यदि समूह अपने आकलन का इस प्रकार परिवर्तन करता है कि क्या यह एक विस्तार का विकल्प लेगा या समाप्ति का।

उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियों को शुरू में लागत पर मान्यता दी जाती है, जिसमें पट्टे की देयता के प्रारंभिक माप की राशि शामिल होती है, जो किसी भी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत, बहाली दायित्वों और प्राप्त पट्टा प्रोत्साहन के साथ पट्टे की प्रारंभिक तारीख को अथवा उससे पूर्व किए गए किसी पट्टा भुगतान के लिए समायोजित किए जाते हैं।

इसके उपरांत, परिसंपत्ति उपयोग—अधिकार को लागत पर मापा जाता है तथा तथा उसमें किसी भी संचित मूल्यांक्स और संचित अवरोध नुकसान, यदि कोई हो, को घटा दिया जाता है। आस्ति उपयोग—अधिकार को आस्ति उपयोग—अधिकार के पट्टे की अल्प अवधि अथवा सामान्य जीवन की तुलना में प्रारंभिक तारीख से स्ट्रेट—लाइन पद्धति का उपयोग करके इसित किया जाता है। तथापि, पट्टा अवधि के अंत में पट्टाधारी को अंतरित ऐसी उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियों



के स्वामित्व के मामले में, ऐसी परिसंपत्तियों को संबंधित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर मूल्यांशित किया जाता है।

अनिगमित संयुक्त प्रचालनों के मामले में, प्रचालक पूरे पूर्ण पट्टा देयता को मान्यता देता है, जैसे, संविदा पर हस्ताक्षर करके, इसकी तृतीय पक्ष आपूर्तिकर्ता के प्रति दायित्व के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है। इसलिए, अनुबंध के प्रावधानों और किन्हीं भी अन्य प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर, निम्न समूह की प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है, यदि, उसे तुलना-पत्र में मान्यता दी गई है : (i) संपूर्ण पट्टा देयता और (ii) संपूर्ण सम्पत्ति-उपयोग-अधिकार, जब तक कि संयुक्त प्रचालकों के साथ एक उप-पट्टा न हो। दूसरी ओर, यदि पट्टा संविदा पर उद्यम के सभी भागीदारों द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं, तो समूह अपने कार्यकरण के हित के आधार पर सम्पत्ति-उपयोग-अधिकार और पट्टे की देयता के अपने भाग को मान्यता देता है। यदि समूह के पास पट्टा देयता के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी नहीं है, तो वह पट्टा संविदा से संबंधित किसी भी सम्पत्ति-उपयोग-अधिकार को मान्यता नहीं देता है।

लीज देनदारी पर व्याज लागत (प्रभावी व्याज पद्धति का उपयोग करके परिकलित) को लाभ और हानि के समेकित विवरण में व्यय किया जाता है, जब तक कि वह 'उधारियों की लागत' पर निम्न लेखांकन नीति के अनुसार पूंजीकरण के लिए पात्र न हो।

समूह अनुबंध के भीतर प्रत्येक पट्टा घटक के लिए इंड एएस 116 के अनुसार अनुबंध के गैर-पट्टा घटकों से पृथक् एक पट्टे के रूप में हिसाब में लेती पट्टा घटक के सापेक्षी एकल मूल्य गैर-पट्टा घटकों के संचित एकल मूल्य के आधार पर प्रत्येक पट्टे घटक के लिए अनुबंध में विचारण को आवंटित करता है, अनुषंगी एचपीसीएल के मामले को छोड़कर जिसने एक एकीकृत पट्टा संविदा के रूप में किसी संविदा या खाते को नहीं चुना है जिसमें मानक में निर्धारित व्यावहारिक प्रणाली का उपयोग करके अंतर्निहित परिसंपत्तियों को शामिल किया गया है, और इसका समेकित वित्तीय विवरणों पर गैर-महत्वपूर्ण प्रभाव है।

#### पट्टाकार के रूप में समूह :

किसी पट्टे को एक वित्त पट्टे के रूप में उस स्थिति में वर्गीकृत किया जाता है, यदि यह अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व के आनुषंगिक सभी जोखिमों और प्रतिफलों को स्थानांतरित करता है। अन्य सभी मामलों में, इसे परिचालन पट्टे के रूप में माना जाता है।

परिचालन पट्टे से किराये की आय को संबंधित पट्टे की अवधि के दौरान सीधी रेखा के आधार पर मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि जहाँ कोई अन्य व्यवस्थित आधार पट्टे पर दी गई परिसंपत्ति से प्राप्त लाभ के समय पैटर्न का अधिक का प्रतिनिधित्व करता हो।

### 3.11 अमूर्त परिसंपत्तियां

#### (i) अलग से खरीदी गई अमूर्त परिसंपत्तियां :

अलग से अधिग्रहण की गई अनिश्चित उपयोगी जीवनकाल वाली अमूर्त परिसंपत्तियों को लागत घटा संचित परिशोधन और क्षति हानियां, यदि कोई हो, पर वहन किया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्तियों को संचित परिशोधन और संचित क्षति हानियों, यदि कोई हो, की निवल लागत पर वहन किया जाता है। विकास लागतों के अतिरिक्त आंतरिक रूप से सृजित अमूर्त परिसंपत्तियों का पूंजीकरण नहीं किया जाता और संबंधित व्यय को उस अवधि के लाभ एवं हानि विवरण में प्रदर्शित किया जाता है जिसमें व्यय किया गया हो। विकास लागतों को परियोजना की तकनीकी तथा वाणिज्यिक व्यवहार्यता को प्रदर्शित किए जाने, भविष्य के आर्थिक लाभों के संबाय्य होने, समूह के परिसंपत्ति के उपयोग या बिक्री की मंशा तथा क्षमता के पूर्ण होने और लागत के विश्वसनीय ढंग से मापन किए जा सकने पर पूंजीकृत किया जाता है।

शोध व्यय को तब व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जब वह उपगत किया जाता है। विकास व्यय को निर्दिष्ट शर्तों की पूर्ति के अध्यधीन एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है।

ऐसे मामलों में जहाँ समूह ने परिसंपत्तियों का निर्माण किया है और समूह के पास उपयोग का केवल अधिमानी अधिकार है, इन परिसंपत्तियों को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और इनके उपयोगी जीवनकाल अथवा समझौते की अवधि, जो भी कम हो, पर परिशोधित किया जाता है (अवशिष्ट मूल्य के प्रतिधारण के पश्चात, यदि लागू हो)।

निश्चित उपयोगी जीवनकाल वाली अमूर्त परिसंपत्तियां जिन्हें पृथक् रूप से अधिगृहीत किया गया हो, उन्हें उनके अनुमानित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी –रेखा आधार पर परिशोधित किया जाता है।

ऐसी परिसंपत्तियाँ जहाँ उत्पन्न संपूर्ण आउटपुट को परिसंपत्ति के लगभग संपूर्ण उपयोगी जीवन के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई (सरकारी निकाय सहित) को बेचने के लिए प्रतिबद्ध किया जाता है, उन्हें भारतीय लेखा मानक की आवश्यकताओं के अनुसार अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उनके उपयोगी जीवन पर परिशोधित किया जाता है (यदि लागू हो तो अवशिष्ट मूल्य को बनाए रखने के बाद)।

अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है और अनुमान में किसी भी परिवर्तन के प्रभाव को भावी रूप से हिसाब में लिया जाता है और हानि के लिए परीक्षण किया जाता है। अनिश्चित उपयोगी जीवन वाली अमूर्त संपत्तियाँ जैसे कि

राईट ऑफ वे परिशोधन के अधीन नहीं हैं और यदि कोई हो, तो संचित बाधात्मक हानि को घटाकर लागत पर ले जाया जाता है। प्रत्येक अवधि में उपयोगी जीवन की समीक्षा यह निर्धारित करने के लिए की जाती है कि क्या घटनाएँ और परिस्थितियाँ उस संपत्ति के लिए अनिश्चित उपयोगी जीवन मूल्यांकन का समर्थन करना जारी रखती हैं।

अनिश्चित उपयोगी अवधि वाली अमूर्त परिसंपत्तियां, जैसे कि 'मार्ग का अधिकार' जौ शाश्वत और निरपेक्ष प्रकृति का है, का परिशोधन नहीं किया जाता है, बल्कि उनकी वार्षिक रूप से हानि के लिए जांच की जाती है।

किसी अमूर्त परिसंपत्ति को निपटान अथवा उपयोग या निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ न होने की संभावना पर विमान्य किया जाता है। किसी अमूर्त परिसंपत्ति को विमान्य किए जाने से उत्पन्न होने वाले लाभों तथा हानियों का मापन निवल निपटान प्राप्तियों तथा परिसंपत्ति की वहन राशि के मध्य अंतर के रूप में किया जाता है और इसे परिसंपत्ति को विमान्य किए जाने पर समेकित लाभ एवं हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

उत्पादन प्रक्रिया तथा प्रक्रिया डिजाइन से संबंधित तकनीकी ज्ञान / लाइसेंस शुल्क को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है।

अमूर्त परिसंपत्तियों (अधिगृहीत) का उपयोगी जीवनकाल निम्नानुसार है:  
साफ्टवेयर – 2 से 10 वर्ष

तकनीकी ज्ञान / लाइसेंस शुल्क – 2 से 10 वर्ष

लाइसेंस और फ्रेन्चाइजी – 3 वर्ष

पवन मिल को उपयोग करने का अधिकार – 22 वर्ष

## (ii) विकास के अधीन होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियां – निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कुएँ :

अन्वेषणात्मक तथा मूल्यांकन कुओं के वेधन तथा उन्हें उपकरण प्रदान किए जाने में वहन की गई सारी अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागतों को प्रारंभ में विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियों-प्रगतिशीन अन्वेषण गत्वात् कुएँ के रूप में पूंजीकृत किया जाएगा जब तक कि इन्हें या तो नोट संख्या 3.9 के अनुसार पूर्णता पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करवाया जाए अथवा शुक्र या और उपयोग न होने, जैसा भी मामला हो, वाले के रूप में निर्धारित किए जाने के पश्चात अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यांकन सहित) के रूप में व्यय दर्शाया जाए।

अन्वेषणात्मक प्रकार के स्ट्रेटीगिक जांच कुओं की डिलिंग की लागत को प्रारंभ में विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियों-प्रगतिशीन अन्वेषणात्मक कुएँ के रूप में पूंजीकृत किया जाएगा जब तक कि इन्हें या तो पूर्णता पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करवाया जाए अथवा शुक्र या पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस/ फील्ड/ परियोजना को छोड़ने, जैसा भी मामला हो, वाले के रूप में निर्धारित किए जाने के पश्चात अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यांकन सहित) के रूप में व्यय दर्शाया जाए।

आगे न ले जाए गए अन्वेषणात्मक कुओं की लागत जब तक यह तर्कसंगत रूप से दर्शाया न जाए कि भड़ारों की पर्याप्त मात्रा के संकेत हैं भंडारों का आकलन करने में पर्याप्त प्रगति हुई है तथा परियोजना आर्थिक एवं प्रचालन रूप से अर्थक्षम है। आगे ले जाई गई ऐसी सारी लागतें समूह की नीति के अनुसार क्षति हेतु समीक्षा के अधीन हैं।

## (iii) प्रगतिशील अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियाँ

विकास क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण की लागत को प्रारंभ में 'प्रगतिशील अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्ति' के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और इट्पणी संख्या 3.9 के अनुसार सर्वेक्षण खाद्यग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या (एपीआई), गतिविधि के समापन पर तेल और गैस परिसंपत्तियों में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

## 3.12 मूर्त, परिसंपत्तियों की क्षति (साख के अतिरिक्त) और उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियां

समूह प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किसी "नकदी उत्पादन इकाई" (सीजीयू) की अपनी मूर्त तथा अमूर्त परिसंपत्तियों (तेल तथा गैस परिसंपत्तियां, निर्माणाधीन विकासात्मक कूप (डीडल्यूआईपी), और संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (निर्माणाधीन पूंजी कार्यों सहित)) की समीक्षा यह निर्धारित करने के लिए करता है कि क्या इसका कोई संकेत है कि ऐसी परिसंपत्तियों को हानि हुई है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद होता है तो परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान हानि क्षति (यदि कोई हो) की सीमा के निर्धारण के लिए लगाया जाता है। जब किसी पृथक संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाना संभव नहीं होता तो समूह उस परिसंपत्ति के नकदी उत्पादन इकाई की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाता है।

"मार्ग का अधिकार" जैसी अनिश्चितकालीन उपयोगी जीवनकाल वाली अमूर्त परिसंपत्तियों और अभी उपयोग हेतु उपलब्ध न होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियों का परीक्षण कम से कम वार्षिक तौर पर या जब कभी परिसंपत्ति में क्षति का कोई संकेत हो तो क्षति हेतु उनकी जांच की जाती है।



वसूली योग्य राशि उचित मूल्य घटा निपटान की लागत तथा उपयोग के मूल्य से अधिक होगी। उपयोग में होने वाले मूल्य का आकलन करते समय अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाहों को एक कर-पूर्व छूट दर का उपयोग करते हुए उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य के वर्तमान बाजार आकलन और उस परिसंपत्ति से जुड़े विशिष्ट जोखिमों को दर्शाता है जिसके लिए भविष्य के नकदी प्रवाह के अनुमानों को समायोजित नहीं किया गया है।

यदि किसी परिसंपत्ति (अथवा नकदी उत्पादन इकाई) की वसूली योग्य राशि का अनुमान इसकी वहन राशि से कम लगाया गया हो तो परिसंपत्ति (अथवा नकदी उत्पादन यूनिट) की वहन राशि को कम करके उसकी वसूली योग्य राशि तक लाया जाता है। क्षति को तत्काल समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में यह देखने के लिए एक आकलन किया जाता है कि इसके कोई संकेत हैं कि पहले पहचान की गई हानि क्षति के कोई संकेत अब मौजूद हैं अथवा कम हो गए हैं। पिछली हानि को मान्यता दिए जाने के समय से परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि के निर्धारण में प्रयुक्त अनुमानों में कोई परिवर्तन होने से हानि को वापिस किया जाता है। यदि ऐसा हो तो परिसंपत्ति की वहन राशि को बढ़ाकर इसके वसूली योग्य मूल्य से कम पर लाया जाता है और मूल्यहास के निवल निर्धारित की गई वहन राशि में पिछले वर्षों हेतु किसी क्षति हानि को मान्यता नहीं दी जाती है। वापिस किए जाने के पश्चात मूल्यहास प्रभार को भविष्य की अवधियों में परिसंपत्ति की संशोधित वहन राशि को आवंटित किया जाता है, किसी अवशिष्ट मूल्य को घटाते हुए, इसके शेष उपयोगी जीवनकाल में एक व्यवस्थित आधार पर हानि क्षति की वापिसी को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

अन्वेषणात्मक और मूल्यांकन परिसंपत्तियों का क्षति हेतु परीक्षण उस स्तर पर किया जाता है जब निकट भविष्य में आगे के अन्वेषण क्रियाकलापों की योजना नहीं बनाई जाती अथवा जब यह दर्शाने के लिए पर्याप्त डाटा मौजूद होता है कि यद्यपि विशिष्ट क्षेत्र में एक विकास के होने की संभावना है, अन्वेषण परिसंपत्ति की वहन राशि को सफल विकास या बिक्री द्वारा पूरी तरह से वसूले जाने की संभावना नहीं है। क्षति को बाद में इस सीमा तक वापिस किया जाता है कि क्षति हेतु स्थितियों अब मौजूद नहीं हैं।

#### प्रतिभागिता अधिकारों से संबंधित खरीद लागत की क्षति

क्षति परीक्षण के प्रयोजनों हेतु खरीद लागत को समूह के उन सीजीयू (अथवा सीजीयू के समूहों) में से प्रत्येक को आवंटित किया जाता है जिनकी संयोजन की सहक्रियाओं से लाभान्वित होने की आशा होती है।

खरीद लागत आवंटित किए गए किसी सीजीयू का परीक्षण क्षति हेतु वार्षिक रूप से तब किया जाता है जब यह संकेत हो कि यूनिट को क्षति होगी। यदि नकदी उत्पादन यूनिट की वसूली योग्य राशि उसकी वहन राशि से कम है तो यूनिट को आवंटित किसी खरीद लागत की वहन राशि को कम करने के लिए पहले क्षति हानि को आवंटित किया जाता है और फिर यूनिट की अन्य परिसंपत्तियों को यथा अनुपात आधार पर यूनिट में प्रत्येक परिपत्ति की वहन राशि पर। खरीद लागत हेतु मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि को बाद की अवधियों में वापिस नहीं किया जाता है।

संगत सीजीयू के निपटान पर अधिग्रहण लागत की आरोप्य वहन राशि को निपटान पर लाभ तथा हानि के निर्धारण में शामिल किया जाता है।

#### 3.13 कैरीड इंटरेस्ट

कैरीड इंटरेस्ट एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत संयुक्त व्यवस्था का एक पक्ष (कैरीग पार्टी) दूसरे पक्ष (कैरीड पार्टी) की पूर्व-उत्पाद लागत के हिस्से का भुगतान करने के लिए सहमत होता है। कैरीड इंटरेस्ट की राशि परियोजना से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने पर कैरीड पार्टी द्वारा चुकाई जाती है।

समूह अंतर्निहित समझौते के अनुसार नकद या वस्तु के रूप में कैरीड पार्टी द्वारा पुनर्भुगतान के तरीके के आधार पर क्रमशः वित्तीय परिसंपत्तियों या अन्य परिसंपत्तियों के रूप में कैरीड इंटरेस्ट को मान्यता देता है।

अन्वेषण चरण के तहत किसी परियोजना के संबंध में मान्यताप्राप्त कैरीड इंटरेस्ट राशि वाणिज्यिक खोज की अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए उसी वर्ष प्रदान की जाती है। अन्वेषण परियोजना की खोज और विकास की शुरुआत पर प्रावधान उलट दिए जाते हैं।

विकास चरण के तहत एक परियोजना के संबंध में मान्यताप्राप्त कैरीड इंटरेस्ट राशि को लागत घटा हानि, यदि कोई हो, को कम करके कैरीड किया जाता है।

#### 3.14 अन्वेषण और मूल्यांकन, विकास एवं उत्पादन लागत

##### (1) अधिग्रहण-पूर्व लागत

तेल एवं गैस के अन्वेषण, विकास और उत्पादन के अधिकार को प्राप्त करने से पूर्व किए गए व्यय को किए जाने पर लिया जाता है।

##### (2) अधिग्रहण लागत

तेल एवं गैस संपत्ति की अधिग्रहण लागत खनिज हित को प्राप्त करने से संबंधित लागत है और उसका लेखांकन उपचार निम्नानुसार किया जाता है :-

## अन्वेषण और विकास चरण :

अन्वेषण या विकास के अंतर्गत होने वाली परियोजनाओं से संबंधित अधिग्रहण लागत को प्रारंभ में क्रमशः विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां – निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कुएं अथवा विकासाधीन तेल और गैस परिसंपत्तियां – निर्माणाधीन विकासात्मक कूप के रूप में लेखांकित किया जाता है। ऐसी लागतों को तब तेल और गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करते हुए पूँजीकृत किया जाता है जब कुआं वाणिजिक उत्पादन प्रारंभ करने के लिए तैयार हो जाता है। विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों – निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूपों के परित्याग/छोड़ दिए जाने के मामले में, ऐसी लागतों को बट्टे खाते में डाला जाता है।

## उत्पादन चरण :

उत्पादनशील तेल एवं गैस परिसंपत्ति की अधिग्रहण लागत को तेल तथा गैस परिसंपत्ति के अंतर्गत प्रमाणित संपत्ति अधिग्रहण लागत के रूप में पूँजीकृत किया जाता है और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के प्रमाणित भंडारों पर उत्पादन पद्धति की इकाई का उपयोग करते हुए परिशोधित किया जाता है।

### (3) सर्वेक्षण लागत

सर्वेक्षण लागत तथा तेल एवं गैस की खोज में संचालित सर्वेक्षण क्रियाकलापों को उसी वर्ष में अन्वेषण लागत के रूप में व्यय में दर्शाया जाता है, जिसमें उन्हें व्यय किया जाता है। विकास क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण की लागत को शुरू में 'अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्ति प्रगति पर' के रूप में पूँजीकृत किया जाता है और सर्वेक्षण (एपीआई) गतिविधि के समापन पर 'तेल और गैस परिसंपत्तियों' में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

### (4) विकासाधीन तेल और गैस परिसंपत्ति – निर्माणाधीन विकास कूप

विकास कुओं से संबंधित सभी लागतों को प्रारंभ में "प्रगतिधीन विकास कुए" के रूप में पूँजीकृत किया जाता है और "पूर्णता" पर "तेल और गैस परिसंपत्तियों" को अंतरित किया जाता है।

### (5) उत्पादन लागत

उत्पादन लागत में सहायक उपस्कर एवं सुविधाओं के मूल्यहास एवं लागू प्रचालन लागतों सहित कूप–पूर्व शीर्ष एवं कूप–पश्चात शीर्ष व्यय सम्मिलित रहते हैं।

### (6) प्रतिभागिता अधिकारों से संबंधित खरीद लागत की क्षति

क्षति परीक्षण के प्रयोजनों हेतु खरीद लागत को समूह के उन सीजीयू (अथवा सीजीयू के समूहों) में से प्रत्येक को आवंटित किया जाता है जिनकी संयोजन की सहक्रियाओं से लाभान्वित होने की आशा होती है।

खरीद लागत आवंटित किए गए किसी सीजीयू का परीक्षण क्षति हेतु वार्षिक रूप से तब किया जाता है जब यह संकेत हो कि यूनिट को क्षति होगी। यदि नकदी उत्पदन यूनिट की वसूली योग्य राशि उसकी वहन राशि से कम है तो यूनिट को आवंटित किसी खरीद लागत की वहन राशि को कम करने के लिए पहले क्षति हानि को आवंटित किया जाता है और फिर यूनिट की अन्य परिसंपत्तियों को यथा अनुपात आधार पर यूनिट में प्रत्येक परिपत्ति की वहन राशि पर। खरीद लागत हेतु मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि को बाद की अवधियों में वापिस नहीं किया जाता है। संगत सीजीयू के निपटान पर अधिग्रहण लागत की आरोप्य वहन राशि को निपटान पर लाभ तथा हानि के निर्धारण में शामिल किया जाता है।

### 3.15 साइड ट्रैकिंग

अन्वेषणात्मक कुएं के मामले में, साइड ट्रैकिंग की लागत के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा कि किसी नए अन्वेषणात्मक कुएं पर व्यय की गई लागत के साथ। साइड ट्रैक किए गए अन्वेषण गतिविधि के परित्यक्त कूप की लागत को "बट्टेखाते में डाली गई अन्वेषणात्मक कूप लागत" के रूप में व्यय दर्शाया जाता है।

विकास कुएं के मामले में, परित्यक्त भाग और साइड ट्रैकिंग की समूची लागत को पूँजीकृत किया जाता है।

उत्पादक कुओं तथा विकास योजनाओं का भाग होने वाले सेवा कुओं की साइड ट्रैकिंग के मामले में, उन्हें विकास कुओं माना जाता है और साइड ट्रैकिंग पर वहन की गई लागत को पूँजीकृत किया जाता है।

उत्पादक कुओं और सेवा कुओं की साइड ट्रैकिंग के मामले में जो विकास योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और साइड-ट्रैकिंग के परिणामस्वरूप अतिरिक्त सिद्ध विकसित तेल और गैस भंडार बनते हैं या उनसे भविष्य के आर्थिक लाभ पहले से निर्धारित प्रदर्शन मानक से अधिक बढ़ जाते हैं, साइड ट्रैकिंग पर होने वाली लागत को पूँजीकृत किया जाता है, जबकि कुएं के परित्यक्त हिस्से की लागत सामान्य तरीके से समाप्त हो जाती है। अन्यथा, साइड ट्रैकिंग की लागत को 'वर्क-ओवर व्यय' के रूप में व्यय किया जाता है।

### 3.16 समाप्त किए जाने की लागतें

समाप्त की जाने की लागतों में पुनरुद्धार की लागत शामिल होती है। समाप्त किए जाने की लागतों हेतु प्रावधानों को मान्यता तब दी जाती है जब समूह की किसी कुएं को प्लग तथा परित्याग करने की कोई कानूनी या निर्माण संबंधी बाध्यता हो, किसी सुविधा अथवा संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की मद को हटाना हो और जिस स्थल पर वह स्थित था उसका पुनरुद्धार करना हो। समाप्त किए जाने, परित्याग किए जाने तथा कुओं स्थलों और संबंधित सुविधाओं के पुनरुद्धार से संबंधित लागतों के प्रति कुओं अंतिम अनुमानित देयता की पहचान



संबंधित परिसंपत्तियों में तब की जाती है जब कुआं/सुविधाएं पूर्ण हो अथवा संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरणों को स्थापित किया गया हो।

अनुमानित भविष्य के व्यय के वर्तमान मूल्य में मान्यता दी गई राशि का निर्धारण वर्तमान मूल्यों पर विद्यमान प्रौद्योगिकी का उपयोग करके तथा समाप्ति की प्रत्याशित तिथि तक उचित मुद्रास्फीति दर का उपयोग करके इसे बढ़ाकर और उचित जोखिम मुक्त छूट दर का प्रयोग करते हुए रिपोर्टिंग तिथि तक छूट देकर किया जाता है।

समाप्ति प्रावधान के समतुल्य राशि को अन्वेषणात्मक कुएं या संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की लागत के साथ मान्यता प्रदान की जाती है। शुक्त कुओं के संबंध में समाप्ति लागत का व्यय अन्वेषणात्मक कुओं लागत के रूप में किया जाता है।

छूट को आवधिक रूप से दिए जाने के अतिरिक्त अनुमानित समाप्ति व्यय के वर्तमान मूल्य में किसी परिवर्तन को समाप्ति प्रावधान तथा संबंधित परिसंपत्ति के तदनुरूपी वहन मूल्य में समायोजित किया जाता है। संबंधित परिसंपत्ति की वहन राशि में समाप्त किए जाने के प्रावधान के पूँजीकृत भाग की डब्ल्यूडीपी सहित, समाप्ति प्रावधान की वापिसी संबंधित परिसंपत्ति की तदनुरूपी वहन राशि से अधिक होने पर आधिक्य राशि को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है। प्रावधान पर छूट की समाप्ति को समेकित लाभ एवं हानि विवरण पर वित्त लागत के रूप में प्रभारित किया जाता है।

संयुक्त प्रचालनों के अंतर्गत होने वाले परिसंपत्तियों के संबंध में समाप्ति लागत हेतु प्रावधान संबंधित प्रचालन समिति द्वारा अनुमोदित अनुमान के आधार पर समूह के प्रतिभागिता हित के अनुसार किया जाता है। जहां उक्त को संबंधित प्रचालन समिति द्वारा अनुमोदित न किया जाए, समूह की परित्याग लागत अनुमानों पर विचार किया जाता है।

### 3.17 माल—सूची

#### (क) कच्चा माल और प्रक्रियाधीन स्टॉक – रिफाइनिंग तथा पेट्रोरसायन

कच्चे माल (कच्चा तेल) का मूल्य—निर्धारण फर्स्ट इन—फर्स्ट आउट (एफआईएफओ) पर लागत के आधार पर या शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। कच्चे तेल के अलावा कच्चे माल का मूल्य—निर्धारण भारित औसत लागत या निवल वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। स्टॉक—इन प्रक्रिया का मूल्य—निर्धारण कच्चे माल की लागत और संपरिवर्तन की लागत या शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। कच्चे माल को लागत से नीचे बढ़े खाते में नहीं डाला गया है, सिवाय उन मामलों के, जहां उनकी कीमतों में बाद में गिरावट आई है और यह अनुमान है कि तैयार माल की लागत उनके निवल वसूली योग्य मूल्य से अधिक हो जाएगी।

#### (ख) तैयार तथा अर्ध—तैयार वस्तुएँ :-

##### (1) अन्वेषण और उत्पादन प्रचालन (ई एण्ड पी)

तैयार माल (गंधक और कार्बन क्रेडिट को छोड़कर) तथा पाइपलाईनों/टैंकों में मालसूची एवं कार्बन क्रेडिट को लागत या शुद्ध उगाही योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया जाता है। तैयार माल की लागत समावेशन लागत विधि के आधार पर निर्धारित की जाती है।

समूह एकत्रीकरण स्टेशनों (जीजीएस) पर अर्द्ध—परिशोधित कच्चे तेल को अवशाषण लागत पद्धति से अथवा शुद्ध प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया जाता है।

समूह एकत्रीकरण स्टेशनों/प्लेटफॉर्म तक प्रवाह लाइनों में गैर परिशोधित स्थिति में खनिज तेल को मूल्यांकित नहीं किया जाता है क्योंकि यह मापन—योग्य नहीं है। प्राकृतिक गैस का मूल्यांकन नहीं किया जाता क्योंकि इसे भंडारित नहीं किया जाता है।

सल्फर (अवशिष्ट प्रकृति का होने के कारण) और कार्बन क्रेडिट का मूल्यांकन शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है।

तैयार माल और अर्ध—तैयार माल की लागत भारित औसत के आधार पर निर्धारित की जाती है।

##### (2) रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन

तैयार वस्तुओं (ल्यूब्रिकेंट के अतिरिक्त) की रिफाइनिंग तथा पेट्रोरसायन लागत का निर्धारण कच्चे माल की लागत, परिवर्तन लागत और उत्पाद शुल्क के आधार पर किया जाता है।

तैयार उत्पादों (ल्यूब्रिकेंट) का मूल्यांकन भारित औसत लागत या निवल वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

व्यापार में होने वाले स्टॉक का मूल्यांकन भारित औसत लागत आधार पर किया जाता है।

खाली पैकेज का मूल्यांकन भारित औसत लागत पर किया जाता है।

अर्ध तैयार वस्तुओं की लागत का निर्धारण कच्चे माल की लागत और अनुपातिक परिवर्तन लागत के आधार पर किया जाता है।

कच्चे माल/बॉण्डेड वेअर हाउस में पड़े माल पर सीमा शुल्क को लागू दरों पर मुहैया करवाया जाता है सिवाय वहां के जहां शुल्क के भुगतान का दायित्व प्रेषिती को अंतरित किया गया है।

विनिर्माण स्थलों पर पड़े तैयार स्टाक पर उत्पाद शुल्क को लागू शुल्क पर आधारित प्रत्येक स्थल पर लागू आंकलन योग्य मूल्य पर मुहैया करवाया जाता है।

तैयार वस्तुओं ओर व्यापार में होने वाले स्टॉक का निवल वसूली योग्य मूल्य तेल विपणन कंपनियों को बिक्री हेतु अंतिम बिक्री मूल्य

और स्थलों पर लागू डिपो मूल्य है। स्टॉक मूल्यांकन के प्रयोजन हेतु तेल विपणन कंपनियों को बिक्री और उपभोक्ता बिक्री के अनुपात का निर्धारण बाद की अवधि की स्थल-वार तथा उत्पाद वार बिक्री पर किया जाता है।

### (ग) भण्डार तथा कलपुर्जे

भण्डारों तथा कलपुर्जों की मालसूची का मूल्यांकन भारित औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। जहां कहीं भारित औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य उपलब्ध नहीं होता है, प्रचालक द्वारा उपलब्ध कराई गई लागत को भण्डार तथा कलपुर्जे के मूल्यांकन पर लिया जाता है। अप्रचलित तथा खपत न होने वाली मालसूची के लिए प्रावधान किया जाता है।

रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स खंड के मामले में, पूर्ण परियोजनाओं से हस्तांतरित होने पर अधिशेष मदों का मूल्य—निर्धारण आवधिक मूल्यांकन/स्थिति का निर्धारण किए जाने तक लागत/अनुमानित मूल्य पर किया जाता है। भंडार और स्पेयर इन-ट्रांजिट का मूल्य—निर्धारण लागत पर किया जाता है।

### 3.18 राजस्व मान्यता

समूह मुख्य रूप से कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, मूल्य वर्धित उत्पादों, पाइपलाइन परिवहन और प्रसंस्करण सेवाओं जैसे उत्पादों और सेवाओं की बिक्री से राजस्व प्राप्त करता है।

ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व को उस समय मान्यता दी जाती है जब कंपनी ग्राहक को किसी वादा किए गए उत्पाद या सेवा सके नियंत्रण को एक ऐसी राशि पर अंतरित करके निष्पादन बाध्यता को संतुष्ट करता है जो कंपनी छूट, कर या शुल्कों के निवल पर उत्पादों तथा सेवा की बिक्री से एवज में पात्र होने की प्रत्याशा करती हो। खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण का अंतरण डिलीवरी के बिंदु पर होता है जहां आमतौर पर स्वामित्व अंतरित किया जाता है और ग्राहक भौतिक कब्जा लेता है जो संविदात्मक रिथितियों पर निर्भर करता है। मूल्यों में किसी पश्चागामी संशोधन को ऐसे संशोधन के वर्ष में लेखांकित किया जाता है।

सेवा से राजस्व को उस लेखांकन अवधि में मान्यता प्रदान की जाती है जिसमें सेवाएं संविदात्मक सहमत दरों पर प्रदान की जाती हैं।

प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं/विकासाधीन तथा विकास कुओं से उत्पादित खनिज तेल और प्राकृतिक गैस की बिक्री (करों का निवल) की ऐसे कुओं पर किए गए व्यय में से कटौती की जाती है।

गैस की संविदात्मक कम उठान की गई मात्रा के संबंध में प्राप्त कोई भुगतान जिसके संबंध में आगे की अवधियों में गैस के ऐसे समायोजन की कोई बाध्यता मौजूद हो, को प्राप्ति के वर्ष में संविदात्मक देयताओं

के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है। गैस की ऐसी संविदात्मक का उठान की गई मात्रा के संबंध में राजस्व को तब मान्यता प्रदान की जाती है जब ऐसी गैस की वास्तव में आपूर्ति की जाती है या जब समायोजन का ग्राहक का अधिकार समाप्त हो जाता है, जो भी पहले हो।

खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस संपत्तियों, जिनमे समूह का अन्य उत्पादों के साथ हित निहित है, से उत्पादन से राजस्व को अवधि में उठान की गई वास्तविक मात्रा के आधार पर मान्यता दी जाती है।

खनिज तेल (कंडेसेट सहित) के संबंध में बेची गई मात्राओं रहित हकदार मात्रा के बीच रिपोर्टिंग तिथि को कोई अंतर यदि सकारात्मक (अर्थात् उठाई गई कम मात्रा) होता है, तब आनुपातिक उत्पादन को पूर्व प्रदत्त व्यय के रूप में माना जाता है, यदि ऋणात्मक (अर्थात् उठाई गई अधिक मात्रा हो) हो, तब लाभ एवं हानि के विवरण में तदनुरूपी प्रभार सहित खनिज तेल की अधिक उठाई गई मात्रा के समाधान के लिए भावी अवधि में पूर्व-निश्चय होने वाली खनिज तेल की मात्रा के संबंध में संयुक्त प्रचालन करार (जेओए) / उत्पादन भागीदारी संविदा (पीएसए) के अनुसार उत्पादन खर्चों में कंपनी के अनुपातिक अंश के सर्वोत्तम प्राकलन हेतु एक देयता सृजित की जाती है।

राजस्व का आवंटन वफादारी कार्यक्रमों तथा बिक्री के अन्य घटकों के मध्य किया जाता है और इसे तब राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है जब समूह ने कार्यक्रम की शर्तों के अधीन उत्पादों की आपूर्ति करने की अपनी बाध्यता को पूरा किया हो या जब इसकी संभावना न हो कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्लाइंट को भुनाया जाएगा। जब समूह किसी तृतीय पक्ष की ओर से एजेंट के रूप में कार्य करता है तो संबद्ध आय को शुद्ध आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है।

मेक-अप की कोई बाध्यता न होने वाली गैस की संविदात्मक कम उठान मात्रा के संबंध में राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब प्राप्त के संग्रहणीयता को तर्कसंगत रूप से सुनिश्चित किया जा सकता हो।

तेल तथा गैस भण्डारों के निर्धारण हेतु भारत सरकार के साथ की गई उत्पादन साझेदारी संविदाओं के अनुसार लागत की वसूली के पश्चात भण्डारों के दोहन से होने वाली आय में से राजस्व के एक भाग का भुगतान भारत सरकार को किया जाता है जिसे लाभ पेट्रोलियम कहते हैं और इसे उत्पादों की बिक्री से लाभ पेट्रोलियम में भारत सरकार के अंश के रूप में घटाया जाता है।

### लाभांश, व्याज और अन्य आय

(i) निवेशों से लाभांश आय को तब मान्यता दी जाती है जब भुगतान प्राप्त करने का शेयरधारक का अधिकार स्थापित हो जाता है।



- (ii) निम्नलिखित के संबंध में आय की पहचान तब की जाती है जब प्राप्य की संग्रहणीयता युक्तियुक्त रूप से सुनिश्चित हो:
  - (क) ग्राहकों से विलंबित वसूली पर ब्याज तथा संयुक्त उद्यम भागीदारों से नकद मांग।
  - (ख) टेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं से परिसमाप्त क्षतिपूर्ति।
- (iii) वित्तीय परिसंपत्तियों से ब्याज आय को तब मान्यता दी जाती है जब यह संभाव्य हो कि आर्थिक लाभ समूह को प्राप्त होंगे और आय की राशि का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सकता हो। बैंक के साथ जमा पर ब्याज आय बकाया मूल राशि के संदर्भ में समय आधार और प्रारंभिक मान्यता पर लागू प्रभावी ब्याज दर पर प्रोटोट्रॉप्ट होती है।
- (iv) रद्दी की बिक्री से आय को वसूली पर लेखांकित किया जाता है।

### 3.19 विदेशी मुद्रा लेन—देन

समूह के प्रत्येक निकाय के वित्तीय विवरणों में शामिल मदों का मापन उस प्राथमिक परिवेश की मुद्रा का उपयोग करते हुए किया जाता है जिसमें निकाय प्रचालन करता हो ("क्रियात्मक मुद्रा")। समेकित वित्तीय विवरणों को भारतीय रूपये में प्रस्तुत किया जाता है, जो कंपनी की क्रियात्मक मुद्रा और समूह की प्रस्तुतीकरण मुद्रा है।

संबंधित निकाय की क्रियात्मक मुद्रा (विदेशी मुद्रा) के अंतिरिक्त मुद्राओं में लेन—देन की पहचान लेन—देन की तिथि को विद्यमान विनियम की दरों पर की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्राओं में दर्शायी गई मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंतिम दिवस को विद्यमान विनियम दर का उपयोग करके परिवर्तित किया जाता है। विदेशी मुद्राओं में दर्शायी गई उचित मूल्य पर ली गई गैर—मौद्रिक मदों को उचित मूल्य निर्धारण की जाने वाली तिथि को विद्यमान दरों पर परिवर्तित किया जाता है। किसी विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत पर मापी गई गैर—मौद्रिक मदों का मापन उस तिथि को विद्यमान विनियम दरों पर परिवर्तन करके किया जाता है।

मौद्रिक मदों पर विनियम अंतर को समेकित लाभ तथा हानि विवरण में उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें वे उत्पन्न हुए हों सिवाय भविष्य के उत्पादक उपयोग हेतु निर्माणाधीन परिसंपत्तियों से संबंधित विदेशी मुद्रा ऋणों पर विनियम अंतर के चलते उत्पन्न होने वाले, जिन्हें विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज लागतों के एक समायोजन के रूप में इन परिसंपत्तियों की लागत पर शामिल किया जाता है।

मौद्रिक मदों पर विनियम अंतरों की पहचान लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में उस अवधि में की जाती है जिसमें वे उत्पन्न हुए हों सिवाय मौद्रिक मद पर विनियम अंतर के, जो किसी विदेशी प्रचालन में समूह

के शुद्ध निवेश का हिस्सा होते हैं जिन्हें प्रारंभ में अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जा है और मौद्रिक मदों के पुनर्भुगतान पर लाभ तथा हानि के समेकित विवरण में इक्विटी से पुनः वर्गीकृत किया जाता है। दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों के संबंध में विनियम अंतर को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है सिवाय 31 मार्च, 2016 के अनुसार मान्यता प्रदान की गई दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों से संबंधित विनियम अंतर के मामले में जहां तक ये मूल्यांकन वाली परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित हैं, और इन्हें ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के प्रति समायोजित किया जाता है तथा उक्त समायोजन का मूल्यांकन परिसंपत्ति के शेष जीवनकाल में और अन्य मामलों में दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों या देयताओं की शेष अवधि में।

किसी विदेशी प्रचालन की समाप्ति (अर्थात् विदेशी प्रचालन में समूह के समूचे हित का निपटान, किसी अनुषंगी पर नियंत्रण समाप्ति शामिल होने वाला निपटान जिसमें कोई विदेशी प्रचालन शामिल हो, अथवा संयुक्त व्यवस्था या किसी एसोसिएट में किसी हित का आंशिक निपटान, जिसका कोई विदेशी प्रचालन था जिसमें से प्रतिधारित हित एक वित्तीय संपत्ति बन जाता है) पर कंपनी के स्वामियों को आरोप्य उस प्रचालन के संबंध में इक्विटी में संचित सभी विनियम अंतरों को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, किसी अनुषंगी में आंशिक निपटान, जिसमें कोई विदेशी प्रचालन शामिल है जो समूह का ऐसी अनुषंगी पर नियंत्रण समाप्त नहीं कर देता, से संचित विनियम अंतरों के अनुपातिक अंश को गैर—नियंत्रक हितों को पुनः आरोपित किया जाता है और उन्हें समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता नहीं दी जाती। अन्य सभी प्रकार के आंशिक निपटानों (अर्थात् एसोसिएट या संयुक्त व्यवस्थाओं का आंशिक निपटान जो समूह के महत्वपूर्ण प्रभाव या संयुक्त नियंत्रण को खोने में परिणत नहीं होता) हेतु संचित विनियम अंतरों के अनुपातिक अंश को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

साख और खरीदी गई पहचान योग्य परिसंपत्तियों को उचित मूल्य समायोजन तथा किसी विदेशी प्रचालन के अधिग्रहण के माध्यम से ली गई देयताओं को विदेशी प्रचालन की परिसंपत्तियों तथा दायित्व के रूप में लिया जाता है और उन्हें प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विद्यमान विनियम दर पर परिवर्तित किया जाता है। उत्पन्न होने वाली विनियम अंतरों को अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की जाती है।

प्रस्तुतीकरण मुद्रा के अतिरिक्त क्रियात्मक मुद्रा वाले निकायों को भारतीय रूपये में प्रस्तुतीकरण मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। समूह ने क्रियात्मक मुद्रा से प्रस्तुतीकरण मुद्रा तक अपने परिणामों को तथा वित्तीय स्थिति के परिवर्तन हेतु निम्नलिखित सिद्धांतों को लागू किया है:

- प्रस्तुत प्रत्येक तुलन-पत्र हेतु परिसंपत्तियों तथा देयताओं (इकिटी शेयरपूँजी तथा अन्य इकिटी के अतिरिक्त) (अर्थात् तुलनात्मक सहित) को तुलन-पत्र की तिथि को अंतिम दर में परिवर्तित किया गया है।
- चक्रवर्ती वित्तीय लिखत के इकिटी घटक सहित इकिटी शेयर पूँजी को कारबार की तिथि की वित्तीय दरों पर परिवर्तित किया गया है। पूँजीगत आरक्षित को कारबार की तिथि के विनिमय दर पर परिवर्तित किया गया है। अन्य आरक्षितों को संबंधित अवधि की औसत विनिमय दरों का उपयोग करके परिवर्तित किया गया है।
- प्रत्येक समेकित लाभ एवं हानि विवरण हेतु आय एवं व्यय को कारबार की तिथि को मौजूद विनिमय दरों पर परिवर्तित किया गया है सिवाय कुछ मदों हेतु अवधि की औसत दर का प्रयोग किया गया है।
- विदेशी संयुक्त परिचालनों के अंतर्गत प्रचालकों द्वारा दिए गए संयुक्त-ब्याज बिलिंग विवरण को अवधि के दौरान यह विचार करते हुए कि लेनदेन हो रहे हैं, मार्सिक/त्रैमासिक औसत दर पर रूपांतरित किया गया है।

## 3.20 कर्मचारी लाभ

कर्मचारी लाभ में वेतन, मजदूरी, भविष्य निधि, उपदान, लिए न गए अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण, प्रतिपूरक अनुपरिधि, सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ शामिल हैं। सभी अल्पावधि कर्मचारी लाभों को उनके वहन किए जाने वाली लेखांकन अवधि में छूट रहित राशि के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है।

### निर्धारित अंशदान योजनाएं

निर्धारित अंशदान योजनाओं के अंतर्गत कर्मचारी लाभ में भविष्य निधि, सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ योजना, कर्मचारी पेशन योजना-1995, एकीकृत सामाजिक सुरक्षा योजना आदि को योजना में अंशदान देने वाली समूह की बाध्यताओं की बिना छूट वाली राशि के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है। उक्त का भुगतान एक पृथक न्यास के माध्यम से प्रशासित निधि द्वारा किया जाता है।

### निर्धारित लाभ योजनाएं

उपदान, सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ और अन्य सीमांत लाभ शामिल होने वाली निर्धारित सेवानिवृत्ति योजनाओं को निर्धारित लाभ बाध्यता के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है जिसकी गणना प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति द्वारा की जाती है, बीमांकित मूल्यांकन प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में लेखांकित किया जाता है अथवा परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है, जैसा भी अनुमेय हो।

शुद्ध निर्धारित देयता पर शुद्ध ब्याज की गणना निवल निर्धारित लाभ देयता या परिसंपत्ति के प्रारंभ में छूट दर को लागू करके की जाती है और इसे लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है सिवाय यथा अनुमेय परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किए गए के अतिरिक्त।

निर्धारित सेवानिवृत्ति लाभ योजनाओं को पुनः मापन किया जाता है सिवाय लिए न गए तथा प्रतिपूरक अनुपरिधि के प्रति नकदीकरण के, जिसमें बीमांकित लाभ तथा हानियां शामिल होती हैं, परिसंपत्ति सीमा (यदि लागू हो) में परिवर्तन और योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (ऊपर परिभाषित शुद्ध ब्याज के अतिरिक्त) को इनके उत्पन्न होने वाली अवधि में लाभ एवं हानि विवरण में अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है सिवाय यथा अनुमेय इन परिसंपत्तियों की लागत में शामिल के और बाद में इन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

समूह संबंधित उपदान निधि न्यास को उपदान के संबंध में सभी पता लगाई गई देयताओं का योगदान देता है। लिए न गए अवकाश हेतु पता लगाई गई सभी देयताओं का वित पोषण भारतीय जीवन बीमा निगम (एलाआईसी) द्वारा किया जाता है सिवाय कुछ अनुषंगी कंपनियों के मामले में। अन्य निर्धारित लाभ योजनाएं गैर-वित पोषित हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता प्रदान की गई सेवानिवृत्ति लाभ बाध्यता समूह की निर्धारित लाभ योजनाओं में वास्तविक कमी या अधिशेष को दर्शाते हैं। इस गणना से उत्पन्न होने वाला कोई अधिशेष योजनाओं को भविष्य के अंशदान में कमी के रूप में उपलब्ध किसी आर्थिक लाभ के वर्तमान मूल्य तक सीमित है।

### अन्य दीघावधि कर्मचारी लाभ

अन्य दीघावधि कर्मचारी लाभ में न लिए गए अवकाश तथा प्रतिपूरक अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण शामिल है, जिन्हें निर्धारित बाध्यता के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है जिसकी गणना प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति द्वारा की जाती है, बीमांकित मूल्यांकन प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में लेखांकित किया जाता है अथवा परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है, जैसा भी अनुमेय हो।

न लिए गए अवकाश तथा प्रतिपूरक अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण के पुनःमापन के लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है सिवाय इनके उत्पन्न होने वाली अवधि में यथा अनुमेय परिसंपत्तियों की लागत में शामिल होने वाली।

समाप्ति लाभ के लिए देयता को उस समय पहले मान्यता दी जाती है जब इकाई समाप्ति लाभ के प्रस्ताव को वापस नहीं ले सकती है और जब इकाई किसी भी संबंधित पुनर्गठन लागत को मान्यता देती है।



### 3.21 प्रशासनिक व्यय

सीधे या विशिष्ट रूप से आरोप्य होने वाले सामान्य प्रशासनिक व्ययों को क्रियाकलापों में आंबंटित किया जाता है तथा शेष को समेकित लाभ एवं हानि के विवरण में प्रभारित कर दिया जाता है।

### 3.22 बीमा दावे

बीमा दावों को स्वीकार किए गए/स्वीकार किए जाने हेतु प्रत्याशित दावों के आधार पर उस सीमा तक लेखांकित किया जाता है कि वसूली योग्य राशि को विश्वसनीय ढंग से मापा जा सके तथा अंतिम वसूली की प्रत्याशा पूर्णतः निश्चित होंगे।

### 3.23 आयकर

आयकर व्यय वर्तमान कर व्यय तथा विलंबित कर की राशियों को दर्शाते हैं

#### (1) वर्तमान कर

वर्तमान में देय कर वर्ष हेतु कर योग्य लाभ पर आधारित होता है। कर योग्य लाभ, लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में यथा सूचित "कर पूर्व लाभ" से भिन्न होता है क्योंकि किसी एक वर्ष में आय या व्यय की कर योग्य अथवा कटौती योग्य होने वाली मद्दें किसी अन्य वर्ष में कर योग्य तथा कटौती योग्य नहीं भी हो सकती हैं। समूह के वर्तमान कर की गणना रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक बनाए या व्यापक रूप से अधिनिगमित कर दरों तथा नियमों का उपयोग करके की जाती है।

#### (2) आस्थगित कर

आस्थगित कर को समेकित वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि के मध्य अस्थायी अंतर का प्रावधान करते हुए तुलन-पत्र पद्धति का उपयोग करके मान्यता प्रदान की जाती है और कर योग्य लाभ की गणना में प्रयुक्त तदनुरूपी कर आधारों का उपयोग किया जाता है। सामान्यतः विलंबित कर देयताओं की पहचान सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों हेतु की जाती है। विलंबित कर देयताओं को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस सीमा तक मान्यता प्रदान की जाती है कि यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिनके प्रति कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसी आस्थगित कर परिसंपत्तियों तथा देयताओं को तब मान्यता प्रदान नहीं की जाती यदि किसी कारबार में परिसंपत्तियों तथा देयताओं की प्रारंभिक पहचान (व्यापार संयोजन के अतिरिक्त) से उत्पन्न अस्थायी अंतर नहीं होते जो (1) न तो कर योग्य लाभ और न ही लेखांकन लाभ को प्रभावित करे और (2) समान करयोग्य और कटौतीयोग्य अस्थायी अंतरों को उत्पन्न करें।

इसके अतिरिक्त, साख की प्रारंभिक मान्यता से उत्पन्न अस्थायी अंतर उत्पन्न होने पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी जाती।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की वहन राशि की प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है और उसे उस सीमा तक कम किया जाता है जहां इसकी और संभावना न हो कि पर्याप्त कर योग्य लाभ प्रयुक्त की जाने वाली समूची या आंशिक विलंबित कर परिसंपत्ति के लिए उपलब्ध होंगे।

आस्थगित कर देयताओं तथा परिसंपत्तियों का मापन उन कर दरों पर किया जाता है जिनके उस अवधि में लागू होने की संभावना होती है जिनमें देयता का निपटान किया जाए अथवा परिसंपत्ति को वसूल किया जाए, और यह बनाई गई कर दरों (और कर कानूनों) या रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक बनाई गई कर दरों के आधार पर किया जाता है। आस्थगित कर आस्तियां और देयताएं प्रति-संतुलित हैं यदि वर्तमान कर देयताओं और आस्तियों को प्रति-संतुलित करने के लिए विधिक रूप से प्रवर्तित करने योग्य अधिकार विद्यमान है, और वे समान कर प्राधिकरण द्वारा उद्घासित आयकर से संबंधित हैं।

आस्थगित कर देयताओं तथा परिसंपत्तियों का मापन ऐसे कर परिणामों को प्रदर्शित करता है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समूह की प्रत्याशा के अनुसार इसकी परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि की वसूली या निपटान के लिए समूह द्वारा प्रत्याशित किए गए तरीके से निकलता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों तथा देयताओं को समेकित तुलन-पत्र में पृथक रूप से प्रस्तुत किया जाता है सिवाय जहां राजकोषीय क्षेत्राधिकार के भीतर समयोजन का अधिकार हो और निवल आधार पर ऐसे शेषों के निपटान की कोई मंशा हो।

आस्थगित कर देयताओं को अनुषंगी कंपनियों तथा एसोसिएट में निवेश और संयुक्त उद्यमों में हितों से संबद्ध कर योग्य अस्थायी अंतरों हेतु मान्यता दी जाती है सिवाय जहां समूह अस्थायी अंतर की वापसी को नियंत्रित करने में समर्थ हो और यह संभावना हो कि अस्थायी अंतर को निकट भविष्य में वापिस नहीं किया जाएगा। ऐसे हितों से संबद्ध कटौती योग्य अस्थायी अंतरों से उत्पन्न होने वाली आस्थगित कर परिसंपत्तियों को केवल उसी सीमा तक मान्यता प्रदान की जाती है जहां यह संभव हो कि ऐसे पर्याप्त कर योग्य लाभ होंगे जिनके प्रति अस्थायी अंतरों के लाभ का उपयोग किया जा सकेगा और उनकी निकट भविष्य में वापिस किए जाने की प्रत्याशा होगी।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों में भारत के कर कानूनों के अनुसार अदा किया गया न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) शामिल है जिसके भविष्य की आय कर देयता के प्रति समायोजन की उपलब्धता के रूप में भविष्य के आर्थिक लाभ देने की संभावना है। तदनुसार, एमएटी को समेकित तुलन-पत्र में आस्थगित कर परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब परिसंपत्ति का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सके और यह संभावना हो कि परिसंपत्ति से संबद्ध भविष्य के आर्थिक लाभ को वसूल किया जाएगा।

### (3) वर्ष हेतु वर्तमान तथा आस्थगित कर

वर्तमान तथा आस्थगित कर व्यय को लाभ और हानि के समेकित विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय जब वे ऐसी मदों से संबंधित हों जिन्हें अन्य व्यापक आय या सीधे इकिवटी में मान्यता दी गई हो, उस मामले में वर्तमान और आस्थगित कर को क्रमशः अन्य व्यापक आय या सीधे इकिवटी में मान्यता प्रदान की जाती है।

### 3.24 उधार लागतें या वित्त लागतें

पटा देयताओं पर वित्त लागत सहित अधिग्रहण के लिए विशेष रूप से पहचान की गई अथवा विशेषक परिसम्पत्तियों के निर्माण से संबंधित उधार लागतों को इस प्रकार की परिसम्पत्तियों के भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है। एक अर्हक परिसम्पत्ति वह है, जो अभिप्रेत उपयोग के लिए तैयार होने में काफी समय लेती है। अर्हक संपत्ति का सक्रिय विकास बाधित होने पर ऋण लागतों को पूंजीकरण स्थगित किया जाता है सिवाय जब अस्थायी हो और उसके ऐसी अवधियों के दौरान समेकित लाभ एवं हानि विवरण को प्रभारित किया जाता है। सभी अन्य उधार लागतों को समेकित लाभ तथा हानि लेखों में प्रभारित किया जाता है।

उधार लागत में विदेशी मुद्रा उधारों से उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर भी शामिल हैं, जिन्हें उस सीमा तक ब्याज लागतों के समायोजन के रूप में माना जाता है, अर्थात् उस सीमा के बाबार, जहां विनिमय हानि किसी विदेशी मुद्रा में उधार लेने की लागत से तुलना किए जाने पर कार्यात्मक मुद्रा (₹) में उधार लेने की लागत के मध्य अंतर से अधिक नहीं है।

जब एक वसूल न की गई विनिमय हानि होती है तो उसे ब्याज के समायोजन के रूप में माना जाता है और बाद में उक्त उधार के संबंध में निपटान या परिवर्तित किया गया या वसूला न गया लाभ होता है, तो पहले मान्यता दी गई समायोजन के रूप में मान्यता दी गई हानि की सीमा तक लाभ को ब्याज का एक समायोजन माना जाता है।

परियोजनाओं के लिए उपयोग किए जाने वाले सामान्य उधार पर होने वाली उधार लागत, यदि कोई हो, भारित औसत आधार पर गणना की गई दर पर पूंजीकृत की जाती है।

अर्हक परिसंपत्तियों पर उनके व्यय लंबित विशिष्ट उधारों के अस्थायी निवेश पर अर्जित ब्याज आय को पूंजीकरण के लिए पात्र उधार लागत से घटाया जाता है।

### 3.25 रिंग दिवस लागतें

रिंग संचालन लागतों को अगले वेधित किए जाने वाले स्थल/वेधन के लिए योजनाबद्ध स्थल के लिए आरक्षित किया जाता है। असामान्य रिंग दिवस लागतों को गैर-आवंटित करने के योग्य के रूप में समझा जाता है तथा इन्हें समेकित लाभ एवं हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है।

### 3.26 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां

प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब किसी पूर्व की घटना के परिणामस्वरूप समूह की कोई वर्तमान बाध्यता (विधिक या रचनात्मक) हो और यह संभावना हो कि समूह द्वारा बाध्यता का निपटान अपेक्षित होगा और बाध्यता की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

प्रावधान के रूप में मान्यता दी गई राशि बाध्यता से जुड़े जोखिमों तथा अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान बाध्यता के निपटान हेतु अपेक्षित मूल्य का श्रेष्ठ अनुमान होता है। जब किसी प्रावधान का मापन वर्तमान बाध्यता के निपटान के लिए अनुमानित नकदी प्रवाहों का उपयोग करके किया जाता है, तो इसकी वहन राशि उन नकदी प्रवाहों का वर्तमान मूल्य होता है (जब राशि के समय मूल्य का प्रभाव भौतिक हो)।

आकस्मिक परिसंपत्ति एक संभावित परिसंपत्ति है जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से ही होगी जो पूरी तरह से समूह के नियंत्रण में नहीं हैं। इन परिसंपत्तियों का प्रकटीकरण वित्तीय विवरणों में तब किया जाता है जब आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित होता है।

कंपनी दायित्व के उस हिस्से को आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट करती है जिसे अन्य पक्षों द्वारा पूरा किए जाने की उम्मीद है, जहां यह किसी दायित्व के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी है।

आकस्मिक देयताओं को समेकित वित्तीय विवरणों में लेखे की टिप्पणियों के रूप में प्रकट किया जाता है, यदि आर्थिक लाभ अंतर्गत होने वाले संसाधनों के बहिर्प्रवाह बहुत कम हो। प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञों के निर्णय के आधार पर आकस्मिक देयताओं का प्रकटन किया जाता है। प्रत्येक तुलन-पत्र तारीख पर इनकी समीक्षा की जाती है और वर्तमान प्रबंधन अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

### 3.27 वित्तीय लिखत

वित्तीय लिखतों को तब मान्यता दी जाती है जब समूह साधनों के संविदात्मक प्रावधानों का पक्षकार बन जाता है।

वित्तीय लिखत को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और इसे (एफवीपीटीएल में वर्गीकृत नहीं किए गए लिखतों के मामले में) लेन-देन लागत के लिए समायोजित किया जाता है जो वृद्धिशील होते हैं और सीधे वित्तीय साधन के अधिग्रहण या जारी करने के लिए जिम्मेदार होते हैं, और शुल्क जो प्रभावी ब्याज दर का एक अभिन्न अंग होते हैं। एफवीपीटीएल में रखे गए वित्तीय साधनों से संबंधित लेन-देन लागत और भुगतान या प्राप्त शुल्क को लाभ और हानि के समेकित विवरण में दर्ज किया जाता है।



## इकिवटी लिखत

कंपनी द्वारा जारी इकिवटी लिखत को प्राप्त की गई प्राप्तियों, प्रत्यक्ष जारी शुद्ध लागतों पर दर्ज किया जाता है।

### (1) ऋण या इकिवटी लिखत के रूप में वर्गीकरण

कंपनी द्वारा जारी ऋण तथा इकिवटी लिखत को संविदात्मक व्यवस्थाओं के साथ अथवा वित्तीय देयता तथा इकिवटी लिखत की परिभाषाओं के अनुसार वित्तीय देयता या इकिवटी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

### (2) मिश्रित वित्तीय लिखत

समूह द्वारा जारी मिश्रित वित्तीय लिखत के घटक हिस्सों को पृथक रूप से वित्तीय देयताओं तथा इकिवटी के तौर पर संविदात्मक व्यवस्थाओं के तत्व के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है। एक परिवर्तन विकल्प जिसे नकदी या किसी अन्य वित्तीय परिसंपत्ति की एक निश्चित मात्रा के आदान-प्रदान द्वारा कंपनी की स्वयं की इकिवटी लिखत की एक निश्चित संख्या हेतु निपटाया जाएगा, वह एक इकिवटी लिखत है।

जारी किए जाने की तिथि को देयता घटक के उचित मूल्य का अनुमान समान गैर-परिवर्तनीय लिखत हेतु विद्यमान बाजार ब्याज दर का उपयोग करके किया जाता है। इस राशि को प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत आधार पर एक देयता के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है जब तक कि परिवर्तन पर या लिखत की परिपक्वता तिथि पर समाप्त न हो जाए। इकिवटी के रूप में वर्गीकृत परिवर्तन विकल्प का निर्धारण समग्र रूप से मिश्रित वित्तीय लिखत के उचित मूल्य में से देयता घटक की राशि को घटाकर किया जाता है। इसे आयकर प्रभावों के शुद्ध पर इकिवटी में मान्यता दी जाती है तथा शामिल किया जाता है और इसका बाद में पुनः मापन नहीं किया जाता। इसके अतिरिक्त, इकिवटी के रूप में वर्गीकृत परिवर्तन विकल्प इकिवटी में ही रहेगा जब तक कि परिवर्तन विकल्प का उपयोग न किया जाए और ऐसे मामले में इकिवटी में पहचाने गए शेष को इकिवटी के किसी अन्य घटक में अंतरित किया जाएगा। जब परिवर्तन विकल्प का परिवर्तनीय नोट की परिपक्वता तिथि पर उपयोग नहीं किया जाता है, इकिवटी में मान्यता दिए गए शेष को प्रतिधारित अर्जन में अंतरित किया जाएगा। परिवर्तन विकल्प का उपयोग करने या उसकी समाप्ति पर लाभ एवं हानि में किसी लाभ अथवा हानि को मान्यता नहीं दी जाती है।

संव्यवहार लागतें जो परिवर्तनीय नोट को जारी किए जाने से संबंधित हो उन्हें सकल प्राप्तियों के आवंटन के अनुपात में देयता तथा इकिवटी घटकों को आवंटित किया जाता है। इकिवटी घटक से संबंधित संव्यवहार लागतों को सीधे इकिवटी में मान्यता दी जाती है। देयता घटक से संबंधित संव्यवहार लागत देयता घटक की वहन राशि में शामिल किया जाता है और प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिवर्तनीय नोट के जीवनकाल पर परिशोधित किया जाता है।

## 3.28 वित्तीय परिसंपत्तियां

### (i) प्रारंभिक मान्यता और मापन

सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, सिवाय व्यापार प्राप्तियों के जिन्हें प्रारंभिक रूप से लेनदेन मूल्य पर मापा जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों (लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों के अलावा) के अधिग्रहण या जारी करने के लिए सीधे जिम्मेदार लेनदेन लागत को वित्तीय परिसंपत्ति की प्रारंभिक मान्यता पर मापे गए उचित मूल्य में जोड़ा जाता है।

### (ii) वर्गीकरण और पश्चातवर्ती मापन

वित्तीय परिसंपत्तियों को उस व्यवसाय मॉडल के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है जिसके अंतर्गत परिसंपत्ति रखी जाती है और साथ ही वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक नकदी प्रवाह विशेषताओं के आधार पर भी।

### • परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन बाद में परिशोधित लागत पर प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके किया जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियां उसी व्यापार में धारित हैं जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाहों को एकत्र करना है और वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्त निर्दिष्ट तिथियों पर ऐसे नकदी प्रवाहों को उत्पन्न करती हैं जो पूर्णतः मूल धन तथा मूलधन की बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान है। ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके किया जाता है।

### • अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन उचित मूल्य पर अन्य व्यापक आय के माध्यम से किया जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियां उसी व्यापार में धारित हैं जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाहों को एकत्र करना है और वित्तीय परिसंपत्तियों की बिक्री करना है तथा वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्त निर्दिष्ट तिथियों पर ऐसे नकदी प्रवाहों को उत्पन्न करती हैं जो पूर्णतः मूल धन तथा मूलधन की बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान है।

उचित मूल्य संचलनों को ओसीआई में मान्यता दी जाती है। हालाँकि, समूह लाभ और हानि के विवरण में ब्याज आय, हानि हानि और प्रतिवर्तन और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को मान्यता देता है। परिसंपत्ति की मान्यता रद्द होने पर, ओसीआई में पहले से मान्यताप्राप्त संचयी लाभ या हानि को इकिवटी से लाभ और हानि के विवरण में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है।

- लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ (एफवीटीपीएल)

वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर तब तक मापा जाता है, जब तक कि उन्हें परिशोधित लागत पर या प्रारंभिक मान्यता पर अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर नहीं मापा गया है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सीधे जिम्मेदार लेनदेन लागत को तुरंत लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

### इकिटी लिखतों में निवेश

अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों के अलावा अन्य संस्थाओं में सभी इकिटी निवेश को उचित मूल्य पर मापा जाता है। ट्रेडिंग के लिए रखे गए इकिटी लिखतों को एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ऐसे अन्य सभी इकिटी लिखतों के लिए, समूह उन्हें एफवीटीओसीआई या एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लेता है। निर्णय लिखत-दर-लिखत के आधार पर किया जाता है। वर्गीकरण प्रारंभिक मान्यता पर किया जाता है और अपरिवर्तनीय होता है।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल इकिटी लिखतों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यताप्राप्त सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर मापित किया जाता है।

यदि समूह किसी इकिटी लिखत को एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लेता है, तो इंस्ट्रूमेंट पर सभी उचित मूल्य परिवर्तन, लाभांश को छोड़कर, ओसीआई में मान्यताप्राप्त होते हैं। ऐसे इकिटी इंस्ट्रूमेंट पर लाभांश को लाभ और हानि विवरण में मान्यताप्राप्त होती है। निवेश की बिक्री/निपटान पर भी ओसीआई से लाभ और हानि विवरण में राशियों का पुनर्चक्रण नहीं होता है। हालांकि, समूह निवेश की बिक्री/निपटान पर इकिटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानांतरित कर सकता है।

### (iii) वित्तीय परिसंपत्तियों को हानि

भारतीय लेखा मानक 109 'वित्तीय लिखत' के अनुसार, समूह परिशोधित लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों या एफवीटीओसीआई पर मापे गए ऋण लिखतों और ग्राहकों के साथ संविदाओं से प्राप्त होने वाली व्यापार प्राप्तियों/राशि पर बाधित हानि का मापन और पहचान करने के लिए अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) मॉडल लागू करता है।

ग्राहकों के साथ संविदाओं से प्राप्त होने वाली व्यापार प्राप्तियों/राशि के लिए हानि भत्ता सदैव आजीवन ईसीएल (सरलीकृत दृष्टिकोण) के बराबर राशि पर मापा जाता है।

आजीवन अपेक्षित ऋण हानियाँ ऐसी अपेक्षित ऋण हानियाँ हैं जो

किसी वित्तीय लिखत के अपेक्षित जीवन के दौरान सभी संभावित डिफॉल्ट घटनाओं के परिणामस्वरूप होती हैं।

12—माह अपेक्षित ऋण हानियाँ ऐसी अपेक्षित ऋण हानियों का वह भाग हैं जो रिपोर्टिंग की तारीख के बाद 12 महीनों के भीतर संभावित डिफॉल्ट घटनाओं के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती हैं (या यदि लिखत का अपेक्षित जीवन 12 महीनों से कम है, तो कम अवधि)।

जोओ भागीदारों से नकद कॉल प्राप्तियों सहित अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की पहचान के लिए, समूह सामान्य दृष्टिकोण का पालन करता है जिसमें यह निर्धारित करना आवश्यक है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम (एसआईसीआर) में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है या नहीं। यदि क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, तो हानि की भरपाई के लिए 12 महीने की ईसीएल का उपयोग किया जाता है। हालांकि, यदि क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, तो आजीवन ईसीएल का उपयोग किया जाता है। यदि, बाद की अवधि में, लिखत की क्रेडिट गुणवत्ता में इस तरह सुधार होता है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से क्रेडिट जोखिम में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, तो इकाई पुनः 12 महीने की ईसीएल के आधार पर हानि की छूट को पहचानने के लिए कार्यवाही करती है।

यह निर्धारित करते समय कि क्या किसी वित्तीय परिसंपत्ति का क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक पहचान के बाद से काफी बढ़ गया है और साथ ही ईसीएल का अनुमान लगाते समय, कंपनी उचित और समर्थनयोग्य जानकारी पर विचार करती है जो बिना किसी अनावश्यक लागत या प्रयास के प्राप्तिगिक और उपलब्ध है। इसमें कंपनी के ऐतिहासिक अनुभव और सूचित क्रेडिट मूल्यांकन के आधार पर मात्रात्मक और गुणात्मक जानकारी और विश्लेषण दोनों शामिल हैं, जिसमें भविष्य की जानकारी शामिल होती है।

यदि, बाद की अवधि में, लिखत की ऋण गुणवत्ता में सुधार होता है, जिससे प्रारंभिक मान्यता के बाद से ऋण जोखिम में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं होती है, तो समूह पुनः 12—माह की ईसीएल के आधार पर बाधात्मक हानि भत्ते की मान्यता पर कार्यवाही करती है।

### (iv) विमान्यता

समूह किसी वित्तीय परिसंपत्ति की मान्यता रद्द कर देता है, जब वित्तीय परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के लिए संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाते हैं या वह वित्तीय परिसंपत्ति को स्थानांतरित कर देता है और स्थानांतरण भारतीय लेखा मानक 109 के तहत मान्यता रद्द करने के लिए अर्हता प्राप्त करता है। किसी वित्तीय परिसंपत्ति की संपूर्णता में मान्यता रद्द किए जाने पर (एफवीटीओसीआई के रूप में नामित इकिटी उपकरणों को छोड़कर), परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि और प्राप्त और प्राप्त प्रतिफल के योग के बीच के अंतर को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।



### 3.29 वित्तीय देयताएँ

#### (i) आरंभिक मान्यता और मापन

सभी वित्तीय देयताओं को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, तथा देयताओं के मामले में बाद में सीधे देय लेनदेन लागत के शुद्ध परिशोधन लागत पर मापा जाता है।

#### (ii) पश्चातवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं को प्रभावी व्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

#### (iii) विमान्यता

वित्तीय दायित्व तब विमान्य हो जाता है जब संविदा में निर्दिष्ट दायित्व खारिज हो जाता है, रद्द हो जाता है या समाप्त हो जाता है।

#### (iv) वित्तीय गारंटी संविदाएँ

समूह द्वारा जारी वित्तीय गारंटी संविदाएँ वे संविदाएँ हैं जिनमें धारक को उस नुकसान की प्रतिपूर्ति के लिए भुगतान करने की आवश्यकता होती है जो उसे तब होता है जब निर्दिष्ट देनदार ऋण लिखत की शर्तों के अनुसार भुगतान करने में विफल रहता है।

वित्तीय गारंटी संविदाओं को शुरू में उचित मूल्य पर देयता के रूप में मान्यता दी जाती है, जो सीधे गारंटी जारी करने के लिए जिम्मेदार लेनदेन लागत के लिए समायोजित की जाती है। इसके बाद, देयता को निम्न में से उच्चतर पर मापा जाता है: –

(क) भारतीय लेखा मानक 109 'वित्तीय उपकरण' की हानि अपेक्षाओं के अनुसार निर्धारित हानि भत्ते की राशिय और

(ख) भारतीय लेखा मानक 115 'ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व' के सिद्धांतों के अनुसार मान्यताप्राप्त आय की संचयी राशि को घटाकर मान्यताप्राप्त राशि।

### 3.30 व्युत्पन्न वित्तीय लिखत

समूह वित्तीय विनिमय अग्रगामी संविदाओं और व्याज दर परिवर्तनों सहित व्याज दर तथा विदेशी मुद्रा दर जोखिमों के प्रभाव के प्रबंधन हेतु कई व्युत्पन्न वित्तीय लिखत करता है।

व्युत्पन्नों की पहचान प्रारंभ में व्युत्पन्न संविदाएँ किए जाने की तिथि को उचित मूल्य पर और बाद में उनका पुनः मापन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उनके उचित मूल्य पर किया जाता है। परिणामी लाभ अथवा हानि के विवरण को तत्काल लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है जब तक कि व्युत्पन्न को एक हेजिंग लिखत के रूप में नामित या प्रभावी न किया गया हो, और ऐसी स्थिति में लाभ या हानि में मान्यता दिया जाने का समय हेजिंग संबंध की प्रकृति और हेज की गई मदों की प्रकृति पर निर्भर करता है।

गैर-व्युत्पन्न मेजबान संविदाओं में शामिल किए गए व्युत्पन्न जो भारतीय लेखा मानक 109 "वित्तीय लिखत" के कार्यक्षेत्र के भीतर वित्तीय परिसंपत्तियां नहीं हैं, उनके साथ पृथक व्युत्पन्नों के रूप में विचार किया जाता है जब उनके जोखिम और विशेषताएँ उन मेजबान संविदाओं के साथ निकट रूप से संबंधित नहीं हैं और मेजबान संविदाओं का मापन लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल) पर नहीं किया जाता है।

**प्रतिरक्षा लिखतों के रूप में अभिहित व्युत्पन्न संविदा :**

जहां प्रतिरक्षा संबंध की शुरुआत होने पर प्रतिरक्षा लेखांकन संचालित किया जाता है, वहां समूह औपचारिक तौर पर (क) वह प्रतिरक्षा संबंध, जिस पर वह प्रतिरक्षा लेखांकन लागू करना चाहता है, और (ख) जोखिम प्रबंध उद्देश्य और रणनीति अभिहित और प्रलेखित करता। ऐसे मामलों में, व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों प्रतिरक्षा लिखत की प्रभावशीलता के सम्यक मूल्यांकन के साथ उचित मूल्य पर मान्यता प्रदान करता है।

नकदी प्रवाह प्रतिरक्षा का पालन करके, उचित मूल्य में परिवर्तन के प्रभावी हिस्सों को अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में मान्यता प्रदान की जाती है और अन्य इकिवटी के भीतर नकदी प्रवाह प्रतिरक्षा रिजर्व के तहत संचित किया जाता है, जबकि अप्रभावी भाग, यदि कोई हो, को तुरंत अन्य आय या अन्य व्यय, जैसा भी मामला हो, के तहत मान्यता प्रदान की जाती है तथा लाभ और हानि के विवरण में प्रस्तुत किया जाता है। प्रभावी भाग, जिसे पहले ओसीआई में मान्यता प्रदान की गई थी और नकदी प्रवाह प्रतिरक्षा रिजर्व के रूप में संचित किया गया था, को पश्चातवर्ती अवधि में लाभ और हानि के विवरण में पुनर्वर्गीकृत किया गया है, जिसके दौरान, प्रतिरक्षा अपेक्षित नकदी प्रवाह लाभ या हानि को प्रभावित करता है और आगे उसी समान मद के लिए निर्देशित होता है जिसमें अंतर्भित को हिसाब में लिया जाता है।

इसके अलावा, पहले से मान्यताप्राप्त पूर्वानुमानित लेन-देन के मामले में, इसके घटित न होने की जानकारी होने पर, संचयी लाभ या हानि के प्रभावी भाग को तत्काल ही नकदी प्रवाह प्रतिरक्षा रिजर्व से लाभ और हानि के विवरण में स्थानांतरित करके मान्यता प्रदान की जाती है।

यदि नकदी प्रवाह प्रतिरक्षा रिजर्व में संचित राशि नुकसान कारित रहित होती है और समूह को उम्मीद है कि उस नुकसान का एक या समस्त भाग एक या एक से अधिक भावी अवधि में पुनर्प्राप्त नहीं किया जाएगा, तो निगम तुरंत उस राशि को, जिसकी लाभ या हानि में वापसी होने की उम्मीद नहीं है, पुनः वर्गीकरण समायोजन के रूप में पुनर्वर्गीकृत कर लेता है। प्रतिलेखा लेखांकन उस समय रोक दिया जाता है जब प्रतिरक्षा लिखत समाप्त हो जाता है या बेचा जाता है, रद्द हो जाता है या प्रतिरक्षा लेखांकन के लिए अर्हक नहीं होता है।

**प्रतिरक्षा लिखतों के रूप में अभिहित नहीं की गई व्युत्पन्न संविदाएँ**

व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर हिसाब में लिया जाता है तथा उन्हें अन्य आय या अन्य व्यय, जैसा कि मामला हो, के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

## एंबेडेड व्युत्पन्न

किसी परिसंपत्ति को छोड़कर अन्य सभी मेजबान संविदाओं में सन्निहित व्युत्पन्न को केवल तभी अलग किया जाता है जब सम्भित व्युत्पन्न की आर्थिक विशेषताएं और जोखिम मेजबान की आर्थिक विशेषताओं और जोखिमों से निकटता से संबंधित न हों और उन्हें लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है। मेजबान संविदाओं से निकटता से संबंधित सन्निहित व्युत्पन्न को अलग नहीं किया जाता है।

### 3.31 वित्तीय लिखतों को समायोजित करना

वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं को समायोजित किया जाता है और निवल राशि को तुलन-पत्र में सूचित किया जाता है, यदि मान्यता प्राप्त राशियों के समायोजन हेतु वर्तमान में कोई प्रवर्तनीय विधिक अधिकार हो और शुद्ध आधार पर निपटान की, अथवा साथ-साथ परिसंपत्तियों को मूर्तरूप देने तथा देयताओं के निपटान की कोई मंशा हो।

### 3.32 नकद और नकद समकक्ष

समूह उन सभी अत्यधिक तरल वित्तीय लिखतों को नकद समतुल्य मानता है, जो आसानी से नकदी की ज्ञात मात्रा में परिवर्तित हो सकते हैं, जो मूल्य में परिवर्तन के महत्वहीन जोखिम के अधीन हैं और जिनकी मूल परिपक्वता खरीद की तारीख से तीन महीने या उससे कम की है। नकदी और नकद समतुल्य में बैंकों के पास शेष राशि शामिल है जो निकासी और उपयोग के लिए गैर-निर्बंधित है।

### 3.33 निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियों को शुरू में लागत पर मापा जाता है, जिसमें लेनदेन लागत भी शामिल है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, निवेश संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यहास और संचित हानि हानि, यदि कोई हो, घटाकर मापा जाता है।

फ्री होल्ड भूमि और निर्माणाधीन संपत्तियों का मूल्यहास नहीं किया जाता है। समूह सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करके अधिनियम, 2013 की अनुसूची-2 में विहित उपयोगी जीवनकाल पर आधारित मूल निर्माण की तिथि से 30 वर्ष में निवेश संपत्ति के निर्माण घटक का मूल्यहास करता है। प्रबंधन का यह मानना है कि यह अनुमानित उपयोगी जीवनकाल व्यवहारिक हैं और परिसंपत्तियों के उपयोग की संभावना वाली अवधि में उचित अनुमानन को प्रदर्शित करते हैं।

किसी निवेश संपत्ति को निपटान पर अथवा निवेश संपत्ति को स्थायी रूप से उपयोग से बाहर किए जाने पर तथा निपटान से भविष्य का कोई आर्थिक लाभ प्रत्याशित न होने पर विमान्य किया जाता है। संपत्ति को विमान्य किए जाने से उत्पन्न होने वाले किसी लाभ या हानि (शुद्ध निपटान प्राप्तियों और परिसंपत्ति के बहन मूल्य के मध्य अंतर के रूप में गणना किए गए) को संपत्ति के विमान्य किए जाने की अवधि में लाभ या हानि में शामिल किया जाता है।

### 3.34 प्रति शेयर अर्जन

प्रति शेयर आधारभूत अर्जनों की गणना कर पश्चात शुद्ध लाभ को उस अवधि के दौरान बकाया इकिवटी शेयरों की भारित औसत संख्या द्वारा भाग देकर की जाती है। प्रति शेयर तनुकरण अर्जन की गणना कर पश्चात लाभ को आधारभूत अर्जन प्रति शेयर निकालने के लिए लिए गए इकिवटी शेयरों की भारित औसत संख्या और सभी कम किए गए संभाव्य इकिवटी शेयरों के परिवर्तन पर जारी की जा सकने वाली इकिवटी शेयरों की भारित औसत संख्या को भी भाग देकर की जाती है।

### 3.35 नकदी प्रवाह विवरण

नकदी प्रवाहों को अप्रत्यक्ष पद्धति का उपयोग करके सूचित किया जाता है जिसके द्वारा वर्ष हेतु लाभ को किसी गैर-नकदी प्रकृति के संव्यवहारों, पूर्व या भविष्य की प्रचालन नकदी प्राप्तियों या भुगतानों के विलंबन अथवा प्रोद्भवन और नकदी प्रवाहों के निवेश या वित्त-पोषण से संबद्ध आय या व्यय की मद हेतु समायोजित किया जाता है।

### 3.36 खंड रिपोर्टिंग

परिचालन खंडों की रिपोर्ट मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) को प्रदान की गई आंतरिक रिपोर्टिंग के अनुरूप रीति से ही की जाती है। निदेशक मंडल को समूह का सीओडीएम माना गया है।

सीओडीएम को रिपोर्ट किए जाने वाले खंड परिणामों में सीधे खंड से संबंधित मदें शामिल होती हैं, साथ ही वे मदें भी शामिल होती हैं जिन्हें उचित आधार पर आवंटित किया जा सकता है। गैर-आवंटित मद में मुख्य रूप से निगमित व्यय, वित्त लागत, आयकर व्यय और कॉर्पोरेट आय शामिल होती है जो सीधे खंड से संबंधित नहीं होती हैं। खंड से सीधे संबंधित राजस्व को खंड राजस्व माना जाता है। खंड से सीधे संबंधित व्यय और उचित आधार पर आवंटित सामान्य व्यय को खंड व्यय माना जाता है।



**4. समेकित वित्तीय विवरण “ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड”, इसकी सहायक-कंपनियों, संयुक्त उद्यमों एवं एसोसिएट भागीदारों के लेखों के समेकन को निम्नलिखित ब्यौरे अनुसार निरूपित करते हैं :-**

क्र.सं.	कंपनी का नाम	संस्थापन देश	स्वामित्व हित का अनुपात		31.3.2024 को संपरीक्षा की स्थिति
			31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023	
क.	सहायक कंपनियां				
1	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)	भारत	100%	100%	संपरीक्षित
1.1	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)	नीदरलैंड	श्रेणी क : 100% श्रेणी ख : 100% श्रेणी ग : 55%	श्रेणी क : 100% श्रेणी ख : 100% श्रेणी ग : 55%	संपरीक्षित
1.1 (i)	ओएनजीसी कम्पोस लिमिटेड	ब्राजील	100%	100%	संपरीक्षित
1.1 (ii)	ओएनजीसी नील गंगा (सेन क्रिस्टोबल) बी.वी.	नीदरलैंड	100%	100%	संपरीक्षित
1.2	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)	नाइजीरिया	100%	100%	असंपरीक्षित
1.3	ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएल)	बरमूडा	100%	100%	संपरीक्षित
1.4	इम्पीरियल एनर्जी लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (i)	इम्पीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (ii)	इम्पीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(ड.))	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (iii)	इम्पीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(ड.))	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (iv)	बायनकस होलिडंग्स लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(ड.))	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (v)	रेडविलफ होलिडंग्स लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(ड.))	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (vi)	इम्पीरियल फ्रेक सर्विसेज़ (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (vii)	सेन एजिओ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(ड.))	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (viii)	एलएलसी सिबिटरनेप्ट (टिप्पणी सं. 4(ड.)) 26.09.2023 से शेयरधारिता का अभ्यर्पण	रूस	55-90%	55-90%	संपरीक्षित
1.4 (ix)	एलएलसी एलाइंसनेप्टगेज	रूस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (x)	एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल	रूस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (xi)	एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप	रूस	100%	100%	संपरीक्षित
1.4 (xii)	एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेस	रूस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5	काराबोबो वन एबी	स्वीडन	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (i)	पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी	नीदरलैंड	100%	100%	संपरीक्षित
1.6	ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड	केमन द्वीप	100%	100%	असंपरीक्षित
1.7	व्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड	मॉरिशियस	60%	60%	संपरीक्षित
1.8	ओएनजीसी विदेश अटलांटिक कॉरपोरेशन (ओवीएआई)	संयुक्त राज्य अमेरीका (टेक्सास)	100%	100%	असंपरीक्षित
1.9	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लिमिटेड	सिंगापुर	100%	100%	संपरीक्षित
1.9 (i)	ओएनजीसी विदेश बेन्कोरनेप्ट प्रा. लिमिटेड	सिंगापुर	100%	100%	संपरीक्षित
1.10	इंडस ईस्ट मेडीटेरियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड (टिप्पणी सं.4(झ.) – 14. 11.2023 को परिसमाप्त	इजराइल	100%	100%	असंपरीक्षित
1.11	ओएनजीसी विदेश रोवूमा लिमिटेड (ओवीआरएल इंडिया)	भारत	100%	100%	संपरीक्षित
1.12	ओवीएल ओवरसीसी रोवूमा लिमिटेड (ओवीआरएल इंडिया)	भारत	100%	लागू नहीं	संपरीक्षित

क्र.सं.	कंपनी का नाम	संस्थापन देश	स्वामित्व हित का अनुपात		31.3.2024 को संपरीक्षा की स्थिति
			31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023	
2	मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) (टिप्पणी सं. 4(क))	भारत	80.94%	80.94%	संपरीक्षित
3	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	भारत	54.90%	54.90%	संपरीक्षित
3.1	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(ग))	भारत	100%	100%	असंपरीक्षित
3.1 (i)	प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड	भारत	100%	100%	असंपरीक्षित
3.2	एचपीसीएल बायो फ्यूल्स लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(घ))	भारत	100%	100%	संपरीक्षित
3.3	एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेसीओ (टिप्पणी सं. 4(ङ))	दुबई	100%	100%	संपरीक्षित
3.4	एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड (एचपीएलएनजी) (टिप्पणी सं. 4(च))	भारत	100%	100%	संपरीक्षित
3.5	एचपीसीएल रिन्यूएबल एण्ड ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एचपीजीआरई) (टिप्पणी सं. 4(छ))	भारत	100%	-	असंपरीक्षित
4	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) (टिप्पणी सं. 4(ख))	भारत	77.45%	77.44%	संपरीक्षित
5.	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (टिप्पणी सं. 4(व))	भारत	100%	-	असंपरीक्षित
6.	ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट (एआईएफ) (टिप्पणी सं. 4(ण))	भारत	99%		
<b>ख. संयुक्त उद्यम निकाय</b>					
1	मंगलौर सेज लिमिटेड (एमएसईजेड)	भारत	26.78%	26.78%	संपरीक्षित
2	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएएल)	भारत	49.36%	49.36%	संपरीक्षित
3	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	भारत	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
4	ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	भारत	49.98%	49.98%	संपरीक्षित
5	दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)	भारत	50.00%	50.00%	असंपरीक्षित
6	इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	भारत	20.00%	20.00%	संपरीक्षित
7	ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)	साइप्रस	49.98%	49.98%	असंपरीक्षित
8	मानसरोवर एनर्जी कोलबिया लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	कोलबिया	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
9	हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी. (ओवीएल के माध्यम से)	नीदरलैण्ड	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
10	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)	भारत	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
11	एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) टिप्पणी सं. 4(ट))	भारत	74.00%	74.00%	संपरीक्षित
12	एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	48.99%	48.99%	संपरीक्षित
13	हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
14	साउथ एशिया एलपीएफ कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
15	भाग्यनगर गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) टिप्पणी सं. 4(ज))	भारत	48.73%	48.73%	संपरीक्षित
16	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	26.00%	26.00%	असंपरीक्षित
17	पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) टिप्पणी सं. 4(ज))	भारत	16.00%	16.00%	पित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए वित्तीय जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।
18	अवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	49.99%	49.99%	संपरीक्षित
19	रत्नागिरि रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	25.00%	25.00%	संपरीक्षित



क्र.सं.	कंपनी का नाम	संस्थापन देश	स्वामित्व हित का अनुपात		31.3.2024 को संपरीक्षा की स्थिति
			31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023	
20	मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	25.00%	25.00%	संपरीक्षित
21	एचपीओआईएल गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
22	आईएचबी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	25.00%	25.00%	संपरीक्षित
ग.	एसोसिएट				
1	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	भारत	49.00%	49.00%	असंपरीक्षित
2	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	भारत	12.50%	12.50%	असंपरीक्षित
3	रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड	भारत	49.00%	49.00%	असंपरीक्षित
4	जेएससी वेन्कोरनेपट (ओवीएल के माध्यम से)	रूस	26.00%	26.00%	संपरीक्षित
5	ताम्बा बी.वी. (ओवीएल के माध्यम से)	नीदरलैण्ड	27.00%	27.00%	संपरीक्षित
6	साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	हांगकांग	8.347%	8.347%	संपरीक्षित
7	पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	40.00%	40.00%	संपरीक्षित
8	पेट्रो काराबोबो एसए (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	11.00%	11.00%	संपरीक्षित
9	काराबोबो इन्जेनिरिंग वाई कन्स्ट्रक्ट्रिंग्योन्स, एसए (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	37.93%	37.93%	संपरीक्षित
10	फाल्कन ॲयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड्स (ओवीएल के माध्यम से)	नीदरलैण्ड	40.00%	40.00%	संपरीक्षित
11	मोजाम्बिक एलएनजी1 कंपनी प्रा. लि. (ओवीएल के माध्यम से)	यूरोप (अबुधाबी)	16.00%	16.00%	संपरीक्षित
12	भारत एनर्जी ॲफिस, एलएलसी (ओवीएल के माध्यम से)	रूस	20.00%	20.00%	संपरीक्षित
13	जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	11.00%	11.00%	संपरीक्षित
14	जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	11.00%	11.00%	संपरीक्षित

- क) अनुषंगी एचपीसीएल के साथ एमआरपीएल में प्रभावी समूह स्वामित्व हित का प्रतिनिधित्व करता है।
- ख) अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के साथ पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड में समूह के प्रभावी स्वामित्व हित का प्रतिनिधित्व करता है। वर्ष के दौरान, ओएनजीसी और एचपीसीएल ने आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड से पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) के अतिरिक्त 19,960 इकिवटी शेयर खरीदे हैं। इस अधिग्रहण के साथ, पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड में समूह की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2023 को 77.44 प्रतिशत से बढ़कर 31 मार्च, 2024 को 77.45% हो गई है।
- ग) प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड अपनी अनुषंगी कंपनी के साथ मिलकर हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण और उत्पादन के व्यवसाय में लगी हुई है और ईरंडपी ब्लॉक के प्रबंधन के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।
- घ) एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड गन्ने के रस निकाले गए छिलकों से इथेनॉल और चीनी बनाने और इस प्रक्रिया में उत्पन्न खोई से विद्युत उत्पादन के व्यवसाय में लगी हुई है।
- ङ) एचपीसीएल की 100% अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ को मध्य पूर्व और अफ्रीका में स्नेहक और ग्रीस, पेट्रोकेमिकल्स और परिष्कृत तेल उत्पादों में व्यापार के लिए दुबई एयरपोर्ट फ्री जोन के तहत एक फ्री जोन कंपनी के रूप में समावेशित किया गया था।
- च) एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड (जिसे पहले एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में छारा बंदरगाह पर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) पुनर्गैसीकरण टर्मिनल के संचालन और रखरखाव के लिए सुविधाओं के निर्माण में लगी हुई है।

- छ) निगम के मौजूदा हरित व्यवसाय को एक छत के नीचे समेकित करने और हरित और नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय में आगे विस्तार करने के लिए 19 जनवरी, 2024 को एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, 'एचपीसीएल रिन्यूएबल एंड ग्रीन एनर्जी लिमिटेड' को अधिनिगमित किया गया।
- ज) 31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार, भाग्यनगर गैस लिमिटेड (बीजीएल) के पास ₹ 0.50 मिलियन की संदत्त इकिवटी पूँजी थी, जिसमें एचपीसीएल और गेल प्रत्येक के पास 24.99% का शेयर था और शेष 50.02% शेयर भंडारण के आधार पर काकीनाडा सीपोर्ट्स लिमिटेड (केएसपीएल) के पास थे। इसके अलावा, एचपीसीएल और गेल ने इकिवटी/शेयर आवेदन राशि (कुल ₹ 449.80 मिलियन) के प्रति अग्रिम के रूप में प्रत्येक को ₹ 224.90 मिलियन का भुगतान किया था। 20 अगस्त, 2014 को, बीजीएल ने पूर्व में संदत्त राशि के लिए एचपीसीएल और गेल, दोनों ही को अधिमान्य आधार पर 2,24,87,500 शेयर आवंटित किए।
- तदनुसार, बीजीएल में निगम की शेयरधारिता बढ़कर 48.73 प्रतिशत हो गई। केएसपीएल ने इसे कंपनी लॉ बोर्ड (सीएलबी), चेन्नै बैंच में चुनौती दी, जिसने 14 सितंबर, 2014 को इसे खारिज कर दिया। इसके खिलाफ, केएसपीएल ने उच्च न्यायालय, तेलंगाना में अपील की, जिसने सीएलबी के बर्खास्तगी आदेश पर रोक नहीं लगाई। केएसपीएल द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल अपील पर निर्णय के लंबित रहने तक, समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस) तैयार करने के प्रयोजनार्थ, 31 मार्च, 2020 तक शेयरधारिता पर 24.99% के रूप में विचार किया गया। तथापि, वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान 48.73 प्रतिशत की समूची हिस्सेदारी पर लाभांश की प्राप्ति और बीजीएल के संगम अनुच्छेद सहित सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, वित्तीय वर्ष 2020–21 से प्रभावी एचपीसीएल के सीएफएस को तैयार करने में शेयरधारिता को 48.73% लिया गया है।
- झ) उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का एक संयुक्त उद्यम है जिसमें निधि अंशदान का अनुपात क्रमशः 50%, 25% तथा 25% है और इसे 21 जुलाई, 2017 को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के अंतर्गत गारंटी द्वारा सीमित एक लाभ के लिए न होने वाली प्राइवेट कंपनी लिमिटेड (शेयर पूँजी के बिना)के रूप में गठित किया गया था। एक लाभ के लिए न होने वाली कंपनी होने के चलते उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन पर समेकन हेतु विचार नहीं किया गया है। बोर्ड ने 18 जुलाई, 2023 को हुई अपनी बैठक में उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन के समापन के लिए अनुमोदन प्रदान कर दिया है।
- ज) पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (पीआईएल) जिसमें एचपीसीएल की 16% हिस्सेदारी है, 30 अगस्त, 2018 से बंद होने की प्रक्रिया में है। कंपनी के वित्तीय विवरण की प्राप्ति के अभाव में, वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए समूह समेकन के लिए पीआईएल को विचार के लिए नहीं लिया गया है।
- ट) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(87) के अनुसार एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल), निगम की एक अनुषंगी कंपनी है। तथापि, निगम और राजस्थान सरकार की संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई होने के नाते, एचआरआरएल को भारतीय लेखांकन मानकों की अपेक्षाओं के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने के उद्देश्य से निगम का 'संयुक्त उद्यम' माना जाता है।
- ठ) कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंडस ईस्ट मेडिटरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, जिसके प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समूह के समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल किए गए हैं, 14.11.2023 से परिसमाप्त कर दी गई है।
- ड) इंपीरियल एनर्जी ग्रुप की धारक संरचना को सरल बनाने के लिए, वर्ष के दौरान ओएनजीसी विदेश बोर्ड ने निम्नलिखित के लिए अनुमोदन प्रदान किया है:
1. इंपीरियल एनर्जी लिमिटेड की निम्नलिखित साइप्रेसी अनुषंगियों का इंपीरियल एनर्जी लिमिटेड के साथ विलय:
    - क) बियांकस होल्डिंग्स लिमिटेड
    - ख) सैन एगियो इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
    - ग) इंपीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड
    - घ) इंपीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड
    - ड.) रेडकिलफ होल्डिंग्स लिमिटेड
  2. एलएलसी सिबिन्टरेनेफट में इंपीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड द्वारा धारित शेयरों का अभ्यर्पण और तत्पश्चात एलएलसी सिबिन्टरेनेफट की परिसमाप्तन प्रक्रिया आरंभ करना
- ढ) 27.02.2024 को पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल) को शामिल किया गया, जो नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन, हाइब्रिड, हाइडल, ज्वारीय और भूतापीय आदि), जैव ईंधन, जैव गैस व्यवसाय, ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव जैसे ग्रीन अमोनिया, ग्रीन मेथानॉल, कार्बन कैचर उपयोग और भंडारण और एलएनजी व्यवसाय सहित ऊर्जा व्यवसाय की मूल्य शृंखलाओं में संलग्न होगी।
- ण) ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट (नियंत्रित इकाई) को वित्तीय वर्ष 2022–23 तक लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित



मूल्यांकित अन्य निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023–24 से स्टार्ट–अप कंपनियों में अंतर्निहित निवेशों के उचित मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इसे भारतीय लेखा मानक 110 के अनुसार समेकन के लिए माना गया है।

## 5. महत्वपूर्ण लेखांकन निर्णय, मान्यताएं और अनिश्चितता के अनुमानन के प्रमुख स्रोत

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयुक्त कई लेखांकन नीतियों के उपयोग में निर्णय लेने, अनुमान तथा मान्यताओं को लेने की प्रबंधन की आवश्यकताएं निहित हैं जो परिसंपत्तियों तथा देयताओं की सूचित राशि, आकस्मिक परिसंपत्तियों तथा देयताओं के प्रकटीकरण और राजस्व तथा व्यय की सूचित राशियों को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम प्रयुक्त अनुमानों तथा मान्यताओं से भिन्न हो सकता है।

अनुमानों तथा निहित मान्यताओं की समीक्षा सतत आधार पर की जाती है। लेखांकन मानकों में संशोधनों को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिनमें अनुमान संशोधित होते हैं तथा भविष्य की अवधियां प्रभावित होती हैं।

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने में निर्णय, मान्यताओं तथा अनुमान अनिश्चितता के प्रमुख स्रोत जो अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि में कोई भौतिक समायोजन कर सकते हैं, वे कार्यात्मक मुद्रा, तेल तथा गैस भंडारों, क्षति, संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के उपयोगी जीवनकाल, तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के क्षय, चालू न किए जाने के प्रावधान, कर्मचारी लाभ बाध्यताओं, प्रावधान, आयकर हेतु प्रावधान, विलंबित कर परिसंपत्तियों और आकस्मिक परिसंपत्तियों तथा देयताओं के मापन से संबंधित हो सकते हैं।

### 5.1 लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण निर्णय

अनुमान अंतर्ग्रस्त होने वाले (टिप्पणी 5.2 देखें) के अतिरिक्त, महत्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं जिन्हें प्रबंधन ने समूह की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में लिया है और जिनका समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में मान्यता दी गई राशियों पर अत्यधिक प्रभाव हुआ है।

#### (क) क्रियात्मक मुद्रा का निर्धारण

समूह के निकायों द्वारा प्रचालन किए जाने वाले प्राथमिक आर्थिक परिवेश की मुद्रा ("क्रियात्मक मुद्रा") भारतीय रूपये हैं जिसमें निकाय प्राथमिक रूप से नकदी को उत्पन्न तथा उसका व्यय करते हैं। तथापि, प्राथमिक आर्थिक परिवेश जिसमें ओपीएल समूह (ओएनजीसी

विदेश लिमिटेड और इसकी अनुबंधी कंपनियाँ) कार्य करता है की मुद्रा अमेरिकी डालर है जिसमें यह प्राथमिक रूप से नकदी को उत्पन्न तथा व्यय करता है और तदनुसार, ओपीएल समूह की क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डॉलर के रूप में आंकित है।

#### (ख) निवेश का वर्गीकरण

किसी अन्य निकाय में हित की खरीद के लिए किसी संव्यवहार में प्राप्त नियंत्रण के स्तर के आकलन के लिए निर्णय अपेक्षित होता है; प्रत्येक मामले में तथ्य तथा परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए कंपनी निकाय या व्यवस्था पर नियंत्रण, संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त कर सकती है। कंपनी को किसी व्यापार पर नियंत्रण देने वाले संव्यवहार व्यापार संयोजन होते हैं। यदि कंपनी किसी व्यवस्था का संयुक्त नियंत्रण प्राप्त करती है, तो यह निर्णय भी किया जाना अपेक्षित होता है कि क्या व्यवस्था का आकलन एक संयुक्त प्रचालन के रूप में किया जाए अथवा संयुक्त उद्यम के। यदि कंपनी के पास न तो नियंत्रण और न ही संयुक्त नियंत्रण है, यह उस निकाय पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की स्थिति में होनी चाहिए, जिसे फिर एसोसिएट के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

#### (1) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड में एक संयुक्त उद्यम के रूप में (ओपीएल)

कंपनी का ओपीएल में 49.36% प्रतिभागिता हित है। कंपनी ने 31 मार्च, 2024 के अनुसार ₹ 3451.24 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3451.24 मिलियन) के शेयर वारंट हेतु भी सबस्क्राइब किया गया है जो कंपनी को ₹ 10 प्रत्येक के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर के साथ प्रत्येक वारंट के विनिमय का पात्र बनाता है जिसके प्रति ₹ 9.75 अदा किए जा चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड द्वारा जारी ₹ 77,780.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 77,780.00 मिलियन) की राशि के बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर तथा उस पर 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 2212.45 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1766.85 मिलियन) की राशि के संचयी ब्याज हेतु मूलधन तथा संचित कूपन राशि के पुनर्भुगतान के प्रति सहायता को रोकने के लिए एक व्यवस्था भी की है।

प्रबंधन ने ओपीएल ने हित को संयुक्त उद्यम की प्रकृति का पाया है क्योंकि ओपीएल तथा संयुक्त उद्यम भागीदारों, गैस अधॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) और कंपनी के मध्य शेयरधारक समझौते में दोनों संयुक्त उद्यम भागीदारों द्वारा निर्दिष्ट क्रियाकलापों के निर्णयों के नियंत्रण को साझा करने हेतु प्रावधान है।

(2) एसोसिएट में प्रतिभागिता अंश 20% से कम होने के बावजूद समूह द्वारा लागू समझौतों और / अथवा अन्यथा के अनुसार लिए गए निवेशकर्ताओं के वित्तीय तथा प्रचालन नीति निर्णयों में प्रतिभागिता की शक्ति पर विचार करते हुए निम्नलिखित निकायों को समूह का एसोसिएट माना गया है बावजूद इसके कि उनका प्रतिभागिता हित / शेयरधारण प्रतिशत / अधिकार प्रतिशत 20% से कम है :

- दक्षिण-पूर्व एशिया गैस पाइपलाइन (समूह की शेयरधारित 8.347%)
- पेट्रो कारबोबो एस.ए., वेनेजुएला (समूह की शेयरधारिता 11%)

कंपनी का पीएलएल में 12.50% इक्विटी हित है। इसे पिछले जीएएपी में संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया था, तथापि, इंड एएस 111 "संयुक्त व्यवस्थाएं" के पैरा 7 के अनुसार पीएलएल के संगत क्रियाकलापों में सभी प्रमोटरों की एकमत सहमति अपेक्षित नहीं है और इसलिए पीएलएल को संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। कंपनी का पीएलएल पर पीएलएल में किसी निदेशक की नियुक्ति करने और उसके व्यापार निर्णयों में प्रतिभागिता के अधिकार के चलते महत्वपूर्ण प्रभाव है, अतः उक्त को कंपनी के एक एसोसिएट के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

**(ग) प्रतिभागिता अंश 50 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद संयुक्त उद्यम**

एचपीसीएल राजरथान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) और क्रेडा एचपीसीएल बायोप्यूल लिमिटेड (सीएचबीएल) के मामले में, जहां अनुषंगी कंपनियों एचपीसीएल ने इन कंपनियों में बहुसंख्यक मताधिकार धारित किए हुए हैं (74% हित), अन्य संयुक्त उद्यम भागीदार के पास अपने सकारात्मक मद के अदिकार के माध्यम से व्यापक प्रतिभागिता अधिकार हैं। तदनुसार, संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनी होने के चलते, एचआरआरएल और सीएचबीएल को इंड एएस के अंतर्गत वित्तीय विवरण के समेकन के प्रयोजन हेतु एक संयुक्त उद्यम कंपनी माना गया है। तथापि कंपनी अधिनियम 2013 के प्रयोजन हेतु इन कंपनियों को तत्संबंधी धारा 2 में परिभाषित किए गए अनुसार अनुषंगी कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

**(घ) यह निर्धारित करना कि क्या किसी व्यवस्था में पट्टा तथा पट्टों का वर्गीकरण शामिल है**

समूह विभिन्न परिसंपत्तियों / सेवाओं के लिए किराया / सेवा व्यवस्थाएं करता है। समूह यह मूल्यांकन करता है कि अनुबंध में इंड एएस 116 के सिद्धांतों के अनुरूप पट्टा शामिल है या नहीं। इसके लिए

महत्वपूर्ण निर्णयों की आवश्यकता होती है, जिसमें शामिल है पर उन तक सीमित नहीं है, चाहे संपत्ति की स्पष्ट पहचान की गई हो, आरूर्तिकर्ता के पास उपलब्ध पर्याप्त प्रतिस्थापन अधिकार, इस संबंध में निर्णय लेने के अधिकार कि अंतर्निहित संपत्ति का उपयोग कैसे किया जाएगा, व्यवस्था के आर्थिक पदार्थ, आदि।

**पट्टे की अवधि का निर्धारण (विस्तार और समाप्ति के विकल्प सहित)**

समूह पट्टा अवधि को पट्टे के विस्तार या उसे समाप्त करने के लिए किसी भी विकल्प के साथ समायोजित पट्टे की गैर-रद्दकरणीय अवधि के रूप में मानता है, यदि इस तरह के विकल्प का उपयोग युक्तियुक्त रूप से निश्चित है। विस्तार / समाप्ति विकल्पों का आकलन पट्टा-दर-पट्टे के आधार पर, प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर किया जाता है। पट्टा अवधि को फिर से तहीं निर्धारित किया जाता है, यदि किसी विकल्प का वास्तव में प्रयोग किया जाता है। अनुबंधों के मामले में, जहां समूह के पास कुछ परिस्थितियों (जैसे परिचालन आवश्यकताओं) पर परिसंपत्ति को किराए पर लेने और किराए पर न लेने का विकल्प होता है, वहां पट्टे की अवधि को प्रारंभिक अनुबंध अवधि माना जाता है।

**पट्टा देयता की संगणना के लिए पट्टा भुगतानों की पहचान करना**

नियत (नियत आंतरिक-पदार्थ सहित) पट्टा भुगतानों की पहचान करने के लिए, समूह गैर-परिचालन दिवस दरअक्षित पर को लीज देयता और तदनुरूपी आस्ति उपयोग-अधिकार की गणना के उद्देश्य के लिए न्यूनतम नियत पट्टा भुगतानों के रूप में मानता है।

**निम्न मूल्य पट्टे**

भारतीय लेखा मानक 116 यह मूल्यांकन करने की अपेक्षा रखता है कि क्या अंतर्निहित आस्ति कम मूल्य की है, यदि पट्टेदार पट्टे से संबंधित इंड एएस 116 की मान्यता और माप आवश्यकताओं को लागू नहीं करने के विकल्प का प्रयोग करता है जहां अंतर्निहित आस्ति का कम मूल्य है। निम्न मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, समूह ने आस्ति की प्रकृति और तात्त्विकता की अवधारणा पर विचार किया है, जैसा कि इंड एएस 1 और इंड एएस के अवधारणात्मक में परिभाषित किया गया है जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं।

**(ङ) तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की क्षति हेतु संकेतों का मूल्यांकन**  
परिसंपत्तियों की क्षति के संकेतकों की प्रयोजनीयता के मूल्यांकन में बाहरी कारकों (परिसंपत्ति के मूल्य में भारी कमी, प्रौद्योगिकीय, बाजार, आर्थिक या विधिक परिवेश, बाजार व्याज दरों में बड़े परिवर्तन आदि) और आंतरिक कारकों (किसी परिसंपत्ति का अप्रचलित होना या



उसमें भौतिक क्षति, परिसंपत्ति का खराब आर्थिक निष्पादन आदि) का आकलन अपेक्षित होता है जो तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की प्राप्ति योग्य मात्रा में बड़े परिवर्तनों में परिणत हो सकते हैं।

#### (च) तेल तथा गैस लेखांकन

यह निर्धारण है कि क्या किसी अन्वेषण कूप द्वारा खोज किए गए संभाव्य आर्थिक तेल तथा प्राकृतिक गैस भंडार आमतौर पर कुआं पूर्णता के पहले वर्ष में हो जाते हैं, पर इसमें भू-वैज्ञानिक ढांचे की जटिलता पर निर्भर करते हुए अधिक समय भी लग सकता है। तेल तथा प्राकृतिक गैस की संभाव्य आर्थिक मात्राओं की खोज करने वाले अन्वेषण कुएं तथा ऐसे क्षेत्रों में जहां उत्पादन को प्रारंभ करने से पूर्व प्रमुख पूँजीगत व्यय (जैसे कि कोई अपतटीय प्लेटफार्म अथवा पाइपलाइन), की आवश्यकता होगी, अथवा जहां प्रमुख पूँजीगत व्यय की आर्थिक व्यवहार्यता उस क्षेत्र में और अन्वेषण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने पर निर्भर करती हो, समेकित तुलन-पत्र में तब तक पूँजीगत रहती है जब तक कि अतिरिक्त अन्वेषण या मूल्यांकन कार्य जारी हो अथवा उसकी दृढ़तापूर्वक आयोजना बनाई गई हो।

कई वर्षों हेतु समेकित तुलन-पत्र में अन्वेषण कुओं तथा अन्वेषण गात्मक प्रकार के स्ट्रेटीगिक जांच कुओं का स्थगित रहना असमान्य नहीं है जबकि संभाव्य तेल तथा प्राकृतिक गैस फील्डों में अतिरिक्त मूल्यांकन ड्रिलिंग और भूकंपीय कार्य को निष्पादित किया जाता है अथवा ईस्टर्म विकास योजनाओं तथा समय को स्थापित किया जा रहा होता है। ऐसी सभी वहन की जा सकने वाली लागतें कम से कम वार्षिक आधार पर नियमित तकनीकी, वाणिज्यिक तथा प्रबंधन समीक्षा के अधीन हैं ताकि खोज को विकसित करने या अन्यथा उससे मूल्य के निष्कर्षण हेतु सतत मंशा की पुष्टि की जा सके। जहां ऐसा मामला न हो, लागतों को तत्काल व्यय के रूप में दिखाया जाता है।

#### (छ) अनुषंगियों, शाखाओं के अवितरित लाभ/हानियों, एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों में निवेश के संबंध में आस्थगित कर दायित्व/आस्थगित कर परिसंपत्ति

प्रबंधन अनुषंगियों, शाखाओं के अवितरित लाभ/हानियों, एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों में निवेश के संबंध में विलंबित कर दायित्व/विलंबित कर परिसंपत्ति हेतु लेखांकन में निर्णय लेता है। अनुषंगी कंपनियों, शाखाओं के अवितरित लाभ/हानियों, संयुक्त उद्यमों में निवेश के संबंध में प्रबंधन के निर्णय में प्रबंधन अस्थायी अंतरों की वापिसी के समय को नियंत्रित करने में समर्थ होता है और ये अस्थायी अंतर निकट भविष्य में वापिस नहीं किए जाएंगे।

तदनुसार, समूह अनुषंगी कंपनियों, शाखाओं में निवेश और संयुक्त उद्यम में हितों से संबद्ध सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों हेतु किसी आस्थगित कर दायित्व को मान्यता नहीं प्रदान करता है।

#### 5.2 मान्यताएं और अनिश्चितता के मापन हेतु प्रमुख स्रोत

परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय की मान्यता तथा मापन पर महत्वपूर्ण प्रभाव होने वाले अनुमानों तथा मान्यताओं के संबंध में सूचना नीचे दी गई है। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

#### (क) बंद किए जाने हेतु प्रावधान का अनुमानन

समूह तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को उनके आर्थिक जीवनकाल की समाप्ति पर आगे बंद किए जाने हेतु इंड एएस 37 "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तिया" के सिद्धांतों के अनुसार चालू न किए जाने हेतु प्रावधानों का अनुमान लगाता है। इनमें से अधिकांश बंद किए जाने के क्रियाकलाप भविष्य में होंगे, हटाए जाने की घटनाओं के समय पूरा की जाने वाली सटीक आवश्यकताओं में अनिश्चितता शामिल हो सकती है। बंद किए जाने हेतु प्रौद्योगिकी तथा लागतों में लगातार बदलाव हो रहे हैं। भविष्य के नकदी प्रवाहों का समय तथा राशि काफी अनिश्चिततापूर्ण है।

भविष्य के व्ययों की समय तथा राशि की समीक्षा वार्षिक रूप से या कोई भौतिक परिवर्तन होने पर वर्तमान लागत अनुमानों की वृद्धि हेतु मुद्रास्फीति की दर तथा नकदी प्रवाहों की छूट में प्रयुक्त व्याजदरों के साथ की जाती है। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवनकाल का अनुमान संगत तेल तथा गैस परिसंपत्ति की दीर्घावधि उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर अनुमानित किया जाता है और प्रबंधन आशा करता है कि समाप्त खनन पट्टे(टो) को संबंधित परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवनकाल समाप्त होने से पूर्व विस्तारित किया जाएगा।

#### (ख) पट्टा देयता की गणना के लिए छूट की दर का निर्धारण

पट्टा देयता की गणना के लिए, इंड एएस 116 में अपेक्षित है कि पट्टेदार के रूप में उनके वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करने के लिए पट्टेदार की आवश्यकता होती है यदि पट्टा अनुबंध में निहित दर आसानी से निर्धारित नहीं की जा सकती है।

कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा में दर्शाए गए पट्टों के लिए, कंपनी वृद्धिशील उधार दर को सरकारी बॉन्ड की जोखिम मुक्त दर के रूप में मानती है, जिसे लागू क्रेडिट जोखिम प्रसार और प्रासंगिक पट्टा अवधि जैसे अन्य पट्टे विशिष्ट समायोजनों के साथ समायोजित किया जाता है। विदेशी मुद्रा में दर्शाए गए पट्टों के लिए, कंपनी वृद्धिशील उधारी दर को अमेरिकी राजकोष बिलों के आधार पर जोखिम मुक्त दर के रूप में मानती है, जिसे लागू क्रेडिट जोखिम प्रसार और प्रासंगिक पट्टा अवधि और दायित्व की मुद्रा जैसे अन्य पट्टा विशिष्ट समायोजनों के साथ समायोजित किया जाता है।

## (ग) नकदी उत्पादक यूनिट (सीजीयू) का निर्धारण

कंपनी मुख्यतः अभितट तथा अपतट में तेल तथा गैस के अन्वेषण और उत्पादन में रत है। अभिटटीय परिसंपत्तियों के मामले में फील्ड आम उत्पादक/परिवहन सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं और एक एकल नकदी उत्पादक यूनिट (सीजीयू) को बनाने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक तौर पर अंतर निर्भर हैं। तदनुसार, भारत में सभी अपतटीय फील्डों के क्षति परीक्षण को समग्र रूप में परिसंपत्ति स्तर पर ऐसे सभी फील्डों हेतु निष्पादित किया जाता है। अपतटीय परिसंपत्तियों के मामले में, किसी फील्ड को आमतौर पर एक सीजीयू माना जाता है सिवाय ऐसे फील्डों के जिन्हें क्लस्टर के रूप में विकसित किया गया है, जिनके लिए समान सुविधाओं का उपयोग किया जाता है, जिनमें क्षति परीक्षण को क्लस्टर में शामिल सभी फील्डों हेतु पूर्ण रूप से निष्पादित किया जाता है।

## (घ) परिसंपत्तियों की क्षति

यह निर्धारित करना है कि क्या किसी क्षतिग्रस्त सीजीयू में भविष्य के मूल्यों, प्रचालन व्ययों पर मुद्रास्फीति के प्रभाव, छूट दरों, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की उत्पादन प्रोफाइल जैसे अनिश्चित मामलों पर प्रबंधन के अनुमान अंतर्ग्रस्त हैं। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों हेतु प्रत्याशित भविष्य के नकदी प्रवाहों का अनुमान भविष्य के खनिज तेल और प्राकृतिक गैस मूल्यों, उत्पादन तथा आरक्षित मात्राओं के प्रबंधन के श्रेष्ठ अनुमानों का उपयोग करके लगाया जाता है।

कंपनी के नकदी प्रवाहों के वर्तमान मूल्यों का निर्धारण रूपए संव्यवहारों हेतु और खनिज तेल तथा मूल्यवर्धित उत्पाद राजस्व हेतु कर पूर्व छूट दरों को लगाकर किया जाता है, और इन्हें अमेरीकी डॉलर में मापा जाता है। खनिज तेल तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री से भविष्य के नकदी अंतरवाहों की गणना भविष्य के मूल्यों के लिए प्रबंधन के श्रेष्ठ अनुमान का उपयोग करते हुए और बैंचमार्क खनिज तेल तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के साथ इसके सह-संबंध के अनुसार की जाती है।

प्राकृतिक गैस की बिक्री से भविष्य के नकदी अंतरवाहों की गणना भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर प्रत्याशित भविष्य के मूल्यों और भारत सरकार द्वारा जारी नए मूल्य निर्धारण दिशा-निर्देशों के मददेनजर अमरीकी डालर में मापे गए नकदी प्रवाहों पर लागू होने वाली दरों को लगाकर छूट के साथ की जाती है।

इसके अतिरिक्त, अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के वर्तमान नकदी प्रवाहों के मूल्यों को कर-पूर्व छूट दर लगाकर निर्धारित किया जाता है जो धन के समय मूल्य के वर्तमान बाजार आकलन और प्रत्येक सीजीयू के संबंध में देयता के प्रति विशिष्ट

होने वाले जोखिमों को दर्शात है। खनिज तेल की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह की गणना भविष्य के मूल्यों का उपयोग करके की जाती है और यह ब्लूमबर्ग द्वारा आकलन किए गए अनुसार डेटिड ब्रेंट खनिज तेल मूल्यों और बैंचमार्क खनिज तेल तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के साथ इसके सह-संबंध के अनुसार बाजार आधारित अग्रगामी मूल्यों के आधार पर किया जाता है। प्राकृतिक गैस की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह की भी गणना संबंधित अनुबंध और अथवा बाजार पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित मूल्यों के आधार पर प्रत्याशित भविष्य के मूल्यों पर की जाती है। उत्पादन प्रोफाइल का आकलन करने में कंपनी पूरी अवधि के दौरान अपने रिजर्व का आकलन करती है, जिसमें उन समस्त संविदात्मक रूप से संभावित विस्तारों पर विचार किया जाता है, जिन पर वे लाइसेंस की अवधि तक सीमित किए बिना आर्थिक रूप से उत्पादक हैं।

प्रयुक्त छूट की दर किसी स्थापित मॉडल से पूँजी की लागत पर आधारित होती है।

उत्पादक/विकासशील सीजीयू के उपयोग में मूल्य का निर्धारण एक बहु-स्तरीय एप्रोच के अंतर्गत किया जाता है जिसमें भविष्य के नकदी प्रवाहों का आरम्भिक अनुमान प्रमाणित विकसित भंडारों के आधार पर लगाया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जहां सीजीयू में फील्डों में और विकास प्रगति पर है तथा जहां सीजीयू के वहन मूल्य को केवल प्रमाणित विकसित भंडारों के दोहन के माध्यम से वसूले जाने की संभावना नहीं है, सीजीयू के प्रमाणित तथा संभावित भंडारों (2पी) को भी भविष्य के नकदी प्रवाहों के अनुमान लगाने के प्रयोजन हेतु लिया जाता है। ऐसे मामलों में मूल्यांकन/विकास की प्रत्याशित लागत के पूर्ण अनुमान पर भी उपयोग में होने वाले मूल्य के निर्धारण के समय विचार किया जाता है। उत्पादन प्रोफाइल के आकलन में समूह समूची अवधि में अपने भंडारों का आकलन, लाइसेंस की अवधि तक स्वयं को सीमित रखे बिना मितव्यी रूप से उत्पादन योग्य होने वाले सभी संविदात्मक संभाव्य विस्तारों पर विचार करते हुए करता है।

क्षति गणना के आकलन में प्रयुक्त छूट दरों का प्रत्येक वर्ष पुनः आकलन किया जाता है।

## (ङ) भंडारों का अनुमानन

प्रबंधन कंपनी की भंडार अनुमानन समिति (आरईसी) द्वारा निर्धारित नीतियों तथा प्रक्रियाओं के आधार पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के संबंध में उत्पादन प्रोफाइल (प्रमाणित तथा विकसित भंडारों) का अनुमान लगाता है। इस प्रकार निर्धारित अनुमानों का उपयोग क्षय तथा क्षति परीक्षण हेतु किया जाता है।

समूह के वर्ष के अंत में भंडारों का अनुमानन आरईसी द्वारा लगाया गया है जो सतत रूप से अतर्राष्ट्रीय भंडार अभियांत्रिकी प्रक्रियाओं



का पालन करता है। अपने पेट्रोलियम संसाधनों को सूचित करने के लिए समूह ने सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य ने एसपीई-1997 दिशा-निर्देशों के अंतर्गत भंडारों के वर्गीकरण से महत्वपूर्ण संसाधन प्रबंधन प्रणाली-पीआरएमएस (2018) को अपनाया है जो सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियर्स (एसपीई), वर्ल्ड पेट्रोलियम काउंसिल (डब्ल्यूपीसी), अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पेट्रोलियम जियोलॉजिस्ट (एपीजी), सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इवेल्यूएशन इंजीनियर्स (एसपीईई), सोसाइटी ऑफ एक्सप्लोरेशन जियोफिजिस्ट (एसईजी), सोसाइटी ऑफ पेट्रो फिजिस्ट एण्ड वेल लॉग एनलिस्ट (एसपीडब्ल्यूएलए) और यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ जियो साइटिस्ट एण्ड इंजीनियर्स (ईएजीई) द्वारा प्रायोजित है।

पीआरएमएस (2018) भंडार श्रेणी के अंतर्गत प्रमाणित भंडारों के रूप में पेट्रोलियम की उन मात्राओं को शामिल करता है जिनका भू-विज्ञान तथा अभियांत्रिकी डाटा को विश्लेषण द्वारा ज्ञात भंडारों से तथा निश्चित आर्थिक स्थितियों, प्रचालन पद्धतियों तथा सरकारी विनयमनों के अंतर्गत आगे दी गई किसी तिथि से वाणिज्यिक रूप से प्राप्त किए जाने की तर्कसंगत निश्चितता के साथ अनुमान लगाया गया हो। इसके अतिरिक्त, यह विकसित भंडारों को विद्यमान कुओं तथा सुविधा आओं और अविकसित भण्डारों से प्राप्त की जाने वाली ऐसी प्रत्याशित मात्राओं के रूप में परिषाधित करता है जो भविष्य में महत्वपूर्ण निवेशों के माध्यम से प्राप्त की जानी प्रत्याशित हो।

अनुमान में मात्रात्मक अनुमान लगाया गया है जो भंडार की चट्टान तथा द्रव्य विशेषताओं का उपयोग इनलेस हाइड्रोकार्बनों की गणना के लिए करती है और फिर उस हिस्से का अनुमान लगाती है जिसे इससे प्राप्त किया जा सकेगा। फील्ड के परिपक्व होने तथा एक तर्कसंगत अच्छा उत्पादन इतिहास उपलब्ध होने के पश्चात सामग्री संतुलन, सिमुलेशन, घटाता हुआ वक्र विश्लेषण जैसी निष्पादन पद्धतियों का उपयोग भंडारों के अधिक सटीक आकलन को प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

अनुमानों का वार्षिक संशोधन वार्षिक अन्वेषणात्मक तथा विकासात्मक क्रियाकलापों और तत्परंधी परिणामों पर आधारित होता है। नई इनलेस मात्रा और अनुमानित अंतिम प्राप्ति (ईयूआर) का अनुमान न पहले से खोज किए गए क्षेत्रों में नई फील्ड खोजों या नई पूल खोजों हेतु लगाया जाता है। फील्ड वृद्धि के कारण भी अनुमानों में संशोधन किया जाता है जिसमें सीमांकन/मूल्यांकन क्रियाकलाप तथा फील्ड समीक्षा/अन्य अन्वेषणात्मक प्रयास शामिल है। साथ ही मूल्यांकन क्रियाकलाप नए उप-सतह डाटा के कारण अनुमानों में संशोधन में भी परिणत होते हैं। इसी प्रकार, पेट्रो-भौतिक पैरामीटरों में बदलाव, नए भूकंपीय आदान, स्थिर तथा परिवर्तनशील मॉडलों को अद्यतन करने और भंडारों में परिवर्तन में परिणत होने वाले निष्पादन विश्लेषण

के कारण पुराने फील्डों हेतु पुनः व्याख्या क्रिया भी की जाती है। नई प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप, वर्गीकरण तथा संविदात्मक प्रावधानों में परिवर्तन के चलते भी भंडारों के अनुमान में संशोधन आवश्यक हो जाता है।

25 जून, 2019 को एसपीई बोर्ड द्वारा अनुमोदित तेल और गैस भंडार जानकारी (जून 2019 में संशोधित) का अनुमान और लेखा-परीक्षा से संबंधित मानकों के अनुसार

“भंडार जानकारी की विश्वसनीयता कई कारकों से काफी प्रभावित होती है। प्रारंभ में, यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि आरक्षित जानकारी अंतर्निहित अनिश्चितताओं, और डाटा की संचयन और निर्वर्चन की सीमित प्रकृति के परिणामस्वरूप अमेद्य है, जिस पर रिजर्व जानकारी का आकलन और लेखा-परीक्षा की भविष्यवाणी की गई है। इसके अलावा, रिजर्व जानकारी के आकलन करने में प्रयुक्त तरीके और डाटा का किया जाता है, प्रत्यक्ष या निगमनात्मक होने के बजाय अक्सर चरित्र में अप्रत्यक्ष या अनुरूप होते हैं...।”

... “भंडारों और अन्य रिजर्व जानकारी का अनुमान अनेक अज्ञात भूर्भूमीय और जलाशय कारकों के कारण एक अस्पष्ट विज्ञान है जिनका अनुमान केवल नमूना तकनीकों के माध्यम से लगाया जा सकता है। इसलिए रिजर्व केवल अनुमान हैं, और उनकी सटीकता के सत्यापन के लिए लेखा-परीक्षा नहीं की जा सकती है...”

समूह उचित ध्यान दिए जाने हेतु तृतीय पक्ष एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग करता है और यह अपनी परिसंपत्तियों की जांच तृतीय पक्ष द्वारा आवधिक रूप से किसी अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिष्ठित परामर्शदाताओं से करवाता है जो अपने मूल्यांकन हेतु नवीनतम उद्योग व्यवहारों को अपनाते हैं।

### (च) निर्धारित लाभ बाध्यता (डीबीओ)

डीबीओ का प्रबंधन का अनुमान कई महत्वपूर्ण निहित मान्यताओं पर निर्भर है जैसे कि मुद्रास्फीति की मानक दरें, चिकित्सा लागत प्रवृत्तियां, मृत्यु दर, छूट दर और भविष्य की वेतन वृद्धि प्रत्याशाएं। इन मान्यताओं में अंतर डीबीओ राशि और वार्षिक निर्धारित लाभ व्ययों को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं।

### (छ) मुकद्दमेबाजी

समय-समय पर समूह विधिक कार्यवाहियों के अधीन होता है और प्रत्येक का अंतिम निर्णय मुकद्दमे बाजी में अंतर्निहित कई अनिश्चितताओं के अधीन होता है। मुकद्दमेबाजी हेतु प्रावधान तब किया जाता है जब यह संभाव्य माना जाता है कि कोई भुगतान किया जाएगा और हानि की राशि का तर्कसंगत रूप से अनुमान लगाया जा सकता है। अन्य कारकों के साथ प्रतिकूल निर्णय की संभाव्यता और

संभाव्य की हानि की राशि के तर्कसंगत अनुमान को लगाने के लिए देयता का मूल्यांकन करते समय महत्वपूर्ण निर्णय किया जाता है। मुकदमेबाजी हेतु प्रावधानों की समीक्षा प्रत्येक लेखांकन अवधि के अंत में की जाती है और तथ्यों तथा परिस्थितियों में परिवर्तन हेतु संशोधन किए जाते हैं।

**(ज) यूक्रेन में रूस द्वारा संचालित विशेष अभियानों से संबंधित अनिश्चितताओं का अनुमान:**

समूह ने उन संभावित प्रभावों पर विचार किया है जो यूक्रेन में रूस द्वारा चलाए गए विशेष अभियानों के परिणामस्वरूप हो सकते हैं। रूस पर कई देशों द्वारा तरह—तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन आर्थिक प्रतिबंधों का वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।

समूह ने समेकित वित्तीय विवरणों के अंतर्गत रूस में अपने सीजीयू की हानि का आकलन करने में उपरोक्त पहलू पर विचार किया है और जिसके लेखांकन प्रभाव पर समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 62 में विचार किया गया है।

**(झ) वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि:**

भारतीय लेखा मानक 109 – ‘वित्तीय लिखत’ के अनुसार, कंपनी व्यापार प्राप्तियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि के मापन और पहचान के लिए ईसीएल मॉडल लागू करती है। व्यापार प्राप्तियों के लिए, कंपनी उधारकर्ताओं की क्रेडिट रेटिंग के आधार पर व्यतिक्रम दरों की गणना करने के लिए रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण का पालन करती है और प्रासंगिक मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों का उपयोग करके इसमें भविष्य-उन्मुख अनुमानों को शामिल किया जाता है। इनमें जीडीपी विकास दर तथा कच्चे तेल और एनजीएल उत्पादन का पूर्वानुमान शामिल हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि व्यतिक्रम मूल्यों की पूर्वानुमानित संभावना का अनुमान लगाते समय समग्र अर्थव्यवस्था के साथ—साथ ईएंडपी उद्योग के दृष्टिकोण पर भी विचार किया जाए।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए, कंपनी बाधाकारी हानि की पहचान के लिए सामान्य दृष्टिकोण को लागू करती है, जिसमें कंपनी प्रारंभिक पहचान पर व्यतिक्रम की संभावना पर विचार करने में विशेष का उपयोग करती है और यह भी देखती है कि क्या प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के दौरान निरंतर आधार पर ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।





## 6. तेल तथा गैस परिसंपत्तिया

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023* को
<b>(क) मूर्त</b>		
सकल लागत		
प्रारम्भिक शेष (देखें टिप्पणी सं. 6.1 और 6.2)	2,611,302.27	2,761,408.14
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों से अंतरण – निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूप	14,687.19	6,106.32
निर्माणाधीन विकासात्मक कुरं से अंतरण	127,196.19	87,169.56
निर्माणाधीन तेल और गैस सुविधाओं से अंतरण	716.16	93.77
परित्याग लागत अनुमानों में वृद्धि / (कमी)	67,856.28	53,511.87
वर्ष के दौरान वर्धन / (प्रत्यावर्तन)	92,822.27	66,747.70
अधिग्रहण लागत	272.08	0.02
वर्ष के दौरान अंतरण (टिप्पणी सं. 6.7)	-	(424,567.47)
वर्ष के दौरान हटाई गई / सेवानिवृत्त की गई	(2,496.70)	(692.33)
वर्गीकरण / अन्य समायोजन	(1,027.62)	100.77
विदशी मुद्रा विनियम समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 6.5)	287.81	61,423.92
<b>कुल</b>	<b>2,911,615.93</b>	<b>2,611,302.27</b>
घटाएँ : संचित हानि एवं टूट-फूट		
संचित टूट-फूट		
प्रारम्भिक शेष	1,237,997.38	1,269,706.89
वर्ष के लिए क्षय (देखें टिप्पणी सं. 43)	171,932.49	162,541.93
वर्ष के दौरान हटाई गई / सेवानिवृत्त की गई	(1,137.81)	(126.11)
वर्ष के दौरान अंतरण (टिप्पणी सं. 6.7)	-	(230,643.97)
पुनर्वर्गीकरण / अन्य समायोजन	(338.18)	33.29
विदशी मुद्रा विनियम समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 6.5)	1,663.36	36,485.35
<b>कुल</b>	<b>1,410,117.24</b>	<b>1,237,997.38</b>
संचित टूट-फूट		
प्रारम्भिक शेष	63,468.57	58,177.65
वर्ष के दौरान मुहैया करवाई गई क्षति	1,426.70	11,644.06
क्षति का पश्च लेखन	(10,309.42)	(3,697.41)
पुनर्वर्गीकरण / अन्य समायोजन	59.62	-

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023* को
वर्ष के दौरान अंतरण (टिप्पणी सं. 6.7)	-	(4,531.21)
विदशी मुद्रा विनियम समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 6.5)	321.10	1,875.48
<b>कुल</b>	<b>54,966.57</b>	<b>63,468.57</b>
तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की वहन राशि	1,446,532.12	1,309,836.32
<b>(ख) अमूर्त</b>		
सकल लागत		
प्रारंभिक शेष	3,054.51	-
निर्माणाधीन अमूर्त तेल तथा गैस परिसंपत्तियों से अंतरण	1,285.10	3,054.51
<b>कुल</b>	<b>4,339.61</b>	<b>3,054.51</b>
घटाएँ : संचित टूट-फूट		
प्रारंभिक शेष	245.97	-
वर्ष के लिए टूट-फूट (टिप्पणी सं. 43)	464.68	245.97
<b>कुल</b>	<b>710.65</b>	<b>245.97</b>
अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों की वहन राशि	<b>3,628.96</b>	<b>2,808.54</b>

\* पुनःकथन, टिप्पणी सं. 80 देखें।

**6.1** अनुषंगी कंपनी ओवीएल के अतिरिक्त, समूह ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा डीएए के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है सिवाय बन्द किए जाने और पुनरुद्धार प्रावधान के जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया गया है।

**6.2** वर्ष 2016–17 के दौरान, ताप्ती ए श्रृंखला सुविधाएं जो कि पीएमटी सयुक्त अभियान (जेओ) की परिसंपत्तियों का हिस्सा थीं और जिन्हें जेओ समझौते के अनुसार जेओ द्वारा भारत सरकार (जीओआई) को अभ्यर्पित किया गया था, उन्हें भारत सरकार द्वारा अपने नामिती के रूप में कंपनी को निःशुल्क अंतरित किया गया। वर्ष 2019–20 के दौरान, कंपनी ने कंपनी (भारतीय लेखा मानक) दूसरा संशोधन नियम, 2018 ('नियम') के अनुसार गैर-मौद्रिक सरकारी अनुदान को नाममात्र मूल्य पर मान्यता देने का विकल्प चुना और इंड-एएस 20 'सरकारी अनुदानों के लिए लेखांकन और सरकारी सहायता के प्रकटीकरण' में

संशोधन के अनुरूप, नाममात्र मूल्य पर उक्त सुविधाओं को दर्ज किया। इन परिसंपत्तियों को संयुक्त परिचालन में कंपनी के हिस्से की सीमा तक पूँजीकृत / निवृत्त कर दिया गया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार (जीओआई) ने 31 मई, 2019 के पत्र द्वारा प्रचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए पन्ना-मुक्ता फील्ड को 22 दिसंबर, 2019 को बिना किसी कीमत के वर्तमान पीएससी की समाप्ति पर कंपनी को नामांकन के आधार पर निर्दिष्ट किया है। एक गैर-मौद्रिक अनुदान होने के नाते, कंपनी ने इन परिसंपत्तियों और अनुदान को मामूली मूल्य पर दर्ज किया है।

पन्ना-मुक्ता फील्ड कंपनी को निर्दिष्ट किए जाने के बाद, भारत सरकार ने पीएमटी (पन्ना, मुक्ता और ताप्ती) के जेवी साझेदारों को निर्देश दिया है कि वे स्थल बहाली और परित्याग की पूर्ण वित्तीय और भौतिक देयता के साथ कंपनी को ताप्ती भाग ए सुविधा और पन्ना मुक्ता क्षेत्रों हेतु सेवामुक्त दायित्व के लिए अनुरक्षित मौजूदा एसआरएफ निधि कंपनी के साथ सौंप दें जिसके साथ पन्ना मुक्ता फील्डों और ताप्ती भाग ए सुविधाओं के स्थल पुनर्बहाली और परित्याग की पूर्ण वित्तीय और भौतिक देयता भी हो। तदनुसार,



कंपनी को वर्ष 2019–20 में जेवी भागीदारों से ताप्ती भाग—का सुविधाओं के लिए 33.81 मिलियन डॉलर (₹ 2,402.18 मिलियन) और पन्ना मुक्ता फील्डों के लिए 598.24 मिलियन डॉलर (₹ 42,506.87 मिलियन) की एसआरएफ निधि (कंपनी के 40% क्षेत्रों में कंपनी शेयर सहित) और तदनुरूपी समाप्ति दायित्व प्राप्त हुआ है जिसमें यह शर्त है कि कंपनी एसआरएफ योजना, 1999 और एसआरएफ की विद्यमान दिशानिर्देशों के तहत पृथक् समर्पित एसआरएफ खातों का अनुरक्षण करेगी तथा कंपनी—मुक्ता फील्डों की समर्पित एसआरएफ निधि और ताप्ती भाग—का सुविधाओं का उपयोग एसआरएफ योजना/दिशा—निर्देशों के अधीन परिभाषित प्रयोजनों के अतिरिक्त किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं करेगी। कंपनी समय—समय पर पन्ना—मुक्ता फील्डों और ताप्ती भाग—की सुविधाओं को मौजूदा कंपनी पॉलिसी के अनुसार छोड़ने की लागत का फिर से आकलन करेगी और नामांकन क्षेत्रों में कंपनी की नीति के अनुसार एसआरएफ खाते में योगदान करेगी। यदि भौतिक परित्याग के समय पन्ना—मुक्ता फील्डों की सुविधाओं के परित्याग की अंतिम वास्तविक लागत अनुमोदित परित्याग लागत और संचित राशि से अधिक हो जाती है, तो कंपनी परित्याग के लिए आवश्यक अतिरिक्त राशि का योगदान करेगी। तथापि, अगर परित्याग के समय वास्तविक लागत संचित राशि से कम है, तो शेष राशि सरकार को हस्तांतरित कर दी जाएगी। कंपनी को ताप्ती का सुविधाओं का परित्याग किए जाने तक उनके उपयोग के लिए भारत सरकार को किराया प्रभार के रूप में रुपया प्रति वर्ष देना अधिकैशित है।

**6.3** केंद्रीय मंत्रिमंडल, भारत सरकार ने 19 फरवरी, 2019 को हुई अपनी बैठक में, तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन को बढ़ाने के लिए अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति में सुधार के संबंध में राष्ट्रीय तेल कंपनियों द्वारा संचालित चिह्नित सीमांत नामांकन क्षेत्रों की बोली लगाने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसरण में, कंपनी ने 64 ऐसे सीमांत क्षेत्रों की पेशकश की, जो हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय की देखरेख में बोली लगाने के लिए 17 अनुबंध क्षेत्रों में भौगोलिक रूप से समूहित हैं। वर्तमान में, वर्ष 2021–22 में पीईसी बोली चक्र—I और वर्ष 2022–23 में पीईसी बोली चक्र—I के तहत दिए गए 25 फील्ड्स को पीईसी संविदाओं के तहत संचालित किया जा रहा है। पीईसी बोली चक्र—I के लिए, 26.11.2023 को एनआईओ जारी किया गया है जिसमें 13 सीए के तहत 46 क्षेत्रों की पेशकश की गई है। इन 46 क्षेत्रों में 39 ऐसे क्षेत्र शामिल हैं जो बोली चक्र—I और II के बाद शेष थे और अतिरिक्त 7 उत्पादक क्षेत्र भी विद्यमान हैं। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव महत्वहीन है।

**6.4** 17 मई, 2021 की सुबह मुंबई के तट से दूर अरब सागर में चक्रवात तौकता आया, जहां कंपनी के प्रमुख उत्पादन प्रतिष्ठान और ड्रिलिंग रिंग स्थित हैं/प्रचालन कर रहे हैं। चक्रवात ने अपतटीय सुविधाओं/प्लेटफॉर्मों को नुकसान पहुंचाया है। घटना घटित होने की सूचना अपतटीय बीमा पैकेज पॉलिसी के तहत बीमा कंपनी को दी गई थी और बीमा कंपनी द्वारा घटना के लिए सर्वेक्षणकर्ता/हानि समायोजक को नियुक्त किया गया था। हानि समायोजक द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्री-इंजीनियरिंग और पोस्ट इंजीनियरिंग सर्वेक्षण किया गया है और उन्होंने चक्रवात से हुए नुकसान की बहाली पर किए गए/होने वाले व्यय के लिए नवंबर, 2022 को प्रस्तुत अपनी चौथी अंतरिम सर्वेक्षण रिपोर्ट में ₹ 8,255.00 मिलियन (103 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की अनुमानित दावा राशि की सिफारिश की है। रिपोर्ट के आधार पर कंपनी को ₹ 27.03.2023 को ₹ 1,314.54 मिलियन (16 मिलियन अमेरिकी डॉलर; सकल 36 मिलियन अमेरिकी डॉलर में से 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पॉलिसी कठौती घटाकर) का प्रथम भुगतान प्राप्त हुआ है। प्रस्तुत दस्तावेजों तथा हानि समायोजक और बीमा कंपनी के साथ बैठक के आधार पर, कंपनी को ₹ 1,660.00 मिलियन (20 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का दूसरा भुगतान प्राप्त हुआ है और इसे वर्ष के दौरान विविध प्राप्तियों के रूप में दर्ज किया गया है। (टिप्पणी संख्या 38 और 7.1.3 देखें)

**6.5** अनुंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डॉलर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डॉलर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा “भारतीय राष्ट्रीय रूपये” में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

**6.6** समूह के ब्लॉक 14, सीरिया में प्रतिभागिता हित हैं। सीरिया में संघर्ष की स्थिति के मद्देनजर परियोजना की प्रचालनों को 29 अप्रैल, 2012 से निलंबित रखा गया है। परिणामस्वरूप, समूह ने 31 मार्च, 2024 को ₹ 88.61 मिलियन (पिछले वर्ष 87.32 मिलियन रूपये) की संचित क्षति के साथ तेल और गैस परिसंपत्तियों के अपने अंश को पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त किया है।

**6.7** गत वर्ष के दौरान, सखालिन-1 परियोजना से संबंधित राशि को “सखालिन-1 एलएलसी की इविवटी में अनुपातिक स्वामित्व हित लंबित होने के चलते निवेश” को अंतरित किया गया है। (टिप्पणी सं. 14.1.11 और 62)

## 7. अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ मिलियन में)

निम्नलिखित की वहन राशि (टिप्पणी सं. 7.1)	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
फ्रीहोल्ड भूमि	28,113.15	24,959.02
भवन और बंक गृह (देखें टिप्पणी सं. 7.1.1)	114,624.95	104,651.98
सड़के तथा पुलिया	22,597.50	20,909.19
संयंत्र और उपकरण (देखें टिप्पणी 7.1.2)	847,476.63	736,566.45
रेलवे साइडिंग और रोलिंग स्टॉक	4,678.67	5,190.02
फर्नीचर और फिक्सचर	7,505.77	4,262.85
कार्यालय उपकरण	28,450.53	25,493.15
वाहन, जहाज और नौकाएं	4,491.65	4,282.38
<b>कुल</b>	<b>1,057,938.85</b>	<b>926,315.04</b>





लागत या मानद लागत (टिप्पणी सं. 6.1)		क्रीहोल्ड मुद्रा	भवन और बंक गृह	सड़क और पुलिया	संयंत्र और उपकरण	रेलवे साइलिंग और रोलिंग स्टॉक	फर्मिचर और फिक्स्चर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज और नैकाएं	कुल
1 अप्रैल, 2022 को शेष		23,206.61	131,728.94	41,807.43	996,156.61	7,623.31	17,407.58	63,993.64	15,691.03	1,297,615.15
जोड़ें		1,839.33	13,440.15	7,659.99	140,892.59	422.70	1,889.86	10,319.57	1,644.18	178,108.37
वर्ष के दौरान अंतरण (टिप्पणी सं. 7.3.5)		-	(11,754.19)	-	(38,582.26)	-	(209.93)	(7,748.10)	(1,372.08)	(59,666.56)
निपटन / समायोजन		(1.10)	288.63	(892.90)	(3,295.57)	(113.28)	(814.53)	(2,770.51)	(152.11)	(7,751.37)
विविध अंतर्भूत का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 7.3.1)		0.53	1,291.90	-	4,083.14	-	111.50	748.91	267.40	6,503.38
31 मार्च, 2023 को शेष		25,045.37	134,995.43	48,574.52	1,099,254.51	7,932.73	18,384.48	64,543.51	16,078.42	1,414,808.97
जोड़ें		3,152.77	16,683.98	5,509.70	177,263.57	29.24	5,858.64	11,589.68	2,742.22	222,829.80
वर्ष के दौरान अंतरण (टिप्पणी सं. 7.3.5)		-	-	-	-	-	-	-	-	-
निपटन / समायोजन		1.52	(1,366.89)	4.88	(4,565.34)	(47.54)	(3,171.10)	(221.78)	(97.14)	(10,341.39)
विविध अंतर्भूत का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 7.3.1)		-	3.34	-	86.11	-	(18.77)	26.26	(118.16)	(21.22)
31 मार्च, 2024 को शेष		28,199.66	150,315.86	54,089.10	1,272,038.85	7,914.43	21,053.25	75,937.67	17,727.34	1,627,276.16

संचित मूल्यहास और क्षति		फ्रीहोल्ड भूमि	भवन और बंक गृह	सड़क और पुलिया	संयंत्र और उपकरण	ऐलेवे साइटिंग और रोटिंग स्टॉक	फर्मिवर और फिल्सवर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज और नैकाएं	कुल
<b>1 अप्रैल, 2022 को शेष</b>		<b>86.11</b>	<b>32,504.91</b>	<b>24,120.78</b>	<b>344,053.65</b>	<b>2,244.16</b>	<b>13,708.16</b>	<b>40,461.73</b>	<b>10,173.00</b>	<b>467,352.50</b>
मूल्यहास व्यय		0.14	4,785.49	3,980.15	53,356.70	498.55	1,168.03	7,602.01	2,560.43	73,951.50
लाम एवं हानि में मात्यता प्रदान की गई क्षति हानि		-	-	-	505.24	-	0.38	7.70	-	513.32
वर्ष के दौरान अंतरण (टिप्पणी सं. 7.3.5)		-	(7,751.84)	-	(37,193.67)	-	(203.91)	(7,388.81)	(1,077.05)	(53,615.28)
परिस्थितियों के निपटना/समायोजन पर समाप्त		-	41.22	(435.60)	(1,896.55)	-	(657.53)	(2,333.05)	(90.59)	(5,372.10)
वर्ष के दौरान प्रचलितिवाली हानि		-	-	-	-	-	(0.75)	(2.29)	-	(3.04)
विनिमय अंतरों का प्रमाण (देखें टिप्पणी सं. 7.3.1)		0.10	763.67	-	3,862.69	-	107.25	703.07	230.25	5,667.03
<b>31 मार्च, 2023 को शेष</b>		<b>86.35</b>	<b>30,343.45</b>	<b>27,665.33</b>	<b>367,688.06</b>	<b>2,742.71</b>	<b>14,121.63</b>	<b>39,050.36</b>	<b>11,796.04</b>	<b>488,493.93</b>
मूल्यहास व्यय		0.14	5,442.03	3,992.47	65,304.50	519.56	2,294.86	9,064.74	2,057.35	88,675.65
लाम एवं हानि में मात्यता प्रदान की गई क्षति हानि		-	30.54	-	118.97	-	1.11	19.73	0.05	170.40
वर्ष के दौरान अंतरण (टिप्पणी सं. 7.3.5)		-	-	-	-	-	-	-	-	-
परिस्थितियों के निपटना/समायोजन पर समाप्त		-	(107.93)	(166.20)	(3,621.77)	(26.51)	(2,856.50)	(672.23)	(510.95)	(7,962.09)
वर्ष के दौरान प्रचलितिवाली हानि		-	-	-	-	-	-	-	-	-
विनिमय अंतरों का प्रमाण (देखें टिप्पणी सं. 7.3.1)		0.02	(17.18)	-	72.46	-	(13.62)	24.54	(106.80)	(40.58)
<b>31 मार्च, 2024 को शेष</b>		<b>86.51</b>	<b>35,690.91</b>	<b>31,491.60</b>	<b>424,562.22</b>	<b>3,235.76</b>	<b>13,547.48</b>	<b>47,487.14</b>	<b>13,235.69</b>	<b>569,337.31</b>

## 7.1 कंपनी के संबंध में

- 7.1.1 भवन में भूमि में अविभाजित हित की लागत शामिल है।
- 7.1.2 पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार (जीओआई) ने 31 मई, 2019 के पत्र द्वारा प्रचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए पन्ना-मुक्ता फील्ड को 22 दिसंबर, 2019 को बिना किसी कीमत के वर्तमान पीएससी की समाप्ति पर कंपनी को नामांकन के आधार पर निर्दिष्ट किया है। एक गैर-मौद्रिक अनुदान होने के नाते, कंपनी ने इन परिसंपत्तियों और अनुदान को मामूली मूल्य पर दर्ज किया है (देखें टिप्पणी सं. 6.2)।
- 7.1.3 17 मई, 2021 को प्रातः काल में मुंबई के टट पर चक्रवात ताउते अरब सागर में उत्पन्न हुआ, जहां कंपनी के प्रमुख उत्पादन प्रतिष्ठान और ड्रिलिंग रिंग स्थित/प्रचालन में हैं। चक्रवात ने अपतटीय सुविधाओं/प्लेटफार्मों को नुकसान पहुंचाया है। अपतटीय बीमा पैकेज पॉलिसी के तहत घटना की सूचना बीमा कंपनी को दी गई और उनके द्वारा घटना के लिए सर्वेक्षक/हानि समायोजक नियुक्त किए गए। हानि समायोजक द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्री-इंजीनियरिंग और पोर्ट इंजीनियरिंग सर्वेक्षण किया गया है और उन्होंने चक्रवात से हुए नुकसान की बहाली पर किए गए/होने वाले व्यय के लिए नवंबर, 2022 को प्रस्तुत अपनी चौथी अंतरिम सर्वेक्षण रिपोर्ट में ₹ 8,255.00 मिलियन रुपये (103 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की अनुमानित दावा राशि की सिफारिश की है। रिपोर्ट के आधार पर कंपनी को ₹ 27.03.2023 को ₹ 1,314.54 मिलियन (16 मिलियन अमेरिकी डॉलर; सकल 36 मिलियन अमेरिकी डॉलर में से 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पॉलिसी कटौती घटाकर) का प्रथम भुगतान प्राप्त हुआ है। प्रस्तुत दस्तावेजों तथा हानि समायोजक और बीमा कंपनी के साथ बैठक के आधार पर, कंपनी को ₹ 1,660.00 मिलियन (20 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का दूसरा भुगतान प्राप्त हुआ है और इसे वर्ष के दौरान विविध प्राप्तियों के रूप में दर्ज किया गया है। (टिप्पणी संख्या 6.4 देखें)
- 7.2 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में :
- 7.2.1 प्रतिभूत बाहरी वाणिज्यिक ऋण और तेल उद्योग विकास बोर्ड से प्राप्त ऋण को अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर पहले समरूप प्रभार और चल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (जिसमें संयंत्र तथा मशीनरी, कलपुर्जे, उपकरण, फर्नीचर, फिक्सेसर, वाहन और अन्य चल संपत्ति, (जिसमें संयंत्र और उपकरण शामिल हैं किंतु यह वहीं तक सीमित नहीं) है। पहले दर्ज के समरूप प्रभार, वर्तमान तथा भविष्य को दोनों द्वारा प्रतिभूत किया जाता है। ओआईडीबी से प्राप्त ऋण को केवल इसकी ऋण प्राप्तियों से वित्त पोषित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर गिरवी रखने के माध्यम से प्रथम दर्जे के समरूप प्रभार के माध्यम से प्रतिभूत किया जाता है। संघ के बैंकों से, कार्यशील पूंजी, ऋण कंपनी के कच्चे माल, तैयार माल,

स्टॉक-इन-प्रोसेस, स्टोर, स्पेयर, घटक, व्यापार प्राप्तियां, बकाया धन प्राप्तियां, दावे, बिल, संविदा, अनुबंध, प्रतिभूतियां, वर्तमान और भविष्य दोनों के शेरारों के बंधक के माध्यम से प्रथम रैंकिंग समतुल्य प्रभार के माध्यम से सुरक्षित हैं और कंपनी की चल और अचल संपत्ति (सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण) वर्तमान और भविष्य दोनों पर द्वितीय रैंकिंग समतुल्य प्रभार द्वारा सुरक्षित हैं। एकिजम बैंक से ऋण चल अचल संपत्तियों, भूमि और अन्य अचल संपत्तियों, वर्तमान और भविष्य दोनों पर बंधक के माध्यम से प्रथम रैंकिंग समतुल्य प्रभार द्वारा सुरक्षित है।

- 7.2.2 इंड एएस 101 के पैरा डी13कप के अनुसार संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण में वर्धन/(समायोजन) में विदेशी मुद्रा अंतरों के संबंध में 0.06 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 24.36 मिलियन) पूंजीकृत ऋण लागतों के संबंध में शामिल हैं।

- 7.2.3 कंपनी पूर्व के वर्षों के दौरान पूंजीगत वस्तुओं के आयात/स्थानीय खरीद के संबंध में प्रवेश कर, सीमा शुल्क आदि पर छूट जैसे कुछ आर्थिक लाभों की पात्र हैं। कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की खरीद पर सीमा शुल्क तथा प्रवेश कर हेतु प्राप्त लाभों को सरकारी अनुदान के रूप में लेखांकित किया है। वर्तमान वर्ष में कंपनी ने 1 अप्रैल, 2017 के अनुसार संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की लागत को समायोजित किया है तथा ₹ 3618.21 मिलियन की राशि के आस्थगित सरकारी अनुदान को क्रेडिट किया है। इसी प्रकार, वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी को आस्थगित क्रेडिट सरकार अनुदान द्वारा संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत में शामिल ₹ 50.88 मिलियन के आर्थिक लाभ प्राप्त हुए हैं। आस्थगित सरकारी अनुदान को संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के शेष उपयोगी जीवनकाल पर परिशेषित किया जाता है जिसकी राशि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 162.60 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 159.02 मिलियन) होती है।

- 7.2.4 फ्रीहोल्ड भूमि में गुजरात राज्य में स्थित 2.37 एकड़ भूमि शामिल है, जिसकी सकल वहन राशि ₹ 0.91 मिलियन है। उक्त भूमि वर्तमान में कंपनी के कब्जे में है, इसमें कुछ अतिक्रमण देखा गया है और कंपनी इस संबंध में उचित कार्रवाई पर विचार कर रही है।

- 7.2.5 चालू वित्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) की मान्यता रद्द करने के संबंध में लेखांकन नीति में बदलाव किया है। वित्तीय वर्ष 2023–24 से पहले लेखांकन नीति में बदलाव को लागू करने में प्रभाव को महत्वहीन मानते हुए, कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही उक्त बदलावों पर विचार किया है। लेखांकन नीति में बदलाव के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए कर से पहले लाभ में ₹ 98.55 मिलियन की वृद्धि हुई है।



7.2.6 चालू वित्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने पूँजी भंडार और पुर्जा से संबंधित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) पर लेखांकन नीति में बदलाव किया है। वित्तीय वर्ष 2023–24 से पहले लेखांकन नीति में बदलाव को लागू करने के संचयी प्रभाव को निर्धारित करने की अव्यवहारिकता पर विचार करते हुए, कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से उक्त परिवर्तनों के प्रभाव पर विचार किया है। इसके परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान ₹ 1,607.42 मिलियन का अतिरिक्त पूँजीकरण हुआ है। इसे पीपीई और पूँजी भंडार (निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के तहत) के रूप में दिखाया गया है, जो क्रमशः ₹ 823.89 मिलियन और ₹ 783.53 मिलियन है। इसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए कर से पहले लाभ में ₹ 70.30 मिलियन की कमी आई है।

इसके अलावा, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, पिछले अनुभव के आधार पर कंपनी ने वित्तीय विवरण की अधिक विश्वसनीय जानकारी देने के लिए ओवरहाल और मरम्मत व्यय के पूँजीकरण के लिए अपनी भौतिकता सीमा (लेखा अनुमान) को संशोधित किया है। इसके परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2023–24 के लिए कर से पहले लाभ में 2,191.93 मिलियन रुपये की वृद्धि हुई है। लेखांकन अनुमान में उक्त परिवर्तन के समग्र भविष्य के प्रभाव का प्रकटीकरण नहीं किया गया है, क्योंकि इसके प्रभाव का आकलन करना अव्यवहारिक है।

### 7.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में :

7.3.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियाशील मुद्रा अमेरिकी डालर निर्धारित की है। समायोजनों में ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा भारतीय राष्ट्रीय रुपये में परिवर्तित करने के चलते 19.36 मिलियन रुपये (31 मार्च, 2023 को ₹ 836.36 मिलियन) के विनिमय अंतरों का शुद्ध प्रभाव शामिल है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

7.3.2 ओवीएल समूह हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन के अपने व्यापार को सीधे अथवा अन्य भागीदारों (संघ) के साथ मिलकर मेजबान सरकारों के साथ समझौतों के अंतर्गत करती है। इनमें से कई समझौते, फील्डों/परियोजनाओं में कंपनी के क्रियाकलापों को शासित करते हुए यह प्रावधान करते हैं कि संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण और अन्य सहायक संस्थापनाओं का स्वामित्व या तो खरीद/ऐसी परिसंपत्तियों के प्रथम उपयोग अथवा "लागत तेल" और "लागत गैस" के आवंटन के माध्यम से ऐसी लागतों की 100% वसूली अथवा संगत संविदा क्षेत्रों के परिस्त्याग अथवा संगत समझौते की समाप्ति पर मेजबान सरकार को अथवा उसके नामित निकाय को मिल जाएगा। तथापि, यहां तक कि जहां हक्क स्थानांतरित होता है, कंसोर्टियम और/या प्रचालक के पास ऐसी

सभी आस्तियों की अभिरक्षा बनी रहेगी और वे करार की पूरी अवधि के दौरान उत्पादन से संबंधित कार्यों के लिए ऐसी सभी आस्तियों का उपयोग (बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के) करने के हकदार होंगे। कंसोर्टियम ऐसी परिसंपत्तियों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है और आकस्मिक नुकसान और क्षति से होने वाली हानि को वहन करता है। संविदा की अवधि समाप्त होने तक समूह वित्तीय विवरणों में ऐसी परिसंपत्तियों को पहचानना और प्रस्तुत करना जारी रखता है।

7.3.3 ओएनजीसी विदेश अटलाटिक कॉरपोरेशन (ओवीएआई) अपनी संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर मूल्यहास प्रभारित करने के लिए धारक कंपनी द्वारा अपनाए गए डब्ल्यूडीवी आधार के बजाए सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करता है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु ओवीएआई का कुल मूल्यहास प्रभार ₹ 2.77 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 0.77 मिलियन) है जिसका वित्तीय विवरणों पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं होता है।

7.3.4 फ्रीहोल्ड भूमि विदेशी संयुक्त रूप से नियंत्रित प्रचालनों में ओवीएल समूह की हिस्सेदारी से संबंधित है।

7.3.5 वर्ष के दौरान, सखालिन-1 परियोजना से संबंधित राशि को "सखालिन-1 एलएलसी की इकिवटी में अनुपातिक स्वामित्व हित लंबित होने के चलते निवेश" को अंतरित किया गया है। (टिप्पणी सं. 14.1.11 और 62)

### 7.4 अनुषंगी कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में

7.4.1 कंपनी खंडीकृत वाल्व स्टेशनों हेतु केआईएडीबी के माध्यम से अधिगृहीत 3 ख्यलों पर भूमि के अपने अधिग्रहण को पंजीकृत कराने की प्रक्रिया में है। "पट्टा-सह-बिक्री समझौते" के पंजीकरण तक अधिग्रहण के प्रति अदा की गई राशि को टिप्पणी 20-अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों के अंतर्गत "भूमि खरीद के प्रति पूँजीगत अग्रिम" के रूप में दर्शाया गया है।

7.4.2 केआईएडीबी द्वारा 3.11 मिलियन रुपए की राशि के लिए आवंटित भूमि के संबंध में, पट्टा-सह-बिक्री करार किया गया है और पूर्ण बिक्री विलेख को अभी तक निष्पादित नहीं किया गया है।

### 7.5 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

7.5.1 इसमें तत्कालीन कोसान गैस कंपनी, की ₹ 0.07 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 0.07 मिलियन) की लागत वाली परिसंपत्तियां शामिल हैं जिन्हें निगम को नहीं सौंपा गया है। इन परिसंपत्तियों के मामले में कोसान गैस कंपनी को अपना दावा छोड़ना था। तथापि, तृतीय पक्ष द्वारा प्राथित कास्टकारी अधिकार के मद्देनजर मामला मुकदमेबाजी के अधीन है।

7.5.2 इसमें अन्य कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों में कंपनी के अंश को दर्शाने वाली भूमि, भवन, संयंत्र और उपकरण, फर्नीचर और फिक्सचर, परिवहन उपकरण, कार्यालय उपकरण, पाइपलाइन, रेलवे साइडिंग आदि से संबंधित ₹ 11033.60 मिलियन (31 मार्च, 2023 के अनुसार ₹ 10920.10 मिलियन) की राशि शामिल है।

7.5.3 इसमें निगम में निहित न होने वाली लेकिन ऐसी परिसंपत्तियों पर प्रचालनात्मक नियंत्रण रखा जाता है, सड़कों तथा पुलिया, ट्रांसफार्मर और ट्रांसमिशन लाइन, रेलवे साइडिंग तथा चल स्टॉक के प्रति ₹ 109.30 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 109.30 मिलियन की राशि शामिल है। निगम का ऐसी परिसंपत्तियों पर प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है। इन परिसंपत्तियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-॥ में निर्दिष्ट मूल्यांकन की दर पर परिशोधित किया गया है।

7.5.4 क) इसमें निम्नलिखित परिसंपत्तियां शामिल हैं जिनका उपयोग जन कल्याण परियोजना के अंतर्गत पीडीएस कैरोसीन के वितरण हेतु किया जाता है जिसके लिए वित्तीय सहायता ओआईडीबी द्वारा मुहैया करवाई जा रही है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	सकल ब्लॉक	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
सड़के तथा पुलिया	0.50	0.50
भवन	10.90	13.30
संयंत्र और उपकरण	9.30	10.90
<b>कुल</b>	<b>20.70</b>	<b>24.70</b>

ख) पहल (डीबीटीएल) योजना के अंतर्गत धारित परिसंपत्तियां शामिल हैं जिसके लिए वित्तीय सहायता पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा मुहैया करवाई जा रही है।

(मिलियन रुपए में)

विवरण	मूल लागत	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु
कम्प्यूटर साप्टवेयर	74.90	74.90
कम्प्यूटर/ अंत उपयोग उपकरण	56.50	56.50
कार्यालय उपकरण	0.10	0.10
ऑटोमेशन, सर्वर और नेटवर्क	20.40	15.50
<b>कुल</b>	<b>151.90</b>	<b>147.00</b>

7.5.5 इसमें लंबी अवधि की विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर उत्पन्न होने वाले विनियम अंतर के अनुसार परिसंपत्तियों की लागत में समायोजन शामिल है, जिसे इंड एस 101 पैरा घ13कक के साथ पठित भारतीय लेखांकन मानक 21 के पैरा 7कक के अनुरूप है और परिसंपत्तियों के शेष उपयोगी जीवन पर पूँजीकृत और मूल्यांकित किया गया है।

7.5.6 समूह ने अपने परिसर की बाउंड्री सीमा के भीतर बिछाई गई पाइपलाइन को टैक/अन्य संयंत्र तथा मशीनरी का एक अभिन्न अंग मानते हुए सीधे संबद्ध माना है और ऐसी पाइपलाइनों को संबंधित संयंत्रों के उपयोगी जीवनकाल के आधार पर कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची ॥ के अनुरूप मूल्यांकित किया है।

7.5.7 प्रबंधन द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान कार्यान्वित डिस्पेंसिंग यूनिट के उपयोगी जीवन के संबंध में लेखांकन अनुमान में 15 वर्ष से 10 वर्ष तक के परिवर्तन के कारण मूल्यांकन में ₹ 1,354.10 मिलियन (2022–23: ₹ शून्य) की वृद्धि शामिल है।

7.5.8 इसमें कर्मचारियों को प्रदान की गई परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन के संबंध में लेखांकन अनुमान में परिवर्तन के कारण ₹ 140.70 मिलियन (2022–23: ₹ शून्य) की मूल्यांकन वृद्धि शामिल है, जिसे निगम की फर्नीचर नीति के आधार पर वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान कार्यान्वित किया जाएगा।

7.5.9 इसमें क्रॉस कंट्री पाइपलाइनों सहित कुछ पाइपलाइनों के अवशिष्ट मूल्य के संबंध में लेखांकन अनुमान में 5: से 0: तक परिवर्तन के कारण ₹ 183.30 मिलियन (2022–23: शून्य) की मूल्यांकन वृद्धि शामिल है, जिसे प्रबंधन द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान कार्यान्वित किया जाएगा।

7.5.10 रेलवे उपभोक्ता डिपो अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची ॥ से संबंधित विशिष्ट करारों के अनुसार उपयोगकाल के निचले स्तर पर परिसंपत्तियों के उपयोगी उपयोगकाल का निर्धारण करने के कारण ₹ शून्य (2022–23 : ₹ 90.50 मिलियन) का मूल्यांकन शामिल है।

7.5.11 वर्ष के दौरान, ऐसे एलपीजी उपभोक्ताओं के संबंध में जो 15 वर्ष से निकलिय हैं और उनके पास मौजूद उपकरणों का उपयोगी जीवनकाल भी समाप्त हो गया है, उपकरण मूल्य (प्रथम लागत: ₹ 13.50 मिलियन, 2022–23 : ₹ 971.10 मिलियन) के साथ एलपीजी उपभोक्ता जमा (₹ 22.80 मिलियन, 2022–23 : ₹ 1,278.80 मिलियन) को लेखा बहियों में गैर-मान्यताप्राप्त कर दिया गया है।

7.5.12 एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड के संबंध में, सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को दीर्घावधि ऋण के लिए तुलन-पत्र की तारीख पर प्रतिभूति के रूप में पेश किया गया है, जो ₹ 1336.40 मिलियन (31.03.2023 को ₹ 1039.70 मिलियन) के शुद्ध ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करता है।



## 8. उपयोग का अधिकार (आरओयू) परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

निम्नलिखित की वहन राशि :	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
भूमि	58,866.73	56,720.74
भवन और बंक गृह	1,633.03	969.21
संयंत्र और उपकरण	243,752.10	67,294.99
वाहन, जहाज और नौकाएं	37,193.65	16,909.22
<b>कुल</b>	<b>341,445.51</b>	<b>141,894.16</b>

लागत	भूमि	भवन और बंक गृह	संयंत्र और उपकरण *	वाहन, जहाज और नौकाएं	कुल
1 अप्रैल, 2022 को शेष (टिप्पणी सं. 8.1)	<b>62,616.33</b>	<b>1,983.26</b>	<b>173,275.24</b>	<b>53,660.71</b>	<b>291,535.54</b>
जोड़े	1,923.57	399.84	34,258.80	6,432.41	43,014.62
पट्टे की पूर्णता/समाप्ति पर समायोजन	(182.16)	(507.40)	(2,799.69)	(2,509.82)	(5,999.07)
विनिमय अंतरों का प्रभाव (टिप्पणी सं. 8.4.1)	292.98	-	201.03	-	494.01
31 मार्च, 2023 को शेष	<b>64,650.72</b>	<b>1,875.70</b>	<b>204,935.38</b>	<b>57,583.30</b>	<b>329,045.10</b>
जोड़े	6,563.68	1,194.80	233,491.73	33,893.66	275,143.87
पट्टे की पूर्णता/समाप्ति पर समायोजन	(1,283.89)	(187.72)	(43,177.57)	(21,838.56)	(66,487.74)
विनिमय अंतरों का प्रभाव (टिप्पणी सं. 8.4.1)	55.39	-	543.63	-	599.02
31 मार्च, 2024 को शेष	<b>69,985.90</b>	<b>2,882.78</b>	<b>395,793.17</b>	<b>69,638.40</b>	<b>538,300.25</b>

संचित मूल्यहास और क्षति	भूमि	भवन और बंक गृह	संयंत्र और उपकरण *	वाहन, जहाज और नौकाएं	कुल
1 अप्रैल, 2022 को शेष	<b>5,804.58</b>	<b>927.81</b>	<b>97,237.13</b>	<b>29,739.99</b>	<b>133,709.51</b>
मूल्यहास व्यय	2,540.75	353.58	42,057.33	11,726.77	56,678.43
परिसंपत्तियों के निपटान/ समायोजन पर समाप्त	(415.35)	(374.90)	(1,839.32)	(792.68)	(3,422.25)
विनिमय अंतरों का प्रभाव (टिप्पणी सं. 8.4.1)	-	-	185.25	-	185.25
31 मार्च, 2023 को शेष	<b>7,929.98</b>	<b>906.49</b>	<b>137,640.39</b>	<b>40,674.08</b>	<b>187,150.94</b>
मूल्यहास व्यय	3,551.99	663.87	56,676.52	13,609.23	74,501.61
परिसंपत्तियों के निपटान/ समायोजन पर समाप्त	(362.80)	(320.61)	(42,782.20)	(21,838.56)	(65,304.17)
विनिमय अंतरों का प्रभाव (टिप्पणी सं. 8.4.1)	-	-	506.36	-	506.36
31 मार्च, 2024 को शेष	<b>11,119.17</b>	<b>1,249.75</b>	<b>152,041.07</b>	<b>32,444.75</b>	<b>196,854.74</b>

\* आरओयू संयंत्र और उपकरण में 31 मार्च, 2024 तक पाइपलाइनों के लिए ₹ 2516.54 मिलियन और 31 मार्च, 2023 तक ₹ 2453.10 मिलियन के मार्ग अधिकार शामिल हैं। इसी तरह, संचयी मूल्यहास और अवरोद्धों में 31 मार्च, 2024 तक ₹ 523.56 मिलियन और 31 मार्च, 2023 तक ₹ 412.01 मिलियन शामिल हैं।

8.1 1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी, समूह ने इंड एस 116 "पट्टे" को अपनाया है, 1 अप्रैल, 2019 को संशोधित पूर्वव्यापी परिवर्तन पद्धति का उपयोग करके सभी पट्टा अनुबंधों पर लागू किया गया है।

## 8.2 अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में

8.2.1 आरओयू भूमि में लीजहोल्ड भूमि शामिल है जहां पट्टे की अवधि के अंत में स्थानित कंपनी को हस्तांतरित किया जाएगा। यह लीजहोल्ड भूमि समान नहीं हैं।

8.2.2 उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों में ₹ 2,571.49 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 1,869.07 मिलियन) की सकल वहन राशि वाली संपत्तियां शामिल हैं, जो कंपनी के कब्जे में हैं, जिसके लिए औपचारिक पट्टा/बिक्री विलेख अभी निष्पादित होना बाकी है। उपरोक्त में रिफाइनरी भूमि (चरण I और II) से संबंधित 3.47 एकड़ भूमि शामिल है, जिसके लिए कंपनी ने कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) को सूचित किया है कि इसे अभ्यर्पित/अधिसूचित करने के लिए उचित कार्रवाई की जाए क्योंकि यह अतिक्रमण के अधीन है। वर्तमान में उक्त भूमि का मूल्य पता लगाने योग्य नहीं है और अपेक्षित राशि नगण्य है।

8.2.3 प्रयोग अधिकार आस्तियों में प्रभारित मूल्यव्याप्ति के लिए ₹ 2.40 मिलियन (31 मार्च, 2023 को : ₹ 0.71 मिलियन) की राशि को पूंजीगत कार्य प्रगति में (सीडब्ल्यूआईपी) की लागत के घटक के रूप में पूंजीकृत किया गया है।

## 8.3 अनुषंगी एचपीसीएल के संबंध में

8.3.1 आरओयू भूमि में कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से पट्टा-सह-बिक्री पर अर्जित की गई भूमि के लिए ₹ 1156.30 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 1037.50 मिलियन) का सकल मूल्य रखने वाला अंतर्निहित उपयोग अधिकार शामिल है, जिसका फ्रीहोल्ड विलेख के मद्देनजर पट्टे की अवधि में परिशोधन नहीं किया गया है जो आवंटन पत्र के अनुसार कुछ नियमों और शर्तों की पूर्ति पर निहित होगा।

8.3.2 कंपनी द्वारा संचालित किए गए व्यवसाय की प्रकृति में, कुछ लीजहोल्ड अचल संपत्तियां हैं, जो उस अवधि के दौरान इसके नियंत्रण कब्जे, नियंत्रण और उपयोग के अधीन हैं, जिसका पट्टा करार समाप्त हो गया है। ऐसे पट्टों का नवीनीकरण लंबित होने के कारण इन्हें उपयोग की अधिकार की आस्तियों के रूप में मान्यता नहीं दी गई है।

## 8.4 अनुषंगी ओवीएल के संबंध में

8.4.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनियम अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को

अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय राष्ट्रीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

8.4.2 एक पट्टा समझौते के अंतर्गत वसंत कुंज, नई दिल्ली में स्थित भूमि के संबंध में पट्टा अवधि शाश्वत काल के लिए है। पट्टा करार के तहत, समूह को शाश्वत काल के लिए ₹ 31.65 मिलियन के वार्षिक पट्टा किराए का भुगतान करना होगा। कंपनी ने शाश्वत पट्टा अवधि पर आधारित आस्ति उपयोग (भूमि) अधिकार को मान्यता दी है। ऐसे परिसंपत्ति उपयोग अधिकार पर कोई मूल्यव्याप्ति प्रभारित नहीं किया जा रहा है क्योंकि पट्टा अवधि शाश्वत काल तक विस्तारित है।

पट्टे की बाध्यता वार्षिक पट्टा भुगतान के लिए शाश्वत मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है, जो कि ₹ 377.69 मिलियन है और यह शाश्वत काल तक समान रहेगी। एक शाश्वत पट्टे के लिए पट्टा देयता की संविदात्मक परिपक्वता का गैर-बट्टागत मूल्य निर्धारण-योग्य नहीं है। हालांकि, कंपनी द्वारा इस तरह के दायित्व के वर्तमान मूल्य को मान्यता दी गई है। वित्त प्रभार वार्षिक आधार पर शाश्वत काल तक ₹ 31.65 मिलियन होगा, जिसे लाभ एवं हानि विवरण पर प्रभारित किया गया है।

कंपनी को अपनी पट्टा देयताओं के संबंध में एक उल्लेखनीय चलनिधि जोखिम का सामना नहीं करना पड़ता है क्योंकि मौजूदा परिसंपत्तियां पट्टा देयताओं, जब वे देय होती हैं, से संबंधित दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं।

कंपनी के गैर-निगमित संयुक्त प्रचालन बीसी-10, ब्राजील को परियोजना का दोहन, विकास और उत्पादन करने की छूट प्राप्त है। परियोजना के संचालन के लिए, ऑपरेटर ने फलोटिंग प्रोडक्शन, स्टोरेज और ऑफलोडिंग वेसल्स (एफपीएसओ) को दीर्घकालिक लीज समझौते पर लिया है। एफपीएसओ पट्टे की मूल अवधि 8 वर्ष (2028 तक) थी जिसमें प्रत्येक एक वर्ष के 5 अतिरिक्त विस्तार विकल्प थे। वर्ष 2022 के दौरान, बीसी-10 साझेदारों ने अध्ययन की लंबी अवधि के पश्चात निष्कर्ष निकाला कि विस्तार विकल्पों का उपयोग करना आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं था। इसलिए, दिसंबर, 2028 तक इन्हें लीज भुगतान मानकर लीज देनदारियों का पुनर्मूल्यांकन किया गया। पुनर्मूल्यांकन के बाद, एफपीएसओ लीज के लिए अंतर्निहित ब्याज दर 12.29% है। उक्त एफपीएसओ पट्टे के संबंध में, गैर-वर्तमान पट्टा देनदारी के पुनर्मूल्यांकन के कारण उत्पन्न होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ/हानि को तेल और गैस परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है और उत्पादन विधि की इकाई का उपयोग करके समाप्त किया जाता है। दीर्घावधि के वित्त पट्टा करार के संबंध में परिशोधन के लिए शेष तेल और गैस परिसंपत्तियों का विवरण नीचे दिया गया है :



मूल्यव्यापार परिसंपत्तियों से संबंधित दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों की रिपोर्टिंग पर विनियम अंतर :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में परिशोधन के लिए शेष राशि	<b>1,094.68</b>	<b>1,096.33</b>
जोड़ें : वर्ष के दौरान हुई विनियम हानि/(लाभ)	(55.36)	287.98
घटाएं : वर्ष के लिए लाभ और हानि विवरण को प्रभारित क्षति	325.36	301.56
जोड़ें : विनियम अंतरों का प्रभाव	(613.61)	(591.19)
वर्ष के अंत में परिशोधन के लिए शेष राशि	<b>751.07</b>	<b>1,094.68</b>

## 9. निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023* के अनुसार
क) तेल और गैस परिसंपत्तियां (टिप्पणी सं. 6.1)		
(1) निर्माणाधीन विकासात्मक कूपों (देखें टिप्पणी सं. 13.1)		
प्रारंभिक शेष	100,039.36	78,570.26
वर्ष के दौरान व्यय	95,441.20	83,431.77
वर्ष के दौरान मूल्यव्यापार	25,568.94	25,938.95
तेल एवं गैस परिसंपत्ति को अंतरण	(127,196.19)	(87,169.56)
वर्ष के दौरान अंतरण (देखें टिप्पणी सं. 9.7)	-	(1,740.77)
विदेशी मुद्रा विनियम समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 9.9)	(138.96)	972.95
अन्य समायोजन	(564.61)	35.76
<b>कुल</b>	<b>93,149.74</b>	<b>100,039.36</b>
घटाएं : संचित क्षति		
प्रारंभिक शेष	2,779.49	2,441.86
वर्ष हेतु प्रावधान	266.92	452.89
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	-	(125.91)
विदेशी मुद्रा विनियम समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 9.9)	2.01	10.65
<b>कुल</b>	<b>3,048.42</b>	<b>2,779.49</b>
निर्माणाधीन विकासात्मक कूपों की वहन राशि	<b>90,101.32</b>	<b>97,259.87</b>
(2) निर्माणाधीन तेल और गैर परिसंपत्तियां		
निर्माणाधीन तेल और गैर परिसंपत्तियां – लागत	390,696.28	361,405.09
घटाएं : संचित क्षति		
प्रारंभिक शेष	10,236.25	9,177.25
वर्ष हेतु प्रावधान	299.52	1,792.90
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	-	(723.40)
विदेशी मुद्रा विनियम समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 9.9)	-	-

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023* के अनुसार
पुनर्वर्गीकरण	(63.19)	(10.50)
अन्य समायोजन	-	-
<b>कुल</b>	<b>10,472.58</b>	<b>10,236.25</b>
निर्माणाधीन तेल तथा गैस सुविधाओं की वहन राशि	<b>380,223.70</b>	<b>351,168.84</b>
<b>(3) अधिग्रहण लागतें</b>		
प्रारम्भिक शेष	222,032.43	204,754.30
पुनर्वर्गीकरण	-	-
वर्ष के दौरान व्यय	2,887.04	49.59
अवधि के दौरान पश्चलेखित अधिग्रहण लागत	-	(2.02)
विनिमय अंतरों का प्रभाव	3,243.11	17,230.56
<b>कुल</b>	<b>228,162.58</b>	<b>222,032.43</b>
घटाएँ : संचित क्षति		
प्रारम्भिक शेष	-	23,948.09
पुनर्वर्गीकरण	-	-
वर्ष हेतु प्रावधान	16,949.96	-
क्षति का पश्चलेखन	-	(25,490.42)
विनिमय अंतरों का प्रभाव	115.32	1,542.33
<b>कुल</b>	<b>17,065.28</b>	<b>-</b>
अधिग्रहण लागतों का वहन मूल्य	<b>211,097.30</b>	<b>222,032.43</b>
<b>(ख) निर्माणाधीन अन्य पूँजीगत कार्य</b>		
भवन	2,784.25	1,564.60
संयंत्र और उपस्कर	-	283,452.19
सापटवेयर	-	-
पूँजीगत स्टोर (पारगमन सहित) (देखें टिप्पणी सं. 6.2 और 7.1.2)	9,883.26	4,696.86
घटाएँ : गैर-चालन मद्दें हेतु क्षति	-	-
<b>कुल</b>	<b>239,091.70</b>	<b>289,713.65</b>
घटाएँ : संचित क्षति		
प्रारम्भिक शेष	240.03	170.99
वर्ष हेतु प्रावधान	5.17	77.58
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(21.69)	(8.54)
पुनर्वर्गीकरण	-	-
अन्य समायोजन	-	-
<b>कुल</b>	<b>223.51</b>	<b>240.03</b>
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य की वहन राशि	<b>238,868.19</b>	<b>289,473.62</b>

\* पुनःकथन, टिप्पणी सं. 80 देखें।



- 9.1** अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में सीडब्ल्यूआईपी में ₹ 12.78 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 23.38 मिलियन) की ऋण लागते राशि शामिल है और इन्हें परिसंपत्तियों की विभिन्न श्रेणियों को आवंटित किया गया है। पूँजीकरण हेतु पात्र ऋण लागतों की राशि के निर्धारण के लिए प्रयुक्त दर 7.56% (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु 5.22%) थी जो ऋणों पर प्रभावी ब्याज दर है।

**9.2** अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में, प्रगति पर पूँजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी) में कैपेक्स के लिए गैरप्रतिभूत रूपया सावधि ऋण (टिप्पणी संख्या 29.11 का अवलोकन करें) और कैपेक्स के लिए गैरप्रतिभूत विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीएनआर) (बी) शामिल हैं (टिप्पणी संख्या 29.12 का अवलोकन करें)।

**9.3** अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में, पट्टा देयता पर वित्त लागत के लिए ₹ 0.03 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 0.90 मिलियन) की राशि को निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी) की लागत के घटक के रूप में पूँजीकृत किया गया है।

**9.4** अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में, आस्ति प्रयोग अधिकार के प्रति प्रभारित मूल्यद्वास के लिए 2.40 मिलियन रुपए की राशि (31 मार्च, 2023 के अनुसार ₹ 0.71 मिलियन) को पूँजीगत प्रगति पर कार्य (सीडब्ल्यूआईपी) की लागत के घटक के रूप में पूँजीकृत किया गया है।।

**9.5** अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी के ब्लॉक-24, सीरिया में प्रतिभागी हित है। सीरिया में संघर्ष की स्थिति के मद्देनजर परियोजना के प्रचालन 29 अप्रैल, 2012 से अस्थायी रूप से

**9.6** अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश रोबूमा लिमिटेड के संबंध में 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान प्रगति पर तेल और गैस सुविधाओं के तहत किसी भी उधार लागत को पूँजीकृत नहीं किया गया है (पिछले वर्ष : शून्य)। ब्लॉक एरिया-1, मोजाम्बिक परियोजना में अप्रत्याशित घटना की घोषणा के कारण 29 अप्रैल, 2021 से वर्ष के दौरान उधार लागत का पूँजीकरण निलंबित कर दिया गया है।

**9.7** गत वर्ष के दौरान, सखालिन-1 परियोजना से संबंधित राशि को “सखालिन-1 एलएलसी” की इकिवटी में अनुपातिक स्वामित्व हित लंबित होने के चलते निवेश” को अंतरित किया गया है। (टिप्पणी सं. 14.1.1 और 62)

**9.8** अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, अधिग्रहण लागत एरिया-1, मोजाम्बिक और बीएम सील-4 कन्सेशन में विकास चरण के अंतर्गत होने वाली तेल और गैस परिसंपत्तियों से संबंधित है।

**9.9** अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनियम अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डॉलर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा “भारतीय राष्ट्रीय रूपये” में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

**9.10** 31 मार्च, 2024 के अनुसार निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए जीवनकाल निम्नवत है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित अवधि के लिए सीडब्ल्यूआई में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएं	143,152.21	143,778.56	106,748.98	175,467.70	569,147.45
अस्थायी रूप से आस्थगित परियोजनाएं	11,613.68	6,598.00	19,995.26	343,745.91	381,952.85
<b>सकल योग</b>	<b>154,765.89</b>	<b>150,376.56</b>	<b>126,744.24</b>	<b>519,213.61</b>	<b>951,100.30</b>
घटाएँ : संचित क्षति					30,809.79
<b>कुल</b>					<b>920,290.51</b>

31 मार्च, 2024 के अनुसार सीडब्ल्यूआईपी के लिए पूर्णता अनुसूची जिनकी पूर्णता अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में लागत आधिक्य हुआ है :

कंपनी के संबंध में \*

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ :					
– एनव्यू प्रक्रिया प्लेटफार्म पर आवास परियोजना	6,131.46	-	-	-	6,131.46
– सीबीएम-बोकारो फील्ड विकास परियोजना	3,648.41	-	-	-	3,648.41
– सागर सम्माट परिवर्तन परियोजना	3,402.53	-	-	-	3,402.53
– मंगला फील्ड विकास परियोजना	-	2,747.68	-	-	2,747.68
– अपिन बचाव प्रणाली का उन्नयन – अंकलेश्वर	2,071.40	-	-	-	2,071.40
– उरान में स्लग कैचर संयंत्र	1,947.55	-	-	-	1,947.55
– उरान में गैस टर्बाइन विद्युत संयंत्र परियोजना	1,878.71	-	-	-	1,878.71
– कुआं प्लेटफार्म विकास परियोजना – I	1,792.92	-	-	-	1,792.92
– कुआं प्लेटफार्म विकास परियोजना – II	1,758.52	-	-	-	1,758.52
– उरान में स्राव उपचार संयंत्र	1,232.15	-	-	-	1,232.15
– कोलकाता में हरित भवन का निर्माण	-	-	1,203.59	-	1,203.59
– मदनान ब्लॉक में केन्द्रीय प्रसंस्करण सुविधा परियोजना	-	1,174.89	-	-	1,174.89
– हजीरा में एलपीजी उत्पादन संयंत्र परियोजना	1,170.60	-	-	-	1,170.60
– हजीरा में फलयरिंग प्रणाली का उन्नयन	983.71	-	-	-	983.71
– मेहसाना में पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना	-	969.16	-	-	969.16
– भाग्य फील्ड विकास परियोजना	-	901.68	-	-	901.68
– जल उपचार संयंत्र का निर्माण – मेहसाना	899.70	-	-	-	899.70
– पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना – IV	809.21	-	-	-	809.21
– लीन गैस कंप्रेसर विकास परियोजना	785.93	-	-	-	785.93
– तेल और जल टैंक का निर्माण – मेहसाना	613.15	-	-	-	613.15
– पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना – रुद्रसागर, असम	-	-	573.47	-	573.47
– ईपीएस सुविधा परियोजना – अंकले कैम्बे	-	566.02	-	-	566.02
– सीबीएम – झारिया जीर्सीएस विकास परियोजना	-	564.52	-	-	564.52
– तृष्णा ईपीएस सुविधा का विकास	-	453.28	-	-	453.28
– गैस कंप्रेसर संयंत्र परियोजना – लकवा, असम	-	453.27	-	-	453.27
– अंकलेश्वर में वाटरलाइन परियोजना	-	443.74	-	-	443.74
– उरान में खनिज तेल टैंक का पुनरुद्धार	443.72	-	-	-	443.72
– अंकलेश्वर में एयर कंप्रेसर का निर्माण	421.38	-	-	-	421.38
– हॉट फ्लेयर प्रणाली स्थापन परियोजना – अहमदाबाद	410.73	-	-	-	410.73
– निर्माणाधीन अन्य तेल तथा गैस सुविधाएँ	3,258.16	730.90	2.49	566.94	4,558.49



निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
- अन्य सीडब्ल्यूआईपी—भवन	48.62	16.09	7.23	-	71.94
- अन्य सीडब्ल्यूआईपी—संयंत्र और उपकरण	2,565.88	617.90	26.41	277.51	3,487.70
- राजमहेन्द्री परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	997.30	4,867.61	10.28	-	5,875.19
- पश्चिमी अपतटीय परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	3,035.79	1,937.72	345.47	-	5,318.98
- संयुक्त उद्यम दक्षिणी क्षेत्र में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	3,605.01	-	-	-	3,605.01
- असम परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	2,624.70	38.84	-	55.31	2,718.85
- अगरतला परिसंपत्ति में विकासात्मक कूप	163.91	987.21	326.17	-	1,477.29
- मेहसाना परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	-	-	1,299.36	-	1,299.36
निर्माणाधीन विकासात्मक कूप — अन्य	1,650.80	963.95	1,076.58	-	3,691.33
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ :					
सागर प्रगति परिवर्तन परियोजना	-	-	-	4,144.36	4,144.36
सागर लक्ष्मी परिवर्तन परियोजना	-	-	-	2,145.26	2,145.26
बी 127 प्लेटफार्मपर प्रक्रिया गैस कंप्रेसर परियोजना	-	-	-	928.48	928.48
बी-22 फील्ड की विकास परियोजना	-	-	-	762.21	762.21
असम परिसंपत्ति नवीकरण परियोजना	-	480.70	-	-	480.70
निर्माणाधीन अन्य तेल तथा गैस सुविधाएँ	-	31.36	21.94	56.40	109.70
अन्य सीडब्ल्यूआईपी.भवन	-	-	1.28	-	1.28
अन्य सीडब्ल्यूआईपी.संयंत्र तथा उपकरण	-	55.86	-	-	55.86
एचपीएचटी परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	-	-	2,586.01	-	2,586.01
संयुक्त उद्यम बड़ौदा में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	99.66	179.13	-	-	278.79
<b>कुल</b>	<b>48,451.61</b>	<b>19,181.51</b>	<b>7,480.28</b>	<b>8,936.47</b>	<b>84,049.87</b>

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
<b>प्रगतिधीन परियोजनाएँ :</b>					
देवानगरोंधी में नया तेल विपणन टर्मिनल	2,441.65	-	-	-	2,441.65
पीएफसीसी में वेट गैस स्क्रबर प्रणाली	743.43	-	-	-	743.43
न्यू बिटुमिन ब्लॉइंग ट्रेन	605.67	-	-	-	605.67
ढाल स्थिरीकरण कार्य	301.49	-	-	-	301.49
अन्य	1,465.46	33.87	-	43.21	1,542.54
<b>कुल</b>	<b>5,557.70</b>	<b>33.87</b>	<b>-</b>	<b>43.21</b>	<b>5,634.78</b>

## अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
<b>निर्माणाधीन परियोजनाएं :</b>					
विशाख रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना	99,609.60	-	-	-	99,609.60
भट्टेंडा में 2जी बायोरिफाइनरी	9,287.40	-	-	-	9,287.40
मंगलौर में एलपीजी केवर्न	4,207.70	-	-	-	4,207.70
अपशिष्ट उन्नयन सुविधा पिच लोडिंग गेंट्री	2,909.10	-	-	-	2,909.10
निम्न स्तर पंप हाउस सुविधाओं के साथ समुद्री जल रिसर्व ओसमोसिस—	1,899.60	-	-	-	1,899.60
रायपुर आईआरडी का विस्तार	1,755.70	-	-	-	1,755.70
दिल्ली में कार्यालय परिसर	1,403.70	-	-	-	1,403.70
विजयवाडा धर्मापुरी पाइपलाइन	416.40	-	-	-	416.40
सीबी-220 केवी ग्रिड आपूर्ति सुविधा	1,350.10	-	-	-	1,350.10
एलएनजी रीगैसीफिकेशन टर्मिनल (एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड के संबंध में)	5,848.00	28,000.10	-	-	33,848.10
अन्य परियोजनाएं #	8,718.20	1.20	42.50	-	8,761.90
<b>अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं :</b>					
विभिन्न परियोजनाओं का योग	60.80	-	-	-	60.80
<b>कुल</b>	<b>137,466.30</b>	<b>28,001.30</b>	<b>42.50</b>	<b>-</b>	<b>165,510.10</b>

# कवरिंग परियोजना लागत > 31.03.2024 को मुक्त सीडब्ल्यूआईपी के अधीन ₹ 1000 मिलियन < ₹ 250 मिलियन और अन्यों की अंतर्रस्त परियोजना लागत < = ₹ 1000 मिलियन।

## 31 मार्च, 2023 के अनुसार निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए जीवनकाल :

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित अवधि के लिए सीडब्ल्यूआई में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएं	204,808.45	139,021.01	98,095.63	164,771.23	606,696.32
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	7,051.71	22,871.03	44,718.10	291,853.38	366,494.22
<b>सकल जोड़</b>	<b>211,860.16</b>	<b>161,892.04</b>	<b>142,813.73</b>	<b>456,624.61</b>	<b>973,190.54</b>
घटाएं : संचित हानि					13,255.78
<b>कुल</b>					<b>959,934.76</b>

31 मार्च, 2023 के अनुसार सीडब्ल्यूआईपी के लिए पूर्णता अनुसूची जिनकी पूर्णता अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में लागत आधिक्य हुआ है, निम्नवत है :

## कंपनी के संबंध में \*

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएं :					
पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना—।	-	8,912.06	-	-	8,912.06
पाइपलाइन प्रतिस्थापन परियोजना—॥	5,484.45	-	-	-	5,484.45
काकीनाडा में पाइप यार्ड का निर्माण	4,766.11	-	-	-	4,766.11
सीबीएम-बोकारो फील्ड विकास परियोजनाएं	3,396.26	-	-	-	3,396.26



निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अग्नि बचाव प्रणाली का उन्नयन – अंकलेश्वर	1,991.74	-	-	-	1,991.74
हजीरा में सतत सम्मिश्रित विद्युत संयंत्र परियोजना	1,926.48	-	-	-	1,926.48
कुआं प्लेटफार्म विकास परियोजना – I	1,788.56	-	-	-	1,788.56
कुआं प्लेटफार्म विकास परियोजना – II	1,742.93	-	-	-	1,742.93
उरान में गैस टरबाइन विद्युत संयंत्र परियोजना	1,714.68	-	-	-	1,714.68
प्रक्रिया प्लेटफार्म में कम्प्रेसर का उन्न्य	1,351.65	-	-	-	1,351.65
मदानन ब्लॉक में केन्द्रीय प्रसंस्करण सुविधा परियोजना	1,130.69	-	-	-	1,130.69
हजीरा में पलेयरिंग प्रणाली का उन्नयन	850.63	-	-	-	850.63
अग्नि बचाव प्रणाली का उन्नयन – अहमदाबाद	836.29	-	-	-	836.29
एसएपी प्रणाली का उन्नयन	750.13	-	-	-	750.13
लीन गैस कंप्रेसर विकास परियोजना	658.68	-	-	-	658.68
अग्नि बचाव प्रणाली का उन्नयन – मेहसाना	641.49	-	-	-	641.49
तृष्णा ईपीएस सुविधा का विकास	-	446.33	-	-	446.33
अंकलेश्वर में वाटरलाइन परियोजना	443.74	-	-	-	443.74
अंकलेश्वर में एयर कम्प्रेसर का निर्माण	407.50	-	-	-	407.50
निर्माणाधीन अन्य तेल तथा गैस सुविधाएं	2,093.12	98.27	151.44	484.43	2,827.26
अन्य सीडब्ल्यूआईपी-भवन	124.05	15.33	-	-	139.38
अन्य सीडब्ल्यूआईपी-संयंत्र और उपकरण	2,873.68	670.97	-	15.42	3,560.07
संयुक्त उद्यम दक्षिण क्षेत्र में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	22,364.61	3,151.76	-	-	25,516.37
पश्चिमी अपतटीय परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	5,834.24	-	-	-	5,834.24
असम परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	2,544.61	2,257.88	-	-	4,802.49
संयुक्त उद्यम कोलकाता में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	4,243.40	-	-	-	4,243.40
राजामुन्द्री परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	1,822.54	15.22	-	-	1,837.76
अहमदाबाद परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	1,153.49	-	-	-	1,153.49
प्रगतिधीन विकास कुएं – अन्य	1,775.59	1,342.47	-	-	3,118.06
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं :					
सागर प्रगति परिवर्तन परियोजना	-	-	-	4,144.36	4,144.36
सागर लक्ष्मी परिवर्तन परियोजना	-	-	-	2,145.26	2,145.26
बी 127 प्लेटफार्मपर प्रक्रिया गैस कंप्रेसर परियोजना	-	-	-	928.48	928.48
बी-22 फौल्ड की विकास परियोजना	-	-	-	762.21	762.21
असम परिसंपत्ति नवीकरण परियोजना	-	-	480.70	-	480.70
निर्माणाधीन अन्य तेल तथा गैस सुविधाएँ	132.26	174.06	49.78	56.40	412.50
अन्य सीडब्ल्यूआईपी.भवन	13.92	-	1.28	-	15.20
अन्य सीडब्ल्यूआईपी.संयंत्र तथा उपकरण	1.18	-	55.86	-	57.04
एचपीएचटी परिसंपत्ति में निर्माणाधीन विकासात्मक कूप	-	2,585.09	-	-	2,585.09
<b>कुल</b>	<b>74,858.70</b>	<b>19,669.44</b>	<b>739.06</b>	<b>8,536.56</b>	<b>103,803.76</b>

\* कंपनी के संबंध में, परियोजनाओं के कार्यान्वयन में शामिल कंपनी के तकनीकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए अनुमानों के आधार पर अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाओं और परियोजनाओं के पूरा होने की अनुमानित अवधि के साथ अधिक लागत/समय से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की पहचान की जाती है।

## अनुषंगी ओवीएल के संबंध में

प्रगति पर चल रही परियोजनाओं के लिए लागत/समय वृद्धि का आकलन समग्र परियोजना स्तर पर किया जाता है और अनुसूची—||| के तहत इस प्रकटीकरण आवश्यकता के उद्देश्य के लिए गतिविधिवार भौतिक प्रगति पर विचार नहीं किया जाता है। यदि किसी परियोजना की कुल लागतध्यामय—सीमा निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित मूल स्वीकृत लागत/समय—सीमा से अधिक हो गई है, तो उसे लागत/समय वृद्धि के रूप में माना जाता है। इस संबंध में, लागत और समय वृद्धि के आकलन के लिए “परियोजना” का अर्थ है:

क) डब्ल्यूआईपी — उत्पादक ब्लॉक: उत्पादक ब्लॉकों में डब्ल्यूआईपी मौजूदा उत्पादन स्तरों को बनाए रखने तथा त्वरित और बेहतर तेल एवं गैस रिकवरी में योगदान देने के लिए की जाने वाली गतिविधियों से संबंधित है। तदनुसार, उत्पादक ब्लॉकों में डब्ल्यूआईपी प्रबंधन

मूल्यांकन के अनुसार “परियोजना” की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता है और इसलिए, समय/लागत वृद्धि के लिए इसका मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

ख) डब्ल्यूआईपी — विकास खंड: विकास खंडों से उत्पन्न डब्ल्यूआईपी के मामले में, इसे एक “परियोजना” के रूप में माना जाता है और ऐसी गतिविधि से उत्पन्न डब्ल्यूआईपी का समय/लागत वृद्धि के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

ग) कार्य प्रगति पर — अन्वेषण ब्लॉक: किसी अन्वेषणात्मक ब्लॉक से उत्पन्न कार्य प्रगति पर या पहले से उत्पादनरत ब्लॉक के भीतर अन्वेषणात्मक गतिविधि के मामले में, उसे “परियोजना” के रूप में माना जाता है और ऐसी गतिविधि से उत्पन्न कार्य प्रगति पर का समयध्यामय वृद्धि के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

## अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ :					
रिफाइनरी परिसर में गैस डिटेक्टर	365.89	-	-	-	365.89
110 केवी नई केबल ट्रैक और केबल विभाया जाना	114.32	-	-	-	114.32
अन्य	429.82	11.95	-	-	441.77
<b>कुल</b>	<b>910.03</b>	<b>11.95</b>	-	-	<b>921.98</b>
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएँ					
नया कार्यालय भवन	-	-	-	0.81	0.81
एनओएक्स कमी प्रणाली	-	-	-	16.73	16.73
टीजीटीयू वाटर रिमूवल पंप की टीजीटीयू को रोकना	-	-	-	0.21	0.21
डीसीयू एलपीजी की पीएफसीसी यूनिट को रूटिंग	-	-	-	0.18	0.18
सफोलन शुद्धिकरण यूनिट के लिए निर्माण	-	-	-	2.98	2.98
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>20.90</b>	<b>20.90</b>
<b>सकल योग</b>	<b>910.03</b>	<b>11.95</b>	-	<b>20.90</b>	<b>942.88</b>

## अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगतिधीन परियोजनाएँ :					
विशाख रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना	165,783.90	-	-	-	165,783.90
भट्टिंडा में बायोरिफाइनरी	6,545.80	-	-	-	6,545.80
बाडमेर पालनपुर पाइपलाइन	5,525.50	-	-	-	5,525.50



विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
सीबी-220 केवी ग्रिड आपूर्ति सुविधा	2,716.70	-	-	-	2,716.70
मंगलौर में एलपीजी केवर्न	2,438.90	-	-	-	2,438.90
अपशिष्ट उन्नयन सुविधा पिच लोडिंग गैट्री	1,751.50	-	-	-	1,751.50
गंधक प्राप्ति इकाई में गंधक निर्माण इकाई	1,749.90	-	-	-	1,749.90
हसन चेलपल्ली पाइपलाइन	1,396.20	-	-	-	1,396.20
निम्न स्तर पंप हाउस सुविधाओं के साथ समुद्री जल रिसर्व ओसमोसिस- ॥	1,379.80	-	-	-	1,379.80
सल्फर प्राप्ति यूनिट में वैक्यूम प्रेशर स्ट्रिंग एडसौरपश्न	1,215.00	-	-	-	1,215.00
दो खनिज तेल टैंक	1,120.20	-	-	-	1,120.20
दिल्ली में कार्यालय परिसर	1,047.30	-	-	-	1,047.30
विजयवाडा धर्मापुरी पाइपलाइन	811.20	-	-	-	811.20
वाराणसी में नया एलपीजी संयंत्र	-	636.80	-	-	636.80
एलएनजी रीगेसीफिकेशन टर्मिनल (एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड के संबंध में)	28,000.10	-	-	-	28,000.10
अन्य परियोजनाएं #	8,555.40	12.40	-	-	8567.80
अस्थायी रूप से निरंबित परियोजनाएं	57.10	2.80	-	-	59.90
विभिन्न परियोजनाओं का योग					
<b>कुल</b>	<b>230,094.50</b>	<b>652.00</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>230,746.50</b>

# कवरिंग परियोजना लागत > 31.03.2024 को मुक्त सीडब्ल्यूआईपी के अधीन ₹ 1000 मिलियन < ₹ 250 मिलियन और अन्यों की अंतर्रस्त परियोजना लागत < = ₹ 1000 मिलियन।

## 10. निवेश संपत्ति

(₹ मिलियन में)

निम्नलिखित की वहन राशि :	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
फ्रीहोल्ड भूमि	78.48	78.48
भवन	0.19	0.20
<b>कुल</b>	<b>78.67</b>	<b>78.68</b>

सकल वहन राशि	राशि
01 अप्रैल, 2022 को शेष	<b>78.78</b>
वर्ष के दौरान जोड़े	
निपटान/समायोजन/अंतरण	-
31 मार्च, 2023 को शेष	<b>78.78</b>
वर्ष के दौरान जोड़े	
निपटान/समायोजन/अंतरण	-
31 मार्च, 2024 को शेष	<b>78.78</b>

संचित मूल्यहास और क्षति	राशि
01 अप्रैल, 2022 को शेष जोड़े : मूल्यहास व्यय घटाएँ : निपटान/समायोजन/अंतरण पर समाप्त	0.09
31 मार्च, 2023 को शेष जोड़े : मूल्यहास व्यय घटाएँ : निपटान/समायोजन/अंतरण पर समाप्त	0.10
31 मार्च, 2024 को शेष	0.11

## 10.1 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

- 10.1.1 फ्रीहोल्ड भूमि में पूँजीगत वृद्धि के लिए धारित 102.995 एकड़ भूमि शामिल है।
- 10.1.2 निवेश संपत्ति की खरीद, निर्माण और विकास की कोई संविदात्मक बाध्यता नहीं है।
- 10.1.3 उचित मूल्य का सबसे अच्छा साक्ष्य समान संपत्तियों के लिए सक्रिय बाजार में मौजूदा कीमतें हैं।
- 10.1.4 वर्तमान वर्ष के लिए निवेश संपत्ति हेतु लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की गई शुद्ध राशि ₹ शून्य (31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ शून्य) है।
- 10.1.4 स्वतंत्र मूल्य निर्धारक द्वारा किए गए मूल्यांकन के अनुसार उनकी दिनांक 17 नवम्बर, 2023 की रिपोर्ट के अनुसार फ्री-होल्ड भूमि का उचित मूल्य 31 मार्च, 2024 के अनुसार 412.00 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2023 को ₹ 412.00 मिलियन) है।

## 10.2 अनुषंगी कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में

- 10.2.1 प्रतिभूति के रूप में रेहन रखी गई परिसंपत्तियां – ₹ शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य)।
- 10.2.2 उक्त निवेश संपत्ति से कोई आय अर्जित नहीं हुई अथवा इस पर कोई व्यय नहीं किया गया सिवाय ऊपर उल्लिखित मूल्यहास के। सरकार द्वारा अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता मैसर्स फिरोज एन. राज द्वारा जारी दिनांक 04.04.2019 की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार संपत्ति का उचित मूल्य ₹ 2.21 मिलियन है।

## 11. साख (समेकन पर साख सहित)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
लागत अथवा मानद लागत		
प्रारंभिक शेष (टिप्पणी सं. 11.1)	260,587.26	241,229.09
वर्ष के दौरान जोड़े	-	-
विनियम अंतरों का प्रभाव (टिप्पणी सं. 11.5)	3,659.90	19,358.17
<b>कुल</b>	<b>264,247.16</b>	<b>260,587.26</b>
घटाएँ : संचित परिशोधन		
प्रारंभिक शेष	140,253.14	129,172.60
वर्ष के दौरान जोड़े	562.40	166.95
विनियम अंतरों का प्रभाव (टिप्पणी सं. 11.5)	2,067.18	10,913.59
<b>कुल</b>	<b>142,882.72</b>	<b>140,253.14</b>
साख की वहन राशि	121,364.44	120,334.12

11.1 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, साख किसी नाइट्रोजन संयंत्र की खरीद हेतु अधिग्रहण की गई निवल परिसंपत्तियों पर अदा किए गए ₹ 4.04 मिलियन के मूल्य के आधिक्य को दर्शाती है।

11.2 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, साख को पूर्ववर्ती अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल) के आमेलन के कारण कंपनी की बहियों में मान्यता भारतीय लेखांकन मानक (इंड एएस) संक्रमण सुकर समूह (आईटीएफजी) स्पष्टीकरण बुलेटिन 9 में स्पष्टीकरण के अनुसार प्रदान की गई है।



**11.3** अनुषंगी एचपीसीएल के संबंध में, पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड से संबंधित सद्भावना वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान इंड एस 36 के अनुसार बाधित हो गई है।

**11.4** अनुषंगी ओवीएल के संबंध में, सद्भावना समेकन पर उत्पन्न होने वाली सद्भावना का प्रतिनिधित्व करती है। नकदी पैदा उत्पन्न करने वाली इकाइयों को समेकन पर सद्भावना का आवंटन टिप्पणी संख्या 3.4 में उल्लिखित लेखांकन नीति के अनुसार किया जाता है।

**11.5** अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनियम अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा “भारतीय राष्ट्रीय रूपये” में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

## 12. अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	साफ्टवेयर	मार्ग का अधिकार	तकनीकी/प्रक्रिया लाइसेंस	पवन ऊर्जा उपकरण	लाइसेंस और फ्रेन्चाइजी	कुल
<b>01 अप्रैल, 2022 को शेष (देखें टिप्पणी 6.1)</b>	<b>8,208.28</b>	<b>6,150.27</b>	<b>1,330.27</b>	<b>1,932.83</b>	<b>55.96</b>	<b>17,677.61</b>
वर्ष के दौरान जोड़े	1,027.28	239.56	-	-	-	1,266.84
निपटान/समायोजन	(67.95)	(18.60)	10.80	-	1.43	(74.32)
वर्ष के दौरान अंतरण (देखें टिप्पणी सं. 12.2)	(359.03)	-	-	-	-	(359.03)
विदेशी मुद्रा परिवर्तन समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 12.2)	134.02	-	-	-	-	134.02
<b>31 मार्च, 2023 को शेष</b>	<b>8,942.60</b>	<b>6,371.23</b>	<b>1,341.07</b>	<b>1,932.83</b>	<b>57.39</b>	<b>18,645.12</b>
वर्ष के दौरान जोड़े	4,646.59	(28.90)	975.50	-	-	5,593.19
निपटान/समायोजन	(51.67)	(40.10)	-	-	-	(91.77)
वर्ष के दौरान अंतरण (देखें टिप्पणी सं. 12.2)	-	-	-	-	-	-
विदेशी मुद्रा परिवर्तन समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 12.1)	21.62	-	-	-	-	21.62
<b>31 मार्च, 2024 को शेष</b>	<b>13,559.14</b>	<b>6,302.23</b>	<b>2,316.57</b>	<b>1,932.83</b>	<b>57.39</b>	<b>24,168.16</b>
घटाएँ : संवित परिशोधन और क्षति						
संचित परिशोधन						
01 अप्रैल, 2022 को शेष	<b>5,987.00</b>	<b>31.60</b>	<b>627.00</b>	<b>706.09</b>	<b>47.88</b>	<b>7,399.57</b>
वर्ष हेतु प्रावधान	982.46	40.90	226.90	109.10	5.95	1,365.31
निपटान/समायोजन	(78.61)	-	4.10	-	1.36	(73.15)
वर्ष के दौरान अंतरण (देखें टिप्पणी सं. 12.2)	(351.17)	-	-	-	-	(351.17)
विदेशी मुद्रा परिवर्तन समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 12.2)	126.23	-	-	-	-	126.23
<b>31 मार्च, 2023 को शेष</b>	<b>6,665.91</b>	<b>72.50</b>	<b>858.00</b>	<b>815.19</b>	<b>55.19</b>	<b>8,466.79</b>

विवरण	साप्टवेयर	मार्ग का अदि त्कार	तकनीकी/ प्रक्रिया लाइसेंस	पवन ऊर्जा उपकरण	लाइसेंस और फ्रेन्चाइजी	कुल
वर्ष हेतु प्रावधान	1,439.30	(30.20)	263.90	63.40	2.20	1,738.60
निपटान/समायोजन	(48.07)	(6.10)	-	-	-	(54.17)
वर्ष के दौरान अंतरण (देखें टिप्पणी सं. 12.2)	-	-	-	-	-	-
विदेशी मुद्रा परिवर्तन समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 12.1)	19.62	-	-	-	-	19.62
<b>31 मार्च, 2024 को शेष</b>	<b>8,076.76</b>	<b>36.20</b>	<b>1,121.90</b>	<b>878.59</b>	<b>57.39</b>	<b>10,170.84</b>
संचित क्षमता						
01 अप्रैल, 2022 को शेष	<b>3.76</b>	-	-	-	-	<b>3.76</b>
वर्ष हेतु प्रावधान	-	-	-	438.50	-	438.50
निपटान/समायोजन	-	-	-	-	-	-
<b>31 मार्च, 2023 को शेष</b>	<b>3.76</b>	-	-	<b>438.50</b>	-	<b>442.26</b>
वर्ष हेतु प्रावधान	-	-	-	-	-	-
निपटान/समायोजन	-	-	-	-	-	-
<b>31 मार्च, 2024 को शेष</b>	<b>3.76</b>	-	-	<b>438.50</b>	-	<b>442.26</b>
31 मार्च, 2023 को वहन राशि	<b>2,272.93</b>	<b>6,298.73</b>	<b>483.07</b>	<b>679.14</b>	<b>2.20</b>	<b>9,736.07</b>
31 मार्च, 2024 को वहन राशि	<b>5,478.62</b>	<b>6,266.03</b>	<b>1,194.67</b>	<b>615.74</b>	-	<b>13,555.06</b>

- 12.1** अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनियम अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा “भारतीय राष्ट्रीय रूपये” में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।
- 12.2** गत वर्ष के दौरान, अनुषंगी ओवीएल की सखालिन-1 परियोजना से संबंधित राशि “सखालिन-1 एलएलसी की इविवटी में लंबित आनुपातिक स्वामित्व ब्याज” में स्थानांतरित कर दी गई है। (टिप्पणी संख्या 14.1.11)।
- 12.3** समूह की अनुषंगी कंपनी पीएमएचबीएल के पास हसन के रास्ते मंगलौर तथा बंगलौर के मध्य पाइपलाइन बिछाने हेतु मार्ग का अधिकार धारित है। अधिकार को प्राप्त करने की लागत को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में फूंजीकृत किया गया है। यह अधिकार के अनिश्चित (अनंत) अधिकार है जिसमें वैधता की कोई अवधि निर्धारित नहीं की गई है। अतः उक्त को परिशोधित नहीं किया गया है।
- 12.4** अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, मार्ग का अधिकार के प्रति ₹ 887.90 मिलियन (31 मार्च, 2023 के अनुसार : ₹ 757.30

मिलियन) की राशि शामिल है जो अन्य कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों में कंपनी का अंश दर्शाती है।

**12.5** एचपीसीएल समूह ने पवन ऊर्जा-आधारित विद्युत उत्पादन स्टेशन (“संयंत्र” के रूप में संदर्भित) के निर्माण, स्वामित्व, संचालन और रखरखाव के लिए विद्युत आपूर्ति करने वाली संस्थाओं (“नियमक” के रूप में संदर्भित) के साथ सेवा रियायत व्यवस्था स्थापित की है। समझौते के अनुसार, समूह संयंत्र का संचालन और रखरखाव करेगा, और संयंत्र के पर्याप्त उपयोगी जीवन को कवर करने वाली अवधि के लिए विनियामक को उत्पन्न हुई बिजली का क्रय करेगा, जिसे पक्षकारों के बीच आपसी समझौते पर आगे की अवधि के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है। रियायती अवधि के दौरान, समूह आवश्यक रखरखाव सेवाएं प्रदान करने के लिए उत्तरदायी होगा। इसके बदले में, समूह को सेवा रियायत व्यवस्था में निर्धारित सहमत दर पर शुल्क लेने का अधिकार होगा। संयंत्र के निर्माण के मूल्य को एक आस्ति के रूप में मान्यता दी गई है, जिसे आस्ति के उपयोगी जीवन पर परिशोधित किया जाता है।



### 13. विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023* के अनुसार
<b>(1) निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूप (टिप्पणी सं. 13.1)</b>		
लागत अथवा मानद लागत		
प्रारंभिक शेष	206,758.40	221,024.95
वर्ष के दौरान व्यय	57,477.91	43,092.43
तेल और गैस से बिक्री प्राप्तियां (करों का निवल)	(258.50)	(1,302.89)
वर्ष के दौरान मूल्यहास (देखें टिप्पणी सं. 43)	12,754.26	9,582.96
<b>कुल (क)</b>	<b>276,732.07</b>	<b>272,397.45</b>
घटाएँ :		
तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरण	14,811.67	6,106.32
वर्ष के दौरान पश्चलेखित कूप	37,623.14	62,015.40
अन्य समायोजन	-	1,122.43
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 13.2.4)	(680.63)	(3,605.10)
<b>कुल (ख)</b>	<b>51,754.18</b>	<b>65,639.05</b>
<b>अनुयोग (क–ख)</b>	<b>224,977.89</b>	<b>206,758.40</b>
घटाएँ : संचित क्षति		
प्रारंभिक शेष	42,833.46	62,420.22
वर्ष के दौरान प्रावधान की गई	1,972.18	2,695.22
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(4,484.86)	(22,763.02)
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 13.2.4)	93.20	481.04
<b>कुल</b>	<b>40,413.98</b>	<b>42,833.46</b>
निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूपों की वहन राशि	<b>184,563.91</b>	<b>163,924.94</b>
<b>(2) अधिग्रहण लागत</b>		
लागत अथवा मानद लागत	13,650.32	13,635.80
घटाएँ : संचित क्षति	1,000.32	985.80
अधिग्रहण लागत की वहन राशि	<b>12,650.00</b>	<b>12,650.00</b>
<b>(3) विकासाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियां (टिप्पणी सं. 80)</b>		
सकल लागत		
प्रारंभिक शेष	25,592.66	11,476.89
वर्ष के दौरान जोड़े	17,884.82	17,170.28
अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों को अंतरण	(1,285.10)	(3,054.51)
निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों की वहन राशि	<b>42,192.38</b>	<b>25,592.66</b>

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023* के अनुसार
(4) विकासाधीन अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां (टिप्पणी सं. 13.3)		
प्रारंभिक शेष	2,936.37	2,085.62
वर्ष के दौरान व्यय	1,376.93	850.75
वर्ष के दौरान पूँजीकृत	(3,793.32)	-
कुल	<b>519.98</b>	<b>2,936.37</b>
निर्माणाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की वहन राशि	<b>239,926.27</b>	<b>205,103.97</b>

\* पुनर्कथन, टिप्पणी सं. 80 देखें

13.1 वर्ष 2004–05 में कंपनी ने अन्वेषण ब्लॉक केंजी–डीडब्ल्यूएन–98/2 में मैसर्स कर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से ₹ 3,711.22 मिलियन के एकमुश्त मूल्य पर 90% प्रतिभागिता हित प्राप्त किया है जिसे कुओं की परिणामी अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग लागतों के साथ चालू अन्वेषण आत्मक कुओं के अंतर्गत पूँजीकृत किया गया है। वर्ष 2012–13 में कंपनी ने ₹ 2124.44 मिलियन के प्रतिफल पर वास्तविक पूर्व लागत आधार पर मैसर्स कर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से ब्लॉक में शेष 10% प्रतिभागिता हित को प्राप्त किया है। इस ब्लॉक में प्रारंभिक इन–प्लेस भण्डारों को स्थापित किया जा चुका है और मूल पीएससी समय सीमाओं का पालन करते हुए एक अवधारणात्मक क्लस्टर विकास योजना के साथ वाणिज्यिकता की घोषणा (डीओसी) को दक्षिणी खोज क्षेत्र हेतु 21 दिसम्बर, 2009 को और उत्तरी खोज क्षेत्र हेतु 15 जुलाई, 2010 को प्रस्तुत किया गया था। तत्पश्चात, दिसम्बर, 2013 में प्रस्तुत संशोधित डीओसी में समूचे विकास क्षेत्र को 3 क्लस्टरों में विभाजित करके ब्लॉक के क्लस्टर–वार विकास की परिकल्पना की गई थी।

क्लस्टर–2 के संबंध में डीओसी की समीक्षा 25 सितम्बर, 2014 को ब्लॉक की प्रबंध समिति (एमसी) द्वारा की गई थी। क्लस्टर–2 के लिए फील्ड विकास योजना (एफडीपी) दिनांक 08 सितम्बर, 2015 को प्रस्तुत की गई थी और इसे ओएनजीसी बोर्ड 28 मार्च, 2016 को तथा प्रबंध समिति द्वारा दिनांक 31 मार्च, 2016 को अनुमोदित कर दिया गया था। कंपनी द्वारा निवेश निर्णय को अनुमोदित कर दिया गया है। समुद्र के भीतर अभिलिकल राइजर, प्रवाह लाइनों, उप–समुद्री उत्पादन प्रणाली, केन्द्रीय प्रसंस्करण प्लेटफार्म – निवास कर्वाटर उपयोगिता प्लेटफार्म और अभितटीय टर्मिनल हेतु संविदाएं वर्ष 2018–19 के दौरान प्रदान की गई हैं। 31 मार्च, 2021 तक सोलह (16) तेल कुएं, सात (7) गैस कुएं और छह (6) जल इंजेक्टर कुएं ड्रिल किए गए थे। प्रारंभिक मुद्रीकरण की ओर, यह वाशिष्ट और एस 1 परियोजना सुविधाओं का उपयोग करके यू–क्षेत्र से गैस का उत्पादन करने की योजना बनाई गई थी। मार्च 2020 के महीने में एक गैस कुआं–यू3बी पूरा हुआ और 5 मार्च, 2020 को

परीक्षण उत्पादन शुरू हुआ। कंपनी के लेखांकन नीति के अनुसार, वर्ष 2019–20 के दौरान तेल और गैस आस्तियां सिद्ध विकसित भंडारों की स्थापना के लिए कुएं यू3बी के लिए बनाई गई हैं। कुएं से वाणिज्यिक उत्पादन 25 मई, 2020 को प्रारंभ किया गया था। इसी प्रकार, यू1बी और कुओं यू1 ए शिपट पूर्ण हुआ और उनसे उत्पादन क्रमशः 26 अगस्त, 2021 और 28 अप्रैल, 2022 को प्रारंभ हुआ। 7 जनवरी 2024 को क्लस्टर ॥ के एम फील्ड के 4 तेल कुओं नामतः पीडीएमए, पीडीएमबी, पीडीएमसी और पीडीएमजी से तेल उत्पादन प्रारंभ हुआ।

31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार क्लस्टर ॥ के अंतर्गत प्रगति पर विकास कुओं, पूँजीगत कार्य तथा तेल और गैस आस्तियों की लागत क्रमशः ₹ 45563.32 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 56,147.21 मिलियन), ₹ 169,552.16 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 142,392.36 मिलियन) और ₹ 80,614.38 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 27,392.38 मिलियन) है। अनुमोदित एफडीपी के संबंध में, परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने 19 अगस्त, 2022 को क्लस्टर–॥ विकास के लिए आरएफडीपी डीजीएच (हाइड्रोकार्बन महानिवेशालय) को प्रस्तुत किया है, जो डीजीएच में समीक्षाधीन है।

सीपीपी टॉपसाइड पर निर्भरता को छोड़कर गैस सिस्टम से संबंधित सभी सबसी इंस्टॉलेशन कार्य और पाइप बिछाने का काम पूरा हो चुका है। सीपीपी टॉपसाइड को 24 मार्च, 2024 को फ्लोट ओवर विधि का उपयोग करके स्थापित किया गया था। एलक्यूयूपी टॉपसाइड और संबंधित संरचनाओं की स्थापना के लिए तैयारियाँ चल रही हैं। इसके बाद, उत्पादन शुरू करने के लिए आरएंडए फील्ड के शेष गैस कुओं को जोड़ा जाएगा। शेष तेल प्रणाली सुविधाओं को पूरा करने के लिए कार्य प्रगति पर है और इसके वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान पूरा होने की आशा है।

इसके अलावा, एमसी ने खनन पट्टा क्षेत्र में क्लस्टर–॥ (500 एसकेएम के लिए) में 4सी–3डी ओबीएन भूकंपीय डाटा अधिग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या को मंजूरी दे दी है जो 13 मार्च, 2024 को प्रारंभ हुआ।



कलस्टर—। के संबंध में एफडीपी को ई1 में गैस खोजों के विकास और एफ1 क्षेत्र में तेल खोजों के एकीकृत विकास के लिए वित्त वर्ष 2019–20 में प्रबंधन समिति द्वारा जीएस-29 क्षेत्र के नामित क्षेत्रों के साथ अनुमोदित किया गया था। ई-1 कूप की एफ-1 से निकटता को देखते हुए, दोनों परियोजनाओं अर्थात् (i) जीएस-29, डीडब्ल्यूएन-एफ1 और (ii) डीडब्ल्यूएन-ई1 को मिलाकर समुद्री सर्वेक्षण, जहाजों को जुटाने, परामर्श सेवाओं को काम पर रखने और समुद्र के नीचे सुविधाओं में अनुकूलन के लिए लागत बचत होगी। उपरोक्त को देखते हुए, समय और लागत लाभ के लिए दोनों परियोजनाओं को एकीकृत करने का निर्णय लिया गया। 06 मई 2022 के पत्र के माध्यम से एमसी को इसके विषय में सूचित किया गया। जीएस-29, ई1 मूल्यांकन सह विकास कुरंगी की ड्रिलिंग 30 अप्रैल, 2021 को पूरी हुई। डीडब्ल्यूएन-ई1 और डीडब्ल्यूएन-एफ1 और जीएस-29 के एकीकृत विकास के विषय में ओएनजीसी कार्यकारी समिति (ईसी) को सूचित किया गया। ईसी ने 13 अप्रैल, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में एकीकृत परामर्श सेवाओं (अर्थात् प्री-फीड, फीड और पीएमसी), समुद्री सर्वेक्षण (भूतोंतिकीय, भू-तकनीकी और मौसम-महासागर सर्वेक्षण), समुद्री सर्वेक्षण और ईआईएआरए अध्ययन के लिए परामर्श सेवाएं और टीपीआई जैसी परियोजना-पूर्व गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी। मौसम महासागर सर्वेक्षण और एकीकृत परामर्श सेवाओं को तैनात करने का काम सौंपा गया है और यह कार्य प्रगति पर है। भू-तकनीकी सर्वेक्षण की भर्ती मई 2024 तक पूरी होने की आशा है। 31 मार्च 2024 तक निर्माणाधीन विकास कूपों की लागत ₹ 885.56 मिलियन है (पिछले वर्ष ₹ 885.56 मिलियन)।

कलस्टर ।।। के संबंध में, कंपनी ने 1 अगस्त, 2022 को कलस्टर-।।। के यूडी-1 अन्वेषण के लिए एफडीपी प्रस्तुत कर दी है। जांच के बाद एफडीपी को डीजीएच द्वारा एक व्यापक एफडीपी पुनः प्रस्तुत करने के लिए वापस कर दिया गया है। कंपनी प्रस्तावित 4सी-3डी ओबीएन भूकंपीय अध्ययन (150 एसकेएम), जिसके लिए एमसी का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है और डाटा आगामी फील्ड सत्र में एकत्र किया जाएगा, के परिणामों को शामिल करके एक व्यापक एफडीपी तैयार करने का प्रस्ताव रखती है। इसके अलावा, कंपनी ने यूडी-1 अन्वेषण क्षेत्र में 4सी-3डी ओबीएन भूकंपीय डेटा का अधिग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से पीईएल समय-सीमा को 41 माह अर्थात् 1 जनवरी 2026 तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। विस्तार को दिनांक 26.12. 2023 के पत्र के माध्यम से अनुमोदित कर दिया गया है।

सभी कलस्टरों के विकास हेतु निश्चित योजना के महेनजर ब्लॉक में अन्वेषणात्मक कुओं की लागत अर्थात् ₹ 25969.21 मिलियन (गत वर्ष ₹ 32678.81 मिलियन) को अग्रेन्टि किया गया है।

### 13.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

- 13.2.1 कंपनी के ब्लॉक-24, सीरिया में प्रतिभागी हित है। सीरिया में संघर्ष की स्थिति के महेनजर परियोजना के प्रचालन 29 अप्रैल, 2012 से अस्थायी रूप से स्थगित है। परिणामस्वरूप, समूह ने 31 मार्च, 2024 के अनुसार ₹ 3423.60 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 3373.91 मिलियन) की संचित क्षति के साथ निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य में अपने अंश को पूर्णतः क्षतिबद्ध किया है।
- 13.2.2 कंपनी द्वारा गैस के अन्वेषण किए जाने के साथ ब्लॉक फरजाद-बी, ईरान एक सफल अन्वेषणकारी परियोजना थी। अन्वेषण सेवा संविदा का अन्वेषण चरण 24 जून, 2009 को समाप्त हो गया। विकास सेवा अनुबंध (डीएससी) को अंतिम रूप दिए जाने तक, लंबित अन्वेषणकारी कूपों की ₹ 2,841.96 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2,800.71 मिलियन) की राशि की लागत लेखाओं में प्रदान की गई है। राष्ट्रीय ईरानी तेल कंपनी (एनआईओसी) ने एक स्थानीय ईरानी कंपनी के साथ फरजाद-बी गैस क्षेत्र के विकास के संबंध में एक विकास सेवा संविदा (डीएससी) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी अन्य भारतीय कंसोर्टियम (आईसी) भागीदारों के साथ डीएससी में उचित भागीदारी के लिए एनआईओसी के साथ बातचीत/चर्चा कर रही है।
- 13.2.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, अधिग्रहण लागत प्रमाणित या अप्रमाणित तेल और गैस संपत्तियों के संपत्ति या खनिज अधिकारों को प्राप्त करने की लागत से संबंधित है, जो वर्तमान में अन्वेषण चरण में हैं ये ऐसी लागत परियोजना से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने पर तेल और गैस परिसंपत्तियों को हस्तांतरित कर दी जाएगी या अन्वेषण परियोजना को छोड़ने की स्थिति में उसे बढ़े खाते में डाल दिया जाएगा।
- 13.2.4 कंपनी ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनियम अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा “भारतीय राष्ट्रीय रूपये” में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।
- 13.3 अनुषंगी एचपीसीएल और एमआरपीएल के संबंध में, विकासाधीन अन्य अमूर्त संपत्तियां तकनीकी/प्रक्रिया लाइसेंस, सॉफ्टवेयर आदि से संबंधित हैं।

13.4 31 मार्च, 2024 के अनुसार विकास के अधीन होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियों का जीवनकाल :

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित अवधि के लिए आईएयूडी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ	60,910.08	41,603.86	26,682.01	93,783.98	222,979.93
अस्थायी रूप से अस्थगित परियोजनाएँ	811.77	3.98	25.73	57,519.16	58,360.64
<b>सकल जोड़</b>	<b>61,721.85</b>	<b>41,607.84</b>	<b>26,707.74</b>	<b>151,303.14</b>	<b>281,340.57</b>
घटाएँ : संचित क्षति					41,414.30
<b>कुल</b>					<b>239,926.27</b>

31 मार्च, 2024 के अनुसार विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों के लिए पूर्णता अनुसूची जिनकी पूर्णता अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में लागत आधिक्य हुआ है, निम्नवत है :

कंपनी के संबंध में\*

(₹ मिलियन में)

निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ :					
निम्नलिखित पर अन्वेषणात्मक कूप					
— मुंबई अपतट	8,918.25	6,650.19	11,470.63	22,495.41	49,534.48
— राजमहेंद्री परिसंपत्ति	34,384.85	1,001.30	30.29	-	35,416.44
— संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक मुंबई अपतट	9,474.31	-	1,992.25	5,389.47	16,856.03
— संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक कोलकाता	4,152.85	830.78	-	10,896.79	15,880.42
— अगरतला परिसंपत्ति	9,838.45	-	8.58	-	9,847.03
— संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक चेन्नै	677.75	6.36	6,419.43	-	7,103.54
— असम परिसंपत्ति	1,434.75	4.19	-	-	1,438.94
— अन्य	3,920.74	2,390.67	982.50	-	7,293.91
अस्थायी रूप से अस्थगित परियोजनाएँ :					
निम्नलिखित पर अन्वेषणात्मक कूप					
— अन्य	781.13	-	-	779.57	1,560.70
<b>कुल</b>	<b>73,583.08</b>	<b>10,883.49</b>	<b>20,903.68</b>	<b>39,561.24</b>	<b>144,931.49</b>

वर्तमान वर्ष और पिछले वर्ष के अंत में और ऐसी कोई निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्ति नहीं है (जिसकी पूर्णता अतिदेय नहीं हो या जिसका अपनी मूल योजना की तुलना में लागत आधिक्य नहीं हुआ हो)।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
निर्माणाधीन परियोजनाएँ					
विशाख रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना के लिए प्रक्रिया लाइसेंस	294.90	-	-	-	294.90
<b>कुल</b>	<b>294.90</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>294.90</b>



### अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगतिधीन परियोजनाएं					
सैप का क्रियान्वयन – एस4/एचएनए का फाइल जीवन चक्र प्रबंधन	9.82	-	-	-	9.82
<b>कुल</b>	<b>9.82</b>	-	-	-	<b>9.82</b>

### अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगतिधीन परियोजनाएं :					
1. बांग्लादेश ब्लॉक एसएस-04	104.02	-	-	-	104.02
2. बांग्लादेश ब्लॉक एसएस-09	126.06	-	-	-	126.06
3. स्थानार ईपी-3	70.03	-	-	-	70.03
4. वियतनाम ब्लॉक 128	166.72	-	-	-	166.72
5. सूडान (ब्लॉक 5क)	-	-	-	445.73	445.73
अस्थायी रूप से निरंबित परियोजनाएं					
1. सीरिया अभिट ब्लॉक एन24	-	-	-	3,423.60	3,423.60
2. लीबिया संविदा क्षेत्र 43	-	-	-	833.60	833.60
3. स्पान्सार बी2	33.30	-	-	-	33.30
4. ईरान फरजाद-बी	-	-	-	2,841.96	2,841.96
5. एरिया 1, मोजाम्बिक	-	-	-	36,871.26	36,871.26
सकल योग	500.13	-	-	44,416.15	44,916.28
घटाएं : प्रावधान					(7,299.18)
<b>कुल</b>					<b>37,617.10</b>

### 31 मार्च, 2023 के अनुसार विकास के अधीन होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियों का जीवनकाल :

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित अवधि के लिए आईएयूडी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगतिधीन परियोजनाएं	47,704.61	28,806.89	18,619.32	93,009.67	188,140.49
अस्थायी रूप से आस्थिगत परियोजनाएं	47.95	737.29	4,054.95	55,942.55	60,782.74
सकल जोड़	<b>47,752.56</b>	<b>29,544.18</b>	<b>22,674.27</b>	<b>148,952.22</b>	<b>248,923.23</b>
घटाएं : संचित क्षति					43,819.26
<b>कुल</b>					<b>205,103.97</b>

31 मार्च, 2023 के अनुसार विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों के लिए पूर्णता अनुसूची जिनकी पूर्णता अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में लागत आधिक्य हुआ है, निम्नवत है :

कंपनी के संबंध में \*

(₹ मिलियन में)

प्रगतिधीन पूँजीगत कार्य	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगतिधीन परियोजनाएँ :					
निम्नलिखित पर अन्वेषणात्मक कुल					
– मुंबई अपतट	4,894.68	4,009.88	8,109.19	22,282.00	39,295.75
– राजामुंद्री परिसंपत्ति	34,200.28	-	-	-	34,200.28
– ब्लॉक केर्जी-डीडल्यूएन-98 / 02	36.88	12,118.22	5,693.36	14,680.13	32,528.59
– संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक मुंबई अपतट	-	7,237.09	2,230.48	1,990.92	11,458.49
– अगरतला परिसंपत्ति	4,903.58	1,938.09	-	-	6,841.67
– असम परिसंपत्ति	2,112.84	2,434.56	923.16	-	5,470.56
– अन्य	9,224.39	1,989.61	229.77	419.07	11,862.84
अस्थायी रूप से आस्थायित परियोजनाएँ :					
निम्नलिखित पर अन्वेषणात्मक कूप					
– संयुक्त रूप से प्रचालित ब्लॉक मुंबई अपतट	-	-	2,608.47	-	2,608.47
– अन्य	1,713.11	-	-	-	1,713.11
<b>कुल</b>	<b>57,085.76</b>	<b>29,727.45</b>	<b>19,794.43</b>	<b>39,372.12</b>	<b>145,979.76</b>

\* अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाओं और परियोजनाओं के कार्यान्वयन में शामिल कंपनी के तकनीकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए अनुमानों के आधार पर परियोजनाओं के पूरा होने की अनुमानित अवधि के साथ लागत में वृद्धि/समय आधिक्य की पहचान की जाती है।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगतिधीन परियोजनाएँ					
विशाख रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना के लिए प्रक्रिया लाइसेंस	953.10	-	-	-	953.10
ईआरपी आधुनिकीकरण परियोजना	1,983.20	-	-	-	1,983.20
<b>कुल</b>	<b>2,936.30</b>	-	-	-	<b>2,936.30</b>

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगतिधीन परियोजनाएँ :					
1. बांगलादेश ब्लॉक एसएस-04	-	103.03	-	-	103.03
2. बांगलादेश ब्लॉक एसएस-09	-	127.71	-	-	127.71



विवरण	निम्नलिखित में पूर्ण होना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
3. स्पानमार ईपी-3	64.59	-	-	-	64.59
4. वियतनाम ब्लॉक 128	164.30	-	-	-	164.30
5. सूडान (ब्लॉक 5क)	-	-	-	439.26	439.26
6. ब्लॉक एसएसजे-एन-7	794.62	-	-	-	794.62
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं					
1. सीरिया अभियान ब्लॉक एन24	-	-	-	3,373.91	3,373.91
2. लीबिया संविदा क्षेत्र 43 ब्लॉक 1, 2	-	-	-	821.50	821.50
3. स्पान्नार बी2	-	32.92	-	-	32.92
4. ईरान फरजाद-ख	-	-	-	2,800.71	2,800.71
5. एरिया 1, मोजम्बीक्यू	-	-	-	36,336.06	36,336.06
सकल योग	1,023.51	263.66	-	43,771.44	45,058.61
घटाएँ : प्रावधान					(7,193.34)
<b>कुल</b>					<b>37,865.27</b>

## 14. निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
<b>14.1 संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में निवेश</b>		
(1) एसोसिएट	165,263.37	174,955.59
(2) संयुक्त उद्यम	243,486.02	218,790.49
अनुयोग	<b>408,749.39</b>	<b>393,746.08</b>
<b>14.2 निवेश— सखालिन-1 एलएलसी की इकियटी में लंबित आनुपातिक स्वामित्व हित (टिप्पणी संख्या 14.1.11)</b>	145,071.22	142,965.46
<b>14.3 अन्य निवेश</b>		
(1) अन्य इकियटी लिखत में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 14.2(1))	411,740.59	197,385.14
(2) प्रतिभूतियों में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 14.2(2))	-	2,575.23
(3) बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 14.2(3))	2,708.75	365.22
अनुयोग	<b>414,449.34</b>	<b>200,325.99</b>
<b>कुल निवेश</b>	<b>968,269.95</b>	<b>737,037.13</b>

## 14.1 संयुक्त उद्यमों और सहयोगी कंपनियों में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
इकियटी लिखतों में निवेश				
(1) एसोसिएट (देखें टिप्पणी सं.14.1.13)				
(क) पवन हंस लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10,000 प्रति शेयर)	0.27	4,236.19	0.27	4,251.50
(ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (उद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10,000 प्रति शेयर)	187.50	21,761.40	187.50	19,080.70
(ग) रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) *** (अंकित मूल्य ₹ 10,000 प्रति शेयर)	-	248.09	-	-
(घ) पेट्रो काराबोबो एस.ए. (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 बोलीवर प्रति शेयर)	1.13	5,468.39	1.13	3,276.70
(ङ) काराबोबो इन्जिनियरिंग वाई कन्स्ट्रक्शियोन्स, एस.ए. (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त)*** (अंकित मूल्य 1 बोलीवर प्रति शेयर)	-	0.35	-	0.34
(च) पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए. (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 बोलीवर प्रति शेयर)	0.04	18,309.00	0.04	16,618.63
(छ) साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	0.02	6,601.47	0.02	6,774.65
(ज) तम्बा बी.वी. (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त)*** (अंकित मूल्य 10 यूरो प्रति शेयर)	-	4,897.13	-	4,945.91
(झ) जेएससी वेन्कोरनेपट, रूस (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 रूबल प्रति शेयर)	3.09	84,636.12	3.09	103,774.86
(ञ) मोजाम्बिक एलएनजी1 होलिडग कंपनी लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	68.34	7,018.06	68.34	5,129.25
(ट) फालकन ऑयल एंड गैस बी.वी. (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) *** (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	-	22,832.54	-	21,836.08
(ठ) भारत एनर्जी ऑफिस, एलएलसी (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) *** (अंकित मूल्य 1,000,000 रुबल प्रति शेयर)	-	3.81	-	7.12
(ड) जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	66.77	355.81	66.77	372.78
(ड) जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	243.24	2,138.70	208.12	1,941.35
घटाएं : क्षति की कुल राशि		(13,243.69)		(13,054.28)
एसोसिएट में कुल निवेश		165,263.37		174,955.59



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(2) संयुक्त उद्यम में निवेश (देखें टिप्पणी सं.14.1.14)				
(क) मंगलौर एसईजे१ लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	13.48	22.07	13.48	-
(ख) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं.14.1.3 और 14.1.4)	997.98	20,779.27	997.98	39,688.75
(ग) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	12.50	554.09	12.50	479.33
(घ) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	560.00	7,809.55	560.00	7,893.87
(ङ) दहेज एसईजे१ लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	23.02	1,718.20	23.02	1,512.03
(च) इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 14.1.2 और 14.1.5)	222.36	2,262.46	198.00	1,975.47
(छ) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	15.00	460.19	15.00	448.61
(ज) ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	24.99	2,083.17	24.99	2,052.93
(झ) मानसरोवर एनर्जी कोल्बिया लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	0.01	11,043.68	0.01	10,616.40
(ञ) हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी. (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 यूरो प्रति शेयर)	0.05	193.14	0.05	198.90
(ट) एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (देखें टिप्पणी सं. 14.1.12.1) (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	3,939.56	77,139.17	3,939.56	69,317.43
(ठ) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	4.73	2,918.32	4.73	2,492.30
(ड) एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 14.1.12.1)	10,630.14	102,956.65	7,226.14	69,169.12
(ढ) पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 14.1.12.2)	16.00	4.40	16.00	4.40
(ण) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्वत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	50.00	934.88	50.00	1,161.49

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(त) भाग्यनगर गैस लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	43.65	2,164.65	43.65	1,979.09
(थ) अवंतिका गैस लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	29.56	2,305.50	29.56	1,952.30
(द) मुंबई एविएशन प्लान फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	52.92	1,077.40	52.92	1,024.72
(ध) रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	50.00	267.48	50.00	279.73
(न) गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	29.10	240.91	26.00	225.62
(प) एचपीओआईएल गैस प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	96.00	1,027.21	72.50	743.80
(फ) आईएचबी प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर)	764.50	7,606.80	764.50	7,627.13
घटाएँ : क्षति की कुल राशि		(2,083.17)		(2,052.93)
संयुक्त उद्यमों में कुल निवेश		<b>243,486.02</b>		<b>218,790.49</b>
संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में कुल निवेश		<b>408,749.39</b>		<b>393,746.08</b>

\*\*\* शेयरों की संख्या

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या
रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड		4,899		4,899
तम्बा बी.वी.		1,620		1,620
काराबो इन्जेनियरिंग वाई कन्स्ट्रकशियोन्स, एस.ए.		275		275
फालकन ऑयल एंड गैस बी.वी.		40		40
भारत एनर्जी ऑफिस, एलएलसी		1		1

14.1.1 कंपनी पर संबंधित कंपनियों में निवेश को कम करने पर तब तक प्रतिबंधित है जब तक कि प्रायोजित ऋणों को संबंधित कंपनियों के संबंधित ऋण समझौतों में प्रसंविदाओं के अनुसार पूर्णतः चुकता न कर लिया जाए।

14.1.2 वर्ष के दौरान, कंपनी ने इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) के अतिरिक्त 24,360,000 (पिछले वर्ष 113,000,000) इविवटी शेयर सब्सक्राइब किए हैं, जो एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसका अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति शेयर है।

14.1.3 कंपनी ने 9.75 रुपए प्रति शेयर वारंट की दर से ओएनजीसी पेट्रोएडीशन्स लिमिटेड के 3,451,240,000 शेयर वारंट सब्सक्राइब किए जो कंपनी को जारी किए गए प्रत्येक शेयर वारंट के सबस्क्रिप्शन के 36 माह के भीतर प्रत्येक शेयर हेतु ₹ 0.25 के शेष भुगतान के पश्चात ₹ 10 प्रत्येक के अंकित मूल्य के इविवटी शेयर के साथ बदलने हेतु पात्र बनाता है। ओपीएल द्वारा जारी शेयर वारंट में कंपनी द्वारा सब्सक्राइब किए गए शेयर वारंटों की रिथित नीचे दर्शाई गई है:



शेयर वारंट जारी किए जाने की तारीख	सबस्क्राइब किए गए वारंटों की संख्या	शेयर वारंटों का मूल्य (मिलियन रुपए में)	कंपनी द्वारा अदा की गई सबस्क्राइब की राशि (मिलियन रुपए में)	वारंटों के निष्पादन/परिवर्तन की तिथि
25 अगस्त, 2015	1,922,000,000	19,220.00	18,739.50	24 अगस्त, 2024
13 दिसम्बर, 2018	636,000,000	6,360.00	6,201.00	12 दिसम्बर, 2024
07 अप्रैल, 2020	893,240,000	8,932.40	8,709.09	06 अक्टूबर, 2024

14.1.4 कंपनी ने संयुक्त उद्यम ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड द्वारा तीन खेप में जारी ₹77,780.00 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष ₹77,780.00 मिलियन रुपये) की राशि के बाध्यकारी रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) के मूलधन तथा संचित कूपन राशि के पुनर्भुगतान के प्रति बैंक स्टोरेज सहायता हेतु एक समझौता भी किया है। 31 मार्च, 2024 को बकाया प्रोद्भूत ब्याज ₹ 2212.45 मिलियन (पिछले वर्ष 17,66.85 मिलियन रुपये) है। ₹ 56,150.00 मिलियन और ₹ 4920 मिलियन की राशि की क्रमशः पहली और तीसरी खेप को 6 माह की और अवधि के लिए बढ़ाया गया है और यह क्रमशः मई, 2024 और अगस्त, 2024 में परिपक्ता हेतु देय होगी। ₹ 16,710 मिलियन राशि के सीसीडी की दूसरी खेप अप्रैल 2024 में परिपक्ता के लिए देय है। उक्त को 18 माह की अवधि के लिए आगे बढ़ाया गया है पुट विकल्प का उपोग करने की तिथि 18 अक्टूबर, 2024 होगी और परिवर्तन तिथि 18 नवम्बर, 2024 होगी।

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान की विशेषज्ञ सलाहकार समिति (ईएसी) की राय के आधार पर, कंपनी ने मूलधन के पुनर्भुगतान और ओपीएएल में मानित निवेश की तदनुरूपी मान्यता के साथ कूपन राशि के प्रति वित्तीय गारंटी दायित्व के लिए बैंकस्टोरेज समर्थन के लिए उचित मूल्य पर वित्तीय दायित्व को मान्यता दी है।

₹ 62,402.66 मिलियन की मानित निवेश राशि (31 मार्च, 2023 तक ₹ 62,393.68 मिलियन) में इन सीसीडी के प्रति वित्तीय देयता के उचित मूल्य के लिए ₹ 62,308.05 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 62,308.05 मिलियन) और ओपीएएल के लिए बिना किसी प्रतिफल के दी गई वित्तीय गारंटी पर गारंटी शुल्क के उचित मूल्य के लिए ₹ 94.61 मिलियन (31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार ₹ 85.63 मिलियन) शामिल हैं।

14.1.5 कंपनी के संयुक्त उद्यम इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) ने आईजीजीएल के प्रवर्तकों द्वारा गारंटीकृत नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड परियोजना के कार्यान्वयन के उद्देश्य से उनकी शेयरधारिता का अनुपात पर 25 अगस्त, 2021 को तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से ₹ 25,940 मिलियन के ऋण मंजूरी ली थी। वर्ष के दौरान आईजीजीएल द्वारा ₹ 25940 मिलियन की संस्थाकृत राशि में से ₹ 5600 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 1000 मिलियन) का ऋण लिया गया है। कंपनी ने उपरोक्त वित्तीय गारंटी के लिए आईजीजीएल में ₹ 50.51 मिलियन (31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार : ₹ 7.68 मिलियन) के मानित निवेश की मान्यता के साथ आईजीजीएल में अपनी शेयरधारिता के संबंध में एक वित्तीय गारंटी दायित्व को मान्यता प्रदान की है।

14.1.6 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, 22 मार्च, 2024 को आयोजित अपनी बैठक के दौरान, निदेशक मंडल ने आईएलएंडएफएस से मैगलोर एसईजे लिमिटेड (एमएसईजेडएल) के 1,34,80,000 इकिवटी शेयरों को ₹ 35 प्रति शेयर की दर से ₹ 471.80 मिलियन के कुल मूल्य पर अधिग्रहण करने को मंजूरी दी। इस अधिग्रहण के बाद, कंपनी की इकिवटी हिस्सेदारी 0.96% से बढ़कर 27.92% हो जाएगी। अधिग्रहण के पूरा होने की सांकेतिक समय अवधि एक वर्ष है। 31.03.2024 तक एमएसईजेडएल में प्रभावी समूह हिस्सेदारी 26.78% है।

इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद एमएसईजेडएल में प्रभावी समूह हिस्सेदारी 48.60% होगी।

## 14.1.7 इकिवटी लेखांकित संयुक्त उद्यम के मूल्य में क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	<b>15,107.21</b>	<b>3,394.09</b>
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त	(2.85)	11,178.88
वर्ष के दौरान प्रत्यावर्तन	-	-
विनियम अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 14.1.7.1)	222.50	534.24
वर्ष के अंत में शेष	<b>15,326.86</b>	<b>15,107.21</b>

14.1.7.1 समूह की अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपने क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी मूल्य अंतर ओएनजी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा भारतीय राष्ट्रीय रूपये में परिवर्तित किए जाने के चलते अंतरों को प्रदर्शित करते हैं। देखें टिप्पणी 3.19 तथा 5.1(क)।

## 14.1.7.2 संचित क्षति का ब्यौरा

(₹ मिलियन में)

विवरण	संबंध	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एसए	एसोसिएट	8,367.16	8,248.53
ताम्बा बी.वी.	एसोसिएट	4,876.53	4,805.75
ओएनजीसी मित्तल एनजी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	2,083.17	2,052.93
<b>कुल</b>		<b>15,326.86</b>	<b>15,107.21</b>

14.1.8 गत वर्ष के दौरान, समूह ने आकलन किया है कि सड़ पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी (एसपीओसी) में ₹ 0.02 मिलियन (241.25 यूएसडी) का निवेश संयुक्त उद्यम के स्थान पर संयुक्त प्रचालन की प्रकृति का है। तदनुसार, एसपीओसी में निवेश के साथ-साथ ₹ 0.02 मिलियन (241.25 यूएसडी) की हानि के प्रावधान को तेल और गैस परिसंपत्तियों के भाग के रूप में अधिग्रहण लागत के अंतर्गत पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

14.1.9 सहयोगी तांबा बीवी में निवेश के संबंध में, तांबा बीवी के प्रबंधन ने कंपनी का परिसमापन करने के अपने निर्णय की सूचना दी है, जिसके कारण समूह द्वारा तांबा बीवी के एक सतत चिंता के रूप में जारी रहने की आशा नहीं की गई है। इसे ध्यान में रखते हुए, पिछले वर्ष में तांबा बीवी में निवेश के मूल्य की उस तारीख को ताम्बा बीवी की निवल संपत्ति में समूह की आनुपातिक हिस्सेदारी से अधिक को बाधापूर्ण हानि के प्रावधान के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

14.1.10 भारत विश्व बैंक नकारात्मक शपथ प्रसंविदा (डब्ल्यूबीएनपी) के अध्यधीन है, जो पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक के ऋणों की सामान्य शर्तों में अंतर्विष्ट है, जो भारत की ‘सार्वजनिक आस्तियों’ पर सुरक्षा हितों (मोटे तौर पर परिभाषित) के अनुदान पर कठिपप्य निर्बंधन अधिरोपित करता है। तदनुसार, क्षेत्र 1 परियोजना में भारतीय प्रायोजक अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली संस्थाओं के साथ डब्ल्यूबीएनपी प्रसंविदा से प्रभावित हैं और इसके परिणामस्वरूप, उनके पीआई पर और परियोजना की आस्तियों और प्राप्तों के उनके भाग में वरिष्ठ लेनदारों के पक्ष में कोई प्रतिज्ञा, प्रभार या ऐसी अन्य प्रतिभूति देने का प्रस्ताव नहीं है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, एक पारंपरिक सुरक्षा पैकेज के अनुदान के स्थान पर, अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश रोबुमा लिमिटेड ने परियोजना वित्त व्यवस्था के तहत सीएसए (सामान्य सुरक्षा करार) सुरक्षा संरक्षक के रूप में कार्य करते हुए स्टैंडर्ड बैंक, एस.ए. को अपने सहयोगी मोज एलएनजी 1 होलिडंग कंपनी लिमिटेड के शेयरों पर कस्टडी व्यवस्था प्रदान की है।



#### 14.1.11 सखालिन–1 एलएलसी के इकिवटी में अनुपातिक स्वामित्व हित लंबित होने के चलते निवेश का ब्यौरा (देखें टिप्पणी सं. 62)

विवरण	राशि (₹ मिलियन में)
<b>परिसंपत्तियां</b>	
तेल और गैस परिसंपत्तियां – सकल	424,567.47
घटाएँ : संचित मूल्यज्ञास और क्षति	(235,175.18)
अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण – सकल	59,666.56
घटाएँ : संचित मूल्यज्ञास	(53,615.28)
प्रगतिधीन विकासात्मक कुएं	6,051.28
प्रगतिधीन तेल और गैस सुविधाएं	1,740.77
अमूर्त परिसंपत्तियां	3,952.15
म्युचुअल फंड में निवेश (सखालिन–1 के लिए स्थल पुनरुद्धार निधि के प्रति)	7.86
नकदी और वस्तु में प्राप्त अग्रिम	48,277.63
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	412.08
अन्य परिसंपत्तियां	390.73
मालसूची	412.72
नकदी और नकदी तुल्य	7,885.90
<b>कुल (क)</b>	1,325.67
<b>देयताएं</b>	<b>259,849.08</b>
अन्य वित्तीय देयताएं	3,370.20
बंद किए जाने के लिए प्रावधान	42,392.90
आस्थागित कर देयताएं	68,565.24
देय व्यापार	2,268.35
अन्य वर्तमान देयताएं	8.48
<b>कुल (ख)</b>	<b>116,605.17</b>
14.10.2022 को सखालिन–1 एलएलसी के इकिवटी में अनुपातिक स्वामित्व हित लंबित होने के चलते निवेश ((क)+(ख))	<b>143,243.91</b>
जोड़ें : अमेरीकी डॉलर से रुपए में परिवर्तन के कारण विनिमय अंतर	(278.45)
31.03.2023 को सखालिन–1 एलएलसी के इकिवटी में अनुपातिक स्वामित्व हित लंबित होने के चलते निवेश	<b>142,965.46</b>
जोड़ें : अमेरीकी डॉलर से रुपए में परिवर्तन के कारण विनिमय अंतर	2,105.76
31.03.2024 को सखालिन–1 एलएलसी के इकिवटी में अनुपातिक स्वामित्व हित लंबित होने के चलते निवेश	<b>145,071.22</b>

#### 14.1.12 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

14.1.12.1 फरवरी, 2010 में लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्रक उद्यमों (पीएसयू) के निदेशक मंडल संयुक्त उद्यमों तथा पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों में निवेश कर सकते हैं जो पीएसई के शुद्ध मूल्य के 30% की समग्र सीमा के अधीन है। कंपनी ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से इस समझ की पुष्टि करने का अनुरोध किया है कि इस अधिकतम सीमा की गणना हेतु भारत सरकार द्वारा विशिष्ट रूप से अनुमोदित निवेश की राशि को शामिल न किया जाए (अर्थात् एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) और एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) में निवेश)। कंपनी ने भारत सरकार द्वारा विशिष्ट रूप से अनुमोदित निवेश को शामिल न करते हुए संयुक्त उद्यमों और पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों में 30% निवेश की सीमा की गणना की है।

14.1.12.2 पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड 30 अगस्त, 2018 से स्वैच्छिक समाप्ति की प्रक्रिया में है।

## 14.1.13 सहयोगी कंपनी के ब्यौरे

सहयोगी का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित / मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
(i) पवन हंस लिमिटेड	हैलीकॉर्पर सेवाएं	भारत	49.00%	49.00%
(ii) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्ति	भारत	12.50%	12.50%
(iii) रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड	हेलीकॉर्पर सेवाएं	भारत	49.00%	49.00%
(iv) काराबोटो इन्जिनियरिंग वाई कन्स्ट्रक्शन्स, एस.ए. (ओवीएल के माध्यम से)	सेवा प्रदाता	वेनेजुएला	37.93%	37.93%
(v) पेट्रोलेरा इंडावेजोलाना एस.ए. (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	वेनेजुएला	40.00%	40.00%
(vi) साउथ-ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	हांगकांग में अधिनिगमित, म्यानमार में प्रचालन	8.35%	8.35%
(vii) तम्बा बी.वी. (ओवीएल के माध्यम से)	उपकरण पट्टा	बीसी-10 परियोजना, ब्राजील हेतु नीदरलैण्ड में अधिनिगमित	27.00%	27.00%
(viii) पेट्रो काराबोबो एस.ए. (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	वेनेजुएला	11.00%	11.00%
(ix) जेएससी वेन्कोरनेपट (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	रूस	26.00%	26.00%
(x) मॉज एलएनजी होलिडिंग कंपनी लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस का विपणन और नौवहन करने वाले निकायों के लिए धारक कंपनी	अबू धाबी	16.00%	16.00%
(xi) जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का डिजाइन, निर्माण, विकास और प्रचालन	भारत	11.00%	11.00%
(xii) जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का डिजाइन, निर्माण, विकास और प्रचालन	भारत	11.00%	11.00%
(xiii) फालकॉन ऑयल एण्ड गैस बी.वी. (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	नीदरलैण्डस में अधिनिगमित, प्रचालन अबूधाबी में	40.00%	40.00%
(xiv) भारत एनर्जी ऑफिस, एलएलसी (ओवीएल के माध्यम से)	रूसी तेल और गैस उद्योग के साथ संपर्क	भारत	20.00%	20.00%

## 14.1.14 संयुक्त उद्यमों के ब्यौरे तथा वित्तीय सूचना

संयुक्त उद्यम का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित / मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
(i) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	26.78%	26.78%
(ii) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	पेट्रोरसायन	भारत	49.36%	49.36%
(iii) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	जैवउपचार	भारत	49.98%	49.98%
(iv) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	विद्युत उत्पादन	भारत	50.00%	50.00%



संयुक्त उद्यम का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित / मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
(v) दहेज एसईजेड लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	50.00%	50.00%
(vi) इन्ड्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	पाइपलाइन	भारत	20.00%	20.00%
(vii) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (एमआरपीएल के माध्यम से)	विमानन ईंधन का व्यापार	भारत	50.00%	50.00%
(viii) ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	साइप्रस में अधिनिगमित और प्रचालन सीरिया तथा नाईजीरिया में	49.98%	49.98%
(ix) मानसरोवर एनर्जी कॉलाबिया लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	कॉलाबिया	50%	50%
(x) हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी. (ओवीएल के माध्यम से)	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	नीदरलैण्ड में अधिनिगमित और प्रचालन सीरिया में	50%	50%
(xi) एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	राजस्थान राज्य में 9 एमएमटीपीए क्षमता की ग्रीनफील्ड रिफाइनरी सह पेट्रोरसायन परिसर को स्थापित करना	भारत	74.00%	74.00%
(xii) एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	खनिज तेल की रिफाइनिंग और पेट्रोलियम उत्पादों का विनिर्माण	भारत	48.99%	48.99%
(xiii) हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	बिटुमिन इमल्शन और संशोधित बिटुमिन का विनिर्माण तथा विपणन	भारत	50.00%	50.00%
(xiv) साउथ एशिया एलपीएफ कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भूमिगत केवर्न में एलपीजी का भंडारण और विशाखापट्टनम में सबव्ह प्राप्ति तथा प्रेषण सुविधाएं	भारत	50.00%	50.00%
(xv) भाग्यनगर गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	आंध्र प्रदेश / तेलंगाना राज्य में हैदराबाद, विजयवाड़ा और काकीनाडा में नगर गैस वितरण नेटवर्क	भारत	48.73%	48.73%
(xvi) गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी तथा पश्चिम गोदावरी ज़िलों में नगर गैस वितरण नेटवर्क	भारत	26.00%	26.00%
(xvii) पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	देश में विनिहित तथा प्राथमिकताबद्द ऐस्ट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइनों के विकास हेतु एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना। कंपनी ने 30.08.2018 को स्वैच्छिक समापन की प्रक्रिया में है।	भारत	16.00%	16.00%
(xviii) अवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	मध्य प्रदेश राज्य में इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में नगर गैस वितरण नेटवर्क	भारत	49.99%	49.99%
(xix) मापगद्द रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	महाराष्ट्र राज्य में भारत के पश्चिमी तट के साथ-साथ लगभग 60 एमएमटीपीए (लगभग) एक रिफाइनरी तथा पेट्रोरसायन स्थापित करना।	भारत	25.00%	25.00%
(xx) मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फेसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई में विमानन ईंधन सुविधा का डिजाइन, विकास, निर्माण और प्रचालन	भारत	25.00%	25.00%
(xxi) एचपीओआईएल गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	हरियाणा राज्य में अम्बाला और कुरुक्षेत्र में तथा महाराष्ट्र राज्य में कोल्हापुर में नगर गैस वितरण नेटवर्क को विकसित करना	भारत	50.00%	50.00%
(xxii) आईएचबी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	कांदला-गोरखपुर के मध्यम एलपीजी पाइपलाइन स्थापित करना	भारत	25.00%	25.00%

## 14.1.15 समूह के संयुक्त उद्यमों की सारबद्ध वित्तीय सूचना

समूह के प्रत्येक संयुक्त उद्यम के संबंध में सारबद्ध वित्तीय सूचना नीचे दी गई है। नीचे दी गई सारबद्ध वित्तीय सूचना इंड एस के अनुरूप तैयार किए गए संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों में इकिवटी लेखांकन प्रयोजन हेतु समूह द्वारा समायोजित की गई राशियों को दर्शाती है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	एमएसईजेड		ओपीएएल		आईजीजीएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	13,397.15	13,637.89	269,918.40	267,701.56	53,663.10	42,399.85
चालू परिसंपत्तियां	797.83	1,274.55	26,997.32	28,045.83	5,116.55	2,389.70
गैर-चालू देयताएं	13,413.57	14,056.34	191,769.07	190,743.48	42,623.90	26,745.10
चालू देयताएं	698.83	862.30	132,127.70	98,795.92	4,878.61	8,170.65
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशियों में निम्नलिखित शामिल है:						
नकदी और नकदी तुल्य	2.11	3.18	88.20	36.60	2,627.08	1,550.89
चालू वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	259.04	366.64	120,902.69	86,371.33	127.89	20.79
गैर-चालू वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	4,313.08	5,189.31	191,769.07	190,743.48	6,530.16	1,071.56

(₹ मिलियन में)

विवरण	एमएसईजेड		ओपीएएल		आईजीजीएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
राजस्व	1,796.77	2,036.35	143,073.23	145,930.47	59.85	-
सतत प्रचालनों से लाभ या (हानि)	87.15	71.83	(34,560.95)	(41,554.91)	2.80	73.47
बंद किए गए प्रचालनों से कर-पश्चात लाभ (हानि)	-	-	-	-	-	-
अन्य व्यापक आय	1.63	0.53	4.05	10.87	-	-
कुल व्यापक आय	88.78	72.36	(34,556.90)	(41,544.04)	2.80	73.47
वर्ष हेतु उक्त लाभ / (हानि) में निम्नलिखित शामिल है :						
मूल्यांकन / परिशोधन	347.54	1,769.84	14,978.68	16,057.06	3.36	-
ब्याज आय	32.75	18.55	46.79	106.65	50.82	29.89
ब्याज व्यय	397.33	402.87	28,604.23	27,547.97	-	-
आय कर व्यय अथवा आय	48.65	49.42	(13,806.82)	2,814.91	4.54	(3.29)



उक्त सारबद्ध वित्तीय सूचना का समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए संयुक्त उद्यमों में हित के वहन मूल्य के साथ मिलान :

(₹ मिलियन में)

विवरण	एमएसईजेड		ओपीएएल		आईजीजीएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
संयुक्त उद्यम की शुद्ध परिसंपत्तियां	82.58	(6.20)	(26,981.05)	6,207.99	11,277.14	9,873.80
बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबैचरों का इकिवटी भाग	-	-	(86,680.34)	(82,256.48)	-	-
समूह को आरोप्य संयुक्त उद्यम की निवल परिसंपत्तियां	82.58	(6.20)	(113,661.39)	(76,048.49)	11,277.14	9,873.80
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (%)	26.78%	26.78%	49.36%	49.36%	20.00%	20.00%
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (भारतीय राष्ट्रीय रूपरै)	22.11	(1.66)	(56,100.76)	(37,535.86)	2,255.43	1,974.76
जोड़ें : शेयर वारंट के प्रति अतिरिक्त सबस्क्रिप्शन	-	-	17,040.89	17,040.89	-	-
घटाएं : एनसीआई का अंश	(0.04)	-	-	-	-	-
जोड़ें : मानित निवेश	-	-	62,355.98	62,351.41	7.03	0.71
जोड़ें : हानि को सीमित करने के लिए समायोजन	-	1.66	-	-	-	-
घटाएं : वसूल न किया गया लाभ	-	-	(2,516.84)	(2,167.69)	-	-
संयुक्त उद्यम की शुद्ध परिसंपत्तियों में समूह का अंश	22.07	-	20,779.27	39,688.75	2,262.46	1,975.47
संयुक्त उद्यम में समूह के हित की वहन राशि	22.07	-	20,779.27	39,688.75	2,262.46	1,975.47

(₹ मिलियन में)

विवरण	डीएसएल		ओटीपीसी		ओटीबीएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	11,013.14	11,086.93	22,298.47	24,131.21	1.30	2.43
चालू परिसंपत्तियां	1,077.00	1,077.04	6,192.43	6,240.28	1,148.76	1,034.70
गैर-चालू देयताएं	6,826.58	7,834.79	9,440.36	11,423.87	5.17	3.21
चालू देयताएं	1,827.17	1,305.13	3,431.01	3,159.89	36.26	74.88
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशियों में निम्नलिखित शामिल है:						
नकदी और नकदी तुल्य	54.05	5.29	32.01	376.07	0.17	1.61
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	843.02	852.24	2,863.01	2,720.28	0.29	-
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	924.20	1,690.24	8,079.03	10,269.85	4.07	-

(₹ मिलियन में)

विवरण	डीएसएल		ओटीपीसी		ओटीबीएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
राजस्व	834.35	757.07	15,473.04	16,314.66	369.93	370.20
सतत प्रचालनों से लाभ या (हानि)	443.79	380.65	691.57	2,059.81	149.79	191.99
बंद किए गए प्रचालनों से कर—पश्चात लाभ (हानि)	-	-	-	-	-	-
अन्य व्यापक आय	-	-	0.59	0.25	(0.20)	(0.49)
कुल व्यापक आय	443.79	380.65	692.16	2,060.06	149.59	191.50
वर्ष हेतु उक्त लाभ/(हानि) में निम्नलिखित शामिल है :						
मूल्यग्नास/परिशोधन	78.38	83.12	2,144.30	2,142.53	0.39	0.37
ब्याज आय	-	59.90	-	40.46	66.49	39.44
ब्याज व्यय	67.35	61.00	982.65	1,011.99	-	-
आय कर व्यय अथवा आय	172.38	171.87	364.59	355.91	52.08	65.85

उक्त सारबद्ध वित्तीय सूचना का समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए संयुक्त उद्यमों में हित के वहन मूल्य के साथ मिलान

(₹ मिलियन में)

विवरण	डीएसएल		ओटीपीसी		ओटीबीएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
संयुक्त उद्यम की शुद्ध परिसंपत्तियां	3,436.39	3,024.05	15,619.53	15,787.73	1,108.63	959.04
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (%)	50.00%	50.00%	50.00%	50.00%	49.98%	49.98%
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (भारतीय राष्ट्रीय रूपए)	1,718.20	1,512.03	7,809.77	7,893.87	554.09	479.33
घटाएँ : गैर-नियंत्रक हित का अंश	-	-	(0.22)	-	-	-
संयुक्त उद्यम की निवल परिसंपत्तियों में समूह का अंश	1,718.20	1,512.03	7,809.55	7,893.87	554.09	479.33
संयुक्त उद्यम में समूह के हित की वहन राशि	1,718.20	1,512.03	7,809.55	7,893.87	554.09	479.33

#### 14.1.16 समूह के सहयोगी कंपनी की सारबद्ध वित्तीय सूचना

समूह के प्रत्येक सहयोगी कंपनी के संबंध में सारबद्ध वित्तीय सूचना नीचे दी गई है। नीचे दी गई सारबद्ध वित्तीय सूचना इंड एएस के अनुरूप तैयार किए गए एसोसिएट के वित्तीय विवरण इविवटी लेखाकन उद्देश्य के लिए समूह द्वारा समायोजित किया जायेगा।



(₹ मिलियन में)

विवरण	पीएलएल		पीएचएल		आरएचएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	126,361.35	109,055.20	9,512.01	7,002.57	462.56	0.11
चालू परिसंपत्तियां	128,913.52	118,469.70	3,924.79	5,070.94	137.27	0.11
गैर-चालू देयताएं	39,795.77	45,875.30	2,646.30	1,285.15	1.18	-
चालू देयताएं	41,387.88	29,004.00	2,145.22	2,111.83	92.34	0.54

(₹ मिलियन में)

विवरण	पीएलएल		पीएचएल		आरएचएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
राजस्व	527,293.30	598,993.50	3,954.61	4,102.40	19.76	-
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	36,514.49	33,258.20	(380.26)	(673.70)	(42.58)	(0.09)
बंद किए गए प्रचालनों से कर-पश्चात लाभ (हानि)	-	-	-	-	-	-
अन्य व्यापक आय	(68.88)	(43.60)	-	-	-	-
कुल व्यापक आय	36,445.61	33,214.60	(380.26)	(673.70)	(42.58)	(0.09)

उक्त सारबद्ध वित्तीय सूचना का समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए एसोसिएट में हित के वहन मूल्य के साथ मिलान :

(₹ मिलियन में)

विवरण	पीएलएल		पीएचएल		आरएचएल	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
एसोसिएट की शुद्ध परिसंपत्तियां	174,091.22	152,645.60	8,645.28	8,676.53	506.31	(0.32)
एसोसिएट में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (%)	12.50%	12.50%	49.00%	49.00%	49.00%	49.00%
एसोसिएट में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (भारतीय राष्ट्रीय रूपए)	21,761.40	19,080.70	4,236.19	4,251.50	248.09	(0.16)
जोड़े : हानि को सीमित किए जाने के लिए समायोजन	-	-	-	-	-	0.16
एसोसिएट की शुद्ध परिसंपत्तियों में समूह का अंश	<b>21,761.40</b>	<b>19,080.70</b>	<b>4,236.19</b>	<b>4,251.50</b>	<b>248.09</b>	-
एसोसिएट में समूह के हित की वहन राशि	<b>21,761.40</b>	<b>19,080.70</b>	<b>4,236.19</b>	<b>4,251.50</b>	<b>248.09</b>	-

**14.1.17 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संयुक्त उद्यमों की वित्तीय स्थिति का ब्यौरा :**

(₹ मिलियन में)

विवरण (31 मार्च, 2024 के अनुसार)	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर-वर्तमान देयताएं	कुल राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	बंद किए गए प्रचालनों से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
शेल एमआरपीएल एपिएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	6,970.40	84.41	6,105.38	-	21,121.64	308.03	-	0.70	308.73
<b>कुल</b>	<b>6,970.40</b>	<b>84.41</b>	<b>6,105.38</b>	<b>-</b>	<b>21,121.64</b>	<b>308.03</b>	<b>-</b>	<b>0.70</b>	<b>308.73</b>

विवरण (31 मार्च, 2023 के अनुसार)	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर-वर्तमान देयताएं	कुल राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	बंद किए गए प्रचालनों से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
शेल एमआरपीएल एपिएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	4,404.03	73.09	3,566.42	-	16,333.95	752.21	-	(3.19)	749.02
<b>कुल</b>	<b>4,404.03</b>	<b>73.09</b>	<b>3,566.42</b>	<b>-</b>	<b>16,333.95</b>	<b>752.21</b>	<b>-</b>	<b>(3.19)</b>	<b>749.02</b>

संयुक्त उद्यमों के संबंध में अतिरिक्त वित्तीय सूचना निम्नवत हैं :

(₹ मिलियन में)

विवरण (31 मार्च, 2024 के अनुसार)	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यहास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय या आय
शेल एमआरपीएल एपिएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	1,789.36	5,593.87	-	9.79	98.11	0.04	101.00
<b>कुल</b>	<b>1,789.36</b>	<b>5,593.87</b>	<b>-</b>	<b>9.79</b>	<b>98.11</b>	<b>0.04</b>	<b>101.00</b>

विवरण (31 मार्च, 2024 के अनुसार)	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यहास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय या आय
शेल एमआरपीएल एपिएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	1,267.03	3,375.96	-	11.14	51.32	0.41	257.05
<b>कुल</b>	<b>1,267.03</b>	<b>3,375.96</b>	<b>-</b>	<b>11.14</b>	<b>51.32</b>	<b>0.41</b>	<b>257.05</b>



### कंपनी के संयुक्त उद्यम की सारबद्ध वित्तीय जानकारी :

(₹ मिलियन में)

विवरण	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	
	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
संयुक्त उद्यम की शुद्ध परिसंपत्तियां	949.43	910.70
संयुक्त उद्यम में कंपनी के स्वामित्व हित का अनुपात (प्रतिशत)	50%	50%
संयुक्त उद्यम में कंपनी के स्वामित्व हित का अनुपात (भारतीय राष्ट्रीय रूपए)	474.72	455.35
घटाएँ : वसूल न किया गया लाभ और अन्य समायोजन	14.53	6.74
समायोजन के पश्चात संयुक्त उद्यम में कंपनी के हित की वहन राशि	460.19	448.61

#### 14.1.18 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संयुक्त उद्यमों तथा एसोसिएट की वित्तीय स्थिति का व्यौरा :

##### (i) मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड

(₹ मिलियन में)

मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	16,263.04	11,637.40
चालू परिसंपत्तियां	8,924.71	9,536.67
गैर-चालू देयताएं	(9,154.95)	8,008.89
चालू देयताएं	(4,997.03)	4,752.08
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	7,001.93	7,713.92
चालू वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	(2,795.62)	3,083.60
गैर-चालू वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	(3,692.83)	-

मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	7,747.59	8,667.59
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	823.69	2,920.19
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	-	2,920.19
वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	-	1,928.90
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यज्ञास और परिशोधन	1,382.56	1,325.85
ब्याज आय	426.17	652.60
ब्याज व्यय	190.53	91.26
आयकर व्यय (आय)	710.21	2,057.07

(ii) जेएससी वेंकोरनेफट

(₹ मिलियन में)

जेएससी वेंकोरनेफट	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	159,326.61	193,846.57
चालू परिसंपत्तियां	111,310.21	101,116.83
गैर-चालू देयताएं	20,659.75	31,614.83
चालू देयताएं	49,351.60	43,232.04
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	0.83	0.43
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	29,297.07	22,116.85
गैर-चालू वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	12,905.14	16,323.64

जेएससी वेंकोरनेफट	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	380,493.91	385,342.02
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	51,584.61	30,558.50
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	51,584.61	30,558.50
वर्ष के दौरान संयुक्त उदाहरण से प्राप्त लाभांश	9,799.03	9,710.14
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यहास और परिशोधन	22,438.23	25,693.54
ब्याज आय	1,265.15	1,464.00
ब्याज व्यय	-	-
आयकर व्यय (आय)	35,334.07	30,093.59

(iii) पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.

(₹ मिलियन में)

पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	20,814.30	21,743.52
चालू परिसंपत्तियां	132,979.16	296,152.82
गैर-चालू देयताएं	10,892.40	13,065.99
चालू देयताएं	91,126.78	239,068.25
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	13.00	27.17
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	-	-
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	1,426.18	1,405.48



पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	7,152.83	4,967.74
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	29,083.24	(33,458.27)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	29,083.24	(33,458.27)
वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	25,493.68	-
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यहास और परिशोधन	1,239.78	940.83
ब्याज आय	-	-
ब्याज व्यय	-	-
आयकर व्यय (आय)	477.22	49,710.04

अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी नाइल गंगा बीवी के संबंध में, सहयोगी पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए (पीआईवीएसए) में इसका निवेश, जो कि अनुषंगी कंपनी ओएनजीबीवी और पेट्रोलियोस डी वेनेजुएला, एसए (पीडीवीएसए), वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी का संयुक्त उद्यम है, पीडीवीएसए प्रचालक है:

- क) पीआईवीएसए के संबंध में, एक सहयोगी कंपनी ने पिछले वर्षों में स्थानीय मुद्रा बोलिवर में कार्यात्मक मुद्रा यूएस डॉलर के मुकाबले उत्तार-चढ़ाव से संबंधित विनिमय लाभ के कारण निगमित कर प्रदान किया है। चालू वर्ष के दौरान, पिछले वर्षों के ऐसे विनिमय भिन्नता पर कर की छूट के लिए पीडीवीएसए (वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी) से प्राप्त सम्प्रेषण के आधार पर, सहयोगी ने पिछले वर्षों में बनाए गए कर प्रावधान को विलोमित कर दिया है।
- ख) सहयोगी कंपनी पीआईवीएसए की कर देयता का निपटान पीआईवीएसए और पीडीवीएसए के बीच व्यवस्था के अनुसार वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी पेट्रोलियोस डी वेनेजुएला, एसए (पीडीवीएसए) द्वारा किया जाता है। इसलिए, करों का भुगतान न करने/देरी से भुगतान करने के कारण सहयोगी पीआईवीएसए पर किसी भी देयता का जोखिम बहुत कम है, क्योंकि करों के भुगतान की जिम्मेदारी पीडीवीएसए पर है।

- ग) वेनेजुएला में पीआईवीएसए और पीडीवीएसए के बीच व्यवस्था के अनुसार, करों का भुगतान पीडीवीएसए द्वारा किया जाता है और/या वेनेजुएला में मिश्रित कंपनियों (जीवी) की ओर से कर दायित्वों को पूरा करने के लिए पीडीवीएसए द्वारा धन हस्तांतरित किया जाता है। जेवी स्थानीय कानूनों और पीडीवीएसए द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर अपनी पुस्तकों में कर देनदारियों को पहचान रहा है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक, वर्ष 2021, 2022 और 2023 के लिए संशोधित कर रिटर्न दाखिल किए गए और पीडीवीएसए द्वारा भुगतान की रिपोर्ट किए जाने तक पीआईवीएसए की बहियों में संबंधित देयता को मान्यता दी गई। पीआईवीएसए प्रबंधन का मानना है कि करों के भुगतान की जिम्मेदारी पीडीवीएसए पर होने के फलस्वरूप करों के कारण जेवी पर किसी भी देयता के आने का जोखिम कम है, भले ही कर दायित्व जेवी का बना रहे।
- (घ) सहयोगी कम्पनी पेट्रो इंडोवेनेजोलाना (पीआईवीएसए), वेनेजुएला के संबंध में, देश पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के मद्देनजर ₹ 44,679.35 मिलियन (535.98 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का घोषित बकाया लाभांश अभी प्राप्त होना बाकी है।

**(iv) साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड**

(₹ मिलियन में)

साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	61,755.96	65,279.60
चालू परिसंपत्तियां	15,905.88	15,433.30
गैर-चालू देयताएं	10,487.07	12,754.55
चालू देयताएं	21,648.23	15,615.53
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	12,449.56	11,543.25
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	21,648.23	15,615.53
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	-	-

साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	26,022.77	28,962.97
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	13,642.30	14,682.62
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	13,642.30	14,682.62
वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	-	-
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यांकन और परिशोधन	10,146.90	9,983.85
ब्याज आय	242.76	56.86
ब्याज व्यय	-	418.25
आयकर व्यय (आय)	3,047.38	3,587.90

**(v) फाल्कॉन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.**

(₹ मिलियन में)

फाल्कॉन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	71,841.59	63,867.63
चालू परिसंपत्तियां	21,534.36	21,668.36
गैर-चालू देयताएं	24,686.25	19,588.09
चालू देयताएं	11,608.35	11,357.71
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	9,349.14	10,115.39
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	2,626.04	2,429.02
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	-	-



फाल्कॉन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	94,179.66	110,017.34
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	5,484.33	5,939.83
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	5,484.33	5,939.83
वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	3,808.65	2,816.19
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यहास और परिशोधन	4,212.53	3,734.00
ब्याज आय	482.13	229.26
ब्याज व्यय	-	-
आयकर व्यय (आय)	56,244.88	69,329.43

**(vi) पेट्रो काराबोबो एस.ए.**

(₹ मिलियन में)

पेट्रो काराबोबो एस.ए.	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	5,348.99	53,735.51
वर्तमान परिसंपत्तियां	8,124.66	63,993.12
गैर-वर्तमान देयताएं	2,663.00	25,039.04
वर्तमान देयताएं	3,427.11	45,743.77
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	122.44	1,096.85
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	-	-
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	-	-

पेट्रो काराबोबो एस.ए.	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	1,837.05	17,772.72
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	2,128.94	(3,647.97)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	2,128.94	(3,647.97)
वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	-	-
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यहास और परिशोधन	649.63	5,879.28
ब्याज आय	0.01	0.22
ब्याज व्यय	-	-
आयकर व्यय (आय)	(1,975.54)	24,656.57

(vii) मोज एलएनजी1 होल्डिंग कंपनी लिमिटेड

(₹ मिलियन में)

मोज एलएनजी1 होल्डिंग कंपनी लिमिटेड	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	55,976.61	48,385.82
चालू परिसंपत्तियां	1,386.71	1,011.38
गैर-चालू देयताएं	20,081.57	19,617.95
चालू देयताएं	1,795.97	4,163.65
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	575.09	974.00
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	622.87	1,118.27
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	20,081.57	19,617.95

मोज एलएनजी1 होल्डिंग कंपनी लिमिटेड	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	1,601.39	720.05
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	(992.47)	(1,280.41)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	(992.47)	(1,280.41)
वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	-	-
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यहास और परिशोधन	32.73	28.96
ब्याज आय	-	-
ब्याज व्यय	995.69	1,115.97
आयकर व्यय (आय)	264.59	9.83

14.1.19 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संयुक्त उद्यमों की वित्तीय स्थिति का व्यौरा:

(₹ मिलियन में)

विवरण	एचएमईएल	
	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
परिसंपत्तियां :		
गैर-चालू परिसंपत्तियां	527,877.80	526,487.80
चालू परिसंपत्तियां	18,866.00	27,624.00
नकदी और नकदी तुल्य	148,690.80	132,710.00
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (नकदी और नकदी तुल्य के अतिरिक्त)		
कुल (क)	<b>695,434.60</b>	<b>686,821.80</b>
देयताएं :		
गैर-चालू देयताएं		



विवरण	एचएमईएल	
	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
गैर-चालू वित्तीय देयताएं (व्यापार/ अन्य देय तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	299,555.00	348,054.00
अन्य गैर-चालू देयताएं	55,882.00	45,552.00
चालू देयताएं		
वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार/ अन्य देय तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	101,744.00	79,842.00
अन्य चालू देयताएं	80,803.00	71,888.00
<b>कुल (ख)</b>	<b>537,984.00</b>	<b>545,336.00</b>
संयुक्त उद्यम/एसोसिएट के वित्तीय विवरणों में शामिल शुद्ध परिसंपत्तियां	<b>157,450.60</b>	<b>141,485.80</b>
स्वामित्व हित	48.99%	48.99%
संयुक्त उद्यम/एसोसिएट में हित की वहन राशि	<b>77,139.20</b>	<b>69,317.40</b>
शेयरों का उद्भूत बाजार मूल्य	लागू नहीं	लागू नहीं

(₹ मिलियन में)

अन्य सूचना :	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को	
राजस्व	913,305.00	961,506.00	
ब्याज आय	587.10	764.30	
ब्याज व्यय	28,138.00	13,106.00	
मूल्यज्ञास	18,230.00	11,057.00	
आय कर व्यय	6,166.00	11,752.00	
वर्ष हेतु लाभ/हानि	21,417.00	42,539.50	
अन्य व्यापक आय (शुद्ध कर)	672.10	(2,700.10)	
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	22,089.10	39,839.40	
प्राप्त लाभांश	3,000.40	4,999.30	

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के सभी पृथक अभौतिक इकिवटी लेखांकित निवेशधारकों का व्यौरा

विवरण	अन्य अभौतिक संयुक्त उद्यम		अन्य अभौतिक एसोसिएट	
	2023.24	2022.23	2023.24	2022.23
इकिवटी लेखांकित निवेशधारकों के निवेश की वहन राशि	124,805.90	89,930.90	2,494.50	2,314.20
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि में समूह का अंश	1,886.80	(214.70)	(169.90)	(187.20)
अन्य व्यापक आय में समूह का अंश	(2.20)	0.60	(0.80)	(1.30)
कुल व्यापक आय में समूह का अंश	1,884.60	(214.10)	(170.70)	(188.50)

## 14.2 अन्य निवेश

### (i) अन्य इकिवटी लिखत में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
क. एफवीटीओसीआई पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां				
(क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (उद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर) (टिप्पणी सं. 14.2.3)	2,005.82	336,476.79	2,005.82	156,253.60
(ख) गेल (इंडिया) लिमिटेड (उद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर) (टिप्पणी सं. 14.2.4)	326.72	59,152.00	326.72	34,354.23
(ग) ऑयल इंडिया लिमिटेड (उद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर)	26.75	16,057.02	26.75	6,731.78
(घ) स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड (उद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर) (टिप्पणी सं. 14.2.2)	-	-	0.01	0.27
(ङ) इंडियन गैस एक्सचेंज लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर)	3.69	36.94	3.69	36.94
ख. एफवीटीपीएल पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां				
(क) ऑयल स्पिल रिसॉन्स लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 14.2.1)	-	0.01	-	0.01
(ख) बुडलैपडस मर्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर)	-	0.02	-	0.02
(ग) मंगलम रिटेल सर्विसेस लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर)	0.02	0.28	0.02	0.28
(घ) गोल्ड्रेज टेक प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति शेयर)	-	17.52	-	8.00
(ङ) सुशुश्रा सिटीजन को-ऑपरेटिव हॉस्पिटल लिमिटेड (अनुद्धृत - पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 100 प्रति शेयर)	-	0.01	-	0.01
अन्य इकिवटी लिखत में कुल निवेश		411,740.59		197,385.14

14.2.1 जारी किए जाने के समय 1 जीबीपी प्रत्येक के मूल्य वाले ऑयल स्पिल रिसॉन्स लिमिटेड के 100 इकिवटी शेयर। जारी किए जाने के समय शेयरों का कुल मूल्य भारतीय राष्ट्रीय रूपये में ₹ 6885 था। इसके अलावा, वर्ष 2021–22 के दौरान, कंपनी को बिना किसी प्रतिफल के और 200 इकिवटी शेयर भी आवंटित किए गए हैं और इस प्रकार कंपनी ने अब 300 इकिवटी शेयर धारित किए हुए हैं।

14.2.2 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, वर्ष के दौरान, 'स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड' ने सार्वजनिक शेयरधारकों को इकिवटी शेयरों की स्वैच्छिक डीलिस्टिंग के लिए 'प्रस्ताव पत्र' (प्रस्ताव) जारी किया है। निगम ने उक्त प्रस्ताव के तहत अपने शेयरों का सौंपने का विकल्प चुना है, और तदनुसार, इसे 'बिक्री/निपटान के लिए रखी गई संपत्ति' के रूप में वर्गीकृत किया है।

14.2.3 वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, कंपनी को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर के रूप में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) से 668,607,628 इकिवटी शेयर प्राप्त हुए हैं।



14.2.3 वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान, कंपनी को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर के रूप में गेल (इंडिया) लिमिटेड से 108,905,462 इकिवटी शेयर प्राप्त हुए हैं।

#### (ii) अन्य प्रतिभूतियों में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
<b>अन्य निवेश</b>				
<b>सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश</b>				
– 8.40 प्रतिशत तेल कंपनी भारत सरकार विशेष बॉण्ड 2025 (अनुद्वृत – पूर्णतः प्रदत्त)	-	-	0.20	1,975.08
ख. एफवीटीपीएल पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां				
(क) म्युचुअल फंडों में निवेश				-
– खल पुनरुद्धार निधि हेतु				-
(ख) स्टार्ट अप फंड में निवेश				
(ख) ओएनजीसी स्टार्ट अप निधि (अनुद्वृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति यूनिट) (देखें टिप्पणी सं. 14.2.5)	-	-	60.01	600.15
<b>प्रतिभूतियों में कुल निवेश</b>				<b>2,575.23</b>
अनुद्वृत निवेश का कुल वहन मूल्य				2,575.23
निवेश में कमी की क्षति की कुल राशि				-

14.2.5 ओएनजीसी स्टार्ट अप निधि ट्रस्ट (नियंत्रित इकाई) को वित्त वर्ष 2022–23 तक लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्यांकित अन्य निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्त वर्ष 2023–24 से स्टार्ट–अप कंपनियों में अंतर्निहित निवेशों के उचित मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इसे भारतीय लेखा मानक 110 के अनुसार समेकन के लिए माना गया है।

14.2.6 8.40 प्रतिशत तेल कंपनी भारत सरकार विशेष बॉण्ड – 2025 मार्च 2025 में परिपक्वता के लिए देय है और उन्हें 01.03.2024 को गैर–वर्तमान निवेश से वर्तमान निवेश के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

#### (3) बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
क. एफवीटीपीएल पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां				
(क) स्टार्ट अप में निवेश (टिप्पणी सं. 14.2.7)	-	2,708.75	-	365.22
<b>अधिमानी शेयर में कुल निवेश</b>		<b>2,708.75</b>		<b>365.22</b>
अनुद्वृत निवेश का कुल वहन मूल्य		2,708.75		365.22
अनुद्वृत निवेश का कुल बाजार मूल्य		-		-

14.2.7 कठिपय स्टार्ट–अप में निवेश का मूल्य उन सौदोधित्त–पोषण के बारे में उपलब्ध जानकारी पर विचार करते हैं, जो ऐसे स्टार्ट–अप में हमारे निवेश के बाद किए गए हैं, ₹ 1687.99 मिलियन (2022–23 : ₹ 188.70 मिलियन) के उचित मूल्य लाभ की तदनुरूपी मान्यता के साथ समुचित रूप से मूल्यांकित किया गया है। अन्य मामलों में, यह देखते हुए कि स्टार्ट–अप अपने विकास के चरण में हैं और अधिकांशतः कर्षण और शोधन चरण में हैं, ऐसे स्टार्ट–अपों के वहन मूल्य को उनके उचित मूल्य के युक्तियुक्त अनुमान के रूप में विचारित किया जाता है।

## 14.2.8 निवेश के वहन मूल्य और बाजार मूल्य के संबंध में प्रकटीकरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
उद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य	433,447.21	216,420.58
अनुद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य	534,822.74	520,616.55
उद्धृत निवेश का कुल बाजार मूल्य	461,035.81	240,249.26
अनुद्धृत निवेश का कुल मूल्य	(15,326.86)	(15,107.21)

## 15. प्राप्य व्यापार

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
(क) अच्छे माने गए – प्रतिभूत (टिप्पणी सं. 15.9)	-	12,297.88	-	11,021.76
(ख) अच्छे माने गए – अप्रतिभूत (टिप्पणी सं. 15.3)	-	187,349.84	-	177,777.09
(ग) क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि	25,354.78	-	26,224.86	-
(घ) क्षतिग्रस्त ऋण	5,615.88	5,611.26	5,014.63	5,686.38
घटाएँ : संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति (टिप्पणी सं. 15.10)	5,615.88	7,629.45	5,014.63	6,969.42
<b>कुल</b>	<b>25,354.78</b>	<b>197,629.53</b>	<b>26,224.86</b>	<b>187,515.81</b>

## 15.1 प्राप्य व्यापार की जीवनकाल अनुसूची:

### 31 मार्च, 2024 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	बिल नहीं किए गए	देय नहीं होने वाले	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 माह से कम	6 माह – 1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
<b>अविवादित –</b>								
अच्छे माने गए	1,845.36	150,463.37	39,349.08	2,907.65	613.34	193.63	88.42	195,460.85
ऋण जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण बाधित	-	-	-	0.11	0.54	6.36	443.20	450.21
<b>विवादित –</b>								
अच्छे माने गए	-	57.58	166.00	198.54	352.79	603.26	3,290.41	4,668.58
ऋण जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-	-	-	-	-	25,375.62	25,375.62
ऋण बाधित	-	19.01	7.68	198.36	397.48	25.71	9,626.14	10,274.38
<b>कुल</b>	<b>1,845.36</b>	<b>150,539.96</b>	<b>39,522.76</b>	<b>3,304.66</b>	<b>1,364.15</b>	<b>828.96</b>	<b>38,823.79</b>	<b>236,229.64</b>
घटाएँ : संदिग्ध प्राप्यों के लिए क्षति								13,245.33
<b>कुल</b>								<b>222,984.31</b>



31 मार्च, 2023 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	बिल नहीं किए गए	देय नहीं होने वाले	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 माह से कम	6 माह – 1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित –								
अच्छे माने गए	134.00	136,241.57	43,295.74	1,390.91	653.68	218.15	147.32	182,081.37
ऋण जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-	-	-	-	-	-	-
ऋण बाधित	-	-	-	0.13	15.80	6.00	772.90	794.83
विवादित –								
अच्छे माने गए	-	163.04	159.56	221.62	681.55	1,037.01	4,473.85	6,736.63
ऋण जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-	-	-	-	-	26,245.70	26,245.70
ऋण बाधित	-	-	-	352.03	449.39	7.84	9,056.93	9,866.19
<b>कुल</b>	<b>134.00</b>	<b>136,404.61</b>	<b>43,455.30</b>	<b>1,964.69</b>	<b>1,800.42</b>	<b>1,269.00</b>	<b>40,696.70</b>	<b>225,724.72</b>
घटाएँ : संदिग्ध प्राप्तों के लिए क्षति								11,984.05
<b>कुल</b>								<b>213,740.67</b>

15.2 कंपनी के संबंध में, सामान्यतः कंपनी अपने ग्राहकों के साथ दीर्घावधि खनिज तेल तथा गैस बिक्री समझौते करती है। खनिज तेल, गैस तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री पर ऋण अवधि 7–30 दिवसों की है। इस ऋण अवधि के दौरान कोई व्याज प्रभारित नहीं किया जाता है। तत्पश्चात, विलंबित भुगतान पर व्याज एसबीआई आधार दर जमा 4%–6% प्रति वर्ष की दर से बकाया शेष पर प्रत्येक तिमाही में चक्रवर्ती रूप से किया जाता है।

31 मार्च, 2024 के अनुसार ₹ 107,771.68 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 91,745.82 मिलियन) के शेष प्राप्त व्यापार में से, ये कंपनी के सबसे बड़े उपभोक्ताओं तेल विपणन कंपनियों से हैं। ऐसे कोई और उपभोक्ता नहीं है जिनसे व्यापार प्राप्त के कुल शेष का 5% से अधिक देय हो। तदनुसार, कंपनी तेल विपणन कंपनियों से देयों पर क्षति हानि का आकलन प्रत्येक संव्यवहार से संगत तथ्यों तथा परिस्थितियों पर करती है।

15.3 इसमें संशोधित पाइपलाइन परिवहन शुल्क प्रभारों के कारण गेल इंडिया लिमिटेड (गेल) से 20 नवंबर, 2008 से 6 जुलाई, 2021 तक की अवधि के लिए पाइपलाइन परिवहन प्रभारों के कारण ₹ 3,764.43 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3,764.43 मिलियन) की राशि शामिल है।

गेल और कंपनी के बीच हस्ताक्षरित गैस विक्रय करार (जीएसए) के अनुसार, गेल को यूरान ट्रॉम्बे प्राकृतिक गैस पाइप लाइन

(यूटीएनजीपीएल) के मामले में गैस के मूल्य के अलावा परिवहन प्रभारों का भुगतान करना है और गेल द्वारा यह भुगतान किया जा रहा है। 2008 में पाइपलाइन के प्रतिरक्षापन के बाद, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा अनुमोदित किए गए अनुसार यूटीएनजीपीएल के संबंध में संशोधित पाइपलाइन परिवहन शुल्क का बीजक 20 नवंबर, 2008 से गेल को प्रेषित किया जा रहा है।

गेल के एक उपभोक्ता महाराष्ट्र गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने गेल को गैस की आपूर्ति पर टैरिफ की प्रयोजनीयता के संबंध में 12 फरवरी, 2015 को पीएनजीआरबी में शिकायत दर्ज कराई थी। सभी पक्षों को सुनने के बाद पीएनजीआरबी ने 15 अक्टूबर, 2015 के आदेश के तहत शिकायत को खारिज कर दिया और कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया। एमजीएल द्वारा विद्युत अपीलीय अधिकरण (एपीटीईएल) में अपील करने के बाद, मामला पीएनजीआरबी को वापस भेज दिया गया। एक बार पुनः, पीएनजीआरबी ने 18 मार्च, 2020 के आदेश द्वारा शिकायत को खारिज कर दिया, पाइपलाइन को एक सामान्य कैरियर पाइपलाइन के रूप में अधिकृत किया तथा गेल और एमजीएल दोनों को यूटीएनजीपीएल के लिए समय–समय पर पीएनजीआरबी द्वारा निर्धारित परिवहन शुल्क का भुगतान करने का निर्देश दिया। एमजीएल ने पीएनजीआरबी के आदेश के खिलाफ 04 अप्रैल, 2020 को फिर से एपीटीईएल में अपील दायर की है। एपीटीईएल ने दिनांक 16 जुलाई, 2021 के आदेश के

माध्यम से नए सिरे से अधिनिर्णय और सदस्य (विधि) की नियुक्ति की तिथि से 3 माह के भीतर अंतिम आदेश पारित करने के लिए मामले को वापस पीएनजीआरबी को भेजा है। पीएनजीआरबी ने 30 सितंबर, 2023 के आदेश द्वारा एमजीएल को 30 दिसंबर, 2013 के टैरिफ आदेश के अंतर्गत 1 जनवरी, 2014 से आगे की अवधि के लिए यूटीएनजीपीएल के लिए पीएनजीआरबी द्वारा निर्धारित परिवहन शुल्क के अनुसार परिवहन शुल्क का भुगतान आदेश पारित होने से 2 महीने की अवधि के भीतर करने का निर्देश दिया। तथापि, पीएनजीआरबी ने 20 नवंबर, 2008 से 31 दिसंबर, 2013 तक परिवहन शुल्क को खारिज कर दिया। एमजीएल ने 30 सितंबर, 2023 के पीएनजीआरबी के आदेश को चुनौती देते हुए माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 13 दिसंबर, 2023 के आदेश द्वारा पीएनजीआरबी के आदेश के खिलाफ वसूली पर रोक लगा दी गई और एमजीएल को गेल के पास ₹ 500 मिलियन की राशि जमा करने का निर्देश दिया। हालांकि, कंपनी ने पीएनजीआरबी के आदेश के विरुद्ध एपीटीईएल के समक्ष अपील दायर की और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के कारण एपीटीईएल द्वारा इस पर रोक लगा दी गई है, जिसमें गेल (इंडिया) लिमिटेड से संबंधित सभी मामलोंधार्यावाहियों के लिए एपीटीईएल के समक्ष रोक दी गई है। कंपनी इस मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर करने की प्रक्रिया में है। मामले में अंतिम निर्णय लिखित होने तक कंपनी ने 20 नवंबर, 2008 से 31 दिसंबर, 2013 की अवधि के लिए प्राप्त होने वाले परिवहन शुल्क के लिए वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 745.50 मिलियन का प्रावधान किया है।

गेल का एक अन्य ग्राहक राष्ट्रीय रसायन और उर्वरक लिमिटेड (आरसीएफ) फरवरी, 2016 से संशोधित टैरिफ का भुगतान कर रहा था और 20 नवंबर, 2008 से 31 जनवरी, 2016 तक का टैरिफ विवाद में था। इस मामले को सीपीएसई विवाद समाधान प्रशासनिक तंत्र (एएमआरसीडी) के अधीन सचिवों की समिति को भेजा गया था, जिसकी बैठक 17 जून, 2021 को हुई थी और निष्कर्ष निकाला था कि आरसीएफ पीएनजीआरबी की संशोधित टैरिफ दरों के आदेश की तारीख (अर्थात् 30 दिसंबर, 2013) से परिवहन शुल्क का भुगतान करेगा। तदनुसार, वर्ष 2022–23 के दौरान 30 दिसम्बर, 2013 से 31 जनवरी, 2016 तक की अवधि के लिए ₹ 196.52 मिलियन की राशि प्राप्त हुई थी। कंपनी ने गेल से इसके प्राप्तों पर एएमआरसीडी आदेश के प्रभाव के संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से स्पष्टीकरण देने का अनुरोध किया है। तथापि, एएमआरसीडी के निष्कर्ष को ध्यान में रखते हुए, 30 दिसंबर, 2013 से पहले की अवधि के लिए आरसीएफ के संबंध में पाइपलाइन परिवहन शुल्क के लिए गेल से बकाया राशि के लिए ₹ 446.43 मिलियन का प्रावधान किया गया है।

कंपनी नवंबर, 2008 से मार्च, 2024 की अवधि के दौरान पाइपलाइन प्रभारों के लिए गेल पर 9357.19 मिलियन रुपए (पिछले वर्ष ₹ 8717.60 मिलियन) की राशि के बीजक प्रस्तुत करती रही है, इसमें से ₹ 5569.21 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 4893.35 मिलियन) की राशि प्राप्त हो चुकी है।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, 31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार ₹ 2,596.05 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2,632.32 मिलियन) के शेष प्राप्तों (प्रावधान को छोड़कर) को उचित माना गया है।

#### 15.4

इसमें मार्च, 2023 से अक्टूबर, 2023 माह के दौरान पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चे तेल की बिक्री के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) से प्राप्त होने वाली ₹ 1,364.61 मिलियन की राशि शामिल है। पश्चिमी अपतटीय से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को कच्चे तेल का विक्रय ओएमसी के साथ कच्चे तेल बिक्री समझौते (सीओएसए) को अंतिम रूप दिए जाने तक अनन्तिम आधार पर किया गया है। कंपनी ने अक्टूबर, 2022 से फरवरी, 2023 की अवधि के लिए लागू बैंचमार्क मूल्यों पर कच्चे तेल के विक्रय के लिए लागू बैंचमार्क मूल्यों पर कच्चे तेल के विक्रय के लिए जारी किए हैं। सीओएसए को अंतिम रूप दिए जाने तक, आईओसीएल सितम्बर, 2022 तक लागू मूल्य निर्धारण सूत्र बैंचमार्क के अनुसार मार्च, 2023 से अक्टूबर, 2023 महीने के लिए भुगतान जारी कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2024 तक आईओसीएल से ₹ 1,364.61 मिलियन की राशि प्राप्त है। मार्च, 2023 से अक्टूबर, 2023 के लिए लागू पश्चिमी अपतटीय से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए मूल्य निर्धारण शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए आईओसीएल के साथ चर्चा की प्रक्रिया चल रही है और इसे शीघ्र ही अंतिम प्रदान किए जाने की आशा है। इसे ध्यान में रखते हुए, मार्च, 2023 से अक्टूबर, 2023 माह के लिए पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चे तेल के लिए विक्रय के लिए प्राप्त ₹ 1,364.61 मिलियन की उपरोक्त राशि को उचित माना जाता है (टिप्पणी संख्या 37.1 का अवलोकन करें)।

#### 15.5

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, कंपनी आमतौर पर अपने प्रत्येक कार्गो हेतु निविदा प्रक्रिया के आधार पर प्रतिष्ठित तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी)/अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी)/राष्ट्रीय तेल कंपनियों (एनओसी) के साथ खनिज तेल बिक्री संविदाएं करती हैं। तथापि, समूह ने खनिज तेल बिक्री और प्राकृतिक गैस की घरेलू आपूर्ति के लिए अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी)/राष्ट्रीय तेल कंपनियों (एनओसी) के साथ कुछ दीर्घावधि बिक्री व्यवस्थाएं भी की हैं।

कंपनी आम तौर पर अपने उत्पादों को लगभग 30 दिनों की औसत क्रेडिट अवधि पर बेचती है। राष्ट्रीय तेल कंपनियों में से किसी एक के साथ दीर्घकालिक गैस विक्रय अनुबंध के संबंध में, 40 / 15 दिन की क्रेडिट अवधि की अनुमति है। बीजक की



तारीख से लागू क्रेडिट अवधि के लिए व्यापार प्राप्तों पर व्याज प्रभारित नहीं किया जाता है। भुगतानों की विलंबित अवधि के लिए, संबंधित व्यवस्थाओं के अनुसार व्याज प्रभारित किया जाता है।

कंपनी प्रत्येक ग्राहक से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर व्यापार प्राप्तियों पर हानि का आकलन करती है। सामान्यतः, कंपनी अनुबंध में स्वीकृत क्रेडिट अवधि के भीतर अपने सभी व्यापार प्राप्तियों को एकत्र करती है। कंपनी के पास इस तथ्य के कारण क्रेडिट जोखिम संकेंद्रण विद्यमान है कि कंपनी को तेल विपणन कंपनियों और अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी) से उल्लेखनीय प्राप्तियां अभी मिलनी बाकी हैं। हालांकि ये प्रतिचित्त राष्ट्रीय तेल कंपनियां (एनओसी) हैं और कंपनी को बकाया राशि के भुगतान में देरी या उसका भुगतान न किए जाने के कारण किसी भी तात्त्विक हानि होने की आशा नहीं है।

15.6 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, समूह प्रत्येक ग्राहक के लिए प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर व्यापार प्राप्तों पर बाधात्मक हानि का आकलन करता है और इसने सामान्य मॉडल का पालन करते हुए सूडान सरकार (जीओएस) से बकाया सहित अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) के लिए आजीवन ईसीएल का आकलन करने के प्रयोजनार्थ अपने व्यापार प्राप्तों का आकलन किया है, जिसके तहत ऐसी प्राप्तियों की वसूली का अनुमान लगाया जाता है और उद्धारियों की जोखिम समायोजित भारित औसत लागत को लागू करके अपेक्षित नकदी प्रवाह में छूट दी जाती है। ये व्यापार प्राप्त अतिदेय हो गए हैं, अतः प्रभावी रूप से एक महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक को शामिल करते हैं।

इन प्राप्तियों के संबंध में, समूह ने अन्वेषण और उत्पादन साझेदारी करार (ईपीएसए) तथा बिक्री और खरीद करार (एसपीए), दोनों ही के अंतर्गत बकाया राशि की वसूली के लिए जीओएस के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की थी। 26 जनवरी, 2024 को, माध्यस्थम अधिकरण ने एसपीए मध्यस्थता मामले में कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया। निर्णय के द्वारा, अधिकरण ने कंपनी के पक्ष में विधिक लागत के साथ पूरी मूल राशि (90.93 मिलियन अमेरिकी डॉलर) प्रदान की है। इसके अलावा, सहमत पुनर्प्राप्ति तंत्र के अनुसार, समूह जीओएस पाइपलाइन के माध्यम से दक्षिण सूडान से सूडान बंदरगाह तक परिवहन किए गए कच्चे तेल के प्रति बैरल 4 अमेरिकी डॉलर को रोक रहा है और इसे अपेक्षित क्रेडिट हानि की गणना के लिए वसूली के रूप में माना जाता है।

एसपीए मामले में मध्यस्थता निर्णय, ईपीएसए मामले के लिए कंपनी के पक्ष में मध्यस्थता निर्णय प्राप्त करने की प्रबल संभावना पर विधिक परामर्श और पाइपलाइन टैरिफ को रोककर मौजूदा वसूली तंत्र को ध्यान में रखते हुए, प्रबंधन का विचार है कि जीओएस से देय पूरी राशि वसूलीयोग्य है।

तदनुसार, सूडान सरकार से आजीवन अपेक्षित ऋण हानि के लिए ₹ 30,775.98 मिलियन (पिछले वर्ष : ₹ 31,073.23 मिलियन) की व्यापार प्राप्त राशि का आकलन किया गया है और लाभ और हानि के विवरण में ₹ 498.02 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 75.62 मिलियन) की बाधात्मक हानि को प्रभारित किया गया है। इन प्राप्तियों के प्रति कुल बकाया प्रावधान ₹ 5,421.20 मिलियन (पिछले वर्ष : ₹ 4,848.38 मिलियन) है।

15.7 अनुषंगी एचपीसीएल के संबंध में, संदिग्ध प्राप्तियों के अवरोधन में ₹ 898.80 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 1,273.20 मिलियन) के व्यापार प्राप्तों पर ₹ 898.80 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 1,273.20 मिलियन) का हानि भत्ता शामिल है, जिसके लिए क्रेडिट जोखिम का व्यक्तिगत आधार पर आकलन किया गया है।

15.8 अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में, कंपनी आमतौर पर घरेलू बिक्री के लिए तेल विपणन कंपनियों के साथ दीर्घकालीन बिक्री व्यवस्था करती है, जिसके साथ ही एसईजेड ग्राहकों को दीर्घकालिक अनुबंधों और स्पॉट अंतर्राष्ट्रीय निविदाओं के माध्यम से उत्पादों का निर्यात और आपूर्ति भी करती है। बिक्री पर औसत क्रेडिट अवधि 7 से 45 दिन है (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष में यह 7 से 45 दिनों तक थी)। बीजक की तारीख से लागू क्रेडिट अवधि के लिए व्यापार प्राप्तियों पर व्याज प्रभारित नहीं किया जाता है। भुगतान की विलंबित अवधि के लिए, संबंधित व्यवस्थाओं के अनुसार व्याज प्रभारित किया जाता है, जो कि बकाया राशि पर लागू बैंक दर से 2% प्रति वर्ष (वर्ष 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष में 2% प्रति वर्ष) तक होता है। आमतौर पर कंपनी लागू ऋण अवधि के भीतर अपने उपभोक्ताओं से सभी प्राप्तियों को एकत्र करती है। कंपनी प्रत्येक संव्यवहार से संगत तथ्यों और परिस्थितियों पर सभी ग्राहकों से व्यापार प्राप्तों पर क्षति का आकलन करती है।

15.9 उपरोक्त सुरक्षित व्यापार प्राप्त में ₹ 5,791.12 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 6,888.32 मिलियन) शामिल हैं, जो बैंक गारंटी और एमआरपीएल के मामले में ग्राहकों से प्राप्त ऋण पत्र द्वारा समर्थित हैं।

## 15.10 संदिग्ध प्राप्तों हेतु क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	11,984.05	9,939.53
प्रत्याशित क्रेडिट अनुमेय में वर्धन	1,406.91	1,970.77
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(231.88)	(353.20)
अन्य समायोजन	86.25	426.95
वर्ष के अंत में शेष	<b>13,245.33</b>	<b>11,984.05</b>

15.10.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। समायोजन में ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय राष्ट्रीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण 31 मार्च, 2024 को ₹ 86.25 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 426.95 मिलियन) के विनियम अंतरों का शुद्ध प्रभाव शामिल है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

15.10.2 कंपनी के संबंध में, भारतीय लेखांकन मानक 109 – वित्तीय साधनों के अनुसार, कंपनी व्यापार प्राप्तियों पर हानि के मापन और पहचान के लिए सरलीकृत दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए इसीएल मॉडल और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए सामान्य दृष्टिकोण लागू करती है। इस उद्देश्य के लिए, कंपनी उधारकर्ताओं की क्रेडिट रेटिंग के आधार पर व्यतिक्रम दरों की गणना करने के लिए रेटिंग-आधारित दृष्टिकोण का पालन करती है और प्रासंगिक मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों का उपयोग करके भविष्य-उन्मुख अनुमानों को शामिल किया जाता है। (टिप्पणी संख्या 52.4 देखें)

## 16. ऋण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
(अप्रतिभूत, अच्छे माने गए जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)				
<b>क. संबंधित पक्षों को ऋण</b>				
– अच्छे माने गए	6,426.19	-	1,405.48	-
– क्षतिग्रस्त ऋण	73.78	-	72.71	-
घटाएँ : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	73.78	-	72.71	-
<b>कुल</b>	<b>6,426.19</b>	<b>-</b>	<b>1,405.48</b>	<b>-</b>
<b>ख. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ऋण</b>				
– क्षतिग्रस्त ऋण	170.50	-	170.50	-
घटाएँ : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	170.50	-	170.50	-
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
<b>ग. कर्मचारियों को ऋण (देखें टिप्पणी 16.1)</b>				
– प्रतिभूत और अच्छे माने गए	25,368.48	3,558.93	22,227.80	3,360.76



विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
– अप्रतिभूत और अच्छे माने गए	53.59	156.98	211.83	116.31
– क्षतिग्रस्त ऋण	74.57	19.95	-	9.21
घटाएँ : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	74.57	19.95	-	9.21
<b>कुल</b>	<b>25,422.07</b>	<b>3,715.91</b>	<b>22,439.63</b>	<b>3,477.07</b>
<b>घ. अन्यों को ऋण (देखें टिप्पणी 16.2)</b>				
– प्रतिभूत और अच्छे माने गए	28.08	2.24	16.82	0.83
– अप्रतिभूत और अच्छे माने गए	3,991.95	751.20	5,929.57	1,121.54
– ऋण जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि वाले	1,272.71	237.03	55.10	9.47
– क्षतिग्रस्त ऋण	33.73	126.28	22.38	123.85
घटाएँ : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	2,748.80	631.93	213.39	156.66
<b>कुल</b>	<b>2,577.67</b>	<b>484.82</b>	<b>5,810.48</b>	<b>1,099.03</b>
<b>कुल ऋण</b>	<b>34,425.93</b>	<b>4,200.73</b>	<b>29,655.59</b>	<b>4,576.10</b>

16.1 कर्मचारियों को ऋण में प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों से बकाया ₹ 26.85 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 5.35 मिलियन) की राशि शामिल है।

16.2 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में गैर-वर्तमान ऋण में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के ग्राहकों को ₹ 4404.50 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 5,066.50 मिलियन) की राशि के ऋण शामिल हैं जो क्षति से पूर्व है और उक्त के प्रति ₹ 2748.80 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 213.39 मिलियन) की राशि का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार, वर्तमान ऋण में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के ग्राहकों को ₹ 820.30 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 870.60 मिलियन) की राशि के ऋण शामिल हैं जो क्षति से पूर्व है और उक्त के प्रति ₹ 511.90 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 36.70 मिलियन) की राशि का प्रावधान किया गया है।

16.3 अनुषंगी एचपीसीएल के संबंध में, प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए वर्ष 2016 शुरू की गई थी। लाभार्थी को चूल्हे और उसकी प्रथम भराई की लागत को पूरा करने के लिए संबंधित ओएमसी से ऋण लेने का विकल्प दिया जाता है। यह ऋण पुनः भरे गए सिलेंडर की खरीद पर उपभोक्ता को देय आर्थिक राशि से वसूल किया जाना है। 17.60 मिलियन पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को कुल ₹ 29,602.40 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 29,604.80 मिलियन) की

राशि का ऋण प्रदान किया गया है, और इसमें से ₹ 14,274.30 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 15,653.90 मिलियन) अवधि के अंत में बकाया है। वित्तीय विवरणों में ऋण को 'परिशोधित लागत पर बाद में मापित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तुलन-पत्र की तारीख के अनुसार बकाया ऋण का वहन मूल्य भविष्य के नकदी प्रवाह के संशोधित अनुमानों के आधार पुनः मापित किया गया है। इस तरह के पुनः मापन के परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान बकाया ऋण की सकल वहन राशि में, ब्याज कटौती के बाद, (₹ 667.30) मिलियन (2022–23 : ₹ 815.70 मिलियन) का परिवर्तन हुआ है। संचयी पुनः मापन हानि को ध्यान में रखते हुए, ब्याज कटौती का निवल मूल्य ₹ 3766.60 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 4,433.90 मिलियन) है तथा आस्थगित व्यय का लेखांकन ₹ 5,282.90 मिलियन (31.03.2024 तक परिशोधन के बाद शुद्ध शेष ₹ 2872.70 मिलियन) है तथा अवधि के अंत में बकाया ऋण ₹ 5224.80 मिलियन (31.3.2023 : ₹ 5,937.10 मिलियन) है। इसके अलावा, सतर्कता और रुदिवाद के सिद्धांतों का पालन करते हुए, रिफिल के उपभोग पैटर्न, सब्सिडी के स्तर और ऋण के पुनर्नुगतान पर परिणामी प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, ₹ 3260.70 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 250.10 मिलियन) के प्रतिलोमन के शुद्ध, यदि कोई है, का संचयी प्रावधान बिहियों में अनुमानित और मान्यताप्राप्त है। वर्ष के दौरान ₹ 3010.70 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2022–23 : ₹ 936.90 मिलियन) का अतिरिक्त प्रावधान जो मुख्यतः सक्रिय ग्राहकों के निष्क्रिय होने के चलते है। प्रत्याशित क्रेडिट हानि अनुमान तर्कसंगत है।

16.4 अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में, कंपनी के पास कार्यिक निधि योजना (सीएफएस) के तहत खुदरा आउटलेटों के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के डीलरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की नीति है। इस योजना के तहत, डीलर द्वारा कार्यशील पूंजी ऋण/सहायता की मांग

करने का लिखित अनुरोध करने पर कंपनी डीलर के प्रचालन के पूर्ण चक्र (सात दिनों की बिन्दी की मात्रा के बराबर) के लिए कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करती है। इस कार्यशील पूंजी ऋण के साथ-साथ उस पर निर्दिष्ट दर पर ब्याज की वसूली डीलर संचालित खुदरा आउटलेट के चालू होने के तेरहवें महीने से सौ समान मासिक किश्तों में की जाएगी।

## 16.5 क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	622.47	1,553.06
वर्ष के दौरान मानी गई	3,096.21	0.66
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(0.22)	(936.92)
अन्य समायोजन	1.07	5.67
वर्ष के अंत में शेष	<b>3,719.53</b>	<b>622.47</b>

## 17. स्थल पुनरुद्धार निधि के अंतर्गत जमाज

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
स्थल पुनरुद्धार निधि के अंतर्गत जमा	285,710.40	267,511.58
<b>कुल</b>	<b>285,710.40</b>	<b>267,511.58</b>

17.1 उक्त राशि को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 33एबीए के अंतर्गत बैंकों के साथ जमा करवाया गया है और इसे केवल योजना में निर्दिष्ट प्रयोजनों यथा जीवन, संपत्ति, पर्यावरण आदि को होने वाले खतरों को रोकने के लिए किसी परित्याग योजना के अनुसरण में केन्द्र सरकार के साथ सहमत तरीके से उपकरणों तथा संस्थापनाओं को हटाने के प्रति, ही निकाला जा सकता है। इस राशि को प्रतिबंधित नकदी माना गया है और अतः "नकदी तथा नकदी तुल्य" के रूप में नहीं लिया गया है।

17.2 इसमें ताप्ती ए सुविधाओं के प्रति ₹ 3,031.74 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2,834.05 मिलियन) और पन्ना मुक्ता फील्ड के प्रति 54,661.61 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष ₹ 51,097.38 मिलियन) शामिल है (देखें टिप्पणी सं. 6.2, 7.1.2 और 32.7)।

17.3 अनुषंगी ओवीएल के संबंध में, साइट बहाली निधि के तहत निक्षेप ब्लॉक 06.1, वियतनाम के संबंध में है। इन निधियों को इस उद्देश्य के लिए बनाए गए एक निर्धारित बैंक खाते में जमा किया गया है। ऐसी जमा राशि का मापन परिशोधन लागत पर किया जाता है।

## 18. प्राप्य वित्त पट्टे

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
प्राप्य वित्त पट्टे (देखें टिप्पणी 18.2)		
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए	6,230.70	6,140.25
घटाएँ : एक न किए जा सकने वाले पट्टा भुगतानों हेतु क्षति (देखें टिप्पणी 18.1)	6,230.70	6,140.25
	-	-



## 18.1 प्राप्त संदिग्ध वित्त पट्टे हेतु क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	6,140.25	5,661.89
वर्ष के दौरान मान्यता प्रदत्त	-	-
विनियम अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 18.1.1)	90.45	478.36
वर्ष के अंत में शेष	<b>6,230.70</b>	<b>6,140.25</b>

18.1.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनियम अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा “भारतीय राष्ट्रीय रूपये” में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। | देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

18.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल ने सुडान सरकार (जीओएस) के ऊर्जा और खनन मंत्रालय हेतु खारतूम रिफाइनरी से पोर्ट सुडान तक 12"X741 किलोमीटर बहु उत्पाद पाइपलाइन को निर्माण, स्वामित्व, पट्टा तथा अंतरण (बीओएलटी) आधार पर तैयार किया है और उक्त को वित्तीय वर्ष 2005–06 के दौरान सुडान सरकार को सौंपा है। परियोजना को पूरा किया गया था और

सूडान सरकार द्वारा पट्टा राशि 18 किश्तों में देय थी जिसमें से 7 किश्ते अदा नहीं की गई हैं। अदा नहीं किए गए पट्टा प्राप्तियों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त किया गया है। गैरसंदर्भ पट्टा प्राप्ति पूरी तरह से बाधित हो गए हैं। इस मामले में माध्यस्थम अधिकरण ने दिनांक 31 मई 2022 के आंशिक पंचाट को जारी करके समूह के पक्ष में 98.94 मिलियन अमेरीकी डॉलर (31 मार्च, 2024 को ₹ 8247.93 मिलियन के समतुल्य; 31 मार्च, 2023 को ₹ 8128.21 मिलियन के समतुल्य) का आदेश दिया है। समूह को सूडान सरकार से एक पत्र मिला है जिसमें मध्यस्थता मामलों पर बातचीत करने और क्रमशः कुछ प्रतिशत तक नकद भुगतान करने के तौर-तरीकों का सुझाव दिया गया है। तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए इसे ध्यान में रखा जाएगा।

## 19. वित्तीय परिसंपत्तियां – अन्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
(अप्रतिभूत, अच्छे माने गए जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)				
क. व्युत्पन्न परिसंपत्ति	-	29.19	-	40.14
ख. कर्मचारियों को ऋणों पर प्रोद्भूत व्याज	453.44	12.65	389.57	7.01
— प्रतिभूत अच्छे माने गए				
	<b>453.44</b>	<b>12.65</b>	<b>389.57</b>	<b>7.01</b>
ग. जमा और ऋणों पर प्रोद्भूत व्याज				
— अच्छे माने गए	-	16,149.26	-	10,393.89
— क्षतिग्रस्त ऋण	22.87	-	22.87	-
घटाएँ : प्रोद्भूत संदिग्ध व्याज हेतु क्षति	22.87	-	22.87	-
	-	<b>16,149.26</b>	-	<b>10,393.89</b>
घ. वहन किए गए व्याज पर प्रोद्भूत व्याज				
— अच्छे माने गए	11,245.54	-	7,548.44	-
— क्षतिग्रस्त ऋण	-	-	-	-
घटाएँ : प्रोद्भूत संदिग्ध व्याज हेतु क्षति	-	-	-	-
	<b>11,245.54</b>	-	<b>7,548.44</b>	-

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
उ. संयुक्त उद्यम भागीदारों से प्राप्त नकदी आमंत्रण				
– अच्छे माने गए	-	3,149.80	-	2,049.24
– क्षतिग्रस्त ऋण	8,981.34	195.03	8,625.43	-
घटाएँ : संदिग्ध नकदी आमंत्रण प्राप्तों के लिए क्षति	8,981.34	195.03	8,625.43	-
	-	<b>3,149.80</b>	-	<b>2,049.24</b>
च. नकदी में प्राप्त अग्रिम				
– अच्छे माने गए (देखें टिप्पणी सं. 19.1)	6,964.81	27,044.41	7,452.73	36,689.65
– क्षतिग्रस्त ऋण (देखें टिप्पणी सं. 19.2)	932.04	16,617.25	934.05	16,454.02
घटाएँ : संदिग्ध अग्रिम हेतु क्षति	932.04	16,617.25	934.05	16,454.02
	<b>6,964.81</b>	<b>27,044.41</b>	<b>7,452.73</b>	<b>36,689.65</b>
छ. बैंकों के साथ जमा				
– अच्छे माने गए	18.85	44,829.35	73.43	27,540.00
– क्षतिग्रस्त ऋण	-	20.65	-	-
घटाएँ : संदिग्ध प्राप्तों हेतु क्षति	-	20.65	-	-
	<b>18.85</b>	<b>44,829.35</b>	<b>73.43</b>	<b>27,540.00</b>
ज. प्रचालकों से प्राप्त				
– अच्छे माने गए	-	2,945.17	-	1,900.89
– क्षतिग्रस्त ऋण	-	1,336.54	-	1,410.95
घटाएँ : संदिग्ध प्राप्तों हेतु क्षति	-	1,336.54	-	1,410.95
	-	<b>2,945.17</b>	-	<b>1,900.89</b>
झ. वहन किया गया ब्याज				
– अच्छे माने गए	42,610.53	-	39,228.08	-
– क्षतिग्रस्त ऋण	-	-	-	-
घटाएँ : संदिग्ध दावों/अग्रिम हेतु क्षति	-	-	-	-
	<b>42,610.53</b>	-	<b>39,228.08</b>	-
ज. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) और एलपीजी के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटीएल) के प्रति भारत सरकार से प्राप्त				
ट. भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ शेष				
ठ. जमा				
– अच्छे माने गए	3,669.59	2,241.23	3,865.86	1,166.61
– क्षतिग्रस्त ऋण	12.54	6.23	9.96	0.71
घटाएँ : संदिग्ध जमा हेतु क्षति	12.54	6.23	9.96	0.71
	<b>3,669.59</b>	<b>2,241.23</b>	<b>3,865.86</b>	<b>1,166.61</b>
ड. अन्य				
– अच्छे माने गए	47,642.51	10,992.00	36,734.98	9,031.20
– क्षतिग्रस्त ऋण	-	6.32	-	0.10
घटाएँ : संदिग्ध दावों/अग्रिम हेतु क्षति	1,866.28	2,368.90	1,738.90	4,798.54
	<b>45,776.23</b>	<b>8,629.42</b>	<b>34,996.08</b>	<b>4,232.76</b>
कुल अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	<b>110,738.99</b>	<b>123,057.52</b>	<b>93,554.19</b>	<b>92,436.90</b>



19.1 वर्ष 2010–11 के दौरान, भारत सरकार की तेल विपणन कंपनियों के नामितों ने संयुक्त संचालन – पन्ना मुक्ता और ताप्ती उत्पादन साझेदारी संविदाएं (पीएससी) के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार 80.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर (कंपनी का हिस्सा 32.07 मिलियन अमेरिकी डॉलर – ₹ 2,634.55 मिलियन के बराबर) की वसूली की। माध्यस्थम अधिकरण द्वारा अंतिम रूप से लंबित, कंपनी की 32.07 मिलियन अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी ₹ 2,673.36 मिलियन (मार्च 31, 2023 : ₹ 2,634.55 मिलियन) के बराबर है, जिसका प्रकटीकरण 'नकद के रूप में वसूलीयोग्य अग्रिम' (टिप्पणी सं. 58.1.4 का अवलोकन करें) के तहत किया गया है।

19.2 रवा संयुक्त उद्यम में, प्रचालक के पक्ष में पूर्व के विवाचन अंटिकरण अधिनिर्णय को रद्द करते हुए मलेशिया उच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर, कर पश्चात् प्रतिलाभ दर (पीटीआरआर) के अभिकलन के संबंध में उत्पादन भागीदारी संविदा के प्रावधानों की व्याख्या में मतभेद होने के कारण, भारत सरकार (जीओआई) द्वारा उठाई गई अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम की मांग पर प्रचालक मैसर्स वेदांता लिमिटेड (पूर्व में मैसर्स केर्न एनर्जी इंडिया प्रा. लि.) द्वारा विवाद उत्पन्न किया गया था। कंपनी विवाद की पक्षकार नहीं है लेकिन यह प्रचालक पर लागू होने वाले निर्णय का पालन करने पर सहमत हुई है। कंपनी व्याज और विनियम दर उत्तार-चढ़ाव हेतु समायोजनों के पश्चात् 167.84 मिलियन अमेरिकी डालर (₹ 13,991.53 मिलियन के समतुल्य) की राशि को वहन कर रही है जिससे भारत सरकार द्वारा वसूल किया गया है और इसमें 54.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹ 4,503.21 मिलियन) की राशि का व्याज शामिल है। कंपनी ने भारत सरकार द्वारा इस वसूली के प्रति क्षति प्रावधान किया है।

बाद की विधिक कार्यवाहियों में, माननीय मलेशिया के उच्च न्यायालय, कुआलालम्पुर के अपीलीय प्राधिकरण ने मलेशिया के उच्च न्यायालय के निर्णय को रद्द कर दिया था तथा प्रचालक के पक्ष में विवाचन अधिकरण के पूर्व निर्णय को पुनः खापित किया गया, जिसके विरुद्ध भारत सरकार ने फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया के समक्ष एक अपील प्रस्तुत की। वर्ष के दौरान, फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया ने 11 अक्टूबर, 2011 के अपने आदेश द्वारा भारत सरकार की उक्त अपील को खारिज कर दिया।

कंपनी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया के अनुकूल निर्णय को ध्यान में रखते हुए की गई वसूलियों के प्रतिदाय के संबंध में मामले में उठाया है।

तथापि, 13 जनवरी, 2012 को प्राप्त पत्र के अनुसार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मत अभिव्यक्त किया कि ओएनजीसी के प्रस्ताव की तब जांच की जाएगी जब रवा

उत्पादन भागीदारी संविदा के तहत रखे ओएनजीसी के मुद्रे पर अन्य भागीदारों के साथ भारत सरकार द्वारा इसकी सम्पूर्णता में निर्णय किया जाएगा।

इस स्थिति में प्रतिदाय प्राप्त करने में अनुभव की गई अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए, उक्त अनुसार लेखा बही में किए गए प्रावधानों को प्राप्त राशि के प्रति बनाए रखा गया है।

### 19.3 अनुषंगी ओवीएल के मामले में

वहित व्याज और उस पर अर्जित व्याज क्षेत्र-1, मोजाम्बिक से संबंधित है और मोजाम्बिक की राष्ट्रीय तेल कंपनी से वसूलीयोग्य है। उक्त वस्तुओं का इंड एस 36 के अंतर्गत यह देखते हुए हानि के लिए परीक्षण किया जाता है, कि पुनर्भुगतान सीधे वापि अंतिक उत्पादन पर परियोजना से नकदी प्रवाह से जुड़ा हुआ है।

19.3.2 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी नाइल गंगा बीवी के संबंध में, अन्य में इसके सहयोगी पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए (पीआईवीएसए) से वसूली योग्य लाभांश प्राप्त शामिल हैं।

19.3.3 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश रोवूमा लिमिटेड के संबंध में, अन्य वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियों में प्रचालक से प्राप्त और प्रतिभूत तथा अच्छे समझे गए ₹ 349.39 मिलियन (गत वर्ष देय : ₹ 600.29 मिलियन) शामिल है। उक्त के संबंध में अभी प्रचालक से पुष्टि प्राप्त नहीं हुई है।

19.3.4 ऑपरेटरों और जेवी भागीदारों से ऋण क्षतिग्रस्त प्राप्तियों में कंपनी द्वारा भुगतान किए गए डिफॉल्ट कैश कॉल और सखालिन-1 परियोजना से संबंधित कच्चे तेल की अंडरलिफ्ट मात्रा के मूल्य के लिए 1,330.26 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष ₹ 1,310.95 मिलियन) की राशि शामिल है, जिन्हें संक्रमण की तारीख (14 अक्टूबर, 2022) को शुद्ध परिसंपत्तियों का हिस्सा नहीं माना गया क्योंकि ऐसी शेष राशि रोसनेफेट से प्राप्त होने वाली थी। इसके अलावा, उनकी वसूली के आधार पर, पिछले वर्ष के दौरान उक्त शेष राशि का पूरा प्रावधान किया गया था।

### 19.4 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के मामले में

19.4.1 कंपनी भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे पीएमयूवाई, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना को लागू करती है जिसमें राशि या तो अग्रिम रूप से प्राप्त होती है या उसकी बाद में प्रतिपूर्ति की जाती है। 31 मार्च, 2024 तक, ₹ 211.30 मिलियन (31 मार्च, 2023 : ₹ 1,898.80 मिलियन) की राशि की प्रतिपूर्ति 6 महीने से अधिक की अवधि के लिए लंबित है जिसके लिए बहियों में ₹ शून्य (31.03.2023 : ₹ 1591.20 मिलियन) को बहियों में वहन किया गया है।

19.4.2 अन्य प्राप्तों में प्रधानमंत्री निर्धन कल्याण योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को जारी किए गए मुफ्त एलपीजी सिलेंडरों के संबंध में भारत सरकार से निपटान के लिए लंबित शेष दावे के लिए शून्य मिलियन रुपए (2022–23 : ₹ 915.80 मिलियन) की राशि शामिल है, जिस पर बहियों में ₹ शून्य मिलियन (2022–23 : ₹ 915.80 मिलियन) वहन किए गए हैं।

19.4.3 बैंक के पास निक्षेप विभिन्न प्राधिकारियों के पास विनिर्धारित किए गए हैं।

## 19.5 अनुषंगी एमआरपीएल के मामले में

19.5.1 अन्य वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियों में केन्द्रीय सरकार से प्राप्य ₹ शून्य (31 मार्च, 2023 के अनुसार ₹ 99.37 मिलियन) की

राशि शामिल है। मंत्रालयों/विभागों/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) द्वारा जारी वाणिज्यिक निविदाओं में भारतीय पोतपरिवहन कंपनियों को आर्थिक सहायता प्रदान करके भारत में वाणिज्यिक पोतों की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की योजना के अनुसार, पात्र भारतीय पोतपरिवहन कंपनी को भुगतान किया जाएगा तथा कंपनी और कंपनी द्वारा संविदा अवधि के अनुसार चार्टर किराया राशि के साथ आर्थिक सहायता की राशि की प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा योजना के तहत कंपनी को की जाएगी।

19.5.2 बैंकों के पास निक्षेप वाणिज्यिक कर प्राधिकारी के पक्ष में विनिर्धारित किए गए हैं।

## 19.6 क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	<b>33,995.43</b>	<b>29,292.39</b>
वर्ष के दौरान मानी गई	912.48	4,819.15
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(2,611.32)	(370.90)
अन्य समायोजन	63.08	254.79
वर्ष के अंत में शेष	<b>32,359.67</b>	<b>33,995.43</b>

19.6.1 समूह की अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा “भारतीय राष्ट्रीय रूपये” में परिवर्तित किए जाने के कारण 31 मार्च, 2024 को 63.08 मिलियन रुपये (31 मार्च, 2023 को ₹ 254.79 मिलियन) के विनिमय अंतरों के शुद्ध प्रभाव का समायोजन शामिल है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)।

## 20. अन्य परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
क. पूँजीगत अग्रिम (टिप्पणी सं. 20.3)				
– अच्छे माने गए	15,508.83	-	15,640.08	-
– क्षतिग्रस्त ऋण	346.69	-	346.69	-
घटाएँ : क्षति	346.69	-	346.69	-
	<b>15,508.83</b>	-	<b>15,640.08</b>	-
ख. अन्य प्राप्य				
– अच्छे माने गए	54.66	-	55.10	-



विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
– क्षतिग्रस्त ऋण	376.97	-	379.56	-
घटाएँ : क्षति	376.97	-	379.56	-
	<b>54.66</b>	-	<b>55.10</b>	-
<b>ग. जमा (टिप्पणी सं. 20.6)</b>				
सीमा शुल्क/पत्तन न्यास आदि के साथ	11,203.13	9,214.67	9,181.72	8,668.68
अन्य				
– अच्छे माने गए (टिप्पणी सं. 32.7)	5,564.04	14,488.56	5,764.85	23,057.83
– क्षतिग्रस्त ऋण	2,557.29	430.10	1,936.40	991.82
घटाएँ : क्षति	3,369.59	430.10	2,748.71	991.82
	<b>15,954.87</b>	<b>23,703.23</b>	<b>14,134.26</b>	<b>31,726.51</b>
<b>घ. प्राप्य अग्रिम</b>				
– अच्छे माने गए	1,671.05	35,333.71	2,054.33	35,879.09
– क्षतिग्रस्त ऋण	641.86	949.32	641.86	957.08
घटाएँ : क्षति	641.86	949.32	641.86	957.08
	<b>1,671.05</b>	<b>35,333.71</b>	<b>2,054.33</b>	<b>35,879.09</b>
<b>ड. वहन किया गया हित (टिप्पणी सं. 20.1 तथा 20.2)</b>				
– अच्छे माने गए	-	-	-	-
– क्षतिग्रस्त ऋण	399.10	-	382.61	-
घटाएँ : क्षति	399.10	-	382.61	-
	-	-	-	-
<b>च. पूर्वप्रदत्त व्यय</b>				
पूर्व भुगतान – जुटाए जाने के प्रभार	-	488.35	-	1,340.86
पूर्व भुगतान – पट्टाधारी भूमि	167.07	18.32	134.08	275.76
कम उठान की गई मात्रा हेतु पूर्व प्रदत्त व्यय	-	977.78	-	523.89
अन्य पूर्व प्रदत्त व्यय	2,784.00	2,314.26	3,297.08	3,554.08
	<b>2,951.07</b>	<b>3,798.71</b>	<b>3,431.16</b>	<b>5,694.59</b>
<b>छ. अन्य परिसंपत्तियां</b>				
– अच्छे माने गए	148.30	1,699.36	152.33	2,140.72
– क्षतिग्रस्त ऋण	-	-	-	-
घटाएँ : क्षति	-	-	-	-
	<b>148.30</b>	<b>1,699.36</b>	<b>152.33</b>	<b>2,140.72</b>
<b>कुल अन्य परिसंपत्तियां</b>	<b>36,288.78</b>	<b>64,535.01</b>	<b>35,467.26</b>	<b>75,440.91</b>

- 20.1 अनुषंगी ओवीएल के संबंध में, कंपनी का ब्लॉक 5ए दक्षिण सूडान', एसएस-04 बांग्लादेश, एसएस-09 बांग्लादेश, ईपी-3 म्यांमार और बी-2 म्यांमार में भागीदारी हित (पीआई) है। इन ब्लॉकों के संबंध में वाहक करार के अनुसार, परियोजना से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने पर अवधि के दौरान वाहित व्याज की वसूली की जाएगी। इसे ऊपर असुरक्षित के रूप में दिखाया गया है, और इसे संदिग्ध माना जाता है।
- 20.2 ब्लॉक 5ए, दक्षिण सूडान के संबंध में, जो एक उत्पादक परियोजना है, व्याज की शेष राशि ₹ 90.26 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 88.96 मिलियन) की हानि को मान्यता प्रदान गई है। एसएस-04 बांग्लादेश, एसएस-09 बांग्लादेश, ईपी-3 म्यांमार और बी-2 म्यांमार के अन्वेषण अवधि के अंतर्गत होने के संबंध में ₹ 308.84 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 293.65 मिलियन) की हानि को मान्यता दी गई है, क्योंकि वाणिज्यिक अन्वेषण की कोई निश्चितता नहीं है।
- 20.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, पूँजीगत अग्रिम में ₹ 236.22 मिलियन (गत वर्ष ₹ 232.79 मिलियन) शामिल हैं जिसका भुगतान लीजहोल्ड भूमि को फ्रीहोल्ड भूमि में बदलने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को रूपांतरण शुल्क के रूप में किया गया।
- 20.4 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष में, समूह के पास जीएसटी पोर्टल पर समूह के इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर (ईसीएल) में जीएसटी के तहत ₹ 499.01 मिलियन की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) शेष राशि है। ₹ 499.01 मिलियन के आईटीसी शेष में से, समूह ने अप्रैल 2024 में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए ₹ 129.59 मिलियन का रिफंड आवेदन दायर किया है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आईटीसी दावे और अन्य जीएसटी से संबंधित लेन-देन की राशि की समीक्षा की जा रही है और आवश्यक समायोजन, यदि कोई हो, अक्टूबर 2024 तक की अवधि (जीएसटी विधि के अनुसार उपलब्ध अवधि) में किया जाएगा।
- 20.5 अनुषंगी ओवीएल के संबंध में, अन्य मौजूदा आस्तियों में ₹ 977.78 मिलियन (31 मार्च 2023 के अनुसार : ₹ 583.89 मिलियन) शामिल हैं, जो वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कम उत्पादित तेल की मात्रा के प्रभाव को दर्शाता है और इसे अंतर-शिपर व्यवस्था के आधार पर निपटाया जाएगा।

20.7 अनुषंगी कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में, आवंटन प्रतिफल के भुगतान पर कंपनी को 7 विभिन्न स्थानों पर भूमि का कब्जा दिया गया है। कंपनी को अभी इन भूमियों हेतु केआईएडीबी के साथ पट्टा सह बिक्री समझौता करना है। अतः राशि को अभी फ्रीहोल्ड भूमि के रूप में पूँजीकृत नहीं किया गया है।

20.8 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, सीमाशुल्क के साथ जमा में ₹ 812.30 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 812.30 मिलियन) की एक राशि शामिल है, जिसे 1992-97 की अवधि से संबंधित सीमा शुल्क प्रतिदाय दावों के प्रति प्राप्त के रूप में वहन किया गया है। प्रबंधन द्वारा किए गए आकलन के अनुसार, ये दावे विधिक रूप से स्वीकार्य हैं, तथापि, समय के बीतने के साथ ₹ 812.30 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 812.30 मिलियन) का प्रावधान किया गया है। प्रबंधन इन दावों के शीघ्र निपटान के लिए प्राधिकारियों के साथ लगातार मामले का अनुवर्तन कर रहा है।

#### 20.9 क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	<b>6,448.33</b>	<b>5,586.47</b>
वर्ष के दौरान मानी गई	89.97	907.09
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(30.37)	(72.81)
अन्य समायोजन	5.70	27.58
वर्ष के अंत में शेष	<b>6,513.63</b>	<b>6,448.33</b>

20.9.1 समूह की अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनियम अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय राष्ट्रीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण 31 मार्च, 2024 को ₹ 5.70 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 27.58 मिलियन) के विनियम अंतरों के शुद्ध प्रभाव के समायोजन शामिल है। देखें टिप्पणी 3.19 और 5.1(क)



## 21. मालसूची

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
<b>कच्चा माल (संघनित सहित)</b>		
– हस्तगत	70,583.70	52,691.93
– मार्गस्थ	22,010.91	23,725.23
	<b>92,594.61</b>	<b>76,417.16</b>
<b>तैयार वस्तुएं (टिप्पणी सं. 21.2)</b>	171,064.88	133,910.67
घटाएँ : स्टाक हानि हेतु क्षति	5.91	5.91
	<b>171,058.97</b>	<b>133,904.76</b>
<b>व्यापार की गई वस्तुएं</b>	<b>122,582.32</b>	<b>125,259.28</b>
<b>भंडार तथा कलपुर्जे</b>		
– हस्तगत	104,775.72	87,774.04
– मार्गस्थ	3,834.88	2,229.61
घटाएँ : प्रयुक्त न होने वाली मदों हेतु क्षति	10,041.43	9,997.90
	<b>98,569.17</b>	<b>80,005.75</b>
<b>अर्ध-तैयार वस्तुएं</b>	37,700.03	26,433.30
<b>गैर-सेवायोज्य मदें</b>	-	388.89
<b>कुल</b>	<b>522,505.10</b>	<b>442,409.14</b>

21.1 कंपनी के संबंध में, इसमें 330,484 कार्बन क्रेडिट (गत वर्ष 330,484) के संबंध में ₹ शून्य (31 मार्च, 2023 को ₹ शून्य) की राशि शामिल है क्योंकि यह किसी उद्भृत मूल्य पर नहीं है और शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य के संबंध में अपर्याप्त प्रतीत होती है। प्रमाणीकरण के अधीन कोई सीईआर नहीं है। वर्ष के दौरान उत्सर्जन कमी उपकरण हेतु प्रचालन और अनुरक्षण लागत तथा मूल्यहास के प्रति क्रमशः ₹ 284.43 मिलियन (2022-23 के लिए ₹ 297.37 मिलियन) तथा ₹ 227.67 मिलियन (वर्ष 2022-23 के लिए ₹ 275.58 मिलियन) व्यय किए गए हैं।

21.2 कंपनी के संबंध में ₹ 9065.75 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 238.97 मिलियन) की लागत वाली माल-सूची को ₹ 4032.64 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 150.54 मिलियन) की राशि के शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मापा गया है। परिणामस्वरूप, ₹ 5033.11 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 88.43 मिलियन) की राशि को टिप्पणी सं. 40 के अंतर्गत लाभ और हानि के समेकित विवरण में व्यय के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

21.3 चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी ईएसी राय के आधार पर, कंपनी ने स्टोर और स्पेयर तथा त्यागे गए पीपीई से उत्पन्न स्क्रैप सामग्री के इन्वेंटरीकरण पर अपनी लेखा नीति में बदलाव किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 से पहले लेखा नीति में परिवर्तन लागू करने में प्रभाव को महत्वहीन मानते हुए, कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से उक्त परिवर्तनों पर विचार किया है। इसके परिणामस्वरूप ₹ 266.47 मिलियन की स्क्रैप सामग्री के शुरुआती स्टॉक को अब अन्य आय के विरुद्ध समायोजित किया गया है। उपरोक्त परिवर्तनों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कर से पहले लाभ में ₹ 266.47 मिलियन की कमी आई है।

21.4 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, चालू वित्त वर्ष के दौरान, नॉन-मूविंग और स्लो मूविंग इन्वेंट्री के लिए प्रावधान के अनुमान पर पहुंचने के लिए अपनाए गए आधार की समीक्षा की गई है तथा अनुभव और निर्णय के आधार पर उपभोग पैटर्न से संबंधित नवीनतम उपलब्ध जानकारी पर विचार करते हुए इसमें बदलाव किया गया है। अनुमान में उपरोक्त परिवर्तन के कारण

प्रावधान (शुद्ध) में कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2023–24 के लिए कर से पूर्व लाभ में ₹ 104.08 मिलियन की वृद्धि हुई है। लेखांकन अनुमान में उक्त परिवर्तन के समग्र भविष्य के प्रभाव का प्रकटीकरण नहीं किया गया है, क्योंकि इसके प्रभाव का आकलन करना अव्यवहारिक है।

21.5 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, चालू वित्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) की मान्यता रद्द करने के लिए अपनी लेखा नीति में बदलाव किया है, जिसके परिणामस्वरूप त्यागे गए पीपीई से उत्पन्न स्क्रैप सामग्री का सूचीकरण किया जाना अब बंद कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2023–24 से पहले लेखा नीति में परिवर्तन लागू करने में प्रभाव को महत्वहीन मानते हुए, कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही उक्त परिवर्तनों पर विचार किया है। इसके परिणामस्वरूप ₹ 122.42 मिलियन की राशि की स्क्रैप सामग्री के शुरुआती स्टॉक को अब अन्य परिचालन राजस्व के तहत स्क्रैप की बिक्री के विरुद्ध समायोजित किया गया है। उपरोक्त परिवर्तनों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2023–24 के लिए कर से पहले लाभ में ₹ 196.65 मिलियन की कमी आई है।

21.6 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, कंपनी को वित्त वर्ष 2018–19 में किए गए कार्य—निष्पादन के तहत उसके द्वारा निर्धारित लक्ष्यों से ऊपर विशिष्ट ऊर्जा खपत में कमी हासिल करने के लिए “निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार” (पीएटी) योजना, भारत के भाग के रूप में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की ओर से 87,748 ऊर्जा बचत प्रमाण पत्र (ईएस सर्टिफिकेट) प्रदान किए गए। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के विशेषज्ञों के अनुसार अनुमोदित पैनलबद्ध मान्यताप्राप्त ऊर्जा लेखा—परीक्षक (ईएमएई) द्वारा निगरानी और सत्यापन लेखा—परीक्षा संचालित की गई और उन्होंने सत्यापन प्रमाण—पत्र प्रस्तुत किया है, जो दर्शाता है कि वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान उनके द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के प्रति विशिष्ट ऊर्जा खपत की गैर—प्राप्ति के कारण 48,269 ईएस प्रमाणपत्रों में समतुल्य कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी के पास कुल 39,479 ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र (ईएस प्रमाणपत्र) उपलब्ध होंगे। इनका उपयोग रिफाइनरी की अपनी कमी (यदि कोई हो) को पूरा करने के लिए किया जा सकता है या इन्हें व्यापार योग्य प्रमाणपत्रों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, जिन्हें भविष्य में पावर एक्सचेंजों के माध्यम से बेचा जा सकता है। अंतिम निगरानी और सत्यापन रिपोर्ट और संबंधित प्रपत्र राज्य नामित एजेंसी को प्रस्तुत किए जाते हैं, जो कि कर्नाटक नवीकरणीय ऊर्जा विकास लिमिटेड (केआरईडीएल) है। पीएटी – VI चक्र के लिए ईएस प्रमाणपत्रों को अंतिम रूप से विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी किया जाना बाकी

है, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी के पास वर्तमान में ईएस प्रमाणपत्रों की संख्या 87,748 बनी हुई है और उक्त प्रमाणपत्रों की परिकलित की गई फलोर वैल्यू माननीय विद्युत मंत्रालय द्वारा फलोर प्राइस निर्धारित करने के लिए निर्धारित फॉर्मूले के अनुसार ₹ 161.47 मिलियन के अनुरूप है (31 मार्च 2023 तक ₹ 161.47 मिलियन)। कंपनी केवल भविष्य में की जाने वाली निगरानी और सत्यापन के आधार पर रिफाइनरी की अपनी कमी (यदि कोई हो) को पूरा करने के लिए ही ईएस प्रमाणपत्रों को का आशय रखती है और इसी कारण वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान एमआरपीएल को प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) चक्र के तहत अधिसूचित नहीं किया गया।

21.7 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में वर्ष के दौरान माल—सूची को कम करके निवल वसूली योग्य मूल्य (निवल) तक लिखे जाने में ₹ 5462.80 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 1389.50 मिलियन) की राशि शामिल है। कम किए जाने तथा प्रत्यावर्तन को उपभोग की गई सामग्री की लागत, तैयार वस्तुओं की माल—सूची में परिवर्तन, व्यापारगत स्टाक और प्रगतिशील कार्य में शामिल किया गया है।

21.8 अनुषंगी एचपीसीएल के संबंध में, 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, समूह के पास गैर—सौर नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों की कोई इन्चेंट्री नहीं है जिसमें 3275 इकाइयाँ, (31.03.2023 को 3275 यूनिटें), जो गृहीत खपत के लिए पूर्व में ही आवश्यक मात्रा निर्धारित करने के बाद बिक्री के लिए उपलब्ध है। प्रमाण—पत्रों से प्राप्त राजस्व उसी समय मान्यता दी जाती है जब वे बेचे जाते हैं।

**एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड के संबंध में:** नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न बिजली की परिवर्द्ध खपत के लिए अर्जित नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) को तुलन—पत्र की तारीख पर उपलब्ध स्टॉक के रूप में महत्व नहीं दिया जाता है, क्योंकि उन्हें प्राप्त करने की लागत नगण्य है और उनकी निश्चित वसूली नहीं होती है।। आरईसी की बिक्री से होने वाली आय को इसकी बिक्री के वर्ष में राजस्व के रूप में दर्ज किया जाता है। 31 मार्च 2024 को उपलब्ध आरईसी 25,905 यूनिट (31.03.2023 : 11,806 यूनिट) है।

21.9 अनुषंगी एचपीसीएल के संबंध में, कैश क्रेडिट सुविधा का लाभ उठाने के लिए एक प्रतिभूति के रूप में सममूल्य आधार पर बैंकों के पक्ष में मालसूची को दृष्टिबंधक किया जाता है।

21.10 अनुषंगी कंपनी ओपीएल के संबंध में संयुक्त प्रचालकों के मामले में जहां उत्पादित खनिज तेल को संपत्ति में एक विशिष्ट डिलीवरी बिंदु तक नहीं पहुंचाया जाता, उस डिलीवरी बिंदु तक



खनिज तेल के स्टॉक को समूह द्वारा मान्यता प्रदान नहीं की जाती है। तैयार वस्तुओं को लागत पर या निवल वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित की गई है।

21.11 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, भंडार और कल-पुर्जे में ₹ 4079.41 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 4719.20 मिलियन) शामिल हैं, जो विदेशी संयुक्त प्रचालनों में प्रदर्शित होने वाले कंपनी के शेयरों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

## 22. निवेश – वर्तमान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
क. लाभ एवं हानि के माध्यम से उवित मूल्य पर वहन की वित्तीय परिसंपत्तियाँ (क) भारत सरकार के बाण्ड में निवेश (टिप्पणी सं. 22.1) (उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	51,827.01	51,688.97
ख. परिशोधित लागत पर वहन की गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ सरकारी प्रतिभूति में निवेश – 8.40% तेल कंपनी भारत सरकार विशेष बॉण्ड 2025 (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (टिप्पणी सं. 14.2.6)	1,975.08	-
<b>कुल</b>	<b>53,802.09</b>	<b>51,688.97</b>

22.1 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, ₹ 38,400 मिलियन (31.03.2023: ₹ 33,630 मिलियन) के अंकित मूल्य वाले बांड जिसमें ₹ 1,850 मिलियन के 7.59: जी–सेक बांड (31.03.2023: ₹ 1,830 मिलियन), ₹ 8,000 मिलियन के 7.72: जी–सेक बांड (31.03.2023: ₹ 8,000 मिलियन), ₹ 1,500 मिलियन के 8.33: जी–सेक बांड (31.03.2023: ₹ 1,800 मिलियन), ₹ 2,550 मिलियन के 8.15: जी–सेक बांड (31.03.2023: ₹ 2,000 मिलियन), ₹ 15,000 मिलियन के 6.35: तेल बांड (31.03.2023 : ₹ 5,000 मिलियन), 1,000 मिलियन के 8.20: तेल बांड 2024 (31.03.2023 : शून्य) और 8,500 मिलियन के 6.90: तेल बांड 2026 (31.03.2023 : ₹ 15,000 मिलियन शामिल हैं, जो या तो त्रिपक्षीय रेपो डीलिंग सिस्टम ऋण के विरुद्ध किलरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) के पास गिरवी रखे गए हैं या किलरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीआरओएमएस सेगमेंट के माध्यम से उधार के खिलाफ संपार्शिवक के रूप में दिए गए हैं।

## 22.2 लागत/बाजार मूल्य के संबंध में प्रकटीकरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
क. उद्धृत निवेश का कुल मूल्य (बाजार मूल्य)	51,827.01	51,688.97
ख. उद्धृत निवेश का कुल मूल्य (लागत)	52,672.57	52,672.57
ग. अनुद्धृत निवेश का कुल मूल्य (लागत)	1,975.08	-

19.6.1 समूह की सहायक कंपनी ओवीएल ने अपनी कार्यात्मक मुद्रा को अमेरिकी डॉलर के रूप में निर्धारित किया है। समायोजन में 31 मार्च, 2024 को ₹ 63.08 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 254.79 मिलियन) के विनिमय अंतर का शुद्ध प्रभाव शामिल है, जो ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डॉलर से समूह की प्रस्तुति मुद्रा (₹) में बदलने के कारण है। (टिप्पणी संख्या 3.19 और 5.1 (क) देखें)

## 23. नकदी और नकदी तुल्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
बैंकों के साथ शेष	22,287.79	16,935.25
हस्तगत नकदी	91.37	70.37
3 माह तक की मूल परिपक्वता के साथ बैंक जमा	18,948.35	9,394.36
<b>कुल नकदी और नकदी तुल्य</b>	<b>41,327.51</b>	<b>26,399.98</b>

- 23.1 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में हस्तगत नकदी विदेशी शाखाओं द्वारा संबंधित स्थानीय मुद्राओं में धारित नकदी शेष को दर्शाती है और इसमें पेशगी धारकों द्वारा धारित ₹ 0.95 मिलियन की राशि शामिल है (31 मार्च, 2023 को ₹ 1.71 मिलियन)।
- 23.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी द्वारा बैंकों के साथ रखे गए जमा में अत्पावधि जमा शामिल हैं जिन्हें कंपनी द्वारा किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना के अथवा मूलधन पर जुर्माने के बिना निकाला जा सकता है।
- 23.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, बैंक के पास लीबिया में विदेशी शाखाओं द्वारा रखी गई ₹ 0.79 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 0.79 मिलियन) की राशि और अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश बैंकोरनेपट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रखी गई ₹ 14512.92 मिलियन (पिछले वर्ष: ₹ 6,907.17 मिलियन) की राशि शामिल है जो इसके रूप से बैंक है और जो 31 मार्च 2024 को उपयोग के लिए प्रतिबंधित है।
- 23.4 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, नकद और नकद समकक्षों में संयुक्त व्याज बिलिंग (जेआईबी) विवरणों के आधार पर दर्ज विदेशी ऑपरेटरों के बैंक खाते में रखे गए ₹ 3082.39 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2016.89 मिलियन) के नकद कॉल का अप्रयुक्त भाग शामिल है।

## 24. अन्य बैंक शेष

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
अन्य बैंक जमा जिनकी मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक और 12 माह तक है (देखें टिप्पणी सं. 29.1.2)	322,926.49	261,089.98
दावा न किया गया लाभांश खाता (देखें टिप्पणी सं. 24.1)	809.84	823.62
एसक्रो खाते में जमा (देखें टिप्पणी सं. 24.2)	-	1,600.79
व्यय नहीं किए गए सीएसआर	413.01	136.13
अन्य प्रतिबंधित बैंक शेष	1,419.57	1,352.77
<b>कुल अन्य बैंक जमा</b>	<b>325,568.91</b>	<b>265,003.29</b>

- 24.1 दावा न किए गए लाभांश खाते में जमा राशि लाभांश के भुगतान हेतु निर्दिष्ट है और इसका उपयोग किसी अन्य प्रयोजन हेतु नहीं किया जा सकता है। निवेशक शिक्षा और बचाव निधि में जमा हेतु कोई राशि देय नहीं है।

- 24.2 भारत सरकार तथा बीजी एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और कंपनी (पीएमटी जेओ भागीदारों) के मध्य पन्ना—मुक्ता गैस के डिलीवरी बिन्दु के विवाद का मामला संगत पीएससी खंडों की भिन्न व्याख्या के कारण उत्पन्न हुआ। संयुक्त उद्यम भागीदारों के अनुसार पन्ना—मुक्ता गैस हेतु डिलीवरी बिन्दु अपतट है, तथापि, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और गेल का तर्क यह था है कि डिलीवरी बिन्दु अभितट में हजीरा है। पन्ना—मुक्ता फील्डों से उत्पादित गैस का परिवहन कंपनी की पाइपलाइनों के माध्यम से किया जाता है। डिलीवरी बिन्दु विवाद के चलते न तो बिक्रेता (पीएमटी जेओ) और न ही गैस का क्रेता (गेल) ओएनजीसी को गैस परिवहन हेतु इसकी पाइपलाइनों के उपयोग हेतु कोई पारितोषिक दे रहा था।

वर्ष के दौरान कंपनी ने पीएमटी जेओ साझेदारों के साथ निपटान समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और कंपनी को एसक्रो खाते से निपटान की राशि के रूप में मई 2024 माह में प्रतिफल प्राप्त हुआ है। तदनुसार, निवल प्राप्तियों के अलावा ₹ 432.97 मिलियन को विविध प्राप्तियों के रूप में लेखांकित किया गया है।

## 25. बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियां (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
परियोजना अधिशेष और अन्य परिसंपत्तियां	783.87	538.26
<b>बिक्री हेतु धारित कुल परिसंपत्तियां</b>	<b>783.87</b>	<b>538.26</b>

- 25.1 अनुषंगी कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में, समूह पाइपलाइन बिछाए जाने की परियोजना में प्रयुक्त ऐसी अधिशेष सामग्री के निपटान की मंशा रखती है, जिसका वह अगले 12 माह में उपयोग नहीं करेगी। यह सामग्री विभिन्न परियोजना स्थलों पर अवस्थित है तथा इन्हें पाइपलाइन के निर्माण के दौरान उपयोग हेतु खरीदा गया था। परियोजना अधिशेष सामग्री का निपटान तेल कंपनियों को किए जाने के प्रयास जारी है। समूह को यह प्रत्याशा है कि उचित मूल्य (घटा बिक्री की लागत), वहन मूल्य से अधिक होगा।

- 25.2 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के मामले में, बिक्री के लिए रखी गई गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों में संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें प्रतिस्थापनध्याप्रचलन के कारण निपटान के लिए पहचाना गया है। इन परिसंपत्तियों का निपटान अगले बारह महीनों के भीतर किए जाने की आशा है। इन परिसंपत्तियों के पुनर्वर्गीकरण के कारण, वर्ष के दौरान लाभ और हानि विवरण में ₹ 0.01 मिलियन की हानि (पिछले वर्ष: ₹ शून्य) पहचानी गई है।



25.3 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के मामले में, बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियों में संयंत्र और उपकरण, कार्यालय उपकरण, परिवहन उपकरण, भवन, फर्नीचर और जुड़नार तथा सड़कें और पुलिया जैसी वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें सामान्य व्यवसाय के दौरान परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन/अप्रचलन के कारण निपटान के

लिए पहचाना गया है। इन परिसंपत्तियों का अगले बारह महीनों के भीतर निपटान किए जाने की आशा है। इन परिसंपत्तियों को 'बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्ति' के रूप में वर्गीकृत करने के कारण, लाभ और हानि के विवरण में ₹ 64.20 मिलियन (पिछले वर्ष : ₹ 548.00 मिलियन) की हानि को मान्यता दी गई है।

## 26. इकिवटी शेयर पूँजी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
इकिवटी शेयर पूँजी	62,901.39	62,901.39
<b>प्राधिकृत :</b>	<b>62,901.39</b>	<b>62,901.39</b>
₹ 5/- प्रत्येक के 30,00,000,000 इकिवटी शेयर (31 मार्च, 2023 को ₹ 5/- प्रत्येक के 30,00,000,000 इकिवटी शेयर)	150,000.00	150,000.00
<b>निर्गमित एवं अभिदत्त :</b>		
₹ 5/- प्रत्येक के 12,580,279,206 इकिवटी शेयर (31 मार्च, 2023 को ₹ 5/- प्रत्येक के 12,580,279,206 इकिवटी शेयर)	62,901.39	62,901.39
<b>पूर्णतः प्रदत्त इकिवटी शेयर :</b>		
₹ 5/- प्रत्येक के 12,580,279,206 इकिवटी शेयर (31 मार्च, 2023 को ₹ 5/- प्रत्येक के 12,580,279,206 शेयर)	62,901.39	62,901.39
<b>कुल</b>	<b>62,901.39</b>	<b>62,901.39</b>

### 26.1 रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत तथा समाप्ति पर बकाया इकिवटी शेयरों का मिलान :

(₹ मिलियन में)

विवरण	शेयरों की संख्या मिलियन में	राशि
1 अप्रैल, 2022 को शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	12,580.28	62,901.39
01 अप्रैल, 2023 को शेष वर्ष के दौरान परिवर्तन	-	-
31 मार्च, 2024 को बकाया	12,580.28	62,901.39

### 26.2 इकिवटी शेयरों से संबद्ध शर्तें/अधिकार

कंपनी के पास केवल एक श्रेणी के इकिवटी शेयर हैं जिनका सम मूल्य ₹ 5 प्रति शेयर है। इकिवटी शेयर का प्रत्येक धारक एक मत प्रति शेयर हेतु पात्र है। निवेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

कंपनी के परिसमाप्तन के मामले में इकिवटी शेयर के धारक सभी अधिमानी राशियों के वितरण के पश्चात कंपनी की शेष परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के पात्र होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इकिवटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

26.3 कंपनी में 5 प्रतिशत से अधिक शेयरधारित करने वाले शेयरधारकों का ब्यौरा निम्नवत है :

इकिवटी शेयर धारक का नाम	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	संख्या मिलियन में	%धारिता	संख्या मिलियन में	%धारिता
भारत के राष्ट्रपति	7,408.87	58.89	7,408.87	58.89
भारतीय जीवन बीमा निगम	1,219.39	9.69	1,245.54	9.90
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	986.89	7.84	986.89	7.84

26.4 कंपनी के इकिवटी शेयरों में प्रमोटरों की शेयरधारिता का ब्यौरा

प्रमोटर का नाम	31 मार्च, 2024 के अनुसार			31 मार्च, 2023 के अनुसार		
	संख्या मिलियन में	प्रतिशत धारिता	वर्ष के दौरान प्रतिशत परिवर्तन	संख्या मिलियन में	प्रतिशत धारिता	वर्ष के दौरान प्रतिशत परिवर्तन
भारत के राष्ट्रपति	7,408.87	58.89	-	7,408.87	58.89	(0.02)

26.4.1 गत वर्ष के दौरान, ओएफएस के अंतर्गत लेनदेन पूरा होने के बाद, भारत सरकार ने पात्र कर्मचारियों को एक प्रस्ताव दिया और कंपनी के 20,37,177 इकिवटी शेयरों का विक्रय किया, जो कंपनी की कुल इकिवटी शेयर पूँजी का 0.02 प्रतिशत है।

## 27. गैर-नियंत्रक हित के अतिरिक्त अन्य इकिवटी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
पूँजीगत मोचन आरक्षित	1,917.49	1,917.49
अन्य पूँजीगत आरक्षित – समान नियंत्रण	(354,420.79)	(354,420.79)
पूँजीगत आरक्षित	616.62	615.53
विधिक आरक्षित	38,021.71	38,021.71
डिबैंचर मोचन आरक्षित	15,716.60	28,149.49
विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरण के परिवर्तन पर विनिमय अंतर	173,954.19	184,188.30
प्रतिधारित आय	327,771.88	275,678.85
सामान्य आरक्षित	2,776,800.21	2,455,058.54
अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत हेतु आरक्षित	328,549.62	136,936.58
नकदी प्रवाह हेज आरक्षित	(1,126.65)	(1,297.17)
<b>कुल अन्य इकिवटी</b>	<b>3,307,800.88</b>	<b>2,764,848.53</b>



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
<b>क. पूंजीगत मोचन आरक्षित (टिप्पणी सं. 27.7)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,917.49	1,917.49
वर्ष के दौरान अंतरण	-	-
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>1,917.49</b>	<b>1,917.49</b>
<b>ख. पूंजीगत आरक्षित (टिप्पणी सं. 27.1, 27.5 और 27.8)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	615.53	614.61
वर्ष के दौरान अंतरण	1.09	0.92
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>616.62</b>	<b>615.53</b>
<b>ग. विधिक आरक्षित (टिप्पणी सं. 27.9)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	38,021.71	30,357.95
प्रतिधारित आय से अंतरण	-	7,663.76
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>38,021.71</b>	<b>38,021.71</b>
<b>घ. डिबेंचर मोचन आरक्षित (देखें टिप्पणी सं. 27.10)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	28,149.49	28,318.13
सामान्य आरक्षित को अंतरण	(12,153.02)	-
प्रतिधारित आय को अंतरण	(279.87)	(168.64)
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>15,716.60</b>	<b>28,149.49</b>
<b>ङ. विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरण के परिवर्तन पर विनिमय अंतर (देखें टिप्पणी सं. 27.11)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	184,188.30	147,373.49
वर्ष के दौरान समायोजन	(10,234.11)	36,814.81
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>173,954.19</b>	<b>184,188.30</b>
<b>च. प्रतिधारित आय</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	275,678.85	305,977.29
<b>जोड़ें :</b>		
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	492,213.78	367,093.34
आय कर का निवल होने वाली अन्य व्यापक आय	(3,786.47)	(1,345.12)
गैर-नियंत्रक हित को समायोजित	(1.18)	-
डीआरआर से अंतरण	279.87	168.64
सामान्य आरक्षित से अंतरण	50.45	-
संयुक्त उद्यम / एसोसिएट के संबंध में इविवटी समायोजन	(1,072.69)	115.38

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
<b>घटाएं :</b>		
निवेश की अंतर समूह धारिता के कारण समायोजन	(2,858.41)	(2,207.82)
अन्य समायोजन	289.40	51.07
लाभांश का भुगतान (टिप्पणी सं. 27.4)	128,948.15	176,124.67
सामान्य आरक्षित को अंतरित	309,211.59	214,699.00
विधिक आरक्षित को अंतरित	-	7,663.76
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>327,771.88</b>	<b>275,678.85</b>
<b>छ. सामान्य आरक्षित (देखें टिप्पणी सं. 27.3)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2,455,058.54	2,240,359.54
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	309,211.59	214,699.00
जोड़ें : डीआरआर से अंतरण	12,153.02	-
जोड़ें : लाभांश पर अदा कर का प्रतिदाय	427.51	-
घटाएं : घोषित लाभांश	-	-
घटाएं : सामान्य आरक्षित को अंतरित	50.45	-
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>2,776,800.21</b>	<b>2,455,058.54</b>
<b>ज. अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी लिखत के लिए आरक्षित (टिप्पणी सं. 27.2)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	136,936.58	141,581.37
इकिवटी लिखत में निवेश पर उचित मूल्य लाभ / (हानि)	210,140.55	(2,161.63)
इकिवटी लिखत में निवेश पर उचित मूल्य लाभ / (हानि) पर आय कर	(18,527.51)	(2,483.16)
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>328,549.62</b>	<b>136,936.58</b>
<b>झ. अन्य पूंजीगत आरक्षित – समान नियंत्रण (टिप्पणी सं. 27.6) ₹</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(354,420.79)	(354,420.79)
वर्ष के दौरान परिवर्तन	-	-
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>(354,420.79)</b>	<b>(354,420.79)</b>
<b>ट. नकदी प्रवाह हेज आरक्षित (देखें टिप्पणी सं. 27.12)</b>		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(1,297.17)	(1,362.98)
नकदी प्रवाह हेज में लाभ / (हानि) का प्रभावी हिस्सा	187.01	(695.50)
लाभ और हानि को पुनर्वर्गीकरण	(16.49)	761.31
<b>वर्ष के अंत में शेष</b>	<b>(1,126.65)</b>	<b>(1,297.17)</b>
<b>कुल अन्य इकिवटी</b>	<b>3,307,800.88</b>	<b>2,764,848.53</b>

\* पुनर्कथित, टिप्पणी सं. 80 देखें। # समान नियंत्रण के अधीन होने वाली अनुरूपी कंपनियों के चलते।



- 27.1 कंपनी के संबंध में, पूँजी आरक्षित में उपहार के रूप में ₹ 159.59 मिलियन (गत वर्ष ₹ 159.44 मिलियन) की प्राप्त परिसंपत्तियों और ₹ 0.15 मिलियन के जब्त किए गए शेयरों का आंकलित मूल्य शामिल किया गया है।
- 27.2 समूह में अन्य व्यापक आय के माध्यम से इकिवटी प्रतिभूतियों की कुछ निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तनों को मान्यता देने का विकल्प चुना है। यह आरक्षित अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इकिवटी लिखत के पुनर्मूल्यांकन पर उत्पन्न होने वाले संचित लाभों तथा हानियों को दर्शाता है। समूह इस आरक्षित से राशियों को प्रतिधारित आय में तब अंतरित करता है जब संगत इकिवटी प्रतिभूतियों का निपटान किया जाता है।
- 27.3 सामान्य आरक्षित का उपयोग समय—समय पर विनियोजन प्रयोजनों हेतु प्रतिधारित आय से लाभों को अंतरित करने के लिए किया जाता है क्योंकि सामान्य आरक्षित को इकिवटी की एक घटक से दूसरे में अंतरण द्वारा बनाया जाता है।
- 27.4 कंपनी द्वारा अपने इकिवटी शेयरधारकों को लाभांश के रूप में वितरित की जा सकने वाली राशि का निर्धारण कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं और कंपनी की लाभांश वितरण नीति को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।
- 10 नवंबर, 2023 और 10 फरवरी, 2024 को कंपनी ने क्रमशः ₹ 5.75 प्रति शेयर (115%) और ₹ 4.00 प्रति शेयर (80%) का अंतरिम लाभांश घोषित किया था, जिसका भुगतान किया जा चुका है।
- 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए, निदेशक मंडल ने पूर्ण चुकता इकिवटी शेयरों पर ₹ 2.50 प्रति शेयर (50%) का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव रखा है। यह अंतिम लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन के अधीन होगा और इसे इन वित्तीय विवरणों में देयता के रूप में शामिल नहीं किया गया है। प्रस्तावित इकिवटी लाभांश पूर्ण चुकता इकिवटी शेयरों के सभी धारकों को देय है। भुगतान किया जाने वाला कुल अनुमानित इकिवटी लाभांश ₹ 31,450.70 मिलियन है।
- 27.5 वर्ष 2020–21 के दौरान, वर्ष 2006–07 में ₹ 10/- प्रत्येक के 18,972 इकिवटी शेयरों (₹ 5/- प्रत्येक के 37,944 इकिवटी शेयरों के समतुल्य) के जब्त किए गए शेयरों को 13 नवम्बर, 2020 को निरस्त किया गया था और तदनुसार इन शेयरों के प्रति ₹ 0.15 मिलियन की प्रदत्त राशि को पूँजीगत आरक्षित को अंतरित किया गया है।
- 27.6 वर्ष 2017–18 में एचपीसीएल अधिग्रहण और वर्ष के दौरान समान नियंत्रण के अधीन होने वाले एक निकाय पीएमएचबीएल के शेयरों के और अधिग्रहण के कारण समान नियंत्रण आरक्षित को प्रदर्शित करता है।
- 27.7 अनुषंगी कंपनी, एमआरपीएल के संबंध में कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2011–12 तथा 2012–13 में ₹ 91.86 मिलियन की अभिमानी शेयर पूँजी की चुकौती पर पूँजीगत मोचन आरक्षित बनाया है।
- 27.8 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के साथ में पूँजीगत आरक्षित की पहचान कंपनी द्वारा ब्लॉक 06.1, वित्यनाम के संबंध में प्रतिभागिता हित के हिस्से की बिक्री के संबंध में की थी जहां गैर-प्रमाणित संपत्ति में आंशिक फार्म-आउट हेतु प्राप्त मूल्य कुल लागत से अधिक नहीं था।
- 27.9 विधिक आरक्षित, सहायक कंपनी ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. से संबंधित है और इसे नीदरलैंड में वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार, इसके संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के अवितरित लाभ के आनुपातिक हिस्से के संबंध में बनाया गया है।
- 27.10 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में डिबैंचर मोचन आरक्षित को कंपनी द्वारा चुकौती हेतु देय होने वाले डिबैंचरों/बॉण्ड की चुकौती के प्रयोजन हेतु प्रतिधारित आय में से बनाया गया है। ये आरक्षित कंपनी के व्यापार क्रियाकलापों में निवेशित रहते हैं। अनुषंगी ओवीएल के संबंध में उक्त हेतु डिबैंचर मोचन आरक्षित स्थिति निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
अप्रतिभूत 4.625% 10 वर्षीय अमेरीकी डॉलर बाण्ड - 750 मिलियन अमेरीकी डॉलर	12,299.86	12,299.86
अप्रतिभूत 3.75% 10 वर्षीय अमेरीकी डॉलर बाण्ड - 500 मिलियन अमेरीकी डॉलर	-	12,153.02
<b>कुल</b>	<b>12,299.86</b>	<b>24,452.88</b>

- 27.11 समूह की अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी कार्यात्मक मुद्रा यूएस डॉलर के रूप में निर्धारित की है। कार्यात्मक मुद्रा यूएसडी (+) से प्रस्तुतिकरण मुद्रा आईएनआर (₹) में वित्तीय विवरणों के संपरिवर्तन में विनिमय अंतर को अन्य व्यापक आय की एक मद के रूप में मान्यता दी जाती है जिसे लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा। टिप्पणी संख्या 3.19 और 5.1 (क) देखें।

27.12 अनुषंगी एचपीसीएल के संबंध में, नकदी प्रवाह हेज रिजर्व नकदी प्रवाह हेजों के लिए प्रविष्ट किए गए अभिहित हेजिंग लिखतों के उचित मूल्य में परिवर्तन पर उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि के संचयी प्रभावी भाग का प्रतिनिधित्व करता है। इस तरह के परिवर्तनों पर संचयी लाभ या हानि को अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से मान्यता दी जाती है और इस रिजर्व के तहत संचित किया जाता है। इस तरह के लाभ या हानि को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा जिसमें हेज मद उत्पन्न होती है/लाभ और हानि के विवरण को प्रभावित करती है या उसकी समाप्ति पर, यदि कोई हो।

## 28. गैर-नियंत्रक हित

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
वर्ष के प्रारंभ में शेष	<b>206,077.39</b>	<b>238,249.33</b>
वर्ष हेतु लाभ का अंश	78,794.65	(26,628.73)
ओसीआई का अंश	3,480.53	(1,416.56)
एनसीआई को अदा किया गया लाभांश	(10,132.90)	(9,138.65)
अधिग्रहण/ निपटान के कारण एनसीआई में परिवर्तन	4,053.98	2,951.83
अन्य (टिप्पणी सं. 28.1)	(2,070.45)	2,060.17
वर्ष के अंत में शेष	<b>280,203.20</b>	<b>206,077.39</b>

28.1 अन्य में सहायक कंपनी ओवीएल के समेकित वित्तीय विवरणों को ओवीएल की कार्यात्मक मुद्रा "अमेरीकी डॉलर" (यूएस+) में प्रस्तुतीकरण मुद्रा "रूपए" में रूपान्तरित करने के कारण विनिमय अंतर शामिल है। (टिप्पणी संख्या 3.19 और 5.1 (क) देखें)

28.2 समूह की पूर्णतः स्वामित्व वाली न होने वाली अनुषंगियों का ब्यौरा जिनमें भौतिक गैर-नियंत्रक हित शामिल है :

(₹ मिलियन में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थान	गैर-नियंत्रक हितों द्वारा धारित स्वामित्व हितों और मताधिकारों का अनुपात		गैर-नियंत्रक हितों को आवंटित लाभ / (हानि)		संचित गैर-नियंत्रक हित	
		31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
एचपीसीएल	भारत	45.10%	45.10%	72,225.90	(31,480.78)	202,212.54	138,891.78
एमआरपीएल	भारत	19.06%	19.06%	6,857.26	5,062.14	25,583.58	19,053.73
पीएमबीएचएल	भारत	22.55%	22.56%	217.07	191.08	1,329.63	1,316.28
ओएनजीसी स्टार्ट-अप फंड ट्रस्ट	भारत	0.19%	-	2.08	-	3.40	-
ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाब्दिक लिमिटेड	मॉरिशियस गणराज्य में अधिनिगमित, प्रचालन मोजाब्दिक में	40.00%	40.00%	(507.65)	(401.17)	49,907.37	45,665.29
गैर-नियंत्रक हितों के साथ पृथक रूप से अभौतिक अनुषंगी कंपनियां						1,166.68	1,150.31
<b>कुल</b>						<b>280,203.20</b>	<b>206,077.39</b>



28.3 समूह की अनुषंगियों में से प्रत्येक के संबंध में सारबद्ध वित्तीय सूचना जिनमें भौतिक गैर-नियंत्रक हित है, नीचे दी गई है। नीचे दी गई सारबद्ध वित्तीय सूचना अंतरा-समूह हटायी जाने वाली मदों से पूर्व राशियों को दर्शाती है।<sup>14</sup>

(₹ मिलियन में)

1. एचपीसील	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
गैर-चालू परिसंपत्तियां	1,299,331.04	1,173,634.81
चालू परिसंपत्तियां	528,515.95	445,576.11
गैर-चालू देयताएं	494,295.06	552,103.49
चालू देयताएं	863,426.72	744,474.74
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इकिवटी	267,912.67	183,740.91
गैर-नियंत्रक हित	202,212.54	138,891.78

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	4,638,860.82	4,679,645.22
व्यय	4,451,937.99	4,804,399.42
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>160,146.11</b>	<b>(69,802.18)</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	87,920.21	(38,321.40)
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	72,225.90	(31,480.78)
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>160,146.11</b>	<b>(69,802.18)</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	4,249.72	(1,721.52)
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	3,491.11	(1,414.22)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	<b>7,740.83</b>	<b>(3,135.74)</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	92,169.93	(40,042.92)
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	75,717.01	(32,895.00)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	<b>167,886.94</b>	<b>(72,937.92)</b>
गैर-नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभाश	9,596.48	8,956.72
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	238,537.26	(34,625.72)
निवेश क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	(130,211.02)	(113,872.69)
वित-पोषण क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	(161,550.44)	160,251.67
शुद्ध नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	(53,224.20)	11,753.26

(₹ मिलियन में)

2. एमआरपीएल	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	227,022.65	232,294.26
चालू परिसंपत्तियां	127,277.68	119,710.81
गैर-चालू देयताएं	97,816.93	132,304.89
चालू देयताएं	123,658.24	121,054.89
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इकिवटी	107,241.58	79,591.56
गैर-नियंत्रक हित	25,583.58	19,053.73

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	1,054,148.62	1,249,259.97
व्यय	998,986.59	1,207,113.66
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>35,970.60</b>	<b>26,554.07</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	29,113.34	21,491.93
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	6,857.26	5,062.14
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>35,970.60</b>	<b>26,554.07</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	(40.39)	(9.82)
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	(9.51)	(2.31)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	(49.90)	(12.13)
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	29,072.96	21,482.12
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	6,847.74	5,059.82
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	35,920.70	26,541.94
गैर-नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	334.11	-
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	70,451.44	63,643.75
निवेश क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	(15,179.80)	(6,732.33)
वित-पोषण क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	(55,242.37)	(56,898.65)
शुद्ध नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	29.27	12.77

(₹ मिलियन में)

3. पीएमएचबीएल	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	1,520.81	1,582.37
वर्तमान परिसंपत्तियां	4,911.99	4,762.32
गैर-वर्तमान देयताएं	332.80	331.50
वर्तमान देयताएं	203.62	177.48
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इकिवटी	4,566.75	4,519.43
गैर-नियंत्रक हित	1,329.63	1,316.28

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	1,856.81	1,682.76
व्यय	561.99	547.59
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>962.56</b>	<b>847.17</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	745.49	656.09
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	217.07	191.08
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>962.56</b>	<b>847.17</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	(3.68)	(0.12)



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	(1.07)	(0.03)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	(4.75)	(0.15)
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	741.81	655.97
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	216.00	191.05
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	957.81	847.02
गैर-नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	202.31	181.93
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	773.40	778.66
निवेश क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	157.05	58.43
वित-पोषण क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	(917.46)	(826.02)
शुद्ध नकदी अंतरप्रवाह (बहिर्प्रवाह)	12.99	11.07

(₹ मिलियन में)

4. ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाइबिक लिमिटेड	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	121,767.36	110,216.40
वर्तमान परिसंपत्तियां	5,094.35	4,902.24
गैर-वर्तमान देयताएं	-	-
वर्तमान देयताएं	2,084.32	955.41
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इक्विटी	74,870.02	68,497.94
गैर-नियंत्रक हित	<b>49,907.37</b>	<b>45,665.29</b>

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	1,704.56	1,138.82
व्यय	2,973.69	2,141.75
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>(1,269.13)</b>	<b>(1,002.93)</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	(761.48)	(601.76)
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	(507.65)	(401.17)
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>(1,269.13)</b>	<b>(1,002.93)</b>
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	-	-
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	(761.48)	(601.76)
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	(507.65)	(401.17)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	(1,269.13)	(1,002.93)
गैर-नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	-	-

(₹ मिलियन में)

5. ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
गैर-चालू परिसंपत्तियां	1,748.23	-
चालू परिसंपत्तियां	57.26	-
गैर-चालू देयताएं	0.01	-
चालू देयताएं	0.46	-
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इक्विटी	1,801.62	-
गैर-नियंत्रक हित	3.40	-

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
राजस्व	-	-
व्यय	0.40	-
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>1,104.79</b>	-
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	1,102.71	-
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	2.08	-
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	<b>1,104.79</b>	-
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	-	-
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	1,102.71	-
गैर-नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	2.08	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	<b>1,104.79</b>	-
गैर-नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	-	-
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	11.20	-
निवेश क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	(54.95)	-
वित-पोषण क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	101.00	-
निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	57.25	-

## 29. ऋण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
प्रतिभूत				
(1) सावधि ऋण				
(क) बैंकों से				
बाहरी वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) (टिप्पणी सं. 29.3)	-	-	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण (एफसीटीएल) (टिप्पणी सं. 29.4)	3,601.36	-	20,729.87	-



विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार		31 मार्च, 2023 के अनुसार	
	गैर—वर्तमान	वर्तमान	गैर—वर्तमान	वर्तमान
रुपया सावधि ऋण (टिप्पणी सं. 29.18)	34,810.80	-	17,684.80	-
(ख) अन्यों से				
तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) (टिप्पणी सं. 29.5 और 29.17)	388.12	-	1,453.75	-
विलंबित भुगतान देयताएँ : वैट ऋण (टिप्पणी सं. 29.8)	914.27	-	820.62	-
त्रिपक्षीय रेपो डिलिंग प्रणाली ऋण (टिप्पणी सं. 22.1)	-	1,549.73	-	-
कलीयरकॉप रेपो आर्डर मैचिंग प्रणाली (टिप्पणी सं. 22.1)	-	37,217.44	-	30,385.72
(2) बैंक से नकदी ऋण (टिप्पणी सं. 21.9)	-	64,984.38	-	14,146.63
(3) मांग पर चुकौती योग्य ऋण (टिप्पणी सं. 29.6)	-	4,521.88	-	180.26
(4) बैंकों से कार्यशील पूँजी ऋण (टिप्पणी सं. 29.1.2)	-	-	-	6,289.99
(5) दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता	-	6,500.39	-	11,523.10
अप्रतिभूत				
(1) सावधि ऋण				
(क) बैंकों से				
विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (टिप्पणी सं. 29.2.2, 29.11 और 29.19)	308,056.54	-	380,077.62	-
रुपए सावधि ऋण (टिप्पणी सं. 29.10 और 29.20)	73,000.00	63,973.95	113,461.22	104,254.49
(ख) संबंधित पक्षों से	308.90	-	301.25	-
(2) बैंकों से कार्यशील पूँजी ऋण (टिप्पणी 29.1.1 और 29.12)	37,306.00	21,210.00	44,876.98	-
(3) विदेशी मुद्रा बॉण्ड (टिप्पणी सं. 29.1.4, 29.2.1, 29.15)	116,484.05	-	175,850.43	-
(4) गैर परिवर्तनीय डिबैंचर (टिप्पणी सं. 29.1.3, 29.7, 29.16)	202,245.82	-	227,239.64	-
(5) विलंबित भुगतान देयताएँ (टिप्पणी सं. 29.9)	2,404.07	-	1,099.27	-
(6) वाणिज्यिक पत्र (छूट का निवल)	-	-	-	-
(7) मांग पर चुकता ऋण (टिप्पणी 29.13)	-	19,131.33	-	16,955.86
(8) दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता	-	198,944.98	-	124,524.06
<b>कुल ऋण</b>	<b>779,519.93</b>	<b>418,034.08</b>	<b>983,595.45</b>	<b>308,260.11</b>

29.1 कंपनी के संबंध में :

29.1.1 बकाया कार्यशील पूँजी ऋण का व्यौरा

**31 मार्च, 2024 को**

क्रम सं.	राशि ₹ मिलियन में	प्रति वर्ष व्याज दर (मासिक रूप से देय)
1	20,000.00	7.00%
2	1,210.00	7.10%
<b>कुल</b>	<b>21,210.00</b>	

31 मार्च, 2023 को

क्रम सं.	राशि ₹ मिलियन में	प्रति वर्ष ब्याज दर (मासिक रूप से देय)
— शून्य —		

29.1.2 सावधि जमा के प्रति कार्यशील पूँजी ऋण का व्यौरा

31 मार्च, 2024 को

क्रम सं.	राशि ₹ मिलियन में	प्रति वर्ष ब्याज दर (मासिक रूप से देय)	सावधि जमा की परिपक्वता की तिथि
— शून्य —			

31 मार्च, 2023 को

क्रम सं.	राशि मिलियन रुपए में	प्रति वर्ष ब्याज दर (मासिक रूप से देय)	सावधि जमा की परिपक्वता की तिथि
1	1,764.00	5.40% p.a.	24 अप्रैल, 2023
2	4,525.99	5.43% p.a.	25 अप्रैल, 2023
<b>कुल</b>	<b>6,289.99</b>		

29.1.3 बकाया अपरिवर्तनीय डिबेंचरों का व्यौरा :

31 मार्च, 2024

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	चुकौती की तिथि	राशि मिलियन रुपए में (अंकित मूल्य पर)	ब्याज की दर
गैर-वर्तमान :					
1	6.40% ओएनजीसी 2031 सीरीज ॥	11 अगस्त, 2020	11 अप्रैल, 2031	10,000.00	6.40 %
2	5.25% ओएनजीसी 2025 सीरीज ।	31 जुलाई, 2020	11 अप्रैल, 2025	5,000.00	5.25 %
	<b>कुल</b>			<b>15,000.00</b>	

31 मार्च, 2023 :

क्रम सं.	विवरण	जारी करने की तिथि	चुकौती की तिथि	राशि मिलियन रुपए में (अंकित मूल्य पर)	ब्याज की दर
गैर-वर्तमान :					
1	6.40% ओएनजीसी 2031 सीरीज ॥	11 अगस्त, 2020	11 अप्रैल, 2031	10,000.00	6.40 %
2	5.25% ओएनजीसी 2025 सीरीज ।	31 जुलाई, 2020	11 अप्रैल, 2025	5,000.00	5.25 %
	<b>कुल</b>			<b>15,000.00</b>	

गैर-वर्तमान ऋणों की वर्तमान परिपक्वता (सकल) :

1	4.50% ओएनजीसी 2024 सीरीज IV	11 जनवरी, 2021	09 फरवरी, 2024	15,000.00	4.50 %
2	4.64% ओएनजीसी 2023 सीरीज III	21 अक्टूबर, 2020	21 नवम्बर, 2023	11,400.00	4.64 %
	<b>कुल</b>			<b>26,400.00</b>	



29.1.4 बकाया विदेशी मुद्रा बाण्डों का ब्यौरा :

31 मार्च, 2024 को

क्रम सं.	जारी करने की तिथि	चुकौती की तिथि	राशि मिलियन अमेरीकी डॉलर में (अंकित मूल्य पर)	राशि मिलियन रुपए में (अंकित मूल्य पर)	ब्याज की दर (छमाही रूप से देय)
1.	05 दिसम्बर, 2019	05 दिसम्बर, 2029	300.00	25,008.00	3.375 %

31 मार्च, 2023 को

क्रम सं.	जारी करने की तिथि	चुकौती की तिथि	राशि मिलियन अमेरीकी डॉलर में (अंकित मूल्य पर)	राशि मिलियन रुपए में (अंकित मूल्य पर)	ब्याज की दर (छमाही रूप से देय)
1.	05 दिसम्बर, 2019	05 दिसम्बर, 2029	300.00	24,645.00	3.375 %

29.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में :

29.2.1 बॉण्ड का ब्यौरा निम्नवत है (रूपये मुद्रा के अतिरिक्त) :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
(i) 750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर-परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	62,028.76	61,128.39
(ii) 500 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर-परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	-	41,032.66
(iii) 600 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर-परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	49,959.63	49,212.00
<b>कुल</b>	<b>111,988.39</b>	<b>151,373.05</b>

उक्त बाण्डों की अवधि का नीचे उल्लेख किया गया है :

(मिलियन रुपए में)

विवरण	निम्नलिखित में सूचीबद्ध	इश्यु मूल्य	मूल्य वर्ग	ऋण जारी करने की तिथि	परिपक्वता की नियमित तिथि	कूपन
(1) 600 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर-परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.810%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	27 जुलाई, 2016	27 जुलाई, 2016	3.750%, बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय
(2) 750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर-परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.454%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	15 जुलाई, 2014	15 जुलाई, 2014	4.625%, बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय
(3) 500 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर-परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.50%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	7 मई, 2013	7 मई, 2013	3.75%, बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय

500 मिलियन अमेरीकी डॉलर के अप्रतिभूत अपरिवर्तनीय बॉण्ड को मई, 2023 में वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से 500 मिलियन अमेरीकी डॉलर का एक 5 वर्षीय सावधि ऋण लेकर चुका दिया गया है।

कोई आवधिक पुट/कॉल विकल्प नहीं है। बॉण्ड को परिपक्वता तिथि को पूर्ण रूप से चुकाया जाना है (बुलेट चुकौती)।

29.2.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में बैंकों से विदेशी मुद्र सावधि ऋण

सावधि ऋण की अवधि नीचे दी गई है

विवरण	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार	जारी करने की तिथि	चुकौती की अवधि	कूपन
1,000 मिलियन अमेरीकी डॉलर सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.1)	37,099.37	81,246.35	30 मार्च, 2020	बुलेट चुकौती 30 मार्च, 2025 को	मूल लीबोर. 0.95% ट्रैमासिक / छमाही रूप से देय 18 अक्टूबर, 2023 से संशोधित प्रभावी: यूएस डॉलर 3 एम टर्म एसओएफआर 0.95% + सीएस 0.26161% तिमाही देय
500 मिलियन अमेरीकी डॉलर सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.2)	6,622.12	40,787.48	12 जुलाई, 2019	बुलेट चुकौती 12 जुलाई, 2024 को	लीबोर. 1% ट्रैमासिक / छमाही रूप से देय 5 सितंबर, 2023 से संशोधित प्रभावी: यूएस डॉलर 3 एम टर्म एसओएफआर + 1% सीएस 0.26161% तिमाही देय
38 बिलियन जापानी येन सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.6)	6,977.35	10,684.55	26 अप्रैल, 2017	3 समान किश्तों में, जो आहरित तिथि से 5, 6 और 7वें वर्ष के अंत में होगी	लीबोर 0.47% ट्रैमासिक रूप से देय
500 मिलियन अमेरीकी डॉलर दीर्घावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.3)	41,263.20	40,664.25	12 जुलाई, 2023।	बुलेट चुकौती 12 जुलाई, 2026 को	मूल लीबोर. 0.97% ट्रैमासिक / छमाही रूप से देय 5 सितंबर, 2023 से संशोधित प्रभावी: यूएस डॉलर 3 एम टर्म एसओएफआर + 0.97% सीएस 0.26161% तिमाही देय
600 मिलियन अमेरीकी डॉलर सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.4)	49,640.88	48,920.33	27 अक्टूबर, 2021	बुलेट चुकौती 27 अक्टूबर, 2026 को	मूल लीबोर. 0.85% ट्रैमासिक / छमाही रूप से देय 6 अक्टूबर, 2023 से संशोधित प्रभावी: यूएस डॉलर 3 एम टर्म एसओएफआर + 0.85% + सीएस 0.26161% तिमाही देय
100 मिलियन अमेरीकी डॉलर सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.5)	8,252.64	8,132.84	27 जनवरी, 2022	बुलेट चुकौती 27 जनवरी, 2027	3एम सावधि एसओएफआर. 0.90% ट्रैमासिक रूप से देय
500 मिलियन अमेरीकी डॉलर दीर्घावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.7)	41,267.37	-	8 मई, 2023	बुलेट चुकौती 8 मई, 2028	3एम सावधि एसओएफआर. 1.192% ट्रैमासिक रूप से देय
420 मिलियन अमेरीकी डॉलर दीर्घावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.8)	34,682.09	-	18 जनवरी, 2024	बुलेट चुकौती 18 जनवरी, 2029	3एम सावधि एसओएफआर. 1.135% ट्रैमासिक रूप से देय
550 मिलियन अमेरीकी डॉलर दीर्घावधि ऋण (देखें टिप्पणी 29.2.2.9)	45,710.46	-	30 जनवरी, 2024	बुलेट चुकौती 30 जनवरी, 2027	3एम सावधि एसओएफआर. 1% ट्रैमासिक रूप से देय
	<b>271,515.48</b>	<b>230,435.80</b>			



- 29.2.2.1 मार्च, 2020 में 1775 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण को परिपक्वता से पहले आंशिक रूप से पुनर्वित्त करने के लिए वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से 1,000 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया था। उक्त 1,000 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण को जनवरी 2024 में वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से 550 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण (टिप्पणी 25.2.9 देखें) जुटाकर परिपक्वता से पहले आंशिक रूप से पुनर्वित्त किया गया था। 31 मार्च 2024 तक 1,000 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण में से शेष 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर बकाया हैं।
- 29.2.2.2 जुलाई, 2019 में परिपक्व होने वाले 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड को आंशिक रूप से पुनर्वित्त करने के लिए वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया था। उक्त 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण को जनवरी 2024 में वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से 420 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सावधि ऋण (टिप्पणी 25.2.8 देखें) जुटाकर परिपक्वता से पहले आंशिक रूप से पुनर्वित्त किया गया था। 31 मार्च 2024 तक 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋणों में से शेष 80 मिलियन अमेरिकी डॉलर बकाया हैं।
- 29.2.2.3 जुलाई, 2021 में परिपक्व होने वाले 525 मिलियन यूरो के बांड के आंशिक पुनर्भुगतान के लिए जुलाई 2021 में वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया।
- 29.2.2.4 नवंबर, 2020 में लिए गए 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण को परिपक्वता से पूर्व आंशिक रूप से पुनर्वित्त करने के लिए अक्टूबर 2021 में वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया था (यह नवंबर 2020 में परिपक्व होने वाले 1775 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण के पुनर्वित्त से संबंधित है)।
- 29.2.2.5 नवंबर, 2020 में निकाले गए 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण में से 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की शेष राशि को परिपक्वता से पूर्व पुनर्वित्त करने के लिए जनवरी 2022 में 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया था (नवंबर, 2020 में परिपक्व होने वाले 1775 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण के पुनर्वित्त से संबंधित)।
- 29.2.2.6 जेएसटी वैंकोरनेफ्ट के 26% शेयरों के अधिग्रहण के संबंध में अधिग्रहण ब्रिज लोन को आंशिक रूप से पुनर्वित्त करने के लिए अनुषंगी ओएनीसी विदेश वैंकोरनेफ्ट प्रा. लि. द्वारा 38 बिलियन जेपीवाई का सावधि ऋण प्राप्त किया गया था, जिसका भुगतान तीन किस्तों में किया जाना था। रिपोर्ट की तारीख के अनुसार, अप्रैल, 2024 में 12.67 बिलियन जेपीवाई का बकाया शेष देय है।
- 29.2.2.7 मई, 2023 में परिपक्व होने वाले 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बांड के पुनर्भुगतान के लिए वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से मई 2023 में 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया।
- 29.2.2.8 जुलाई, 2019 में लिए गए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण को परिपक्वता से पूर्व आंशिक रूप से पुनर्वित्त करने के लिए वाणिज्यिक बैंकों के एक समूह से जनवरी 2024 में 420 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया।
- 29.2.2.9 मार्च, 2020 में लिए गए 1000 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सावधि ऋण को परिपक्वता से पूर्व आंशिक रूप से पुनर्वित्त करने के लिए वाणिज्यिक बैंकों के एक सिंडिकेट से जनवरी 2024 में 550 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया गया।
- 29.2.2.10 सभी सावधि ऋण, जिनके लिए मूल रूप से ब्याज दर बेंचमार्क लिबोर एलआईबीओआर था, को वर्ष के दौरान 3 माह की सावधि एसओएफआर में परिवर्तित कर दिया गया, जिसमें 30 जून, 2023 के बाद देय संबंधित ब्याज भुगतान तिथियों पर 0.26161% (लागू मार्जिन के अतिरिक्त) का क्रेडिट समायोजन प्रसार (सीएएस) था।
- 29.2.2.11 मई, 2023 में लिया गया 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दीर्घावधि ऋण एसीजी परियोजना में भागीदारी हित के अधिग्रहण के वित्तपोषण के लिए लिए गए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के 10 वर्षीय बॉन्ड के पुनर्वित्तपोषण के लिए है। अन्य सभी ऋण एरिया 1 मोजाम्बिक परियोजना के संबंध में भागीदारी हित के अधिग्रहण के प्रयोजनार्थ लिए गए उधार के पुनर्वित्तपोषण के लिए हैं, जो अनुषंगी कंपनियों द्वारा धारित किया जाता है।
- 29.2.2.12 कोई आवधिक पुट/कॉल विकल्प नहीं है। सावधि ऋण परिपक्वता की तारीख पर पूर्ण रूप से (बुलेट पुनर्भुगतान) चुकाने योग्य हैं।
- 29.3 अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में बाह्य वाणिज्यिक उधारी (इसीबी)
- 29.3.1 इसीबी-1 को वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान पूरी तरह से चुका दिया गया (31 मार्च, 2023 तक बकाया राशि ₹ 4,107.30 मिलियन है)। ऋण परिवर्तनीय ब्याज दर से जुड़ा था जो छह महीने की एलआईबीओआर प्लस स्प्रेड थी (31 मार्च, 2023 तक ब्याज दर 6.13% थी)।
- 29.3.2 इसीबी-2 को वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान पूरी तरह से चुका दिया गया (31 मार्च, 2023 तक बकाया राशि ₹ 125.14 मिलियन है)। ऋण को ब्याज की परिवर्तनीय दर से जोड़ा गया था, जो छह महीने की एलआईबीओआर प्लस स्प्रेड थी (31 मार्च, 2023 तक ब्याज दर 7.21% थी)।

29.4 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में विदेशी मुद्रा ऋण (एफसीटीएल)

29.4.1 विदेशी मुद्रा उधारी अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण हैं और इन पर ब्याज की परिवर्तनशील दर लागू होती है, जो तीन महीने के एसओएफआर प्लस स्प्रेड से जुड़ी होती है (31 मार्च, 2024 को ब्याज दर 6.51% है और 31 मार्च, 2023 को इसी ऋण के लिए ब्याज दर 6.10% थी)। विदेशी मुद्रा उधारी चल संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, भूमि और अन्य अचल संपत्तियों पर वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए रेहन/बंधक के माध्यम से प्रथम श्रेणी के समरूप प्रभार द्वारा सुरक्षित है।

29.4.2 1334.56 मिलियन रुपये (31 मार्च, 2023 को ₹ 5555.03 मिलियन) एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य हैं। उक्त को दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता के रूप में दर्शाया गया है।

29.4.3 विदेशी मुद्रा ऋण का चुकौती कार्यक्रम निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
2023-24	-	5,555.03
2024-25	1,334.56	5,916.60
2025-26	1,334.56	5,916.60
2026-27	1,468.02	6,738.35
2027-28	800.74	2,169.42
<b>कुल</b>	<b>4,937.88</b>	<b>26,296.00</b>

29.5 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) ऋण का ब्यौरा

29.5.1 कंपनी द्वारा ओआईडीबी से लिए गए ऋण पर ब्याज की एक स्थिर दर है (31 मार्च, 2024 को ब्याज दर 6.01% से

29.7 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में 'गैर-परिवर्तनीय डिबेंचरों' का ब्यौरा अप्रतिभूत मोचन योग्य गैर-परिवर्तनीय स्थिर दर डिबेंचर (निजी स्थापन वाले):

क्रम सं.	आईएसआईएन	अंकित मूल्य प्रति डिबेंचर (रुपए)	आवंटन की तिथि	31.03.2024 के अनुसार	कूपन दर	परिपक्वता	
						राशि	तिथि
1	INE103A08019	1,000,000	13 जनवरी, 20	9,998.23	7.40%	10,000.00	12 अप्रैल, 30
2	INE103A08035	1,000,000	29 जनवरी, 20	10,594.66	7.75%	10,600.00	29 जनवरी, 30
3	INE103A08043	1,000,000	29 दिसम्बर, 20	12,167.79	6.18%	12,170.00	29 दिसम्बर, 25
4	INE103A08050	1,000,000	29 दिसम्बर, 21	11,997.38	7.48%	12,000.00	14 अप्रैल, 32
	<b>कुल</b>			<b>44,758.06</b>		<b>44,770.00</b>	

7.50% के मध्य तथा 31 मार्च, 2023 को 6.01% से 7.98% के मध्य हैं। ये सभी ओआईडीबी की ऋण प्राप्तियों द्वारा वित्त-पोषित संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण/परियोजनाओं पर प्रथम प्रभार के माध्यम से पर रेहन/गिरवी द्वारा प्रतिभूत है।

29.5.2 ₹ 815.63 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 1485.63 मिलियन) एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य हैं। इन्हें दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता के अंतर्गत दर्शाया गया है।

29.5.3 ओआईडीबी ऋण का पुनर्भुगतान कार्यक्रम निम्नवत है

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
2023-24	-	1,485.63
2024-25	815.63	815.63
2025-26	138.12	138.12
<b>कुल</b>	<b>953.75</b>	<b>2,439.38</b>

29.6 अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में, कंसोर्टियम बैंकों से कंपनी से संबंधित ₹ 4521.88 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 180.26 मिलियन) की राशि के कार्यशील पूँजीगत उधार को कंपनी के कच्चे माल के भंडार, तैयार माल, संसाधित हो रहे स्टॉक, भंडार, सहायक उपस्कर्ता, अवयवों, व्यापार प्राप्त्यों, बकाया धन प्राप्त्यों, दावों, बिल, संविदाओं, कार्यों, प्रतिभूतियों, वर्तमान और भावी, दोनों के दृष्टिबंधक के माध्यम से प्रथम श्रेणी सममूल्य प्रभार के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है तथा इनके अलावा कंपनियों की सुरक्षित और अचल संपत्ति (सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण) वर्तमान और भविष्य, दोनों पर द्वितीय श्रेणी सममूल्य प्रभार द्वारा आगे और सुरक्षित किया जाता है।



- 29.8 अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में, कर्नाटक सरकार से ब्याज मुक्त ऋण – वैट ऋण के विवरण
- 29.8.1 यह ऋण कर्नाटक सरकार से प्राप्त ‘ब्याज मुक्त ऋण’ के परिणामस्वरूप देय राशि का प्रतिनिधित्व करता है। वैट के विरुद्ध यह ब्याज मुक्त ऋण 31 मार्च, 2028 से पुनर्भुगतान योग्य होगा। वैट ऋण कंपनी द्वारा दी गई बैंक गारंटी द्वारा सुरक्षित है।
- 29.8.2 ब्याज की बाजार दर से कम के सरकारी ऋण का लाभ सरकारी अनुदान (इंड एएस 20)माना जाता है। ब्याज मुक्त ऋण को इंड एएस-109 वित्तीय लिखत के अनुसार मान्यता दी जाती है तथा मापा जाता है। ब्याज मुक्त ऋण के लाभ का मापन इंड एएस-109 के अनुसार निर्धारित ऋण के प्रारंभिक वहन मूल्य तथा प्राप्त प्राप्तियों के मध्य अंतर के रूप में मापा जाता है। लाभ को इस मानक के अनुसार लेखांकित किया जाता है।
- 29.8.3 कर्नाटक सरकार से ब्याज मुक्त ऋण – वैट ऋण की चुकौती निम्नानुसार है

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
2027-28	132.61	132.61
2028-29	155.16	155.16
2029-30	197.76	197.76
2030-31	208.53	208.53
2031-32	322.83	322.83
2032-33	517.95	517.95
2033-34	678.15	678.15
कुल	<b>2,212.99</b>	<b>2,212.99</b>

#### 29.9 आस्थगित भुगतान देयताएं – कर्नाटक सरकार से :

- 29.9.1 केंद्रीय विक्रय कर (सीएसटी) के अंतर्गत देय कर के विरुद्ध आस्थगित भुगतान देयता कर्नाटक सरकार से प्राप्त “ब्याज मुक्त ऋण” के कारण देय राशि का प्रतिनिधित्व करती है। केंद्रीय विक्रय कर (सीएसटी) के विरुद्ध आस्थगित सीएसटी ऋण की यह राशि आस्थगन अवधि की समाप्ति के बाद बिना ब्याज के पांच समान वार्षिक किश्तों में चुकाने योग्य होगी।
- 29.9.2 बाजार से कम ब्याज दर पर सरकारी ऋण के लाभ को सरकारी अनुदान (इंड एएस 20) के रूप में माना जाता है। ब्याज मुक्त ऋण को इंड एएस 109, वित्तीय लिखतों के अनुसार मान्यता दी

जाती है और मापित किया जाता है। ब्याज मुक्त ऋण के लाभ को इंड एस 109 के अनुसार निर्धारित ऋण के प्रारंभिक वहन मूल्य और प्राप्त प्रतिलाभों के बीच के अंतर के रूप में मापित किया जाता है। इसके लाभ को इस मानक के अनुसार हिसाब में लिया जाता है।

कर्नाटक सरकार से विलंबित भुगतान देयताओं की चुकौती अनुसूची निम्नानुसार है

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
2025-26	750.94	379.31
2026-27	750.94	379.31
2027-28	750.94	379.31
2028-29	750.93	379.31
2029-30	750.93	379.31
कुल	<b>3,754.68</b>	<b>1,896.55</b>

#### 29.10 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में बैंक से रुपया सावधि ऋण

- 29.10.1 सावधि ऋण-1 को वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान पूरी तरह से चुकाया गया (31 मार्च, 2023 तक बकाया राशि ₹ 2,342.96 मिलियन है)। ऋण को परिवर्तनीय ब्याज दर से जोड़ा गया था, जो आरबीआई रेपो रेट प्लस स्प्रेड थी (31 मार्च, 2023 तक ब्याज दर 7.95% थी)।
- 29.10.2 सावधि ऋण-2 को वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान पूरी तरह से चुकाया गया (31 मार्च, 2023 तक बकाया राशि ₹ 9,868.26 मिलियन है)। ऋण को परिवर्तनीय ब्याज दर से जोड़ा गया था, जो एक माह की एमसीएलआर दर थी (31 मार्च, 2023 तक ब्याज दर 8.10% थी)।

#### 29.11 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीएनआर):

- 29.11.1 कंपनी द्वारा लिए गए एफसीएनआर (ख) कैपेक्स ऋण पर परिवर्तनीय ब्याज दर लागू होती है जो तीन महीने की एसओएफआर प्लस स्प्रेड है (31 मार्च, 2024 को ब्याज दर 6.78% है और 31 मार्च, 2023 को ब्याज दर 6.65% थी)

29.11.2 विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीएनआर) का चुकौती का विवरण निम्नवत हैं :

(₹ मिलियन में)		
चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
2023-24	-	6,984.88
2024-25	1,251.15	1,232.62
कुल	<b>1,251.15</b>	<b>8,217.50</b>

29.12 बैंकों से कार्यशील पूँजी सावधि ऋण – सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में ईसीबी:

29.12.1 कंपनी द्वारा लिए गए बाहरी वाणिज्यिक ऋण अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण हैं और तीन महीने के एसओएफआर प्लस स्प्रेड से जुड़ी ब्याज की परिवर्तनीय दर बहन करते हैं (31 मार्च, 2024 को ब्याज दर 6.56% है और 31 मार्च, 2023 को 6.06% थी)।

29.12.2 कार्यशील पूँजी ऋण ईसीबी की चुकौती अनुसूची निम्नवत है:

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2024 के अनुसार	31 मार्च, 2023 के अनुसार
2024-25	8,341.00	8,217.50
2025-26	8,341.00	8,217.50
2026-27	12,511.50	12,326.25
2027-28	16,682.00	16,435.00
कुल	<b>45,875.50</b>	<b>45,196.25</b>

29.13 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, 31 मार्च, 2024 तक बैंक से अप्रतिभूत अत्यावधि कार्यशील पूँजी ऋण राशि ₹ 19,131.33 मिलियन है (31 मार्च, 2023 को ₹ 16,955.86 मिलियन) (31 मार्च, 2024 को ब्याज दर 7.10% से 7.50% की सीमा में है और 31 मार्च, 2023 को यह 6.84% से 7.15% की सीमा में थी)।

29.14 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, ऊपर बताए गए चुकौती कार्यक्रम संविदात्मक नकदी बहिर्वाह पर आधारित हैं और इसलिए ये ऐसे उधारों की बहन राशि से मेल नहीं खाएंगे, जिन्हें परिशोधित लागत पर हिसाब में लिया जाता है।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

29.15 विदेशी मुद्रा बॉण्ड

बॉण्ड का विवरण	जारी करने की तिथि	चुकौती की तिथि
500 मिलियन अमेरिकी डॉलर बाण्ड (31 मार्च, 2024 को ₹ 41641.26 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 41009.82 मिलियन); ब्याज दर : 4% प्रतिवर्ष जो छमाही रूप में देय है	12 जुलाई, 2017	12 जुलाई, 2027

29.16 गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर

डिबेंचरों का विवरण	ब्याज की कूपन दर	चुकौती की तिथि
6.63% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 19,498.24 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 19,498.04 मिलियन)	6.63% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	11 अप्रैल, 2031
6.09% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 14,999.13 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 14,998.86 मिलियन)	6.09% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	26 फरवरी, 2027
7.03% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 13,998.41 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 13,997.79 मिलियन)	7.03% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	12 अप्रैल, 2030
5.36% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 11,998.64 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 11,999.61 मिलियन)	5.36% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	11 अप्रैल, 2025
7.00% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 19,999.78 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 19,999.18 मिलियन)	7.00% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	14 अगस्त, 2024
8.00% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 4,999.96 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 4,999.27 मिलियन)	8.00% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	25 अप्रैल, 2024



डिबेंचरों का विवरण	ब्याज की कूपन दर	चुकौती की तिथि
4.79% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ शून्य और 31 मार्च, 2023 का ₹ 19,999.76 मिलियन)	4.79% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	23 अक्टूबर, 2023
6.38% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ शून्य और 31 मार्च, 2023 का ₹ 5,999.97 मिलियन)	6.38% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	12 अप्रैल, 2023
7.81% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 14,998.22 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 14,998.07 मिलियन)	7.81% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	13 अप्रैल, 2032
7.2% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 17,999.03 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 17,998.35 मिलियन)	7.12% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	30 जुलाई, 2025
7.64% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 24,998.57 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 24,998.24 मिलियन)	7.64% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	4 नवम्बर, 2027
7.54% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 7,499.30 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 7,499.25 मिलियन)	7.54% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	15 अप्रैल, 2033
7.74% अपरिवर्तनीय डिबेंचर (31 मार्च, 2024 को ₹ 16,498.88 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को ₹ 16,498.64 मिलियन)	7.74% प्रति वर्ष वार्षिक रूप से देय	02 मार्च, 2028

उपरोक्त गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर में से ₹ 24,999.70 मिलियन (31.03.2023 : ₹ 25,999.70 मिलियन) एक वर्ष के भीतर चुकाने जाने योग्य है और इसे 'दीर्घकालिक उधारों की वर्तमान परिपक्वता' में शामिल किया गया है।

## 29.17 तेल उद्योग विकास बोर्ड से सावधि ऋण (प्रतिभूत)

इस अवधि के दौरान चुकाने योग्य	राशि यू.एस. डॉलर (डॉलर) मिलियन में		राशि ₹ मिलियन में	
	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2023 तक	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2023 तक
2023-24	-	250.00	5.68%	5.68%
2024-25	250.00	250.00	5.68%	5.68%
2025-26	250.00	250.00	5.68%	5.68%
<b>कुल</b>	<b>500.00</b>	<b>750.00</b>		

बकाया ऋण को विशाख रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना की सुविधाओं पर प्रथम प्रभार के साथ प्रतिभूत किया गया है। ऋण राशि में से, ₹ 250.00 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹ 250.00 मिलियन) एक वर्ष के भीतर देय हैं और उक्त को "दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता" के रूप में दर्शाया गया है।

## 29.18 बैंक से प्रतिभूत रूपया सावधि ऋण

एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में सावधि ऋण सुविधा प्रथम प्रभार द्वारा निम्न के माध्यम से सुरक्षित है :

- (i) सभी अचल आस्तियां (लीजहोल्ड भूमि सहित);
- (ii) सभी चल आस्तियां, चल संयंत्र और मशीनरी, मशीनरी स्पेयर, उपकरण और सहायक उपकरण, कंपनी के वर्तमान और भावी

दोनों (मौजूदा संयंत्रों और इसकी सभी वर्तमान/भावी आस्तियों सहित);

(iii) कंपनी की अमूर्त आस्तियां (परियोजना की सभी आस्तियों (वर्तमान/भविष्य) में और उसके अंतर्गत सभी अधिकार, स्वामित्व और हित);

(iv) कंपनी के सामग्री परियोजना दस्तावेज, मंजूरियां तथा जो भी हो, बीमा संविदाओं/पॉलिसियों/बीमा प्रतिलाभों, लाइसेंसों, निष्पादन बांडों, गारंटियों में या उनसे संबंधित उधारियों तथा कंपनी के पक्ष में उसके किसी भी संविदाकार द्वारा प्राप्त की गई समस्त आस्तियों के किसी भी प्रकार के समस्त अधिकार, स्वामित्व ब्याज, लाभ, दावे और मांग;

(v) कंपनी के वर्तमान और भविष्य के नकदी प्रवाह/राजस्व/प्राप्तियां:

(vi) कंपनी के सभी बैंक खाते, जिनमें ट्रस्ट और रिटेन्शन खाते, इसके उप खाते और कंपनी द्वारा बनाए जाने वाले प्रत्येक अन्य खाते शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

दीर्घकालिक ऋण के लिए लागू व्याज दर 0.05% के प्रसार के साथ प्रचलित एसबीआई 1—वर्षीय एमसीएलआर से जुड़ी फ्लोटिंग दर है, वर्तमान प्रभावी लागू दर 8.70% प्रति वर्ष (4 फरवरी, 2024 तक 8.45% प्रति वर्ष) है।

ऋण (31.03.2024 तक बकाया: ₹ 24,376.00 मिलियन 31.03.2023 तक: ₹ 17,684.80 मिलियन) को 2 वर्ष की स्थगन अवधि सहित 13 वर्ष की अवधि में 38 किस्तों में चुकाया जाना है। दीर्घावधि ऋणों के लिए त्रैमासिक पुनर्भुगतान अनुसूची 01.04.2026 से 30.09.2035 तक है।

सुरक्षा न बनाने पर, स्वीकृत पत्र में उल्लिखित नियमों और शर्तों को पूरा करने के अधीन बकाया ऋण राशि का 1% दंडात्मक व्याज लगाया जा सकता है।

## हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में:

इस अवधि के दौरान चुकाने योग्य	राशि ₹ मिलियन में		व्याज दर की सीमा	
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
2024-25	4,100.20			
2025-26	4,420.40			
2026-27	4,765.80	लागू नहीं	रेपो दर से जुड़ी फ्लोटिंग व्याज दर	लागू नहीं
2027-28	1,248.60			
<b>कुल</b>	<b>14,535.00</b>			

चालू वित्त वर्ष के दौरान 'सर्विस स्टेशन लाइसेंस शुल्क' (एसएसएलएफ) के प्रतिभूतिकरण के माध्यम से परिसंपत्ति मुद्रीकरण कार्यक्रम के तहत ₹14,535.00 मिलियन की राशि जुटाई गई (2022-23: ₹ शून्य), जो खुदरा दुकानों पर निगम की परिसंपत्तियों के उपयोग के लिए डीलरों से वसूल की जाती है। निगम ने उक्त ऋण के प्रति सुरक्षा के रूप में कुल भुगतान और उसमें पड़ी धनराशि जमा करने के लिए खोले गए एस्क्रो बैंक खाते पर पहला प्रभार बनाया है। यह ऋण 3 वर्ष 3 महीने की अवधि के लिए है और 39 मासिक भुगतानों में चुकाया जाना है, जिसमें चुकौती का पहला महीना अप्रैल, 2024 है।

इस ऋण राशि में से ₹4,100.20 मिलियन (31.03.2023: ₹ शून्य) एक वर्ष के भीतर चुकाने योग्य है और इसे 'दीर्घकालिक उधारों की वर्तमान परिपक्वता' में शामिल किया गया है।

## 29.19 विदेशी बैंकों से सिंडिकेटेड ऋण (विदेशी मुद्रा में चुकाने योग्य)

### हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में:

कॉरपोरेशन ने विदेशी बैंकों से निश्चित दर या 3 महीने की फ्लोटिंग टर्म एसओएफआर प्लस स्प्रेड (स्प्रेड रेंज: 90 से 112 आधार बिंदु प्रति वर्ष) पर सिंडिकेटेड ऋण लिया है। ये ऋण 5 वर्ष तक की अवधि के लिए लिए गए हैं। 31 मार्च, 2023 तक बकाया कुल ऋण में से, कुल 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर (2022-23: 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के ऋणों को नए बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) के माध्यम से पुनर्वित्त किया गया है और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर (2022-23: ₹ शून्य) की राशि का ऋण पूर्व-भुगतान किया गया है। ऋण राशि में से, ₹ 45,875.50 मिलियन (31.03.2023: ₹ शून्य) एक वर्ष के भीतर चुकाने योग्य है और इसे 'दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता' में शामिल किया गया है।



इस अवधि के दौरान चुकाने योग्य	राशि अमेरिकी डॉलर (डॉलर) मिलियन में		राशि ₹ मिलियन में	
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
2024-25	550.00	800.00	45,875.50	65,740.00
2025-26	300.00	300.00	25,023.00	24,652.50
2026-27	450.00	450.00	37,534.50	36,978.80
2027-28	300.00	300.00	25,023.00	24,652.50
<b>कुल</b>	<b>1,600.00</b>	<b>1,850.00</b>	<b>133,456.00</b>	<b>152,023.80</b>

प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल पीटीई लिमिटेड द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में:

पीपीआईपीएल ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 86 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया था पीपीसीएल का पीपीआईपीएल, सिंगापुर में इकिवटी निवेश, उक्त ऋण के लिए ऋणदाता के पक्ष में गिरवी रखा गया था, जिसके विरुद्ध, 31.03.2023 तक, 79 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹ 6,490 मिलियन, दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वताओं में शामिल) की राशि बकाया थी, जिसे चालू वित्तीय वर्ष के दौरान चुकाया जाना था और समूह द्वारा इसका निपटान कर दिया गया है।

इस सुरक्षित बैंक ऋण पर 1.2% + 6—माह लिबोर प्रति वर्ष (2022-2023: 1.2% + 6—माह लिबोर प्रति वर्ष) की दर से ब्याज लग रहा था, जो चालू वित्त वर्ष के दौरान 6.13% से 6.57% प्रति वर्ष तक था (2022-2023: 1.38% से 6.13% प्रति वर्ष)

#### 29.20 अन्य सावधि ऋण

इस अवधि के दौरान चुकाने योग्य	राशि ₹ मिलियन में		ब्याज दर की सीमा	
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
2023-24	-	7,250.00	3एम टी-बिल (15,000 मिलियन रुपये) और 1एम टी-बिल (₹ 63,750 मिलियन) से जुड़ी ब्याज की प्लोटिंग दर	3एम टी-बिल (₹ 15,000 मिलियन) और 1एम टी-बिल (₹63,750 मिलियन) से जुड़ी ब्याज की प्लोटिंग दर
2024-25	5,750.00	5,750.00		
2025-26	55,000.00	83,000.00		
2026-27	18,000.00	15,000.00		
<b>कुल</b>	<b>78,750.00</b>	<b>111,000.00</b>		

ये ऋण 4 वर्ष तक की अवधि के लिए लिए जाते हैं। 31 मार्च, 2023 तक बकाया कुल रुपया अवधि ऋणों में से, चालू वित्त वर्ष के दौरान नए रुपया अवधि ऋण के माध्यम से कुल ₹ 15,000 मिलियन (2022-23: ₹ शून्य) के ऋण को पुनर्वित्त किया गया है।

ऋण राशि में से ₹ 5,750 मिलियन (31.03.2023: ₹ 7,250 मिलियन) एक वर्ष के भीतर चुकाने योग्य है और इसे 'दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता' में शामिल किया गया है।

### 30 पट्टा देयताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक		31 मार्च, 2023 तक	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
पट्टा देयताएं (टिप्पणी संख्या 48)	255,054.15	79,197.12	84,035.29	46,657.31
<b>कुल</b>	<b>255,054.15</b>	<b>79,197.12</b>	<b>84,035.29</b>	<b>46,657.31</b>

## 30.1 पट्टा देयताओं का संचलन

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	130,692.60	142,100.52
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त	273,916.65	42,569.80
लीज देयताओं पर छूट की समाप्ति	17,068.62	6,641.93
वर्ष के दौरान भुगतान	(90,425.58)	(65,752.95)
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(331.27)	(2,432.86)
लीज देयताओं का पुनर्मूल्यांकन	211.82	5,470.62
पुनर्माप/अन्य समायोजन का प्रभाव	3,118.43	2,095.54
वर्ष के अंत में शेष राशि	<b>334,251.27</b>	<b>130,692.60</b>

## 31 अन्य वित्तीय देयताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक		31 मार्च, 2023 तक	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
उधार पर अर्जित ब्याज	540.28	12,917.56	1,471.99	16,194.10
दावा न किया गया लाभांश (टिप्पणी सं. 31.3)	-	338.54	-	339.40
एफवीटीपीएल पर मापी गई व्युत्पन्न देयताएं (टिप्पणी सं. 31.5)	-	1,479.15	92.63	574.39
पूँजीगत वस्तुओं के लिए देयता (टिप्पणी सं. 31.4)	64.03	68,911.31	64.03	74,591.21
आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों से जमा (टिप्पणी सं. 31.8)	1,246.56	187,129.76	1,582.39	178,654.68
कर्मचारियों के लिए देयता	-	15,168.82	-	19,926.90
सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ योजना के लिए देयता	-	870.63	-	816.23
जेवी भागीदारों को देय नकद कॉल	-	17,300.73	-	32,948.65
पार्टियों के प्रतिधारण धन से काटे गए	-	35,768.36	-	31,849.34
परिसमाप्त हानि	1.68	19.26	1.68	17.70
वित्तीय गारंटी दायित्व (टिप्पणी सं. 31.1)	38.02	11.25	5.82	7.44
अप्रयुक्त निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए देयता	-	368.51	-	425.75
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के लिए देयता (टिप्पणी सं. 31.2)	-	76,352.06	-	75,725.94
देय बिल	-	-	-	-
उत्पादन साझाकरण समझौते के विस्तार के लिए देय बोनस (टिप्पणी सं. 31.6)	-	1,137.27	1,096.03	1,120.76
परित्याग निधि को स्थानांतरित करने के लिए देयता (टिप्पणी सं. 31.7)	-	52,720.33	-	-
घटाएँ: सखालिन-1 एलएलसी की ओर से रखी गई परित्याग निधि	-	(52,720.33)	-	-
अन्य देयताएँ	3.25	33,455.49	3.00	44,030.15
<b>कुल अन्य वित्तीय देयताएँ</b>	<b>1,893.82</b>	<b>451,228.70</b>	<b>4,317.57</b>	<b>477,222.64</b>



- 31.1 वित्तीय गारंटी दायित्व संयुक्त उद्यम ओपीएल और आईजीजीएल की ओर से जारी वित्तीय गारंटी के लिए शुल्क के उचित मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे वित्तीय गारंटी दायित्व के रूप में मान्यता दी गई है, जिसके साथ निवेश के लिए संगत डेबिट है।
- 31.2 अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के लिए देयता संयुक्त उद्यम ओपीएल द्वारा जारी अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के लिए वित्तीय देयता के उचित मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है।
- 31.3 निवेशक शिक्षा और सरक्षण निधि में जमा करने के लिए कोई राशि बकाया नहीं है।
- 31.4 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, पूंजीगत वस्तुओं के लिए देयता में मूल्य कटौती अनुसूची के अनुसार विक्रेताओं से रोकी गई राशि से संबंधित ₹ 125.53 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 154.40 मिलियन) शामिल हैं, जिसका निपटान ऐसे विक्रेताओं के साथ कार्यवाही को अंतिम रूप देने पर किया जाएगा। जब रोकी गई राशि को अंतिम रूप दिया जाता है, तो संबंधित समायोजन संपत्ति, संयंत्र और उपकरण में भावी रूप से किया जाता है।
- 31.5 व्युत्पन्न देयताएँ सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश वैकोरनेपट प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित हैं, जो जेपीवाई मुद्रा में अपने टर्म
- लोन को हेज करने के लिए इसके द्वारा किए गए व्युत्पन्न अनुबंधों के संबंध में हैं।
- 31.6 उत्पादन साझाकरण समझौते के विस्तार के लिए देय बोनस दिसंबर, 2049 तक लाइसेंस अवधि के विस्तार के लिए एसीजी. अजरबैजान से संबंधित है और यह देय अंतिम किस्त (कुल आठ किस्तों में से) का प्रतिनिधित्व करता है।
- 31.7 भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से खोले गए एक विशेष प्रयोजन बैंक खाते में, सखालिन-1 एलएलसी की ओर से कंपनी द्वारा ₹ 52,720.33 मिलियन (632.44 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि रखी गई है।
- 31.8 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों से जमा में राजीव गांधी ग्रामीण एलपीजी वितरक योजना के लिए प्राप्त जमा राशि ₹ 2,418.90 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 2,418.90 मिलियन) और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए ₹ 38,426.70 मिलियन (31.03.2023: ₹35,753.60 मिलियन) शामिल हैं। ये जमा राशि या तो भारत सरकार द्वारा की गई है या सीएसआर फंड से बनाई गई है।
- देयता को इंड एएस 1 के अनुसार चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि यह मांग पर देय है। पिछले रुझानों को देखते हुए, यह उम्मीद की जाती है कि अगले 12 महीनों में इस देयता के लिए भुगतान नगण्य होगा।

## 32 प्रावधान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक		31 मार्च, 2023 तक	
	गैर-वर्तमान	वर्तमान	गैर-वर्तमान	वर्तमान
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 49)				
सेवानिवृत्ति पश्चात विकित्सा और सेवांत लाभ के लिए	1,486.46	7,301.31	1,385.56	2,432.74
अप्रयुक्त छुट्टी और प्रतिपूर्ति अनुपस्थिति	1,855.86	15,287.25	1,499.29	13,311.26
नियमित कर्मचारियों के लिए ग्रेचुटी	78.95	277.56	63.86	696.15
आकस्मिक कर्मचारियों के लिए ग्रेचुटी	45.40	10.60	54.11	17.49
अन्य	825.68	5,972.75	438.87	1,735.98
अन्य के लिए प्रावधान	468,457.87	11,931.90	365,499.82	7,981.40
सेवानिवृत्ति के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 32.6)	-	146,556.65	-	121,080.39
विवादित करों के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 32.8)	-	(140,669.16)	-	(115,581.52)
घटाएँ: विरोध के तहत जमा की गई राशि (टिप्पणी सं. 32.8)	34,109.99	22,504.77	35,289.17	20,813.47
अन्य प्रावधान (टिप्पणी सं. 32.1, 32.2 और 32.7)	<b>506,860.21</b>	<b>69,173.63</b>	<b>404,230.68</b>	<b>52,487.36</b>
कुल प्रावधान				

- 32.1 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, अन्य प्रावधानों में समापन स्टॉक पर उत्पाद शुल्क का प्रावधान शामिल है। कंपनी ने 31 मार्च, 2024 तक स्टॉक में पड़े माल की निकासी पर देय उत्पाद शुल्क के लिए पर्याप्त मात्रा में अनुमान के आधार पर प्रावधान का अनुमान लगाया है जो ₹2,095.93 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹2,917.70 मिलियन) है और इसे अन्य प्रावधान में शामिल किया है। यह प्रावधान तब तय होने की उम्मीद है जब माल को फैक्ट्री परिसर से हटा दिया जाएगा।
- 32.2 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, अन्य प्रावधान में एरिया

43, लीबिया और ब्लॉक 128, वियतनाम के संबंध में बनाए गए 31 मार्च, 2024 तक ₹3,334.40 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹3,286.00 मिलियन) के न्यूनतम कार्यक्रम प्रतिबद्धता का प्रावधान शामिल है।

32.3 पिछले वर्ष के दौरान, सखालिन-1 परियोजना से संबंधित राशि को 'सखालिन-1 एलएलसी' की इकिवटी में आनुपातिक स्वामित्व हित के लिए लंबित निवेश' में स्थानांतरित कर दिया गया है। (टिप्पणी संख्या 14.1.11 और 62 देखें)

#### 32.4 अन्यों के लिए प्रावधान का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	विघटन के लिए प्रावधान		अन्य प्रावधान	
	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	<b>373,481.22</b>	<b>327,158.51</b>	<b>61,601.51</b>	<b>58,473.34</b>
वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त	58,527.91	10,249.70	29,186.33	123,813.02
वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	(1,085.87)	(2,666.09)	(664.63)	(1,058.00)
छूट की समाप्ति	23,767.38	20,043.43	-	-
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(176.93)	(1,807.22)	(2,002.52)	(2,928.49)
वर्ष के दौरान स्थानांतरण (टिप्पणी सं. 14.1.11 और 62)	-	(42,392.90)	-	-
पुनर्मुद्रण/अन्य समायोजन का प्रभाव	26,995.14	57,621.84	(594.35)	(1,474.53)
विशेष के तहत जमा की गई राशि (टिप्पणी सं. 32.8)	-	-	(25,087.64)	(115,581.52)
विनिमय अंतर का प्रभाव (टिप्पणी सं. 32.4.1)	(1,119.08)	5,273.95	63.55	357.69
वर्ष के अंत में शेष राशि	<b>480,389.77</b>	<b>373,481.22</b>	<b>62,502.25</b>	<b>61,601.51</b>
अन्य प्रावधान (टिप्पणी सं. 32.1, 32.2 और 32.7)				
कुल प्रावधान				

32.4.1 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, कार्यात्मक मुद्रा से प्रस्तुति मुद्रा में वित्तीय विवरणों के अनुवाद के कारण विनिमय अंतर का प्रतिनिधित्व करता है। (टिप्पणी सं. 3.19 और 5.1(क) देखें)

समय और मात्रा महत्वपूर्ण अनिश्चितता के अधीन हैं। तेल और गैस परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवन का अनुमान संबंधित तेल और गैस परिसंपत्ति के दीर्घकालिक उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर लगाया जाता है। भविष्य के व्यय के समय और राशि की समीक्षा सालाना की जाती है, साथ ही वर्तमान लागत अनुमानों में बृद्धि के लिए मुद्रास्फीति की दर और नकदी प्रवाह को भुनाने में उपयोग की जाने वाली ब्याज दर की भी समीक्षा की जाती है।

32.5 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, वर्ष के दौरान पुनर्माप और परिवर्धन के परिणामस्वरूप डीकमीशनिंग लागत की अतिरिक्त मान्यता के कारण तेल और गैस परिसंपत्तियों को पूंजीकृत करके (₹817.33) मिलियन (पिछले वर्ष: ₹2,482.92 मिलियन) की शुद्ध राशि समायोजित की गई है।

इसमें कंपनी की लेखा नीति के अनुसार पन्ना-मुक्ता क्षेत्रों और ताप्ती पार्ट ए सुविधाओं के डीकमीशनिंग प्रावधान का अनुमान लगाने के बाद एसआरएफ फंड में संचित शेष राशि की अटिकता की सीमा तक आकस्मिकता के लिए प्रावधान के रूप में हिसाब में लिए गए ₹33,216.05 मिलियन (पिछले वर्ष ₹33,810.40 मिलियन) शामिल हैं। (टिप्पणी संख्या 6.2, 7.1.2 और 17.2 देखें)।

32.6 समूह ने तेल और गैस परिसंपत्तियों, निर्माणाधीन कुओं आदि के उनके आर्थिक जीवन के अंत में भविष्य के डीकमीशनिंग के लिए इंड एएस 37 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियाँ' के सिद्धांतों के अनुसार डीकमीशनिंग के लिए प्रावधान का अनुमान लगाया है। डीकमीशनिंग के लिए प्रौद्योगिकी और लागत लगातार बदल रही है। भविष्य के नकदी प्रवाह का



- 32.8 कंपनी ने 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि के लिए रॉयल्टी पर विवादित एसटीधजीएसटी (उस पर ब्याज सहित) के लिए ₹146,535.16 मिलियन की सीमा तक पुस्तकों में प्रावधान किया है (31 मार्च, 2023 तक ₹121,074.46 मिलियन)। वित्त वर्ष 2023–2024 से संबंधित प्रावधान ₹ 25,460.69 मिलियन है। (टिप्पणी संख्या 58.1.2 देखें)
- 32.9 कंपनी को एक संदिग्ध धोखाधड़ी का पता चला, जिसमें उसके कुछ नियमित/संविदा कर्मचारियों ने कुछ विक्रेताओं के साथ

मिलीभगत करके धन की हेराफेरी से जुड़े कुछ फर्जी मेडिकल भुगतान किए हैं, इस मामले की आंतरिक और बाहरी एजेंसियों द्वारा जांच की जा रही है जांच लंबित रहने तक कंपनी पर ₹ 2.88 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2.41 मिलियन) की अंतरिम राशि को धोखाधड़ी के रूप में पुष्टि की गई है और तदनुसार उक्त राशि का प्रावधान विक्रेताओं से प्राप्त होने वाले संदिग्ध दावों के लिए किया गया है।

### 33 आस्थगित कर देयताएं (शुद्ध)

तुलन-पत्र में प्रस्तुत आस्थगित कर परिसंपत्तियों / (देयताओं) का विश्लेषण निम्नलिखित है:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष*
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	171,257.92	163,645.70
आस्थगित कर देयताएँ	538,930.41	468,010.44
<b>शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ / (देयताएँ)</b>	<b>(367,672.49)</b>	<b>(304,364.74)</b>

\* पुनःकथन, टिप्पणी संख्या 80 देखें

(₹ मिलियन में)

2023–24 के लिए विवरण	प्रारंभिक शेष	एस-1 एलएलसी की इकिवटी में निवेश लंबित आनुपातिक स्वामित्व हित के विरुद्ध समायोजित	लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त	अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त	विनियम अंतर का प्रभाव	समाप्त शेष
आस्थगित कर (देयताएँ)/परिसंपत्तियाँ निम्नलिखित के संबंध में:						
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ						
अप्रमाणित अन्वेषण कुएँ अपलेखन	7,669.13	-	1,413.78	-	-	9,082.91
आयकर के अंतर्गत अस्थीकृत व्यय	63,948.40	-	26,619.60	-	(2,554.89)	88,013.11
ईआईआर का उपयोग करके परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ	2,141.26	-	349.18	-	-	2,490.44
अमूर्त संपत्तियाँ	151.77	-	(339.99)	-	-	(188.22)
एफवीटीपीएल पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ	168.88	-	-	-	-	168.88
एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ	83.03	-	-	-	-	83.03
परिमापित लाभ दायित्व	2,516.57	-	(26.99)	1,082.14	-	3,571.72
चालू निवेश	247.67	-	(34.70)	-	-	212.97
एमएटी फ्रेंडिट पात्रता	29,458.68	-	9,648.89	-	-	39,107.57

# ओएनजीसी

ऊर्जा: आज और कल

(₹ मिलियन में)

2023–24 के लिए विवरण	प्रारंभिक शेष	एस–1 एलएलसी की इकिवटी में निवेश लंबित आनुपातिक स्वामित्व हित के विरुद्ध समायोजित	लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त	अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त	विनिमय अंतर का प्रभाव	समापन शेष
कर घाटे/मूल्यव्याप्ति अग्रेषित लीज देयता के शुद्ध उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ	51,132.31	-	(38,308.60)	-	9,378.11	22,201.82
अन्य	71.97	-	22.82	-	-	94.79
कुल परिसंपत्तियाँ	6,056.03	-	426.78	2.70	(66.61)	6,418.90
<b>कुल परिसंपत्तियाँ</b>	<b>163,645.70</b>	<b>-</b>	<b>(229.23)</b>	<b>1,084.84</b>	<b>6,756.61</b>	<b>171,257.92</b>
आस्थगित कर देयताएँ						
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	369,328.98	-	47,262.04	-	6,186.25	422,777.27
प्रगतिधीन अन्वेषण कुरुँ	29,938.51	-	1,376.41	-	-	31,314.92
प्रगतिशील विकास कुरुँ	22,916.90	-	(1,571.75)	-	-	21,345.15
अमूर्त संपत्तियाँ	1.33	-	-	-	-	1.33
ईआईआर का उपयोग करके परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ	23.55	-	35.86	-	-	59.41
एफवीटीओसीआई पर इकिवटी शेयरों में निवेश पर उचित मूल्य लाभ	11,494.43	-	-	18,157.98	-	29,652.41
विदेशी कर	(22.65)	-	202.60	-	2,355.95	2,535.90
विदेशी परिचालनों के वित्तीय विवरणों का स्थानांतरित करने पर विनिमय अंतर (टिप्पणी संख्या 33.6)	31,740.18	-	-	(5,447.24)	-	26,292.94
अप्राप्त लाभ का कर समायोजन	(3,445.35)	-	(1,245.82)	-	-	(4,691.17)
अविभाजित लाभ (सहयोगी) पर लाभांश वितरण कर	-	-	-	-	-	-
अविभाजित आय	-	-	-	-	-	-
अन्य	6,034.56	-	2,934.59	673.10	-	9,642.25
<b>कुल देयताएँ</b>	<b>468,010.44</b>	<b>-</b>	<b>48,993.93</b>	<b>13,383.84</b>	<b>8,542.20</b>	<b>538,930.41</b>
<b>शुद्ध आस्थगित कर देयताएँ</b>	<b>304,364.74</b>	<b>-</b>	<b>49,223.16</b>	<b>12,299.00</b>	<b>1,785.59</b>	<b>367,672.49</b>

(₹ मिलियन में)

2022–23 के लिए विवरण	प्रारंभिक शेष	एस–1 एलएलसी की इकिवटी में निवेश लंबित आनुपातिक स्वामित्व हित के विरुद्ध समायोजित	लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त	अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त	विनिमय अंतर का प्रभाव	समापन शेष
आस्थगित कर (देयताएँ)/परिसंपत्तियाँ निम्नलिखित के संबंध में						
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	23,785.63	-	(16,116.50)	-	-	7,669.13



(₹ मिलियन में)

2022–23 के लिए विवरण	प्रारंभिक शेष	एस-1 एलएलसी की इकिवटी में निवेश लंबित आनुपातिक स्वामित्व हित के विरुद्ध समायोजित	लाभ और हानि खाते में मान्यता प्राप्त	अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त	विनियम अंतर का प्रभाव	समापन शेष
आयकर के अंतर्गत अस्थीकृत व्यय	39,511.31	(700.58)	24,649.64	-	488.03	63,948.40
ईआईआर का उपयोग करके परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ	1,871.52	-	269.74	-	-	2,141.26
अमूर्त संपत्ति	306.22	-	(154.45)	-	-	151.77
एफवीटीपीएल पर अमूर्त परिसंपत्तियाँ	168.88	-	-	-	-	168.88
एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ परिभाषित लाभ दायित्व वर्तमान निवेश	83.03	-	-	-	-	83.03
परिभाषित लाभ दायित्व	2,399.79	-	(6.35)	123.13	-	2,516.57
वर्तमान निवेश	(262.33)	-	510.00	-	-	247.67
एमएटी क्रेडिट पात्रता	22,029.30	-	7,429.38	-	-	29,458.68
कर घाटे/मूल्यव्याप्ति	49,741.41	-	617.19	607.80	165.91	51,132.31
उपयोग का अधिकार लीज देयता के शुद्ध परिसंपत्तियाँ	36.33	-	35.64	-	-	71.97
अन्य	7,309.84	-	(774.11)	(476.50)	(3.20)	6,056.03
<b>कुल परिसंपत्तियाँ</b>	<b>146,980.93</b>	<b>(700.58)</b>	<b>16,460.18</b>	<b>254.43</b>	<b>650.74</b>	<b>163,645.70</b>
आस्थगित कर देयताएँ						
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	419,148.57	(56,740.66)	(2,115.42)	-	9,036.49	369,328.98
प्रगतिधीन में अन्वेषण कुएँ	27,304.25	-	2,634.26	-	-	29,938.51
प्रगतिशील विकास कुएँ	15,965.03	-	6,951.87	-	-	22,916.90
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	3.70	-	(2.37)	-	-	1.33
ईआईआर का उपयोग करके परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ	8.85	-	14.70	-	-	23.55
एफवीटीओसीआई पर इकिवटी शेयरों में निवेश पर उचित मूल्य लाभ विदेशी कर	9,011.27	-	-	2,483.16	-	11,494.43
विदेशी कर	12,600.10	(12,525.16)	(1,170.69)	-	1,073.10	(22.65)
विदेशी परिचालनों के वित्तीय विवरणों के स्थानांतरित पर विनियम अंतर (टिप्पणी संख्या 33.6)	11,838.14	-	-	19,902.04	-	31,740.18
अप्राप्त लाभ का कर समायोजन	540.53	-	(3,985.88)	-	-	(3,445.35)
अविभाजित लाभ (सहयोगी) पर लाभांश वितरण कर	(1.19)	-	1.19	-	-	-
अविभाजित आय	0.03	-	(0.03)	-	-	-
अन्य	2,794.35	-	3,240.21	-	-	6,034.56
<b>कुल देयताएँ</b>	<b>499,213.63</b>	<b>(69,265.82)</b>	<b>5,567.84</b>	<b>22,385.20</b>	<b>10,109.59</b>	<b>468,010.44</b>
<b>शुद्ध आस्थगित कर देयताएँ</b>	<b>352,232.70</b>	<b>(68,565.24)</b>	<b>(10,892.34)</b>	<b>22,130.77</b>	<b>9,458.85</b>	<b>304,364.74</b>

- 33.1 उपरोक्त में विभिन्न घटकों/संस्थाओं के संबंध में ₹ 14,237.74 मिलियन की शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्ति (मार्च, 2023 तक ₹ 24,145.86 मिलियन) और ₹ 381,910.23 मिलियन की शुद्ध आस्थगित कर देयता (31 मार्च, 2023 तक ₹ 328,510.60 मिलियन) शामिल है, जो नीचे दिए अनुसार समेकित है:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2024	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2023
शुद्ध आस्थगित कर देयता ओएनजीसी (समूह कर समायोजन सहित)	240,753.24	219,570.79
शुद्ध आस्थगित कर देयता ओ वीएल	26,292.96	32,234.66
शुद्ध आस्थगित कर देयता ओवीएसएल	1,421.53	-
शुद्ध आस्थगित कर देयता इंपीरियल एनर्जी	1,114.27	950.31
शुद्ध आस्थगित कर देयता ओवीआरएल	42,846.49	46,325.39
शुद्ध आस्थगित कर देयता एचपीसीएल	69,328.94	29,276.29
शुद्ध आस्थगित कर देयता पीएमएचबीएल	152.80	153.16
समेकित शुद्ध आस्थगित कर देयता	<b>381,910.23</b>	<b>328,510.60</b>
शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्ति ओएनजीबीपी	11,134.35	11,614.55
शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्ति ओवीएआई	0.24	2.02
शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्ति ओवीएल	257.83	98.31
शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्ति एमआरपीएल	2,845.32	12,430.98
समेकित शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्ति	<b>14,237.74</b>	<b>24,145.86</b>

- 33.2 आस्थगित कर परिसंपत्तियों को इस सीमा तक मान्यता दी जाती है कि यह संभावित है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके विरुद्ध कटौती योग्य अस्थायी अंतर, अनवशोषित मूल्यव्यापास और अप्रयुक्त कर घाटे का उपयोग किया जा सकता है।

- 33.3 समूह ने अपनी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के संबंध में अप्रेषित प्रतिधारित आय और संबद्ध विदेशी मुद्रा अंतरण भंडार के संबंध में आस्थगित कर देयताओं को मान्यता नहीं दी है, जहां समूह लाभ के वितरण के समय को नियंत्रित करने की स्थिति में है और यह संभावित है कि सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम निकट भविष्य में लाभ वितरित नहीं करेंगे। इसके अलावा, समूह अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों की अप्रतिदेय प्रतिधारित आय पर आस्थगित कर देयताओं को मान्यता नहीं देता है, जहाँ भी उसे लगता है कि वह आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार कर क्रेडिट का लाभ उठा सकता है। अप्रतिदेय आय और संबंधित विदेशी मुद्रा भंडार के संबंध में कर योग्य अस्थायी अंतर ₹755,083.79 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 653,395.98 मिलिये) है। इसके वितरण पर संबंधित समूह इकाई के संचालन वाले क्षेत्राधिकार में 31 मार्च, 2024 तक लागू कर दर के

आधार पर शून्य से 34.944: की सीमा में कर लगने की उम्मीद है।

- 33.4 समूह ने सहायक कंपनी, संयुक्त उद्यम और सहयोगी के समेकन समायोजन के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी है। सहायक कंपनी, संयुक्त उद्यम और सहयोगी के समेकन समायोजन के संबंध में जुड़े कटौती योग्य अस्थायी अंतर के परिणामस्वरूप ₹1146.03 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध) ₹3834.41 मिलियन) की सीमा तक आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध) का निर्माण हुआ है।

- 33.5 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में

- 33.5.1 आस्थगित कर संपत्तियों को केवल उस सीमा तक मान्यता दी जाती है, जहां यह संभावना है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा, जिसके विरुद्ध अप्रयुक्त कर घाटे या कर क्रेडिट का उपयोग किया जा सकता है। इसमें उन परिसंपत्तियों के बदल जाने की संभावना का आकलन और इस बारे में निर्णय शामिल है कि परिसंपत्तियों की भरपाई के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा या नहीं। इसके लिए भविष्य की लाभप्रदता के बारे में धारणाओं की आवश्यकता होती है, जो स्वाभाविक रूप से अनिश्चित है।



31.03.2024 तक अप्रयुक्त कर क्रेडिट/कर घाटे की समाप्ति का विवरण, जिस पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी गई है, नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	राशि				कुल
	समाप्ति की अवधि— 0 से 1 वर्ष	समाप्ति की अवधि— 1 से 5 वर्ष	समाप्ति की अवधि— 5 वर्ष से अधिक	कोई समाप्ति नहीं	
विदेशी क्षेत्राधिकारों में भुगतान किए गए करों के भुगतान के माध्यम से उत्पन्न अप्रयुक्त एमएटी क्रेडिट	-	-	18,699.64	-	<b>18,699.64</b>
अप्रयुक्त अल्पकालिक पूँजी घाटा	-	-	0.80	-	<b>0.80</b>
गैर-सूचीबद्ध शेयरों/मान्य इकिवटी में निवेश की हानि	-	-	-	187,325.84	<b>187,325.84</b>

31.03.2023 तक अप्रयुक्त कर क्रेडिट/कर घाटे की समाप्ति का विवरण, जिस पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी गई है, नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	राशि				कुल
	समाप्ति की अवधि— 0 से 1 वर्ष	समाप्ति की अवधि— 1 से 5 वर्ष	समाप्ति की अवधि— 5 वर्ष से अधिक	कोई समाप्ति नहीं	
विदेशी क्षेत्राधिकारों में भुगतान किए गए करों के भुगतान के माध्यम से उत्पन्न अप्रयुक्त एमएटी क्रेडिट	-	-	23,016.95	-	<b>23,016.95</b>
अप्रयुक्त अल्पकालिक पूँजी घाटा	-	168.78	-	-	<b>168.78</b>
गैर-सूचीबद्ध शेयरों/मान्य इकिवटी में निवेश की हानि	-	-	-	183,314.65	<b>183,314.65</b>

33.5.2 कंपनी के पास विदेशी क्षेत्राधिकारों में भुगतान किए गए करों के भुगतान और पात्र विदेशी कर क्रेडिट के बाद के दावे के माध्यम से उत्पन्न अप्रयुक्त एमएटी क्रेडिट है, जो भविष्य के कर योग्य लाभ के विरुद्ध ऑफसेट के लिए उपलब्ध है। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 115जे.ए के तहत अप्रयुक्त एमएटी क्रेडिट पर आस्थगित आयकर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी गई है, क्योंकि ऐसे कर क्रेडिट के उपयोग के बारे में अनिश्चितता है।

33.5.3 कंपनी के पास भविष्य के वर्षों में सेट ऑफ के लिए शुद्ध अल्पकालिक पूँजी हानि उपलब्ध है, जिस पर आस्थगित आयकर परिसंपत्तियों को भविष्य के लाभों के विरुद्ध ऐसे नुकसानों के उपयोग की संभावना पर विचार करते हुए मान्यता नहीं दी गई है।

33.5.4 कंपनी ने भविष्य के लाभों के विरुद्ध इसके उपयोग की संभावना पर विचार करते हुए असूचीबद्ध शेयरों और डीम्ड इकिवटी में निवेश की हानि पर आस्थगित आयकर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी है।

33.5.5 पिछले वर्ष के दौरान, सखालिन-1 परियोजना से संबंधित राशि को 'सखालिन-1 एलएलसी' की इकिवटी में आनुपातिक स्वामित्व हित के लिए लंबित निवेश' में स्थानांतरित कर दिया गया है। (टिप्पणी संख्या 14.1.11 और 62 देखें)

33.6 सहायक कंपनी, ओबीएल की कार्यात्मक मुद्रा (अमेरिकी डॉलर) में तैयार समेकित वित्तीय विवरणों को प्रस्तुति मुद्रा (रुपये) में स्थानांतरित करने के कारण विनिमय अंतर को दर्शाता है। (टिप्पणी संख्या 3.19 और 5.1 (क) देखें)

## 34 अन्य देयताएं

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 तक		31 मार्च, 2023 तक	
	गैर वर्तमान	वर्तमान	गैर वर्तमान	वर्तमान
वैधानिक भुगतानों के लिए देयता	-	90,675.83	-	81,444.16
ग्राहकों से अप्रिम राशि	-	14,244.90	-	13,249.14
अनुबंध देयता—अग्रिम एमजीओ (टिप्पणी संख्या 34.2, 34.3, 34.4 और 34.5)	104.14	18.32	91.37	187.66
आस्थगित सरकारी अनुदान (टिप्पणी संख्या 6.2 और 34.1)	7,850.61	666.19	6,920.53	440.87
अन्य देयताएँ	5,056.49	7,775.12	5,486.31	8,084.76
<b>कुल</b>	<b>13,011.24</b>	<b>113,380.36</b>	<b>12,498.21</b>	<b>103,406.59</b>

### 34.1 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, सरकारी अनुदान:

34.1.1 इसमें पीएम—जीवन योजना के तहत पंजाब के भटिंडा में वाणिज्यिक पैमाने पर 2जी इथेनॉल रिफाइनरी स्थापित करने के लिए ₹ 1,500 मिलियन की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के लिए स्वीकृत वित्तीय सहायता के विरुद्ध पहला मील का पथर पूरा होने पर भारत सरकार से प्राप्त कुल 375.00 मिलियन रुपये के अनुदान में से अशोधित पूंजी अनुदान के गैर—वर्तमान हिस्से के लिए ₹ 365.00 मिलियन (31.03.2023: ₹371.20 मिलियन) शामिल है। कुल अशोधित पूंजी अनुदान में से, चालू हिस्से के लिए ₹ 10.00 मिलियन (31.03.2023: ₹ 3.80 मिलियन) शामिल है। पूंजी अनुदान 2जी इथेनॉल रिफाइनरी परियोजना की सुविधाओं पर पहले प्रभार के साथ सुरक्षित किया गया है।

34.1.2 इसमें भारत भर में 1891 ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना और कमीशनिंग के लिए फेम इंडिया योजना चरण II के लिए प्राप्त कुल अनुदान ₹1,274.00 मिलियन और भारत सरकार से प्राप्त होने वाले ₹ 121.30 मिलियन(₹ 1,993.30 मिलियन के स्वीकृत अनुदान में से) में से अमोर्टाइज्ड कैपिटल ग्रांट के गैर—वर्तमान

हिस्से के लिए ₹ 1,343.20 मिलियन (31.03.2023: ₹ 1,240.60 मिलियन) शामिल हैं। कुल अमोर्टाइज्ड कैपिटल ग्रांट में से, चालू हिस्से के लिए ₹ 52.10 मिलियन (31.03.2023: ₹ 33.40 मिलियन) शामिल हैं।

34.1.3 इसमें वेयरहाउस विनियमन, 2019 योजना में विनिर्माण और अन्य परिचालनों के अंतर्गत शुल्क स्थगन के प्रभाव के प्रति ₹ 1,366.90 मिलियन (31.03.2023: ₹ 664.00 मिलियन) का गैर—वर्तमान अशोधित हिस्सा शामिल है, जिसे इंड एस-20 'सरकारी अनुदानों के लिए लेखांकन और सरकारी सहायता का प्रकटीकरण' के अनुसार भारत सरकार से पूंजी अनुदान के रूप में माना जाता है। कुल अशोधित पूंजी अनुदान में से, वर्तमान हिस्से के प्रति ₹ 5.50 मिलियन (31.03.2023: ₹3.30 मिलियन) शामिल हैं।

34.1.4 इसमें स्वदेशी अगली पीढ़ी के सॉलिड ऑक्साइड फ्यूल सेल (एसओएफसी) प्रौद्योगिकी के विकास और स्कैल—अप और प्रोटोटाइप उत्पादन के लिए प्रोसेस लाइन (10 किलोवाट) के प्रदर्शन के लिए उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र से प्राप्त अनुदान शामिल है।

### 34.2 कंपनी के संबंध में, मान्यता प्राप्त राजस्व जो अनुबंध देयता में शामिल था:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	समाप्त वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
प्राकृतिक गैस	153.18	-



34.3 कंपनी के संबंध में, शेष निष्पादन दायित्वों को आवंटित लेनदेन मूल्य जो रिपोर्टिंग तिथि पर संतुष्ट नहीं हैं:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 तक		31 मार्च, 2023 तक	
	12 महीने से कम	12 महीने से अधिक	12 महीने से कम	12 महीने से अधिक
प्राकृतिक गैस	18.32	104.14	187.65	91.37

34.4 कंपनी के संबंध में, वर्ष के दौरान अनुबंध देयता शेष में महत्वपूर्ण परिवर्तन निम्नानुसार हैं:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	279.02	279.02
जोड़े वर्ष के दौरान ग्राहकों से प्राप्त राशि	24.19	-
घटाएँ: न्यूनतम गारंटीकृत ऑफरेक्ट (एमजीओ) वापस किया गया	27.57	-
घटाएँ: वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त राजस्व	153.18	-
वर्ष के अंत में शेष राशि	122.46	279.02

34.5 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, राजस्व केवल प्रदर्शन दायित्व की संतुष्टि पर ही पहचाना जाता है और जब भी शेष प्रदर्शन दायित्व होते हैं, तो उसे राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है, क) ग्राहक से अग्रिम में प्राप्त राशि के मामले में, जब उत्पाद वितरित किया जाता है ग्राहक को, ख) ग्राहक द्वारा अर्जित वफादारी अंकों के मामले में, जब ऐसे अंक भुनाए जाते हैं / समाप्त हो जाते हैं। ऐसे शेष दायित्व, जिन्हें इंड-एस 115 'राजस्व मान्यता' के तहत अनुबंध देयता कहा जाता है, अवधि के अंत में व्यापार प्राप्त के साथ निम्नानुसार हैं:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2024	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2023
व्यापार प्राप्त	93,240.90	68,323.80
अनुबंधात्मक दायित्व के तहत देयताएँ	13,679.00	12,616.40

वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने आरंभिक अनर्जित राजस्व से ₹ 10,441.30 मिलियन रुपए (2022–23: ₹17,089.10 मिलियन) का राजस्व अर्जित किया।

## 35 व्यापार देयताएं

35.1 व्यापार देयताएं – सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को छोड़कर

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2024	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2023
व्यापार देय – सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा	362,560.46	328,918.68
कुल	362,560.46	328,918.68

## 35.2 व्यापार देयताएं – सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि\*

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2024	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2023
क) वर्ष के अंत तक बकाया लेकिन भुगतान न किए गए मूलधन और ब्याज की राशि	12,342.39	7,507.34
ख) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार क्रीता द्वारा भुगतान किए गए ब्याज की राशि, साथ ही वर्ष के दौरान नियत तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि	-	-
ग) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जो वर्ष के दौरान नियत तिथि के बाद भुगतान की गई है) लेकिन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	-	-
घ) वर्ष के अंत में अर्जित और भुगतान न किए गए ब्याज की राशि और	-	-
ड) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय की अस्वीकृति के उद्देश्य से, उस तिथि तक, जब तक कि उपरोक्त ब्याज देय राशि वास्तव में लघु उद्यम को भुगतान नहीं की जाती, तब तक बकाया और देय ब्याज की राशि।	-	-

\* विक्रेताओं से पुष्टि के आधार पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यम की स्थिति।

## 35.3 व्यापार देयताओं की ऐंजिंग निर्धारण अनुसूची:

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	विवरण	देय नहीं	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
1	एमएसएमई	6,609.00	61.97	0.20	-	0.10	6,671.27
2	अन्य	207,869.28	23,484.09	254.62	567.00	2,574.54	234,749.53
3	विवादित बकाया— एमएसएमई	177.49	-	0.40	0.80	-	178.69
4	विवादित बकाया— अन्य	78.07	99.95	191.02	79.85	2,626.83	3,075.72
	<b>कुल</b>	<b>214,733.84</b>	<b>23,646.01</b>	<b>446.24</b>	<b>647.65</b>	<b>5,201.47</b>	<b>244,675.21</b>
	बिल न किया गया (एमएसएमई देय सहित)						130,227.64
	<b>कुल व्यापार देयताएं</b>						<b>374,902.85</b>

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	विवरण	देय नहीं	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
1	एमएसएमई	4,607.75	14.72	-	-	-	4,622.47
2	अन्य	217,335.12	34,850.72	895.47	78.24	3,404.32	256,563.87
3	विवादित बकाया— एमएसएमई	201.40	0.60	0.90	-	0.50	203.40
4	विवादित बकाया— अन्य	124.75	2,334.93	241.99	88.74	2,696.49	5,486.90
	<b>कुल</b>	<b>222,269.02</b>	<b>37,200.97</b>	<b>1,138.36</b>	<b>166.98</b>	<b>6,101.31</b>	<b>266,876.64</b>
	बिल न किया गया (एमएसएमई देय सहित)						69,549.38
	<b>कुल व्यापार देयताएं</b>						<b>336,426.02</b>



335.4 भारत सरकार ने पीएसयू द्वारा लंबित संविदा विवादों को निपटाने के लिए विवाद से विश्वास ॥ (संविदात्मक विवाद) योजना शुरू की है। कंपनी ने योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुमोदन प्रदान किया है। कंपनी को व्यापारिक भागीदारों से निपटान के लिए 70 मामले प्राप्त हुए, जिनमें से 34 को विवाद से विश्वास ॥ योजना के तहत पात्र पाया गया। कंपनी ने सभी 34 पात्र मामलों में अपना निपटान प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। जब योजना में निर्दिष्ट दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जा रहा है, तो दावों का लेखा—जोखा किया जा रहा है। तदनुसार वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, ₹18,602.28 मिलियन की राशि के 28 मामलों का निपटारा किया गया है, जिनमें से ₹ 6,646.73 मिलियन की देयता पहले से ही खातों की किताबों में मौजूद थी, ₹ 5,918.60 मिलियन अतिरिक्त रूप से पूँजीकृत किए गए हैं और ₹ 6,036.95 मिलियन की शेष राशि को लाभ और हानि खाते के विवरण में चार्ज किया गया है। उपरोक्त के परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान पूँजीकृत राशि के संबंध में लाभ और हानि खाते के विवरण में ₹ 715.47 मिलियन का मूल्यव्यापास/निशेषण लगाया गया है। अन्य मामले व्यावसायिक साझेदारों द्वारा स्वीकृति और समापन के विभिन्न चरणों में हैं, यानी निपटान समझौते पर अभी हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं या विभिन्न अदालतों में लंबित मामले या तो ठेकेदारों या कंपनी द्वारा वापस लेने की प्रक्रिया में हैं।

35.5 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, कच्चे तेल, स्टोर और स्पेयर पार्ट्स, अन्य कच्चे माल, सेवाओं आदि की खरीद पर औसत क्रेडिट अवधि 7 से 60 दिनों (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष 7 से 60 दिनों तक) तक है। इसके बाद, बकाया शेष राशि पर संबंधित व्यवस्था के अनुसार संबंधित बैंक दर पर 7.50% प्रति वर्ष (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष 6.75: प्रति वर्ष तक) तक ब्याज लगाया जाता है। कंपनी के पास वित्तीय जोखिम प्रबंधन नीतियाँ हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी देय राशियों का भुगतान पूर्व—सहमत ऋण शर्तों के भीतर किया जाए।

35.6 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, कंपनी द्वारा संचालित कॉर्पोरेट कार्यालय और परियोजनाओं से संबंधित व्यापार देय राशियों की आयु की गणना उस तिथि से की गई है, जिस तिथि को देय राशियों को लेखा पुस्तकों में मान्यता दी गई है। गैर—संचालित परियोजनाओं से संबंधित व्यापार देय राशियों के लिए, संबंधित ऑपरेटरों से आयु की जानकारी प्राप्त नहीं होती है, तो ऐसी परियोजनाओं के लिए बकाया व्यापार देय राशियों को 1 वर्ष से कम की आयु वर्ग के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

## 36 कर देयताएं/परिसंपत्तियां (शुद्ध)

### गैर—वर्तमान कर परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
गैर—वर्तमान कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	148,732.45	142,545.02
<b>कुल</b>	<b>148,732.45</b>	<b>142,545.02</b>

### वर्तमान कर परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2024	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2023
वर्तमान कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	-	1,890.87
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>1,890.87</b>

### चालू कर देयताएं

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2024	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2023
वर्तमान कर देयताएं (शुद्ध)	5,946.03	4,608.24
<b>कुल</b>	<b>5,946.03</b>	<b>4,608.24</b>

- 36.1 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, 31 मार्च, 2024 तक ₹ 499.53 मिलियन की गैर-चालू कर देयताएं (पिछले वर्ष ₹ 8,188.91 मिलियन) उन आकलन वर्षों के लिए दाखिल आयकर रिटर्न के अनुसार स्वीकृत कर देयता के संबंध में कर के लिए प्रावधान को दर्शाती है, जहाँ कर अधिकारियों द्वारा अंतिम निपटान लंबित है।
- 36.2 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, कंपनी ने आकलन वर्ष 2003–04 से 2024–25 तक आयकर विभाग से ₹ 8,918.33 मिलियन की शुद्ध कर प्राप्त राशि का हिसाब लगाया है। कर निर्धारण वर्ष 2022–23 तक कर निर्धारण पूर्ण/समयबद्ध हो चुके हैं और कर निर्धारण वर्ष 2023–24 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल किया जा चुका है, लेकिन इसके संबंध में आयकर

विभाग द्वारा कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है, जबकि कर निर्धारण वर्ष 2024–25 के लिए आयकर रिटर्न नवंबर 2024 तक दाखिल किया जाना है। कंपनी द्वारा प्राप्त शुद्ध कर में कर निर्धारण वर्ष 2003–04 से 2016–17 के लिए ₹ 2,143.12 मिलियन की राशि शामिल है, जिसके लिए कंपनी को आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण से अनुकूल आदेश प्राप्त हुए हैं और अंतिम निपटान कर निर्धारण अधिकारी स्तर पर लंबित है। इसके अलावा ₹ 5,415.92 मिलियन की राशि कर निर्धारण वर्ष 2017–18 और 2021–22 से संबंधित है, जिसके लिए सीआईटी (अपील) के समक्ष अपील लंबित हैं। शेष राशि कर निर्धारण वर्ष 2024–25 के लिए भुगतान किए गए अग्रिम कर और रोके गए करों से संबंधित हैं। प्रबंधन का मानना है कि ₹ 8,918.33 मिलियन की पूरी राशि वसूली योग्य है।

## 37 परिचालन से राजस्व

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>क. उत्पादों की विक्री</b>		
उत्पादों की विक्री (उत्पाद शुल्क सहित)	6,425,464.64	6,858,893.67
घटाएँ: अन्वेषण प्रगतिशील कुओं में स्थानांतरण प्रगतिशील (लेवी शामिल है)	286.73	1,822.62
घटाएँ: पेट्रोलियम लाभ में राज्य का हिस्सा	24,174.30	36,937.06
<b>कुल</b>	<b>6,401,003.61</b>	<b>6,820,133.99</b>
<b>ख. अन्य परिचालन राजस्व</b>		
अनुबंधित शॉर्ट लिफ्टेड गैस प्राप्तियां	513.38	336.82
पाइपलाइन परिवहन प्राप्तियां (टिप्पणी संख्या 37.7)	4,004.81	5,286.16
उत्तर-पूर्व गैस सब्सिडी (टिप्पणी संख्या 37.2)	3,897.26	4,632.03
गैस पूल खाते से अधिशेष	9.46	79.63
उत्पादन बोनस	74.86	69.69
बिजली की विक्री	706.07	709.44
प्रसंस्करण शुल्क	1,605.81	1,449.75
अन्य प्राप्तियां	18,554.82	15,594.72
<b>कुल</b>	<b>29,366.47</b>	<b>28,158.24</b>
<b>परिचालन से कुल राजस्व</b>	<b>6,430,370.08</b>	<b>6,848,292.23</b>



- 37.1 नामित ब्लॉकों से उत्पादित कच्चे तेल के संबंध में बिक्री राजस्व क्रेता रिफाइनरियों के साथ हस्ताक्षरित कच्चे तेल बिक्री समझौतों (सीओएसए) में दिए गए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले पर आधारित है। भारत सरकार (जीओआई) ने 1 अक्टूबर, 2022 से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल की बिक्री को नियंत्रणमुक्त कर दिया है। विनियमन के बाद, पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चे तेल की नीलामी समय—समय पर फरवरी 2023 तक की गई है और प्रत्येक खरीदार के साथ अलग—अलग सीओएसए किए गए हैं, जिन्हें ई—नीलामी के माध्यम से पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र से कच्चा तेल आवंटित किया गया है। पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र के लिए, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल), मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के साथ 31 मार्च, 2024 तक आपूर्ति किए जाने वाले कच्चे तेल के लिए सीओएसए को अनंतिम रूप दिया गया है और उस पर हस्ताक्षर किए गए हैं। (टिप्पणी संख्या 15.4 देखें।)
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में उत्पादित कच्चे तेल के लिए, आईओसीएल को आपूर्ति किए गए कच्चे तेल के संबंध में बिक्री राजस्व 31 मार्च, 2024 तक आईओसीएल के साथ हस्ताक्षरित सीओएसए में दिए गए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले पर आधारित है और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) द्वारा प्रदान किए गए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले पर आधारित है।
- सीपीसीएल के साथ कावेरी परिसंपत्ति के नामित ब्लॉकों से कच्चे तेल की बिक्री के लिए सीओएसए 30.09.2022 तक वैध था। आगे की अवधि के लिए सीओएसए पर बातचीत चल रही है और कच्चे तेल को सीपीसीएल को अनंतिम कीमतों पर बेचा जा रहा है।
- आईओसीएल के साथ पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्र के लिए 31.03.2024 तक आपूर्ति किए गए कच्चे तेल के लिए सीओएसए पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 31.03.2024 तक आपूर्ति किए जाने वाले कच्चे तेल के लिए एमआरपीएल और एचपीसीएल के साथ अन्य क्षेत्रों (केंजी और ईओए) के लिए सीओएसए पर हस्ताक्षर किए गए हैं और अन्य ओएमसी (आईओसीएल, बीपीसीएल और सीपीसीएल) के साथ सीओएसए पर बातचीत चल रही है।
- 37.2 प्राकृतिक गैस के संबंध में बिक्री राजस्व का अधिकांश हिस्सा घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत पर आधारित है, जिसे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी) के तहत पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण सेल (पीपीएसी) द्वारा मासिक आधार पर 'नए घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देश, 2014' के अनुसार अधिसूचित किया जाता है, जिसे एमओपी एंड एनजी अधिसूचना (संख्या सीजी—डीएल—ई—07042023—245017
- दिनांक 7 अप्रैल, 2023) के माध्यम से संशोधित किया गया है। संशोधित मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों के अनुसार, घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत (एपीएम मूल्य) भारतीय क्रूड बास्केट (आईसीबी) मूल्य का 10% है, जो एक न्यूनतम और अधिकतम सीमा के अंदरीन है। प्रारंभिक न्यूनतम और अधिकतम मूल्य क्रमशः 4 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू और 6.50 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू है। यह सीमा अगले दो वर्षों (वित्त वर्ष 2023–24 और 2024–25) के लिए बनाए रखी जाएगी और फिर प्रत्येक वर्ष 0.25 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू बढ़ाई जाएगी। कीमत घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत का 60% है और घरेलू गैस की कीमत और उपभोक्ता की कीमत के बीच का अंतर भारत सरकार के बजट के माध्यम से कंपनी को भुगतान किया जाता है और इसे 'पूर्वांतर गैस सब्सिडी' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- 37.3 कंपनी द्वारा उत्पादित एलपीजी वर्तमान में एमओपी एंड एनजी द्वारा पीएसयू तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बेची जा रही है, जो कंपनी द्वारा ओएमसी के साथ 31 मार्च, 2002 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के प्रावधान के अनुसार है, जो दो साल की अवधि के लिए या द्विपक्षीय समझौते द्वारा प्रतिस्थापित होने तक या इसके समाप्त होने तक वैध था।
- एलपीजी के अलावा अन्य मूल्य वर्धित उत्पाद विभिन्न ग्राहकों को पार्टियों के बीच दर्ज संबंधित शर्तों/समझौतों में सहमत कीमतों पर बेचे जाते हैं।
- 37.4 सहायक एचपीसीएल के संबंध में:
- 37.4.1 उत्पाद की बिक्री ₹34,386.60 मिलियन (2022–23: ₹ 32,609.20 मिलियन) की छूट के बाद शुद्ध है।
- 37.4.2 चालू वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान राज्य सरकारों से पीडीएस केरोसिन पर ₹ 403.00 मिलियन की सब्सिडी (2022–23: ₹ 850.10 मिलियन)।
- 37.4.3 घरेलू एलपीजी की बिक्री पर हुई अंडर-रिकवरी की भरपाई के लिए भारत सरकार (जीओआई) से ₹ शून्य (2022–23 ₹ 56,170 मिलियन) का एकमुश्त अनुदान प्राप्त हुआ।
- 37.4.4 पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 30.04.2020 के पत्र के माध्यम से, अन्य बातों के साथ—साथ, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को अवगत कराया था कि यदि बाजार निर्धारित मूल्य (एमडीपी) उपभोक्ता के लिए प्रभावी लागत (ईसीसी) से कम है, तो ओएमसी भविष्य में समायोजन के लिए एक अलग बफर खाते में अंतर को बनाए रखेंगे। 31 मार्च, 2024 तक, निगम के पास ₹ 987.00 मिलियन (31.03.2023: ₹ 9,897.30 मिलियन) का नकारात्मक बफर है। भारत सरकार से प्राधिकरण के अभाव में, नकारात्मक बफर की सीमा तक प्राप्त

और राजस्व को मान्यता नहीं दी गई है। 31.03.2023 तक नकारात्मक बफर शेष को चालू वर्ष के दौरान उत्पन्न सकारात्मक बफर के खिलाफ समायोजन पर 'परिचालन से राजस्व' के एक हिस्से के रूप में मान्यता दी गई है।

- 37.4.5 भारतीय लेखा मानक 115 के तहत आवश्यक राजस्व का विखंडन:

(₹ मिलियन में)

विवरण	2023-24	2022-23
निर्यात	89,518.40	50,191.80
निर्यात के अलावा	4,511,954.80	4,599,705.20
<b>कुल</b>	<b>4,601,473.20</b>	<b>4,649,897.00</b>

37.5 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, कंपनी के प्राकृतिक गैस उत्पादन की महत्वपूर्ण मात्रा दीर्घकालिक अनुबंधों के तहत बेची जाती है। कंपनी को प्राकृतिक गैस के अपने प्रमाणित भंडार के उत्पादन के माध्यम से अपने सभी बिक्री दायित्वों को पूरा करने की उम्मीद है।

37.6 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, पेट्रोलियम के लाभ में राज्य का हिस्सा कंपनी द्वारा प्राप्त उत्पादन साझाकरण अनुबंध के अनुसार सखालिन-1 परियोजना के तेल/गैस के लाभ में रूसी सरकार के हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और रूस

सरकार को हस्तांतरित किया जाता है।

37.7

पीएमएचबीएल की सहायक कंपनी के संबंध में, माल ढुलाई से आय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा निर्धारित पाइपलाइन परिवहन शुल्क के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

क)

पीएनजीआरबी ने आदेश संख्या टीओ/2021-22/02 दिनांक 31.12.2021 के तहत परिवहन के वैकल्पिक साधन यानी रेल के मुकाबले बैंचमार्किंग करके पाइपलाइन मार्ग पर समतुल्य रेल दूरी के लिए ट्रेन लोड के आधार पर 75% रेलवे टैरिफ के स्तर पर पाइपलाइन टैरिफ तय किया, जो 30 सितंबर, 2023 तक वैध है। 01.04.2023 से 30.09.2023 की अवधि के लिए माल ढुलाई आय को आदेश संख्या टीओ/2021-22/02 दिनांक 31.12.2021 के आधार पर मान्यता दी गई।

ख)

पीएनजीआरबी ने दिनांक 27.12.2023 के आदेश संख्या टीओ/2023-24/08 के माध्यम से परिवहन के वैकल्पिक साधन यानी रेल के मुकाबले बैंचमार्किंग करके पाइपलाइन मार्ग पर समतुल्य रेल दूरी के लिए ट्रेन लोड के आधार पर 75% रेलवे टैरिफ के स्तर पर पाइपलाइन टैरिफ तय किया है, जो 31 मार्च 2024 तक वैध है। 01.10.2023 से 31.03.2024 की अवधि के लिए माल ढुलाई आय को दिनांक 27.12.2023 के आदेश संख्या टीओ/2023-24/08 के आधार पर मान्यता दी गई है। हालांकि, संशोधित आदेश के अनुसार टैरिफ दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

## 38 अन्य आय

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>व्याज़:</b>		
बैंकों में जमा राशि	31,090.67	14,983.00
आयकर वापसी	449.92	20.67
ग्राहकों और अन्य विलंबित भुगतान	11,171.41	5,766.18
एफवीटीपीएल पर किया गया वर्तमान निवेश	3,687.24	3,712.93
परिशोधित लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां		
– साइट बहाली निधि जमा	14,594.68	13,670.66
– कर्मचारी ऋण	2,340.90	2,005.74
– अन्य निवेश	165.79	165.79
– अन्य	2,613.05	2,017.89
<b>कुल</b>	<b>66,113.66</b>	<b>42,342.86</b>
<b>लाभांश आयः</b>		
अन्य निवेश	18,311.65	7,027.20



व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>कुल</b>	<b>18,311.65</b>	<b>7,027.20</b>
अन्य गैर-परिचालन आय		
अतिरिक्त प्रावधान पुनर्लेखन	1,559.14	4,101.61
देयताएँ अब पुनर्लेखन की आवश्यकता नहीं है	9,665.97	3,146.04
विनिमय लाभ (शुद्ध)	-	-
अनुबंधात्मक प्राप्तियाँ	664.28	1,600.82
निवेशों की बिक्री पर लाभ	309.60	-
परिसंपत्ति की बिक्री पर लाभ	378.03	3.93
वित्तीय गारंटी दायित्व का परिशोधन	(38.10)	20.91
वित्तीय साधनों के उचित मूल्यांकन पर लाभ – परिशोधित लागत	221.82	537.29
वित्तीय साधन के उचित मूल्यांकन पर लाभ – एफवीटीपीएल	1,826.07	-
सीसीडी के प्रति वित्तीय देयता के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ	3,663.27	3,968.76
विविध प्राप्तियाँ (टिप्पणी संख्या 38.1)	19,543.95	17,991.38
<b>कुल</b>	<b>37,794.03</b>	<b>31,370.74</b>
<b>कुल अन्य आय</b>	<b>122,219.34</b>	<b>80,740.80</b>

38.1 ओवीएल की सहायक कंपनी के संबंध में, ओएनजीसी नील गंगा बीवी (ओएनजीबीवी), एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, फाल्कन ऑयल एंड गैस बीवी (एफओजीबीवी) (एक सहयोगी कंपनी जो लोअर जकुम कंसेन्शन, यूएई में भागीदारी हित रखती है) के लिए कच्चे तेल की बिक्री की व्यवस्था करने के लिए एक एजेंट के रूप में कार्य कर रही है। समूह विविध प्राप्तियों में एक ओजीबीवी की ओर से कच्चे तेल की बिक्री के संबंध में प्रदान की गई मार्केटिंग और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए एक सुविधाकर्ता के रूप में शुद्ध मार्जिन को मान्यता देता है।

### 39 व्यापार में भंडार की खरीद

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
कच्चा तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद*	2,304,695.29	2,661,200.41
<b>कुल</b>	<b>2,304,695.29</b>	<b>2,661,200.41</b>

\*सहायक कंपनी एचपीसीएल और एमआरपीएल के संबंध में

### 40 तैयार माल, व्यापार में भंडार और प्रगतिशील कार्य की सूची में परिवर्तन

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अंतिम भंडार	331,347.13	287,079.32
प्रारंभिक भंडार	287,079.32	312,082.35
विनिमय अंतर का प्रभाव	50.89	148.76
अन्य समायोजन (टिप्पणी संख्या 21.5)	(122.42)	-
<b>मालसूची में (वृद्धि)/कमी</b>	<b>(44,339.34)</b>	<b>25,151.79</b>

## 41 उत्पादन, परिवहन, विक्रय एवं वितरण व्यय

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
रॉयलटी (टिप्पणी सं. 41.5)	154,641.10	204,940.92
ओआईडीबी उपकर	139,301.45	159,294.42
प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	928.74	933.31
उत्पाद शुल्क	515,898.87	525,032.55
पोर्ट ट्रस्ट शुल्क	508.61	347.81
अन्य शुल्क	8,818.80	8,129.98
कर्मचारी व्यय	73,133.60	68,069.53
वर्कओवर संचालन	16,859.69	15,337.20
जल इंजेक्शन, विलवणीकरण और विमल्सीफिकेशन	17,907.05	15,196.86
कच्चे माल और भंडार और पुर्जों की खपत	1,733,355.54	1,876,782.37
प्रदूषण नियंत्रण	4,643.88	3,972.20
परिवहन व्यय	12,000.78	10,940.42
बीमा	6,502.22	6,387.98
बिजली और ईधन	15,040.82	9,813.66
मरम्मत और रखरखाव	55,467.84	49,107.71
किराया शुल्क आदि सहित संविदात्मक भुगतान	20,320.60	22,259.77
अन्य उत्पादन व्यय	44,671.07	45,520.88
उत्पादों का परिवहन और माल ढुलाई	110,257.49	102,983.48
अनुसंधान और विकास	6,171.64	5,424.25
सामान्य प्रशासनिक व्यय	38,262.87	39,502.40
सीएसआर व्यय	7,514.86	6,136.21
विनियम हानि (शुद्ध) (टिप्पणी सं. 42.1)	9,708.50	45,442.48
स्टैंडबाय/स्टॉपेज/संरक्षण/निपटान लागत (टिप्पणी सं. 41.2)	5,340.55	3,743.16
ओवरलिफ्ट/अंडरलिफ्ट मात्रा के कारण कमी/(वृद्धि)	(364.20)	174.61
विविध व्यय (टिप्पणी सं. 41.3)	48,570.23	37,694.51
संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की बिक्री पर हानि	1,433.57	334.27
बिक्री पर हानि निवेश	-	-
वित्तीय साधनों के उचित मूल्यांकन पर हानि	2,021.13	3,867.74
<b>कुल उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय</b>	<b>3,048,917.30</b>	<b>3,267,370.68</b>



441.1 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, कंपनी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कुल 7,890,604 किलोवाट घंटा सौर ऊर्जा उत्पन्न की है (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष में कुल 10,293,143 किलोवाट घंटा) और इसका कैप्टिव उपभोग किया जाता है। ऐसी उत्पादित बिजली का मौद्रिक मूल्य जो कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, वित्तीय विवरण में प्रकटीकरण के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त नहीं है।

41.2 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, पिछले वर्ष अप्रैल, 2021 के दौरान, एरिया-1, मोजास्थिक के ऑपरेटर ने सुरक्षा स्थिति के कारण परियोजना में अप्रत्याशित घटना (एफएम) की घोषणा की सूचना दी थी। जारी एफएम स्थिति को देखते हुए, ठहराव, स्टैंडबाय, निपटान और संरक्षण लागत की प्रकृति में व्यय किए गए हैं। समूह ने मूल्यांकन किया है कि ₹ 5,340.55 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3,743.16 मिलियन) की ये लागतें

सीधे अंतर्निहित परिसंपत्तियों के पूरा होने के कारण नहीं हैं और इसलिए इन्हें लाभ और हानि के विवरण में चार्ज किया गया है। इसके अलावा, अप्रत्याशित घटना को ध्यान में रखते हुए, उधार लागत का पूंजीकरण अप्रैल, 2021 से निलंबित कर दिया गया है और ₹ 11,770.80 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 7,669.69 मिलियन) की उक्त उधार लागत को लाभ और हानि के विवरण में चार्ज किया गया है।

41.3 सहायक एचपीसीएल के संबंध में, विविध खर्चों में एलपीजी की खपत को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार की एक पहल पीएमयूवाई-2 योजना के कार्यान्वयन के लिए किए गए ₹ 2,525.90 मिलियन (2022–23: ₹ 3,022.80 मिलियन) शामिल हैं, जिसका लक्ष्य तेल विपणन कंपनियों द्वारा मुफ्त एलपीजी कनेक्शन जारी करना है।

#### 41.4 प्रकृतिवार व्यय का विवरण

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>कर्मचारी लाभ व्यय</b>		
(क) वेतन, मजदूरी, अनुग्रह राशि आदि।	114,369.59	114,879.39
(ख) भविष्य निधि और अन्य निधियों में अंशदान	13,944.44	14,614.82
(ग) ग्रेव्युटी का प्रावधान	3,784.52	(590.60)
(घ) छुट्टी का प्रावधान (प्रतिपूरक अनुपस्थिति सहित)	5,022.12	3,783.70
(ङ) सेवानिवृत्ति पश्चात विकित्सा और सेवांत लाभ	4,618.95	5,105.27
(च) कर्मचारी कल्याण व्यय	11,070.96	11,195.33
<b>अनुयोग:</b>	<b>152,810.58</b>	<b>148,987.91</b>
कच्चे माल, भंडार और पुर्जों की खपत	1,803,282.00	1,939,715.95
रॉयलटी (टिप्पणी संख्या 41.5)	154,641.10	204,940.92
ओआईडीबी उपकर	139,301.45	159,294.42
राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क	928.74	933.31
उत्पाद शुल्क	515,898.87	525,032.55
पोर्ट ट्रस्ट शुल्क	508.61	347.81
अन्य लेवी	8,818.80	188.81
किराया	7,630.19	7,737.27
दरें और कर	4,153.63	11,094.81
उपकरणों और वाहनों का किराया शुल्क	58,267.19	44,520.98
बिजली, ईंधन और पानी का शुल्क	30,183.22	21,744.42
अनुबंधित वेधन, लॉगिंग, वर्कओवर आदि	87,179.48	98,592.83
<b>अनुबंधित सुरक्षा</b>	<b>10,601.07</b>	<b>13,271.20</b>

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
संविदात्मक परिवहन	91,613.35	85,745.38
भवन की मरम्मत	2,212.96	2,257.33
संयंत्र और उपकरणों की मरम्मत	46,580.60	35,800.05
अन्य मरम्मत	10,015.43	8,711.85
ओवरलिफ्ट / अंडरलिफ्ट मात्रा के कारण कमी / (वृद्धि)	(364.20)	174.61
स्टैंडबायटॉपेजधर्सरक्षणानिपटान लागत	5,340.55	3,743.16
बीमा	7,952.72	7,861.90
प्रमण / यात्रा पर व्यय	8,071.43	6,923.23
सीएसआर व्यय	7,514.86	6,136.21
विनिमय हानि (शुद्ध) (टिप्पणी संख्या 42.1)	9,708.50	45,442.48
अन्य परिचालन व्यय	25,518.72	33,301.50
विविध व्यय	55,442.69	39,255.89
<b>घटाएँ:</b>	<b>3,243,812.54</b>	<b>3,451,756.78</b>
अन्वेषण, विकास वेधन, पूँजीगत कार्य, वसूली योग्य आदि के लिए आवंटित	194,895.24	184,386.10
<b>उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय</b>	<b>3,048,917.30</b>	<b>3,267,370.68</b>

\* सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, अन्य परिचालन व्यय में परियोजना(ओ) के विदेश में संयुक्त रूप से नियंत्रित परिचालन के संबंध में कंपनी के व्यय का हिस्सा शामिल है, जिसका लेखा ऑपरेटरों से प्राप्त संयुक्त ब्याज बिलिंग विवरणों के आधार पर किया गया है, जिसके लिए प्रक्रियावर विवरण उपलब्ध नहीं हैं।

41.5. डीजीएच ने दिनांक 04.01.2022 के अपने पत्र के माध्यम से बचाई गई और बेची गई संपूर्ण प्राकृतिक गैस पर रॉयल्टी का भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश दिया है, अर्थात् उस प्राकृतिक गैस को छोड़कर जो अपरिहार्य रूप से खो जाती है या जलाशय में वापस आ जाती है या जिसका उपयोग ड्रिलिंग या पेट्रोलियम, या प्राकृतिक गैस, या दोनों के उत्पादन से संबंधित अन्य कार्यों के लिए तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1948 (ओआरडी अधिनियम) की धारा 6ए(3) के अनुसार किया जाता है। प्रबंधन के आकलन के अनुसार, सभी गैस प्लेयर प्रकृति में अपरिहार्य हैं और ओआरडी अधिनियम के उपरोक्त प्रावधान के अनुसार रॉयल्टी के भुगतान से छूट दी गई है। तदनुसार, गैस प्लेयर पर कोई रॉयल्टी का भुगतान नहीं किया गया है।<sup>14</sup>

42 वित्त लागत

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>ब्याजः</b>		
– बैंकों/वित्तीय कंपनियों से उधार	49,615.10	33,745.34
– डिबैंचर/बॉन्ड	23,165.10	23,792.59
– नकद ऋण	15.31	734.83
– वाणिज्यिक पत्र	0.44	3,105.14
विदेशी मुद्रा ऋण पर उधार लागत—विनिमय अंतर (टिप्पणी संख्या 42.1)	692.27	5,150.16
योग्य परिसंपत्तियों की लागत में शामिल राशियाँ	(15,982.12)	(17,461.64)
<b>इन पर छूट समाप्त करना:</b>		
– डीकमीशनिंग प्रावधान	23,767.38	20,043.43



व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
- अनिवार्य परिवर्तनीय डिबैंचर के लिए देयता	4,289.39	3,292.88
- पट्टा देयताएं	14,543.14	5,293.61
- वित्तीय देयताएं	496.46	387.13
व्युत्पन्न अनुबंधों के उचित मूल्य पर शुद्ध हानि/(लाभ) अनिवार्य रूप से लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है (टिप्पणी संख्या 42.3)	812.74	417.15
अन्य	526.52	392.94
<b>कुल</b>	<b>101,941.73</b>	<b>78,893.56</b>

42.1 भारतीय लेखा मानक 23 'उधार लागत' के पैरा 6 और 6क के अनुसार, विदेशी मुद्रा उधार से उत्पन्न विनिमय अंतर अर्थात् कार्यात्मक मुद्रा में उधार की लागत () की तुलना में विदेशी मुद्रा में उधार की लागत के बीच के अंतर को विदेशी मुद्रा हानि के समायोजन के रूप में वित्त लागत के रूप में माना जाता है।

42.2 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, वर्ष के दौरान किसी भी उधार लागत को पूँजीकृत नहीं किया गया है।

42.3 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त डेरिवेटिव अनुबंधों के उचित मूल्य पर शुद्ध हानि/(लाभ) अंतर्निहित मुद्राओं की विनिमय दरों और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप डेरिवेटिव अनुबंधों के मार्क टू मार्केट मूल्यांकन के कारण ये डेरिवेटिव अनुबंध पूरी तरह से कंपनी के दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा उधार के लिए लिए गए हैं। तदनुसार, वित्तीय विवरणों के पाठकों को वित्तपोषण लागत

पर डेरिवेटिव अनुबंधों के ऑफसेटिंग प्रभाव की सराहना करने में सक्षम बनाने के लिए इसे एक अलग लाइन आइटम के रूप में वित्त लागत के तहत वर्गीकृत करना उचित समझा गया है।

42.4 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, सामान्य उधार के पूँजीकरण के लिए उपयोग की जाने वाली उधार दर की भारित औसत लागत 6.74% (2022–23: 6.17%) है।

42.5 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, अन्य में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 234ख/234ग के तहत 58.50 मिलियन रुपये (2022–23: ₹45.80 मिलियन) की राशि का ब्याज शामिल है।

42.6 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, अन्य में आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए 75.53 मिलियन रुपये की राशि का ब्याज शामिल है (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 154.60 मिलियन)।

### 43 मूल्यहास, विशेषण, परिशोधन और टूट-फूट से हानि

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
तेल और गैस परिसंपत्तियों का हास	172,397.17	162,787.90
अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों का मूल्यहास	88,675.66	73,951.51
उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का मूल्यहास	74,501.61	56,678.43
घटाएँ: अन्वेषणात्मक वेधन के लिए आवंटित	(12,754.26)	(9,582.96)
घटाएँ: विकास वेधन के लिए आवंटित	(25,568.94)	(25,938.95)
घटाएँ: अन्य को आवंटित	(591.81)	(384.37)
<b>कुल मूल्यहास</b>	<b>124,262.26</b>	<b>94,723.66</b>
अमूर्त परिसंपत्तियों का परिशोधन	1,738.60	1,365.31

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
टूट-फूट से हानि (टिप्पणी संख्या 57)		
वर्ष के दौरान प्रदान किया गया	4,045.39	14,255.93
कम: वर्ष के दौरान वापसी	14,815.97	27,318.28
कुल	(10,770.58)	(13,062.35)
कुल मूल्यव्यास, कमी, परिशोधन और टूट-फूट से	287,627.45	245,814.52

## 44 अन्य टूट-फूट से हानि और अपलेखन

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
टूट-फूट से हानि के लिए:		
संदिग्ध ऋण	1,161.01	2,566.76
संदिग्ध दावे/अग्रिम	2,010.39	4,006.72
गैर-अचल माल सूची	923.16	401.16
विवादित कर (टिप्पणी संख्या 32.8)	25,460.69	28,723.32
अन्य	344.51	12.85
	<b>29,899.76</b>	<b>35,710.81</b>
अपलेखन		
अन्य पीपीई का निपटान/निंदा	1,478.08	885.71
मालसूची	73.87	259.14
प्राप्तियाँ	2,965.44	190.59
दावे/अग्रिम	195.15	411.40
अन्य	24.28	3.81
	<b>4,736.82</b>	<b>1,750.65</b>
कुल अन्य हानि और अपलेखन	<b>34,636.58</b>	<b>37,461.46</b>

44.1 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, वर्ष के दौरान, सूडान सरकार के संबंध में व्यापार प्राप्तियों का आजीवन अपेक्षित ऋण हानि पद्धति के लिए मूल्यांकन किया गया है और ₹ 498.02 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 75.62 मिलियन) की हानि प्रावधान किया गया है। (टिप्पणी संख्या 15.6 देखें)

44.2 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, चूंकि भविष्य में कोई आर्थिक लाभ प्राप्त होने की उम्मीद नहीं थी, इसलिए चालू वित्त वर्ष के दौरान कुछ चालू परियोजनाओं के स्थायी निलंबन के कारण ₹ 27.47 मिलियन की राशि अपलेखन की गई है। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष के दौरान कोकर हैवी गैस ऑयल हाइड्रो ट्रीटिंग यूनिट (सीएचटीयू) और 2जी इथेनॉल परियोजना से संबंधित चल रही गतिविधियों के लिए ₹ 301.32 मिलियन और ₹ 100.60 मिलियन खर्च किए गए थे।



## 45 असाधारण मर्दें

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
विवादित करों के लिए प्रावधान (टिप्पणी संख्या 32.8)	-	(92,351.14)
टूट-फूट से हानि (प्रभार) / उलटाव	(17,251.55)	10,946.72
विदेशी परिचालनों के निपटान पर विनिमय (लाभ) / हानि का पुनर्वर्गीकरण	3.41	-
मध्यस्थता के तहत मामलों का निपटान	(542.87)	-
अतिरिक्त देयता पुनर्लेखन	459.97	
सहायक कंपनी में नियंत्रण हानि पर शुद्ध लाभ	966.73	25.00
<b>कुल</b>	<b>(16,364.31)</b>	<b>(81,379.42)</b>

### 45.1 टूट-फूट से हानि का विवरण प्रभारित / (वापसी):

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
तेल और गैस परिसंपत्तियाँ	(257.96)	3,362.81
सद्भावना	562.40	-
अधिग्रहण लागत	16,949.96	(25,488.41)
संयुक्त उद्यम / सहयोगियों में निवेश	(2.85)	11,178.88
<b>कुल</b>	<b>17,251.55</b>	<b>(10,946.72)</b>

### 45.2 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

45.2.1 निगमित मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अनुमोदित समामेलन की योजना के अनुसार पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएनजीसी मंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल) के कंपनी के साथ समामेलन के संबंध में, 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए स्टाप्प शुल्क के भुगतान के लिए ₹ 300 मिलियन की राशि प्रदान की गई थी और पिछले वर्ष के दौरान उक्त राशि में से ₹ 275 मिलियन की राशि का भुगतान किया गया है और शेष ₹ 25 मिलियन वापस कर दिए गए थे क्योंकि अब उन्हें भुगतान करने की आवश्यकता नहीं थी।

45.2.2 चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, कुछ मध्यस्थता मामलों का निपटान किया गया है जो पिछले वर्षों से संबंधित थे।

45.2.3 कर्नाटक विद्युत नियामक आयोग के मानदंडों के अनुपालन में, कंपनी ने अक्षय खरीद दायित्व (आरपीओ) की अनुपालन आवश्यकता को पूरा करने के लिए अक्षय ऊर्जा प्रमाण-पत्र (आरईसी) की खरीद के लिए प्रावधान किया था और तदनुसार, 31 मार्च, 2023 तक पुस्तकों में ₹ 1,211.70 मिलियन की राशि के प्रावधान को मान्यता दी गई थी।

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, आरईसी की कीमत में काफी कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप उक्त खरीद दायित्व से संबंधित पुस्तकों में समाप्त प्रावधान ₹ 459.97 मिलियन हो गया है। इसके अलावा, इसी तरह के मामले में अन्य अनुकूल निर्णयों के साथ-साथ कानूनी राय पर विचार करते हुए, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने खातों की किताबों में प्रावधान करने की आवश्यकता का फिर से आकलन किया और निष्कर्ष निकाला कि प्रावधान को अब किताबों में रखने की आवश्यकता नहीं है फिर भी, इसने अपने स्वयं के सौर छत से उत्पादित बिजली, रिफाइनरी

ईंधन गैस का उपयोग करके कैपिटिव प्लांट गैस टर्बाइन, ओपन एक्सेस से हरित ऊर्जा खरीद और हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर के आधार पर आरपीओ आवश्यकताओं को पूरा किया है। इस

तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि कंपनी के लिए संसाधन का बहिर्प्रवाह भी दूरस्थ है, कोई आकस्मिक देयता का खुलासा नहीं किया गया है।

## 46 कर व्यय

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्तमान कर के संबंध में:		
वर्तमान वर्ष	152,301.88	146,209.30
पिछले वर्ष	(3,917.23)	(28,914.32)
कुल	<b>148,384.65</b>	<b>117,294.98</b>
आस्थगित कर	49,207.57	(10,299.31)
कुल	<b>49,207.57</b>	<b>(10,299.31)</b>
मान्यता प्राप्त कुल कर व्यय	<b>197,592.22</b>	<b>106,995.67</b>

46.1 वर्ष के लिए आयकर व्यय को लेखांकन लाभ के साथ निम्नानुसार शामिल किया जा सकता है:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
कर पूर्व लाभ	<b>768,600.65</b>	<b>447,460.28</b>
आयकर व्यय की गणना 25.168% (2022–23: 25.168%) पर की गई	193,441.41	112,616.80
कर प्रभाव के लिए समायोजन:		
लाभांश	4,142.55	4,698.32
धारा 80एम के तहत कटौती	(8,633.41)	(6,293.64)
कर से छूट प्राप्त आय	(286.31)	1,417.72
कर योग्य लाभ निर्धारित करने में विचार न किए जाने वाले असाधारण (आय) / व्यय	3,981.48	(2,823.11)
पूर्व अवधि के वर्तमान कर के कारण अस्थायी अंतर का संगत प्रभाव	(633.40)	707.98
सीएसआर व्यय पर वर्तमान कर	1,636.76	1,136.94
आयकर में अनुमत व्यय नहीं	594.88	643.38
विदेशी क्षेत्राधिकार के लिए अतिरिक्त कर	3,581.95	1,805.77



व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
समूह लाभ में सेट-ऑफ के लिए सहायक कंपनी की हानि	213.40	702.90
सहयोगी से लाभ	(4,169.49)	(6,107.30)
संयुक्त उद्यम से लाभ	4,330.63	4,702.04
अप्राप्त लाभ पर आस्थगित कर	287.04	(780.57)
अन्य अंतर समूह उन्मूलन	31.01	27.63
विनिमय दर में परिवर्तन के कारण रूपया कर आधार	144.64	902.78
समय अंतर	2.03	-
सही समायोजन के कारण आस्थगित कर शेष में परिवर्तन	(124.84)	1,134.48
विभिन्न कर दरें	3,944.68	6,238.16
अनुयोग	<b>202,485.01</b>	<b>120,730.28</b>
अन्य	(975.56)	15,179.71
	<b>201,509.45</b>	<b>135,909.99</b>
पिछले वर्षों के वर्तमान कर के संबंध में वर्तमान वर्ष में मान्यता प्राप्त समायोजन	(3,917.23)	(28,914.32)
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त आयकर व्यय (निरंतर परिचालन से संबंधित)	<b>197,592.22</b>	<b>106,995.67</b>

अन्य व्यापक आय में आयकर को मान्यता दी गई

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
आस्थगित कर		
क) वे मदें जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जा सकता है विदेशी परिचालनों के वित्तीय विवरणों के अनुवाद में विनिमय मतभेद	5,447.24	(19,902.04)
नकदी प्रवाह हेजिंग में हेजिंग उपकरणों पर लाभ (हानि) का प्रभावी हिस्सा	(7.35)	(10.10)
ख) वे मदें जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा परिभाषित लाभ दायित्व का पुनर्मूल्यांकन	1,465.73	730.82
एफवीटीओसीआई में इकिवटी शेयरों में निवेश पर शुद्ध उचित मूल्य लाभ	(18,831.06)	(2,483.16)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल आयकर	<b>(11,925.44)</b>	<b>(21,664.48)</b>
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त आयकर का विभाजन:		
वे मदे जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा	<b>(17,365.33)</b>	<b>(1,752.34)</b>
वे मदे जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जा सकता है	<b>5,439.89</b>	<b>(19,912.14)</b>

46.2 सहायक कंपनी ओवीएल और एमआरपीएल ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115बीएए के प्रावधानों के तहत कुछ शर्तों के अधीन, 30% लागू अधिभार और उपकर की पूर्व दर के मुकाबले 22% लागू अधिभार और उपकर (निम्न दर) की दर से निगमित आयकर का भुगतान करने के विकल्प का प्रयोग नहीं किया है और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय पर करों को पूर्व प्रावधानों के अनुसार मान्यता देना जारी रखा है।

46.3 वर्ष के दौरान, कंपनी ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80एम के अनुसार, वर्ष के दौरान लाभांश आय पर कटौती का लाभ माना है, जिसका कर प्रभाव वर्तमान कर व्यय पर ₹8,633.41 मिलियन (पिछले वर्ष ₹6,293.64 मिलियन) है।

#### 46.4 सहायक एचपीसीएल के संबंध में:

पिछले वर्षों के कर के लिए कम या (अतिरिक्त) प्रावधान: 31.03.2024 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹2,653.60 मिलियन [2022–23: ₹461.10] मिलियन, के लिए अतिरिक्त प्रावधान को वापिस किया गया, जिसमें आयकर आदेशों के कारण अद्यतन कर स्थिति के संबंध में (₹2,669.30) मिलियन के वर्तमान कर के लिए प्रावधान और व्याज का उलटना [2022–23: ₹132.60 मिलियन का अतिरिक्त प्रावधान, और ₹ 15.70 मिलियन के आस्थगित कर के लिए अतिरिक्त प्रावधान [2022–23: ₹593.70] मिलियन के प्रावधान का उलटना, शामिल है।

#### 46.5 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में:

46.5.1 वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, 195.25 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष ₹ शून्य) की राशि के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को पिछले वर्षों की ₹ 168.78 मिलियन की राशि के आगे लाए गए दीर्घकालिक पूंजीगत घाटे और वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान उत्पन्न ₹ 26.47 मिलियन की राशि के दीर्घकालिक पूंजीगत घाटे के विरुद्ध सेट-ऑफ किया गया है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, अपरिचित कर घाटे के सेटऑफ से उत्पन्न शुद्ध कर लाभ ने वर्तमान कर व्यय को ₹ 45.49 मिलियन (अधिभार और शिक्षा उपकर सहित 23.296% पर गणना) कम कर दिया है।

46.5.2 कंपनी ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80एम के अनुसार वर्ष के दौरान लाभांश आय पर कटौती के लाभ पर विचार किया है, जिसका कर प्रभाव 260.38 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष ₹1,677.31 मिलियन) है।

46.5.3 सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश रेवुमा लिमिटेड के संबंध में, 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने आयकर अधिनियम की धारा 115बीएए के अनुसार आकलन वर्ष 2023–24 (प्रासंगिक वित्त वर्ष 2022–23) से मौजूदा कर व्यवस्था से नई कर व्यवस्था में स्थानांतरित होने का विकल्प चुनकर प्रभावी कर दर को 34.944% से 25.168% तक बदल दिया था। तदनुसार, कंपनी ने, ऐसी संशोधित कर दर के आधार पर, 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आस्थगित कर देयताओं और शुल्क के उलट होने का हिसाब लाभ और हानि के विवरण में ₹ 7,654.51 मिलियन रखा था।

## 47 प्रति इकिवटी शेयर आय

(जब तक अन्यथा न कहा जाए, सभी राशियाँ मिलियन रुपये में हैं)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
इकिवटी शेयरधारकों को देय वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ	492,213.78	367,093.34
इकिवटी शेयरों की भारित औसत संख्या (संख्या मिलियन में )	12,580.28	12,580.28
प्रति इकिवटी शेयर मूल और तनुकृत आय (₹)	39.13	29.18
अंकित मूल्य प्रति इकिवटी शेयर (₹)	5.00	5.00



## 48 पट्टे

पिछले वर्ष के दौरान भारतीय लेखा मानक 116 'पट्टे' के अंतर्गत परिवर्तन के भाग के रूप में, समूह ने भारतीय लेखा मानक 116 की मान्यता आवश्यकताओं को अल्पावधि पट्टों पर लागू न करने का व्यावहारिक लाभ उठाया था और पट्टों से संबंधित परिसंपत्तियों और देयताओं की मान्यता के लिए भौतिकता सीमा भी लागू की थी।

- 48.1 भारतीय लेखा मानक 116 'पट्टे' से संबंधित विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत दर्ज व्यय और भविष्य के नकदी बहिर्वाह के लिए कंपनी का जोखिम निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

व्यय मद	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों पर मूल्यांकन व्यय	74,501.61	56,678.43
लीज देयता पर ब्याज व्यय	17,068.62	6,641.93
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय	30,667.12	20,823.20
कम मूल्य वाली परिसंपत्तियों के पट्टों से संबंधित व्यय	3,717.32	3,504.41
लीज देयताओं के मापन में शामिल नहीं किए गए परिवर्तनीय लीज भुगतानों से संबंधित व्यय	71,207.51	66,243.13

- 48.2 पट्टा भुगतान के लिए अनुमानित भविष्य के बिना छूट वाले नकदी प्रवाह:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वर्ष के अंत से देय भावी लीज भुगतान		
एक वर्ष तक	95,800.82	49,629.49
एक से तीन वर्ष के बीच	137,457.10	40,380.77
तीन से पाँच वर्ष के बीच	58,839.12	13,356.26
पाँच वर्ष से अधिक	129,063.07	77,473.53
<b>कुल</b>	<b>421,160.11</b>	<b>180,840.05</b>
घटाएँ: छूट का प्रभाव	87,124.32	50,231.64
<b>शुद्ध लीज देयता</b>	<b>334,035.79</b>	<b>130,608.41</b>
जोड़ें: सतत लीज देयता	787.74	787.74
घटाएँ: अंतर—समूह उन्मूलन	572.26	703.55
<b>कुल लीज देयताएँ</b>	<b>334,251.27</b>	<b>130,692.60</b>

## 49 कर्मचारी लाभ योजनाएँ

कंपनी और सहायक कंपनी ओवीएल के मामले में:

कंपनी की सभी कर्मचारी लाभ योजनाएं समूह प्रशासन योजनाओं (एकल नियोक्ता योजना) के रूप में चलाई जाती हैं, जिसमें ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) 100% सहायक कंपनी के लिए कंपनी के कर्मचारी, साथ ही ओवीएल द्वारा सीधे नियुक्त कर्मचारी शामिल हैं।

### 49.1 परिभाषित योगदान योजनाएँ:

#### 49.1.1 भविष्य निधि

सहायक कंपनी, एमआरपीएल के मामले में:

कर्मचारी लाभ:

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, निगमित मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अपने आदेश संख्या 24/3/2021-सीएल-III दिनांक 14 अप्रैल, 2022 के माध्यम से अनुमोदित समामेलन की योजना ('योजना') के अनुसार, पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएनजीसी मैगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल) का कंपनी के साथ मानव संसाधन (मा.स.) एकीकरण 1 मई, 2022 (योजना की प्रभावी तिथि) से किया गया था। परिणामस्वरूप, पिछले वित्तीय वर्ष से, एक्युरियल मूल्यांकन सहित कर्मचारी लाभ व्यय को एकीकृत आधार पर वित्तीय निहितार्थ को ध्यान में रखते हुए लेखा पुस्तकों में दर्ज किया जाता है।

#### भविष्य निधि:

क) वर्ष के दौरान, कंपनी ने लाभ और हानि विवरण में नियोक्ता के भविष्य निधि में योगदान को नीचे दिए अनुसार मान्यता दी है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त राशि		प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों के लिए अंशदान	
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष
भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान	381.58	353.46	1.44	1.58

पिछले वित्तीय वर्ष (1 जनवरी, 2023 से) से, कंपनी द्वारा भविष्य निधि में योगदान को "परिभाषित योगदान योजना" के अंतर्गत मान्यता दी गई थी।

#### भविष्य निधि (ट्रस्ट) की वर्तमान स्थिति:

- क) एमआरपीएल के भविष्य निधि के न्यासी बोर्ड और कंपनी के अनुरोध के आधार पर, ईपीएफओ ने 12 दिसंबर, 2022 को आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि प्रतिष्ठान को दी गई छूट 31 दिसंबर, 2022 से वापस ले ली गई है और कंपनी को जनवरी 2023 से गैर-छूट प्राप्त प्रतिष्ठान के रूप में अनुपालन की रिपोर्ट करनी है। तदनुसार, जनवरी, 2023 से, कंपनी ने लागू प्रशासनिक शुल्क के साथ ईपीएफओ को भविष्य निधि में योगदान भेजना शुरू कर दिया है।
- ख) कंपनी ने अपने सभी सदस्यों की शेष राशि और सरकारी प्रतिभूतियों में रखे गए संबंधित निवेश के साथ-साथ पीएफ ट्रस्ट के पास उपलब्ध अन्य निधियों (अन्य प्रतिभूतियों में निवेश की बिक्री से प्राप्त निधियों सहित) को ईपीएफओ को हस्तांतरित

कर दिया है। चूंकि ईपीएफओ को हस्तांतरित की गई राशि, प्रतिभूतियों/उपकरणों के अंकित मूल्य के साथ, 31 दिसंबर, 2022 तक सदस्यों के शेष राशि, जिसमें उस पर अर्जित व्याज भी शामिल है, से अधिक है, इसलिए चालू वित्त वर्ष (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष शून्य) के दौरान कोई अतिरिक्त प्रावधान आवश्यक नहीं है। कंपनी छूट रद्द करने की औपचारिक अधिसूचना और कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के पैरा 28(5) के तहत राजपत्र अधिसूचना की प्रतीक्षा कर रही है।

#### सहायक कंपनी, पीएमएचबीएल के मामले में:

कंपनी योग्य कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि में अंशदान करती है, जो परिभाषित अंशदान योजनाएँ हैं।



योजनाओं के तहत, कंपनी को लाभों को निधि देने के लिए चेरोल लागत का एक निर्दिष्ट प्रतिशत अंशदान करना आवश्यक है। कंपनी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान कर्मचारी लाभ व्यय शीर्षक के तहत लाभ और हानि विवरण में भविष्य निधि अंशदान के लिए ₹ 5.42 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष ₹ 3.75 मिलियन) को मान्यता दी। कंपनी द्वारा इन योजनाओं में देय अंशदान योजनाओं के नियमों में निर्दिष्ट दरों पर हैं।

#### 49.1.2 सेवानिवृत्ति के बाद लाभ योजना कंपनी के मामले में:

कंपनी की अपने कर्मचारियों के लिए परिभाषित अंशदान पेंशन योजना एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से संचालित की जाती है। कंपनी का दायित्व ट्रस्ट में मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30% से अधिक राशि का अंशदान करना है, जो कि भविष्य निधि, ग्रेचुटी, सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए नियोक्ता के अंशदान से कम हो।

ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर इस संबंध में जारी किए जाने वाले किसी भी लागू दिशा-निर्देश या निर्देशों के अनुसार कार्य करता है। न्यासी बोर्ड की निम्नलिखित जिम्मेदारियाँ हैं:

#### सहायक एमआरपीएल के मामले में:

#### अधिवर्षिता निधि:

(i) इस संबंध में सरकार द्वारा अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय-समय पर निधि की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

(ii) अंशदान की दर और उस पर ब्याज का निर्धारण।

(iii) सदस्यों के लिए वार्षिकी की खरीद।

#### सहायक एचपीसीएल के मामले में:

#### अधिवर्षिता निधि:

निगम के पास 'अधिवर्षिता लाभ निधि योजना (एसबीएफएस) ट्रस्ट' द्वारा संचालित अधिवर्षिता-परिभाषित अंशदान योजना (डीसीएस) है, जिसमें नियोक्ता विभिन्न अधिवर्षिता लाभों के लिए निर्धारित 30% में से 'मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए)' के एक निश्चित प्रतिशत का मासिक अंशदान करता है। यह सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार है। ये अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) या वैकल्पिक राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) खाते में रखे गए व्यक्तिगत कर्मचारी खाते में जमा किए जाते हैं। वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए, निगम ने लाभ और हानि के विवरण में इसे चार्ज करके सुपरएन्युएशन – डीसीएस/एनपीएस में 904.40 मिलियन रुपये (2022–23: ₹846.50 मिलियन) सहित, के लिए ₹1,905.70 मिलियन (2022–23: ₹ 2,079.10 मिलियन) का समग्र अंशदान दिया है।

वर्ष के दौरान, कंपनी ने लाभ और हानि विवरण में सुपरएन्युएशन फंड में नियोक्ता के योगदान को निम्नानुसार मान्यता दी है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त राशि		प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों के लिए अंशदान	
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष
सेवानिवृत्ति निधि में नियोक्ता का अंशदान	420.10	383.80	1.55	1.71

सेवानिवृत्ति निधि "एमआरपीएल परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (एमडीसीपीएस)" का प्रबंधन ट्रस्टियों द्वारा किया जाता है, जिसमें कर्मचारियों के विकल्प के अनुसार योगदान को भारतीय जीवन बीमा निगम और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) में निवेश किया जाता है।

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएमपीएल (एरोमैटिक्स कॉम्प्लेक्स) के कंपनी के साथ एचआर एकीकरण के अनुसरण में, एरोमैटिक्स कॉम्प्लेक्स सहित नियोक्ता के अंशदान का भुगतान एचआर एकीकरण की प्रभावी तिथि अर्थात् 1 मई, 2022 से सेवानिवृत्ति में किया गया है।

### 49.1.3 राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

कंपनी के मामले में:

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान अपने कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति लाभ योजना की समग्र सीमा के भीतर एनपीएस शुरू किया था। कर्मचारी के पास पीआरबीएस और एनपीएस में किए जाने वाले योगदान को निर्धारित करने का विकल्प होता है।

कंपनी का दायित्व कर्मचारी के विकल्प पर एनपीएस में योगदान करना है, जो कि मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30: से अधिक नहीं होना चाहिए, जैसा कि नियोक्ता द्वारा भविष्य निधि, ग्रेचुटी, सेवानिवृत्ति पश्चात के चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए योगदान से कम किया जाता है। एक कर्मचारी एनपीएस के लिए नियोक्ता के योगदान के रूप में अपने मूल वेतन और डीए के अधिकतम 10: तक का विकल्प चुन सकता है। एनपीएस के अन्य सभी मानक प्रावधान इस योजना पर लागू होते हैं।

**सहायक कंपनी, पीएमएचबीएल के मामले में:**

कंपनी ने सेवानिवृत्ति लाभ योजना की समग्र सीमा के भीतर 01 जनवरी, 2023 से अपने कर्मचारियों के लिए एनपीएस शुरू किया था। कंपनी का दायित्व एनपीएस में योगदान करना है, जो कि मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30% से अधिक नहीं होना चाहिए, जैसा कि नियोक्ता द्वारा भविष्य निधि और ग्रेचुटी के लिए योगदान से कम किया जाता है। कंपनी ने एनपीएल योजना के लिए 31 मार्च, 2024 को ₹ 5.97 मिलियन और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान वैकल्पिक राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत ₹ 2.81 मिलियन का योगदान किया है।

### 49.1.4 कर्मचारी पेंशन योजना 1995

कंपनी के मामले में:

कर्मचारी पेंशन योजना—1995 का संचालन भारतीय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा किया जाता है, जिसमें कंपनी को भविष्य निधि में नियोक्ता के योगदान में से वेतन का 8.33% (प्रति माह अधिकतम ₹ 15,000 के अधीन) योगदान करना होता है।

**सहायक एचपीसीएल के मामले में:**

वर्ष के दौरान, निगम ने लाभ और हानि विवरण में कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस—95) में योगदान के रूप में ₹ 79.20 मिलियन (2022–23: ₹ 81.90 मिलियन) को मान्यता दी है।

### 49.1.5 समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)

कंपनी के मामले में:

कंपनी द्वारा अपने नियमित कर्मचारियों के कल्याण के लिए समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना तैयार की जाती है और इसे समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना ट्रस्ट नामक एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से संचालित किया जाता है। कंपनी का दायित्व कंपनी के नियमित कर्मचारियों के योगदान की सीमा तक ट्रस्ट को मिलान योगदान प्रदान करना है। ट्रस्ट सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु या स्थायी पूर्ण विकलांगता की स्थिति में एक सुनिश्चित एकमुश्त सहायता राशि प्रदान करता है। मृत्यु/स्थायी पूर्ण विकलांगता के अलावा अन्य अलगाव के मामले में, कर्मचारियों का अपना योगदान ब्याज सहित वापस कर दिया जाता है।

ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड ट्रस्ट डीड, नियम, योजना और लागू दिशा-निर्देशों या निर्देशों के अनुसार कार्य करता है जो समय-समय पर प्रबंधन द्वारा जारी किए जा सकते हैं।

न्यासी बोर्ड की निम्नलिखित जिम्मेदारियाँ हैं:

(i) इस संबंध में सरकार द्वारा अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय-समय पर निधि की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

(ii) सदस्यों के खातों में जमा की जाने वाली ब्याज दर का निर्धारण।

(iii) किसी कर्मचारी की मृत्यु या स्थायी पूर्ण विकलांगता के कारण सेवा समाप्ति की स्थिति में नामांकित व्यक्तियों को नकद लाभ प्रदान करना तथा मृत्यु के अलावा अन्य किसी कारण से अलग होने की स्थिति में ब्याज सहित स्वयं के अंशदान की वापसी करना।

वर्ष के दौरान, ओएनजीसी ने नियमित कर्मचारी की डचूटी के दौरान दुर्घटना के कारण मृत्यु/स्थायी विकलांगता के मामलों में मौजूदा वित्तीय सहायता के अतिरिक्त वृद्धिशील वित्तीय सहायता के रूप में सीएसएसएस ट्रस्ट को शून्य रूपये (पिछले वर्ष ₹991.91 मिलियन) का अतिरिक्त अंशदान किया था।



49.1.6 परिभाषित अंशदान योजना के लिए समेकित वित्तीय विवरणों में आवंटन से पहले मान्यता प्राप्त राशियाँ निम्नलिखित हैं

(₹ मिलियन में)

परिभाषित अंशदान योजनाएँ	वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त राशि		प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों के लिए अंशदान	
	2023-24	2022-23	2023-24	2022-23
भविष्य निधि	4,974.08	4,874.12	6.77	6.51
सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ योजना	5,448.45	5,808.55	5.99	6.58
कर्मचारी पेंशन योजना—1995 (ईपीएस)	301.44	328.74	0.12	0.13
समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)	597.13	1,597.47	0.36	0.36
राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)	2,667.28	2,317.84	2.07	1.25

## 49.2 परिभाषित लाभ योजनाएँ

### 49.2.1 भविष्य निधि

#### कंपनी के मामले में

कंपनी एक अलग ट्रस्ट को पूर्व निर्धारित दरों पर भविष्य निधि में निश्चित अंशदान का भुगतान करती है, जो अनुमत प्रतिभूतियों में निधियों का निवेश करता है। कंपनी का दायित्व ऐसा निश्चित अंशदान करना और सदस्यों को भारत सरकार (जीओआई) द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम दर पर प्रतिफल सुनिश्चित करना है। परामर्शदाता एक्चुअरी की रिपोर्ट के अनुसार, कुल ब्याज आय और संचयी अधिशेष वैद्यानिक ब्याज भुगतान आवश्यकता से अधिक है। इसलिए, कोई और प्रावधान आवश्यक नहीं माना जाता है। योजना परिसंपत्तियों और दायित्वों के उचित मूल्य का विवरण निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक*
वर्ष के अंत में दायित्व	147,938.60	149,050.50
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	149,050.50	151,309.20

\* योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य 31 मार्च, 2023 तक भविष्य निधि ट्रस्ट की लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के आधार पर बनाया गया है और दायित्व का आंकड़ा वित्त वर्ष 2022–23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा घोषित आधिकारिक दरों पर देयता की पुऱः गणना के आधार पर बहाल किया गया है।

भविष्य निधि को एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से संचालित किया जाता है। ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड किसी भी लागू दिशा-निर्देश या निर्देशों के अनुसार कार्य करता है, जो समय-समय पर केंद्र सरकार या केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा इस संबंध में जारी किए जा सकते हैं। न्यासी बोर्ड की निम्नलिखित जिम्मेदारियाँ हैं:

- (i) इस संबंध में सरकार द्वारा अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश करना ताकि समय-समय पर निधि की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।
- (ii) निवेश को पूरी तरह या आंशिक रूप से बेचकर, बंधक रखकर या गिरवी रखकर निधि के प्रयोजनों के लिए आवश्यक धन जुटाना।
- (iii) सदस्यों के खातों में जमा की जाने वाली ब्याज दर का निर्धारण।

सहायक कंपनी के मामले में, एचपीसीएल

भविष्य निधि:

भविष्य निधि का प्रबंधन एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है, जिसे कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के अनुसार इस उद्देश्य के लिए स्थापित किया गया है। भविष्य निधि में निगम का योगदान पात्र कर्मचारी के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर इस ट्रस्ट को भेजा जाता है और लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है। वर्ष के दौरान, निगम ने लाभ और हानि विवरण में भविष्य निधि में नियोक्ता के योगदान के रूप में ₹ 1689.70 मिलियन (2022–23: ₹ 1667.10 मिलियन) को मान्यता दी है।

सरकार द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम रिटर्न दर से मेल खाने में यदि कोई कमी होती है, तो उसे निगम द्वारा पूरा किया जाएगा और लाभ और हानि विवरण में चार्ज किया जाएगा। वर्ष

के दौरान, फंड सरकार द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम रिटर्न दर से मेल खाने में सक्षम रहा है। अवधि के अंत में लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य 52,956.20 मिलियन रुपये (31.03.2023: ₹ 51,429.90 मिलियन) है। अवधि के अंत में भविष्य निधि ट्रस्ट की योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य ₹ 52,694.00 मिलियन (31.03.2023: ₹ 51,629.30 मिलियन) है, जिसके परिणामस्वरूप ₹ 262.20 मिलियन (31.03.2023: ₹ शून्य) की कमी हुई है, जिसे अन्य व्यापक आय के माध्यम से हिसाब किया गया है। वर्ष के दौरान, चूंकि किए गए निवेशों पर नुकसान के प्रति देयता के मुकाबले ₹ 29.30 मिलियन का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। प्रारंभिक प्रावधान वित्त वर्ष 2019–20 में बनाया गया था।

## 49.2.2 ग्रेच्युटी

**कंपनी के मामले में:**

सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर ग्रेच्युटी देय है। निहित अवधि 5 वर्ष है और भुगतान सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, सेवा समाप्ति, विकलांगता या मृत्यु पर ₹ 2 मिलियन तक सीमित है।

योजना को स्वयं के ग्रेच्युटी ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। उपरोक्त अनुसार ग्रेच्युटी के लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

**सहायक कंपनी, एचपीसीएल के मामले में**

5 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान करने वाला प्रत्येक कर्मचारी निगम से अलग होने के समय अधिकतम 2.0 मिलियन रुपये की शर्त के अधीन सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए पात्र वेतन के 15/6 के बराबर ग्रेच्युटी राशि प्राप्त करने का हकदार है। अधिकतम सीमा के अलावा, जब भी भारतीय महांगाई भत्ता 50% बढ़ता है, तो ग्रेच्युटी 25% बढ़ जाती है। ग्रेच्युटी का दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ एक ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जाता है, जिसे ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के तहत स्थापित किया गया है। ट्रस्टी बोर्ड में नियोक्ता के प्रतिनिधि शामिल होते हैं जो योजना विनियमन के अनुसार योजना प्रतिभागी भी होते हैं। ग्रेच्युटी के प्रति देयता को जीवन बीमा कंपनियों द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।

**सहायक कंपनी, एमआरपीएल के मामले में**

सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिन का वेतन। निहित अवधि 5 वर्ष है और भुगतान 2 मिलियन रुपये तक सीमित है। इसके अलावा, जब भी भारतीय महांगाई भत्ता 50% बढ़ता है, तो ग्रेच्युटी की सीमा 25% बढ़ जाती है।

एमआरपीएल ग्रेच्युटी फंड ट्रस्ट का गठन 20 अप्रैल, 2007 को किया गया था और कंपनी से प्राप्त फंड का निवेश एक्चुरियल मूल्यांकन के बाद किया गया था और 28 जून, 2013 तक के फंड का निवेश आयकर नियम, 1962 के आयकर नियम 67(1) द्वारा निर्धारित तरीके से किया गया था, जिसे समय–समय पर संशोधित किया गया था। 28 जून, 2013 के बाद एमआरपीएल ग्रेच्युटी फंड ट्रस्ट के फंड को विभिन्न बीमा कंपनियों की ग्रुप ग्रेच्युटी नकद संचय योजना (पारंपरिक फंड) में निवेश किया जा रहा है। पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएमपीएल के कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी प्रावधान वित्तपोषित नहीं था और पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी के साथ एचआर एकीकरण के परिणामस्वरूप, इसे कंपनी द्वारा अपनाई गई नीति के अनुरूप वित्तपोषित के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

**सहायक कंपनी, पीएमएचबीएल के मामले में:**

प्रत्येक पूर्ण सेवा वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर ग्रेच्युटी देय है। निहित अवधि 5 वर्ष है और भुगतान सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, सेवा समाप्ति, विकलांगता या मृत्यु पर ₹ 2 मिलियन तक सीमित है।

## 49.2.3 सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ

**कंपनी के मामले में:**

कंपनी के पास सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) है, जिसके तहत सेवानिवृत्ति कर्मचारियों, उनके जीवनसाथी और आश्रित माता–पिता को कंपनी के अस्पतालों/सूचीबद्ध अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। वे बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार का लाभ उठा सकते हैं। वर्ष के दौरान, कंपनी ने सेवानिवृत्ति कर्मचारियों को अपने आश्रित माता–पिता को कंपनी की पीआरएमबी योजना में शामिल करने का विकल्प दिया है। इसके लिए देयता को वार्षिक रूप से बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पूर्ण चिकित्सा लाभ न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा और 50 वर्ष की आयु पूरी करने के अधीन उपलब्ध हैं।

सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए पात्र होने के लिए किसी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के समय कंपनी में निरंतर कम से कम 15 वर्ष की सेवा करनी चाहिए। हालांकि, 03 अगस्त, 2017 के डीपीई दिशा–निर्देशों के अनुसार, बोर्ड स्तर के अधिकारियों को (15 वर्ष की सेवा से जुड़े बिना) उनके कार्यकाल के पूरा होने या सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर, जो भी पहले हो, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ की अनुमति दी जाती है।



योजना को अपने स्वयं के पीआरएमबी ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। पीआरएमबी के लिए देयता को एक्युरियल मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

#### सहायक कंपनी, एचपीसीएल के मामले में:

सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ विकित्सा योजना सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पात्र आश्रित परिवार के सदस्यों को विकित्सा लाभ प्रदान करती है। यह दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ एक ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति पश्चात विकित्सा लाभ के लिए देयता, वार्षिक रूप से, एक्युरियल मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित की जाती है और ट्रस्ट को वित्त पोषित की जाती है।

#### सहायक कंपनी, एमआरपीएल के मामले में:

सेवानिवृत्ति पश्चात, एकमुश्त अंशदान के भुगतान पर, सेवानिवृत्त कर्मचारी और उसके आश्रित पति / पत्नी और आश्रित माता-पिता को कंपनी के नियमों के अनुसार विकित्सा लाभ के लिए कवर किया जाएगा।

पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, मा.सं. एकीकरण के अनुसार, पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएमपीएल के कर्मचारियों को कंपनी की सेवानिवृत्ति पश्चात विकित्सा लाभ योजना के तहत कवर किया जा रहा है।

#### 49.2.4 सेवांत लाभ

##### कंपनी के मामले में:

सेवानिवृत्ति के समय, कर्मचारी अपनी पसंद के स्थान पर बसने के हकदार हैं और वे निपटान भत्ते के लिए पात्र हैं।

#### सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में:

निगम की सेवाओं से सेवानिवृत्त होने पर, ऐसे कर्मचारी होते हैं जो अंतिम तैनाती के स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर स्थायी रूप से बस जाते हैं। ऐसे कर्मचारियों को निगम की नीति के अनुसार पुनर्वास भत्ता प्रदान किया जाता है।

#### सहायक कंपनी एमआरपीएल के मामले में:

क) सेवानिवृत्ति के समय, कर्मचारी अपनी पसंद के स्थान पर बसने के हकदार होते हैं और वे निपटान भत्ते के लिए पात्र होते हैं। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, मा.सं. एकीकरण के अनुसार,

पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएमपीएल के कर्मचारियों को भी कंपनी के पुनर्वास भत्ता लाभों के तहत शामिल किया जा रहा है।

ख)

**विकित्सा आधार पर समयपूर्व सेवानिवृत्ति:** कंपनी के पास विकित्सा आधार पर समयपूर्व सेवानिवृत्ति की एक स्वीकृत योजना है। सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 60 दिनों के पारिश्रमिक के बराबर अनुग्रह भुगतान या सेवानिवृत्ति के समय मासिक परिलक्ष्यों को सेवानिवृत्ति की सामान्य तिथि से पहले शेष सेवा के महीनों से गुणा करके, जो भी कम हो, सेवानिवृत्ति लाभों के अलावा देय है।

ग)

**एकमुश्त मौद्रिक क्षतिपूर्ति प्रदान करने के लिए स्व-बीमा योजना:**

सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ और अलगाव पर लाभश की योजना के तहत, किसी दुर्घटना के कारण कर्मचारी की मृत्यु या स्थायी पूर्ण विकलांगता की स्थिति में, किसी भी न्यूनतम राशि को निर्धारित किए बिना 100 महीने के मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) के बराबर मुआवजा देय है।

घ)

एसएबीएफ (जिसे अब एमडीसीपीएस के रूप में पुनः नामित किया गया है) के तहत अलगाव के लाभ:

कंपनी में सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु / स्थायी विकलांगता के मामले में, लाभार्थी को मृत्यु / स्थायी पूर्ण विकलांगता की तारीख से 6 महीने के भीतर उपलब्ध वांछित विकल्पों का उपयोग करना होगा।

ड)

सेवांत लाभ अनिर्धारित योजनाएं हैं, और कोई योजना परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं।

च)

सेवा समाप्ति लाभ, लाभ और हानि के विवरण में खर्च किए जाने पर प्रभारित किए जाते हैं।

#### 49.2.5 पेंशन

##### सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में:

निगम की पेंशन योजना के अंतर्गत आने वाले कर्मचारी जीवन भर मासिक पेंशन पाने के हकदार हैं। हालांकि, निगम की पेंशन योजना के अंतर्गत वर्तमान में कार्यरत कोई भी कर्मचारी शामिल नहीं है।

#### 49.2.6 अनुग्रह राशि

##### सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में:

निगम के पूर्व कर्मचारी इस योजना के अंतर्गत आते हैं, जो उनकी सेवानिवृत्ति के समय उनके वेतन ग्रेड के आधार पर निर्धारित अनुग्रह राशि पाने के हकदार हैं। यह लाभ पात्र कर्मचारियों को उनके जीवित रहने तक और उसके बाद उनके जीवनसाथी के जीवित रहने तक दिया जाता है। हालांकि, वर्तमान में कार्यरत कोई भी कर्मचारी इस योजना के अंतर्गत शामिल नहीं है।

49.2.7 ये परिभाषित लाभ योजनाएं आम तौर पर कंपनी को बीमांकिक जोखिमों जैसे निवेश जोखिम, व्याज दर जोखिम, दीर्घायु जोखिम और वेतन जोखिम के लिए उजागर करती हैं।

निवेश जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य छूट दर का उपयोग करके गणना की जाती है, जो सरकारी बांड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार की पैदावार के संदर्भ में निर्धारित की जाती है। जब ऐसे बांड के लिए गहरा बाजार होता है यदि योजना परिसंपत्ति पर रिटर्न इस दर से कम है, तो यह योजना धाटा पैदा करेगा। वर्तमान में, इन योजनाओं के लिए, वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार सरकारी प्रतिभूतियों, ऋण साधनों, अल्पकालिक ऋण साधनों, इकिवटी साधनों और परिसंपत्ति समर्थित, द्रस्ट संरचित प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है।
व्याज जोखिम	बांड व्याज दर में कमी से योजना देयता में वृद्धि होगी यहाँकि, यह योजना के निवेश पर रिटर्न में वृद्धि से अशिक रूप से ऑफसेट हो जाएगा।
दीर्घायु जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य योजना प्रतिभागियों की मूल्य दर के सर्वोत्तम अनुमान के संदर्भ में उनके रोजगार के दौरान और बाद में गणना की जाती है। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से योजना की देयता में वृद्धि होगी।
वेतन जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य योजना प्रतिभागियों के भविष्य के वेतन के संदर्भ में गणना की जाती है। इस प्रकार, योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि से योजना की देयता में वृद्धि होगी।

इन कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पश्चात कोई अन्य लाभ प्रदान नहीं किया जाता है।

उपर्युक्त योजनाओं के संबंध में, योजना परिसंपत्तियों का सबसे हालिया बीमांकिक मूल्यांकन और परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य 31 मार्च, 2024 को भारतीय एक्चुअरीज संस्थान की एक सदस्य फर्म द्वारा किया गया था। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य, और संबंधित वर्तमान सेवा लागत और पिछली सेवा लागत, अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके मापा गया था।

### 49.3 अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

#### 49.3.1 अर्जित अवकाश (ईएल) लाभ

कंपनी के मामले में

उपार्जन – प्रति वर्ष 30 दिन

सेवा में रहते हुए नकदीकरण – अर्जित अवकाश शेष का 75%, प्रति कैलेंडर वर्ष अधिकतम 90 दिन

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – अधिकतम 300 दिन

योजना को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।

प्रत्येक कर्मचारी सेवा के प्रत्येक पूर्ण आधे वर्ष के लिए 15 अर्जित अवकाश पाने का हकदार है। कंपनी के सभी नियमित कर्मचारियों को सेवा के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में एक बार अर्जित अवकाश के नकदीकरण की अनुमति है, जो उनके क्रेडिट में अर्जित अवकाश के 75% की सीमा तक है, अधिकतम 90 दिनों के अधीन है। इसके अलावा, प्रत्येक कर्मचारी हर छह महीने के अंत में 10 एचपीएल (अर्ध वेतन अवकाश) पाने का हकदार है। संपूर्ण संचय को केवल सेवानिवृत्ति के समय नकदीकरण के लिए अनुमति दी जाती है। सार्वजनिक उद्यम विभाग ने पहले स्पष्ट किया था कि बीमारी की छुट्टी को भुनाया नहीं जा सकता है, हालांकि अर्जित अवकाश (ईएल) और अर्ध वेतन अवकाश (एचपीएल) को 300 दिनों की समग्र सीमा के अधीन सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण के लिए विचार किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी), भारत सरकार ने कंपनी को डीपीई दिशानिर्देशों का अनुपालन करने की सलाह दी थी। इसके बाद, मामले को तीसरे वेतन संशोधन समिति की सिफारिशों में निपटाया गया इसलिए, कंपनी द्वारा अपेक्षित शर्तें पूरी की जाती हैं।

सहायक एमआरपीएल के मामले में:

#### अर्जित अवकाश लाभ (ईएल):

अर्जित – प्रति वर्ष 32 दिन 300 दिनों तक संचय की अनुमति है

सेवा में रहते हुए 15 दिनों से अधिक संचित ईएल को भुनाने की अनुमति है, बशर्ते भुनाया गया ईएल 5 दिनों से कम न हो।

इसके लिए देयता को एक्चुरियल मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।



#### 49.3.2 अच्छे स्वास्थ्य पुरस्कार (आधा वेतन अवकाश)

कंपनी के मामले में

उपार्जन – प्रति वर्ष 20 दिन

सेवा के दौरान नकदीकरण – शून्य

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – आधे वेतन अवकाश शेष का 50%।

योजना भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से वित्तपोषित है।

इसके लिए देयता को वार्षिक रूप से बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

सहायक एमआरपीएल के मामले में:

उपार्जन – प्रति वर्ष 20 दिन सेवा के दौरान नकदीकरण की अनुमति नहीं है।

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण की अनुमति है। अर्जित अवकाश के साथ 300 दिनों तक सीमित है।

इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

#### 49.4 बीमांकिक मूल्यांकन के प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त प्रमुख धारणाएं निम्नानुसार थीं:

क्र. सं	विवरण	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2024	वर्ष समाप्त 31 मार्च, 2023
I.	ग्रेचुटी		
	छूट दर	7.21%-7.25%	7.49%-7.51%
II.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न	7.21%-7.95%	7.25%-7.50%
III.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	5.00%-7.50%	5.00%-7.50%
	छुट्टी		
IV.	छूट दर	7.21%-7.25%	7.50%-7.51%
V.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित वापसी	7.95%	7.25%-7.80%
VI.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	5.00%-7.50%	5.00%-7.50%
	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ		
VII.	छूट दर	7.21%-7.24%	7.51%-7.53%
VIII.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित वापसी	7.24%-7.95%	7.25%-7.80%
IX.	लागत में वार्षिक वृद्धि	7.00%-7.50%	7.00%-7.50%
	सेवांत लाभ		
X.	छूट दर	7.21%-7.24%	7.50%-7.53%
XI.	योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित वापसी	NA	NA
XII.	लागत में वार्षिक वृद्धि	7.50%	7.50%
XIII.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	7.00%-7.50%	7.00%-7.50%
XIV.	पेंशन – छूट दर	7.21%	7.35%
	कर्मचारी टर्नओवर (%)		
XV.	30 वर्ष तक	2%-3%	2%-3%
XVI.	31 से 44 वर्ष तक	2%	2%
XVII.	44 वर्ष से ऊपर	1%-2%	1%-2%
XVIII.	वर्तमान लाभ दायित्वों की भारित औसत अवधि	12.00-14.94	12.00-15.40

छूट की दर लेखांकन तिथि पर सरकारी प्रतिभूतियों पर उपलब्ध बाजार उपज पर आधारित होती है, जिसकी अवधि वर्तमान लाभ दायित्वों की भारित औसत अवधि से मेल खाती है। वेतन वृद्धि दीर्घावधि के आधार पर मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखती है। योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न की अपेक्षित दर संबंधित दायित्व के संपूर्ण जीवनकाल में रिटर्न के लिए वर्ष की शुरुआत में बाजार की अपेक्षा पर आधारित होती है।

भारतीय बीमांक संस्थान द्वारा 2 अगस्त, 2018 को जारी भारतीय बीमित जीवन मृत्यु दर (2012–14) के 100% के अनुसार 31 मार्च, 2024 तक एकचुरियल मूल्यांकन के लिए सेवानिवृत्ति से पहले पुरुष बीमित जीवन के लिए मृत्यु दर मान ली गई है। चूंकि भारतीय बीमांक संस्थान द्वारा महिला जीवन के लिए लागू अलग दरों को अधिसूचित नहीं किया गया है सेवानिवृत्ति के बाद मृत्यु दर भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकीग्राही की मृत्यु दर तालिका (2012–15) के अनुसार मानी गई है, जो 01 अप्रैल, 2021 से प्रभावी है।

### कंपनी-वार मृत्यु दर:

विवरण	ओएनजीसी (ओवीएल सहित)	एचपीसीएल	एमआरपीएल	पीएमएचबीएल
सेवानिवृत्ति से पूर्व	भारतीय आश्वासित जीवन मृत्यु दर तालिका (2012–14)	भारतीय आश्वासित जीवन मृत्यु दर (2012–14) शहरी	भारतीय सुनिश्चित जीवन मृत्यु दर (2012–14) शहरी	भारतीय सुनिश्चित जीवन मृत्यु दर तालिका (2012–14)
सेवानिवृत्ति के पश्चात	भारतीय व्यक्तिगत वार्षिकी धारक की मृत्यु दर तालिका (2012–15)	भारतीय व्यक्तिगत एमटी (2012–15)	भारतीय व्यक्तिगत एमटी (2012–15)	एन.ए.

49.5 इन परिभाषित लाभ योजनाओं और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के संबंध में आवंटन से पहले समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशियाँ निम्नानुसार हैं:

### ग्रेच्युटी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
सेवा लागतः		
वर्तमान सेवा लागत	963.28	868.79
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ)/हानि	-	806.40
शुद्ध ब्याज व्यय	(54.48)	(77.38)
लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक कोष में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	(87.97)	(103.48)
निधि में वृद्धिशील योगदान	(1,829.18)	(1,329.64)
कर्मचारी लाभ व्यय में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ लागत के घटक	(1,008.35)	164.69
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर पुनर्मापनः		
जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमाकिक (लाभ)/हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमाकिक (लाभ)/हानि	594.63	(524.66)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमाकिक (लाभ)/हानि	(446.78)	(188.69)
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज लागत में शामिल राशि को छोड़कर)	(89.99)	(13.09)
पुनर्मुद्रण के घटक	57.86	(726.44)
कुल	(950.49)	(561.75)



## छुट्टी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>सेवा लागत :</b>		
वर्तमान सेवा लागत	2,295.78	1,870.60
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-
शुद्ध ब्याज व्यय	279.78	388.30
ऑडिट के परिणामस्वरूप प्रारंभिक कोष में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	(42.73)	(25.13)
वेतन संशोधन के कारण अतिरिक्त योगदान	-	-
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले वास्तविक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले वास्तविक (लाभ) / हानि	802.67	(659.61)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले वास्तविक (लाभ) / हानि	1,787.54	2,410.88
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज लागत में शामिल राशि को छोड़कर)	(129.71)	(231.36)
<b>परिभाषित लाभ लागत के घटक मान्यता प्राप्त हैं</b>	<b>4,993.34</b>	<b>3,753.67</b>

## सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ: वित्तपोषित नहीं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>सेवा लागत:</b>		
वर्तमान सेवा लागत	8.20	7.58
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-
शुद्ध ब्याज व्यय	9.33	8.61
<b>कर्मचारी लाभ व्यय में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ लागत के घटक</b>	<b>17.53</b>	<b>16.19</b>
<b>शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर पुनर्मापन</b>		
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज लागत में शामिल राशि को छोड़कर)	-	-
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	5.51	(2.29)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	5.12	0.43
परिभाषित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों के लिए समायोजन	-	-
<b>पुनर्मापन के घटक</b>	<b>10.63</b>	<b>(1.86)</b>
<b>कुल</b>	<b>28.16</b>	<b>14.33</b>

## सेवांत लाभ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>सेवा लागत:</b>		
वर्तमान सेवा लागत	137.40	108.64
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-

# ओएनजीसी

उर्जा: आज और कल

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
शुद्ध ब्याज व्यय	120.32	111.37
कर्मचारी लाभ व्यय में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ लागत के घटक	<b>257.72</b>	<b>220.01</b>
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर पुनर्मापनः	-	-
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	37.36	(32.34)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले एक्चुरियल (लाभ) / हानि	104.01	120.85
परिभाषित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों के लिए समायोजन	-	-
पुनर्मापन के घटक	<b>141.37</b>	<b>88.51</b>
<b>कुल</b>	<b>399.09</b>	<b>308.52</b>

पेंशन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
सेवा लागतः		
वर्तमान सेवा लागत	-	-
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-
शुद्ध ब्याज व्यय	9.75	10.20
कर्मचारी लाभ व्यय में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ लागत के घटक	<b>9.75</b>	<b>10.20</b>
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर पुनर्मापनरूप	-	-
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	0.57	(1.80)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	(0.49)	2.50
परिभाषित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों के लिए समायोजन	-	-
पुनर्मूलन के घटक	<b>0.09</b>	<b>0.70</b>
<b>कुल</b>	<b>9.84</b>	<b>10.90</b>

अनुग्रह राशि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
सेवा लागतः		
वर्तमान सेवा लागत	-	-
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-
शुद्ध ब्याज व्यय	15.28	17.10
कर्मचारी लाभ व्यय में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ लागत के घटक	15.28	17.10
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर पुनर्मापनरूप	-	-
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-



विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	(0.59)	(3.80)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	0.26	(5.00)
पुनर्माप के घटक	(0.32)	(8.80)
<b>कुल</b>	<b>14.95</b>	<b>8.30</b>

#### ग्रेच्युटी: गैर-निधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>सेवा लागत:</b>		
वर्तमान सेवा लागत	6.53	6.50
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-
शुद्ध ब्याज व्यय	3.78	3.61
<b>कर्मचारी लाभ व्यय में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ लागत के घटक</b>	<b>10.32</b>	<b>10.11</b>
<b>शुद्ध परिभाषित लाभ देयता पर पुनर्मापन:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	(3.20)	(1.89)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	14.77	0.28
<b>पूर्वापन के घटक</b>	<b>11.57</b>	<b>(1.60)</b>
<b>कुल</b>	<b>21.89</b>	<b>8.51</b>

#### सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ: निधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>सेवा लागत :</b>		
वर्तमान सेवा लागत	1,896.60	1,568.13
शुद्ध ब्याज व्यय	(129.55)	8.45
लेखा-परीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक कोष में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	12.36	(2.81)
कर्मचारी द्वारा योगदान	(81.52)	(160.79)
<b>कर्मचारी लाभ व्यय में परिभाषित लाभ लागत के घटकों को मान्यता दी गई है</b>	<b>1,697.89</b>	<b>1,412.98</b>
<b>शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व पर पुनर्माप:</b>		
योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (शुद्ध ब्याज लागत में शामिल राशि को छोड़कर)	(324.84)	(372.79)
बीमांकिक धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	2,243.10	348.48
अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	2,812.53	2,939.03
योजना परिसंपत्तियों पर अतिरिक्त (वापसी) / कमी (शुद्ध ब्याज व्यय में शामिल राशि को छोड़कर)	(0.25)	(0.25)
<b>पुनर्माप के घटक</b>	<b>4,730.54</b>	<b>2,914.47</b>
<b>कुल</b>	<b>6,428.43</b>	<b>4,327.45</b>

## सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में, भविष्य निधि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>सेवा लागत:</b>		
वर्तमान सेवा लागत	1,689.70	1,667.10
पिछली सेवा लागत और निपटान से (लाभ) / हानि	-	-
शुद्ध ब्याज व्यय	-	-
कर्मचारी लाभ व्यय में परिभाषित लाभ लागत के घटकों को मान्यता दी गई है	1,689.70	1,667.10
शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व पर पुनर्मापल		
बीमांकिक धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / नुकसान	-	-
वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
परिभाषित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों के लिए समायोजन	-	-
पुनर्माप के घटक	-	-
<b>कुल</b>	<b>1,689.70</b>	<b>1,667.10</b>

समूह की अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त शुद्ध परिभाषित लाभ देयता के पुनर्मापन के घटक ₹ 5,784.00 मिलियन की बीमांकिक हानि है (पिछले वर्ष की बीमांकिक हानि ₹ 2,878.81 मिलियन थी)।

49.6 परिभाषित लाभ दायित्व और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के वर्तमान मूल्य में उतार-चढ़ाव इस प्रकार है:

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	28,719.46	30,441.40
वर्तमान सेवा लागत	963.28	868.79
ब्याज लागत	2,155.65	2,205.67
<b>पुनर्मूल्यांकन (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले एक्चुरियल (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले एक्चुरियल (लाभ) / हानि	594.62	(524.65)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले एक्चुरियल (लाभ) / हानि	(446.79)	(188.69)
कठौतियों पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	806.40
भुगतान किए गए लाभ	(4,064.26)	(4,889.46)
<b>समाप्त परिभाषित लाभ दायित्व</b>	<b>27,921.95</b>	<b>28,719.46</b>



## छुट्टी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	31,574.50	32,096.60
वर्तमान सेवा लागत	2,295.79	1,870.60
ब्याज लागत	2,371.12	2,326.92
<b>पुनर्मूल्यांकन (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	802.68	(659.61)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	1,787.53	2,410.87
कटौतियों पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(6,334.09)	(6,470.87)
<b>समाप्त परिभाषित लाभ दायित्व</b>	<b>32,497.55</b>	<b>31,574.50</b>

## सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ: अनिधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	123.95	116.32
वर्तमान सेवा लागत	8.20	7.58
ब्याज लागत	9.33	8.61
<b>पुनर्मुद्रण (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	5.51	(2.29)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	5.12	0.43
अन्य समायोजन	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(11.72)	(6.70)
<b>समाप्त परिभाषित लाभ दायित्व</b>	<b>140.39</b>	<b>123.95</b>

## सेवांत लाभ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	1,601.93	1,535.78
वर्तमान सेवा लागत	137.40	108.65
ब्याज लागत	120.32	111.37
<b>पुनर्मूल्यांकन (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	37.36	(32.35)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	104.02	120.85
कटौतियों पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(271.74)	(242.37)
<b>समाप्त परिभाषित लाभ दायित्व</b>	<b>1,729.29</b>	<b>1,601.93</b>

## पेंशन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	132.70	146.80
वर्तमान सेवा लागत	-	-
ब्याज लागत	9.75	10.20
<b>पुनर्मूल्यांकन (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	0.57	(1.80)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	(0.49)	2.50
कटौतियों पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(23.58)	(25.00)
समापन परिभाषित लाभ दायित्व	<b>118.96</b>	<b>132.70</b>

## अनुग्रह राशि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	209.01	254.81
कटौती पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-
ब्याज लागत	15.28	17.10
<b>पुनर्मूल्यांकन (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	(0.59)	(3.80)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	0.26	(5.00)
कटौती पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(48.92)	(54.10)
परिभाषित लाभ दायित्व को समाप्त करना	<b>175.04</b>	<b>209.01</b>

## ग्रेच्युटी: गैर-निधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	65.44	57.38
वर्तमान सेवा लागत	6.53	6.50
ब्याज लागत	3.78	3.61
<b>पुनर्मुद्रण (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	(3.20)	(1.89)
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	14.77	0.28



विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अन्य समायोजन	(5.50)	-
भुगतान किए गए लाभ	(1.34)	(0.45)
परिभाषित लाभ दायित्व को समाप्त करना	<b>80.48</b>	<b>65.44</b>

#### सेवानिवृत्ति पश्चात विकित्सा लाभ: निधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	66,193.29	61,519.11
वर्तमान सेवा लागत	1,896.61	1,568.13
ब्याज लागत	4,973.84	4,475.65
<b>पुनर्मूल्यांकन (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	2,243.10	348.48
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	2,812.53	2,939.03
कटौतियों पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(5,192.38)	(4,657.11)
समाप्त परिभाषित लाभ दायित्व	<b>72,926.99</b>	<b>66,193.29</b>

#### सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में, भविष्य निधि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	50,414.20	48,973.40
लेखा—परीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक कोष में समायोजन	106.40	1.20
वर्तमान सेवा लागत	1,689.70	1,667.10
ब्याज लागत	4,009.30	3,887.10
<b>पुनर्मूल्यांकन (लाभ) / हानि:</b>		
बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाले बीमांकिक (लाभ) / हानि	-	-
कर्मचारी से योगदान	2,737.80	2,952.90
अंदरध्वाहर स्थानांतरित देयता	(45.00)	(13.70)
कटौतियों पर हानि / (लाभ) सहित पिछली सेवा लागत	-	-
भुगतान किए गए लाभ	(7,630.40)	(7,053.80)
परिभाषित लाभ दायित्व को समाप्त करना	<b>51,282.00</b>	<b>50,414.20</b>

49.7 समूह तुलन-पत्र में इकाई की परिभाषित लाभ योजना और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के संबंध में दायित्व से उत्पन्न राशि निम्नानुसार है:

### ग्रेच्युटी निधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	27,921.95	28,719.46
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	28,859.12	29,355.15
निधिकृत की स्थिति	937.16	635.69
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	(937.16)	(635.69)

### छुट्टी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	32,497.55	31,574.50
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	27,486.62	27,804.70
निधिकृत की स्थिति	(5,010.93)	(3,769.80)
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	5,010.93	3,769.80

### सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ: अनिधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	140.39	123.95
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	लागू नहीं	लागू नहीं
निधिकृत की स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	140.39	123.95

### सेवांत लाभ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,729.29	1,601.93
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
निधिकृत की स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	1,729.29	1,601.93



पेंशन:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	118.96	132.70
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
निधिकृत की स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	<b>118.96</b>	<b>132.70</b>

अनुग्रह राशि:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	175.04	209.01
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
निधिकृत की स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	<b>175.04</b>	<b>209.01</b>

ग्रेच्युटी अनिधिकृत:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	80.48	65.44
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
निधिकृत की स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	<b>80.48</b>	<b>65.44</b>

सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ: निधिकृत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	72,926.99	66,193.29
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	74,240.08	67,932.85
निधिकृत की स्थिति	1,313.10	1,739.56
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	<b>(1,313.10)</b>	<b>(1,739.56)</b>

सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में, भविष्य निधि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
निधिकृत परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	51,282.00	50,414.20
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	51,569.50	50,860.10
निधिकृत की स्थिति	287.50	445.90
मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति पर प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
परिभाषित लाभ दायित्व से उत्पन्न शुद्ध देयता/(परिसंपत्ति)	<b>(287.50)</b>	<b>(445.90)</b>

सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में, कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी को योजना से रिफंड के रूप में या योजना में भविष्य में कम योगदान के रूप में लाभ का कोई अधिकार नहीं है, जो कि एक्युरियल मूल्यांकन के माध्यम से निर्धारित ₹ 287.50 मिलियन (31.03.2023: ₹ 445.90 मिलियन) के शुद्ध अधिशेष के लिए है। तदनुसार, कंपनी ने अधिशेष को एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता नहीं दी है, और पुनर्मूल्यांकन हानि/लाभ को 'अन्य व्यापक आय' में शामिल किया है, क्योंकि ये भविष्य निधि ट्रस्ट से संबंधित हैं, न कि कंपनी से।

49.8 योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में संचलन निम्नानुसार हैं:

ग्रेच्युटी:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
योजना परिसंपत्तियों का आरभिक उचित मूल्य	29,355.15	31,406.12
लेखा—परीक्षा के परिणामस्वरूप आरभिक कोष में समायोजन	87.97	103.48
निधि में वृद्धिशील योगदान	-	-
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल	2,210.14	2,283.06
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध व्याज व्यय में शामिल राशियों को छोड़कर)	89.99	13.08
नियोक्ता से अंशदान	1,180.13	437.94
प्रदत्त लाभ	(4,064.26)	(4,888.53)
<b>योजना परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य</b>	<b>28,859.12</b>	<b>29,355.15</b>

ओएनजीसी और ओवीएल के संबंध में:

अगले वर्ष के लिए ग्रेच्युटी के संबंध में अपेक्षित योगदान ₹ 649.90 मिलियन होगा (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 588.65 मिलियन)।

कंपनी ने 104 कर्मचारियों (31 मार्च, 2023 तक – 131 कर्मचारी) आकस्मिक कर्मचारियों के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31 मार्च, 2024 तक ₹ 56.00 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹ 71.60 मिलियन) की ग्रेच्युटी देनदारी को मान्यता दी है। विभिन्न कार्य केन्द्रों में लगे हुए हैं।

एमआरपीएल के संबंध में

अगले वर्ष के लिए ग्रेच्युटी के संबंध में अपेक्षित योगदान (शुद्ध) ₹ 145.99 मिलियन होगा (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 191.49 मिलियन):

छुट्टी:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
योजना परिसंपत्तियों का आरभिक उचित मूल्य	27,804.70	26,711.54
लेखा—परीक्षा के परिणामस्वरूप आरभिक कोष में समायोजन	42.73	28.01
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल	2,091.34	1,938.62
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध व्याज व्यय में शामिल राशियों को छोड़कर)	129.71	231.36
नियोक्ता से अंशदान	3,749.12	5,364.36
प्रदत्त लाभ	(6,330.98)	(6,469.19)
<b>योजना परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य</b>	<b>27,486.62</b>	<b>27,804.70</b>



### ओएनजीसी और ओवीएल के संबंध में:

अगले वर्ष के लिए अवकाश देयता के संबंध में अपेक्षित योगदान 2,859.65 मिलियन रुपये होगा (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 2,275.09 मिलियन)।

#### सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
योजना परिसंपत्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	67,932.85	39,150.95
लेखा—परीक्षा के परिणामस्वरूप आरंभिक कोष में समायोजन	(12.37)	2.81
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल	5,103.39	4,467.20
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज व्यय में शामिल राशियों को छोड़कर)	325.09	373.04
नियोक्ता से अंशदान	832.63	23,852.46
प्रदत्त गए लाभ	58.49	86.39
<b>योजना परिसंपत्तियों का समाप्त उचित मूल्य</b>	<b>74,240.08</b>	<b>67,932.85</b>

### ओएनजीसी और ओवीएल के संबंध में:

अगले वर्ष के लिए पीआरएमबी देयता के संबंध में अपेक्षित योगदान 1,122.27 मिलियन रुपये होगा (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 820.89 मिलियन)।

#### सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में, भविष्य निधि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
योजना परिसंपत्तियों का आरंभिक उचित मूल्य	50,860.10	49,696.00
लेखा—परीक्षा के परिणामस्वरूप आरंभिक कोष में समायोजन	-	-
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल	4,009.30	3,887.10
योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध ब्याज व्यय में शामिल राशियों को छोड़कर)	(52.00)	(275.50)
नियोक्ता से अंशदान	4,427.50	4,620.00
कंपनी से/कंपनी को स्थानांतरण	(45.00)	(13.70)
प्रदत्त किए गए लाभ	(7,630.40)	(7,053.80)
<b>योजना परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य</b>	<b>51,569.50</b>	<b>50,860.10</b>

49.9 प्रत्येक श्रेणी के लिए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य निम्नानुसार है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
<b>ग्रेचुटी:</b>		
नकद और नकद समतुल्य	0.26	0.03
<b>म्यूचुअल फंड में निवेश:</b>		
— म्यूचुअल फंड	24.77	23.67
<b>जारीकर्ता की क्रेडिट रेटिंग द्वारा वर्गीकृत ऋण निवेश:</b>		
क क क	154.25	887.08
क क +	415.07	398.22
क क	-	18.01
क क -	1.01	-
क+	-	-
क -	2.00	2.00
ख ख ख +	-	-
<b>ग्रुप ग्रेचुटी नकद संचय योजना (पारंपरिक निधि)</b>		
बीमा कंपनियाँ	28,921.63	28,846.11
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	66.70	81.02
बैंक टीडीआर	-	-
ट्रेजरी बिल	-	-
शुद्ध चालू परिसंपत्ति	(726.57)	(900.99)
<b>कुल ग्रेचुटी</b>	<b>28,859.12</b>	<b>29,355.15</b>
<b>छुट्टी:</b>		
100% बीमा कंपनी द्वारा प्रबंधित	27,486.62	27,804.70
<b>सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ:</b>		
100% बीमा कंपनी द्वारा प्रबंधित	59,560.82	55,132.64
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	7,624.41	6,611.31
डिबंचर/प्रतिभूतियों में निवेश	4,359.74	4,336.71
इकियटी/म्यूचुअल फंड में निवेश	1,328.47	666.89
शुद्ध चालू संपत्ति	1,366.64	1,185.30
<b>कुल सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ:</b>	<b>74,240.08</b>	<b>67,932.85</b>
<b>भविष्य निधि</b>		
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश प्रतिभूतियाँ	28,038.42	28,023.92
डिबंचर/प्रतिभूतियों में निवेश	19,484.46	19,825.27
इकियटी/म्यूचुअल फंड में निवेश	1,676.13	1,434.25
शुद्ध चालू परिसंपत्तियाँ	2,370.49	1,576.66
<b>कुल भविष्य निधि</b>	<b>51,569.50</b>	<b>50,860.10</b>
<b>कुल</b>	<b>182,155.32</b>	<b>175,952.80</b>



- 49.9.1 उपर्युक्त पीएसयू बांड (ऋण उपकरण) के उचित मूल्य अंकित मूल्य प्लस प्रीमियम के रूप में प्राप्त किए जाते हैं, जो कि अपलेखन किए गए हैं और छूट को घटाकर वापस नहीं लिखे गए हैं।
- 49.9.2 निवेश की लागत को स्थूचुअल फंड और बैंक टीडीआर में निवेश के उचित मूल्य के रूप में लिया जाता है।
- 49.9.3 पीएसयू बांड में सभी निवेश सक्रिय बाजार में उद्धृत किए जाते हैं।
- 49.9.4 बीमा समूह की समूह ग्रेच्युटी नकद संचय योजना (पारंपरिक निधि) में निवेश का उचित मूल्य रिपोर्टिंग तिथि पर बही मूल्य के रूप में लिया जाता है।
- 49.9.5 शुद्ध चालू परिसंपत्तियाँ रिपोर्टिंग तिथि पर निवेश पर अर्जित ब्याज को घटाकर बकाया ग्रेच्युटी प्रतिपूर्ति दर्शाती हैं।
- 49.9.6 ओएनजीसी और ओवीएल के संबंध में, वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान ग्रेच्युटी की योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न ₹ 1,599.47 मिलियन (वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 1,610.23 मिलियन), छुट्टी की योजना परिसंपत्ति पर ₹ 2,221.05 मिलियन (वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 2,169.97 मिलियन) और पीआरएमबी की योजना परिसंपत्ति पर ₹ 4,382.06 मिलियन (वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान ₹ 3,844.14 मिलियन) था। एमआरपीएल के संबंध में, ग्रेच्युटी की योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न ₹ 118.35 मिलियन (31 मार्च 2023 तक: ₹ 106.54 मिलियन) था।
- 49.9.7 परिभाषित दायित्व के निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ छूट दर और अपेक्षित वेतन वृद्धि हैं। नीचे दिए गए संवेदनशीलता विश्लेषण रिपोर्टिंग अवधि के अंत में होने वाली संबंधित मान्यताओं में यथोचित संभावित परिवर्तनों के आधार पर निर्धारित किए गए हैं, जबकि अन्य सभी मान्यताओं को स्थिर रखा गया है।
- 49.10 31 मार्च, 2024 तक संवेदनशीलता विश्लेषण

ओएनजीसी और ओवीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ	ग्रेच्युटी	छुट्टी	सेवानिवृत्ति पश्चात् के चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ	भविष्य निधि
<b>छूट दर</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	(657.10)	(1,314.89)	(3,106.79)	(58.97)	(33.94)
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	714.74	1,439.74	3,202.74	60.34	35.66
<b>वेतन वृद्धि</b>	-	-	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	192.37	1,424.05	-	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(207.67)	(1,316.28)	-	-	-
<b>लागत वृद्धि</b>	-	-	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	3,189.66	61.36	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(3,159.50)	(58.27)	-
<b>वैधानिक ब्याज दर</b>	-	-	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	-	-	35.15
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	-	-	(33.77)

## एचपीसीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

31 मार्च, 2024	ग्रेचुटी	पीआरएमबीएस	पेंशन	अनुग्रह राशि	पुनर्वास भत्ता
छूट की दर में 1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(481.34)	(1,981.47)	(3.96)	(4.04)	(11.68)
छूट की दर में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	561.80	2,528.64	4.31	4.29	13.72
भविष्य के लाभ लागत मुद्रास्फीति में 1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	2,530.73	-	-	-
भविष्य के लाभ लागत मुद्रास्फीति में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	(1,992.38)	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में 1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	96.10	-	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(115.71)	-	-	-	-
कर्मचारी टर्नओवर की दर में 1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	193.66	-	-	-	(12.88)
कर्मचारी टर्नओवर की दर में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(222.64)	-	-	-	15.06

## एमआरपीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ	ग्रेचुटी	सेवानिवृत्ति के बाद के विकित्सा लाभ	पुनर्वास भत्ता
<b>छूट की दर</b>			
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	(97.24)	(9.30)	(1.44)
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	105.48	10.35	1.60
<b>वेतन वृद्धि की दर</b>			
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	104.11	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(105.44)	-	-
<b>कर्मचारी टर्नओवर की दर</b>			
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	9.39	(3.56)	(0.04)
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(9.84)	3.21	0.04
<b>भविष्य लागत में वृद्धि</b>			
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	-



#### 49.11 31 मार्च, 2023 तक संवेदनशीलता विश्लेषण

ओएनजीसी और ओवीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ	ग्रेचुटी	छुट्टी	सेवानिवृति के बाद के चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ	भविष्य निधि
<b>छूट दर</b>					
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	(622.71)	(1,049.38)	(2,591.44)	(55.57)	(30.43)
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	674.94	1,136.57	2,671.45	57.98	31.91
<b>वेतन वृद्धि</b>	-	-	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	188.75	1,884.17	-	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(203.11)	(1,053.89)	-	-	-
<b>लागत वृद्धि</b>	-	-	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	2,660.51	57.55	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(2,635.38)	(55.91)	-
<b>वैधानिक ब्याज दर</b>	-	-	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	-	-	31.56
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	-	-	(30.39)

एचपीसीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

31 मार्च, 2024	ग्रेचुटी	पीआरएमबीएस	पेंशन	अनुग्रह राशि	पुनर्वास मत्ता
छूट की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(475.03)	(1,754.88)	(4.42)	(5.90)	(8.94)
छूट की दर में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	551.17	1,577.90	4.82	6.41	10.40
भविष्य के लाभ लागत मुद्रास्फीति में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	2,268.35	-	-	-
भविष्य के लाभ लागत मुद्रास्फीति में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	(1,766.72)	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	97.94	-	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(121.92)	-	-	-	-
कर्मचारी टर्नओवर की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	174.63	-	-	-	(9.88)
कर्मचारी टर्नओवर की दर में -1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(201.08)	-	-	-	11.44

## एमआरपीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ	ग्रेचुटी	सेवानिवृति के बाद के चिकित्सा लाभ	पुनर्वास भत्ता
छूट की दर			
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	(87.77)	(8.25)	(1.38)
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	95.23	9.19	1.52
वेतन वृद्धि की दर	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	94.81	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(95.13)	-	-
कर्मचारी टर्नओवर की दर	-	-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	9.93	(3.17)	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	(10.45)	2.80	-
भविष्य लागत में वृद्धि		-	-
– 50 आधार अंकों की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	-
– 50 आधार अंकों की कमी के कारण प्रभाव	-	-	-

ऊपर प्रस्तुत संवेदनशीलता विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है क्योंकि यह संभावना नहीं है कि मान्यताओं में परिवर्तन एक दूसरे से अलग-थलग हो क्योंकि कुछ मान्यताएँ सहसंबद्ध हो सकती हैं। मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता महत्वपूर्ण नहीं है और इसलिए परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की गई है।

इसके अलावा, उपरोक्त संवेदनशीलता विश्लेषण प्रस्तुत करते समय, परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य की गणना रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की गई है, जो कि तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ दायित्व देयता की गणना में लागू की गई पद्धति के समान है।

## 49.12 परिभाषित लाभ दायित्व और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों की परिपक्वता प्रोफाइल:

ओएनजीसी और ओवीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

परिभाषित लाभ:	31 मार्च 2024	31 मार्च 2024
<b>ग्रेचुटी:</b>		
एक वर्ष से कम	2,877.95	2,964.54
एक से तीन वर्ष	4,172.17	4,676.92
तीन से पांच वर्ष	2,554.96	3,059.91
पांच वर्ष से अधिक	8,489.04	8,120.77
<b>छुटी:</b>		
एक वर्ष से कम	4,952.24	4,699.80
एक से तीन वर्ष	7,428.78	7,345.64
तीन से पांच वर्ष	4,837.57	5,473.40
पांच वर्ष से अधिक	15,253.87	14,034.96
<b>सेवानिवृति के पश्चात चिकित्सा लाभ:</b>		
एक वर्ष से कम	3,883.74	3,448.31
एक से तीन वर्ष	8,100.32	8,127.19
तीन से पांच वर्ष	8,768.57	9,678.65
पांच वर्ष से अधिक	36,443.70	31,329.32



### एचपीसीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

31 मार्च, 2024	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–5 वर्ष	6–10 वर्ष
ग्रेचुटी:	1,132.92	708.25	2,860.04	10,789.09
पीआरएमबीएस	675.06	739.88	2,614.82	4,332.77
पेशन	19.12	18.81	54.21	80.97
अनुग्रह राशि	37.51	36.60	103.58	147.05
पुनर्वास भत्ता	31.90	17.49	73.22	266.10
<b>कुल</b>	<b>1,896.51</b>	<b>1,521.03</b>	<b>5,705.87</b>	<b>15,615.99</b>

(₹ मिलियन में)

31 मार्च, 2024	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–5 वर्ष	6–10 वर्ष
ग्रेचुटी:	1,176.06	721.70	3,019.30	11,115.00
पीआरएमबीएस	593.53	652.30	2,325.20	3,920.33
पेशन	21.01	20.60	59.30	87.67
अनुग्रह राशि	40.56	39.60	112.20	160.04
पुनर्वास भत्ता	25.31	13.70	64.00	209.75
<b>कुल</b>	<b>1,856.47</b>	<b>1,447.90</b>	<b>5,580.00</b>	<b>15,492.80</b>

### एमआरपीएल के लिए:

(₹ मिलियन में)

परिभाषित लाभ:	31 मार्च 2024	31 मार्च 2024
ग्रेचुटी:		
एक वर्ष से कम	85.92	85.34
एक से तीन वर्ष	219.76	161.19
तीन से पांच वर्ष	287.77	246.58
पांच वर्ष से अधिक	4,400.28	4,204.60
सेवानिवृत्ति पूर्व चिकित्सा लाभ:		
एक वर्ष से कम	4.33	4.01
एक से तीन वर्ष	9.43	8.04
तीन से पांच वर्ष	11.52	9.76
पांच वर्ष से अधिक	43.02	37.47
सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ:		
एक वर्ष से कम	0.61	0.61
एक से तीन वर्ष	1.25	1.14
तीन से पांच वर्ष	1.48	1.31
पांच वर्ष से अधिक	4.13	3.99

पीएमएचबीएल के लिए:

(₹ भिलियन में)

परिभाषित लाभ:	31 मार्च 2024	31 मार्च 2024
ग्रेचुटी:		
एक वर्ष से कम	0.82	0.56
एक से तीन वर्ष	1.66	1.11
तीन से पांच वर्ष	1.72	1.17
पांच वर्ष से अधिक	10.62	6.60
छुटी:		
एक वर्ष से कम	0.71	3.26
एक से तीन वर्ष	1.45	0.95
तीन से पांच वर्ष	1.55	1.01
पांच वर्ष से अधिक	14.21	6.41

## 50 खंड रिपोर्टिंग

50.1 समूह ने विभिन्न जोखिमों और रिटर्न, संगठन संरचना और आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणालियों को ध्यान में रखते हुए खंडों की पहचान की है और उनकी रिपोर्ट की है। इन्हें निम्नलिखित भौगोलिक और व्यावसायिक खंडों में व्यवस्थित किया गया है:

### 50.1 परिभाषित अंशदान योजनाएँ:

#### भौगोलिक खंड

- क. भारत में
  - अपतटीय
  - अभितटीय
- ख. भारत से बाहर
- व्यावसायिक खंड
- क. अन्वेषण और उत्पादन
- ख. रिफाइनिंग और मार्केटिंग





## 50.2 खंड राजस्व, परिणाम, परिसंपत्तियाँ और देयताएँ

50.2.1 निम्नलिखित रिपोर्ट योग्य खंड द्वारा निरंतर संचालन से समूह के राजस्व, परिणाम, परिसंपत्तियों और देयताओं का विश्लेषण है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	2023–24						
	भारत में		रिफाइनिंग और मार्केटिंग	भारत से बाहर ई एंड पी	असंबद्ध	अंतः खंड बिक्री का उन्मूलन	
	ई एंड पी	अपतटीय					
खंड राजस्व							
बाह्य बिक्री	589,014.12	408,925.13	5,336,243.49	95,534.46	652.88	-	6,430,370.08
अंतः खंड बिक्री	353,687.69	29,720.92	338,354.04	-	842.64	(722,605.29)	-
<b>प्रचालनों से राजस्व</b>	<b>942,701.81</b>	<b>438,646.05</b>	<b>5,674,597.53</b>	<b>95,534.46</b>	<b>1,495.52</b>	<b>(722,605.29)</b>	<b>6,430,370.08</b>
खंड परिणाम—लाभ / (हानि)	440,340.33	61,424.64	265,205.25	9,347.21			776,317.43
असंबद्ध निगमित व्यय					14,160.66		14,160.66
कुल	<b>440,340.33</b>	<b>61,424.64</b>	<b>265,205.25</b>	<b>9,347.21</b>	<b>(14,160.66)</b>		<b>762,156.77</b>
वित्त लागत					101,941.73		101,941.73
व्याज आय					66,113.66		66,113.66
लाभांश आय					18,311.65		18,311.65
संयुक्त					24,469.78	(12,384.08)	23,960.30
उद्यमों और सहयोगियों का लाभ / (हानि) का हिस्सा	<b>440,340.33</b>	<b>61,424.64</b>	<b>277,079.85</b>	<b>33,816.99</b>	<b>(44,061.16)</b>		<b>768,600.65</b>
कर पूर्व लाभ					197,592.22		197,592.22
आयकर							<b>571,008.43</b>
वर्ष के लिए लाभ खंड परिसंपत्ति	1,868,487.01	786,345.86	2,146,237.11	1,148,221.64			<b>5,949,291.62</b>
असंबद्ध निगमित संपत्ति					1,152,638.06		1,152,638.06
<b>कुल परिसंपत्ति</b>	<b>1,868,487.01</b>	<b>786,345.86</b>	<b>2,146,237.11</b>	<b>1,148,221.64</b>	<b>1,152,638.06</b>		<b>7,101,929.68</b>
खंड देयताएँ	825,145.50	193,089.66	1,518,727.97	534,379.46			<b>3,071,342.59</b>
असंबद्ध निगमित देयताएँ					379,681.62		379,681.62
<b>कुल देयताएँ</b>	<b>825,145.50</b>	<b>193,089.66</b>	<b>1,518,727.97</b>	<b>534,379.46</b>	<b>379,681.62</b>		<b>3,451,024.21</b>
अन्य जानकारी							
मूल्यहास*	149,127.74	64,941.06	68,206.13	14,441.25	1,681.85		<b>298,398.03</b>
हानि (संबंधित अपवाद मद्दत सहित)**	(12,059.94)	1,273.86	15.50	17,251.55	-		<b>6,480.97</b>
अन्य अपवाद मद्दें**	-	-	(82.90)	(16,281.41)	-		<b>(16,364.31)</b>
अन्य गैर—नकद व्यय	18,023.87	11,894.53	3,964.50	1,058.21	(304.53)		<b>34,636.58</b>

विवरण	2022–23#									
	भारत में		रिफाइनिंग और सार्केटिंग	भारत से बाहर ई एंड पी	असंबद्ध	अंतः खंड विक्री का उन्मूलन				
	ई एंड पी									
	अपतटीय	अभितटीय								
खंड राजस्व										
बाह्य बिक्री	728,907.41	460,843.66	5,541,105.64	116,763.31	672.21	-				
अंतः खंड बिक्री	312,230.63	50,312.81	374,119.40	-	746.70	(737,409.54)				
प्रचालनों से राजस्व	<b>1,041,138.04</b>	<b>511,156.47</b>	<b>5,915,225.04</b>	<b>116,763.31</b>	<b>1,418.91</b>	<b>(737,409.54)</b>				
खंड परिणाम—लाभ / (हानि)	444,906.79	63,081.61	(56,787.80)	39,372.97		490,573.57				
असंबद्ध निगमित व्यय					13,930.30	13,930.30				
कुल	<b>444,906.79</b>	<b>63,081.61</b>	<b>(56,787.80)</b>	<b>39,372.97</b>	<b>(13,930.30)</b>	<b>476,643.27</b>				
वित्त लागत					78,893.56	78,893.56				
ब्याज आय					42,342.86	42,342.86				
लाभांश आय					7,027.20	7,027.20				
संयुक्त						340.51				
उद्यमों और सहयोगियों के लाभ / (हानि) का हिस्सा	444,906.79	63,081.61	(36,384.50)	33,978.29	(58,121.91)	447,460.28				
कर पूर्व लाभ					106,995.67	106,995.67				
आयकर						340,464.61				
वर्ष के लिए लाभ खंड परिसंपत्ति	1,501,705.98	734,431.45	1,942,994.84	1,161,329.41		5,340,461.68				
असंबद्ध निगमित संपत्ति					839,621.70	839,621.70				
कुल परिसंपत्ति	<b>1,501,705.98</b>	<b>734,431.45</b>	<b>1,942,994.84</b>	<b>1,161,329.41</b>	<b>839,621.70</b>	<b>6,180,083.38</b>				
खंड देयताएं	551,361.47	176,258.81	1,501,315.17	548,125.26		2,777,060.71				
असंबद्ध निगमित देयताएं					369,195.36	369,195.36				
कुल देयताएं	<b>551,361.47</b>	<b>176,258.81</b>	<b>1,501,315.17</b>	<b>548,125.26</b>	<b>369,195.36</b>	<b>3,146,256.07</b>				
अन्य जानकारी										
मूल्यद्वास*	120,551.57	60,655.59	55,404.42	20,750.63	1,514.66	258,876.87				
हानि (संबंधित अपवाद मद सहित)**	(12,969.73)	(1,827.82)	1,735.20	(10,946.72)	-	(24,009.07)				
अन्य अपवाद मदें**	50,810.33	41,540.81	(25.00)	-	-	92,326.14				
अन्य गैर—नकद व्यय	19,207.83	13,704.63	2,872.71	1,628.37	47.92	37,461.46				

#पुनःकथन, टिप्पणी संख्या 80 देखें; \*इसमें द्वास और परिशोधन भी शामिल हैं; \*\*अपवादात्मक मदों के विवरण के लिए, टिप्पणी संख्या 45 देखें



**50.2.2** ऊपर रिपोर्ट किया गया खंड राजस्व बाहरी ग्राहकों से उत्पन्न राजस्व का प्रतिनिधित्व करता है।

**50.2.3** रिपोर्ट करने योग्य खंडों की लेखांकन नीतियां टिप्पणी संख्या 3.36 में वर्णित समूह की लेखांकन नीतियों के समान हैं। खंड परिणाम वित्त लागत और ब्याज / लाभांश आय जैसी अन्य आय को छोड़कर प्रत्येक खंड द्वारा अर्जित कर से पहले लाभ का प्रतिनिधित्व करता है। यह संसाधन आवंटन और खंड प्रदर्शन के आकलन के प्रयोजनों के लिए मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता को रिपोर्ट किया गया उपाय है।

**50.2.4** खंड राजस्व, परिणाम, परिसंपत्ति और देयताओं में प्रत्येक खंड के लिए पहचाने जाने योग्य संबंधित राशि और उचित आधार पर आवंटित राशि शामिल है। गैर-आवंटित व्यय में सभी खंडों के लिए किए गए सामान्य व्यय और निगमित स्तर पर किए गए व्यय शामिल हैं। वित्त लागत में खंड को आवंटित नहीं की गई डीकमीशनिंग देयताओं पर छूट की समाप्ति शामिल है।

### 50.3 गैर-चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि

**50.3.1** कंपनी के संबंध में, वित्तीय साधनों, आस्थगित कर परिसंपत्तियों, रोजगार पश्चात लाभ परिसंपत्तियों के अलावा गैर-चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अपतटीय	365,891.20	71,412.89
अभितटीय	45,443.22	
अनावंटित	1,960.86	336.32
<b>कुल</b>	<b>413,295.28</b>	<b>91,901.10</b>

\*पुनःकथन, टिप्पणी संख्या 80 देखें

**50.3.2** सहायक कंपनियों, ओवीएल, एमआरपीएल, पीएमएचबीएल और एचपीसीएल के संबंध में वित्तीय साधनों, आस्थगित कर परिसंपत्तियों, रोजगार पश्चात लाभ परिसंपत्तियों के अलावा गैर-चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि:

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
ओवीएल	(6,825.57)	(116,599.45)
एमआरपीएल	3,635.53	(5,994.99)
एचपीसीएल	113,414.10	122,712.49
पीएमएचबीएल	(57.10)	(30.87)

### 50.4 प्रमुख ग्राहकों के बारे में जानकारी

समूह का महत्वपूर्ण राजस्व तेल विपणन कंपनियों और अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी) को बिक्री से प्राप्त होता है। वर्ष 2023–24 और 2022–23 के लिए समूह के राजस्व में किसी अन्य एकल ग्राहक ने 10% या उससे अधिक का योगदान नहीं दिया।

### 50.5 भौगोलिक क्षेत्रों के बारे में जानकारी:

- समूह भारत में स्थित है। ग्राहकों के स्थान के अनुसार बाहरी ग्राहकों से प्राप्त राजस्व की राशि नीचे सारणीबद्ध है:

स्थान	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
भारत	5,860,479.71	6,174,564.57
अन्य देश (एसईजेड सहित)	569,890.37	673,727.66
<b>कुल</b>	<b>6,430,370.08</b>	<b>6,848,292.23</b>

- वित्तीय साधनों, आस्थागित कर परिसंपत्तियों, रोजगार—पश्चात लाभ परिसंपत्तियों के अलावा अन्य गैर—वर्तमान परिसंपत्तियों का योग, परिसंपत्तियों के स्थान के अनुसार नीचे दर्शाया गया है:

स्थान	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
भारत	3,829,110.35	3,298,660.20
अन्य देश	607,309.13	614,297.04
<b>कुल</b>	<b>4,436,419.48</b>	<b>3,912,957.24</b>

## 50.6 उत्पादों और सेवाओं के बारे में जानकारी\*

समूह कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, मूल्य वर्धित उत्पादों और डाउनस्ट्रीम (रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स) परिचालन की बिक्री से राजस्व प्राप्त करता है।

## 51 संबंधित पक्ष लेनदेन

### 51.1 संबंधित पक्षों का नाम और संबंध का विवरण:

#### क) सहायक कंपनियाँ

##### 1. ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)

##### 1.1. ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. (ओएनजीबीवी)

##### 1.1.1. ओएनजीसी कैम्पोस लिमिटेड

##### 1.1.2. ओएनजीसी नील गंगा (सैन क्रिस्टोबल) बी.वी.

##### 1.2. ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)

##### 1.3. ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)

##### 1.4. ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड

##### 1.5. कैराबोबो वन एबी

##### 1.5.1. पेट्रो कैराबोबो गंगा बी.वी.

##### 1.6. इंपीरियल एनर्जी लिमिटेड

##### 1.6.1. इंपीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड

##### 1.6.2. इंपीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड

##### 1.6.3. इंपीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड

##### 1.6.4. बियानकस होल्डिंग्स लिमिटेड

##### 1.6.5. रेडविलफ होल्डिंग्स लिमिटेड

##### 1.6.6. इंपीरियल फ्रैंक सर्विसेज (साइप्रस) लिमिटेड

##### 1.6.7. सैन एजियो इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड

##### 1.6.8. एलएलसी सिबिन्टरनेपट\*

##### 1.6.9. एलएलसी अलायंसनेपटेगाज़

##### 1.6.10. एलएलसी नॉर्ड इंपीरियल

##### 1.6.11. एलएलसी रस इंपीरियल ग्रुप

##### 1.6.12. एलएलसी इंपीरियल फ्रैंक सर्विसेज

##### 1.7. ब्यास रोबुमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड

##### 1.8. ओएनजीसी विदेश रोबुमा लिमिटेड

##### 1.9. ओएनजीसी विदेश अटलांटिक इंक.

##### 1.10. ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड

##### 1.10.1. ओएनजीसी विदेश वैंकोरनेपट प्राइवेट लिमिटेड

##### 1.11. इंडस ईस्ट मेडिटरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड (14.11.2023 से परिसमाप्त)

##### 1.12. ओवीएल ओवरसीज आईएफएससी लिमिटेड (07 दिसंबर, 2023 को निगमित)

##### 2 मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)

##### 3 हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)

##### 3.1. प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड

##### 3.1.1. प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड

##### 3.2. एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड

##### 3.3. एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेडसीओ

##### 3.4. एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड (एचपीसीएलएनजी) जिसे पहले एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचएसईपीएल) के नाम से जाना जाता था

##### 3.5. एचपीसीएल रिन्यूएबल एंड ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (19.01.2024 को निगमित)



4. पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड
5. ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (27.02.2024 को कंपनी की पूर्ण सहायक कंपनी के रूप में निगमित)
6. ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट#
- ख) संयुक्त उद्यम**
1. मंगलोर एसईजेड लिमिटेड (एमएसईजेड)
  2. ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएल)
  3. ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)
  4. ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)
  5. दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)
  6. इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)
  7. ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)
  8. मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड, कोलंबिया (ओवीएल के माध्यम से)
  9. हिमालय एनर्जी सीरिया बीवी, नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
  10. शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)
  11. हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  12. एचपीओआईएलगैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  13. एचपीसीएलराजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  14. साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  15. एचपीसीएलमित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  16. गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  17. पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से 30 अगस्त, 2018 से स्वैच्छिक समाप्ति की प्रक्रिया में)
  18. मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  19. अवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएलके माध्यम से)
  20. भाग्यनगर गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
  21. रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
  22. आईएचबी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
- ग) एसोसिएट्स**
1. पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)
  2. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)
  3. रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड
  4. पेट्रो कैराबोबो एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
  5. कैराबोबो इंजीनिएरिया वाई कॉन्स्ट्रक्शंस, एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
  6. पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
  7. साउथ इस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड, हांगकांग (ओवीएल के माध्यम से)
  8. तांबा बीवी, नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
  9. जेएससी वैंकोरनेप्ट, रूस (ओवीएल के माध्यम से)
  10. फालकन ऑयल एंड गैस बीवी, नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
  11. भारत एनर्जी ऑफिस एलएलसी, रूस (ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से) लिमिटेड—ओवीएल)
  12. मोज एलएनजी1 होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)
  13. जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
  14. जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
- घ) ट्रस्ट (सेवानिवृत्ति पश्चात कर्मचारी लाभ ट्रस्ट सहित)**
1. ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट
  2. ओएनजीसी सीएसएसएस ट्रस्ट
  3. ओएनजीसी सहयोग ट्रस्ट
  4. ओएनजीसी पीआरबीएस ट्रस्ट
  5. ओएनजीसी ग्रेच्युटी फंड
  6. ओएनजीसी एनर्जी सेंटर
  7. ओएनजीसी फार्डेशन
  8. एमआरपीएल ग्रेच्युटी फंड ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)

9. एमआरपीएल भविष्य निधि ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)
  10. एमआरपीएल एजुकेशन ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)
  11. एमआरपीएल जनसेवा ट्रस्ट (एमआरपीएल के माध्यम से)
  12. एमआरपीएल परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (एमडीसीपीएस)
  13. उज्ज्वला प्लस फाउंडेशन, (एचपीसीएल के माध्यम से)\$
  14. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड भविष्य निधि
  15. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड कर्मचारी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ निधि
  16. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी आश्वासन योजना
  17. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि योजना
- अ. शीर्ष प्रबंधन कार्मिक**
- अ.१. पूर्णकालिक निदेशक**
    1. श्री अरुण कुमार सिंह, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा अतिरिक्त प्रभार निदेशक (रणनीति एवं निगमित मामले) (01.08.2023 से प्रभावी)
    2. श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक (प्रौ.एवं क्षे.से.)
    3. श्री पंकज कुमार, निदेशक (उत्पादन) एवं अतिरिक्त प्रभार निदेशक (मानव संसाधन) (04.05.2023 तक)
    4. सुश्री पोमिला जसपाल, निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) (31.01.2024 तक)
    5. सुश्री सुषमा रावत, निदेशक (अन्वेषण)
    6. श्री मनीष पाटील, निदेशक (मानव संसाधन) (05.05.2023 से प्रभावी) एवं अतिरिक्त प्रभार निदेशक (वित्त) (01.02.2024 से प्रभावी)
  - अ.२. कंपनी सचिव**
    1. श्री रजनी कांत, कंपनी सचिव
  - अ.३. मुख्य वित्तीय अधिकारी**
    1. श्री के.सी. रमेश (10.02.2024 से)
  - अ.४. स्वतंत्र निदेशक**
    1. श्री श्यामचंद घोष
    2. श्री वी अजीत कुमार राजू
3. श्री मनीष पारीक
  4. सुश्री रीना जेटली
  5. डॉ प्रभास्कर राय
  6. डॉ माधव सिंह
- अ.५. सरकारी नामित व्यक्ति दृ निदेशक**
1. श्री प्रवीण मल खनूजा
- च.१. सहायक कंपनियों के प्रमुख प्रबंधन कर्मी**
1. श्री अरुण कुमार सिंह (ओवीएल)
  2. श्री राजर्षि गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक (ओवीएल)
  3. श्री संजीव तोखी, निदेशक (अन्वेषण) (ओवीएल)
  4. श्री ओंकार नाथ ज्ञानी, निदेशक (संचालन) (ओवीएल)
  5. श्री अनुपम अग्रवाल, मुख्य वित्तीय अधिकारी एवं निदेशक (वित्त) (ओवीएल)
  6. श्री मुंदकुर श्यामप्रसाद कामथ, प्रबंध निदेशक 28 फरवरी, 2024 से (एमआरपीएल)
  7. श्री संजय वर्मा, प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) 1 जून, 2023 से 28 फरवरी, 2024 तक (एमआरपीएल)
  8. श्री संजय वर्मा, निदेशक (रिफाइनरी) (एमआरपीएल)
  9. श्री विवेक चंद्रकांत तोंगांवकर, 2 मई, 2023 से निदेशक (वित्त) (एमआरपीएल)
  10. श्री एम वेंकटेश, प्रबंध निदेशक 31 मई, 2023 तक (एमआरपीएल)
  11. श्री पुष्प कुमार जोशी, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (08 मई, 2022 से)
  12. निदेशक – मानव संसाधन (07 मई, 2022 तक) (एचपीसीएल)\*\*
  13. श्री रजनीश नारंग, निदेशक – वित्त और मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) (एचपीसीएल)
  14. श्री एस भारतन, निदेशक दृ रिफाइनरीज (01 अक्टूबर, 2022 से) (एचपीसीएल)
  15. श्री अमित गर्ग, निदेशक – मार्केटिंग (27 दिसंबर, 2022 से) (एचपीसीएल)
  16. श्री के एस शेट्टी – निदेशक – मानव संसाधन (1 मई, 2023 से) (एचपीसीएल)



17. श्री मुकेश कुमार सुराना, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (30 अप्रैल, 2022 तक) (एचपीसीएल )
18. श्री विनोद एस. शेनॉय, निदेशक – रिफाइनरीज (30 सितंबर, 2022 तक)
19. श्री पंकज कुमार – अध्यक्ष (पीएमएचबीएल)
20. श्री मुकुंदन वी.एम. – प्रबंध निदेशक (पीएमएचबीएल)
21. श्रीमती पोमिला जसपाल – निदेशक (1 फरवरी, 2024 से प्रभावी त्याग पत्र) (पीएमएचबीएल)
22. श्री सुबोध बत्रा – निदेशक (पीएमएचबीएल)
23. श्री अनुज कुमार जैन – निदेशक (पीएमएचबीएल)
24. श्री देबदुलाल अधिकारी – निदेशक (1 फरवरी, 2024 से प्रभावी त्याग पत्र) (पीएमएचबीएल)
25. श्री एम. श्यामप्रसाद कामथ – निदेशक (पीएमएचबीएल)

#### च.2 सहायक कंपनियों के स्वतंत्र निदेशक

1. श्री प्रकाश बाबू कैपी (ओवीएल)
2. श्री धनपत राम अग्रवाल (ओवीएल)
3. श्रीमती दीक्षा गंगवार (ओवीएल)
4. श्रीमती विमला प्रधान (एचपीसीएल)
5. श्री बेचन लाल (एचपीसीएल)
6. श्री विवेकानन्द बिस्वाल (एचपीसीएल)
7. श्री रामदर्शन सिंह पाल (एचपीसीएल)
8. डॉ. नागराजा भालकी (एचपीसीएल)
9. श्री नरेंद्रन के एस (15 मार्च, 2023 से) (एचपीसीएल)
10. श्री जी राजेंद्रन पिल्लई (14 जुलाई, 2022 तक) (एचपीसीएल)

#### च.3 सहायक कंपनियों के सरकारी नामित निदेशक

1. श्रीमती ईशा श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (आईसी और वीआईजी), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार (ओवीएल)
2. श्री बलदेव पुरुषार्थ, संयुक्त सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार 21 अप्रैल, 2023 तक (ओवीएल)
3. श्रीमती सुजाता शर्मा (27 दिसंबर, 2022 से) (एचपीसीएल)
4. श्री पंकज कुमार (22 जून, 2022 से) (एचपीसीएल)
5. श्री सुनील कुमार (27 दिसंबर, 2022 तक) (एचपीसीएल)

#### च.4 सहायक कंपनियों के गैर-कार्यकारी निदेशक

1. श्री अरुण कुमार सिंह, अध्यक्ष (एमआरपीएल)
2. श्री पंकज कुमार, नामित निदेशक (ओएनजीसी) 5 मार्च, 2024 से (एमआरपीएल)
3. श्री भारतन शुभमुगावेल, नामित निदेशक (एमआरपीएल)
4. श्री राजिंदर कुमार, निदेशक (सरकारी नामित) 18 अक्टूबर, 2023 से (एमआरपीएल)
5. श्री धीरज कुमार ओझा, निदेशक (सरकारी नामित) 16 मई, 2023 से (एमआरपीएल)
6. श्री राजकुमार शर्मा, स्वतंत्र निदेशक (एमआरपीएल)
7. श्री मनोहर सिंह वर्मा, स्वतंत्र निदेशक (एमआरपीएल)
8. श्री पंकज गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक (एमआरपीएल)
9. श्रीमती पोमिला जसपाल, नामित निदेशक (ओएनजीसी) 31 जनवरी, 2024 तक (एमआरपीएल)
10. श्री आशीष जोशी, निदेशक (सरकारी नामित) 18 अक्टूबर, 2023 तक (एमआरपीएल)
11. श्रीमती निवेदिता सुब्रमण्यन, स्वतंत्र निदेशक 25 मार्च, 2024 तक (एमआरपीएल)

#### च.5 सहायक कंपनियों के सीएफओ और कंपनी सचिव

1. श्री विवेक चंद्रकांत टोणगांवकर, सीएफओ 24 मई, 2023 तक (एमआरपीएल)
2. श्री योगीश नायक एस, सीएफओ 24 मई, 2023 तक (एमआरपीएल)
3. श्री प्रेमचंद्र राव जी, 31 अक्टूबर, 2023 तक (एमआरपीएल)
4. श्री के बी श्याम कुमार, 31 अक्टूबर, 2023 तक (एमआरपीएल)
5. श्रीमती निशा ढींगरा (ओवीएल)
6. श्री वी. मुरली, कंपनी सचिव (सीएस) (एचपीसीएल)
7. श्री चंदन कुमार दास – सीएफओ (के॒एमपी) (पीएमएचबीएल)
8. श्री सचिन जायसवाल – कंपनी सचिव (के॒एमपी) (पीएमएचबीएल)

\*ओवीएल समूह के पास इंडियन एनर्जी के माध्यम से स्टेप डाउन सब्सिडियरी एलएलसी सिविन्सनेपट ("एसआईजी") की पंजीकृत पूँजी में 55.9% हिस्सेदारी थी। ओवीएल ने एसआईजी से सदस्यता वापस ले ली है और 26 सितंबर, 2023 को रुस के कर प्राधिकरण को आवेदन देकर अपना हिस्सा सरेंडर कर दिया है, जिसे कर प्राधिकरण ने 03 अक्टूबर, 2023 को स्वीकार कर लिया। इचलिए, 26 सितंबर, 2023 से एसआईजी समूह का सदस्य नहीं है।

#ओएनजीसी स्टार्ट अप फॉर ड्रस्ट (नियन्त्रित इकाई) को वित्त वर्ष 2022–23 तक लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के जरिए उचित मूल्य वाले अन्य निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्त वर्ष 2023–24 से स्टार्ट-अप कंपनियों में अंतर्निहित निवेशों के उचित मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए इसे इंड एस 110 के अनुसार समेकन के लिए माना गया है।

## 51.2 उन्मूलन के बाद संबंधित पक्ष लेन-देन का विवरण

### 51.2.1 सहायक कंपनियों के साथ लेन-देन

समूह के समेकित वित्तीय विवरण की तैयारी में अंतर-समूह संबंधित पक्ष लेन-देन और सहायक कंपनियों के साथ बकाया शेष राशि को समाप्त कर दिया जाता है। इसलिए समूह संबंधित पक्ष लेन-देन में इसका खुलासा नहीं किया गया है।

### 51.2.2 संयुक्त उद्यमों के साथ लेन-देन

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>उत्पादों की बिक्री / खरीद:</b>			
क) एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड	पेट्रोलियम उत्पाद	610,401.80	721,966.15
ख) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	पेट्रोलियम उत्पाद	4,866.00	4,677.90
ग) शेल एमआरपीएल एविएशंस फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएफएसएल)	दूषित उत्पाद	0.54	0.10
घ) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	-	1,806.55
ङ) शेल एमआरपीएल एविएशंस फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएफएसएल)	पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	19,656.22	14,258.10
च) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	7,802.99	7,955.16
छ) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	नेपथा और सी 2-सी3 की बिक्री	69,055.76	70,572.36
ज) एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड	माल की बिक्री	2,636.50	985.90
झ) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	माल की बिक्री	9,827.40	10,662.70
ज) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	माल की बिक्री	1.20	2.30
ट) एचपी ऑयल गैस प्राइवेट लिमिटेड-हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का संयुक्त उद्यम	प्राकृतिक गैस की बिक्री	35.75	-
ठ) अवंतिका गैस लिमिटेड-हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का संयुक्त उद्यम	प्राकृतिक गैस की बिक्री	11.65	-
<b>यहां से प्राप्त सेवाएं:</b>			
क) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	बायो-रिमेडिएशन सेवाएँ	490.72	375.86
ख) दहेज एसईजेड लिमिटेड	सी 2-सी 3 प्लांट के लिए एसईजेड भूमि के लिए लीज़ रेट / आरओयू शुल्क	22.03	19.88
ग) एमएसईजेड लिमिटेड	प्रात आपूर्ति और सेवाएँ और लीज़ दर	1,050.92	1,181.46
घ) एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड	अन्य सेवाएँ प्राप्त की गई	171.80	164.40
ङ) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	अन्य सेवाएँ प्राप्त की गई	156.60	73.10
ज) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	अन्य सेवाएँ प्राप्त की गई	466.20	795.40
<b>इन्हें प्रदान की गई सेवाएँ:</b>			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	पाइपलाइन के लिए आरओयू शुल्क प्राप्त हुआ	13.74	-
	ओएंडएम## शुल्क	0.44	0.44
	मैनपावर प्रतिनियुक्ति	37.14	110.67
ख) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	फील्ड अध्ययन शुल्क और कॉलोनी आवास के लिए किराया	0.50	0.60
	मैनपावर लागत की प्रतिपूर्ति	-	0.09



संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
ग) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	स्कोप मीनार में कार्यालय स्थान का किराया	27.44	24.44
घ) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएफएसएल)	विद्युत शुल्क और रॉयल्टी आय की प्रतिपूर्ति	29.30	16.40
ङ) एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड	मानव शक्ति आपूर्ति सेवा, पट्टा किराया और अन्य सेवा	1,184.00	343.96
च) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	मानव शक्ति आपूर्ति सेवा, पट्टा किराया और अन्य सेवा	83.90	79.91
छ) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	मानव शक्ति आपूर्ति सेवाएँ, पट्टा किराया और अन्य सेवा	107.50	126.10
ज) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	मानव शक्ति प्रतिनियुक्ति	37.27	39.90
झ) हिमालय एनर्जी सीरिया बीवी, नीदरलैंड (ओएनजीसी नील गंगा बीवी के माध्यम से)	मानव शक्ति की प्रतिनियुक्ति और अन्य शुल्क	0.99	0.96
ज) मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड, कोलंबिया (ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड के माध्यम से)	आईओजीपीटी, ओएनजीसी मुंबई से प्राप्त परामर्श सेवाएँ	9.43	-
<b>लाभांश आय</b>			
क) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	लाभांश आय	448.00	392.00
ख) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएफएसएल)	लाभांश आय	135.00	217.50
ग) एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड	लाभांश आय	3,000.40	4,999.30
घ) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	लाभांश आय	236.30	472.50
ङ) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	लाभांश आय	500.00	150.00
च) मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड, कोलंबिया (ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड के माध्यम से)	लाभांश आय	165.59	1,928.90
छ) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	लाभांश आय	-	12.50
<b>ऋण एवं अग्रिम</b>			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	भूमि हस्तांतरण के लिए प्राप्त अग्रिम राशि	-	17.30
ख) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	सुरक्षा जमा	5.34	-
<b>इकिवटी शेयरों की सदस्यता</b>			
क) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आई जीजीएल)	इकिवटी में सदस्यता	243.60	1,130.00
<b>माने गए निवेश गैर-नकद लेनदेन (भारतीय लेखा मानक के अनुसार उचित मूल्यांकन):</b>			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर पर व्याज की वित्तीय गारंटी के लिए माना गया इकिवटी निवेश	20.78	22.74
ख) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	माना गया इकिवटी निवेश – वित्तीय गारंटी दायित्व और वित्तीय गारंटी शुल्क का परिशोधन	42.82	7.68

# ओएनजीसी

ऊर्जा: आज और कल

## 51.2.3 संयुक्त उद्यमों के पास बकाया शेष

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>क. प्राप्य राशि:</b>			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	2,912.26	3,732.06
ख) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	380.67	393.44
ग) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	2.83	3.16
घ) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएफएसएल)	व्यापार और अन्य प्राप्य	1,790.26	1,227.11
ङ) एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	367.60	56.41
च) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	30.90	738.81
छ) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	23.10	10.31
<b>ख. देय राशि:</b>			
क) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	व्यापार देय	73.83	62.36
ख) मंगलोर एसईजेड लिमिटेड	व्यापार देय	79.39	153.07
ग) एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड	व्यापार देय	39,070.70	38,752.40
घ) हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	733.70	215.40
ङ) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	92.40	60.00
च) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	व्यापार देय और अन्य जमा	5.34	-
<b>ग. बकाया ऋण एवं अग्रिम:</b>			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	शेयर वारंट की सदस्यता के विरुद्ध अग्रिम राशि	33,649.59	33,649.59
ख) मंगलोर एसईजेड लिमिटेड	पूंजी अग्रिम और सुरक्षा जमा	73.64	58.13
ग) हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी., नीदरलैंड (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	लिया गया ऋण	302.31	301.25
<b>घ. प्रतिबद्धताएँ:</b>			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	शेयर वारंट की अवैतनिक सदस्यता	862.81	862.81
	अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर के लिए बैंकस्टॉफिंग समर्थन- अर्जित ब्याज	2,212.45	1,766.85
ख) इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आई जीजीएल)	आईजीजीएल द्वारा ओआईडीबी से लिया गया ऋण	1,320.00	200.00
<b>ङ. आश्वसन पत्र:</b>			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड	बांड/गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर/सावधि ऋण/या ऐसे ऋण साधनों के विरुद्ध आरोप पत्र	100,000.00	100,000.00



#### 51.2.4 सहयोगियों के साथ लेन–देन

(₹ भिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>क. यहां से उत्पादों की खरीद:</b>			
क) फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड (ओएनजीसी नाइल गंगा बी.वी. के माध्यम से)	कच्चे तेल की खरीद	36,027.49	40,222.56
<b>ख. निम्नलिखित से प्राप्त सेवाएँ:</b>			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	हेलीकॉप्टर सेवाओं को किराए पर लेना	1,183.60	1,342.06
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	एलएनजी की खरीद	22,399.81	15,472.58
ग) फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड (ओएनजीसी नाइल गंगा बी.वी. के माध्यम से)	सी2–सी3 पर सुविधा शुल्क और सलाहकार शुल्क की प्रतिपूर्ति	1,196.49	555.47
	व्यय की प्रतिपूर्ति	2.71	2.64
घ) भारत एनजी ऑफिस एलएलसी, रूस (ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से)	मानवशक्ति की प्रतिनियुक्ति और अन्य शुल्क	7.70	20.95
<b>ग. निम्नलिखित को प्रदान की गई सेवाएँ:</b>			
क) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	निदेशक बैठने का शुल्क और अन्य शुल्क	-	0.14
ख) फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड्स (ओएनजीसी नाइल गंगा बी.वी. के माध्यम से)	मानवशक्ति की प्रतिनियुक्ति और अन्य शुल्क	85.43	83.88
ग) पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	मानवशक्ति की प्रतिनियुक्ति और अन्य शुल्क	101.07	83.82
<b>घ. लाभांश और व्याज आय:</b>			
क) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	लाभांश आय	1,875.00	2,156.25
ख) साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड, हांगकांग (ओएनजीसी नाइल गंगा बी.वी. के माध्यम से)	व्याज आय	-	34.91
ग) पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओएनजीसी नाइल गंगा बी.वी. के माध्यम से)	व्याज आय	250.74	168.03
घ) फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड (ओएनजीसी नाइल गंगा बी.वी. के माध्यम से)	लाभांश आय	1,523.46	2,816.19
ङ) तांबा बी.वी., नीदरलैंड (ओएनजीसी नाइल गंगा बी.वी. के माध्यम से)	लाभांश आय	111.78	195.30
च) जेएससी वैकोरनेफट, रूस (ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से)	लाभांश आय	9,799.03	9,710.14
<b>ड. निवेश</b>			
क) मोज एलएनजी1 होल्डिंग कंपनी लिमिटेड	इकिवटी पूँजी में निवेश (ओवीआरएल के माध्यम से)	999.62	964.79
ख) मोज एलएनजी1 होल्डिंग कंपनी लिमिटेड	इकिवटी पूँजी में निवेश (बीआरईएमएल के माध्यम से)	999.62	964.79
<b>च. ऋण का भुगतान निम्नलिखित द्वारा किया गया:</b>			
क) साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड, हांगकांग (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	सहयोगी द्वारा चुकाया गया ऋण	1,409.85	779.41
<b>छ. अन्य लेनदेन:</b>			
क) साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड, हांगकांग (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	पूँजी अंशदान की अदायगी	1,409.85	429.35
ख) जेएससी वैकोरनेफट	लागत की प्रतिपूर्ति	-	19,526.49

# ओएनजीसी

ऊर्जा: आज और कल

## 51.2.5 सहयोगियों के पास बकाया शेष

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>क. प्राप्य राशि:</b>			
क) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	-	0.16
ख) फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड्स (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	मानवशक्ति की प्रतिनियुक्ति और अन्य शुल्क	11.54	10.82
ग) पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	लाभांश प्राप्य	44,679.35	33,912.99
<b>ख. देय राशि:</b>			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	व्यापार देय	307.14	129.27
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	व्यापार देय	1,060.68	1,869.79
ग) फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	व्यापार देय	1,949.62	8,924.16
<b>ग. बकाया ऋण एवं अग्रिम:</b>			
क) पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	दिया गया ऋण	1,426.19	1,405.48
ख) पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	उपार्जित ब्याज	1,002.17	738.84

## 51.2.6 द्रस्टों के साथ लेन-देन

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>क. भुगतान का प्रेषण:</b>			
क) ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि द्रस्ट	अंशदान	11,314.11	11,605.08
ख) ओएनजीसी सीएसएसएस द्रस्ट	अंशदान	1,194.82	2,209.08
ग) ओएनजीसी सहयोग द्रस्ट	अंशदान	42.22	43.60
घ) ओएनजीसी पीआरबीएस द्रस्ट	अंशदान	8,996.97	8,983.56
ङ) ओएनजीसी ग्रेच्युटी द्रस्ट	अंशदान	306.20	423.45
च) एमआरपीएल प्रोविडेंट फंड	अंशदान	0.00	583.46
छ) एमआरपीएल ग्रेच्युटी निधि	अंशदान	150.60	202.90
ज) एमआरपीएल का एमडीजीपीएस	अंशदान	365.31	-
झ) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड प्रोविडेंट फंड	अंशदान	1,308.80	1,310.70
ज) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड कर्मचारी सेवानिवृत्ति पश्चात विकित्सा लाभ निधि	अंशदान	1,809.64	1,475.00
ट) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी आश्वासन योजना	अंशदान	275.40	695.40
ठ) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि योजना	अंशदान	1,078.00	1,312.50



संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
ख. ट्रस्ट की ओर से किए गए ग्रेचुटी भुगतान की प्रतिपूर्ति:			
क) ओएनजीसी ग्रेचुटी फंड	प्रतिपूर्ति	3,055.11	4,545.17
ख) एमआरपीएल ग्रेचुटी फंड	प्रतिपूर्ति	59.76	43.49
ग. निम्नलिखित को प्रदान की गई सेवाएँ:			
क) ओ एनजीसी ऊर्जा केंद्र	किराये की आय	3.57	3.24
ख) एमआरपीएल एजुकेशन ट्रस्ट	प्रदान की गई सेवाएँ	2.36	2.15
ग) एमआरपीएल जनसेवा ट्रस्ट	प्रदान की गई सेवाएँ	2.45	2.52
घ. ट्रस्ट में योगदान:			
क) एम आरपीएल जनसेवा ट्रस्ट	अंशदान	52.15	52.64
ख) एमआरपीएल एजुकेशन ट्रस्ट	अंशदान	63.20	54.68
ग) ओएनजीसी एनर्जी सेंटर	अनुसंधान एवं विकास के लिए	100.00	195.00
घ) ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट (टिप्पणी संख्या 4(ओ) देखें)	निवेश	-	250.00
ड) ओएनजीसी फाउंडेशन	सीएसआर गतिविधियाँ	2,263.53	1,496.19

#### 51.2.7 शीर्ष प्रबंधन कर्मियों का पारिश्रमिक

##### • पूर्णकालिक निदेशक और कंपनी सचिव

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
अत्यावधि कर्मचारी लाभ	171.08	181.65
सेवा के पश्चात के लाभ	31.06	39.39
दीर्घावधि लाभ	9.80	21.47
<b>कुल</b>	<b>211.94</b>	<b>242.51</b>

##### • स्वतंत्र निदेशक

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
बैठने का शुल्क	19.61	20.83
<b>कुल</b>	<b>19.61</b>	<b>20.83</b>

##### • बकाया शेष

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
प्राप्य राशि	27.24	5.35
देय राशि	15.75	5.68

### 51.3 सरकार से संबंधित कंपनियों के संबंध में प्रकटीकरण

51.3.1 सरकार से संबंधित कंपनियों का नाम और संबंध का विवरण जिसमें महत्वपूर्ण मात्रा में लेनदेन किया गया:

क्र. सं.	सरकार से संबंधित कंपनियां	संबंध
1.	इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
2.	गेल (इंडिया) लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
3.	भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
4.	चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
5.	नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
6.	कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
7.	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
8.	यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
9.	भारत संचार निगम लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
10.	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
11.	बॉमर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
12.	शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया	केंद्रीय पीएसयू
13.	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
14.	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
15.	भारत पंप एंड कंप्रेसर लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
16.	ऑयल इंडिया लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
17.	कोल इंडिया लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
18.	नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
19.	भारतीय जीवन बीमा निगम	केंद्रीय पीएसयू

क्र. सं.	सरकार से संबंधित कंपनियां	संबंध
20.	ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
21.	ब्रिज एंड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
22.	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
23.	कॉकां रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
24.	राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
25.	नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
26.	न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
27.	कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	केंद्रीय पीएसयू
28.	फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड	केंद्रीय सरकार
29.	इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	केंद्रीय सरकार
30.	सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी	केंद्रीय सरकार
31.	भारतीय रेलवे	केंद्रीय सरकार
32.	केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल	केंद्रीय सरकार
33.	कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड	केंद्रीय सरकार
34.	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	राज्य सरकार
35.	केरल लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड	राज्य सरकार
36.	मालाबार सीमेंट्स लिमिटेड	राज्य सरकार
37.	सदस्य सचिव, कोएसपीसीबी, मंगलोर	राज्य सरकार
38.	मेसकॉम	राज्य सरकार
39.	अतिरिक्त मुख्य विद्युत निरीक्षक, मंगलोर	राज्य सरकार
40.	न्यू मंगलोर पोर्ट ट्रस्ट	केंद्रीय बंदरगाह ट्रस्ट



### 51.3.2 सरकार से संबंधित कंपनियों के साथ समूह लेनदेन

(₹ भिलियन में)

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>वर्ष के दौरान उत्पादों की बिक्री:</b>			
क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल सी 2–सी 3, एस केओ, एचएसडी, एलपीजी और संबंधित सेवाओं की बिक्री	427,810.98	611,521.97
ख) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल सी 2–सी 3, एसकेओ, एचएसडी और एलपीजी की बिक्री	314,601.05	318,814.23
ग) चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	कच्चे तेल की बिक्री	75,335.04	102,464.42
घ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	कच्चे तेल की बिक्री	34,787.16	49,426.79
ङ) कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	कच्चे तेल की बिक्री	6,481.48	-
च) गेल (इंडिया) लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	295,906.52	327,876.27
छ) ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	912.22	1,049.90
ज) नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	1,578.47	1,669.55
झ) इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड	कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	(38.79)	45.93
अ) फार्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड।	पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	197.79	2,615.56
ट) भारतीय रेल	पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	5,986.36	5,501.40
ठ) केरल लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड	पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	255.73	347.91
ड) मालाबार सीमेंट्स लिमिटेड	पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	273.41	324.00
ढ) राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फार्टिलाइजर्स लिमिटेड	पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	38.34	480.17
<b>वर्ष के दौरान प्रदान की गई उत्पाद एवं सेवाओं की खरीद:</b>			
क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल तेल और स्नेहक की खरीद	8,698.67	22,500.66
ख) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल तेल और स्नेहक की खरीद	1,721.77	5,706.56
ग) गेल (इंडिया) लिमिटेड	एलएनजी और अन्य संबंधित सेवाओं की खरीद	4,432.24	11,781.02
घ) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	स्पेयर और संबंधित सेवाओं सहित ड्रिलिंग रिंग से संबंधित वस्तुओं की खरीद	1,849.52	2,047.00
ङ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	एचएसडी की खरीद	175.45	14.04
च) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	उत्पादों की खरीद	85.08	308.75
छ) इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	कच्चे तेल की खरीद	-	2.04

संबंधित पक्ष का नाम	लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>इन्हें सेवाएँ प्रदान की गई:</b>			
क) इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	एमआरपीएल कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति	10.71	11.76
<b>प्राप्त सेवाएँ:</b>			
क) कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड	बिजली की खरीद	-	0.01
ख) ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	784.24	855.24
ग) न्यू मंगलोर पोर्ट ट्रस्ट	बंदरगाह सेवाएँ अन्य	1,614.42	1,376.86
घ) ब्रिज एंड रुफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड	नौकरी कार्य सेवा	97.81	273.46
ङ) इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	तकनीकी सेवाएँ	127.16	282.76
च) भारतीय शिपिंग निगम	जहाजों को किराये पर लेना	4,226.12	9,811.46
छ) कॉकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड	रेलवे साइडिंग माल ढुलाई शुल्क	1,357.04	1,286.20
ज) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल)	पीटी कार्यक्रम सेवाएँ	-	0.03
झ) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड	अन्य सेवाएँ	11.25	-
ज) अतिरिक्त मुख्य विद्युत निरीक्षक, मंगलोर	कैटिव-पावर-जनरल-सीपीपी-सोलर	199.29	208.13
ट) केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल	सुरक्षा शुल्क	255.34	244.68
ठ) सदस्य, सचिव, केएसपीसीबी, मंगलोर	सहमति शुल्क का भुगतान	4.00	0.80
ड) मेसकॉम	बिजली आपूर्ति और रेटिंग शुल्क	1,565.83	1,118.81
ढ) नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	सेवाएँ	-	0.50
ण) बॉमर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड	यात्रा व्यय	1,454.22	1,377.66
त) न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	सेवाएँ	17.51	31.01
थ) यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	1,876.58	2,415.87
द) ऑयल इंडिया लिमिटेड	पाइप लाइन सेवा	350.58	181.69
ध) भारतीय जीवन बीमा निगम	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना, छुट्टी नकदीकरण और अन्य के लिए प्रेषण	3,846.98	29,269.91
न) कंडेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	सेवाएँ	20.65	6.23
प) उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र	सेवाएँ	5.81	35.51
फ) कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	सेवाएँ	5.17	1.59
<b>लाभांश आय प्राप्त हुई:</b>			
क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	लाभांश आय	16,046.58	4,813.97
ख) गेल (इंडिया) लिमिटेड	लाभांश आय	1,796.94	1,524.68



### 51.3.3 सरकार से संबंधित कंपनियों के पास बकाया शेष

(₹ भिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	
<b>प्राप्य राशि:</b>			
क) इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	28,939.88	30,382.27
ख) भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	22,640.10	14,755.36
ग) इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएस पीआरएल)	व्यापार और अन्य प्राप्य	7.99	48.74
घ) भारतीय रेलवे	व्यापार और अन्य प्राप्य	616.06	1,056.70
ङ) राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	-	24.51
च) फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड।	व्यापार और अन्य प्राप्य	15.31	257.06
छ) चैने पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	8,961.70	4,470.73
ज) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	3,497.19	2,882.79
झ) गोल (हिंडिया) लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	17,088.86	23,271.37
ज) ऑयल इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	23.08	371.96
ट) ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	27.65	69.40
ठ) कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	3,084.70	-
ड) कोल इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	64.86	992.37
ढ) भारतीय जीवन बीमा निगम	सेवानिवृत्ति के बाद प्राप्य	8,579.42	3,990.86
<b>विक्रेताओं को अग्रिम राशि:</b>			
क) उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र	अग्रिम	-	3.94
ख) कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	भूमि आदि के लिए अग्रिम और प्रतिभूति जमा	6,951.61	-
ग) मेस्कॉम	अग्रिम	432.59	99.14
घ) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल	अग्रिम	29.85	29.84
ङ) न्यू मंगलोर पोर्ट ट्रस्ट	अग्रिम	248.43	238.99
च) नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अग्रिम	-	0.06
छ) ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अग्रिम	3.58	3.97
ज) न्यू हिंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	अग्रिम	0.14	0.13
झ) यूनाइटेड हिंडिया इंश्योरेंस	अग्रिम	-	3.87
ज) इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	अग्रिम	2.64	-
ट) कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड	अग्रिम	131.63	19.06
<b>देय राशि:</b>			
क) ब्रिज एंड रुफ कंपनी (हिंडिया) लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	46.76	81.73
ख) इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	134.47	196.50

(₹ मिलियन में)

विवरण		31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
ग) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	958.43	494.78
घ) शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	1,603.13	2,161.75
ङ) कॉकेंग रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	128.17	-
च) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	37.22	96.79
छ) इंडियन स्ट्रैटोजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	व्यापार और अन्य देय	5.00	6,283.15
ज) गेल (इंडिया) लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	170.82	333.90
झ) मेसकॉम	व्यापार और अन्य देय	108.83	144.32
ज) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	108.93	674.04
ट) बॉमर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	69.44	56.09
ठ) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	74.65	91.32
ड) ऑयल इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	13.11	580.93
ढ) भारतीय जीवन बीमा निगम	व्यापार और अन्य देय	121.75	79.64
ण) कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	व्यापार और अन्य देय	5.16	-
त) केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल	व्यापार और अन्य देय	19.99	20.77
क) अतिरिक्त मुख्य विद्युत निरीक्षक, मंगलोर	व्यापार और अन्य देय	19.44	19.29
द) न्यू मंगलोर बंदरगाह प्राधिकरण	व्यापार और अन्य देय	5.61	-
ध) उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र	व्यापार और अन्य देय	3.94	4.03
न) कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	व्यापार और अन्य देय	0.06	0.04
<b>ग्राहकों से अग्रिम राशि</b>			
क) केरल लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड	अग्रिम	-	0.36
ख) सहायक निदेशक के आरआईडीएल	अग्रिम	-	0.48
ग) मालाबार सीमेंट्स लिमिटेड	अग्रिम	-	0.17

सरकार से संबंधित संस्थाओं के साथ उपरोक्त लेन-देन में वे लेन-देन शामिल हैं जो कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के पास उपलब्ध हैं। इसके अलावा, ऊपर शामिल लेन-देन में वे लेन-देन शामिल हैं जो व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। समूह ने ऊपर उल्लिखित और अन्य विभिन्न सरकारी संबंधित कंपनियों के साथ टेलीफोन व्यय, हवाई यात्रा, ईंधन खरीद और जमा आदि जैसे अन्य लेन-देन भी किए हैं। ये लेन-देन व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से महत्वहीन हैं और इसलिए इनका खुलासा नहीं किया गया है।

## 52 वित्तीय साधन प्रकटीकरण

### 52.1 पूंजी प्रबंधन

पूंजी प्रबंधन करते समय समूह का उद्देश्य है:

- समूह को चालू रखने की अपनी क्षमता को सुरक्षित रखना ताकि समूह हितधारकों को अधिकतम लाभ और अन्य हितधारकों को लाभ प्रदान करने में सक्षम हो; और
- पूंजी की लागत को कम करने के लिए एक इष्टतम पूंजी संरचना बनाए रखना।



समूह शेयरधारकों के लिए मूल्य वृद्धि की खोज का समर्थन करने के लिए अपने वित्तीय ढांचे को बनाए रखता है, जबकि एक सुरक्षित वित्तीय आधार सुनिश्चित करता है। पूँजी संरचना को बनाए रखने या समायोजित करने के लिए, समूह शेयरधारकों को लाभांश की राशि को समायोजित कर सकता है, शेयरधारकों को पूँजी वापस कर सकता है, नए शेयर जारी कर सकता है या ऋण को कम करने के लिए संपत्ति बेच सकता है।

समूह की पूँजी संरचना में शुद्ध ऋण (टिप्पणी संख्या 29 में नकदी और बैंक शेष द्वारा ऑफसेट किए गए उधार) और कुल इकिवटी (टिप्पणी संख्या 26, 27 और 28 देखें) शामिल हैं।

समूह की वित्तीय प्रबंधन समितियां नियमित आधार पर पूँजी संरचना की समीक्षा करती हैं। इस समीक्षा के हिस्से के रूप में, समिति पूँजी की लागत, पूँजी आवश्यकताओं के प्रत्येक वर्ग से जुड़े जोखिम और पर्याप्त तरलता के रखरखाव पर विचार करती है।

### 52.1.1 गियरिंग अनुपात

गियरिंग अनुपात निम्न प्रकार से निकाला जाता है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
i) ऋण	1,197,554.01	1,291,855.56
ii) कुल नकदी और बैंक शेष	366,896.42	291,403.27
घटाँँ: कार्यशील पूँजी के लिए आवश्यक नकदी और बैंक शेष	386.06	389.16
शुद्ध नकदी और बैंक शेष	366,510.36	291,014.11
iii) शुद्ध ऋण	831,043.65	1,000,841.45
iv) कुल इकिवटी	3,650,905.47	3,033,827.31
v) शुद्ध ऋण से इकिवटी अनुपात	22.76%	32.99%

### 52.2 वित्तीय साधनों की श्रेणियाँ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>वित्तीय परिसंपत्तियाँ</b>		
लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई (एफवीटीपीएल)		
(क) स्पूचुअल फंड में निवेश	-	-
(ख) अनिवार्य परिवर्तनीय वरीयता शेयर	2,708.75	365.22
(ग) व्युत्पन्न परिसंपत्तियाँ	29.19	40.14
(घ) ऋण साधन	53,802.09	51,688.97
(ङ) इकिवटी साधनों में निवेश	17.84	8.32
(च) स्टार्ट अप फंड में निवेश#	-	600.15
<b>परिशोधित लागत पर मापा गया</b>		
(क) भारत सरकार के विशेष बॉन्ड में निवेश	-	1,975.08
(ख) व्यापार और अन्य प्राप्य	222,984.31	213,740.67
(ग) नकद और नकद समकक्ष	41,327.51	26,399.98
(घ) अन्य बैंक शेष	325,568.91	265,003.29
(ङ) साइट बहाली निधि के तहत जमा	285,710.40	267,511.58
(च) ऋण	38,626.66	34,231.69

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
(छ) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	233,767.32	185,950.95
एफवीटीओसीआई पर मापी गई		
(क) इविवटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश (टिप्पणी संख्या 14.2.2, 14.2.3 और 14.2.4)	411,722.75	197,376.82
वित्तीय देनदारियाँ		
लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई		
(क) व्युत्पन्न देयता	1,479.15	667.02
परिशोधित लागत पर मापी गई		
(क) अल्पकालिक उधारी	418,034.08	308,260.11
(ख) दीर्घकालिक उधारी	779,519.93	983,595.45
(ग) व्यापार देय	374,902.85	336,426.02
(घ) अन्य वित्तीय देनदारियाँ		
i. अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर	76,352.06	75,725.94
ii. वित्तीय गारंटी अनुबंध	49.27	13.26
iii. अन्य	375,242.04	405,133.99
(ङ) लीज़ देयताएँ	334,251.27	130,692.60

#ओएनजीसी स्टार्ट अप फंड ट्रस्ट (नियंत्रित इकाई) को वित्त वर्ष 2022–23 तक लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्यांकित अन्य निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्त वर्ष 2023–24 से आगे इसे स्टार्ट-अप कंपनियों में अंतर्निहित निवेशों के उचित मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इंड एएस 110 के अनुसार समेकन के लिए माना गया है।

कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या संस्था (संस्थाओं) को, जिसमें विदेशी संस्थाएं (मध्यस्थ) शामिल हैं, कोई भी निधि अग्रिम, ऋण या निवेश (चाहे उधार ली गई निधि से या शेयर प्रीमियम से या किसी अन्य स्रोत या निधि के प्रकार से) नहीं दी गई है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ कंपनी द्वारा या उसकी ओर से पहचाने गए पक्ष (अंतिम लाभार्थी) में ऋण देगा या निवेश करेगा। कंपनी ने किसी भी पक्ष (निधि देने वाली पार्टी) से इस समझ के साथ कोई निधि प्राप्त नहीं की है कि कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी द्वारा या उसकी ओर से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं (अंतिम लाभार्थी) में ऋण देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई वस्तु प्रदान करेगी।

### 52.3 वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य

समूह की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तरलता सुनिश्चित करते हुए, समूह जोखिमों की डिग्री और परिमाण के आधार पर जोखिमों का विश्लेषण करके समूह के संचालन से

संबंधित प्रमुख वित्तीय जोखिमों की निगरानी और प्रबंधन भी करता है। इन जोखिमों में ऋण जोखिम, तरलता जोखिम और बाजार जोखिम (मुद्रा जोखिम और मूल्य जोखिम सहित) शामिल हैं।

कंपनी के संदर्भ में, वर्ष के दौरान, कंपनी की तरलता स्थिति आरामदायक थी। अल्पावधि कार्यशील पूँजी/घाटे की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न बैंकों के पास उपलब्ध ऋण/अल्पावधि ऋण निधि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त थे। कंपनी के पास वाणिज्यिक पत्र के माध्यम से धन जुटाने के लिए ₹100,000 मिलियन की समग्र सीमा भी है। नकदी प्रवाह/तरलता स्थिति की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है।

सहायक कंपनी ओवीएल के मामले में, कंपनी का प्रबंधन जोखिम जोखिमों से बचाव के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधनों का उपयोग करके इन जोखिमों के प्रभावों को कम करने का प्रयास करता है। वित्तीय व्युत्पन्नों का उपयोग निवेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की नीतियों द्वारा नियंत्रित होता है, जो विदेशी मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम, ऋण जोखिम, वित्तीय व्युत्पन्नों और



गैर-व्युत्पन्न वित्तीय साधनों के उपयोग और अतिरिक्त तरलता के निवेश पर लिखित सिद्धांत प्रदान करते हैं। नीतियों और जोखिम सीमाओं के अनुपालन की समीक्षा आंतरिक लेखा-परीक्षकों द्वारा निरंतर आधार पर की जाती है। समूह सट्टा उद्देश्यों के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधनों सहित वित्तीय साधनों में प्रवेश या व्यापार नहीं करता है।

सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में, निगम ने उद्यम जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति के तहत एक उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा स्थापित किया है, जो व्यावसायिक रणनीतियों के अग्रभाग में अंतर्निहित है और हितधारकों के साथ मजबूत, गहरे और विश्वास-आधारित संबंधों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह ढांचा गतिशील जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण के माध्यम से विकसित जोखिम परिदृश्य से गुजरने के लिए व्यवसाय को आवश्यक सहायता प्रदान करता है जो व्यवधान को गले लगाता है और लचीलापन बढ़ाता है और विश्वास बनाता है। समूह नियमित रूप से पहचाने गए और उभरते जोखिमों की समीक्षा कर रहा है और उचित जोखिम शमन उपाय कर रहा है। जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) को जोखिम जोखिमों के बारे में नियमित जानकारी मिलती है, जिससे यह त्वरित कार्रवाई के बारे में इनपुट प्रदान करने के साथ-साथ की गई कार्रवाईयों की निगरानी करने में सक्षम हो जाती है। बोर्ड को जोखिम मूल्यांकन और शमन प्रक्रियाओं के बारे में नियमित रूप से अपडेट किया जाता है। ईआरएम प्रक्रियाओं का समर्थन करने के लिए प्रौद्योगिकी को सक्षम किया गया है, जिसका उद्देश्य संगठन भर में जोखिम जोखिमों को अनुकूलित करना और जोखिम रिपोर्टिंग को स्वचालित करना है। सहायक कंपनी पीएमएचबीएल के मामले में, कंपनी की गतिविधियाँ इसे कई तरह के वित्तीय जोखिमों के संपर्क में लाती हैं: बाजार जोखिम, ऋण जोखिम और तरलता जोखिम। कंपनी का ध्यान वित्तीय बाजारों की अप्रत्याशितता का पूर्वानुमान लगाना और अपने वित्तीय प्रदर्शन पर संभावित प्रतिकूल प्रभावों को कम करना है।

सहायक कंपनी एमआरपीएल के मामले में, कंपनी की जोखिम प्रबंधन समिति जोखिमों की डिग्री और परिमाण के आधार पर जोखिमों का विश्लेषण करके कंपनी के संचालन से संबंधित प्रमुख वित्तीय जोखिमों की निगरानी और प्रबंधन करती है। इन जोखिमों में बाजार जोखिम (मुद्रा जोखिम और ब्याज दर जोखिम सहित), ऋण जोखिम और तरलता जोखिम शामिल हैं।

## 52.4 ऋण जोखिम प्रबंधन

ऋण जोखिम नकदी और नकद समकक्षों, परिशोधित लागत पर किए गए निवेशों और बैंकों के साथ—साथ ग्राहकों के पास जमा राशियों से उत्पन्न होता है, जिसमें प्राप्य राशियाँ भी शामिल हैं।

ऋण जोखिम प्रबंधन बाहरी ऋण रेटिंग (जहाँ तक उपलब्ध हो), मैक्रो-इकोनॉमिक जानकारी (जैसे विनियामक परिवर्तन, सरकारी निर्देश, बाजार ब्याज दर) जैसे संकेतकों सहित उपलब्ध उचित और सहायक अग्रगामी जानकारी पर विचार करता है।

ऋण जोखिम का प्रबंधन अधिशेष निधियों के निवेश के लिए प्रतिपक्ष सीमाओं द्वारा किया जाता है, जिसकी प्रबंधन द्वारा समीक्षा की जाती है। लिकिवड प्लान/स्कीमों में निवेश सार्वजनिक क्षेत्र की एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के पास है, जिनकी रेटिंग सबसे अधिक है। बैंकों के लिए, जमा राशि रखने के लिए केवल उच्च रेटिंग वाले बैंकों पर विचार किया जाता है। बैंक बैलेंस प्रतिष्ठित और क्रेडिट योग्य बैंकिंग संस्थानों के पास रखे जाते हैं।

कंपनी के संबंध में, मुख्य ग्राहक, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसी) और उच्चतम क्रेडिट रेटिंग वाली गैस कंपनियाँ हैं, जो नगण्य ऋण जोखिम उठाती हैं। किसी भी अन्य प्रतिपक्ष के लिए ऋण जोखिम की सांद्रता वर्ष के दौरान किसी भी समय कुल मौद्रिक परिसंपत्तियों के 2.35% (पिछले वर्ष 5.00%) से अधिक नहीं थी।

क्रेडिट एक्सपोजर का प्रबंधन अधिशेष निधियों के निवेश के लिए प्रतिपक्ष सीमाओं द्वारा किया जाता है, जिसकी समीक्षा प्रबंधन द्वारा की जाती है। लिकिवड प्लान/स्कीमों में निवेश सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों के पास है, जिनकी रेटिंग सबसे अधिक है। बैंकों के लिए, जमाराशियों के प्लेसमेंट के लिए केवल उच्च रेटिंग वाले बैंकों पर विचार किया जाता है। बैंक बैलेंस प्रतिष्ठित और क्रेडिट योग्य बैंकिंग संस्थानों के पास रखे जाते हैं।

भारतीय लेखा मानक 109—वित्तीय साधनों के अनुसार, कंपनी अपने व्यापार प्राप्तियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की माप और पहचान के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानि ("ईसीएल") मॉडल का उपयोग करती है।

अपेक्षित क्रेडिट हानि की गणना के उद्देश्य से, कंपनी उधारकर्ताओं की क्रेडिट रेटिंग के आधार पर डिफॉल्ट दरों की गणना करने के

लिए रेटिंग—आधारित दृष्टिकोण का पालन करती है और प्रासंगिक मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों का उपयोग करके दूरंदेशी अनुमानों को शामिल किया जाता है। डिफॉल्ट तब होता है जब प्रबंधन के दृष्टिकोण से वसूली के लिए सभी उपलब्ध विकल्पों पर विचार करने के बाद प्राप्तियों की वसूली की कोई महत्वपूर्ण संभावना नहीं होती है।

वर्ष के दौरान परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि के लिए हानि भत्ते में उतार—चढ़ाव इस प्रकार था:

(₹ मिलियन में)

वित्तीय परिसंपत्तियाँ	प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान बनाई गई ईसीएल	ईसीएल वापस लिखे	ईसीएल को बट्टे खाते में डाला गया / पुनर्वर्गीकरण	समापन शेष
	क	ख	ग	घ	(क+ख+ग+घ)
नकद में वसूली योग्य अग्रिम राशि	16,259.11	318.62	(174.04)	-	16,403.69
जमा राशि	9.96	8.14	(0.04)	-	18.06
जेओ भागीदारों से प्राप्त नकद कॉल	8,625.43	552.30	(1.37)	-	9,176.36
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	0.10	6.25	(0.04)	-	6.32
सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम को ऋण	170.50	-	-	-	170.50
कर्मचारियों को ऋण	9.21	85.53	(0.21)	-	94.53
व्यापार प्राप्तियाँ	2,868.30	511.64	(200.50)	-	3,179.44
बैंक जमा राशि > 12 महीने की परिपक्वता	-	20.65	-	-	20.65
<b>कुल</b>	<b>27,942.62</b>	<b>1,503.13</b>	<b>(376.20)</b>	<b>-</b>	<b>29,069.55</b>

कंपनी बैंकों/सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों की ओर से विक्रेताओं को दी गई वित्तीय गारंटी के संबंध में डिफॉल्ट जोखिम के संपर्क में है, जो कि दायित्व ग्रहण करने के लिए तीसरे पक्ष को देय अनुमानित राशि होगी। 31 मार्च, 2024 तक इस संबंध में कंपनी का अधिकतम जोखिम ₹426,266.10 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹401,168.34 मिलियन) है।

**सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में,** प्रमुख ग्राहकों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (तेल विपणन कंपनियाँ – ओएमसी) शामिल हैं, जिनकी क्रेडिट रेटिंग सबसे अधिक है और वे नगण्य क्रेडिट जोखिम उठाते हैं। किसी भी अन्य प्रतिपक्ष के लिए क्रेडिट जोखिम की एकाग्रता वर्ष के दौरान किसी भी समय कुल मौद्रिक परिसंपत्तियों के 10% से अधिक नहीं थी। जमाराशियों के प्लेसमेंट के लिए केवल उच्च रेटिंग वाले बैंकों पर विचार किया जाता है। बैंक बैलेंस प्रतिष्ठित और क्रेडिट योग्य बैंकिंग संस्थानों के पास रखे जाते हैं।

**सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में,** कंपनी के प्रमुख ग्राहक प्रतिष्ठित तेल विपणन कंपनियाँ (ओएमसी) / अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियाँ (आईओसी) / राष्ट्रीय तेल कंपनियाँ (एनओसी) हैं, जिनकी क्रेडिट रेटिंग सबसे अधिक है, और वे नगण्य क्रेडिट जोखिम वहन करती हैं।

**सहायक कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में,** रिपोर्टिंग तिथि

पर क्रेडिट जोखिम का अधिकतम जोखिम मुख्य रूप से 31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 तक क्रमशः ₹ शून्य और ₹ शून्य की राशि के व्यापार प्राप्तियों से है। व्यापार प्राप्तियाँ आमतौर पर असुरक्षित होती हैं और ग्राहकों से अर्जित राजस्व से प्राप्त होती हैं। इंड एएस 109 को अपनाने के कारण, कंपनी हानि हानि का आकलन करने के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानि मॉडल का उपयोग करती है।

पिछले अनुभव के आधार पर, कंपनी के पास नगण्य स्तर के खराब ऋण हैं, क्योंकि प्राप्तियाँ मुख्य रूप से 4 सीपीएसई ग्राहकों से हैं जिनके साथ कंपनी का दीर्घकालिक संबंध है। व्यवहार में, अपेक्षित ऋण हानियाँ इतनी महत्वहीन होती हैं कि किसी गणना या हानि रिजर्व की आवश्यकता ही नहीं होती। हालांकि, कंपनी ने पुराने संदिग्ध / विवादित प्राप्तियों के संबंध में आजीवन ऋण हानि के आधार पर अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान किया है।

**सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में,** ऋण जोखिम वित्तीय हानि का जोखिम है, यदि कोई ग्राहक या वित्तीय साधन का प्रतिपक्ष अपने संविदात्मक दायित्वों को पूरा करने में विफल रहता है। जोखिम मुख्य रूप से ग्राहकों से प्राप्तियों और निवेश प्रतिभूतियों से उत्पन्न होता है। जोखिम को ऋण स्वीकृति, ऋण सीमाएँ स्थापित करने और उन ग्राहकों की ऋण योग्यता की



निरंतर निगरानी के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है, जिन्हें समूह व्यवसाय के सामान्य क्रम में ऋण शर्त प्रदान करता है।

नीचे कवर किए गए सभी वित्तीय साधनों के मामले में ऋण जोखिम के लिए अधिकतम जोखिम उनकी संबंधित वहन राशि तक सीमित है।

#### व्यापार प्राप्त:

एचपीसीएल के संबंध में,

समूह का ऋण जोखिम के प्रति जोखिम मुख्य रूप से प्रत्येक

ग्राहक की व्यक्तिगत विशेषताओं से प्रभावित होता है।

समूह व्यक्तिगत रूप से और / या बड़ी संख्या में ग्राहकों के समूह के रूप में व्यापार प्राप्त / अन्य प्राप्त की हानि का आकलन करता है, समरूप रूप से और अपने अपेक्षित नुकसान का अनुमान लगाकर संदिग्ध ऋणों के लिए हानि भत्ता को मान्यता देता है। इस संबंध में, व्यापार प्राप्त पर अपेक्षित ऋण घाटे को मापने के लिए एक भत्ता मैट्रिक्स का उपयोग किया जाता है जिसे अच्छा माना जाता है। निम्नलिखित तालिका ऐसे व्यापार प्राप्त पर ऋण जोखिम और हानि भत्ते (अपेक्षित ऋण हानि प्रावधान सहित) के जोखिम के बारे में जानकारी प्रदान करती है:

(₹ मिलियन में)

	31.03.2024			31.03.2023		
	सकल वहन राशि	भारित औसत हानि दर	हानि भत्ता	सकल वहन राशि	भारित औसत हानि दर	हानि भत्ता
0–90 दिन से अधिक समय तक देय	89,355.40	0.09%	76.10	65,877.20	0.07%	43.10
91–360 दिन से अधिक समय तक देय	2,414.60	15.82%	381.90	1,920.20	5.73%	110.00
360 दिन से अधिक समय तक देय	4,389.10	56.05%	2,460.20	3,083.80	77.97%	2,404.30
	<b>96,159.10</b>		<b>2,918.20</b>	<b>70,881.20</b>		<b>2,557.40</b>

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) उपभोक्ताओं को दिए गए व्यापार प्राप्तियों और ऋणों पर हानि भत्ते में उतार-चढ़ाव इस प्रकार है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	व्यापार प्राप्त	ऋण
<b>01.04.2022 तक शेष राशि</b>		
जोड़ेः हानि भत्ता मान्यता प्राप्त	1,722.90	1,187.00
घटाएँः हानि भत्ता वापस किया गया	935.00	-
घटाएँः अपलिखित राशियाँ	49.90	936.90
	50.60	-
<b>31.03.2023 तक शेष राशि</b>	<b>2,557.40</b>	<b>250.10</b>
जोड़ेः हानि भत्ता मान्यता प्राप्त	779.30	3,010.60
घटाएँः हानि भत्ता वापस किया गया	-	-
घटाएँः अपलिखित राशियाँ	418.50	-
<b>31.03.2024 तक शेष राशि</b>	<b>2,918.20</b>	<b>3,260.70</b>

अपलिखित राशि उन ग्राहकों से संबंधित है जिन्होंने भुगतान में चूक की है और उनसे मुख्य रूप से आर्थिक परिस्थितियों के कारण अपने बकाया शेष का भुगतान करने की उम्मीद नहीं की जा रही है।

#### नकदी और नकदी समकक्ष

एचपीसीएल समूह के पास 31.03.2024 तक ₹2,798.50 मिलियन की नकदी और नकदी समकक्ष थी (31.03.2023: ₹5,184.80

मिलियन)। नकदी और नकदी समकक्ष (हाथ में नकदी के अलावा) अनुसूचित बैंकों के पास रखे गए हैं। समूह अपने अधिशेष धन को बैंकों, भारत सरकार के टी-बिल, ट्राई पार्टी रेपो सिस्टम (टीआरईपीएस), क्लियरकॉर्प रेपो ऑर्डर मैचिंग सिस्टम (सीआरओएमएस) और म्यूचुअल फंड की ऋण योजनाओं में अल्प अवधि के लिए निवेश करता है, जिनमें से सभी में बाजार जोखिम नहीं है क्योंकि समूह केवल कम क्रेडिट जोखिम के संपर्क में है।

## डेरिवेटिव:

विदेशी मुद्रा और ब्याज दर डेरिवेटिव निवेश ग्रेड रेटिंग वाले बैंकों के साथ दर्ज किए जाते हैं। कमेडिटी डेरिवेटिव्स को ओटीसी (ओवर-द-काउंटर) मार्केट में प्रतिष्ठित काउंटरपार्टियों के साथ दर्ज किया जाता है। काउंटरपार्टियों के जोखिम की बारीकी से निगरानी की जाती है और स्वीकृत सीमाओं के भीतर रखा जाता है।

## ऋण प्रतिभूतियों में निवेश:

सरकारी प्रतिभूतियों या बॉन्ड में निवेश किया जाता है, जिसमें कोई क्रेडिट जोखिम नहीं होता है, जो प्रकृति में संप्रभु होते हैं।

## 52.5 तरलता जोखिम प्रबंधन

समूह बैंक जमा सहित पर्याप्त नकदी और नकदी समकक्षों को बनाए रखने और प्रतिबद्ध क्रेडिट सुविधाओं की पर्याप्त मात्रा के माध्यम से धन की उपलब्धता के माध्यम से तरलता जोखिम का प्रबंधन करता है ताकि देय होने पर दायित्वों को पूरा किया

जा सके। प्रबंधन अपेक्षित नकदी प्रवाह के आधार पर तरलता स्थिति और नकदी और नकदी समकक्षों के रोलिंग पूर्वानुमानों की निगरानी करता है। इसके अलावा, तरलता प्रबंधन में वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करके और तुलन पत्र तरलता अनुपात की निगरानी करके दायित्वों को पूरा करने के लिए आवश्यक तरल परिसंपत्तियों के स्तर पर विचार करते हुए नकदी प्रवाह का अनुमान लगाना भी शामिल है।

निम्नलिखित तालिकाएँ सहमत पुनर्भुगतान अवधि के साथ समूह की वित्तीय देनदारियों के लिए शेष संविदात्मक परिपक्वता का विवरण देती हैं। तालिकाओं में शामिल जानकारी वित्तीय देनदारियों के नकदी प्रवाह के आधार पर तैयार की गई है, जो कि उस प्रारंभिक तिथि पर आधारित है जिस पर कंपनी को भुगतान करने की आवश्यकता हो सकती है। तालिकाओं में ब्याज और मूलधन दोनों के नकदी प्रवाह शामिल हैं। संविदात्मक परिपक्वता उस प्रारंभिक तिथि पर आधारित है जिस पर कंपनी को भुगतान करने की आवश्यकता हो सकती है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	भारित औसत प्रभावी ब्याज दर	1 महीने से कम	1 महीना -1 वर्ष	1 वर्ष - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
<b>31 मार्च, 2024 तक</b>						
<b>परिशोधित लागत पर मापा गया</b>						
<b>निश्चित दर उधार</b>						
उधार और उस पर ब्याज		23,653.21	311,560.64	278,171.17	309,890.41	923,275.43
750 मिलियन अमेरिकी डॉलर असुरक्षित गैर-परिवर्तनीय रेग एस बॉन्ड	4.72%	-	62,028.76	-	-	62,028.76
600 मिलियन अमेरिकी डॉलर विदेशी मुद्रा बॉन्ड	3.802%	-	-	49,959.63	-	49,959.63
<b>परिवर्तनीय दर उधार</b>						
1000 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3 एम टर्म एस ओएफआर + 0.95% + सीएएस 0.26161%	-	37,099.37	-	-	37,099.37
500 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3 एम टर्म एसओएफआर + 1% + सीएएस 0.26161%	-	6,622.12	-	-	6,622.12
500 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3 एम टर्म एसओएफआर	-	-	41,263.20	-	41,263.20
600 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3 एम टर्म एसओएफआर	-	-	49,640.88	-	49,640.88



(₹ मिलियन में)

विवरण	भारित औसत प्रभावी व्याज दर	1 महीने से कम	1 महीना -1 वर्ष	1 वर्ष - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म ऋण	3एम टर्म एसओएफआर+0.90%	-	-	8,252.64	-	8,252.64
500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म ऋण (मई, 2023)	3एम टर्म एसओएफआर + 1.192%	-	-	-	41,267.37	41,267.37
420 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म ऋण (जनवरी, 2024)	3एम टर्म एसओएफआर + 1.135%	-	-	-	34,682.09	34,682.09
550 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म ऋण (जनवरी, 2024)	3एम टर्म एसओएफआर + 1%	-	-	45,710.46	-	45,710.46
बैंक से टर्म ऋण (जेपीवाई 38 बिलियन सुविधा)	3एमजेपीवाईलिबोर + 47 बीपीएस	-	6,977.35	-	-	6,977.35
<b>व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ</b>						
वायदा विनिमय अनुबंध (शुद्ध)		-	-	-	-	-
<b>अन्य वित्तीय देयताएँ</b>						
लीज़ देयताएँ #						338,103.02
संबंधित पक्ष से ऋण		-	2.10	4.19	302.62	308.90
व्यापार देय		132,887.55	298,210.07	72.95	1.20	431,171.76
प्रचालकों को देय		13,899.40	3,401.33	-	-	17,300.73
पूंजीगत आपूर्तियों/सेवाओं के लिए प्रतिधारण धन		2.77	6.51	1.05	10.62	20.94
उत्पादन साझाकरण समझौते के विस्तार के लिए देय बोनस		-	1,137.27	-	-	1,137.27
धारित कंपनी को देय		-	208.94	-	-	208.94
आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं से जमाराशि		3,411.50	570.43	1,283.90	9.03	5,274.85
अर्जित व्याज		2,297.20	2,784.76	540.28	-	5,622.24
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर			76,352.06			76,352.06
अन्य (अन्य वित्तीय देयताएँ)		104,783.99	194,856.86	5.29	71.12	299,717.26
<b>सकल अन्य वित्तीय देयताएँ</b>	<b>257,282.40</b>	<b>577,530.31</b>	<b>1,907.66</b>	<b>394.59</b>	<b>1,175,217.97</b>	
घटाएँ: समूह के भीतर उन्मूलन						58,296.83
<b>शुद्ध अन्य वित्तीय देयताएँ</b>						<b>1,116,921.14</b>
<b>कुल योग</b>						<b>2,423,700.43</b>
वित्तीय गारंटी दायित्व*						3,532.45

# ओएनजीसी

ऊर्जा: आज और कल

(₹ मिलियन में)

विवरण	मारित औसत प्रभावी ब्याज दर	1 महीने से कम	1 महीना - 1 वर्ष	1 वर्ष - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
<b>31 मार्च, 2023 तक</b>						
परिशोधित लागत पर मापा गया						
<b>निश्चित दर उधार</b>						
उधार और उस पर ब्याज		22,261.26	274,746.25	324,551.99	423,154.53	1,044,714.03
750 मिलियन अमेरिकी डॉलर असुरक्षित गैर-परिवर्तनीय रेंग एस बॉन्ड	4.72%	-	-	61,128.39	-	61,128.39
500 मिलियन अमेरिकी डॉलर असुरक्षित गैर-परिवर्तनीय रेंग एस बॉन्ड	3.76%	-	41,032.66	-	-	41,032.66
600 मिलियन अमेरिकी डॉलर विदेशी मुद्रा बॉन्ड	3.802%	-	-	-	49,212.00	49,212.00
<b>परिवर्तनीय दर उधार</b>						
1000 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3 एम / 6 एमलिबोर + 95 बीपीएस	-	-	81,246.35	-	81,246.35
500 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3 एम / 6 एमलिबोर + 100 बीपीएस	-	-	40,787.48	-	40,787.48
500 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3एम / 6एमलिबोर + 97 बीपीएस	-	-	-	40,664.25	40,664.25
600 मिलियन अमेरिकी डॉलर सिंडिकेटेड ऋण	अमेरिकी डॉलर 3एम / 6 एमलिबोर + 85 बीपीएस	-	-	-	48,920.33	48,920.33
100 मिलियन अमेरिकी डॉलर सावधि ऋण	3एम टर्म एसओएफआर + 90 बीपीएस	-	-	-	8,132.84	8,132.84
बैंक से सावधि ऋण (जेपीवाई 38 बिलियन सुविधा)	3एमजेपीवाईलिबोर + 47 बीपीएस	-	2,875.62	7,808.93	-	10,684.55
<b>व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं</b>						
वायदा विनिमय अनुबंध (शुद्ध)		15.70				15.70
<b>अन्य वित्तीय देयताएं</b>						
लीज़ देयताएं #		-	-	-	-	134,493.81
संबंधित पक्ष से ऋण		-	-	48.19	253.06	301.25
व्यापार देय		128,831.96	247,478.96	70.32	4,294.28	380,675.51
प्रचालकों को देय	-	32,948.65	-	-	-	32,948.65
पूँजीगत आपूर्ति / सेवाओं के लिए प्रतिधारण धन		2.16	3.49	0.50	13.22	19.37



(₹ मिलियन में)

विवरण	मारित औसत प्रभावी ब्याज दर	1 महीने से कम	1 महीना – 1 वर्ष	1 वर्ष – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
उत्पादन साझाकरण समझौते के विस्तार के लिए देय बोनस	-	-	1,120.76	1,096.03	-	2,216.79
धारित कंपनी को देय		-	608.37	-	-	608.37
आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं से जमाराशि	-	3,200.32	251.97	1,425.72	37.33	4,915.34
अर्जित ब्याज	-	885.86	6,085.61	1,206.17	265.82	8,443.46
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर		-	75,725.94	-	-	75,725.94
अन्य (अन्य वित्तीय देयताएँ)	-	119,749.81	191,558.56	0.45	71.37	311,380.19
<b>सकल अन्य वित्तीय देयताएँ</b>	<b>-</b>	<b>285,618.76</b>	<b>522,833.66</b>	<b>3,847.38</b>	<b>4,935.07</b>	<b>951,728.69</b>
घटाएँ: अंतर—समूह उन्मूलन						46,772.51
शुद्ध अन्य वित्तीय देयताएँ						<b>904,956.18</b>
<b>कुल योग</b>						<b>2,331,494.76</b>
<b>वित्तीय गारंटी दायित्व*</b>						1,966.85

\*संयुक्त उद्यम कंपनियों की ओर से बैंकों/विक्रेताओं को दी गई वित्तीय गारंटी दायित्व के संबंध में 31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 तक कंपनी के अधिकतम जोखिम को दर्शाता है, जो कि दायित्व ग्रहण करने के लिए तीसरे पक्ष को देय अनुमति राशि होगी। #लीज देयताओं के परिपक्वता विश्लेषण के लिए कृपया टिप्पणी संख्या 48.2 देखें।

समूह को परिचालन नकदी प्रवाह और परिपक्व वित्तीय परिसंपत्तियों की आय से अपने अन्य दायित्वों को पूरा करने की उम्मीद है। समूह के पास नीचे वर्णित प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं तक पहुंच है:

#### कंपनी के संबंध में,

कंपनी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के साथ मिलकर 27 अगस्त, 2019 को 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए यूरो मीडियम टर्म नोट (ईएमटीएन) कार्यक्रम की स्थापना की थी, जिसे सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज और बाद में इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (इंडिया आईएनएक्स) में सूचीबद्ध किया गया था और यह 5 दिसंबर, 2029 को परिपक्व होगा। ईएमटीएन कार्यक्रम को कंपनी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों ओएनजीसी विदेश लिमिटेड और ओएनजीसी विदेश वैकोरनेपट लिमिटेड के साथ मिलकर 19 अप्रैल, 2021 को ड्रॉडाउन के लिए अपडेट किया था। हालांकि, फंड

की आवश्यकता की दृश्यता के आधार पर ईएमटीएन कार्यक्रम में आगे का अपडेट किया जाएगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान निजी प्लेसमेंट के आधार पर कुल ₹41,400 मिलियन के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) की चार श्रृंखला जारी करके घेरेलू ऋण पूँजी बाजार का दोहन किया। 31 मार्च, 2024 तक बकाया एनसीडी का विवरण टिप्पणी संख्या 29.1.3 के अंतर्गत दिया गया है। अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) के लिए देयताएँ संयुक्त उद्यम कंपनी ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड (ओपीएएल) द्वारा जारी सीसीडी के मुकाबले परिपक्वता प्रोफाइल का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिसकी राशि ₹77,780.00 मिलियन है। कंपनी के पास प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं तक पहुंच है और उपयोग की जाने वाली सुविधाओं का विवरण नीचे दिया गया है। कंपनी को परिचालन नकदी प्रवाह और परिपक्व वित्तीय परिसंपत्तियों की आय से अपने अन्य दायित्वों को पूरा करने की उम्मीद है। असुरक्षित बैंक औवरड्राफ्ट सुविधा, जिसकी वार्षिक समीक्षा की जाती है और कॉल पर देय होती है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
उपयोग की गई राशि	-	-
अप्रयुक्त राशि#	45,000	45,000

#वर्ष के अंत में, कंपनी की व्यावसायिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नकद ऋण सीमा ₹45,000 मिलियन (पिछले वर्ष ₹45,000 मिलियन) थी। ₹ शून्य (पिछले वर्ष ₹ शून्य) की नकद ऋण सीमा का उपयोग कार्यशील पूँजी ऋण के रूप में किया गया।

इसके अलावा, वर्ष के अंत में, कंपनी ने ₹शून्य (पिछले वर्ष ₹73,013.50 मिलियन) की सावधि जमा सुविधा के विरुद्ध ऋण की सुविधा की व्यवस्था की थी। इसके विरुद्ध, ₹शून्य (पिछले वर्ष ₹6,289.99 मिलियन) की सावधि जमा के विरुद्ध ऋण का उपयोग किया गया।

उपर्युक्त के अलावा, कंपनी ने अन्य बैंकों के साथ 31 मार्च, 2024 तक ₹57,500 मिलियन (पिछले वर्ष ₹50,000 मिलियन) की अप्रयुक्त अल्पावधि ऋण सुविधाओं की व्यवस्था की थी।

कंपनी के पास वाणिज्यिक पत्र के माध्यम से धन जुटाने के लिए ₹100,000 मिलियन (पिछले वर्ष ₹100,000 मिलियन) की अप्रयुक्त सीमा भी थी।

#### सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में,

कंपनी के पास नीचे वर्णित वित्तपोषण सुविधाओं तक पहुंच है, जिनमें से रिपोर्टिंग अवधि के अंत में ₹47.11 मिलियन अप्रयुक्त थे (31 मार्च, 2023 तक ₹70.34 मिलियन)। कंपनी को उम्मीद है कि वह परिचालन नकदी प्रवाह और परिपक्व वित्तीय परिसंपत्तियों की आय से अपने अन्य दायित्वों को पूरा करेगी।

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
सुरक्षित बैंक ओवरड्रॉफ्ट सुविधा, कॉल पर देयः	100.00	100.00
– उपयोग की गई राशि	52.89	29.66
– अप्रयुक्त राशि	47.11	70.34
	-	-

#### सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में,

निम्न तालिका कंपनी के व्युत्पन्न वित्तीय साधनों के लिए तरलता विश्लेषण का विवरण देती है। यह तालिका व्युत्पन्न साधनों पर बिना छूट वाले संविदात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह और बहिर्वाह के आधार पर तैयार की गई है, जो सकल आधार पर निपटाए जाते हैं:

(₹ मिलियन में)

विवरण	3 महीने से कम	3 महीने – 6 महीने	6 महीने – 1 वर्ष	1 वर्ष से अधिक	कुल	वहन राशि
<b>31 मार्च, 2024 तक</b>						
सकल निपटानः						
<b>व्युत्पन्न देयताएँ</b>						
– विदेशी मुद्रा शर्त अनुबंध	1,479.15	-	-	-	1,479.15	1,479.15
<b>कुल</b>	<b>1,479.15</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>1,479.15</b>	<b>1,479.15</b>
सकल निपटानः						
<b>व्युत्पन्न परिसंपत्तियाँ</b>						
– विदेशी मुद्रा शर्त अनुबंध	-	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
<b>31 मार्च, 2023 तक</b>						
सकल निपटानः						
<b>व्युत्पन्न देयताएँ</b>						
– विदेशी मुद्रा शर्त अनुबंध	558.66	-	-	92.63	651.29	651.29
<b>कुल</b>	<b>558.66</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>92.63</b>	<b>651.29</b>	<b>651.29</b>
सकल निपटानः						
<b>व्युत्पन्न परिसंपत्तियाँ</b>						
– विदेशी मुद्रा शर्त अनुबंध	-	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>



## सहायक कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में,

कंपनी की तरलता के मुख्य स्रोत नकदी और नकदी समकक्ष तथा परिचालन से उत्पन्न नकदी प्रवाह हैं। कंपनी के पास कोई भी बैंक उधार बकाया नहीं है। कंपनी का मानना है कि कार्यशील पूँजी इसकी वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। तदनुसार, कोई भी तरलता जोखिम नहीं माना जाता है।

## सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में,

### (i) वित्तपोषण व्यवस्था

समूह के पास विभिन्न बैंकों से पर्याप्त निधि और गैर-निधि आधारित लाइनें हैं। समूह के पास अपने शेयरधारकों और बोर्ड द्वारा विधिवत अनुमोदित पर्याप्त उधार सीमाएँ हैं। प्रतिष्ठित

### (ii) व्युत्पन्न वित्तीय देयताओं का विवरण इस प्रकार है:

(₹ मिलियन में)

व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं	संविदात्मक नकदी प्रवाह				
	31.03.2024			31.03.2023	
	1 वर्ष तक	1-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	1 वर्ष तक	1-3 वर्ष
फॉरवर्ड एक्सचेंज अनुबंध (शुद्ध)	-	-	-	15.70	-
कुल	-	-	-	<b>15.70</b>	-

## 52.6 बाजार जोखिम

समूह के संदर्भ में, बाजार जोखिम संभावित बाजार मूल्य आंदोलनों और किसी व्यवसाय के भविष्य के प्रदर्शन पर उनके प्रभाव से उत्पन्न होने वाला जोखिम या अनिश्चितता है। बाजार जोखिम के प्रमुख घटक कमोडिटी मूल्य जोखिम, विदेशी मुद्रा जोखिम और व्याज दर जोखिम हैं।

### कंपनी के संदर्भ में

कंपनी को अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और गैस की कीमतों के कारण होने वाले प्राथमिक कमोडिटी मूल्य जोखिम जो कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियों या अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह के मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में पर्याप्त या विस्तारित गिरावट का कंपनी के रिपोर्ट किए गए परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रबंधन ने आंतरिक और बाहरी स्रोतों की जानकारी के आधार पर यूक्रेन-रूस संघर्ष के जारी रहने के संभावित प्रभाव का आकलन

क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों से धन प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। समूह के निधियों और नकदी प्रवाह के विविध स्रोत इसे अपेक्षित पूँजी संरचना अनुशासन बनाए रखने में सक्षम बनाते हैं। समूह विभिन्न परिपक्वताओं और मुद्राओं में उपकरणों और वित्तपोषण उत्पादों के मिश्रण के साथ अपनी पूँजी संरचना में विविधता लाता है। वित्तपोषण उत्पादों में सिंडिकेटेड ऋण, विदेशी मुद्रा बांड, बैंक टर्म लोन, ट्रेप्स लोन, क्रॉम्स लोन, वाणिज्यिक पत्र, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर, क्रेता क्रेडिट लोन, स्वच्छ ऋण आदि शामिल हैं। समूह समय-समय पर भौगोलिक क्षेत्रों में उचित फंडिंग मिश्रण और विविधीकरण सुनिश्चित करने के लिए घरेलू और विदेशी ऋण बाजारों का उपयोग करता है।

### सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में

कंपनी को जिन प्राथमिक कमोडिटी मूल्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है, उनमें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें शामिल हैं जो कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियों या अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह के मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में पर्याप्त या विस्तारित गिरावट का कंपनी के रिपोर्ट किए गए परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

ओवीएल विदेशी मुद्रा जोखिम और व्याज दर जोखिम के प्रति अपने जोखिम का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न प्रकार के व्युत्पन्न वित्तीय साधनों में प्रवेश करती है, जिनमें शामिल हैं:

- (क) जेपीवाई ऋण के संबंध में अपने जोखिम को कम करने के लिए व्युत्पन्न अनुबंध।

### सहायक कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में

सेवाओं का लाभ उठाने के कारण कंपनी का अंतरराष्ट्रीय जोखिम थोड़ा कम है। हाल के वर्षों में रुपये और डॉलर के बीच विनिमय दर में बदलाव आया है और भविष्य में इसमें उतार-चढ़ाव हो सकता है। हालांकि, कंपनी पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है।

### 52.7 विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन

कंपनी के मामले में, कच्चे तेल की बिक्री कीमत यूनाइटेड स्टेट्स डॉलर (यू.एस. \$) में अंकित है, हालांकि बिल और प्राप्ति भारतीय रुपये (₹) में की जाती है। इसलिए, कंपनी मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्यवृद्धि से विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। प्राप्तियों/राजस्व और भुगतान/व्यय के कारण विदेशी मुद्रा जोखिम का प्रबंधन, जहां भी संभव हो, निर्यात आय के माध्यम से स्वाभाविक रूप से होने वाले विपरीत जोखिमों को कम करके किया जाता है और घरेलू बिक्री से उपलब्ध प्राकृतिक बचाव को ध्यान में रखते हुए अवशिष्ट के लिए असुरक्षित जोखिम उठाए जाते हैं।

कंपनी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित लेनदेन करती है और परिणामस्वरूप विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के संपर्क में रहती है। विनिमय दर जोखिम को स्वीकृत नीति मापदंडों के भीतर प्रबंधित किया जाता है।

कंपनी के पास विदेशी मुद्रा और व्याज जोखिम प्रबंधन नीति (आरएमपी) है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राजस्व और तुलन पत्र खातों दोनों पर विदेशी मुद्रा जोखिम की उचित गणना, रिकॉर्ड और निगरानी की जाती है, जोखिम को सहनीय स्तरों तक सीमित रखा जाता है और जोखिम की रिपोर्टिंग और जोखिम प्रबंधन कार्यों के मूल्यांकन के लिए एक कुशल प्रक्रिया बनाई जाती है।

आरएमपी का प्राथमिक उद्देश्य जोखिम को सीमित करना/कम करना है और विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन समिति (एफआरएमसी)

उचित प्राधिकार और संरचित जिम्मेदारी के साथ विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रबंधन के लिए मौजूद है। एफआरएमसी कानूनी और नियामक ढांचे के भीतर उचित रूप से पहचान, आकलन, निगरानी और प्रबंधन/शमन करती है। कंपनी के पास एक हेजिंग नीति है ताकि कंपनी भर में जोखिमों की पहचान की जा सके और उन्हें मापा जा सके, तदनुसार, शुद्ध जोखिम के आधार पर उचित हेजिंग की जा सके।

कंपनी के पास स्वीकार्य जोखिम सीमा के भीतर विदेशी मुद्रा जोखिम को हेज करने के लिए एक संरचित जोखिम प्रबंधन नीति है। हेजिंग इंस्ट्रमेंट में प्लेन वेनिला फॉरवर्ड (प्लेन वेनिला स्वैप सहित) और विकल्प अनुबंध शामिल हैं। एफआरएमसी बाजार की अस्थिरता, बाजार की स्थितियों, कानूनी ढांचे, वैश्विक घटनाओं और अन्य मैक्रो-आर्थिक स्थितियों के आधार पर हेजिंग उपकरणों के चयन के बारे में आवश्यक निर्णय लेती है। वर्ष के दौरान, कोई हेजिंग निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी क्योंकि 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के शुद्ध जोखिम का उल्लंघन नहीं हुआ।

### सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में,

समूह मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में लिए गए ऋणों और आयातों के पुनर्भुगतान दायित्वों के कारण मुद्रा जोखिम के संपर्क में है, जिसका भुगतान विदेशी मुद्रा में किया जाना है। जोखिम मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर में है। विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन प्रकोष्ठ (एफआरएमसी) सक्रिय रूप से विदेशी मुद्रा और व्याज दर जोखिमों की समीक्षा करता है। समूह विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के अनुरूप विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में परिवर्तन के जोखिम को कम करने के लिए जेनेरिक डेरिवेटिव अनुबंधों का उपयोग करता है। समूह ट्रेडिंग या सट्टा उद्देश्यों के लिए डेरिवेटिव वित्तीय साधनों का उपयोग नहीं करता है।

सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, कंपनी मुख्य रूप से कच्चे तेल की खरीद और निर्यात बिक्री के लिए विदेशी मुद्राओं में मूल्यांकित लेनदेन करती है और विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित उधार लेती है; परिणामस्वरूप, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम उत्पन्न होते हैं।

सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, कार्यात्मक मुद्रा अमेरिकी डॉलर है। कंपनी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में मूल्यांकित लेनदेन करती है और परिणामस्वरूप विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के संपर्क में रहती है।



रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समूह की विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित मौद्रिक परिसंपत्तियों और मौद्रिक देयताओं की अग्रणीत राशियाँ निम्नानुसार हैं:

(₹ मिलियन में)

विवरण	देयताएँ तक		परिसंपत्तियाँ तक	
	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
अमेरिकी डॉलर	520,103.07	559,487.17	24,507.10	31,810.85
जीबीपी	1,586.62	737.67	-	-
यूरो	974.44	1,700.98	-	-
एईडी	30,245.84	9,711.85	-	-
जेपीवाई	6,987.45	10,711.24	-	-
अन्य	128.80	212.43	14,523.35	6,907.11
<b>कुल</b>	<b>560,026.22</b>	<b>582,561.34</b>	<b>39,030.45</b>	<b>38,717.96</b>

#### 52.7.1 विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता विश्लेषण

समूह मुख्य रूप से कार्यात्मक मुद्रा के अलावा अन्य मुद्रा के विरुद्ध विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रति संवेदनशील है। लाभ या हानि की संवेदनशीलता मुख्य रूप से ओवीएल के मामले में यूरो, जेपीवाई और रुपये के उधारों के विरुद्ध तथा अन्य मामलों में अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित प्राप्त और देय राशियों से उत्पन्न होती है।

कंपनी के संबंध में,

कंपनी मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर के विरुद्ध जोखिम के प्रति संवेदनशील है। लाभ या हानि की संवेदनशीलता मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित प्राप्त और देय राशियों से उत्पन्न होती है।

अमेरिकी डॉलर – रुपए मुद्रा जोड़े के बीच विनिमय दर में (+/-) 5% के उचित संभावित परिवर्तनों के प्रबंधन के आकलन के अनुसार, अवधि के अंत में केवल बकाया यूएस डॉलर मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों पर लाभ या हानि की संवेदनशीलता नीचे प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

वर्ष के अंत में अमेरिकी डॉलर संवेदनशीलता	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>परिसंपत्तियाँ:</b>		
₹ में 5% की कमजोरी	501.88	410.36
₹ में 5% की मजबूती	(501.88)	(410.36)
<b>देयताएँ:</b>		
₹ में 5% की कमजोरी	(5,807.43)	(5,776.33)
₹ में 5% की मजबूती	5,807.43	5,776.33

सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, कंपनी मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिकी डॉलर) की मुद्रा के संपर्क में है। लाभ या हानि की संवेदनशीलता मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित प्राप्त और देय राशि से उत्पन्न होती है।

अमेरिकी डॉलर – रुपये मुद्रा जोड़ी के बीच +/– 5% की विनिमय दर में उचित संभावित परिवर्तनों के प्रबंधन के आकलन के अनुसार, अवधि के अंत में केवल बकाया विदेशी मुद्रा मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों पर लाभ या हानि की संवेदनशीलता नीचे प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

वर्ष के अंत में अमेरिकी डॉलर संवेदनशीलता	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>प्राप्त:</b>		
रुपये में 5% की कमी	269.52	607.10
रुपये में 5% की मजबूती	(269.52)	(607.10)
<b>देय:</b>		
रुपये में 5% की कमी	(5,174.71)	(5,776.05)
रुपये में 5% की मजबूती	5,174.71	5,776.05

सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में,

कंपनी कार्यात्मक मुद्रा के अलावा अन्य मुद्राओं के विरुद्ध विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। लाभ या हानि की संवेदनशीलता मुख्य रूप से जेपीवाई उधार के विरुद्ध उत्पन्न होती है।

जेपीवाई-अमेरिकी डॉलर मुद्रा जोड़ी के बीच  $+/- 5\%$  की विनिमय दर में उचित संभावित परिवर्तनों के प्रबंधन के आकलन के अनुसार, वर्ष के अंत में बकाया विदेशी मुद्रा मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों पर लाभ या हानि की संवेदनशीलता नीचे प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

वर्ष के अंत में अमेरिकी डॉलर संवेदनशीलता	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
<b>उधार</b>		
जे.पी.वाई.-अमेरिकी डॉलर में 5% की वृद्धि	348.87	534.23
जे.पी.वाई.-अमेरिकी डॉलर में 5% की गिरावट	(348.87)	(534.23)

प्रबंधन की राय में, संवेदनशीलता विश्लेषण अंतर्निहित विदेशी मुद्रा जोखिम का प्रतिनिधित्व नहीं करता है क्योंकि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में जोखिम अवधि के दौरान जोखिम को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

कंपनी के मामले में, परिचालन से राजस्व (शुल्क पश्चात शुद्ध) की संवेदनशीलता रूपये – अमेरिकी डॉलर मुद्रा जोड़ी के बीच विनिमय दर में  $+/- ₹1$  में परिवर्तन के लिए निम्नानुसार प्रस्तुत की गई है:

परिचालन से राजस्व की संवेदनशीलता (शुल्क पश्चात शुद्ध)	2023–24	2022–23
विनिमय दर के लिए परिचालन से राजस्व (शुल्क पश्चात शुद्ध) पर प्रभाव	(+/-)12,232.37	(+/-)13,701.63

कंपनी की राय में, संवेदनशीलता विश्लेषण अंतर्निहित विदेशी मुद्रा जोखिम का प्रतिनिधित्व नहीं करता है क्योंकि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में जोखिम वर्ष के दौरान जोखिम को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में, नीचे दी गई तालिका समूह के खुले विदेशी मुद्रा जोखिम की अमेरिकी डॉलर/रूपये मुद्रा आंदोलन के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है। 1% (+/-) परिवर्तन, वृद्धि जो यूएस डॉलर बनाम रूपये में वृद्धि को दर्शाती है और इसके विपरीत मुद्रा आंदोलन के जोखिम के प्रभाव को उक्त तालिका के माध्यम से समझाया गया है। सांकेतिक 1% आंदोलन दिशात्मक है और मुद्रा संचालन पर प्रबंधन के पूर्वानुमान को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

(₹ मिलियन में)

रूपये में प्रभाव	मुद्रा में 1% की वृद्धि/कमी के कारण लाभ या हानि पर प्रभाव			
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
	31 मार्च, 2024		31 मार्च, 2023	
1% की दर	1%		1%	
अमेरिकी डॉलर	(2,913.80)	2,913.80	(3,080.10)	3080.10

#### 52.7.2 अग्रणित विदेशी मुद्रा अनुबंध

कंपनी के संबंध में वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोई अग्रिम विदेशी मुद्रा अनुबंध नहीं किया है।

सहायक कंपनी ओवीएल आम तौर पर विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने के लिए विशिष्ट विदेशी मुद्रा भुगतान और प्राप्तियों को कवर करने के लिए अग्रिम विनिमय अनुबंध करती है।

सहायक कंपनी एचपीसीएल के मामले में,

समूह मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में लिए गए ऋणों और आयातों के पुनर्मुगातान दायित्वों के कारण मुद्रा जोखिम के संपर्क में है, जिसका भुगतान



विदेशी मुद्रा में किया जाना है। जोखिम मुख्य रूप से यूएस.डॉलर में है। विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन प्रकोष्ठ (एफआरएमसी) सक्रिय रूप से विदेशी मुद्रा और ब्याज दर जोखिमों की समीक्षा करता है। समूह विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के अनुरूप विदेशी मुद्रा विनियम दरों में परिवर्तन के जोखिम को कम करने के लिए सामान्य व्युत्पन्न अनुबंधों का उपयोग करता है। समूह व्यापार या सट्टा उद्देश्यों के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधनों का उपयोग नहीं करता है।

सहायक कंपनी पीएमएचबीएल के मामले में, कंपनी 30 दिनों की अधिकतम अवधि तक के लिए अल्पकालिक फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट बुक करती है, उस सीमित सीमा तक जब निर्यात प्राप्तियां तिथि और आयात भुगतान तिथि हाजिर तिथि के भीतर नहीं आती हैं।

#### 52.8 ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

समूह ने स्थिर और अस्थिर ब्याज दरों पर उधार लिया है, इसलिए ब्याज दर जोखिम के संपर्क में है।

#### परिवर्तनीय-दर उपकरणों के लिए नकदी प्रवाह संवेदनशीलता विश्लेषण

औसत ब्याज दर में (+/-) 50 आधार बिंदु में परिवर्तन के लिए वित्त लागत की संवेदनशीलता निम्नानुसार प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

ब्याज दर की संवेदनशीलता	2023–24	2022–23
वित्त लागत पर प्रभाव	(+/-) 32.13	(+/-) 7.92

सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में,

नीचे दिए गए संवेदनशीलता विश्लेषण रिपोर्टिंग अवधि के अंत में ब्याज दरों के जोखिम के आधार पर निर्धारित किए गए हैं। फ्लोटिंग रेट उधार के लिए, विश्लेषण यह मानकर तैयार किया जाता है कि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया उधार की राशि पूरे वर्ष के लिए बकाया थी। संवेदनशीलता विश्लेषण का खुलासा करने के लिए 50 आधार अंकों की वृद्धि या कमी का उपयोग किया जाता है। यदि ब्याज दरें 50 आधार अंक अधिक / कम होतीं और अन्य सभी चर स्थिर रखे जाते, तो 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी का लाभ ₹260.32 मिलियन कमी / वृद्धि (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए: कमी / वृद्धि ₹480.79 मिलियन की)। यह मुख्य रूप से कंपनी के अपने परिवर्तनीय दर उधारों पर ब्याज दरों के जोखिम के कारण है (वर्ष के अंत में उधार के समाप्त शेष पर विचार किया जाता है)।

सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में,

नीचे दिए गए संवेदनशीलता विश्लेषण रिपोर्टिंग अवधि के अंत में गैर-व्युत्पन्न उपकरणों के लिए ब्याज दरों के जोखिम के आधार पर निर्धारित किए गए हैं। फ्लोटिंग दर देनदारियों के लिए, विश्लेषण यह मानकर तैयार किया जाता है कि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया देयता की राशि पूरी अवधि के लिए बकाया थी। शीर्ष प्रबंधन कर्मियों को आंतरिक रूप से ब्याज दर जोखिम की रिपोर्ट करते समय 50 आधार अंकों की वृद्धि या कमी का उपयोग किया जाता है और यह ब्याज दरों में यथोचित संभावित परिवर्तन के प्रबंधन के आकलन का प्रतिनिधित्व करता है।

यदि ब्याज दरें 50 आधार अंक अधिक/कम होतीं और अन्य सभी चर स्थिर रखे जाते, तो विश्लेषण निम्नानुसार होता:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए								
	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सिंडिकेट लोन में से 80 मिलियन अमेरिकी डॉलर	1000 मिलियन अमेरिकी डॉलर के टर्म लोन में से 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म लोन	600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म लोन	100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा (नई)	420 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा (नई)	550 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा (नई)	38 बिलियन यैन का टर्म लोन
ब्याज दर में वृद्धि के लिए वर्ष के लाभ या हानि पर प्रभाव	33.12	186.29	206.99	248.39	41.40	206.99	173.87	227.69	34.89
ब्याज दर में कमी के लिए वर्ष के लाभ या हानि पर प्रभाव	(33.12)	(186.29)	(206.99)	(248.39)	(41.40)	(206.99)	(173.87)	(227.69)	(34.89)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए								
	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सिंडिकेट लोन में से 80 मिलियन अमेरिकी डॉलर	1000 मिलियन अमेरिकी डॉलर के टर्म लोन में से 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म लोन	600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का टर्म लोन	100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा (नई)	420 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा (नई)	550 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा (नई)	38 बिलियन यैन का टर्म लोन
ब्याज दर में वृद्धि के लिए वर्ष के लाभ या हानि पर प्रभाव	200.93	401.85	200.93	241.11	40.19	-	-	-	(88.68)
ब्याज दर में कमी के लिए वर्ष के लाभ या हानि पर प्रभाव	(200.93)	(401.85)	(200.93)	(241.11)	(40.19)	-	-	-	88.68

### ब्याज दर स्वैप अनुबंध

कंपनी भारत के बाहर ईएंडपी व्यवसाय में लगी हुई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस से होने वाले इसके राजस्व को मुख्य रूप से यूएस. डॉलर में दर्शाया जाता है। इसके अलावा, जहाँ भी लागू हो, मूल्य बैंचमार्क भी मुख्य रूप से यूएस. डॉलर में हैं। कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई ब्याज दर स्वैप अनुबंध नहीं किया है।

### सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में,

समूह के पास फ्लोटिंग ब्याज दर के साथ दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा सिंडिकेटेड ऋण हैं, जो समूह को नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम के लिए उजागर करता है। फ्लोटिंग दर पर उधार यूएस. डॉलर में दर्शाए जाते हैं। समूह फ्लोटिंग-टू-फिक्स्ड

ब्याज दर स्वैप का उपयोग करके अपने नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन करता है। इसके तहत, समूह अन्य पक्षों के साथ निर्दिष्ट अंतराल (यानी तिमाही) पर, निश्चित अनुबंध दरों और फ्लोटिंग दर ब्याज राशियों के बीच अंतर का आदान-प्रदान करने के लिए सहमत होता है, जो सहमत काल्पनिक मूल राशियों का संदर्भ देकर गणना की जाती है। समूह ब्याज दर आंदोलन की निगरानी करता है और विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के आधार पर ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन करता है। समूह के पास एक विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन सेल (एफआरएमसी) भी है जो सक्रिय रूप से विदेशी मुद्रा और ब्याज दर जोखिमों की समीक्षा करता है। समूह ट्रेडिंग या सट्टा उद्देश्यों के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधनों का उपयोग नहीं करता है।



मार्च, 2021 में, वित्तीय आचरण प्राधिकरण (एफसीए), यूके ने पुष्टि की है कि सभी एलआईबीओआर सेटिंग्स या तो किसी भी प्रशासक द्वारा प्रदान नहीं की जाएंगी या अब निम्नलिखित तरीके से प्रतिनिधि नहीं होंगी:

- 31 दिसंबर, 2021 के तुरंत बाद, सभी स्टर्लिंग, यूरो, स्विस फ़्रैंक और जापानी येन सेटिंग्स और 1—सप्ताह और 2—महीने की यूएस डॉलर सेटिंग्स के मामले में; और
- 30 जून, 2023 के तुरंत बाद, शेष यूएस डॉलर सेटिंग्स के मामले में।

निगम के पास 3—महीने के एल आईबीओआर से जुड़े बाहरी वाणिज्यिक उधार के रूप में शून्य जोखिम है, जैसा कि 31.03.2024 (31.03.2023: अमेरिकी डॉलर 750 मिलियन) तक है।

31.03.2023 तक बकाया ऋण कुल 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पुनर्वित्तपोषण किया गया है तथा चालू वित्त वर्ष के दौरान अनुकूल प्रसार पर 3 माह की अवधि वाले एसओएफआर अर्थात्

वैकल्पिक संदर्भ दर पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में: 79 मिलियन अमेरिकी डॉलर (31.03.2023) की बकाया ऋण राशि (\*6 महीने के एलआईबीओआर' से जुड़ी हुई) वर्ष के दौरान चुकौती के लिए देय थी, और इसका निपटान कर दिया गया है।

जिन उधारों को निश्चित दर पर अनुबंधित किया जाता है, उन्हें परिशोधित लागत पर वहन किया जाता है। भारतीय लेखा मानक 107 में परिभाषित ब्याज दर जोखिम के कारण ये प्रभावित नहीं होते हैं क्योंकि बाजार ब्याज दरों में बदलाव की स्थिति में न तो वहन राशि और न ही भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार—चढ़ाव होगा।

#### ब्याज दर जोखिम प्रकटन

कंपनी का ब्याज दर जोखिम मुख्य रूप से उधार से उत्पन्न होता है। कंपनी के प्रबंधन को रिपोर्ट की गई कंपनी के ब्याज—प्रभाव वाले वित्तीय लिखत की ब्याज दर प्रोफाइल इस प्रकार है।

(₹ मिलियन में)

	राशि वहन	
	31.03.2024	31.03.2023
निश्चित दर वाले लिखत		
वित्तीय परिसंपत्तियाँ	52,469.70	52,450.00
वित्तीय देयताएँ	353,787.59	372,096.79
परिवर्तनीय दर वाले लिखत		
वित्तीय परिसंपत्तियाँ	22,942.85	15,482.32
वित्तीय देयताएँ	274,343.61	298,386.21

#### परिवर्तनीय—दर लिखत के लिए नकदी प्रवाह संवेदनशीलता विश्लेषण

रिपोर्टिंग तिथि पर ब्याज दरों में 25 आधार अंकों का एक उचित संभावित परिवर्तन नीचे प्रदर्शित धनराशियों द्वारा लाभ या हानि (वृद्धि/कमी) को प्रभावित करेगा। सांकेतिक 25 आधार अंक (0.25%) संचलन दिशात्मक है और ब्याज दर संचलन पर प्रबंधन पूर्वानुमान को प्रतिबिंधित नहीं करता है। यह विश्लेषण मानता है कि अन्य सभी अंतर, विशेष रूप से, विदेशी मुद्रा विनिमय दर स्थिर बनी हुई है।

(₹ मिलियन में)

	लाभ या हानि			
	25 बीपी वृद्धि	25 बीपी कमी	25 बीपी वृद्धि	25 बीपी कमी
	31.03.2024	31.03.2023		
फ्लोटिंग रेट उधार	(530.94)	530.94	(657.48)	657.48
नकदी प्रवाह संवेदनशीलता (शुद्ध)	(530.94)	530.94	(657.48)	657.48

## 52.9 कमोडिटी जोखिम

सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

समूह की लाभप्रदता अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव के जोखिम से प्रभावित होती है। समूह ओटीसी बाजार में व्युत्पन्न अनुबंधों में प्रवेश करके अनुमोदित तेल मूल्य जोखिम प्रबंधन नीति के आधार पर अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में अस्थिरता के प्रभाव

की निगरानी करता है और उसे कम करता है। एक तेल मूल्य जोखिम प्रबंधन समिति (ओपीआरएमसी) है, जो जोखिम प्रबंधन सिद्धांतों, नीतियों और जोखिम प्रबंधन गतिविधियों की सक्रिय रूप से समीक्षा और निगरानी करती है।

समूह द्वारा किए गए कमोडिटी व्युत्पन्न अनुबंधों का श्रेणीवार मात्रात्मक विवरण, जो तुलन पत्र तिथि तक बकाया है, नीचे दिया गया है:

विवरण	मात्रा (मिलियन बैरल में)	
	31.03.2024	31.03.2023
कच्चा तेल / उत्पाद स्वैप	4.95	0.35

तुलन पत्र की तिथि पर बकाया कमोडिटी व्युत्पन्न/पेपर कॉन्ट्रैक्ट की कीमत में 10% के उचित संभावित संचलन के प्रति संवेदनशीलता नीचे दर्शाई गई राशियों से लाभ या हानि में वृद्धि/कमी करेगी। यह 10% संचलन दिशात्मक है और मूल्य संचलन के किसी भी पूर्वानुमान को प्रतिबिवित नहीं करती है।

विवरण	कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ मिलियन में)			
	10% वृद्धि	10% कमी	10% वृद्धि	10% कमी
	31.03.2024	31.03.2023		
कच्चा तेल / उत्पाद स्वैप	1,949.60	-	(10.50)	10.50

### व्युत्पन्न और हेजिंग

एचपीसीएल समूह अत्यधिक संभावित पूर्वानुमानित लेनदेन और मुद्रा जोखिम पर कमोडिटी मूल्य जोखिम को कम करने के लिए हेजिंग उद्देश्य से व्युत्पन्न अनुबंधों में प्रवेश करता है। समूह ने भारतीय लेखा मानक 109 (वित्तीय लिखत) के अनुसार कमोडिटी व्युत्पन्न लेनदेन और विदेशी मुद्रा फॉरवर्ड व्युत्पन्न पर हेज लेखांकन लागू की है। इसके परिणामस्वरूप ₹(29.20) मिलियन (2022–23: ₹(40.10) मिलियन) की राशि का मार्क टू मार्केट डेबिट/क्रेडिट अन्य व्यापक आय में दर्ज किया गया है, जिसे संबंधित अनुबंधों के निपटान पर बाद की अवधि में लाभ और हानि के विवरण में पुनर्वक्तित किया जाएगा।

इन सभी हेज को नकदी प्रवाह हेज के रूप में दर्ज किया जाता है।

#### हेज प्रभावशीलता:

समूह ने हेजिंग संबंध के लिए 1:1 का हेज अनुपात स्थापित किया है, क्योंकि कमोडिटी व्युत्पन्न अनुबंधों का अंतर्निहित जोखिम हेज किए गए जोखिम घटक के समान है। हेज मदों और हेजिंग लिखत में आर्थिक संबंध है क्योंकि कमोडिटी व्युत्पन्न अनुबंधों की

शर्तें हेज मद की शर्तों से मेल खाती हैं। हेज किए गए मद के साथ सरेखित हेजिंग लिखत के आर्थिक संबंध और विशेषताओं पर विचार करते हुए, हेजिंग लिखत में उचित मूल्य परिवर्तन हेज किए गए मद में उचित मूल्य परिवर्तनों (पूर्ण मात्रा में) के यथोचित अनुमान लगाता है।

#### हेज प्रभावशीलता का स्रोत:

समूह ने कमोडिटी व्युत्पन्न अनुबंधों के संबंध में हेज निश्चारिता के निम्नलिखित स्रोतों की पहचान की है, जिनके आज की तिथि तक महत्वपूर्ण होने की उम्मीद नहीं है:

- क. हेज लिखत और हेज मदों के उचित मूल्य को प्रभावित करने वाला काउंटरपार्टी क्रेडिट जोखिम।
- ख. हेज किए गए मदों और हेज लिखत के नकदी प्रवाह के समय में अंतर।
- ग. हेज किए गए मदों के जोखिम को हेज करने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न सूचकांक।
- घ. हेज किए गए मदों और हेजिंग लिखत के नकदी प्रवाह की पूर्वानुमानित मात्रा में परिवर्तन।



विदेशी मुद्रा जोखिम के मामले में, हेज निशप्रभाविता का मुख्य स्रोत हेज अनुबंध के उचित मूल्य पर काउंटरपार्टी और समूह के अपने क्रेडिट जोखिम का प्रभाव है, जो हेज किए गए मदों के उचित मूल्य में परिलक्षित नहीं होता है। इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होने की उम्मीद नहीं है।

कंपनी निम्नलिखित व्युत्पन्न अनुबंधों को धारण कर रही है:

31 मार्च, 2024 तक	परिपक्वता					कुल
	1 महीने से कम	1–3 महीने	3–6 महीने	6–12 महीने	12 महीने से अधिक	
<b>कमोडिटी वायदा अनुबंध</b>						
सांकेतिक मात्रा (मात्रा मिलियन बैरल में)	0.65	1.30	1.50	1.50	-	4.95
सांकेतिक राशि (₹ / मिलियन)	1,047.30	2,094.61	2,710.21	2,710.21	-	8,562.32
<b>विदेशी मुद्रा शर्त अनुबंध – ऋण</b>						
सांकेतिक राशि (मिलियन में अमेरिकी डॉलर)	-	-	-	-	-	-
सांकेतिक राशि (₹ / मिलियन)	-	-	-	-	-	-
औसत वायदा दर (₹)	-	-	-	-	-	-
<b>विदेशी मुद्रा शर्त अनुबंध – कच्चा तेल/उत्पाद देयताएँ</b>						
सांकेतिक राशि (मिलियन में अमेरिकी डॉलर)	-	-	-	-	-	-
सांकेतिक राशि (₹ / मिलियन)	-	-	-	-	-	-
औसत शर्त दर (₹)	-	-	-	-	-	-
31 मार्च, 2024 तक	परिपक्वता					कुल
	1 महीने से कम	1–3 महीने	3–6 महीने	6–12 महीने	12 महीने से अधिक	
<b>कमोडिटी वायदा अनुबंध</b>						
सांकेतिक मात्रा (मात्रा मिलियन बैरल में)	0.10	0.10	0.15	-	-	0.35
सांकेतिक राशि (₹ / मिलियन)	86.40	7.48	10.97	-	-	104.95
<b>विदेशी मुद्रा वायदा अनुबंध – ऋण</b>						
सांकेतिक राशि (मिलियन में अमेरिकी डॉलर)	60.00	-	-	-	-	60.00
सांकेतिक राशि (₹ / मिलियन)	4,935.83	-	-	-	-	4,935.83
औसत शर्त दर (₹)	82.2638	-	-	-	-	82.2638

### नकदी प्रवाह हेज लेखांकन के प्रभावों का खुलासा:

समूह ने ऊपर बताए गए अत्यधिक संभावित पूर्वानुमानित लेनदेन और विदेशी मुद्रा फॉरवर्ड के लिए हेज लेखांकन को संभावित रूप से लागू किया है। परिणाम स्वरूप, केवल हेज लेखांकन के लिए नामित लेनदेन के लिए ही खुलासा किया जाता है।

31 मार्च, 2024 तक	परिपक्वता					
	1 महीने से कम	1–3 महीने	3–6 महीने	6–12 महीने	12 महीने से अधिक	कुल
<b>विदेशी मुद्रा शर्त अनुबंध – कच्चा तेल/उत्पाद देयताएँ</b>						
सांकेतिक राशि (मिलियन में अमेरिकी डॉलर)	49.09	-	-	-	-	49.09
सांकेतिक राशि (₹/मिलियन)	4,041.41	-	-	-	-	4,041.41
औसत शर्त दर (₹)	82.3335	-	-	-	-	82.3335

तुलन-पत्र पर हेजिंग लिखत का प्रभाव निम्नानुसार है

विवरण	कमोडिटी वायदा अनुबंध सीमांत – मार्जिन हेजिंग		विदेशी मुद्रा वायदा अनुबंध – ऋण		विदेशी मुद्रा वायदा अनुबंध – क्रूड/उत्पाद देयताएँ	
	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023
सांकेतिक राशि	8,562.32	104.95	-	4,935.80	-	4,041.41
वहन राशि	29.20	40.10	-	(5.70)	-	(10.00)
तुलन-पत्र में लाइन मद्दें जिसमें हेज लिखत शामिल है	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ/ (अन्य वित्तीय देयताएँ)					

लाभ और हानि तथा अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के विवरण में नकदी प्रवाह हेज का प्रभाव:

(₹ मिलियन में)

विवरण	अत्यधिक संभावित पूर्वानुमानित लेनदेन	
	2023–24	2022–23
हेजिंग लाभ / (हानि) ओसीआई* में मान्यता प्राप्त	29.20	40.10
उपरोक्त पर आयकर	(7.30)	(10.10)
नकदी प्रवाह हेज आरक्षित में मान्यता प्राप्त शुद्ध राशि	21.90	30.00
नकदी प्रवाह हेज आरक्षित से लाभ और हानि विवरण में पुनर्वर्गीकृत राशि	40.10	(1,853.10)
उपरोक्त पर आयकर	(10.10)	466.40
लाभ और हानि विवरण में लाइन मद्दें जिसमें पुनर्वर्गीकरण शामिल है	राजस्व/खरीद	राजस्व/खरीद

\*कंपनी को उम्मीद है कि अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से नकदी प्रवाह हेज आरक्षित में मान्यता प्राप्त हानि की राशि भविष्य की अवधि में अंतर्निहित लेनदेन में लाभ के माध्यम से बसूल की जाएगी।

## 52.10 मूल्य जोखिम

### कंपनी के संबंध में

कंपनी का मूल्य जोखिम इकिवटी शेयरों (समूह कंपनियों में निवेश को छोड़कर) में निवेश से उत्पन्न होता है, जो तुलन-पत्र में या तो अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर या लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर रखे और वर्गीकृत किए जाते हैं।

म्यूचुअल फंड की लिविंग योजनाओं में कंपनी के अल्पकालिक अधिशेष निधियों का निवेश मनी मार्केट प्रतिभूतियों और उच्च गुणवत्ता वाले ऋण के पोर्टफोलियो से उच्च स्तर की तरलता प्रदान करता है और इसे तरलता और ब्याज दर जोखिम के दृष्टिकोण से 'कम जोखिम' उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।



कंपनी के प्रचालन से होने वाला राजस्व भी कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की कीमतों में बदलाव के कारण मूल्य जोखिम के अधीन है।

#### 52.10.1 मूल्य संवेदनशीलता विश्लेषण

कंपनी के संबंध में, मूल्य और शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य में  $+/-5\%$  परिवर्तन के लिए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में इकिवटी शेयरों में निवेश के संबंध में लाभ या हानि की संवेदनशीलता नीचे दर्शाई गई है:

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय में ₹19,783.29 मिलियन की वृद्धि/कमी होगी (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹9,532.24 मिलियन की वृद्धि/कमी होगी) जो कि एफवीटीओसीआईपर मापी गई इकिवटी निवेश के उचित मूल्य में 5% परिवर्तन के परिणामस्वरूप होगी।

कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की कीमतों में  $(+/-) 1$  अमेरिकी डॉलर के परिवर्तन के लिए प्रचालन से राजस्व (शुद्ध लेवी) की संवेदनशीलता:

(₹ मिलियन में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता (शुद्ध लेवी)	2023–24	2022–23
कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और वीएपी की कीमतों में अमेरिकी डॉलर के लिए प्रचालन से राजस्व (शुद्ध लेवी) पर प्रभाव	(+/-) 55,166.29	(+/-) 54,992.82

#### सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में

कच्चे तेल की कीमतों में  $(+/-) 1$  अमेरिकी डॉलर के परिवर्तन के लिए प्रचालन से राजस्व (शुद्ध लेवी) की संवेदनशीलता नीचे प्रस्तुत की गई है:

(₹ मिलियन में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता (शुद्ध लेवी)	2023–24	2022–23
कच्चे तेल की अमेरिकी डॉलर कीमतों में परिवर्तन के लिए प्रचालन से राजस्व (शुद्ध लेवी) पर प्रभाव	(+/-) 899.95	(+/-) 1,045.22

म्यूचुअल फंड में निवेश के शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य में परिवर्तन के परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2024 को समाप्त अवधि के लिए कर-पूर्व लाभ में ₹ शून्य की वृद्धि/कमी होगी (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ शून्य की वृद्धि/कमी होगी)।

#### सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

नीचे दी गई तालिका अवधि के लिए अन्य व्यापक आय पर कीमतों में वृद्धि/कमी के प्रभाव का सार प्रस्तुत करती है:

(₹ मिलियन में)

	ओसीआई के माध्यम से इकिवटी लिखत			
	5% वृद्धि	5% कमी	5% वृद्धि	5% कमी
	31.03.2024	31.03.2023		
ऑयल इंडिया लिमिटेड में इकिवटी निवेश	802.85	(802.85)	336.59	(336.59)

#### सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में

31 मार्च, 2024 को समाप्त अवधि के लिए कर-पूर्व लाभ में ₹ शून्य की वृद्धि/कमी होगी (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ शून्य की वृद्धि/कमी होगी)।

#### 52.11 उचित मूल्य मापन

यह टिप्पणी इस बारे में जानकारी प्रदान करती है कि समूह विभिन्न वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उचित मूल्यों का निर्धारण कैसे

करता है।

52.11.1 समूह की वित्तीय परिसंपत्तियों का उचित मूल्य जो आवर्ती आधार पर उचित मूल्य पर मापा जाता है।

समूह की कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्य पर मापा जाता है।

#### कंपनी के संबंध में:

कंपनी उचित मूल्य पर मापी गई परिसंपत्तियों और देयताओं को उनके माप में नियोजित आदान का निरीक्षण करने की क्षमता के आधार पर तीन स्तरों में से एक में वर्गीकृत करती है, जिनका वर्णन इस प्रकार है:

(क) लेवल 1 आदान समान परिसंपत्तियों या देयताओं के लिए सक्रिय बाजारों में उद्भूत कीमतें (असमायोजित) हैं।

(ख) लेवल 2 आदान ऐसे आदान हैं जो परिसंपत्ति या देयता के लिए लेवल 1 के भीतर शामिल उद्भूत कीमतों के अलावा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से देखने योग्य होते हैं।

(ग) लेवल 3 आदान परिसंपत्ति या देयता के लिए अप्रत्यक्ष आदान हैं जो प्रत्यक्ष संबंधित बाजार डेटा या बाजार सहभागियों द्वारा मूल्य निर्धारण के बारे में कंपनी की धारणाओं में महत्वपूर्ण संशोधनों को दर्शाते हैं।

वर्ष के दौरान लेवल 3 आदान के लिए मूल्यांकन पद्धति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कंपनी ने उचित मूल्य पदानुक्रम के लेवल 3 के तहत किसी भी महत्वपूर्ण वित्तीय लिखत को वर्गीकृत नहीं किया है। लेवल 3 वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं के उचित मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले अप्रत्यक्ष आदानों में परिवर्तन की संवेदनशीलता का उनके मूल्य पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्षों के लिए किसी भी दिशा में कोई हस्तांतरण नहीं हुआ है।

कंपनी की कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं को वित्तीय वर्ष के अंत में उचित मूल्य पर मापा जाता है। निम्न तालिका इस बारे में जानकारी देती है कि इन वित्तीय परिसंपत्तियों/और वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य कैसे निर्धारित किए जाते हैं:

(₹ मिलियन में)

वित्तीय परिसंपत्तियाँ / (वित्तीय देयताएँ)	यथा उचित मूल्य		उचित मूल्य पदानुक्रम	मूल्यांकन तकनीक(ए) और मुख्य आदान(ए)		
	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023				
<b>वित्तीय परिसंपत्तियाँ:</b>						
<b>परिशोधित लागत पर मापन:</b>						
कर्मचारी ऋण	22,098.79	19,556.72	स्तर 2	रियायती नकदी प्रवाह अर्थात् अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य, जिसे उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई है।		
<b>एफवीटीओसीआई:</b>						
इक्विटी लिखत में निवेश (उद्भूत)	395,628.79	190,607.83	स्तर 1	स्टॉक एक्सचेंज—एनएसई से उद्भूत बोली मूल्य		
अन्य इक्विटी लिखत में निवेश (अनुद्धृत नहीं)	36.94	36.94	स्तर 2	डिस्काउंटेड फ्री नकदी प्रवाह पद्धति		
<b>एफवीटीपीएल:</b>						
अन्य इक्विटी लिखत में निवेश (अनुद्धृत)	0.01	0.01	स्तर 2	डिस्काउंटेड फ्री नकदी प्रवाह पद्धति		
वैकल्पिक निवेश फंड में निवेश (टिप्पणी संख्या 4(व) देखें)	-	594.21	स्तर 2	डिस्काउंटेड फ्री नकदी प्रवाह पद्धति		
<b>वित्तीय देयताएँ:</b>						
<b>परिशोधित लागत पर मापन:</b>						
वित्तीय गारंटी	820.00	740.09	स्तर 2	ब्याज दर अंतर मॉडल		
लीज़ देयताएँ	290,302.13	88,828.77	स्तर 2	डिस्काउंटेड नकदी प्रवाह यानी अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दिया गया		



वित्तीय परिसंपत्तियाँ / (वित्तीय देयताएँ)	यथा उचित मूल्य		उचित मूल्य पदानुक्रम	मूल्यांकन तकनीक(ए) और मुख्य आदान(ए)
	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023		
ठेकेदारों से प्रत्याभूत जमा	4,358.49	4,265.47	स्तर 2	डिस्काउंटेड नकदी प्रवाह यानी अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य जिस पर उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई।
अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर	76,352.06	75,725.94	स्तर 2	डिस्काउंटेड नकदी प्रवाह यानी अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य जिस पर उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई।

### सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में

कंपनी की कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रत्येक समीक्षाधीन वर्ष के अंत में उचित मूल्य पर मापा जाता है। निम्न तालिका इस बारे में जानकारी देती है कि इन वित्तीय परिसंपत्तियों का उचित मूल्य कैसे निर्धारित किया जाता है: आदान

(₹ मिलियन में)

विवरण	उचित मूल्य		उचित मूल्य पदानुक्रम	मूल्यांकन तकनीक(के) और मुख्य आदान
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक		
<b>वित्तीय परिसंपत्तियाँ:</b>				
स्थूचुअल फंड में निवेश	-	-	स्तर 2	संबंधित परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों द्वारा घोषित एनएवी
<b>वित्तीय देयताएँ</b>				
व्युत्पन्न देयताएँ	1,479.15	651.29	स्तर 2	बैंकों द्वारा प्रदान की गई मार्क टू मार्केट मूल्यांकन रिपोर्ट

### सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

#### उचित मूल्य पदानुक्रम

यह खंड वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उचित मूल्य का निर्धारण करने में किए गए निर्णयों और अनुमानों की व्याख्या करता है, जिन्हें उचित मूल्य और परिशोधित लागत पर मान्यता दी जाती है और मापा जाता है। उचित मूल्य निर्धारित करने में उपयोग किए गए आदानों की विश्वसनीयता के बारे में संकेत देने के लिए, समूह ने अपनी वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को भारतीय लेखांकन मानक के तहत निर्धारित तीन स्तरों में वर्गीकृत किया है। इसमें उचित मूल्य पर मापी नहीं गई वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं के लिए उचित मूल्य की जानकारी शामिल नहीं होती है, तो तर्कसंगत है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	31.03.2024			31.03.2023		
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
निवेश						
– इक्विटी लिखत में निवेश	16,057.00	-	17.50	6,732.10	-	8.00
– अधिमानी शेयरों में निवेश	-	-	960.50	-	-	365.20
– ऋण लिखत में निवेश	51,827.00	-	-	51,688.90	-	-

विवरण	31.03.2024			31.03.2023		
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
<b>ऋण</b>						
— कर्मचारी ऋण	-	5,061.70	-	-	4,600.90	-
— अन्य ऋण	-	-	5,224.80	-	-	5,937.10
व्युत्पन्न परिसंपत्तियाँ	-	29.20	-	-	40.10	-
<b>कुल</b>	<b>67,884.00</b>	<b>5,090.90</b>	<b>6,202.80</b>	<b>58,421.00</b>	<b>4,641.00</b>	<b>6,310.30</b>
वित्तीय देयताएँ						
उधार						
— विदेशी मुद्रा बांड	39,834.20	-	-	38,950.20	-	-
— गैर-परिवर्तनीय बैंबेचर	-	177,277.40	-	-	200,123.00	-
— तेल उद्योग विकास बोर्ड ऋण	-	492.60	-	-	732.80	-
— विदेशी बैंकों से सिंडिकेटेड ऋण (निश्चित दर ऋण)	-	23,254.90	-	-	22,384.30	-
अन्य वित्तीय देयताएँ						
— व्युत्पन्न देयताएँ	-	-	-	-	15.70	-
<b>कुल</b>	<b>39,834.20</b>	<b>201,024.90</b>		<b>38,950.20</b>	<b>223,255.80</b>	

उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीकें

प्रकार	मूल्यांकन तकनीक
व्युत्पन्न लिखत — वायदा विनियम अनुबंध	वायदा मूल्य निर्धारण: समीक्षाधीन तिथि पर उद्भूत शर्त विनियम दरों का उपयोग करके उचित मूल्य निर्धारित किया जाता है।
कमोडिटी व्युत्पन्न	कमोडिटी व्युत्पन्न अनुबंधों का उचित मूल्य अनुबंध की शेष परिपक्वता के लिए अनुबंधात्मक मूल्य और वर्तमान वायदा मूल्य के बीच अंतर निर्धारित करके अनुमानित किया जाता है।
व्युत्पन्न लिखत — व्याज दर स्वैप	डिस्काउंटेड नकदी प्रवाह यानी अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य।
गैर-चालू वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ	डिस्काउंटेड नकदी प्रवाह: मूल्यांकन मॉडल उचित छूट दरों का उपयोग करके छूट दी गई अपेक्षित प्राप्ति/भुगतान के वर्तमान मूल्य पर विचार करता है।

## सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं की वहन राशि उनके उचित मूल्यों के लगभग बराबर है, जब तक कि अन्यथा वर्णित न हो। वित्तीय देयताओं को परिशोधित लागत पर मापा जाता है और उचित मूल्य पदानुक्रम के दृष्टिकोण से उन्हें स्तर II के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

## 52.12 ऑफसेटिंग

### सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

निम्न तालिका 31.03.2024 और 31.03.2023 तक मान्यता प्राप्त वित्तीय लिखत को समायोजित करती है और अन्य समान समझौते जो समायोजित नहीं किए गए हैं। कॉलम 'शुद्ध राशि' निगम के तुलन पत्र पर प्रभाव को दर्शाता है, यदि सभी समायोजन अधिकारों का प्रयोग किया जाता है।



(₹ मिलियन में)

विवरण	तुलन पत्र पर ऑफसेटिंग का प्रभाव			संबंधित राशियाँ जो समायोजित नहीं की गई	
	सकल राशि	तुलन पत्र में समायोजित सकल राशि	तुलन पत्र में दर्शाई गई शुद्ध राशि	समायोजित नहीं की गई राशि	शुद्ध राशि
<b>31 मार्च, 2024</b>					
वित्तीय परिसंपत्तियाँ					
व्यापार प्राप्य	122,618.99	(29,378.09)	93,240.90	-	93,240.90
वित्तीय देयताएँ					
व्यापार देय	302,378.19	(29,378.09)	273,000.10	-	273,000.10
अन्य चालू वित्तीय देयताएँ	236,515.50	-	236,515.50	-	236,515.50
<b>31 मार्च, 2023</b>					
वित्तीय परिसंपत्तियाँ					
व्यापार प्राप्य	96,984.03	(28,660.23)	68,323.80	-	68,323.80
वित्तीय देयताएँ					
व्यापार देय	257,792.53	(28,660.23)	229,132.30	-	229,132.30
अन्य चालू वित्तीय देयताएँ	234,604.00	-	234,604.00	-	234,604.00

52.13 वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य, जो उचित मूल्य पर नहीं मापा जाता है (लेकिन उचित मूल्य प्रकटीकरण आवश्यक है) प्रबंधन का मानना है कि टिप्पणी संख्या 52.11 को छोड़कर वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं की अप्रगति राशि उनके उचित मूल्यों के लगभग बराबर है।

### 53 संयुक्त प्रचालन में हितों का प्रकटीकरण (असंगठित संयुक्त व्यवस्था):

#### 53.1 भारत में संयुक्त प्रचालन

कुछ गैर-निगमित पीएससी/एनईएलपी/एचईएलपी/सीबीएम ब्लॉकों के संबंध में, कंपनी के संयुक्त प्रचालन (जेओ) ने कुछ निगमित निकायों के साथ भारत में प्रचालन के लिए भारत सरकार के साथ उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी)/राजस्व साझाकरण अनुबंध (आरएससी) में प्रवेश किया है। हस्ताक्षरित पीएससी, आरएससी और जेओए के अनुसार, कंपनी के पास ब्लॉकों की परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय पर सीधा अधिकार है। इन संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	ब्लॉक	कंपनी का भागीदारी हित		संयुक्त प्रचालन/प्रचालकता में अन्य भागीदार और उनके भागीदारी हित
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	
क	संयुक्त रूप से प्रचालित जेओ			
1	पन्ना, मुक्ता और ताप्ती (टिप्पणी संख्या 58.1.4)	40%	40%	बीजीईपीआईएल 30%, आरआईएल 30%
2	एनके-सीबीएम-2001/1	55%	55%	आईओसीएल 20%, पीईपीएल 25%
ख	ओएनजीसी प्रचालित जेओ			
3	एए-ओएनएन-2001/2	80%	80%	आईओसीएल 20%

क्र.सं.	ब्लॉक	कंपनी का भागीदारी हित		संयुक्त प्रचालन/प्रचातकता में अन्य भागीदार और उनके भागीदारी हित
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	
4	सीवाई-ओएनएन-2002 / 2	60%	60%	बीपीआरएल 40%
5	केजी-ओएनएन-2003 / 1	51%	51%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्न इंडिया लिमिटेड) 49%
6	सीवाई-ओएनएन-2004 / 2	80%	80%	बीपीआरएल 20%
7	रानीगंज (टिप्पणी संख्या 53.1.11)	74%	74%	सीआईएल 26%
8	झरिया (टिप्पणी संख्या 53.1.10)	74%	74%	सीआईएल 26%
9	बीके-सीबीएम-2001 / 1	80%	80%	आईओसीएल 20%
10	डब्ल्यू बी-ओएनएन-2005 / 4	75%	75%	ओआईएल 25%
11	जीके-ओएसएन-2009 / 1	40%	40%	एडब्ल्यूईएल 20%, जीएसपीसी 20%, आईओसीएल 20%
12	जीके-ओएसएन-2010 / 1	60%	60%	ओआईएल 30%, गेल 10%
13	केजी-ओएसएन-2009 / 2'	90%	90%	एपीजीआईसी 10%
14	कैजी-ओएसएन-2001 / 3	80%	80%	जीएसपीसी 10%, जेओडीपीएल 10%
15	केजी/ओएसडीएसएफ/ चंद्रिका / 2021	70%	70%	आईओसीएल 30%
16	एमबी/ओएसडीएसएफ डब्ल्यूओ5 / 2021	70%	70%	आईओसीएल 30%
ग	संयुक्त प्रचालन भागीदारों द्वारा प्रचालित			
17	रवा	40%	40%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्न इंडिया लिमिटेड) (प्रचालक) 22.5%, बीआईएल 25%, आरओपीएल 12.5%
18	सीवाई-ओएस-90 / 1	40%	40%	एचईपीआई (प्रचालक) 18%, एचओईसी 21%, टीपीएल 21%
19	आरजे-ओएन-90 / 1	30%	30%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्न इंडिया लिमिटेड) (प्रचालक) 35%, सीईएचएल 35%
20	सीबी-ओएस / 2	50%	50%	वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्न इंडिया लिमिटेड) (प्रचालक) 40%, आईईपीएल 10%
21	सीबी-ओएन / 7	30%	30%	एचओईसी (प्रचालक) 35%, जीएसपीसी 35%
22	सीबी-ओएन / 3	30%	30%	ईओजीईपीएल (प्रचालक) 70%
23	सीबी-ओएन / 2	30%	30%	जीएसपीसी (प्रचालक) 70%
24	एए-ओएनएन-2010 / 2	30%	30%	ओआईएल 50% (प्रचालक), गेल 20%
25	एए-ओएनएन-2010 / 3	40%	40%	ओआईएल 40% (प्रचालक), बीपीआरएल 20%
26	सीबी-ओएनएचपी-2017 / 9	40%	40%	बीपीआरएल 60% (प्रचालक)
27	एए-ओएनएचपी-2017 / 10	30%	30%	ओआईएल 70% (प्रचालक)
28	एए-ओएनएचपी-2017 / 13	30%	30%	ओआईएल 70% (प्रचालक)

\*त्याग हेतु प्रस्तावित।

नोट: पिछले वर्ष के विवरण में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, जब तक कि अन्यथा वर्णित न हो।

संक्षिप्त रूप:- एपीजीआईसी-आधंग्रदेश गेस इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, एडब्ल्यूईएल-अदानी वेलस्पन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, बीजीईपीआईएल-ब्रिटिश गेस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, बीपीआरएल-भारत पेट्रो रिसोर्स लिमिटेड, सीईएचएल-केयर्न एनजी हाइड्रोकार्बन लिमिटेड, सीआईएल-कोल इंडिया लिमिटेड, ईओजीईपीएल-एस्सार ऑयल एंड गेस एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, गेल-गेस अथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जीएसपीसी-गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, एचईपीआई-हार्डी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, एचओईसी-हिंदुत्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनी लिमिटेड, आईओसीएल-इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, जेओडीपीएल-जुविलेट ऑफशोर ड्रिलिंग प्राइवेट लिमिटेड, ओआईएल-ऑयल इंडिया लिमिटेड, पीईपीएल-प्रग्ना एनजी प्राइवेट लिमिटेड, आरआईएल-रिलायस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आरओपीएल-रावा ऑयल (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड, टीपीएल-टाटा पेट्रोडाइन लिमिटेड, बीआईएल-बीडियोकार्बन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आईईपीएल-इचनिरे एनजी प्राइवेट लिमिटेड।



**53.1.1** वर्ष 2023–24 के दौरान, कंपनी ने ओपन एकरेज लाइसेंसिंग नीति (ओएलपी) के तहत अधिग्रहित 7 ब्लॉकों के लिए भारत सरकार के साथ राजस्व साझाकरण अनुबंध किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	ओएलपी चक्र	राजस्व साझाकरण अनुबंधों / ब्लॉकों का नाम	भागीदारी हित	गतिविधि की प्रकृति
1	ओएलपी—VIII	सीबी—ओएनएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
2	ओएलपी — VIII	एमबी—ओएसएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
3	ओएलपी — VIII	केके—ओएसएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
4	ओएलपी — VIII	बीपी—ओएसएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
5	ओएलपी — VIII	जीएस—डीडब्ल्यूएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
6	ओएलपी — VIII	केके—डीडब्ल्यूएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण
7	ओएलपी — VIII	एमएन—यूडीडब्ल्यूएचपी—2022/1	100%	अन्वेषण

**53.1.2** वर्ष 2023–24 के दौरान, ओएनजीसी द्वारा प्रचालित निम्नलिखित एनईएलपी / एचईएलपी ब्लॉकों का त्याग किया गया है:

क्र.सं.	एनईएलपी चक्र	ब्लॉक का नाम	ओएनजीसी का भागीदारी हित	भागीदार का पीआई
1	एनईएलपी—VI	सीबी—ओएनएन—2004/3	65%	जीएसपीसी—35%
2	एनईएलपी—VII	एमबी—ओएसएन—2005/3	70%	ईईपीएल—30%
3	ओएलपी—II	सीबी—ओएनएचपी—2018/2	100%	लागू नहीं

**53.1.3** वर्ष 2023–24 के दौरान, कंपनी ने निम्नलिखित एनईएलपी ब्लॉकों में जीएसपीसी से संबंधित भागीदारी हित के अधिग्रहण को मंजूरी दी है:

क्र.सं.	एनईएलपी चक्र	ब्लॉक का नाम	ओएनजीसी का पीआई (पूर्व—अधिग्रहण)	साझेदार का पीआई प्राप्त हुआ	ओएनजीसी का पीआई (अधिग्रहण के बाद)
1	एनईएलपी—VI	सीबी—ओएनएन—2004/1	60%	जीएसपीसी—40%	100%
2	एनईएलपी—VI	सीबी—ओएनएन—2004/2	55%	जीएसपीसी—45%	100%
3	एनईएलपी—VII	एमबी—ओएसएन—2005/1	80%	जीएसपीसी—20%	100%

#### 53.1.4 संयुक्त प्रचालन की वित्तीय स्थिति

कंपनी का हिस्सा निम्नानुसार है:

201 (पिछले वर्ष 194) संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों (जेओ/एनईएलपी/एचईएलपी) में से 182 (पिछले वर्ष 179) के वित्तीय विवरण, उत्पादन साझेदारी अनुबंध के अनुसार प्रमाणित विवरणों के आधार पर परिसंपत्तियों, देयताओं, आय, व्यय और कर पूर्व लाभ/(हानि) में कंपनी के भागीदारी हित की सीमा तक खातों में शामिल किए गए हैं और शेष 19 (पिछले वर्ष 15) संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों (जेओ/एनईएलपी/सीबीएम ब्लॉक) के संबंध में, आंकड़े उत्पादन साझेदारी अनुबंधों के तहत तैयार अप्रमाणित विवरणों के आधार पर शामिल किए गए हैं। दोनों आंकड़ों को टिप्पणी संख्या 3.6 के अनुसार परिवर्तनों के लिए समायोजित किया गया है। जेओ/एनईएलपी/एचईएलपी की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:-

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	गैर—वर्तमान परिसंपत्तियाँ	वर्तमान देयताएँ	गैर—वर्तमान देयताएँ	राजस्व	निरंतर प्रचालन से लाभ या (हानि)	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
एनईएलपी—100% पीआई (11)	8,362.07	330,733.83	795.45	13,179.45	21,942.34	(12,714.20)	(1.16)	(12,715.36)
ओएएलपी—100% पीआई (51)	115.00	18,377.32	62.62	-	-	(17,836.76)	(1.10)	(17,837.86)
डीएसएफ 100% (9)	13.06	3,472.15	6.98	73.03	-	(174.87)	(0.46)	(175.33)
एनईएलपी/एनईएलपी—पूर्व ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (23)	26,456.78	96,870.24	30,495.68	18,578.21	76,226.18	8,151.35	(5.05)	8,146.30
ओएएलपी ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (3)	2.28	167.71	61.31	-	-	(38.65)	-	(38.65)
डीएसएफ ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (2)	69.85	88.64	-	-	-	(104.66)	-	(104.66)
समर्पित (102)	275.47	67.92	9,819.58	68.72	-	3,266.66	(0.07)	3,266.59
<b>कुल (201)</b>	<b>35,294.51</b>	<b>449,777.81</b>	<b>41,241.62</b>	<b>31,899.41</b>	<b>98,168.52</b>	<b>(19,451.13)</b>	<b>(7.84)</b>	<b>(19,458.97)</b>

उपरोक्त ब्लॉकों का अग्रतर विवरण निम्नानुसार है:

संपरीक्षित (174)	12,639.11	403,368.63	10,527.74	15,786.31	25,196.90	(33,223.66)	(7.33)	(33,230.99)
प्रमाणित (8) #	18,907.94	41,825.59	22,718.55	13,969.04	72,881.85	15,027.54	-	15,027.54
असंपरीक्षित (19)	3,747.46	4,583.59	7,995.33	2,144.06	89.77	(1,255.01)	(0.51)	(1,255.52)
<b>कुल (201)</b>	<b>35,294.51</b>	<b>449,777.81</b>	<b>41,241.62</b>	<b>31,899.41</b>	<b>98,168.52</b>	<b>(19,451.13)</b>	<b>(7.84)</b>	<b>(19,458.97)</b>

#पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	गैर—वर्तमान परिसंपत्तियाँ	वर्तमान देयताएँ	गैर—वर्तमान देयताएँ	राजस्व	निरंतर प्रचालन से लाभ या (हानि)	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
एनईएलपी—100% पीआई (8)	2,300.17	266,101.13	1,052.16	3,729.67	19,534.54	(7,231.95)	(0.40)	(7,232.35)
ओएएलपी—100% पीआई (45)	68.43	3,456.63	53.74	-	-	(16,515.98)	(0.03)	(16,516.01)
डीएसएफ 100% (9)	12.34	2,833.10	9.31	60.22	-	(437.45)	-	(437.45)
एनईएलपी/एनईएलपी—पूर्व ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (28)	51,833.38	101,734.91	65,497.14	18,190.27	114,485.35	(20,805.50)	(2.33)	(20,807.83)
ओएएलपी ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (3)	0.69	7.06	14.94	-	-	(44.69)	-	(44.69)
डीएसएफ ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (2)	34.77	7.19	-	-	-	(37.65)	-	(37.65)
समर्पित (99)	319.80	52.69	18,107.87	59.07	-	(1,275.22)	0.01	(1,275.21)
<b>कुल (194)</b>	<b>54,569.58</b>	<b>374,192.71</b>	<b>84,735.16</b>	<b>22,039.23</b>	<b>134,019.89</b>	<b>(46,348.44)</b>	<b>(2.75)</b>	<b>(46,351.19)</b>

उपरोक्त ब्लॉकों का अग्रतर विवरण निम्नानुसार है:

संपरीक्षित (169)	5,641.92	324,212.17	19,535.96	6,091.47	23,574.48	(40,144.14)	(2.65)	(40,146.79)
प्रमाणित (10) #	44,192.98	45,738.07	54,271.26	15,839.90	110,395.89	(2,248.19)	(0.02)	(2,248.21)
असंपरीक्षित (15)	4,734.68	4,242.47	10,927.94	107.86	49.52	(3,956.11)	(0.08)	(3,956.19)
<b>कुल (194)</b>	<b>54,569.58</b>	<b>374,192.71</b>	<b>84,735.16</b>	<b>22,039.23</b>	<b>134,019.89</b>	<b>(46,348.44)</b>	<b>(2.75)</b>	<b>(46,351.19)</b>

#पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।



### 53.1.5 संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों से संबंधित अतिरिक्त वित्तीय जानकारी निम्नानुसार है:

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकद और नकद समतुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएँ	मूल्यहास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
एनईएलपी -100% पीआई (11)	0.02	343.62	21,150.67	6.90	8,142.09
ओएएलपी -100% पीआई (51)	-	38.89	4.58	0.83	-
डीएसएफ 100% (9)	-	-	0.80	0.46	4.12
एनईएलपी/एनईएलपी-पूर्व ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (23)	236.28	22,304.29	14,181.82	1,531.41	1,279.83
ओएएलपी ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (3)	1.18	61.31	-	-	-
डीएसएफ ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (2)	7.24	-	0.41	0.06	-
समर्पित (102)	1.17	9,743.66	(2,607.29)	1.44	0.53
<b>कुल (201)</b>	<b>245.89</b>	<b>32,491.77</b>	<b>32,730.99</b>	<b>1,541.10</b>	<b>9,426.57</b>
उपरोक्त ब्लॉकों का अग्रतर विवरण निम्नानुसार है:					
संपरीक्षित (174)	8.36	9,644.32	22,327.19	15.44	8,365.76
प्रमाणित (8) #	4.06	19,613.03	9,734.07	1,416.99	965.15
असंपरीक्षित (19)	233.47	3,234.42	669.73	108.67	95.66
<b>कुल (201)</b>	<b>245.89</b>	<b>32,491.77</b>	<b>32,730.99</b>	<b>1,541.10</b>	<b>9,426.57</b>

#पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।

31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकद और नकद समतुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएँ	मूल्यहास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
एनईएलपी -100% पीआई (8)	0.02	348.04	6,218.89	5.31	305.40
ओएएलपी -100% पीआई (45)	-	53.74	1.13	0.30	-
डीएसएफ 100% (9)	-	4.08	0.19	0.30	1.27
एनईएलपी/एनईएलपी-पूर्व ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (28)	205.46	43,429.69	26,117.08	740.03	1,110.56
ओएएलपी ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (3)	0.01	14.94	-	-	-
डीएसएफ ब्लॉक अन्य भागीदारों के साथ (2)	-	-	0.20	0.01	-
समर्पित (99)	1.16	18,058.95	(3,861.76)	19.62	-
<b>कुल (194)</b>	<b>206.65</b>	<b>61,909.44</b>	<b>28,475.73</b>	<b>765.57</b>	<b>1,417.23</b>
उपरोक्त ब्लॉकों का अग्रतर विवरण निम्नानुसार है:					
संपरीक्षित (169)	1.13	18,159.29	14,888.60	30.29	452.63
प्रमाणित (10) #	69.22	38,393.80	13,583.62	568.40	963.81
असंपरीक्षित (15)	136.30	5,356.35	3.51	166.88	0.79
<b>कुल (194)</b>	<b>206.65</b>	<b>61,909.44</b>	<b>28,475.73</b>	<b>765.57</b>	<b>1,417.23</b>

#पीएससी/आरएससी प्रावधानों के अनुसार अन्य सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित।

**53.1.6** एकएनईएलपी ब्लॉक और 2 ओएएलपी ब्लॉकों (पिछले वर्ष 1 एनईएलपी—पूर्व ब्लॉक और 2 ओएएलपी ब्लॉक) के संबंध में, अधूरे न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) में कंपनी का हिस्सा ₹6,710.47 मिलियन (पिछले वर्ष ₹6,855.05 मिलियन) की राशि का प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी ने एनईएलपी/ओएएलपी ब्लॉकों की विस्तार नीति के अंतर्गत तकनीकी जटिलताओं का हवाला देते हुए इन ब्लॉकों में अवधि के अग्रतर विस्तार के लिए पहले ही 'क्षम्य देरी' / विशेष छूट के रूप में आवेदन कर दिया है, जो भारत सरकार के सक्रिय विचाराधीन है। देरी आम तौर पर विभिन्न सरकारी प्राधिकरणों जैसे रक्षा मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, पर्यावरण मंजूरी, राज्य सरकार की अनुमति आदि से लंबित वैधानिक मंजूरी के कारण हुई है। ₹6,710.47 मिलियन की एमडब्ल्यूपी राशि (पिछले वर्ष ₹6,855.05 मिलियन) टिप्पी संख्या 58.3.2 (क) के तहत एमडब्ल्यूपी प्रतिबद्धता में शामिल है।

5 एनईएलपी ब्लॉकों के संबंध में, कंपनी ने डीजीएच / एमओपीएनजी से अपने अनुमान/हाल के संचार के आधार पर अधूरे न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (सीओयूएमडब्ल्यूपी) की लागत के खिलाफ मूल राशि के लिए देयता प्रदान की थी। 31 मार्च, 2024 तक शेष देयता ₹6,925.35 मिलियन है। हालांकि, ब्याज घटक के लिए कोई देयता प्रदान नहीं की गई है क्योंकि कंपनी छूट के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ उक्त मामलों को आगे बढ़ा रही है। उक्त देनदारियां कंपनी द्वारा भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित उत्पादन/राजस्व साझेदारी अनुबंधों के अनुसार, कंपनी को निर्धारित समय के भीतर न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) पूरा करना आवश्यक है। एमडब्ल्यूपी के पूरा होने में देरी के मामले में, एमडब्ल्यूपी को पूरा करने के लिए समय विस्तार के लिए परिसमाप्त क्षति (एलडी)/शुल्क देय है। इसके अलावा, यदि कंपनी एमडब्ल्यूपी को पूरा नहीं करती है या एमडब्ल्यूपी को पूरा किए बिना ब्लॉक को सरेंडर करती है, तो शेष कार्य कार्यक्रम को पूरा करने की अनुमानित लागत भारत सरकार को चुकानी होगी। भारत सरकार को भुगतान/देय एलडी/शुल्क राशि ₹124.13 मिलियन (पिछले वर्ष ₹5.54 मिलियन) और अधूरे एमडब्ल्यूपी की लागत ₹1,034.40 मिलियन (पिछले वर्ष शून्य) क्रमशः सर्वेक्षण और अपलिखित कूप व्यय में शामिल है।

**53.1.7** भारत सरकार ने 01 जून 2017 के अपने पत्र के माध्यम से ब्लॉक आरजे—ओएन/6 में कंपनी के 30% भागीदारी हित के त्याग और ब्लॉक में किसी भी खोज में 30% भागीदारी हित प्राप्त

करने के अपने भविष्य के अधिकारों और दायित्वों को ऑपरेटर फोकस एनर्जी लिमिटेड (एफईएल) और अन्य जेवी भागीदारों के पक्ष में उनके संबंधित भागीदारी हित के अनुपात में इस शर्त पर सौंपने को मंजूरी दी है कि फोकस एनर्जी लिमिटेड (प्रचालक) रॉयल्टी, पीईएल/एमएल शुल्क, अन्य वैधानिक शुल्कों के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए सभी पिछले लागत की प्रतिपूर्ति करेगा और ब्लॉक के एसजीएल फील्ड में विकास और उत्पादन लागत में कंपनी की अदा न की गई देनदारी को वहन करेगा। रॉयल्टी पीईएल/एमएल शुल्क अन्य वैधानिक शुल्कों के प्रति बकाया देय राशि की वसूली लंबित होने तक, ब्लॉक आरजे—ओएन/6 से त्याग के बाद खातों में कोई समायोजन नहीं किया गया है। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, कंपनी ने अपनी बकाया राशि वसूलने के लिए एफईएल और अन्य संयुक्त उद्यम भागीदारों के खिलाफ मध्यस्थता की माँग की है और इस संबंध में मध्यस्थता सुनवाई चल रही है। 31 मार्च, 2024 तक रॉयल्टी, पीईएल/एमएल शुल्क, अन्य वैधानिक शुल्कों के लिए वसूल की जाने वाली कुल बकाया राशि ₹2,569.80 मिलियन (पिछले वर्ष ₹2,415.90 मिलियन) है।

**53.1.8** कंपनी के पास वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केर्न इंडिया लिमिटेड) (प्रचालक) और केर्न एनर्जी हाइड्रोकार्बन लिमिटेड के साथ ब्लॉक आरजे—ओएन—90/1 में 30% भागीदारी हित है। कंपनी, अनुच्छेद 13.2 के तहत सरकारी नामिती के रूप में, केवल विकास और उत्पादन कार्यों के लिए पीआई के अनुसार अपने हिस्से का योगदान करने के लिए उत्तरदायी है, और अन्वेषण लागत को साझा करने के लिए उत्तरदायी नहीं है, जिसे पीसीए मामले 2019–30 में आर्बिट्रल अवार्ड में बरकरार रखा गया था।

हालांकि, ऑपरेटर ने अन्वेषण लागत (पीएससी के अन्वेषण चरण से परे) वसूल कर ली है, जो पीसीए मामले 2020–39 में वेदांता और भारत सरकार के बीच मध्यस्थता का विषय था। दावों और लागत वसूली राशि के परिमाणकरण की अंतिमता लंबित होने तक 233.54 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹19,467.89 मिलियन के बराबर) देयता (पिछले वर्ष 203.92 मिलियन अमेरिकी डॉलर और ₹16,752.14 मिलियन के बराबर) 778.46 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹64,892.05 मिलियन के बराबर) (पिछले वर्ष 679.74 मिलियन अमेरिकी डॉलर और ₹55,840.47 मिलियन के बराबर) का 30% है) का खुलासा आकस्मिक देयताओं के तहत किया गया है।

इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी और वेदांता के बीच पीसीए मामले 2019–30 में 31.07.2023 के अंतिम पुरस्कार के अनुसार, दावेदार मेसर्स को 166.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि प्रदान की



गई। वेदांता को बकाया रॉयल्टी प्राप्त के लिए प्रतिवादी मेसर्स ओएनजीसी को दिए गए 190.302 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि के विरुद्ध समायोजित किया गया है और 10.724 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर ब्याज और लागत सहित 34.656 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹2,888.91 मिलियन के बराबर) की शुद्ध प्राप्त राशि को बहिर्भूत में जेवी पार्टनर्स से प्राप्त के रूप में दिखाया गया है।

**53.1.9** ब्लॉक आरजे-ओएन-90/1 के उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) की पच्चीस वर्ष की प्रारंभिक अवधि 14 मई, 2020 को समाप्त हो गई। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, पीएससी के लिए एक परिशिष्ट संख्या 2 27 अक्टूबर, 2022 को निष्पादित किया गया, जिससे ब्लॉक के पीएससी की अवधि 15 मई, 2020 से पूर्वव्यापी रूप से 10 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ गई। भारत सरकार ने इस संबंध में नवीनतम मांग पत्र दिनांक 06.09.2022 के अनुसार पीएससी प्रावधानों के अनुसार लेखा—परीक्षा अपवादों के विरुद्ध ब्लॉक आरजे-ओएन-90/1 के संबंध में 1,860.06 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹138,382.50 मिलियन) (पिछले वर्ष 654.83 मिलियन अमेरिकी डॉलर और समतुल्य ₹53,794.28 मिलियन) के अतिरिक्त पेट्रोलियम लाभ के भुगतान की मांग की।

उक्त मांग पीसीए मामले 2020–39 में वेदांता और भारत सरकार के बीच मध्यस्थता कार्यवाही के तहत है, जिसमें कंपनी (ओएनजीसी) भारत सरकार के खिलाफ मध्यस्थता में पक्ष नहीं है। उक्त मांग को मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा उनके दिनांक 22.08.2023 और 08.12.2023 के आदेश के माध्यम से खारिज कर दिया गया है, हालांकि इसकी मात्रा न्यायाधिकरण के समक्ष लंबित है।

मेसर्स वेदांता और भारत सरकार के बीच पीसीए मामले 2020–39 में परिणाम और परिमाणीकरण की अंतिमता लंबित होने तक, कंपनी का हिस्सा 498.02 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹41,514.75 मिलियन) (पिछले वर्ष 196.45 मिलियन अमेरिकी डॉलर और समकक्ष ₹16,138.29 मिलियन) है, जो लेखा—परीक्षा अपवादों के कारण अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम की मांग के 1,660.06 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹138,382.50 मिलियन) (पिछले वर्ष 654.83 मिलियन अमेरिकी डॉलर और समकक्ष ₹53,794.28 मिलियन) का 30% है, जिसे आकस्मिक देयताओं के तहत प्रकट किया गया है।

**53.1.10** झारिया सीबीएम ब्लॉक के संबंध में, 9 सितंबर, 2019 को आयोजित संचालन समिति (एससी) की बैठक में संशोधित व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) को मंजूरी दी गई है। भारत कोकिंग

कोल लिमिटेड कंपनियों के साथ ओवरलैप मुद्दे के महेनजर और बेहतर तकनीकी—आर्थिकी को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने शीघ्र कार्यान्वयन और मुद्रीकरण के लिए संशोधित एफआर को चरणबद्ध रूप में लागू करने का निर्णय लिया है। परबतपुर और आसपास के क्षेत्रों को अनुमोदित एफआर के तहत चरण—I में लिया गया था और तदनुसार झारिया सीबीएम ब्लॉक के लिए चरण—I के कार्यान्वयन की रणनीति को कंपनी द्वारा 21 नवंबर, 2019 को और प्रचालन समिति ने 10 दिसंबर, 2019 को अपनी बैठक में अनुमोदित किया है। इसे जेओ भागीदार, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) को सूचित किया गया था और 10 जनवरी, 2020 को आयोजित सीआईएल के निदेशक मंडल द्वारा इसकी मंजूरी दी गई थी।

डीजीएच द्वारा प्रदान किए गए प्रफॉर्मा के अनुसार, सीआईएल के भागीदारी हित 10% से 26% तक भागीदारी हित की वृद्धि के लिए सभी औपचारिकताएं कंपनी (असाइनर) और सीआईएल (असाइनी) दोनों द्वारा पूरी की गई थीं और हस्ताक्षरित दस्तावेज 27 जनवरी, 2020 को भारत सरकार के अनुमोदन के लिए डीजीएच को प्रस्तुत किए गए थे। हालांकि, भारत सरकार ने आवेदन और सहायक दस्तावेजों के आधार पर सीआईएल के भागीदारी हित को 10% से 26% तक बढ़ाने की मंजूरी 25 जनवरी, 2021 को दे दी। कंपनी द्वारा इसका विरोध किया गया क्योंकि पीआई को 10% से बढ़ाकर 26% करने के विकल्प का प्रयोग करने का प्रावधान और समय संयुक्त प्रचालन समझौते (जेओए) में स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है यानी विकास चरण की शुरुआत से पहले सीआईएल द्वारा विकल्प का प्रयोग किया जाएगा। तदनुसार, डीजीएच और एमओपीएनजी से 23 अप्रैल, 2013 पर विचार करने का अनुरोध किया गया था जो विकास चरण गतिविधि की प्रारंभ तिथि और जेओए के अनुसार भागीदारी हित वृद्धि के प्रारंभ की तिथि है, क्योंकि भागीदारी हित वृद्धि में देरी मुख्य रूप से सीआईएल द्वारा अपेक्षित दस्तावेजों को देर से जमा करने के कारण हुई है।

हमारे अभ्यावेदन के आधार पर डीजीएच ने अपने पत्र दिनांक 16.04.2024 के माध्यम से स्पष्ट किया है कि झारिया सीबीएम ब्लॉक के लिए विकास चरण प्रारंभ तिथि 23 अप्रैल, 2013 है। डीजीएच से स्पष्टीकरण, जेओए के प्रावधानों और संचालन समिति के अनुमोदन को ध्यान में रखते हुए, सीआईएल से ₹707.95 मिलियन की नकद कॉल को 23 अप्रैल, 2013 से 24 जनवरी, 2021 तक 26% पर मान्यता देना जारी रखा गया है, जबकि 24 जनवरी, 2021 तक ₹272.29 मिलियन की याचित

नकदी 10% भागीदारी की दर से थी।

**53.1.11** रानीगंज (एन) सीबीएम ब्लॉक के संबंध में, लागत को अनुकूलित करने के लिए विभिन्न प्रकारों की खोज करते हुए व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) पर काम किया गया है, ताकि बंगाल एयरोट्रोपोलिस प्रोजेक्ट लिमिटेड, सीएम (एसपी) ब्लॉक के साथ ओवरलैप मुद्दे के मद्देनजर शीघ्र कार्यान्वयन और मुद्रीकरण किया जा सके और कंपनी ने संशोधित एफआर को चरणबद्ध रूप में लागू करने का फैसला किया है। सभी ओवरलैप मुद्दों को छोड़कर क्षेत्र को अनुमोदित एफआर के तहत वर्तमान चरण में लिया गया था और तदनुसार, कार्यान्वयन रणनीति को कंपनी द्वारा 8 दिसंबर, 2022 को और प्रचालन समिति (ओसी) द्वारा 13 फरवरी, 2023 को अनुमोदित किया गया है। संशोधित व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) को 3 मार्च, 2023 को आयोजित संचालन समिति (एससी) में सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित किया गया है। ब्लॉक पर अंतिम निर्णय लंबित होने तक, पुस्तकों में ₹617.75 मिलियन का हानि प्रावधान प्रदान किया गया है।

**53.1.12** वर्ष 2017–18 के दौरान कंपनी ने ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001 / 3 में दीन दयाल पश्चिम (डीडीडब्ल्यू) फील्ड के लिए 995.26 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹62,950.20 मिलियन के बराबर) के खरीद मूल्य पर गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसी) के संपूर्ण 80% भागीदारी हित को ऑपरेटरशिप अधिकारों के साथ अधिग्रहित किया था। उपरोक्त अधिग्रहण के बाद ब्लॉक में संशोधित भागीदारी हित कंपनी के लिए 80%, जीएसपीसीके लिए 10% और जुबिलेंट ऑफशोर ड्रिलिंग प्राइवेट लिमिटेड (जेओडीपीएल) के लिए 10% है। 10 मार्च, 2017 को जीएसपीसी के साथ एक फार्म–इन फार्म–आउट समझौते (फीफो) पर हस्ताक्षर किए गए थे और उक्त मूल्य का भुगतान 04 अगस्त, 2017 को समाप्त तिथि पर किया गया है। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, बिक्री प्रतिफल अर्थात् आर्थिक तिथि से लेकर समाप्त तिथि तक के लेन–देन के लिए अंतिम समाप्तन समायोजन (अर्थात् कार्यशील पूंजी और अन्य समायोजन) का लेखा–जोखा अनंतिम रूप से किया गया है और अंतिम निपटान के रूप में जीएसपीसी को ₹993.92 मिलियन की शुद्ध राशि देय है और इस पर विचार–विमर्श किया जा रहा है। फीफोके अनुसार, कंपनी वास्तविक गैस उत्पादन और सहमत गैस मूल्य में अंतर के आधार पर पहले से भुगतान किए गए प्रतिफल के समायोजन के रूप में राशि प्राप्त करने की हकदार है। मदर वेल के निष्पादन और भविष्य के उत्पादन का अनुमान लगाने तक, प्रतिफल के लिए आकस्मिक समायोजन की मात्रा निर्धारित की जानी बाकी है।

कंपनी ने ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001 / 3 में डीडीडब्ल्यूफील्ड के अलावा छह खोजों के लिए जीएसपीसीको 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹12,650.00 मिलियन के बराबर) का आंशिक भुगतान भी किया है, जो कि ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001 / 3 में इन खोजों के अधिग्रहण अधिकारों के लिए है, जिसे जीएसपीसीऔर कंपनी के बीच सहमत मूल्यांकन मापदंडों के आधार पर ऐसे क्षेत्रों के मूल्यांकन के विरुद्ध समायोजित किया जाना है।

संयुक्त प्रचालन भागीदार जेओडीपीएलदिसंबर 2017 से परिसमाप्त के अधीन है और कंपनी द्वारा ब्लॉक के अधिग्रहण के बाद से सभी याचित नकदी का भुगतान नहीं कर पाई है। 31 मार्च, 2024 तक जेओडीपीएलसे बकाया नकद कॉल की राशि ₹2145.69 मिलियन (पिछले वर्ष: ₹1,800.05 मिलियन) है। उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के प्रावधानों के अनुसार जेओडीपीएलके 10% भागीदारी हित का असाइनमेंट प्रबंधन समिति (एम सी) के पास लंबित है। संयुक्त प्रचालन समझौते (जेओए) के प्रावधानों के अनुसार, ब्लॉक के अधिग्रहण के बाद ₹2145.69 मिलियन (पिछले वर्ष: ₹1,800.05 मिलियन) की प्राप्त राशि को गैर–डिफॉल्ट करने वाले जेवी पार्टनर द्वारा उनके भागीदारी हित के अनुपात में योगदान करना आवश्यक है। एमसी द्वारा जेओडीपीएल के भागीदारी हित के असाइनमेंट के निर्णय के लंबित रहने तक जेओडीपीएल से उक्त याचित नकदी प्राप्तियों के विरुद्ध ₹1907.28 मिलियन (पिछले वर्ष: ₹1,600.04 मिलियन) की राशि का प्रावधान किया गया है, जो भागीदारी हित अनुपात के अनुसार कंपनी का हिस्सा है।

**53.1.13** ब्लॉक सीबी–ओएनएन–2004 / 3 के मामले में, खोजी कूप वेल उबर#2 ने 23 जून, 2020 से काम करना बंद कर दिया है। कंपनी ने संयुक्त उद्यम भागीदार गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के परामर्श से ब्लॉक सीबी–ओएनएन–2004 / 3 की जांच/समर्पण करने और 10.78 वर्ग किलोमीटर के विकास क्षेत्र को त्यागने का प्रस्ताव किया है। मई 2022 में प्रबंधन समिति (एमसी) की बैठक के दौरान, सरकारी नामित व्यक्ति ने एमसी अनुमोदन प्राप्त होने के 60 दिनों के भीतर भविष्य की ठोस योजनाएँ प्रस्तुत करने या फिर भविष्य की बोली के दौर के लिए क्षेत्र को त्यागने की सलाह दी। ब्लॉक को समर्पित करने का प्रस्ताव कंपनी द्वारा प्रचालक होने के नाते शुरू किया गया है और डीजीएच के पास लंबित है, पुस्तकों में ₹373 मिलियन की हानि का प्रावधान किया गया है।

**53.1.14** उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के तहत लागत वसूली के उद्देश्य से निर्दिष्ट मुद्रा अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, लागत



वसूली विवरण तैयार करने के लिए भारतीय रुपए (₹) में किए गए व्यय को अमेरिकी डॉलर में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। कंपनी ने लागत वसूली विवरण तैयार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) संदर्भ दर के स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) संदर्भ दर को अपनाने के लिए संबंधित ब्लॉकों के लिए प्रबंधन समिति के मसोदा एजेंडा पहले ही प्रस्तुत कर दिए हैं।

वीएन—ओएनएन—2009/3 ब्लॉक की प्रबंधन समिति (एमसी) ने पीएससी के तहत निर्धारित प्रावधान में संशोधन करते हुए अमेरिकी डॉलर और रुपये के बीच रूपांतरण के उद्देश्य के लिए आरबीआई संदर्भ दर के स्थान पर एसबीआई संदर्भ दर को मंजूरी देने के लिए सरकार से सिफारिश की है। एमसी ने यह भी सिफारिश की है कि इसे प्रचालक के अन्य समान रूप से किये गए पीएससी पर भी लागू किया जा सकता है। एमसी ने आगे सिफारिश की कि एसबीआई विनिमय दर को चुनने की उपरोक्त छूट अन्य प्रचालकों को भी एकमुश्त उपाय के रूप में उपलब्ध कराई जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चुनते हैं, बशर्ते कि उन्होंने निगमित स्तर पर एसबीआई विनिमय दर को अपनाया हो। इसके बाद, हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) जो कि भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) की पीएससी निगरानी शाखा है, ने मई 2020 में ब्लॉक वीएन—ओएनएन—2009/3 के लिए आरबीआई संदर्भ दर के बदले एसबीआई संदर्भ दर को अपनाने के लिए एमओपीएनजी की मंजूरी के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो वर्तमान में एमओपीएनजी के पास लंबित है। कंपनी लेखों के रखरखाव के लिए सतत आधार पर एसबीआई संदर्भ विनिमय दरों का पालन कर रही है क्योंकि कंपनी का मुख्य बैंकर भारतीय स्टेट बैंक है, और एसबीआई विनिमय दर को अपनाने के कारण कंपनी के वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, क्योंकि कंपनी में विदेशी मुद्रा के लेनदेन वास्तविक लागत के आधार पर दर्ज किए जाते हैं और अवधि के अंत में विदेशी मुद्रा देयताओं और परिसंपत्तियों को भी एसबीआई संदर्भ दर के अनुसार मान्यता दी जाती है। आरबीआई संदर्भ दर के मुकाबले डीजीएच के साथ लागत वसूली विवरणों की एसबीआई संदर्भ दर तैयार करने के लिए वित्तीय निहितार्थ महत्वहीन है।

**53.1.15** वर्ष 2021–22 के दौरान हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय ने कंपनी/जेओ के सघ के अधूरे कार्य कार्यक्रम (सीओयूडब्ल्यूपी) की लागत और उस पर व्याज (18 सीओयूडब्ल्यूपी प्लस सीओयूडब्ल्यूपी पर

4 व्याज) से संबंधित 22 एनईएलपी ब्लॉकों के मुद्दों को बाहरी प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की समिति (सीईईई) को भारत सरकार और कंपनी/इसके जेओ भागीदारों (ठेकेदारों) के बीच ठेकेदारों की सहमति के आधार पर सुलह कार्यवाही के लिए मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए भेजा था। उक्त 22 ब्लॉकों में से कंपनी 19 ब्लॉकों में प्रचालक है और शेष 3 ब्लॉक अन्य प्रचालकों द्वारा संचालित किए गए थे। सीईईई ने 2021–22 और 2022–23 के दौरान कंपनी और उसके जेओ भागीदारों द्वारा किए गए अभ्यावेदन पर अनेक बैठकें कीं।

सीईईई ने 30 मार्च, 2023 के अपने पत्र के माध्यम से 10 ब्लॉकों के लिए प्रस्तावित निपटान प्रस्तावों को साझा किया है और इस पर कंपनी और उसके जेओ भागीदारों से टिप्पणियां मांगी हैं। इसके बाद, सीईईई के सचिव के निमंत्रण पर, कंपनी और उसके जेओ भागीदारों ने 17 अप्रैल, 2023 को सीईईई सदस्यों को प्रस्तावित निपटान प्रस्तावों पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कीं। इसके अलावा, कंपनी ने 21 अप्रैल, 2023 के अपने पत्र के माध्यम से सीईईई द्वारा निष्पक्ष और न्यायसंगत विचार के आधार पर उपरोक्त ब्लॉकों के लिए संशोधित निपटान प्रस्ताव के लिए उक्त 10 ब्लॉकों के लिए लिखित प्रस्तुतियाँ दीं।

कंपनी द्वारा की गई प्रस्तुतियों पर चर्चा करने के लिए 2 मई, 2023 को सीईईई की एक बैठक आयोजित की गई थी। सीईईई की दिनांक 17.08.2023 की सिफारिशों और उसके बाद दिनांक 15.12.2023 के पत्र के आधार पर, ओएनजीसी ने जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में उक्त 22 ब्लॉकों में सीओयूडब्ल्यूपी मुद्दों के पूर्ण और अंतिम निपटान के लिए कुल देय राशि 49,509,300 अमेरिकी डॉलर (₹4,121.40 मिलियन के बराबर) का भुगतान किया।

**53.1.16** हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने 4 अप्रैल, 2017 को अपने पत्र के माध्यम से शेल गैस और तेल अन्वेषण और दोहन के लिए तथ समय सीमा के भीतर न्यूनतम कार्य कार्यक्रम पूरा न करने के कारण ₹645.24 मिलियन की क्षतिपूर्ति की मांग की। कंपनी ने उठाई गई मांग के जवाब में बताया कि शेल गैस नीति 2013/भारत सरकार के शेल गैस और तेल अन्वेषण/दोहन अधिकारों के अनुदान के लिए अनुमति पत्र के पैरा V में धारा—I में शेल गैस और तेल संसाधनों की स्थापना न होने की विधियों में, एलडी के बिना, जीएंडजी अध्ययनों के बाद शेल गैस और तेल प्रचालन से हटने का प्रावधान है। उपरोक्त के आधार पर, क्षतिपूर्ति लागू नहीं होती है क्योंकि विभिन्न बेसिनों में जीएंडजी अध्ययनों के माध्यम से किए गए मूल्यांकन ने शेल गैस और तेल संसाधनों की स्थापना नहीं की है। भारत सरकार द्वारा जारी दिनांक

08 अगस्त, 2018 को अपरंपरागत हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण और दोहन के लिए नीति रूपरेखा में भी यही बात दोहराई गई है, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय तेल कंपनियों (एनओसी) को दिए गए नामांकन ब्लॉकों में, एनओसी को ॲयलफील्ड्स (विनियमन और विकास) अधिनियम 1948 और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के तहत सभी प्रकार के हाइड्रोकार्बन की खोज और दोहन की अनुमति दी जाएगी, जो नामांकन एक्रेज के तहत दिए गए पीईएल/पीएमएल की मौजूदा वित्तीय और संविदात्मक शर्तों के अनुसार है। 2013 की शेल गैस नीति को उस सीमा तक संशोधित और/या विस्तारित माना जाएगा।

इस मामले पर डीजीएच/एमओपीएनजी के साथ विभिन्न बैठकों में चर्चा की गई और उसका पालन किया गया। कंपनी ने 30 अगस्त, 2022 को डीजीएच को लिखे अपने पत्र के माध्यम से पुनः निवेदन किया कि वर्तमान मामले में कोई लागू नहीं है और इस प्रस्तुतिकरण के आधार पर मामले को बंद माना जाए और उक्त प्रस्तुतिकरणों के बाद डीजीएच से कोई और पत्र/मांग प्राप्त नहीं हुए हैं और तदनुसार कोई देयता/आकस्मिक देयता को मान्यता/प्रकटीकरण नहीं किया गया है।

**53.1.17** वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय ने ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 और सीबी–ओएस/2 के लिए रॉयल्टी के अदत्त/कम भुगतान के कारण ₹4,881.35 मिलियन की मांग की थी, जिसमें 2016–17 से 2020–21 की अवधि के लिए ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 के संबंध में ₹262.41 मिलियन की मूल राशि और ₹148.74 मिलियन का दंडात्मक ब्याज और 2006–07 से 2020–2021 की अवधि के लिए ब्लॉक सीबी–ओएस/2 के संबंध में ₹1,209.48 मिलियन की मूल राशि और उसी पर ₹3,260.72 मिलियन का दंडात्मक ब्याज शामिल है।

कंपनी ने विभिन्न बैठकों और लिखित पत्र के माध्यम से डीजीएच/एमओपीएनजी के साथ इस मुद्दे को उठाया था, जिसमें ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 के संबंध में अंतिम पत्राचार दिनांक 09 सितंबर 2021 और ब्लॉक सीबी–ओएस/2 के संबंध में दिनांक 26 अक्टूबर 2021 का पत्र था जिसमें कहा गया था कि डीजीएच द्वारा की गई मांग तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम 1948 (ओआरडी अधिनियम) और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (पीएनजी नियम) नियम, 2003 और उसके तहत जारी अधिसूचनाओं के वैधानिक प्रावधानों के साथ पठित उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के विभिन्न प्रावधानों के संदर्भ में मान्य नहीं है। ओआरडी अधिनियम के अनुसार रॉयल्टी वेल हेड पर प्राप्त मूल्य की निर्धारित दर पर देय है। इसमें यह भी

प्रावधान है कि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित लेखों में रिपोर्ट किए गए वास्तविक पोस्ट कूप शीर्ष व्यय के आधार पर पश्च कूप शीर्ष लागत/कूप शीर्ष मूल्य निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा, ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 के संबंध में उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के प्रावधानों के अनुसार, कंपनियों (पट्टेदारों) को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के कूप शीर्ष मूल्य की निर्धारित दर पर सरकार (पट्टेदार) को रॉयल्टी का भुगतान करना होगा। पेट्रोलियम खनन पट्टे में यह भी प्रावधान है कि पट्टेदार ओआरडी अधिनियम, 1948 (1948 का 53) और पीएण्डएनजीनियम, 1959 के अधीन है। इसमें आगे यह भी प्रावधान है कि पट्टेदार द्वारा रॉयल्टी का भुगतान उक्त ब्लॉक/अनुबंध क्षेत्र के संबंध में पट्टेदार और सरकार के बीच किए गए किसी भी अनुबंध की शर्तों के अनुसार या भारत सरकार द्वारा समय–समय पर निर्धारित दरों पर किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, डीजीएच ने 21 सितंबर, 2023 के अपने पत्र के माध्यम से ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 के लिए 31 मार्च, 2023 तक रॉयल्टी के अदत्त/कम भुगतान और 30 जून, 2023 तक दंडात्मक ब्याज के लिए ₹637.67 मिलियन की संशोधित मांग उठाई है। डीजीएच ने 21 सितंबर, 2023 के पत्र के माध्यम से ब्लॉक सीबी–ओएस/2 के लिए 31 मार्च, 2023 तक रॉयल्टी के अवैतनिक/कम भुगतान और 30 जून, 2023 तक दंडात्मक ब्याज के लिए ₹6,432.63 मिलियन की मांग भी की है। इस मामले को विभिन्न बैठकों के माध्यम से डीजीएच/एमओपीएनजी के साथ फिर से उठाया गया है और यह समझा जाता है कि मामला एमओपीएनजी के समक्ष विचाराधीन है और मामले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। डीजीएच/एमओपीएनजी का अंतिम निर्णय लिखित होने तक, कुल ₹7,070.30 मिलियन की उक्त मांगों को आकस्मिक देयताओं के रूप में प्रकट किया गया है।

**53.1.18** वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान, कंपनी ने 1 जनवरी, 2023 की पूर्वव्यापी तिथि के साथ 3,000,021/- अमेरिकी डॉलर की बिक्री प्रतिफल राशि के लिए ब्लॉक सीबी–ओएनएन–2004/2 में जीएसपीसी शेयर यानी 45% के अधिग्रहण के लिए जी एसपीसी के साथ फार्म इन और फार्म आउट (एफआईएफओ) समझौता किया था। एफआईएफओ समझौते पर 21 मार्च 2024 को हस्ताक्षर किए गए और हस्ताक्षरित एफआईएफओ समझौते और असाइनमेंट डीड को मंजूरी के लिए हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय के समक्ष रखा गया है। इस अधिग्रहण के साथ, ब्लॉक में ओएनजीसी की भागीदारी 100% तक बढ़ जाएगी।



### 53.2 भारत के बाहर संयुक्त प्रचालन

31 मार्च, 2024 तक समूह के संयुक्त प्रचालन का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	समूह की भागीदारी हिस्सेदारी (%)	अन्य संघ सदस्य	प्रचालक	परियोजना की स्थिति
1.	अजेरी, चिराग, गुनेशली फील्ड (एसीजी), अज़रबैजान, अपतट	2.31	बीपी – 30.37% एसओसीएआर – 25.00% एमओएल – 9.57% आईएनपीईपर्क्स – 9.31% इविनोर – 7.27% एक्सॉन–मोबिल – 6.79% टीपीएओ – 5.73% इटोचू – 3.65%	बीपी	परियोजना विकास और उत्पादन के अधीन है।
2.	ब्लॉक 06.1, वियतनाम, अपतट	45	जार्खेजनेप्ट ईपी वियतनाम (पहले रोसनेप्ट वियतनाम बी.वी.) – 35% पेट्रो वियतनाम – 20%	जार्खेजनेप्ट ईपी वियतनाम (पहले रोसनेप्ट वियतनाम बी.वी.)	परियोजना उत्पादन के अधीन है। पीएससी के विस्तार के बारे में विवरण के लिए टिप्पी संख्या 64 देखें।
3.	ब्लॉक 5ए, दक्षिण सूडान, अभितट	24.125	पेट्रोनास – 67.875% नाइलपेट – 8%	सभी भागीदारों द्वारा संयुक्त संचालन।	दक्षिण सूडान के ब्लॉक एसए में तेल उत्पादन गतिविधियां, जो सुरक्षा संबंधी मुद्दों के कारण दिसंबर 2013 से बंद थीं, 30 मई, 2021 से फिर से शुरू हो गई हैं।
4.	ब्लॉक ए-1, म्यांमार, अपतट	17	पोस्को इंटरनेशनल कॉरपोरेशन – 51% एमओजीई – 15% गेल – 8.5% कोगास – 8.5%	पॉस्को इंटरनेशनल कॉरपोरेशन	परियोजना उत्पादन के अधीन है।
5.	ब्लॉक ए-3, म्यांमार, अपतट	17	पोस्को इंटरनेशनल कॉरपोरेशन – 51% एमओजीई – 15% गेल – 8.5% कोगास – 8.5%	पॉस्को इंटरनेशनल कॉरपोरेशन	परियोजना उत्पादन के अधीन है।
6.	ब्लॉक बी2, म्यांमार, अभितट	97	मशीनरी एंड सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड – 3%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषणाधीन है तथा वर्तमान सुरक्षा विधियों के कारण इसे 31.12.2024 तक अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। (टिप्पी संख्या 66 देखें)
7.	ब्लॉक सीपीओ-5, कोलंबिया, अभितट	70	जियोपार्क – 30% (पहले पेट्रोडोरेडो)	ओएनजीसी विदेश	1. यह ब्लॉक अन्वेषण चरण-II के अंतर्गत है। 2. उत्पादन इंडिको और मारिपोसा क्षेत्रों से हो रहा है।
8.	ब्लॉक ईपी3, म्यांमार, अभितट	97	मशीनरी एंड सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड – 3%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषणाधीन है। पीएससी की अवधि 31.12.2023 को समाप्त हो गई है। (टिप्पी संख्या 65 देखें)

क्र.सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	समूह की भागीदारी हिस्सेदारी (%)	अन्य संघ सदस्य	प्रचालक	परियोजना की स्थिति
9.	ब्लॉक फरजाद बी, ईरान, अपतट	40	आईओसी – 40%; ओआईएल – 20%	ओएनजीसी विदेश	अन्वेषण सेवा अनुबंध (ईएससी) के तहत परियोजना का अन्वेषण चरण 24 जून, 2009 को समाप्त हो गया। एनआईओसी ने स्थानीय ईरानी कंपनी के साथ फरजाद-बी गैस क्षेत्र के विकास के लिए एक विकास सेवा अनुबंध (डीएससी) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी अन्य भारतीय कंसोर्टियम भागीदारों के साथ डीएससी में उचित भागीदारी के लिए एनआईओसी के साथ बातचीत/चर्चा में लगी हुई है।
10.	ब्लॉक आरसी-10, कोलंबिया, अपतट	50	इकोपेट्रोल – 50%	ओएनजीसी विदेश	ब्लॉक को छोड़ने की प्रक्रिया चल रही है
11.	ब्लॉक एसएस 04, बांग्लादेश, अपतट	45	ओआईएल-45% बीएपीईएक्स-10%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषणाधीन है
12.	ब्लॉक एसएस 09, बांग्लादेश, अपतट	45	ओआईएल-45% बीएपीईएक्स-10%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषणाधीन है
13.	ब्लॉक एसएसजे-7, कोलंबिया, अपतट	50	कैनाकोल एनर्जी – 50%	कैनाकोल एनर्जी	अन्वेषण (चरण-I) पूरा हो चुका है। ओवीएल ने अन्वेषण चरण-I में भाग न लेने का निर्णय लिया है और जुलाई, 2023 में प्रचालक कैनाकोल को अपना भागीदारी हित (50%) का सौंप दिया है।
14.	ब्लॉक XXIV, सीरिया, अपतट	60	आईपीआरएमईएल – 25% ट्राइओशन-15%	आईपीआर एमईएल	देश में अप्रैल, 2012 से बिगड़ती कानून व्यवस्था के कारण परियोजना अस्थायी रूप से बंद है।
15.	सखालिन -1, रूस, अपतट		टिप्पणी संख्या 62 देखें		परियोजना विकास और उत्पादन के अधीन है।
16.	श्वे पाइपलाइन, म्यामार, अपतट	17	पॉस्को इंटरनेशनल कॉरपोरेशन – 51%, मोगे – 15%, गेल – 8.5%, कोगास – 8.5%	पॉस्को इंटरनेशनल कॉरपोरेशन	पाइपलाइन पूरी हो चुकी है और म्यामार के ब्लॉक ए1/ए3 से गैस के परिवहन के लिए इस्तेमाल की जा रही है।
17.	पोर्ट सूडान उत्पाद पाइपलाइन, सूडान	90	ओआईएल – 10%	ओएनजीसी विदेश	पाइपलाइन का निर्माण पूरा हो चुका है और पिछले वर्षों में इसे सूडान सरकार को सौंप दिया गया था। 7 किस्तों (कुल 18 किस्तों में से) की वसूली के लिए मध्यभूत चल रही है।
18.	ब्लॉक एरिया 1, मोजाम्बिक, अपतट (10% ओवीआरएल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से और 6% बीआईएमएल के माध्यम से)	16	टोटल – 26.5%, मित्सुई-20%, ईएनएच-15%, बीपीआरएल-10%, बीआईएमएल-10%#, पीटीटीईपी-8.5%	कुल	परियोजना विकास के अधीन है।
19.	ब्लॉक 1ए, 1बी, और 4, जीपीओसी, दक्षिण सूडान (ओएनजीसी नील गंगा बी. वी. के माध्यम से)	25	सीएनपीसी – 40%, पेट्रोनास – 30%, नाइलपेट – 5%	संयुक्त प्रचालकता (जीपीओसी)	परियोजना विकास और उत्पादन के अधीन है।



क्र.सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	समूह की भागीदारी हिस्सेदारी (%)	अन्य संघ सदस्य	प्रचालक	परियोजना की स्थिति
20.	ब्लॉक बीसी-10 ब्राजील, अपतटीय (ओएनजीसी कैप्योस लिमिटेड के माध्यम से)	27	शेल – 50%, क्यूपीआई – 23%	शेल	परियोजना विकास और उत्पादन के अधीन है।
21.	ब्लॉक बीएम-सील-4 ब्राजील, अपतटीय (ओएनजीसी कैप्योस लिमिटेड के माध्यम से)	25	पेट्रोब्रास – 75%	पेट्रोब्रास	परियोजना विकास के अधीन है।
22.	लोअर जकूम अबू धाबी (फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी. के माध्यम से)	4	इंडऑयल ग्लोबल बी.वी. – 3%, बीपीआरएल इंटरनेशनल वैचर्स बी.वी. – 3%, एडीएनओसी-60%, जापान इनपेक्स-10%, सीएनपीसी-10%, एनी-5%, टोटल-5%	एडनोक ऑफशोर	परियोजना विकास और उत्पादन के अधीन है।

#### प्रयुक्त संक्षिप्ताकार:

टोटल – टोटल एस.ए., फ्रांस; बीएपीईएक्स – बांग्लादेश पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन कंपनी लिमिटेड; बीपी – ब्रिटिश पेट्रोलियम; बीपीआरएल – भारत पेट्रोरिसोर्सेज लिमिटेड; बीआरईएमएल – व्यास रोम्हा एनजी मोजाम्बिक लिमिटेड; सीएनपीसी – चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन; इकोपेट्रोल – इकोपेट्रोल एस.ए. कोलंबिया; ईएनएच – एमप्रेसा नैशनल डी हाइड्रोकार्बनेट, ईपी; ईएनएल – एक्सॉन नेपटोर्स लिमिटेड; एक्सॉन मोबिल – एक्सॉन मोबिल कॉरपोरेशन; गेल – गेल (इंडिया) लिमिटेड; इनपेक्स – इनपेक्स कॉरपोरेशन; आईओसी – इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड; आईपीआरएमईएल – आईपीआर मेडिटेरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड; ईटोचू – ईटोचू कॉरपोरेशन; केएमजी – काजमुनायगैस; कोगास – कोरिया गैस कॉरपोरेशन; मित्तुझौं कंपनी लिमिटेड; एमओजीई – म्यामार ऑयल एंड गैस एंटरप्राइज; नाईलप्रेट – नाईल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन; ओआईएल – ऑयल इंडिया लिमिटेड; ओएनजीसी विदेश – ओएनजीसी विदेश लिमिटेड; पेट्रोब्रास – पेट्रोब्रास कॉलंबिया लिमिटेड; पेट्रोडॉरेडो – पेट्रोडॉरेडो साउथ अमेरिका एस.ए.; पेट्रोनास – पेट्रोनास कैरिगली ओवरसीज एसडीएनबीएचडी; पेट्रोवियतनाम – वियतनाम ऑयल एंड गैस ग्रुप; पीटीटीईपी – पीटीटीईपी पर्सिक कंपनी लिमिटेड; क्यूपीआई – कतर पेट्रोलियम इंटरनेशनल; एसएमएनजी – सखालिनमोर्नपेट्रोगास शेल; एसओआरएआर – अज़रबैजान गणराज्य की स्टेट ऑयल कंपनी; एसओडीईसीओ – सखालिन ऑयल डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड; एसओएलएलपी – सतपावे ऑपरेटिंग एलएलपी; स्टेटोइल – डेन नॉर्स्क स्टेट्स ऑलजेसलरकैप; टीपीएओ – तुर्किये पेट्रोलेरी ए.ओ.; द्राघओशन – द्राघओशन मेडिटेरेनियन

#ओएनजीसी विदेश के पास बीआरईएमएल में 60% शेयर हैं।

टिप्पणी: पिछले वर्ष के विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है जब तक कि अन्यथा वर्णित न हो।

#### वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान कंपनी द्वारा छोड़े गए ब्लॉकों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	समूह की भागीदारी हिस्सेदारी (%)	अन्य संघ सदस्य	प्रचालक	परियोजना की स्थिति
शून्य					

#### वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान कंपनी द्वारा छोड़े गए ब्लॉकों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	समूह की भागीदारी हिस्सेदारी (%)	अन्य संघ सदस्य	प्रचालक	परियोजना की स्थिति
1	ब्लॉक आरसी-9, कोलंबिया, अपतट	50	इकोपेट्रोल – 50%	इकोपेट्रोल	वर्ष के दौरान ब्लॉक को छोड़ दिया गया है

53.2.1 संयुक्त प्रचालन परियोजनाओं/ब्लॉकों की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:

### 31 मार्च, 2024 तक

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ	वर्तमान देयताएँ	गैर-वर्तमान देयताएँ	कुल राजस्व	निरत्र प्रचालन से लाभ या हानि	बंद प्रचालन से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
-------	-----------------------	---------------------------	-----------------	---------------------	------------	-------------------------------	----------------------------	----------------	---------------

### क. 31 मार्च 2024 तक प्रमाणित

ब्लॉक 06.1, विधवनाम	1,148.68	4,770.87	5,006.40	-	4,791.62	1,633.50	-	-	1,633.50
ब्लॉक ए-1, स्थानार	1,212.10	16,140.37	2,305.62	-	8,996.17	3,821.31	-	-	3,821.31
ब्लॉक ए-3, स्थानार	549.14	2,786.78	522.58	-	2,610.65	1,664.17	-	-	1,664.17
2वे अपटट पाइपलाइन, स्थानार	245.06	925.70	38.17	-	2,601.97	1,852.61	-	-	1,852.61
ब्लॉक शीफोर्ड 5, कोलविया	723.94	3,023.13	6,001.31	400.99	26,669.04	7,321.68	-	-	7,321.68
ब्लॉक आरसी-10, कोलविया	95.45	0.02	-	-	(0.50)	(0.50)	-	-	(0.50)
जिपीओसी, सूडान	6,613.30	30,488.23	11,541.53	2,328.97	15,352.30	3,065.42	-	-	3,065.42
बीसी-10, ब्राजील और ब्लॉक	2,750.07	28,583.22	4,063.87	18,008.64	17,380.56	3,267.09	-	-	3,267.09
बीएम-सील-4									
<b>कुल (कर)</b>	<b>13,337.73</b>	<b>86,718.31</b>	<b>29,479.48</b>	<b>20,738.60</b>	<b>78,402.30</b>	<b>22,625.29</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>22,625.29</b>

### ख. 31 दिसंबर, 2023 तक प्रमाणित (नवीनतम संपरीक्षित जानकारी 31 दिसंबर, 2023 के लिए गए अंकहैं 31 मार्च, 2024 के अनुसार हैं)

ब्लॉक ए सीजी, अजरबैजान	906.05	35,466.20	2,155.58	46,482.98	8,447.05	(3,728.43)	-	-	(3,728.43)
<b>कुल (ख.)</b>	<b>906.05</b>	<b>35,466.20</b>	<b>2,155.58</b>	<b>46,482.98</b>	<b>8,447.05</b>	<b>(3,728.43)</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>(3,728.43)</b>

### ग. असंपरीक्षित / अप्रमाणित

ब्लॉक एसएसजेएन-7, कोलविया	359.24	-	190.38	-	(569.25)	(569.25)	-	-	(569.25)
स्थानार ब्लॉक ईपी 3	14.60	1.04	17.43	-	(75.84)	(75.84)	-	-	(75.84)
स्थानार ब्लॉक बी2	15.91	1.03	18.32	-	0.93	0.93	-	-	0.93
ब्लॉक 5ए, दक्षिण सूडान	1,864.26	7,907.43	1,294.14	-	2,292.03	2,292.03	-	-	2,292.03
पोर्ट सूडान उत्ताद पाइपलाइन, सूडान	4.94	11.25	2,057.75	-	1,937.09	0.01	-	-	0.01
ब्लॉक फररजाद-बी, ईरान	4.04	0.05	9.87	-	(4.16)	(4.16)	-	-	(4.16)
ब्लॉक एसएस-04, बांगलादेश	63.14	0.92	212.35	-	(114.68)	(114.68)	-	-	(114.68)
ब्लॉक एसएस-09, बांगलादेश	21.13	0.06	-	-	(129.68)	(129.68)	-	-	(129.68)
ब्लॉक 24, सीरिया	5,183.11	370,324.84	3,641.15	-	(18,766.30)	(18,766.30)	-	-	(18,766.30)
ब्लॉक एसीया 1, मोजाहिदिक									
<b>कुल (ग)</b>	<b>7,550.37</b>	<b>378,246.62</b>	<b>8,139.27</b>	<b>-</b>	<b>1,937.09</b>	<b>(17,366.94)</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>(17,366.94)</b>
<b>अनुयोग</b>	<b>21,774.15</b>	<b>500,431.13</b>	<b>39,774.33</b>	<b>67,221.58</b>	<b>88,786.44</b>	<b>1,529.91</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>1,529.90</b>

विवरण	वर्तमान परिस्थितियाँ	गेर-वर्तमान परिस्थितियाँ	वर्तमान देयताएँ	गेर-वर्तमान देयताएँ	कुल राजस्व	निरंतर प्रचालन से लाभ या हानि	बंद प्रचालन से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
<b>क. 31 मार्च 2023 तक प्रमाणित</b>									
ब्लॉक 06.1, विधाननाम	1,386.44	4,590.98	1,540.95	3,297.71	5,604.57	954.00	-	-	954.00
ब्लॉक सखालिन 1, रूस	-	-	2,074.32	-	11,407.78	(4,177.32)	-	-	(4,177.32)
ब्लॉक ए-1, च्यांगार	1,354.90	16,763.62	306.33	9,038.38	3,733.30	-	-	-	3,733.30
ब्लॉक ए-3, च्यांगार	504.87	1,902.61	38.25	3,202.18	1,314.81	-	-	-	1,314.81
2वे अपतट पाइपलाइन, च्यांगार	326.39	1,040.89	6,075.48	377.49	34,518.14	1,944.97	-	-	1,944.97
ब्लॉक सोफियो 5, कोलविया	1,512.00	1,946.01	11,261.97	3,045.70	13,374.34	9,289.77	-	-	9,289.77
जीपीओसी, सूडान	5,832.33	32,082.57	5,233.37	15,527.42	16,698.94	3,114.29	-	-	3,114.29
बीसी-10, बांगल और ब्लॉक	2,641.46	29,898.95	4.85	2,027.88	-	4,814.04	-	-	4,814.04
बीएम-सील-4	94.49	1.56	94.50	0.02	-	-	-	-	-
पोर्ट सूडान उत्तर पाइपलाइन, सूडान	94.50	0.02	-	-	-	-	-	-	-
ब्लॉक फरजाद-बी, ईरान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ब्लॉक आरसी-10, कोलविया	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>कुल (क)</b>	<b>13,752.23</b>	<b>88,238.30</b>	<b>28,615.25</b>	<b>22,248.33</b>	<b>96,791.56</b>	<b>20,985.22</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>20,985.22</b>
<b>ख. 31 दिसंबर, 2022 तक प्रमाणित (नवीनतम संपरीक्षित जानकारी 31 दिसंबर, 2022 के लिए उपलब्ध है। नीचे दिए गए आंकड़े 31 मार्च, 2023 के अनुसार हैं)</b>									
ब्लॉक एसएस-04, बांगलादेश	117.97	101.14	213.71	-	-	(30.43)	-	-	(30.43)
ब्लॉक एसएस-09, बांगलादेश	25.46	124.19	-	-	-	(26.26)	-	-	(26.26)
ब्लॉक एसीजी, अजरबैजान	1,539.79	40,210.19	43,009.48	7,086.92	9,792.15	1,700.70	-	-	1,700.70
<b>कुल (ख)</b>	<b>1,683.22</b>	<b>40,435.52</b>	<b>43,223.19</b>	<b>7,086.92</b>	<b>9,792.15</b>	<b>1,644.01</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>1,644.01</b>
<b>ग. असंपरीक्षित / अप्रमाणित</b>									
ब्लॉक एसएसजे-7, कोलविया	-	794.62	263.97	-	-	9.55	-	-	9.55
च्यांगार ब्लॉक ईपी 3	9.96	64.77	18.94	-	-	(39.51)	-	-	(39.51)
च्यांगार	30.99	33.93	82.43	-	-	(20.84)	-	-	(20.84)
ब्लॉक 5ए, सूडान	999.53	4,429.81	971.74	-	1,282.40	(1,139.01)	-	-	(1,139.01)
ब्लॉक 24, सीरिया	-	-	687.75	-	-	24,305.16	-	-	24,305.16
ब्लॉक एरिया 1, मोजाहिक	5,358.40	370,702.84	1,773.77	-	-	-	-	-	-
<b>कुल (ग)</b>	<b>6,398.88</b>	<b>376,025.97</b>	<b>3,798.60</b>	<b>-</b>	<b>1,282.40</b>	<b>23,115.35</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>23,115.35</b>
<b>अनुयोग</b>	<b>21,834.34</b>	<b>504,699.79</b>	<b>75,637.03</b>	<b>29,335.25</b>	<b>107,866.11</b>	<b>45,744.57</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>45,744.57</b>



53.2.2 संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों से संबंधित अतिरिक्त वित्तीय जानकारी निम्नानुसार है:

31 मार्च, 2024 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकद और नकद समतुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएँ	गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएँ	मूल्यहास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय या आय
<b>क. 31 मार्च, 2024 तक प्रमाणित</b>							
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	61.30	953.30	-	492.83	-	171.15	705.53
ब्लॉक ए-1, म्यांमार	439.19	1,525.56	-	2,246.08	-	-	528.30
ब्लॉक ए-3, म्यांमार	273.84	294.91	-	39.42	-	-	229.61
श्वे अपतट पाइपलाइन, म्यांमार	25.10	36.56	-	132.48	-	-	461.97
ब्लॉक सीपीओ 5, कोलंबिया	-	723.31	-	440.71	-	19.51	8,175.88
ब्लॉक आरसी-10, कोलंबिया	-	-	-	-	0.06	-	-
जीपीओसी, सूडान	671.82	3,308.52	5,502.37	4,348.76	65.37	381.04	1,685.30
बीएसी-10, ब्राजील और ब्लॉक बीएम-सील-4	1,330.56	11,541.53	57.16	1,262.45	-	-	-
<b>कुल (क)</b>	<b>2,801.81</b>	<b>18,383.69</b>	<b>5,559.53</b>	<b>8,962.74</b>	<b>65.43</b>	<b>571.70</b>	<b>11,786.59</b>
<b>ख. 31 दिसंबर, 2023 तक प्रमाणित (नवीनतम संपरीक्षित जानकारी 31 दिसंबर, 2023 के लिए उपलब्ध है। नीचे दिए गए आंकड़े 31 मार्च, 2024 के अनुसार हैं)</b>							
ब्लॉक ए सीजी, अज़रबैजान	-	1,823.06	41,341.67	3,602.03	2.92	2,991.05	909.67
<b>कुल (ख)</b>	<b>-</b>	<b>1,823.06</b>	<b>41,341.67</b>	<b>3,602.03</b>	<b>2.92</b>	<b>2,991.05</b>	<b>909.67</b>
<b>ग. असंपरीक्षित</b>							
ब्लॉक एस एसजे-एन-7, कोलंबिया	-	-	-	-	-	-	-
म्यांमार ब्लॉक ईपी 3	14.26	18.47	-	-	0.20	-	-
म्यांमार ब्लॉक बी2	12.83	19.36	-	-	0.20	-	-
ब्लॉक 5ए, दक्षिण सूडान	1,007.83	1,294.14	-	266.04	-	-	-
पोर्ट सूडान उत्पाद पाइपलाइन, सूडान	4.94	2,057.75	-	-	0.01	-	-
ब्लॉक फरजाद-बी, ईरान	4.04	9.87	-	-	-	-	-
ब्लॉक एसएस-04, बांग्लादेश	29.56	212.35	-	0.02	-	-	-
ब्लॉक एसएस-09, बांग्लादेश	21.13	-	-	0.03	-	-	-
ब्लॉक 24, सीरिया	-	696.83	-	-	-	-	-
ब्लॉक एरिया 1, मोजाम्बिक	-	3,317.01	-	-	1,082.33	4.44	-
<b>कुल (ग)</b>	<b>1,094.59</b>	<b>7,625.78</b>	<b>-</b>	<b>266.09</b>	<b>1,082.74</b>	<b>4.44</b>	<b>-</b>
<b>कुल योग</b>	<b>3,896.40</b>	<b>27,832.53</b>	<b>46,901.21</b>	<b>12,830.86</b>	<b>1,151.09</b>	<b>3,567.18</b>	<b>12,696.26</b>



31 मार्च, 2023 तक

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकद और नकद समतुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएँ	गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएँ	मूल्यवास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय या आय
<b>क. 31 मार्च, 2023 तक प्रमाणित</b>							
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	53.74	1,437.94	-	1,437.23	0.15	-	-
ब्लॉक सखालिन 1, रूस (नोट संख्या 62 देखें)	-	-	-	4,272.75	43.75	-	132.06
ब्लॉक ए-1, म्यांमार	196.52	1,632.66	-	2,330.12	-	-	720.59
ब्लॉक ए-3, म्यांमार	258.81	143.35	-	571.22	-	-	458.80
श्वे अपतट पाइपलाइन, म्यांमार	22.83	37.30	-	147.55	-	-	694.92
ब्लॉक सीपीओ 5, कोलंबिया	-	153.80	-	669.02	-	-	7,061.20
बीसी-10, ब्राजील और ब्लॉक बीएम-सील-4	38.84	4,776.12	2,876.00	3,970.09	112.07	292.07	2,099.50
जीपीओसी, सूडान	1,219.81	11,261.97	673.16	1,280.48	-	-	-
पोर्ट सूडान उत्पाद पाइपलाइन, सूडान	4.85	2,027.88	-	-	-	-	-
ब्लॉक फरजाद-बी, ईरान	1.03	6.69	-	-	0.39	-	-
ब्लॉक आरसी-10, कोलंबिया	-	-	-	-	0.50	-	-
<b>कुल (क)</b>	<b>1,796.43</b>	<b>21,477.71</b>	<b>3,549.16</b>	<b>14,678.46</b>	<b>156.86</b>	<b>292.07</b>	<b>11,167.07</b>
<b>ख. 31 दिसंबर, 2022 तक प्रमाणित (नवीनतम संपरीक्षित जानकारी 31 दिसंबर, 2022 के लिए उपलब्ध है। नीचे दिए गए आंकड़े 31 मार्च, 2023 के अनुसार हैं)</b>							
ब्लॉक एसएस-04, बांग्लादेश	117.97	209.62	-	-	-	-	-
ब्लॉक एसएस-09, बांग्लादेश	25.46	-	-	-	-	-	-
ब्लॉक एसीजी, अज़रबैजान	-	1,976.81	1,096.03	3,838.92	0.06	-	1,322.41
<b>कुल (ख)</b>	<b>143.43</b>	<b>2,186.43</b>	<b>1,096.03</b>	<b>3,838.92</b>	<b>0.06</b>	<b>-</b>	<b>1,322.41</b>
<b>ग. असंपरीक्षित</b>							
ब्लॉक एस एसजे-एन-7, कोलंबिया	-	263.97	-	-	-	-	-
म्यांमार ब्लॉक ईपी 3, ओ/एस (गैर-प्रचा.)	9.07	18.94	-	0.04	0.27	-	-
म्यांमार ब्लॉक बी2	26.50	82.33	-	0.03	0.27	-	-
ब्लॉक 5ए, सूडान	283.04	971.74	-	319.01	-	-	-
ब्लॉक 24, सीरिया	-	686.71	-	-	-	-	-
ब्लॉक एरिया 1, मोजाम्बिक	-	1,499.84	-	-	2,131.70	-	-
<b>कुल (ग)</b>	<b>318.61</b>	<b>3,523.53</b>	<b>-</b>	<b>319.08</b>	<b>2,132.24</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
<b>कुल योग</b>	<b>2,258.47</b>	<b>27,187.67</b>	<b>4,645.19</b>	<b>18,836.46</b>	<b>2,289.16</b>	<b>292.07</b>	<b>12,489.48</b>

### 53.3 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में संयुक्त प्रचालन

**53.3.1** सहायक कंपनी ने एक ब्लॉक (क्लस्टर-7) को छोड़कर अन्य निगमित निकायों के साथ मिलकर भारत में उत्पादन साझा करने वाले तेल और गैस अन्वेषण अनुबंधों में प्रवेश किया है, जो एक सेवा अनुबंध है। इसके अलावा, प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड (पीपीसीएल) (इसकी सहायक कंपनी प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड सहित) के पास भी ऐसी ही परिसंपत्तियां हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है:

(₹ मिलियन में)

ब्लॉक का नाम	एचपीसीएल समूह का भागीदारी हित % में	
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
एचपीसीएल के संबंध में भारत में		
एनईएलपी IV के अंतर्गत		
कैके- डीडब्ल्यूएन-2002/2	20.00	20.00
कैके- डीडब्ल्यूएन-2002/3	20.00	20.00
सीबी- ओएनएन-2002/3	15.00	15.00
एनईएलपी V के अंतर्गत		
एए-ओएनएन-2003/3	15.00	15.00
एनईएलपी VI के अंतर्गत		
सीवाई-डीडब्ल्यूएन-2004/1	10.00	10.00
सीवाई-डीडब्ल्यूएन-2004/2	10.00	10.00
सीवाई-डीडब्ल्यूएन-2004/3	10.00	10.00
सीवाई-डीडब्ल्यूएन-2004/4	10.00	10.00
सीवाई-पीआर-डीडब्ल्यूएन-2004/1	10.00	10.00
सीवाई-पीआर-डीडब्ल्यूएन-2004/2	10.00	10.00
केजी-डीडब्ल्यूएन-2004/6	10.00	10.00
एमबी-ओएसएन-2004/1	20.00	20.00
एमबी-ओएसएन-2004/2	20.00	20.00
आरजे-ओएनएन-2004/1	22.22	22.22
आरजे-ओएनएन-2004/3	15.00	15.00
एनईएलपी के अंतर्गत IX		
एमबी-ओएसएन-2010/2	30.00	30.00
क्लस्टर - 7	60.00	60.00
पीपीसीएल के संबंध में भारत में		
दक्षिण रीवा - पीएसरी	10.00	10.00
डीजीएच ने 5 फरवरी, 2018 के अपने पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएसरी) और प्रासंगिक नियमों के अनुपालन के अधीन, ब्लॉक 23 अक्टूबर, 2014 से त्याग दिया गया है।		



ब्लॉक का नाम	एचपीसीएल समूह का भागीदारी हित % में	
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
संगनपुर – पीएससी	50.00	50.00
पे. और प्रा.गै.मं. ने 2 जून, 2017 के अपने पत्र के माध्यम से पीएससी को समाप्त कर दिया है।		
हीरापुर – एससी	50.00	50.00
अनुबंध 25 मार्च, 2021 को समाप्त कर दिया गया, और क्षेत्र को ओएनजीसी को सौंप दिया गया है।		
भारत के बाहर		
योला फील्ड (ऑस्ट्रेलिया) लाइसेंस टी/एल-1	11.25	11.25
ट्रेफोइल फील्ड (ऑस्ट्रेलिया) परमिट टी/18पी	9.75	9.75

**53.3.1.1** ब्लॉक सीबी—ओएनएन—2002/3 को एनईएलपी IV बोली दौर के तहत प्रदान किया गया था और उत्पादन साझाकरण अनुबंध पर 06.02.2004 को हस्ताक्षर किए गए थे। अन्वेषण न्यूनतम कार्य कार्यक्रम पूरा हो चुका है। ब्लॉक के एसई#3/4 कूपों से उत्पादन प्रगति पर है, जो वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान शुरू हुआ था। परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय का हिस्सा वित्त वर्ष 2022–23 के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय और वित्त वर्ष 2023–24 के लिए प्राप्त जानकारी के आधार पर माना जाता है।

**53.3.1.2** वलस्टर-7 के संबंध में, जिसे समाप्त कर दिया गया है और मामला मुकदमेबाजी के अधीन है (टिप्पणी संख्या 58.1.10 देखें)। शेष ब्लॉक त्यागने की प्रक्रिया में हैं/त्याग के अधीन हैं और परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय का हिस्सा, यदि कोई हो, इन ब्लॉकों के बारे में प्राप्त जानकारी के आधार पर माना जाता है।

### 53.3.2 स्टेप-डाउन सहायक कंपनी पीपीसीएल के संबंध में

#### 53.3.2.1 ओएनजीसी ऑनशोर मार्जिनल फील्ड

कंपनी को ओएनजीसी के हीरापुर, खंबेल और पश्चिम बेचराजी

ऑनशोर मार्जिनल ऑयल फील्ड के विकास के लिए 28 अप्रैल, 2004 को सेवा अनुबंध प्रदान किए गए थे।

कंपनी ने हीरापुर, खंबेल और पश्चिम बेचराजी ऑनशोर मार्जिनल फील्ड्स के विकास के लिए वैल्डेल ऑयल एंड गैस प्राइवेट लिमिटेड (वैल्डेल) के साथ सेवा अनुबंधों में समान हिस्सेदारी के साथ समझौते किए। खंबेल और पश्चिम बेचराजी के संबंध में सेवा अनुबंध ओएनजीसी द्वारा फरवरी, 2009 में समाप्त कर दिए गए थे।

हीरापुर सेवा अनुबंध 25 मार्च 2021 को समाप्त कर दिया गया। क्षेत्र ओएनजीसी को सौंप दिया गया, जिसमें पांच कूप (पी#1, पी#2, पी#3, एच#1 और एच#2) और संबंधित स्थाई परिसंपत्तियां शामिल हैं। सौंपने के दस्तावेज़ पर 17 अगस्त, 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान पीपीसीएल (पीपीसीएल का हिस्सा 50%) की बहियों में ₹113.30 मिलियन (सकल ब्लॉक) की कुल संपत्ति अपलिखित की गई है।

31 मार्च 2024 तक कंपनी की परिसंपत्तियों और देनदारियों का हिस्सा और उपरोक्त संयुक्त उद्यम के संबंध में वर्ष के लिए आय और व्यय इस प्रकार हैं:

(₹ मिलियन में)

	विवरण	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2022–23
क	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (सकल)	-	-
ख	विकासाधीन अमृत परिसंपत्ति	-	-
ग	अन्य शुद्ध गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	3.50	3.50
घ	शुद्ध वर्तमान परिसंपत्तियां (*)	47.00	47.00
ङ	आय	-	0.20
च	व्यय	-	-

(\*) इसमें संयुक्त उद्यम से प्राप्त होने वाली ₹44.90 मिलियन की राशि शामिल है। (31 मार्च, 2023 तक ₹44.90 मिलियन)

### 53.3.2.2 संगनपुर फील्ड

कंपनी ने 1 सितंबर, 2004 से मेसर्स हाइड्रोकार्बन डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचडीसीपीएल) से संगनपुर फील्ड में 50% भागीदारी प्राप्त की। संगनपुर फील्ड के अधिग्रहण से पहले संचित राशि ₹11.80 मिलियन को संगनपुर फील्ड की परिसंपत्तियों में शामिल किया गया है। कंपनी ने 31 मार्च, 2017 तक के असंपरीक्षित लेखों के आधार पर संगनपुर फील्ड में अपने आनुपातिक हिस्से का लेखा-जोखा रखा है।

वित्त वर्ष 2014–15 में, ब्लॉक एचडीसीपीएल के प्रचालक ने अपने ठेकेदार को भुगतान में छूक की है। ठेकेदार ईटीए स्टार गोल्डिंग लिमिटेड द्वारा एचडीसीपीएल द्वारा उनकी अन्य परिसंपत्ति में उनके चालान का भुगतान न करने के लिए याचिका दायर की गई थी, जिसमें बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कंपनी याचिका 550 / 2013 में 14 नवंबर, 2014 के आदेश के माध्यम से एचडीसीपीएल की परिसंपत्तियों और व्यवसाय के लिए परिसमापक की नियुक्ति का आदेश पारित किया था। हालांकि, उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के अनुसार, अंतर्निहित हाइड्रोकार्बन का स्वामित्व भारत सरकार के पास है, इसलिए संगनपुर फील्ड को कुर्क नहीं किया गया और फील्ड में प्रचालन जारी रहा। इसके अलावा, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2 जून, 2017 के अपने पत्र के माध्यम से पीएससी को समाप्त कर दिया और क्षेत्र में सभी प्रचालन बंद कर दिए गए। आधिकारिक परिसमापक की नियुक्ति के बाद से, एचडीसीपीएल के बैंक खाते को जब्त कर लिया गया, एचडीसीपीएल ने न तो कच्चे तेल के हस्तांतरण के लिए आईओसीएल को कोई चालान जारी किया और न ही क्षेत्र में प्रचालन के लिए पीपीसीएल को कोई नकद कॉल किया। संबंधित अधिकारियों को रॉयल्टी और उपकर का भुगतान भी तब से लंबित है।

बबई उच्च न्यायालय के उक्त आदेश को एचडीसीपीएल ने अपनी खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी और यह अभी भी न्यायालय के समक्ष लंबित है। इस बीच, एचडीसीपीएल ने पीएससी को समाप्त करने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के खिलाफ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2 जून, 2017 के अपने पत्र के माध्यम से पीएससी को समाप्त कर दिया है। तदनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2017–18 में संगनपुर परिसंपत्तियों को

₹ 66.50 मिलियन अपलिखित करने का प्रावधान किया।

कंपनी की परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय का हिस्सा ₹ शून्य (31.03.2023 : ₹ शून्य) है।

### 53.3.2.3 ओएनजीसी अपतटीय सीमांत क्षेत्र (क्लस्टर-7)

कंपनी को कंसोर्टियम के सदस्य एचपीसीएल (पीआई-60%) और मेसर्स एम3एनजी (पीआई-30%) के साथ ओएनजीसी के अपतटीय सीमांत तेल क्षेत्रों के विकास के लिए 31 मार्च, 2006 के पत्र के माध्यम से एक अनुबंध किया गया था। बी-192, बी-45 और डब्ल्यूओ-24। क्लस्टर-7 के लिए सेवा अनुबंध पर 27 सितंबर, 2006 को ओएनजीसी और कंसोर्टियम सदस्यों के बीच हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी निष्पादन ठेकेदार है और इसका भागीदारी हित (पीआई) 10% है।

ओएनजीसी द्वारा उक्त सेवा अनुबंध को समाप्त कर दिया गया था। इसके बाद, एचपीसीएल / पीपीसीएल ने एम3नेर्जी के खिलाफ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की, जो अभी भी प्रगति पर है, इसलिए संयुक्त बैंक खाता बंद नहीं किया गया है।

### 53.3.2.4 एसआर-ओएनएन-2004 / 1 (दक्षिण रीवा ब्लॉक)

कंपनी को कंसोर्टियम सदस्य जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (पीआई-90%) के साथ एनईएलपी-VI दौर के तहत पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) के दिनांक 12 फरवरी, 2007 के पत्र के माध्यम से एसआर-ओएनएन-2004 / 1 ब्लॉक उत्पादन भागीदारी संविदा के तहत सौंपा गया था। कंपनी निष्पादन ठेकेदार है और इसका भागीदारी हित 10% है। पीएससी पर 2 मार्च, 2007 को हस्ताक्षर किए गए थे।

कंसोर्टियम ने 23 अक्टूबर, 2014 से ब्लॉक को छोड़ने का प्रस्ताव दिया है और ब्लॉक को छोड़ने के लिए प्रचालन समिति का प्रस्ताव (ओसीआर) हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) को सौंप दिया गया है। डीजीएच ने 5 फरवरी, 2018 के अपने पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि ब्लॉक 23 अक्टूबर 2014 से पीएससी और पीएंडएनजी नियमों के अनुपालन के अधीन छोड़ दिया गया है।

साउथ रीवा ब्लॉक में ₹29.70 मिलियन की स्थायी मालसूची है जिसमें कंपनी की 10% हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, सरकार द्वारा अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता रिपोर्ट दिनांक 25 मार्च, 2023 के आधार पर मालसूची



का पुनर्मूल्यांकन ₹37.60 मिलियन से ₹29.70 मिलियन किया गया है। कंपनी स्थायी मालसूची के निपटान की प्रक्रिया में है जिसमें भंडार और यंत्रांग सहित आयातित और स्वदेशी रूप से खरीदी गई वस्तुएं शामिल हैं।

उपरोक्त संयुक्त उद्यम के संबंध में कंपनी की परिसंपत्तियों और देयताओं का हिस्सा निम्नानुसार है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2022–23
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (सकल)	0.01	0.01
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति	-	-
अन्य शुद्ध गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	0.07	0.07
शुद्ध वर्तमान परिसंपत्तियां (*)	29.57	29.64
व्यय	0.88	0.88

(\*) इसमें संयुक्त उद्यम से ₹26.60 मिलियन की राशि के प्रायः शामिल हैं (31 मार्च, 2023 तक: ₹26.60 मिलियन)

#### 54 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में – तेल क्षेत्रों में 31 मार्च, 2024 तक अनुमानित हाइड्रोकार्बन प्रमाणित भंडार निम्नानुसार हैं:

##### 54.1 अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन (योला फील्ड, ऑस्ट्रेलिया – लाइसेंस टी/एल 1 – अपतट फील्ड)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
	एमएमबीओई	एमएमबीओई
प्रतिप्राप्य भंडार (*)	0.499	0.555

(\*) कंपनी का भंडार में हिस्सा

##### 54.2 पेट्रोलियम का मात्रात्मक विवरण:

(₹ मिलियन में)

कुल ड्राई क्रूड तेल उत्पादन*	वित्त वर्ष 2023–24 (बीओई)	वित्त वर्ष 2022–23 (बीओई)
योला फील्ड (टी / एल1) ऑस्ट्रेलिया	95,108	114,106
कुल	95,108	114,106

(\*) कंपनी का रिजर्व में हिस्सा

#### 55 सहायक कंपनियों में हितों का प्रकटीकरण:

सहायक कंपनियों में नाम और हितों से संबंधित प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 4 देखें।

#### 56 संयुक्त व्यवस्था और सहयोगियों में हितों का प्रकटीकरण:

संयुक्त उद्यम एवं सहयोगियों से संबंधित प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 4, 14.1.13 एवं 14.1.14 देखें।

#### 57 भारतीय लेखांकन मानक 36 के अंतर्गत प्रकटीकरण – परिसंपत्तियों की हानि

57.1 कंपनी मुख्य रूप से अभितट और अपतट में तेल और गैस की खोज और उत्पादन के व्यवसाय में लगी हुई है। अभितट के मामले में, क्षेत्र सामान्य उत्पादन/परिवहन सुविधाओं का उपयोग

कर रहे हैं और नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई (सीजीयू) का गठन करने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक रूप से परस्पर निर्भर है। तदनुसार, सभी अभितट क्षेत्रों का हानि परीक्षण कुल मिलाकर परिसंपत्ति स्तर पर किया जाता है। अपतट के मामले में, एक फील्ड को आम तौर पर सीजीयू के रूप में माना जाता है, सिवाय उन फील्डों के जिन्हें क्लस्टर या क्लस्टर के समूह के रूप में विकसित किया जाता है, जिसके लिए सामान्य सुविधाओं का उपयोग किया जाता है, जिस रिथिति में क्लस्टर या क्लस्टर के समूह में शामिल सभी फील्डों के लिए हानि परीक्षण कुल मिलाकर किया जाता है।

57.2 उत्पादन/विकासशील सी.जी.यू. के उपयोग में मूल्य का निर्धारण बहु-चरणीय दृष्टिकोण के तहत किया जाता है, जिसमें भविष्य के नकदी प्रवाह का आरंभिक अनुमान प्रमाणित विकसित भंडार के आधार पर लगाया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में, जहां सी.जी.यू.

में फैलडों का अग्रतर विकास निर्माणाधीन हो और जहां सी.जी.यू. के वहन मूल्य को केवल प्रमाणित विकसित भंडार के दोहन के माध्यम से वसूल किए जाने की संभावना न हो, वहां भविष्य के नकदी प्रवाह का अनुमान लगाने के उद्देश्य से सी.जी.यू. के प्रमाणित और संभावित भंडार (2पी) को लिया जाता है। ऐसे मामलों में, उपयोग में मूल्य का निर्धारण करते समय भविष्य के विकास की अपेक्षित लागत पर भी विचार किया जाता है।

**57.3** उपयोग में मूल्य का आकलन करते समय, परिसंपत्तियों के निमंत्र उपयोग से और इसके उपयोगी जीवन के अंत में इसके निपटान से अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह परे उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है। नकदी प्रवाह का वर्तमान मूल्य ₹ के लेन-देन के लिए 14.91% (31 मार्च, 2023 तक: 16.10%) की छूट दरों को लागू करके निर्धारित किया गया है और कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों के राजस्व के लिए 11.96% (31 मार्च, 2023 तक: 12.16%), जिन्हें अमेरिकी डॉलर में मापा जाता है। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह की गणना भविष्य के कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की कीमतों के प्रबंधन के अनुमान का उपयोग करके की गई है, जिसे अमेरिकी डॉलर में मापे गए नकदी प्रवाह पर लागू दर को लागू करके छूट दी गई है।

**57.4** कंपनी ने भविष्य की आर्थिक स्थितियों की आंतरिक और बाहरी जानकारी / संकेतकों के आधार पर भविष्य के कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पाद की कीमतों का आकलन करने के लिए मौजूदा व्यावसायिक स्थितियों पर विचार किया है। मूल्यांकन के आधार पर, कंपनी ने संचित हानि प्रावधान के अधीन वहन राशि से अधिक उपयोग में मूल्य की सीमा तक शुद्ध हानि प्रतिवर्तन दर्ज किया है, जिसकी राशि ₹7,942.24 मिलियन है (पिछले वर्ष: ₹5,270.26 मिलियन की शुद्ध हानि), इसमें अभिटट सीजीयू में ₹422.94 मिलियन की शुद्ध हानि (पिछले वर्ष: ₹559.68 मिलियन) और अपतट सीजीयू में ₹8,365.18 मिलियन की शुद्ध हानि प्रतिवर्तन (पिछले वर्ष: ₹4,710.58 मिलियन की शुद्ध हानि) शामिल है।

**57.5** संबंधित सीजीयू के लिए निम्नलिखित 2पी रिजर्व को 31 मार्च, 2024 तक हानि परीक्षण के आधार के रूप में माना गया:

सीजीयू का नाम	क्षति मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त आरक्षित राशि की मात्रा (एमएमटीओई में)
असम अभिटट परिसंपत्ति	39.16
केजी-ओएसएन-2001/3 ब्लॉक	22.95
एस1 वशिष्ठ	4.76
आरजे-ओएन-90/1 ब्लॉक	7.87

सीजीयू का नाम	क्षति मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त आरक्षित राशि की मात्रा (एमएमटीओई में)
डब्ल्यूओ 16 (पश्चिमी अपतट)	8.88
केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 ब्लॉक	65.93
सिलचर अभिटट परिसंपत्ति	0.98
राजस्थान अन्धेरी परिसंपत्ति	0.10

**57.6** अन्वेषण चरण (निर्माणाधीन अन्वेषणात्मक कूप) के अंतर्गत परिसंपत्तियों का हानि परीक्षण 31 मार्च, 2024 तक किया गया है और वर्ष के दौरान ₹2,843.84 मिलियन (पिछले वर्ष: ₹20,067.81 मिलियन) का शुद्ध हानि प्रतिवर्तन प्रदान किया गया है।

**57.7** सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में कंपनी के निवेश की हानि के लिए जाँच की जाती है, जब कोई महत्वपूर्ण संकेत मिलता है कि उन निवेशों में हानि हुई है। वर्ष के दौरान ऐसे निवेशों में हानि का आकलन किया गया और ऐसे निवेशों का उपयोग मूल्य/उचित मूल्य से अधिक था और इसलिए ऐसे निवेशों पर कोई हानि प्रदान नहीं की गई है।

#### 57.8 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में

क) ओवीएल समूह मुख्य रूप से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खोज, विकास और उत्पादन के लिए भारत के बाहर तेल और गैस रक्खे की खोज और अधिग्रहण में लगा हुआ है। समूह ने कई देशों में फैली विभिन्न उत्पादनशील परिसंपत्तियों में भागीदारी हित हासिल किया है। इसके अलावा, समूह सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यमों में निवेश, नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई (सीजीयू) का गठन करने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक रूप से स्वतंत्र है। तदनुसार, प्रत्येक परियोजना स्तर पर हानि परीक्षण किया जाता है और सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यमों में इकिवटी निवेश किया जाता है।

सीजीयू के उपयोग में मूल्य का निर्धारण बहु-चरणीय वृष्टिकोण के तहत किया जाता है, जिसमें भविष्य के नकदी प्रवाह का प्रारंभिक अनुमान प्रमाणित और संभावित भंडार (2पी) के आधार पर लगाया जाता है, जिसे ओएनजीसी की आगार आकलन समिति द्वारा अनुमोदित किया जाता है। उपयोग में मूल्य का निर्धारण करते समय भविष्य के विकास की अपेक्षित लागत का पूरा अनुमान भी माना जाता है।



उपयोग में मूल्य का आकलन करते समय, परिसंपत्तियों के निरंतर उपयोग से और इसके उपयोगी जीवन/लाइसेंस अवधि के अंत में इसके निपटान से अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है। नकदी प्रवाह का वर्तमान मूल्य छूट दरों को लागू करके निर्धारित किया गया है, जो कि जोखिम समायोजित देश विशिष्ट भारित औसत पूंजी लागत का उपयोग करके निर्धारित किया गया है। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह की गणना भविष्य के कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों के प्रबंधन के अनुमान का उपयोग करके की गई है, जिसे अमेरिकी डॉलर में मापी गई नकदी प्रवाह पर लागू दर को लागू करके छूट दी गई है।

ओवीएल समूह ने अपनी नकदी उत्पादक इकाइयों की वसूली का निर्धारण करने में वैश्विक अनिश्चितताओं के संभावित प्रभावों पर विचार किया है। समूह ने भविष्य की आर्थिक स्थितियों की आंतरिक और बाह्य सूचना/संकेतकों के आधार पर भविष्य में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों का आकलन करने के लिए मौजूदा कारोबारी स्थितियों पर विचार किया है। आकलन के आधार पर, समूह ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 2 सीजीयू के संबंध में हानि और 2 सीजीयू के संबंध में हानि प्रतिवर्तन दर्ज किया है और ₹17,251.55 मिलियन रुपये के शुद्ध हानि भार को मान्यता दी है (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹10,946.72 मिलियन का शुद्ध हानि प्रतिवर्तन प्रदान किया गया था)। हानि के लिए शुद्ध प्रावधान को असाधारण मद माना जाता है।

हानि मूल्यांकन के लिए संबंधित सीजीयू के निम्नलिखित 2पी भंडार पर विचार किया गया है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक		31 मार्च, 2023 तक	
	प्रमाणित और संभावित भंडार (एमएमटीओई)	कर-पूर्व डब्ल्यूएसीसी	प्रमाणित और संभावित भंडार (एमएमटीओई)	कर-पूर्व डब्ल्यूएसीसी
इम्पीरियल, रूस	38.829	14.48%	40.027	13.84%
सखलेन-1, रूस	113.042	20.76%	115.427	21.00%
वैंकोर, रूस	63.065	18.20%	66.374	17.22%
एरिया-1, मोजाम्बिक	200.708	10.19%	200.708	9.44%
ब्लॉक-5ए, दक्षिण सूडान	3.154	8.53%	2.910	7.83%
जीपीओसी, दक्षिण सूडान	5.148	8.53%	5.352	7.83%
काराबोबो, वेनेजुएला	13.454	23.45%	13.510	20.80%
पीआईवीएसए, वेनेजुएला	3.461	18.20%	3.536	19.35%
एमईसीएल कोलंबिया	1.046	14.34%	1.195	17.28%
एसीजी अजरबैजान	6.236	11.94%	Not tested	
बीसी-10, ब्राजील	1.269	13.00%	1.704	12.27%

- ख) उपयोग में मूल्य का आकलन करने के लिए नकदी प्रवाह का अनुमान ब्लॉकों के 2055 तक के जीवन के आधार पर लगाया गया है। विभिन्न ब्लॉकों के लाइसेंस की मौजूदा वैधता अवधि 2026 से 2038 तक है, जिसे मेजबान सरकार द्वारा इंपीरियल एनर्जी की पहल पर उप-मृदा अनुबंध के प्रावधानों के अनुरूप बढ़ाए जाने की उम्मीद है, व्यापक जीकेजी राज्य खनिज संसाधन आयोग के अनुसार 2062 तक अनुमानित उपलब्ध भंडारों को देखते हुए। अगले पांच वर्षों के लिए उत्पादन का अनुमान

2024–25 से 2028–29 तक कार्य कार्यक्रम के अनुरूप लगाया गया है और उसके बाद नियामक द्वारा अनुमोदित डिजाइन दस्तावेजों के अनुसार।

- 57.9** सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, सभी नकदी उत्पादक इकाइयों (सीजीयू) के लिए अवधि के अंत में उनके उपयोग मूल्य (कुछ मान्यताओं के आधार पर गणना की गई, जिस पर लेखा परीक्षकों ने भरोसा किया है) की तुलना संबंधित सीजीयू के तहत परिसंपत्तियों के वहन मूल्य के साथ करके भारतीय लेखांकन

मानक 36 'परिसंपत्तियों की हानि' की आवश्यकताओं के अनुसार हानि का आकलन किया गया है। इस तरह के आकलन के आधार पर, चालू वित्तीय वर्ष के लिए सीजीयू के लिए कोई हानि की आवश्यकता नहीं है। वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए, अकाल (राजस्थान) में स्थित पवनचक्री परिसंपत्तियों के लिए ₹442.80 मिलियन की हानि को मान्यता दी गई।

प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (पीपीआईपीएल) देहरादून से प्राप्त इनपुट के आधार पर ईएंडपी ब्लॉक से संबंधित परिसंपत्तियों पर हानि परीक्षण करता है, और तदनुसार ₹37.80 मिलियन (2022–23: ₹1,292.40 मिलियन) की हानि को मान्यता दी गई है।

इसके अलावा, अप्रैल 2024 के दौरान, पीपीआईपीएल (विक्रेता), बीच एनर्जी (प्रचालन) लिमिटेड (खरीदार) और कॉरपोरेशन (विक्रेता गारंटर) के बीच ऑस्ट्रेलिया में स्थित अ.एवं.ज. परिसंपत्तियों में विक्रेता के भागीदारी हित को 1 जुलाई 2023 से

अंतर-अवधि समायोजन के साथ बेचने के लिए एक त्रिपक्षीय बिक्री और खरीद समझौता (एसपीए) किया गया था। एसपीए के तहत, खरीदार को कुल 16.6 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (₹900 मिलियन) और लागू करों का भुगतान करना होगा (जिसमें 11.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (₹610 मिलियन) का अग्रिम भुगतान और 5.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (₹290 मिलियन रूपये) का आस्थगित भुगतान शामिल है जो भविष्य में खरीदार द्वारा लिए जाने वाले कुछ निर्णयों पर निर्भर है)। इसके अनुसार, इन ईएंडपी ब्लॉकों से संबंधित ₹412.70 मिलियन (31.03.2023: ₹शून्य) की परिसंपत्तियों और ₹911.86 मिलियन (31.03.2023: ₹शून्य) की संबंधित देयताओं को वर्गीकृत किया गया है और उन्हें क्रमशः "बिक्री / निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत" और "बिक्री के लिए रखी गई परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियों से सीधे जुड़ी देयताओं के अंतर्गत शामिल किया गया है।

## 58 आकस्मिक देयताएं, आकस्मिक परिसंपत्तियां और प्रतिबद्धताएं (जहां तक प्रावधान नहीं किया गया है)

### 58.1 आकस्मिक देयताएं: दावे / विवाद जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया

(₹ मिलियन में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
I	समूह के संबंध में		
I	आयकर	111,152.17	109,960.08
II	उत्पाद शुल्क	14,952.06	20,805.59
III	सीमा शुल्क	7,367.49	7,327.63
IV	रॉयलटी	7,567.12	6,418.86
V	बिक्री कर	39,723.24	46,450.48
VI	चुंगी और अन्य नगरपालिका कर	300.38	285.08
VII	आंध्र प्रदेश खनिज युक्त भूमि (अवसरचना) उपकर	3,656.10	3,538.42
VIII	निर्दिष्ट भूमि कर (असम)	14,337.90	15,970.90
IX	मध्यस्थता / न्यायालय में ठेकेदारों के दावे।	170,410.92	193,455.49
X	सेवा कर (टिप्पणी संख्या 58.1.2)	42,429.32	41,937.33
XI	जीएसटी (टिप्पणी संख्या 58.1.2)	52,674.30	40,434.32
XII	कर्मचारी भविष्य निधि	66.35	66.35
XIII	कर्मचारी लाभ / मांगें (मात्रात्मक सीमा तक)	1,673.50	1,764.70
XIV	अन्य मामले (टिप्पणी संख्या 58.1.3, 58.1.4 और 58.1.10)	251,061.33	225,912.76
	अनुयोग (क)	717,372.18	714,327.99



(₹ भिलियन में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
ख	संयुक्त उद्यम और एसोसिएट्स के संबंध में		
I	आयकर	521.45	467.66
II	उत्पाद शुल्क	6,959.72	5,513.07
III	सीमा शुल्क	24.40	173.11
IV	बिक्री कर	8.70	6.53
V	सेवा कर	57.50	57.50
VI	जीएसटी	5.24	5.04
VII	मध्यस्थता / न्यायालय में ठेकेदारों के दावे।	3,087.66	3,284.16
VIII	कर्मचारी लाभ / मांगें (मात्रात्मक सीमा तक)	-	0.42
IX	अन्य	21,602.85	25,911.51
	अनुयोग (ख)	<b>32,267.52</b>	<b>35,419.00</b>
	कुल (क+ख)	<b>749,639.70</b>	<b>749,746.99</b>

### कंपनी के संबंध में

**58.1.1** कंपनी के लंबित मुकदमों में कंपनी के खिलाफ दावे और कर/सांविधिक/सरकारी प्राधिकरणों के पास लंबित कार्यवाही शामिल हैं। अपने सभी लंबित मुकदमों और कार्यवाहियों की समीक्षा के बाद, कंपनी ने आवश्यकतानुसार, पर्याप्त प्रावधान किए हैं और जहां भी लागू हो, अपने वित्तीय विवरणों में आकस्मिक देयताओं का प्रकटन किया है। कंपनी को उम्मीद नहीं है कि इन कार्यवाहियों के परिणाम से उसकी वित्तीय स्थिति पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। उपरोक्त के संबंध में भविष्य के नकदी बहिर्वाह विभिन्न मंचों/प्राधिकरणों के पास लंबित निर्णयों/फैसलों की प्राप्ति के बाद ही निर्धारित किए जा सकते हैं।

**58.1.2** कंपनी को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के संबंध में रॉयल्टी पर सेवा कर के कारण विभिन्न कार्य केंद्रों पर सेवा कर विभाग से मांग आदेश प्राप्त हुए थे। ऐसे आदेशों के खिलाफ न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील दायर की गई है और स्थिति निर्मानुसार है:

- i) चेन्नई ट्रिब्यूनल ने दिनांक 09.01.2024 के आदेश के माध्यम से रॉयल्टी पर सेवा कर की मांग को खारिज कर दिया है।
- ii) अहमदाबाद ट्रिब्यूनल ने 25 जून, 2019 के आदेश द्वारा मामले को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया, जिसके खिलाफ कंपनी ने माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर की है। इस मामले में, माननीय गुजरात उच्च न्यायालय

ने 4 जनवरी, 2021 को हुई सुनवाई में राजस्व अधिकारियों को 21 जनवरी, 2021 तक जवाबी हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया, जो 20 जनवरी, 2021 को दायर किया गया। इसके बाद, माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का निपटारा कर दिया और ओएनजीसी को उपरोक्त चेन्नई ट्रिब्यूनल आदेश के मदेनजर अहमदाबाद ट्रिब्यूनल और ट्रिब्यूनल के समक्ष शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन दायर करने का निर्देश दिया। ओएनजीसी ने 10 अप्रैल, 2024 को अहमदाबाद ट्रिब्यूनल के समक्ष शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन किया है, हालांकि, सुनवाई अभी तक निर्धारित नहीं है।

iii. मुंबई ट्रिब्यूनल के समक्ष मामला भी अभी निर्धारित होना बाकी है। कंपनी ने कानूनी राय भी प्राप्त की थी, जिसके अनुसार कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के संबंध में रॉयल्टी पर सेवा कर/जीएसटी लागू नहीं है। हालांकि, जीएसटी व्यवस्था के तहत भी मुकदमेबाजी जारी रही, जिसकी स्थिति इस प्रकार है:

- 1) कंपनी को राजस्थान में रॉयल्टी पर जीएसटी के कारण 1 जनवरी, 2019 की तारीख का डिमांड ॲर्डर प्राप्त हुआ। कंपनी ने माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका (4919 / 2019) दायर की। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने 3 अप्रैल, 2019 को मामले की सुनवाई की और विभाग को नोटिस जारी कर निर्देश दिया कि कंपनी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। अंतिम सुनवाई अभी तक नहीं हुई है।

2) कंपनी ने रॉयल्टी पर जीएसटी लगाने पर रोक लगाने की मांग करते हुए मद्रास के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष रिट (9961 / 2019) भी दायर की। मद्रास के माननीय उच्च न्यायालय ने 3 अप्रैल, 2019 को मामले की सुनवाई की और केंद्र सरकार और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। केंद्र सरकार ने 26 अगस्त, 2019 को अपना जवाबी हलफनामा दायर किया। कंपनी ने रिट याचिका में अतिरिक्त आधार दायर किए और 24 जनवरी, 2020 को केंद्र सरकार के जवाबी हलफनामे पर जवाबी हलफनामा दायर किया। मद्रास के माननीय उच्च न्यायालय ने 6 जुलाई, 2022 को हुई सुनवाई में रिट याचिका को बंद कर दिया, क्योंकि विभाग ने कंपनी के जीएसटी रिफंड आवेदनों को योग्यता के आधार पर आगे की जांच किए बिना खारिज कर दिया था। हालांकि विभाग के रिफंड अस्वीकृति आदेश को कानून के अनुसार चुनौती देने की स्वतंत्रता दी गई थी, तदनुसार, 24 जून, 2022 के विभाग के रिफंड अस्वीकृति आदेश को चुनौती देने वाले अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर की गई है।

3) रॉयल्टी पर जीएसटी के संबंध में विभिन्न कार्य केंद्रों के लिए विभिन्न मंचों पर विवाद भी लंबित हैं।

अत्यधिक सावधानी के तौर पर, कंपनी ने 31 मार्च, 2024 तक (31 मार्च, 2023 तक ₹115,581.52 मिलियन) रॉयल्टी पर विवादित सेवा कर और जीएसटी के साथ ब्याज के तहत ₹140,664.15 मिलियन जमा कर दिए हैं।

कंपनी कानूनी राय के आधार पर विभिन्न मंचों के समक्ष ऐसे विवादित मामलों को चुनौती देना जारी रखेगी, जिसके अनुसार कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के संबंध में रॉयल्टी पर सेवा कर / जीएसटी लागू नहीं है। हालांकि, माननीय सर्वोच्च न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की पीठ द्वारा इसी तरह के मामले में लंबित अंतिम निर्णय पर विचार करते हुए, कंपनी ने रॉयल्टी पर विवादित सेवा कर और जीएसटी के पूरे मुद्दे की समीक्षा की है और नामांकित क्षेत्रों के संबंध में विवेकपूर्ण और रुढ़िवादी प्रक्रिया के रूप में इन विवादित करों के लिए प्रावधान करने का फैसला किया है, संयुक्त उद्यम ब्लॉकों में सहमत शर्तों के अनुसार जहां संयुक्त उद्यम भागीदारों के बीच कोई विवाद नहीं है और संयुक्त उद्यम ब्लॉकों में कंपनी के भागीदारी हित की सीमा तक जहां संयुक्त उद्यम भागीदारों के बीच विवाद है।

तदनुसार, कंपनी ने 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2024 तक की

अवधि के लिए रॉयल्टी (उस पर ब्याज सहित) पर विवादित एसटी/जीएसटी के लिए ₹146,535.16 मिलियन की सीमा तक बहियों में प्रावधान किया है (31 मार्च, 2023 तक ₹121,074.46 मिलियन)। वित्त वर्ष 2023–2024 से संबंधित प्रावधान ₹25,460.69 मिलियन है। जेवी ब्लॉकों से संबंधित रॉयल्टी पर एसटी/जीएसटी के प्रति देयता के संबंध में, जहां विवाद हैं, जेवी भागीदारों के हिस्से की सीमा तक, कंपनी का विचार है कि रॉयल्टी पर लागू होने वाले सेवा कर/जीएसटी को जेवी ब्लॉकों में भागीदारी हित के अपने संबंधित हिस्से में जेवी भागीदारों द्वारा चुकाया जाना आवश्यक होगा, भले ही ओएनजीसी लाइसेंसधारी हो। कंपनी के इस दृष्टिकोण को राजस्थान जेवी से संबंधित कंपनी और जेवी भागीदारों के बीच मध्यस्थता के संदर्भ में भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एसजीआई) की कानूनी राय द्वारा विधिवत समर्थन प्राप्त है, जहां पीएससी की शर्तों और नियमों पर विचार न करने के मद्देनजर नए मध्यस्थता की सिफारिश की गई है, जो जेवी भागीदारों को अपने अंतिम पुरस्कार में आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल, लंदन द्वारा सेवा कर और जीएसटी सहित करें का भुगतान करने के लिए बाध्य करता है। तदनुसार, विवादों के समाधान के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ, मध्यस्थ न्यायाधिकरण स्तर पर, संयुक्त उद्यम ब्लॉकों में रॉयल्टी पर विवादित एसटी/जीएसटी के अन्य संयुक्त उद्यम भागीदारों का हिस्सा, जहां विवाद है (राजस्थान ब्लॉक सहित) 31 मार्च, 2024 तक ब्याज सहित, ₹52,964.04 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹43,318.13 मिलियन) के प्रावधान पर विचार नहीं किया गया है और इसे आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है।

इस संबंध में कंपनी द्वारा दंड और अन्य अंतरों के लिए प्राप्त शेष विवादित मांग यानी ₹18,721.67 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹18,624.60 मिलियन) को भी आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है।

विषय पर आयकर विशेषज्ञों की राय पर विचार करते हुए, विरोध के तहत जमा की गई उपरोक्त राशि को आयकर रिटर्न / चल रहे मूल्यांकन और अपीलीय कार्यवाही में, प्रासंगिक पिछले मूल्यांकन वर्षों के लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 43 बी के साथ धारा 37 के तहत स्वीकार्य व्यय के रूप में दावा किया गया है और इसे पहले के वर्षों के लिए वर्तमान कर की गणना करते समय और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए वर्तमान कर की ओर भी एक स्वीकार्य व्यय के रूप में माना गया



है। कंपनी ने उपरोक्त अवधि के लिए विवादित करों के लिए किए गए प्रावधान के खिलाफ जमा की जाने वाली राशि के संबंध में ₹977.15 मिलियन की स्थगित कर संपत्ति भी बनाई है (टिप्पणी संख्या 32.8 देखें)।

**58.1.3** कंपनी और प्रचालक – ब्लॉक आरजे–ओएन–90/1 के वेदांता लिमिटेड (पूर्ववर्ती केरन इंडिया लिमिटेड) के बीच ब्लॉक में अन्वेषण, विकास और उत्पादन लागत के संबंध में लागत वसूली और साझाकरण सहित कुछ अनसुलझे मुद्दे हैं। मुद्दों के निपटान के लंबित रहने तक, कंपनी ने 31 मार्च, 2024 तक आकस्मिक देयता के तहत 233.54 मिलियन अमेरिकी डॉलर – ₹19,467.89 मिलियन के बराबर (पिछले वर्ष: 203.92 मिलियन अमेरिकी डॉलर – ₹16,752.14 मिलियन के बराबर) की राशि दिखाई है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने पीएससी प्रावधानों के अनुसार ऑडिट अपवादों के खिलाफ ब्लॉक आरजे–ओएन–90/1 के संबंध में अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम के भुगतान की मांग की। उक्त मांग पीसीए मामले 2020–39 में वेदांता और भारत सरकार के बीच मध्यस्थता कार्यवाही के तहत है, जिसमें उक्त मांग को मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा उनके दिनांक 22.08.2023 और 08.12.2023 खारिज कर दिया गया है। उसी के परिणाम और परिमाणीकरण की अंतिमता लंबित होने तक, कंपनी ने 31.03.2024 तक आकस्मिक देयता के तहत 498.02 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि दिखाई है – जो ₹41,514.75 मिलियन के बराबर है (पिछले वर्ष: 196.45 मिलियन अमेरिकी डॉलर – ₹16,138.29 मिलियन के बराबर)। (टिप्पणी संख्या 53.1.8 और 53.1.9 देखें)

**58.1.4** कंपनी, 40% भागीदारी हित (पीआई) के साथ, पन्ना–मुक्ता और मध्य तथा दक्षिण ताप्ती क्षेत्रों में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और बीजी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) के साथ संयुक्त प्रचालक थी, जिनमें से प्रत्येक का 30% पीआई था, (तीनों को एक साथ “ठेकेदार” कहा जाता है) ने 22 दिसंबर, 1994 को भारत सरकार (भारत संघ) के साथ 25 वर्षों की अवधि के लिए दो उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) पर हस्ताक्षर किए। पन्ना मुक्ता और मध्य तथा दक्षिण ताप्ती के लिए पीएससी 21 दिसंबर, 2019 को समाप्त हो गए हैं। पन्ना मुक्ता फील्ड परिसंपत्ति हैंडओवर समझौते के अनुसार, पीएमटी जेवी के ठेकेदार पहले से मौजूद देयता के लिए उत्तरदायी हैं।

दिसंबर 2010 में, आरआईएल और बीजीईपीआईएल (जेवी

पार्टनर्स) ने दोनों पीएससी से उत्पन्न और उनके संबंध में कुछ विवादों, मतभेदों और दावों के संबंध में भारत संघ के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 4 जुलाई 2011 के अपने पत्र के जरिए कंपनी को निर्देश दिया था कि वह जेवी पार्टनर्स (बीजीईपीआईएल और आरआईएल) द्वारा शुरू की गई मध्यस्थता में भाग न ले। पे. और गै.म. ने यह भी कहा है कि मध्यस्थता निर्णय दोनों पीएससी के लिए ठेकेदार के एक घटक के रूप में कंपनी पर भी लागू होगा। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने 25 मई 2017 के पत्र के जरिए कंपनी को सूचित किया था कि 12 अक्टूबर 2016 को उक्त मध्यस्थता में न्यायाधिकरण द्वारा अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) सुनाया गया था। जैसा कि बीजीईपीआईएल द्वारा बताया गया है कि उपरोक्त विवादों से संबंधित मुद्दों पर 11 जनवरी, 2018 को अतिरिक्त संपरीक्षा निर्णय, 1 अक्टूबर, 2018 को समझौता मामला निर्णय तथा 12 मार्च, 2019 को क्षेत्राधिकार निर्णय सुनाया गया। हालांकि, एफपीए की कार्यवाही तथा अन्य आदेशों का विवरण कंपनी के पास उपलब्ध नहीं है। डीजीएच ने ठेकेदारों को भेजे गए 25 मई, 2017 और 4 जून, 2018 के पत्रों के माध्यम से, एफपीए की सरकार की व्याख्या के अनुसार ठेकेदारों द्वारा देय कथित लाभ पेट्रोलियम और रॉयलटी में भारत सरकार के अंतर वाले हिस्से का भुगतान करने का निर्देश दिया था (कंपनी का 40% हिस्सा 1,624.05 मिलियन अमेरिकी डॉलर, जिसमें 30 नवंबर 2016 तक का ब्याज भी शामिल है) जो 31 मार्च 2024 तक ₹135,380.81 मिलियन के बराबर है (31 मार्च 2023: ₹133,415.71 मिलियन)। डीजीएच के पत्रों के जवाब में, संयुक्त उद्यम भागीदारों (सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों को प्रति भेजकर) ने कहा था कि डीजीएच की मांग अपरिषक्त थी, क्योंकि एफपीए ने भारत सरकार के पक्ष में कोई धनराशि अधिनिर्णय नहीं दिया इसके अलावा इस निर्णय को इंग्लिश कर्मशियल कोर्ट (लंदन हाई कोर्ट) में भी चुनौती दी गई थी। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर, कंपनी ने डीजीएच के पत्रों का भी जवाब दिया था जिसमें कहा गया था कि आदेश की अंतिमता लंबित होने के कारण, कंपनी द्वारा देय और भुगतान योग्य राशि मात्रात्मक नहीं थी। कंपनी के अनुसार, यदि पीएससी की शर्तों के अनुसार मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा लागत वसूली सीमा (सीआरएल) में वृद्धि के लिए कोई परिवर्तन स्वीकृत किया जाता है, तो भारत सरकार (जीओआई) के प्रति देयता संभावित रूप से कम हो जाएगी।

इंगिलिश न्यायालय ने 2 मई, 2018 को अपना अंतिम फैसला सुनाया, जिसके बाद मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने 2016 के अपने कुछ पुराने निष्कर्षों पर किर से विचार किया। एफपीए (संशोधित निर्णय)। भारत सरकार और जेवी पार्टनर्स ने संशोधित निर्णय के कुछ हिस्सों को इंगिलिश न्यायालय के समक्ष चुनौती दी है। 12 फरवरी, 2020 को, इंगिलिश न्यायालय ने बीजीईपीआईएल और आरआईएल द्वारा की गई चुनौतियों के पक्ष में फैसला सुनाया और संशोधित निर्णय में मामले को पुनर्विचार के लिए मध्यस्थ न्यायाधिकरण को वापस भेज दिया। बीजीईपीआईएल ने सूचित किया है कि न्यायाधिकरण ने जनवरी, 2021 में एक फैसला दिया, जिसमें भेजे गए मामले पर बीजीईपीआईएल / आरआईएल के पक्ष में फैसला सुनाया गया, जिसे भारत सरकार ने इंगिलिश न्यायालय के समक्ष चुनौती दी थी।

इंगिलिश न्यायालय ने 9 जून, 2022 को अपना फैसला सुनाया। भारत सरकार ने 9 जून, 2022 के इंगिलिश न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील दायर की, जिसे अगस्त 2022 में इंगिलिश न्यायालयों ने खारिज कर दिया था।

बीजीईपीआईएल द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर, भारत सरकार ने 12 अक्टूबर, 2016 के एफपीए को लागू करने और निष्पादित करने की मांग करते हुए माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक निष्पादन याचिका भी दायर की है। बीजीईपीआईएल / आरआईएल का तर्क है कि भारत सरकार की निष्पादन याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और उन्होंने उक्त याचिका के तहत भारत सरकार द्वारा मांगी गई राहत का विरोध किया है। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष मामले की सुनवाई 4 अगस्त, 2022 को समाप्त हुई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 जून, 2023 को एक निर्णय जारी किया कि 2016 के एफपीए के संबंध में सरकार की निष्पादन याचिका समय से पहले है, सुनवाई योग्य नहीं है और खारिज की जाती है। सरकार ने इस फैसले के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष अपील दायर की है जो वर्तमान में अंतिम सुनवाई के लिए लंबित है।

जनवरी, 2018 में, कंपनी ने जेवी भागीदारों के साथ पीएससी के संदर्भ में सीआरएल में वृद्धि के लिए एमसी के साथ एक आवेदन दायर किया था। आवेदन को एमसी ने खारिज कर दिया है। अस्वीकृति के अनुसरण में, जेवी भागीदारों ने मध्यस्थ न्यायाधिकरण के साथ दावा दायर किया है। जेवी भागीदारों में से एक ने कंपनी को आगे सूचित किया है कि मध्यस्थ न्यायाधिकरण

के समक्ष सुनवाई अक्टूबर–दिसंबर 2021 की तिमाही के दौरान आंशिक रूप से सुनी गई है। बीजीईपीआईएल और आरआईएल द्वारा दायर लागत वसूली सीमा वृद्धि आवेदनों के संबंध में 2021 से पर्याप्त सुनवाई हुई है और वर्तमान में क्यू3 2024 यानी जुलाई–सितंबर 2024 तक एक पुरस्कार की उम्मीद है।

डीजीएच ने 14 जनवरी, 2019 के पत्र के माध्यम से ठेकेदारों को वर्ष 2017–18 के लिए पन्ना–मुक्ता और मध्य और दक्षिण ताप्ती फील्डों के लेखों को फिर से तैयार करने की सलाह दी है। मध्यस्थ न्यायाधिकरण के निर्णय को अंतिम रूप दिए जाने तक, संयुक्त उद्यम भागीदारों और कंपनी ने डीजीएच को लिखे अपने पत्रों में संकेत दिया था कि लेखों का अंतिम पुनर्गठन समय से पहले किया गया था और इस प्रकार डीजीएच द्वारा उठाए गए मुद्दों को स्थगित रखा जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान, भारत सरकार के नामित तेल विपणन कंपनियों ने संयुक्त प्रचालन – पन्ना मुक्ता और ताप्ती उत्पादन साझा अनुबंध (पीएससी) के संबंध में भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार 31 मार्च, 2024 तक 80.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर (कंपनी का हिस्सा 32.07 मिलियन अमेरिकी डॉलर, जो ₹2,673.36 मिलियन के बराबर है (31 मार्च, 2023: ₹2,634.55 मिलियन)। यह वसूली 2002–03 से 2005–06 की अवधि के लिए दो पीएससी के तहत डीजीएच द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षकों द्वारा भारत सरकार को देय लागत और लाभ पेट्रोलियम शेयर के संबंध में उठाए गए कुछ आपत्तियों के प्रति है।

उपर उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर मध्यस्थता न्यायाधिकरण द्वारा अंतिम निर्णय, वित्तीय विवरणों की पुनर्रचना और देयताओं के अंतिम परिमाणीकरण के लंबित होने के कारण, वित्तीय विवरणों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है 1,624.05 मिलियन अमेरिकी डॉलर जो 31 मार्च, 2024 को ₹135,380.81 मिलियन के बराबर है / ₹83.36 रुपये यानी 31 मार्च, 2024 को समाप्त दर (31 मार्च, 2023: ₹133,415.71 मिलियन) को आकस्मिक देयता माना गया है।

उपर्युक्त प्रकटीकरण पीएमटी जेवी के संयुक्त प्रचालक बीजीईपीआईएल द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर आधारित है क्योंकि ओएनजीसी को भारत सरकार (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय) द्वारा उनके पत्र दिनांक 04.07.2011 के माध्यम से पन्ना मुक्ता और मध्य एवं दक्षिण ताप्ती पीएससी के तहत



आरआईएल और बीजीईपीआईएल द्वारा शुरू की गई मध्यस्थता में भाग नहीं लेने की सलाह दी गई है। हालांकि, मध्यस्थ पुरस्कार के मामले में, यह दोनों पीएससी के लिए ठेकेदार के घटक के रूप में ओएनजीसी पर भी लागू होगा।

**58.1.5** कंपनी भारत सरकार से प्रारंभिक मंजूरी के बाद राज्य सरकारों द्वारा दिए गए विभिन्न पेट्रोलियम खनन पट्टों (पीएमएल) का प्रचालन कर रही है। तेल खनन पट्टे का अनुदान तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) अधिनियम 1948 (ओआरडी अधिनियम) के प्रावधानों द्वारा विनियमित और शासित है। एक बार पट्टा आदेश दिए जाने के बाद, पट्टेदार को संबंधित राज्य सरकार के साथ पट्टा विलेख निष्पादित करना होता है। निष्पादित पट्टा विलेख पर स्टाम्प शुल्क संबंधित राज्यों के स्टाम्प अधिनियम के अनुसार देय है। कुछ राज्य सरकारों का विचार है कि ऐसे राज्यों के लिए लागू स्टाम्प शुल्क अधिनियम (ओं) के तहत स्टाम्प शुल्क की गणना के उद्देश्य से सुरक्षा जमा, सतह किराया और अनिवार्य किराये आदि जैसे अन्य भुगतानों के अलावा रॉयल्टी की राशि को भी शामिल किया जाना चाहिए।

हालांकि, कंपनी का विचार है कि कंपनी द्वारा देय रॉयल्टी राज्य सरकार (रों) को किराया नहीं है, बल्कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 (पीएनजी नियम) के नियम 14 के तहत देय है। किराया और रॉयल्टी की अवधारणा के बीच एक अंतर है। शब्द “रॉयल्टी” खनन पट्टे में कटौती के उस हिस्से को दर्शाता है जो परिवर्तनशील है और प्राप्त खनिजों की मात्रा या निर्दिष्ट अवधि के भीतर निकाले गए खनिज पर निर्भर करता है। जबकि किराया भूमि के उपयोग और कब्जे के लिए देय राशि है। इसलिए, यह उचित रूप से माना जा सकता है कि स्टाम्प शुल्क की गणना के उद्देश्य से, रॉयल्टी की राशि पीएमएल के लिए निष्पादित किए जाने वाले पट्टा विलेखों के विचार मूल्य का हिस्सा नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने 31 दिसंबर, 2014 को तमिलनाडु राज्य सरकार को पत्र के माध्यम से सूचित किया कि पीएनजी नियमों के साथ पढ़े गए ओआरडी अधिनियम के तहत दिए गए खनन पट्टों पर स्टाम्प शुल्क के निर्धारण के लिए रॉयल्टी को आधार के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

मामले को सुलझाने में लगने वाले समय को देखते हुए, असम राज्य सरकार ने एक रास्ता तैयार किया है ताकि पट्टे पर हस्ताक्षर किए जा सकें। भूविज्ञान और खान निदेशालय के निदेशक ने

10 जून, 2021 के पत्र के माध्यम से असम राज्य सरकार के अपर मुख्य सचिव की स्वीकृति प्राप्त की थी, ताकि कंपनियों के साथ पेट्रोलियम खनन पट्टे (पीएमएल) के लिए अनिवार्य किराये के आधार पर विलेख पत्र पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी जा सके, जैसा कि पहले किया गया था, विलेख पत्र में यह शर्त डालने के साथ कि स्टाम्प ड्यूटी की गणना की विधि को अंतिम रूप देने के बाद अर्जित स्टाम्प ड्यूटी की शेष राशि का भुगतान संबंधित कंपनियों को करना होगा। कंपनी को भूविज्ञान और खान निदेशालय, असम द्वारा स्टाम्प ड्यूटी के निर्धारण और निष्पादन के लिए सभी लंबित पीएमएल के लिए ड्राफ्ट विलेख पत्र प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

इसके अलावा, ‘भारत के सॉलिसिटर जनरल’ ने 05 मई, 2007 को अपनी राय के माध्यम से यह भी राय दी थी कि रॉयल्टी और किराए के बीच का अंतर अच्छी तरह से तय है यदि खदान पर काम नहीं किया जाता है, तो भी किराया देय होगा। इसलिए, उन्होंने कहा कि स्टाम्प ड्यूटी की गणना के उद्देश्य से रॉयल्टी को शामिल करना अनुचित है और तर्कसंगत नहीं है। इस मुद्दे पर स्पष्टता के अभाव में फर्म देयता या आकस्मिक देयता की राशि का पता लगाना असंभव है।

अहमदाबाद के स्टाम्प रजिस्ट्रार के समक्ष तीन एमएल यानी गमीज, मोटेरा और साणंद एक्सटेंशन—॥ के संबंध में कुछ खनन पट्टों के संबंध में खनन पट्टा समझौतों के निष्पादन के लिए देय स्टाम्प ड्यूटी का पता लगाने के लिए कार्यवाही चल रही थी। ये कार्यवाही स्टाम्प अधिनियम के तहत अधिकारियों यानी मुख्य नियंत्रण राजस्व प्राधीकारी / स्टाम्प रजिस्ट्रार द्वारा 21 मार्च, 2024 को संपन्न हुई। उक्त आदेश अभी तक कंपनी को प्राप्त नहीं हुआ है।

**58.1.6** भारत सरकार ने पीएसयू द्वारा लंबित संविदात्मक विवादों को निपटाने के लिए विवाद से विश्वास II (संविदात्मक विवाद) योजना शुरू की है। कंपनी ने योजना के कार्यान्वयन के लिए स्वीकृति दे दी है। उक्त योजना के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान कुछ मामलों का निपटारा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप ₹22,843.47 मिलियन की आकस्मिक देयता समाप्त हो गई। (टिप्पणी संख्या 35.4 देखें)

**58.1.7 सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में**

सेवा कर विभाग ने इसी तरह के तर्कों पर कुल 8 मांग सह कारण

बताओ नोटिस जारी किए थे, जिसमें कंपनी से कारण बताने के लिए कहा गया था कि कुल ₹78,779.90 मिलियन (शिक्षा उपकर और एसएचई उपकर सहित) का सेवा कर, ऐसी राशि पर ब्याज और जुर्माना क्यों नहीं मांग जाना चाहिए और कंपनी से वसूला जाना चाहिए। सेवा कर विभाग ने 1 अप्रैल, 2006 से 30 जून, 2017 तक की समीक्षाधीन अवधि को कवर करने वाले कंपनी के वित्तीय विवरणों में दर्ज विदेशी मुद्रा व्यय के आधार पर इन कर राशियों की गणना की है और तर्क दिया है कि ये व्यय कंपनी की विदेशी शाखाओं और संयुक्त उद्यम/संघ के प्रचालक द्वारा प्रदान की गई व्यावसायिक सहायक सेवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें कंपनी एक सदस्य है। कंपनी का मानना है कि उक्त सेवा कर देय नहीं है और इसका विरोध कर रही है। इस स्तर पर वित्तीय विवरणों में कोई प्रावधान किए जाने की आवश्यकता नहीं है। प्रबंधन के आकलन में, प्राप्त स्वतंत्र और सक्षम कानूनी राय और परिपत्र संख्या सहित अन्य परिचर कारकों के आधार पर। 35/9/2018—जीएसटी दिनांक 05 मार्च, 2018 को केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी, कंपनी की स्थिति की सफलता की संभावना बहुत अधिक है और विभाग के दावों की सफलता की संभावना बहुत कम है। चूंकि प्रबंधन द्वारा सेवा कर के भुगतान की संभावना को बहुत कम आंका गया है, इसलिए ब्याज और जुर्माना के आकलन की संभावना बहुत कम आंकी गई है। तदनुसार, उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस (यानी कर राशि के साथ—साथ उस पर संभावित ब्याज और जुर्माना) द्वारा कवर की गई राशि को लागू लेखांकन मानकों के अनुसार आकस्मिक देयता नहीं माना जाता है। इसके अलावा, कंपनी द्वारा प्राप्त कानूनी राय के अनुसार, एक कारण बताओ नोटिस अपने आप में मांग के रूप में योग्य नहीं है और कंपनी द्वारा दावे का भुगतान किए जाने की संभावना बहुत कम है क्योंकि कंपनी के पास कानूनी स्थिति के आधार पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष बहस करने और सफल होने के लिए एक बहुत अच्छा मामला है।

## 58.1.8 सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

आयात शुल्क के भुगतान के उद्देश्य से सुधार के टैरिफ के वर्गीकरण के संबंध में सीमा शुल्क विभाग से 31 मार्च, 2024 तक ₹2,121.14 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹2,121.14 मिलियन) की राशि के सीमा शुल्क का दावा है, साथ ही लागू ब्याज और दंड की राशि 31 मार्च, 2024 तक ₹6,168.37 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹6,168.37 मिलियन) है। पूरी मांग को चुनौती देते हुए

अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर की गई है। अपील की कार्यवाही के परिणाम लंबित होने तक, बहिर्भूत में उक्त मांग के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

## 58.1.9 विक्रेता कंपनी के मामले में

31 मार्च, 2024 तक ₹4,598.87 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹4,359.27 मिलियन) की राशि का दावा वाणिज्यिक कर (सीटी) के उपायुक्त द्वारा किया गया है, जिसके विरुद्ध उनके द्वारा माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है। विक्रेता कंपनी के साथ किए गए अनुबंध के अनुसार, उक्त देयता को अंतिम रूप से समाप्त होने पर कंपनी द्वारा एक के बाद एक आधार पर चुकाया जाना है।

## 58.1.10 सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

समूह को 70% की भागीदारी हित (पीआई) के साथ मेसर्स एम3नेर्जी एसडीएन. बीएचडी (मेसर्स एम3नेर्जी) (पीआई—30%) के साथ मार्च, 2006 में ओएनजीसी के क्लस्टर-7 के अपतटीय सीमांत तेल क्षेत्रों के विकास के लिए सेवा अनुबंध प्रदान किया गया था। पीपीसीएल निष्पादन ठेकेदार था। पार्टियों ने ओएनजीसी को आवश्यक बैंक गारंटी प्रदान की। चूंकि मेसर्स एम3नेर्जी अपने संविदात्मक दायित्वों को पूरा नहीं कर सकी, इसलिए ओएनजीसी द्वारा अनुबंध समाप्त कर दिया गया और बैंक गारंटियां जब्त कर ली गई। समूह ने मेसर्स एम3नेर्जी से अन्य दावों के साथ—साथ बैंक गारंटी को भुनाने के लिए जब्त की गई धनराशि की वापसी की मांग की। ऐसे सेवा अनुबंध की समाप्ति पर एम3नेर्जी द्वारा 42.60 मिलियन अमेरिकी डॉलर का जवाबी दावा किया गया। मामले को मध्यस्थता के लिए भेज दिया गया। मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने 3 निर्णय (क्रमशः 09.01.2014, 27.09.2017, 15.06.2018) पारित किए, सभी समूह के पक्ष में थे। ये आदेश इस आशय के थे कि एम3नेर्जी ने अनुबंध का उल्लंघन किया मेसर्स एम3नेर्जी ने तीनों निर्णय को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हालाँकि, बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा कोई स्थगन नहीं दिया गया, इसलिए, समूह ने (क) मारेवा निषेधाज्ञा और (ख) मलेशिया में न्यायालयों के समक्ष निर्णय के प्रवर्तन के लिए आवेदन दायर किया क्योंकि मेसर्स एम3नेर्जी मलेशिया में स्थित है।

दिनांक 10.01.2019 के आदेशों द्वारा माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय ने तीनों मध्यस्थता निर्णयों को रद्द कर दिया। चूंकि निर्णयों को रद्द कर दिया गया था (जिसके आधार पर एचपीसीएल द्वारा प्रवर्तन



आवेदन दायर किया गया था), 28.02.2019 को कुआलालंपुर में मलेशियाई उच्च न्यायालय ने मेसर्स एम3नेर्जी के आवेदन को नए सिरे से कार्यवाही दायर करने की स्वतंत्रता के साथ प्रवर्तन आदेश को रद्द करने की अनुमति दी, यदि समूह बाद में सफल होता है। इस बीच, समूह ने बॉम्बे उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष (एकल न्यायाधीश बॉम्बे उच्च न्यायालय के) आदेश को रद्द करने के खिलाफ अपील दायर की है। पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, 16.10.2019 को, माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय ने एकल न्यायाधीश के आदेश को रद्द कर दिया और मामले को गुण-दोष के आधार पर नए सिरे से तय करने के लिए सभी 3 मामलों को वापस उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के पास भेज दिया। इस आदेश को मेसर्स एम3नेर्जी ने विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करके सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसे संक्षिप्त तर्कों के बाद 31.01.2020 को (मेसर्स एम3नेर्जी द्वारा) वापस ले लिया गया मानते हुए खारिज कर दिया गया। परिणामस्वरूप, बॉम्बे उच्च न्यायालय की एकल पीठ मामले की मेरिट के आधार पर नए सिरे से सुनवाई करेगी। इसके अलावा, अप्रैल, 2024 के दौरान, समूह ने मलेशिया की अदालतों के समक्ष एम3नेर्जी के खिलाफ मध्यस्थता पुरस्कारों के निष्पादन के लिए आवेदन किया है।

परिणामस्वरूप, लाभ/क्षति/लागत की हानि और उस पर ब्याज के लिए दी गई राशि में समूह का हिस्सा जो लगभग 4,908.70 मिलियन रुपये है, को परंपरागत आधार पर मान्यता नहीं दी गई है। इसके अलावा, मेसर्स एम3एनर्जी द्वारा समूह के हिस्से की सीमा तक उठाए गए दावे यानी लगभग ₹3,045.40 मिलियन / 1 अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर = ₹83.4100 (31.03.2023: ₹3,000.20 मिलियन / 1 अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर = ₹82.1750), को दूरस्थ माना जाता है, जिसे मान्यता नहीं दी गई है।

#### 58.1.11 सहायक कंपनी पीपीसीएल के संबंध में

कंपनी को एबीजी एनर्जी लिमिटेड (एबीजी) के साथ संघ में एनईएलपी प के तहत त्रिपुरा में एक अन्वेषण ब्लॉक एए ओएनएन 2010/1 से सौंपा गया था। 30 अगस्त, 2012 को संघ द्वारा भारत सरकार के साथ उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) पर हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी के पास 20% भागीदारी हित (पीआई) और एबीजी के पास 80% पीआई है। संयुक्त बोली समझौते के अनुसार, अन्वेषण चरण के दौरान एबीजीकंपनी को

अपने साथ ले जाएगा, अर्थात् अन्वेषण चरण के दौरान कंपनी का 20% व्यय एबीजीद्वारा वहन किया जाएगा। किसी भी खोज के मामले में, एबीजीद्वारा भुगतान किए गए कंपनी के हिस्से का 10% उनके द्वारा लाभ से वसूल किया जाएगा और 10% का भुगतान वैसे भी उनके द्वारा किया जाएगा। पीएससीपर हस्ताक्षर करने और लिखित पुष्टि से पहले हुई चर्चाओं के अनुसार, एबीजीको कंपनी को बैंक अप गारंटी प्रस्तुत करनी थी, ताकि कंपनी 20% के अपने हिस्से के लिए भारत सरकार को बैंक गारंटी प्रस्तुत कर सके। एबीजीद्वारा कंपनी को प्रस्तुत की जाने वाली बैंक गारंटी का मूल्य अमेरिकी डॉलर ₹1,801 मिलियन है। एबीजीने नियत तिथि तक भारत सरकार को अपने 80% हिस्से की बैंक गारंटी प्रस्तुत नहीं की। इसके अतिरिक्त, चूंकि एबीजीद्वारा कंपनी को बैंक अप गारंटी प्रस्तुत नहीं की गई थी, इसलिए कंपनी भी भारत सरकार को अपने 20% हिस्से के लिए बैंक गारंटी प्रस्तुत नहीं कर सकी।

बैंक गारंटी जमा न करने के कारण भारत सरकार ने 15 अक्टूबर, 2013 के पत्र के माध्यम से पीएससी को समाप्त कर दिया तथा 6 फरवरी, 2015 के पत्र के माध्यम से पीएससी के अनुच्छेद 5.6 के अनुसार 9,143 मिलियन अमेरिकी डॉलर का परिसमाप्त हर्जाना लगाया। कंपनी ने एबीजी को नोटिस दिया है कि परिसमाप्त हर्जाने की पूरी राशि, जिसमें कंपनी का हिस्सा भी शामिल है, का भुगतान करना उनकी जिम्मेदारी है। यदि कंपनी को भारत सरकार द्वारा परिसमाप्त हर्जाने का अपना हिस्सा देने के लिए बाध्य किया जाता है, तथा यदि ऐसा भुगतान किया जाता है, तो कंपनी को एबीजी से यह धन प्राप्त करना होगा।

कंपनी ने इस मामले में 10 अक्टूबर, 2016 को एबीजी के विरुद्ध मध्यस्थता हेतु प्रार्थना की थी। दिल्ली उच्च न्यायालय के 22 सितंबर, 2017 के आदेश द्वारा एबीजी की ओर से मध्यस्थ की नियुक्ति के पश्चात तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण का गठन किया गया था। मध्यस्थ न्यायाधिकरण की पहली बैठक 6 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने 30 अक्टूबर, 2019 को पीपीसीएल के पक्ष में कार्यवाही की लागत के साथ ब्याज सहित 1.80 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि का निर्णय पारित किया है। यह निर्णय इस शर्त के अधीन है कि एबीजी से पीपीसीएल द्वारा राशि प्राप्त होने पर, यह राशि प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर पीपीसीएल द्वारा भारत सरकार को दी जाएगी। कंपनी ने एबीजी एनर्जी को

कई डिमांड नोटिस जारी किए थे, लेकिन ये सभी नोटिस एबीजी द्वारा बिना ध्यान दिए वापस कर दिए गए थे। कंपनी ने एबीजी की संपत्तियों की पहचान करने का भी प्रयास किया है ताकि निर्णय का निष्पादन न्यायालय में दायर किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, 14 सितंबर, 2022 को, पीपीसीएल ने सीपीसी की धारा 151 के तहत नई दिल्ली में दिल्ली उच्च न्यायालय में निष्पादन याचिका आवेदन प्रस्तुत किया। दिनांक 09.02.2024 को सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने समाचार पत्र में न्यायालयीन नोटिस का विवरण प्रकाशित करने की अनुमति प्रदान की, तथा एबीजी एनर्जी को न्यायालयीन कार्यवाही में उपस्थित रहने का निर्देश दिया।

### 58.1.12 संयुक्त उद्यम ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएल) के संबंध में

कंपनी ने विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड), दहेज, गुजरात में एक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स स्थापित किया है। पिछले कुछ वर्षों में बाजार की गतिशीलता में आए बदलावों को देखते हुए, घरेलू बाजार में पेट्रोकेमिकल उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। इसलिए, कंपनी अपने अधिकांश उत्पादों को घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) में बेच रही है। हालांकि, एसईजेड से डीटीए को उत्पादों की बिक्री पर मूल सीमा शुल्क लागू है, जिसका सीधा असर कंपनी के मार्जिन पर पड़ रहा है। इसलिए, निदेशक मंडल ने एसईजेड से स्वैच्छिक निकास के लिए आवेदन करने की मंजूरी दे दी है।

विकास आयुक्त, दहेज एसईजेड ने क्षेत्र की अधिसूचना रद्द करने, सभी लागू शुल्कों और करों का भुगतान करने, जिन्हें अंतिम निकास की तिथि के आधार पर अंतिम रूप दिया जा सकता है और एसईजेड अधिनियम और अन्य नियमों के सभी प्रावधानों का अनुपालन करने के अधीन एसईजेड से बाहर निकलने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। ये गतिविधियाँ/अनुमोदन प्रक्रिया में हैं। इकाई अपी भी एसईजेड के अधीन है और अंतिम निकास के अनुमोदन के प्रस्ताव पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली से अधिसूचना रद्द करने की मंजूरी के अधीन विचार किया जाएगा।

एसईजेड निकास से भविष्य के मार्जिन में एकमुश्त लागत के साथ-साथ महत्वपूर्ण सुधार आने की उम्मीद है। उपरोक्त अनुमान अनंतिम हैं और इसमें न्यायालय और प्राधीकरणों के समक्ष लंबित

विवादित मांग शामिल है। एसईजेड निकास के कारण वास्तविक बहिर्वाह और इसकी मात्रा उन नियमों और शर्तों पर निर्भर है, जिन पर विभिन्न अनुमोदन दिए जा सकते हैं। चूंकि एसईजेड निकास के लिए विभिन्न एनओसी, अनुमोदन और शुल्क मूल्यांकन सक्षम अधिकारियों के पास विचाराधीन हैं और एसईजेड निकास के लिए आवेदन स्वैच्छिक प्रकृति का है, इसलिए प्रबंधन का मानना है कि निकास पर अंतिम निर्णय केवल इन अनुमोदनों में उल्लिखित नियमों और शर्तों के आधार पर लिया जा सकता है। इसलिए, कंपनी ने बहियों में अनुमानित एकमुश्त देयता के साथ-साथ अनुमानित भविष्य के लाभों को मान्यता नहीं दी है।

### 58.2 आकस्मिक परिसंपत्ति

आकस्मिक परिसंपत्ति एक संभावित परिसंपत्ति है जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसका अस्तित्व केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से ही पुष्ट होगा जो इकाई के पूर्ण नियंत्रण में नहीं होती। व्यवसाय के सामान्य क्रम के दौरान, वर्तमान में कई अनसुलझे दावे लंबित हैं। ऐसे दावों के संबंध में आर्थिक लाभ के प्रवाह को संबंधित घटनाओं और परिस्थितियों से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण मापा नहीं जा सकता है। सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, 31 मार्च, 2024 तक ₹95.28 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹95.28 मिलियन) की राशि एमएसईजेडएल द्वारा पाइपलाइन-सह-सड़क गलियारे के उपयोग के लिए कंपनी को देय तीसरे पक्ष के हिस्से के रूप में निर्धारित की गई है, जिस पर वर्तमान अवधि में विचार नहीं किया गया है, क्योंकि पाइपलाइन कॉरिडोर परियोजना की परियोजना लागत को स्थिर करने के लंबित रहने तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

### 58.3 प्रतिबद्धताएँ

#### 58.3.1 पूंजी प्रतिबद्धताएँ:

- पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले अनुबंधों की अनुमानित राशि:—
  - समूह के संबंध में: ₹565,093.32 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक: ₹417,920.22 मिलियन)।
  - संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों में समूह की हिस्सेदारी के संबंध में: ₹203,339.40 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक: ₹299,198.47 मिलियन)।



#### **ख. बिना शर्त खरीद दायित्वः**

- i. समूह के संबंध में: ₹6,399.15 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक: ₹6,399.40 मिलियन)।
- ii. संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों में समूह हिस्सेदारी के संबंध में: ₹8,935.81 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक: ₹9,647.35 मिलियन)।

#### **सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में**

कंपनी ने चरण प्ट विस्तार के लिए 1,050 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए केआईएडीबी से अनुरोध किया है। इस संबंध में शेष पूंजी प्रतिबद्धता लगभग ₹6,399.15 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹6,399.40 मिलियन) है।

#### **58.3.2 अन्य प्रतिबद्धताएँ:**

- (क) भारत सरकार/नामांकित ब्लॉकों के साथ विभिन्न 'उत्पादन साझेदारी अनुबंधों' और 'राजस्व साझेदारी अनुबंधों' के अंतर्गत प्रतिबद्ध न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) की अनुमानित राशि:

- i. एनईएलपी/ओएएलपी/डीएसएफ ब्लॉकों के संबंध में, जिनमें कंपनी की 100% भागीदारी हित है: ₹130,942.19 मिलियन (पिछले वर्ष ₹116,310.45 मिलियन)।
- ii. संयुक्त परिचालन में एनईएलपी/ओएएलपी/डीएसएफ ब्लॉकों के संबंध में, कंपनी का हिस्सा: ₹2,453.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹11,049.98 मिलियन)।
- iii. सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में, प्रतिबद्ध न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) की अनुमानित राशि ₹6,930.30 मिलियन (पिछले वर्ष ₹6,964.27 मिलियन) है। इसमें अन्वेषण ब्लॉकों के संबंध में कैरी एग्रीमेंट के अनुसार कंपनी द्वारा वहन की गई कैरीड इंटरेस्ट की राशि शामिल है।

- (ख) कंपनी के संबंध में, ओएनजीसी पेट्रो एडिशन्स लिमिटेड (ओपीएएल) के शेयर वारंट की सदस्यता के कारण ₹862.81 मिलियन (पिछले वर्ष ₹862.81 मिलियन) की प्रतिबद्धता है, जो एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसमें प्रति शेयर ₹0.25 के शेष भुगतान के बाद इसे शेयरों में परिवर्तित करने की शर्त है।

- (ग) कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडिशन्स लिमिटेड द्वारा तीन किस्तों में जारी ₹77,780.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹77,780.00 मिलियन) की अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) के मूलधन और कूपन

के पुनर्भुगतान के लिए बैकस्टॉपिंग समर्थन की व्यवस्था की है। कंपनी बैक स्टॉपिंग सहायता जारी रखे हुए है तथा 31 मार्च, 2024 तक अर्जित बकाया ब्याज ₹2,212.45 मिलियन (पिछले वर्ष ₹1,766.85 मिलियन) है।

#### **(घ) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, कंपनी को निगमित पर्यावरण उत्तरदायित्व के अंतर्गत कुछ गतिविधियां संचालित करनी होती हैं, जिनमें पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, सड़कें, क्रॉस ड्रेन, सौर ऊर्जा सहित विद्युतीकरण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाएं, फसल और चारे की पैदावार बढ़ाने के लिए स्थानीय किसानों को वैज्ञानिक सहायता और जागरूकता, वर्षा जल संचयन, मृदा नमी संरक्षण कार्य, एवेन्यू प्लांटेशन, सामुदायिक क्षेत्रों में वृक्षारोपण आदि के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल है। इन गतिविधियों के प्रति प्रतिबद्धताएं कंपनी की ग्रीन फील्ड और ब्राउन फील्ड परियोजना के विकास या कमीशनिंग के लिए पर्यावरण मंजूरी प्रदान करने के लिए आयोजित सार्वजनिक सुनवाई, सामाजिक आवश्यकता मूल्यांकन आदि पर काम करती हैं। कंपनी के पास 31 मार्च, 2024 तक ₹2,359.48 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹2,075.97 मिलियन) की राशि की उपरोक्त गतिविधियों के लिए बकाया प्रतिबद्धताएं हैं, कंपनी को पर्यावरण मंजूरी दिए जाने की तारीख से दस साल की अवधि के दौरान उपरोक्त गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध राशि खर्च करनी होगी क्योंकि पर्यावरण मंजूरी की वैधता दस साल के लिए है और इसे एक साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है।**

#### **(ङ) सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में**

- क. माल और सेवाओं की खरीद के लिए बैंकरों द्वारा जारी किए गए ऋण पत्र और बैंक गारंटी और 31 मार्च, 2024 तक बकाया ₹661.60 मिलियन (31 मार्च, 2023 तक ₹1,047.67 मिलियन)।

- ख. 31 मार्च, 2024 तक निगमित पर्यावरण उत्तरदायित्व (सीईआर) और उद्यम सामाजिक प्रतिबद्धता (ईएससी) के कारण लंबित प्रतिबद्धताएं ₹361.18 (31 मार्च, 2023 तक ₹755.23)।

- ग. कंपनी ने मेसर्स बीपीसीएल के साथ दीर्घकालिक आरएलएनजी ऑफ टेक समझौता किया है। इस समझौते में एक टेक या पे व्हॉज है और कंपनी समझौते की अवधि में उक्त आरएलएनजी खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है।

घ. कंपनी ने मेसर्स गेल के साथ आरएलएनजी के दीर्घकालिक संचरण समझौते में प्रवेश किया है। इस समझौते में शिप या पे क्लॉज है और कंपनी समझौते की अवधि में शिप या पे चार्ज का भुगतान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इ. पूँजीगत वस्तुओं की खरीद पर ईपीसीजी लाइसेंस योजना के तहत प्राप्त शुल्क की रियायती दर के कारण कंपनी के पास 31 मार्च 2024 तक ₹305.30 मिलियन की सीमा तक निर्यात दायित्व है (31 मार्च 2023 तक ₹शून्य) और निर्यात के माध्यम से इसे पूरा किए जाने की उम्मीद है।

## 59 “तेल और गैस उत्पादन गतिविधियों” के लिए लेखांकन पर मार्गदर्शी टिप्पणी के अंतर्गत प्रकटीकरण (संशोधित)

59.1 भौगोलिक आधार पर प्रमाणित भंडार में समूह का हिस्सा निम्नानुसार है:

क. भारत में

विवरण	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) <sup>#</sup>	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
अपत्त	प्रारंभिक	157.70	166.01	155.83	163.67	313.53	329.68
	वृद्धि	8.20	4.04	12.45	8.08	20.65	12.12
	उत्पादन	12.28	12.35	15.52	15.92	27.80	28.27
अभितट	अंतिम	<b>153.62</b>	<b>157.70</b>	<b>152.76</b>	<b>155.83</b>	<b>306.38</b>	<b>313.53</b>
	प्रारंभिक	124.28	126.68	105.00	115.17	229.28	241.85
	वृद्धि	2.54	5.23	1.32	(4.88)	3.86	0.35
	उत्पादन	7.39	7.52	4.99	5.28	12.38	12.80
	परिवर्तन*	(0.59)	(0.11)	(0.46)	(0.01)	(1.05)	(0.12)
कुल	अंतिम	<b>118.84</b>	<b>124.28</b>	<b>100.87</b>	<b>105.00</b>	<b>219.71</b>	<b>229.28</b>
	प्रारंभिक	281.98	292.69	260.83	278.84	542.81	571.53
	वृद्धि	10.74	9.27	13.77	3.20	24.51	12.47
	उत्पादन	19.67	19.87	20.51	21.20	40.18	41.07
	परिवर्तन*	(0.59)	(0.11)	(0.46)	(0.01)	(1.05)	(0.12)
जीपीओसी, दक्षिण सूडान	अंतिम	<b>272.46</b>	<b>281.98</b>	<b>253.63</b>	<b>260.83</b>	<b>526.09</b>	<b>542.81</b>

भंडार के आकलन की प्रक्रिया के लिए टिप्पणी संख्या 5.2 (इ) देखें।

ख. भारत के बाहर

परियोजना	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) <sup>#</sup>	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
जीपीओसी, दक्षिण सूडान	प्रारंभिक	5.112	4.913	-	-	5.112	4.913
	वृद्धि	0.247	0.656	-	-	0.247	0.656
	कटौती/समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.583	0.457	-	-	0.583	0.457
	अंतिम	<b>4.776</b>	<b>5.112</b>	-	-	<b>4.776</b>	<b>5.112</b>



परियोजना	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
ब्लॉक ५ए, दक्षिण सूडान	प्रारंभिक	1.436	2.557	-	-	1.436	2.557
	वृद्धि	0.220	-	-	-	0.220	-
	कटौती/ समायोजन	(0.001)	1.063	-	-	(0.001)	1.063
	उत्पादन	0.076	0.058	-	-	0.076	0.058
	अंतिम	<b>1.581</b>	<b>1.436</b>	-	-	<b>1.581</b>	<b>1.436</b>
सखालिन-1, रूस	प्रारंभिक	30.275	31.081	55.298	55.908	85.573	86.989
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	1.684	0.806	0.701	0.610	2.385	1.416
	अंतिम	<b>28.591</b>	<b>30.275</b>	<b>54.597</b>	<b>55.298</b>	<b>83.188</b>	<b>85.573</b>
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	प्रारंभिक	0.008	0.010	0.512	1.195	0.520	1.205
	वृद्धि	0.006	0.003	0.774	0.005	0.780	0.008
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.003	0.005	0.418	0.688	0.421	0.693
	अंतिम	<b>0.011</b>	<b>0.008</b>	<b>0.868</b>	<b>0.512</b>	<b>0.879</b>	<b>0.520</b>
एएफपीसी, सीरिया	प्रारंभिक	-	-	-	-	-	-
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	-	-	-	-	-	-
बीसी-10, ब्राज़ील	प्रारंभिक	1.268	1.475	0.083	0.157	1.351	1.632
	वृद्धि	0.033	0.140	0.008	-	0.041	0.140
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	0.052	-	0.052
	उत्पादन	0.390	0.347	0.029	0.022	0.419	0.369
	अंतिम	<b>0.911</b>	<b>1.268</b>	<b>0.062</b>	<b>0.083</b>	<b>0.973</b>	<b>1.351</b>
एमईसीएल, कोलंबिया	प्रारंभिक	1.195	1.166	-	-	1.195	1.166
	वृद्धि	-	0.106	-	-	-	0.106
	कटौती/ समायोजन	0.063	-	-	-	0.063	-
	उत्पादन	0.086	0.077	-	-	0.086	0.077
	अंतिम	<b>1.046</b>	<b>1.195</b>	-	-	<b>1.046</b>	<b>1.195</b>

परियोजना	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
आईईसी, रूस	प्रारंभिक	20.776	20.945	2.527	2.643	23.303	23.588
	वृद्धि	-	-	0.158	0.002	0.158	0.002
	कटौती/ समायोजन	1.649	-	0.001	-	1.650	-
	उत्पादन	0.124	0.169	0.114	0.118	0.238	0.287
	अंतिम	<b>19.003</b>	<b>20.776</b>	<b>2.570</b>	<b>2.527</b>	<b>21.573</b>	<b>23.303</b>
पीआईवीएसए, वेनेजुएला	प्रारंभिक	0.978	1.031	-	-	0.978	1.031
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.075	0.053	-	-	0.075	0.053
	अंतिम	<b>0.903</b>	<b>0.978</b>	-	-	<b>0.903</b>	<b>0.978</b>
काराबोबो – 1, वेनेजुएला	प्रारंभिक	0.293	0.351	-	-	0.293	0.351
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.056	0.058	-	-	0.056	0.058
	अंतिम	<b>0.237</b>	<b>0.293</b>	-	-	<b>0.237</b>	<b>0.293</b>
ब्लॉक XXIV, सीरिया	प्रारंभिक	-	-	-	-	-	-
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	-	-	-	-	-	-
ब्लॉक-ए1 और ए3, म्यांमार	प्रारंभिक	-	-	5.766	6.717	5.766	6.717
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती/ समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	0.833	0.951	0.833	0.951
	अंतिम	-	-	<b>4.933</b>	<b>5.766</b>	<b>4.933</b>	<b>5.766</b>



परियोजना	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
एसीजी, अज़रबैजान	प्रारंभिक	5.528	6.843	-	-	5.528	6.843
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	0.098	0.856	-	-	0.098	0.856
	उत्पादन	0.400	0.459	-	-	0.400	0.459
	अंतिम	<b>5.030</b>	<b>5.528</b>	-	-	<b>5.030</b>	<b>5.528</b>
वांकोर, रूस	प्रारंभिक	35.709	37.917	11.615	12.810	47.324	50.727
	वृद्धि	-	0.255	0.154	0.141	0.154	0.396
	कटौती / समायोजन	0.412	-	-	-	0.412	-
	उत्पादन	2.317	2.463	1.138	1.336	3.455	3.799
	अंतिम	<b>32.980</b>	<b>35.709</b>	<b>10.631</b>	<b>11.615</b>	<b>43.611</b>	<b>47.324</b>
लोअर ज़कुम, अबू धाबी	प्रारंभिक	13.363	14.106	-	-	13.363	14.106
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	(0.001)	-	-	-	(0.001)	-
	उत्पादन	0.724	0.743	-	-	0.724	0.743
	अंतिम	<b>12.640</b>	<b>13.363</b>	-	-	<b>12.640</b>	<b>13.363</b>
सीपीओ 5	प्रारंभिक	2.125	2.283	-	-	2.125	2.283
	वृद्धि	0.743	0.496	-	-	0.743	0.496
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.654	0.654	-	-	0.654	0.654
	अंतिम	<b>2.214</b>	<b>2.125</b>	-	-	<b>2.214</b>	<b>2.125</b>
क्षेत्र-1, मोजाभिक	प्रारंभिक	-	-	70.225	70.225	70.225	70.225
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	-	-	<b>70.225</b>	<b>70.225</b>	<b>70.225</b>	<b>70.225</b>
कुल आरक्षित	प्रारंभिक	118.066	124.678	146.026	149.655	264.092	274.333
	वृद्धि	1.249	1.656	1.094	0.148	2.343	1.804
	कटौती / समायोजन	2.220	1.919	0.001	0.052	2.221	1.971
	उत्पादन	7.172	6.349	3.233	3.725	10.405	10.074
	अंतिम	<b>109.923</b>	<b>118.066</b>	<b>143.886</b>	<b>146.026</b>	<b>253.809</b>	<b>264.092</b>

59.2 भौगोलिक आधार पर सिद्ध विकसित भंडार में समूह का अंश निम्नानुसार है:

क. भारत में

विवरण	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
अपतट	प्रारंभिक	118.72	126.37	100.76	108.13	219.48	234.50
	वृद्धि	9.35	4.70	6.18	8.55	15.53	13.25
	उत्पादन	12.28	12.35	15.52	15.92	27.80	28.27
	अंतिम	<b>115.79</b>	<b>118.72</b>	<b>91.42</b>	<b>100.76</b>	<b>207.21</b>	<b>219.48</b>
अभितट	प्रारंभिक	57.58	62.82	37.06	39.35	94.64	102.17
	वृद्धि	7.26	2.39	3.87	2.99	11.13	5.38
	उत्पादन	7.39	7.52	4.99	5.28	12.38	12.80
	परिवर्तन'	(0.57)	(0.11)	(0.25)	(0.01)	(0.82)	(0.12)
	अंतिम	<b>56.88</b>	<b>57.58</b>	<b>35.69</b>	<b>37.05</b>	<b>92.57</b>	<b>94.63</b>
कुल	प्रारंभिक	176.30	189.19	137.82	147.48	314.12	336.67
	वृद्धि	16.61	7.09	10.05	11.54	26.66	18.63
	उत्पादन	19.67	19.87	20.51	21.20	40.18	41.07
	परिवर्तन'	(0.57)	(0.11)	(0.25)	(0.01)	(0.82)	(0.12)
	अंतिम	<b>172.67</b>	<b>176.30</b>	<b>127.11</b>	<b>137.81</b>	<b>299.78</b>	<b>314.11</b>

ख. भारत के बाहर

परियोजना	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
जीपीओसी, दक्षिण सूडान	प्रारंभिक	1.849	2.211	-	-	1.849	2.211
	वृद्धि	0.779	0.096	-	-	0.779	0.096
	कटौती/ समायोजन	-	0.001	-	-	-	0.001
	उत्पादन	0.583	0.457	-	-	0.583	0.457
	अंतिम	<b>2.045</b>	<b>1.849</b>	-	-	<b>2.045</b>	<b>1.849</b>
ब्लॉक 5 ए, दक्षिण सूडान	प्रारंभिक	0.877	1.486	-	-	0.877	1.486
	वृद्धि	0.221	-	-	-	0.221	-
	कटौती/ समायोजन	-	0.551	-	-	-	0.551
	उत्पादन	0.076	0.058	-	-	0.076	0.058
	अंतिम	<b>1.022</b>	<b>0.877</b>	-	-	<b>1.022</b>	<b>0.877</b>



परियोजना	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई) #	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
आईईसी, रूस	प्रारंभिक	10.688	11.494	7.280	7.890	17.968	19.384
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	1.684	0.806	0.701	0.610	2.385	1.416
	अंतिम	<b>9.004</b>	<b>10.688</b>	<b>6.579</b>	<b>7.280</b>	<b>15.583</b>	<b>17.968</b>
पीआईवीएसए, वेनेजुएला	प्रारंभिक	0.008	0.010	0.512	1.195	0.520	1.205
	वृद्धि	0.006	0.003	0.774	0.005	0.780	0.008
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.003	0.005	0.418	0.688	0.421	0.693
	अंतिम	<b>0.011</b>	<b>0.008</b>	<b>0.868</b>	<b>0.512</b>	<b>0.879</b>	<b>0.520</b>
काराबोबो – 1, वेनेजुएला	प्रारंभिक	-	-	-	-	-	-
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.390	-	0.029	-	0.419	-
	अंतिम	<b>(0.390)</b>	-	<b>(0.029)</b>	-	<b>(0.419)</b>	-
ब्लॉक XXIV, सीरिया	प्रारंभिक	1.211	1.391	0.080	0.153	1.291	1.544
	वृद्धि	0.090	0.167	0.011	-	0.101	0.167
	कटौती / समायोजन	-	-	-	0.051	-	0.051
	उत्पादन	0.390	0.347	0.029	0.022	0.419	0.369
	अंतिम	<b>0.911</b>	<b>1.211</b>	<b>0.062</b>	<b>0.080</b>	<b>0.973</b>	<b>1.291</b>
ब्लॉक-ए1 और ए3, म्यांमार	प्रारंभिक	0.462	0.445	-	-	0.462	0.445
	वृद्धि	0.223	0.094	-	-	0.223	0.094
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.086	0.077	-	-	0.086	0.077
	अंतिम	<b>0.599</b>	<b>0.462</b>	-	-	<b>0.599</b>	<b>0.462</b>

परियोजना	व्यौरा	कच्चा तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई#)	
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
एसीजी, अज़रबैजान	प्रारंभिक	2.804	3.263	-	-	2.804	3.263
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.400	0.459	-	-	0.400	0.459
	अंतिम	<b>2.404</b>	<b>2.804</b>	-	-	<b>2.404</b>	<b>2.804</b>
वैंकोर, रूस	प्रारंभिक	12.121	14.584	10.678	10.626	22.799	25.210
	वृद्धि	-	-	0.227	1.388	0.227	1.388
	कटौती / समायोजन	-	-	0.001	-	0.001	-
	उत्पादन	2.317	2.463	1.138	1.336	3.455	3.799
	अंतिम	<b>9.804</b>	<b>12.121</b>	<b>9.766</b>	<b>10.678</b>	<b>19.570</b>	<b>22.799</b>
लोअर ज़ाकुम, अबू धाबी	प्रारंभिक	8.577	9.320	-	-	8.577	9.320
	वृद्धि	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	(0.001)	-	-	-	(0.001)	-
	उत्पादन	0.724	0.743	-	-	0.724	0.743
	अंतिम	<b>7.854</b>	<b>8.577</b>	-	-	<b>7.854</b>	<b>8.577</b>
सीपीओ 5 कोलंबिया	प्रारंभिक	1.438	2.283	-	-	1.438	2.283
	वृद्धि	1.430	-	-	-	1.430	-
	कटौती / समायोजन	-	0.191	-	-	-	0.191
	उत्पादन	0.654	0.654	-	-	0.654	0.654
	अंतिम	<b>2.214</b>	<b>1.438</b>	-	-	<b>2.214</b>	<b>1.438</b>
कुल भंडार	प्रारंभिक	47.237	53.913	21.132	21.596	68.369	75.509
	वृद्धि	2.749	0.416	2.331	3.313	5.080	3.729
	कटौती / समायोजन	0.597	0.743	0.002	0.052	0.599	0.795
	उत्पादन	7.562	6.349	3.262	3.725	10.824	10.074
	अंतिम	<b>41.827</b>	<b>47.237</b>	<b>20.199</b>	<b>21.132</b>	<b>62.026</b>	<b>68.369</b>

\*एमएल के अंतर्गत आने वाले अनुमान जिनकी वैधता समाप्त हो गई थी, उन्हें रिजर्व बुक से हटा दिया गया। ^सहायक कंपनी ओपीएल के संबंध में, कच्चे तेल में कंडेनसेट शामिल हैं।

#एमएमटीओई# "मिलियन मीट्रिक टन तेल समतुल्य" को दर्शाता है और गैस के तेल समतुल्य की गणना के लिए, 1000 एम3 गैस को 1 मीट्रिक टन कच्चे तेल के बराबर माना गया है।



कुल में भिन्नता, यदि कोई हो, आंतरिक योग और पूर्णाकन के कारण है। कंपनी के संबंध में, कच्चे तेल के उत्पादन में कूप शीर्ष कंडेनसेट शामिल है।

#### **सहायक कंपनी ओवीएल के संबंध में**

कंपनी ने 1 अप्रैल, 2019 तक अपने भंडार का पीआरएमएस आधार पर ॲडिट करने के लिए मेसर्स डीगोलियर एंड मैकनॉटन (डीएंडएम) को नियुक्त किया। डीएंडएम ने कंपनी के 90% से अधिक के भंडार आधार का संपरीक्षण किया और सितंबर 2020 में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। 01.04.2021 तक भंडार को मंजूरी देते समय आगर आकलन समिति द्वारा उपरोक्त संपरीक्षा रिपोर्ट के सभी पहलुओं पर विचार किया गया।

चालू वर्ष में, सीपीओ-5, कोलंबिया ब्लॉक के तहत सीपीएच क्षेत्र में दो कूपों से संबंधित 0.006 एमएमटी का परीक्षण उत्पादन शामिल नहीं किया गया है। इसके लिए भंडार का आकलन अभी किया जाना है।

**60.** सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, कंपनी मंगलोर में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में भी काम करती है, तदनुसार जीएसटी, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, सेवा कर, मूल्य वर्धित कर, प्रवेश कर आदि से छूट जैसे कुछ आर्थिक लाभों के लिए पात्र है, जो सरकारी सहायता की प्रकृति के हैं। ये लाभ कंपनी द्वारा कुछ दायित्वों की पूर्ति के अधीन हैं।

**61.** सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान निगमित मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अपने आदेश संख्या 24/3/2021-सीएल- III दिनांक 14 अप्रैल, 2022 के माध्यम से अनुमोदित समामेलन योजना ('योजना') के अनुसार, पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएनजीसी मंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल) का कंपनी के साथ मानव संसाधन (एचआर) एकीकरण 1 मई, 2022 (योजना की प्रभावी तिथि) से किया जाता है।

इसके बाद, पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएमपीएल के प्रबंधन ग्रेड कर्मचारियों ने अपने वेतन और ग्रेड निर्धारण के संबंध में माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष मामला प्रस्तुत किया और वाद विचाराधीन है।

इसके अलावा, पूर्ववर्ती सहायक कंपनी ओएमपीएल के गैर-प्रबंधन कर्मचारियों के संबंध में समझौता ज्ञापन पर बातचीत चल रही है

और अभी तक इसे पूरा नहीं किया गया है। समझौते के कारण वित्तीय निहितार्थ के लिए अनुमानित आधार पर आवश्यक प्रावधान लेखा—बही में विधिवत रूप से विचार किया गया है।

**62** ओवीएल समूह ने यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए विशेष अभियानों, कई देशों द्वारा रूस पर लगाए गए विभिन्न प्रतिबंधों और इसके संबंध में रूसी सरकार के आदेशों के परिणामस्वरूप होने वाले संभावित प्रभावों पर विचार किया है। समूह ने रूस में अपने प्रचालन/परिसंपत्तियों अर्थात् सखालिन-1 (संयुक्त व्यवस्था - 20% हिस्सेदारी), वानकोर्नफट (सहयोगी - 26% हिस्सेदारी) और इंपीरियल एनर्जी (पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) पर इन घटनाओं के प्रभाव का आकलन इस प्रकार किया है:

#### **सखालिन-1:**

कंपनी ने जुलाई 2001 में उत्पादन साझाकरण समझौते (पी एसए) के माध्यम से रूस के सुदूर-पूर्वी अपतटीय क्षेत्र में स्थित सखालिन-1 (एस-1) परियोजना में 20% भागीदारी हित (पी आई) प्राप्त किया। एक्सॉन मोबिल की एक अमेरिकी प्रमुख सहायक कंपनी एक्सॉन नेफ्टगैस लिमिटेड (ईएनएल) इस परियोजना की संचालक थी। कंपनी ने संयुक्त प्रचालन के लिए आनुपातिक समैक्य के आधार पर संयुक्त प्रचालक के रूप में परियोजना में अपनी 20% भागीदारी हित (पीआई) का हिस्साब रखा। पीएसए, संयुक्त परिचालन समझौते और क्रूड-ऑफटेक समझौते के अनुरूप, कंपनी अपने पीआई के अनुपात में तेल और गैस उठाने और बेचने और अपने दायित्वों का निर्वहन करने की हकदार थी। फरवरी, 2022 से यूक्रेन में रूस द्वारा चलाए गए विशेष अभियानों के कारण, रूस पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों सहित विभिन्न प्रतिबंध लगाए गए, जिससे डी-कास्ट्री टर्मिनल से कच्चे तेल की निकासी और एस-1 परियोजना से उत्पादन बाधित हुआ। इसके बाद, प्रचालक ईएनएल ने अप्रैल 2022 में फोर्स मैज्योर (एफ एम) घोषित किया।

7 अक्टूबर, 2022 को, रूसी संघ के राष्ट्रपति ने पीएसएके तहत एस-1 कंसोर्टियम के सभी अधिकारों और दायित्वों को एक नई रूसी सीमित देयता कंपनी को हस्तांतरित करने के लिए एक डिक्री (राष्ट्रपति डिक्री संख्या 723) जारी की। इसके अलावा, रूसी संघ की सरकार ने 12 अक्टूबर, 2022 को एक संकल्प (संकल्प संख्या 1808) अधिसूचित किया, जिसमें बताया गया कि पीएसएके तहत कंसोर्टियम के सभी अधिकार और दायित्व

एक नई कंपनी सखालिन-1 सीमित देयता कंपनी (सखालिन-1 एल एलसी) को हस्तांतरित किए जाएंगे। रूसी संघ की सरकार द्वारा स्थापित सखालिन-1 एल एलसी को 14 अक्टूबर, 2022 को युज्नो-सखालिस्क, रूस में पंजीकृत किया गया था और पीएसएमै मौजूदा विदेशी पक्षों को पीएसएके तहत अपने PI के अनुपात में सखालिन-1 3 एलएलसी की चार्टर पूँजी में शेयरों का स्वामित्व लेने के लिए अपनी सहमति देनी आवश्यक थी।

कंपनी ने राष्ट्रपति के आदेश के अनुपालन में, 8 नवंबर, 2022 को रूसी संघ की सरकार को पीएसए के तहत अपने पीआई के अनुपात में सखालिन-1 एलएलसी की चार्टर पूँजी में 20% शेयरों का स्वामित्व लेने के लिए अपनी सहमति की सूचना दी। रूसी संघ की सरकार ने 9 नवंबर, 2022 के आदेश के तहत कंपनी को सखालिन-1 एलएलसी की चार्टर पूँजी (आरयूआर 10,000 का नाममात्र मूल्य) में 20% का आनुपातिक हिस्सा दिया। अनुदान एस-1 परियोजना से संबंधित मौजूदा संचित परित्याग निधि में कंपनी के हिस्से के हस्तांतरण के साथ शर्तबद्ध था।

कंपनी को 5 और 6 अप्रैल, 2023 को विदेशी पार्टी प्रशासक से संचित परित्याग निधि का अपना हिस्सा प्राप्त हुआ है। कंपनी पूर्व शर्त को पूरा करने के लिए सखालिन-1 एलएलसी को परित्याग निधि के अपने हिस्से के हस्तांतरण को पूरा करने की प्रक्रिया में है। रूसी बैंकों पर प्रतिबंधों के कारण, कंपनी रूसी संघ की सरकार और सखालिन-1 एल एलसी के साथ बातचीत कर रही है ताकि पूर्व शर्त को पूरा करने के लिए परित्याग निधि को स्थानांतरित करने के संभावित विकल्पों की पहचान की जा सके। उपरोक्त निधि पर अर्जित ब्याज और उस पर टीडीएस सखालिन-1 एलएलसी को देय है। 31 मार्च, 2024 तक, 630.64 मिलियन अमेरिकी डॉलर ( $\$52,570.31$  मिलियन) की राशि, जो अर्जित ब्याज पर टीडीएस की कटौती के बाद की राशि है, कंपनी द्वारा सखालिन-1 एलएलसी की ओर से भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से खोले गए एक विशेष प्रयोजन बैंक खाते में रखी गई है। लेन-देन के सार को देखते हुए, परित्याग निधि देयता की राशि को सखालिन-1 एलएलसी की ओर से कंपनी द्वारा रखी गई संबंधित परित्याग परिसंपत्तियों के साथ ऑफसेट किया गया है।

चूंकि पीएसए के तहत कंसोर्टियम भागीदारों के अधिकार और दायित्व सखालिन 1 एलएलसी को हस्तांतरित कर दिए गए हैं, इसलिए कंपनी अब संक्रमण अवधि के लिए एस-1 परियोजना

से संबंधित परिसंपत्तियों और देनदारियों के अपने आनुपातिक हिस्से का हिसाब नहीं दे पाएगी। इसलिए कंपनी ने शुद्ध परिसंपत्तियों के आधार पर इसका हिसाब लगाया है (यानी, सखालिन-1 परियोजना से संबंधित देयताओं के शुद्ध परिसंपत्तियों के बहन मूल्य, जिसका पहले कंपनी द्वारा आनुपातिक समेकन के आधार पर हिसाब लगाया गया था) और ₹143,243.91 मिलियन (31 मार्च, 2024 तक ₹145,071.22 मिलियन) को 14 अक्टूबर, 2022 से प्रभावी "सखालिन-1 एलएलसी की इकिवटी में आनुपातिक स्वामित्व हित के लिए लंबित निवेश" में स्थानांतरित कर दिया गया है (टिप्पणी संख्या 14.1.11 देखें)। कंपनी व्यवस्था को अंतिम रूप देने पर एस-1 परियोजना के लिए लेखांकन संव्यवहार पर फिर से विचार करेगी।

वित्त वर्ष 23 के वित्तीय विवरण में 1 अप्रैल, 2022 से 13 अक्टूबर, 2022 की अवधि के दौरान तेल और गैस के उत्पादन में हिस्सेदारी के आधार पर एस-1 परियोजना से संबंधित 13 अक्टूबर, 2022 तक तेल और गैस परिसंपत्तियों की कमी प्रदान की गई है। निगमन के बाद, 14 अक्टूबर, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 की अवधि के लिए सखालिन-1 एलएलसी के मसौदा वित्तीय विवरण प्राप्त हुए हैं। उपरोक्त के आधार पर, कंपनी ने 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 की अवधि के लिए सखालिन-1 एलएलसी की लाभप्रदता का अनुमान लगाया है। एस-1 एलएलसी से प्राप्त 14 अक्टूबर, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 की अवधि के लिए अंतरिम लाभ एवं हानि विवरण कंपनी की लेखा नीतियों, अनुमानों और भारतीय लेखांकन मानक 28—सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश के अनुरूप समायोजन के अनुरूप तैयार किया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कंपनी ने ईएनएल (पूर्ववर्ती सखालिन-1 परियोजना के भागीदारों में से एक) के परित्याग वित्तपोषण, प्रतिबंधित नकदी के हिस्से के लिए 925.74 मिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रावधान में अपने हिस्से (20%) का मूल्यांकन किया और निष्कर्ष निकाला कि यह प्रावधान कंपनी का दायित्व नहीं है, जो देयता के सार के साथ—साथ बाहरी कानूनी फर्म से इस मुद्दे पर प्राप्त कानूनी राय पर आधारित है।

हालांकि, कंपनी को 1 जनवरी, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि के लिए वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके अलावा, 31 मार्च, 2024 तक परियोजना से क्षेत्र प्रचालन, उत्पादन सारांश, कूपों का सारांश, ड्रिलिंग और कच्चे तेल के परिवहन संचालन के बारे में सीमित जानकारी प्राप्त हुई है। उपरोक्त के आधार



पर, कंपनी ने वित्त वर्ष 24 के लिए सखालिन-1 एलएलसी की लाभप्रदता का अनुमान लगाया है। अनुमान उक्त अवधि के लिए प्रचालन लाभ को दर्शाता है, हालांकि, विवेक के तौर पर कंपनी द्वारा लाभ के अनुमानित हिस्से का हिस्साब नहीं लगाया गया है क्योंकि सखालिन-1 एलएलसी के शेयर अभी तक आवंटित नहीं किए गए हैं।

#### जेएससी वैंकोरनेफ्ट:

जेएससी वैंकोरनेफ्ट के मामले में, क्षेत्र से उत्पादन व्यवसाय योजना के अनुसार जारी है। समूह ने हानि सूचक का अवलोकन किया तथा 31 मार्च, 2024 तक परियोजना के लिए हानि मूल्यांकन किया। हानि मूल्यांकन के आधार पर, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कोई हानि प्रावधान मान्यता प्राप्त नहीं है। परियोजना एक इकिवटी-लेखा इकाई होने के कारण, समूह लाभांश का हकदार है। कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही तक लाभांश प्राप्त हो चुके हैं। जेएससी वैंकोरनेफ्ट से 16.08 बिलियन रुबल ( $\text{₹}14,512.92$  मिलियन) का लाभांश कर्मशियल इंडो बैंक एलएलसीमॉस्को, रूस में पड़ा हुआ है। प्राप्त उक्त लाभांश का प्रत्यावर्तन वर्तमान में प्रतिबंधों के अधीन है। इस प्रकार, यह राशि समूह द्वारा केवल प्राप्ति के देश और मुद्रा में उपयोग के लिए उपलब्ध है।

#### इंपीरियल एनर्जी:

इंपीरियल एनर्जी का प्रचालन व्यवसाय योजना के अनुसार जारी है, सिवाय प्रचलित छूट के कारण कच्चे तेल की बिक्री की कीमत प्रभावित होने के। कंपनी ने हानि सूचक देखा और 31 मार्च, 2024 तक परियोजना के लिए हानि मूल्यांकन किया। हानि मूल्यांकन के आधार पर, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कोई हानि प्रावधान मान्यता प्राप्त नहीं किया गया है।

63

सहायक ओएनजीसी नील गंगा बीवी (ओएनजीबीवी) के संबंध में, पिछले वर्ष (वर्षों) के दौरान, सूडान में सूडान कच्चे तेल परिवहन प्रणाली (एससीओटीएस) गतिविधियों से संबंधित सभी गतिविधियाँ 2014 से प्रभावी रूप से बंद हो गई और सूडान सरकार द्वारा ईपीएसए की समयपूर्व समाप्ति के कारण सूडान में सभी अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियाँ 31 अगस्त, 2019 से प्रभावी रूप से बंद हो गईं। हालांकि, 15 अप्रैल, 1997 के संयुक्त परिचालन समझौते के अनुच्छेद II के खंड 2.3 'निरंतर अधिकार और दायित्व' के अनुसार, यह कहा गया है कि समाप्ति पर, पक्षकार ऐसी

समाप्ति को प्रभावी करने के लिए आवश्यक किसी भी और सभी दस्तावेजों को निष्पादित करेंगे और ऐसी समाप्ति तिथि से पहले अर्जित किसी भी दायित्व और देनदारियों के लिए अपने संबंधित भागीदारी हित शेयरों के अनुपात में बाध्य बने रहेंगे; जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं:

- (क) प्रचालन के संचालन के दौरान प्रचालक द्वारा वहन किए गए बकाया दायित्व या देनदारियां; और
- (ख) संचालन को समाप्त करने में प्रचालक द्वारा किए गए व्यय।
- तदनुसार, कंपनी को 31 मार्च, 2024 तक संयुक्त प्रचालन की सभी परिसंपत्तियों और देयताओं का 25% शामिल करना आवश्यक है, जब तक कि जीएनपीओसी का परिसमापन पूरा नहीं हो जाता। वर्तमान में कंपनी ने संयुक्त प्रचालक (जीएनपीओसी) से प्राप्त संयुक्त व्याज बिलिंग के आधार पर परिसंपत्तियों और देयताओं में 25% का हिस्सा शामिल किया है और कंपनी और प्रचालक के बीच लेखों का अंतिम निपटान 31 मार्च, 2023 तक बकाया है। तदनुसार, कंपनी ने 20.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर की प्राप्त राशि बुक की है। प्रबंधन का मानना है कि प्रचालक के साथ अंतिम निपटान का प्रभाव और कंपनी पर किसी भी अन्य व्यय या देयता के हस्तांतरण की संभावना, भौतिक नहीं होगी। ऐसे सुलह के लंबित परिणाम, वित्तीय विवरणों में कोई समायोजन नहीं किया गया है।

64

18 मई, 2023 को समाप्त होने वाले ब्लॉक 06.1, वियतनाम का उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) मेजबान सरकार की मंजूरी के बाद 19 मई, 2023 से 16 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। विस्तारित पीएससी को दो चरणों में बांटा गया है, 19 मई, 2023 से 31 दिसंबर, 2024 तक चरण 1 विस्तार में मौजूदा गैस क्षेत्रों से उत्पादन और अन्वेषण गतिविधियां शामिल हैं। चरण 2 विस्तार में 1 जनवरी, 2025 से 31 दिसंबर 2027 तक आकस्मिक अन्वेषण अवधि शामिल है। चरण 1 विस्तार की अन्वेषण अवधि के लिए स्थानीय कानूनों द्वारा अपेक्षित आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने पर अन्वेषण/मूल्यांकन कूप के वेधन की आवश्यकता होती है। 19 मई, 2023 से चरण 1 विस्तार के लिए न्यूनतम 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर (ओएनजीसी विदेश का हिस्सा 4.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के कार्य कार्यक्रम के लिए भविष्य की प्रतिबद्धता उसके बाद कार्य निष्पादन के लिए अनुमोदन प्राप्त होने पर उत्पन्न हो सकती है। हालांकि, चरण 1 अन्वेषण/आकलन वेधन

के लिए वियतनाम सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

**65** म्यांमार के अन्वेषण ब्लॉक ईपी-3 के संबंध में प्रारंभिक अन्वेषण अवधि (आईईपी) 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त हो गई है। कंपनी ने भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और अन्य वेधन पूर्व गतिविधियाँ की हैं, लेकिन क्षेत्र में रसद संबंधी मुद्दों के कारण, अन्वेषण कूपों के वेधन में देरी हुई। कंपनी ने आईईपी के विस्तार के लिए अनुरोध किया और म्यांमार के नियामक प्राधिकरण म्यांमार ॲयल एंड गैस एंटरप्राइज (एमओजीई) ने 30 जून, 2024 तक प्रदर्शन बैंक गारंटी के प्रावधान के अधीन 1 जनवरी, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 तक आईईपी बढ़ा दी। एमओजीई पर मंजूरी के मुद्दों को देखते हुए, कंपनी अन्वेषण ब्लॉक ईपी-3 के लिए 8 अगस्त, 2014 को उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी) के अनुसार 30 जून, 2024 के भीतर विस्तार की शर्त का अनुपालन करने के लिए एमओजीई के साथ चर्चा सहित आवश्यक कार्रवाई कर रही है। पीएससी के अनुसार संबंधित शेष न्यूनतम व्यय प्रतिबद्धता 31 मार्च, 2024 तक 14.50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर ₹1,208.72 मिलियन के बराबर है, जिसमें वहन राशि भी शामिल है, जिसका खुलासा टिप्पणी संख्या 58.3.2 (क) के तहत किया गया है।

**66** अन्वेषण ब्लॉक बी-2, म्यांमार के संबंध में प्रारंभिक अन्वेषण अवधि (आईईपी) 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त हो गई है। कंपनी ने भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और अन्य पूर्व वेधन गतिविधियाँ की हैं, लेकिन क्षेत्र में सुरक्षा और रसद मुद्दों के कारण, अन्वेषण कूपों के वेधन में देरी हुई। कंपनी ने आईईपी के विस्तार के लिए अनुरोध किया और म्यांमार ॲयल एंड गैस एंटरप्राइज (एमओजीई), म्यांमार की नियामक प्राधिकरण ने आईईपी को 1 जनवरी, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया। ओवीएल को 30 जून, 2024 तक प्रदर्शन बैंक गारंटी प्रदान करनी है। एमओजीई पर मंजूरी के मुद्दों को देखते हुए, कंपनी 30 जून, 2024 के भीतर एमओजीई के साथ चर्चा सहित आवश्यक कार्रवाई कर रही है। पीएससी के अनुसार संबंधित शेष न्यूनतम वित्तीय प्रतिबद्धता 31 मार्च, 2024 तक वहन की गई राशि सहित 21.80 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर ₹1,817.25 मिलियन के बराबर है, जिसका खुलासा टिप्पणी संख्या 58.3.2 (क) के तहत किया गया है।

**67** कंपनी के पास गैर-प्रचालित परियोजना ब्लॉक एसीजी, अजरबैजान में 2.31% भागीदारी हित (पीआई) है कंपनी का बाकू, अजरबैजान में एक शाखा कार्यालय है। 11 मार्च, 2024 को, कर अपराधों की प्रारंभिक जांच के लिए विभाग, अजरबैजान, बाकू, अजरबैजान में

ओ वी एल के देश कार्यालय में आया और तलाशी और जब्ती के लिए एक अदालती फैसला पढ़ा। कर अधिकारियों ने तलाशी और जब्ती की और शाखा कार्यालय से दस्तावेज, कंप्यूटर, हार्ड ड्राइव जब्त किए। हालाँकि, न तो अदालत के फैसले की प्रति और न ही तलाशी और जब्ती के लिए कोई अन्य औपचारिक अदालती आदेश तथ्यात्मक स्थिति की पुष्टि करने के लिए शाखा कार्यालय को जारी किया गया है। राज्य कर सेवाओं ने वर्ष 2021, 2022 और 2023 के लिए आउट-ऑफ-टर्न असाधारण कर ऑडिट करने का आदेश जारी किया है। परियोजना एसीजी और बीटीसी पाइपलाइन का संचालन सामान्य रूप से जारी है। अजरबैजान में इसके संचालन के लिए कर अनुपालन सहित समय पर अनुपालन के लिए शाखा कार्यालय द्वारा सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कंपनी स्थिति के उपयुक्त समाधान की उम्मीद करती है और अजरबैजान में अपने संचालन के लिए किसी भी बड़ी चुनौती की उम्मीद नहीं करती है।

**68** संयुक्त उद्यम ओपीएएल के संबंध में, कंपनी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कर के बाद ₹34,557 मिलियन (31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए ₹41,544 मिलियन) का शुद्ध घाटा उठाया है और 31 मार्च, 2024 तक संचयी घाटा ₹167,625 मिलियन तक पहुँच गया है। 31 मार्च, 2024 तक ₹105,130 मिलियन (31 मार्च, 2023 को ₹70,750 मिलियन) की ऋणात्मक कार्यशील पूँजी है। दीर्घकालिक ऋणों के निर्धारित पुनर्भुगतान के आधार पर इन वित्तीय विवरणों की तिथि से 12 महीनों के भीतर ₹54,027 मिलियन का पुनर्भुगतान किया जाना है।

प्रबंधन ने परिचालन स्थितियों और संकेतकों का आकलन किया है और इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि कोई भी भौतिक अनिश्चितता मौजूद नहीं है जो कंपनी की चालू चिता के रूप में जारी रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है।

कंपनी मार्जिन में सुधार के लिए अपने परिचालन की लगातार समीक्षा कर रही है। इसने निम्नलिखित उपाय किए हैं जिससे लाभप्रदता में सुधार होगा:

I. **पूँजी संरचना में संशोधन के माध्यम से ऋण और ब्याज में कमी के प्रयास**

ओएनजीसी (संयुक्त भागीदार) ने ओपीएएल के पूँजी पुनर्गठन के कार्यान्वयन के लिए पहल की है और 1 सितंबर, 2023 को आयोजित अपनी बोर्ड बैठक में भारत सरकार और शेयरधारक



अनुमोदन के अधीन इस विषय पर विस्तृत योजना के साथ अपनी सहमति प्रस्तुत की है: -

- क) प्रति वारंट ₹0.25 की दर से ₹862.81 मिलियन के अंतिम भुगतान पर कंपनी द्वारा जारी किए गए और ओएनजीसी द्वारा सब्सक्राइब किए गए शेयर वारंट का इक्विटी शेयरों में रुपांतरण।
- ख) ओएनजीसी द्वारा ₹77,780 मिलियन के अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) को वापस खरीदना और उसे इक्विटी में परिवर्तित करना।
- ग) कंपनी की इक्विटी/अर्ध इक्विटी सुरक्षा में ओएनजीसी द्वारा ₹105,010 मिलियन का अतिरिक्त निवेश।
- घ) उपरोक्त के कार्यान्वयन पर, कंपनी ओएनजीसी की सहायक कंपनी बन जाएगी।
- ङ) कंपनी इन निधियों का उपयोग उच्च लागत वाले ऋणों के भुगतान के लिए करने की योजना बना रही है।

उपर्युक्त के आधार पर, निधि की कुल प्राप्ति ₹105,872.81 मिलियन होने की उम्मीद है जिसका उपयोग ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए किया जाएगा। प्रबंधन को उम्मीद है कि उपरोक्त सभी प्रस्तावों को मंजूरी मिलने पर कंपनी का कायाकल्प हो जाएगा।

## II एसईजेड क्षेत्र से बाहर निकलना

सीमा शुल्क प्राधिकरण द्वारा प्रविष्टियों के बिल का मूल्यांकन प्रगति पर है और जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, दहेज एसईजेड लिमिटेड द्वारा अधिसूचना रद्द करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके आधार पर, कंपनी को एसईजेड से बाहर निकलने के लिए अंतिम मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिससे घरेलू टैरिफ़ क्षेत्र में बिक्री से शुद्ध लाभ में सुधार होगा।

## III. फीड और गैस की कीमतों में अपेक्षित कमी

कंपनी फीड स्टॉक की दीर्घकालिक सोर्सिंग के लिए विकल्प तलाश रही है, जिससे कंपनी को मार्जिन में सुधार करने में मदद मिल सकती है और सी<sub>2</sub> के मौजूदा प्रसस्करण शुल्क के लिए बातचीत की भी योजना बनाई गई है और इससे मार्जिन में सुधार होगा।

## IV. उत्पाद मिश्रण का अनुकूलन

कंपनी शुद्ध मार्जिन में सुधार के लिए उत्पाद मिश्रण के अनुकूलन की लगातार समीक्षा कर रही है।

योजनाओं के आधार पर, प्रबंधन ने कंपनी की चालू चिंता के रूप में जारी रहने की क्षमता पर निष्कर्ष निकाला है और उसी आधार पर वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

## 69 कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के तहत हटाई गई कंपनियों के साथ संबंधों पर प्रकटीकरण:

कंपनी के संबंध में

### i. विक्रेताओं और ग्राहकों का विवरण (31 मार्च, 2024 तक हटाई गई कंपनियों)

(₹ मिलियन में)

कंपनी का नाम	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	वर्ष 31 मार्च, 2024 के दौरान लेन-देन	31 मार्च, 2024 तक बकाया शेष राशि	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
वंडरफुल ग्रीनवे एंटरप्राइजेज	प्राप्त	-*	-*	विक्रेता
सेरडिया फार्मास्यूटिकल्स	देय	-	-*	विक्रेता
हिंदुस्तान रिलोकेटर प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त	-*	-*	विक्रेता
सीसीएंडएल हंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	2.02	ग्राहक
एमराल्ड पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	-*	ग्राहक
साई रेफीनरी प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	-*	ग्राहक

\*₹ 1 मिलियन से कम।

## ii. विक्रेताओं और ग्राहकों का विवरण (31 मार्च, 2024 तक हटाई गई कंपनियां)

(₹ मिलियन में)

कंपनी का नाम	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	वर्ष 31 मार्च, 2023 के दौरान लेन-देन	31 मार्च, 2023 तक बकाया शेष राशि	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
बायोनिच लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	देय	-*	-	विक्रेता
सेफिया फार्मास्यूटिकल्स	देय	-	-*	विक्रेता
अंबरीश बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड	देय	-*	-	विक्रेता
हिंदुस्तान रिलोकेटर प्राइवेट लिमिटेड	देय	-*	-	विक्रेता
प्लेनेट 3 स्टूडियो आर्किटेक्चर प्राइवेट लिमिटेड#	देय	-	-*	विक्रेता
मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इंडिया लिमिटेड	देय	-*	-	विक्रेता
सीसीएंडएल इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	2.02	ग्राहक
कुसालावा पॉवर प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त	-*	-	ग्राहक
पोन प्योर केम प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त	-*	-	ग्राहक
एमराल्ड पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त	-	-*	ग्राहक
साई रेफिक्रेम प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त	-	-*	ग्राहक

\*₹1 मिलियन से कम।

#मेसर्स प्लैनेट 3 स्टूडियो आर्किटेक्चर प्राइवेट लिमिटेड 31.03.2023 तक हटाई गई कंपनियों की सूची में दिखाई दे रही थी, हालांकि 31.03.2024 तक स्थिति सक्रिय है।

## iii. शेयरधारकों का विवरण (31 मार्च, 2024 तक हटाई गई कंपनियां)

कंपनी का नाम	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 तक शेयरों की संख्या	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
सेंचुरी मार्बल्स एंड ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	12,500	शेयरधारक
एस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	5,000	शेयरधारक
विक्टर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	3,808	शेयरधारक
इकरिया इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	1,000	शेयरधारक
मैसकॉन ग्लोबल लिमिटेड	शेयर धारिता	900	शेयरधारक
हिमात्सु बिमेट लिमिटेड	शेयर धारिता	630	शेयरधारक
हेमलता इच्चेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	600	शेयरधारक
विक्रम टेक्सटाइल्स लिमिटेड	शेयर धारिता	450	शेयरधारक
अभय कैरियर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	383	शेयरधारक
फायदा पोर्टफोलियो प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	300	शेयरधारक
रजत फाइनेशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	300	शेयरधारक
वॉयजर2 इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	300	शेयरधारक
सुविरोन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	277	शेयरधारक
केशन ग्रेनाइट एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	180	शेयरधारक
रियल वर्ल्ड बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	180	शेयरधारक



कंपनी का नाम	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31 मार्च, 2024 तक शेयरों की संख्या	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
श्री महाबीर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	180	शेयरधारक
आर्किटेक्चरल ग्लास प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	150	शेयरधारक
जीएनके इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	114	शेयरधारक
फेयरट्रेड सिक्योरिटीज लिमिटेड	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
यूनिकॉन फिनकैप प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	78	शेयरधारक
उत्सव लीजिंग एंड फिनस्टॉक लिमिटेड	शेयर धारिता	72	शेयरधारक
श्रीजी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	60	शेयरधारक
कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	शेयर धारिता	21	शेयरधारक
ग्लोबअर्थ ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	20	शेयरधारक
शिबिर इंडिया लिमिटेड	शेयर धारिता	8	शेयरधारक
झीम्स कॉम्प्रेड प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	4	शेयरधारक
मधूर शेयर ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	3	शेयरधारक

#### iv. शेयरधारकों का विवरण (31 मार्च 2023 तक हटाई गई कंपनियाँ)

कंपनी का नाम	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31 मार्च, 2023 तक शेयरों की संख्या	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
यूनिकॉन फिनकैप प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	10,495	शेयरधारक
संचुरी मार्बल्स एंड ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	10,000	शेयरधारक
हेमलता इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	5,350	शेयरधारक
एस्ट्रल ऑटो पार्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	5,000	शेयरधारक
विक्टर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	3,808	शेयरधारक
इकरिया इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	1,000	शेयरधारक
मैसकॉन ग्लोबल लिमिटेड	शेयर धारिता	900	शेयरधारक
हिमात्सु बिमेट लिमिटेड	शेयर धारिता	630	शेयरधारक
विक्रम टेक्सटाइल्स लिमिटेड	शेयर धारिता	450	शेयरधारक
फायदा पोर्टफोलियो प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	300	शेयरधारक
रजत फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	300	शेयरधारक
वॉयजर2 इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	300	शेयरधारक
सुविरोन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	277	शेयरधारक
किशन ग्रेनाइट एक्सपोटर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	180	शेयरधारक
रियल वर्ल्ड बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	180	शेयरधारक
श्री महाबीर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	180	शेयरधारक
आर्किटेक्चरल ग्लास प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	150	शेयरधारक
जीएनके इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	114	शेयरधारक

कंपनी का नाम	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31 मार्च, 2023 तक शेयरों की संख्या	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
फैयरड्रेड सिक्योरिटीज लिमिटेड	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
उत्सव लीजिंग एंड फिनस्टॉक लिमिटेड	शेयर धारिता	72	शेयरधारक
श्रीजी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	60	शेयरधारक
अभय कैरियर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	43	शेयरधारक
कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	शेयर धारिता	21	शेयरधारक
ग्लोबअर्थ ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	20	शेयरधारक
शिविर इंडिया लिमिटेड	शेयर धारिता	8	शेयरधारक
झीम्स कॉम्प्रेड प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड	शेयर धारिता	4	शेयरधारक
मयूर शेयर ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड	शेयर धारिता	3	शेयरधारक

### सहायक कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

(i) विक्रेताओं और ग्राहकों का विवरण (31.03.2024 तक हटाई गई कंपनियां):

(₹ मिलियन में)

हटाई गई कंपनी का नाम	सीआईएन	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31.03.2024 तक बकाया शेष	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
31.03.2024 तक कोई कंपनी नहीं हटाई गई				

(ii) विक्रेताओं और ग्राहकों का विवरण (31.03.2023 तक हटाई गई कंपनियां):

(₹ मिलियन में)

हटाई गई कंपनी का नाम	सीआईएन	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31.03.2023 तक बकाया शेष	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
31.03.2023 तक कोई कंपनी नहीं हटाई गई				

(iii) शेयरधारकों का विवरण (31.03.2024 तक हटाई गई कंपनियां):

हटाई गई कंपनी का नाम	सीआईएन	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31.03.2024 तक बकाया शेयर	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
वीजी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	U67120KA1999PTC025854	शेयर धारिता	40	शेयरधारक
द एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट कमर्शियल क्रोडिट एंड इंडस्ट्री	U014090R1970PTC000539	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
इनग्राम इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	U65993MH1997PTC106428	शेयर धारिता	3,000	शेयरधारक
जीएनके इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	U67120UP1990PTC012300	शेयर धारिता	6,000	शेयरधारक
कै2 फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	U65923TZ2007PTC013434	शेयर धारिता	10	शेयरधारक
सागर हेल्थ केयर एंड डायग्नोस्टिक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	U85110TG1988PTC008174	शेयर धारिता	2,500	शेयरधारक
हर्मेझन फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	U74140TZ2008PTC014181	शेयर धारिता	5	शेयरधारक
वैशाख शेयर्स लिमिटेड	U85110KA1994PLC015178	शेयर धारिता	5	शेयरधारक



हटाई गई कंपनी का नाम	सीआईएन	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31.03.2024 तक बकाया शेयर	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	U51909KA1984PLC005952	शेयर धारिता	1	शेयरधारक
लाइफ ट्यूबवेल्स प्राइवेट लिमिटेड	U45209MH1970PTC014641	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
एक्स सर्विसमैन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड	U64201AS1988PTC002857	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
बॉक्स एंड कार्टन प्राइवेट लिमिटेड	U20231UP1972PTC003636	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
ओवरलैंड इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड	U65993WB1980PLC032895	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
धीरज प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड	U70101WB1990PTC049775	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
मैग्नेट लीजिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड	U65910DL1983PLC016810	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
मोना ज्योति इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड	U65910GJ1972PTC002140	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
नरीमन पॉइंट बिल्डिंग सर्विसेज एंड ट्रेडिंग पी	U99999MH1970PTC014738	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
हार्डवेयर एंड मिल स्टोर्स लिमिटेड	U74899DL1984PTC018663	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
वीएमडी फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	U65993WB1983PTC035767	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
शशि फाइनेंस लिमिटेड	U45209WB1949PTC024424	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
पाटीदार इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	U65910GJ1994PTC022157	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
आरएनटी फाइनेंस लिमिटेड	U65993TG1992PLC015096	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
चहल इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड	U65940MH1990PTC058081	शेयर धारिता	400	शेयरधारक
डपकी एंड बायरी सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड	U67120GJ2001PTC039291	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
होम ट्रेड लिमिटेड	U67120PN1999PLC014018	शेयर धारिता	200	शेयरधारक

(iv) शेयरधारकों का विवरण (31.03.2024 तक हटाई गई कंपनियाँ):

हटाई गई कंपनी का नाम	सीआईएन	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31.03.2024 तक बकाया शेयर	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
लाइफ ट्यूबवेल्स प्राइवेट लिमिटेड	U45209MH1970PTC014641	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
एक्स सर्विसमैन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड	U64201AS1988PTC002857	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
बॉक्स एंड कार्टन प्राइवेट लिमिटेड	U20231UP1972PTC003636	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
ओवरलैंड इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड	U65993WB1980PLC032895	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
धीरज प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड	U70101WB1990PTC049775	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
मातृशी एक्सपोटर्स प्राइवेट लिमिटेड	U99999MH1991PTC064072	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
मैग्नेट लीजिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड	U65910DL1983PLC016810	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
मोना ज्योति इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड	U65910GJ1972PTC002140	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
नरीमन पॉइंट बिल्डिंग सर्विसेज एंड ट्रेडिंग पी	U99999MH1970PTC014738	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
हार्डवेयर एंड मिल स्टोर्स लिमिटेड	U74899DL1984PTC018663	शेयर धारिता	200	शेयरधारक

हटाई गई कंपनी का नाम	सीआईएन	हटाई गई कंपनी के साथ लेन-देन की प्रकृति	31.03.2024 तक बकाया शेयर	हटाई गई कंपनी के साथ संबंध
वीएमडी फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	U65993WB1983PTC035767	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
शशि फाइनेंस लिमिटेड	U45209WB1949PTC024424	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
पाटीदार इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	U65910GJ1994PTC022157	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
आरएनटी फाइनेंस लिमिटेड	U65993TG1992PLC015096	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
होम ट्रेड लिमिटेड	U67120PN1999PLC014018	शेयर धारिता	200	शेयरधारक
डापकी एंड बाविशी सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड	U67120GJ2001PTC039291	शेयर धारिता	100	शेयरधारक
यूनिकॉन फिनकैप प्राइवेट लिमिटेड	U74899DL1994PTC061342	शेयर धारिता	1,984	शेयरधारक
वैशाख शेयर्स लिमिटेड	U85110KA1994PLC015178	शेयर धारिता	5	शेयरधारक
कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	U51909KA1984PLC005952	शेयर धारिता	1	शेयरधारक
वीजी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	U67120KA1999PTC025854	शेयर धारिता	40	शेयरधारक
इनग्राम इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	U65993MH1997PTC106428	शेयर धारिता	3,000	शेयरधारक
जीएनके इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	U67120UP1990PTC012300	शेयर धारिता	6,000	शेयरधारक
कैट फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	U65923TZ2007PTC013434	शेयर धारिता	10	शेयरधारक
हर्मेझन फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	U74140TZ2008PTC014181	शेयर धारिता	5	शेयरधारक

## सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

हटाई गई कंपनी का नाम	लेनदेन की प्रकृति	शेष राशि		संबंध, यदि कोई हो
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	
<b>(i) एचपीसीएल के संबंध में</b>				
यूनिकॉन फिनकैप प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.20	0.10	कोई नहीं
नाकू तांती एस्पेडेस प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.00	0.00	कोई नहीं
गोयल्स कंस्ट्रक्शन इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.00	0.00	कोई नहीं
रेडहिल आयरन एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.00	0.00	कोई नहीं
फरिश्ता इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.10	0.10	कोई नहीं
एलिन एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	0.00	कोई नहीं
कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	देय	0.00	0.00	कोई नहीं
होम ट्रेड लिमिटेड	देय	0.10	0.10	कोई नहीं
देवी नाइन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.00	0.00	कोई नहीं
एयरबोर्न एयरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.00	0.00	कोई नहीं
फर्स्ट ऑफिस सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.00	0.00	कोई नहीं
डेसेंट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त	0.00	0.00	कोई नहीं
बर्न स्टैंडर्ड कंपनी लिमिटेड	देय	0.80	0.80	कोई नहीं
रेडिक्स पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	0.10	कोई नहीं



हटाई गई कंपनी का नाम	लेनदेन की प्रकृति	शेष राशि		संबंध, यदि कोई हो
		31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	
हिंदुस्तान ऑटो कंपोनेट्स प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	0.00	कोई नहीं
डब्लूएमएमपी टैक प्राइवेट लिमिटेड	देय	-	0.00	कोई नहीं
सिनोड बायोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.10	0.10	कोई नहीं
प्रगति एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्य	0.10	0.10	कोई नहीं
के जी एन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्य	0.00	0.00	कोई नहीं
इको ई वेस्ट रिसाइकलर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्य	0.00	0.00	कोई नहीं
कॉन्टिनेंटल अर्थमूर्कर्स प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.10	0.00	कोई नहीं
कॉन्टिनेंटल अर्थमूर्कर्स एच प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.00	-	कोई नहीं
परिश्रम बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड	देय	0.20	0.20	कोई नहीं
चंद्र प्रकाश सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड	देय	1.00	-	कोई नहीं
(ii) एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड के संबंध में				
श्री वैंकटेश्वर ग्लोबल ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्य	137.60	137.60	कोई नहीं

**70** सहायक कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, 31.03.2024 तक, प्रमोटरों, निदेशकों, केएमपी और संबंधित पक्षों को अलग-अलग या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से दिए गए ऋण की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम नहीं है, जो मांग पर चुकाने योग्य हो (या, कोई शर्तें या चुकौती की अवधि निर्दिष्ट किए बिना)। इसके अलावा, चालू वर्ष के दौरान, निगम ने एचआरआरएल के परियोजना व्यय को पूरा करने के लिए ₹30,000 मिलियन की राशि

के लिए ब्याज वहन करने वाले अधीनस्थ ऋण प्रदान करने के लिए एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) के साथ एक समझौता किया है (निगम द्वारा एचआरआरएल में वर्तमान में स्वीकृत सीमा से परे इकिवटी ढालने के लिए भारत सरकार की मंजूरी का इंतजार है)। इस दिशा में, 31.03.2024 तक, एचआरआरएल को ₹5,000 मिलियन का ऋण वितरित किया गया है, जो निगम को इकिवटी शेयरों की समतुल्य राशि जारी करके चुकाया जाएगा।

आगे का विवरण इस प्रकार है:

उधारकर्ता का प्रकार	राशि ₹ मिलियन में		कुल ऋण और अग्रिम का %	
	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक	31 मार्च, 2024 तक	31 मार्च, 2023 तक
संबंधित पार्टी	5,000.00	-	30.35%	-

**71** सहायक कंपनी एचपीसीएल और एमआरपीएल के संबंध में, वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए बैंकों/वित्तीय संस्थानों के साथ दाखिल चालू परिसंपत्तियों (मालसूची) के संबंध में चालू वित्तीय वर्ष की पहली 3 तिमाहियों के तिमाही रिटर्न/विवरण बहियों के अनुरूप हैं। चौथी तिमाही के लिए रिटर्न, जो मूल्य संवेदनशील जानकारी है, वार्षिक परिणामों की घोषणा के बाद दाखिल किया जाएगा।

**72** कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के डिवीजन II के सामान्य निर्देशों द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त विनियामक जानकारी/प्रकटीकरण समूह पर लागू सीमा तक प्रस्तुत किए जाते हैं।  
**73** बेहतर प्रकटीकरण, समझ और स्पष्टता के लिए कुछ महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के शब्दों में कुछ सुधार/परिवर्तन किए गए हैं। हालाँकि, ऐसे परिवर्तनों का वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

- 74** संयुक्त प्रचालन में कंपनी की परिसंपत्तियों के हिस्से के संबंध में ओबीएल के मामले में, संयुक्त प्रचालन समझौतों के अनुसार, वर्ष के दौरान सीपीओ5, ए1/ए3/श्वे ॲफशोर पाइपलाइन म्यांमार और ब्लॉक 06.1 वियतनाम की परिसंपत्तियों को छोड़कर सभी महत्वपूर्ण विदेशी संयुक्त प्रचालनों के लिए अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसकी राशि ₹1,025.17 मिलियन (डब्ल्यूडीवी) थी। पहचान की गई अधिकता/कमी का लेखा प्रभाव संबंधित ऑपरेटरों द्वारा प्रदान किए गए संयुक्त ब्याज बिलिंग विवरणों के माध्यम से दिया गया है।
- 75** संयुक्त प्रचालन में कंपनी की इन्वेंट्री के हिस्से के संबंध में ओबीएल के मामले में, संयुक्त प्रचालन समझौतों के अनुसार, वर्ष के दौरान श्वे ॲफशोर पाइपलाइन म्यांमार, ब्लॉक 5ए दक्षिण सूडान और ब्लॉक 06.1 वियतनाम की परिसंपत्तियों को छोड़कर सभी महत्वपूर्ण विदेशी संयुक्त परिचालनों के लिए मालसूची का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसकी राशि ₹261.41 मिलियन थी। पहचान की गई अधिकता/कमी का लेखा-जोखा प्रभाव संबंधित प्रचालकों द्वारा प्रदान किए गए संयुक्त ब्याज बिलिंग विवरणों के माध्यम से दिया गया है।
- 76** समूह के पास तीन वर्षों की अवधि में सभी मदों को कवर करने के लिए चरणबद्ध तरीके से मालसूची, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और पूंजी भंडार के भौतिक सत्यापन की एक प्रणाली है। समायोजन अंतर, यदि कोई हो, सुलह के पूरा होने पर किया जाता है।
- 77** समूह के पास व्युत्पन्न अनुबंधों सहित कोई भी दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था जिसके लिए कोई भौतिक पूर्वानुमानित घाटा था।
- 78** कंपनी, सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यम और सहयोगी कंपनियों के संबंध में आंकड़े समेकन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में प्रबंधन से प्राप्त विवरणों, संबंधित समूह कंपनियों के लेखापरीक्षित/गैर-लेखापरीक्षित खातों के आधार पर पुनर्समूहित/पुनर्व्यवस्थित किए गए हैं। इसके अलावा व्यापार और अन्य प्राप्तियों, व्यापार और अन्य देय और ऋण और अग्रिमों के कुछ शेष पुष्टि/सुलह के अधीन हैं। समायोजन, यदि कोई हो, की पुष्टि/सुलह के बाद उसका हिसाब लगाया जाएगा जिसका कोई भौतिक प्रभाव नहीं होगा।
- 79** पिछले वर्ष के आंकड़ों को, जहाँ भी आवश्यक हो, चालू वर्ष के समूहीकरण की पुष्टि करने के लिए पुनः समूहीकृत किया गया है।
- 80** भारतीय लेखांकन मानक 8 के अनुसार प्रकटीकरण – लेखांकन नीतियाँ, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियाँ और भारतीय लेखांकन मानक 1 'वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति'।
- 80.1** भारतीय लेखा मानक 8 'लेखा नीतियाँ, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियाँ' और भारतीय लेखा मानक 1 'वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति' के अनुसार, समूह ने 31 मार्च, 2023 और 1 अप्रैल, 2022 (पिछले वर्ष के प्रारंभ में) को अपनी तुलन पत्र और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण नीचे बताए गए कारणों से पूर्वव्यापी रूप से पुनः प्रस्तुत किया है:
- 80.1.1** कंपनी उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अपतटीय क्षेत्रों में कुछ विकास/विकसित क्षेत्रों में महासागर तल नोड (ओबीएन) भूकंपीय सर्वेक्षण कर रही है। 01 अप्रैल, 2018 से 31 दिसंबर, 2023 तक की अवधि के दौरान इस पर होने वाली लागत को संबंधित अवधि में राजस्व में शामिल किया गया। चूंकि ओबीएन सर्वेक्षण गतिविधि उत्पादन बढ़ाने और बेहतर जलाशय प्रबंधन के उद्देश्य से अपतटीय में विकास/विकसित क्षेत्रों में की जाती है, इसलिए व्यय अन्वेषण और मूल्यांकन की प्रकृति का नहीं है। तदनुसार, कंपनी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के दौरान आवश्यक सुधार किए हैं और इन लागतों को प्रगति में अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों के तहत पूंजीकृत किया है। सर्वेक्षण (एपीआई) गतिविधियों के समापन पर, जहाँ भी लागू हो, उक्त व्यय को अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्तियों में स्थानांतरित कर दिया गया है और उत्पादन पद्धति की इकाई के आधार पर समाप्त कर दिया गया है।
- महासागर तल नोड (ओबीएन) भूकंपीय सर्वेक्षण से संबंधित उपरोक्त समायोजन को भारतीय लेखांकन मानक 8 'लेखा नीतियाँ, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियों' की आवश्यकताओं के अनुसार पूर्वव्यापी रूप से हिसाब में लिया गया है।
- 80.1.2** सहायक कंपनी ओबीएल के संबंध में
- 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने अपने पिछले वर्ष के वित्तीय विवरणों में अधिग्रहण लागत के वर्गीकरण में प्रकटीकरण त्रुटि की पहचान की। अधिग्रहण लागत को "विकासाधीन अमूर्त संपत्ति" के बजाय "निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया था। चूंकि प्रस्तुत एक या अधिक पूर्व अवधियों के लिए तुलनात्मक जानकारी पर ऐसी त्रुटि



के अवधि-विशिष्ट प्रभावों को निर्धारित करना अव्यावहारिक है, इसलिए इकाई ने 01 अप्रैल, 2022 को आरंभिक शेष राशि को फिर से प्रस्तुत किया।

चूंकि कंपनी की नीति के अनुसार, अन्वेषण के तहत परियोजनाओं से संबंधित अधिग्रहण लागत को शुरू में विकासाधीन अमूर्त संपत्ति के रूप में माना जाता है और ऐसी लागतों को विकास चरण के प्रारंभ होने पर निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य – अधिग्रहण लागत में हस्तांतरित कर दिया जाता है या परित्याग/त्याग के मामले में अपलिखित दिया जाता है। पूँजीगत कार्य–प्रगति – अधिग्रहण लागत को तेल और गैस परिसंपत्तियों में हस्तांतरित करके

वित्तीय विवरण के अपुरुप मदों का समाधान, जिन्हें पूर्वव्यापी रूप से पुनः घोषित किया गया है, निम्नानुसार है:

#### 80.2 31 मार्च, 2023 और 01 अप्रैल, 2022 तक तुलन–पत्र की पुनः घोषित मदों का समाधान

(₹ भिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2023 तक			01 अप्रैल, 2022 तक		
	यथा पूर्व वर्णित	समायोजन	यथा पूर्व वर्णित	यथा पूर्व वर्णित	समायोजन	यथा पूर्व वर्णित
तेल और गैस परिसंपत्तियाँ – अमूर्त पूँजीगत कार्य निर्माणाधीन क) तेल और गैस सुविधाएं ख) अधिग्रहण लागत	- 353,018.22 -	2,808.54 (1,849.38) 222,032.43	2,808.54 351,168.84 222,032.43	- 322,607.70 -	- (1,799.79) 180,806.21	- 320,807.91 180,806.21
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति (क) अधिग्रहण लागत (ख) निर्माणाधीन अमूर्त तेल और गैस परिसंपत्ति	232,833.05 -	(220,183.05) 25,592.66	12,650.00 25,592.66	191,656.42 -	(179,006.42) 11,476.89	12,650.00 11,476.89
मालसूची	442,380.68	28.46	442,409.14	541,630.99	-	541,630.99
अन्य	5,117,055.31	6,366.46	5,123,421.77	4,798,007.77	-	4,798,007.77
<b>कुल परिसंपत्ति</b>	<b>6,145,287.26</b>	<b>34,796.12</b>	<b>6,180,083.38</b>	<b>5,853,902.88</b>	<b>11,476.89</b>	<b>5,865,379.77</b>
अन्य इकिवटी	2,743,571.57	21,276.96	2,764,848.53	2,532,127.71	8,588.39	2,540,716.10
आस्थगित कर देयताएँ (शुद्ध)	321,357.90	7,152.70	328,510.60	382,623.55	2,888.50	385,512.05
अन्य	3,080,357.79	6,366.46	3,086,724.25	2,939,151.62	-	2,939,151.62
<b>कुल अंश और देयताएँ</b>	<b>6,145,287.26</b>	<b>34,796.12</b>	<b>6,180,083.38</b>	<b>5,853,902.88</b>	<b>11,476.89</b>	<b>5,865,379.77</b>

80.3 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि विवरण की पुनः वर्णित मदों का समाधान:

(₹ मिलियन में)

विवरण	यथा पूर्व अभिलिखित	समायोजन	यथा पुनः वर्णित
तैयार माल, स्टॉक-इन-ट्रेड और निर्माणीन माल सूची में परिवर्तन	25,660.82	(509.03)	25,151.79
उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	3,266,890.09	480.59	3,267,370.68
सर्वेक्षण लागत	39,794.31	(17,168.29)	22,626.02
मूल्यव्यापास, निःशेषण, परिशोधन और हानि	245,570.55	243.97	245,814.52
कुल कर व्यय	102,731.47	4,264.20	106,995.67
वर्ष के लिए लाभ	327,776.05	12,688.56	340,464.61
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	356,488.89	12,688.56	369,177.45
प्रति शेयर आय			
मूल तथा तनुकृत (₹ में)	<b>28.17</b>	<b>1.01</b>	<b>29.18</b>

80.4 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह की पुनः वर्णित मदों का समाधान:

(₹ मिलियन में)

विवरण	यथा पूर्व अभिलिखित	समायोजन	यथा पुनः वर्णित
कर पश्चात शुद्ध लाभ	327,776.05	12,688.56	340,464.61
आयकर	102,731.47	4,264.20	106,995.67
मूल्यव्यापास, निःशेषण, परिशोधन और क्षति	245,570.55	243.97	245,814.52
अन्य परिसंपत्तियों में वृद्धि / (कमी)	25,810.74	3,896.00	29,706.74
मालसूची में वृद्धि / (कमी)	92,383.10	(28.46)	92,354.64
प्रदत्त प्रत्यक्ष कर (कर वापसी के बाद शुद्ध)	(152,987.35)	(2,556.60)	(155,543.95)
प्रचालन गतिविधियों से उत्पन्न शुद्ध नकदी	<b>842,113.34</b>	<b>18,507.67</b>	<b>860,621.01</b>
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान	(367,924.53)	(19,263.40)	(387,187.93)
प्राप्त पूंजी अनुदान	-	1,649.00	1,649.00
सावधि जमा में मोचन / (निवेश)	(244,791.97)	49.41	(244,742.56)
संयुक्त उद्यम और एसोसिएट्स में निवेश	(34,065.06)	(1,294.43)	(35,359.49)
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी	<b>(732,089.97)</b>	<b>(18,859.42)</b>	<b>(750,949.39)</b>
एनसीआई में परिवर्तन	(6,589.05)	401.17	(6,187.88)
वित्तीय गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी	<b>(129,163.46)</b>	<b>401.17</b>	<b>(128,762.29)</b>
नकद और नकद समतुल्य में शुद्ध वृद्धि / (कमी)	<b>(19,140.09)</b>	<b>49.42</b>	<b>(19,090.67)</b>
वर्ष के प्रारंभ में नकद और नकद समतुल्य	<b>27,293.18</b>	-	<b>27,293.18</b>
जोड़ें: विदेशी मुद्रा में रखे गए नकद और नकद समतुल्य शेष पर विनियम दर परिवर्तन का प्रभाव	4,100.26	(49.42)	4,050.84
वर्ष के अंत में नकद और नकद समतुल्य	<b>12,253.35</b>	-	<b>12,253.35</b>
कर पश्चात शुद्ध लाभ			

## 81. अनुसूची-III के अंतर्गत अतिरिक्त प्रकटीकरण

81.1 31 मार्च, 2024 तक समेकित वित्तीय विवरणों में अनुसूची-III के अंतर्गत अतिरिक्त प्रकटीकरण

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिसंपत्ति, यानी कुल परिसंपत्ति घटा कुल देशपार्टमेंट		लाभ या हानि में अंश		लाभ या हानि में अंश		कुल व्यापक आय में अंश	
			समेकित शुद्ध परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित लाभ या हानि के % के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के % के रूप में	राशि
क	मूल									
क.1	ओएनजीसी	भारत	58.61	2,139,893.88	53.04	302,845.57	99.43	180,225.51	64.22	483,071.08
<b>ख सहायक कंपनियाँ (समूह का हिस्सा)</b>										
<b>ख.1 भारतीय</b>										
ख.1.1	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)	भारत	2.93	107,064.39	1.10	6,303.83	(5.59)	(10,126.25)	(0.51)	(3,822.42)
ख.1.2	हिंदुस्तान एंट्रोप्रियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	भारत	7.01	255,393.25	26.39	150,675.81	4.15	7,522.23	21.03	158,198.04
ख.1.3	झालोर चिफाइनिंग एंड प्रोक्रेमिकल्स लिमिटेड (एफआरपीएल)	भारत	3.63	132,350.44	6.27	35,816.58	(0.03)	(50.25)	4.75	35,766.33
ख.1.4	प्रेटेनेट एप्सचर्बी लिमिटेड (पीएमचर्बीएल)	भारत	0.16	5,896.38	0.17	962.56	(0.00)	(4.75)	0.13	957.81
ख.1.5	प्राइज एंट्रोलियम कंपनी लिमिटेड	भारत	(0.18)	(6,748.90)	(0.10)	(580.20)	(0.06)	(105.70)	(0.09)	(685.90)
ख.1.6	एचपीसीएल बायोप्लस्ट लिमिटेड	भारत	0.11	4,151.80	(0.01)	(80.00)	(0.00)	(5.10)	(0.01)	(85.10)
ख.1.7	एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड (जिसे पहले एचपीसीएल शासून एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)	भारत	0.33	12,128.00	(0.02)	(103.50)	-	-	(0.01)	(103.50)
ख.1.8	ओएनजीसी विदेश रेम्या लिमिटेड, भारत	भारत	2.06	75,058.85	(4.53)	(25,885.02)	-	-	(3.44)	(25,885.02)
ख.1.9	ओवीएल ओवरसीज आईएफएससी लिमिटेड, गिप्ट सिटी	भारत	0.00	15.77	(0.00)	(4.25)	-	-	(0.00)	(4.25)
ख.1.10	ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड	भारत	(0.00)	(9.13)	(0.00)	(9.13)	-	-	(0.00)	(9.13)
ख.1.11	एचपीसीएल रिप्लॉबल एंड ग्रीन एनर्जी लिमिटेड	भारत	0.03	926.60	(0.00)	(23.40)	-	-	(0.00)	(23.40)
<b>ख.2 विदेशी</b>										
ख.2.1	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. (ओएनजीबीवी)	नीदरलैंड	2.12	77,239.48	0.90	5,141.04	-	-	0.68	5,141.04
ख.2.2	ओएनजीसी कंपेस लिमिटेड	ब्राजील	0.25	9,260.78	0.57	3,267.09	-	-	0.43	3,267.09
ख.2.3	ओएनजीसी नील गंगा (सैन क्रिस्टोबल) बी.वी.	नीदरलैंड	1.37	49,928.51	(0.02)	(104.77)	-	-	(0.01)	(104.77)
ख.2.4	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)	नाइजीरिया	(0.07)	(2,594.79)	(0.00)	(2.58)	-	-	(0.00)	(2.58)



(भित्तियन रूपए में)

क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिस्परणि, यानी कुल परिस्परणि घटा कुल देशाएँ		लाभ या हानि में हिस्सा		लाभ या हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
			समोकित शुद्ध परिस्परणि% के % के रूप में	राशि	समोकित लाभ या हानि% के रूप में	राशि	समोकित अन्य व्यापक आय% के रूप में	राशि	समोकित कुल व्यापक आय% के रूप में	राशि
ख.2.5	ओएनजीसी अमेरिकन अलकनंदा लिमिटेड (अपाएल)	बरमूडा	0.29	10,531.85	0.08	435.05	-	-	0.06	435.05
ख.2.6	इंडोशिल एनर्जी लिमिटेड	साइप्रस	0.30	10,843.24	(0.10)	(594.26)	-	-	(0.08)	(594.26)
ख.2.7	इंडोशिल एनर्जी लॉस्क लिमिटेड	साइप्रस	0.00	37.09	0.00	1.32	-	-	0.00	1.32
ख.2.8	इंडोशिल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.03	948.88	0.00	1.43	-	-	0.00	1.43
ख.2.9	इंडोशिल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड	साइप्रस	0.11	3,941.63	0.00	1.24	-	-	0.00	1.24
ख.2.10	विथानकास हॉलिंडमस लिमिटेड	साइप्रस	0.00	135.65	(0.00)	(5.43)	-	-	(0.00)	(5.43)
ख.2.11	रेलविलफ होलिंडमस लिमिटेड	साइप्रस	0.01	232.45	0.00	0.63	-	-	0.00	0.63
ख.2.12	इंडोशिल फ्रेंक सार्विसेज (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.00	4.60	0.00	1.23	-	-	0.00	1.23
ख.2.13	सेन एग्रियो इचेस्टमेंट्स लिमिटेड	साइप्रस	(0.00)	(26.92)	0.01	67.86	-	-	0.01	67.86
ख.2.14	एतरलसी सिबिट्सेप्ट	रूस	-	-	-	-	-	-	-	-
ख.2.15	एतरलसी अलायसेप्टेंज	रूस	0.01	208.20	0.03	165.27	-	-	0.02	165.27
ख.2.16	एतरलसी नॉर्ड इंडिस्ट्रियल	रूस	0.01	483.74	(0.05)	(308.29)	-	-	(0.04)	(308.29)
ख.2.17	एतरलसी रस इंडिस्ट्रियल युप	रूस	(0.00)	(74.32)	0.01	56.91	-	-	0.01	56.91
ख.2.18	एतरलसी इंडिस्ट्रियल फ्रेंक सार्विसेज	रूस	0.00	34.36	(0.04)	(229.47)	-	-	(0.03)	(229.47)
ख.2.19	कराबेबो वन एंजी	स्वीडन	0.13	4,873.18	(0.00)	(2.71)	-	-	(0.00)	(2.71)
ख.2.20	पेट्रो कारबोबो गगा बी.बी.	नीदरलैंड	0.26	9,372.32	(0.00)	(16.86)	-	-	(0.00)	(16.86)
ख.2.21	ओएनजीसी (बिटीसी) लिमिटेड	कोम्ब द्वीपसमूह	0.00	14.28	(0.01)	(50.11)	-	-	(0.01)	(50.11)
ख.2.22	व्यास रेतुमा एनर्जी मोजायिक लिमिटेड	मरिंगशस गणराज्य	3.32	121,268.37	(0.20)	(1,169.88)	-	-	(0.16)	(1,169.88)
ख.2.23	ओएनजीसी विदेश अटलाटिक इंक	यूएसए (टेक्सास)	0.00	113.84	0.00	6.77	-	-	0.00	6.77
ख.2.24	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड	सिंगापुर	0.00	91.19	(0.00)	(8.34)	-	-	(0.00)	(8.34)
ख.2.25	ओएनजीसी विदेश वानकोरेस्पेट प्राइवेट लिमिटेड	सिंगापुर	(1.96)	(71,642.46)	(0.81)	(4,640.35)	-	-	(0.62)	(4,640.35)
ख.2.26	इंडस ईस्ट बेडिंग्सन एक्स्प्लोरेशन लिमिटेड	इजराइल	-	-	(0.00)	(0.92)	-	-	(0.00)	(0.92)



क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिसंपत्ति, यानी कुल परिसंपत्ति घटा कुल देयताएं		लाभ या हानि में हिस्सा		लाभ या हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
			समेकित शुद्ध परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित लाभ या हानि के % के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के % के रूप में	राशि
ख.2.27	एचपीएल मिडिल इंस्ट एफजेडसीओ	राष्ट्रकूट अख अमीरात (ब्रिब्ड)	0.00	48.30	0.00	3.40	0.00	0.70	0.00	4.10
ग	सभी सहायक कंपनियों में गैर-नियंत्रणकारी हित	7.67	280,203.20	13.80	78,794.65	1.92	3,480.53	10.94	82,275.18	
घ	एसोसिएट्स (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)									
<b>घ.1 भारतीय</b>										
घ.1.1	पठन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	भारत	0.12	4,236.19	(0.03)	(186.33)	-	-	(0.02)	(186.33)
घ.1.2	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	भारत	0.60	21,761.40	0.47	2,689.31	(0.00)	(8.61)	0.36	2,680.70
घ.1.3	रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड (आरएचएल)	भारत	0.01	248.09	(0.00)	(20.86)	-	-	(0.00)	(20.86)
घ.1.4	जीएसपीएल इडिया गेसनेट लिमिटेड	भारत	0.06	2,138.80	(0.03)	(153.20)	(0.00)	(0.60)	(0.02)	(153.80)
घ.1.5	जीएसपीएल इडिया ट्रांसको लिमिटेड	भारत	0.01	356.10	(0.00)	(16.70)	(0.00)	(0.20)	(0.00)	(16.90)
<b>घ.2 विदेशी</b>										
घ.2.1	पेट्रो कारबोवो एस.ए.	वेनेझुएला	0.15	5,468.39	0.37	2,128.94	-	-	0.28	2,128.94
घ.2.2	कारबोवो इंजेनियरिंग वार्ड कॉन्सल्टिंगिओनेस, एस.ए.	वेनेझुएला	0.00	0.35	-	-	-	-	-	-
घ.2.3	साउथ-ईस्ट एशिया गेस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	हांगकांग	0.18	6,601.47	0.20	1,138.72	-	-	0.15	1,138.72
घ.2.4	तांबा बी.वी.	नीदरलैंड	0.00	20.59	(0.00)	(9.03)	-	-	(0.00)	(9.03)
घ.2.5	जेएससी वैकोनेफट	कूस	2.32	84,636.12	1.25	7,157.16	-	-	0.95	7,157.16
घ.2.6	पेट्रोलेटा इंडोनेजेलाना एस.ए.	वेनेझुएला	0.50	18,309.00	2.04	11,633.30	-	-	1.55	11,633.30
घ.2.7	फालकन ऑपल एंड गेस बी.वी.	नीदरलैंड	0.63	22,832.54	0.38	2,193.73	-	-	0.29	2,193.73
घ.2.8	मोजेज एलएनजी होलिंग कंपनी लिमिटेड	युएई अबू धाबी	0.19	7,018.06	(0.03)	(198.49)	-	-	(0.03)	(198.49)
घ.2.9	भारत एनर्जी ऑफिस, एलएलसी	कूस	0.00	3.81	(0.00)	(2.25)	-	-	(0.00)	(2.25)
<b>घ. संयुक्त उद्यम (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)</b>										
<b>छ.1 भारतीय</b>										
छ.1.1	इंद्रधनुष गेस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	भारत	0.06	2,262.46	0.00	0.56	-	-	0.00	0.56
छ.1.2	संगोर एसईजेल लिमिटेड (एसएसईजेल)	भारत	0.00	22.07	0.00	23.33	0.00	0.44	0.00	23.77
छ.1.3	ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड (आईपीएल)	भारत	0.57	20,779.27	(3.03)	(17,298.74)	0.00	2.00	(2.30)	(17,296.74)

क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिस्परणि, यानी कुल परिस्परणि घटा कुल देशाएँ		लाभ या हानि में हिस्सा		लाभ या हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
			समोकित शुद्ध परिस्परणि% के % के रूप में	राशि	समोकित लाभ या हानि% के रूप में	राशि	समोकित अन्य व्यापक आय% के रूप में	राशि	समोकित कुल व्यापक आय% के रूप में	राशि
ड.1.4	ओएनजीसी विपुल पावर कंपनी लिमिटेड (अंटीपोर्टी)	भारत	0.21	7,809.55	(0.02)	(102.18)	0.00	0.30	(0.01)	(101.88)
ड.1.5	ओएनजीसी ट्रेसी बायोटेक लिमिटेड (अंटीविएल)	भारत	0.02	554.09	0.01	74.86	(0.00)	(0.10)	0.01	74.76
ड.1.6	देवेज एसईजेड लिमिटेड (ईएसईजेड)	भारत	0.05	1,718.20	0.04	221.90	-	-	0.03	221.90
ड.1.7	हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.08	2,922.80	0.11	649.30	(0.00)	(0.50)	0.09	648.80
ड.1.8	एचपीओआईएल गेस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.03	1,027.20	0.01	48.40	-	-	0.01	48.40
ड.1.9	एवारीएल राजस्थान सिफारिसी लिमिटेड	भारत	2.82	102,956.60	(0.04)	(252.50)	-	-	(0.03)	(252.50)
ड.1.10	साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.03	934.90	0.05	271.90	0.00	1.50	0.04	273.40
ड.1.11	एचपीओएल – सितारल एनजी लिमिटेड	भारत	2.16	78,839.40	1.58	9,031.90	0.18	329.30	1.24	9,361.20
ड.1.12	गोदावरी गेस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.01	240.90	(0.00)	(15.70)	-	-	(0.00)	(15.70)
ड.1.13	पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड	भारत	0.00	4.40	-	-	-	-	-	-
ड.1.14	मुर्हुई एविएशन प्लूल फर्म फैसिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.03	1,075.30	0.03	158.50	-	-	0.02	158.50
ड.1.15	आवरिका गेस लिमिटेड	भारत	0.06	2,300.00	0.07	379.10	(0.00)	(0.80)	0.05	378.30
ड.1.16	आयनार गेस लिमिटेड	भारत	0.06	2,143.60	0.03	185.60	-	-	0.02	185.60
ड.1.17	रत्नागिरि सिफारिसी एड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड	भारत	0.01	267.50	(0.00)	(12.30)	-	-	(0.00)	(12.30)
ड.1.18	आईएचबी लिमिटेड	भारत	0.21	7,906.80	(0.00)	(20.30)	-	-	(0.00)	(20.30)
ड.1.19	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (ईस्टपारस्पाल) (एमआरपीएल के माध्यम से)	भारत	0.01	474.72	0.03	154.02	0.00	0.35	0.02	154.37
ड.2	विदेशी									
ड.2.1	हिमालय एनजी (स्पीरिया) वी.वी.	नीदरलैंड	0.01	193.14	(0.00)	(6.97)	-	-	(0.00)	(6.97)
ड.2.2	मानसरोवर एनजी कोलविया लिमिटेड	बरम्बू	0.30	11,043.68	0.08	434.67	-	-	0.06	434.67
	कुल		100.00	3,650,905.47	100.00	571,008.43	100.00	181,260.00	100.00	752,268.43

### 81.2 31 मार्च, 2023 तक समेकित वित्तीय विवरणों में अनुसूची-III के अंतर्गत अतिरिक्त प्रकटीकरण

(मिलियन रुपए में)

क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिसंपत्ति, यानी कुल परिसंपत्ति घटा कुल देयताएं	लाभ या हानि में हिस्सा	लाभ या हानि में हिस्सा	कुल व्यापक आय में हिस्सा	
			समेकित शुद्ध परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के % के रूप में
क	मूल						
क.1	ओएनजीसी	भारत	57.98	1,759,120.56	120.35	409,756.68	(13.20)
	सहायक कंपनियाँ (समूह का हिस्सा)					(3.79.150)	109.96
ख	भारतीय						405,965.19
ख.1	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओएनएल)	भारत	4.05	122,872.91	(0.81)	(2,769.10)	129.10
ख.1.2	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	भारत	4.98	151,043.19	(26.48)	(90,170.48)	(4.96)
ख.1.3	मैटालोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)	भारत	3.24	98,189.94	7.69	26,177.96	(0.04)
ख.1.4	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल)	भारत	0.19	5,835.71	0.25	847.17	(0.00)
ख.1.5	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड	भारत	(0.20)	(6,063.00)	(0.68)	(2,304.00)	(1.37)
ख.1.6	एचपीसीएल बायप्रॉप्ल्स लिमिटेड	भारत	0.13	3,934.90	(0.12)	(414.10)	0.00
ख.1.7	एचपीसीएल एलएनजी लिमिटेड (ईपीसीएल शापर्टरी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)	भारत	0.40	12,231.50	(0.02)	(74.80)	0.00
ख.1.8	ओएनजीसी विदेश रेखा लिमिटेड	भारत	2.69	81,521.07	7.18	24,450.86	-
ख.2	विदेशी						6.62
ख.2.1	ओएनजीसी नील गंगा बी.सी. (एनजीबीवी)	नीदरलैंड	2.47	75,055.89	(0.26)	(883.04)	-
ख.2.2	ओएनजीसी कैम्पस लिमिटेड	ब्राजील	0.39	11,729.62	1.31	4,464.64	-
ख.2.3	ओएनजीसी नील गंगा (सैन क्रिस्टोबाल) बी.वी.	नीदरलैंड	1.29	39,109.33	(0.02)	(84.99)	-
ख.2.4	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)	नाइजीरिया	(0.08)	(2,554.56)	(0.00)	(0.40)	-
ख.2.5	ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएल)	बरम्डा	0.34	10,311.24	0.43	1,479.59	-
ख.2.6	इंडोसिल एनर्जी लिमिटेड	साइप्रस	0.42	12,737.88	(0.00)	(8.15)	-
ख.2.7	इंडोसिल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड	साइप्रस	0.00	43.65	0.00	1.48	-

क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिसंपत्ति, यानी कुल परिसंपत्ति घटा कुल देशादर्श		लाभ या हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा		
			समेकित शुद्ध परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित लाभ या हानि के % के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि	
ख.2.8	इंडोचिन एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.04	1,114.99	0.00	1.37	-	0.00	1.37
ख.2.9	इंडोचिन एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड	साइप्रस	0.15	4,631.36	0.00	1.48	-	0.00	1.48
ख.2.10	विद्यानकम होलिडेस लिमिटेड	साइप्रस	0.01	159.08	(0.06)	(207.97)	-	(0.06)	(207.97)
ख.2.11	रेलविलफ होलिडेस लिमिटेड	साइप्रस	0.01	273.15	0.00	1.49	-	0.00	1.49
ख.2.12	इंडोचिन फ्रैंक सर्विसेज (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.00	5.48	0.00	1.10	-	0.00	1.10
ख.2.13	सेन एंजियो इन्होस्मैट्स लिमिटेड	साइप्रस	(0.00)	(27.91)	0.02	66.83	-	0.02	66.83
ख.2.14	एतललसी सिबिटरेपेट	कर्स	(0.00)	(124.26)	(0.01)	(48.30)	-	(0.01)	(48.30)
ख.2.15	एतललसी एलायसेप्टोजाज	कर्स	0.01	307.98	0.56	1,915.16	-	0.52	1,915.16
ख.2.16	एतललसी नॉर्ड इंडीसिल	कर्स	0.02	666.76	0.04	124.02	-	0.03	124.02
ख.2.17	एतललसी रस इंधनियल थ्रुप	कर्स	(0.00)	(84.02)	0.02	65.74	-	0.02	65.74
ख.2.18	एतललसी इंधनियल फ्रैंक सर्विसेज	कर्स	0.00	34.50	(0.09)	(307.66)	-	(0.08)	(307.66)
ख.2.19	कराबोवो कन ईबी	स्वीडन	0.16	4,805.12	(0.27)	(933.78)	-	(0.25)	(933.78)
ख.2.20	पेट्रो कारबोवो गंगा बी.वी.	नीदरलैंड	0.18	5,435.83	(0.00)	(4.80)	-	(0.00)	(4.80)
ख.2.21	ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड	कैम्बिया	0.00	63.79	0.03	105.22	-	0.03	105.22
ख.2.22	च्यास रेक्युआ एनर्जी मोजाइकिक लिमिटेड	मरिशस	3.68	111,598.61	(0.23)	(791.47)	-	(0.21)	(791.47)
ख.2.23	ओएनजीसी विदेश अटलाटिक इंक	यूएसए (टेक्सास)	0.00	105.47	0.00	6.63	-	0.00	6.63
ख.2.24	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड	सिंगापुर	0.00	98.14	(0.00)	(5.73)	-	(0.00)	(5.73)
ख.2.25	ओएनजीसी विदेश वानकोस्टेप्राइवेट लिमिटेड	सिंगापुर	(2.42)	(73,382.55)	(1.25)	(4,242.37)	-	(1.15)	(4,242.37)
ख.2.26	इरक्स ईस्ट भैंडेलेनियन एक्सलॉरेशन लिमिटेड	इजराइल	0.00	0.91	(0.00)	(0.06)	-	(0.00)	(0.06)
ख.2.27	एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफोजेडीओ अमोरात (द्वारा)	स्थानुक अरब	0.00	44.20	-	-	0.01	3.40	0.00

(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिसंपत्ति, यानी कुल परिसंपत्ति घटा कुल देशाभाव		लाभ या हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
			समेकित शुद्ध परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित लाभ या हानि के % के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि
ग	सभी सहायक कंपनियों में गैर-नियंत्रणकारी हित	6.79	206,077.39	(7.82)	(26,628.73)	(4.93)	(1,416.56)	(7.60)
घ	एमोसिपट्स (इविचटी पद्धति के अनुसार निवेश)							(28,045.29)
घ.1	भारतीय							
घ.1.1	पद्मन हास लिमिटेड (भिंगचाल)	भारत	0.14	4,251.50	(0.10)	(330.11)	-	(0.09)
घ.1.2	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (भिंगचाल)	भारत	0.63	19,080.70	0.59	2,001.04	(0.02)	(5.45)
घ.1.3	रोहिणी हेलीपोर्ट लिमिटेड (आगराचाल)	भारत	-	-	-	-	-	-
घ.1.4	जीएसपीएल इडिया गैससेंट लिमिटेड	भारत	0.06	1,941.50	(0.05)	(174.20)	(0.00)	(1.20)
घ.1.5	जीएसपीएल इडिया ट्रांसको लिमिटेड	भारत	0.01	373.00	(0.00)	(13.00)	(0.00)	(0.10)
घ.2	विदेशी							
घ.2.1	पेट्रो कारबोरो एस.ए.	बेनेफुला	0.11	3,276.70	(0.12)	(401.28)	-	(0.11)
घ.2.2	कारबोरो इंजीनियरिंग वार्ड कॉन्स्ट्रक्शन्स, एस.ए.	केनेफुला	0.00	0.34	-	-	-	-
घ.2.3	साताथ-ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	हांगकांग	0.22	6,774.65	0.36	1,225.56	-	-
घ.2.4	तांबा बी.बी.	नीदरलैंड	0.00	140.16	(0.00)	(1.17)	-	(0.00)
घ.2.5	जोएससी वैकोरनेपट	फ्रान्स	3.42	103,774.86	1.11	3,777.08	-	0.33
घ.2.6	पेट्रोलेय इलेवेजोलाना एस.ए.	केनेफुला	0.28	8,370.10	(3.93)	(13,383.30)	-	(1.17)
घ.2.7	फालकन ऑपल एंड गैस बी.बी.	नीदरलैंड	0.72	21,836.08	0.70	2,375.93	-	3,777.08
घ.2.8	मोरेज एलएनजी। होलिंग कंपनी लिमिटेड	यूरोप अब्दुल्लाही	0.17	5,129.25	(0.12)	(422.93)	-	(3.63)
घ.2.9	भारत एनर्जी अँफिस, एलएलसी	फ्रान्स	0.00	7.12	(0.00)	(2.18)	-	(13,383.30)
ड	संयुक्त उद्यम (इविचटी पद्धति के अनुसार निवेश)							(2.18)
ड.1	भारतीय							
ड.1.1	इंदूधन गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)	भारत	0.07	1,975.47	0.00	14.69	-	0.00
ड.1.2	मानोर एसईजेड लिमिटेड (एमएसईजेड)	भारत	-	-	0.01	19.24	0.00	14.69
							0.14	0.01
								19.38



(₹ मिलियन में)

क्र. सं.	समूह में कंपनी का नाम	निगमन का देश	शुद्ध परिसंपत्ति, यानी कुल घटना कुल देयताएँ		लाभ या हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
			समेकित शुद्ध परिसंपत्तियों के % के रूप में	राशि	समेकित लाभ या हानि के % के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % के रूप में	राशि
ड.1.3	ओएनजीसी पेट्रो प्रिंचन लिमिटेड (अमेरिका)	भारत	1.31	39,688.75	(5.84)	(19,882.07)	0.02	5.37
ड.1.4	ओएनजीसी नियुरा पावर कंपनी लिमिटेड (अंतर्राष्ट्रीय)	भारत	0.26	7,893.87	0.19	637.91	0.00	0.13
ड.1.5	ओएनजीसी टेशी बायोटेक लिमिटेड (अंतर्राष्ट्रीय)	भारत	0.02	479.33	0.02	83.46	(0.00)	(0.24)
ड.1.6	देवेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)	भारत	0.05	1,512.03	0.06	190.33	-	-
ड.1.7	हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.08	2,510.30	0.23	776.70	0.00	0.20
ड.1.8	एचपीओआईएल गेस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.02	743.80	0.01	33.20	-	-
ड.1.9	एचपीसीएल राजस्थान फिफाइन्स लिमिटेड	भारत	2.28	69,169.10	(0.65)	(2,216.80)	-	-
ड.1.10	साउथ एचिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.04	1,161.50	0.12	403.50	0.00	0.60
ड.1.11	एचपीसीएल – मितल एनर्जी लिमिटेड	भारत	2.39	72,478.50	7.05	23,999.70	(4.61)	(1,322.90)
ड.1.12	गोदावरी गेस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.01	225.60	(0.00)	(9.90)	-	-
ड.1.13	पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड	भारत	0.00	4.40	-	-	-	-
ड.1.14	फूर्ह एविएशन फ्लूल फार्म कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.03	1,022.60	0.02	80.00	0.00	0.10
ड.1.15	आवंतिका गेस लिमिटेड	भारत	0.06	1,946.80	0.09	294.60	0.00	0.20
ड.1.16	भारथनगर गेस लिमिटेड	भारत	0.06	1,958.00	0.01	17.20	(0.00)	(0.40)
ड.1.17	रसायनिक फिफाइन्स एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड	भारत	0.01	279.70	(0.01)	(17.30)	-	-
ड.1.18	आईएचबी लिमिटेड	भारत	0.25	7,827.10	(0.00)	(12.50)	-	-
ड.1.19	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्लूल एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसएएसएल)(एमआरपीएल के माध्यम से)		0.02	455.35	0.11	376.11	(0.01)	(1.60)
ड.2	विदेशी							0.10
ड.2.1	हिमालय एनर्जी (सीसीए) बी.टी.	नीदरलैंड	0.01	198.90	(0.00)	(5.38)	-	(0.00)
ड.2.2	मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	बर्मडा	0.35	10,616.40	0.42	1,442.99	-	0.39
	कुल		100.00	3,033,927.31	100.00	340,464.61	100.00	28,712.84
								369,177.45



## 82. वित्तीय विवरणों का अनुमोदन

समेकित वित्तीय विवरणों को निदेशक मंडल द्वारा 20 मई, 2024 को अनुमोदित किया गया।

### कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता/- (रजनी कान्त) कंपनी सचिव	हस्ता/- (के सी रमेश) मुख्य वित्तीय अधिकारी	हस्ता/- (मनीष पाठील) निदेशक (मानव संसाधन) (डीआइएन: 10139350)	हस्ता/- (अरुण कुमार सिंह) अध्यक्ष एवं सीईओ (डीआइएन: 06646894)
---------------------------------------	--	---	--

हमारी संलग्न सम दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे गुप्ता एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 314010E/E300029

कृते मनुभाई एंड शाह एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 106041W/W100136

कृते वी शंकर अर्यर एंड कंपनी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 109208W

हस्ता/-

(सीए नैन्ती गुप्ता)

भागीदार (सदस्यता स: 067953)

हस्ता/-

(सीए के.बी. सोलंकी)

भागीदार (सदस्यता स: 110299)

हस्ता/-

(सीए जी शंकर)

भागीदार (सदस्यता स: 046050)

कृते लक्ष्मी तृप्ति एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 009189C

कृते तलाती एंड तलाती एलएलपी

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या 110758W/W100377

हस्ता/-

(सीए (डॉ.) विषेक मेहता)

भागीदार (सदस्यता स: 415118)

हस्ता/-

(सीए अमित शाह)

भागीदार (सदस्यता स: 122131)

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 20 मई, 2024











ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड

सीआईएन : L74899DL1993GOI054155

प्लॉट सं. 5ए–5बी, नेल्सन मंडेला मार्ग,

वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070

दूरभाष: 011-26754073 फैक्स: 011-26129081

[www.ongcindia.com](http://www.ongcindia.com) | [secretariat@ongc.co.in](mailto:secretariat@ongc.co.in)